॥ श्री ॥

अखिल भारतवर्षोपयोगी--वेधोपपत्तिसह

सम्वत् १९९५ शके १८६०

का

भारत विजय पञ्चांग

अर्थात्

इण्डियन-अल्मनाक

INDIAN ALMANAC

[Astronomical Ephemeris]

सम्पादक—

ज्योतिषाचार्य वि. भू. पं. दीनानाथ शास्त्री चुलैट.

अध्यक्ष पंचांग संशोधन कमेटी, इन्दौर.

समस्त संसार में भारतीय-वैदिक शुद्ध नाक्षत्र पद्धति की आवश्यकता को अनेकानेक प्रमाणों से सिद्ध करनेवाला

अखिल भारतवर्षोपयोगी—वेधोपपत्तिसह

सम्वत् १९९५ शके १८६०

का

भारतविजय पंचांग

अर्थात्

इण्डियन—अलमनाक

INDIAN-ALMANAC.

(ASTRONOMICAL EPHEMERIS.)

इन्दोर वैदिक वेधशाळा और पंचांग संशोधन कमेटी का

(Standard-Edition)

प्रकाशक—

श्रीमंत होल्कर सरकार की परम उदारता और आज्ञा

मुद्रक—

दि. रा. एकतारे, बी. ए.—सहकारी मुद्रणालय इंदूर.

सम्पादक—

ज्योतिषाचार्य वि. भू. पं. दीनानाथ शास्त्री चुलैट

अध्यक्ष पंचांग संशोधन कमेटी इंदौर

[मूल्य २ रुपये ८ आना]

संवत् १९९५ भारत विजय पंचांग (इण्डियन अल्मनाक)

विषय सूची

॥ श्री. ॥

भूमिका

पंचांग का पूर्वरूप और वैदिक ज्योतिष

सविता प्रार्पयतु श्रेष्ठतमाय कर्मणे। (यजु. १।१)

१ भारतवर्ष यही एक ऐसा देश है जिसने समस्त अन्यान्य देशों को मानव धर्मशास्त्र और कई प्रकार की ज्ञान विज्ञान की शिक्षा दी और पर्याय से समझाई है*। हमारे देश के वेद जोकि संसार में आदि ग्रंथ माने जाते हैं, भारतीय तो उसके एक एक अक्षर को ईश्वर के वाक्य तुल्य शिरोधार्य करते हैं। और आज भी यूरप, जर्मनी, एशिया, अमेरीका आदि देशों के तत्वज्ञपंडित वेद के महत्व की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हैं। यह एक गौरव की बात है। हमारे यहां की शिल्पकारी, संस्कृत वाङ्मय और दार्शनिक तत्वज्ञान तथा वेदवर्णित खगोल विज्ञान ऐसे ही कल्पसूत्र ग्रंथोक्त भूगोल, खगोल संबंधी आदि ज्ञानोपदेश की पद्धति आज भी पाश्चिमात्य विद्वानों में जो तत्वशोधन कार्य के पीछे पडे हैं उन्हें हैरान कर रही है।

२ ऊपर दिखाए गए अंगों में खगोल विषय वाला ज्योतिःशास्त्र विभाग स्वतंत्र ऐसा विशेष महत्व को धारण किये हुए है। आकाश में चमकने वाले तारागण उनके नक्षत्रपुंज, राशिपुंज, देवतापुंज, आकाशगंगा, शौरी (हर्क्युलिस), देवयानी (इंड्रोमिडा), भरत (ओरायन) निकट के तारों के जत्थे (नेबुला नीहारिका) कि जिसके प्रकाश को यहांतक आने में ९ लाख वर्ष लगते हैं। इत्यादिकों के नाम, प्रांतविभाग, रंग, प्रति (प्रकाश वर्ग), आकृति, रचनाप्रकार वेद में किस तरह विशद रूप से वर्णित है। इनमें ज्योति को कौन पूर रहा है। इनके नभमंडल में ग्रहों का संचार होने से आकर्षण और प्रकाशशास्त्र द्वारा इनका परिणाम पृथ्वी के मनुष्य, वनस्पति, प्रकृति आदि पर किस तरह होता है। इसका उत्तर ज्योतिःशास्त्र ही दे सकता है। इसमें का बहुतसा भाग वेद में वर्णित है। वह ऋषियों के अध्यात्म बल पर कहा होने से युग कल्पमानादि के परिमाण, वसंतसंपात का आगे की ओर बढने से पीछे की ओर हटना, परमक्रांति की चक्रगति आदि अत्यंत दीर्घ कालीन बातें आज वेद से ही उपलब्ध हो सकती हैं। इस तरह का दृष्टिपात भारतीय विद्वानों में से कै० लोकमान्य तिलक, ज्यो. वि. अविनाशचंद्र दास, शंकर बालकृष्ण दीक्षित आदि; पाश्चात्य विद्वानों में से जर्मन पंडित भट्ट म्याक्समुल्लर, प्रो. याकोबी एवं वर्तमान में खगोल वेत्ता पं. आइन्स्टाइन आदि का हुआ है। और इन्होंने जो ग्रंथ प्रकाशित किये हैं वह उल्लेखनीय एवं अत्यंत उपादेय हैं।

३ यह देखा गया है कि भूगोल के सवाल का जवाब किसी भी विद्यार्थी को देने में सुगम और सरलता की हद को जैसे संशोधकों ने पार करी है वैसे उसके मुकाबले में खगोल का ज्ञान सर्वथैव अपेक्षित होते हुए भी इसके ऊपर ध्यान नहीं पुराया गया है। न किसी तत्वज्ञानी ने कसकर महिनत ही इसके प्रचार में की है।

४ इससे बडे ही कष्ट के साथ कहना पडता है कि यह खगोल ज्योतिर्विज्ञान का विषय जो कि वैदिक काल में मंत्रद्रष्टा अतीन्द्रियज्ञानवाले महर्षियों के नेत्रसन्मुख हस्तामलकवत् नृत्य कर रहा था जिसके बल पर आधे से ज्यादा चारों वेदों का भाग रचा हुआ आज भी हमें उपलब्ध हो रहा है। वह वेदार्थ एवं खगोल ज्योतिर्विज्ञान हमारे प्रमाद-आलस्य और उपेक्षा के कारण नहीं के समान हो बैठा है। भारतवर्ष में आज कोई भी विद्वान् आकाश की तरफ आंख उठाकर देखने की तनिक भी परवाह नहीं करता है। आज वेदों का अस्तित्व धार्मिक भाव से संबंधित होने से हजारों लाखों वर्ष होने पर भी ज्यों का त्यों बना हुआ है। इससे वेदप्रणीत विज्ञान को भूल बैठे। जिस यज्ञ संस्था से वैज्ञानिक प्रयोगों के तरह विभिन्न कालों का निश्चय किया जाता था तदनुसार

---

* एतद्देश प्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः॥ स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः ॥मनु २-२०॥

ज्योतिःशास्त्र के आधार पर यज्ञ किये जाते थे[1] यह यज्ञ और विज्ञान का संबंध विच्छेद हो बैठा। अयनानुकूल यवतिलादि हवनीय द्रव्य, नक्षत्र देवता, और दान देने की वस्तु यह सब वैदिक यज्ञ में प्रत्यक्ष विज्ञापनकारी होती थीं[2]! ऐसे ही दर्श पौर्णमास, गवामयन, एवं सोमयाग की धिष्ण्य रचनायुक्त यज्ञशाला, एक प्रकार की प्राचीन वेधशाला होती थी। यह सब आज केवल धर्म की ओट में जाने से वेदार्थ की शालाओं का धर्मशाला रूप समझा जाने लगा है। तथापि इस ज्ञान युग में अब फिर से विद्वान लोग वेद की विज्ञानताके ऊपर ध्यान देने लगे हैं यह संसार में ज्ञानक्रांतिकारी बडी उपयुक्त बात है।

" प्रत्यक्षाहिश्रुतयः श्रौतेषु, स्मार्तेषु च पुनः कर्तृसामान्यादनुमेयाः श्रुतयः " (पारस्कर गृह्यसूत्र १।१)
यज्ञे. द्रव्यं देवतात्यागः (का. श्रौ. तथा षड्विंश ब्रा. २-४ पृ. १४)

इन ग्रंथों में खगोलिक स्थितिका अनुकरण यज्ञप्रयोग में करने से कई सिद्धांतों का निश्चय यज्ञद्वारा होता था **" एकाचमेतिस्रश्चमे० "** शुक्लयजुर्वेद (वाजस संहिता १८।२४) मंत्र से वर्ग, वर्गमूल (एकोत्री) का फाडा चार मिनिट में तैयार होता है। इसी तरह **" एकयाच दशभिश्च "** शुक्ल- यजुर्वेद (वाजस संहिता २७।३३) द्वारा जहां लाग्रथम का टेबल काम न दे सकता हो उतनी लंबी अंक संख्या का फाडा ४ मिनिट में तयार होता है। जिससे गुणाकार भागाकार बहुतही शीघ्रतासे होता **है.** इत्यादि का अर्थ समझाने के लिये हाजिर हैं.

सुपर्णचिति (२८ हजार वर्ष पुराना वैदिक पंचांग का एक चित्र)

जिस समय अंकलेखन कला का आविष्कार नहीं हुआ था उस समय कालज्ञान के लिये इष्टिकाकृति की चिति नामक बडी ऊंची इमारत द्वारा पंचांग बनाये जाते थे उनके प्रकारांतरों से (१) द्रोणचित् (२) रथचक्रचित् (३) कंकचित् (४) प्रउगचित् (५) उभयतः प्रउग (६) समुह्यपुरीषचित् (७) श्येनचित् नाम प्रसिद्ध हैं। इजिप्त देश के अति उँचाई के पिरामीड द्रोणचित् व कंकचित् के आकृति के हैं। पांच इष्टिका की श्येनचित् बनती है। इसके सिवा दोनों तर्फ १५ इष्टिका की दो पंखवाली और शिरपुच्छ की ६ इष्टिका युत २१ इष्टिका लंबी सुपर्णचित् होती है। हमारे युगपरिवर्तन पुस्तक के (पृष्ठ २७-६८) वैदिक पंचांग शीर्षक में सुपर्ण चितिका रचना प्रकार और पंचांग के तुल्य उपयोग बतलाया गया है। अतः इस पंचांग में एक इस का चित्र दे दिया है। इस के द्वारा दो तीन लाख वर्ष तक के तिथि नक्षत्र अयन दिनमान अधिक मास आदि भी आज हमें (लिखित देवता नामों के नक्षत्रोपर से) मालूम हो सकते हैं। और इसमें जो इष्टिका क्रम रखा है उसपर से यह वेदांग-ज्योतिष कालीन यानी माघ शुद्ध १ के निकटमें धनिष्ठा नक्षत्रपर बसंत संपात की स्थिति थी यानी शकपूर्व २२ हजार वर्ष के निकट की निश्चित होती है। तब से भारत वर्ष में लिखित पंचांग का प्रचार रूढ होने से धीरे धीरे जूनी चितियां नष्ट होगईं। किंतु इजिप्त मे लिखित जंत्री अभी खिष्टारंभ से शुरू होने से उसके पूर्वकालीन चिति जिसे पिरामीड कहते हैं। उनके एक दो दृश्य आज भी उपलब्ध होते हैं। ऐसे ही भारतवर्ष में जहां जहां श्रौतयज्ञ होते हैं उस समय पूजा करने के उद्देश से चितियों के चित्र उपलब्ध हैं। इन चित्रों द्वारा काल ज्ञान होता है यह शोध हमने ही लगाया है तब इस को वेदकालीन पंचांग नाम (जिसको कि शकारंभ के बाद लोग भूल गए थे) हमने ही दिया है। इस चित्र के नीचे एक **वारक्रमविमर्ष** शीर्ष आलेख्य है, जिस में ७ ग्रहों के प्रदक्षिणा कालके अनुक्रम से शनि, गुरु, मंगल, रवि, शुक्र, बुध, चंद्र नामक एक एक घंटे की होरा ७ अहोरात्र की २४ होरा में (७×३=२१+३=२४) तीसरे तीसरे ग्रह के होरा सूर्योदय के समय होनेसे प्राचीन काल में (अर्क,

---

१ " वेदा हि यज्ञार्थमभिप्रवृत्ताः कालानुपूर्वा विहिताश्च यज्ञाः ॥ तस्मादिदं कालविधानशास्त्रं यो ज्योतिषं वेद स वेद यज्ञम् ॥ " (वेदांग यजुर्वेद ज्योतिष)। २ एवं च " कर्मपरिमाणाधगमात्कालपरिमाणावगमः ॥ कालपरिमाणात्कर्मपरिमाणावगमः " (कात्यायन श्रौतसूत्रे शतरुद्रिये उवट भाष्यं)

सुपर्ण चिति यानी तीनलाख वर्ष का वेदकालीन पंचांग।
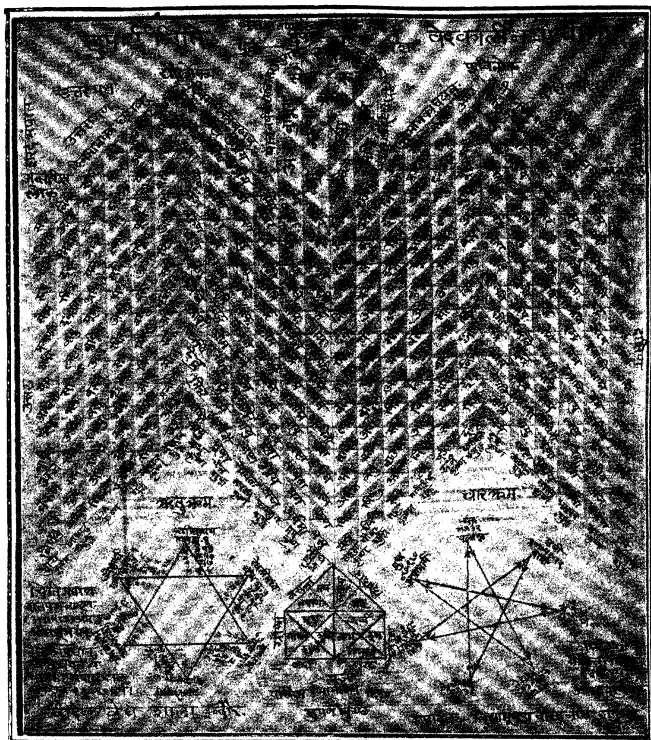
जिस समय अंकलेखनकला का प्रादुर्भाव नहीं हुआ था उस प्राचीन वैदिककाल में इसी तरह की ईंटों (इष्टिका) की रचना द्वारा यजमानासन से सूर्य के पूर्व में उदय की स्थिति और रात्री में नक्षत्र, चन्द्र स्थिति को प्रत्यक्ष देखकर ऋषि लोग कालमापन करते थे।

तारका पुंज

नक्षत्र मंडल का उत्तरीय भाग

(क्रांति वृत्त से कदंबाभिमुख भोगशर का भगोलिक दृश्य)
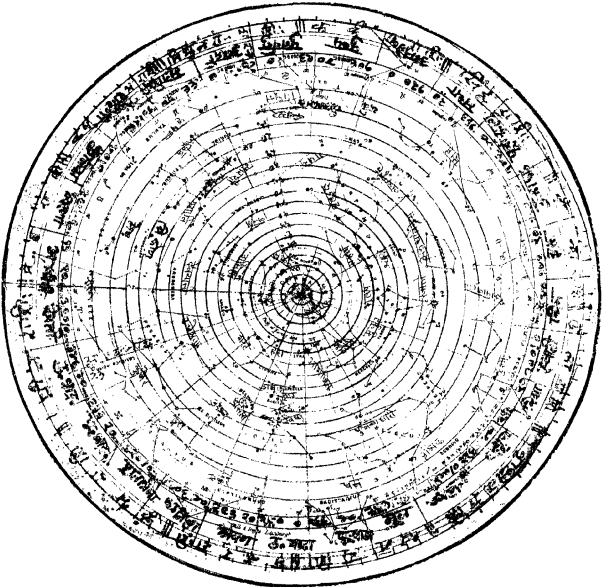
अश्विनी आदि नक्षत्र विभाग की अंतिम रेखा के १३ अंश २० कला इस प्रकार
३६० अंशों में २७ नक्षत्रों के भोग विभाग लिखे हैं।

उत्तर कदंब के चौगिर्द कालीय पुंज
(वैदिक वृत्र–ड्राको)

लेखक—चुलैट शास्त्री

तारका पुंज

नक्षत्र मंडल का दक्षिण भाग

(क्रांति वृत्त से कदंबाभिमुख भोगशर का भगोलिक दृश्य)
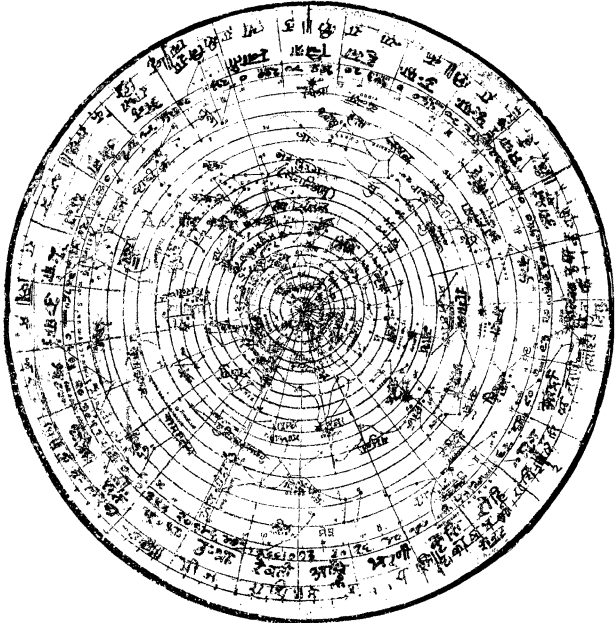
अश्विनी आदि नक्षत्र विभाग की अंतिम रेखा के १३ अंश २० कला इस प्रकार
३६० अंशों में २७ नक्षत्रों के भोग विभाग लिखे हैं।

दक्षिण कदंब के चौगिर्द शिल्पित्र पुंज है
(पिनर–पिक्टर)

लेखक —चुलैट शास्त्री

सम्पूर्ण सिद्धान्तोंसे वर्तमान में अयनांशों की एकवाक्यतादर्शक परिलेख ।
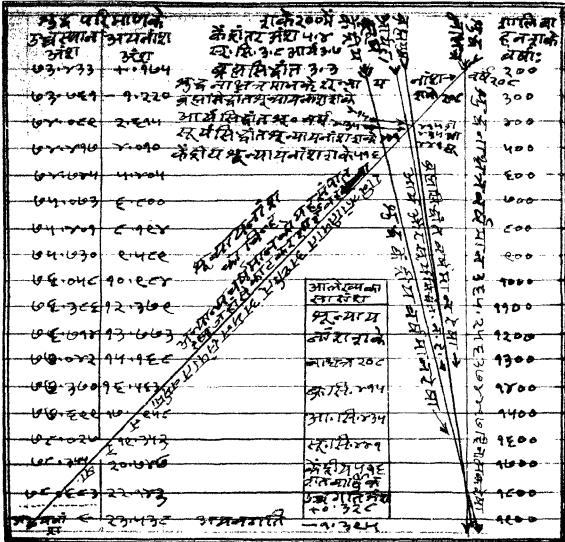
शके१८०० के करीबमे सबसिद्धांतों के अयनांश शुद्धनाक्षत्र वैदिक नक्शों से [अखंड परंपरायुक्त] मिलते है। आगे शुद्ध वर्ष मान ३६५ दिन १५ घ. २२ प. ५७ वि. और शुद्ध अयन गति ५०.२ विकला लेनेसे एक वाक्यता सदा कायम रहती है।

लेखक,

दीनानाथ शास्त्री चुलैट.

पलाश, खदिर, अपामार्ग, पीपल, गूलर, शमी इन) समिधाओं का नित्य होम करते थे वास्ते मस्तक को **पालाशभवति** इत्यादि मंत्रों में समिधा के नामसे ही कहते थे। अब सांप्रत में बार के नामसे कहने लगे हैं।

वैदिक खगोल विज्ञानके क्रांतिवृत्तीय नकशे दो. तथा विषुववृत्तीय नकशे ६

क्रांतिवृत्त (*सूर्यगमनमार्ग*) को मध्यमें मानकर उत्तर कदंबाभिमुखशरवाले तारकापुंज ४० तथा दक्षिण शर वाले ४६ ऐसे ८६ प्रांत में के आकृति ९६ दोनों नकशों में हैं। चंद्रादि ग्रह उत्तर दक्षिण शरांतरसे इमी सूर्य गमनमार्गसे जाने कारण पंचांगमें लिखे भोगशर की जांच इस नकशेद्वारा सरलतापूर्वक हो सकती है। इतनाही नहीं तो पारदर्शक कांचपर विषयवृत्तीय रेषा चक्र के नीचे इस नकशेपर से परम क्रांति के घुमाव द्वारा अयनांश ३४३।१६३ अंश कालीन आकाशकी स्थिति ज्ञात हो सकती है। इन्दोर पंचांग रिपोर्ट (भाग २) में अतनारका संपात=शतपथब्राह्मण कालीन स्कंद का स्वर्गारोहण=शकपूर्व ५४६९८ वर्ष की तथा ययाति (पर्शियस्) का स्वर्ग मे पतन=शकपूर्व ७५०९४ वर्ष की आकाश की स्थिति इन दो नकशों के मॉडेल द्वारा प्रत्यक्ष बतलाई जाती है। इसी तरह वेदोक्त खगोलिक ऐतिहासिक घटना के मंत्रों का अर्थ (कौन पुंज किस दिशामें है इत्यादि) चतुःसीमा सममंडल में आनेपर तारों का पतिपत्नित्वादि संबंध इस के द्वारा स्पष्ट हो जाता है। साथ मे परमक्रांतिकी चक्रगति सिद्ध होते हुए वैदिक काल की ऐतिहासिकता आज से ३ लाख वर्ष पूर्व की निश्चित हो जाती है। जो कुछ थोडा बहुत फर्क पडता है सो तारों की निजगति संबंध का है। उदाहरणार्थ जैसे ऋग्वेद (८।६।१६) में

" चतुष्कपर्दा युवतिः सुपेशाः " तथा तैतिरीय ब्राह्मण (**१-२-१-२६** में **" अहे बुध्नियमंत्रम० ॥"**

" चतुःशिखंडा युवतिः सुपेशाः०"

अर्थात् ऋग्वेद में जो देवयानी के जटाजूट के ऊपर अल्फेराट् का तारा लिखा था वही ब्राह्मण काल में उत्तरा-भाद्रपदा (अहिर्बुध्न्य) का तारा देवयानी के शिखामें लिखा किंतु वही तारा चारसौ वर्ष के पूर्व काल में यानी अयनांश १९-२० के समय के विषुवांश क्रांति के नकशेमें आंखपर दिखाई देता है और क्रांतिवृत्तीय प्रस्तुत नकशेमें नथ के स्थान में दिखाई देता है। संभव है इन में थोडा फर्क होगा लेकिन वह तारा ऊपर की ओरसे नीचे को ५-६ अंशतक आगया यह स्पष्ट है और इस तारे की निजगति भी ज्ञात होगई है। तब इस तरह के १०-२० तारों के प्रमाणोंसे जो मंत्रद्रष्टा ऋषिका काल निश्चय होता है वह ऐतिहासिक होना ही चाहिये। इसी तरह हमने **भरत, मृगशिर इल्वला मकरराशि त्रिकांड बाण** आदिके रूपातरादि द्वारा ३ लाख वर्ष के **कालानुक्रम** का पत्र अल्मनाक भाग के अंतमें दिया है। इत्यादि कार्य इन नकशों से होते है। इसीका विस्तृत रूप **विषुववृत्तीय नकशे** ६ में है। सो आगे दीये गये हैं।

शुद्धनाक्षत्रपद्धति की अखंड परंपरासे वैदिक और वर्तमान ज्योतिष की एक वाक्यता

आकाश में चित्रा तारा १ प्रती का दीप्तिमान् क्रांतिवृत्त के निकट में होते हुए उसकी निजगति बहुत अल्प है। एक हजार वर्ष में विषुवदिगंश **२३१** के तर्फ एक कला चलता है तो क्रांतिवृत्तीय भोगांश १ का फर्क एकलाख वर्ष में पडसकता था लेकिन शौरी (इंद्र=हर्क्युलिस) के तर्फे **हुतशिष्ट=उच्छिष्ट सूक्त ६** (अथर्व सं. ११।९) की ओर अपनी ग्रह माला को लिये मंदगति से सूर्य जा रहा है इसलिये दोनों की चाल धनर्ण होकर चित्रा की क्रांति-वृत्तीय अंतर उपेक्षणीय हो जाता है। तीन लाख वर्ष का नाप जिस शुद्धता के बलपर आज हम कर रहे हैं उसका मूल आधार वैदिक ऋषियोंकी स्वीकृत चित्राकी अखंड परंपरा है। वैदिक ऋषियोंने चित्रा देवता त्वष्टा के विभागगणना में क्रांतिवृत्त के ठीक १८० मध्य में मुख्यमाना है।

' त्वष्टारूपाणामधिपतिः ॥ ' ' इहत्वष्टारमग्रियं विश्वरूपमुपह्वये ॥ अस्माकमस्तु केवलः '

(ऋक्संहिता १।१।२५)

इस तारेके बिंब का आधा भाग कन्या और आधा भाग तुला राशी में जाने के कारण कन्याको श्रीः तुला को लक्ष्मी[१] उल्लेखित कर के इसके द्वारा क्रांतिवृत्त (लोक) के इच्छानुसार विभाग निश्चित करलें

"श्रीश्चते लक्ष्मीश्च पत्नावहोरात्रेपार्श्वे नक्षत्राणि रूपं–अश्विनौ व्यात्तम् । (मुखं आरंभस्थानं इत्यर्थः) इष्णन्निषाणामुंम इषाण सर्व लोकंम इषाण[२] (वाजस सं. ३१·२२) त्वष्टा सुदत्रो विद धातु रायः ।

(वा. सं. २·२४) ऐसा वेदमें लिखा है (और लेख के आरंभ में श्रीः लिखने की, तुला के रवि चंद्र पर लक्ष्मी पूजा करने की परंपरा सर्व साधारणमे आज भी प्रचलित है.) इस लिये चित्रा को देवहूति, यह तारा प्रकाश को फेकने वाला होने से श्रवद्ब्रह्माणि, एकाकी होने से स्पष्टएका जिसका अपभ्रंश स्पैका प्रसिद्ध है ईशावशस्य या जाया सा स्मिन्वर्णमा भरत् (अ. सं. ११·१०·१७) कन्याराशिका तारा सब चित्रोंका विभाग स्वरूप निश्चित करनेवाला होने से उसका चित्रा नाम पडा है । प्राचीन राशियोंके विषम विभागों के सम विभाग चित्रा से समान रुप करने संबंध में ऋग्वेदका एक संपूर्ण निविद अध्याय चित्रास्तोमरूप है । उसके प्रत्यंक सूक्त के अंत्य में प्रेमां देवो देवहूतिमवतुदेव्याधिया ॥ चित्रश्चित्राभिरूतिभिः श्रवद्ब्रह्माण्यावसागमत् ऐसा कहा है । तथा ऋग्वेद संहिता (२·३·४) में

"आत् इत् त्वष्टाम्रास्वन्तर्यानजे ॥ अन्यानामानि कृण्वते सुतेसचां अन्यैरेनान्कन्यानामाभिःस्परत ॥" त्वष्टाका आल्फा चिन्ह का तारा (आल्फा वर्जिनिस्=स्पैका तारा) अग्नि तुला मे और कन्या के अंतर्गत है । जो कि अन्यान्य कन्या राशि के तारों के नामों के साथ (अध्वर्यु=अल्फा, ब्राह्मणाच्छंसी=बीटा, उद्गाता–उपस्लाईन इस तरह पुंजों के अन्यान्य नामों में) यह आया है । इसी तरह वृश्चिक पुच्छाकृति के १० तारे चित्रागणना (मूल पूर्वाषाढा उत्तराषाढा पादं धनुः) के कथन से धन राशि में (मूल नक्षत्र के तारे) जाते हैं । उस संबंधमें "अद्या मुरीय (मूलनक्षत्रीय) यदि यातुधानो (निर्ऋति) अस्मि यदि वायुस्ततप पूरुषस्य ॥ अधास वीरैर्दशभिर्वियूया योमामोघं यातुधानेत्याह ॥"

अथर्व संहिता (८·४·१५) के संबंध अध्याय में मूल नक्षत्र को वृश्चिक से हटाकर धन राशि में परिगणित किया है तबसे—

द्वादश प्रधमश्चक्रमेकं त्रीणिनभ्यानि कउतश्चिकेत ॥ तस्मिन्त्साकंत्रिशतानशंकवोर्पिताः षष्टिर्नचला चला सः (ऋ. सं. २·३·२४)

क्रांति वृत्त के ३६० अंश के बारा राशि के ३०।३० अंश एवं २७ नक्षत्रों के १३ अंश २० कला समान माने जाने लगे । वह भी चित्राको मध्य १८० में मानने से ऋग्वेद में चित्र

'देवानामुदगादनीकं' 'मध्याकर्तोर्विततं चित्रं संजभार (१·८·७)' 'पावीरवी कन्याचित्रायुः'

१श्रीसूक्त 'हिरण्यवर्णां' आदि १५ मंत्र कन्या के १५ तारे और पुंजाकृति वर्णन में कहे गये हैं । ऐसेही तुलापात्री (नापने का मृण्यय पात्र) के नाम वाजस संहिता ८·४२–४३ में तथा ब्रह्मगवि गोमुखाकृति का लक्ष्मी नाम अथर्व संहिता (१·७·२, ७·१२०·२, १२·५·६) में कहा है । २ चित्रार्क आश्विन = इष्ट मास में आने के कारण इष्ट संबंधी इष्णन् । इषाण प्रयोग किया है । सविता=हस्त नक्षत्र के आगे के चित्रा को सविता देव । इसके सन्मुख की रेषामें पूषा–अश्विनौ (रेवती अश्विनी का आरंभ स्थान है ऐसा स्पष्ट "देवस्य त्वा सवितुः प्रसवे श्विनोर्बाहुभ्यांपूष्णोहस्ताभ्यां आददे नारिः (कन्या) असि" (वा. सं. ३७·१) लिखा है.

वेदोक्त तारका पुंजोंका क्रांति वृत्तीय नकशा १

मिथुन से वृश्चिक राशि। भोगशर के अंशांक

उत्तर कदंब

पश्चिम —V

दक्षिण कदंब

प्रकाशक—चुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इन्दौर.

वेदोक्त तारका पुंजोंका क्रांति वृत्तीय नकशा २

धन से वृषभराशि । भोगशर के अशाक

उत्तर कदंब

दक्षिण कदंब

संपादक—चुंलट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इंदौर.

(४·८·६) तथा अथर्व संहिता (संहिता (१९-७-१-५) में

' चित्राणिसाकंदिविरोचनानि ' यानि नक्षत्राणि ॥ प्रकल्पयंश्चंद्रमान्येति '

क्रमशः २७ नक्षत्र और अभिजित् का उल्लेख चित्रा गणना से किया है ।

' अभिजिन्नाम नक्षत्रं उपरिष्टा दषाढानां । अवस्ताच्छ्रोणायै ।(तै ब्रा. १·५·२·३)

' उत्तराषाढा के ४ चरण विभाग के उपर श्रवण नक्षत्र के आरंभ तक क्रांति वृत्त में ६२ अंश उत्तर शर में स्वर मंडल पुंज का अभिजित्=ब्रह्मा का तारा राशियों की हद के बाहर होनेसे नक्षत्र २७ के १३ अंश २० कला सम विभाग माने गए है । मेषादि १२ राशि अश्विनी आदि २७ नक्षत्रों के मंत्र इन्दौर पञ्चांग रिपोर्ट में प्रसिद्ध होनेसे प्रस्तावना मे वह उद्धृत नहीं किये हैं ।

यही वेदोक्त शुद्ध नाक्षत्र परंपरा भारत, रामायण अग्नि पुराण, एवं सिद्धांत संहिता होरा रूप त्रिस्कंध ज्योतिः शास्त्र मे ज्यों की त्यों वर्णित उपलब्ध होती है ।

" मेषाश्वि प्रथमा नवर्क्षचरण श्चक्रस्थिता राशयः ॥४॥ मत्स्यौ घटी नृमिथुनं सगदं सवीणं चापीन रोऽश्वजघनो मकरोमृगास्यः ॥ तौली ससस्यदहना प्लवगाच कन्या शेष. स्वनामसदृशाः स्वचराश्चसर्वे॥५॥ क्रियता वुरि जितुमकुलीरलेय पाथोनजूक कौर्प्याख्याः ॥ तौक्षिक आकोके रोहृद्रोगश्चांत्यभचेत्थम् ॥८॥ बृहज्जातक (अ १ शके ४२७ वराहमिहिर.) तारासंख्यामें मेष ४२।५ वृषभ २०७।२९ मिथुन ८३।१९ कर्क ८५।६ सिंह ९३।१७ कन्या ११७।१५ तुला ६६।७ वृश्चिक ६०।१७ धन ९४।१४ मकर ६४।७ कुंभ ११७।१५ मीन ११६।११ उक्त संख्याक विभाग और पुंजातर्गत वेदोक्तकेतुल्य कर्णावन सांप्रत में भी है । नक्षत्रों की तारा संख्या देवताओंके नाम पंचागमें प्रकाशित है । वराहमिहिरनेभी एकेक नक्षत्र के ८।८ विभाग कहकर 'चित्राधाष्टमभागे ।' चित्रा की योग तारा अपने आठ विभाग के मध्यमें १८० अंशपर है ऐसा पञ्चसिद्धांतिका (अ. १६ श्लो. ३३ ३६) में लिखा हैं । तथा दैवज्ञ कामधेनु (अध्याय २ ग्रंथ की भूमिका में लंका सिंहलद्वीप निवासी अनवदर्शि शके ११६३ लिखा है ।) में

पूर्वार्धमुत्तरंगोलमाचित्रादर्धमादिशेत् ॥ चित्रांतार्धप्रहृत्यैव पाश्चिमार्धंच दक्षिणम् ॥४॥ पादोनास्तारकाः सप्त (अंश ९०) पाद इत्यत्रनिश्चितः ॥ सपादं तारका द्वन्द्वं (३० अंश) राशिरित्यभिधीयते ॥५॥ सपादतारा द्वन्द्वस्य गुणमेकं समुद्धरत् ॥ शोधयेदपरार्धे तु योजयेत्सर विःस्फुटः ॥१०॥"

" गोलो राशिचक्रं " शब्दकल्पद्रुम भाग १ पृष्ठ ९१. ' गोलमध्ये तथा पराः संक्रांतयः इत्युक्तत्वात् ऐसालिखा है कि " राशिचक्र के पूर्वार्ध उत्तरार्ध की मर्यादा १८० चित्रा तारे तक है । और चित्रा तारे से ही प्रारंभ स्थान तक पश्चिमार्ध दक्षिणार्ध भाग १८० कहाता है ॥ ४ ॥ इस प्रकार निश्चित किये हुए चित्राभिमुख आरंभस्थानसे पौने सात पौने सात नक्षत्र ९०×४=३६० अंश के चार पद होते हैं । इसी ही चित्राभिमुख आरंभ स्थानसे सवा दो सवा दो नक्षत्रों की यानी ३०।३० अंश की १२ राशियां निश्चित की गई हैं ॥ ५ । उदाहरण के लिये पौर्णिमातमें चंद्रमाकी नक्षत्र स्थिति के सन्मुख सूर्यको मानकर सवा दो नक्षत्र के गुण को साधकर; पूर्वार्ध में कम करे उत्तरार्ध में जोड देवे तो वह स्पष्ट सूर्य होता है ॥१०॥ " उक्त श्लोकों में गोल शब्द का अर्थ क्रांति वृत्त राशि चक्र होता है । इस अर्थ को एवं वेदोक्त शुद्ध नाक्षत्र पद्धति से खगोलिक पुंजों के भाग शर एवं नक्षत्र विभाग ज्ञात होने के लिये क्रांति वृत्त को परिधि मान कर दक्षिणोत्तर कदंब के दो नक्षत्र चक्रके नकशे प्रकाशित किये हैं ।

ज्योति शास्त्रकी वर्धमानता और एकता

वैदिक ज्योतिर्विज्ञान प्रार्थना के रूप में यज्ञ प्रयोगों में कहेजाने के कारण ही उसे मानव जाति मात्र का धर्म ग्रंथ कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है । संहिता ब्राह्मण सूत्रकाल के बाद वेदांग काल में शिक्षा, कल्प,

व्याकरण, निरुक्त, छंद और ज्योतिष यह ६ वेदांग प्रसिद्ध हुए वेदांग ज्योतिष (शकपूर्व २२०९० वर्ष) के बाद सिद्धांत काल प्रारंभ हुआ।

सिद्धांत ज्योतिष ग्रंथों के नाम

१ ब्रह्मसिद्धांत	२ मरीचिसिद्धांत	३ नारदसिद्धांत	४ कश्यपसिद्धांत	५ सूर्यसिद्धांत
६ मनु ,,	७ अंगिरा ,,	८ बृहस्पति ,,	९ अत्रि ,,	१० सोम ,,
११ पुलस्त्य ,,	१२ वसिष्ठ ,,	१३ पराशर ,,	१४ व्यास ,,	१५ भृगु ,,
१६ च्यवन ,,	१७ गर्ग ,,	१८ पुलिश ,,	१९ लोमश ,,	२० यवन (रोमक) ,,

इनमें से पांच सिद्धांत ग्रंथों का संग्रह शके ४२७ में वराहमिहिरने अपनी पंचसिद्धांतिका ग्रंथ में किया है। कुछ ग्रंथों के नाम व श्लोक इन्ही ग्रंथों की प्रस्तावना में तथा श्लोकों को टीकाकारोंने उल्लेखित किये हैं। इन्ही ग्रंथों के आधारपर शके ४२१ में प्रथम आर्यभट ने आर्यसिद्धांत, मयासुर ने सूर्यसिद्धांत, शके ५०० में ब्रह्मगुप्तने ब्रह्मसिद्धांत, व लल्लसिद्धांत ५५० में बनाया। द्वितीय आर्यभट (८७५) भास्कराचर्य (१०७२) हमारे एलीचपुर नगर निवासी सिद्धांतसार्वभौम कर्ता मुनीश्वर और कमलाकर भट्टने सूर्यसिद्धांनुसारी (१५८० में) सिद्धांत तत्वविवेक ग्रंथ बनाया। ऐसे ही लंकामें कामधेनु ग्रंथ (११६३) प्रसिद्ध हुआ। ऐसे ही कई ग्रंथकार हुए हैं उन्होंने बीज संस्कार देकर अपने २ समय में दृग्गणितैक्यता संपादन करते हुए ज्योतिष के अंगप्रत्यंगों की वृद्धि करते गए। इन सब में ग्रहोंके भगण नक्षत्र विभागों के उल्लेख से एवं सौरवर्षमान को '**भभ्रमतो निरेका**' भास्करोक्त रीति से ३६६ दिन १५ घटी और पलादि नाक्षत्र भ्रमण से एक दिन (चक्र ३६० अंश भोगरूप) कम करके वर्षमान के उल्लेख से समस्त ज्योतिर्ग्रंथकार शुद्धनाक्षत्र पद्धति की अखंडपरंपरा को कायम रखते आये हैं। सिर्फ ब्रह्मगुप्त लल्ल के समय ३।४ अयनांश हो जाने पर भी सूर्य के विषुव दिन प्रवेश के सायन को ही नाक्षत्र समझ लेने से तारा युति संबंध में नक्षत्रों के ध्रुवक प्राचीन ग्रंथोक्त कदंबाभिमुख भोगशर नहीं लिखकर वेधोप लब्ध सायन लिखे हैं। (और ब्रह्मगुप्तने कहा भी है कि "**यदि भिन्नाः सिद्धांता भास्करसक्रांतयोपिभेद समाः०**" यदि सिद्धांत भिन्न और उनकी संक्रांति भी भिन्न हैं तो भी विषुवोदय में वह सब एक कैसे मिल जाती हैं) इसलिये हमने सर्व सिद्धांतैक्य कोष्टक में संपूर्ण ग्रंथोक्त शुद्ध नाक्षात्र भोग शर लिखे हैं वहींपे ब्रह्मगुप्त के भोगों में तीन अंश कम लिख कर सायन भोग निकाल डाला है। इससे यही मान भास्कराचार्य लल्ल गणेश दैवज्ञने अपने २ ग्रंथों में लिखने के कारण समस्त सिद्धांतकारों के साथ इन के ध्रुवकों की भी एकवाक्यता हो गई है। इसी तरह आज अयनांश साधन में भी छायार्क से करणागतार्कका अंतर रूप अयनांश के प्रमाण

सूर्यसिद्धांतः— " प्राकूचक्रं चलितं हीनेछायार्कात्करणागते. "

सोमसिद्धांतः— " प्राकूचक्रं चलितं हीनाच्छायार्कात्करणागते. "

वृद्ध वसिष्ठ सिद्धांतः—" छायागणितागतयोर्भान्वोर्विवरंचलांशकास्तेवा "

सिद्धांत शिरोमणिः—" छायातो ग्रातो वा भानुः संक्रांतिपात एवस्यात् ॥
पातोनः स्फुटभानुः स्फुटभानूनोभवेत्पातः ॥ १ ॥ "

इत्यादि प्रमाणों से समस्त सिद्धांतकारों एवं करणग्रंथद्वारों अयनांश शुद्ध गणितसे सबके एक आते हैं। इस संबंध में एक आलेख्य प्रकाशित किया है। उसका स्पष्टीकरण इस कोष्टकसे होता है। (पृ. ८ पर देखो)

श्रुति सम्मत सर्व सिद्धान्तैक्य (ब्रह्मगुप्त भास्कर ग्रह लाघवोक्त निरयण)
नक्षत्र योगताराओं के कदंबसूत्रीय भोग शर

	दैवज्ञ कामधेनु प्रोक्त गणिताधारसे श्रुति संमत नक्षत्र योगतारों के कदंब सूत्रीय ध्रुवक			सूर्य सिद्धांत प्रोक्त		सोम सिद्धान्तोक्त		ब्रह्म सिद्धांत प्रोक्त		पितामह सिद्धान्तोक्त		वृद्धवसिष्ठ सिद्धांतोक्त		ब्रह्मगुप्त का लीन अयनांश ३ऊनित क.सू.	
	ग्रीक नाम	भोग	शर	भोग	शर	भोग	शर	भोग	शर	भोग	शर	भोग	शर	भोग	शर
		अं. क.	अं. क.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं	अं.	अं.	अं.
अ	ग्यामा एरैटिस	९ ४	+६ २१	८	+१०	८	+१०	८	+१०	८	+१०	८	+१०	५	+१०
भ	इक्षिलत ए.	२४ ४०	+४ १०	२०	+१२	२०	+१२	२०	+२	२०	+१२	२०	+१२	१८	+१२
कृ	ईटाटारी	३६ ९	+४ २	३७ ३०	+५	३७	−५	३७ ३०	+५	३७ २८	+५	३७	+५	३४	+५
रो	आलिडबरान्	४५ ५७	−५ २८	४९ ३०	−५	४९	−५	४९ ३०	−५	४९ २८	−५	४९	−१	४६	−५
मृ	लॉम्डा ओरायन	५९ ५२	−१३ २३	६३	−१०	६३	−१०	६३	−१०	६३	−१०	६३	−३	५९	−१०
आ	अल्फा ओरायन	६४ ५५	−१६ ३	६७ २०	−९	७४ ५०	+९	६७ २०	−९	६७	−११	७५	−९	६३	−११
पु	पोलक्स	८९ २४	+६ ४०	९३	+६	९३	+६	९३	+६	९३	+६	९३	+६	९१	+६
पु	डेल्टा कांक्री	१०४ ५३	+० ५	१०६	+०	१०६	+०	१०६	+०	१०६	+०	१०६	+०	१०२	+०
अ	अल्फाकांक्री	१०९ ४८	−५ ५	१०९	−७	१०९	−१	१०९	−७	१०८	−७	१०९	−७	१०४	−७
म	रेग्युलस	१२६ ०	+० २८	१२९	+०	१२९	+०	१२९	+०	१२९	+०	१२९	+०	१२६	+०
पू	थीटा लियो०	१३९ ३४	+९ ४२	१४४	+१२	१४४	+१२	१४४	+१२	१४७ ५	+१२	१४४	+१२	१४५	+१२
उ	डेनिबोला	१४७ ४७	+१२ १७	१५५	+१३	१५५	+१३	१५५	+१३	१५५	+१३	१५५	+१३	१६२	+१३
ह	डेल्टाकांक्री	१६९ ३७	+१२ ११	१७०	−११	१७०	−११	१७०	−११	१७०	−११	१७०	−११	१६७	−११
चि	स्पैका	१८० ०	−२ ३	१८०	−२	१८०	−२	१८०	−२	१८०	−२	१८०	−२	१८०	−२
स्वा	आर्कट्यूरस	१८० २४	+३० ४९	१९९	+३७	१९९	+३७	१९९	+३७	१९९	+३८	१९९	+२७	१९५	+३७
वि	अल्फालिब्र	२०१ १४	+० २१	२१३	−॥०	२१३	−॥०	२१३	−॥	२१२ ५	−१॥	२१३	−१॥	२०९	−१
अ	सिग्मास्कार्पि	२२३ ५८	−४ १	२२४	−३	२२४	−३	२२४	−३	२२४ ५	−२	२२४	−३	२२१	−२
ज्ये	टाऊस्कार्पि	२२७ ४२	−६ ७	२२९	−४	२२९	−४	२२९	−४	२२९ ५०	−३	२२९	−४	२२७	−३
मू	लॉम्डास्कार्पि	२४० ४४	−१३ ४७	२४१	−९	२४१	−९	२४१	−५॥	२४४	−८॥	२४१	−९	२३९	−८
पू	लॉ० साजी	२५२ २८	−२ ७	२५४	−५॥	२५४	−५॥	२५४	−५।	२४९	−५¼	२५४	−३॥	२५२	−५
उ	पायसाजी	२६२ २४	+१ २७	२६०	−५	२६०	+५	२६०	+६	२६०	+५	२६०	५॥	२५८	−५
श्र	आल्टेर	२७७ ५५	+२९ १८	२८०	+३०	२८०	+३०	२८०	+३६	२७८	+३६	२८०	+३०	२७२	+३०
ध	आल्फा डे०	२९३ ३३	+३२ २	२९०	+३६	२९३ २०	+३६	२९०	॥	२९०	३०	२९०	+३६	२८३	+३६
श	लॉ०आक्वेरियस	३१७ ४४	−० २३	३२०	−।	३२०	−॥	३२०	−॥	३२०	−०	३२०	−॥	३१७	+०
पू	मार्काब	३३० ४२	+१९ २३	३२६	+२४	३२६	+२४	३२६	+२४	३२६	+२४	३२६	+२४	३२२	+२४
उ	आल्जेनिब	३४५ १९	+१२ २६	३३७	+२६	३३७	+२६	३३७	+२६	३४४ १०	२६	३३७	+२६	३३४	+२७
रे	म्यूपिशियम	३५९ १७	−३ ४	३५३ ५०	+०	३५९ ३०	+०	३५९ ५०	+०	अनुक्त	+०	००	+०	३५६	−०

टीप—इसमें जो तारों के भोग शर में अन्तर है सो योग ताराओं के भिन्नता के कारण है। स्वाती की निज गति सबसे अधिक तथा प्राचीन स्वाती भिन्न होने से है, एका की तारों में सिर्फ चित्रा ही ऐसा है कि सभी ग्रन्थ में उसके भोग शरों की एक वाक्यता है।

अनेक ग्रंथ कालिक शुद्ध अयनांशों से ग्रंथोक्त मान की एकवाक्यता

संकेताक्षर			क			ख			क–ख=ग			घ			ग+घ=अ		
ग्रंथ संख्या	अयनांशोंका उल्लेख करनेवाले करण ग्रंथ	शके वर्ष	ग्रंथोक्त बीज संस्कृत उच्च			शुद्ध रव्युच्च			केंद्रीय मान का शुद्धांतर			ग्रंथोक्त केंद्रीय अयनांश			तात्कालिक शुद्ध अयनांश		
			अ.	क	वि.	अ.	क	वि.	अं	क	वि.	अ.	क	वि.	अं.	क.	वि.
१	मुंजाल	८५४	७७	४१	१४	७५	३४	४४	२	६	३०	६	५०	०	८	५६	३०
२	आर्यभट	८७५	७७	४४	५९	७५	३८	५३	२	६	६	७	८	०	९	१४	६
३	राजमृगांक	९६४	७७	४६	०	७५	५६	२४	१	४९	३६	८	३९	०	१०	२८	३६
४	कमलमार्तंड	९८०	७७	३९	२१	७५	५९	३१	१	४०	०	९	२	०	१०	४२	०
५	करणप्रकाश	१०१४	७७	४६	५२	७६	६	१४	१	४०	२८	९	३०	०	१०	१०	२८
६	भास्वती	१०२१	७७	५२	५६	७६	७	३७	१	४५	१९	९	३१	०	११	१६	२९
७	करणोत्तम	१०३८	७७	४१	३३	७६	१०	५९	१	३०	३४	१०	०	०	११	३०	३४
८	करणकुतूहल	११०५	७७	२६	५१	७६	२४	११	१	२	४०	११	२४	०	१२	२४	४०
९	ग्रह लाघव	१४४२	७८	१	१७	७७	३०	२९	०	३०	४९	१६	३८	०	१७	८	४९
१०	तत्वविवेक	१५८०	७७	४६	४८	७७	४६	२६	०	०	२२	१९	४	०	१९	४	२२

इस तरह संपूर्ण ग्रंथोंद्वारा आज शुद्ध अयनांश वही आते हैं जो कि पंचागमे लिखे गए हैं। इससे लिए हुए विषुवांश, क्रांति, लंघनकाल आदि में एवं पात शर में सब की एक वाक्यता हो जाती है।

वेदोक्त और सिद्धान्त जोतिष के कल्प वर्षमान की एक वाक्यता.

इस ज्योतिःशास्त्रकी व्याप्ति घडीके सेकंड के एक करोडवें हिस्से से लेकर कल्पादि से कल्पान्तक याने जगत् की उत्पत्ति से लयं पर्यंत है। कल्प का स्पष्टीकरण वेदमें काम (कोमा बेरोनिस) अरुंधतिकेश (भोग १५६° शर ३०·२′ देखो) जोकि कन्या के दहिने हातमें लाजापूर्ण कुंभके आकार का "कलश" नकशमें बतलाया गया है[२]।

पूर्णः कुंभोधिकाल आहितस्तंवैपश्यामो बहुधानु सन्तः॥ यइमाविश्वाभुवनानि प्रत्यङ्कालंतमाहुः परमेव्योमन्॥ ३॥ कालः प्रजा असृजतकालो अग्रेप्रजापतिम्॥ स्वयंभूः कश्यपः कालात्तपः कालादजायत॥१०॥ कलादृचः समभवन्यजुः कालादजायत॥कालेन मंगिरादेवोऽथर्वाचाधितिष्ठतः॥३-४॥

अथर्वसंहिता (१९।५३–५४) में काम सूक्त के साथही काल सूक्त ५३।५४ कहा गया है। इस पुंजका स्पष्टीकरण यमयमी संवाद जोकि यम और शिखावल (इंडस्–पव्हो) पुंजके तारो संबंधकी कथामें बहुतही मार्मिकता के

१ "स्मृतिः प्रत्यक्ष मैतिह्यं अनुमान चतुष्टयम्। एतैरादित्यमंडलं (स्वेच्छक भोगरूपं) सर्वैरेव विधास्यते॥१॥ सूर्यो मरीचि मादत्ते सर्वस्माद्भुवनादधि॥ तस्याः पाकविशेषेण स्मृतं कालविशेषणम्॥२॥ अणुशश्चमहशश्च काला संवत्सरं श्रिताः॥३॥ स तैः सर्वैः समाविष्टः उरुः सन्निवर्तते॥ अधिसंवत्सरं विद्यात् तदेव लक्षण इति॥४॥ शुक्रंत अन्य यजत ते अन्यद्विषुरूपे अहनी द्यौरिवासि॥ विश्वाहिमाया भवति स्वधानः भद्रातेपूषन्निहरातिरस्तु॥ तैत्तिरीयारण्यक १·२·१–३ तथा ऋ. म. (४·८·२४), २ 'पूर्णनारि प्रभर कुंभमेतं' 'इष्टापूर्तं अभिरक्षत्ये नाम्, (अथर्व सं. ३·१२·८)

साथ वेदोंमें कहा गया है. विवाह में लाजाहोम के समय के मंत्र और सतपदी प्रथासे निऋतिः भूतय (बुटिश) के शिरस्थानीय (प्रतिवर्ग ३'६३ भोग १८'०।२५ उ. शर ५'४।९) तारेपर जो चित्रासे स्वाती होती हुई उत्तर कदंबपर रेखा जाती है उसीसे चैत्रादि मासारंभका, मेषसंक्रमण का शुद्ध नाक्षत्रसंवत्सर माने जाते हुए प्राचीदिशाके सूर्योदयसे अयनांशों द्वारा ऋतु अयन आदिभी माने जाते थे[1] विश्वेदेव (सर्प) के १३ तारे सर्पाकृतिसे एकही रेषामें एकपर १२ शून्य परार्ध संख्यामें होने के कारण कल्पनाभी[2] प्रस्तुत कालसूक्त से ही निश्चित होता है। और यही कल्पमान ब्राह्मण अरण्यक में उपलब्ध होता है जोकि ऊपर तैत्तिरीय अरण्यक (१'२'१-३) में " अधि संवत्सर " नाम से संवत्सरका बृहद्रूप है। अर्थात्

संवत्सरमान = १'०००००००००००० } दशमलव के चिन्ह (पाईंट) द्वारा दोनों का लघु और अधि
कल्पपरिमाण = १०००००००००००० } भेद स्पष्ट होता हैं। एक रूप दोनों होने से स्थान संज्ञानुसार

१ महापद्म का कल्प होने से " महापद्म से ब्रह्मा उत्पन्न हुए पाद्म कल्प का पूर्वार्धभाग बीतगया अब द्वितीय परार्ध का आरंभ दिन के १४ मनु में से ६ मनु व्यतीत होगए सातवें वैवस्वत मनु के २८ युग संवत् १९८१ शके१८४६ में पूर्ण हुए " ऐसा स्मृति ग्रंथ और पुराणोक्त प्रमाणों से सिद्ध किया गया है[3]। पाद्म कल्प में मूल नक्षत्र के ७ तारे सप्तर्षिमाने जाते थे।

युग और कल्प परिमाण—शुद्धनाक्षत्र सौर वर्ष से

१ युग = १२००० (बृहत्संहिता प्रोक्त १२ वर्ष के युगों का दिव्यरूप)

१००० युग = १२०००,००० ब्राह्मंदिनम्

१००० ,, = १२०००,००० ब्राह्मीरात्रिः

२००० ,, = २४०००,००० ब्रह्माका अहोरात्र

लक्ष गुणित मानवी होरा (' होरेत्यहोरात्रविपर्ययमेतद्वांछंति पूर्वापरवर्णलोपात् ' वराहोक्त अहोरात्रोपपत्ति युक्त होती है.)

ब्राह्मवर्ष (अहोरात्र × ३६०=) ८६४०००००० शुद्धनाक्षत्र सौर वर्षाः

× ५० परार्ध वर्षाः

ब्रह्मा के पचास वर्ष	=	४३२००००००००	वर्षाः
वर्षाधि मास शेष युत सृष्टि आरंभ वर्ष	=	६८०००००००००	,,
विष्णु का दिनार्ध (ब्राह्म आयु का परार्ध संज्ञक अर्ध भाग)	=	५००००००००००००	,,
विष्णु का एक दिन (कल्प)	=	१००००००००००००	ब्रह्मा की पूर्ण आयु

श्वेत वाराह कल्पे द्वितीयपरार्धे वैवस्वत मन्वंतरे अष्टाविंशति युगसमाप्तौ उत्तरार्ध कल्पगताब्दाः ५४८१६०० संवत् १९८१ शके १८४६ मध्यम मेषार्क समय में होते हैं। इसी दिन से प्रभाकर अहर्गण मानकर प्रस्तुत पंचांग में लिखे हैं। तथा तुलनाकरने के लिये इसदिन केतकी अहर्गण २९३२'८६५ चक्र २ में अहर्गण ५०९७'१३५ मिलाकर प्रस्तुत पंचांगारंभ में केतकी चक्र ३ अहर्गण १०९० लिखा है। मध्यम दिन गति प्रायः एकही

---

१ " ऋतून् यज ऋतुपतीनार्तवा मुत हायनान् ॥ समाः संवत्सरान्मान्भूतान्तस्य पतये यजे " (अथर्व सं. ३'१०'१) २ "येदेवाद्वादशर्तवः॥ संवत्सरस्ययेदंष्ट्राः स्तेनः संतु सदाशिवाः (अथर्व सं० ११'८'१९-२२)

३ हमारे युगपरिवर्तन ग्रंथ में इस विषय का शंका समाधान सहित सप्रमाण स्पष्टीकरण किया गया है।

ही होने से मध्यम मान दोनों के करीबन आते हैं आगे कुल पंचांग ज्या चापीय गणित से वेध से जांचकर किया जाने से केतकी से बहुत सूक्ष्म है।

एक वर्ष और कल्पमें पौर्वात्य पाश्चात्य ग्रह गणित की एक वाक्यता

एक कल्प और वर्ष में		सिद्धान्त प्रभाकरोक्त परिमाण
नक्षत्र भ्रम (सावनदिन)		३६६·२५६३७४३९१६००
रवि भगण (शुद्ध नाक्षत्र)		१·००००००००००००
सावन दिवस		३६५·२५६३७४३९१६००
चंद्र भगण	,,	१३·३६८७४६९६३४००
चंद्र उच्च	,,	०·११२९९४०३६५००
चंद्र केंद्र	,,	१३·२५५७५२१२६९००
चंद्र पात (चक्र शुद्ध राहू)		०·०५३७६६९०१६६०
बुध (मध्यम भोग गति) भगण		४·१५२०९१०४४२००
शुक्र	,,	१·६२५५२३२७१०२८
मंगल	,,	०·५३१६८४३०१२६४
गुरु	,,	०·०८४३०४४२६८६५
शनि	,,	०·०३३९४८२०९०१०

ग्रहोंके उच्च भगण (गति)			पात भगण (गति रूप)	
			अयनांश = छायार्क करणागताकौतर मे	
रवि	+	·०००००९१६१३७२		
बुध	+	·०००००४६७९४४०	—	·०००००५२७७९३०
शुक्र	--	·००००००११३१२३६	-	·००००१४७४९७५४
मंगल	+	·००००१३०१९२६०	—	·००००१७५९११०३
गुरु	+	.००००००५१०३०८५	—	·००००११०८९१५६
शनि	+	·००००१२३४८७१२	-	·००००१४२७४९०७

२९ वें युग के कृतयुगारंभ कालिक मध्यम ग्रह

संवत् १९८१ शके १८४६ चैत्र शुद्ध १० तारीख .१४।४।१९२४ सोमवारे इन्दोर रेषायां मध्यम सूर्योदयादिष्टम् घटी ५१ पल ५२.६ मध्यम मेषार्क समये द्विपरार्धारंभात् कल्पगताब्दाः ५४८१६०० अब्दपोवागदिकः २।५१।५२.६ तिथि शुद्धिः १०·६३६ अंशात्मका मध्यमग्रहाः चंद्रः १२७·६२५, चंद्रोच्चं ३३·१२५ चक्र शुद्ध राहुः २३३·३३१ बुधः ९६·४४ शुक्रः १३१.८७ मंगल २३९.६९ गुरु २२२·६७ शनिः १८०·९० रवि उच्च ७८·८३ बुधोच्च २३३.५१ शुक्रोच्च ७२.३५ विलोम २८७.६५ भौमच्च १३१.९० गुरूच्च १७०.३१ शनिउच्च २४८.६५। अयनांशाः २२।४७।३ कक्षापाताः। बुध २४·६६ शुक्र ५३·१९ मंगल ६·१४ गुरु ७६·८९ शनि ९०·२४ इस प्रकार सिद्धांत प्रभाकरके भगणोंसे कल्पादि कल्पान्तमें शून्य पर सब ग्रह उच्च पात रहते हुए सांप्रत में वेधतुल्यमानसे मिलते हैं। इसमें मध्यम मंदकर्ण (केंद्र=च्युति) परममंद फल (परिधि) दीर्घ वर्तुलीय पाश्चात्य ग्रंथाधारसे पौर्वात्य का एकी करण कर के लो है। इसमें (१) सब ग्रहों की कक्षा दीर्घ वर्तुलीय है और उसके एक नाभि में सूर्य रहता है। (२) ग्रह सूर्य के चौगिर्द फिरते हुए उनके मंद कर्ण एक साह समय में एक साह क्षेत्र पर से जाते हैं। ग्रहों के प्रदक्षिणा काल के वर्ग मध्यम-

मंदकर्ण के धन के प्रमाण में रहते हैं। यह पाश्चात्य पंडित केप्लर (इ. स. १६१८) के तीन नियम और (१) गुरुत्वाकर्षण आकर्षक पदार्थके प्रकृत्यंशके सरल प्रमाण में और आकृष्ट आकर्षकांतर वर्ग के व्युत्क्रम प्रमाण में रहता है ' इस ज्यो. न्यूटन (इ. स. १६८५) के एक नियमानुसार केप्लर के तीनों नियम आ जाते हैं। द्वि. आ. सि. मध्यमाध्याय श्लोक ३२–३४ में भी रूपांतर से यही नियम आते हैं। आकर्षण के संबंध में

" मंदोच्चेनापकृष्टस्तुयावद्व्रजतिभास्करः ॥ तेनाकृष्टागृहास्तावत्तेतथोपग्रहैययुः ॥५९॥—६३ "

शाकल्य ब्रह्मसिद्धांत (अ. २) में जो आकर्षण का आरंभिक रूप बतलाया उसीका अभीष्ट रूप उक्त नियमों में होने से सिद्धांतिक नियम का स्वीकार करके गणित की एक वाक्यता की है। ऐसे ही यद्यपि सिद्धान्तकारों के युग परिमाण भिन्न हैं, इस संबंध में पुलिशाचार्य ने रोमक को, ब्रह्मगुप्त ने आर्यभट को तथा ब्रह्मसिद्धांतकार ने पुलिशाचार्य को युग भेद संबंध में दोष दिये हैं किंतु श्रुति स्मृति प्रोक्त युग व्यवस्था का सबने अंगीकार किया है।

" श्रुतिर्यत्रप्रमाणस्यायुक्तिः का तत्र नारद ॥ जिज्ञासोयुक्तिरिष्टाऽस्ति यदि श्रुत्यनुसारिणी ॥६४॥"

इस ब्रह्म सिद्धांत (अ. २) के कथन से श्रुति के अनुकूल कल्प एवं स्मृत्युक्त युग परिमाण रूप संशोधन करने में हमें संसार के ज्योतिःशास्त्र की एक वाक्यता होती है यह कितना बडा लाभ है यह पाठक स्वयं समझ सकते हैं। इसीसे शुद्ध नाक्षत्र पद्धति की अखंड परंपरा कायम रह सकती है। यह तो पाश्चात्य भी मानते हैं कि एक समय ग्रह शून्य पर थे और शून्य में ही समावेंगे। बिना भगण पूर्ति के उक्त दोनों बातें नहीं हो सकती हैं। पाश्चात्य गणित से कोई ऐसा शून्य स्थान निश्चित नहीं होता और भगण भी पूर्ण नहीं होते इसलिये उन्हें क्षेपक लेने पडते हैं। सापातिक औच्चिक वर्षमान अपने संपात गति से न्यून उच्च गति से शुद्धचक्र भोग से न्यूनाधिक रहता है। संपात में भी कालान्तर व राहुजन्य संस्कार लगने से चलमान और भी चलित हो जाने से जितने संस्कार से वह नाक्षत्र पथ से चलित हुआ उतने विलोम संस्कार देने पर ही सायन से निरयण आ सकता है। इसीलिये मेरी पाश्चात्य विद्वानों से भी प्रार्थना है कि जबकि जिस खगोलिक ज्योतिर्गोलों के हरएक आकृति के संबंध में हरएक तारे का संख्यायुक्त वर्णन के नकशे ही पाश्चात्य देश में प्रचलित हैं। नॉटिकल आल्मनाक में जो तारों के पुंजांतर्गत अल्फा बीटा आदि उल्लेखित किये जाते हैं। वही सब वेदोक्त हैं। इतना ही नहीं तो जो दंतकथा तारों के पुंजों के संबंध की कल्पित समझी जाती हैं वही वेद नक्षत्र विज्ञान से खगोल घटना की ऐतिहासिकता सिद्ध हो सकती है तब उसके ऊपर अवश्य ध्यान देना चाहिए और भारतीय विद्वानों से भी मेरी यही प्रार्थना है कि—

" पुराणन्यायमीमांसा धर्मशास्त्रांगमिश्रिताः ॥ वेदाः स्थानानिविद्यानां धर्मस्य च चतुर्दश ॥३॥ "

इस याज्ञवल्क्य स्मृति के कथनानुसार जब कि १४ विद्या एवं विज्ञान शास्त्र और धर्म शास्त्र जब कि हमारा एक है तब दृग्गणित शुद्ध सूक्ष्मगणितागत वेध सिद्ध ज्योतिःशास्त्रका अंगीकार करें ताकि राष्ट्रका एकमुखीपंचांग रूढ होकर यह भारतीय पंचांग विदेशमें भी प्रचलित होसके। फल ज्योतिष में प्रकाश शास्त्र और आकर्षण शास्त्रद्वारा आकाशके तारकापुंजों के वर्गाकृति के रूप सादृश्यसे शुभाशुभ फल देनेवाले जो ग्रहोंके उच्चनीचस्थान और ग्रहोंकी कक्षा क्रमसे राशि स्वामिग्रह निश्चित किये गए हैं। ऐसे ही चांद्रमासके आकर्षणसे समुद्रका ज्वारभाटा स्त्रियोंका रजोधर्म जनवरी फरवरी आदि मासके अनुसार न होते हुए चांद्रमान से और वहभी भूगर्भीय मानसे होता है। तब उसी सिद्धांतानुसार बनेहुए इस पंचांगका उपयोग संपूर्ण धार्मिक और व्यावहारिक कार्यों में करेंगे ऐसी उम्मीद है।

सर्व सिद्धांतैक्य शुद्ध ग्रहलाघवसे पंचांग निर्माण

भारत में वेदकाल तथा वेदांग काल में वैज्ञानिक दृष्टि से ज्योतिषको देखने कि प्रणाली कई दिनों कायम रही फिर सिद्धांत ग्रंथोंमें आकर्षण शास्त्रके बलपर कई ग्रंथ रचे और एक आचार्य के मुकरर किये विधानों मे प्रत्यक्ष अंतर अनुभव आनेपर कालावच्छेद से दुसरे आचार्य ने संशोधन पेश करना शुरु किया। एक के पश्चात दुसरा तिसरा चौथा ऐसे अनेको संशोधक होगये। जिनमें अन्तिम संशोधक विद्वान शके ४२१ में आर्यभट्ट शके ४२७ में वराह मिहिर शके ५५० में लल्ल शके १३०० में मकरन्द तथा अखेर अखेर में केशव दैवज्ञ और इनके पुत्र शके १४०० में गणेश दैवज्ञ हुए। इन्होंने अपने प्रस्तुत काल में दृग् गणितैक्य याने तमाम ग्रह-अयन-वर्ष गति मध्यममान-कैंद्रीयमान आदि बातें प्रत्यक्ष में नाप ले ले कर और कई प्रकारांतरों से उसकी जांच करके संशोधनांक स्थिर किये हैं। और इन्ही का संशोधित आखिरी ग्रंथ ग्रहलाघव और तिथि चिंतामणी नाम से प्रसिद्ध है। ऐसे दो अमूल्य रत्न हमारे लिये छोड गये जिसका आज समस्त भारत सन्मान करता है। इसी संशोधन पथ को पूर्ण तथा अनेकानेक सिद्धांत ग्रंथों करण ग्रंथों तथा वैदिक प्रणाली का पूर्ण तया परिशीलन और भारत में आजतक हुई सभा सम्मेलनों के अंगिकृत विषयों का गहरा अनुशीलन करके प्रत्यक्ष वेधक्रिया लगातार पांच वर्ष की स्पष्ट देखकर जाँचकर तथा उसकी सत्यता की जांच के अनेकानिक मानों को प्रत्यक्ष बार बार नापकर संशोधन तयार किया है जो भारत के गुण ग्राहक सज्जनों की सेवा में समर्पण करता हूं।

मेरा संशोधित बीज संस्कार दिखाने के साथ साथ प्रथम एक महत्व की बात का परिचय देता हूं कि संशोधन विभाग का जबरदस्त अंग मेरे प्रथम गणेश दैवज्ञोने ऐसा उत्तम दे रखा है जो उसकी तुलना में मेरा संशोधन बहुत ही स्वल्पांतरों में है। यह नीचे निर्दिष्ट करे अंको से आपको ज्ञात होजायगा—

प्राचीन सूर्य सिद्धांत से एकता

वराह मिहिर (शके ४२७ इ. सन ५०५) संग्रहीत प्राचीन सूर्य सिद्धांत में लिखे ग्रहों के प्रदक्षिणाकाल के दिनों में सांप्रतोपलब्ध शुद्धनाक्षत्र मान से कालान्तर (बीज) संस्कार निम्नलिखितानुसार है।

ग्रहों के भचक्र (३६० अंश) पूर्ण करने में लगने वाले सावन दिन

ग्रह	सूर्यसिद्धांतोक्त दिनों में	+	अंतर (बीज)	= शुद्धनाक्षत्र भगण के दिन
बुध	८७·९७		०·००	८७·९७
शुक्र	२२४·७०		०·००	२२४·७०
सूर्य	३६५·२५८७५	—	०·००२३८	३६५·२५६३७
मंगल	६८७·००	—	०·०२	६८६·९८
गुरु	४३३२·३२	+	०·२६	४३३२·५८
शनि	१०७६०·०६६	—	०·८४६	१०७५९·२२०
चंद्र	२७·३२१६७१३	—	०·००००११९	२७·३२१६५९४
चंद्रोच्च	३२३१·९८७७+		०·५८८	३२३२·५७५०
राहु	६७९४·५२	—	१·१३	६७९३·३९

अर्वाचीन सिद्धांतोक्त भगणोंमें ग्रहोंकी उच्चगति अल्पलेने के कारण केंद्रीय और नाक्षत्र के शुद्ध परिमाणों में पडाहुआ अंतर १ कोष्टक में बताया है ।

ग्रहों के राशिचक्र ३६० अंश की प्रदक्षिणा करने में लगनेवाले दिन

ग्रह	शुद्ध केंद्रीय परिणाम	मयोक्त सूर्य सिद्धांत (प्राचीनके अनुसार)	प्रथमार्य सिद्धांत (शके ४२१)	ब्रह्मगुप्त सिद्धांत (शके४२८–५००)	शुद्धनाक्षत्र परिणाम
	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन
सूर्य	३६५•२५९७१	३६५•२५०७५	३६५•२५८६८	३६५•२५८४४	३६५•२५६३७
चंद्र	२७•५५४५५	२७•३२१६७	२७•३२१६७	२७•३२१६७	२७•३२१६६
मंगल	६८६•९९६५	६८६•९९७५	६८६•९९९७	६८६•९९७९	६८६•९७९६
बुध	८७•९६९४	८७•९६९७	८७•९६९९	८७•९६९९	८७•९६९३
गुरु	४३३२•८५९२	४३३२•३२०६	४३३२•२७२२	४३३२•२४०१	४३३२•५८४८
शुक्र	२२४•७००६	२२४•६९८५	२२४•६९८१	२२४•६९७८	२२४•७००८
शनि	१०७६२•९४६२	१०७६५•७७३०	०७६६•०६४७	१०७६५•८१५२	१०७५९•२१९८
चंद्रोच्च	चंद्रस्योच्चस्थानं	३२३२•०९३७	३२३१•९८७१	३२३२•७२४१	३२३२•५७५७
राहु	चंद्रस्यपातः	६७९४•३९९८	६७९४•७४९५	६७९२•२५४०	६७९३•३९११

ग्रह	केंद्रांतर	नाक्षत्रांतर	केंद्रांतर	नाक्षत्रांतर	केंद्रांतर	नाक्षत्रांतर	केंद्रांतर	नक्षत्रांतर	केंद्रांतर	नक्षत्रांतर
	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन	दिन
सूर्य	०	–•००३३४	+•०००९६	–•००२३८	+•००१०३	–•००२३१	+•००१२७	–•००२०७	+•००३३४	०
चंद्र	०	–•२३२८९	+•२३२८८	–•००००	+•२३२८८	–•००००	+•२३२८८	–•००००	+•२३२८९	०
मंगल	०	– •०१६९	– •००१०	– •०१७९	– •००३२	– •०२०१	– •००१४	– •०१८३	+ •०१६९	०
बुध	०	– •०००१	– •०००३	– •०००४	– •०००५	– •०००६	– •०००५	– •०००६	+ •०००१	०
गुरु	०	– •२७४४	+ •५३८६	+ •२६४२	+ •५८७०	+ •३१२६	+ •६१९१	+ •३४४७	+ •२७४४	०
शुक्र	०	– •०००२	+ •००२१	+ •००२३	+ •००२५	+ •००२७	+ •००२८	+ •००३०	+ •०००२	०
शनि	०	–३•७१६४	–२•८२६८	–६•५५३२	+३•०१८५	–६•८४४९	–२•८६८९	–६•५९५४	+३•७२६४	०
चंद्रोच्च	०	नाक्षत्रोक्त	…	– •४८२०	…	–•५८८६	…	+ •१५८४	उपर्युक्त	०
राहु	०	ही अक हैं	…	+१•००८७	…	+१•३५८४	…	–१•१३७१	ही अंक है	०

सूर्योच्च वध	विकला	विकला	विकला	विकला	विकला
गति	००	+ ३•३९१२	+३•६६०६	+४•५२३१	+११•८९०५
अयनगति	६२•०८०२	–५८•६८७८	५८•४१४०	५७•५५६८	५०•१८८८

इस प्रकार तुलनात्मक पद्धति से संपूर्ण सिद्धांतोक्त मूलांकों में स्वल्पान्तर से ही दीर्घ कालमें अंतर पडा है। गुरु शनि बलवान् ग्रहोंका परस्पर आकर्षण से १२–३० वर्षोंकी अवधी में कुछ घटियोंका अंतर पडना स्वाभाविकही हैं । कक्षा केंद्रच्युति घटती जाने से परम मंदफल में शके १८६० में जितना अंतर पडा है उसको निकालना योग्यही है इसलिये हमने ग्रहलाघव को ही चालन देकर मध्यम ग्रह उच्चपातादि के दृग्गणितैक्य नाक्षत्र के मूलांकलि में है ।

ग्रहलाघव में बीज संस्कार कोष्टक २

		ग्रहलाघव कालीन मध्यमग्रह			बीज संस्कार		
		क	ख	ग	क–ग	क–ख	ख–ग
		ब्र; आ, सू, सिद्धान्त साधित ग्रह.	ग्रहलाघव में कहे हुए क्षेपक.	शुद्ध नाक्षत्र तत्कालीन क्षेपक.	शुद्ध नाक्षत्र से सिद्धान्तीय ग्रहों में अंतर.	सिद्धांतोक्त में गणेश दैवज्ञका बीज संस्कार.	ग्रहलाघव में हमारा बीज संस्कार
	ग्रह	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क. वि.	अ. क. वि.	अ. क. वि.
[ब्र] ब्रह्मगुप्त सिद्धांत साधित	सूर्य	११ २० ५३ ३६	११ १९ ४१ ०	११ १८ ५२ १	− २ १ ३५	− १ १२ ३६	− ० ४९ ६
	बुध	८ ८ ३ ४२	८ ८ ४ ०	८ १० ४ १२	+ २ ० ३	+ ० ० १८	+ २ ० १२
	शुक्र	७ २८ ९ ३९	७ ७ २० ०	७ ७ ४० ४८	− २० २८ ५१	− २० १९ ३९	+ ० २० १८
[आ] आर्य	राहु	१ ४ ११ १३	० २७ ३८ ०	० २७ ३ १४	− ७ ७ ५९	− ६ ३३ १३	− ० ३४ ४६
	बीज संस्कृत			० २७ ४ ३६	− ७ ६ ३७		− ० ३३ २४
भट सिद्धांत साधित	मंगल	१० ३ १२ ५२	१० ७ ८ ०	१० ५ ३६ ३६	+ २ २३ ४४	+ ३ ५५ ८	− १ ३१ २४
	गुरु	७ ५ ४३ ५१	७ २ १६ ०	७ ० २९ २४	− ५ १४ २७	− ३ २७ ६१	− १ ४६ ३६
	शुक्र	७ २८ ११ २३	७ ७ २० ०	७ ७ ४० ४८	− २० ३० ३५	− २० ५१ २३	+ ० २० ४८
	शनि	९ ९ ० २५	९ १५ २१ ०	९ १३ ६ ०	+ ४ ५ ३५	+ ६ २० ३५	− २ १५ ०
[सू] प्रयोक्त सूर्य सिद्धांत संश्रित	सूर्य	११ १९ ४१ १३	११ १९ ४१ ०	११ १८ ५१ ५४	− ० ४९ १९	० ० १३	− ० ४९ ६
	चंद्र	११ १९ १५ ४०	११ १९ ६ ०	११ १८ १९ ५९	− ० ५५ ५१	− ० ९ ४०	− ० ४६ १
	बीज संस्कार		०	११ १८ २१ ४९	− ० ५४ १		− ० ४४ ११
	चंद्रोच्च	५ १७ ४० २३	५ १७ ३३ ०	५ १६ ४९ ४८	− ० ५० ३५	− ० ७ २३	+ ० ४३ १२
चंद्र का ४ उपकरण	चंद्रोच्च	५ १७ ४० २३	५ १७ ३३ ०	५ १४ ५४ ०	२ ४६ २३	− ० ७ २३	− २ ३९ ०
	बीज संस्कृत			५ १५ १ १९	− २ ३९ ४		− २ ३१ ४१

अन्यान्य ग्रंथोक्त बीज संस्कार और बीज संस्कृत क्षेपक ३

मध्यम ग्रहों के ग्रहलाघव कालीन क्षेपक	भास्कराचार्योक्तबीज.	लल्लोक्त बीज	हमारा बीज संस्कार	बीज संस्कृत क्षेपक	अंशात्मक क्षेपक
	अं. क. वि.	अं. क. वि.	अं. क. वि	रा. अं. क. वि.	अंश
सूर्य	− १ ९ १९	− ० ० ०	− ० ४९ ६	११ १८ ५१ ५४	३४८·८६५
चंद्र	− १ ५५ ३१	− १ ४२ १२	− ० ४६ १	११ १८ १९ ५०	३४८·३३३
चंद्रोच्च	− ० ४६ १३	− ७ ४६ २	− ० ४३ १२	५ १६ ४९ ४८	१६६·०८३
राहु	+ ० ४६ १३	− ६ ३२ २७	− ० ३४ ४६	० २७ ३ १४	२७·०५४
				चक्रशुद्ध	३३२·९४६
मंगल	+ ० २३ ६	+ ३ १६ १३	− ० ३१ २४	१० ५ ३६ ३६	३०५·६१०
बुध	+ २० १ ७	+ २८ ३८ ५८	+ २ ० १२	८ १० ४ १२	२५०·०७०
गुरु	− १ ५५ ३१	− ३ १२ ८	− १ ४६ ३६	७ ० २९ २४	२१०·०४९
शुक्र	− ५ ४६ ३५	− १० २५ २८	+ ० २० ४८	७ ७ ४० ४८	२१७·०६८
शनि	+ ५ ० ०	+ १ २१ ४६	− २ १५ ०	९ १३ ६ ०	२८३·०१०
बुधकेंद्र	+ २१ १० ४६		+ ८ २० ४२	८ २१ १२ १८	२६१·०२१
शुक्रकेंद्र	− ४ ३७ १६		+ १ २० ६	७ १८ ४८ ५४	२२८·०८२
रविकेंद्र	− १ ९ १९		+ ० १९ ३८	९ १ २१ २२	२७१·३५६
उप ४ चंद्रोच	− ० ४६ १३	− ७ ४६ २	− २ ३९ ०	५ १४ ५४ ०	१६४·०९०

जिस प्रकार वराहमिहिरोक्त बीज में हमारा बीज संस्कार मूल सिद्धांत से स्वल्प है उसी प्रकार भास्कर लल्ल ग्रहलाघवोक्त बीज से हमारा बीज संस्कार ग्रहलाघव से भी स्वल्प है ऐसा कोष्टक २ से विदित होगा.

बीज संस्कृत ध्रुवक और चक्र=गण (अहर्गण ४०१४) की शुद्ध नाक्षत्र मध्यम गतिद्वारा शके १८६० चैत्र कृ. १४ बुधवारे चक्र ३८ अहर्गण ६४ के मध्यम ग्रह ।

ब्रह्मगुप्त आर्यभट सूर्य सिद्धांत से ग्रह लाघव कालीन	सिद्धांत साधित ध्रुवक	ग्रहलाघवोक्त + बीज	ग्रहलाघव मे लिखे=ध्रुवक	हमारा दिया + बीज	शु.नाक्षत्रीय च. शु.=ध्रुवक	अ. ग. की मध्यम गति
	रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं.
सूर्य	० १४२ ८	+० ३	० १४९ ११	–१ ३५	० १४७ ३६	३५८·२०६
चंद्र	० ३४६ १०	+० १	० ३४६ ११	–१ २९	० ३४४ ४२	३५६·२५५
चंद्रोच्च	९ २४१ ११	+३ ४९	९ २४५ ०	+० ११	९ २४५ ११	८७·२४७
राहु	७ २४६ ३३	+३ २७	७ २५० ०	–० ४४	७ २४९ १६	१४७·१७९
मंगल	१ २५ २७ १४	+४ ४६	१ २५ ३२ ०	–२ ५७	१ २५ २९ ३	३०४·५१६
बुध	४ ५ १७ ४२	–१ ३१	४ ५ १६ ११	–६ ११	४ ५ १० ०	२३४·८३३
गुरु	० २६ १६ ५२	+१ ८	० २६ १८ ०	+० २१	० २६ १८ २१	३३३·६९४
शुक्र	१ १५ ४५ ५८	+५ १३	१ १५ ५१ ११	+० ३३	१ १५ ५० ३८	३१४·१५६
शनि	७ १५ ४२ ४१	–० ४१	७ १५ ४२ ०	–४ २७	७ १५ ३७ ३३	१३४·३७४
बुध केंद्र	४ ३ २८ ३४	१ ३४	४ ३ २७ ०	–४ ३६	४ ३ ३२ २४	२३६·६२६
शुक्र केंद्र	१ १३ ५६ ५०	+५ १०	१ १४ २ ०	+१ २	१ १४ ३ २	३१५·९४९
रवि केंद्र	... ...	... ...	० १४९ १२	+० ३४	० १४९ ४६	३५८·१७१
च. शु. राहु	४ २७ १३ २७	–३ २७	४ २७ १० ०	+० ४४	४ २७ १० ४४	२१२·८२१

चंद्र साधन के उपकरण	रविकेंद्र	तिथिकेंद्र	च्युतिकेंद्र	मंद केंद्र	मध्यमचंद्र	चक्र शु.राहु
ग्र. ला. मध्यम ग्रहोंमें १५२६०८ और ६४ दिनोंका	रवि–मंद केंद्र =उप १ अं.	चंद्र–रवि =उप २ अं.	चंद्र–२ रवि +चंद्रनीच उ३ अ.	चंद्र–नीच –२·३५ स्थिरांक=उप ४	मध्यमचंद्र –९ स्थिरांश अं.	राहुः अं. ७७·०५४
	३४९·८६५	३४८·३३	३४८·३३	३४८·३३	३४८·३३	३६० अं.में
चालन			३३७·७३	–३४४·९०		
	२५७·५०९	३४८·८७	+३४४·९०	–२·३५	–९ स्थि. अं.	घटानेपर
ग्रहलाघवोक्त	९२·३५६	३५९·४६	=३५५·५०	=१·०८	=३३९·३३३	३३२·९४६
चक्र ३८ गति	२८९·४६८	२८५·८५	६९·३६	१४२·३९	२१७·६८७	१६७·९०७
ध्रुवोनक्षेपक	२१·८२४	२८५·३१	६४·८६	१४३·३७	१९७·०२०	१४०·०५३
गति ६४ दिनकी	६३·०७९	६०·२०	४·२६	११६·१६	१२३·२८७	३·३९२
चै. ब १४ बुधे	८४·९०३	३४५·५१	६९·१२	२५९·५३	३२०·३०७	१४३·४४५

मध्यमग्रह	रवि	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह ला कालिक	३४८·८६५	३०५·६१	३५०·०७	२१०·४९	२१७·६८	२८३·१०
चक्र ३८ गति	२९१·८३९	५१·६०	२८३·८७	८०·४०	५७·९३	६६·२१
ध्रुवोनक्षेपक	२८०·७०४	३५७·२१	१७३·७४	२९०·८९	२७५·६१	३३९·३१
गति दिन६४ की	६३·०७९	३३·५४	२६१·९१	५·३१	१०६·५४	१२·१४
चै. ब. १४ बुधे	३४३·७८३	३०·७५	७५·६५	२९६·२०	१८·१५	३५१·४५

पंचसिद्धांतिका (अ. १७ श्लो. २-३) लिखित बुधादि ४ ग्रहोंके उच्च बाकी ग्रहलाघवोक्त उच्चपातादि परिमाण– उच्च+१८०=नीच

ग्रहलाघव मे लिखा	सूर्य	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्चस्थान	७८·०००	१२०·०००	२२०·०००	१६०·०००	२७०·०००	२४०·०००
सि. ग्र. से-श १४४२ चालन बीज	०·४९१	+१०·०००	+१२·८२१	+ ९·५६०	०७·८१५	+ ६·८३२
शुद्ध नाक्षत्र श. १४४२	७७·५०९	१३०·०००	२३२·८२१	१६९·५६०	२८७·८१५	२४६·८६२
चालन चक्र ३८	+१·३७१	+१·९६२	+ ०·७१५	+ ०·७७१	− ०·१७४	+ १·८५४
शु. ना. शके १८६०	७८·८८०	१३१·९६२	२३३·५३६	१७०·३३१	२८७·६४१	२४८·७१६
चक्र (११ वर्ष) गति	·३६०९३२	·०५१६३९५	·०१८७९४६	·०२०२६२०	·००४५७९३	·०४८७९८२
परम मंदफल			मंदफल	संस्कार		
कालांतर संस्कृत कें. भुज १ मंदकेंद्र	+११५·१	+६४३·३	१४०६·२	३३०·४	४७·३	३८६·४
,, ,, २ ,,	+ १·२	+ ३७·५	+१७८·९	+१०·०	+०·२	+ १३·३
,, ,, ३ ,,	+ ०·०	+ ३·०	३१·५	+ ०·४	०·०	+ ०·७
सूर्य से ग्रहतक रेपाकार			मंदकर्ण			
अंतर–मंदकर्ण	१·०००१४	१·५३०३२	·३९५२८	५·२०८८६	·७२५३५	९·५५३७८
मंदकेंद्र भुज केंद्र को ज्या	−·०२६७७	−·१४१६५	−·०७८३३	−·२५०८३	−·००४९५	− ·५३३०२
केंद्र २ को ज्या	−·०००१४	−·००६५९	−·००७९५	−·००६०६	−·०००००	− ·०१४९२
पातस्थान	अयनांश	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
ग्रहलाघवोक्त	१६·३३३	४०·०००	२०·०००	८०·०००	६०·०००	१००·०००
सि.ग्रं.से१४४२ तक चालन=बीज	+०·५१६	−११·३०६	+५·४२६	−१·४९९	−४·६७२	− ७·६७५
शुद्ध नाक्षत्र १४४२	१७·१४९	२८·६९४	२५·४२६	७८·५०१	५५·३२८	९२·३२५
चालन चक्र ३८	+५·८३४	− २·६४३	−०·७८९	−१·६७१	−२·२१६	− २·१५४
श. १८६० पातस्थान	२२·९८३	२६·०५१	२४·६३७	७६·८३०	५३·११२	९०·१७१
चक्र (वर्ष ११) गति	+·१५३४२४	·०६९५७५	·०२०७७६	−·०४४०	−·०५८३५८	−·०५६६८१
पातोन उपकरण से	मंदस्पष्ट में	कक्षा परिणति	संस्कार			
कक्षा परिणति	सं. रविमध्य	−०·९	−१२·७	कला	कला	कला
उपकरण	र. प. क्रांति	रवि	मध्य शार	−०·४	−३·०	−१·६
पातोन र. मध्यग्रह	२३अं. २७क	+१११·०	+४२०·२	+७८·६	+२०३·६	+१४९·६
			चंद्र संस्कार			
	१ गति	२ तिथि	३ च्युति	४ मंदफल	५ परिणति	चंद्र शार
उपकरण भुज्या	रविमंदकेंद्र	(चंद्र–रवि)	२ (चं–सू.) − चं.मं.केंद्र	पूर्वसंस्कार युक्त चं.मं.कें.	चं. + च. रा. + ९	चंद्र–राहू
फल त्रिकला	−६५७·५	− १२१·४ भुज्या	+४४६७भु.ज्या.	+२२६४३भु ज्या	−४०९ भु २	चंद्र शार
स्थिर त्रिकला	९००·०	+२१४५·० भु २	+ ३० भु. २	+ ७७६भु २	+५४०क्षेपस्थी.रा	+१८५२२ भु २
पृथक् २ फल		+ ११·० भु ४	+४७००	+ ३७भु ३		शाराकर्षण
संस्कार		२८८०·०		+२३५००		५२२ भु २

शुद्धनाक्षत्र सौरमान से ग्रह साधन के लिये उपयोग में लाये हुए मूलांक

	सूर्य से अंतर १ मानकर मध्यम मंदकर्ण	कक्षा कैंद्र च्युति	प्रकृत्यंश (तौल) सूर्य = १ ÷	रविग्रह युति (अमावास्या) दिन	अंशात्मक दिन गति
बुध	०·३८७१	.२०५६१	६००००००	११५·८८	४·०९२३३९०
शुक्र	०·७२३३	·००६८१	४०८०००	५८३·९२१२८६६	१·६०२१३०५
पृथ्वी	१·००००	.०१६७५	३३३४८२	सूर्य दिन गति	०·९८५६०९२
मंगल	९·५२३७	·०९३३१	३०९३५००	७७९·९४	०·५२४०३२८
गुरु	५·२०२६	·०४८३३	१०४७	३९८·८८४०८००	०·०८३०९१२
शनि	९·५५४७	·०५५८९	३५०२	३७८·०९	०·०३३४५९७
चंद्र	०·००२५	.०५४९०	२६७ लक्ष	२९·५३	१३·१७६३५८३

उपर्युक्त बीज संस्कार में जो भी ज्यो. वि. केतकरजी के केतकी ग्रहगणित पृष्ठ ७ में. लिखे प्रकार " चंद्रोच्चराहूणां बीजसंस्कारा: " के गताब्द ३५८ के क्रमशः १।५०, ७।१९, १।५२ कला विकलात्मक अंकोंसे अंतररूप बीजांक कुछ कम होते हैं किंतु वर्तमान में वह धनर्ण होकर शून्य रूप हो जाते हैं इसलिए क्षेपकांकों से उन्हें अलग लिखे है और राम बीज का चंद्रोच्च (१६६.८३) उपयोग में नहीं लिया है। दृग्गणितैक्य के लिये सांप्रातिक सूर्य सिद्धान्त के बीजोपनयनाध्याय १४ में बीज देने के संबंधमें कहा है कि:—

चक्रानुपातजो मध्यो मध्यवर्त्तांशज: स्फुट: ।। कालेन दृक्समोनस्यात्ततो बीजक्रियोच्यते ।। १ ।। राश्यादिरिन्दुरंकघ्नो भक्तो नक्षत्रकक्षया ।। शेषं नक्षत्रकक्षायां स्त्यजेच्छेषकयोस्तयो: ।। २ ।। यदल्पं तद्भवेद्भानां कक्षयातिथिनिघ्नया ।। बीजं भागादिकं तस्मा स्कारयेत्तद्धनं रवौ ।। ३ ।। बीजनि:शेषसिद्धांत रहस्यं परमं स्फुटम् ।। यात्रापाणिग्रहादीनां कार्याणां शुभसिद्धिदम् ।। ४—२१ ।।

कदंबाभिमुख तारों के भोगशर से यष्टि-पृष्ठयंत्र से या तुरीय यंत्र से ग्रहोंका अंतर नापकर पहिले चंद्रस्थिति से नाक्षत्र सौर मान को शुद्ध करके। सूर्य चंद्रादि के ठीक ठीक चक्रभोग ' भभ्रमतो निरैका ' पद्धति से एवं नाक्षत्रिक परिणमन को राश्यंशात्मक रूप दे देना कि जिस के द्वारा प्रत्यक्ष यंत्रोपदिष्ट मान से गणितागत मान की समानता होजाय। इसी तरह मंद शीघ्र परिधि को यानी परम मंदफल और कैंद्र को भी शुद्ध करके सभी परिमाणों की अंगांगी भावसे एक वाक्यता जिस प्रकार हो वही बीज योग्य है, ऐसा सूर्यसिद्धांत का सार है। तारा चंद्र पिधान युति का भूमध्य दृश्य काल आलेख्य के चंद्रबिंब के कैंद्र में ठीक ठीक उपलब्ध होना ही भूगर्भीय का एक उदाहरण है। इस तरह सेकडों तारों के वेधद्वारा अंतर नापकर मूलांक पट्क निश्चित किये गये हैं। इसीपर से तीर्थयात्रा विवाह संस्कारादि संपूर्ण धार्मिक और व्यावहारिक कार्य करना सूर्यसिद्धांत में ही लिखा है। उन्हीं प्राचीन संपूर्ण सिद्धांतकारों संशोधकों की आज्ञा का मैंने पालन करके यह संशोधन अविश्रांत परिश्रम के साथ तयार किया है। इसीपर से यह पंचांग दृग्गणितैक्य का आपके सामने पेश करता हूं।

इंदोर वैदिक वेधशाला
ता. २० मार्च १९३८ इ.

विश्वके विद्वानों का दास
दीनानाथ शास्त्री चुलेट

पंचांग का उपयोग और कोष्टकों को देखनेका प्रकार तथा वेधोपपत्तिसह तिथ्यादि साधन और ग्रहों के वेध गणितका

परिचय पत्र

पृष्ट १ संवत्सर फल गुरु चार शनि चार फल आदि के पृष्ठ १ से २४ तक हैं उसमें जो कोष्टक दीये गये है उस की देखने की पद्धति उसके साथही जोडी गई है ! **पंचांग पृष्ठ २ से ४१ तक में** आनंदादियोग तिथि आदि के घटी पल और आगे शास्त्रार्थ लिखा है । तथा मध्यम सूर्योदय (प्रातःकालिक) ग्रह स्पष्ट दिये हैं । यह सभी ग्रह सूक्ष्मदृग्गणितैक्य पद्धति के होने से हरएक जन्मपत्री वर्षफल प्रश्न पत्र बनाने वाले को बिना परिश्रम ग्रह स्पष्ट लिखने के उपयोगी है सूक्ष्मता चाहने वाले इष्ट कालिक ग्रहगति का चालन देकर तात्कालिक कर सकते हैं । जिन के जन्मपत्री में सूर्य सिद्धांतोक्त सूर्य लिखा गया हो उस सूर्य के राशि अंशतुल्य दिन में वर्ष प्रवेश देखने के सुभीते के लिये सूर्यसिद्धांतीय प्रातःरवि स्पष्ट **सौररविशीर्षक में** लिखा गया है । नीचे अवधि के स्पष्ट ग्रह फिरसे आठ८ दिन के इस लिये लिखे है कि जिन को दैनिक ग्रह स्पष्ट समझते न हों उन को पूर्व परिचय के तुल्य कुंडली के साथ प्रातः कालिक ग्रह स्पष्ट लिखे गए हैं । शुक्ल पक्ष में सूर्य संक्रांति फल और कृष्ण पक्ष में मास फल मिलकर वह उसी मास का फल समझना चाहिये ।

तिथि नक्षत्र योग साधन पृष्ठ ४२ इस लिये दीये गये हैं कि अन्य पंचांग कर्ता विद्वान् जहांतक

" भक्ता व्यर्क विधोर्लवायम कुभिर्याताःतिथिः स्यात्फलं । शेषं यात मिदं हराच्चपतितं भोग्यं विलिप्ता- स्तयोः ॥ भुक्त्योरंतर भाजिताश्चघटिका यातैष्यकाः स्युः क्रमात् पूर्वार्धे करणं बवाद्गततिथि र्द्विघ्न्याद्वि तष्टाभवेत् ॥ १ ॥ २॥

ग्रहलाघव (२।२५–२६) में लिखे इन दो श्लोकोक्त रीतिसे दैनिक रवि चंद्र द्वारा तिथि नक्षत्र योग का साधन नहीं करके सारणी ग्रंथों से साधन करने में हर एक में कई पलों का अंतर ही क्या एक दो घडी तक का अंतर उसी पंचांग में लिखे रवि चंद्र द्वारा उपलब्ध होता है । इस से पंचांग के पांचों (तिथि वार नक्षत्र योग करण) अंग परस्पर में शुद्ध नहीं रह सकते हैं । क्षमा याचना करके बडे दुःखके साथ लिखना पडता है कि समस्त भारत वर्ष में ऐसा एक भी पंचांग प्रकाशित नहीं होता कि वेध गणित के साथ जिसके रवि चंद्र मिलते हुए हों या तुरीय यंत्रादि में उसकी लिखी तिथि आदि का नाप रवि चंद्र के १२।१२ अंश रूप अंतर आदि से नापी जाती हो । कई पंचांगकार ग्रह स्पष्ट ८ दिन के करते हुए भी वह प्रातः कालिक नहीं होनेसे प्रातःकालिक तिथ्यादि गणित उसके द्वारा हो नहीं सकता है । कई भाई तो चंद्र स्पष्ट ही नहीं करते है । कई १५।१५ दिनमें ग्रह स्पष्ट में चंद्र भी देते हैं किंतु उनके लिखे रवि चंद्र साधित तिथी आदिके अंक एक तर्फ जा रहे हैं इधर पंचांग में लिखे नक्षत्र से उसी चंद्रमाका मेलान नहीं हो सकता है । कई पंचांगों में पाश्चात्य पंचांग से उधृत रवि चंद्र दोनों ही रहते हैं लेकिन उन के ही पंचांगीय घटी पलों में सप्तमी अष्टमी के निकट में तो १०।१५ घटी तकका अंतर भद्रा व्यतीपात में पडता है । जो भी वह अपनी कमजोरी को छिपा ने के लिये

अदृष्टफलसिध्यर्थं तथार्कां युक्तितः कुरु ॥ गणितंयद्धिदृष्टाथ तद्दष्टयुद्भवतः सदा ॥१॥

इस तत्वविवेक प्रोक्त " भूगर्भीयमध्यमादि अदृष्ट ग्रह सूर्य सिद्धांत में युक्ति से (बीज देकर) करें और विषुवांश क्रांति याम्योत्तर लंघनकालादि भूपृष्ठीय ग्रह प्रत्यक्ष वेधोपलब्ध सदा लेवें " इस कथनका धार्मिक व्यावहारिक

मनघडंत अर्थ लगाकर पंचांग के ३६० दिन में उदाहरण के लिये एक दिन का पंचांग भी अंग प्रत्यंग शुद्ध वेध सिद्ध नहीं करते हैं। हां यह मैं जरूर कहूंगा कि यदि वे दिलपर धारें तो एक दिनका क्या सौ वर्ष आगे के पंचांगभी बना सकते हैं किंतु बनानेपरभी उन विद्वानों को दैनिक रवि चंद्र बनाकर उसके द्वारा पंचांग रचना में कितना परिश्रम पडा है उसके मुवादले में रुपिया दो रुपिया पंचाग बिकता हो तो यह बात नहीं है। नाटिकल आल्मनाक ५ रुपिये में मिलता है। भारतीय पंचांग ।~ में लेनेमें भी हिचकिचाते हैं यहां तो सबसे सस्ता पंचाग चाहिये। किंतु मैं सभीसे प्रार्थना करता हूं कि पंचांगके सस्ताई के ऊपर नहीं जाते हुए सत्यता के ऊपर आना चाहिये "भेयांति दृक्तुल्यतां सिद्धैस्तैरिह पर्व धर्म नय सत्कार्यादिकं स्वादिशेत् ॥ १६ ॥" (अ. २)

इस ग्रहलाघवकार गणेश दैवज्ञ ही क्या समस्त ज्योतिः शास्त्र ग्रंथ जिस दृग्गणितैक्यता के ऊपर जैसे सूर्यसिद्धांत में बीजोपनयन लिखा गया हैं तथा २० सिद्धांत ग्रंथ एवं अनेकानेक करण ग्रंथ निर्माण हुए हैं उनके ऊपर ध्यान देकर शुद्ध पंचांग को ही बनाओ और जनता भी उसका यथायोग्य मूल्य देकर शुद्धता का प्रचार करे तो शीघ्र ही अंगप्रत्यंग शुद्ध दृग्गणितैक्य पंचांग का सर्वत्र प्रचार होजाय। इस हेतु से तिथ्यादि के बनाने के न्यास कोष्टक जैसे के वैसे उधृत किये हैं। **शास्त्रार्थ विभाग में** क्रांति साम्य महापात तथा भद्रा की स्टॅंडर्ड टाईम दी है। व्रत, उपवास, महोत्सव, चंद्रोदय आदि धर्मशास्त्रानुकूल निर्णय दिया है। इन्दौर शहर का दिनमान रवि उदयास्त की स्टॅंडर्ड टाईम तारीखें चंद्र-चार, पर्जन्यनक्षत्र विवाह मुहूर्त आदि स्पष्ट लिखे हैं।

ग्रहों का वेधसाधन

पंचांग में कोई दो तीन सौ गांवों के रेखांश (पूर्व पश्चिम पल=टाईम नापने के लिये) अक्षांश (दक्षिणोत्तर स्थल नापने के लिये) लिखे गए हैं। उसपर से आप अपने गांव के अक्षांशों को तुरीय यंत्र में ध्रुव तारे को प्रातःकाल सायंकाल में नापकर मध्य में चिन्ह करदें ताकि अक्षांश स्पष्ट होते हुए दिक्साधन के लिये उत्तर में २७० अंश लेकर यंत्र का दिगंश गोल स्थिर कर देवे। इसमें जब कोई सूर्यादि ग्रह आवेगा वही उसका याम्योत्तर वृत्तका **लंघनकाल है**। अक्षांश को ९० अंश में घटाने पर **लंबांश होते हैं**। पंचाग में हरएक ग्रह की दैनिक क्रांति लिखी गई है। लंबांश में ग्रह की दक्षिण क्रांति घटाने पर उत्तर क्रांति मिलाने पर क्षितिज से उन्नतांश पर ग्रह दिखाई देता है। यानी उसके दिगंश होते हैं। यहा यही बात ध्यान में रखनी चाहिये कि यदि यह जोड़ ९० के ऊपर हो जाय तो उसे १८० में कम करके उत्तर उन्नतांश लिखें क्योंकि वह ग्रह या तारा २७० दिगंश पर दिखाई देगा। **नतांश**=९०—उन्नतांश। नतांश की स्पर्श रेषा तुल्य छाया रहती है। पंचाग में **ग्रहों** के लंघनकाल की इन्दौर की स्टॅंडर्ड टाईम लिखी गई है। और इन्दौर स्थायी स्टॅ. टा. ६।२७ है। इससे अन्य नगरों में स्टॅ. टा. मिनिट पूर्व पश्चिम में घटा बढ़ा कर अपने गांव के अंतर मिनिट घटा बढ़ाकर लंघनकाल का टाईम बनालें उस समय तुरीय यंत्र से उन्नतांश या शंकु द्वारा छाया नापकर वेध ले सकते हैं। बाकी का वेध गणित नतकालांश द्वारा होने से ग्रह लाघव में वेध प्रक्रिया से कर सकते हैं।

बिना यंत्र से भोग शर का निश्चय

पंचांग के स्पष्ट ग्रह शुद्ध नाक्षत्र भोग कंदबाभिमुखशर स्थिर तारों से नापे जा सकते हैं। तथा नक्षत्र चक्र के २ नकशे दिये हैं। उसमें लिये अन्यान्य पुंजताराओं के भोग शर की निकटता से या तारा ग्रह युति, चंद्र तारा पिधान युतिद्वारा खस्वांतर से अंकों की सत्यता निश्चित हो सकती है। भारत वर्ष में यह वेध सिद्ध गणित दर्शक पहिलाही पंचांग होने से तथा कुल ताराओंके भोग शर की पुस्तक अभी प्रकाशित नहीं होने से इस पंचाग में उदाहरण आदि नहीं देकर प्रत्यक्ष में विद्वानों की सेवा में इसके अंग

प्रत्यंगों की जांच बतलाना निश्चित् किया है। जिससे नकशों द्वारा नक्षत्र पुंजों की पैछान करते हुए किस राशि नक्षत्र के किस अंश में ग्रह दिखाई दे रहा है। पंचांग में लिखे सूर्य से ग्रह की दूरी, पृथ्वी से ग्रह की दूरी बिंब आदि हर एक परिमाण कितने महत्त्व का और आवश्यक है यह विद्वानों की सेवा में प्रत्यक्ष बतलाया जायगा। और उसके सत्यता के अभिप्राय न्याय मंडल में एवं श्रीमन्त इन्दौर सरकार की सेवा में पेश किये जावेंगे। इस उद्देश के अनुकूल पंचाग में सभी परिमाण शुद्ध सूक्ष्म गणित के दिये गये हैं।

वेध उपपत्तिसह पंचांग साधन परिचय (पृष्ठ १२×३=३६)

तिथी साधन पृष्ठ (३-१४) तारीख के अनुक्रम से स्पष्ट सूर्य में चंद्र घटानेपर अमांतीय तिथि शेष=(अ) में १२ का भाग देकर शेषांक विलोम तिथि के अंशों में लाग्रथमिक रिति से र. चं. गत्यंतर का भाग देकर हर एक बार को मध्यम सूर्योदय से तिथि समाप्तिकाल के घटी पल लिखे हैं **नक्षत्र साधन** (पृ. १७ २८) स्पष्ट चंद्र में १३ अंश २० कला=अश्विनी आदि नक्षत्र का भाग देकर शेष अंशों में अंशात्मक चंद्रगति का लाग्रथमिक भाग देकर बारानुक्रम से नक्षत्र समाप्ति के घटी पल लिखे हैं। **योग साधन** (पृ. ३१·४२) रविचंद्र के जोड को १३ अंश २० कला का विष्कंभादि योग के अंकों में घटाकर शेष अंशों में रविचंद्रगति जोड का लाग्रथमिक भाग देकर बारानुक्रमसे विष्कंभादि योग समाप्तिकाल के घटी पल लिखे हैं। तिथि का अर्ध विभाग करण होने से दो तिथि के जोड का अर्धभाग पूर्व करण और तिथि समाप्तिकाल के तुल्यही उत्तर करण रहता है। यही घटी पल पंचांग में लिखें होने से उपपत्ति शुद्ध हैं। और यंत्र द्वारा इन परिमाणों के घटीपल नाप सकते हैं। सूर्य चंद्रांतर १२।१२ अंश की तिथि। चंद्र की नक्षत्र स्थिति और अमांत चंद्र नक्षत्र से १८० पर सूर्य स्थिति द्वारा नक्षत्र और उनका जोड योग का वेध देख सकते हैं।

उपपत्तिसह ग्रहोंका वेध गणितका परिचय

प्रस्तावनामें ग्रहलाघवसाधित मध्यम ग्रह मंदोच्च पात लिखे हैं एवं रविसंक्रम कालिक मध्यम ग्रह उच्चपात सिद्धांत प्रभाकर से भी लिखे हैं उनमें अहर्गण गति मिलाकर आगे के कोष्टक बनाए गए हैं। केतकी सेभी इनकी एक वाक्यता होती है इसलिये तुलना करने को केतकी अहर्गणभी दिया है।

सूर्य का वेध गणित विभाग पृष्ठ ४४ से ६७ तक है। इसमें प्रथम तारीख बताकर तिथि बार का क्रम बताया है। आगे दैनिक प्रभाकर सिद्धांत साधित दिनगण हैं। मध्यम रवि तथा उसका मन्दकेंद्र और मन्दफल जो संस्कार दिया जाता है वह धन ऋणात्मक दिखाया है। आगे स्पष्टरवि और उसकी दिनगति दी है। और प्रतिदिन का नापने को रविबिंब दिया है। मन्दकर्ण अयनांश और सायन मध्यम रविभी प्रतिदिनका दिखा दिया है।

उत्तर पृष्ठमें तारीख देकर सायन स्पष्ट सूर्य दिया है और उसीके विषुवांश दिखाकर उसकी दिनगतिभी दी है। आगे स्पष्ट रविका विषुवकाल और दिनगति बताकर दैनिक क्रांति और क्रांतिकी दिनगति वेध साधन करने के लिये देदी है। इन्दौर में नित्यके सूर्यका (खस्वस्तिक से गुजरना) याम्योत्तर लंघनकाल के घटि पल देकर उसका स्टॅंडर्ड टाइम भी दिया है। इन्दोर का वेध साधन करने को चर और नतांशभी दिये है। प्रतिदिन के सैकडो बार गणित की सत्यताकी जाँच करानेवाली सब से मोटी बात इसके आखिर में यहभी देदी है कि सूर्य की छाया मध्यान्ह काल में अर्थात् सूर्यके याम्योत्तर लंघन काल में—दशअंगुल—दस इंच—दस हात—दस गज इत्यादि दस विभागमें किसीभी विभाजित शंकु—भींत—मकान—वृक्ष—इमारत या मनुष्य अपनी स्वतः की छाया को भी क्यो न दस विभागों मे नापे। याम्योत्तर लंघनकाल में छाया का नाप ठीक ठीक कितना होगा यह इसमें स्पष्ट कर दिया है। पंचांग के गणित की सच्चाई जाँचने वालों के लिये यह सबसे सहल और कम परिश्रम से नापने

तथा ज्योतिष शास्त्र की सत्यता जाँचने का रोज का तरीका सहल कर दिया है। हमारे ज्योतिःशास्त्र के प्रेमी विद्वान तथा भारत के समस्त सर्वे का काम जानने वाले तथा तज्ञ इंजिनियर लोगोंको जाँचने के ही लिये यह छायामान दिया है। मध्यान्ह में ये मानों को तपास कर हमारे वेध शाला में अभिप्राय भेजने की कृपा करें।

चंद्र का वेध गणित पृष्ठ ६७ से ९१ तक है! इस में आरंभ मे तारिख तिथिवार दिखाकर प्रभाकर दिन गण बताया है। इस में आगे मध्यम चन्द्र के स्थिरांक दिखाकर पहिले रवि केंद्र प्रथम संस्कार और मध्यम मन्द केंद्र से मन्दफल नामक चतुर्थ संस्कार देकर मध्यम स्पष्टचन्द्र बताया है।

उत्तर विभाग में तारिख का क्रम दिखाकर पातोन चंद्र और पंचम संस्कार बताकर स्पष्ट चन्द्र किया है। जिसकी आगे दिन गति भी देदी है। इसी तरह चन्द्रका नित्य का शर तथा सायन भोग दे दिया है। और इसी की नित्यकी दैनिक क्रांति-बिंब-विषुवांश दिखाकर इन्दौर शहर से गुजरने वाला चंद्र का याम्योत्तर लंघनकाल भी देदिया है जो नित्य स्टँडर्ड टाइम के अनुसार हर तरह से नापा जा सकता है।

इसी पंचांग के आरंभ मे चन्द्रोदय चन्द्रास्त का समय दैनिक देदिया गया होने से प्रतिदिन इस के गति के सत्यता की जाँच करते बनती है। वेध लेने वालों के लिये इसकी नित्यकी विषुवांश क्रांति दैनिक होने से चन्द्रमाका वेध जाँचने के लिये तो अत्यंत सुगम विभाग हो गया है।

इसी तरह अनेकानिक वेध क्रिया से प्रतिदिन सैंकडो प्रकारों से ज्योतिष की सत्यता और प्रत्यक्ष दुरबीन-तुरीय यंत्र-पष्ठ यंत्र आदि से नाप ने तथा जाँचनेका-मंगलका वेध गणित पृष्ठ ९२ से ११५ तक। बुध का पृष्ठ ११६ से १३९ तक गुरु का पृष्ठ १४० से १६३ तक एवं शुक्र का पृष्ठ १६४ से १८७ तक तथा शनि का पृष्ठ १८८ से २११ तक तमाम ग्रहों का वेध गणित क्रमशः दिया है।

भारत के प्रसिद्ध १८ शहरों का दिनमान सूर्योदय सूर्यास्त तथा चर पल पृष्ठ २१२ से २३५ तक दिये हैं। इनमें स्थलाभाव से कुछ नगरोंके चर पल इस लिये हटा दिये हैं कि समीपवर्ति दुसरे शहर और इसका चर एक ही आता है। जैसे रंगून, हैदराबाद, एलिचपुर, नागपुर, कानपुर बनारस, उदेपुर जयपुर आदिका रच समान है।

इसके अन्य विषयोंमें प्रत्येक नगर निवासी को अपने रहते ग्राम मे उत्पन्न हुये बालक की लग्न कुंडली बनानी हो तो ज्योतिषियों की बहुत ही गैर सुभीता होती थी। क्योंकि प्रायः लग्नसारणी पंचांग कर्ता अपने अपने पंचांग में किसी एक विशेष नगर ही का देते हैं इसलिये लाचारन उन्हें अपना रहता या आजू बाजू जिले का गांव छोड कर पर प्रांत की लग्नसारणी में गुंजायश करनी होती थी। इस कठिनाई को मिटाने के लिये हमने लगभग चार पांच सौ नगरों के उपयोग में आने वाली लग्नसारणियाँ अक्षांश ८ से लेकर ३५ तक की प्रमुख ऐसी १६ लग्न सारणियाँ पृष्ठ २३६ से २५१ तक दे दी हैं। इसका उपयोग अपने समीपवर्ति जिले की लग्न सारणी से टिप्पण–मुहूर्त लग्न–विवाह आदि के देने में बहुत ही सुभीता होगा। इतना ही नही तो वे अपने स्थानिक गाव की लग्नसारणी से सूक्ष्म शुद्ध जन्म पत्रिकाएँ तथा वर्ष फलादि बनाकर उनसे फलित का उपयोग अचूक ऐसा आसानी से कर सकेंगे।

इस पंचांग में विवाह मुहूर्त प्रारंभिक पृष्ठ ३-४ में जो दिये हैं वे बहुत ही छान बीन के साथ दिये हैं उसके खास हतलेवा पाणिग्रहण का काल तो लग्न शुद्धि के साथ साथ षड्वर्ग शुद्धीसे सूक्ष्म ऐसा स्टँडर्ड टाइम निकाल कर स्पष्ट किया है। इसी तरह अखिल भारत सर्वोपयोगी गुरु शुक्र के उदय अस्त और स्वोदय अक्षांश विभाग से लग्न होने के किन २ गांवों में कब कब होगा उसका विशेष पत्ना स्वतंत्र ऐसा पृष्ठ ३ में दे दिया है। ऐसे ही भारतवर्ष के अन्य नगर निवासियों को अपने अपने स्थान का जिन्हें वेध लेना जरूरी हो उन्हें अपने या समीपवर्ती नगर के

अक्षांश रेखान्तर पल-पलभा-स्टँडर्ड टाइम आदि दे दिये हैं। अतः जिन्हें स्वतः के रहते ग्राम का वेध गणित स्थानिक करना हो उनको यह पांच टेबल अधिक ही उपयोगी हैं। १३ चित्रों का पारचिय-कदंब सूत्रीय राशि चक्र के गोल २ नक्षत्र चक्र के गोल २, ध्रुव सूत्रीय राशि भोग शर के राशि चक्र के नकशे ६, सुपर्ण चिति (वैदिक पंचांग) १ अमनांश आलेख्य १ चंद्रग्रहण का चित्र १ इनका उपयोग भूमिका में लिखा है।

एकमुखी पंचांगकी ध्येयपूर्ति के सहायकों को धन्यवाद

मेरी प्रार्थना पर ध्यान देकर भारत वर्षमें एकमुखी पंचांग प्रचारकार्यको संचालना देनेवाले श्रीमन्त महाराजाधिराज राजराजेश्वर सवाई श्री. यशवंतराव महाराज होळकर सरकार इन्दौर समय २ पर उदारता पूर्ण अनेको प्रकार से सहायता पहुंचा रहे हैं इनका मैं अत्यंत आभारी हूं। इस वैदिक वेधशाला में छोटी मोटी दुरबीन तथा तुरीययंत्रादि की सहायता जो जो मैने मांगी आपने दी है। इन्हीं की अगाध परम उदारता और सहायताही का फल है कि आज मैं इंडियन आल्मनाक जैसे सोपपत्तिक वेधसिद्ध पंचांग निमार्ण करने में सामर्थ्यवान हुआ हूँ सबसे प्रथम आपही इस कार्य को सपन्न बनानें में धन्यवाद के योग है। अतः आपको हर्दिक धन्यवाद है। तथा इन्दौर पंचांग संशोधन कमेटी के सभापति के स्थानपर आज ८-९ वर्ष हुए जिन्होंने मेरी नियुक्ति की, श्रद्धेय पूज्य मालवीयजी के सभापतित्व में जिनकी उदारतापूर्ण सहायता मिलने से इन्दौर ज्योतिःसम्मेलन में अखिल भारत वर्षीय न्याय मंडल की स्थापना की गई तथा मेरे कथन को यथा योग्य श्रीमंत महोदय के सन्मुख रखकर इन्दौर पंचागको भारत वर्ष में सर्वमान्य कराने आदि के सहायक श्रीमन्त प्राईममिनिस्टर साहेब, श्रीमान् होम मिनिस्टर साहेब एवं फाइनन्स मिनिस्टर साहिब कि जिन्होंने इस पंचांग को साल लगने के पूर्व ही प्रकाशित कराने में पर्याप्त सहायता प्रदान की इस लिये श्रीमन्त इन्दौर सरकार के मंत्रि मंडल को हार्दिक धन्यवाद है।

दुसरा उन सज्जनों को भी धन्यवाद दिये बिना मुझसे नहीं रहा जाता जिन्होंने मेरे काम को संचालना मिलने में पूर्ण सहयोग दिया है। उन मे श्रीमन्त साहित्यप्रेमी दीवान बहादुर एम् व्ही. किबे साहब, श्रीमान् आयुर्वेदमार्तंड पंडित ख्यालीरामजी द्विवेदी, एवं सरदार चांगण साहेब, श्रीमन्त रा. ब. तांबे साहेब, तथा व्याकरणाचार्य पं. शंभुनाथजी त्रिपाठी तथा श्रीयुत नरहर गणेश कोठारीजी वकील साहेब आदि सज्जन हैं।

इस पंचांग संपादन सहायक कार्यकर्ता चिरंजीव गोपीनाथ शास्त्री चुलेट को कई अंतरंग भागों में गणित की पूर्ण तया सहायता पहुंचानेवाले कार्यकारी मंडलने अत्यंत परिश्रम किया है उनके नाम नीचे लिखे प्रकार है। (१) बाबू रमेशचंद्र चुलेट यह दुरबीनका फोकस उन्नतांश दिगंशके अनुसार मिलाने में बडी चतुरता रखते हैं। वेध लेने के अनेकों कार्य आकाश मंडल का पूर्ण परिचय के साथ शीघ्रता से करने में यह कुशल हैं, (२) गजानन पंचांग कर्ता ज्यो. पं० केशव बालकृष्ण जोशी, सावरकर, बरार निवासी; आपने ग्रहसाधन में पर्याप्त सहायता दी है, (३) आंग्लविद्याविशारद ज्यो. पं. मूलचंदजी शर्मा महू निवासी प्रोप्रायटर प्रभाकर ज्योतिष कार्यालय महू। आपने वेधगणित प्रक्रियाको दृग्गणितसाम्य करने के तमाम गणितका कार्य उत्तमतासे किया है, (४) आंग्लविद्याविशारद पंचांगकार ज्यो. पं. उमादत्त कुंदनलाल शर्मा, कुराली (पंजाब) निवासी ने पचांगगणित और ग्रह गणित में पूरी सहायता पहुचाई है. (५) संस्कृत विद्या विशारद ज्यो. पं. हरीराम शर्मा हरमरिया जयपुर (अमरसर) निवासीने उत्साह पूर्वक बहुत ही परिश्रम के साथ प्रसिद्ध नगरों की लग्न सारणियां बनाने और ग्रह गणित में पूर्ण परिश्रम किया है, (६) पूने के विद्वान् डाक्टर श्रीमान् माधवरावजी केळकर इन्होंने तमाम गणित के करने और तपास ने में पूर्ण परिश्रम किया, छपाई के प्रूफ संशोधन का कार्यभार उत्साहपूर्ण आपही ने किया है, (७) प्रस्तुत नकशे बनाने में इन्दौर आर्टस्कूल के अध्यापक श्रीमान् रेधे साहेब ने पूर्ण सहायता की है अतः उनको हार्दिक धन्यवाद है। (८) इसके अलावा अन्य मेरे कई

मित्रों ने मेरा कार्य सुसंपन्न होने में पूरी सहायता दी उनका नाम स्थानाभाव से यद्यपि में उल्लेख नहीं कर सकता तो भी उनकी कृतज्ञता पर मेरा सद्हृदय धन्यवाद है। साथ साथ सहकारी मुद्रणालय, तोफखाना इन्दौर के मॅनेजिंग डायरेक्टर, सेक्रेटरी साहेब एवं अन्य कर्मचारियोंने इतने बडे (फुल्सकेप पृष्ठ ५०० को पेज ३६८ में बैठाकर) पंचांग को शीघ्र ही प्रकाशित करने का सुअवसर दिया अतः उन्हें हार्दिक धन्यवाद है।

ध्यानपूर्वक संशोधन करते हुए भी सोपपत्तिक वेधगणित सहित अखिल भारत वर्षोपयोगी पंचांग (इंडियन आल्मनाक एवं एफेमिरीज) का भारतवर्ष में यह पहिला ही नमूना है। कार्याधिक्य व कार्यसमाप्ति की शीघ्रतावश लेखन प्रकाशन में कहीं कहीं अशुद्धि रह गई हो वह जिन महाशयों के दृष्टिगोचर हुई हो उनसे प्रार्थना है कि कृपया पत्र देकर हमें अविलंब सूचित करें ताकि धन्यवाद पूर्वक आगे वह संशोधन प्रकाशित किया जायगा।

अन्तिम निवेदन

उपर्युक्त सज्जनों की कई प्रकार की आर्थिक, सलाह, और गणित की) मदत लेकर यह एक अल्प सेवा भारत माता की विद्वत् जनता के सन्मुख समर्पण कर रहा हूँ। और आशा करता हूँ कि राष्ट्र के एकमात्र गौरव रूप वेदों को धर्ममूल * एवं ऊंचा चाहने वाले तत्वज्ञानी लोग तथा (धर्माधर्म का) कोटीक्रम नहीं लगाने वाले पंचाग संशोधन प्रेमी सज्जन इसकी साद्यंत सत्यता को जांचकर अपना अभिप्राय हमारी वैदिक वेधशाला तथा पंचांग संशोधन मंडल में भेजकर हमें कृतकृत्य करेंगे।

उत्कर्ष चाहने वालों के दास

सम्पादक—दीनानाथ शास्त्री चुलेट

उप सम्पादक—गोपीनाथ शास्त्री चुलेट

---

* "वेदप्रणिहितो धर्मो ह्यधर्मस्तद्विपर्ययः॥ वेदो नारायणः साक्षात् स्वयंभूरिति शुश्रुम॥ १॥" भागवत पु० ६·१·४०) "वेदोऽखिलो धर्ममूलं०" (मनु २·६) के आधारसे वैदिक शुद्ध नाक्षत्रपद्धति का पंचांग

श्री

संवत्सर फलम्

ॐतत्सत् ॥ श्रीगणेशायनमः ॥ जयति जगति गूढानंधकारे पदार्थान् जनघन घृणयार्यं व्यञ्जयन्नात्ममाभिः विमलित मनसां सद्वासनाभ्यास योगै रविहि परम तत्वं योगिनां भानुरेकः ॥ १ ॥ स्वस्तिश्री विक्रम संवत् १९९५ विकृतिनाम संवत्सरे तथा स्वस्ति श्रीमन्नृप शालिवाहन शके १८६० बहुधान्यनाम संवत्सरे। अस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः ॥ मंत्री बुधः ॥ मेघाधिपो भौमः ॥ अग्रधान्येशोः शनिः ॥ रसेशो रविः ॥ पश्चात् धान्यशो गुरुः ॥ अथैषां फलानि आदौ संवत्सर फलम् फलसस्ययुतं महीतलं सुपयो वर्षि पयोदमण्डलम् । अवनीपतिमानसातरे सुविनीतिर्बहुधान्यवत्सरे ॥१॥ प्रकृतिर्विकृतिं याति विकृतिः प्रकृतिं तथा । तथापि सुखिनो लोकाः भृशं विकृति वत्सरे ॥ २ ॥ राजा शुक्रः तत्फलम् । वसुमती जलपूर्ण जलाशया धनयुता जनता रहिता भिया । फल कणो पचयोऽखिलधेनवः सुपयसो-नृपतिर्यदि भार्गवः ॥ ३ ॥ मंत्री बुधः तत्फलम् ॥ स्यात् कोष वृद्धिर्धरणीश्वराणां। गावः सुदुग्धा न गदो नराणाम् । गोधूमशाली क्षुयुता धरित्री । पूर्णोदका चेच्छशिजोऽत्र मंत्री ॥ ४ ॥ मेघाधिपो भौमः तत्फलम् । अनिलः प्रबलोऽग्नि भयं प्रचुरम् । धनधान्य फलादिकमल्पतरम् । गदकोपवशा उज्जगदल्पबलं ! क्षितिजे धनपे सति नैव जलम् ॥ ५ ॥ अग्रधान्येशो शनिः तत्फलम् ॥ धान्याभावः कोषहानिर्नृपाणां। मंदावृष्टिः स्याज्जयस्तस्कराणाम्। रोगोद्वन्दे चातिपीड़ा जनस्य । प्राक्धान्येशश्चेत्सुतो भास्करस्य ॥ ६ ॥ अथ रसेशो रविस्तत्फलम् ॥ वापिकादिषु जलं न नितांतं । लोकवृन्द मुरुशीतरूजार्तम् ॥ इक्षु तैल यव तूल विनाशः । स्याद्यदारसपतिर्नलिनीशः ॥ ७ ॥ अथ धान्येशो गुरुस्तत्फलं ॥ भूभृतामिह कदापि न मन्युर्भूरि वर्षतिजलं शतमन्युः ॥ भूमिदेव निचयोऽपि मतेज्यः स्याद्यदा चरमधान्यप ईज्यः ॥ ८ ॥ अथ आर्द्राप्रवेशः ॥ आषाढ कृष्ण ८ भौमवासरे घटी ३२।२८ परं ९ तिथौ उत्तराभाद्रपदा नक्षत्रे ५१।३० सौभाग्य योगे ५०।४५ तात्कालिके तैतिलकरणे श्रीसूर्योदयादिष्ट घटी ४०।३७ समये आर्द्रार्कप्रवेशः ॥ तस्य फलम् ॥ आदौ तिथि फलम् ॥ सूर्यस्य शिव नक्षत्रप्रवेशः नवमी यदि । तर्हिसस्ते तिजा भीति रेष माहुर्मनीषिणः ॥९॥ अथ वारफलं ॥ भानोर्विशः पृथ्वी सूनोर्वारे रौद्रे धिष्ण्ये चेत्स्यात् । शस्त्राघातात्पृथ्वीशाना निःसंदेहं मृत्युस्तर्हि ॥१० ॥ अथ नक्षत्र फलम् । चंद्रेऽहिर्बुध्न्य नक्षत्रे रौद्रे चेदर्क दर्शनम् ॥ तदा सर्वाणि कार्याणि सिद्धिं यांति नृणां सदा ॥ ११ ॥ अथ योगफलम् । सौभाग्यनामके योगे रौद्रगश्चेद्दिवाकरः ॥ सौभाग्या रोगितावासि-स्तर्हि स्यात्सर्व देहिनाम् ॥१२॥ अथवेला फलम् ॥ निशायां यदा रौद्रभेऽर्क प्रवेश स्तदातीव वृष्टिं विधत्ते सुरेशः ॥ गवां स्यात्सुखं सर्वसस्यं प्रभूतं महीपालवृदं रणे नैव सक्तम् ॥ १३ ॥ अथास्मिन्वर्षे पुष्करनामा मेघः ॥ तत्फलम् ॥ नैव कंदफल मूल विवृद्धि र्जायते विविध पातकवृद्धिः ॥ रोगतो जन कृशत्व मनल्पं पुष्करे जलधरे जलपालम् ॥१४॥ अथास्मिन्वर्षे नंदसारी नामा नागः ॥ तत्फलम् ॥ यस्मिन्वर्षे नाग राजो नंदसारोऽभिधानकः ॥ तस्मिन्वर्षे वृथा वृष्टिं कुरुते नंदते जनः ॥ १५ ॥ अथास्मिन्वर्षे वणिक गृहे मेघ निवासो नाम रोहिणी नक्षत्रं संधौ पतितं । तत्फलम् संधि संस्थे वत्सरेच्च यदा ब्राम्हेच्च जायते । खंड वृष्टिस्तदा ज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ॥ १६ ॥ अथ देश विशेषेण राजादि फलम् ॥ पांचाल सौराष्ट्रविदर्भ देशेषु राज फलम् ॥ पौंड्रकालिंगयोर्मंत्रीफलम् ॥ गुर्जर यावनयोः सस्येश फलम् ॥ मागध देशे मेघेशफलम् ॥ कोंकणमालवयोः रसेश फलम् ॥ विंध्याद्रि दक्षिण भागे आर्द्रा प्रवेश फलम् ॥ इति संवत्सरफलम् ॥

॥ अथ श्रवण फलम् ॥

तिथेश्च श्रियमाप्नोति वाराद्‌ायुष्य वर्धनम् ॥ नक्षत्राद्धरते पापं योगाद्रोग निवारणम् ॥ १ ॥ करणा-भि लेतं कार्यं पंचांगफलमुत्तमम् ॥ एतेषां श्रवणान्नित्यं गंगास्नानफलं लभेत् ॥ २ ॥ इत्यर्द वत्सर फलं वत्सरादि तिथौ शुभम् ॥ यःश्रृणोति नरो भक्त्या स सुखी वत्सरं भवेत् ॥ ३ ॥

॥ गुरुचार शनिचार का फल ॥

इस वर्ष में गुरु कुंभ तथा शनि मीन राशि में रहे हैं। इससे चीन में घमसान युद्ध होगा इतनाही नहीं तो बहोतसी जगह इसकी चिनगारियाँ उडेंगी। व्यापारी लोगों को चान्दी के एका एक जब वैशाख में तेजी होगी तब लाभ संतोषजनक मिलेगा। सोने का भाव तेज भाव में सम बना रहेगा। गेहूं चांवल अलसी तिल्ही तेल निकलने वाले अन्य पदार्थ दाल दाना आदि वस्तु जो थोक परराष्ट्र में जाते हैं उनमें कांग्रेस के मंत्री मंडलों की ओर से नियंत्रण ज्येष्ठ आषाढ में होने के बाद व्यापारी लोग नियमबद्ध थोडे रुपये भी क्यों न हो विशेष लाभ उठावेंगे। कपडे का भाव प्रायः मंदाही रहेगा। गरम कपडों का भाव भी मंदा रहेगा। यंत्रादिकोंका भाव और लोहे का भाव मात्र बढता रहेगा। मशीनरी का भाव बढताही रहेगा। भारत वर्ष में कई सूनी पडी हुई फ्याक्ट्रियाँ फायदे के स्वरुप में आरंभ होगी। अनाज के व्यवसाइयों को अग्रिम वर्ष के लिये धान्य संग्रह कर लेने से आगे फायदा उत्तम होगा। घी के भाव की मंदी रहेगी। कागद का भाव सम रहेगा। इंग्रेजी परदेशी नाणे का भाव कम होगा।

हिन्दी में संवत्सर फल।

विक्रमादित्य संवत् १९९५ शालिवाहन शके १८६० इस वर्ष में राजाशुक्र मंत्री बुध-मेघाधिप मंगल और अग्र धान्येश शनि रसेश रवि तथा पश्चात् धान्येश गुरु यह अधिकारी हुये हैं। इससे भारत की शस्यशालिनी वसुन्धरा हरी भरी और समुन्नत अवस्था में फूले और फलेगी। न्यायालयों और कानून आदिमें गरीब दीन दुखिया आदि पुरुषों को सताये जानेवाले कतिपय नियमों को हटाकर नये नियम कानूनी रुपमे बहुत से परिवर्तित होंगे जिनसे दुखियाओंका दुःख हटेगा। प्रजामें नई विचार धारा प्रवाहित होगी जो समस्त भारत की प्रजा को सुखी बनानेमें भरसक प्रयत्न करेगी। भारत वर्ष के तमाम राजा लोग जैसे हैदराबाद, ग्वालियर, बडोदा, म्हैसूर, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, बूँदी, इंदोर, उदयपुर, पटियाला आदि प्रमुख राजा लोग अपना दृष्टिकोण प्रजा के हितार्थ फैलायेंगे प्रजा के हितार्थ समय समयपर अधिक सवलतें ऐसी दी जावेंगी जिससे प्रजा का संतोष बढता रहेगा। राज व्यवस्थाओं में यह विचार परिवर्तन शुक्र के जरिये होगा।

मंत्री का आसन बुधने ग्रहण किया है इससे यह बात स्पष्टही है कि विद्यालय, स्कूल, कॉलेज आदि की पढाई का ढंग एकदम बहुतसी जगह बदला जायगा वह यहा तक की प्राथमिक शिक्षा प्रणाली भी परिवर्तित होगी भारत के प्रत्येक राजालोग नाविन्य पूर्ण कार्य के करने में प्रतिद्वंद्वता से अग्रसर होंगे। भारत के राजकीय कोषमें वृद्धि होगी। पृथ्वी सधन फलो को फल वृद्धि करेगी। मंत्री लोगों का राज नियंत्रण एकदम परिवर्तन रुपमे नूतन प्रजाहित प्रकारों से भरापूरा होगा।

सुधार चाहता लोगों में तथा प्राचीन मत वादियों में मत विरोध अधिक रूप में होने से वितण्ड को बहुतसी जगह विक्षोप का रुप होगा। संयुक्त प्रांत, बिहार, तथा पंजाब में उत्पातों का प्रमाण अधिक होगा। पश्चात कम हो जावेगा। मेघाधिपति मंगल इस वर्ष मेघ के स्वामी हुये हैं; यह भारत के गुजरात, भडोच, नगर, पंढरपूर, दक्षिण महाराष्ट्र बरार का वर्धा नदी के किनारे का हिस्सा आदि को अनावृष्टि तथा अल्पवृष्टि आदि उपद्व्याप होने से पाक मे थोडी हानी पहुंचावेंगे और पानी की प्रायः उक्त प्रदेशो में कोताई रहेगी।

अग्रधान्येश शनि होने से प्रथम उपजनेवाले धान्य में यानी चावल-तिल मुंगफली आदि की फसल में बहुतसी जगह गडबडी होने से पाक में हानी होगी। पश्चात् धान्य की फसल इसका अधिपती गुरु होने से उत्तम होगी इसलिये गल्ला भरनेवालों को यह वर्ष अच्छे लाभ का है।

इस वर्ष में ग्रहण भरणी नक्षत्र तथा मेष राशि में ता. ७ नव्हेंबर १९३८ को लगा है यह राजकीय कई मामलो मे रद बदली करता है परराष्ट्र में लडाउ आरमार बढाने की जिद खडी होगी अपना अपना सैनिक

बल सब राष्ट्रवाले बढावेंगे चीन और जापान के युद्ध की चिनगारियां अन्य राष्ट्रोंपर बहुतसी जगह बुरा असर करेंगी। युद्ध के मैदान में जहां चीन और जापान का चला है वहां अन्य मंनिय राष्ट्रवाले भी कूद पडेंगे और अंत में बडे बडे राष्ट बीच में गिरकर इनका समझौता आपस में कर देवेंगे।

विश्व में शांती स्थापन होने के लिये जगे जगे भरसक प्रयत्न होंगे। इस में कुछ राष्ट्र जो शांति नहीं चाहते वे भिन्न रहने से इसके प्रयत्न में पूरी सफलता नहीं मिलेगी इधर भारत मे पैदा होने वाला कच्चा माल जो विलायत वगैरे फॉरेन में जाता है उसपर कांग्रेस के जरिये नियंत्रण होगा। व्यापारी वर्गों की एक बडी ठोस काम करने वाली सोसायटी कायम होगी। भारत वर्ष में एक मुख्य रीसर्च (तात्विक छानबीन) का काम करने वाली सोसायटी कायम होगी जिसमे राष्ट्रीय नेतागण भी सम्मिलित होंगे देश को हानी पहुंचानेवाली अनेकों बातें हटाई जाने का पूरा प्रयत्न किया जायगा उसके परिणाम स्वरूप उत्तम फल भी प्राप्त होंगे।

राजा प्रजा में प्रेम बढ़ता रहेगा। धार्मिक कार्य जगह जगह अधिक होंगे। इसी पंचांग में प्रतिमास का फल जो संक्षिप्त रूप से बताया है वह व्यापारी लोगों के उपयोगी बातों सहित प्रतिमास में आपको पढ़ने को मिलेगा।

भवदीय,

तारीख १०।३।३८ ई.

पं. गोपीनाथ शास्त्री चुलैट.
अध्यक्ष फलित विभाग.

संवत् १९९५ के विवाह मुहूर्त (रेखा, इष्ट, स्टॅंडर्ड टाईम, षड्वर्ग शुद्धीसह)

वैशाख कृष्ण

१ शुक्रे स्वात्यां लग्न ९ और १० रेखा ७।।।।ऽअग्निऽऽ।।। शुद्धम्। इष्ट ४९।४१ सूर्य ०।१ लग्न ९।१४ पर पाणि ग्रहण-हतलेवा-परस्पर समीक्षण विधि करने का खास समय रात्रौ स्टॅं. २ बजकर १९ मि. है। इस समय षड्वर्ग शुद्धि होकर विश्वा २१ श्रेष्ठ है.

५ भौमे मूले लग्न गोधूली १० तथा ११ रे. ८।।।।।।ऽऽ।। शुद्धम् इष्ट ५०।२ सूर्य ०।५ लग्न ९।१४ पाणिग्रहण (हतलेवा) और परस्पर समीक्षण का खास समय रात्री में स्टॅ. २ बजकर १३ मि. का श्रेष्ठ है.

५ बुधे मूले गोधूली लग्न रे. ८।।।।।ऽ।ऽ।। शुध्यम्।

६ गुरौ उ. षा. यां. लग्न १० रे. ७ऽ।।।। गे ऽ।।। शुद्धम् इष्ट ५०।१३ सूर्य ०।७ लग्न ९।१४ स्टॅं. टा. २ बजकर १० मिनीट पर पाणिग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ है।

७ शुक्रे उषाया लग्न ९ रे. ८ऽ।।।।।ऽ।।। शुद्धं इष्ट ४४।३१ सूर्य ०।८ लग्न ८।१७ स्टॅ. टा. रातको १२ बजकर १५ मि. पर पाणिग्रहण (हतलेवा) परस्पर समीक्षण का खास समय है.

वैशाख शुक्ल

३ सोमे रोहिण्यां भौमा क्रांतत्वाद् अशुद्धम् उपरी मृगे ल. १०।११ रे. ७।।ऽ।ऽरोऽ।।। शुद्धम्। इष्ट ४७।३३ सूर्य ०।१८ लग्न ९।१४ स्टॅं. टा. १ घ. २८ मि. पर पाणिग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ।

८ शनौ मघायां लग्न गोधूली ११ रे. ८।।।।ऽ।।।ऽ। शुद्धम् इष्ट ५२।३३ सूर्य ०।२३ लग्न १०।२६ स्टॅं. टा. रात्रौ ३।२८ पर पाणिग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ। इष्ट ग्रह ४ गु. शु. बु र. विश्वा १४।। शुभ।

१० सोमे उ. फा. यां. लग्न गो. रे. ७।ऽ।।।।ऽऽ।। शुद्धम.

११ भौमे हस्ते लग्न १० रे. ८।ऽ।।।ऽ।।।। इष्ट ४६।२३ सूर्य ०।२६ लग्न ९।१४ स्टॅं. टा. रात्रौ १२।१ का समय खास पाणि ग्रहण का है। विश्वा १७।। इष्ट ग्रह ६ षड्वर्ग शुद्धि उत्तम है।

ज्येष्ठ कृष्ण

२ सोमे मूले लग्न ११ रे. ७।।।।ऽऽअग्निऽ।।। शुद्धम् इष्ट ५१।१२ सूर्य १।२ लग्न १०।२६ स्टॅं. टा. रात्रौ २ घं ५६ मि. पर पाणिग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ है। इष्ट ग्रह ७ विश्वा १५।। शुभ:

३ भौमे मूले लग्न ११ रे. ८।।।ऽ।।ऽ।। शुद्धम् इष्ट ५१।१६ सूर्य १।३ लग्न १०।२६ स्टॅं. टा. रात्रौ २ घं. ५८ मि. पर पाणि ग्रहण मु. श्रेष्ठ इष्ट ग्रह ६ विश्वा १७।। शुभ.

५ गुरौ उषायां लग्न कुंभ, मेष रे. ९।।।।।राऽ।।।। इष्ट ५०।४५ सूर्य १।५ ल. १०।२६ स्टॅं. टा. रात्रौ २।४५ मि. पर पाणि ग्रहण मुहुर्त श्रेष्ठ। विश्वा १९।। श्रेष्ठ

ज्येष्ठ शुक्ल

१ सोमे मृगे लग्न गोरज ११ रेखा ८।।।।।चोऽ।ऽ।। शुद्धम् इष्ट ४९।९ सूर्य १।१५ लग्न १०।२६ स्टँ. टा. रात्रौ २।७ पर पाणीग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ। इष्ट ग्रह ४ विश्वा १७।। शुभ।

७ शनौ मघायां लग्न गोधूली रेखा९।।।।।ऽअ।।।। शुद्धम्

८ रवौ उ. फा. यां. लग्न ११ रेखा ९।।।ऽ।।।।।। शुद्धम्। इष्ट ४८।९ सूर्य १।२१ लग्न १०।२६ स्टँ. टा. रात्रौ १ बजकर ४३ मि. पर पाणीग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ।

१४ शनौ ऽनुराधायां ल. ११ रेखा ९।।।।।ऽ।।।। शुद्धम्. इष्ट ४७।१७ सूर्य १।२६ लग्न १०।२६ स्टँ. टा. रात्रौ १ घं. २२ मि. पर पाणीग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ।

आषाढ कृष्ण

१ सोमे मूले लग्न गोधूली रेखा ८।।।ऽ।ऽ।।।। शुद्धम्.

८ भौमे उ. भा. यां लग्न गोधूली रेखा ८।।।।।ऽ।ऽ।। शुद्धम् अथवा रात्रौ लग्न १ अत्यावश्यक के.

९ बुधे रेवत्यां लग्न गोधूली रेखा ७।ऽ।।।ऽ।ऽ।। शुद्धम्.

आषाढ शुक्ल

४ शुक्रे मघायां लग्न गोधूली रेखा ८।।।।।।ऽऽ।। शुद्धम्.

९ बुधौ स्वात्यां लग्न रेखा ८।।।।ऽ।।ऽ।। शुद्धम लग्न गोधूलीकं वा १ लग्न श्रेष्ठः।

मार्गशीर्ष शुक्ल

१० शुक्रे उ. भा. यां. लग्न गोधूली और ३ रेखा ९।।।।।ऽ।ऽ।। शुद्धम इष्ट ३२।२० सूर्य ७।१६ लग्न २।१७ स्टँ. टा. सायं ७ घं. २३ मि. पर पाणीग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ।

१५ बुधे रोहिण्यां लग्न ३ रेखा ८।।।।।।ऽ।। शुद्धम्। इष्ट३१।२३सूर्य ७।२१ लग्न २।१७ स्टँ.टा. सायकाल ७।० पर पाणि ग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ है।

पौष कृष्ण

६ सोमे मघायां लग्न गोधूली रे. ७ऽऽ।।।।ऽऽ।। शुद्धम्.

माघ कृष्ण

१२ भौमे मूले लग्न गोधूली रे. ८।ऽ।।।।।ऽ।। शुद्धम्.

माघ शुक्ल

५ बुधे उ.भा.यां. लग्न गोधूली तथा ९रेखा ८।।।।।ऽअ।ऽ।। शुद्धम् इष्ट ५६।४ सूर्य९।११ लग्न ८।१७ स्टँ.टा. रात्रौ ४।५३ बजे पाणिग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ। इष्टग्रहा रा. शु. गु. मं. चं बु. विश्वा १५।। शुभा षड्वर्ग शुद्धिः.

६ गुरौ रेवत्यां लग्न गोधूली अथवा ल. ९ रे.८।।ऽ।।।।ऽ।। श्रेष्ठ। इष्ट ५५।४४ सूर्य ९।१२ लग्न ८।१७ रात्रौ स्टँ.टा. ४ घं. ४५ मि. पर पाणिग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ। श. चं. यु. दिवा.

१५ शनी मघायां लग्न धन रेखा ९।।।ऽ।।।।।। शुद्धम् इष्ट ५४।३४ सूर्य ९।२१ लग्न ८।१७ स्टँ. टा. रात्रौ ४।१७ बजे पाणिग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ।

फाल्गुन कृष्ण

४ भौमे उफायां ल.गोधूली अथवा ५ रे.८।।।।।ऽचोऽ।।। शुद्धम् हस्ते इष्ट ३२।१२ सू. ९।२४ ल. ४।१८ स्टँ. टा. सायंकाल ७ बजकर २० मि. पर पाणिग्रहण मुहूर्त श्रेष्ठ। इष्टग्रह ६ विश्वा १९।। श्रेष्ठ.

११ भौमे मूले लग्न गोधूली रेखा ७।ऽ।।।ऽ।ऽ।। शुद्धम्।

उपनयन (व्रतबंध) मुहूर्ताः

चैत्र शुक्ल

११ रविवार स्टँ. प्रातः १०।१३

१२ सोमवार स्टँ प्रातः १०।३

वैशाख शुक्ल

३ सोमवार प्रातः सूर्योदये

५ बुधवार प्रातः सूर्योदये

१० सोमवार पुफायां लग्नं मेष प्रातः

१२ बुधे हस्त मे लग्न मेष, मिथुन

ज्येष्ठ कृष्ण

५ गुरौ उषायां लग्न मिथुन

ज्येष्ठ शुक्ल

५ गुरौ पुष्य मे लग्न २ प्रातः

११ बुधवार चित्रा मे सूर्योदये

१२ गुरुवार स्वाति मे लग्न सिंह

आषाढ शुक्ल

३ गुरौ पुष्ये लग्न ४

७ सोमे पूषायां लग्न कन्या

पौष शुक्ल

२ शुक्रवार पूषा मे लग्न कन्या

५ सोमवार धनिष्टा मे लग्न ९

माघ शुक्ल

३ सोमवार शतभिषा मे लग्न १०

५ बुधवार पूभा. मे लग्न ११

११ भौमवार रोहिणी मे लग्न ११

फाल्गुण कृष्ण १

५ बुधवार हस्त मे लग्न ११

।। इति विवाहोपनयन मुहूर्ताः ।।

मुहूर्तनामानि	तिथयः	वाराः	नक्षत्रादिकं
रजोदर्शनम्	१,२,५,७,१० ११, १३, १५,	शुभाः	अश्वि. रो. मृ. पुष्य. ह. चि. स्वा. अनु. श्र. ध. श. उत्तरा ३ रे. भानि। शुभमासाः-वैशा. ज्ये. आ श्रा. आश्वि. मार्ग. माघ, फाल्गुन।
ऋतुमतीस्नानम्	,,	,,	अश्वि. रो. मृ. ह. स्वा. अनु. ज्ये. उत्तरा ३ ध. रे. सद्भानि।
पुंसवनसीमन्तौ	,,	र. मं. गु.	मृ. पुन. पुष्य. ह. मू. श्र. सद्भानि। ३ मासि पुंसवनम्। ६, ८ मासि सीमन्तः। गुरुशुक्रास्तदोषो नास्ति।
जातकर्म नामकर्म	सत्	च. बु. गु. शु.	अश्वि. रो. मृ. पु. पु. उत्तरा ३ ह. चि. स्वा. अनु श्र. ध. श. रे. सद्भानि। जन्मादिनात् ११, १२ दिन।
सूतीस्नान	,,	र. मं. गु.	अश्वि. रो. मृ. उत्तरा ३ ह. स्वा. अनु रे. सद्भानि।
जलपूजा	,,	चं. बु. गु.	मृ. पुनः पुष्य. अनु. मू. श्र. ह. सद्भानि। एते वर्ज्याः (गुरुशुक्रास्ते, चैत्रपौषौ; अधिमासः)
अन्नप्राशनं	२, ३, ५, ७, १०, १३,१५,	चं. बु. गु. शु	बालाना षष्ठादिसममासेषु; कन्याना पञ्चमादि विषममासेषु। अश्वि. रो. मृ. पु. पु. उत्तरा ३ ह. चि. स्वा. अनु. श्र. ध श. रे. सद्भानि।
कर्णवेधः	४, ९, १४, ३० वर्जिताः	,,	अश्वि मृ. पु पु. ह. चि. अनु. अभि. श्र. ध. रे. सद्भानि जन्मादिनात् १२ वा १६ दिने, वा ६-७-८ मासेषु वा विषमवर्षे वर्ज्याः (चैत्रपौषौ हरिशयनम्, जन्ममासस्त्याज्य)
चौलकर्म	२, ३, ५, ७, १०,११, १३,	,,	३।५ वर्षे। चैत्रहीनोत्तरायणे। अश्वि. मृ. पु. पु. ह. चि. स्वा. ज्ये. अभि. श्र. ध. श. रे. सद्भानि।
विद्यारम्भः	२, ३, ५, ६, १०,११, १२,	सू. बु. गु. शु.	अश्वि. मृ. आर्द्रा, पु. पु. ऽश्ले. पूर्वा ३, ह. चि. स्वा. मू. श्र. ध. श. सद्भानि।
विपणी (दुकान)	सत्	सू.च बु.गु शु श	अश्वि. रो. मृ. पुष्य ह. चि. अनु. उत्तरा ३ अभि. रे.
चूडाधारणं	,,	र. बु. गु. शु	अश्वि. ह. चि. स्वा. वि. अनु. ध. रे.
हलवाहनम्	सत्	शुभः	अश्वि. रो. मृ. पु. पु. म. उत्तरा ३ ह. चि. स्वा. वि. अनु. मू. अभि. श्र. ध श. रे. सद्भानि। सूर्यभात् ३ अ. ८ शु. ९ अ. ८ शु.
बीजोप्तिः (बीज बोना)	,,	र. च. बु. गु. शु. श.	अश्वि. रो. मृ पु. उ. ३ ह. चि. स्वा. म. अ. मृ. ध. रे. सद्भानि राहुभात् (८ने ३ श्रे. १ ने. ३ श्रे. १ ने ३ श्रे. १ ने. ३ श्रे. ४ ने.) असत्मत्।
रोगमुक्तस्नानम्	४, ९, १४,	सू. मं. बु. गु. श.	अश्वि. भ. कृ. मृ. आर्द्रा. पू. ३ ह. चि. वि. अनु. ज्ये. मू श्र. ध. एतानि भानि चन्द्रे ४, ८, १२, स्थिते सति शुभः चरलग्ने।
चुल्हीकृत्यम्	सत्	सत्	अश्वि. रो. आर्द्रा. पुष्य. पूर्वा ३ उत्तरा ३ एतानि नक्षत्राणि
वधूप्रवेशः	,,	चं. शु. गु. श.	अश्वि. रो. मृ. पुष्य. म. उ ३ ह. चि. स्वा. अनु. मू. अभि. श्र. ध. रे. सद्भानि। विवाहादिनात् २-४-५-६ ७ ८-९-१०-१२-१४ दिनेषु, ततो विषमवर्षे।
द्विरागमनम्	,,	चं. बु. गु. शु.	अश्वि ह. ३ पु २ उत्तरा ३ रो. २ श्र. ३ मू. अनु. रे. सद्भानि। विषममासे विषमवर्षे वा। मेष वृश्चिक कुम्भस्थे सूर्येशुभः
वापीकूपतडागारम्भः	,,	,,	रो. मृ. पुष्य. म. उत्तरा ३ ह. अनु. पूर्वाषा. ध. श. रे.
द्रव्यप्रयोगः	,,	सू. चं. गु. शु. श.	अश्वि. मृ. पु पु. चि. स्वा. अनु. वि. श्र. ध. श.
धान्यसंग्रहः	,,	सत्	अश्वि. रो. पु. पु. उत्तरा ३ ह. ३ अनु. मू. श्र. ३ रे. सद्भानि
धर्मक्रिया	,,	र. च. बु. गु. शु.	अश्वि. रो. मृ पु. पु. उत्तरा ३ ह. चि. स्वा. अनु श्र. ध. श. रे. भानि।
गृहारंभ मुहूर्त	३ से ७, १० से १३, १५	चं. बु. गु. शु. श.	रो. मृ. पुष्य उत्तरा ३ अनु. ध. श. रे.

इन्दौर, अक्षांश २२।४१ की सूक्ष्म लग्न सारणी और शुद्ध नवमांश के राशि अंश

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
* ० ५	५५	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३१	३९	४७	५६	४	१२	२१	२९	३८	४६	५५	४	१२	२१	३०	३९	४८	५७
२१ ४७	९	५९	५१	४४	३९	३६	३५	३६	३८	४३	५१	०	११	२५	४२	१	२३	४७	१५	४५	१७	५१	२८	९	५३	३९	२८	२१	१६	१४
१ वृषभ	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
१ ९	७	१५	२४	३३	४२	५२	१	१०	२०	२९	३९	४९	५८	८	१८	२८	३८	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	३०	४०	५१
१४ १८	१६	२०	२९	४०	५४	११	३२	५७	२५	५६	२९	६	४६	३०	१७	७	१	५८	५८	१	७	१६	२८	४३	२	२४	४९	१६	४६	१९
२ मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७
२ १५	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३
१७ ८	५४	३२	१३	५७	४३	३१	२२	१५	१०	७	६	७	१०	१५	२२	३१	४१	५२	५	१९	३४	५०	७	२५	४४	४	२४	४५	७	२९
३ कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
३ १९	३४	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३५	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	३
८ ६	५२	११	३८	१	२५	४०	१३	३७	०	२३	४६	८	३१	५४	१६	३७	५७	१७	३६	५३	१३	३०	४७	३	१९	३४	४८	१	१२	२३
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४ २६	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२२	३३
२८ ३२	३४	४४	५३	५	८	१४	१९	२४	२८	३१	३३	३५	३६	३६	३५	३३	३१	२९	२६	२२	१७	१२	७	१	५५	४८	४०	३२	२४	१५
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३
५ ३०	४४	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९
८ १०	६	१३	४८	२९	२९	१९	१०	०	१५	४१	३१	२१	१२	३	५४	४५	२६	२८	२०	१२	५	५९	५३	४८	४३	३८	३४	३१	२९	२७
६ तुल	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९
६ ३८	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२३	३४
२४ ३८	२५	२४	२४	२५	२७	२९	३२	३६	४१	४६	५२	५९	७	१६	२६	३६	४८	५९	१२	२६	४१	५७	१३	३०	४७	५	२४	४३	३	२३
७ वृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५
७ ४२	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४
१२ २	४४	६	२९	५२	१४	३७	०	२३	४७	११	३५	५९	२२	४५	८	३१	५३	१५	३६	५६	१६	३५	५३	१०	२६	४०	५५	८	१९	२९
८ धन	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०
८ ४८	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	८	१९	२९	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३१
१७ ३०	३८	४५	५०	५३	५४	५३	५०	४५	३८	२९	१७	३	४७	२८	६	४१	१४	४४	११	३६	५८	१७	३२	४४	५३	५९	२	२	५९	५३
९ मकर	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५
९ ५२	४१	५१	१	१०	२०	३०	३९	४९	५८	७	१७	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५५	४	१३	२१	३०	३८	४७	५५	३
१४ ५४	४३	३०	१४	५४	३१	४	३५	३	२८	४९	६	२०	३१	४०	४४	४६	४४	३९	३१	२१	७	५१	३२	९	४३	१५	४५	१३	३७	५९
१० कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८
१० ५८	१२	२०	२८	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	४	१२	२०	२८	३५	४३	५१	५९	६	१४	२१	२९	३७	४४	५२	५९
२६ ३७	१८	३५	४९	०	९	१७	२२	२४	२५	२४	२१	१६	९	१	५१	४०	२७	१२	५६	३९	२१	१	४०	१८	५५	३१	७	४२	१६	४०
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११ ०	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	०	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	०	७	१५	२२	३०	३८	४५	५३	०	८	१६	२४	३१	३९	४
८ ७	२१	५३	२५	५७	२८	५९	३०	०	३०	१	३२	४	३५	७	३९	११	४४	१८	५३	२९	५	४२	२०	५९	३९	२१	४	४८	३३	२

लंकोदयाः—मे. मी. २७९·० वृ. कुं. २९९·२ मि. म. ३३१·८ क. ध ३३१·८ सिं. वृ. २२९·२ क तु. २७९·०

* विवाहादि मंगल कार्य में जहाँ षड्वर्ग शुद्धि देखना हो वहाँ इसमें लिखे जैसे मेष के २१ अंश (०।२१) के विषुव घटी ५ पल ४७ पर वर्ग ६ शुद्ध मिलेंगे। वृषभ के १४ अंश (१।१४) के विषुव घ.९ प.१८ पर वर्ग ६ शुद्ध मिलेंगे। इस विषुवकालमेंसे लग्नसारणीद्वारा सूर्यांशके विषुव घटी पल कम कर देनेपर सूर्योदयसे शुद्धांशतकका इष्ट काल बन जाता है

सूक्ष्म मानकी दशम भाव सारणी।

अंशाः / राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३
	३२	४२	५१	१	१०	२०	२९	३९	४८	५८	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५
	४८	१२	४२	०	३०	०	३०	०	४२	१२	४८	३०	१२	४८	३०	१८	[illegible]	४८	४२	३०	३०	१८	१८	१८	१८	१८	१८	३०	४२	४८
१ वृषभ	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	२	१३	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२२	३२
	०	१८	३०	४२	०	१८	४२	१२	४२	१२	३०	०	३०	१२	४२	१८	०	४२	१८	०	४२	१८	१२	०	४२	३०	०	१२	१२	४८
२ मिथुन	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३
	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७
	४८	४२	३०	१८	१८	१२	१२	०	४८	४८	४८	४२	३०	१८	१२	१२	०	४८	४८	३०	१८	०	४८	४२	१८	०	४२	१८	०	४२
३ कर्क	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९
	८	१८	२९	४०	५०	०	११	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५३	३
	१८	४८	३०	०	३०	४८	१८	४८	१८	४२	०	१८	३०	४८	०	१२	१८	३०	४२	४२	४२	४२	४२	४२	३०	३०	१८	१२	४८	४२
४ सिंह	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३
	१३	२३	३२	४२	५२	१	११	२१	३०	४०	४९	५९	८	१७	२७	३६	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१८	२८	३७	४६
	३०	१२	४८	३०	१२	४८	१८	०	३०	०	३०	०	१८	४८	१२	४२	०	१८	४२	०	१८	४२	४८	१२	३०	४२	४८	१२	१८	४२
५ कन्या	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८
	५५	५	१४	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२६	३६	४६	५५	४	१४	२३
	१२	०	१२	१८	३०	४२	१८	०	१२	१८	३०	४२	१८	०	१८	१८	४२	४८	१२	१८	३०	४८	१२	१२	४८	०	१८	४२	०	१८
६ तुल	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३
	३२	४२	५१	१	१०	२०	२९	३९	४८	५८	७	१७	२७	३६	४६	५६	६	१५	२४	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५
	४८	१२	४२	०	३०	०	३०	०	४२	१२	४८	३०	१२	४८	३०	१८	१२	४८	४२	३०	३०	१८	१८	१८	१८	१८	१८	३०	४२	४८
७ वृश्चिक	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८
	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	२	१३	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२२	३२
	०	१८	३०	४२	०	१८	४२	१२	४२	१२	३०	०	३०	१२	४२	१८	०	४२	१८	०	४२	१८	१२	०	४२	३०	१२	१२	०	४८
८ धन	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३
	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७
	४८	१२	३०	१८	१८	१२	१२	०	४८	४८	४८	४२	३०	१८	३२	१२	०	४८	४८	३०	१८	०	१८	४२	१८	०	४२	१८	०	४२
९ मकर	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९
	८	१८	२९	४०	५०	०	११	२१	३२	४२	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५३	३
	१८	४८	३०	०	३०	४८	१८	४८	१८	४२	०	१८	३०	४८	०	१२	१८	३०	४२	४२	४२	४२	४२	४२	३०	३०	१८	१२	४८	४२
१० कुंभ	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३
	१३	२३	३२	४२	५२	१	११	२१	३०	४०	४९	५९	९	१७	२७	३६	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१८	२८	३७	४६
	३०	१२	४८	३०	१२	४८	१८	०	३०	०	३०	०	१८	४८	१२	४२	०	१८	४२	०	१८	४२	४८	१२	३०	४२	४८	१२	१८	४२
११ मीन	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८
	५२	५	१४	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३३	४५	५५	४	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२६	३६	४६	५५	४	१४	२३
	४२	०	१२	१८	३०	४२	४८	०	१२	१८	३०	४२	१८	०	१८	१८	४२	४८	१२	१८	३०	४८	१२	१८	४२	०	१८	४२	०	१८

इन्दौरका स्वदेशोदयः—मेष २५१·१ वृष २९२·६ मि. ३३३·० कर्क ३३९·७ सिं. ३२९·५ क. ३२६·३ तु. ३३५·३ वृ. ३३९·९ ध. ३१३·१ म. २७०·६ कुं २३५·१ मीन २५७·८ ।

नक्षत्रादि योनि, गण, नाडी, स्वरूप, अवकहडा चक्र

नक्षत्र	योनि	वैरयो	गण	नाडी	शुभा	देव	मुख	नेत्र	नाम	स्वरूप	सं	अवकहडा
अश्विनी	अश्व	महिष	देव	आद्य	शुभ	अ. कु	ति.मु.	मं.लो.	ल.क्षि	अश्वमु.	३	चु चे चो ला
भरणी	गज	सिंह	मनुष्य	मध्य.	नाश	यम	अ. मु	म.लो.	उ.क्रूर	यो.रू.	३	ली लु ले लो
कृत्तिका	मेष	वानर	राक्षस	अत्य.	कार्य	अग्नि	अ. मु.	सु.लो	मि.सा	वरू.	६	अ इ उ ए
रोहिणी	सर्प	नकुल	मनुष्य	अंत्य.	सिद्धि	ब्रह्मा	ऊ. मु.	अध.	ध्रु.स्थि	शकट	५	ओ वा वी वु
मृगशिर	सर्प	नकुल	देव	मध्य.	शुभ	चंद्र	ति.मु.	मं.लो.	मृ.मैत्र	मृगा.	३	वे वो का की
आर्द्रा	श्वान	मृग	मनुष्य	आद्य.	शुभ	शिव	ऊ. मु.	म.लो	ती.दा	मणि	१	कु घ ङ छ
पुनर्वसु	मार्जार	मूषक	देव	आद्य.	मध्यम	देवमा	ति.मु.	सु.लो.	चरच	गृहा.	४	के को हा ही
पुष्य	मेष	वानर	देव	मध्य.	शुभ	गुरु	ऊ. मु	अध.	ल.क्षि.	मगा.	३	हु हे हो डा
आश्लेषा	मार्जा	मूषक	राक्षस	अत्य.	शोक	सर्प	अ. मु.	मं.लो.	ती.दा	चक्रा.	५	डी डु ड डो
मघा	मूषक	मार्जार	राक्षस	अंत्य.	नाश	पितर	अ. मु.	म.लो	उ.क्रूर	माला.	५	मा मि मु मे
पूर्वाफा.	मूषक	मार्जार	मनुष्य	मध्य.	मृत्युप्र	भग	अ मु.	सु.लो.	उ.क्रूर	शय्या.	२	मो टा टी टु
उत्तराफा.	गौ	व्याघ्र	मनुष्य	आद्य.	विद्या	अर्यमा	ऊ मु.	अ.लो.	ध्रुव	पर्यंका	२	टे टो पा पी
हस्त	महिष	अश्व	देव	आद्य.	लक्ष्मी	रवि	ति मु.	मं.लो	लघु	हस्ता.	५	पू ष ण ठ
चित्रा	व्याघ्र	गौ	राक्षस	मध्य.	शुभ	त्वष्टा	ति.मु	म.लो.	मृ.मैत्र	मौक्ति.	१	पे पो रा री
स्वाती	महिष	अश्व	देव	अंत्य.	अशु.	वायु	ति. मु	सु.लो	चरच	प्रवाल	१	रू रे रो ता
विशाखा	व्याघ्र	गौ	राक्षस	अंत्य.	अशु.	इंद्र	अ. मु.	अ.लो.	मि.सा	तोरण.	४	ती तू ते तो
अनुराधा	मृग	श्वान	देव	मध्य.	सर्वशु	मित्र	ति. मु.	म.लो	मृ.मैत्र	वरू.	४	ना नी नु ने
ज्येष्ठा	मृग	श्वान	राक्षस	आद्य.	क्षय	इंद्र	ति. मु.	म.लो	ती.दा	कुंड	३	नो या यी यू
मूल	श्वान	मृग	राक्षस	आद्य.	हानि	राक्षस	अ. मु.	सु.लो.	ती.दा	भाद्रा.	११	ये यो भा भी
पूर्वाषाढा	वानर	मेष	मनुष्य	मध्य.	हानि	उदक	अ. मु	अं.लो.	उ.क्रूर	शय्या.	४	भू धा फा ढा
उत्तराषाढा	नकुल	सर्प	मनुष्य	अंत्य.	बुद्धिप्र	विश्वेदे	ऊ. मु	मं.लो.	ध्रु.स्थि	हस्ति.	३	भे भो जा जी
अभिजित्	नकुल	सर्प	मनुष्य	अंत्य.	बुद्धिप्र	ब्रह्मा	०	म.लो.	लघु	त्रिको.	३	जु जे जो खा
श्रवण	कपि	मेष	देव	अत्य.	शुभ	विष्णु	ऊ. मु	सु.लो	चरच	व्यंजना	३	खी खू खे खो
धनिष्ठा	सिंह	गज	राक्षस	मध्य.	सुख	वसु	ऊ. मु.	अं.लो.	चरच	वामन	४	गा गी गू गे
शततारक	अश्व	महिष	राक्षस	आद्य	कल्या	वरुण	ऊ. मु	मं.लो.	चरच	मृदंगा	१००	गो सा सी सु
पू. भा.	सिंह	गज	मनुष्य	आद्य	मृत्यु	अजैक	अ. मु.	म.लो	उ.क्रूर	वर्तुला	२	से सो दा दी
उ. भा.	गौ	व्याघ्र	मनुष्य	मध्य.	लक्ष्मी	अहिर्बु	ऊ. मु.	सु.लो.	ध्रुव	यमला	२	दू थ झ ञ
रेवती	गज	सिंह	देव	अंत्य.	काम	सूर्य	ति. मु.	अं.लो.	मृ. मै.	पर्यंका	३२	दे दो चा ची

व्यतिपात महापात.

क्रांति साम्य	स्पर्शः घ. प.	मध्यः घ. प.	मोक्षः घ. प.	पर्व काल घ प.
ता. रविवार १०-४-३८	१८ ३२ १३घं. ५२मि. ७°४४′४८″ +३२-० ८-१६-४८	२४ ५५ १६घं. २५मि. ७°४७′८″ ०-०-० ७-४७-८	३१ १६ १८घं. ५८मि ७°४९′२९″ -३२-० ७-१७-२९	१२ ४४ ५घं. ६ मि रवि क्रांति बिंबैक्य चं. क्रां.
गुरुवार ५-५-३८	२४ ३६ १६-७-५८ +३२-६ १६-४०-४	३३ ४१ १६-१०-३३ ०-०-० १६-१०-३३	४२ ४६ १६-१३-७ -३२-६ १५-४१-१	१८ १० र. क्रां. बिंबैक्य चं क्रां.
शनिवार २३-७-३८	५६ १६ २०-१५-४५ ३२-६ १९-४३-३९	१५ ३५ २०-११-४९ ०-०-० २०-११-४९	३५ ३४ २०-७-५३ +३२-६ २०-३९-५९	३९ १८ र. क्रां बिंबैक्य चं. क्रा.
मंगल-बुध १६-८-३८	५४ ३७ १३-४३-४२ -३१-३० १३-१२-१२	२ ३२ १३-४१-१२ ०-०-० १३-४१-१२	११ २४ १३-३८-२३ +३१-३० १४-९-५३	१६ ४६ र क्रां. बिंबैक्य चं. क्रां.
शनि-रवि ११-९-३८	५९ २ ४-५२-५० -३१-२४ ४-२१-२६	७ २७ ४-५०-१६ ०-०-० ४-५०-१६	१३ ५७ ४-४७-२८ +३१-२४ ५-१८-५२	१२ ५९ र क्रां. अर्ध बिंब च क्रां.
गुरुवार ६-१०-३८	८ ५४ ४-५०-२५ +३१-१८ ५-२१-४३	१५ ३५ ४-५२-५८ ०-०-० ४-५२-५८	२२ १६ ४-५५-३२ -३१-१८ ४-२४-१४	१३ २ र. क्रां. चं. क्रां.
सोमवार ३१-१०-३८	१ ३५ १३-५०-३२ +३१-० १४-२१-३२	९ ४४ १३-५३-१५ ०-० १३-५३-१५	१७ ५४ १३-५५-५८ -३१-० १३-२४-५८	१६ १९ र. क्रां. बिं. चं. क्रां.
मंगल से गुरु २४-११-३८	२१ ५५ पूर्ण -२०-१-४५ -३१-२४ १९-३०-२१	२० १० पातस्य २०-१०-० -५-० २०-५-०	२९ २ अभावः २०-२८-४२ +३१-१२ २०-५७-३०	० ० ० बिं. ०
गुरु-शुक्र १०-२-३९	५६ ५१ १४-४३-० -३१-४२ १४-११-१४	५ ३७ १४-४०-४३ ०-०-० १४-४०-४३	१३ ४१ १४-३७ ४० +३१-४२ १५-९-२२	१६ ५० र. बिं. चं.
मंगलवार ७-३-३९	१० १० [illegible]-३७-६ -३२-१८ ५-४-४८	१६ ३९ ५-३४-३७ ०-० ५-३४-३७	२३ ८ ५-३२-८ +३२-१८ ६-४-२६	१२ ५८ र. क्रां. बिं. चं. क्रां.

वैधृति महापात.

क्रांति साम्य	स्पर्शः घ. प.	मध्यः घ. प.	मोक्षः घ. प.	पर्व काल घ. प.
ता. शनिवार २३-४-३८	२८ ४८ १२°२४′३६″ +३१-६ १२-५५-४२	३६ ५३ १२°२७′१८″ ०-०-० १२-२७-१८	४४ ५८ १२°२९′५९″ -३१-६ ११-५८-५३	१६ १० रवि क्रां. बिंबैक्य चं. क्रां
बुधवार १८-५-३८	१ २४ १९ २२-२२ +३०-३६ १९-५२-५८	१६ २६ १९-२५-३७ ०-०-० १९-२५-३७	३१ २८ १९-२८-५३ -३०-३८ १८-५८-१७	३० ४ र. क्रां बिंबैक्य चं क्रां.
बुधवार ३-८-३८	३० ४ १७-३६-२९ -३०-४८ १७ ५-४१	४१ २० १७-३३-४० ०-०-० १३-३३-४०	५२ ३६ १७-३०-५१ +३०-४८ १८-१-३९	२२ ३२ र क्रां. बिंबैक्य चं. क्रां.
रविवार २८-८-३८	३७ २४ ९-४७-५५ -३१-३६ ९-१६-१९	४४ ६ ९-४५-३४ ०-०-० ९-४५-३४	५० ४८ ९-४३-१३ +३१-३६ १०-१४-४९	१३ २४ र. क्रां. अर्ध बिंब चं. क्रां.
गुरु-शुक्र २३-९-३८	५४ २४ +० १८-१४ -३२-६ -०-१३-५२	१ ३४ ०-१५-२२ ०-१५-२२	८ ४३ ०-१२-३१ +३२-६ +०-४४-३७	१४ २५ र. क्रां. चं. क्रां.
मंगलवार १८-१०-३८	१८ २८ ९-२५-२८ +३२-१५ ९-५७-४३	२४ ५८ ९-२७-४४ ०-०-० ९-२७-४४	३१ २८ ९-३०-१ -३२-१५ ८-५७-४६	१५ ० र. क्रां. चं. क्रां.
शनिवार १२-११-३८	९ ११ १७-३०-२७ +३२-३६ १८ ३-३	२० ७ १७-३३-२२ ०-०-० १७-३३-२२	३१ २ १७-३६-१७ -३२-३६ १७-१३-४१	२१ ५१ र. क्रां. बि. चं. क्रां.
रवि-सोम. २९-३०-१-३९	४० ४२ १८-२-१४ -३२-१८ १७-२९-५६	५० ३० १७ ५९-० ०-० १७-५९-०	० ४४ १७-२६-४८ + ३२-१८ १८-२९-६	२० २१ र. क्रां. चं. क्रां.
गुरुवार २३-२-३९	२५ १५ १०-३-४५ -३१-३० ९-३२-१५	३२ ५५ १०-०-५६ ०-०-० १०-०-५६	४० :८ ९-५८-[illegible] + ३१-३० १०-२९-४२	१५ २३ र. क्रां. बिं चं [illegible]
सोमवार २०-३-३९	१९ ४ ०-२७-२२ -३१-१३ ०-३-५१	२६ ० ०-२४-३६ ०-०-० ०-२४-३६	३२ ५६ ०-२१-५० +३१-१३ ०-५३-३	१३ ५२ र. क्रां. बिं. चं. क्रां.

प्रथम व्यतिपात पंक्तिमें लिखे हुए घटी पल के नीचे के घंटा मिनिट इन्दौर के हैं ऐसे और पातों के भी समझें।

शुक्र, गुरु, अगस्त्यका लोपदर्शन कोष्टक (अक्षांश के अनुक्रम से)

अक्षांश उत्तर	भारतवर्ष के प्रसिद्ध नगरों के नाम	शुक्रास्त पश्चिमे			शुक्रोदयः पूर्वे			गुरोरस्तः पश्चिमे			गुरूदयः पूर्वे			अगस्त्यस्तः पश्चिमे		अगस्त्योदय पूर्वे	
		मिति	घटी	पल	मिति	घटी	पल	मिति	घटी	पल	मिति	घटी	पल	मास	मिति	मास	मिति
८	लंका, कोलंबो, सिंहलद्विप, सेतुबंध रामेश्वर		३४	४०	मार्ग शु. ९ बुध	४५	३६		३१	२८	चैत्र कृष्ण (कृ. फाल्गुन) ३० मी. मं.	०	३६	ज्ये. शु.	६	श्रावण कृ. (द आषाढ)	१
१३	तंजावर, महिशूर, श्रीरंगपट्टण, मद्रास, शृंगेरी.		३६	२०		५७	१८		३८	२९		०	०		१४		
१४	चित्रकलदुर्ग, कडबी, हरीहर, सुमात्राबेट		३६	४०		५९	४२		४०	१		१२	३०		१२		
१५	सावनूर, गोकर्ण, लक्ष्मेश्वर, बेंगलूर, धारवाड, गोवें.	बुधवार	३७	०		२	६		४१	३१		२५	१२	ज्येष्ठ वदी [कृ. वैशाख]	१०		
१६	करनूल, बेळगांव, रामदुर्ग, सावंतवाडी, संकेश्वर, मुधोळ.		३७	१०		४	३०	गुरुवार	४२	५७		३१	०		८	श्रावण शु.	१
१७	इचलकरंजी, कोल्हापूर, मिरज, सांगली, रत्नागिरी, हैद्राबाद, रंगून.		३७	१२		७	०		४४	१७		५३	२४		७		१
१८	पंढरपुर, सोलापुर, सातारा, भोर, बार्शी, जंजीरा, पुणें.	९	३७	१२	गुरुवार	९	३०		४५	३३	९ बुध.	८	२४		५		१
१९	अलीबाग, बंबई, अहमदनगर, ठाणें कल्याण.		३७	१०		१२	०		४६	४५	चैत्र शु.	२४	०		३		१
२०	जगन्नाथपुरी, अवरंगाबाद, जव्हार, नाशिक, कटक दोलताबाद.	[कृ. कार्तिक]	३७	०		१४	३०	४	४७	५१	सं. १९९६	४०	१२		१५		
२१	धुळे, उमरावती, अकोला, एलिचपुर, नागपुर, सुरत, बऱ्हानपुर, वर्धा, हिंग० घाट, गोंदिया.		३६	३६	२	१७	२०		४८	४६	मं.	५७	०		१३	भाद्रपद कृ. (द. श्रावण)	
२२	द्वारिका, हरदा, बडोदा.		३६	०		२०	१०		४९	३०		१५	०		१०		
२३	कलकत्ता, इन्दोर, मांडवी, अहमदाबाद, उज्जयिनी, जबलपुर, बरद्वान, भोपाल.		३५	२४	शुक्र	२३	०		५०	३	शु. २ शुक्र.	३३	३६	वैशाख सुदी	९		
२४	ढाका, सागर, सिरोज.		३४	३६		२६	१०	शुक्र	५०	२५		५३	२४		७		
२५	रींवा, उदेपुर, गया, भागलपुर, काशी, सिंध, प्रयाग, बूंदी, कोटा.	वदी	३३	३६		२९	१०		५०	३६	३	१४	२४		५		
२६	पटना, झांशी, ग्वालियर, जोधपुर, अजमेर, कानपुर, दरभंगा		३२	२४	मार्गशीर्ष	३२	१०		५०	४०	शुक्र.	३६	३६		३		
२७	सीकर, रामगढ, धौलपुर, गोरखपुर, अयोध्या, लखनौ, जयपुर, आगरा, भरतपुर, मथुरा,		३१	१२		३५	१०		५०	४०	शनि. ३	०	०		१	भाद्रपद शु.	
२८	अलीगढ, बीकानेर, पुनाक (भूतान)		२९	५२		३८	११	फाल्गुन	५०	३६		२४	१८		१४		
२९	दिल्ली, बरेली, मुरादाबाद, धवलगिरी.		२८	२८		४१	२२		५०	३३		४८	५४	वैशाख कृ. (द. चैत्र)	११		
३०	हरिद्वार, मुलतान, पटियाला, कुरुक्षेत्र गढवाल, मुजफ्फरपुर.	मार्गशीर्ष	२७	२		४४	३३		४९	४१	रवि. ५	१३	४८		९		
३१	सिमला, सपाटू, श्रीबद्रीनाथ, चमन.		२५	२६		४७	४४		४८	२९		३९	०		७		
३२	लाहोर, अमृतसर.		२३	५०		५१	१८		४६	५७	७	४	१२		५		
३३	जम्बू, कंदाहार, चांदा, डानली.		२२	१२		५४	५४		४४	४५	मंग.	२९	२४		२		
३४	श्रीनगर, काश्मीर, पेशावर, रावलपिंडी लदाक.		२०	२४	शुक्र ३	५८	३०		४१	४५		५४	३६	चैत्र शु.	१५	आश्विन कृ. (द. भाद्रपद)	
३५	काबुल, ढ्रीर.		१८	३६	मा. शु.	२	६		३७	५७		१९	४८		१२		
३६	चित्रल.		१६	४८		५	४२		३३	४०	मंगल ८	४५	०		८		

अक्षांशाः	पलभा		चरखंडानि			लग्नसाधनेउदयाः					
						मेष, मीन	वृषभ,कुंभ	मि , म.	कर्क, धन	सिंह, वृ.	कन्या,तुल
	अगुल	व्यंगुल	पल.	पलानि	प.	पल	पल	पल	पल	पल	पल
०	०	०	०	०	०	२७९	२९९	३२२	३२२	२९९	२७९
८	१	४१	१७	१४	६	२६२	२८५	३१६	३२८	३१३	२९६
१३	२	४६	२८	२२	९	२५१	२७७	३१३	३३१	३२१	३०७
१४	३	०	३०	२४	१०	२४९	२७५	३१२	३३२	३२३	३०९
१५	३	२३	३२	२६	११	२४७	२७३	३११	३३३	३२५	३११
१६	३	२६	३४	२८	११	२४५	२७१	३११	३३३	३२७	३१२
१७	३	४०	३७	२९	१२	२४२	२७०	३१०	३३४	३२८	३१६
१८	३	५४	३९	३१	१३	२४०	२६८	३०९	३३५	३३०	३१८
१९	४	८	४१	३३	१४	२३८	२६६	३०८	३३६	३३२	३२०
२०	४	२२	४४	३५	१५	२३५	२६४	३०७	३३७	३३४	३२३
२१	४	३७	४६	३७	१५	२३३	२६२	३०७	३३७	३३६	३२५
२२	४	५१	४८	३९	१६	२३१	२६०	३०६	३३८	३३८	३२७
२३	५	३	५१	४१	१७	२२८	२५८	३०५	३३९	३४०	३३०
२४	५	२०	५३	४३	१८	२२६	२५६	३०४	३४०	३४२	३३२
२५	५	३६	५६	४५	१९	२२३	२५४	३०३	३४१	३४४	३३५
२६	५	५१	५८	४७	१९	२२१	२५२	३०३	३४१	३४६	३३७
२७	६	७	६१	४९	२०	२१८	२५०	३०२	३४२	३४८	३४०
२८	६	२३	६४	५१	२१	२१५	२४८	३०१	३४३	३५०	३४३
२९	६	३९	६६	५३	२२	२१३	२४६	३००	३४४	३५२	३४५
३०	६	५६	६९	५५	२३	२१०	२४४	२९९	३४५	३५४	३४८
३१	७	१३	७२	५७	२४	२०७	२४२	२९८	३४६	३५६	३५१
३२	७	३०	७५	६०	२५	२०२	२३९	२९७	३४७	३५९	३५४
३३	७	४७	७८	६२	२६	२०१	२३७	२९६	३४८	३६१	३५७
३४	८	६	८१	६५	२७	१९८	२३४	१९५	३४९	३६५	३६०
३५	८	२४	८४	६७	२८	१९५	२३२	२९४	३५०	३६६	३६३
३६	८	४३	८७	७०	२९	१९२	२२९	२९३	३५१	२६९	३६६

मंगल बुध और शनि का उदय और अस्त.

चैत्र शुक्ल १३ मंगलवारे बुधास्तः पश्चिमे। वैशाखकृष्ण ४ सोमवारे शनि उदयः पूर्वे। वैशाख शुक्ल १ रविवारे बुधोदयः पूर्वे। ज्येष्ठ शुक्ल ७ शनिवारे भौमास्तः पश्चिमे। आषाढ कृष्ण १ सोमवारे बुधास्तः पूर्वे। आषाढ शुक्ल ६ रविवारे बुधोदयः पश्चिमे। भाद्रपद कृष्ण ९ शनिवारे बुधास्तः पश्चिमे। भाद्रपद शुक्ल १२ भौमे बुधोदयः पूर्वे। आश्विन कृष्ण १२ बुधवारे भौमोदयः पूर्वे। आश्विन कृष्ण १३ गुरुवारे बुधास्तः पूर्वे। कार्तिक शुक्ल १० बुधवारे बुधोदयः पश्चिमे। पौष कृष्ण २ शुक्रवारे बुधास्तः पश्चिमे। पौष कृष्ण १४ मंगळवारे बुधोदयः पूर्वे। माघ शुक्ल ९ सोमे बुधास्तः पूर्वे। चैत्र कृष्ण ३ बुधवारे बुधोदयः पश्चिमे ।

इन्दौर में चंद्रोदय और अस्त की स्टैंडर्ड टा.। ६ घं. २७ मि. से वार प्रवृत्ति दिन लिखे है

तिथि	चैत्र				वैशाख				ज्येष्ठ				आषाढ				श्रावण				भाद्रपद			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं	मि	घं.	मि	घं.	मि.	घ.	मि	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि
३०	६	२०	१८	२६	...	..	१९	१३	६	६	१९	१	६	०	१८	४६	...	...	१९	१३	...	...	१८	३६
शुक्ल																								
१	...	...	१९	२४	६	३४	२०	१८	...	...	२०	४	...	...	१९	४५	क्ष	य	ति	थि	६	४५	१९	२१
२	७	४	२०	२६	क्ष	य	ति	थि	७	२०	२१	२	७	९	२०	३७	७	०	२०	३	७	४४	२०	३
३	७	५२	२१	२७	७	३१	२१	२०	८	२४	२२	१	८	१५	२१	२७	८	१	२०	४७	८	४४	२०	४५
४	८	४४	२२	२९	८	३१	२२	२१	क्ष	य	ति	थि	९	१८	२२	१३	९	२	२१	२९	९	४२	२१	२६
५	९	३९	२३	२९	९	३३	२३	१६	९	२९	२२	५०	१०	१९	२२	५५	१०	२	२२	११	१०	३८	२२	१०
६	१०	३९	०	२८	१०	३७	०	८	१०	३१	२३	३५	११	१७	२३	३४	१०	५९	२२	५१	११	३३	२२	५५
७	११	४०	१	२०	११	३७	०	५४	११	३०	०	१७	१२	१३	०	१३	११	५४	२३	३२	१२	२६	२३	४२
८	१२	३९	२	१३	१२	३८	१	३६	१२	२७	०	५७	१३	८	०	५३	१२	४८	०	१६	१३	१७	०	३०
९	क्ष	य	ति	थि	१३	३८	२	१७	१३	२३	१	३५	१४	२	१	३४	१३	४१	१	१	१४	५	१	२०
१०	१३	४४	२	५५	१४	३२	२	५५	१४	१७	२	१७	१४	५४	२	१७	१४	३०	१	४९	१४	४९	२	१०
११	१४	४३	३	२५	१५	२८	३	३३	१५	११	२	५२	१५	४६	३	२	१५	२१	२	३५	१५	३१	३	२
१२	१५	४१	४	१७	१६	२२	४	१२	१६	४	३	३४	१६	३७	३	४८	१६	९	३	२४	१६	१२	३	५०
१३	१६	३७	४	५५	१७	१५	४	५३	१६	५७	४	१८	१७	२६	४	३८	१६/१७	५२/२४	४/५	१४/५	१६	५२	४	४०
१४	१७	२२	५	३३	१८	९	५	३५	१७	४८	५	३	१८	१२	५	२९	१८	१५	५	५७	१७	२८	५	३४
१५	१८	२८	६	१४	१९	२	६	२२	१८	३९	५	५३	१८	५५	६	२१	१८	५२	...	...	१८	५	...	...
कृष्ण																								
१	१९	२३	...	..	१९	५३	...	..	१९/२०	२८/१३	६	४४	१९	३७	...	...	१९	२९	६	५०	१८	४२	६	२७
२	२०	१८	६	५७	२०	४३	७	८	२०	५६	७	३४	२०	१६	७	११	२०	४	७	३९	१९	२१	७	२१
३	२१	११	७	४१	२१	३१	७	५७	२१	३६	८	२५	२०	५३	८	३	२०	४३	८	३३	२०	०	८	१६
४	२२	२	८	२६	२२	१६	८	४९	२२	१५	९	१५	२१	२९	८	५३	२१	२०	९	२५	२०	४४	९	१२
५	२२/२३	५२/३६	१	१५/४	२२	५८	९	३८	२२	५१	१०	४	२२	३	९	४४	२२	०	१०	२०	२१	३१	१०	१०
६	००	२०	१०	५४	२३	३८	१०	२९	२३	२६	१०	५७	२२	४०	१०	३५	२२	४५	११	१५	२२	२२	११	९
७	१	०	११	४५	०	१५	११	२१	०	३	११	४७	२३	१९	११	२९	२३	३४	१२	१४	२३	१७	१२	८
८	१	३९	१२	३६	०/१	५२/२८	१२/१३	१/३	०	४१	१२	४०	०	१	१२	२४	०	२६	१३	१३	०	१५	१३	६
९	२	१७	१३	२८	२	५	१३	५७	१	२१	१३	३७	०	४६	१३	२१	१	२४	१४	१२	१	१७	१४	१
१०	२	५५	१४	२०	२	४३	१४	५३	२	४	१४	३५	१	३६	१४	२३	२	२५	१५	११	२	२१	१४	५४
११	३	३३	१५	१४	क्ष	य	ति	थि	२	५०	१५	३५	२	३०	१५	२४	क्ष	य	ति	थि	३	२४	१५	४३
१२	४	१३	१६	११	३	२७	१५	५१	३	४९	१६	३९	३	३१	१६	२७	३	२८	१६	७	४	२७	१६	२८
१३	४	५५	१७	९	४	१५	१६	५२	४	५५	१७	४४	४	४१	१७	२६	४	३३	१७	०	५	२८	१७	१२
१४	५	४२	१८	१०	५	७	१७	५६	क्ष	य	ति	थि	५	४९	१८	२२	५	३९	१७	५०	क्ष	य	ति	थि
३०	...	...	१९	१३	६	६	१९	१	६	०	१८	४६	...	..	१९	१३	...	...	१८	३६	..	...	१७	५५

इन्दौर में चन्द्रोदय और अस्त की स्टॅं. टा. । ६ घं. २७ मि से वारप्रवृत्ति दिन लिखे हैं

तिथी	आश्विन				कार्तिक				मार्गशीर्ष				पौष				माघ				फाल्गुन			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	यि.
३०	...	..	१७	५५	...	...	१७	५७	...	...	१७	२१	...	...	१७	४१	६	३८	१८	७	६	३५	१८	३५
शुक्ल																								
१	६	२७	१८	३६	७	८	१८	४०	६/७	४७/४०	१८/१८	७/५५	७	१३	१८	३२	७	१८	१८	५७	७	७	१९	२५
२	७	२५	१९	१९	८	३	१९	२७	७	३१	१९	४६	७	५८	१९	२१	७	५५	१९	४७	७	४६	२०	१५
३	८	२४	२०	२	८	५७	२०	१४	९	१७	२०	३७	८/९	२१/११	२०/२१	१५/२	८	३२	२०	३६	८	२०	२१	५
४	९	१९	२०	४६	९	४९	२१	३	१०	१	२१	२८	९	५६	२१	५२	९	७	२१	२६	८	५७	२१	५६
५	१०	१५	२१	३३	१०	३८	२१	५३	१०	४२	२२	१९	१०	३२	२२	४२	९	४४	२२	१७	९	३७	२२	५०
६	११	९	२२	२२	११	२३	२२	४४	११	२१	२३	९	११	७	२३	३१	१०/११	२१/०	२३/०	७/०	१०	२१	२३	४७
७	१२	०	२३	११	१२	६	२३	३५	११	५७	२३	५६	११	४३	०	२३	११	४३	०	५४	११	७	०	४३
८	१२/१३	४५/२९	०/०	४/५३	१२	४५	०	२५	१२	३४	०	५१	१२	१९	१	१४	१२	२७	१	५१	११	५९	१	४१
९	१४	११	१	४३	१३	२३	१	१७	१३	१२	१	४२	१३	२	२	११	१३	१८	२	४८	११	५५	२	३८
१०	१४	५०	२	३५	१४	०	२	७	१३	५०	२	३३	१३	४६	३	८	क्षय	य	ति	थि	१३	५५	३	३५
११	१५	२७	३	२७	१४/१५	३५/१३	३/३	०/५४	१४	३०	३	३०	१४	३४	४	८	१४	१३	३	४७	१४	५८	४	२७
१२	१६	३	४	२१	१५	५२	४	५१	१५	१३	४	२९	१५	२९	५	९	१५	१३	४	४८	१६	२	५	१९
१३	१६	४०	५	१३	१६	३३	५	४८	१५	५८	५	३०	१६	२७	६	१२	१६	१६	५	४७	१७	६	६	७
१४	१७	१९	६	७	क्षय	य	ति	थि	१६	५०	०	०	१७	२९	०	०	१७	२०	०	०	क्षय	य	ति	थि
१५	१७	५७	०	०	१७	११	०	०	१७	४७	६	३४	क्षय	य	ति	थि	१८	२६	६	४४	१८	११	०	०
कृष्ण																								
१	१८	४०	७	३	१८	९	६	४८	१८	४७	७	३५	१८	३२	७	१४	१९	३०	७	३३	१९	१४	६	५१
२	१९	२६	८	३	१९	२	७	५०	१९	५४	८	३४	१९	३९	८	८	क्षय	य	ति	थि	२०	१५	७	३६
३	२०	२१	९	३	२०	१	८	५२	क्षय	य	ति	थि	२०	४३	८	५८	२०	३३	८	१९	२१	१५	८	२१
४	२१	१५	१०	३	२१	२	९	५२	२०	५९	९	३०	२१	४५	९	४४	२१	३४	९	४	२२	१४	९	६
५	२२	१३	११	३	२२	६	१०	४७	२२	२	१०	२०	२२	४५	१०	२८	२२	३४	९	४७	२३	१०	९	५३
६	क्षय	य	ति	थि	२३	९	११	३९	२३	४	११	७	२३	४४	११	१०	२३	३१	१०	३१	०	५	१०	४०
७	२३	१३	१२	०	०	११	१२	२६	०	२	११	४८	०	४१	११	५१	०	२७	११	१५	०	५६	११	२८
८	०	१४	१२	५१	१	१०	१३	९	१	०	१२	३०	१	३६	१२	३५	१	२१	१२	०	१	४६	१२	१७
९	१	१४	१३	४३	२	८	१३	५१	१	५८	१३	१३	२	३०	१३	१८	२	१४	१२	४६	२	३०	१३	७
१०	२	१६	१४	२८	क्षय	य	ति	थि	२	५१	१३	५४	३	२३	१४	३	३	३	१३	३४	३	१८	१३	५७
११	३	१५	१५	११	३	५	१४	३२	३	४६	१४	३५	४	१५	१४	४९	३	५२	१४	२३	३	५८	१४	४७
१२	४	१५	१५	५४	४	६	१५	१३	४	३९	१५	१९	५	०	१५	३७	४/५	३७/११	१५/१६	१२/२	४	३४	१५	३७
१३	५	१२	१६	३८	४	५७	१५	५४	५	३२	१६	५	५	५३	१६	२७	५	५७	१६	५२	५	१०	१६	२७
१४	६	११	१७	१५	५	५२	१६	३६	६	२४	१६	५१	०	०	१७	१९	०	०	१६	४३	५	४६	१७	१७
३०	०	०	१७	५७	०	०	१७	२१	०	०	१७	४१	६	३८	१८	७	६	३५	१८	३५	६	२२	१८	८
																					०	०	१८	५९

चंद्र परमलंबन संवत् १९९५ शके १८६०

तिथि	चैत्र	वैशाख	ज्येष्ठ	आषाढ	श्रावण	भाद्रपद	आश्विन	कार्तिक	मार्गशीर्ष	पौष	माघ	फाल्गुन
	कला	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.	क.
१	५८.७	६०.५	६१.५	६१.८	क्षय	६०.०	५८.७	५६.७	५५.५ ५५.२	५४.६	५४.४	५४.८
२	५८.९	क्षय	६१.३	६१.५	६१.१	५९.०	५७.९	५५.९	५४.८	५४.४	५४.४	५५.०
३	५९.२	६०.५	६०.९	६०.९	६०.२	५८.१	५७.०	५५.४	५४.४	५४.२ ५४.२	५४.६	५५.२
४	५९.४	६०.४	क्षय	६०.०	५९.२	५७.२	५६.३	५४.८	५४.४	५४.४	५४.८	५५.९
५	५९.६	६०.५	६०.४	५८.९	५८.१	५६.३	५५.६	५४.६	५४.४	५४.६	५५.०	५६.३
६	५९.६	५९.०	५९.४	५७.९	५७.०	५५.६	५४.८	५४.४	५४.४	५५.०	५५.१ ५६.१	५६.८
७	५९.४	५९.०	५८.७	५६.८	५६.१	५५.०	५४.६	५४.२	५४.६	५५.६	५६.८	५७.६
८	५९.२	५८.५	५७.६	५६.१	५५.४	५४.४	५४.४	५४.४	५५.०	५६.३	५७.८	५८.५
९	क्षय	५७.९	५७.०	५५.४	५४.८	५४.२	५४.२ ५४.४	५४.६	५५.७	५७.२	५८.९	५९.४
१०	५८.९	५७.४	५६.३	५४.८	५४.२	५४.२	५४.६	५५.२	५६.५	५८.१	क्षय	६०.४
११	५८.७	५६.८	५५.७	५४.४	५४.२	५४.४	५५.२	५५.७ ५६.७	५७.४	५९.२	५९.८	६०.९
१२	५८.३	५६.३	५५.४	५४.३	५४.२	५४.६	५५.७	५७.२	५८.३	६०.२	६०.९	६१.३
१३	५७.८	५५.९	५४.८	५४.२	५४.४ ५४.६	५५.०	५६.५	५८.१	५९.२	६१.१	६१.५	क्षय
१४	५७.२	५५.४	५४.६	५४.३	५४.६	५५.४	५६.८	क्षय	६०.०	क्षय	६२.०	६१.८
१५	५६.७	५५.०	५४.४	५४.३	५५.०	५५.९	५७.६	५८.९	६०.७	६१.६	६१.८	६१.३
१	५६.१	५४.६	५४.३ ५४.२	५४.४	५५.४	५६.३	५८.१	५९.४	६१.३	६१.६	६१.३	६०.७
२	५५.६	५४.४	५४.२	५४.६	५५.७	५६.७	५८.७	५९.८	६१.३	६१.६	क्षय	६०.०
३	५५.०	५४.२	५४.४	५४.८	५६.१	५७.०	५८.९	६०.२	क्षय	६१.१	६०.७	५८.७
४	५४.६	५४.२	५४.६	५५.२	५६.५	५७.६	५९.०	६०.४	६०.९	६०.४	५९.८	५७.९
५	५४.४ ५४.२	५४.२	५५.०	५५.६	५६.८	५७.९	५९.२	६०.२	६०.४	५९.२	५८.७	५६.८
६	५४.४	५४.६	५५.४	५६.१	५७.४	५८.३	क्षय	५९.८	५९.८	५८.३	५७.६	५५.९
७	५४.६	५५.०	५६.१	५६.७	५८.१	५८.९	५९.३	५९.०	५८.९	५७.२	५६.७	५५.४
८	५५.२	५५.४ ५६.३	५६.८	५७.४	५८.९	५९.२	५९.४	५९.०	५८.१	५६.५	५५.७	५४.८
९	५५.७	५७.२	५७.८	५८.३	५९.६	५९.८	५९.४	५८.३	५७.४	५५.९	५५.२	५४.४
१०	५६.५	५८.०	५८.७	५९.२	६०.२	६०.०	५९.३	क्षय	५६.७	५५.४	५४.६	५४.३
११	५७.४	क्षय	५९.८	५९.८	क्षय	६०.२	५९.२	५७.८	५६.१	५४.८	५४.४	५४.२
१२	५८.१	५९.०	६०.५	६०.७	६०.९	६०.४	५८.९	५७.४	५५.७	५४.६	५४.४ ५४.४	५४.४
१३	५८.९	६०.०	६१.५	६१.५	६१.३	५९.८	५८.३	५६.८	५५.४	५४.४	५४.४	५४.६
१४	५९.४	६०.५	क्षय	६१.८	६१.१	क्षय	५७.८	५६.५	५५.०	५४.४	५४.४	५५.०
३०	६०.२	६१.१	६१.६	६१.६	६०.९	५९.२	५७.२	५६.१	५४.८	५४.४	५४.६	५५.२ ५५.७

॥ ☞ संवत् १९९५ शके १८६० का मास दशा चक्र ☜ ॥

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुंभ	मीन
चैत्र शु. १४ से सूर्य दशा प्रवेश दिन२०	वै. शु. १५ से सूर्य दशा प्रवेश दिन२०	चैत्र शु. ३ से शुक्र दशा प्रवेश दिन७०	वैशा. शु. ४ से शुक्र दशा प्रवेश दि.७०	वैशाख कृ. ६ से राहु दशा प्रवेश दि.४२	ज्येष्ठ कृ. ८ से राहु दशा प्रवेश दिन ४२	वैशा. कृ. ८ से गुरु दशा प्रवेश दिन ५८	वैशा. शु. ३ से शनि दशा प्रवेश दिन ३६	ज्येष्ठ कृ. ३ से शनि दशा प्रवेश दिन ३६	वैशा. कृ.६ से बुध दशा प्रवेश दि.५६	वैशा. कृ. ८ से भौम दशा प्रवेश दिन २८	ज्येष्ठकृ.१०से भौम दशा प्रवेश दिन२८
वैशा. शु. ७ से चन्द्र दशा प्रवेश दिन५०	ज्येष्ठ शु. ७ से चन्द्र दशा प्रवेश दिन५०	आषा. कृ. २ से सूर्य दशा प्रवेश दिन२०	श्राव. कृ. ४ से सूर्य दशा प्रवेश दि.२०	ज्येष्ठ शु. ७ से शुक्र दशा प्रवेश दि २०	आषा. शु. ७ से शुक्र दशा प्रवेश दिन ७०	आषा. कृ. १० से राहु दशा प्रवेश दिन ४२	ज्येष्ठ कृ. ११ से शुक्र दशा प्रवेश दिन ५८	आषा. कृ. १२ से गुरु दशा प्रवेश दिन ५८	आषा कृ.६से शनि दशा प्रवेश दि.३६	ज्येष्ठ शु. ८ से बुध दशा प्रवेश दिन ५६	आषा.कृ.१०से बुध दशा प्रवेश दिन५६
आषा. कृ. १२ से भौम दशा प्रवेश दिन२८	श्रा कृ १४ से भौम दशा प्रवेश दिन२८	आषा. शु. ८ से चंद्र दशा प्रवेश दिन५०	श्राव शु. ११ से चन्द्र दशा प्रवेश दि.५०	भाद्र. कृ. ५ से सूर्य दशा प्रवेश दि.२०	आश्वि. कृ. ७ से सूर्य दशा प्रवेश दिन २०	श्राव. शु ११ से शुक्र दशा प्रवेश दिन ७०	श्रा. कृ. १२ से राहु दशा प्रवेश दिन ४२	भाद्र. कृ. ३० से राहु दशा प्रवेश दिन ४२	श्राव कृ.१४से गुरु दशा प्रवेशदिन५८	श्राव. कृ ८ से शनि दशा प्रवेश दिन ३६	भाद्र. कृ.९से शनि दशा प्रवेश दिन३६
श्राव. कृ. १२ से बुध दशा प्रवेश दिन५६	भाद्र कृ. ३० से बुध दशा प्रवेश दिन५६	भाद्र शु. २ से भौम दशा प्रवेश दिन२८	आश्वि शु. ४ से भौम दशा प्रवेश दि.२८	भाद्र कृ. १२ से चन्द्र दशा प्रवेश दि.५०	आश्वि. शु.१३ से चन्द्र दशा प्रवेश दिन ५०	कार्ति. कृ. ९ से सूर्य दशा प्रवेश दिन २०	भाद्र. शु. १२ से शुक्र दशा प्रवेश दिन ७०	आश्वि. शु. १३से शुक्र दशा प्रवेश दिन ७०	आश्वि.शु.२से राहु दशा प्रवेश दि.४२	भाद्र. शु. २ से गुरु दशा प्रवेश दिन ५८	आश्वि.शु.४से गुरु दशा प्रवेश दि.५८
अश्वि. कृ. १२ से शनि दशा प्रवेश दिन३६	कार्ति. कृ.१३ से शनि दशा प्रवेश दिन३६	अश्वि. शु. २ से बुध दशा प्रवेश दि.५६	कार्ति. शु. २ से बुध दशा प्रवेश दि.५६	कार्ति. शु ४ से भौम दशा प्रवेश दि.२८	मार्ग. शु ४ से भौम दशा प्रवेश दिन २८	का. शु. १४ से चन्द्र दशा प्रवेश दिन ५०	मार्ग. कृ. ९ से सूर्य दशा प्रवेश दिन २०	पौष शु. ९ से सूर्य दशा प्रवेश दिन २०	कार्ति.शु.१४से शुक्र दशा प्रवेश दि.७०	कार्ति. शु. २ से राहु दशा प्रवेश दिन ४२	मार्ग. शु.२से राहु दशा प्रवेश नि.४२
कार्ति. शु. ४ से गुरु दशा प्रवेश दिन ५८	मार्ग. कृ. ४ से गुरु दशा प्रवेश दिन५८	मार्ग. कृ. १३ से शनि दशा प्रवेश दिन३६	पौष कृ. १३ से शनि दशा प्रवेश दि. ३६	मार्ग. शु २ से बुध दशा प्रवेश दि.५६	पौष शु. २ से बुध दशा प्रवेश दिन ५६	पौष शु. ४ से भौम दशा प्रवेश दिन २८	मार्ग. शु १३ से चन्द्र दशा प्रवेश दिन ५०	पौष शु १४ से चन्द्र दशा प्रवेश दिन ५०	माघ कृ. ९से सूर्य दशा प्रवेश दि.२०	माघ. शु. १३ से शुक्र दशा प्रवेश दिन ७०	पौष शु.१३से शुक्र दशा प्रवेश दि.७०
पौष. शु. २ से राहु दशा प्रवेश दिन४२	माघ. शु. २ से राहु दशा प्रवेश दिन४२	पौष शु. ४ से गुरु दशा प्रवेश दिन५८	माघ शु. ३ से गुरु दशा प्रवेश दि. ५८	माघ. कृ.१२ से शनि दशा प्रवेश दि ३६	फा. कृ १२ से शनि दशा प्रवेश दिन ३६	माघ शु. १ से बुध दशा प्रवेश दिन ५६	माघ शु ३ से भौम दशा प्रवेश दिन २८	फा. शु. ३ से भौम दशा प्रवेश दिन २८	मा. शु.१३से चन्द्र दशा प्रवेश दि.५०	फा. कृ. ९ से सूर्य दशा प्रवेश दिन २०	चैत्र कृ. ९से सूर्य दशा प्रवेश दि.२०
माघ. शु १३ से शुक्र. दशा प्रवेश दिन७०	फा. शु. १४ से शुक्र दशा प्रवेश दिन७०	फा. शु ४१ से राहु दशा प्रवेश दिन४२	चैत्र शु. १ से राहु दशा प्रवेश दि.४२	फाल्गु. शु. ३ से गुरु दशा प्रवेश दि.५८	चैत्र शु. २ से गुरु दशा प्रवेश दिन ५८	चैत्र कृ १३ से शनि दशा प्रवेश दिन ३६	फा. शु. २ से बुध दशा प्रवेश दिन ५६	चैत्र शु. २ से बुध दशा प्रवेश दिन ५६	चैत्र शु.४से भौम दशा प्रवेश दि ५६	फा शु. १४ से चन्द्र दशा प्रवेश दिन ५०	चैत्र शु.१४से चन्द्र दशा प्रवेश दि.५०

प्रभाकर सिद्धान्तानुसारेण सूक्ष्म मास प्रवेशसारिणी

अंशाः	०			३०			६०			९०			१२०			१५०		
राशिः	मेष ०			वृषभ १			मिथुन २			कर्क ३			सिंह ४			कन्या ५		
उपकरण अंशाः	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल
०	२	५२	३३	३	१६	५०	३	२७	१५	३	२१	१	२	५९	३४	२	२९	२८
१	२	५३	३३	३	१७	२८	३	२७	१६	३	२०	३०	२	५८	३५	२	२८	२७
२	२	५४	३२	३	१८	५	३	२७	१७	३	१९	५७	२	५७	३६	२	२७	२७
३	२	५५	३०	३	१८	४०	३	२७	१७	३	१९	२५	२	५६	३७	२	२६	२६
४	२	५६	२७	३	१९	१४	३	२७	१७	३	१८	५१	२	५५	३८	२	२५	२६
५	२	५७	२३	३	१९	४६	३	२८	१६	३	१८	१६	२	५४	३९	२	२४	२५
६	२	५८	१८	३	२०	१६	३	२७	१५	३	१७	४०	२	५३	४०	२	२३	२५
७	२	५९	१२	३	२०	४५	३	२७	१२	३	१७	३	२	५२	४१	२	२२	२४
८	३	०	५	३	२१	१२	३	२७	७	३	१६	२५	२	५१	४२	२	२१	२४
९	३	०	५७	३	२१	३९	३	२७	१	३	१५	४६	२	५०	५३	२	२०	२३
१०	३	१	४८	३	२२	६	३	२६	५४	३	१५	६	२	४९	४३	२	१९	२३
११	३	२	३८	३	२२	३३	३	२६	४६	३	१४	२५	२	४८	४४	२	१८	२२
१२	३	३	२७	३	२२	५९	३	२६	३७	३	१३	४३	२	४७	४४	२	१७	२१
१३	३	४	१५	३	२३	२५	३	२६	२७	३	१३	०	२	४६	४४	२	१६	२०
१४	३	५	३	३	२३	४९	३	२६	१६	३	१२	१६	२	४५	४५	२	१५	१९
१५	३	५	५१	३	२४	११	३	२६	४	३	११	३१	२	४४	४५	२	१४	१८
१६	३	६	३८	३	२४	३१	३	२५	५१	३	१०	४५	२	४३	४६	२	१३	१७
१७	३	७	२५	३	२४	४९	३	२५	३७	३	९	५९	२	४२	४६	२	१२	१६
१८	३	८	१२	३	२५	६	३	२५	२२	३	९	१३	२	४१	४६	२	११	१५
१९	३	८	५९	३	२५	२२	३	२५	६	३	८	२७	२	४०	४६	२	१०	१४
२०	३	९	४५	३	२५	३७	३	२४	४९	३	७	४१	२	३९	४७	२	९	१३
२१	३	१०	३१	३	२५	५१	३	२४	३१	३	६	५५	२	३८	४६	२	८	१२
२२	३	११	१६	३	२६	४	३	२४	१२	३	६	९	२	३७	४६	२	७	११
२३	३	१२	१	२	२६	१७	३	२३	५२	३	५	२२	२	३६	४५	२	६	१०
२४	३	१२	४५	३	२६	३०	३	२३	३१	३	४	३५	२	३५	४५	२	५	९
२५	३	१३	२८	३	२६	४२	३	२३	९	३	३	४७	२	३४	४४	२	४	८
२६	३	१४	९	३	२६	५४	३	२२	४६	३	२	५९	२	३३	४२	२	३	७
२७	३	१४	५०	३	२७	२	३	२२	२२	३	२	१०	२	३२	३८	२	२	६
२८	३	१५	३१	३	२७	९	३	२१	५७	३	१	२०	२	३१	३५	२	१	५
२९	३	१६	११	३	२७	१२	३	२१	३०	३	०	२८	२	३०	३१	२	०	४
३०	३	१६	५०	३	२७	१५	३	२१	१	२	५९	३४	२	२९	२८	१	५९	३

अंशाः	१८०			२१०			२४०			२७०			३००			३३०		
राशिः	तुल ६			वृश्चिक ७			धन ८			मकर ९			कुम्भ १०			मीन ११		
उपकरण अंशाः	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल	वार	घटि	पल
०	१	५९	३	१	३६	१४	१	२६	४६	१	३२	३२	१	५२	२७	२	२१	४०
१	१	५८	४	१	३५	४२	१	२६	४४	१	३३	०	१	५३	२०	२	२२	४०
२	१	५७	५	१	३५	१०	१	२६	४२	१	३३	२९	१	५४	१४	२	२३	४१
३	१	५६	६	१	३४	३९	१	२६	४१	१	३३	५९	१	५५	९	२	२४	४२
४	१	५५	८	१	३४	८	१	२६	४१	१	३४	३०	१	५६	५	२	२५	४४
५	१	५४	१३	१	३३	३८	१	२६	४०	१	३५	२	१	५७	२	२	२६	४५
६	१	५३	२२	१	३३	११	१	२६	४१	१	३५	३५	१	५८	०	२	२७	४७
७	१	५२	३१	१	३२	४५	१	२६	४१	१	३६	९	१	५८	५८	२	२८	४९
८	१	५१	४१	१	३२	२०	१	२६	४२	१	३६	४४	१	५९	५७	२	२९	५०
९	१	५०	४९	१	३१	५५	१	२६	४४	१	३७	२०	२	०	५६	२	३०	५२
१०	१	४९	५८	१	३१	३०	१	२६	४६	१	३७	५६	२	१	५६	२	३१	५४
११	१	४९	७	१	३१	५	१	२६	४९	१	३८	३३	२	२	५४	२	३२	५६
१२	१	४८	२०	१	३०	४०	१	२६	५३	१	३९	१०	२	३	५५	२	३३	५८
१३	१	४७	३२	१	३०	१६	१	२७	०	१	३९	४८	२	४	५३	२	३५	०
१४	१	४६	४५	१	२९	५४	१	२७	९	१	४०	२८	२	५	५२	२	३६	२
१५	१	४५	५८	१	२९	३४	१	२७	१९	१	४१	८	२	६	५२	२	३७	४
१६	१	४५	१३	१	२९	१५	१	२७	३०	१	४१	४८	२	७	५२	२	३८	६
१७	१	४४	२९	१	२८	५७	१	२७	४३	१	४२	२८	२	८	५१	२	३९	८
१८	१	४३	४६	१	२८	४०	१	२७	५८	१	४३	८	२	९	५१	२	४०	१०
१९	१	४३	५	१	२८	२४	१	२८	१४	१	४३	४९	२	१०	५१	२	४१	१२
२०	१	४२	२६	१	२८	९	१	२८	३१	१	४४	३१	२	११	५०	२	४२	१४
२१	१	४१	४७	१	२७	५५	१	२८	५५	१	४५	१४	२	१२	४९	२	४३	१६
२२	१	४१	८	१	२७	४३	१	२९	११	१	४५	५८	२	१३	४८	२	४४	१८
२३	१	४०	२९	१	२७	३२	१	२९	३५	१	४६	४३	२	१४	४७	२	४५	२०
२४	१	३९	५१	१	२७	२२	१	२९	५९	१	४७	२९	२	१५	४६	२	४६	२२
२५	१	३९	१३	१	२७	१३	१	३०	२३	१	४८	१६	२	१६	४५	२	४७	२४
२६	१	३८	३६	१	२७	५	१	३०	४७	१	४९	४	२	१७	४४	२	४८	२६
२७	१	३७	५८	१	२६	५९	१	३१	१२	१	४९	५३	२	१८	४३	२	४९	२८
२८	१	३७	१२	१	२६	५४	१	३१	३८	१	५०	४३	२	१९	४२	२	५०	३०
२९	१	३६	४७	१	२६	४९	१	३२	५	१	५१	३५	२	२०	४१	२	५१	३२
३०	१	३६	१४	१	२६	४६	१	३२	३२	१	५२	२७	२	२१	४०	२	५२	३३

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३७
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटि	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२३	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६	४९	१२	३५	२८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	१	२८	४७	१०	३३	५६	१९	४२	५	२८
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०
गताब्द	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५
घटि	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	२	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२२
पल	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	२	२५	४८	११	३४	५७
विपल	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०
गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
वार	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१
घटि	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०	४५	१	१६	३२	४७	२	१८	३३	४९	४
पल	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८	४१	४	२७	५०	१३	३६	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	२	२५
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०
गताब्द	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००	१०१	१०२	१०३	१०४	१०५	१०६	१०७	१०८	१०९	११०	१११	११२	११३	११४	११५	११६	११७	११८	११९	१२०
वार	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३
घटि	१९	३५	५०	५	२१	३६	५२	७	२२	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२५	४१	५६	१२	२७	४२	५८	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४५
पल	४८	११	३४	५७	२०	४३	६	२९	५२	१५	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८	४१	४	२७	५०	१३	३६	५९	२२	४५	८	३१	५४
विपल	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

संवत् १९९५ कार्तिक शुद्ध १५ का खग्रास चन्द्रग्रहण

भारत वर्षीय प्रसिद्ध नगरों के नाम	इन्दौर से रेखांतर		ग्रिनीच रेखांश	स्टँडर्ड टाईम		उत्तर		पलभा		चरखंड		
	पल	मिनिट	पूर्व अंश	घंटा	मिनिट	अक्षांश		अंगुल	व्यंगुल	१ पल	२ पल	३ पल
अकलकोट ...	+ ५	+ २	७६·२	६	२५·२	१७	३३	३	४८	३८	३०	११
अकोला ...	+ १३	+ ५	७७·०	६	२२·०	२०	४२	४	३२	४५	३६	१५
अजमेर ...	– ११	४	७४·६	६	३१·६	२६	२८	५	५८	५९	४७	२०
अथेन्स (ग्रीस) ...	– ५२०	– २३	२३·७	९	५५·२	३७	५९	९	२२	९३	७४	३१
अद्वानी ...	+ १६	+ ६	७७·३	६	२०·८	१५	३७	३	२२	३३	२६	११
अहमदाबाद ...	– ३२	– १३	७२·५	६	४०·०	२३	२	५	५	५१	४१	१७
अमृतसर ...	– ९	– ४	७४·८	६	३०·८	३१	३७	७	२३	७३	५८	२४
अयोध्या ...	+ ६४	+ २६	८२·१	६	१·६	२६	४८	६	४	६०	४८	२०
अर्काट ...	+ ३८	+ १५	७९·५	६	१२·०	१२	५८	२	४६	२७	२१	९
अलीगढ़ ...	+ २९	+ १२	७८·६	६	१५·६	२७	५३	६	२१	६३	५०	२१
अलीबाग ...	– २९	– १२	७२·८	६	३८·८	१८	३८	४	३	४०	३२	१३
अलेग्झांड्रिया ...	– ४५७	– ३	३०·०	९	३०·०	३१	१२	७	१५	७२	५७	२४
अवरंगाबाद ...	– ४	– २	७५·३	६	२८·८	१९	५२	४	२०	४३	३४	१४
अहमदनगर ...	– १०	– ४	७४·७	६	३१·२	१९	८	४	१०	४१	३३	१४
आगरा ...	+ २२	+ ९	७७·९	६	१८·४	२७	१०	६	१०	६१	४९	२०
इचलकरंजी ...	– १३	५	७४·४	६	३२·४	१६	३९	३	३५	३६	२९	१२
इन्दापूर ...	– ७	– ३	७५·०	६	३०·०	१८	७	३	५६	३९	३१	१३
इन्दौर ...	० ०	० ०	७५·७	६	२७·२	२२	४१	५	१	५०	४०	१७
उज्जैन ...	० ०	० ०	७५·७	६	२७·२	२३	९	५	७	५१	४१	१७
उटकमंड ...	+ १०	+ ४	७६·७	६	२३·२	११	२७	२	२७	२४	१९	८
उडपी ...	– ९	– ५	७४·८	६	३०·८	१३	२०	२	५०	२८	२२	९
उदेपुर ...	– २०	– ८	७३·७	६	३५·२	२४	३७	५	३०	५५	४४	१८
उमरावती ...	+ २०	+ ८	७७·७	६	१९·२	२०	५५	४	३५	४५	३६	१५
एलिचपुर ...	+ १७	+ ७	७७·४	६	२०·४	२१	१६	४	४०	४६	३७	१५
ऑंकारेश्वर (मांधाता) ...	+ ४	+ १६	७६·१	६	२५·६	२२	१३	४	५४	४९	३९	१६
कटक ...	+ १०२	+ ४१	८५·९	५	४६·४	२०	२८	४	२९	४५	३६	१५
कडपा ...	+ ३५	+ १४	७९·२	६	१३·२	१४	२८	३	६	३१	२५	१०
कर्नूल ...	+ २४	+ १०	७८·१	६	१७·६	१५	४९	३	२४	३४	२७	११
कऱ्हाड ...	– १६	– ६	७४·१	६	३३·६	१७	१७	३	४४	३७	२९	१२
कलकत्ता ...	+ १२८	+ ५१	८८·२५	५	३६·०	२२	३४	४	४९	४८	३८	१६
कलबुर्गा ...	+ ११	+ ४	७६·८	६	२२·८	१७	२०	३	४५	३७	२९	१२
कल्याण ...	– २५	– १०	७३·२	६	३७·२	१९	१३	४	११	४२	३३	१४
कागल ...	– १४	– ६	७४·२	६	३२·८	१६	३४	३	३४	३५	२८	१२
काठमाण्डू ...	+ ९५	+ ३८	८५·२	५	४९·२	२७	४३	६	१८	६३	५०	२१
कानपुर ...	+ ४६	+ १८	८०·३	६	८·८	२६	२८	५	५८	५९	४७	२०
कास्टाँटिनोपल ...	– ४६७	– ३७	२९·०	९	३४·०	४१	०	१०	२८	१०४	८३	३५
काबूल ...	– ६६	– २६	६९·१	६	५३·६	३४	२७	८	३	८०	६४	२७
कालीकोट ...	+ १	+ ०	७५·८	६	२६·८	११	१४	२	२५	२४	१९	८
कोची ...	+ ५	+ २	७६·२	६	२५·२	९	५६	२	६	२१	१७	७
काण्डी ...	+ ५१	+ २०	८०·८	६	६·८	७	२०	१	३२	१५	१२	५
काशी [बनारस] ...	+ ७२	+ २९	८२·९	५	५८·४	२५	२०	५	४०	५६	४५	१९
कित्तूर ..	– ९	– ४	७४·८	६	३०·८	१५	३५	३	२१	३३	२६	११

भारत वर्षीय प्रसिद्ध नगरों के नाम	इन्दौर से रेखांतर				ग्रिनीच रेखांश	स्टॅंडर्ड टाईम		उत्तर		पलभा		चरखंड		
	पल		मिनिट		पूर्ण अंश	घंटा	मिनिट	अक्षांश		अंगुल	व्यंगुल	१ पल	२ पल	३ पल
कुमारी	+	१८	+	७	७७·५	६	२०·०	८	६	१	४१	१७	१३	६
कुंभकोन	+	३८	+	१५	७९·५	६	१२·०	१०	५७	२	२०	२३	१८	८
कुरुंदवाड	−	११	−	४	७४·६	६	३१·६	१६	४१	३	३६	३६	२९	१२
कोइमतूर	+	१८	+	७	७७·५	६	२०·०	१०	५८	२	२०	२३	१८	८
कोतवडे	−	२४	−	१०	७३·३	६	३६·८	१७	५	३	४१	३६	२९	१२
कोप्पल	+	५	+	२	७६·२	६	२५·२	१५	२०	३	१८	३३	२६	११
कोल्हापुर	−	१५	−	६	७४·२	६	३३·२	१६	४३	३	३६	३६	२९	१२
खंडवा	+	६	+	२४	७६·३	६	२४·८	२१	५०	४	४८	४८	३८	१६
गड्वाल	+	२२	+	९	७७·९	६	१८·४	१६	१४	३	२९	३४	२७	११
गंटूर	+	५०	+	२०	८०·७	६	७·२	१६	१५	३	२९	३४	२७	११
गया	+	९१	+	३६	८४·८	५	५०·८	२४	४६	५	३२	५५	४४	१४
गाझीपुर	+	७८	+	३१	८३·५	५	५६·०	२५	३५	५	४५	५७	४५	१९
ग्वालियर	+	२४	+	१०	७८·१	६	१७·६	२६	१२	५	५४	५९	४७	२०
ग्रिनित्रीच	−	७५७	−	५	०·०	११	३०·०	५१	२९	१५	४	१५०	१२०	५०
गोकर्ण	−	१४	−	६	७४·३	६	३२·८	१४	३२	३	७	३१	२५	१०
गोकाक	−	८	−	३	७४·९	६	३०·४	१६	१०	३	२९	३४	२७	११
गोवे	−	१९	−	८	७३·८	६	३४·८	१५	२७	३	१९	३३	२६	११
गोरखपुर	+	७७	+	३१	८३·४	५	५६·४	२६	४४	६	३	६०	४८	२०
चित्रकलदुर्ग	+	८	+	३	७६·५	६	२४·०	१४	१३	३	३	३०	२४	१०
चिपळून	−	२२	−	९	७३·५	६	३६·०	१७	३१	३	४७	३८	३०	१३
चूरू (मारवाड़)	+	१०१	+	४०	८५·८	५	४६·८	१९	४६	४	१९	४३	३४	१४
जगन्नाथपुरी	+	१०१	+	४०	८५·८	५	४६·८	१९	४६	४	१९	४३	३४	१४
जंजिरा	−	२७	−	११	७३·०	६	३८·०	१८	१५	३	५७	३९	३१	१३
जत	−	४	−	२	७५·३	६	२८·८	१७	३	३	३९	३६	२९	१२
जम्बू (नगर)	−	७	−	३	७५·०	६	३०·०	३२	४४	७	४३	७७	६१	२६
जबलपुर	+	४४	+	१८	८०·१	६	९·६	२३	९	५	८	५१	४१	१७
जमखंडी	−	४	−	२	७५·३	६	२८·८	१६	३०	३	३३	३५	२८	१२
जयपुर	+	१	+	०	७५·८	६	२६·८	२६	५६	६	६	६१	४९	२०
जव्हार	−	२४	−	१०	७३·३	६	३६·८	१९	५७	४	२१	४३	३४	१४
जूनागढ़	−	५३	−	२१	७०·४	६	४८·४	२१	२९	४	३३	४७	३७	१६
जुन्नर	−	१८	−	७	७३·९	६	३४·४	१९	१६	४	१२	४२	३३	१४
जोधपूर	−	३२	−	१३	७२·५	६	४०·०	२६	२०	५	५६	५९	४७	२०
झाँसी	+	२९	+	१२	७८·६	६	१५·६	२५	३७	५	४५	५७	४५	१९
टोंक	−	७	−	३	७५·०	६	३०·०	१९	४०	४	१८	४३	३४	१४
ठाणें	−	२८	−	११	७२·९	६	३८·४	१९	१३	४	११	४१	३३	१४
ड़ाका (ढाका)	+	१४७	+	५९	९०·४	५	२८·४	२३	४५	५	१७	५२	४१	१७
तंजावर	+	३४	+	१४	७९·१	६	१३·६	१०	४५	२	१७	२३	१८	८
ताड़पत्री	+	२४	+	१०	७८·१	६	१७·६	१४	५६	३	१२	३२	२५	११
तासगांव	−	११	−	४	७४·६	६	३१·६	१७	२	३	४०	३६	२९	१२
त्रिचनापल्ली	+	३१	+	१२	७८·८	६	१४·८	१०	५४	२	१९	२३	१८	८
त्रिपती	+	२९	+	१२	७८·६	६	१५·६	१३	०	२	४६	२७	२१	९
त्रिवेन्द्रम्	+	१२	+	५	७६·९	६	२२·४	८	३०	१	४७	१८	१४	६

नगरों के अक्षांश और इन्दौर मध्य रेखा से पूर्व पश्चिम रेखांश स्टँ. टा.

भारत वर्षीय प्रसिद्ध नगरों के नाम	इन्दौर से रेखांतर पल	इन्दौर से रेखांतर मिनिट	ग्रिनीच रेखांश पूर्ण अंश	स्टँडर्ड टाईम घटा	स्टँडर्ड टाईम मिनिट	उत्तर अक्षांश		पलभा अंगुल	पलभा व्यंगुल	चरखंड १ पल	चरखंड २ पल	चरखंड ३ पल
दिल्ली ...	+ १४	+ ६	७७·२	६	२१·६	२८	३७	६	३०	६५	५२	२२
द्वारका ...	- ७१	- २८	६८·६	६	५५·६	२२	१५	४	५५	४९	३९	१६
दौलताबाद ...	— ५	— २	७५·२	६	२९·२	१९	५७	४	२१	४३	३४	१४
धार ..	— ५	— २	७५·२	६	३०·२	२२	३६	५	०	५०	४०	१७
धारवाड़ ...	— ७	— ३	७५·०	६	३०·०	१५	२६	३	१९	३३	२६	११
धुळे ..	— १०	— ४	७४·७	६	३१·२	२०	५३	४	३५	४५	३६	१५
धोलपर ...	+ २२	+ ९	७७·९	६	१८·४	२६	४०	६	२	६०	४८	२०
नंदुरबार ...	— १४	— ६	७४·३	६	३२·८	२१	२१	४	४१	४६	३७	१५
नागपुर ...	+ ३३	+ १३	७९·०	६	१४·०	२१	८	४	३९	४६	३७	१५
नाशिक ..	- २०	- ८	७३·७	६	३५·२	२०	०	४	२२	४३	३४	१४
निपाणी ..	- ११	— ४	७४·६	६	३१·६	१६	२२	३	३२	३५	२८	१२
पंढरपर .	४	२	७५·३	६	२८·८	१७	३९	३	४९	३८	३०	१३
पटियाला ..	+ ७	+ ३	७६·४	६	२४·४	३०	१९	७	०	७०	५६	२३
पनवेल ..	- २६	— १०	७३·१	६	३७·६	१८	५९	४	७	४१	३३	१४
परशुराम ..	- २२	— ९	७३·५	६	३६·०	१७	३३	३	४८	३८	३०	१३
प्रयाग ..	+ ६१	+ २४	८१·८	६	२·८	२५	२५	५	४१	५६	४५	१९
पाटणा ..	+ ९५	+ ३८	८५·२	५	४९·२	२५	३३	५	४४	५७	४५	१९
प्यॉरिस (फ्रान्स) ...	- ८३४	— ५ ४/३	२·३	११	२०·८	४८	५०	१३	४३	१३६	१०९	४५
पुडुकोट ..	+ ३२	+ १३	७८·९	६	१४·४	१०	२०	२	११	२१	१७	७
पुणे ...	— १९	— ८	७३·८	६	३४·८	१८	२९	४	०	४०	३२	१३
पुरनिया ..	+ ११८	+ ४७	८७·५	५	४०·०	२५	४६	५	४८	५८	४६	१९
पेकिन (चीन) ...	+ ४०८	+ २/४३	११६·५	३	४४·०	४०	०	१०	४२	१०६	८५	३५
पेण ...	- २७	- ११	७३·०	६	३८·०	१८	४३	४	४	४०	३२	१३
पैठण ...	- ४	- २	७५·३	६	२८·८	१९	३१	४	१५	४२	३२	१४
फरकाबाद ...	+ ४९	+ २०	८०·६	६	७·६	२७	२३	६	१३	६२	४९	२१
बगदाद ..	३०७	- २/३	४५·०	८	३०·०	३३	२४	७	५५	७८	६२	२६
बड़ोदा ..	— २५	— १०	७३·२	६	३७·२	२२	१६	४	५५	४९	३९	१६
बदामी ..	० ०	० ०	७५·७	६	२७·२	१५	५६	३	२७	३४	२७	११
बरद्वान ..	+ ६२	+ २५	८१·९	६	२·४	२३	१३	५	९	५१	४१	१७
बर्लिन (जर्मनी) ..	६२३	— ४/[illegible]	१३·४	१०	३६·४	५२	३०	१५	३८	१५५	१२४	५२
बल्लारी ..	+ १३	+ ५	७७·०	६	२२·०	१५	९	३	१५	३२	२५	११
बऱ्हाणपूर ...	+ ७	+ ३	७६·४	६	२४·४	२१	१८	४	४१	४६	३७	१५
बागलकोट ..	- ०	- ०	७५·७	६	२७·२	१६	१२	३	२९	३४	२७	११
बिस्माऊ (मारवाड़) ...	+ १	+ ०	७५·८	६	२६·८	१८	१३	३	५७	३९	३१	१३
बीकानेर ...	— २४	— १०	७३·३	६	३६·८	२८	१	६	२३	६३	५०	२१
बीड ..	+ १	+ ०	७५·८	६	२६·८	१८	५८	४	७	४१	३३	१४
बूंदी ..	— ५	— ०	७५·६	६	२७·६	२५	२६	५	४२	५६	४५	१९
बेंगलूर ..	+ १९	+ ८	७७·६	६	१९·६	१२	५८	२	४६	२७	२१	९
बेदर ..	+ १८	+ ७	७७·५	६	२०·०	१७	५५	३	५३	३८	३०	१३
बेलगांव ...	— १२	— ६	७४·५	६	३२·०	१५	५०	३	२४	३४	२७	११
भड़ोंच ..	— २७	— ११	७३·०	६	३८·०	२१	४१	४	४६	४७	३७	१६
भरतपूर ..	+ १५	+ ६	७७·२	६	२१·२	२७	२०	६	१२	६१	४९	२०

भारत वर्षीय प्रसिद्ध नगरों के नाम	इन्दौर से रेखांतर पल	इन्दौर से रेखांतर मिनिट	ग्रिनीच रेखांश पूर्व अंश	स्टैंडर्ड टाईम घंटा	स्टैंडर्ड टाईम मिनिट	उत्तर अक्षांश		पलभा अंगुल	पलभा व्यंगुल	चरखंड १ पल	चरखंड २ पल	चरखंड ३ पल
भागलपुर ...	+ ११३	+ ४५	८७·०	५	४२·०	२५	१३	५	३९	५६	४५	१९
भोपाल ...	+ १६	+ ६	७७·३	६	२०·८	२३	१४	५	०	५१	४१	१७
भोर ...	– १८	– ६	७३·९	६	३४·४	१८	७	३	५६	३०	३१	१३
मंगलवेढ़े ...	– ३	– १	७५·४	६	२८·४	१७	३१	३	४७	३६	२९	१२
मंगलूर ...	– ९	– ४	७४·८	६	३०·८	१२	५२	२	४५	२७	२१	९
मक्का (अरबस्थान) ...	– ३५५	– २/२२	४०·२	८	४९·२	२१	२९	४	४३	४७	३७	१६
मच्छली पट्टन ...	+ ५५	+ ५५	७०·२	६	५·२	१६	१२	३	२९	३४	२७	११
मथुरा ...	+ २०	+ ८	७७·७	६	१९·२	२७	२८	६	१४	६२	४९	२१
मदूरा ..	+ २५	+ १०	७८·२	६	१७·२	९	५३	२	५	२०	१६	७
मद्रास ...	+ ४५	+ १८	८०·२	६	९·२	१३	४	२	४७	२७	२१	९
महाड़ ..	– २३	– ९	७३·४	६	३६·४	१८	३	३	५४	३९	३१	१३
महिशूर (म्हैसूर) ...	+ ९	+ ४	७६·६	६	२३·६	१२	१८	२	३७	२६	२१	९
माण्डवी ...	– ६३	– २५	६९·४	६	५२·४	२२	५४	५	८	५०	४०	१७
मालेगाँव ...	– १२	– ५	७४·५	६	३२·०	२०	३१	४	३०	४५	३६	१५
मिरज ...	– १०	– ४	७४·७	६	३१·२	१६	४९	४	३७	३६	२९	१२
मुदगल ..	+ ८	+ ३	७६·५	६	२४·०	१६	१	३	२७	३४	२७	११
मुधोळ ...	– ४	– २	७५·३	६	२८·८	१६	२०	३	३१	३५	२८	१२
मुम्बई ...	– २९	– १२	७२·८	६	३८·८	१८	५७	४	७	४१	३३	१४
मुलतान ...	– ४३	– १७	७१·४	६	४४·४	३०	१३	६	५९	६९	५५	२३
मुंङ्गेर ...	+ ११८	+ ४७	८७·५	५	४०·०	२५	२५	५	४१	५६	४५	१९
रतनगढ़ ...	– २४	– १०	७३·३	६	३६·८	१७	०	३	४०	३६	२९	१२
रंगून (ब्रह्मा) ...	+ २००	+ १/२०	९५·७	५	७·२	१६	४८	३	३७	३६	२९	१२
राजकोट ...	– ४८	– १९	७०·९	६	४६·४	१२	१६	४	५५	४९	३९	१६
राजमहेन्द्री ...	+ ६१	+ २४	८१·८	६	२·८	१७	०	३	४०	३६	२९	१२
राजापुर ...	– २२	– ९	७३·५	६	३६·०	१६	३९	३	३५	३५	२८	१२
रामदुर्ग ..	– ३	– १	७५·४	६	२८·४	१५	५७	३	२६	३४	२७	११
रामेश्वर ..	+ ३५	+ १४	७९·२	६	१३·२	९	१५	१	५७	१९	१५	६
रायचूर ..	+ १७	+ ७	७७·४	६	२०·४	१६	१७	३	३०	३५	२८	१२
रायपुर ...	+ ६०	+ २४	८१·७	६	३·२	२१	१३	४	४०	४७	३७	१६
रिवाँ ..	+ ५६	+ २२	८१·३	६	४·८	२४	३२	५	२९	५४	४३	१८
रोम ..	– ६३२	– ४/१३	१२·५	१०	४०·०	४१	५६	१०	४७	१०६	८५	३५
लखनौ ...	+ ५२	+ २१	८०·९	६	६·४	२६	५१	६	४	६०	४८	२०
लक्ष्मेश्वर ..	– २	– १	७५·५	६	२८·०	१५	७	३	१४	३२	२५	११
लाहोर ...	– ५	– २	७५·२	६	२९·२	३१	३३	७	२२	७३	५८	२४
वसई ..	– ३०	– १२	७२·७	६	३९·२	१९	२०	४	१३	४२	३३	१४
वाशिंगटन (अमेरिका) ..	– १५२	– १०/११	७८·०	१६	३८·०	३८	५४	९	४१	९६	७७	३२
वाई ..	– १८	– ७	७३·९	६	३४·४	१७	५५	३	५३	३८	३०	१३
विंचरू ..	– १३	– ५	७४·४	६	३२·४	२०	८	४	२४	४४	३५	१५
विजयदुर्ग ..	– २३	– ९	७३·४	६	३६·४	१६	३३	३	३४	३५	२८	१२
विजापुर ...	– ०	– ०	७५·७	६	२७·२	१६	४८	३	३७	३६	२९	१२
वारङ्गुल ..	+ २०	+ ८	७७·७	६	१९·२	१८	०	३	५४	३९	३१	१३
वेंगुर्ले ...	– २१	– ८	७३·६	६	३५·६	१५	२२	३	३४	३४	२७	११

भारत वर्षीय प्रसिद्ध नगरों के नाम	इन्दौर से रेखांतर पल		इन्दौर से रेखांतर मिनिट		ग्रिनीच रेखांश पूर्व अंश	स्टैंडर्ड टाईम घंटा	स्टैंडर्ड टाईम मिनिट	उत्तर अक्षांश		पलभा अंगुल	पलभा व्यंगुल	चरखंड १ पल	चरखंड २ पल	चरखंड ३ पल
श्रृंगेरी ...	–	४	–	२	७५.३	६	२८.८	१३	२७	२	५२	२८	२२	९
श्रीनगर (काश्मीर) ...	–	८	–	३	७४.९	६	३०.४	३४	६	७	५४	७९	६३	२६
श्रीरंगपट्टण ...	+	९	+	४	७६.६	६	२३.६	१२	३४	२	३८	२६	२१	९
श्रीवर्द्धन ...	–	२७	–	११	७३.०	६	३८.०	१८	२	३	५४	३९	३१	१३
संगमनेर ...	–	१३		५	७४.४	६	३२.४	१९	३४	४	१६	४२	३३	१४
सागर ...	+	३०	+	१२	७८.७	६	१५.२	२३	५१	५	३८	५६	४५	१९
सांगली ...	–	१२	–	५	७४.५	६	३२.०	१६	५२	३	३८	३६	२९	१२
सतारा ...	–	१७	–	७	७४.०	६	३४.०	१७	५१	३	५०	३८	३०	१३
सावनूर ..	–	३	–	१	७५.४	६	२८.४	१४	५८	३	१३	३२	२५	११
सावन्तवाड़ी ...	–	१९	–	८	७३.८	६	३४.८	१५	१४	३	२५	३४	२७	११
सिंहपुर (मलायाद्विप) ...	+	२८३	+	५ १/४	१०४.०	४	३४.०	१	२०	०	१७	३	२	१
सीडीनी (आस्ट्रेलिया) ..	+	७५५	+	५ ५/२	१५१.२	१	२५.२	३३	५५	८	२	८०	६४	२७
सूरत ...	–	३२	–	१३	७२.५	६	४०.०	२१	१०	४	३९	४६	३७	१५
सुरपुर ..	+	११	+	४	७६.८	६	२२.८	१६	३१	३	३३	३५	२८	१२
सेलम ...	+	२६	+	१०	७८.३	६	१६.८	११	४०	२	२९	२४	१९	८
सोलापुर ..	+	१	+	०	७५.८	६	२६.८	१७	३९	३	४९	३८	३०	१३
संकेश्वर ...	–	१२	–	५	७४.५	६	३२.०	१६	१६	३	३०	३५	२८	१२
हम्पी ...	+	८	+	३	७६.५	६	२४.०	१५	२०	३	१७	३३	२६	११
हरदा ..	+	१३	+	५	७७.०	६	३२.४	२२	१८	४	५५	४९	३९	१६
हरिद्वार ..	+	२४	+	१०	७८.१	६	१७.६	२९	५५	६	५४	६९	५५	२३
हरिहर ...	+	२	+	१	७५.९	६	२६.४	१४	३०	३	७	३१	२५	१०
हुबली ..	–	६	–	२	७५.१	६	२९.६	१५	१९	३	१७	३२	२५	११
हैदराबाद (निजाम) ...	+	२८	+	११	७८.५	६	१६.०	१७	१८	३	४४	३७	२९	१२
हैदराबाद (सिंध) ...	–	७४	–	३०	६८.३	६	५६.८	२५	२४	५	४१	५६	४५	१९
होसपेट ...	+	७	+	३	७६.४	६	२४.४	१५	१०	३	१५	३२	२५	११

चैत्र कृष्ण ३० गुराविष्टं ४४।२१

सूर्य ११।१७ लग्न ८।१

वर्ष प्रवेश कुंडली
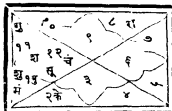
गु १० ८ रा
९ ७
११ श १२ चं ६
शु १ बु सू ३ ५
मं २ के ४

चैत्र शुक्ल १४ बुधेष्टं ३२।२०

सूर्य ०।० लग्नम् ६।६

मेषार्क वर्षेश कुंडली

८ रा ६
९ ७ ५
१० ४
११ गु शु १ बु ३
१२ श २

लाभ खर्च कोष्टक
(अष्टोत्तरमितेन (

राशि:	लाभ	खर्च
मेष	२	८
वृषभ	११	१४
मिथुन	१४	११
कर्क	८	११
सिंह	११	५
कन्या	१४	११
तुल	११	१४
वृश्चिक	२	८
धन	५	१४
मकर	८	८
कुंभ	८	८
मीन	५	१४

फलादेश

जन्म राशि और जन्म लग्न को उक्त दोनों कुंडली में मुंथा के स्थान में रखकर शुभाशुभ फल का निश्चय कर लेना। सर्वसाधारण रीती से यह वर्ष उत्तम, सुख-दाई, आनंदकारी बितेगा.

विंशोत्तरी मतेन लाभ खर्च कोष्टक.

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुंभ	मिन
लाभ	११	५	११	५	८	११	५	११	८	२	२	८
खर्च	५	१४	११	८	५	११	१४	५	११	१४	१४	११

जन्मपत्रिका और वर्षफल बनाने के लिये कोष्टकों का उपयोग

इष्ट साधनः—जिस समय की स्टॅंडर्ड टाइम के द्वारा इष्ट साधन करना हो उस समय जिस अक्षांश के प्रदेश में का सूर्योदय की स्टॅ. टाईम पंचांग से देख लेवें. इस पंचांग में इन्दौर सहित १९ नगरों की स्टॅ. टाईम लिखी है सो अपने २ नगर के निकट के प्रसिद्ध नगर की टाईम से अपने नगर की टाईम निश्चित करे। लिखित १८ नगरों के पूर्व पश्चिम में गांव हो तो १६ माईल में १ मिनिट पूर्व में कम और पश्चिम में मिलावे तो सूर्योदय टाईम होती है। इष्ट की टाईम में सूर्योदय टाईम घटाकर २॥ गुना करनेपर इष्ट घटी पल आते हैं। **सूर्यस्पष्टः**—पंचांग में लिखे दैनिक सूर्यस्पष्ट में इष्ट घटी पल कला मिनिट में जोड दे तो तात्कालिक सूर्य होता है। **ग्रहस्पष्टः**—इष्टकाल को ग्रह गति से गुणकर ६० का भाग देकर प्रातःकालिक ग्रह में जोड देने पर ग्रह स्पष्ट हो जाता है सिर्फ वक्रीग्रह और राहु के अंक घटावे। **लग्नसाधनः**—अपने गांव के नाम के अक्षांश की लग्न सारणी पंचांग में देख कर सूर्य के राशि अंश समान कोष्टक के (विषुवांक) लिखे हैं उस में इष्ट के घटी पल जोड दे. बाद में सारणी में देखने से जहांपर उस लग्नसारणी में " अंक " उपलब्ध हों वह राशि अंश लग्न के होंगे शेष घटी पल को ६ गुणा कर के नीचे लिखे तो कला विकला होगी। सूक्ष्मता लेनी हो तो शेष घटी पल को साठ गुणा कर अंतर अंक का भाग देवे तो सूक्ष्म कला विकला होगी। **दशमसाधनः**—जिन " अंकोंसे " लग्न साधन किया है उन्हीं अंकोंसे भावसारणी में दशम लग्न स्पष्ट होता है (यानी इस में नत वगैरे का कुछ काम नहीं है) **द्वादशभावसाधनः**—दशम में ६ राशि कम करने पर चतुर्थ भाव होता है चतुर्थभाव में लग्न घटा कर जो अंशादि शेष रहे उस में ६ का भाग देकर यह षष्ठांश लग्न के अंशादि में जोडने पर चतुर्थ भावतक जोडे आगे वही अंशादि लिख कर राशि बढाता जावे तो षष्ठ संधितक भाव १२ बनते हैं आगे क्रमशः इनमें ६:६ राशि जोडने पर सभी भाव से १२ पंक्ति बन जाती है। इस तरह द्वादशभाव संधि सहित बनते है. **वर्षफल साधनः**—जन्म के संवत् को वर्ष के संवत् में घटाने से गत वर्ष होते हैं। पंचांग में लिखी वर्ष सारणी में गत वर्ष अंक के नीचे के वार घटी पल के अंक में जन्म के रविवारादि के अंक तथा इष्ट के घटी पल को जोड देवे तो जन्म के सूर्य के राशि अंश के समान जिस दिन पंचांग में सूर्य हों उस दिन का वार आदि मिल जायगा तो समझना वर्ष प्रवेश के वारादि बराबर हैं। आगे सूर्य एवं इष्ट से लग्न साधन करके पंचाग में दैनिक ग्रहों के अनुसार वर्ष कुंडली और दैनिक ग्रह स्पष्ट लिख देवे तो वर्षफल तयार होजायगा. **मास प्रवेशः—साधन** पंचांग में लिखी माससारणी में वर्ष के सूर्य के राशि अंकके समान कोष्टक में लिखे वारादि को क्रमशः एकएक राशि बढाता हुआ बाराराशि वारादि को पेन्सिल के अंकों द्वारा लिख लेवे बारवीं पंक्ति के आगे नये वर्ष के वारादि लिखकर उपर से नीचें की ओरतक १३ पंक्ति द्वितीय तृतीय मास की इस तरह की पंक्ति में वर्ष के वार घटी पल जोडता जाय तो बारा महिने के मास प्रवेश के वार घटी पल एकसाह स्पष्ट होते जायेंगे। यदि दूसरे वर्ष के वारादि में कुछ पलों का अंतर पडे तो उसे १२ का भाग देकर लब्धांक उन में कम ज्यादा कर के दूसरे वर्ष के घटी पलों के तुल्य हो जायेंगे। **मास प्रवेश का सूर्य और लग्नसाधनः**—वर्ष के सूर्य में एक एक राशि मिलाने पर बाकी पूर्वोक्त

अंशादि तुल्य सूर्य स्पष्ट होता है । इस सूर्य के अंशतुल्य लग्नसारणी के उसी अंश के नीचे की राशियों के विषुव घटी पल में क्रमशः मास प्रवेश इष्ट के घटी पल जो कि ऊपर क्रमशः लिखे गए है उनमें जोड देवे और उस के द्वारा उस २ मास के लग्न के राशि अंश लिखता जाय तो प्रत्येक मास का लग्न स्पष्ट होजाता है । इसके द्वारा १२ मास कुंडली में लग्न लिख कर दैनिक ग्रह लिखित राशि में लिख देवें तो बारहों मास की १२ कुंडली तयार होजावेगी । **होरा द्रेष्काण आदि षड्वर्ग साधनः**—लग्न और ग्रहों के राशि अंशोद्वारा बनाने के कोष्टक पंचांग में दिये हैं उसके द्वारा सरलता से बन सकते हैं. **रेखाष्टकवर्ग साधनः**--जन्म कुंडली के सूर्यादि ७ ग्रह और लग्न मिलकर ८ वर्ग कहाते हैं इस के कोष्टक की रेषा १२ खींचकर वहां २ सूर्य चंद्रादि की क्रमशः रेषाबिंदु लिखता जावे नीचे रेषा के अंक शुभ और बिंदु के अंक अशुभ ऐसा जोड लिखकर शुभाशुभ फल कहे तो अष्टक वर्गतुल्य राशि के ग्रह चार में अष्टक वर्गोक्त शुभाशुभाक तुल्य फल होता है, और प्रायः बराबर फलित मिलता है ।

॥ **अथ विंशोपकाः १०५** ॥ वृष्टिः ७ धान्यं १३ तृणम् ७ शीतम् १३ ऊष्णम् १३ वायुः ७ वृद्धिः १५ विनाशः १५ विग्रहः ११ क्षुधा १३ तृष्णा १३ निद्रा ५ आलस्यं ११ उद्यम ९ शांतिः १ क्रोधः ९ दंभः ९ मदः ७ मैत्री ५ रसनिष्पत्तिः ७ फलनिष्पत्तिः ११ उत्साहः ९ शलभः १५ शुकाः १५ मूषका.७ अतिवृष्टिः १७ अनावृष्टिः ५ स्वचक्रम् १५ परचक्रम् १९ परचक्रनाशः ९ रत्नम् ५ वस्त्रम् ९ घृतम् १९ तैलम् ११ दुकूलम् ७ ऊर्णावस्त्रम् १५ क्षौमणि ७ वल्कलम् १९ भूर्जपत्रम् ५ सुवर्णम् १५ ताम्रम् ३ वगम् १९ रौप्यम् १७ लोहम् ११ खर्परसूत्रम् १९ पित्तलम् ९ सीसकम् १३ कास्यम् १७ उग्रप्रकृतिः ९ सौम्यप्रकृतिः ९ पापप्रकृतिः १७ पुण्यप्रकृतिः ३ व्याधिः ५ भेषज्यम् ११ आचारः ७ अनाचारः १२ मरणम् १५ जननम् १५ देशोपद्रवः १५ देशस्वास्थं १७ चौरभयं ५ चौरनाशः १५ अग्निभय १५ अग्निनाशः ५ विषभयम ३ विषनाशः ११ सेवकत्वम् १३ स्वामित्वम् ९ निजधनम् १७ परधनम् ३ द्यूतम् १९ पुंश्चलीकर्म १५ जारणम् ७ जारणनाशः १३ मारणम् १७ मारणनाशः १९ स्तंभनम् १९ स्तंभननाशः १७ मोहनम् १३ मोहननाशः ७ उच्चाटनम् १७ उच्चाटननाशः ९ वशीकरणम् १७ वशीकरण नाशः ७ वात प्रकृतिः १३ पित्त प्रकृतिः १९ कफ प्रकृतिः ७ द्वंद्वज ११ सन्निपातः १५ यशः १९ अपयशः ५ गर्वः ७ उन्नता ९ प्रपचः ११ भूतबाधा १५ ग्रहदोषः १७ ग्रहदोष शांतिः १९ अंडजम् ९ जरायुजम् ५ स्वेदजम् ८ उद्भिजम् ११ पुण्यम् १।५८ पापम् १८।२ सर्व निष्पत्तिः ६ ॥ इति विंशोपकाः १०५ ॥

गणेश दैवज्ञ प्रोक्त पंचांग संशोधनकी पूर्व प्रणाली ।

ब्रह्माचार्य वसिष्ठ कश्यप मुखैर्यत्खेटकर्मोदितम् । तत्तत्कालजमेवतथ्यमथ तद्भूरिक्षणाद्भूतस्लथम् ॥ प्रापातोथ मयासुरःकृतयुगान्तेर्कात्स्फुटं तोषिता- । त्तश्चास्तिसम कर्ता तु सान्तर मथा भूत्वात्र पाराशरम् ॥१॥ तज्ज्ञात्वाऽऽर्यभटः खिलं बहुतिथे कालेकरोत्प्रस्फुटम् । तत्स्रस्तं किल दुर्गसिंहमिहिराद्यै स्तच्चिवर्द्ध स्फुटम् ॥ तच्चाभूच्छिथिलं तु जिष्णुतनयेनाकारिवेधात्स्फुटं । ब्रह्मोक्त्याऽश्रितमेतदप्यथ बहौ कालेऽभवत्सान्तरम् ॥ २ ॥
श्रीकेशवः स्फुटतरं कृतवान्हि सौरार्यासन्न मे तदपि पष्टिमिते गताब्दे ॥ दृष्ट्वाश्लथं किमपि तत्तनयो गणेशः स्पष्टं यथा ह्यकृत दृग्गणितैक्यमत्र ॥३॥ कथमपि यदिदं चेत् भूरिकाले श्लथं स्यान्मुहुरपि परिलक्ष्यंन्दुग्रहादृक्ष योगात् ॥ सदमल गुरुतुल्य प्राप्त बोधः प्रकाशैः काश्रित सदुपपत्या शुद्धिकेन्द्रेप्रचाल्ये ॥४॥

॥ श्री. ॥

— अखिल भारत वर्षोपयोगी —

सर्व सिद्धान्तैक्यसबीज-संस्कृतग्रहलाघवीय

भारत विजय पंचांग
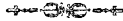
संवत् १९९५ शके १८६०

इसवी सन १९३८-३९ — फसली सन १३५७-५८
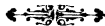
आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० चैत्र शुक्ल पक्षः										पूर्ण करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीखें				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
सिद्धि	१	शु.	४०	८	रे	३९	५६	ऐं	३२	२४	किं	१२	१४	ब	४०	८	३० ४३	६ २३	६ ४०	१९	२९	२८	१	३९ ५६ मेष
सिंजारा	२	श.	३५	५७	अ	३६	८	वै	२५	५२	बा	८	२	कौ	३५	५७	४७	२२	४०	२०	३०	२९	२	मेष
गणगौर	३	र.	३०	३१	भ	३२	४४	वि	१८	५०	तै	३	१४	ग	३० ५७	३१ ४६	५०	२१	४०	२१	१	३०	३	४६ ५५ वृषभ
स्थिरः	४	सो.	२५	२	कृ	२९	५	प्री	११	३४	वि	२५	२	ब	५२	१४	५३	२०	४१	२२	२	१	४	वृषभ
मातंग	५	म.	१९	२६	रो	२५	२३	आ	४ ५६	१७ ४७	बा	१९	२६	कौ	४७	७	५६	१९	४१	२३	३	२	५	५३ २४ मिथुन
अमृत	६	बु.	१४	४९	मृ.	२१	३६	शो	४७	२८	तै	१४	४९	ग	४१	३५	३१ ०	१८	४२	२४	४	३	६	मिथुन
काणः	७	गु.	८	२१	आ	१८	६	अ	४२	२५	व	८	२१	वि	३५	४८	३	१७	४२	२५	५	४	७	मिथुन
क्षयः	८	शु.	३ ५८	१६ २३	पु	१४	५०	सु	३५	३५	ब	३	१६	बा	३० ५८	४९ २३	६	१६	४२	२६	६	५	८	० १० कर्क
सिद्धि	१०	श.	५३	५७	पु	११	५५	धृ	२९	१४	तै	२५	५५	ग	५३	२७	९	१५	४२	२७	७	६	९	कर्क
ए. ब्र.	११	र.	५०	६	आ	९	२५	शू	२२	५४	व	२२	१	वि	५०	६	३	१४	४३	२८	८	७	१०	१ २५ सिंह
ए. ब्र.	१२	सो.	४७	२	म	९	३०	गं	१७	१७	ब	१८	३४	बा	४२	२	१६	१३	४३	२९	९	८	११	सिंह
प्र. ब्र.	१३	मं.	४४	५१	पू	६	२९	वृ	१२	२१	कौ	१५	५६	तै	४४	५१	१९	१२	४३	३०	१०	९	१२	२१ २७ कन्या
प्रवर्ध	१४	बु.	४३	४४	उ	६	२३	ध्रु	८	१६	ग	१४	१७	व	४३	४४	२२	११	४४	१	११	१०	१३	कन्या
पौर्णिमा	१५	गु.	४३	४०	ह	७	२०	व्या	४	५२	वि	१३	४२	व	४३	४०	२५	१०	४५	२	१२	११	१४	३८ २८ तुल

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति
१०९२	१	शुक.	११ १७ ४० १९	५९ ११	११ २० ५८ ४८	१३ ५१ २२	० २१ ४	४३
१०९३	२	शनी.	११ १८ ३९ ३०	५९ ९	० ४ ५० १०	१४ ६ २५	० २१ ४७	४३
१०९४	३	रवी	११ १९ ३८ ३९	५९ ७	० १८ ५६ ३५	१४ ८ ४५	० २२ ३०	४३
१०९५	४	सोम.	११ २० ३७ ४६	५९ ५	१ ३ ५ २०	१४ ४ १०	० २३ १३	४३
१०९६	५	मंगल.	११ २१ ३६ ५१	५९ ३	१ १७ १९ ३०	१४ १२ २५	० २३ ५६	४३
१०९७	६	बुध.	११ २२ ३५ ५४	५९ १	२ १ ३१ ५५	१४ १३ ३४	० २४ ३९	४२
१०९८	७	गुरु.	११ २३ ३४ ५५	५८ ५९	२ १५ ४५ २९	१४ ५ ४५	० २५ २१	४२
१०९९	८	शुक.	११ २४ ३३ ५४	५८ ५७	२ २९ ५१ १४	१४ २ ४६	० २६ ३	४२
११००	१०	शनी.	११ २५ ३२ ५१	५८ ५५	३ १३ ५४ ०	१३ ५६ १०	० २६ ४५	४२
११०१	११	रवी.	११ २६ ३१ ४६	५८ ५३	३ २७ ५० १०	१३ ४७ १३	० २७ २७	४२
११०२	१२	सोम.	११ २७ ३० ३९	५८ ५१	४ ११ ३७ २३	१३ ३५ ४५	० २८ ९	४२
११०३	१३	मंगल.	११ २८ २९ ३०	५८ ४९	४ २५ १३ ८	१३ २३ १०	० २८ ५१	४२
११०४	१४	बुध.	११ २९ २८ १९	५८ ४७	५ ८ ३६ १८	१३ ८ ४९	० २९ ३३	४२
११०५	१५	गुरु.	० ० २७ ६	५८ ४५	५ २१ ४५ ७	१२ ५८ १०	१ ० १५	४२

अ. १ चैत्र शु. ८ शुक्रे । प्र. अहर्गणा ५११६ अयनांशाः २२°।५९'।०" **मेष सक्रमणम्**

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
११	२	०	०	१०	०	११	७
२४	२९	२६	१२	१	१०	१६	६
३३	५१	३	४	३४	८	१०	४
५४	१४	४२	५०	२२	६	२०	४०
५८	८४२	४२	१९	११	७४	८	३
५७	४६	४२	१९	११	१४	४२	१३

चैत्र शुक्ल १४ बुधे; मेषेर्कःप्रविष्टः वरात् ३ नक्षत्रात ४ वार नाम मंदाकिनी राज सुखी । नक्षत्र द्वांक्षी वैश्य सुखी । अपराह्ण व्यापिनी । वैश्यान् हन्ति दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः । वाणिज करणे प्राविष्टा, फलं मध्यमं, वाहनं, महिषः उप वाहनमुष्ट्रः क्लेश कारकः श्याम

तिथी	सौर स्पष्ट रविः	एप्रील १९३८ इ. । उत्तरायणे वसंत ऋतुः।
१	११ १७ ४६ १२	अप्रेल ४ नवरात्रारंभः। ध्वजारोपणं। कल्पादि संवत्सरारंभः श. चं. यु. घटस्थापन।
२	११ १८ ४५ २०	चन्द्रदर्शनम् अश्विन्यां २ शुक्रः ३०।२४ मत्स्यजयंती। शु. चं. यु.। बु. चं. यु.
३	११ १९ ४४ २६	गणगौर। भद्रा प्रा. स्टँ. ५।३४ मं. चं यु.। सफर २ मु.
४	११ २० ४३ ३०	विनायकी ४। भद्रा स. स्टँ. १६।३२ भरण्यां ४ भौमः ९।४६ । आवान
५	११ २१ ४२ ३३	
६	११ २२ ४१ ३३	
७	११ २३ ४० ३१	भद्रा प्रा. स्टँ. ९।४८ भद्रा स. स्टँ. २०।४६ ×प्रा.। बु. शु. यु.। दुर्गा ८
८	११ २४ ३९ २६	श्रीराम ९ जन्मः कृत्तिका १ भौमः ५२।५१ अन्नपूर्णा परिक्रमा। अशोककालिका ×
१०	११ २५ ३८ १९	+दोलोत्सव। व्यतीपात महापात स्पर्श १३।५२ मोक्ष १८।५८
११	११ २६ ३७ ९	भद्रा प्रा. स्टँ. १५।१६ भद्रा स. स्टँ. रात्रौ २।३६ कामदा ११ स्मार्त भरण्यां शुक्रः ३५।४० +
१२	११ २७ ३५ ५७	कामदा ११ भागवत वक्री बुधः रेवत्यां १ शनिः ४५।०
१३	११ २८ ३४ ४२	भौम प्रदोष। महावीरजयंती जैन
१४	११ २९ ३३ २१	भद्रा प्रा. स्टँ. २३।५७ अश्विनी मेषेर्कः ३२।२०। मु. ३० कृत्तिका २ वृषभे भौमः ३८३४
१५	० ० ३२ ३	भद्रा स. स्टँ. ११।५६ हनुमज्जयंती। वैशाखस्नानारंभः।

तिथि	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१	० ६ ३४	१ ७	१० ० १४	१२	० १ २७	१ १५	११ १५ १४	८	७ ६ २६ ५६	३ ११
२	० ७ ४१	१ १	१० ० २६	१२	० २ ४२	१ १५	११ १५ २२	८	७ ६ २३ ४५	३ ११
३	० ८ ४२	० ५४	१० ० ३८	१२	० ३ ५७	१ १५	११ १५ ३०	८	७ ६ २० ३४	३ १०
४	० ९ ३६	० ४८	१० ० ५०	११	० ५ १२	१ १४	११ १५ ३८	८	७ ६ १७ २४	३ ११
५	० १० २४	० ४१	१० १ १	११	० ६ २६	१ १४	११ १५ ४६	८	७ ६ १४ १३	३ ११
६	० ११ ५	० ३३	१० १ १२	११	० ७ ४०	१ १४	११ १५ ५४	८	७ ६ ११ २	३ ११
७	० ११ ३८	० २७	१० १ २३	११	० ८ ५४	१ १४	११ १६ २	८	७ ६ ७ ५१	३ ११
८	० १२ ५	० १९	१० १ ३४	११	० १० ८	१ १४	११ १६ १०	८	७ ६ ४ ४०	३ १०
१०	० १२ २४	० १२	१० १ ४५	११	० ११ २२	१ १४	११ १६ १८	८	७ ६ १ ३०	३ ११
११	० १२ ३६	० ७	१० १ ५६	११	० १२ ३६	१ १४	११ १६ २६	८	७ ५ ५८ १९	३ ११
१२	० १२ ४३	व ० १	१० २ ७	११	० १३ ५०	१ १४	११ १७ ३४	८	७ ५ ५५ ८	३ १०
१३	० १२ ४२	० ७	१० २ १८	११	० १५ ४	१ १४	११ १६ ४२	७	७ ५ ५१ ५७	३ ११
१४	० १२ ३५	० १३	१० २ २९	११	० १६ १८	१ १४	११ १६ ४९	७	७ २ ४८ ४६	३ १०
१५	० १२ २२	व ० १८	१० २ ४०	११	० १७ ३२	१ १४	११ १६ ५६	७	७ ५ ४५ ३६	३ ११

संक्रांति फलम्। अ. २ चैत्र शु. १५ गुरौ। प्र अहर्गणा ५१२२ अयनांशः २२°।५९।१"

वस्त्रं। तोमरायुधं, खप्पर पात्रं दधिभक्षणं, आरक्त लेपनं। मृगजातिः। अर्क पुष्पं, मणि भूषणं, पांडु कंचुकी, प्रगल्भावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ३० भृगु उदयं पश्चिमे। वत्सश्च। मूलं पाताले। वि. स्तं. निऋतिकोणे

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
०	५	१	०	१०	०	११	७
०	२१	०	१२	२	१७	१६	५
२७	४५	१४	२२	४०	३२	५६	४५
६	७	५४	१०	५४	१२	२४	३६
५८	७७६	४२	१८	११	७४	७	३
४५	१०	४०	३२	११	१७	२७	११

वैशाख कृष्ण पक्षः

आनंदादि योग	सं. १९९५ श. १८६० वैशाख कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	उदय	अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
सिद्धिः	१	शु.	४४	३२	चि	९	२४	ह	२	२५	बा	१४	६	कौ	४४	३२	३१ २९	६ १०	६ ४५	३	१३	१२	१५	तुल
सिद्धिः	२	श	४७	४७	स्वा	१२	५८	व	१	१२	तै	१६	९	ग	४७	४७	३२	९	४५	४	१४	१३	१६	तुल
उत्पात	३	र.	५१	५९	वि	१७	५४	सि	१	५	व	१९	३३	वि	५१	५९	३५	८	४६	५	१५	१०	१७	१ ४० वृश्चिक
च. व.	४	सो.	५७	०	अनु	२४	५	व्य	२	४	ब	२४	२९	बा	५७	०	३८	७	४६	६	१६	१५	१८	वृश्चिक
मृदगर	५	मं	६०	०	ज्ये	३१	८	व	४	१६	कौ	२८	३०	तै	६०	०	४१	६	१६	७	१७	१६	१९	३१ ८ धन
ध्वज	५	बु.	३८	२२	मू	३८	४४	प	६	८	तै	३	२२	ग	३६	३५	४४	५	४७	८	१८	१७	२०	धन
धाता	६	गु	४९	४८	पू	४६	१८	शि	८	४१	व	९	४८	वि	४२	४७	४७	४	४७	९	१९	१८	२१	° मकर
मृत्यु	७	शु	१५	४७	उ	५३	१५	सि	१०	५६	ब	१५	४७	बा	४८	२०	५०	३	४८	१०	२०	१९	२२	मकर
स्थिर	८	श.	२०	५४	श्र	५९	०	सा	१२	३१	कौ	२०	५४	तै	५२	४८	५३	१	४८	११	२१	२०	२३	मकर
मातंगः	९	र.	२४	३६	ध	६०	०	शु	१३	८	ग	२४	३६	व	५५	३३	५६	२	४८	१२	२२	२१	२४	३३ १३ कुंभ
अमृत	१०	सो.	२६	३१	ध	३	१६	शु	१२	२२	वि	२६	३०	ब	५६	३३	५९	१	४९	१३	२३	२२	२५	कुंभ
ए. ब्र.	११	मं.	२६	३५	श	५	४०	ब्र	१०	१३	बा	२६	३५	कौ	५५	४०	३२ २	६ ०	४९	१४	२४	२३	२६	५१ ४ मीन
प्र. ब्र.	१२	बु	२४	४६	पू	६	११	ऐं	६	३४	तै	२४	४६	ग	५३	३	५	०	५०	१५	२५	२०	२७	मीन
छत्र	१३	गु	२१	२०	उ	४	५९	वै	१ ५४	३२ ५८	व	२१	२०	वि	४८	५७	८	५ ५९	५०	१६	२६	२५	२८	मीन
श्रीवत्स	१४	शु	१६	३५	रे	२ ५५	२८ ३८	प्री	४८	१	श	१६	३५	च	४३	३७	११	५८	५०	१७	२७	२६	२९	२ २८ मेष
अमा	३०	श	१०	१९	भ	५३	५४	आ	३९	५७	ना	१०	३९	किं	३७	१६	१४	५७	५१	१८	२८	२७	३०	मेष

के अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगळ	गति
११०६	१	शुक	० १ २५ ५१	५८ ४३	६ ४ ४१ १७	१२ ३८ ९	१ ० ५७	४२
११०७	२	शनि.	० २ २४ ३४	५८ ४१	६ १७ २९ २६	१२ २३ १४	१ १ ३९	४२
११०८	३	रवि.	० ३ २३ १५	५८ ३९	६ २९ ४२ ४०	१२ ८ ४५	१ २ २१	४२
११०९	४	सोम	० ४ २१ ५४	५८ ३७	७ ११ ५१ २५	११ ५९ १३	१ ३ ३	४२
१११०	५	मंगल.	० ५ २० ३१	५८ ३५	७ २३ ५० ३८	११ ५१ ५८	१ ३ ४५	४२
११११	५	बुध	० ६ १९ ६	५८ ३३	८ ५ ४२ ३६	११ ४८ २५	१ ४ २७	४२
१११२	६	गुरु.	० ७ १७ ३९	५८ ३१	८ १७ ३१ १	११ ५१ २२	१ ५ ९	४२
१११३	७	शुक्र	० ८ १६ १०	५८ २९	८ २९ २२ २३	११ ५८ ३३	१ ५ ५१	४२
१११४	८	शनि.	० ९ १४ ३९	५८ २७	९ ११ २० ५६	१२ ९ २६	१ ६ ३३	४२
१११५	९	रवि.	० १० १३ ६	५८ २६	९ २३ ३० २२	१२ २७ ५७	१ ७ १५	४२
१११६	१०	सोम	० ११ ११ ३२	५८ २४	१० ५ ५८ १९	१२ ४७ १०	१ ७ ५७	४२
१११७	११	मंगळ	० १२ ९ ५६	५८ २२	१० १८ ४५ २९	१३ १० ३७	१ ८ ३९	४२
१११८	१२	बुध	० १३ ८ १८	५८ २०	११ १ ५६ ६	१३ ३४ ३४	१ ९ २१	४२
१११९	१३	गुरु.	० १४ ६ ३८	५८ १८	११ १५ ३० ४०	१३ ५४ २१	१ १० ३	४१
११२०	१४	शुक्र	० १५ ४ ५६	५८ १७	११ २९ २५ १	१४ १४ १३	१ १० ४४	४१
११२१	३०	शनि	० १६ ३ १३	५८ १५	० १३ ३९ १४	१४ २९ १०	१ ११ २५	४१

अ. ३ वैशाख कृ. ८ शनौ प्र अहर्गणा ५१३१ अयनांशाः २२°।५९'।३"

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
०	९	१	०	१०	०	११	७
९	११	६	७	४	२८	१७	५
१४	२०	३३	२२	११	३१	५९	१६
३९	५६	१०	१६	२०	११	१	५८
५८	७२१	४२	४१	१०	७३	७	३
२७	२६	१०	१६	२०	११	१	११

मास फलम्

इस मास में उष्णता मान का प्रकोप अधिक प्रमाण से होगा। रूई तथा चांदी का भाव सम रहेगा धान्य का भाव तेज रहेगा। मास के मध्य में बिहार तथा आसाम प्रान्त में

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	एप्रील १९३८ इ. । उत्तरायणे वसन्त ऋतुः ।
१	० [illegible]	इष्टिः गुडफ्रायडे स्वात्यां लग्न ९।१० रे० ७।।।।ऽअऽऽ।।।शुद्धम्
२	० [illegible]	
३	० [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. १४।१६ भद्रा स. स्टँ. २।१५ रात्रौ धनिष्ठायां ४ गुरु ५४।० इस्टर डे
४	० [illegible]	संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्टँ. २२।२ । कृत्तिका ३ भौमः २४।१७
५	० [illegible]	मूले ल. १० रे० ८ ।।।।।ऽऽ।।
५	० [illegible]	वसन्ते सायन वृषभे भानुः ४२।५५ *रे.७ ऽ।।।ऽरो ऽ।।।
६	० [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. १०।२२ भद्रा स. स्टँ २३।३४ कृत्तिकायां शुक्रः २८।४६ उषायां ल. १० *
७	० [illegible]	काला ८ बु. र. यु. । उषायां लग्न ९ गोधूलि रे० ८ ऽ।।।।ऽ।।।
८	० [illegible]	कृत्तिका ४ भौमः १०।० वैधृति महापात स्पर्श स्टँ. १७।५८ मो. स्टँ. २४।२६
९	० [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ४।४० रात्रौ वृषभे शुक्रः १२।५८
१०	० [illegible]	गु. चं. युतिः । भद्रा समाप्ति स्टँ. २०।३
११	० [illegible]	वरुथिनी ११ सर्वेषां
१२	० [illegible]	प्रदोषः भरण्यां रविः १२।३ रोहिण्यां १ भौमः ५५।४३
१३	[illegible]	शिवरात्रिव्रतम् । श. चं. यु. । भद्रा प्रा. स्टँ. १४।५९ भद्रा स. स्टँ. १।२
१४	[illegible]	दर्श ३० अन्वाधानं । बु. चं. युति ।
३०	० [illegible]	

तिथि	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१	० १२ ४ व	० २५	१० २५१	१०	० १८ ४६	१ १४	११ १७ ३	७	७ ५ ४२ २५	३ ११
२	० ११ ३९	० २९	१० ३ १	१०	० २० ०	१ १३	११ १७ १०	७	७ ५ ३९ १४	३ ११
३	० ११ १०	० ३१	१० ३ ११	१०	० २१ १३	१ १३	११ १८ १७	७	७ ५ ३६ ३	३ ११
४	० १० ३९	० ३४	१० ३ २१	१०	० २२ २६	१ १३	११ १७ २४	७	७ ५ ३२ ५२	३ १०
५	० १० ५	० ३९	१० ३ ३१	१०	० २३ ३९	१ १३	११ १७ ३१	७	७ ५ २९ ४२	३ ११
५	० ९ २६	० ४०	१० ३ ४१	१०	० २४ ५२	१ १३	११ १७ ३८	७	७ ५ २६ ३१	३ ११
६	० ८ ४६	० ४२	१० ३ ५१	१०	० २६ ५	१ १३	११ १७ ४५	७	७ ५ २३ २०	३ ११
७	० ८ ४	० ४२	१० ४ १	१०	० २७ १८	१ १३	११ १७ ५२	७	७ ५ २० ९	३ ११
८	० [illegible] २२	० ४१	१० ४ ११	१०	० २८ ३१	१ १३	११ १७ ५९	७	७ ५ १६ ५८	३ १०
९	० ६ ४१	० ४०	१० ४ २१	९	० २९ ४४	१ १४	११ १८ ६	७	७ ५ १३ ४८	३ ११
१०	० ६ १	० ४०	१० ४ ३०	९	१ ० ५८	१ १४	११ १८ १३	७	७ ५ १० ३७	३ ११
११	० ५ २१	० ३७	१० ४ ३९	९	१ २ १२	१ १३	११ १८ २०	७	७ ५ ७ २६	३ ११
१२	० ४ ४४	० ३२	१० ४ ४८	९	१ ३ २५	१ १३	११ १८ २७	७	७ ५ ४ १५	३ ११
१३	० ४ १२	० ३०	१० ४ ५७	९	१ ४ ३८	१ १४	११ १८ ३४	७	७ ५ १ ४	३ १०
१४	० ३ ४२	० २८	१० ५ ६	९	१ ५ ५२	१ १३	११ १८ ४१	७	७ ४ ५७ ५४	३ ११
३०	० ३ १४ व	० २२	१० ५ १५	९	१ ७ ५	१ १३	११ १८ ४८	७	७ ४ ५४ ४३	३ ११

मास फलम् अ. ४ वैशाख कृ ३० शनौ प्र. अहर्गण ५१३८ अयनांशाः २२°।५२'।१४"

कहीं २ धरणीकंप से हानि होगी मास के अंत में रूई के भाव में विशेष घटा बढी होगी बाजार टोन तेज रहेगी। धन और सिंह राशी वालों को अधिक लाभ का मास है।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
०	०	१	०	१०	१	११	७
१६	१३	११	३	५	६	१८	४
३	३९	२५	१४	१५	५	४८	५४
१३	१४	१०	२२	३९	२	६	४३
५८	८६९	४१	२२	९	७३	७	३
१५	१०	१०	२२	१०	१४	०	११

वैशाख शुक्ल पक्षः

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० वैशाख शुक्ल पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			प्रहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	अंग्रेजी	
क्षय	१	र	३/५७	५३/५३	कृ	४८	३७	सौ	३१	२४	व	३	५३	बा	३०/५७	२३/५३	३२/१७	५/५७	६/५१	१९	२९	२८	१	८ वृषभ
अक्षय	३	सो	४९	१५	रो	४३	१६	शो	२१	१४	तै	२३	३४	ग	४९	१५	२०	५६	५२	२०	१	२९	२	वृषभ
अंगारक	४	मं	४१	५८	मृ	३७	५६	अ	१२	५६	व	१५	३५	वि	४१	५६	२३	५५	५२	२१	२	३०	३	१० ३८ मिथुन
मुसल	५	बु	३४	३२	आ	३२	३२	सु	५/५८	११/२१	व	८	१४	बा	३४	३२	२५	५४	५३	२२	३	१	४	मिथुन
सिद्धि	६	गु	२८	२५	पु	२८	१६	शू	४९	२९	कौ	९/२८	२८/२५	ग	५६	८	२८	५४	५३	२३	४	२	५	१४ २१ कर्क
उत्पात	७	शु	२३	५१	पु	२५	१६	गं	४२	४९	व	२३	५१	वि	५१	२६	३१	५३	५४	२४	५	३	६	कर्क
मानस	८	श	१९	१	आ	२२	४९	वृ	३६	५२	ब	१९	१	बा	४७	५४	३४	५३	५४	२५	६	४	७	२२ ४९ सिंह
मुद्गर	९	र	१६	४८	म	२१	२२	ध्रु	३१	४९	कौ	१६	४८	तै	४५	९	३६	५२	५५	२६	७	५	८	सिंह
ध्वज	१०	सो	१३	३०	पू	२१	५	व्या	२७	३९	ग	१३	३०	व	४२	५७	३९	५१	५५	२७	८	६	९	३६ १७ कन्या
ए. व्र.	११	मं	१२	२४	उ	२१	५५	ह	२४	२३	वि	१२	२४	ब	४२	२७	४१	५१	५६	२८	९	७	१०	कन्या
प्र व्र	१२	बु	१२	३१	ह	२३	५४	व	२२	३	बा	१२	३१	कौ	४३	७	४४	५०	५६	२९	१०	८	११	५५ २८ तुल
नृसिंह	१३	गु	१३	४३	चि	२७	२	सि	२०	२६	तै	१३	४३	ग	४४	५३	४६	५०	५७	३०	११	९	१२	तुल
गद	१४	शु	१६	४	स्वा	३१	९	व्य	२०	१	व	१६	४	वि	४७	४८	४९	४९	५७	३१	१२	१०	१३	तुल
वै. पू.	१५	श	१९	३३	वि	३६	१०	व	२०	१८	ब	१९	३३	बा	५२	३७	५०	४९	५८	१	१३	११	१४	१९ ५४ वृश्चिक

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति
११२२	१	रवि.	० १७ १ २८	५८ १३	० २८ ८ २४	१४ ३८ १०	१ १२ ६	४१
११२३	३	सोम.	० १७ ५९ ४१	५८ ११	१ १२ ४६ ३४	१४ ३८ १३	१ १२ ४७	४१
११२४	४	मंगल.	० १८ ५७ ५२	५८ १०	१ २७ २४ ४७	१४ ३८ ९	१ १३ २८	४१
११२५	५	बुध.	० १९ ५६ २	५८ ८	२ १२ २ ५७	१४ ३९ ५८	१ १४ ९	४१
११२६	६	गुरु	० २० ५४ १०	५८ ६	२ २६ ४२ ५४	१४ २ ४९	१ १४ ५०	४१
११२७	७	शुक.	० २१ ५२ १६	५८ ४	३ १० ४५ ४३	१४ १ ३४	१ १५ ३१	४१
११२८	८	शनि.	० २२ ५० २०	५८ ३	३ २४ ४७ १७	१३ ४४ ४५	१ १६ १२	४१
११२९	९	रवि.	० २३ ४८ २३	५८ १	४ ८ ३२ २	१३ २८ ३८	१ १६ ५३	४१
११३०	१०	सोम.	० २४ ४६ २४	५७ ५९	४ २२ ० ४०	१३ १४ ४५	१ १७ ३४	४१
११३१	११	मंगल.	० २५ ४४ २३	५७ ५८	५ ५ ५५ २५	१२ ५९ १०	१ १८ १५	४१
११३२	१२	बुध.	० २६ ४२ २१	५७ ५६	५ १८ १४ ३५	१२ ४६ ३७	१ १८ ५६	४१
११३३	१३	गुरु.	० २७ ४० १८	५७ ५५	६ १ १ १२	१२ ३३ ५८	१ १९ ३७	४१
११३४	१४	शुक्र.	० २८ ३८ १२	५७ ५३	६ १३ ३५ १०	१२ २१ २५	१ २० १८	४१
११३५	१५	शनि.	० २९ ३६ ५	५७ ५२	६ २५ ५६ ३५	१२ १२ २१	१ २० ५९	४१

अ. ५ वैशाख शु. ८ शनौ प्र. अहर्गण ५१४५ अयनांशाः २२° ५९′ ५″ वृषभ संक्रमणम्

शुकेरमं श १२ ११गु
३ १बुर
४ चं १०
५ ७ ९
६ रा ८

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
०	३	१	०	१०	१	११	७
२२	२४	१६	२	६	१५	१९	४
५०	४७	१२	१४	१३	३९	३४	३२
२०	१७	२९	१०	१४	३३	४४	२७
५८	८२४	४१	१०	८	७३	६	३
३	४४	२०	३४	१२	९	०	११

वैशाख शुक्ला १५ शनौ वृषभेर्कः प्रवेशः वा.४ न.४ वा. ना. राक्षसी । चांडाल सुखी, नक्षत्र नाम मिश्रा पशु सौख्यदा, अपराह्न श. वैश्यानां दुःखदा दक्षिणे गमनं । नैर्ऋत्यां दृष्टिः बालव करणे प्रविष्टा, बैठी मध्यम फलं । वाहन

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	मई १९३८ इ. उत्तरायणे वसंत ऋतुः
१	० १७ ४ ११	मई। चन्द्रदर्शनम्। शु. चंद्र यु. ×मृगे लग्न १०।११ रे० ७।ऽ।ऽ रो.।ऽ।। छत्रपति+
३	० १८ २ १४	रम्भिलावल अक्ष ३। परशुराम जयंती। रोहिण्यां २ भौमः ४८।१८ रोहिण्यांशुक्रः २३।३० ×
४	० १९ ० १५	विनायकी ४ भद्रा प्रा. स्टँ. १२।४१ भद्रा स. स्टँ. २२।१४। +शिवाजी जन्मोत्सवः।
५	० १९ ५८ १३	श्री. आद्य शङ्कराचार्यजयन्ती। पारसी आदर
६	० २० ५६ ११	मार्गी बुधः गुरुपुष्य योगः। व्यतीपात महापात स्पर्श स्टँ. १६।१७ मोक्ष स्टँ. २३।३३
७	० २१ ५४ ८	भद्रा प्रा स्टँ. १६।० भद्रा स. स्टँ. रात्रौ ३।१ गंगोत्पत्तिः
८	० २२ ५२ २	रोहिण्यां ३ भौमः ४०।५८ शु. मं. यु. दुर्गा ८ मघायां लग्न ९ रे. ८।।।ऽ।।ऽ।
९	० २३ ४९ ५५	
१०	० २४ ४७ ४५	भद्रा प्रा. स्टँ. २२।३८ उफायां ल. गोधूलि रे. ७।ऽ।।।ऽऽ।।
११	० २५ ४५ ३४	भद्रा स. स्टँ. १९।२५ मोहिनी ११ कृत्तिकार्क ५७।३४ शततारकायां गुरुः २२।३० ❀
१२	० २६ ४३ २२	प्रदोषव्रतम् रेवत्यां २ शनिः २०।० ❀ हस्ते ल.१० रे. ८।ऽ।।ऽ।।। गोधूलि
१३	० २७ ४१ ६	नृसिंह १४ रोहिणी ४ भौमः ३३।४०
१४	० २८ ३८ ५०	भ प्रा. स्टँ. १२।५३ भद्रा स. स्टँ. ०।३४ रात्रौ। मृगे शुक्रः १८।५५ कूर्म जयन्ती। =
१५	० २९ ३६ ३१	वैशाखस्नान समाप्ति। वृषभेर्कः २४।४८ मु. ४५ = मु. १२ वफ़ात।

तिथि	बुध		गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	गति
१	० २५५	व	० १९	१० ५२४	९	१ ८१८	११३	११ १८ ५५	७	७ ४ ५१ ३२	३ ११
३	० २३६		० १४	१० ५३३	८	१ ९३१	११४	११ १९ २	७	७ ४ ४८ २१	३ ११
४	० २२२		० ९	१० ५४१	८	१ १० ४५	११४	११ १९ ९	७	७ ४ ४५ १०	३ १०
५	० २१३		० ४	१० ५४९	८	१ ११ ५९	११४	११ १९ १६	६	७ ४ ४२ ०	३ ११
६	० २ ९	मा	० ०	१० ५५७	८	१ १३ १३	११३	११ १९ २२	६	७ ४ ३८ ४९	३ ११
७	० २ ९		० ५	१० ६ ५	८	१ १४ २६	११३	११ १९ २८	६	७ ४ ३५ ३८	३ ११
८	० २१४		० १०	१० ६१३	८	१ १५ ३९	११६	११ १९ ३४	६	७ ४ ३२ २७	३ ११
९	० २२४		० १४	१० ६२१	८	१ १६ ५२	११३	११ १९ ४०	६	७ ४ २९ १६	३ १०
१०	० २३८		० २१	१० ६२९	८	१ १८ ५	११३	११ १९ ४६	६	७ ४ २६ ६	३ ११
११	० २५९		० २३	१० ६३७	८	१ १९ १८	११३	११ १९ ५२	६	७ ४ २२ ५५	३ ११
१२	० ३२२		० २६	१० ६४५	८	१ २० ३१	११३	११ १९ ५८	६	७ ४ १९ ४४	३ ११
१३	० ३४८		० ३२	१० ६५२	७	१ २१ ४४	११३	११ २० ४	६	७ ४ १६ ३३	३ ११
१४	० ४२०		० ३६	१० ६५९	७	१ २२ ५७	११३	११ २० १०	६	७ ४ १३ २२	३ १०
१५	० ४५६		० ४०	१० ७ ६	७	१ २४ १०	११३	११ २० १६	६	७ ४ १० १२	३ ११

संक्रमण फलम् अ. ६ वैशाख शु. १५ शनौ प्र. अहर्गण ५१५२ अयनांशाः २२°।०९'।६"

व्याघ्र उपवाहन अश्व, भीति कारकः, पीत वस्त्रं गदायुधं, रोप्य पात्रं. पायस भक्षणं कुंकुमलेपनं भूत जातिः जाती पुष्पं, कङ्कण भूषणं पर्ण कंचुकी कुमारावस्था मु. ४५ शुक्रोदये पश्चिमे, वत्स उत्तरे, राहुः

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
०	६	१	०	१०	१	११	७
२९	२५	२०	४	७	२४	२०	४
३६	५६	५९	५६	६	१०	१६	१०
५	१८	३३	१०	०	४७	३०	१२
५७	३२	४१	४०	७	७३	६	३
५२	२१	३३	१४	०	३०	०	११

ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	घं. उदय	घं. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
मृत्यु	१	र	२५	४२	ऽनु	४२	३२	प	२१	२१	कौ	२५	४२	तै	५७	२९	३२ ५३	५ ४९	६ ५८	२	१४	१२	१५	वृश्चिक
पद्म	२	सो	२९	१७	ज्ये	४९	२१	शि	२३	५	ग	२९	१७	व	६०	०	५३	४८	५८	३	१५	१३	१६	४९ २१ धन
सं. च	३	म	३५	१०	मू	५६	५८	सि	२५	१४	व	२	१३	वि	३५	१०	५६	४८	५८	४	१६	१४	१७	धन
श्रीवत्स	४	बु	४१	५१	पू	६०	०	सा	२७	४५	ब	८	३१	बा	४१	५१	५८	४८	५९	५	१७	१५	१८	धन
सौम्य	५	गु	४७	३५	पू	४	३२	शु	३०	१९	कौ	१४	४५	तै	४७	३९	३३ ०	४७	५९	६	१८	१६	१९	२१ २२ मकर
आनंद	६	शु	५३	१०	उ	११	५५	शु	३२	२६	ग	२०	२४	व	५३	१०	२	४७	७ ०	७	१९	१७	२०	मकर
स्थिर	७	श	५७	४७	श्र	१४	३८	ब्र	३३	१०	वि	२५	२९	ब	५७	४७	४	४७	०	८	२०	१८	२१	५२ ३८ कुंभ
मातंग	८	र	६०	०	ध	२३	५५	ऐं	३४	१५	बा	२८	५३	कौ	६०	०	६	४६	१	९	२१	१९	२२	कुंभ
अमृत	८	सो	२	५३	श	२८	२५	वै	३३	२५	कौ	२	५३	तै	३२	२३	८	४६	१	१०	२२	२०	२३	कुंभ
काण	९	मं	१	५३	पू	२९	३६	वि	३०	५२	ग	१	५३	व	३१	२४	१०	४६	२	११	२३	२१	२४	१४ ३८ मीन
ए. व्र.	१०	बु	० ५८	५६ ११	उ	२९	३५	प्री	२६	५१	वि	० २९	५६ ३३	बा	१८	११	१२	४५	३	१२	२४	२२	२५	मीन
ए. व्र.	१२	गु	५३	४४	रे	२७	४८	आ	२१	२४	कौ	२५	५७	तै	५३	४४	१४	४५	३	१३	२५	२३	२६	२७ ४८ मेष
प्र. व्र	१३	शु	४७	२३	अ	२४	२०	सौ	१४	३५	ग	२०	३३	व	४७	२३	१६	४५	४	१४	२६	२४	२७	मेष
ध्वांक्ष	१४	श	४०	५	भ	१९	३०	शो	६ ५७	३९ ४९	वि	१३	४४	ब	४०	५	१८	४४	४	१५	२७	२५	२८	३३ ० वृषभ
अमा	३०	र	३१	५९	कृ	१३	४८	सु	४७	५९	च	६	०	ना	३१ ५७	५५ ३४	१९	४४	५	१६	२८	२६	२९	वृषभ

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति
११३६	१	रवि.	१ ० ३३ ५७	५७ ५१	७ ८ ८ ५६	१२ ० ५८	० २१ ३०	४१
११३७	२	चंद्र.	१ १ ३१ ४८	५७ ४९	७ २० ९ ५४	११ ५७ २२	० २२ ११	४१
११३८	३	मंगल.	१ २ २९ ३७	५७ ४७	८ २ ७ १६	११ ५० १३	० २२ ५२	४१
११३९	४	बुध	१ ३ २७ २४	५७ ४६	८ १३ ५७ २९	११ ४८ ५०	० २३ ३३	४१
११४०	५	गुरु.	१ ४ २५ १०	५७ ४५	८ २५ ४६ २६	११ ५० ५०	० २४ १४	४१
११४१	६	शुक्र.	१ ५ २२ ५५	५७ ४३	९ ७ ३६ १६	११ ५८ ३३	० २४ ५५	४१
११४२	७	शनि.	१ ६ २० ३८	५७ ४२	९ १९ ३५ ४२	१२ ८ ४६	० २५ ३६	४१
११४३	८	रवि.	१ ७ १८ २०	५७ ४१	१० १ ४४ ३५	१२ २१ २५	० २६ १७	४१
११४४	८	चंद्र.	१ ८ १६ १	५७ ३९	१० १४ ६ ०	१२ ४४ ०६	० २६ ५८	४१
११४५	९	मंगल.	१ ९ १३ ४०	५७ ३८	१० २६ ५० ४६	१३ ८ ४५	० २७ ३९	४१
११४६	१०	बुध	१ १० ११ १८	५७ ३७	११ ९ ५९ ३१	१३ ३२ १३	० २८ २०	४१
११४७	१२	गुरु.	१ ११ ८ ५५	५७ ३६	११ २३ ३१ ४४	१३ ५७ ५८	० २९ १	४०
११४८	१३	शुक्र.	१ १२ ६ ३१	५७ ३५	० ७ २९ ४२	१४ २३ ४६	० २९ ४१	४०
११४९	१४	शनि	१ १३ ४ ६	५७ ३३	० २१ ५३ ५८	१४ ४१ ४९	१ ० २१	४०
११५०	३०	रवि.	१ १४ १ ३९	५७ ३२	१ ६ ३५ १७	१४ ५६ ४५	१ १ १	४०

अ. ७ ज्येष्ठ कृ. ८ रवौ । प्र. अहर्गण ५१६० अयनांशाः २२°।५९′।७″
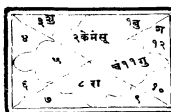
सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
१	१०	१	०	१०	२	११	७
७	१	२६	११	७	३	२१	३
१८	४४	१७	५१	५५	५३	४	४४
२०	३५	११	१०	१३	२०	९	४५
५७	७४१	४१	६७	५	७३	६	३
४१	२५	१०	१९	१०	१४	०	११

मास फलम्

इस महिने में हवा का वेग बहुत ही प्रचण्ड रहेगा। धान्य की मन्दी होकर यांत्रिक सामान की एका एकी तेजी होगी। राजा लोगों का परस्पर में गहरा विचार विनिमय होगा।

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	मई १९३८ इ. । उत्तरायणे वसन्त-ग्रीष्म ऋतुः ।
१	१ ० ३४ १०	
२	१ १ ३१ १८	मूले ल. ११ रे. ७ ॥॥ऽअऽऽ॥ × भौमः ४०।५८ मूले ल. ११ रे. ८॥ ।ऽ॥ऽ॥
३	१ २ २९ २३	भद्रा प्रा. स्टँ. ०।२० भद्रा. स. स्टँ. २०।३१ संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्टँ. २१।३१ मृगे १ ×
४	१ ३ २६ ५७	मिथुने शुक्रः ४८।३० वैधृति महापात स्पर्श स्टँ. ७।१ मोक्ष स्टँ. १९।२
५	१ ४ २४ २९	उषायां लग्न ९ रे. ९ ॥॥ऽरो.॥॥
६	१ ५ २२ ०	भद्रा प्रा. स्टँ. ३।४३ रात्रौ
७	१ ६ १९ २९	भद्रा स. स्टँ. १६।३९ धनिष्ठा नवकारंभः ग्रीष्मे सायन मिथुने भानुः ४१।५१
८	१ ७ १६ ५६	मृगे २ भौमः ३३।४० गु. चं. यु. काला ८
८	१ ८ १४ २२	भरण्यां बुधः १८।५१
९	१ ९ ११ ४६	भद्रा प्रा. स्टँ. १९।३१ रोहिण्यां रविः ४८।१४ आर्द्रायां शुक्रः १७।१६ एम्पायर डे ।
१०	१ १० ९ ७	भद्रा स. स्टँ. ६।५९ अपरा ११ स्मार्त.
१२	१ ११ ६ ३०	अपरा ११ भागवत । श. चं. यु.
१३	१ १२ ३ ५२	भद्रा प्रा स्टँ. १।२४ प्रदोष । मिथुने मृगे ३ भौमः २८।३०
१४	१ १३ १ १२	भद्रा स. स्टँ. ११।४५ शिवरात्रिव्रतम्. । बु. चं. युति.
३०	१ १३ ५८ ३१	भावुका ३० दर्श । वटपूजनम् । विशाखा ४ राहुः ४०।० कृतिका २ केतु

तिथि	बुध रा. अं. क.	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क.	गति क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा. अं. क.	गति क.	राहु रा. अं. क. वि.	गति क. वि.
१	० ५ ३६	० ४३	१० ७ १३	६	१ २५ २३	१ १३	११ २० २२	६	७ ४ ७ १	३ ११
२	० ६ १९	० ४७	१० ७ १९	६	१ २६ ३६	१ १२	११ २० २८	६	७ ४ ३ ५०	३ ११
३	० ७ ६	० ५०	१० ७ २५	६	१ २७ ४८	१ १३	११ २० ३४	६	७ ४ ० ३९	३ ११
४	० ७ ५६	० ५४	१० ७ ३१	६	१ २९ १	१ १३	११ २० ४०	६	७ ३ ५७ २८	३ १०
५	० ८ ५०	० ५८	१० ७ ३७	६	२ ० १४	१ १३	११ २० ४६	६	७ ३ ५४ १८	३ ११
६	० ९ ४८	१ ०	१० ७ ४३	६	२ १ २७	१ १३	११ २० ५२	६	७ ३ ५१ ७	३ ११
७	० १० ४८	१ ३	१० ७ ४९	६	२ २ ४०	१ १३	११ २० ५८	६	७ ३ ४७ ५६	३ ११
८	० ११ ५१	१ ७	१० ७ ५५	५	२ ३ ५३	१ १३	११ २१ ४	६	७ ३ ४४ ४५	३ ११
८	० १२ ५८	१ १०	१० ८ ०	५	२ ५ ६	१ १३	११ २१ १०	६	७ ३ ४१ ३४	३ १०
९	० १४ ८	१ १२	१० ८ ५	५	२ ६ १९	१ १३	११ २१ १६	६	७ ३ ३८ २४	३ ११
१०	० १५ २०	१ १६	१० ८ १०	५	२ ७ ३२	१ १२	११ २१ २२	६	७ ३ ३५ १३	३ ११
१२	० १६ ३६	१ १९	१० ८ १५	५	२ ८ ४४	१ १२	११ २१ २८	५	७ ३ ३२ २	३ ११
१३	० १७ ५५	१ २०	१० ८ २०	५	२ ९ ५६	१ १२	११ २१ ३३	५	७ ३ २८ ५१	३ ११
१४	० १९ १६	१ २५	१० ८ २५	५	२ ११ ८	१ १२	११ २१ ३८	५	७ ३ २५ ४०	३ १०
३०	० २० ४१	१ २६	१० ८ ३०	५	२ १२ २०	१ १२	११ २१ ४३	५	७ ३ २२ ३०	३ ११

मास फलम् अ. ८ ज्येष्ठ कृ. ३० रवौ प्रभाकर अहर्गण ५१६७ अयनांशाः २२°।५९'।८"

मास के मध्य में विदेश में आपसी वैमनस्य बढेगा। घृत तथा शक्कर का भाव तेज होगा। मास के अन्त में अग्नि भय अधिक प्रमाण से जगह २ रहेगा। कर्क तथा तुल राशी वालों को यह मास विशेष फायदे का है।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
१	१	२	०	१०	२	११	७
१४	६	१	२०	८	१२	२१	३
१	३५	१	४१	३०	२०	५३	२२
३९	१७	२१	३३	३०	१०	२४	३०
५७	८१६	४०	८६	५	७२	५	३
३२	४५	११	१०	९	१४	१३	११

आनंदादि योगाः	सं १९९५ श. १८६० ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	पूर्व करण करण	घटी	पल	उत्तर करण करण	घटी	पल	शहर इन्दौर का दिनमान	र. उदय	र. अस्त	तारीख हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	चन्द्रः
प्रवर्ध	१	सो.	२३	१३	रो	७	११	धृ	३८	२	ब	२३	१३	बा	४८	४७	३३ २१	५ ०४	७ ५	१७	२९	२७	३०	३४ ४५ मिथुन
राक्षस	२	मं.	१४	२१	मृ	२ ५३	२० ४२	शू	२८	२	कौ	१४	२१	तै	३९	५२	२३	४४	६	१८	१	२८	३१	मिथुन
गद	३	बु.	५ ५८	२३ ७	पु	४७	२७	गं	१८	१८	ग	५	२३	व	३१ ५८	४५ ७	२४	४४	६	१९	२	२९	१	३४ ७ कर्क
शुभ	५	गु.	५०	३०	पु	४२	१४	वृ	९	११	ब	२४	१८	बा	५०	३०	२५	४४	६	२०	३	३०	२	कर्क
मृत्यु	६	शु	४४	४०	आ	३८	१३	ध्रु	८ ५३	२२ ४२	कौ	१७	३५	तै	४४	४०	२७	४४	७	२१	४	१	३	३८ १३ सिंह
पद्म	७	श.	४०	१५	म	३५	३३	ह	४६	५३	ग	१२	२७	व	४०	१५	२८	४४	७	२२	५	२	४	सिंह
छत्र	८	र.	३७	३५	पू	३४	३५	व	४३	९	वि	८	५५	ब	३७	३५	२९	४४	८	२३	६	३	५	४९ ४६ कन्या
श्रीवत्स	९	सो.	३५	४३	उ	३५	१७	सि	३९	५४	बा	६	३९	कौ	३५	४३	३०	४४	८	२४	७	४	६	कन्या
सौम्य	१०	मं.	३७	४	ह	३७	३१	व्य	३६	५७	तै	६	२३	ग	३७	४	३१	४३	८	२५	८	५	७	कन्या
ए. व्र.	११	बु	३९	७	चि	४१	१३	व	३७	४	व	८	५	वि	३९	७	३२	४३	९	२६	९	६	८	९ २२ तुल
स्थिर	१२	गु	४२	९	स्वा	४६	०	प	३७	२	ब	१०	३८	बा	४२	९	३३	४३	९	२७	१०	७	९	तुल
प्र. व्र.	१३	शु.	४६	३९	वि	५१	५१	शि	३७	५९	कौ	१४	२०	तै	४६	३९	३४	४३	१०	२८	११	८	१०	३५ २४ वृश्चिक
अमृत	१४	श.	५१	४१	ऽनु	६०	०	सि	३९	४०	ग	१९	६	व	५१	४१	३५	४३	१०	२९	१२	९	११	वृश्चिक
पौर्णिमा	१५	र.	५४	५४	ऽनु	१	१३	सा	४१	३९	वि	२३	१७	ब	५४	५४	३६	४३	१०	३०	१३	१०	१२	वृश्चिक

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि	चन्द्र रा.	अं.	क.	वि.	गति अं.	क.	वि	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क.
११५१	१	सोम.	१	१४	५९	११	५७	३१	१	२१	३२	२	१५	२	५२	२	१	४१	४०
११५२	२	मङ्गल.	१	१५	५६	४२	५७	३०	२	६	३४	५९	१५	२	२	२	२	२१	४०
११५३	३	बुध.	१	१६	५४	१२	५७	२९	२	२१	३७	१	१४	४९	१	२	३	१	४०
११५४	५	गुरु.	१	१७	५१	४१	५७	२८	३	६	२६	२	१४	३२	१०	२	३	४१	४०
११५५	६	शुक्र.	१	१८	४९	९	५७	२७	३	२०	५८	१२	१४	१०	३४	२	४	२१	४०
११५६	७	शनि.	१	१९	४६	३६	५७	२६	४	५	८	४६	१३	४९	१	२	५	१	४०
११५७	८	रवि.	१	२०	४४	२	५७	२५	४	१८	५७	४७	१३	२१	५७	२	५	४१	४०
११५८	९	सोम.	१	२१	४१	२७	५७	२४	५	२	१९	४४	१३	२	४६	२	६	२१	४०
११५९	१०	मङ्गल.	१	२२	३८	५१	५७	२४	५	१५	२२	३०	१२	४३	३२	२	७	१	४०
११६०	११	बुध.	१	२३	३६	१५	५७	२३	५	२८	६	२	१२	२८	३	२	७	४१	४०
११६१	१२	गुरु	१	२४	३३	३८	५७	२२	६	१०	३४	५	११	१९	३३	२	८	२१	४०
११६२	१३	शुक्र.	१	२५	३१	०	५७	२१	६	२२	५४	१४	१२	४	२	२	९	१	४०
११६३	१४	शनि.	१	२६	२८	२१	५७	२०	७	४	५८	१६	११	५९	९	२	९	४२	४०
११६४	१५	रवि	१	२७	२५	४१	५७	२०	७	१६	५७	२५	११	५६	१०	२	१०	२२	४०

अ. ९ ज्येष्ठ शुक्ल ८ रवौ प्रभाकर अहर्गण ५१७४ अयनांशाः २२°।५९'।९"
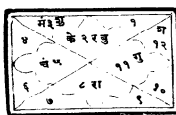
र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
२	४	२	१	१०	२	११	७
२०	१८	५	१	८	२०	२२	३
४४	५७	४१	३९	५९	४४	२८	०
२	४७	१४	३३	२०	१४	१०	१३
५७	८०१	४०	१०४	४	७२	५	३
२७	५७	२०	१०	२०	३६	१	११

मास फलम्

इस मास के आरंभ में उत्तर हिन्दुस्थान के ओर उत्पात ज्यादे प्रमाण से होंगे। (कॉलरा) महामारी का उपद्रव हरिद्वार तथा कुरुक्षेत्र के ओर अधिक होगा। बरार तथा बम्बई प्रान्त

तिथी.	सौर स्पष्ट रविः	मई–जून १९३८ इ.। उत्तरायणे ग्रीष्म ऋतुः।
१	१ १४ ५५ ४८	गंगा दशहरारंभः। धनिष्टानवक समाप्तिः चन्द्रदर्शनम्। मृगे ल.११।१ रे. ८।।।।।ऽ×
२	१ १५ ५३ ४	रविलाखर ४ मु.। शु. चं. यु. ×चां ।ऽ।।
३	१ १६ ५० १३	भद्रा प्रा. स्टँ. १८।५७ भद्रा स. स्टँ. ५।५४ जून। मृगे ४ भौमः २८।३० कृत्तिकाया +
५	१ १७ ४७ २५	गुरुपुष्याम्मृत +बुधः ५९।२२। विनायकी ४
६	१ १८ ४४ ३६	पारसी अमरदाद ❀गोधूलि रे. ९।।।।ऽअ.।।।।
७	१ १९ ४१ ४६	भद्रा प्रा. स्टँ. २२।३३ रात्रौ। वृषभे बुधः २।५३ पुनर्वसु शुक्रः २३।२० मघायां ल. ❀
८	१ २० ३८ ५७	भद्रा स. स्टँ. १०।१ दुर्गा ८ उफायां लग्न १ रे. ९।।।ऽ।।।।।।
९	१ २१ ३६ २	आर्द्रायां १ भौमः २८।३० उफायां ल. गोधूलि रे.९।।।।।ऽरा.।।।।
१०	१ २२ ३३ ८	मृगे रविः ४३।१ वा. अश्व पू. स्त्री. सू. सू.
११	१ २३ ३० १३	भद्रा प्रा. स्टँ. ९।४१ भद्रा स. स्टँ. २२।६ निर्जला ११ सर्वेषां
१२	१ २४ २७ १८	रोहिण्यां बुधः ३५।१६ बादशाह जन्मदिन। स्वात्यां ल. गोधूलि रे. १०।।।।।।।।।।
१३	१ २५ २४ २२	प्रदोषः। सावित्रिव्रतारंभः। मु. ११ शरीफ
१४	१ २६ २१ २५	भद्रा प्रा. स्टँ. २।८ रात्रौ। आर्द्रा २ भौमः २७।० अनुराधायां ल.११ रे. ९।।।।।ऽ।।।।
१५	१ २७ १८ २७	भद्रा स. स्टँ. १५।४६ कर्के शुक्रः ४३।२० वट पौर्णिमा मन्वादि।

तिथि	बुध रा. अं. क.	गति अं. क.	गुरु र. अं. क	गति क	शुक्र रा. अं. क.	गति अं क.	शनि रा. अं. क	गति क.	राहु रा अ. क. वि	गति क. वि
१	० २२ ७	१ २८	१० ८ ३५	४	२ १३ ३२	१ १२	११ २१ ५८	५	७ ३ १९ १९	३ ११
२	० २३ ३५	१ ३१	१० ८ ३९	४	२ १४ ४४	१ १२	११ २२ ३	५	७ ३ १६ ८	३ ११
३	० २५ ६	१ ३५	१० ८ ४३	४	२ १५ ५६	१ १२	११ २२ ८	५	७ ३ १२ ५७	३ ११
५	० २६ ४१	१ ४१	१० ८ ४७	४	२ १७ ८	१ १२	११ २२ १३	५	७ ३ ९ ४६	३ ११
६	० २८ २२	१ ३३	१० ८ ५१	४	२ १८ २०	१ १२	११ २२ १८	५	७ ३ ६ ३५	३ ११
७	० २९ ५५	१ ४४	१० ८ ५५	४	२ १९ ३२	१ १२	११ २२ २३	५	७ ३ ३ २४	३ ११
८	१ १ ३९	१ ४४	१० ८ ५९	४	२ २० ४४	१ १२	११ २२ २८	५	७ ३ ० १३	३ ११
९	१ ३ २३	१ ४८	१० ९ ३	४	२ २१ ५६	१ १२	११ २२ ३३	५	७ २ ५७ २	३ ११
१०	१ ५ ११	१ ४९	१० ९ ७	३	२ २३ ८	१ १२	११ २२ ३८	५	७ २ ५३ ५१	३ ११
११	१ ७ ०	१ ५३	१० ९ १०	२	२ २४ २०	१ १२	११ २२ ४३	५	७ २ ५० ४०	३ १०
१२	१ ८ ५३	१ ५४	१० ९ १२	१	२ २५ ३२	१ १२	११ २२ ४८	५	७ २ ४७ ३०	३ ११
१३	१ १० ४७	१ ५६	१० ९ १३	१	२ २६ ४४	१ १२	११ २२ ५३	५	७ २ ४४ १९	३ ११
१४	१ १२ ४३	१ ५९	१० ९ १४	१	२ २७ ५६	१ १२	११ २२ ५८	५	७ २ ४१ ८	३ ११
१५	१ १४ ४२	२ १	१० ९ १५	१	२ २९ ८	१ १२	११ २३ ३	५	७ २ ३७ ५७	३ ११

मास फलम् अ. १० ज्येष्ठ शु. १५ रवौ प्रभाकर अहर्गण ५१८१ अयनांशाः २२°।५९'।१०"

की ओर धान्य की तेजी विशेष रूप से होगी। चांदी तथा रुई का भाव कुछ तेज रहेगा। सिंह तथा कन्या राशि वालों को यह मास अधिक लाभ का देने वाला है।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
१	७	२	१	१०	२	११	७
२७	१६	१०	१४	९	२९	२३	२
२५	५७	२२	४२	१५	८	३	३७
४१	२५	१४	३२	३६	१२	९	५७
५७	७।१६	४०	।२०	१	७२	५	३
२०	१०	१३	१२	११	२०	१०	११

आषाढ कृष्ण पक्षः

आनंदादि योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	पूर्व करण: करण	घटी	पल	उत्तर करण: करण	घटी	पल	शहर इन्दौर का: दिनमान	र. उदय	र. अस्त	तारीख: हिन्दी	मुसलिम	पारसी	अंग्रेजी	चन्द्रः
	सं. १९९५ श. १८६० आषाढ कृष्ण पक्षः																							
पद्म	१	सो	६०	०	ज्ये	५	३६	शु	४३	५२	बा	२७	२७	कौ	६०	०	३३/३६	५/४४	७/१०	३१	१४	११	१३	५/३७ धन
छत्र	१	म	३	६	मू	१२	५९	शु	४६	२३	कौ	३	६	तै	३६	११	३७	४४	११	३२	१५	१२	१४	धन
श्रीवत्स	२	बु	९	१७	पू	२०	३३	ब्र	४८	५२	ग	९	१७	व	४२	१६	३८	४४	११	१	१६	१३	१५	३८/८ मकर
च. ब्र.	३	गु	१५	१६	उ	२७	१४	ऐं	५१	९	वि	१५	१६	ब	४८	४	३८	४४	११	२	१७	१४	१६	मकर
धूम्र	४	शु	२०	५३	श्र	३४	५४	वै	५४	२	बा	२०	५३	कौ	५३	२१	३८	४४	१२	३	१८	१५	१७	मकर
प्रवर्ध	५	श	२५	४९	ध	४१	७	वि	५४	११	तै	२५	४९	ग	५७	४५	३९	४४	१२	४	१९	१६	१८	८/० कुंभ
राक्षस	६	र	२९	४१	श	४६	१९	प्री	५४	३२	व	२९	४१	वि	६०	०	३९	४४	१२	५	२०	१७	१९	कुंभ
मुसल	७	सो	३२	०	पू	४९	४७	आ	५३	२२	वि	०	१०	ब	३२	०	३९	४५	१२	६	२१	१८	२०	३३/५८ मीन
सिद्धि	८	मं	३२	२८	उ	५१	३०	सौ	५०	४५	बा	२	१४	कौ	३२	२८	३९	४५	१२	७	२२	१९	२१	मीन
उत्पात	९	बु	३१	९	रे	५१	२५	शो	४६	४३	तै	१	४८	ग	३१/५९	९/३६	३९	४५	१२	८	२३	२०	२२	५१/२५ मेष
मानस	१०	गु	२८	३	अ	४९	३४	अ	४५	१९	वि	२८	३	ब	५५	३४	३९	४५	१२	९	२४	२१	२३	मेष
ए. ब्र.	११	शु	२३	५	भ	४५	५४	सु	३४	४१	बा	२३	५	कौ	४९	४७	३९	४६	१३	१०	२५	२२	२४	५९/३४ वृषभ
प्रदोष	१२	श	१६	३०	कृ	४०	३५	धृ	२५	५८	तै	१६	३०	ग	४२	३५	३८	४६	१३	११	२६	२३	२५	वृषभ
प्रजापति	१३	र	८/५९	४०/४०	रो	३४	१०	शू	१६	४१	व	८	४०	वि	३४/५९	१०/४०	३८	४६	१३	१२	२७	२४	२६	५९/३९ मिथुन
सौम्य	३०	सो	५०	१७	मृ	२७	७	ग	६/५६	३५/१०	च	२४	५९	ना	५०	१७	३७	४६	१३	१३	२८	२५	२७	मिथुन

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.	चन्द्र रा.	अं.	क.	वि	गति अं.	क.	वि.	मंगल रा.	अं.	क	गति क.
११६५	१	सोम.	१	२८	२३	१	५७	१९	७	२८	५३	३५	११	५३	१३	२	११	२	४०
११६६	१	मङ्गल.	१	२९	२०	२०	५७	१८	८	१०	४६	४८	११	४९	३४	२	११	४२	४०
११६७	२	बुध.	२	०	१७	३८	५७	१७	८	२२	३६	२२	११	५१	२२	२	१२	२२	४०
११६८	३	गुरु.	२	१	१४	५५	५७	१७	९	४	२७	४४	११	५४	२४	२	१३	२	३९
११६९	४	शुक्र.	२	२	१२	१२	५७	१७	९	१६	२२	८	११	५८	३४	२	१३	४१	४०
११७०	५	शनि.	२	३	९	२९	५७	१६	९	२८	२०	४२	१२	८	४६	२	१४	२१	४०
११७१	६	रवि.	२	४	६	४५	५७	१५	१०	१०	२९	२८	१२	१९	४	२	१५	१	३९
११७२	७	सोम.	२	५	४	०	५७	१५	१०	२२	४८	३२	१२	४१	१०	२	१५	४०	३९
११७३	८	मङ्गल.	२	६	१	१५	५७	१५	११	५	२९	४२	१३	०	५८	२	१६	१९	३९
११७४	९	बुध.	२	६	५८	३०	५७	१४	११	१८	३०	४०	१३	२४	२१	२	१६	५८	३९
११७५	१०	गुरु.	२	७	५५	४४	५७	१४	०	१	५५	१	१३	४९	१	२	१७	३७	३९
११७६	११	शुक्र.	२	८	५२	५८	५७	१३	०	१५	४४	२	१४	१९	३४	२	१८	१६	३९
११७७	१२	शनि.	२	९	५०	११	५७	१३	१	०	३	३६	१४	४१	४६	२	१८	५५	३९
११७८	१३	रवि.	२	१०	४७	२४	५७	१३	१	१४	४५	२२	१५	३	५७	२	१९	३४	३९
११७९	३०	सोम.	२	११	४४	३७	५७	१३	१	२९	४९	१९	१५	१०	३७	२	२०	१३	३९

अ ११ आषाढ कृ. ८ भौमे। प्रभाकर अहर्गण ५१९० अयनांशाः २२°।५९′।११″ मिथुन संक्रांति फलम्

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
२	११	२	२	१०	३	११	७
६	५	१६	३	९	९	२३	२
१	२९	१९	४३	२३	५३	४२	९
१५	४२	३४	२२	१३	३७	१०	२०
५७	७८०	३९	१३२	०	७१	४	३
१५	५८	१०	२०	०	३४	१०	१०

आषाढ कृष्णा १ भौमे मिथुनेऽर्क प्र. वा. ४ न. ५ वार नाम महोदरी चौर सुखी। नक्षत्र नाम घोरा शूद्र सुखी रात्र्यां द्वितीय याम व्या.। वैश्यान्हंति। पूर्वे गमनम्। आग्नेयां दृष्टि। गर करणे प्रविष्टा। मध्यम फलं। वाहनं

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	जून १९३८ इ. उत्तरायणे ग्रीष्म ऋतुः
१	[illegible]	पारसी जरथोस्नोदीसो।
१	[illegible]	मिथुनेर्कः ४१।११ मुः ३० = चन्द्रोदय स्टँ. २१।३६
२	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ.२३।२२ पुष्ये शुक्रः ३०।० रेवत्यां ३ शनिः ३०।०
३	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. १२।३४ आर्द्रा ३ भौमः २७।४१ मृगे बुधः १२।११ संकष्ट ४ =
४	[illegible]	
५	[illegible]	× उभायां ल. १ गोधूलि रे. ८।।।।ऽ।ऽ।। ग्रीष्मे सायन कर्के भानु; ४४।३४
६	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. १८।२० मिथुने बुधः १७।५०
७	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. ६।४७ काला ८
८	[illegible]	आर्द्रायां रविः ४०।३७ वा. मण्डूक स्त्री. पु. चं. सू. आर्द्रा ४ भौमः ३२।१९×
९	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ६।१८ रात्रौ आर्द्रायां बुधः २०।२७ रेवत्या ल. गोधूलि रे. ७ ।ऽ।।ऽ।ऽ।।
१०	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. १७।४० वक्री गुरुः
११	[illegible]	योगिनी ११ सर्वेषां
१२	[illegible]	शनि प्रदोषः । * शुक्रः ४३।५७ शिवरात्रिव्रतम्
१३	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ९।५५ भद्रा स. स्टँ. ६।१९ रात्रौ पुनर्वसु १ भौमः ४०।० आश्लेषा *
३०	[illegible]	सोमवति पुण्यं । दर्श ३० अन्वाधानं।

तिथि	बुध			गति		गुरु			गति	शुक्र			गति		शनि			गति	राहु				गति	
	रा.	अं	क.	अं.	क.	रा.	अं.	क	क.	रा.	अं.	क	अं.	क.	रा.	अं.	क.	क.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.
१	१	१६	४३	२	२	१०	९	१६	१	३	०	२०	१	१२	११	२३	८	५	७	२	३४	४६	३	१०
१	१	१८	४५	२	४	१०	९	१७	१	३	१	३२	१	१२	११	२३	१३	५	७	२	३१	३६	३	११
२	१	२०	४९	२	५	१०	९	१८	१	३	२	४४	१	१२	११	२३	१८	४	७	२	२८	२५	३	११
३	१	२२	५४	२	८	१०	९	१९	१	३	४	५६	१	१२	११	२३	२२	४	७	२	२५	१४	३	११
४	१	२५	२	२	९	१०	९	२०	१	३	५	८	१	१२	११	२३	२६	४	७	२	२२	३	३	१०
५	१	२७	११	२	१०	१०	९	२१	१	३	६	२०	१	११	११	२३	३०	४	७	२	१८	५३	३	११
६	१	२९	२१	२	११	१०	९	२२	१	३	७	३१	१	११	११	२३	३४	४	७	२	१५	४२	३	११
७	२	१	३२	२	११	१०	९	२३	+ ०	३	८	४२	१	११	११	२३	३८	४	७	२	१२	३१	३	११
८	२	३	४३	२	१२	१०	९	२३	+ ०	३	९	५३	१	११	११	२३	४२	४	७	२	९	२०	३	१०
९	२	५	५५	२	१२	१०	९	२३	+ ०	३	११	४	१	११	११	२३	४६	४	७	२	६	१०	३	११
१०	२	८	७	२	११	१०	९	२३	व ०	३	१२	१५	१	११	११	२३	५०	४	७	२	२	५९	३	११
११	२	१०	१८	२	११	१०	९	२३	०	३	१३	२६	१	११	११	२३	५४	४	७	१	५९	४८	३	११
१२	२	१२	२९	२	१०	१०	९	२३	१	३	१४	३७	१	११	११	२३	५८	४	७	१	५६	३७	३	११
१३	२	१४	३९	२	१०	१०	९	२२	१	३	१५	४८	१	११	११	२४	२	४	७	१	५३	२६	३	१०
३०	२	१६	४९	२	९	१०	९	२१	व १	३	१६	५९	१	११	११	२४	६	४	७	१	५०	१६	३	११

संक्रमण फलम् अ. १२ आषाढ कृ. १० सोमे प्रभाकर अहर्गण ५११९६ अयनांशाः २२°।१९'।१२"

हस्ती। उपवाहनं खर। लक्ष्मीकारक। लाल वस्त्रं। धनुषाशुभ। लोह पात्रं। पय भक्षणं। गोरचन लेपनं। पशु जाति। बिल्व पुष्प। मुकट भूषणं। सित कंचुकी। प्रौढावस्था। (बैठी) मुहूर्ताः ३० शुक्रोदयः पश्चिमे। वत्स उत्तरे। राहुः पश्चिमे। मूल स्वर्गे। विवाहस्तंभाऽग्नि कोणे।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
२	१	२	२	१०	३	११	७
११	२९	२०	१६	९	१६	२४	१
४४	४९	१३	४९	२१	५९	६	५०
३७	१९	३३	१४	१७	२७	३३	१६
५७	११०	३९	१२९	१	७१	४	३
१३	२१	२१	१०	०	०	३३	११

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० आषाढ शुक्ल पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	अंग्रेजी	
मृत्यु	१	मं.	४०	३६	आ	१९	३८	ध्रु	४५	२८	किं.	१५	२६	ब	४०	३६	३३ ३७	५ ४६	१४	१४	२९	२६	२८	५९ ५३ कर्क
रथयात्रा	२	बु.	३१	१५	पु	१३	१८	व्या	३५	८	बा	५	५५	कौ	३१ ५६	५५ ५५	३६	४७	१४	१५	३०	२७	२९	कर्क
शुभ	३	गु.	२२	३६	पु	५ ५५	१३ १२	ह	२५	२५	ग	२२	३६	व	४८	४७	३६	४७	१४	१६	१	२८	३०	५९ १२ सिंह
मृत्यु	४	शु	१४	५८	म	५४	४५	व	१६	३४	वि	१४	५८	ब	४१	५०	३५	४८	१४	१७	२	२९	१	सिंह
पद्म	५	श.	८	४३	पू	५१	५४	सि	८	१२	बा	८	४३	कौ	३६	३३	३४	४८	१४	१८	३	०	२	सिंह
छत्र	६	र.	४	२४	उ	५१	३	व्य	२ ५८	४३ ५४	तै	४	२४	ग	३३	१३	३३	४८	१४	१९	४	१	३	६ ४१ कन्या
मुसल	७	सो.	२	३	ह	५२	१७	प	५५	२४	व	२	३	वि	३१	५८	३[illegible]	४९	१५	२०	५	२	४	कन्या
सिद्धि	८	मं.	१	५३	चि	५५	१३	शि	५४	७	ब	१	५३	बा	३२	३८	३२	४९	१५	२१	६	३	५	२३ ४५ तुल
माडली	९	बु.	३	२४	स्वा	५२	५५	सि	५४	१०	कौ	३	२४	तै	३५	५	३०	५०	१५	२२	७	४	६	तुल
सिद्धि	१०	गु.	६	४०	वि	६०	०	सा	५५	१९	ग	६	४७	व	२९	८	२९	५०	१५	२३	८	५	७	४५ ३४ वृश्चिक
ए. व्र.	११	शु.	११	३०	वि	६	५	शु	५७	१४	वि	११	३०	व	४४	१७	२८	५०	१४	२४	९	६	८	वृश्चिक
प्रदोष	१२	श.	१७	४	अनु	१३	२४	शु	५९	४५	वा	१७	४	कौ	५०	२१	२७	५१	१४	२५	१०	७	९	वृश्चिक
काण	१३	र.	२३	३८	ज्ये	२०	३६	ब्र	६०	०	तै	२३	३८	ग	५६	२४	२५	५१	१४	२६	११	८	१०	२० ५८ धन
ध्वांक्ष	१४	सो.	२९	११	मू	२८	४	ब्र	२	७	व	२९	११	वि	६०	०	२४	५२	१४	२७	१२	९	११	धन
व्यास पू	१५	म.	३५	१७	पु	३५	३१	ऐं	४	३७	वि	२	११	ब	३५	१२	२३	५२	१४	२८	१३	१०	१२	५२ १४ मकर

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अ.	क.	वि.	गति क.	वि.	चन्द्र रा.	अं.	क.	वि.	गति अ.	क.	वि.	मङ्गल रा.	अ.	क.	गति क.
११८०	१	मङ्गल.	२	१२	४१	५०	५७	१२	२	१४	५९	५६	१५	१७	१०	२	२०	५२	३९
११८१	२	बुध.	२	१३	३९	२	५७	१२	३	०	१७	६	१५	५	४९	२	२१	३१	३९
११८२	३	गुरु.	२	१४	३६	१४	५७	१२	३	१५	२२	५५	१४	४८	५८	२	२२	१०	३९
११८३	४	शुक्र.	२	१५	३३	२६	५७	१२	४	०	११	५३	१४	२५	३७	२	२२	४९	३९
११८४	५	शनि.	२	१६	३०	३८	५७	१२	४	१४	३७	३०	१३	५५	३४	२	२३	२८	३९
११८५	६	रवि.	२	१७	२७	५०	५७	१२	४	२८	३३	४	१३	२७	३१	२	२४	७	३९
११८६	७	सोम.	२	१८	२५	२	५७	१२	५	१२	०	२५	१२	५९	४९	२	२४	४६	३९
११८७	८	मङ्गल.	२	१९	२२	१४	५७	१२	५	२५	०	१४	१२	४०	३४	२	२५	२५	३९
११८८	९	बुध.	२	२०	१९	२६	५७	१२	६	७	४०	४८	१२	२०	१०	२	२६	४	३९
११८९	१०	गुरु.	२	२१	१६	३८	५७	१२	६	२०	०	५८	१२	६	२५	२	२६	४३	३९
११९०	११	शुक्र.	२	२२	१३	५०	५७	१२	७	२	७	२३	११	५७	२१	२	२७	२२	३९
११९१	१२	शनि.	२	२३	११	२	५७	१२	७	१४	४	४४	११	५१	५८	२	२८	१	३९
११९२	१३	रवि.	२	२४	८	१४	५७	१२	७	२५	५६	४२	११	५०	४९	२	२८	४०	३९
११९३	१४	सोम.	२	२५	५	२६	५७	१३	८	७	४७	३१	११	५०	४६	२	२९	१९	३९
११९४	१५	मङ्गल.	२	२६	२	३९	५७	१३	८	१९	३८	१७	११	५२	३३	२	२९	५८	३९

अ. १३ आषाढ शु ८ भौमे प्रभाकर अहर्गण ५२०४ अयनांशाः २२°।५९'।१३" **मास फलम्**

शु ४बु २के
५ मं ३ र १
६ चं १२ श
७ ९ ११गु
८रा १०
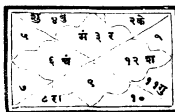
र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
२	५	२	३	१०	३	११	७
१९	२५	२५	३	९	२६	२४	१
२२	०	२५	९	६	२०	२६	२४
१४	१४	३३	१३	१७	१०	९	५२
५७	७६०	३९	११४	२	७०	२	३
१२	३४	०	१०	१०	४	०	११

भडोच और काठियावाड प्रान्त में वृष्टि का प्रमाण अधिक रहेगा। बरार तथा मध्य प्रदेश में आरंभ में वर्षा न होने से फसल में बहुतसी जगह नुकसान होगा। रुई के भाव में

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	जून–जुलाई १९३८ इ उत्तरायणे ग्रीष्म ऋतुः
१	२ १२ २९ १४	पुनर्वसु बुधः २९।२ बु. चं. यु. । मं. चं. यु.
२	२ १३ २६ ८	चन्द्रदर्शनम् ।
३	२ १४ २३ ०	भद्रा प्रा. स्टँ. १।५८ रात्रौ गुरुपुष्यामृत । विनायकी ४ जमादिलावल ५ मु.
४	२ १५ १९ ५२	भद्रा स. स्टँ. २२।२६ जुलाई पुन. २ भौमः ४७।२१ मघायां ल. गोधूलि =
५	२ १६ १६ ४४	= रे. ८।।।।।।ऽऽ।।
६	२ १७ १३ ३६	कर्के बुधः २२।५३ पारसी बेहेमन
७	२ १८ १० २८	भद्रा प्रा. स्टँ. ७।१६ भद्रा स. १८।१४ दुर्गा ८
८	२ १९ ७ १९	पुनर्वसु रविः ३९।१७ वा. गर्दभ स्त्री. स्त्री. चं. सू. पुष्ये बुधः ५।४७
९	२ २० ४ १०	पुन ३ भौमः ५५।२३ स्वात्यां लग्न गोधूलि रे. ८।।।ऽ।।ऽ।।
१०	२ २१ १ १	भद्रा प्रा. स्टँ. १८।६
११	२ २१ ५७ ५२	भद्रा स. स्टँ. ११।३ देवशयनी ११ सर्वेषां । मघासिंहे शुक्रः ८।३४
१२	२ २२ ५४ ४४	शनि प्रदोष
१३	२ २३ ५१ ३६	
१४	२ २४ ४८ २९	भद्रा प्रा. स्टँ. १८।८
१५	२ २५ ४५ २३	भद्रा स. ७।२० व्यासपूजा । कर्के पुनर्वसु ४ भौमः ३।४ आश्लेषायां बुधः ३३।५७

तिथि	बुध रा. अं. क	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क.	गति क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा अं. क	गति क	राहु रा. अ. क. वि	गति क वि.
१	२ १८ ५९	२ ६	१० ९ २० व	२	३ १८ १०	१ १०	११ २४ १०	३	७ १ ४७ ६	३ १०
२	२ २१ ५	२ ४	१० ९ १८	२	३ १९ २०	१ १०	११ २४ १३	३	७ १ ४३ ५६	३ १०
३	२ २३ ९	२ ३	१० ९ १६	२	३ २० ३०	१ १०	११ २४ १६	२	७ १ ३० ४६	३ ११
४	२ २५ १२	२ २	१० ९ १४	२	३ २१ ४०	१ १०	११ २४ १८	२	७ १ ३७ ३५	३ १०
५	२ २७ १४	२ १	१० ९ १२	२	३ २२ ५०	१ १०	११ २४ २०	२	७ १ ३४ २५	३ ११
६	२ २९ १५	१ ५८	१० ९ १०	२	३ २४ ०	१ १०	११ २४ २२	२	७ १ ३१ १४	३ ११
७	३ १ १३	१ ५६	१० ९ ८	२	३ २५ १०	१ १०	११ २४ २४	२	७ १ २८ ३	३ ११
८	३ ३ ९	१ ५४	१० ९ ६	२	३ २६ २०	१ १०	११ २४ २६	२	७ १ २४ ५२	३ १०
९	३ ५ ३	१ ५२	१० ९ ४	३	३ २७ ३०	१ १०	११ २४ २८	१	७ १ २१ ४२	३ ११
१०	३ ६ ५५	१ ५०	१० ९ १	३	३ २८ ४०	१ १०	११ २४ २९	२	७ १ १८ ३१	३ ११
११	३ ८ ४५	१ ४८	१० ८ ५८	४	३ २९ ५०	१ १०	११ २४ ३१	२	९ १ १५ २०	३ १०
१२	३ १० ३३	१ ४७	१० ८ ५४	३	४ १ ०	१ १०	११ २४ ३३	२	९ १ १२ १०	३ ११
१३	३ १२ २०	१ ४२	१० ८ ५१	४	४ २ १०	१ १०	११ २४ ३५	२	९ १ ८ ५९	३ ११
१४	३ १४ २	१ ४२	१० ८ ४७	४	४ ३ २०	१ १०	११ २४ ३७	२	९ १ ५ ४८	३ ११
१५	३ १५ ४४	१ ४०	१० ८ ४३ व	४	४ ४ ३०	१ १०	११ २४ ३९	२	९ १ २ ३७	३ ११

मास फलम्   अ. १४ आषाढ शु १५ भौमे प्रभाकर अहर्गण ५२११ अयनांशाः २२°।५९'।१४"

अचानक तेजी होगी। तुल तथा वृश्चिक राशि-वालों को यह मास उत्तम लाभकारक है। मास के अंत में अमेरिका खण्ड और युरोप खण्ड में एक नई बेमारी का त्रास होगा। वर्षा भारत में विलंब से होगी।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
२	८	२	३	१०	४	११	७
२६	१९	२९	१५	८	४	२४	१
२	३८	५८	४४	४३	३०	३९	२
३९	१७	१०	१४	५४	२१	९	३७
५७	७१	३९	१००	४	७०	२	३
१३	३३	५०	२१	१६	१४	९	११

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० श्रावण कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	अंग्रेजी	
वज्र	१	बु	४०	५६	उ	४२	३६	वै	६	४४	बा	८	४	कौ	४०	५६	३३ २७	५ ५२	७ १४	२९	१४	११	१३	मकर
ध्वज	२	गु	४६	६	श्र	४९	२०	वि	८	५४	तै	१३	३१	ग	४६	६	२३	५२	१४	३०	१५	१२	१४	मकर
धाता	३	शु	५०	४४	ध	५५	२८	प्री	१०	३२	व	१८	२५	वि	५०	४४	२३	५२	१४	३१	१६	१३	१५	२२ २४ कुंभ
च. व्र.	४	श	५४	३६	श	६०	०	आ	११	३८	ब	२२	४०	बा	५४	३६	२१	५२	१४	१	१७	१४	१६	कुंभ
नाग पं.	५	र	५७	३०	श	०	४९	सौ	१२	४	कौ	२६	३	तै	५७	३०	१९	५३	१३	२	१८	१५	१७	कुंभ
गदः	६	सो	५९	४	पू	५	९	शो	१०	४२	ग	२८	१७	व	५९	४	१८	५३	१३	३	१९	१६	१८	४९ ४ मीन
सिद्धिः	७	मं	५९	११	उ	८	११	अ	१०	१६	वि	२९	८	ब	५९	११	१६	५४	१२	४	२०	१७	१९	मीन
मृत्यु	८	बु	५७	३३	रे	९	५६	सु	७	४०	बा	२८	२२	कौ	५७	३३	१४	५४	१२	५	२१	१८	२०	५ ५८ मेष
पद्म	९	गु	५४	१९	अ	९	४६	धृ	३ ५८	४९ २७	तै	२५	५६	ग	५४	१९	१२	५५	११	६	२२	१९	२१	मेष
छत्र	१०	शु	४९	१६	भ	७	५१	गं	५१	३९	व	२५	४७	वि	४९	१६	१०	५५	११	७	२३	२०	२२	२२ ५ वृषभ
ए. व्र.	११	श	४३	५	कृ	४	३८	वृ	४३	५६	ब	१६	१०	बा	४३	५	८	५६	१०	८	२४	२१	२३	वृषभ
प्र. व्र.	१२	र	३५	११	रो	१ ५३	५८ ३७	ध्रु	३४	४८	कौ	९	८	तै	३५	११	६	५६	१०	९	२५	२२	२४	२८ ४५ मिथुन
काल	१३	सो	२६	२२	आ	४६	५१	व्या	२४	५१	ग	० २६	४६ २२	वि	५१	४४	४	५६	१०	१०	२६	२३	२५	मिथुन
स्थिर	१४	मं	१७	७	पु	३९	२५	ह	१४	३४	श	१७	७	च	४२	२२	२	५७	१०	११	२७	२४	२६	२९ ० कर्क
अमा	३०	बु	७ ५४	३८ ९	पु	३२	८	व	४ ५३	१ ४०	ना	७	३८	कि	३० ५४	५३ ९	०	५७	९	१२	२८	२५	२७	कर्क

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क	वि.	गति क.	वि.	चन्द्र रा.	अं.	क.	वि.	गति अं.	क.	वि.	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क.
११९५	१	बुध.	१	२६	५९	५२	५७	१३	९	१	३०	५०	११	५६	५०	३	०	३७	३९
११९६	२	गुरु	२	२७	५७	५	५७	१३	९	१३	२७	४०	१२	०	२१	३	१	१६	३९
११९७	३	शुक.	२	२८	५४	१८	५७	१४	९	२५	२८	१	१२	६	५८	३	१	५५	३९
११९८	४	शनि.	२	२९	५१	३२	५७	१४	१०	७	३४	५९	१२	१४	४९	३	२	३४	३९
११९९	५	रवि.	३	०	४८	४६	५७	१५	१०	१९	४९	८	१२	२४	५८	३	३	१३	३९
१२००	६	सोम.	३	१	४६	१	५७	१५	११	२	१४	४६	१२	३९	२५	३	३	५२	३९
१२०१	७	मङ्गल.	३	२	४३	१६	५७	१५	११	१४	५४	११	१२	५६	९	३	४	३१	३९
१२०२	८	बुध.	३	३	४०	३१	५७	१६	११	२७	५०	२०	१३	१६	२	३	५	१०	३९
१२०३	९	गुरु.	३	४	३७	४७	५७	१६	०	११	६	२२	१३	४१	९	३	५	४९	३९
१२०४	१०	शुक्र.	३	५	३५	३	५७	१७	०	२४	४७	३१	१४	५	४६	३	६	२८	३९
१२०५	११	शनि.	३	६	३२	२०	५७	१८	१	८	५३	१७	१४	२३	४९	३	७	७	३९
१२०६	१२	रवि.	३	७	२९	३८	५७	१८	१	२३	१७	६	१४	५६	४६	३	७	४६	३९
१२०७	१३	सोम.	३	८	२६	५६	५७	१९	२	८	१३	५२	१५	६	२१	३	८	२५	३९
१२०८	१४	मङ्गल.	३	९	२४	१५	५७	२०	२	२३	२०	१३	१५	१२	५८	३	९	४	३९
१२०९	३०	बुध.	३	१०	२१	३५	५७	२०	३	८	३३	११	१५	८	४९	३	९	४३	३९

अ. १५ श्रावण कृ. ८ बुधे प्रभाकर अहर्गण ५२१९ अयनांशा: २२°।५९'।१५"

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
३	११	३	३	१०	४	११	७
३	२७	५८	२८	८	१३	२४	०
४०	५०	१०	६	७	४६	५०	३७
३१	२०	१३	२२	२७	३१	३६	११
५७	७१६	३९	८३	५	६९	१	३
१६	२	११	१३	६	९	०	११

कर्क संक्रांतफलम्

श्रावण कृष्णे ४ शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ वा. ना. राक्षसी न. ना. महोदरी चौर सुखी चांडाल सुखी अपराह्न व्या. वैश्या-न्हंति दक्षिणेगमनम्. नैर्ऋत्यांदृष्टि, बव करणे प्र. मध्यम फलं. सिंह वाहनं गज उपवाहनं. भीति

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	जुलाई १९३८ इ. । उत्तरायणे ग्रीष्म–वर्षा ऋतुः ।
१	२ २६ ४२ १९	
२	२ २७ ३९ १४	
३	२ २८ ३६ ९	भद्रा प्रा. स्टँ. १३।४९ भद्रा स. स्टँ. २।४५
४	२ २९ ३३ ५	संकष्ट ४ चं. उ. स्टँ. २१।२९ कर्केऽर्कः ८।५३ मु. १५ गु. चं. यु.
५	३ ० ३० १	नाग ५ देशाचारे । पुष्ये १ भौमः १०।४७
६	३ १ २६ ५७	भद्रा प्रा. स्टँ. ६।१७ रात्रौ ।
७	३ २ २३ ५४	भद्रा म. स्टँ. १८।६ पुष्ये रविः ३८।३० वा. जम्बुक स्त्री. पू. चं. चं. पू. फा. शुक्रः २७।३५
८	३ ३ २० ५३	काला ८ श. चं. यु.
९	३ ४ १७ ५३	मघा सिंहे बुधः २२।४१ × व्यतिपात महापात स्पर्श स्टँ. ४।५७
१०	३ ५ १४ ५३	भद्रा प्रा. स्टँ. १६।४६ भद्रा स. स्टँ. २।२२ रात्रौ । पुष्ये २ भौमः १८।२७ ×
११	३ ६ ११ ५५	कामिका ११ सर्वेषां । व्यतिपात महापात मोक्ष स्टँ. २०।४१ वर्षा सायन +
१२	३ ७ ८ ५९	प्रदोष + सिंहे भानुः २९।४७
१३	३ ८ ६ ३	भद्रा प्रा. स्टँ. १७।० भद्रा स. स्टँ. २।९ शिवरात्रिव्रतम् । भौ. र. युतिः ५२।२३
१४	३ ९ ३ ८	
३०	३ १० ० १६	दीप पूजा हरियाली ३० । लक्ष्मीपोल यात्रा पुष्ये ३ भौमः २६।८ । मं. चं. यु.

तिथि	बुध रा. अं. क.	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क	गति क.	शुक्र रा अं. क.	गति अं. क	शनि रा अं. क	गति क.	राहु रा. अं. क. वि	गति क. वि
१	३ १७ २४	१ ३[illegible]	१० ८ ३९ व	४	४ ५ ४०	१ १०	११ २४ ४१	२	७ ० ५[illegible] २६	३ १०
२	३ १९ १	१ ३६	१० ८ ३५	४	४ ६ ५०	१ १०	११ २४ ४३	२	७ ० ५६ १६	३ ११
३	३ २० ३७	१ ३४	१० ८ ३१	४	४ ७ ०	१ १०	११ २४ ४५	१	७ ० ५३ ५	३ ११
४	३ २२ ११	१ ३२	१० ८ २३	५	४ ९ १०	१ ९	११ २४ ४६	१	७ ० ४९ ५४	३ ११
५	३ २३ ४३	१ २९	१० ८ २२	५	४ १० १९	१ ९	११ २४ ४७	१	७ ० ४६ ४३	३ ११
६	३ २५ १२	१ २८	१० ८ १[illegible]	५	४ ११ २८	१ ९	११ २४ ४८	१	७ ० ४३ ३२	३ १०
७	३ २६ ४०	१ २६	१० ८ १[illegible]	५	४ १२ ३[illegible]	१ ९	११ २४ ४९	१	७ ० ४० २२	३ ११
८	३ २८ ६	१ २३	१० ८ ७	५	४ १३ ४६	१ ९	११ २४ ५०	१	७ ० ३[illegible] ११	३ ११
९	३ २९ २९	१ २२	१० ८ २	५	४ १४ ५५	१ ९	११ २४ ५१	१	७ ० ३४ ०	३ ११
१०	४ ० ५१	१ १९	१० ७ ५[illegible]	५	४ १६ ४	१ ९	११ २४ ५२	१	७ ० ३० ४९	३ ११
११	४ २ १०	१ १९	१० ७ ५२	६	४ १७ १३	१ ९	११ २४ ५३	१	७ ० २[illegible] ३८	३ १०
१२	४ ३ २९	१ १४	१० ७ ४६	६	४ १८ २[illegible]	१ ९	११ २४ ५४	१	७ ० २४ २८	३ ११
१३	४ ४ ४३	१ १३	१० ७ ४०	६	४ १९ ३१	१ ९	११ २५ ५५	१	७ ० २१ १[illegible]	३ ११
१४	४ ५ ५६	१ १०	१० ७ ३४	६	४ २० ४०	१ ९	११ २४ ५६	१	७ ० १८ ६	३ १०
३०	४ ७ ६	१ ९	१० ७ २८ व	६	४ २१ ४९	१ ९	११ २४ ५७	१	७ ० १४ ५६	३ ११

संक्रांति फलम् अ. १६ श्रावण कृष्ण ३० बुधे । प्रभाकरं अहर्गण ५२२६ अयनांशाः २२°।५[illegible]'।१६"

फलं श्वेत वस्त्रं भूशुंडी आयुधं सुवर्ण पात्रं अन्न भक्षणं कस्तुरी लेपनं । देवजाति । पुन्नागपुष्प । पिरोजा भूषणं विचित्र कंचुकी । बाल्यावस्था । (बैठी) मुहूर्ताः १५ शुक्रोदय पश्चिमे । वस्त्र उत्तरे । राहु पश्चिमे । मूलं भूमौ ।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
३	३	३	४	१०	४	११	७
१०	८	९	७	७	२१	२४	०
२१	३३	४३	६	२८	४९	५७	१४
३५	११	७	४	१	९	१२	५६
५७	५०८	३९	६२	६	६९	१	३
२०	४९	४	२	१	०	१०	११

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० श्रावण शुक्ल पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	अंग्रेजी	
मिंजाग	२	गु	४९	४८	आ	२३	४५	व्य	४४	३	बा	२१	५९	कौ	४९	४८	[illegible]	५	[illegible]	१३	२९	२६	२८	२३ ४५ सिंह
तीज	३	शु	४२	३६	म	१९	२७	व	३५	१५	तै	१६	१२	ग	४२	३६	५६	५८	८	१४	१	२७	२९	सिंह
सिद्ध	४	शा	३६	५२	पू	१४	५४	घ	२७	४१	व	९	१४	वि	३३	५२	५३	५८	८	१५	२	२८	३०	२९ २४ कन्या
मित्र	५	र	३२	५९	उ	१२	१३	शि	२१	३९	ब	४	५५	बा	३२	५९	५१	५९	७	१६	३	२९	३१	कन्या
वज्र	६	सो	३१	११	ह	११	०९	सि	१७	१४	कौ	२	५	तै	३१	११	४५	५९	७	१७	४	३०	१	४२ ३३ तुल
ध्वांक्ष	७	म	३१	२९	चि	१२	५७	सा	१४	३१	ग	१	२०	व	३१	२९	४६	५	६	१८	५	१	२	तुल
बुधश्री	८	बु	३३	११	स्वा	१६	३१	शु	१३	२७	वि	३	४०	ब	३३	५१	४४	०	६	१९	६	२	३	तुल
प्रवर्धं	९	गु	३७	५२	वि	२०	१२	शु	१३	५५	बा	५	११	कौ	३७	५२	४१	१	५	२०	७	३	४	५५ २९ वृश्चिक
राक्षस	१०	शु	४३	३२	अनु	२८	२८	ब्र	१५	३३	तै	१०	४२	ग	४३	३२	३८	१	५	२१	८	४	५	वृश्चिक
ए. म.	११	श	४९	१४	ज्ये	३५	०६	ऐं	१७	१५	व	१६	३८	वि	४९	१४	३६	२	४	२२	९	५	६	३५ ५६ धन
ए. म	१२	र	५५	०५	मू	४३	०९	वै	[illegible]	३१	[illegible]	२२	५१	बा	५५	५५	३४	२	४	२३	१०	६	७	धन
प्रदीप	१३	सो	६०	०	पू	०१	६	वि	०३	३	कौ	०३	११	त	६०	०	३१	३	३	२४	११	७	८	धन
सिद्धि	१३	मं	२	[illegible]	उ	०८	८	प्री	२५	१७	त	२	३	ग	३४	५४	२८	३	२	२५	१२	८	९	७ मकर
छत्र	१४	बु	७	३१	श्र	६०	०	आ	२७	३	व	७	३१	वि	३९	५३	२५	३	२	२६	१३	९	१०	मकर
श्रावणी	१५	गु	१२	१५	ध	४	३०	सौ	०८	१५	ब	१२	१५	बा	४४	१४	२३	४	१	२७	१४	१०	११	३७ २६ कुंभ

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अ.	क.	वि.	गति क	वि	चन्द्र रा	अ.	क	वि.	गति अं.	क.	वि	मङ्गल रा.	अ.	क	गति क.
१२१०	२	गुरु	३	११	१८	१५	५७	२१	३	२३	४२	०	१४	५४	५८	३	१०	२२	३९
१२११	३	शुक.	३	१२	१६	१६	५७	२२	४	८	३६	५८	१४	३३	२५	३	११	१	३९
१२१२	४	शनि.	३	१३	१३	३८	५७	२३	४	२३	१०	२३	१४	३	०७	३	११	४०	३९
१२१३	५	रवि.	३	१४	११	१	५७	२४	५	७	१४	२०	१३	३५	१४	३	१२	१९	३९
१२१४	६	सोम.	३	१५	८	२	५७	२४	५	२०	४९	३४	१३	६	२१	३	१२	५८	३९
१२१५	७	मङ्गल.	३	१६	५	४९	५७	२५	६	३	५५	५५	१२	४२	२२	३	१३	३७	३९
१२१६	८	बुध.	३	१७	३	१४	५७	२६	६	१८	३८	१७	१२	१९	३७	३	१४	१६	३९
१२१७	९	गुरु.	३	१८	०	४०	५७	२७	६	२८	५	५४	१२	४	३४	३	१४	५५	३९
१२१८	१०	शुक्र.	३	१८	५८	५	५७	२८	७	११	२	२८	११	५३	९	३	१५	३४	३९
१२१९	११	शनि.	३	१९	५५	३५	५७	२९	७	२२	५५	३१	११	४८	५८	३	१६	१३	३९
१२२०	१२	रवि.	३	२०	५३	४	५७	३०	८	४	४४	३१	११	४९	३७	३	१६	५२	३९
१२२१	१३	सोम.	३	२१	५०	३४	५७	३१	८	१६	३४	१२	११	५५	२२	३	१७	३१	३८
१२२२	१३	मङ्गल.	३	२२	४८	५	५७	३२	८	२८	२५	३४	११	५६	४८	३	१८	९	३८
१२२३	१४	बुध.	३	२३	४५	३७	५७	३३	९	१०	२२	२३	१२	३	२१	३	१८	४७	३८
१२२४	१५	गुरु.	३	२४	४३	१०	५७	३५	९	२२	२५	४४	१२	४०	३४	३	१९	२५	३८

अ. १७ श्रावण शु. ८ बुधे प्रभाकर अहर्गण ५२३३ अयनांशा: २२°.५९'.१६"

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
३	६	३	४	१०	४	११	६
१७	१८	१४	१४	६	२९	२४	२९
३	३८	१६	१०	४१	४६	५७	५२
१४	१७	१३	१०	४	२७	२१	४०
५७	७६१	३९	४९	७	६८	०	३
२६	३७	१०	९	१४	७	०	११

मास फलम्

वृष्टि के अधिक होने से सिन्ध तथा यू. पी. प्रान्त में और यमुना किनारे के शहरों में अधिक हानि होगी। प्रजा और राजा के बीच प्रजा को संतोष पहुंचाने योग्य व्यवहार

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	जुलई–अगस्त १९३८ इ.। उत्तरायणे वर्षा ऋतुः।
२	[illegible]	चन्द्र दर्शनं
३	[illegible]	जमादिलाखर म. ६ मु.
४	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टॅ. १०।३१ भद्रा. स. स्टॅ. २७।१२ × कृतिका १ मेषेकेतुः
५	[illegible]	नाग ५ देशाचारे ऋक् श्रावणी। उ.फा.या शुक्रः १५।५३ विशा. ३ तुले राहुः ३९।३०×
६	[illegible]	अगस्त ८ इं. पुष्ये ४ भौमः ३३।५१ वक्री शनिः कल्कीजयंती श्रायाल ६
७	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टॅ. १९।३ सीतला ७। आश्लेषायां रविः ३५।४३ वाहन मांहषी स्त्री स्त्री. *
८	[illegible]	भद्रा स. स्टॅ. ७।१९। कन्यायां शुक्रः १२।२१। दुर्गा ८। वैधृति महापात स्पर्श =
९	[illegible]	= स्टॅ १८।२० मोक्ष स्टॅ. ३ २९
१०	[illegible]	* चं. सू पू. फा. बुधः २।१८ वक्री ध ४ गु. ५२।३० पारसी आस्पदाद्
११	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टॅ. १२।६ भद्रा स. स्टॅ. रात्रौ २।२१ पुत्रदा ११ स्मार्त आश्ले १ भौमः ४१।३२
१२	[illegible]	पुत्रदा ११ भागवत
१३	[illegible]	सोमप्रदोष। हयग्रीव जयंती।
१३	[illegible]	
१४	[illegible]	भद्रा प्रा स्टॅ. ९।२७ भद्रा स स्टॅ. २२।४८ ऋक श्रावणी। अन्वाधानं
१५	[illegible]	यजु-श्रावणी। रक्षाबंधन। आश्ले २ भौमः ५५।१६

तिथि	बुध रा अं क.	गति अं क	गुरु रा. अं क.	गति क	शुक्र रा अं. क.	गति अं क	शनि रा. अं. क	गति क	राहु रा अं क. वि.	गति क वि.
२	४ ८ १५	१ ६	१० ७ २२ व	६	४ २२ ५८	१ ८	११ २४ ५१	०	७ ० ११ ४०	३ ११
३	४ ९ २१	१ ४	१० ७ १६	७	४ २४ ६	१ ८	११ २४ ५९	०	७ ० ८ ३४	३ ११
४	४ १० २५	१ ०	१० ७ ९	७	४ २५ १४	१ ८	११ २४ ५८	०	७ ० ५ २३	३ ११
५	४ ११ २५	० ५८	१० ७ २	७	४ २६ २२	१ ८	११ २४ ५७	०	७ ० २ १२	३ ११
६	४ १२ २३	० ५५	१० ६ ५५	७	४ २७ ३०	१ ८	११ २४ ५७ व	०	६ २९ ५९ १	३ १०
७	४ १३ १८	० ५२	१० ६ ४८	७	४ २८ ३८	१ ८	११ २४ ५७	०	६ २९ ५५ ५१	३ ११
८	४ १४ १०	० ४९	१० ६ ४१	७	४ २९ ४६	१ ८	११ २४ ५६	०	६ २९ ५२ ४०	३ ११
९	४ १४ ५९	० ४५	१० ६ ३४	७	५ ० ५४	१ ८	११ २४ ५६	०	६ २९ ४९ २९	३ ११
१०	४ १५ ४४	० ४२	१० ६ २७	७	५ २ १	१ ७	११ २४ ५७	०	६ २९ ४६ १८	३ १०
११	४ १६ २६	० ३८	१० ६ २०	७	५ ३ ८	१ ७	११ २४ ५६	१	६ २९ ४३ ८	३ ११
१२	४ १७ ४	० ३४	१० ६ १३	७	५ ४ १५	१ ७	११ २४ ५६	१	६ २९ ३९ ५७	३ ११
१३	४ १७ ३८	० ३१	१० ६ ६	७	५ ५ २२	१ ६	११ २४ ५५	१	६ २९ ३६ ४६	३ १०
१३	४ १८ ९	० २५	१० ५ ५९	७	५ ६ २८	१ ६	११ २४ ५४	१	६ २९ ३३ ३६	३ ११
१४	४ १८ ३४	० २१	१० ५ ५२	७	५ ७ ३४	१ ६	११ २४ ५३	१	६ २९ ३० २५	३ ११
१५	४ १८ ५५	० १७	१० ५ ४५ व	७	५ ८ ४०	१ ६	११ २४ ५२ व	१	६ २९ २७ १४	३ ११

मास फलम् — अ. १८ श्रावण शु. १५ गुरौ प्रभाकर अहर्गण ५०४१ अयनांशाः २२°।५५'।१७"

होगा। सोनेका बजार कुछ मंदा रहेगा। वृश्चिक तथा धन राशि वालों को इच्छित कार्य में सिद्धी प्राप्त होगी और द्रव्य लाभ अच्छा होगा।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
३	९	३	४	१०	५	११	६
२४	२२	१९	१८	५	८	२४	२९
४३	२५	२५	४५	४५	४०	५२	२७
१०	४४	१२	२३	१४	९	४५	१४
५७	७६०	३८	१७	७	६६	१	३
३५	३४	२०	१०	४	९	०	११

आनंदादि योगाः	सं १९९५ श. १८६० भाद्रपद कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
सिद्धि	१	शु	१६	१३	ध	१०	३	शो	२८	४९	कौ	१६	१३	तै	४७	४४	३२ २०	६ ८	७ ०	२८	१५	११	१२	कुंभ
आनंद	२	श.	१९	१५	श	१४	४२	अ	२८	३९	ग	१९	१५	व	५२	१४	१७	६ ५	६ ५९	२९	१६	१२	१३	कुंभ
च प्र.	३	र	२५	१३	पू	१८	३४	सु	२७	५१	वि	२५	१३	ब	५४	१	१६	५	५९	३०	१७	१३	१४	२ ३६ मीन
गदः	४	सो.	२२	४९	उ	२१	३७	धृ	२६	२३	बा	२२	३९	कौ	५२	५८	१४	५	५८	३१	१८	१४	१५	मीन
शुभ	५	मं.	२३	७	रे	२३	३७	शू	२४	१३	तै	२३	७	ग	५२	४२	११	६	५८	३२	१९	१५	१६	२३ ३७ मेष
मृत्यु	६	बु.	२२	१७	अ	२४	३१	गं	२१	१५	व	२२	१७	वि	५१	१८	८	६	५७	१	२०	१६	१७	मेष
पद्म	७	गु.	२०	१९	भ	२४	१७	वृ	१६	४३	ब	२०	१९	बा	४८	३८	५	६	५६	२	२१	१७	१८	३८ ५५ वृषभ
जन्माष्टमी	८	शु.	१६	५७	कृ	२२	१०	ध्रु	११	२९	कौ	१७	१७	तै	४४	१५	२	७	५६	३	२२	१८	१९	वृषभ
श्रीवत्स	९	श	१२	१३	रो	१९	३९	व्या	५ ५७	९ ३७	ग	१२	१३	व	३९	१०	३१ ५९	७	५५	४	२३	१९	२०	४७ ३२ मिथुन
क्षय	१०	र.	३ ५४	९ ५७	मृ	१५	२४	व	४९	२०	वि	६	९	ब	३० ५४	३० ५७	५६	७	५४	५	२४	२०	२१	मिथुन
ए. व्र.	१२	सो.	५१	११	आ	१०	१८	सि	४०	१६	कौ	२३	१	तै	५१	११	५३	८	५३	६	२५	२१	२२	५० ४८ कर्क
प्र. व्र.	१३	मं	४३	०	पु	४ ५७	५८ ५८	व्य	३०	४८	ग	१७	५	व	४३	०	५०	८	५२	७	२६	२२	२३	कर्क
राक्षस	१४	बु.	३४	३७	आ	४१	३६	व	२१	११	त्रि	८	४८	श	३४	३७	४७	८	५१	८	२७	२३	२४	५१ ३६ सिंह
अमा	२०	गु	२६	२८	म	४५	३६	प	११	३९	त्र	० २६	३२ २८	कि	५२	४६	४४	९	५०	९	२८	२४	२५	सिंह

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि	चन्द्र रा	अं.	क.	वि.	गति अं.	क.	वि.	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क.
१२२५	१	शुक.	३	२५	४०	४५	५७	३६	१०	४	३६	१८	१२	२०	१३	३	२०	३	३८
१२२६	२	शनि.	३	२६	३८	२१	५७	३७	१०	१६	५६	३१	१२	२९	१०	३	२०	४१	३८
१२२७	३	रवि.	३	२७	३५	५८	५७	३८	१०	२९	२५	४१	१२	३७	३३	३	२१	१९	३८
१२२८	४	सोम.	३	२८	३३	३६	५७	४०	११	१२	३	१४	१२	४८	३६	३	२१	५७	३८
१२२९	५	मङ्गल	३	२९	३१	१६	५७	४१	११	२४	५१	४०	१३	३	२१	३	२२	३५	३८
१२३०	६	बुध.	४	०	२८	[illegible]	५७	४२	०	७	५५	१	१३	१५	२२	३	२३	१३	३८
१२३१	७	गुरु	४	१	२६	३९	५७	४३	०	२१	१०	२३	१३	३४	३३	३	२३	५१	३८
१२३२	८	शुक्र	४	२	२४	२२	५७	४४	१	४	४०	५६	१३	५४	२६	३	२४	२९	६८
१२३३	९	शनि.	४	३	२२	६	५७	४६	१	१८	३९	२२	१४	१७	९	३	२५	७	३८
१२३४	१०	रवि	४	४	१९	५२	५७	४७	२	२	५६	३१	१४	३०	५८	३	२५	४५	३८
१२३५	१२	सोम.	४	५	१७	४०	५७	४९	२	१७	२७	२९	१४	४८	२५	३	२६	२३	३८
१२३६	१३	मङ्गल.	४	६	१५	२९	५७	५०	३	२	१५	५४	१४	५४	२२	३	२७	१	३८
१२३७	१४	बुध.	४	७	१३	१९	५७	५२	३	१७	१०	१६	१४	५४	५७	३	२७	३९	३८
१२३८	३०	गुरु.	४	८	११	११	५७	५३	४	२	५	१३	१४	४७	४६	३	२८	१७	३८

अ. १९ भाद्रपद कृष्ण ८ शुक्रे प्रभाकर अहर्गण ५२४९ अयनांश : २२°।५९'।९"

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
४	१	३	४	१०	५	११	६
२	४	२४	१८	४	१७	२४	२९
२४	४४	२९	३४	४३	१८	४२	१
२२	५६	१०	९	७	३	१	४८
५७	८३४	३८	२७	८	६४	-२	३
४४	३६	०	४	५	७	०	११

सिंह संक्रांति फलम्

भाद्रपद कृष्ण ५ भौमे सिंहेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ वा. ना. महोदरी, चौर सुखी, न. ना. ध्वांक्षी वैश्यान्सुखदा पूर्वाह्णव्यापिनी पिशाचान् हन्ति, पश्चिमे गमनम्, वायव्यां दृष्टिः, गर करणे प्र. मध्यम फलं. हस्तीवाहनं. उपवाहनं

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	अगस्त १९३८ इ. उत्तरायणे वर्षा ऋतुः
१	[illegible]	हस्ते शुक्रः १२।५५ गु. चं. यु.
२	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. रात्रौ ३।२१
३	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. १६।३२ संकष्ट ४ चं. उ. स्टँ. २०।४३ वक्री बुधः
४	[illegible]	
५	[illegible]	मघा सिंहेऽर्कः २९।५३ मु. ३० वा. अश्व. स्त्री. पू. चं. चं. व्यतीपात म. स्पर्श स्टँ. ४।१८
६	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. १५।२२ भद्रा स. स्टँ. रात्रौ २।५८ आश्ले ३ भौमः १११३ महापात मोक्ष ११।०
७	[illegible]	कृष्णजन्म ८ स्मार्त । काला ८
८	[illegible]	कृष्णजन्म ८ भागवत
९	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. टा. २२।७ गोगा नवमी
१०	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. ८।५५ अजा ११ स्मार्त
१२	[illegible]	अजा ११ भागवत । गोवत्स पूजनं । आश्ले ४ भौमः २६।५१
१३	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. २३।३९ भौम प्रदोष । सायन कन्यायां भानुः ४६।५२
१४	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. ९।५८ चित्रायां शुक्रः २०।५७ श्री अहल्योत्सवः । मं. चं. यु.
३०	[illegible]	कुश ग्रहणम् । सती पूजनम् । लोहार्गल यात्रा । बु. चं. यु.

तिथि	बुध रा. अं. क.	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क.	गति क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा. अं. क	गति क	राहु रा. अं. क. वि.	गति क वि.
१	४ १९ १२	० १२	१० ५ ३८ व	७	५ ९ ४६	१ ५	११ २४ ५१ व	१	६ २९ २४ ३	३ ११
२	४ १९ २४	० ५	१० ५ ३१	८	५ १० ५१	१ ५	११ २४ ५०	१	६ २९ २० ५२	३ १०
३	४ १९ २९ व	० ०	१० ५ २३	८	५ ११ ५६	१ ५	११ २४ ४९	१	६ २९ १७ ४२	३ ११
४	४ १९ २९	० ६	१० ५ १५	८	५ १३ १	१ ५	११ २४ ४८	१	६ २९ १४ ३१	३ ११
५	४ १९ २३	० ९	१० ५ ७	८	५ १४ ६	१ ४	११ २४ ४७	१	६ २९ ११ २०	३ ११
६	४ १९ १४	० १४	१० ४ ५९	८	५ १५ १०	१ ४	११ २४ ४६	२	६ २९ ८ ९	३ ११
७	४ १९ ०	० २६	१० ४ ५१	८	५ १६ १४	१ ४	११ २४ ४४	२	६ २९ ४ ५८	३ १०
८	४ १८ ३४	० २७	१० ४ ४३	८	५ १७ १८	१ ४	११ २४ ४२	२	६ २९ १ ४८	३ ११
९	४ १८ ७	० ३५	१० ४ ३५	८	५ १८ २२	१ ४	११ २४ ४०	३	६ २८ ५८ ३७	३ ११
१०	४ १७ ३२	० ३९	१० ४ २७	८	५ १९ २६	१ ४	११ २४ ३७	३	६ २८ ५५ २६	३ ११
१२	४ १६ ५३	० ४७	१० ४ १९	८	५ २० ३०	१ ४	११ २४ ३४	३	६ २८ ५२ १५	३ १०
१३	४ १६ ६	० ४६	१० ४ ११	८	५ २१ ३४	१ ४	११ २४ ३१	३	६ २८ ४९ ५	३ ११
१४	४ १५ २०	० ५९	१० ४ ३	८	५ २२ ३८	१ ३	११ २४ २८	३	६ २८ ४५ ५४	३ ११
३०	४ १४ २१ व	० ४५	१० ३ ५५ व	८	५ २३ ४१	१ ३	११ २४ २५ व	३	६ २८ ४२ ४३	३ ११

संक्रांति फलम् श्र. २० भाद्रपद कृ. ३० गुरौ प्रभाकर अहर्गण ५२५५ अयनांशाः २२°।५५'।१९"

खरः लक्ष्मी कारकः रक्त वस्त्रं धनुषायुधं. लोह पात्रं. पय भक्षणं गोरोचन लेपनं पशु जाति बिल्व पुष्पं मुकुट भूषणं सित कंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० वत्सः पूर्वे, राहु उत्तरे, मूल स्वर्गे, शुक्रोदय पश्चिमे ।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
४	४	३	४	१०	५	११	६
८	२	२८	१४	३	२३	२४	२८
११	५	१७	२१	५५	४१	२५	४२
११	१३	९	५४	४०	६	४३	४३
५७	८८७	३८	४५	८	६३	-३	३
५३	४६	१०	१७	०	१०	०	११

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	अगस्त-सितम्बर १९३८ इ. उत्तरायणे वर्षा ऋतुः
१	४ [illegible]	चन्द्रदर्शनम् वक्री मघायां बुधः १६।५१ इष्टिः। महावीर जन्मोत्सव जैन
२	४ [illegible]	वराह जयंति। रज्जब मु. ७ मघा १ सिंहे भौमः ४४।१३
३	४ [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. २०।१० हरितालिकाव्रतम्। गणेशचतुर्थी बु. सू. यु. शु चं. यु. +
४	४ [illegible]	भद्रा स. स्टँ. ८।३५ ऋषि ५ वक्री धनिष्ठा ३ गुरुः ३०।३०। जैन संवत्सरी पर्व
५	४ [illegible]	पू. फा.यां रविः १९।४५ वाहन मयूर स्त्री. स्त्री. सू. सू.। जैन पर्यूषण पर्व
६	४ [illegible]	तुलायां शुक्रः ६।४३। + वैधृति महापात स्प. स्टँ २१।२५ मोक्ष स्टँ. २।४६
७	४ [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ९।२ भद्रा स. स्टँ. २२।२९ सितम्बर ९ गौर्यावाहनम्।
८	४ [illegible]	दधीचि जयन्ति। गौरी पूजनम्। मघा २ भौमः ०।० दुर्गा ८
९	४ [illegible]	गौरीविसर्जनम्। श्रीमद्भागवत सप्ताहारंभः। अदुःख ९
१०	४ [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. रात्रौ ६।१ बु. मं. यु.
११	४ [illegible]	भद्रा स. स्टँ. १९।१६ पद्मा ११ जलझूलनी। श्री इन्दौर महाराजा साहबकी जन्मगांठ
१२	४ [illegible]	वामन जयन्ती। स्वात्यां शुक्रः ३८।० । पारसी नोराज फर्वर्दिन पारसी सन १३०८
१३	४ [illegible]	प्रदोषः मघा ३ भौमः १५।४७ मार्गी बुधः
१४	४ [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. रात्रौ १।४। अनंत १४। गु चं. यु.। जैन कलश १४
१५	४ [illegible]	भद्रा स. स्टँ. १३।१९ महालयारंभः। प्रौष्ठपदी। भागवतसप्ताह समाप्तिः। अन्वाधानं

तिथि	बुध ग.	अं	क.	गति अ.	क.	गुरु ग	अं	क	गति क.	शुक्र ग	अं	क	गति अ.	क	शनि ग.	अ	क.	गति क	राहु ग.	अं.	क	वि	गति क	वि.
१	४	१३	३६	व ०	५७	१०	३	४८	व ८	५	२४	४३	१	२	११	२४	२२	व ३	६	२८	३१	३२	३	११
२	४	१२	३९	०	८	१०	३	४०	८	५	[illegible]	[illegible]	१	२	११	२४	[illegible]	३	६	२८	३६	२१	३	११
३	४	११	४१	०	[illegible]	१०	३	३२	८	५	२६	४७	१	२	११	२४	१६	३	६	२८	३३	१०	३	१०
४	४	१०	४७	०	५४	१०	३	२४	८	५	२७	४९	१	२	११	२४	१३	३	६	२८	३०	०	३	११
५	४	९	५३	०	५०	१०	३	१६	८	५	२८	५१	१	२	११	२४	१०	३	६	२८	२६	४९	३	११
६	४	९	३	०	४८	१०	३	८	८	५	२९	५३	१	२	११	२४	७	३	६	२८	२३	३८	३	१०
७	४	८	१५	०	४०	१०	३	०	८	६	०	५५	१	२	११	२४	४	३	६	२८	२०	२८	३	११
८	४	७	३५	०	३३	१०	२	५२	८	६	१	५७	१	२	११	२४	१	३	६	२८	१७	१७	३	११
९	४	७	२	०	३१	१०	२	४४	८	६	२	५९	१	१	११	२३	[illegible]	३	६	२८	१४	६	३	११
१०	४	६	३१	०	२०	१०	२	३६	७	६	४	०	१	१	११	२३	[illegible]	३	६	२८	१०	५५	३	११
११	४	६	११	०	११	१०	२	२९	७	६	५	१	१	१	११	२३	५२	४	६	२८	७	४४	३	११
१२	४	६	०	०	२	१०	२	२२	७	६	६	२	१	०	११	२३	४८	४	६	२८	४	३३	३	११
१३	४	५	५८ मा	०	६	१०	२	१५	७	६	७	२	०	५९	११	२३	४४	४	६	२८	१	२२	३	१०
१४	४	६	४	०	१४	१०	२	८	७	६	८	१	०	५९	११	२३	४०	४	६	२७	५८	१२	३	११
१५	४	६	१८	०	२८	१०	२	१	व ६	६	९	०	१	०	११	२३	३६	व ४	६	२७	५५	१	३	११

मास फलम — अ. २२ भाद्रपद श. १५ शुक्र प्रभाकर अहर्गण: ५२७० अयनांश: २२°|[illegible]'|२१"

संतोषजनक होगी। अनाज तथा धान्य का भाव तेज होगा। रसादिक का भाव मंदा होगा। धन तथा मकर राशिवालों को यह मास विशेष लाभ का देने वाला है।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
४	१०	४	४	१०	६	११	६
२२	१३	७	६	२	९	२३	२७
४२	२७	४६	१८	१	०	३६	५५
२१	४७	३१	३०	२२	१४	५	१
५८	७५५	३८	२८	६	६०	४	३
१८	९	१४	६	४	२	१	११

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० आश्विन कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	उदय	अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
कालदण्ड	१	श.	५९	१०	पू	३४	१४	शू	४४	५२	बा	२३	२७	कौ	५९	१०	३० ५३	६ १४	६ ३५	२५	१५	५	१०	२० ३ मीन
स्थिर	२	र.	५४	१०	उ	३६	१८	गं	४२	२७	तै	२६	४०	ग	५४	१०	५०	१४	३४	२६	१६	६	११	मीन
मातंग	३	सो.	४८	३४	रे	३७	३३	वृ	३९	२४	व	२१	२२	वि	४८	३४	४७	१५	३३	२७	१७	७	१२	३७ ३३ मेष
च. व्र.	४	मं.	४७	१०	अ	३८	१	ध्रु	३५	४३	ब	१७	५९	बा	४७	१०	४३	१५	३२	२८	१८	८	१३	मेष
काण	५	बु.	४६	१६	भ	३७	३६	व्या	३१	१९	कौ	१६	४३	तै	४६	१६	४०	१६	३१	२९	१९	९	१४	५२ १७ वृषभ
लुंबक	६	गु.	४१	४२	कृ	३६	२०	ह	२६	१५	ग	१३	५९	व	४१	४२	३७	१६	३०	३०	२०	१०	१५	वृषभ
मित्र	७	शु.	३७	३९	रो	३४	१४	व	२०	२९	वि	९	४०	व	३७	३९	३५	१६	२९	३१	२१	११	१६	वृषभ
वज्र	८	श.	३२	५२	मृ	३१	१९	सि	१४	२	बा	५	१५	कौ	३२	५२	३२	१६	२९	१	२२	१२	१७	२ ४७ मिथुन
ध्वांक्ष	९	र.	२७	१९	आ	२७	४१	व्य	७ ५८	३ ३	तै	० २७	५ १९	व	५४	१२	३०	१७	२८	२	२३	१३	१८	मिथुन
धूम्रः	१०	सो.	२१	६	पु	२३	२४	प	५१	२१	वि	२१	६	ब	४७	५१	२७	१७	२७	३	२४	१४	१९	९ २८ कर्क
ए. व्र.	११	मं	१४	३६	पु	१८	४६	शि	४२	४२	बा	१४	३६	कौ	४१	८	२३	१७	२६	४	२५	१५	२०	कर्क
प्रदोष	१२	बु.	७	४१	आ	१३	५८	सि	३८	३२	तै	७	४१	ग	३४	२६	२०	१८	२५	५	२६	१६	२१	१३ ५८ सिंह
क्षय	१३	गु	१ ५२	११ ३२	म	९	१६	सा	२७	४५	व	१ २८	११ ५१	श	५२	३२	१७	१८	२४	६	२७	१७	२२	सिंह
अमा.	३०	शु.	४९	४१	पू	७	१०	शु	१९	१३	च	२१	६	ना	४९	४१	१३	१८	२३	७	२८	१८	२३	२० ४८ कन्या

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा. अं. क. वि.	गति क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	गति अं. क. वि.	मङ्गल रा. अं. क.	गति क.
१२५४	१	शनि.	४ २३ ४० ३९	५८ २०	१० २६ २ ५६	१२ ४५ ५८	४ ८ २४	३८
१२५५	२	रवि.	४ २४ ३८ ५९	५८ २२	११ ८ ४८ ५४	१२ ५८ ३७	४ ९ २	३८
१२५६	३	सोम.	४ २५ ३७ २१	५८ २४	११ २१ ४७ ३१	१३ ६ ५८	४ ९ ४०	३८
१२५७	४	मङ्गल.	४ २६ ३५ ४५	५८ २६	० ४ ५४ २९	१३ १[illegible] ४९	४ १० १८	३८
१२५८	५	बुध.	४ २७ ३४ ११	५८ २८	० १८ १२ १८	१३ ३० २२	४ १० ५६	३८
१२५९	६	गुरु.	४ २८ ३२ ३९	५८ २९	१ १ ४२ ४०	१३ ४१ ९	४ ११ ३४	३८
१२६०	७	शुक्र.	४ २९ ३१ ८	५८ ३१	१ १५ २३ ४९	१३ ५५ १	४ १२ १२	३८
१२६१	८	शनि.	५ ० २९ ३९	५८ ३३	१ २९ १८ ५०	१४ ५ १०	४ १२ ५०	३८
१२६२	९	रवि.	५ १ २८ १२	५८ ३५	२ १३ २४ ०	१४ १८ २५	४ १३ २८	३८
१२६३	१०	सोम.	५ २ २६ ४७	५८ ३७	२ २७ ४२ २५	१४ ३५ ३४	४ १४ ६	३८
१२६४	११	मङ्गल	५ ३ २५ २४	५८ ३९	३ १२ ७ ५९	१४ २९ ४५	४ १४ ४४	३८
१२६५	१२	बुध.	५ ४ २४ ३	५८ ४१	३ २६ ३७ ४४	१४ २९ १४	४ १५ २२	३८
१२६६	१३	गुरु.	५ ५ २२ ४४	५८ ४३	४ ११ ६ ५८	१४ २१ २१	४ १६ ०	३८
१२६७	३०	शुक्र.	५ ६ २१ २७	५८ ४५	४ २५ २८ १९	१४ २५ ३४	४ १६ ३८	३८

अ. २३ आश्विन कृ ८ शनौ प्रभाकर अहर्गण ५२७८ अयनांशा: २२°।५९'।२२"
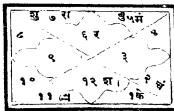
कन्या संक्रान्तिफलम्

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
५	१	४	४	१०	६	११	६
०	२९	१२	१३	१	१६	२३	२७
२१	१८	५०	१०	१३	४१	४	२९
३९	५०	११	३	९	४	२	४
५८	८४५	३८	८१	६	५६	४	३
३३	१०	१	४	३	१२	१	११

आश्विन कृष्ण ७ भृगौ कन्यार्क प्र. वा.४ न.४ वा. ना. मिश्रा पशु सुखदा न. ना. नंदा गणक सुखी। मध्यरात्री व्यापिनी। राक्षसान् हन्ति। उत्तरे गमनं। ई. दृष्टिः। बव करणे प्र. मध्यम् फलं। सिंह वाहनं। उपवाहन गज।

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	सितंबर १९३८ इ. उत्तरायणे वर्षा–शरदृतुः
१	[illegible]	इष्टिः व्यतिपात महापात स्प. स्टँ. ६।४
२	[illegible]	पा. खुरदादसाल । व्यतिपात महापात मोक्ष स्टँ. १२।२ ×पा. अमरदादसाल
३	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. १५।० भद्रा स. स्टँ. रात्रौ १।५२ मघा ४ भौमः ३१।३५ श. चं. यु. ।×
४	[illegible]	अंगारकी ४ संकष्टी चन्द्र उदय स्टँ. २०।४४ उ. फा.यां रविः ४।२२ वाहन गर्दभ =
५	[illegible]	भरणी श्राद्धम् = स्त्री. पू. चं. सू. । वक्री रेवत्यां २ शनिः ०।०
६	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. २३।८
७	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. १०।१९ कन्यार्कः २९।३६ मु. ४५ बु. मं. यु.
८	[illegible]	पू. फा. १ भौमः ४७।२२ पू. फा. बुधः ७।२१ काला ८
९	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ४।८ रात्रौ । सौभाग्यवतीनां श्राद्धं
१०	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. १४।५३
११	[illegible]	इंदिरा ११ सर्वेषां । संन्यासिनां श्राद्धं विशाखायां शुक्रः ३७।४७
१२	[illegible]	प्रदोषः कलियुगादि । = वैधृति महापात स्प. स्टँ. ४।१३
१३	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ ६।५५ भद्रा स. स्टँ. १७।११ शस्त्रादिना हतस्य श्राद्धं । शिवरात्रिव्रतम् =
३०	[illegible]	सर्वपितृ दर्श ३० पू. फा. २ भौमः ३।९ अन्वाधानं । बु. चं. यु. । महापात + + मो. स्टँ. ९।५६ शरदृतुः सायन तुले भानुः २९।५७ दक्षिण गोले रविः

तिथि	बुध रा. अं. क	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क.	गति क.	शुक्र रा. अ. क.	गति अं. क.	शनि रा. अं. क	गति क	राहु रा. अं. क. वि	गति क वि.
१	४ ६ ४६	० २८	१० १ ५५	व ६	५ १० ०	० ५८	११ २३ ३२	व ४	६ २७ ५१ ५०	३ ११
२	४ ७ १४	० ४०	१० १ ४९	६	५ १० ५८	० ५८	११ २३ २८	४	६ २७ ४८ ३९	३ ११
३	४ ७ ५४	० ४९	१० १ ४३	६	५ ११ ५६	० ५८	११ २३ २४	४	६ २७ ४५ २८	३ १०
४	४ ८ ४३	० ५५	१० १ ३७	६	५ १२ ५४	० ५७	११ २३ २०	४	६ २७ ४२ १८	३ ११
५	४ ९ ३८	० ५९	१० १ ३१	६	५ १३ ५१	० ५७	११ २३ १६	४	६ २७ ३९ ७	३ ११
६	४ १० ३७	१ १६	१० १ २५	६	५ १४ ४८	० ५७	११ २३ १२	४	६ २७ ३५ ५६	३ ११
७	४ ११ ५३	१ १७	१० १ १९	६	५ १५ ४५	० ५६	११ २३ ८	४	६ २७ ३२ ४५	३ ११
८	४ १३ १०	१ २१	१० १ १३	६	५ १६ ४१	० ५६	११ २३ ४	४	६ २७ २९ ३४	३ १०
९	४ १४ ३१	१ २६	१० १ ७	६	५ १७ ३७	० ५५	११ २३ ०	४	६ २७ २६ २४	३ ११
१०	४ १५ ५७	१ ३२	१० १ १	६	५ १८ ३२	० ५४	११ २२ ५६	४	६ २७ २३ १३	३ ११
११	४ १७ २९	१ ३५	१० ० ५५	६	५ १९ २६	० ५४	११ २२ ५२	४	६ २७ २० २	३ १०
१२	४ १९ ४	१ ३९	१० ० ४९	५	५ २० २०	० ५४	११ २२ ४८	४	६ २७ १६ ५१	३ ११
१३	४ २० ४३	१ ४०	१० ० ४४	५	५ २१ १४	० ५३	११ २२ ४४	४	६ २७ १३ ४०	३ १०
३०	४ २२ २३	१ ४४	१० ० ३९	व ५	५ २२ ७	० ५३	११ २२ ४०	व ४	६ २७ १० ३०	३ ११

संक्रांति फलम् अ. २४ भा. कृ. ३० शुक्रे प्रभाकर अहर्गण ५२८४ अयनांशाः २२°।५९′।२३″

भीति फलं । श्वेत वस्त्रं । भुशुंडी आयुधं । सुवर्ण पात्रं । अन्न भक्षणं । कस्तूरी लेपनं । देव जातिः । पुन्नाग पुष्पं । पिरोजा भूषणं । विचित्र कंचुकी बालावस्था । वत्सः पूर्वे । उत्तरे राहुः । मूलं स्वर्गे । (बैठी) मुहूर्ताः ४५ ।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
५	४	४	४	१०	६	११	६
६	२५	१६	२२	०	२२	२२	२७
२१	२८	३८	२३	३९	७	४०	१०
२७	१९	१३	१०	९	७	२	३०
५८	८६५	३८	१०४	५	५३	४	३
४५	३४	१९	०	१०	३	१	११

आश्विन शुक्ल पक्षः

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० आश्विन शुक्ल पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	ति.	वार	घ.	प.	नक्षत्र	घ.	प.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	करण	घ.	प.	दिनमान	उदय	अस्त	हिंदी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
मव. प्रा.	१	श	४५	३१	उ	१ ५१	४० ३५	शु	१२	९	कि	१७	३६	ब	४५	३१	३० १०	६ १८	६ २२	८	२९	१९	२४	कन्या
मानस	२	र	४४	१	चि	५८	५७	ब्र	६	३९	बा	१४	३६	कौ	४४	१	७	१९	२१	९	३०	२०	२५	२९ १८ तुल
मुद्गर	३	सो	४१	३१	स्वा	५९	५५	ऐं	२ ५८	० ४५	गं	१२	४६	ग	४१	३१	३	१९	२०	१०	१	२१	२६	तुल
अंगार	४	मं	४३	१३	वि	६०	०	वि	४७	६	व	१२	२२	वि	४३	१३	३० ०	१९	१९	११	२	२२	२७	५५ ४३ वृश्चिक
धाता	५	बु	४४	३४	वि	२	५४	प्री	५६	३५	ब	१३	५३	चा	४४	३४	२९ ५७	२०	१८	१२	३	२३	२८	वृश्चिक
आनंद	६	गु	४८	४१	ऽनु	७	१९	आ	५७	२९	कौ	१६	३७	तै	४८	४१	५३	२०	१७	१३	४	२४	२९	वृश्चिक
मृत्यु	७	शु	५४	१	ज्ये	१३	२४	सौ	५९	१३	ग	२१	२१	व	५४	१	५०	२०	१६	१४	५	२५	३०	१३ २४ धन
दुर्गा ८	८	श	६०	०	मू	२०	२२	शो	६०	०	वि	२७	०	ब	६०	०	४७	२०	१५	१५	६	२६	१	धन
शुभ	८	र	०	३	पू	२७	४५	शो	१	२४	ब	०	३	बा	३३	३३	४३	२१	१४	१६	७	२७	२	४४ ३४ मकर
मृत्यु	९	सो	६	४४	उ	३५	१	अ	३	३८	कौ	६	४४	तै	३८	५८	४०	२१	१३	१७	८	२८	३	मकर
विजया	१०	मं	१५	१२	श्र	४१	३६	सु	५	३४	ग	१५	१२	व	४३	५२	३७	२१	१२	१८	९	२९	४	मकर
ए. व्र.	११	बु	१६	३२	ध	४७	८	धृ	६	४४	वि	१६	३२	ब	४८	१५	३३	२२	११	१९	१०	३०	५	१४ २२ कुंभ
प्र. व्र.	१२	गु	१९	५९	श	५१	२२	शू	७	१	बा	१९	५९	कौ	५०	४६	३०	२२	१०	२०	११	१	६	कुंभ
धर्माक्ष	१३	शु	२१	५४	पू	५३	५९	गं	६	१०	तै	२१	५४	ग	५२	९	२७	२२	९	२१	१२	२	७	३८ २० मीन
सिद्धिः	१४	श	२२	२४	उ	५५	१२	वृ	४	४	व	२२	२४	वि	५५	५	२४	२३	८	२२	१३	३	८	मीन
	१५	र	२१	४७	रे	५५	४६	ध्र	१ ५७	१२ ७	ब	२१	४७	बा	५०	१४	२०	२३	७	२३	१४	४	९	५५ ४६ मेष

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा. अं. क. वि.	गति क. वि.	चन्द्र रा. अं. क वि	गति अं. क. वि	मंगल रा. अं. क	गति क.
१२६८	१	शनि.	५ ७ २० १२	५८ ४७	५ ९ ३५ ५३	१० ४८ ५७	४ १७ १६	३८
१२६९	२	रवि.	५ ८ १८ ५९	५८ ४९	५ २३ २४ ५०	१३ २२ १४	४ १७ ५४	३८
१२७०	३	सोम.	५ ९ १७ ४८	५८ ५१	६ ६ ५४ ४	१३ ६ ५७	४ १८ ३२	३८
१२७१	४	मंगल.	५ १० १६ ३९	५८ ५३	६ २० १ १	१२ ४३ १	४ १९ १०	३८
१२७२	५	बुध.	५ ११ १५ ३२	५८ ५५	७ २ ४४ २	१२ २७ २२	४ १९ ४८	३८
१२७३	६	गुरु.	५ १२ १४ २७	५८ ५७	७ १५ ११ २४	१२ ८ १३	४ २० २६	३८
१२७४	७	शुक्र	५ १३ १३ २४	५८ ५९	७ १७ १९ ३०	११ ५८ ३४	४ २१ ४	३८
१२७५	८	शनि.	५ १४ १२ २३	५९ १	८ ९ १८ ११	११ ५२ ३७	४ २१ ४२	३८
१२७६	८	रवि.	५ १५ ११ २४	५९ ३	८ २१ १० ४८	११ ५१ ५८	४ २२ २०	३८
१२७७	९	सोम.	५ १६ १० २७	५९ ५	९ ३ २ ४६	११ ५४ ५७	४ २२ ५८	३८
१२७८	१०	मंगल.	५ १७ ९ ३२	५९ ७	९ १४ ५७ ४३	१२ ४ ३४	४ २३ ३६	३८
१२७९	११	बुध.	५ १८ ८ ३९	५९ ९	९ २७ २ १७	१२ १५ २१	४ २४ १४	३८
१२८०	१२	गुरु.	५ १९ ७ ४८	५९ ११	१० ९ १७ ४२	१० ३० २२	४ २४ ५२	३८
१२८१	१३	शुक्र.	५ २० ६ ५९	५९ १३	१० २१ ४८ ४	१२ ४८ ५७	४ २५ ३०	३८
१२८२	१४	शनि.	५ २१ ६ १२	५९ १६	११ ४ ३७ १	१३ ० २५	४ ६ ८	३८
१२८३	१५	रवि.	५ २२ ५ २८	५९ १७	११ १९ ३७ २६	१३ १८ ५८	४ २६ ४६	३८

श. २५ आश्विन शु. ८ शनौ । प्रभाकर अहर्गण ५२९२ अयनांशाः २२°।५०'।२४"

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
५	८	४	५	१०	६	११	६
१४	९	२१	६	०	२८	२२	२६
१२	१८	४२	४३	६	४५	१	४१
२३	११	११	६	२४	१४	९	५२
५९	७२२	३८	१०९		३	४५	५	३
४६	३७	१०	९	१	४	७	११

मास फलम्

इस महिने मे नागपूर तथा मालवा प्रान्त म मलेरिया ज्वर की सिकायत अधिक प्रमाण में होगी। रूई चांदी तथा सोने का भाव मदा रहेगा। मास के मध्य मे कहीं २ मध्यप्रान्त के बीच वृष्टि अधिक होने से हानि

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	सितम्बर–अक्टूबर १९३८ इ.। दक्षिणायने शरदृतुः।
१	[illegible]	नवरात्रारंभः। मातामह श्राद्धं। इष्टिः
२	[illegible]	चन्द्रदर्शनं। उ फा. बुध २६।२५
३	[illegible]	साबान ८ मु. हस्ते रविः ४३।२ वाहन मंडूक स्त्री. स्त्री. सू. सू.
४	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ११।२४ भद्रा स. स्टँ. २३।४४ विनायकी ४ कन्यायां बुधः १८।२० शु. चं. यु.
५	[illegible]	ललिता ५ पू. फा. ३ भौमः ३।९
६	[illegible]	
७	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ४।३
८	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. १७।१५ अक्टूबर १० दुर्गा ८ + राहु-भरण्यां ४ केतुः २०।०
८	[illegible]	सरस्वती आवाहनं महानवमी। हस्ते बुधः ४५।८ वृश्चिके शुक्रः ०।० विशा २ +
९	[illegible]	सरस्वती बलिदानम् नवरात्रोत्थापन। पू. फा ४ भौमः ३४।४४ वक्री धनिष्ठा २ मकरे गुरु ०।०
१०	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. २३।० विजया दशमी। सरस्वती विसर्जनम्। (श्रवण योगवति ×
११	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. १३।४ पाशांकुशा ११ सर्वेषां। बु. चं. यु. ×सत्वात्परैवेति धर्मसिंधुः)
१२	[illegible]	प्रदोष। व्यातिपात महापातः स्पर्श स्टँ. १०।१ मोक्ष स्टँ.१५।२१ आजूर पारसी
१३	[illegible]	अनुराधायां शुक्रः २६.८ = उ. फा. १ भौमः ५०।३२
१४	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. १५।२५ भद्रा स. स्टँ. ३।१७ रात्रौ। शरद् १५ कोजागरव्रतम् =
१५	[illegible]	कार्तिक स्नानारंभः। श चं. यु.। आग्रयणं। अन्वाधानं। मु सुबेरात।

तिथि	बुध रा. अं. क.	गति अं क	गुरु रा. अं. क.	गति क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं क	शनि रा. अं. क	गति क.	राहु रा. अं. क. वि.	गति क. वि
१	४ २४ ७	१ ४६	१० ० ३४	व ४	६ २२ [illegible]	० ५२	११ २२ ३६	व ५	६ २७ ९ १९	३ ११
२	४ २५ ५३	१ ४७	१० ० ३०	४	६ २३ ५१	० ५१	११ २२ ३१	५	६ २७ ४ ८	३ ११
३	४ २७ ४०	१ ४८	१० ० २६	४	६ २४ ४२	० ५१	११ २२ २६	५	६ २७ ० [illegible]	३ ११
४	४ २९ २८	१ ४८	१० ० २२	४	६ २५ २३	० ५०	११ २२ २१	५	६ २६ ५७ ४६	३ ११
५	५ १ १६	१ ४९	१० ० १८	४	६ २६ २३	० ४९	११ २२ १६	५	६ २६ ५४ [illegible]	३ १०
६	५ ३ ५	१ ४९	१० ० १४	४	६ २७ १२	० ४७	११ २२ ११	५	६ २६ ५१ २५	३ ११
७	५ ४ ५४	१ ४९	१० ० १०	४	६ २७ ५९	० ४६	११ २२ ६	५	६ २६ ४८ १४	३ ११
८	५ ६ ४३	१ ४९	१० ० ६	३	६ २८ ४५	० ४५	११ २२ १	५	६ २६ ४[illegible] ३	३ ११
८	५ ८ ३०	१ ५०	१० ० ३	३	६ २९ ३०	० ४४	११ २१ ५६	५	६ २६ ४[illegible] २	३ ११
९	५ १० २२	१ ४८	१० ० ०	३	७ ० १४	० ४०	११ २१ ५१	५	६ २६ ३८ ५१	३ ११
१०	५ [illegible] १०	१ ४[illegible]	९ २९ ५[illegible]	३	७ ० ५४	० ४५	११ २१ ४६	५	६ २६ [illegible] ३	३ १०
११	५ १३ ५८	१ ४७	९ [illegible] ४	३	७ १ ३९	० ४२	११ २१ ४१	५	६ २६ ३२ २०	३ ११
१२	५ १[illegible] ४[illegible]	१ ४४	९ २९ [illegible]	३	७ २ २१	० ४२	११ २१ ३६	५	६ २६ २[illegible] ९	३ ११
१३	५ १७ २९	१ [illegible]८	९ २९ ४८	२	७ ३ ३	० ३९	११ २१ ३१	५	६ २६ २५ ५८	३ ११
१४	५ १९ १[illegible]	१ ४[illegible]	९ २९ ४६	२	७ ३ ४२	० ३९	११ २२ २६	५	६ २६ [illegible]२ ४७	[illegible] ११
१५	५ २१ २	१ ४४	९ २९ ४५	व २	७ ४ २[illegible]	० ३१	११ २१ २१	व ५	६ २६ १९ ३७	[illegible] ११

मास फलम् — अ. २६ आश्विन शु १५ ०वौ प्रभाकर अहर्गण ५३०० अयनांशाः २२°।५९'।२५"

...होगी। बंबई तथा गुजरात प्रान्त में समाज तथा संप्रदाय के बीच आपसमें उत्पात अधिक होंगे। मीन तथा वृषभ राशिवालों को यह मास लाभ दायक है।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
५	११	४	५	९	७	११	६
२२	१७	२६	२१	२९	४	२१	२६
५	३७	४६	२	४४	२१	२१	१९
२८	२६	३२	२४	१०	९	७	३७
५९	७१८	३८	७०४	२	३१	५	३
१७	५८	०	१४	९	१०	२	११

कार्तिक कृष्ण पक्षः

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० कार्तिक कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
राक्षस	१	सो.	१९	४१	अ	५४	३१	ह	५२	०	कौ	१९	४१	तै	४७	५७	२९ १७	६ २४	६ ६	२४	१५	५	१०	मेष
मुसल	२	मं.	१६	१३	भ	५२	४५	व	४६	१४	ग	१६	१३	व	४४	२५	१४	२४	६	२५	१६	६	११	मेष
च. व.	३	बु.	१२	३८	कृ	५०	१६	सि	४०	०	वि	१२	३८	ब	४०	२६	११	२४	५	२६	१७	७	१२	७ १० वृषभ
उत्पात	४	गु.	८	१४	रो	४७	२४	व्य	३३	२५	बा	८	१४	कौ	३५	५२	७	२५	४	२७	१८	८	१३	वृषभ
मानस	५	शु.	३ ५१	३० ५३	मृ	४४	१७	व	२६	३८	तै	३	३०	ग	३१ ५१	४० ५३	४	२५	३	२८	१९	९	१४	१५ ५० मिथुन
मुद्गर	७	श.	५३	२३	आ	४१	०	प	१९	४०	वि	२६	३८	ब	५३	२३	२९ १	२६	२	२९	२०	१०	१५	मिथुन
ध्वज	८	र.	४७	५९	पु	३७	२४	शि	१२	३५	बा	२०	४१	कौ	४७	५९	२८ ५८	६ २६	१	३०	२१	११	१६	२३ ४० कर्क
प्रजापति	९	सो.	४२	४६	पु.	३४	४	सि	५ ५८	२४ १०	तै	१५	२२	ग	४२	४६	५५	२६	६ ०	१	२२	१२	१७	कर्क
आनंद	१०	मं.	३७	२७	आ	३०	३३	शु	५०	५८	व	१०	६	वि	३७	२७	५१	२७	५ ५९	२	२३	१३	१८	३० ३० सिंह
ए. व्र.	११	बु.	३२	२५	म	२७	१७	शु	४४	६	ब	४	१६	बा	३२	२५	४८	२७	५८	३	२४	१४	१९	सिंह
प्र. व्र.	१२	गु.	२७	५७	पू	२४	३२	ब्र	३७	४३	कौ	० २७	११ ५७	ग	५६	७	४५	२८	५८	४	२५	१५	२०	३१ ० कन्या
रूप	१३	शु	२४	१७	उ	२२	३४	ऐं	३२	२	च	२४	१७	वि	५२	५२	४२	२८	५७	५	२६	१६	२१	कन्या
महालक्ष्मी	१४	श.	२१	२८	ह	२१	३२	वै	२७	३	श	२१	२८	च	५०	३७	३९	२९	५६	६	२७	१७	२२	५१ ३२ तुल
अमा	३०	र.	१९	४७	चि	२१	२४	वि	२२	५०	ना	१९	४७	किं	४९	११	३६	२९	५५	७	२८	१८	२३	तुल

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.	चन्द्र रा	अं.	क.	वि.	गति अं.	क.	वि.	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क.
१२८४	१	सोम.	५	२३	४	४५	५९	१९	०	०	५६	२४	१३	३६	२२	४	२७	२४	३८
१२८५	२	मङ्गल.	५	२४	४	४	५९	२२	०	१४	३२	४६	१३	४७	१३	४	२८	२	३८
१२८६	३	बुध.	५	२५	३	२६	५९	२४	०	२८	१९	५९	१३	५५	३३	४	२८	४०	३८
१२८७	४	गुरु.	५	२६	२	५०	५९	२५	१	१२	१५	३२	१४	१	२	४	२९	१८	३८
१२८८	५	शुक्र.	५	२७	२	१५	५९	२८	१	२६	१६	३४	१४	४	३३	४	२९	५६	३८
१२८९	७	शनि.	५	२८	१	४३	५९	३०	२	१०	२९	७	१४	७	१	५	०	३४	३८
१२९०	८	रवि.	५	२९	१	१३	५९	३२	२	२४	२८	८	१४	९	२२	५	१	१२	३८
१२९१	९	सोम.	६	०	०	४५	५९	३४	३	८	३७	३	१४	९	५८	५	१	५०	६८
१२९२	१०	मङ्गल.	६	१	०	१९	५९	३६	३	२२	४७	२८	१४	९	२५	५	२	२८	३८
१२९३	११	बुध.	६	१	५९	५५	५९	३७	४	६	५६	५३	१४	२	४५	५	३	६	३८
१२९४	१२	गुरु.	६	२	५९	३२	५९	३९	४	२०	५९	३८	१३	५२	३४	५	३	४४	३८
१२९५	१३	शुक्र.	६	३	५९	११	५९	४२	५	४	५२	१२	१३	३८	१३	५	४	२२	३८
१२९६	१४	शनि.	६	४	५८	५३	५९	४४	५	१८	३०	३५	१३	२६	४६	५	५	०	३८
१२९७	३०	रवि.	६	५	५८	३७	५९	४६	६	१	५६	११	१३	११	४५	५	५	३८	३८

अ. २७ कार्तिक कृष्ण ८ रवौ प्रभाकर अहर्गण ५३०७ अयनांशाः २२°।५९'।२६"

तुला संक्रांति फलम्
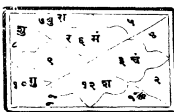
७ बु रा
शु
५
८
२ ६ मं
९
३ चं
१० गु
१२ श
२

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
५	२	५	६	९	७	११	६
२९	२४	१	२	२९	८	२०	२५
१	२८	१२	५६	३४	१८	५३	५७
१३	८	११	३४	६	९	१३	२१
५९	३४१	३८	९९	०	२९	४	३
३२	२२	९	६	२२	१०	९	११

कार्तिक कृष्ण ८ रवौ तुलायामर्कः प्र. वा. ३ न. ५ वा. ना. घोरा। शुद्र सुखी। न. ना. ध्वांक्षी। मध्याह्न व्यापिनी। द्विजान् हन्ति। पश्चिमे गमनं। वायव्यां दृष्टिः। तैतिल करणे प्र.। नेष्ट फलं। रासभ वाहनं। मींढा

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	अक्टूबर १९३८ ई. । दाक्षिणायने शरदृतुः
१	५ २२ ४० २२	चित्रायां रविः १५।२६ चित्रायां बुधः १९।४९ बु. र. यु.
२	५ २३ ३९ ४९	भद्रा प्रा. स्टँ. ०।१३
३	५ २४ ३९ १८	भद्रा स. स्टँ. ११।३० संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्टँ. २०।११.
४	५ २५ ३८ ५०	तुलायां बुधः ५७।०
५	५ २६ ३८ २४	भद्रा प्रा. स्टँ. ६।२४
७	५ २७ ३८ १	भद्रा स. स्टँ. १७।६ कन्यायां भौमः ४१।३
८	५ २८ ३७ ४१	तुलेर्कः ५९।१५ मु. ३०
९	५ २९ ३७ २२	❀ व्यतिपात महापात स्पर्श स्टँ. १०।५० मोक्ष स्टँ. १९।२
१०	६ ० ३७ ५	भद्रा प्रा. स्टँ. १०।२९ भद्रा स. स्टँ. २१।२६ स्वात्यां बुधः १६।२२ । मु. अलविदा ❀
११	६ १ ३६ ५१	रमा ११ गोवत्स उ. फा. ३ भौमः २२।६
१२	६ २ ३६ ३९	प्रदोष । मार्गी गुरुः । धन १३
१३	६ ३ ३६ २९	भद्रा प्रा. स्टँ. १६।१० भद्रा स. स्टँ. ३।३६ रात्रौ शिवरात्रिव्रत । मं. चं. यु.
१४	६ ४ ३६ २२	नरक १४ लक्ष्मीपूजनम्
३०	६ ५ ३६ १७	गोवर्धनपूजा अन्नकूट बलिदानम् । स्वात्यां रविः ४१।३२ । जैन महावीर निर्वाण ।

तिथि	बुध रा. अं. क.	गति अं. क.	गुरु रा. अं क	गति क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा. अं. क	गति क.	राहु रा. अं. क. वि.	गति क. वि.
१	५ २२ ४६	१ ४३	९ २९ ४२ व	२	७ ५ ०	० ३६	११ २१ १७ व	४	६ २६ १६ २६	३ ११
२	५ २४ २९	१ ४३	९ २९ ४०	२	७ ५ ३६	० ३५	११ २१ १३	४	६ २६ १३ १५	३ ११
३	५ २६ १२	१ ४२	९ २९ ३८	२	७ ६ ११	० ३७	११ २१ ९	४	६ २६ १० ४	३ ११
४	५ २८ ५४	१ ४१	९ २९ ३६	१	७ ६ ४८	० २९	११ २१ ५	४	६ २६ ६ ५३	३ १०
५	६ ० ३५	१ ४१	९ २७ ३५	१	७ ७ १७	० ३२	११ २१ १	४	६ २६ ३ ४३	३ ११
७	६ १ १६	१ ४०	९ २९ ३४	०	७ ७ ४९	० २९	११ २० ५७	४	६ २६ ० ३२	३ ११
८	६ २ ५६	१ ३९	९ २९ ३४	०	७ ८ १८	० २९	११ २० ५३	४	६ २५ ५७ २१	३ ११
९	६ ४ ३५	१ ३८	९ २९ ३४	०	७ ८ ४७	० २५	११ २० ४९	४	६ २५ ५४ १०	३ १०
१०	६ ६ १३	१ ३९	९ २९ ३४	०	७ ९ १२	० २६	११ २० ४५	४	६ २५ ५१ ०	३ ११
११	६ ७ ५२	१ ३७	९ २९ ३४	०	७ ९ ३८	० २०	११ २० ४१	५	६ २५ ४७ ४९	३ ११
१२	६ ९ २९	१ ३८	९ २९ ३४ मा	०	७ ९ ५८	० २३	११ २० ३६	५	६ २५ ४४ ३८	३ ११
१३	६ ११ ७	१ ३४	९ २९ ३४	०	७ १० २१	० २०	११ २० ३१	५	६ २५ ४१ २७	३ १०
१४	६ १२ ४१	१ ३७	९ २९ ३४	०	७ १० ४१	० १८	११ २० २६	५	६ २५ ३८ १७	३ ११
३०	६ १४ १८	१ ३३	९ २९ ३४	०	७ १० ५९	० १४	११ २० २१ व	५	६ २५ ३५ ६	३ ११

संक्रांति फलम् अ. २८ कार्तिक कृष्ण ३० रवौ । प्रभाकर अहर्गण ५३१४ अयनांशाः २२°।५९'।२७"

उपवाहनं । शुभ फलं । श्वेत वस्त्रं । दंडायुधं । कांस्य पात्रं । पक्वान्न भक्षणं । मृत्तिका लेपनं । पक्षी जाति । केवडा पुष्पं । प्रवाल भूषणं । युवावस्था । (सूती) मु. ३० वत्सः पूर्वे । राहुः उत्तरे । मूलं भूमौ ।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
६	६	५	६	९	७	११	६
५	१	५	१४	२९	१०	२०	२५
५८	५६	३८	१८	३४	५९	२१	३५
३७	११	३४	९	१२	०	१०	६
५९	७११	३८	३३	०	१८	५	३
४६	४५	३०	९	१२	०	१०	११

कार्तिक शुक्ल पक्षः

आनन्दादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० कार्तिक शुक्ल पक्षः तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	पूर्व करण करण	घटी	पल	उत्तर करण करण	घटी	पल	शहर इन्दौर का दिनमान	उदय	अस्त	तारीख हिन्दी	मुसलिम	पारसी	अंग्रेजी	चन्द्रः
छत्र	१	मो	१९	१६	स्वा	२७	३३	प्री	१९	३७	व	१९	१६	बा	४९	३१	२८ ११	२१	५७	८	२९	१९	२४	तुल
श्रीवत्स	२	मं	९	४७	वि	२५	८	आ	१३	३३	कौ	१९	४७	तै	५१	१६	३०	३०	५४	९	१	२०	२५	९ २९ वृश्चिक
सौम्य	३	बु	२२	४५	अनु	२९	१०	सौ	१६	४०	ग	२२	४५	व	५४	४०	२७	३१	५३	१०	२	२१	२६	वृश्चिक
कालदण्ड	४	गु	२६	३५	ज्ये	३४	०८	शो	१६	४७	वि	२६	३५	ब	१९	७	२४	३१	५२	११	३	२२	२७	३४ २८ धन
सौभाग्य	५	शु	२१	४०	मू	४०	५३	अ	१७	५४	बा	२१	४०	कौ	६०	०	२१	३२	५२	१२	४	२३	२८	धन
मतंग	६	श	१७	३५	पू	१८	५	सु	१९	४०	कौ	४	३७	तै	३७	३५	१८	३२	५१	१३	५	२४	२९	धन
रवि स.	७	र	४२	१	उ	०५	२०	धृ	२१	५०	ग	१०	४३	व	४२	५१	१५	३३	५०	१४	६	२५	३०	४ ५४ मकर
सिद्धि	८	सो	४९	४५	श्र	६०	०	शू	२२	५७	वि	१६	४८	ब	४५	४५	१२	३३	५०	१५	७	२६	३१	मकर
उत्पात	९	म	५५	३	श्र	२	३०	गं	२५	२९	बा	२२	२४	कौ	५५	३	९	३४	४९	१६	८	२७	१	३५ ३८ कुंभ
मित्र	१०	बु	५८	५६	ध	८	४५	वृ	२६	१९	तै	२६	५९	ग	५८	५६	६	३४	४८	१७	९	२८	२	कुंभ
ए. व्र.	११	गु	६०	०	श	१३	४१	ध्रु	२६	२	व	२९	२८	वि	६०	०	३	३४	४८	१८	१०	२९	३	कुंभ
ए. व्र.	११	शु	०	३	पू	१६	५५	व्या	२४	२९	वि	०	३	ब	३२	४९	२०	३५	४७	१९	११	३०	४	२ ३ मीन
प्रदोष	१२	श	५	३५	उ	८	२८	ह	०१	३४	बा	५	३५	कौ	३५	१०	२७ ५५	३५	४७	२०	१२	१	५	मीन
प्रवर्ध	१३	र	५५ ५२	५४ ५१	रे	१८	३०	व	१७	२१	तै	५	४	ग	३२ ५१	२८ ५३	५५	३६	४६	२१	१३	२	६	१८ ३० मेष
का. पौ.	१५	सो	५३	५४	अ	१७	०	सि	११	१६	वि	२६	२३	ब	५३	५४	५२	३७	४६	२२	१४	३	७	मेष

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य ग.	अ	क.	वि	गति क.	वि	चन्द्र ग	अं.	क.	वि.	गति अं.	क	वि	मङ्गल ग.	अं.	क.	गति क.
१२९८	१	सोम.	६	६	५८	२३	५९	४७	६	१८	८	५६	१२	५४	२२	५	६	१६	३८
१२९९	२	मङ्गल.	६	७	५८	१०	५९	४३	६	२८	३	१८	१२	३५	४९	५	६	५४	३८
१३००	३	बुध.	६	८	५७	५९	५९	५२	७	१०	३९	७	१२	२२	३४	५	७	३२	३८
१३०१	४	गुरु.	६	९	५७	५१	५९	५४	७	२३	१	४१	१२	८	१३	५	८	१०	३८
१३०२	५	शुक्र.	६	१०	५७	४५	५९	५५	८	५	९	५४	११	५९	१०	५	८	४८	३८
१३०३	६	शनि.	६	११	५७	४०	५९	५८	८	१७	३	४	११	५२	३०	५	९	२६	३८
१३०४	७	रवि.	६	१२	५७	३८	५९	५९	८	२९	१	४१	११	५१	२१	५	१०	४	३८
१३०५	८	सोम.	६	१३	५७	३७	६०	१	९	१०	५३	२	११	५६	४६	५	१०	४२	३८
१३०६	९	मङ्गल	६	१४	५७	३	६०	३	९	२२	४९	४८	१२	२	४९	५	११	२०	३८
१३०७	१०	बुध.	६	१५	५७	४	६०	५	१०	४	५२	३७	१२	१७	५०	५	११	५८	३८
१३०८	११	गुरु.	६	१६	५७	४	६०	७	१०	१७	९	४७	१२	३२	९	५	१२	३६	३८
१३०९	११	शुक.	६	१७	५७	५३	६०	८	१०	२९	४१	५६	१२	५३	५४	५	१३	१४	३८
१३१०	१२	शनि.	६	१८	५८	१	६०	१०	११	१२	३५	१०	१३	१३	३३	५	१३	५२	३८
१३११	१३	रवि.	६	१९	५८	११	६०	१२	११	२५	४८	४३	१३	३५	१०	५	१४	३०	३८
१३१२	१५	सोम	६	२०	५८	२३	६०	१४	०	९	२३	५३	१३	५३	५३	५	१५	८	३८

अ. २९ कार्तिक शु. ८ सोमे प्रभाकर अहर्गण ५३२२ अयनांशाः २२°।५९'।२८"

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
६	९	५	६	९	७	११	६
१३	१०	१०	२६	२९	१२	१९	२५
५७	५३	४२	४२	४६	२	४९	९
३७	२	१३	७	४	०	१२	३९
६०	७०६	३८	९१	३	२	४	३
	१४६	९	०	१	१०	०	११

मास फलम्

रूई तथा चान्दी जिनके पास पोते है उन लोगों को विशेष फायदा इस महिने में रहेगा। धान्यका भाव तेज रहेगा। दिल्ली तथा लाहोर प्रान्त में फसल बिगड जाने से धान्य का

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	अक्टूबर-नवम्बर १९३८ इ. दक्षिणायने शरहतुः
१	[illegible]	चन्द्रदर्शनम् उ. फा. ४ भौमः ३७।५४ बु. चं. यु.। मु. इदुलफितर। सायन ×
२	[illegible]	रमजान १ मु. यम २ भ्रातृ २ × वृश्चिके भानुः २।१०
३	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ४।१९ रात्रौ। विशाखायां बुधः ३९।९ शु. चं. यु.
४	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. १७।५ विनायकी ४
५	[illegible]	वक्रगत्या रेवत्यां १ शनिः
६	[illegible]	हस्ते १ भौमः ५३।४१
७	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. २४।० § मोक्ष स्टँ. २।१२ रात्रौ
८	[illegible]	भद्रा स. स्टँ.१ ३।१० गोपाष्टमी वक्री शुक्रः दुर्गा ८ व्यतिपात महापात स्प. स्टँ. ७।५ §
९	[illegible]	नवम्बर ११ कुष्माण्ड नवमी गु. चं. यु. + गुरु ४०।०
१०	[illegible]	वृश्चिके बुधः १०।४० *हस्ते २ भौमः ९।२८ अनु. बुधः २५।१४ धनि ३ कुंभे +
११	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. १८।१४ प्रबोधिनी ११ स्मार्त भीष्मपंचक प्र. आ.। तुलसी विवाह *
११	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. ६।२८ चातुर्मास्य समाप्तिः। प्रबोधिनी ११ भागवत
१२	[illegible]	शनिप्रदोषः श. चं. यु. खोर्दाद पारसी =गुरुनानक जन्मदिन
१३	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ६।२४ रात्रौ वैकुंठ १४ विशाखायां रविः २१।१४
१५	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. १७।० त्रिपुरोत्सव। कार्तिकस्नान समाप्तिः। खग्रास चंद्रग्रहणम्। =

तिथि	बुध रा.	अं.	क.	गति अं.	क.	गुरु रा.	अं.	क.	गति क.	शुक्र रा.	अं.	क	गति अं.	क.	शनि रा.	अं.	क.	गति क	राहु रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.
१	६	१५	५१	१	३५	९	२९	३५	१	७	११	१३	०	१४	११	२०	१७	व ४	६	२५	३१	५५	३	११
२	६	१७	२६	१	३४	९	२९	३६	१	७	११	२०	०	१२	११	२०	१३	४	६	२५	२८	४४	३	११
३	६	१९	०	१	३३	९	२९	३७	१	७	११	३९	०	९	११	२०	९	४	६	२५	२५	३३	३	११
४	६	२०	३३	१	३३	९	२९	३८	२	७	११	४८	०	६	११	२०	५	४	६	२५	२२	२२	३	११
५	६	२२	६	१	३३	९	२९	४०	२	७	११	५४	०	४	११	२०	१	४	६	२५	१९	११	३	११
६	६	२३	३९	१	३२	९	२९	४२	२	७	११	५८	०	२	११	१९	५७	४	६	२५	१६	०	३	११
७	६	२५	११	१	३१	९	२९	४४	२	७	१२	०	०	२	११	१९	५३	४	६	२५	१२	४९	३	१०
८	६	२६	४२	१	३१	९	२९	४६	३	७	१२	२ व	०	२	११	१९	४९	४	६	२५	९	३९	३	११
९	६	२८	१३	१	३१	९	२९	४९	३	७	१२	०	०	५	११	१९	४५	४	६	२५	६	२८	३	११
१०	६	२९	४४	१	३०	९	२९	५२	३	७	११	५५	०	९	११	१९	४१	४	६	२५	३	१७	३	११
११	७	१	१४	१	२९	९	२९	५५	३	७	११	४६	०	९	११	१९	३९	४	६	२५	०	६	३	११
११	७	२	४३	१	२९	९	२९	५८	३	७	११	३७	०	१३	११	१९	३३	४	६	२४	५६	५५	३	१०
१२	७	४	१२	१	३१	१०	०	१	३	७	११	२४	०	१५	११	१९	२९	४	६	२४	५३	४५	३	११
१३	७	५	४३	१	२६	१०	०	४	४	७	११	९	०	१४	११	१९	२५	४	६	२४	५०	३४	३	११
१५	७	७	९	१	२१	१०	०	८	४	७	१०	५५ व		१५	११	१९	२१	व ४	६	२४	४७	२३	३	११

मास फलम अ. ३० कार्तिक शु. १५ सोमे प्रभाकर अहर्गणः ५३२९ अयनांशाः २२°।५९'।२९"

भाव तेजी के स्वरूप में स्थिर बना रहेगा। धातु पितल तांबा आदि का भाव मंदा होगा। मिथुन तथा धन राशि वालों को उत्तम द्रव्य लाभ का देने वाला है।

८ शु बु | ९ | ६ मं | रा ७ र | ५ | १० | ४ | ११ गु | चं १ के | ३ | १२ श | २

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
६	०	५	७	१०	७	११	६
२०	९	१५	७	०	१०	१९	२४
५८	२३	८	९	८	५५	२१	४७
२३	५३	२४	३६	१८	६	९	२३
६०	८३३	८८	८९	४	१६	४	३
१४	५३	०	१०	६	१०	०	११

आनंदादि योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	चन्द्रः
	सं. १९९५ श. १८६० मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				
अमृत	१	मं.	४८	४२	भ	१४	१९	व्य	५ ५८	३३ १४	चा	२१	१८	कौ	४८	४२	२७ ४१	६ ३७	५ ४५	२३	१५	४	८	२८ ५३ वृषभ
सिद्धि	२	बु.	४२	४३	कृ	१०	३६	प	५०	१७	तै	१५	४२	ग	४२	४३	४६	३८	४४	२४	१६	५	९	वृषभ
उत्पात	३	गु.	३६	१८	रो	६	१२	शि	४२	१	व	९	३१	वि	३६	१८	४४	३८	४४	२५	१७	६	१०	३३ ५० मिथुन
सिद्धि	४	शु.	२९	३८	मृ	१ ५६	२७ ३२	सि	३३	३५	ब	२ २९	३८ ५८	कौ	५६	१८	४१	३९	४३	२६	१८	७	११	मिथुन
अमृत	५	श.	२२	५८	पु	५१	४६	सा	२५	१०	तै	२२	५८	ग	४९	४८	३९	४०	४३	२७	१९	८	१२	३७ ५८ कर्क
श्रीवत्स	६	र.	१६	३८	पु	४७	३६	शु	१६	५७	व	१६	३८	वि	४३	१७	३६	४०	४२	२८	२०	९	१३	कर्क
सौम्य	७	सो.	१०	५६	आ	४४	१७	शु	९	२४	ब	१०	५६	बा	३८	२४	३४	४१	४२	२९	२१	१०	१४	४४ १७ सिंह
सिद्धि	८	मं.	५	५२	म	४१	१०	ब्र	२ ५५	१६ ४२	कौ	५	५२	तै	३३	११	३१	४२	४२	३०	२२	११	१५	सिंह
स्थिर	९	बु.	० ५८	३७ २४	पू	३९	१४	वै	५०	३	ग	०	३१	व	२९ ५८	२७ २४	२९	४२	४१	१	२३	१२	१६	५४ १ कन्या
ए. ब्र.	११	गु.	५६	९	उ	३८	२२	वि	४५	१४	ब	२७	१६	बा	५६	९	२७	४३	४१	२	२४	१३	१७	कन्या
ए. ब्र.	१२	शु.	५४	५६	ह	३८	२८	प्री	४१	११	कौ	२५	३२	तै	५४	५६	२४	४३	४१	३	२५	१४	१८	कन्या
प्रदोष	१३	श.	५४	४५	चि	३९	३२	आ	३७	५४	ग	२४	५०	व	५४	४५	२२	४४	४१	४	२६	१५	१९	९ ० तुल
लुंबक	१४	र.	५५	४२	स्वा	४१	३९	सौ	३५	२७	वि	२५	१३	श	५५	४२	२०	४४	४०	५	२७	१६	२०	तुल
सोमवती	३०	सो.	५७	३६	वि	४४	४५	शो	३३	४८	च	२६	३९	ना	५७	३६	१८	४५	४०	६	२८	१७	२१	२८ ५९ वृश्चिक

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.	चन्द्र रा.	अं.	क.	वि.	गति अं.	क.	वि.	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क.
१३१३	१	मङ्गल.	६	२१	५८	३७	६०	१६	०	२३	१७	६	१४	१०	३४	५	१५	४६	३८
१३१४	२	बुध.	६	२२	५८	५३	६०	१८	१	७	२७	४०	१४	२२	३३	५	१६	२४	३८
१३१५	३	गुरु.	६	२३	५९	११	६०	२०	१	२१	५०	१३	१४	२८	३७	५	१७	२	३८
१३१६	४	शुक.	६	२४	५९	३१	६०	२१	२	६	१८	५०	१४	३१	३४	५	१७	४०	३८
१३१७	५	शनि.	६	२५	५९	५२	६०	२३	२	२०	५०	२४	१४	२८	३७	५	१८	१८	३८
१३१८	६	रवि.	६	२७	०	१५	६०	२४	३	५	१९	१	१४	१८	२२	५	१८	५६	३८
१३१९	७	सोम.	६	२८	०	३९	६०	२६	३	१९	३७	२३	१४	६	३३	५	१९	३४	३८
१३२०	८	मङ्गल.	६	२९	१	५	६०	२७	४	३	४३	५६	१३	५९	२	५	२०	१२	३८
१३२१	९	बुध.	७	०	१	३२	६०	२९	४	१७	४२	५८	१३	४१	९	५	२०	५०	३८
१३२२	११	गुरु.	७	१	२	१	६०	३१	५	१	२४	७	१३	२६	४६	५	२१	२८	३८
१३२३	१२	शुक.	७	२	२	३२	६०	३२	५	१४	५०	५३	१३	१४	१३	५	२२	६	३८
१३२४	१३	शनि.	७	३	३	४	६०	३४	५	२८	५	६	१३	१	३४	५	२२	४४	३८
१३२५	१४	रवि.	७	४	३	३८	६०	३५	६	११	६	४०	१२	४८	२१	५	२३	२२	३८
१३२६	३०	सोम.	७	५	४	१३	६०	३७	६	२३	५५	५१	१२	३७	३७	५	२४	०	३८

अ. ३१ मार्गशीर्ष कृ ८ भौमे प्रभाकर अहर्गण ५३३७ अयनांशाः २२°।५९′।३०″ वृश्चिक संक्रांतिफलम्

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
६	४	५	७	१०	७	११	६
२९	३	२०	१८	०	६	१८	२४
१	४३	१२	३४	४३	४१	५५	२१
५	५६	१९	६	९	५	१२	५७
६०	८३९	३८	८२	५	३२	३	३
२७	२	४	११	०	७	१०	११

मार्गशीर्ष कृष्ण ८ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ वा. ना. महोदरी। चौर सुखी। न. ना. घोरा। शुद्र सुखी। अपराह्ण व्यापिनी। दाक्षिणे गमनं। नैऋत्यां दृष्टिः। गर करणे प्र.। मध्यम फलं। हस्ती वाहनं। उपवाहनं खरः।

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	नवम्बर १९३८ इ. । दक्षिणायने शरदृतुः
१	६ २१ ३९ ४०	बु. शु. यु.
२	६ २२ ४० ६	हस्ते ३ भौमः २५।१६
३	६ २३ ४० ३८	भद्रा प्रा. स्टँ. १०।१५ भद्रा स. स्टँ. २०।५८ संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्टँ. २०।१.
४	६ २४ ४१ ११	
५	६ २५ ४१ २६	वैधृति महापात स्पर्श स्टँ. १०।७ मोक्ष स्टँ. १८।५२
६	६ २६ ४२ २२	भद्रा प्रा. स्टँ. १३।६ भद्रा स. स्टँ. २३।४६ ज्येष्ठायां बुधः ३७।५१
७	६ २७ ४३ ०	हस्ते ४ भौमः ४१।३
८	६ २८ ४३ ३९	काला ८ कालभैरव जयंती । वृश्चिके रविः ५८।२७ मु ३०
९	६ २९ ४४ १९	भद्रा प्रा. स्टँ. १८।१४ भद्रा स. स्टँ. ५।४८ रात्रौ शुक्रास्तः पश्चिमे ३५।२४
११	७ ० ४५ १	उत्पत्ति ११ स्मार्त
१२	७ १ ४५ ४६	उत्पत्ति ११ भागवत । मं. चं. यु. ❀ चित्रा १भौमः २५।१६
१३	७ २ ४६ ३२	भद्रा प्रा. स्टँ. ४।२१ रात्रौ शनि प्रदोष । अनुराधायां रविः १६।४७ ❀
१४	७ ३ ४७ २१	भद्रा स. स्टँ १६।३२ शिवरात्रिव्रत। वक्री विशाखायां शुक्रः २८।३० शु. सू. यु. १३।३०
३०	७ ४ ४८ ११	सोमवती पुण्यम् ।

तिथि	बुध रा. अं. क.	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क	गति क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा. अं. क	गति क.	राहु रा. अं. क. वि.	गति क. वि
१	७ ८ ३८	१ २७	१० ० १२	४	७ १० ३६	व ० १९	११ १९ १७ च	४	६ २४ ४४ १२	३ ११
२	७ १० ५	१ २६	१० ० १६	४	७ १० १७	० २३	११ १९ १३	३	६ २४ ४१ १	३ १०
३	७ ११ ३१	१ २७	१० ० २०	४	७ ९ ५४	० २७	११ १९ १०	३	६ २४ ३७ ५१	३ ११
४	७ १२ ५८	१ २५	१० ० २४	४	७ ९ २७	० २९	११ १९ ७	३	६ २४ ३४ ४०	३ १०
५	७ १४ २३	१ २४	१० ० २८	५	७ ८ ५८	० ३०	११ १९ ४	३	६ २४ ३१ २९	३ ११
६	७ १५ ४७	१ २४	१० ० ३३	५	७ ८ २८	० ३२	११ १९ १	३	६ २४ २८ १८	३ ११
७	७ १७ ११	१ २३	१० ० ३८	५	७ ७ ५६	० ३४	११ १८ ५८	३	६ २४ २५ ७	३ १०
८	७ १८ ३४	१ २२	१० ० ४३	५	७ ७ २२	० ३५	११ १८ ५५	३	६ २४ २१ ५७	३ ११
९	७ १९ ५६	१ २१	१० ० ४८	६	७ ६ ४७	० ३५	११ १८ ५२	३	६ २४ १८ ४६	३ ११
११	७ २१ १७	१ १९	१० ० ५४	६	७ ६ १२	० ३६	११ १८ ४९	३	६ २४ १५ ३५	३ ११
१२	७ २२ ३६	१ १८	१० १ ०	६	७ ५ ३६	० ३६	११ १८ ४६	३	६ २४ १२ २४	३ ११
१३	७ २३ ५४	१ १६	१० १ ६	६	७ ५ ०	० ३६	११ १८ ४३	३	६ २४ ९ १३	३ १०
१४	७ २५ १०	१ १४	१० १ १२	६	७ ४ २४	० ३६	११ १८ ४०	३	६ २४ ६ ३	३ ११
३०	७ २६ २४	१ १३	१० १ १८	६	७ ३ ४८	व ० ३६	११ १८ ३७ व	३	६ २४ २ ५२	३ ११

संक्रांति फलम् अ. ३२ मार्ग कृष्ण ३० सोमे । प्रभाकर अहर्गण ५३४३ अयनांशाः २२°।५९'।३१"

लक्ष्मीकारक । रक्त वस्त्र । धनुष्यायुध । लोह पात्रं । पय भक्षणं । गोरोचन लेपनं । पशु जातिः । बिल्व पुष्पं । मुकुट भूषणं । सित कंचुकी । प्रौढावस्था । वस्तः दक्षिणे । पूर्वे राहुः । मूलं पाताले । (बैठी) मुहूर्ताः ३० ।

९ रा७चं
१० ४ शु ८ बु ६ मं
११गु ५
१२ श २ ४
१के ३

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
७	६	५	७	१०	७	११	६
५	२३	२४	२६	१	३	१८	२४
४	५५	०	१४	१८	१	३७	२
१३	१	२२	२४	६	९	१३	५२
६०	७५७	३८	७३	६	४०	३	३
३७	३७	१०	२	०	०	४	११

आनंदादि योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	पूर्व करण: करण	घटी	पल	उत्तर करण: करण	घटी	पल	शहर इन्दौर का: दिनमान	सू. उदय	सू. अस्त	तारीख: हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	चन्द्रः
	सं. १९९५ श. १८६० मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः																							
अमृत	१	मं	६०	०	ऽनु	४०	०	अ	३३	१	किं	२८	४८	ब	६०	०	२७/२९	९/४९	५/४०	७	२९	१८	२२	वृश्चिक
ध्वांक्ष	१	बु	०	४८	ज्ये	५४	१७	सु	३३	६	ब	०	४८	बा	३२	५६	१४	४६	४०	८	३०	१९	२३	५४/५७ धन
धूम्र	२	गु	५	५	मू	६०	०	धृ	३३	५७	कौ	५	५	तै	३७	४२	१२	४७	४०	९	१	२०	२४	धन
प्रवर्ध	३	शु	१०	२०	मू	०	३१	शू	३५	३०	ग	१०	२०	व	४३	२१	१०	४८	४०	१०	२	२१	२५	धन
सिद्धि	४	श	१६	२२	पू	७	३७	गं	३७	२७	वि	१६	२२	ब	४९	२९	८	४८	४०	११	३	२२	२६	२४/२७ मकर
अमृत	५	र	२२	३७	उ	१४	५६	वृ	३९	३२	बा	२२	३७	कौ	४५	४४	६	४९	४०	१२	४	२३	२७	मकर
सिद्धि	६	सो	२८	५१	श्र	२२	१७	ध्रु	४१	३१	तै	२८	५१	ग	६०	०	४	५०	४०	१३	५	२४	२८	५५/४५ कुंभ
उत्पात	७	मं	३४	४२	ध	२९	१४	व्या	४२	६	ग	१	४६	व	३४	४२	२	५१	४०	१४	६	२५	२९	कुंभ
बुधाष्टमी	८	बु	३९	२२	श	३५	१४	ह	४३	५१	वि	७	२	ब	३९	२२	१	५२	४०	१५	७	२६	३०	कुंभ
अमृत	९	गु	४२	३०	पू	३९	४५	व	४३	२०	बा	१०	५६	कौ	४२	३०	२६/५९	६/५२	५/४०	१६	८	२७	१	२३/२२ मीन
ध्वज	१०	शु	४३	४८	उ	४२	३१	सि	४१	२५	तै	१३	९	ग	४३	४८	५७	५३	४०	१७	९	२८	२	मीन
ए. म.	११	श	४३	१३	रे	४३	२७	व्य	३८	३	व	१३	३०	वि	४३	१३	५६	५३	४०	१८	१०	२९	३	४३/१७ मेष
आनंद	१२	र	४०	४४	अ	४२	३३	व	३३	१२	ब	११	५८	बा	४०	४४	५५	५४	४१	१९	११	३०	४	मेष
प्र व	१३	सो	३६	२६	भ	३९	५१	प	२६	५५	कौ	८	३५	तै	३६	२६	५३	५४	४१	२०	१२	१	५	५७/८ वृषभ
गदः	१४	मं	३०	३७	कृ	३५	४१	शि	१६	५४	ग	१/१०	१२/१७	वि	५७	९	५२	५५	४१	२१	१३	२	६	वृषभ
पौर्णिमा	१५	बु	२३	४१	रो	३०	२५	सि	१०	५५	व	२३	४१	चा	४९	४७	५१	५६	४१	२२	१४	३	७	५७/२३ मिथुन

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क	वि.	चन्द्र रा.	अं.	क	वि	गति अं.	क.	वि.	मंगल रा.	अं.	क.	गति क.
१३२७	१	मङ्गल.	७	६	४	५९	६०	३८	७	६	३२	३८	१२	२३	४६	५	२४	३७	३७
१३२८	१	बुध.	७	७	५	२८	६०	३९	७	१८	५६	२४	१२	१३	३४	५	२५	१४	३७
१३२९	२	गुरु.	७	८	६	७	६०	४१	८	१	९	५८	१२	४	१	५	२५	५१	३७
१३३०	३	शुक	७	९	६	४८	६०	४३	८	१३	१३	५९	११	५५	३३	५	२६	२८	३७
१३३१	४	शनि.	७	१०	७	३१	६०	४४	८	२५	९	३२	११	५३	१४	५	२७	५	३७
१३३२	५	रवि.	७	११	८	१५	६०	४५	९	७	२	४६	११	५१	५७	५	२७	४२	३७
१३३३	६	सोम.	७	१२	९	०	६०	४६	९	१८	५४	४३	११	५४	२२	५	२८	१९	३७
१३३४	७	मंगल.	७	१३	९	४६	६०	४७	१०	०	४९	५	१२	०	२५	५	२८	५६	३७
१३३५	८	बुध.	७	१४	१०	३३	६०	४९	१०	२२	४९	३०	१२	१२	५८	५	२९	३३	३७
१३३६	९	गुरु.	७	१५	११	२२	६०	५०	१०	२५	२	२८	१२	३०	५७	६	०	१०	३७
१३३७	१०	शुक	७	१६	१२	१२	६०	५१	११	७	३३	२५	१२	५१	२५	६	०	४७	३७
१३३८	११	शनि.	७	१७	१३	३	६०	५२	११	२०	२४	५०	१३	१४	१०	६	१	२४	३७
१३३९	१२	रवि.	७	१८	१३	५५	६०	५३	०	३	३९	०	१३	३९	२२	६	२	१	३७
१३४०	१३	सोम.	७	१९	१४	४८	६०	५४	०	१७	१८	२२	१४	५	४९	६	२	३[illegible]	३८
१३४१	१४	मंगल	७	२०	१५	४२	६०	५५	१	१	२४	११	१४	२७	२१	६	३	१६	३८
१३४२	१५	बुध.	७	२१	१६	३७	६०	५६	१	१५	५१	३२	१४	५४	५०	६	३	[illegible]	३८

अ. ३३ मार्गशीर्ष श. ८ बुधे । प्रभाकर अहर्गण ५३५२ अयनांशाः २२°।५९'।३२"

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
७	१०	५	८	१०	६	११	६
१४	१२	२९	५	२	२८	१८	२३
१०	४९	३३	१६	२१	५५	१९	३४
३३	३०	२१	२४	७	१३	४	१५
६७	७३२	३७	३४	८	२४	२	३
४९	५८	१०	७	०	१३	४	१०

मास फलम्

इस महिने में अनाज का भाव तेज रहेगा। घृत (घी) गुड, तथा शक्कर आदिका भाव भी तेज रहेगा। अन्य देशों में तथा युरोप खंड के राजा लोगों में मत विरोध प्रबल

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	नवम्बर–डिसेंबर १९३८ इ.। दक्षिणायने हेमन्त ऋतुः।
१	[illegible]	मल्हारी नवरात्रारंभः। देव दिपवाली। शु. चं. यु.। सायन धने भानुः५५।४
१	[illegible]	चन्द्रदर्शनं।
२	[illegible]	सव्वाल १० मु. ईद। मूले धने बुधः ५।३२ शुक्रोदयः पूर्वे २३।०
३	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टॅं२३।४८ विनायकी ४ चित्रा २ भौमः १९।२७
४	[illegible]	भद्रा स. स्टॅं. १३।०
५	[illegible]	नागपूजा देशाचारे। वक्रगत्या तुले शुक्रः ४०।०
६	[illegible]	चंपाषष्ठी।
७	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टॅं. २०।२७ गु. चं. यु.।
८	[illegible]	भद्रा स. स्टॅं. ९।१६ दुर्गा ८। तुले चित्रा ३ भौमः ४३।४६
९	[illegible]	डिसेंम्बर १२
१०	[illegible]	ज्येष्ठायां रविः २७।२६ उभायां ल. गोधूंलि रे. ९॥॥॥ऽ॥
११	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टॅं. ११।५१ भद्रा स. स्टॅं. २३।४४ मोक्षदा ११ सर्वेषां। श. चं. यु.
१२	[illegible]	विशाखा १ राहु भरणी ३ केतुः २०।०
१३	[illegible]	सोमप्रदोष। वक्री बुधः। बहमन पारसी
१४	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टॅं. १८।४२ भद्रा स. स्टॅं. ५।११ रात्रौ। चित्रा ४ भौमः ६।१९
१५	[illegible]	दत्तजयंती धनिष्ठायां ४ गुरुः ६।४० रोहिण्यां ल. ३ गोधूलि रे. ८॥॥॥ऽऽ॥

तिथि	बुध रा अं क.	गति अं क	गुरु रा. अ क.	गति क	शुक्र रा. अं. क.	गति अं क	शनि रा. अं. क	गति क.	राहु रा अं क. वि.	गति क. वि
२	७ २७ ३७	१ ९	१० १ २४	६	७ ३ १२	व ० ३६	११ १८ ३५	व २	६ २३ ५९ ५१	३ ११
१	७ २८ ४६	१ ८	१० १ ३०	६	७ २ ३६	० ३५	११ १८ ३३	२	६ २३ ५६ ३०	३ १०
२	७ २९ ५४	१ ५	१० १ ३६	७	७ २ १	० ३४	११ १८ ३१	२	६ २३ ५३ २०	३ ११
३	८ ० ५९	१ ०	१० १ ४३	७	७ १ २७	० ३३	११ १८ २९	२	६ २३ ५० ९	३ १०
४	८ १ ५९	० ५६	१० १ ५०	७	७ ० ५८	० ३२	११ १८ २०	२	६ २३ ४६ ५९	३ ११
५	८ २ ५५	० ५२	१० १ ५७	८	७ ० २२	० ३१	११ १८ २५	२	६ २३ ४३ ४८	३ ११
६	८ ३ ४७	० ४८	१० २ ५	८	६ २९ ५१	० २९	११ १८ २३	२	६ २३ ४० ३७	३ ११
७	८ ४ ३५	० ४१	१० २ १३	८	६ २९ २२	० २७	११ १८ २१	२	६ २३ ३७ २६	३ ११
८	८ ५ १६	० ३४	१० २ २१	८	६ २८ ५५	० २४	११ १८ १९	२	६ २३ ३४ १५	३ १०
९	८ ५ ५०	० २७	१० २ २९	८	६ २८ ३१	० २२	११ १८ १७	१	६ २३ ३१ ५	३ ११
१०	८ ६ १७	० १९	१० २ ३७	८	६ २८ ९	० २०	११ १८ १६	१	६ २३ २७ ५४	३ ११
११	८ ६ ३६	० ११	१० २ ४५	८	६ २७ ४९	० १८	११ १८ १५	१	६ २३ २४ ४३	३ ११
१२	८ ६ ४७	० १	१० २ ५३	८	६ २७ ३१	० १६	११ १८ १४	१	६ २३ २१ ३२	३ १०
१३	८ ६ ४८ व	० १०	१० ३ १	९	६ २७ १५	० १३	११ १८ १३	१	६ २३ १८ २२	३ ११
१४	८ ६ ३८	० १९	१० ३ १०	९	६ २७ २	० ८	११ १८ १२	१	६ २३ १५ ११	३ ११
१५	८ ६ १९ व	० ३१	१० ३ १९	९	६ २६ ५४ व	० ६	११ १८ ११	व १	६ २३ १२ ०	३ ११

मास फलम् अ. ३४ मार्गशीर्ष शु. १५ बुधे प्रभाकर अहर्गण ५३५९ अयनांशाः २२°।५९′।३३″

रूप धारण करेगा। मासके अन्तमे रूई तथा चांदीका भाव तेज होगा। वृश्चिक तथा धन राशिवालों को यह मास अधिक लाभ दाई है।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
७	१	६	८	१०	६	११	६
२१	१५	३	६	३	२६	१८	२३
१६	५१	५४	१९	१९	५५	११	१२
३७	३२	१२	६	३१	९	५४	०
६०	८८४	३८	३१	९	७	१	३
५६	५०	२	४	१०	१३	६	११

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० पौष कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	सू. उदय	सू. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
मृत्यु	१	गु.	१५	५३	मृ	२४	२०	सा	१/५१	३८/४५	कौ	१५	५३	तै	४१	४४	२६/५०	६/५६	५/४१	२३	१५	४	८	मिथुन
पद्म	२	शु.	७/५६	३५/१७	आ	१७	५२	शु	४१	५४	ग	७	३५	व	३१/५६	५६/१७	४९	५७	४१	२४	१६	५	९	५७/४१ कर्क
च. व्र.	४	श.	५१	१९	पु	११	३०	ब्र	३५	५९	ब	२३	४८	बा	५१	१९	४८	५८	४१	२५	१७	६	१०	कर्क
श्रीवत्स	५	र.	४४	१२	पु	५	२७	ऐं	२३	०	कौ	१७	४५	तै	४४	१२	४७	५८	४१	२६	१८	७	११	कर्क
सौम्य	६	सो.	३७	५९	आ	२/५६	५४/८	वै	१४	३१	ग	११	५	व	३७	५९	४६	६/५९	४१	२७	१९	८	१२	२/५४ सिंह
काल	७	मं	३३	०	पू	५३	२१	वि	६	४९	वि	५	२९	ब	३०	०	४५	७/०	४२	२८	२०	९	१३	सिंह
स्थिर	८	बु.	२९	३४	उ	५२	३	प्री	२/५५	३१/२	बा	१/२९	१७/३४	तै	५८	३४	४४	०	४२	२९	२१	१०	१४	८/२ कन्या
राक्षस	९	गु	२७	३५	ह	५२	२१	सौ	५१	६	ग	२७	३५	व	५७	२२	४४	१	४२	१	२२	११	१५	कन्या
अमृत	१०	शु	२७	११	चि	५३	५७	शो	४८	१२	वि	२७	११	ब	५७	४३	४३	२	४३	२	२३	१२	१६	२३/९ तुल
ए. व्र.	११	श.	२८	१५	स्वा	५६	५१	अ	४६	२४	बा	२८	१५	कौ	५९	२१	४३	२	४३	३	२४	१३	१७	तुल
लुंबक	१२	र.	३०	२७	वि	६०	०	सु	४५	२२	तै	३०	२७	ग	६०	०	४२	३	४४	४	२५	१४	१८	५४/४१ वृश्चिक
प्रदोष	१३	सो.	३३	४३	वि	०	३८	धृ	४५	११	ग	२	५	व	३३	४३	४२	३	४४	५	२६	१५	१९	वृश्चिक
वज्र	१४	मं.	३८	१	ऽनु	५	५९	शू	४५	४४	वि	५	५२	श	३८	१	४२	४	४४	६	२७	१६	२०	वृश्चिक
अमा	३०	बु.	४२	४९	ज्ये	११	५	गं	४६	४१	च	१०	२५	ना	४२	४९	४१	४	४५	७	२८	१७	२१	११/५० धन

के अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.	चन्द्र रा.	अं.	क.	वि.	गति अं.	क.	वि.	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क.
१३४३	१	गुरु.	७	२२	१७	३३	६०	५७	२	०	३६	२२	१४	५६	४५	६	४	३२	३८
१३४४	२	शुक्र.	७	२३	१८	३०	६०	५८	२	१५	३३	७	१४	५६	१०	६	५	१०	३८
१३४५	४	शनि.	७	२४	१९	२८	६०	५९	३	०	२९	१७	१४	५१	२५	६	५	४८	३८
१३४६	५	रवि.	७	२५	२०	२७	६१	०	३	१५	२०	४२	१४	३५	१०	६	६	२६	३८
१३४७	६	सोम.	७	२६	२१	२७	६१	१	३	२९	५५	५२	१४	१९	३७	६	७	४	३८
१३४८	७	मङ्गल	७	२७	२२	२८	६१	२	४	१४	१५	२९	१३	५७	२१	६	७	४२	३८
१३४९	८	बुध.	७	२८	२३	३०	६१	३	४	२८	१२	५०	१३	३५	१०	६	८	२०	३८
१३५०	९	गुरु.	७	२९	२४	३३	६१	३	५	११	४८	०	१३	१३	१	६	८	५८	३८
१३५१	१०	शुक्र.	८	०	२५	३६	६१	४	५	२५	१	१	१२	५७	२२	६	९	३६	३८
१३५२	११	शनि.	८	१	२६	४०	६१	४	६	७	५८	३	१२	३९	५७	६	१०	१४	३८
१३५३	१२	रवि.	८	२	२७	४४	६१	५	६	२०	३८	२०	१२	३१	२	६	१०	५२	३८
१३५४	१३	सोम.	८	३	२८	४९	६१	६	७	३	९	२२	१२	१७	४५	६	११	३०	३८
१३५५	१४	मङ्गल.	८	४	२९	५५	६१	६	७	१५	२७	७	१२	३९	५८	६	१२	८	३७
१३५६	३०	बुध.	८	५	३१	१	६१	७	७	२७	३७	५	१२	५	१३	६	१२	४५	३७

अ. ३५ पौष कृ ८ बुधे प्रभाकर अहर्गण ५३६६ अयनांशाः २२°।५९'।३४"

वृश्चिक संक्रांतिफलम्

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
७	४	६	७	१०	६	११	६
२८	२८	८	२९	४	२७	१८	२२
२३	१२	२०	१९	२२	०	७	४९
३०	५०	२३	३२	१३	९	४	४३
६१	८:५	३८	८४	१०	१३	०	३
३	१०	१०	१९	२	०	०	१०

पौष कृष्ण ९ गुरुवारे धनुष्यर्क प्र. वा. ३ नक्षत्र ३ वार ना. नन्द। गणक सुखी। न. ना. ध्वांक्षी। वैद्यान्सुखी। द्विजान् हंति। पश्चिमे गमनं। वायव्यां दृष्टिः। वणिज करणे प्र. मध्यम फलं। महिषी वाहनं। उ. ना. ऊंट। क्लेश

तिथि	सौर स्पष्ट रविः				डिसेंबर १९३८ इ. दक्षिणायने हेमंत ऋतुः
१	७	२२	६	२	
२	७	२३	७	१६	भद्रा प्रा. स्टँ. १९।१३ भद्रा स. स्टँ. ४।५७ रात्रौ
४	७	२४	८	३१	संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्टँ. २०।५९ मार्गी शुक्रः
५	७	२५	९	४७	स्वात्यां १ भौमः २२।६
६	७	२६	११	४	भद्रा प्रा. स्टँ. २१।३९ मघायां ल. गोधूलि रे. ७।ऽ।।।ऽऽ।।।
७	७	२७	१२	२२	भद्रा स. स्टँ. ८।३९ ज्येष्ठा ४ वृश्चिके बुधः ३०।४४
८	७	२८	१३	४२	काला ८ । मार्गी शनिः । बु. र. यु.
९	७	२९	१५	२	भद्रा प्रा. स्टँ. ५।२४ रात्रौ । मूले धनुष्यर्कः ३४।४९ मु. ३०
१०	८	०	१६	२३	भद्रा स. स्टँ. १७।१९ स्वात्यां २ भौमः ३७।५४
११	८	१	१७	४४	सफला ११ सर्वेषां । मं. चं. यु.
१२	८	२	१९	६	शु. चं. युतिः
१३	८	३	२०	२८	भद्रा प्रा. स्टँ १९।५६ सोमप्रदोष । शिवरात्रिव्रतम्
१४	८	४	२१	५१	भद्रा स. स्टँ. ८।४८ बु. चं. यु.
३०	८	५	२३	१५	स्वात्यां ३ भौमः ५६।४६

तिथि	बुध रा.	अं.	क		गति अं.	क.	गुरु रा.	अं.	क.	गति क.	शुक्र रा.	अं.	क.		गति अं.	क.	शनि रा.	अं.	क		गति क	राहु रा.	अं.	क.	वि	गति क	वि.
१	८	५	४८	व	०	४२	१०	३	२८	९	६	२६	४८	व	०	५	११	१८	१०	व	१	६	२३	८	४८	३	११
२	८	५	६		०	५४	१०	३	३७	९	६	२६	४३		०	२	११	१८	९		१	६	२३	५	३७	३	१०
४	८	४	१२		१	३	१०	३	४६	९	६	२६	४१	मा	०	२	११	१८	८		१	६	२३	२	२७	३	११
५	८	३	९		१	११	१०	३	५५	९	६	२६	४३		०	३	११	१८	७		०	६	२२	५९	१६	३	१
६	८	१	५८		१	१७	१०	४	४	९	६	२६	४६		०	५	११	१८	७		०	६	२२	५६	५	३	११
७	८	०	४१		१	२२	१०	४	१३	९	६	२६	५१		०	९	११	१८	७	मा	०	६	२२	५२	५४	३	११
८	७	२९	१९		१	२४	१०	४	२२	१०	६	२७	०		०	१३	११	१८	७		०	६	२२	४९	४३	३	१०
९	७	२७	५५		१	२२	१०	४	३२	१०	६	२७	१३		०	१५	११	१८	७		०	६	२२	४६	३३	३	११
१०	७	२६	३३		१	१९	१०	४	४२	१०	६	२७	२८		०	१७	११	१८	७		०	६	२२	४३	२२	३	११
११	७	२५	१४		१	१२	१०	४	५२	१०	६	२७	३५		०	२०	११	१८	७		१	६	२२	४०	११	३	११
१२	७	२४	२		१	४	१०	५	२	१०	६	२७	५५		०	२२	११	१८	८		१	६	२२	३७	०	३	१०
१३	७	२२	५८		१	५३	१०	५	१२	१०	६	२८	१७		०	२४	११	१८	९		१	६	२२	३३	५०	३	११
१४	७	२२	५		१	४३	१०	५	२२	१०	६	२८	३१		०	२६	११	१८	१०		१	६	२२	३०	३९	३	१०
३०	७	२१	२२	व	१	३२	१०	५	३२	१०	६	२८	५७	मा	०	२८	११	१८	११	म,	१	६	२२	२७	२९	३	११

संक्रांति फलम्   अ. १६ पौष कृ. ३० बुधे प्रभाकर अहर्गण ५२७३ अयनांशाः २२°।५९'।३५"

कारक । श्याम वर्णं । तोमरायुधं । खप्पर पात्रं । दधि भक्षणं । १ अलतो ले. । मृग जातिः । अर्क पुष्पं । मणि भूषणं । पांडु कंचुकी । प्रगल्भावस्था । दक्षिणे वस्तः । राहु पूर्वे । मूलं भूमौ । (बैठी) मुहूर्ताः ३० ।
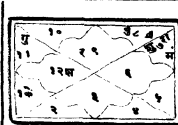
र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
८	७	६	७	१०	६	११	६
५	२७	१२	२१	५	२८	१८	२२
११	३७	४५	२२	३२	५७	११	२७
१	५	४	७	१२	६	२	२९
६१	७२५	३७	९२	१०	२६	१	३
७	१३	९	०	१	४	२	११

आनन्दादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० पौष शुक्ल पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शाहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	सू. उदय	सू. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	अंग्रेजी	
धूम्र	१	गु	४८	२१	मू	१८	११	वृ	४८	९	किं	१५	३५	ब	४८	२१	२१/४१	७/५	५/४५	८	२९	१८	२२	धन
प्रवर्ध	२	शु	५४	३१	पू	२५	८	ध्रु	४९	५८	बा	२१	२६	कौ	५४	३१	४१	५	४६	९	३०	१९	२३	५१/५७ मकर
राक्षस	३	श	६०	०	उ	३२	२६	व्या	५२	२	तै	२७	१५	ग	६०	०	४१	६	४६	१०	१	२०	२४	मकर
गदः	३	र	०	४६	श्र	३९	५२	ह	५४	१०	ग	०	४६	व	३३	५८	४१	६	४७	११	२	२१	२५	मकर
शुभः	४	सो	७	१०	ध	४७	१२	व	५६	७	वि	७	१०	ब	४०	१३	४१	७	४८	१२	३	२२	२६	१३/३२ कुंभ
मृत्यु	५	मं	१३	१७	श	५९	८	सि	५७	४५	बा	१३	१७	कौ	४६	१	४२	७	४८	१३	४	२३	२७	कुंभ
पद्म	६	बु	१८	४४	पू	६०	०	व्य	५८	३०	तै	१८	४४	ग	५०	४८	४२	७	४९	१४	५	२४	२८	४६/१४ मीन
छत्र	७	गु	२२	५२	पू	१	१६	व	५८	१	ब	२२	५२	वि	५४	२	४२	८	४९	१५	६	२५	२९	मीन
श्रीवत्स	८	शु	२५	१२	उ	४	१८	प	५६	९	ब	२५	१२	बा	५५	२७	४३	९	५०	१६	७	२६	३०	मीन
सौम्य	९	श	२५	४२	रे	६	४७	शि	५२	३७	कौ	२५	४२	तै	५४	२७	४४	९	५१	१७	८	२७	३१	६/५७ मेष
रवि द.	१०	र	२४	१३	अ	७	२४	सि	४७	४६	ग	२४	१३	व	५२	२८	४४	९	५१	१८	९	२८	१	मेष
ए. व्र.	११	सो	२०	४४	भ	६	७	सा	४१	१०	वि	२०	४४	ब	४८	२	४५	१०	५२	१९	१०	२९	२	२०/१८ वृषभ
प्रदोष	१२	मं	१५	२०	कृ	२/५७	५१/५५	शु	३३	१०	बा	१५	२०	कौ	४१	५२	४६	१०	५२	२०	११	३०	३	वृषभ
अमृत	१३	बु	८	२५	मृ	५५	४१	शु	२४	३	तै	८	२५	ग	३४	५२	४७	१०	५३	२१	१२	१	४	२६/४८ मिथुन
क्षय	१४	गु	०/५१	२९/१२	आ	४८	३४	ब्र	१४	५	व	०/२५	२९/४१	ब	५१	१३	४८	१०	५४	२२	१३	२	५	मिथुन

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि	चन्द्र रा	अं.	क.	वि.	गति अं.	क	वि	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क
१३५७	१	गुरु	८	६	३२	८	६१	७	८	९	४२	१८	११	५८	३४	६	१३	२२	३७
१३५८	२	शुक्र.	८	७	३३	१५	६१	७	८	२१	४०	५२	११	५४	२१	६	१३	५९	३७
१३५९	३	शनि	८	८	३४	२२	६१	७	९	३	३५	१३	११	५२	१	६	१४	३६	३७
१३६०	३	रवि.	८	९	३५	२९	६१	८	९	१५	२७	१४	११	५१	२२	६	१५	१३	३७
१३६१	४	सोम.	८	१०	३६	३७	६१	८	९	२७	१८	३६	११	५३	४९	३	१५	५०	३७
१३६२	५	मङ्गल	८	११	३७	४५	६१	९	१०	९	१२	२५	११	५७	५८	६	१६	२७	३७
१३६३	६	बुध.	८	१२	३८	५४	६१	९	१०	२१	१०	२३	१२	९	२१	६	१७	४	३७
१३६४	७	गुरु.	८	१३	४०	३	६१	९	११	३	१९	४४	१२	२५	३८	६	१७	४१	३७
१३६५	८	शुक्र.	८	१४	४१	१२	६१	९	११	१५	४५	२२	१३	४५	२१	६	१८	१८	३७
१३६६	९	शनि.	८	१५	४२	२१	६१	१०	११	२८	३०	४३	१३	८	४६	६	१८	५५	३७
१३६७	१०	रवि.	८	१६	४३	३१	६१	९	०	११	३९	२९	१३	३४	३४	६	१९	३२	३७
१३६८	११	सोम	८	१७	४४	४०	६१	१०	०	२५	१४	२	१४	४	३४	६	२०	९	३७
१३६९	१२	मङ्गल	८	१८	४५	५०	६१	१०	१	९	१८	३६	१४	३१	३७	६	२०	४६	३७
१३७०	१३	बुध.	८	१९	४७	०	६१	१०	१	२३	५०	१३	१४	५३	४९	६	२१	२३	३७
१३७१	१४	गुरु.	८	२०	४८	१०	६१	९	२	८	४४	२	१५	९	२२	६	२२	०	३७

श. ३७ पौष शु. ८ शुक्रे प्रभाकर अहर्गण ५३८२ अयनांशा: २२°।५९′।३६″

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
८	११	६	७	१०	७	११	६
१४	१५	१८	२२	७	३	१८	२१
४१	४५	१८	२८	१०	५३	२०	५८
१२	२२	१४	५	११	६	९	५५
६१	७८५	३४	४५	१२	३८	२	३
९	२१	४	११	१०	३	९	११

मास फलम्

दशमी तक रुई का भाव दिनोदिन उतरता रहेगा। और सोने का भाव तेज भाव में सम बना रहेगा। गल्ले का भाव तेज रहेगा। काश्मर तथा नेपाल की ओर

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	डिसेम्बर–जनवरी १९३८–३९ इ. दक्षिणायने हेमंत ऋतुः
१	[illegible]	सायन मकरे भानु २७।१६ उत्तर अपमारंभः
२	[illegible]	चन्द्रदर्शनम् । वृश्चिके शुक्रः ९।४१
३	[illegible]	जिल्काद ११ मु. । मार्गी बुधः । क्रिस्टमस ।
३	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. २०।२ विनायकी ४
४	[illegible]	भद्रा स. स्टँ. ९।१९
५	[illegible]	स्वात्यां ४ भौमः २१।४ शततारका १ गुरुः १६।२२ गु चं. यु.
६	[illegible]	पू. षा.यां रविः ४०।२०
७	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ१५।३६भद्रा स. स्टँ४।४ अनु. शुक्रः ६।१९ गुरु गोविंदसिंह जन्म दिन।
८	[illegible]	दुर्गा ८ । श. चं. यु. ।
९	[illegible]	
१०	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ३।२६ रात्रौ। जनवरी १९३९ विशाखायां १ भौमः ४५।२४ न्यूईअर्सडे
११	[illegible]	भद्रा स. स्टँ.१४।४५ पुत्रदा ११ सर्वेषां
१२	[illegible]	भौम प्रदोषः
१३	[illegible]	अमरदाद पारसी ।
१४	[illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ६।३७ भद्रा स. स्टँ.१६।४६ शांकभरी । माघस्नानारंभः

तिथि	बुध रा.	अं.	क.		गति अं.	क.	गुरु रा.	अं.	क.	गति क.	शुक्र रा.	अं.	क.	गति अं.	क.	शनि रा.	अं.	क.	गति क	राहु रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.
१	७	२०	५०		०	२१	१०	५	४२	११	६	२९	११	०	२५	११	१८	१२	१	६	२२	२४	२०	३	११
२	७	२०	२९		०	९	१०	५	५३	११	६	२९	३६	०	२६	११	१८	१३	१	६	२२	२१	९	३	१०
३	७	२०	२०	मा	०	०	१०	६	४	११	७	०	२	०	२८	११	१८	१४	१	६	२२	१७	५९	३	१०
३	७	२०	२०		०	१०	१०	६	१५	११	७	०	३०	०	३०	११	१८	१५	१	६	२२	१४	४९	३	११
४	७	२०	३०		०	१९	१०	६	२६	११	७	१	०	०	३१	११	१८	१६	१	६	२२	११	३८	३	११
५	७	२०	४९		०	२६	१०	६	३७	११	७	१	३१	०	३२	११	१८	१७	१	६	२२	८	२७	३	१०
६	७	२१	१५		०	३४	१०	६	४८	११	७	२	३	०	३३	११	१८	१८	१	६	२२	५	१७	३	११
७	७	२१	४९		०	३९	१०	६	५९	११	७	२	३६	०	३४	११	१८	१९	१	६	२२	२	६	३	११
८	७	२२	२८		०	४५	१०	७	१०	१२	७	३	१०	०	३५	११	१८	२०	२	६	२१	५८	५५	३	११
९	७	२३	१३		०	५२	१०	७	२२	१२	७	३	४५	०	३७	११	१८	२२	२	६	२१	५५	४४	३	१०
१०	७	२४	५		०	५६	१०	७	३४	१२	७	४	२२	०	३८	११	१८	२४	२	६	२१	५२	३४	३	११
११	७	२५	१		०	५७	१०	७	४६	१२	७	५	०	०	४०	११	१८	२६	२	६	२१	४९	२३	३	११
१२	७	२५	५८		१	०	१०	७	५८	१२	७	५	४०	०	४१	११	१८	२८	२	६	२१	४६	१२	३	११
१३	७	२६	५८		१	६	१०	८	१०	१२	७	६	२१	०	४२	११	१८	३०	२	६	२१	४३	१	३	११
१४	७	२८	४		१	७	१०	८	२२	१२	७	७	३	०	४३	११	१८	३२	३	६	२१	३९	५०	३	११

मास फलम् अ. ३८ पौष शु. १४ गतौ प्रभाकर अहर्गण ५३८८ अयनांशाः २२°।५९'।३७"

अकाल वृष्टि तथा ओलों की वर्षा से भयंकर हानी होगी। धन तथा मेष राशिवालों को यह मास फलप्रद है।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
८	२	६	७	१०	७	११	६
२०	८	२२	२८	८	७	१८	२१
४८	४४	०	४	२२	५६	३२	३९
१०	२	१२	२	५	७	१३	५०
६१	१०१	३७	६७	१२	४४	३	३
९	२२	१०	१४	७	९	१	११

आनंदादि योगाः	सं १९९५ श. १८६० माघ कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	उदय	अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
सिद्धि	१	शु.	४१	४३	पु	३७	१५	ऐं	५ २	२ १	बा	१६	२८	कौ	४१	४३	२६ ४१	१७ ११	५५ ५४	२३	१४	३	६	२५ ५ कर्क
मित्र	२	श.	३२	२५	पु	२९	३३	वि	४१	५२	तै	७	४	ग	३२ ५८	२५ ४	५०	११	५०	२४	१५	४	७	कर्क
च. व्र.	३	र.	२३	४४	आ	२२	४१	प्री	३१	४८	वि	२३	४४	ब	४१	५६	५१	११	५६	२५	१६	५	८	२२ ४० सिंह
ध्वांक्ष	४	सो.	१५	५८	म	१६	४१	आ	२२	१९	बा	१५	५८	कौ	४०	१६	५२	११	५६	२६	१७	६	९	सिंह
धूम्र	५	मं.	९	२२	पू	११	५८	सौ	१४	१२	तै	९	२२	ग	३६	५७	५३	१२	५५	२७	१८	७	१०	१६ १३ कन्या
प्रवर्ध	६	बु.	४	३३	उ	८	५८	शो	७	१९	व	४	३३	वि	३३	७	५५	१२	५८	२८	१९	८	११	कन्या
राक्षस	७	गु.	१	३८	ह	७	५१	अ	१ ५८	५२ १२	ब	१	३८	बा	३१	१२	५६	१२	५८	२९	२०	९	१२	३८ १७ तुल
मुसल	८	शु	०	४६	चि	८	४२	धृ	५५	५४	कौ	०	४६	तै	३१	१७	५७	१२	५१	३०	२१	१०	१३	तुल
सिद्धि	९	श.	१	४५	स्वा	११	१७	शू	५४	४७	ग	१	४५	व	३३	२	५९	१२	६ ०	१	२२	११	१४	५९ २० वृश्चिक
उत्पात	१०	र.	४	२०	वि	१५	२२	गं	५४	४९	वि	४	२०	ब	३६	२०	२७ १	१२	०	२	२३	१२	१५	वृश्चिक
ए. व्र.	११	सो.	८	२०	ऽनु	२०	४६	वृ	५५	३९	बा	८	२०	कौ	४०	५०	२	१२	१	३	२४	१३	१६	वृश्चिक
प्र. व्र.	१२	मं.	१३	२१	ज्ये	२७	४	धु	५७	५	तै	१३	२१	ग	४७	११	४	१२	२	४	२५	१४	१७	२७ ४ धन
ध्वज	१३	बु.	२१	२	मू	३३	५५	व्या	५८	४९	व	२१	२	वि	५३	३	६	१२	३	५	२६	१५	१८	धन
अमृत	१४	गु.	२५	५	पू	४१	७	ह	६०	०	श	२५	५	च	५८	१२	८	१२	४	६	२७	१६	१९	५७ ५७ मकर
अमा	३०	शु.	३१	२०	उ	४८	२५	ह	०	४८	ना	३१	२०	किं	६०	०	१०	१२	४	७	२८	१७	२०	मकर

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि	चन्द्र रा	अं.	क.	वि.	गति अं.	क.	वि.	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क.
१३७२	१	शुक्र.	८	२१	४९	१९	६१	९	२	२३	५३	२४	१५	१२	२५	६	२३	३७	३७
१३७३	२	शनि.	८	२२	५०	२८	६१	९	३	९	११	४९	१५	९	५८	६	२३	१४	३७
१३७४	३	रवि.	८	२३	५१	३७	६१	९	३	२४	२१	४७	१४	५४	५७	६	२३	५१	३७
१३७५	४	सोम.	८	२४	५२	४६	६१	९	४	९	१६	४४	१४	३४	३४	६	२४	२८	३७
१३७६	५	मङ्गल.	८	२५	५३	५५	६१	९	४	२३	५१	१८	१४	६	२२	६	२५	५	३७
१३७७	६	बुध.	८	२६	५५	४	६१	८	५	७	५७	४०	१३	३८	४९	६	२५	४२	३७
१३७८	७	गुरु.	८	२७	५६	१२	६१	८	५	२१	३६	२९	१३	११	४५	६	२६	१९	३७
१३७९	८	शुक्र.	८	२८	५७	२०	६१	७	६	४	४८	१४	१२	५०	१०	६	२६	५६	३७
१३८०	९	शनि.	८	२९	५८	२७	६१	७	६	१७	३८	२४	१२	३२	४९	६	२७	३३	३७
१३८१	१०	रवि.	९	०	५९	३४	६१	७	७	०	११	१३	१२	१७	१०	६	२८	१०	३७
१३८२	११	सोम.	९	२	०	४१	६१	६	७	१२	२८	२३	१२	६	५७	६	२८	४७	३७
१३८३	१२	मङ्गल.	९	३	१	४७	६१	६	७	२४	३५	२०	११	५९	५०	६	२९	२४	३७
१३८४	१३	बुध.	९	४	२	५३	६१	५	८	६	३५	१०	११	३६	९	७	०	१	३७
१३८५	१४	गुरु.	९	५	३	५८	६१	४	८	१८	३१	१९	११	५३	१३	७	०	३८	३७
१३८६	३०	शुक्र.	९	६	५	२	६१	४	९	०	२४	५२	११	५३	१०	७	१	१५	३७

अ. ३९ माघ कृष्ण ८ शुक्रे प्रभाकर अहर्गण ५३९६ अयनांशाः २२°।५९'।३८"

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
८	६	६	८	१०	७	११	६
२८	४	२६	७	९	१३	१८	२१
५७	४८	५६	५८	५९	१७	५६	१४
२०	१४	२२	३४	९	७	१३	२४
६१	७७०	३७	८१	१३	४९	३	३
७	१०	४	०	२	६	१०	११

मकर संक्रांति फलम्

माघ कृष्ण ९ शनिवारे मकरेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ वा. ना. राक्षस । चांडाल सुखी । महोदरी । चौर सुखी । दक्षिणे गमनं । नैऋत्यां दृष्टिः । फल मध्यम । वा. हस्ती । उ. वा. खर ।

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	जनवरी १९३९ इ. दक्षिणायने हेमंत ऋतुः
१	८ [illegible]	मूले धने बुधः ३५।९
२	८ [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ७।४१ विशाखा २ भौमः ९।४१
३	८ [illegible]	भद्रा स. स्टँ. १५।५६ संकष्ट ४ चन्द्रोदय २०।४३ खजराणायात्रा।
४	८ [illegible]	
५	८ [illegible]	उ. षा.यां रविः ४५।१३
६	८ [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. ८।१६ भद्रा स. स्टँ. १९।४१
७	८ [illegible]	काला ८। विशाखा ३ भौमः ३४।३
८	८ [illegible]	शततारकायां २ गुरुः ४।३७
९	८ [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. १९।४० मकरेर्कः १।३२ मु. १५ म. चं. यु.
१०	९ [illegible]	भद्रा उ. स्टँ. ८।११ * वृश्चिके भौमः ०।१ बु. चं. यु.
११	९ [illegible]	षट्तिला ११ सर्वेषां। पू. षा. बुधः ५५।३६ ज्येष्ठायां शुक्रः ४५।४९ शु. च. यु.
१२	९ [illegible]	भौमप्रदोष। मूले ल. गोधूलि रे. ८ ।ऽ।।।।।।ऽ।।
१३	९ [illegible]	भद्रा प्रा. स्टँ. १४।५२ भद्रा. स. स्टँ. ३।४० रात्रौ। शिवरात्रि व्रतम्। विशाखा ४ * × भानुः ५४।२१
१४	९ [illegible]	
३०	९ [illegible]	दर्श ३० द्वापर युगादि। तिलपात्र दानम् अभिजित् रविः ३४।२२ सायन कुंभे ×

तिथि	बुध रा. अं. क	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क.	गति क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा. अं. क	गति क	राहु रा. अं. क. वि	गति क वि.
१	७ २९ ११	१ १०	१० ८ ३४	१२	७ ७ ४६	० ४४	११ १८ ३५	३	६ २१ ३६ ४०	३ ११
२	८ ० २१	१ १२	१० ८ ४६	१२	७ ८ ३०	० ४५	११ १८ ३८	३	६ २१ ३३ २९	३ ११
३	८ १ ३३	१ १४	१० ८ ५८	१२	७ ९ १५	० ४६	११ १८ ४१	३	६ २१ ३० १८	३ ११
४	८ २ ४७	१ १६	१० ९ १०	१२	७ १० १	० ४७	११ १८ ४४	३	६ २१ २७ ७	३ १०
५	८ ४ ३	१ १७	१० ९ २२	१२	७ १० ४८	० ४८	११ १८ ४७	३	६ २१ २३ ५७	३ ११
६	८ ५ २०	१ १८	१० ९ ३४	१२	७ ११ ३६	० ५०	११ १८ ५०	३	६ २१ २० ४६	३ ११
७	८ ६ ३८	१ २०	१० ९ ४६	१३	७ १२ २६	० ५१	११ १८ ५३	३	६ २१ १७ ३५	३ ११
८	८ ७ ५८	१ २१	१० ९ ५९	१३	७ १३ १७	० ५३	११ १८ ५६	३	६ २१ १४ २४	३ ११
९	८ ९ १९	१ २२	१० १० १२	१३	७ १४ १०	० ५४	११ १८ ५९	३	६ २१ ११ १३	३ ११
१०	८ १० ४१	१ २३	१० १० २५	१३	७ १५ ४	० ५४	११ १९ २	३	६ २१ ८ २	३ ११
११	८ १२ ४	१ २३	१० १० ३८	१३	७ १५ ५८	० ५५	११ १९ ५	३	६ २१ ४ ५१	३ ११
१२	८ १३ २७	१ २४	१० १० ५१	१३	७ १६ ५३	० ५५	११ १९ ८	३	६ २१ १ ४०	३ १०
१३	८ १४ ५१	१ २५	१० ११ ४	१३	७ १७ ४८	० ५५	११ १९ ११	४	६ २० ५८ ३०	३ ११
१४	८ १६ १६	१ २६	१० ११ १७	१३	७ १८ ४३	० ५५	११ १९ १५	४	६ २० ५५ १९	३ ११
३०	८ १७ ४२	१ ३०	१० ११ ३०	१३	७ १९ ३८	० ५५	२१ १९ १९	४	६ २० ५२ ८	३ ११

संक्रांति फलम् अ. ४० माघ कृ. ३० शुक्रे प्रभाकर अहर्गण ५४०३ अयनांशाः २२°।५९'।३९"

लक्ष्मीकारक। रक्त वस्त्र। धनुष्यायुध। लोह पात्र। पय भक्षणं। गोरोचन लेपनं। पशु जातिः। बिल्व पुष्पं। मुकुट भूषणं। सित कंचुकी। प्रौढावस्था। वत्सः दाक्षिणे। पूर्वे राहुः। मूलं स्वर्गे। (बैठी) मुहूर्ताः ३०।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
९	९	७	८	१०	७	११	६
६	०	१	१७	११	१९	१९	२०
५	२४	१५	४२	३०	३८	१९	५२
२	५२	१	४	२	९	६	८
६१	७१३	३७	९०	१३	५५	४	१
४	१०	२	४	३	१	२	११

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० माघ शुक्ल पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	सू. उदय	सू. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	अंग्रेजी	
स्थिरः	१	श	३७	३५	अ	५५	४०	व	२	४८	किं	४	२७	ब	३७	३५	२७/२२	७/१२	५/५	८	२९	१८	२१	मकर
मातंग	२	र	४३	३३	ध	६०	०	सि	४	४८	बा	१०	३४	कौ	४३	३३	१४	१२	६	९	३०	१९	२२	२१/१९ कुंभ
अमृत	३	सो	४९	४१	ध	२	५८	व्य	६	४३	तै	१६	३७	ग	४९	४१	१६	१२	६	१०	१	२०	२३	कुंभ
अंगार	४	मं	५५	१२	श	९	४९	व	८	२०	ग	२२	२६	वि	५५	१२	१८	१२	७	११	२	२१	२४	५९/३३ मीन
वसंत	५	बु	५९	४४	पू	१६	८	प	९	३४	बा	२७	२८	बा	५९	४४	२०	१२	८	१२	३	२२	२५	मीन
छत्र	६	गु	६०	०	उ	२१	२७	शि	१०	०	कौ	२९	५२	तै	६०	०	२२	१२	८	१३	४	२३	२६	मीन
मानस	६	शु	२	५६	रे	२५	२४	सि	९	२९	तै	२	५६	ग	३३	४५	२४	११	९	१४	५	२४	२७	२५/२४ मेष
सौम्य	७	श	४	३५	अ	२७	४५	सा	७	४२	व	४	३५	वि	३४	२८	२७	११	१०	१५	६	२५	२८	मेष
का. द.	८	र	४	२१	भ	२८	१९	शु	५४/९	३९/५१	ब	४	२१	बा	३३	२०	२९	११	१०	१६	७	२६	२९	४३/४ वृषभ
क्षय	९	सो	२/५८	१९/३३	कृ	२६	५८	ब्र	५४	५	कौ	२	१९	तै	१०/५८	१५/११	३१	११	१	१७	८	२७	३०	वृषभ
ए. व.	११	मं	१२	८	रो	२३	४१	ऐं	४५	४६	वि	२५	९	वि	१२	८	३४	१०	१०	१८	९	२८	३१	५१/१३ मिथुन
प्रदोष	१२	बु	४५	३६	मृ	१८	४६	वै	३६	४२	बा	१८	५२	बा	४५	३६	३६	१०	१२	१९	१०	२९	१	मिथुन
सिद्धि	१३	गु	३५	५८	आ	१२	३०	वि	२६	४३	कौ	१०	४७	तै	३५	५८	३९	९	१३	२०	११	३०	२	१२/५ कर्क
उत्पात	१४	शु	२६	१६	पु	५/५७	२१/३३	प्री	१६	७	व	१/२६	१७/२९	वि	५१	४७	४१	९	१४	२१	१२	१	३	कर्क
पौर्णिमा	१५	श	१६	५८	आ	४९	५६	आ	५/५४	४/१४	ब	१६	५८	बा	४२	१७	४४	८	१४	२२	१३	२	४	४९/५६ सिंह

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य ग.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि	चन्द्र ग	अं.	क.	वि.	गति अं	क	वि	मङ्गल ग.	अं.	क.	गति क
१३८७	१	शनि.	९	७	६	६	६१	३	९	१२	१७	४२	११	५३	१०	७	१	५२	३७
१३८८	२	रवि.	९	८	७	९	६१	३	९	२४	१०	५२	११	५३	४५	७	२	२९	३७
१३८९	३	सोम.	९	९	८	१२	६१	२	१०	६	४	३७	११	५७	२५	७	३	६	३७
१३९०	४	मङ्गल.	९	१०	९	१४	६१	१	१०	१८	२	२	१२	१	३४	७	३	४३	३७
१३९१	५	बुध.	९	११	१०	१५	६०	०	११	०	३	३६	१२	१०	३७	७	४	२०	३७
१३९२	६	गुरु.	९	१२	११	१५	६०	५९	११	१२	१४	१३	१२	२३	४६	७	४	५७	३७
१३९३	६	शुक्र.	९	१३	१२	१४	६०	५८	११	२४	३७	५९	१२	४०	३३	७	५	३४	३७
१३९४	७	शनि.	९	१४	१३	१२	६०	५७	०	७	१८	३२	१३	१	३८	७	६	११	३६
१३९५	८	रवि.	९	१५	१४	९	६०	५७	०	२०	२०	१०	१३	२४	५७	७	६	४७	३६
१३९६	९	सोम	९	१६	१५	६	६०	५६	१	३	४५	७	१३	५४	२५	७	७	२३	३६
१३९७	११	मङ्गल.	९	१७	१६	२	६०	५५	१	१७	३९	३२	१४	२२	३४	७	७	५९	३६
१३९८	१२	बुध.	९	१८	१६	५७	६०	५४	२	२	२	६	१४	४८	५८	७	८	३५	३६
१३९९	१३	गुरु.	९	१९	१७	५१	६०	५२	३	१६	५१	४	१५	७	१	७	९	११	३६
१४००	१४	शुक्र.	९	२०	१८	४३	६०	५१	३	१	५८	५	१५	१९	३७	७	९	४७	३६
१४०१	१५	शनि.	९	२१	१९	३४	६०	५०	३	१७	१७	४२	१५	१५	५८	७	१०	२३	३६

अ. ४१ माघ शु. ८ रवौ प्रभाकर अहर्गण ५४१२ अयनांशा: २२°।५९'।४०"

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
९	०	७	९	१०	७	११	६
१५	२०	६	१	१३	२८	१९	२०
१४	२०	४७	१०	२७	१९	५९	२३
९	१०	१२	२	४	९	५	३०
६०	८०४	३६	९४	१३	६०	५	३
५७	५७	१	०	२	४	५	११

मास फलम्

इस महिने में मूंगफली, तिल्ली, अलशी तथा तेलमय धान्य का भाव मंदा होगा। अनाज का भाव उतरेगा। चांदी तथा सोने का भाव तेज होगा। मास के अन्त मे रुई के भाव में एकाएक तेजी आवेगी! रस, कस का

तिथि	सौर स्पष्ट रविः				जनवरी–फरवरी १९३९ इ.। दक्षिणायने शिशिर ऋतुः।
१	९	७	६	३७	
२	९	८	७	५३	चन्द्रदर्शनं। ❀ भौमः ४८।२० मकरे बुधः १४।२२ शततारका ३ गुरुः २७।४१
३	९	९	९	८	जिल्हेज १२ मु.। श्रवणे रविः ५०।२८ अनुः। १ भौमः २२।४२। गु. चं. यु.।
४	९	१०	१०	२३	भद्रा प्रा. स्टँ १५।२५ भद्रा स. स्टँ. ४।३२ रात्रौ। विनायकी ४
५	९	११	११	३५	वसन्त पंचमी उभायां ल. ५ गोधूलि रे ८ ।।।।।ऽअ.।ऽ।।
६	९	१२	१२	४७	उषायां बुधः ३।१७ श. चं. यु. रेवत्यां ल.९ गोधूलि रे. ९ ।।ऽ।।।।।।।
६	९	१३	१३	५९	
७	९	१४	१५	८	भद्रा प्रा. स्टँ. ८।१७ भद्रा स. स्टँ. २०।१४ रथ ७ भीष्मा ८ दुर्गा ८। अनुः। २ ❀
८	९	१५	१६	१६	रेवत्यां २ शनिः १२।० वैधृति महापात स्पर्शः स्टँ.२२।४४
९	९	१६	१७	२२	मूले धने शुक्रः ४१।० महापात मोक्ष स्टँ. ६।४५
११	९	१७	१८	२७	भद्रा प्रा. स्टँ. १६।३१ भद्रा स. स्टँ. ३।१८ जया ११ सर्वेषां।
१२	९	१८	१९	३१	फरवरी २ भीष्म १२ प्रदोष। अभिजित् बुधः ३०।१९ बकरीद मु. (एदल जुहा)
१३	९	१९	२०	३३	
१४	९	२०	२१	३३	भद्रा प्रा. स्टँ. १७।५ भद्रा स. स्टँ. ३।१० रात्रौ। अनु। ३ भौमः २१।४० श्रवणे बुधः ×
१५	९	२१	२२	३७	माघस्नान समाप्तिः। मघायां ल. ५।९ रे. ९ ।।।ऽ।।।।।। × ३५।१७ शेहेरिवर पारसी

तिथि	बुध रा.	अं.	क.	गति अं	क	गुरु रा.	अं	क.	गति क.	शुक्र रा.	अं.	क.	गति अं	क	शनि रा.	अं.	क	गति क.	राहु रा	अं	क.	वि.	गति क	वि.
१	८	१९	१०	१	२८	१०	११	४३	१३	७	२०	३३	०	५५	११	१९	२३	४	६	२०	४८	५७	३	११
२	८	२०	३८	१	२८	१०	११	५६	१३	७	२१	२८	०	५७	११	१९	२७	४	६	२०	४५	४६	३	११
३	८	२२	६	१	२९	१०	१२	९	१३	७	२२	२५	०	५७	११	१९	३१	४	६	२०	४२	३५	३	१०
४	८	२३	३५	१	२९	१०	१२	२२	१३	७	२३	२२	०	५९	११	१९	३५	४	६	२०	३९	२५	३	११
५	८	२५	४	१	३०	१०	१२	३५	१३	७	२४	२१	०	५९	११	१९	३९	५	६	२०	३६	१४	३	११
६	८	२६	३४	१	३१	१०	१२	४८	१३	७	२५	२०	०	५९	११	१९	४४	५	६	२०	३३	३	३	११
६	८	२८	५	१	३२	१०	१३	१	१३	७	२६	१९	१	०	११	१९	४९	५	६	२०	२९	५२	३	११
७	८	२९	३७	१	३३	१०	१३	१४	१३	७	२७	१९	१	०	११	१९	५४	५	६	२०	२६	४१	३	११
८	९	१	१०	१	३३	१०	१३	२७	१३	७	२८	१९	१	०	११	१९	५९	५	६	२०	२३	३०	३	११
९	९	२	४३	१	३४	१०	१३	४०	१३	७	२९	१९	१	१	११	२०	४	५	६	२०	२०	१९	३	१०
११	९	४	१७	१	३५	१०	१३	५३	१३	८	०	२०	१	२	११	२०	९	५	६	२०	१७	९	३	११
१२	९	५	५२	१	३५	१०	१४	६	१३	८	१	२२	१	१	११	२०	१४	५	६	२०	१३	५८	३	११
१३	९	७	२७	१	३६	१०	१४	१९	१३	८	२	२३	१	२	११	२०	१९	५	६	२०	१०	४७	३	११
१४	९	९	३	१	३७	१०	१४	३२	१३	८	३	२५	१	२	११	२०	२४	५	६	२०	७	३६	३	१०
१५	९	१०	४०	१	३७	१०	१४	४५	१३	८	४	२७	१	३	११	२०	२९	५	६	२०	४	२६	३	११

मास फलम् — अ. ४२ माघ शु. १५ शनौ प्रभाकर अहर्गण ५४१८ अयनांशः २२°।५९'।४१"

माव मंदा होगा। लखनौ तथा कानपुर के तरफ उपद्रव और हुल्लड अधिक प्रमाण में होंगे। मेष तथा मिथुन राशिवालों को यह महिना अधिक लाभका है।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
९	३	६	९	१०	८	११	६
२१	१७	१०	१०	१४	४	२०	२०
१९	१७	२३	४०	५५	२७	२९	४
३४	४२	२	१	०	४	३	२६
६०	७५	३६	९७	१३	६३	५	३
५०	५८	३	७	२	●	१	११

आनंदादि योगाः	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	पूर्व करण: करण	घटी	पल	उत्तर करण: करण	घटी	पल	शहरे इन्दौर का: दिनमान	र. उदय	र. अस्त	तारीख: हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	चन्द्रः
	सं. १९९५ श. १८६० फाल्गुन कृष्ण पक्षः																							
क्षय	१	र.	७/५५	३७/४४	म	४२	५१	शो	४३	५१	कौ	७	३०	ग	११/५४	१०/४४	२७/४५	७/८	५/१५	२३	१४	३	५	सिंह
ध्वज	३	सो.	५१	२	पू	३६	३७	अ	३४	१२	व	२२	५३	वि	५१	२	४९	८	१६	२४	१५	४	६	५० २५ कन्या
च. ब्र.	४	मं	४४	५३	उ	३१	४७	सु	२५	३७	ब	१७	५८	बा	४४	५३	५२	७	१६	२५	१६	५	७	कन्या
आनंद	५	बु.	४०	३८	ह	२८	४३	धृ	१८	२८	कौ	१२	४५	तै	४०	३८	५५	७	१७	२६	१७	६	८	५८ ६ तुल
चर	६	गु	३८	२०	चि	२७	३९	शू	१२	५४	ग	९	२९	व	३८	२०	५८	६	१७	२७	१८	७	९	तुल
गदः	७	शु	३८	४०	स्वा	२८	३६	गं	८	५८	वि	८	१४	बा	३८	८	२६/१	६	१८	२८	१९	८	१०	तुल
शुभः	८	श.	३९	५५	वि	३१	३१	वृ	६	३९	बा	९	१	कौ	३९	५५	४	५	१८	२९	२०	९	११	१५ ४७ वृश्चिक
मृत्यु	९	र.	४३	३८	ऽनु	३६	१२	धृ	५	५०	तै	११	४६	ग	४३	३८	९	५	१९	३०	२१	१०	१२	वृश्चिक
पद्म	१०	सो.	४८	२९	ज्ये	४२	१४	व्या	६	१७	व	१६	३	वि	४८	२९	१२	४	२०	१	२२	११	१३	४२ १४ धन
ए. व्र.	११	मं.	५४	२८	मू	४९	१५	ह	७	४०	ब	२१	२८	बा	५४	२८	१५	३	२१	२	२३	१२	१४	धन
ए. व्र.	१२	बु.	६०	०	पू	५६	३३	व	९	३९	कौ	२७	१४	तै	६०	०	१८	२	२१	३	२४	१३	१५	धन
प्र. व्र.	१२	गु.	०	३७	उ	६०	०	सि	११	४४	तै	०	२७	ग	३३	५०	२१	२	२२	४	२५	१४	१६	१२ ४९ मकर
शिवरात्री	१३	शु.	७	४	श्र	४	४	व्य	१३	५६	व	७	४	वि	४०	१०	२४	१	२२	५	२६	१५	१७	मकर
सिद्धि	१४	श.	१३	१६	उ	११	२२	व	१६	४२	श	१३	१६	च	४६	९	२७	७/०	१/२३	६	२७	१६	१८	४४ ५० कुंभ
अमा	३०	र	१९	२	घ	१८	१७	प	१७	३९	ना	१९	२	किं	५१	५	३०	०	२३	७	२८	१७	१९	कुंभ

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं	क.	वि.	गति क.	वि.	चन्द्र रा.	अं.	क.	वि.	गति अं.	क.	वि.	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क.
१४०२	१	रवि.	९	२२	२०	२४	६०	४९	४	२	३३	४०	१५	५	९	७	१०	५९	३६
१४०३	३	सोम.	९	२३	२१	१३	६०	४८	४	१७	३८	४९	१४	४६	३७	७	११	३५	३६
१४०४	४	मङ्गल.	९	२४	२२	१	६०	४७	५	२	२५	२६	१४	१८	३२	७	१२	११	३६
१४०५	५	बुध.	९	२५	२२	४८	६०	४५	५	१६	४३	४८	१३	४७	४६	७	१२	४७	३६
१४०६	६	गुरु.	९	२६	२३	३३	६०	४३	६	०	३१	३४	१३	१९	३३	७	१३	२३	३६
१४०७	७	शुक्र.	९	२७	२४	१६	६०	४२	६	१३	५१	७	१२	५३	४९	७	१३	५९	३६
१४०८	८	शनि.	९	२८	२४	५८	६०	४१	६	२६	४४	५६	१२	३२	१०	७	१४	३५	३६
१४०९	९	रवि.	९	२९	२५	३९	६०	४०	७	९	१७	६	१२	१४	१०	७	१५	११	३६
१४१०	१०	सोम.	१०	०	२६	१९	६०	३९	७	२१	३१	१६	१२	२	४९	७	१५	४७	३६
१४११	११	मङ्गल.	१०	१	२६	५८	६०	३७	८	३	३४	५	११	५३	४५	७	१६	२३	३६
१४१२	१२	बुध.	१०	२	२७	३५	६०	३६	८	१५	२७	५०	११	५३	१४	७	१६	५९	३५
१४१३	१२	गुरु.	१०	३	२८	११	६०	३४	८	२७	२१	४	११	५०	४५	७	१७	३४	३७
१४१४	१३	शुक्र.	१०	४	२८	४५	६०	३३	९	९	११	४९	११	५२	३४	७	१८	११	३६
१४१५	१४	शनि.	१०	५	२९	१८	६०	३१	९	२१	४	२३	११	५६	९	७	१८	४७	३६
१४१६	३०	रवि.	१०	६	२९	४९	६०	२९	१०	३	०	३२	१२	०	२६	७	१९	२३	३६

अ. ४३ पौष कृ ८ शनौ प्रभाकर अहर्गण ५४२५ अयनांशा: २२°।५९′।४२″

कुम्भ सक्रांतिफलम्

ग
१२
११ गु
शु ९
बु १० र
८ मं
के १
७ रा
चं
२
४
६
३
५

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
९	६	७	९	१०	८	११	६
२८	२६	१४	२२	१६	११	२१	१९
२४	४४	३५	१८	२७	५३	४	४२
५८	५६	१३	२२	१०	४	३	१०
६१	७५२	३६	१०४	१४	६५	५	३
४१	१०	०	०	०	०	०	११

फाल्गुन कृष्ण १ रविवारे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. २ न. ३ वार नाम घोरा। शूद्र सुखी। न. ना. मंदाकिनी। राजा सुखी। प्र. व्यापिनी। पिशाचान् हंति। दक्षिणे गमनं। नैऋत्यां दृष्टिः। मध्यम फलं। हस्ति वाहनं। खर उपवाहनं।

तिथि	सौर स्पष्ट रविः				फरवरी १९३९ इ. । दक्षिणायने शिशिर ऋतुः
१	९	२२	२३	३०	धनिष्ठायां रविः ५८।५६ स्वात्यां ४ राहुः भरण्यां २ केतुः २०।१२
३	९	२३	२४	२६	भद्रा प्रा. स्टॅं. १५।३६ । भद्रा स. स्टॅं. २।५२ रात्रौ ।
४	९	२४	२५	२०	अंगारकी संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्टॅं. २१।३४ उफायां ल. ५ गोधूलि रे. ८ ।।।।।ऽचोऽ।।।
५	९	२५	२६	१४	अनुराधाः ४ भौमः ५५।० हस्ते ल. गोधूलि रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।
६	९	२६	२७	१०	भद्रा प्रा. स्टॅं.१७।४७ व्यतिपात महापात स्पर्श स्टॅं. ५।११
७	९	२७	२८	५	भद्रा स. स्टॅं. ९।४५ । महापात मोक्ष स्टॅं. ११।५५
८	९	२८	२८	५७	काला ८ धनिष्ठायां बुधः ३५।१२ शततारका ४ गुरुः ५५।४३
९	९	२९	२९	४८	कुंभेर्कः ३३।५८ । मु. ३० पू. षा. शुक्रः २०।३७ मं. चं. यु. । रामदास नवमी ।
१०	१०	०	३०	३६	भद्रा प्रा. स्टॅं. १२।५२ भद्रा स. स्टॅं. १।५१ रात्रौ ।
११	१०	१	३१	२३	विजया ११ स्मार्त । ज्येष्ठा १ भौमः २८।२० मूले ल. गोधूलि रे. ७ ।ऽ।।।ऽ।ऽ।।
१२	१०	२	३२	८	विजया ११ भागवत । कुंभे बुधः२४।२४ । शु. चं. यु.
१२	१०	३	३२	५०	प्रदोषः
१३	१०	४	३३	३१	भद्रा प्रा. स्टॅं. ९।१७ भद्रा स. स्टॅं. २२।३१ । महा शिवरात्रिव्रतम्
१४	१०	५	३४	१०	दर्श ३० । = मीने भानुः १४।१६ । देवगुराडा यात्रा । बु. र. यु. । बु. चं. यु.
३०	१०	६	३४	४८	युगादि । शततारकायां रविः १०।८ ज्येष्ठा २ भौमः ५८,२३ शते बुधः ६।७ सायन =

तिथि	बुध रा.	अं.	क.	गति अं	क.	गुरु रा.	अं.	क	गति क.	शुक्र रा.	अं.	क.	गति अं.	क.	शनि रा.	अं.	क	गति क.	राहु रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.
१	९	१२	१७	१	३८	१०	१५	८	१३	८	५	३०	१	३	११	२०	३४	५	६	२०	१	१५	३	११
३	९	१३	५५	१	३९	१०	१५	२१	१३	८	६	३३	१	३	११	२०	३९	५	६	१९	५८	४	३	११
४	९	१५	३४	१	४०	१०	१५	३४	१३	८	७	३६	१	४	११	२०	४४	५	६	१९	५४	५३	३	१०
५	९	१७	१४	१	४२	१०	१५	४७	१३	८	८	४०	१	५	११	२०	४९	५	६	१९	५१	४३	३	११
६	९	१८	५६	१	४०	१०	१६	०	१३	८	९	४५	१	४	११	२०	५४	५	६	१९	४८	३२	३	११
७	९	२०	३६	१	४२	१०	१६	१३	१४	८	१०	४९	१	४	११	२०	५९	५	६	१९	४५	२१	३	११
८	९	२२	१८	१	४४	१०	१६	२७	१४	८	११	५३	१	५	११	२१	४	५	६	१९	४२	१०	३	११
९	९	२४	२	१	४४	१०	१६	४१	१४	८	१२	५८	१	४	११	२१	९	५	६	१९	३८	५९	३	१०
१०	९	२५	४६	१	४५	१०	१६	५५	१४	८	१४	२	१	६	११	३१	१४	५	६	१९	३५	४९	३	११
११	९	२७	३१	१	४६	१०	१७	९	१४	८	१५	८	१	६	११	२१	१९	६	६	१९	३२	३८	३	११
१२	९	२९	१७	१	४६	१०	१७	२३	१४	८	१६	१४	१	५	११	२१	२५	६	६	१९	२९	२७	३	११
१२	१०	१	३	१	४८	१०	१७	३७	१४	८	१७	१९	१	६	११	२१	३१	६	६	१९	२६	१६	३	१०
१३	१०	२	५१	१	४५	१०	१७	५१	१४	८	१८	२५	१	६	११	२१	३७	६	६	१९	२३	६	३	११
१४	१०	४	३६	१	४३	१०	१८	५	१४	८	१९	३१	१	६	११	२१	४३	६	६	१९	१९	५५	३	११
३०	१०	६	२९	१	४८	१०	१८	१९	१४	८	२०	३७	१	६	११	२१	४९	६	६	१९	१६	४४	३	११

संक्रांति फलम् अ. ४४ फाल्गुन कृष्ण ३० रवौ । प्रभाकर अहर्गण ५४३३ अयनांशाः २२°।५९'।४३"

लक्ष्मीकारक । रक्त वस्त्रं । धनुषायुधं । लोह पात्रं । पय भक्षणं । गोरोचन लेपनं । पशु जातिः । बिल्व पुष्प । मुकुट भूषणं । सित कंचुकी । प्रौढावस्था । पश्चिमे वत्सः । दक्षिणे राहुः । पाताले मूलं (बैठी) मुहूर्ताः ३०

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
१०	१०	७	१०	१०	८	११	६
६	३	१९	६	१८	२०	२१	१९
२९	०	२३	२९	१९	३७	४९	१६
४९	३२	६	१२	६	३	११	४४
६०	७२७	३६	१०८	१४	६६	६	३
२९	२६	४	२	१	०	३	११

आनंदादि योगाः	सं. १९९५ श. १८६० फाल्गुन शुक्ल पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	सू. उदय	सू. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
अमृत	१	सो	२४	८	श	२४	४५	शि	१९	०	ब	२४	८	बा	५६	३६	२८/३३	६/५१	६/२४	८	२९	१८	२०	कुंभ
फुलेरा	२	मं	२९	४	पू	३०	३९	सि	१५	५५	कौ	२९	४	तै	६०	०	३६	५८	२४	९	१	१९	२१	१४/१० मीन
काण	३	बु	३३	६	उ	३६	०	सा	२०	२२	तै	१	५	ग	३३	६	३९	५७	२४	१०	२	२०	२२	मीन
मित्र	४	गु	३६	५४	रे	४०	१२	शु	२०	१०	व	५	०	वि	३६	१४	४२	५६	२५	११	३	२१	२३	४०/१२ मेष
वज्र	५	शु	४०	३०	अ	४३	१७	शु	१८	५२	ब	८	४२	बा	४०	३०	४५	५६	२५	१२	४	२२	२४	मेष
ध्वांक्ष	६	श	३८	२०	भ	४५	१२	ब्र	१६	४७	कं	९	२५	तै	३८	२०	४८	५५	२६	१३	५	२३	२५	मेष
रवि. स.	७	र	३७	३	कृ	४५	२३	ऐं	१३	३४	ग	७	४१	व	३७	३	५१	५४	२६	१४	६	२४	२६	०/१५ वृषभ
प्रवर्ध	८	सो	३६	५१	रो	४४	१	वै	८	१९	वि	६	५७	ब	३६	५१	५५	५३	२७	१५	७	२५	२७	वृषभ
राक्षस	९	मं	२९	५६	मृ	४१	१	वि	३/५५	५/५४	बा	३/२९	२३/५६	तै	५६	५७	५८	५२	२७	१६	८	२६	२८	१२/३१ मिथुन
मुसल	१०	बु	२३	५८	आ	३६	३१	आ	४७	२५	ग	२३	५८	व	५०	२१	२/१	५२	२८	१७	९	२७	१	मिथुन
ए. व्र.	११	गु	१६	४५	पु	३०	५२	सौ	३९	३	वि	१६	४५	ब	४२	४४	४	५१	२८	१८	१०	२८	२	१७/१५ कर्क
प्र. व्र.	१२	शु	८	४३	पु	२४	३५	शो	२८	२६	बा	८	४३	कौ	३५	४५	७	५०	२९	१९	११	२९	३	कर्क
क्षय	१३	श	२/५०	४८/५१	आ	१७	४३	अ	१८	१४	तै	२/२६	४८/४१	व	५०	५१	११	४९	२९	२०	१२	३०	४	१७/४३ सिंह
होली	१५	र	४०	१६	म	१०	२५	सु	७/५७	३७/४९	वि	१६	३३	ब	४२	१५	१४	४८	३०	२१	१३	१	५	सिंह

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.	चन्द्र रा.	अं.	क.	वि	गति अं.	क.	वि.	मंगल रा.	अं.	क.	गति क.
१४१७	१	सोम.	१०	७	३०	१८	६०	२८	१०	१५	०	५८	१२	५	९	७	१९	५९	३६
१४२८	२	मङ्गल.	१०	८	३०	४६	६०	२७	१०	२७	६	७	१२	१२	२२	७	२०	३५	३६
१४१९	३	बुध.	१०	९	३१	१३	६०	२५	११	९	१८	२९	१२	१६	१	७	२१	११	३६
१४२०	४	गुरु.	१०	१०	३१	३८	६०	२३	११	२१	३४	३०	१२	३४	३४	७	२१	४७	३६
१४२१	५	शुक्र.	१०	११	३२	१	६०	२१	०	४	९	४	१२	४३	३७	७	२२	२३	३६
१४२२	६	शनि.	१०	१२	३२	२२	६०	२०	०	१६	५२	४१	१२	५९	४५	७	२२	५९	३६
१४२३	७	रवि.	१०	१३	३२	४२	६०	१८	०	२९	५२	२६	१३	२१	५८	७	२३	३५	३६
१४२४	८	सोम.	१०	१४	३३	०	६०	१६	१	१३	१४	२८	१३	४५	२५	७	२४	११	३६
१४२५	९	मंगल.	१०	१५	३३	१६	६०	१४	१	२६	५९	४९	१४	८	४६	७	२४	४७	३६
१४२६	१०	बुध.	१०	१६	३३	३०	६०	१३	२	११	८	३५	१४	३३	२१	७	२५	२३	३५
१४२७	११	गुरु.	१०	१७	३३	४३	६०	११	२	२५	४१	५६	१४	५०	१४	७	२५	५८	३५
१४२८	१२	शुक्र.	१०	१८	३३	५४	६०	९	३	१०	३२	१०	१४	५७	५७	७	२६	३३	३५
१४२९	१३	शनि.	१०	१९	३४	३	६०	७	३	२५	३०	७	१५	१४	१३	७	२७	८	३५
१४३०	१५	रवि.	१०	२०	३४	१०	६०	५	४	१०	४४	२०	१४	५७	२२	७	२७	४३	३५

अ. ४५ फाल्गुन शु. ८ सोमे । प्रभाकर अहर्गण ५४४१ अयनांशाः २२°।५९'।४४" **मास फलम्**

१२ श, ११ बु गु र, १० | के १, ९ शु | चं, ८ | ३, ४, ५, ६, ७ रा

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
१०	१	७	१०	१०	८	११	६
१४	१३	२४	२१	२०	२९	२२	१८
३३	१४	११	२६	१७	३२	३८	५१
०	२४	१४	१७	६	२	१३	१७
६०	८२५	३६	११४	१५	६८	७	३
१६	२५	२२	१०	३	०	४	११

अकाली वर्षा से मध्यप्रदेश तथा बरार में हानी अधिक होगी लाल मिर्च तथा तांबेका भाव एकाएक तेज होगा । पितलका भाव तेज होगा । रुई के खरेदी बिक्री में तेजीकी टौन में विशेष लाभ होगा । मालवा प्रदेश में

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	फरवरी–मार्च १९३९ इ. दक्षिणायने शिशिर ऋतुः
१	१० ७ ३५ २४	चन्द्रदर्शनम् । गु. चं. यु.
२	१० ८ ३५ ५८	मोहरम हि. स. १३५८
३	१० ९ ३६ ३९	=३४।५२ गुरु अस्त पश्चिमे वैधृति महापात स्पर्श स्टँ. १६।३३ मोक्ष २२।४२
४	१० १० ३६ ५६	भद्रा प्रा. स्टँ. ८।२७ भद्रा स. स्टँ. २१।१२ विनायकी ४ श चं. यु. उ. पा. शुक्रः =
५	१० ११ ३७ २१	
६	१० १२ ३७ ४५	ज्येष्ठा ३ भौमः ३५।० पू. भा. १ गुरुः २३।५
७	१० १३ ३८ ७	भद्रा प्रा. स्टँ. २१।१६ पू. भा.बुधः १४।४४ बु. गु. यु.
८	१० १४ ३८ २७	भद्रा स. स्टँ. ९।१४ दुर्गा ८ । मकरे शुक्रः २४।४२
९	१० १५ ३८ ४६	
१०	१० १६ ३९ ६	भद्रा प्रा. स्टँ. २।३५रात्रौ । मार्च ३
११	१० १७ ३९ २२	भद्रा स. स्टँ. १३।९ अमलकी ११ सर्वेषां । ताजिया मु. ।
१२	१० १८ ३९ ३६	प्रदोष ज्येष्ठा ४ भौमः १२।० मीने बुधः ३१।४६
१३	१० १९ ३९ ४८	भद्रा प्रा. स्टँ. २।४७ पू. भा. रविः २५।५४ मु. तीजा ।
१५	१० २० ३९ ५८	भद्रा स. स्टँ. १३।४ होलिका दीपनम् उ. भा. बुधः १९।५ अभिजिते शुक्रः १६।४६ + + रेवत्यां ३ शनिः आर्द्विबेहस्त ।

तिथि	बुध रा. अं क.	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क.	गति क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा. अं. क.	गति क	राहु रा. अं. क. वि	गति क वि.
१	१० ८ २९	१ ५०	१० १८ ३३	१४	८ २१ ४३	१ ६	११ २१ ५५	६	६ १९ १३ ३३	३ १०
२	१० १० ९	१ ५२	१० १८ ४७	१५	८ २२ ४९	१ ६	११ २२ १	६	६ १९ १० २३	३ ११
३	१० १२ १	१ ५२	१० १९ २	१५	८ २३ ५५	१ ६	११ २२ ७	६	६ १९ ७ १२	३ ११
४	१० १३ ५३	१ ५२	१० १९ १७	१५	८ २५ १	१ ७	११ २२ १३	६	६ १९ ४ १	३ ११
५	१० १५ ४५	१ ५३	१० १९ ३२	१५	८ २६ ८	१ ८	११ २२ १९	६	६ १९ ० ५०	३ ११
६	१० १७ ३८	१ ५४	१० १९ ४७	१५	८ २७ १६	१ ८	११ २२ २५	६	६ १८ ५७ ३९	३ ११
७	१० १९ ३२	१ ५४	१० २० २	१५	८ २८ २४	१ ८	११ २२ ३१	७	६ १८ ५४ २८	३ ११
८	१० २१ २६	१ ५४	१० २० १७	१५	८ २९ ३२	१ ८	११ २२ ३८	७	६ १८ ५१ १७	३ ११
९	१० २३ २०	१ ५४	१० २० ३२	१५	९ ० ४०	१ ८	११ २२ ४५	७	६ १८ ४८ ६	३ ११
१०	१० २५ १४	१ ५४	१० २० ४७	१५	९ १ ४८	१ ८	११ २२ ५२	७	६ १८ ४४ ५५	३ ११
११	१० २७ ८	१ ५३	१० २१ २	१५	९ २ ५६	१ ८	११ २२ ५९	७	६ १८ ४१ ४४	३ १०
१२	१० २९ १	१ ५२	१० २१ १७	१५	९ ४ ४	१ ८	११ २३ ६	७	६ १८ ३८ ३४	३ ११
१३	११ ० ५३	१ ५२	१० २१ ३२	१५	९ ५ १२	१ ९	११ २३ १३	७	६ १८ ३५ २३	३ ११
१५	११ २ ४५	१ ५०	१० २१ ४७	१५	९ ६ २१	१ ९	११ २३ २०	७	६ १८ ३२ १२	३ ११

मास फलम् — अ. ३८ पौष शु. १४ गुरौ प्रभाकर अहर्गण ५३८८ अयनांशाः २२°।५९'।३७"

उत्तर धान्य की फसल कहीं कहीं बिगड़ते हुए भी अच्छी तादाद में होगी। गल्ले का भाव मंदा होगा। दिल्ली तथा आगरा की ओर उपद्रव अधिक होंगे। वृषभ तथा सिंह राशिवालोंको यह मास उत्तम लाभ प्रद जावेगा।

बु १२ श, गु, १० शु, १ के, ११ रा, २, ८ मं, ३, ५ चं, ७ रा, ४, ६

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
१०	४	७	११	१०	९	११	६
२०	१०	२७	२	२१	६	२३	१८
३४	४४	४३	४५	४७	२१	२०	३२
१०	२०	३४	१३	१२	६	२	१२
६०	८९७	३५	७६०	१५	६८	७	३
५	२२	२	१२	४	३	१६	११

चैत्र कृष्ण पक्षः

आनंदादि योगाः	सं १९९५ श. १८६० चैत्र कृष्ण पक्षः										पूर्व करण			उत्तर करण			शहर इन्दौर का			तारीख				चन्द्रः
	तिथि	वार	घटी	पल	नक्षत्र	घटी	पल	योग	घटी	पल	करण	घटी	पल	करण	घटी	पल	दिनमान	र. उदय	र. अस्त	हिन्दी	मुसलिम	पारसी	इंग्रजी	
ध्वज	१	सो.	३४	३१	पू	५ १	५७ २०	शू	४८	२१	बा	८	१८	कौ	३४	३१	२९ १७	६ ४७	६ ३०	२२	१४	२	६	१८ ३० कन्या
धाता	२	मं.	२६	१५	ह	५३	५०	गं	४०	१७	तै	२१	१६	व	५४	१३	२०	४६	३१	२३	१५	३	७	कन्या
च. व्र.	३	बु.	२२	१२	चि	५१	१७	वृ	३३	२२	वि	२२	१२	ब	५०	८	२४	४५	३१	२४	१६	४	८	२२ ३६ तुल
अमृत	४	गु	१८	४४	स्वा	५०	७	ध्रु	२७	५९	बा	१८	४४	क	४७	५७	२७	४४	३२	२५	१७	५	९	तुल
मातंग	५	शु	१७	१०	वि	५१	४०	व्या	२४	६	तै	१७	१०	ग	४७	२७	३०	४४	३२	२६	१८	६	१०	३६ २२ वृश्चिक
शुभ	६	श.	१७	४४	ऽनु	५४	५०	ह	२१	२५	व	१७	४४	वि	४९	०	३३	४३	३२	२७	१९	७	११	वृश्चिक
अमृत	७	र.	२०	१६	ज्ये	५९	४५	व	२१	७	ब	२०	१६	बा	५२	२२	३७	४२	३३	२८	२०	८	१२	५९ ४५ धन
शीतला	८	सो.	२४	२९	मू	६०	०	सि	२१	४०	कौ	२४	२९	तै	५७	१२	४०	४१	३३	२९	२१	९	१३	धन
छत्र	९	मं.	२९	५६	मू	६	८	व्य	२३	११	ग	२९	५६	व	६०	०	४३	४०	३४	१	२२	१०	१४	धन
श्रीवत्स	१०	बु.	३६	०	पू	१३	१९	व	२५	१२	व	२	५८	वि	३६	०	४७	३९	३४	२	२३	११	१५	३० १० मकर
ए. व्र.	११	गु.	४२	२०	उ	२०	४५	प	२७	२७	ब	९	१०	बा	४२	२०	५०	३८	३४	३	२४	१२	१६	मकर
अमृत	१२	शु.	४८	२३	श्र	२८	८	शि	२९	३६	कौ	१५	२१	तै	४८	२३	५३	३७	३५	४	२५	१३	१७	५९ ३३ कुंभ
राक्षस	१३	श.	५३	५०	ध	३४	९	सि	३१	१९	ग	२१	६	व	१३	५०	५७	३६	३५	५	२६	१४	१८	कुंभ
प्र. व्र.	१४	र.	५८	३०	श	४१	९	सा	३२	३०	वि	२६	१०	श	५८	३०	३० ०	३५	३६	६	२७	१५	१९	कुंभ
सोमवती	३०	सो	६०	०	पू	४६	३४	शु	३३	७	च	२९	५५	ना	६०	०	३	३४	३६	७	२८	१६	२०	३० १३ मीन
अमा	३०	म.	२	२१	उ	५१	२	शु	३३	०	ना	२	२१	किं	३३	४५	१०	३२	३६	८	२९	१७	२१	मीन

के. अहर्गण	तिथि	वार	सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	गति क.	वि.	चन्द्र रा.	अं.	क.	वि.	गति अं.	क.	वि.	मङ्गल रा.	अं.	क.	गति क.
१४३१	१	सोम.	१०	२१	३४	१५	६०	४	४	२५	४१	४२	१४	४५	२५	७	२८	१८	३३
१४३२	२	मङ्गल.	१०	२२	३४	११	६०	२	५	१०	२७	७	१४	२१	२२	७	२८	५१	३७
१४३३	३	बुध.	१०	२३	३४	२१	५९	५९	५	२४	४८	२९	१३	५२	३३	७	२९	२८	३५
१४३४	४	गुरु.	१०	२४	३४	२०	५९	५८	६	८	४१	२	१३	२७	२६	८	०	३	३४
१४३५	५	शुक्र.	१०	२५	३४	१८	५९	५६	६	२२	८	३८	१३	११	४५	८	०	३७	३४
१४३६	६	शनि.	१०	२६	३४	१४	५९	५४	७	५	२०	१३	१२	२४	५८	८	१	११	३४
१४३७	७	रवि	१०	२७	३४	८	५९	५२	७	१७	४५	११	१२	१८	२५	८	१	४५	३४
१४३८	८	सोम.	१०	२८	३४	०	५९	५०	८	०	३	३६	१२	३	५२	८	२	१९	३४
१४३९	९	मङ्गल.	१०	२९	३३	५०	५९	४८	८	१२	६	५८	११	५५	३३	८	२	५३	३४
१४४०	१०	बुध.	११	०	३३	३८	५९	४६	८	२४	२	३१	११	५१	५८	८	३	२७	३४
१४४१	११	गुरु.	११	१	३३	२४	५९	४४	९	५	५४	२९	११	५०	१३	८	४	१	३४
१४४२	१२	शुक्र.	११	२	३३	८	५९	४२	९	१८	४४	४२	११	५४	५८	८	४	३५	३४
१४४३	१३	शनि.	११	३	३२	५०	५९	४०	९	२९	३९	४०	१२	०	५७	८	५	९	३४
१४४४	१४	रवि.	११	४	३२	३०	५९	३९	१०	११	४०	३७	१२	८	१३	८	५	४३	३४
१४४५	३०	सोम	११	५	३२	९	५९	३६	१०	२३	४८	५०	१२	१५	५८	८	६	१७	३४
१४४६	३०	मङ्गल.	११	६	३१	४५	५९	३४	११	६	४	४८	१२	२६	४६	८	६	५१	३४

अ. ४७ चैत्र कृष्ण ८ सोमे प्रभाकर अहर्गण ५४५५ अयनांशाः २२°।५९′।४५″   मीन संक्रांति फलम्
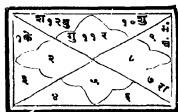
र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
१०	८	८	११	१०	९	११	६
२८	०	२	१६	२३	१५	२४	१८
३४	३	१९	९	४७	३६	१६	६
०	३६	६	२	७	४	११	४६
५९	७२३	३४	८२	१५	७०	७	३
५०	२२	१२	५	१२	४	११	११

चैत्र कृष्ण ९ भौमे मीनेऽर्कः प्र. वा, ३, न. ४। वार ना. महोदरी। चौर सुखी। नक्षत्र नाम घोरा। शूद्र सुखी। पूर्वाह्ण व्यापिनी। राजान् हंति। पूर्वे गमनं। आग्नेयां दृष्टिः। मध्यम

मार्च १९३९ इ दाक्षिणायने-उत्तरायणे शिशिर-वसंत ऋतुः

तिथि	सौर स्पष्ट रविः	
१	१० २१ ४० ६	धूली वन्दनम् । गु. र. यु.
२	१० २२ ४० १२	भद्रा प्रा. स्टँ. ४।८ रात्रौ व्यतिपात महापात स्पर्श स्टँ. १०।३१ मोक्ष स्टँ. १५।४१
३	१० २३ ४० १६	भद्रा स. स्टँ. १५।२० संकष्ट ४ चन्द्रोदय स्टँ. २१।१५ मूले धने भौमः ५४।५२ *
४	१० २४ ४० १९	
५	१० २५ ४० १९	रंग पंचमी * श्रवणे शुक्रः १०।२६
६	१० २६ ४० १७	भद्रा प्रा. स्टँ. १३।३३ भद्रा स. स्टँ. २।३० रात्रौ । पू. भा. २ गुरुः ३६।०
७	१० २७ ४० १३	
८	१० २८ ४० ६	काला ८ रेवत्यां बुधः २२।४१ शीतला पूजनम् । मं.चं. यु.
९	१० २९ ३९ ५७	मीने रविः २६।१५ मुहूर्ताः ३० मुले २ भौमः ४७।३९
१०	११ ० ३९ ४६	भद्रा प्रा. स्टँ. ७।३८ भद्रा स. स्टँ. २०।५१
११	११ १ ३९ ३२	पापमोचनी ११ सर्वेषां
१२	११ २ ३९ १६	उ. भा रविः ४७।६ शु. चं यु.
१३	११ ३ ३८ ५८	भद्रा प्रा. स्टँ. ३।५९ रात्रौ शनिप्रदोप +स्पर्श स्टँ. १४।५ मोक्ष स्टँ. १९।३७
१४	११ ४ ३८ ३८	भद्रा स. स्टँ १५।४३ शिवरात्रिव्रतं। धनिष्ठायां शुक्रः ३९।२६
३०	११ ५ ३८ १६	दर्श । मूले ३ भौमः ४०।३५ सोमवती पुण्यम् । गु. च. यु. वैधृति महापात +
३०	११ ६ ३७ ५२	अमा. वसन्ते सायन मेष भानुः २८।४३ उत्तर गोले अयनेच रविः

तिथि	बुध रा. अं. क	गति अं. क.	गुरु रा. अं. क.	गति क.	शुक्र रा. अं. क.	गति अं. क.	शनि रा अं. क	गति क	राहु रा. अं. क. वि	गति क वि.
१	११ ४ ३५	१ ४२	१० २२ २	१५	९ ७ ३०	१ ९	११ २३ २७	७	६ १८ २९ १	३ ११
२	११ ६ २४	१ ४३	१० २२ १७	१५	९ ८ ३९	१ ९	११ २३ ३४	७	६ १८ २५ ५०	३ १०
३	११ ८ १०	१ ४३	१० २२ ३२	१५	९ ९ ४८	१ ९	११ २३ ४१	७	६ १८ २२ ४०	३ ११
४	११ ९ ५३	१ ४०	१० २२ ४७	१५	९ १० ५७	१ ९	११ २३ ४८	७	६ १८ १९ २९	३ ११
५	११ ११ ३३	१ ३६	१० २३ २	१५	९ १२ ६	१ १०	११ २३ ५५	७	६ १८ १६ १८	३ १०
६	११ १३ ९	१ ३२	१० २३ १७	१५	९ १३ १६	१ १०	११ २४ २	७	६ १८ १३ ८	३ ११
७	११ १४ ४१	१ २८	१० २३ ३२	१५	९ १४ २६	१ १०	११ २४ ९	७	६ १८ ९ ५७	३ ११
८	११ १६ ९	१ २२	१० २३ ४७	१५	९ १५ ३६	१ १०	११ २४ १६	७	६ १८ ६ ४६	३ ११
९	११ १७ ३१	१ १६	१० २४ २	१५	९ १६ ४६	१ १०	११ २४ २३	७	६ १८ ३ ३५	३ १०
१०	११ १८ ४७	१ ९	१० २४ १७	१४	९ १७ ५६	१ १०	११ २४ ३०	७	६ १८ ० २५	३ ११
११	११ १९ ५६	१ ४	१० २४ ३१	१४	९ १९ ६	१ ९	११ २४ ३७	७	६ १७ ५७ १४	३ ११
१२	११ २१ ०	० ५५	१० २४ ४५	१४	९ २० १५	१ ९	११ २४ ४४	७	६ १७ ५४ ३	३ ११
१३	११ २१ ५५	० ४३	१० २४ ५९	१४	९ २१ २४	१ १०	११ २४ ५१	७	६ १७ ५० ५२	३ १०
१४	११ २२ ४४	० ४०	१० २५ १३	१४	९ २२ ३४	१ १०	११ २४ ५८	७	६ १७ ४७ ४२	३ ११
३०	११ २३ २४	० ३३	१० २५ २७	१४	९ २३ ४४	१ १०	११ २५ ५	७	६ १७ ४४ ३१	३ ११
३०	११ २३ ५७	०	१० २५ ४१	१४	९ २४ ५४	१	११ २५ १२	७	६ १७ ४१ २०	३ ११

संक्रांति फलम्

अ. ४८ चैत्र कृ. ३० भौमे प्रभाकर अहर्गण ५४६३ अयनांशाः २२°।५९'।४७"

फलं। वाहनं हस्ति । उपवाहनं खरः। लक्ष्मीकारक । रक्त वस्त्रं । धनुरायुधं । लोह पात्रं । पय भक्षणं । गोरोचन लेपनं । पशु जातिः । बिल्व पुष्पं । मुकट भूषणं । सित कंचुकी । प्रौढावस्था । वस्त पश्चिमे । द. राहुः । मूलं भूमौ । (बैठी) मु ३० ।

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
११	१०	८	११	१०	९	११	६
६	६	६	२३	२५	२४	२५	१७
३१	४	५१	५७	४१	५४	१२	४१
४५	४८	१४	२२	१४	६	२	२०
५९	७४६	३४	३३	१४	७०	७	३
३४	४६	३	२०	१०	३	१	११

॥ अथ मकर संक्रांति फलम् ॥

श्रीगणेशायनमः ॥ सजयति सिन्धुरवदनो देवो, यत्पाद पंकजस्मरणम् ॥ वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥ १ ॥ तिलस्नायी तिलोद्वर्ती तिलहोमी तिलोदकी ॥ तिलभुक् तिलदाताच षट्तिलाः पापनाशकाः ॥ २ ॥ स्वस्तिश्रीमन्नृपतिविक्रमार्क समयातीत संवत् १९९५ शालिवाहन शके १८६० विकृति नाम संवत्सरे उत्तरायणे शिशिर ऋतुः माघ मासे कृष्ण पक्षे ९ शनिवासरे घ. १ प. ४५ स्वाति नक्षत्रे घ. ११ प. १७ शूल योगे घ. ५४ प. ४७ तात्कालिक गर करणे श्रीसूर्योदयादिष्टम् घ. १ प. ३२ समये मकर राशौ रवेः संक्रमणं स्यात् ॥ अथास्य पुण्यकालः माघ कृष्ण ९ शनिवासरे १।४५ नंतरं सुर्यास्त-पर्यंत पुण्यकालः ॥ अथ वाहनादि प्रकाराः वाहनं गजः ॥ उपवाहनं गर्दभः ॥ रक्त वस्त्रम् ॥ आयुधं धनुः ॥ गोरोचनस्तिलकः ॥ वयसा प्रौढा ॥ अवस्था स्थिता ॥ बिल्व पुष्पं ॥ दुग्ध भक्षणं ॥ पशु जातिः ॥ गोमेद भूषणम् ॥ वारनाम राक्षसी ॥ नक्षत्रनाम महोदरी ॥ (बैठी) मुहूर्ता १५ ॥ आगमनं दक्षिणतः ॥ गमनं उत्तरस्यां दिशि ॥ अवलोकनमीशान्यां दिशि ॥ अथ स्वरूपम् ॥ पंचियोजन विस्तीर्णा लंबोष्ठी दीर्घनासिका ॥ एकवक्त्रा नवभुजा संक्रांतिः पुरुषाकृतिः ॥ १ ॥ यानि यानि च वस्तूनि संक्रांतिः स्वीकरोतिच ॥ तत्तन्महर्घं वा नाशः क्रयविक्रय-भीतिदा॥ २ ॥ आगमेच भवेत्सौख्य गमनं दुःखदायकम् ॥ दर्शनेच भवेद्धानिः संक्रांतेः फलमादिशेत् ॥ ३ ॥ इतीदं संक्रमणफलं तस्मात्प्राक् परतोऽपिवा ॥ शृणुयात् पुत्र पौत्राद्यैः मोदते सुचिरं भुवि ॥ ४ ॥ श्रीरस्तु ॥

अथ योगिनीचक्रम्.

ईशान. ३०।८	पूर्व. १।९	आग्ने. ३।११
उत्तर. २।१०	योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी ॥ दक्षिणे धनहंत्री च सन्मुखे मरण-प्रदा ॥ १ ॥	दक्षिण. ५।१३
वायव्य. ७।१५	पश्चिम. ६।१४	नैर्ऋत्य. ४।१२

अथ कालराहूचक्रम्.

ईशान.	पूर्व. शनी.	आग्ने. शुक्र.
उत्तर. रवि.	अर्कोत्तरे वायुदिशा च सोमे भौमे प्रतिच्यांबुधनैर्ऋतेच याम्ये गुरौ वह्निदिशा च शुक्रे मंदेचपूर्वे प्रवदंति कालम्	दक्षिण. गुरु.
वायव्य. सोम.	पश्चिम. मंगळ.	नैर्ऋत्य. बुध.

अथ दिशाशूलचक्रम्.

	पूर्व. चंद्र शनि.	
उत्तर. बुध मंगळ.	दिशाशूल लेजावो वामे राहु योगिनि पूठ ॥ सन्मुख लेवै चंद्रमा ल्यावे लक्ष्मी लूट ॥ १ ॥	दक्षिण. गुरु.
	पश्चिम. रवि शुक्र.	

अथ गुरुशुक्रयोरस्ते वर्जितकर्म.

वापीकूपतडागयज्ञगमनं क्षौरं प्रतिष्ठा ततो विद्यामंदिरकर्णवेधनमहादानं गुरोः सेवनं ॥ तीर्थस्नानविवाहकाम्यहवनं मंत्रोपदेशं शुभं दूरेणैव जीजीविषुः परिहरेदस्तंगुरोर्भार्गवे ॥ १ ॥

तृणकाष्ठादि संग्रह करना वर्ज्य

वासवोत्तरदलादिपंचके याम्यदेशगमनं गृहगोपनं । प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहं शैयकावितननं च वर्जयेत् ॥ १ ॥ धनिष्ठाका उत्तरदल. शत. पूर्वाभा. उ. भा. रेवती इन नक्षत्रोंमें दक्षिण गमन गृह छवाना माचा बुनाना तृणकाष्ठादिसंग्रहकरनानहीं.

अथ सूतीकासूर्यपूजनमहूर्त.

पुनर्वसुद्वयं चित्रा विशाखा भरणी-द्वयं । मूलमार्द्रा मघा हेया श्रवणो दशम-स्तथा ॥ सोमः शुक्रो बुधः सौरिः प्रसूति-स्नानकर्मणि । हेया प्रतिपदा षष्ठी नवमी च तिथिक्षयः ॥ २ ॥

लग्नेविश्वासग्रहाः

र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.
३	२	३	१	१	१	३	३
६	३	६	२	२	२	६	६
११	११	११	३	३	३	११	११
			४	४	४		
			५	५	५		
			६	६	९		
			९	९	१०		
			१०	१०	११		
			११	११			

लग्नभंगदा ग्रहाः

१	६	७	८	केंद्र	१२	९	५
सू.	चं.	सू.	चं.	रा.	गु.	मं.	श.
चं.	शु.	मं.	मं.	मं.	मं.	श.	
मं.	लग्न	बु.	बु.	श.			
श.	पति	शु.	गु.				
रा.		श.	शु.				
			लग्न				
			पति				

निसर्ग मैत्री

ग्रह	मित्र	सम	शत्रु
सू.	चं. मं. गु.	बु.	शु. श.
चं.	सू. बु.	मं. गु. शु. श.	०
मं.	सू. चं. गु.	शु. श.	बु.
बु.	सू. शु.	मं. गु. श.	चं.
गु.	सू. चं. मं.	श.	बु. शु.
शु.	बु. श.	मं. गु.	सू. चं.
श.	बु. शु.	गु.	सू. चं. मं.

अथ संमुखचंद्रदिशाप्रति.

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च कन्यामकरे च याम्ये युग्मं तुला कुंभसु पश्चिमाया कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्यां ॥ १ ॥ फल–सन्मुखो अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसंपदः । पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चंद्र धनक्षयः ॥ २ ॥

अर्थः–मेष सिंह धन. पूर्व. वृश्चिक कन्या मकर दक्षिण मिथुन तुला कुंभ पश्चिम कर्क मीन वृषभ उत्तर.

नवग्रहों के स्थान देशादि तथा ग्रहकृत अनिष्ट शमनार्थ दान और जप संख्या मुंथा सह.

ग्रह	रवि	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनी	राहु	केतू	मुंथा
स्थान व आकार प्रमाण	मध्य वर्तुल मंडल अंगुल १२	आग्नेयांचतुरस्त्र मण्डल अङ्गुल ४	दक्षिण त्रिकोण मण्डल अङ्गुल ३	ईशान्यांबाणाकार मण्डलअङ्गुल ४	उत्तरे दीर्घचतुरस्त्र मंडलअङ्गुल६	पूर्वे पच कोण मंडल अंगुल ९	पश्चिमेधनुष्याकार मंडल अंगुल २	नैऋत्यां शूर्पाकार मंडल अंगुल १२	वायव्ये ध्वजाकार मंडल अंगल ६	मुंथा जिस राशिमें स्थित हो उस राशी स्वामीका जप करनेसे अनिष्ट मुथाका फल उत्तम हो जाता है.
देश	कलिंग देशोद्भव	यमुनातीर	अवंति	मगध	सिन्धु	भोजकट	सौराष्ट्र	राठिना देश	अवन्ति	
गोत्र	काश्यप	आत्रेय	भारद्वाज	आत्रेय	आंगिरस	भार्गव	काश्यप	पैठीनस	जैमिनी	
वर्ण	रक्तवर्ण	श्वेत	रक्त	पीत	पीत	श्वेत	कृष्ण	कृष्ण	धूम्र	
स्वामी	सिंह का	कर्क का	वृश्चिक, मेष का	मिथुन कन्या का	धन, मीन	वृष. तुल	मकर कुम्भ	...	...	...
जपसंख्या	७०००	११०००	१००००	४०००	१९०००	१६०००	२३०००	१८०००	१७०००	११०००
ग्रहसमिधा	अर्क	पलाश	खदिर	अपामार्ग	पिप्पल	उदुम्बर	शमी	दूर्वा	कुशा	मुंथापतिकी
ग्रहदान रत्न	माणिक्य	मौक्तिक	प्रवाल	पांचि	पुखराज	हीरा	इन्द्रनील	गोमेद	लसण्या	नारियल
,, धान्य	गेहूँ	तन्दुल	गेहूँ, मसूर	मूँग	चने की दाल	तंदुल	तिल, उडद	तिल, गेहूँ	तिल	तंदुलान्न
,, पशु	धेनु	वृषभ	रक्त वृषभ	हस्ती	अश्व	श्वेताश्व, धेनु	महिषी, श्यामधेनु	अश्व	छाग	लवंग
,, वस्त्र	रक्त वस्त्र	श्वेत वस्त्र	रक्त वस्त्र	नील वस्त्र	पीत वस्त्र	चित्रांबर	कृष्ण कंबल	निल (कंबल)	कृष्ण	रक्त
,, रस	गुड	घृत कुम्भ	गुड	घृत	शर्करा	घृत	तैल	तैल	तैल	घृत
,, धातु	सुवर्ण	सुवर्ण	सुवर्ण	सुवर्ण	सुवर्ण	सुवर्ण	सुवर्ण	सुवर्ण	सुवर्ण	रौप्य
,, उपधातु	ताम्र	रौप्य	ताम्र	कांस्य	कांस्य	रौप्य	लोह	शीषा (लोह)	पोलाद	ताम्र
विशेष वस्तू	रक्त चंदन	कपूर, वंशपात्र	रक्तचंदन	कस्तूरी	लवण हलदी	पदारथ	कुलित्थ	अभ्रक	कस्तूरी	चणे
पुष्प	रक्त कमल	श्वेत पुष्प	कनेर	सर्व पुष्प	पीत	श्वेत	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	रक्त कनेर
ग्रहों के मन्त्र	ॐ घृणि सूर्याय नमः ॥	ॐ च चन्द्राय नमः ॥	ॐ अं अंगारकाय नमः ॥	ॐ बुं बुधाय नमः ॥	ॐ बृं बृहस्पतये नमः ॥	ॐ शुं शुक्राय नमः ॥	ॐ शं शनैश्चराय नमः ॥	ॐ रां राहवेनमः	ॐ कें केतवे नमः ।	ॐ मृत्युंजयाय नमः ।
ग्रहों के बीज मंत्र	ॐ ह्रांह्रींह्रूंसः सूर्याय नमः	ॐ श्रांश्रींश्रूंसः चंद्रायनमः	ॐ क्रांक्रींक्रूंसः भौमायनमः	ॐ ब्रांब्रींब्रूंसः बुधाय नमः	ॐ ज्रांज्रींज्रूंसः जीवाय नमः	ॐ आं ईं ऊँ सः शुक्राय नमः ।	ॐ खां खीं खूं सः मन्दाय नमः	ॐ भ्रांभ्रींभ्रूंसः राहवेनमः ।	ॐ क्रां क्रिं क्लूं सः केतवे नमः ।	ॐ नमः शिवाय ।

अधोमुखनक्षत्रफलम् ।	तिर्यङ्मुखनक्षत्रफलम् ।	ऊर्ध्वमुखनक्षत्रफलम् ।	उग्रनक्षत्रफलम् ।	चरनक्षत्रफलम्.
मूल. कृत्ति. मघा. विशा. भर. आश्लेषा. पूर्वाफा. पूर्वाषा. पूर्वाभा. इन नक्षत्रों में बावडी, कूवा, तलाव, हौद, खान, द्रव्य काढना. द्रव्य रखना. जुवा, गुफा प्रवेश, गणितांकप्रारंभ. इतने कार्य करना शुभ है।	ज्येष्ठा पुन. हस्त. अश्वि. मृग. रेवती. अनु. स्वाती. चित्रा. इन नक्षत्रों में घोडा, हाथी, उंट, गधा, बैल, मेंढा, शूर श्वान खरीदना, नाव पाणीमें घालना हल जोतना तैरना सारंगी सतार गमन इतने कार्य करना.	पुष्य आर्द्रा. श्रव. उत्तराफा. उत्तराषा. उत्तभा. शतता. रोहि. धनिष्ठा. इन नक्षत्रों मे देवालय, ध्वजा, मंडप, घर, कोट दिवाल, तोरण, चादा, बाग, बगीचा राज्याभिषेक इतने कार्य करना शुभ.	भरणी. पू. फा. पू. षा. पूर्वाभाद्रपदा. मघा. इन नक्षत्रों में शठत्व करना. नाश करना विष देना. बंधन उत्साह शस्त्र चलाना बालण इतने कार्य उक्त है।	पुनर्व. शत. स्वाती, श्रवण धनिष्ठा इन नक्षत्रों में हाथी, घोडा, नाना प्रकार का वाहन बाग-बगीचा जाना. पालखी रथ मे बैठना. इतने कार्य शुभदायक होते है।

लघुनक्षत्रफलम् ।	तीक्ष्णनक्षत्रफलम् ।	ध्रुवनक्षत्रफलम् ।	मिश्रनक्षत्रफलम् ।	मृदुनक्षत्रफलम्.
अश्वि. पुष्य. हस्त. ऽभिजित् इन नक्षत्रों में व्यवहार. भूषण धारण. कलाकुशल. क्रीडा करना औषध देना लेना. ज्ञानविद्या. सुधारणपणा. प्रस्थान करना शुभ है.	आर्द्रा. आश्ले. ज्येष्ठा मूळ इन नक्षत्रो में भूतादिक पीडा निवारण करना द्रव्य काढना. मंत्रसाधना बंधन भेद करना बंध करना. इतने कार्य शुभदायक हैं।	रोहिणी उत्तरा फाल्गुनी उत्त. षाढा उत्त. भाद्रपदा इन नक्षत्रों में बीज बोवना, नगर प्रवेश, राज्याभिषेक, बागाईत लगाना शिल्प कर्म. इतने कार्य करना हितकारक है।	कृतिका. विशाखा. इन नक्षत्रों में अभिषेक खेतमें बीज बोना. ग्रामनगर में प्रवेश बागाईत वृक्ष बेल लता शांतिकर्म इतने कार्य करना शुभ है।	मृग. चित्रा. अनु. रेवती इन नक्षत्रोंमें मित्रता स्त्रीसंग. भूषणधारण. वस्त्रधारण. गायनविद्या और नानाप्रकारका मंगलकार्य करना सुखकारक है।

प्रथम वधूप्रवेश मुकलावामुहूर्त.

हस्तद्वये ब्रह्मयुगे मघायां पुष्येधनिष्ठाश्रवणोत्तरेषु ॥ मूलानुराधाहयरेवेतीषु स्थिरेषु लग्नेषु वधूप्रवेशः॥१॥ उक्त नक्षत्र शुभ चन्द्र गुरु भृगु यह वार श्रेष्ठ २।५।८।११ लग्न श्रेष्ठ, चन्द्रबल देखे १।३।५ वर्ष श्रेष्ठ, पश्चात् अशुभ.

लातदक्षिण.				लातवाम.			
र.	मं.	गु.	श.	चं.	बु.	शु.	रा.
१२	३	६	८	२२	७	५	९

चंद्रसूर्यादियुतेस्वतियुतिदो.							
र.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	पाप२
दरिद्र	मरण	शुभ	सौख्य	संताप	वैराग्य	कलह	मरण

जामित्रलग्नभाद्ग्रहस्थितेसति.											
गो.	मृ.	म.	उ फा	ह.	स्वा	अ.	मू.	उ. षा	उ भा	रे.
अ.	ज्ये	ध.	पू. भा.	उ. भा.	अ.	कृ.	म.	पुन.	उ फा.	ह.

दग्धातिथिषु सर्वे.					
२	४	६	८	१०	१२
धनमीन	वृषकुंभ	मेषकर्क	मि.क.	ध.सिं.	मक.तु.

कांतिः सूर्याचन्द्रमसोः परस्परवेघेसति.					
मे	वृ	मि	क	क	तु
१	२	३	४	६	७
सिं	म	ध	वृ	मी	कुं
५	१०	९	८	१२	११

उपग्रहयंत्र सूर्यभाद्विवाहभं नहिं.

विद्युत्	५
शूल	८
सन्निपा	१४
केतु	१८
उल्का	१९
निघात	२२
कंप	२३
वज्र	२४

पातनिर्णय.

हर्षण, वैधृति, साध्य, व्यतिपात, गंड, शूल, इन योगोंके अंतमें विवाहका नक्षत्र होवे तों पातदोष लगे.

वेधयंत्रम्.

रो.	मृ.	म.	ह.	स्वा	अ.	मू.	रे.
ऽभि	उ. षा.	श्र.	उ. भा.	श.	भ.	पुन	उ. फा.

एकार्गलानिर्णयः

व्याघात, गंड, व्यतीपात, शूल, वैधृति, वज्र, परिघ, अतिगंड, यह योग विवाहके दिन होवे और रविनक्षत्रसे विवाहका नक्षत्र विषमांकपर होवे तो उक्त दोष होता है.

पंचकसूर्यांशेपु क्रमेण.

रोग	अग्नि	नृप	चोर	मृत्यु	बाण
८	२	४	६	१	सूर्या
१७	११	१३	१५	१०	शेषु.
२६	१९	२२	२४	२९	

अथ गंधर्वविवाह तथा पुनर्विवाह मुहूर्तः—इंद्ररुद्रादितिऽश्लेषा आग्नेयवरुणस्तथा ॥ अश्विनी वसुदैवत्यं पट्टकाले शुभं स्मृतः ॥१॥ ज्येष्ठा आर्द्रा पुनर्वसु अश्लेषा कृतिका शतभिषा अश्विनी धनिष्ठा। इतने नक्षत्र शुभ हैं गुरु शुक्र अस्तोदय दोष नहीं।

दिनके सहम ऊपरसे और रात्रिके सहम नीचेसे करो.

सहमा	एतऊ.	एतभ्य	एतेयुक्त	सहमा	एहीनक	इनमेक	एतेयु
पुण्य	सूर्य.	चंद्रान्	तनु	प्रसूति	बुध	गुरुतः	तनु
गुरुः	चंद्र	सूर्यात्	तनु	जाड्य	शनि	भौमात्	बुध
यश.	पुण्यं	जीवात्	तनु	जलप	चंद्र	शनैः	लग्न
मित्र	पुण्यं	गुरुतः	शुक्र	शत्रु	शनि	भौमात्	लग्न
महा.	भौमः	पुण्यात्	तनु	दरिद्र	बुध	पुण्यात्	बुध
आशा	शुक्रं	शनित	तनु	शास्त्र	शनि	गुरुतः	बुध
राज	सूर्य	शनेः	तनु	बंदक	बुध	चन्द्रात्	तनु
माता	शुक्रं	चंद्रात्	तनु	बंधन	शनि	पुण्यात्	तनु
उपाय	गुरुं	शनेः	तनु	अश्व	सूर्य	पुण्यात्	लाभ
कर्म	बुधं	भौमात्	तनु	अन्यक	शनि	चंद्रात्	तनु
कली	भौमं	गुरुतः	तनु	वृद्धि	सूर्य	जीवात्	तनु
चतुष्प	६ भाव	१२भा.	तनु	अग	शनि	भौमात्	तनु
रात्रौ	शोधक	शोध्य	त्रिमं	रात्रिमं	शोधक	शोध्य	

गुरुसमके समानही ज्ञान--विद्याज्ञाती होते हैं ऐसेही यशके समान बल देह और महात्मके सम शौर्य धैर्य माताके समान अंबू जीवितके समान उपाय विवाह सम स्त्री. कलीसोही क्षमायात्राके समान परदेश मार्ग होते हैं और शोध्यसे शोधक तक लग्न बीचमें नहीं आवे तो सहममें १ राशि और जोडदेनी अन्यथा नहीं ॥

दिनरात्रिमें इकसार सहम.

सहमा	एहीनक	इनमे	एयुक्त.
भ्रातृ	शनि	गुरुतः	लग्न
पुत्र	चंद्र	गुरुतः	लग्न
रोग	चंद्र	तनुतः	तनु
बंधु	चंद्र	बुधात्	तनु
मृत्यु	चंद्र	८भावा	शनि
यात्रा	धर्मेशं	धर्मात्	तनु
धन	धनेशं	धनात्	तनु
ऽन्यस्त्री	सूर्य	शुक्रात्	तनु
वणिक्	बुध	चन्द्रात्	तनु
विवाह	शनि	शुक्रात्	तनु
श्रद्धा	भौम	शुक्रात्	तनु
प्रीति	पुण्यं	ज्ञानतः	तनु
व्यापार	बुध	भौमात्	तनु
कन्या	चंद्र	शुक्रात्	तनु
संताप	चंद्र	शनितः	६ भा.
जलपा	शनि	कर्काद्धः	तनु
गज	गुरुः	चंद्रतः	तनु
घातक	पुण्यं	गुरुतः	तनु

दृष्टिचक्रं ताजकोक्तम्

शेषर	स्पष्टद.	लगु.	भागा	दृष्टिम.
१	०	४	३	ध.
२	४०	५	६	ऋ.
३	१५	१	१	ध.
४	१५	३	२	ऋ.
५	०	४	२	ध.
६	६०	२	१	ऋ
७	०	३	२	ध.
८	४५	१	१	ऋ.
९	१५	१	६	ऋ
१०	१०	१	३	ध.
११	०	२	१	ध.
०	६०	२	१	ऋ

जिस ग्रह या भाव ऊपर दृष्टि करणा होय उसमेंसे जिस ग्रहकी दृष्टि करणी हो उसकूं घटावे शेषराशितुल्य कोष्टक उक्त कर्म करे कलादि दृष्टि स्पष्ट होय ये दृष्टि १-४-७-१० भावोंपर या इन स्थानोंमें बैठे ग्रहोंपर शत्रुदृष्टि होती है. फल नेष्ट और ३-५-९-११ भावोंपर या ग्रहोंपर मित्रदृष्टि है. फल श्रेष्ठ ये स्थान ग्रह बैठेमें है. ।

त्रिराशिपतिचक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	रा
र	शु	श	शु	गु	चं		मं	श	मं	गु	चं	दि
गु	चं	बु	मं	र	शु	श	शु	श	मं	गु	चं	रा

द्रेष्काणचक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	रा
मं	बु	गु	शु	श	र	चं	मं	बु	गु	शु	श	१०
र	चं	मं	बु	गु	शु	श	र	चं	मं	बु	गु	२०
शु	श	र	च	मं	बु	गु	शु	श	र	चं	मं	३०

नवमांशाद्यगणना

मे	म	तु	क	आ.
१	२	३	४	रा.
५	६	७	८	रा.
९	१०	११	१२	रा.

स्वभात् मैत्रचक्रम्

मित्र	समा	शत्रु
३	२	१
५	६	४
९	८	७
११	१२	१०
०	०	०

हद्दाचक्रम्.

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मि.
गु. ६	शु. ८	बु. ६	मं. ७	गु. ६	बु. ७	श. ६	मं. ७	गु. १२	बु ७	शु. ७	शु. १२
शु. ६	बु. ६	शु. ६	श. ६	श. ५	शु. १०	बु. ८	शु. ४	शु. ५	गु. ७	बु. ६	गु. ४
बु. ८	गु. ८	गु. ५	बु. ६	श. ७	गु. ४	गु ७	बु ८	बु. ४	शु. ४	गु. ७	बु. ३
मं. ५	श. ५	मं. ७	गु. ७	बु. ६	मं. ७	शु. ७	गु. ५	मं. ५	श. ८	मं ५	मं. ९
श. ५	मं. ३	श. ६	श. ४	मं. ६	श २	मं. २	श. ६	श ४	मं ४	श. ५	श. २

श्लो०. नदत्रिपट्लग्नभवर्क्षपुत्रव्यया इनाद्धर्पपदं स्वभोचम् । त्रिभं त्रिभं लग्नभतः क्रमेण स्त्रीणां नृणां रात्रिदिने च तेषां ॥१॥ गतसम जन्मभ एककर युग्महीन नवदंश । बाकी सू. चं.म.रा.गु.श.बु.के.शु. त्रिघ्न मम अंश ॥२॥ टी०गतवर्षोंमें जन्मनक्षत्र संख्या जोड २ हीन ९ को भाग दे बाकी जो रहे सो सूर्यादिकोंकी दशाविंशोत्तरीके वर्षोंको तिगुणाकर अंश लिखे। वर्षका सूर्यमें १ राशि जोडके अवधिका सूर्यके आर महिनाका सूर्यके अंतरकी पलों से गतिकी पलोंको भागदे लब्ध दिनादि लेके पंक्तीके इष्टमें धन या ऋण करदे तो महिना स्पष्ट होजाय ॥ २ ॥
दो.तृसामें धर वर्ष तनु नभन जन्मके देष। चन्द्र चला नव वर्षसे चार चारसे शेष

अथ तिथिवारनक्षत्रादिषु त्रयोदशयोगकोष्टकम् लिख्यते ॥

योग.	रवि.	चंद्र.	मंगल.	बुध.	गुरु.	शुक्र.	शनि.	वार.
चर.	पूभा.	भरणी	आर्द्रा.	मघा.	चित्रा.	ज्येष्ठा.	अभि.	१
क्रकच.	१२ ति.	११	१०	९	८	७	६	२
दग्ध.	१२ ति.	११	५	३	६	८	९	३
मृत्युदा	१ ६ ११	२ ७ १२	१ ६ ११	३ ८ १३	४ ९ १४	२ ७ १२	५ १० १५	४
सिद्धि.	०	०	३ ८ १३	२ ७ १२	५ १० १५	१ ६ ११	४ ९ १४	५
उत्पात.	विशा.	पू. षा.	धनि.	रेव.	रोहि.	पुष्य.	उ. फा.	६
मृत्यु.	ऽनु.	उ. षा.	शत.	ऽश्वि.	मृग.	ऽश्ले.	हस्त.	७
काण.	ज्ये.	ऽभि.	पू. भा.	भरणी.	आर्द्रा.	म.	चित्रा.	८
सिद्धि.	मूल.	श्रव.	उ. भा.	कृति.	पुन.	पू. फा.	स्वाती	९
यमदंष्ट्र	मघा. धनिष्ठा.	मूल. विशा.	कृति. रोहि.	पू. षा. पुन.	उत्तरा. ऽश्वि.	रोहि. ऽनु.	श्रव. शत.	१०
यमघंट	मघ .	विशा.	आर्द्रा.	मूल.	कृति.	रोहि.	हस्त.	११
मुशल.	अभि.	पू. भा.	भर.	आर्द्रा.	मघा.	चित्रा.	ज्येष्ठा.	१२
अ.सि.	हस्त.	मृग.	ऽश्वि.	ऽनु.	पुष्य.	रेव.	रोहि.	१३

दिनका चौघडिया.

र	च	म	बु	गु	शु	श
उ	अ	रो	ला	शु	च	का
च	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	च	का	उ	अ	रो
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

रात्रीका चौघडिया.

र	चं	म	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
शु	च	का	उ	अ	रो	ला

अश्विन्यादिनक्षत्राणां चरणगतकष्टार्थे दानं कष्टावलीयंत्रम् ॥

अश्वि.	९	१०	७	७	मोती.	स्वाती.	११	२१	२	२३	घृत.
भरणी.	५	७	१५	५	अन्न.	विशा.	१५	१४	१	५	गुड.
कृत्तिका	१५	०	१५	५	घृत.	ऽनुरा.	१०	११	१२	१५	गेहूं.
रोहिणी	१७	१८	२६	२०	मधु.	ज्येष्ठा.	१	५	११	१८	रातो.
मृग.	१५	१७	२१	८	कालो.	मूल.	१६	१५	१८	८	मीटो.
आर्द्रा.	०	२	७	२	दूध.	पू. षा.	०	९	०	३०	अन्न.
पुन.	७	१२	२०	८	पीत.	उ. षा.	७	११	१०	०	रातो.
पुष्य.	७	११	१०	०	रातो.	ऽभि.	७	८	५	१५	भूमि.
ऽश्लेषा	७	०	०	०	रूपो.	श्रवण.	११	१८	१७	९	मुद्ग.
मघा.	२१	१५	१७	७	गाय.	धनिष्ठा.	१०	११	१५	७	तैल.
पूर्वा.	१५	५	९	९	गेहूं.	श. ता.	१६	२	२०	९	लूण.
उत्तरा.	७	१४	८	८	तैल.	पू. भा.	०	७	८	७	अन्न.
हस्त.	१७	८	२०	२०	श्वेत.	उ. भा.	७	११	१०	०	कालो.
चित्रा.	११	२१	२	१	मूत्र.	रेवती.	९	४७	०	०	हेम.

होरा.

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु	वृ	ध.	म.	कु.	मी.	अं.
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	१५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

द्रेष्काण.

मे.	वृ	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु	मी.	अं.
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	२०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	३०

विषमे त्रिंशांशकाः समे त्रिंशांशकाः

अं	मे.	मि.	सिं.	तु	ध	कु.	वृ.	क.	क.	वृ.	म	मी,	अ
५	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	५
१०	११	११	११	११	११	११	६	६	६	६	६	६	१२
१८	९	९	९	९	९	९	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
२५	३	३	३	३	३	३	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
३०	७	७	७	७	७	०	८	८	८	८	८	८	३०

सप्तांशक ४।१७।८।३४.

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं	क	तु.	वृ.	ध	म.	कु	मी.	अ	
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४	१७
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८	३४
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१२	५१
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७	८
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२१	२५
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५	४२
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०	०

नवमांशक.

मे.	वृ.	मि	क	सिं.	क.	तु	वृ.	ध	म	कु	मी.	अं.	
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३	२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६	४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०	०
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३	२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६	४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०	०
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३	२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६	४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०	०

द्वादशांशक.

मे.	वृ.	मि	क.	सिं.	क.	तु.	वृ	ध.	म	कु.	मी	अ.	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२	३०
२	३	४	५	६	७	४	९	१०	११	१२	१	५	०
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७	३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०	०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२	३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५	०
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७	३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०	०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२	३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५	०
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७	३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०	०

॥ अथ राशिगुणादिस्वरूपचक्रम् ॥

संज्ञा	पु. स्त्री	चरादि	तत्त्व	पुष्टकृश	पाद	वर्ण	गुण	धातु	शब्द	स्थान	क्रूरादि	बलस	समवि	दिशा	स्त्रीसंग	कांति	जाति	समादि	उदय	ऋतु	वुरुज	साइन
मेष	पुरुष	चर	अग्नि	दृढ	चतुष्पद	पाटलरक्त	तमदेह	पित्त	अतिरव	पर्वत	उग्र	दिवाब	विषम	पूर्व	अल्प	रूक्ष	क्षत्री	सम	पृष्ठो.	वसन्त	हमल	एरिस
वृषभ	स्त्री	स्थिर	पृथ्वी	दृढ	चतुष्पद	श्वेत	शीत	वायु	अतिरव	समभू.	सौम्य	रात्रि	सम	दक्षिण	मध्य	रूक्ष	वैश्य	विषम	पृष्ठो.	ग्रीष्म	सूर	टारस
मिथुन	पुरुष	द्विस्व	वायु	मृदु	द्विपद	हरित	तम	समधा	दीर्घशब्द	वनचर	उग्र	दिवा	विषम	पश्चिम	मध्य	स्निग्ध	शूद्र	विषम	शीर्षो.	ग्रीष्म	जोझा	जिमिना
कर्क	स्त्री	चर	जल	मृदु	अपद	पाटल	शीत	कफ	शब्दहीन	जलचर	सौम्य	रात्रि	सम	उत्तर	बहु	स्निग्ध	विप्र	सम	पृष्ठो.	वर्षा	सतान्	केन्अर
सिंह	पुरुष	स्थिर	अग्नि	दृढ	चतुष्पद	धूम्र	उष्ण	पित्त	दीर्घशब्द	पर्वत	उग्र	दिवा	विषम	पूर्व	अल्प	रूक्ष	क्षत्री	सम	शीर्षो.	वर्षा	असद	लिओ
कन्या	स्त्री	द्विस्व	पृथ्वी	कृश	द्विपद	पाडुरंग	शीत	वायु	अर्धशब्द	समभू	सौम्य	रात्रि	सम	दक्षिण	अल्प	रूक्ष	वैश्य	सम	शीर्षो.	शरत्	स ला	व्हर्गो
तुल	पुरुष	चर	वायु	दृढ	द्विपद	विचित्र	उष्ण	समधा	शब्दहीन	वनचर	उग्र	दिवा	विषम	पश्चिम	अल्प	स्निग्ध	शूद्र	सम	शीर्षो	शरत्	मांझान	लाइब्रा
वृश्चिक	स्त्री	स्थिर	जल	कृश	बहुपद	श्वेत	शीत	कफ	शब्दहीन	जलचर	सौम्य	रात्रि	सम	उत्तर	बहु	स्निग्ध	विप्र	सम	शीर्षो	हेमंत	अक्रब	स्कॉर्पि
धन	पुरुष	द्विस्व	अग्नि	हट	द्विाद	सुवर्ण	उष्ण	पित्त	अतिशब्द	पर्वत	उग्र	दिवा	विषम	पूर्व	अल्प	रूक्ष	क्षत्री	सम	पृष्ठो	हमत	का स	सगीटेरी
मकर	स्त्री	चर	पृथ्वी	दृढ	चतुष्पद	पीत	शीत	वायु	अतिशब्द	वनचर	सौम्य	रात्रि	सम	दक्षिण	अल्प	रूक्ष	वैश्य	विषम	पृष्ठो.	शिशि.	जदी	कॅप्रिकॉ
कुम्भ	पुरुष	स्थिर	वायु	दृढ	अपद	कर्बुर	उष्ण	समधा	खण्डशब्द	भूमि	उग्र	दिवा	विषम	पश्चिम	मध्य	स्निग्ध	शूद्र	विषम	शीर्षो.	शिशि.	दलु	एक्वारीस
मीन	स्त्री	द्विस्व	जल	दृढ	अपद	धूम्र	शीत	कफ	हीनशब्द	जलचर	सौम्य	रात्रि	सम	उत्तर	बहु	स्निग्ध	विप्र	विषम	उभयो.	वसन्त	हूत	पिसिस

रविरेखा ४८ दि. ३ घ. ४५

सू	चं	म	बु	गु	शु	श	ल
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

चंद्ररेखा ४९ दि १६।५१

सू	चं	म	बु	गु	शु	श	ल
३	१	२	१	१	३	३	३
६	३	३	३	४	४	५	६
७	६	५	४	७	५	६	१०
८	७	६	५	८	७	११	११
१०	१०	९	७	१०	९		
११	११	१०	८	११	१०		
		११	१०	१२	११		
			११				

भौमरेखा ३९ दि ५।।३९

सू	चं	म	बु	गु	शु	श	ल
३	३	१	३	६	६	१	१
५	६	२	५	१०	८	४	३
६	११	४	६	११	११	७	६
१०		७	११	१२	१२	८	१०
११		८				९	११
		१०				१०	
		११				११	

बुधरेखा ५४ दि ३।१७

सू	च	म	बु	गु	शु	श	ल
५	२	१	१	६	१	१	१
६	४	२	३	८	२	२	२
९	६	४	५	११	३	४	४
११	८	७	६	१२	४	७	६
१२	१०	८	९		५	८	८
	११	९	१०		८	९	१०
		१०	११		९	१०	११
		११	१२		११	११	

गुरुरेखा ५६ मा १।१८।५४

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	ल
१	२	१	१	१	२	३	१
२	५	२	२	२	५	५	२
३	७	४	४	३	६	६	४
४	९	७	५	४	९	१२	५
७	११	८	६	७	१०		६
८		१०	९	८	११		७
९		११	१०	१०			९
१०			११	११			१०
११							११

शुक्ररेखा५२दि३।५२।५१

सू	च	मं	बु	गु	शु	श	ल
८	१	३	३	५	१	३	१
११	२	५	५	८	२	४	२
१२	३	६	६	९	३	५	३
	४	९	९	१०	४	८	४
	५	११	११	११	५	९	५
	८	१२			८	१०	८
	९				९	११	९
	१०				११		११
	११				१२		

शनिरेखा ३९ मा ३।२२।२२

सू	चं	म	बु	गु	शु	श	ल
१	३	३	६	५	६	३	१
२	६	५	८	६	११	५	३
४	११	६	९	११	१२	६	४
७		१०	१०	१२		११	६
८		११	११				१०
१०		१२	१२				११
११							

लग्नरेखा ४८

सू	च	मं	बु	गु	शु	श	ल
३	३	१	१	१	१	१	३
४	६	२	२	२	२	३	६
६	११	६	४	४	३	४	१०
१०		१०	६	५	४	६	११
११		११	८	६	५	१०	
१२			१०	७	८	११	
			११	९	९		
				१०	११		
				११			

कष्टःस्यादेकरेखायांद्वाभ्यामर्थक्षयो भवेत्। त्रिभिः क्लेशं विजानीयाच्चतुर्भिस्समता वदेत्॥१॥ पंचाभिश्च वदेत्सौख्यंषड्भिश्चैव धनागमः। सप्तभिःपरमानंदमष्टभिस्सर्वसंपदम् ॥२॥ टी० जिस ग्रह का बल देखना हो उसकी रेखा जन्मकुंडली लिखके लगानी फिर विचारणीय राशी में कितने रेखा पाया हैं यदि १ से ३ तक पाया तो निर्बली ग्रह हुआ ४ पाया तो सम ५ से ८ पाया तो बली ऐसेही विचार, विवाह जनेऊ आदि कर्ममें करना। सब ग्रहो की रेखा एक जगह करने से आयु का निर्णय भी ठीक हो जाता है। और देखो जातक में

पञ्चधामैत्रीसप्तकवर्गीफलम्

१	सप्तक वर्ग में स्वगृही का	३०	०	०
२	मित्रामित्र, अति मित्र	२२	३०	०
३	मित्र सम, मित्र	१५	०	०
४	मित्र शत्रु, सम	७	३०	०
५	सम शत्रु, शत्रु	३	४५	०
६	शत्रु शत्रु, अति शत्रु	१	५२	३०

विंशोत्तरीदशाकी गणना.

सू	चं	म	रा	गु	श	बु	के	शु
६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०
कृ	रो	मृ	आ	पु	पु	ऽश्ले	म	पू
उ	ह	चि	स्वा	वि	अ	ज्ये	मू	पू
उ	श्र	ध	श	पू	उ	रे	अ	भ

योगिनीदशाकी गणना.

मं	पिं	ध	भ्रा	भ	उ	सि	सं
आ	पु	पु	ऽश्ल	म	पू	उ	ह
चि	स्वा	वि	अ	ज्ये	मू	पू	उ
श्र	ध	श	पू	उ	रे	०	०
०	०	०	अ	भ	कृ	रो	मृ
१	२	३	४	५	६	७	८

दशाभुक्त भोग्य की कर्त्तव्यता-गत नक्षत्र की घटी ६० में से घटा इष्ट घटी जोडे उसे भयात और ६० में घटाया उसी में प्रवेश नक्षत्र की घटी जोडे उसे भभोग कहते हैं भयात की पलों को दशा के वर्षों से गुण के भभोग की पलों से भागले लब्ध अंकवर्ष फिर शेषांक को १२ से गुण भभोग की पलों का भाग दे लब्ध मास को फिर ३० गुणाकर दिन ६० गुणाकर घटी और पलले फिर दशा का भुक्त यह है इसे दशा के वर्षों में घटा दें तो भोग्य वर्ष होता है.

अवस्थाच.

विषमे. समे.

मृता	३०	बाल
वृद्धा	२४	कुमा.
युवा	१८	युवा
कुमा	१२	वृद्धा
बाल	६	मृता

अवस्थाजाग्र.

सुप्त	जा	१०
सुप्त	१०	स्व
जाग्र	१०	सु
त्रि	क्ष	ष

तात्कालमैत्री

मित्राणि शत्रवः

२	१
३	५
४	६
१०	७
११	८
१२	९

अथ दत्तपुत्र मुहूर्तः—हस्तादिपंचकभिषग्वसुपुष्यभेषु सूर्यक्षमाजगुरुभार्गववासरेषु। रिक्ताविवर्जिततिथिष्वलिकुंभलग्ने सिंहे वृषे भवति दत्तपरिग्रहो यः ॥१॥

अर्थः—ह. चि. स्वा. वि. ऽनु. ऽश्वि. ध. पुष्य. इननक्षत्रोंमें र. मं. गु. शु. यह वार सिंह वृषलग्न शुभ और रिक्ता तिथि वृश्चिक, कुंभ लग्न अशुभ।

सूर्यदशा वर्ष ६ मध्ये सर्वांतराणि

ग्रह	सू	चं	मं	रा	गु	श	बु	के	शु
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मास	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दिन	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

चंद्र दशा वर्ष १० मध्ये सर्वांतराणि

ग्रह	चं	मं	रा	गु	श	बु	के	शु	सू
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
मास	१०	७	६	४	७	५	७	८	६
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

भौमदशा वर्ष ७ मध्ये सर्वांतराणि

ग्रह	मं	रा	गु	श	बु	के	शु	सू	चं
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
मास	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दिन	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

राहु दशा वर्ष १८ मध्ये सर्वांतराणि

ग्रह	रा	गु	श	बु	के	शु	सू	चं	मं
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
मास	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
दिन	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

गुरु दशा वर्ष १६ मध्ये सर्वांतराणि

ग्रह	गु	श	बु	के	शु	सू	चं	मं	रा
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
मास	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दिन	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

शनि दशा वर्ष १९ मध्ये सर्वांतराणि

ग्रह	श	बु	के	शु	सू	चं	मं	रा	गु
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
मास	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दिन	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

बुध वर्ष १७ मध्ये सर्वांतराणि

ग्रह	बु	के	शु	सू	चं	मं	रा	गु	श
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
मास	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दिन	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

केतु वर्ष ७ मध्ये सर्वांतराणि

ग्रह	के	शु	सू	चं	मं	रा	गु	श	बु
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
मास	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दिन	२७	०	६	०	२७	१८	६	९	२७

शुक्र वर्ष २० मध्ये सर्वांतराणि

ग्रह	शु	सू	चं	मं	रा	गु	श	बु	के
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
मास	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

स्ववर्गं द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत् ।
अष्टभिश्च हरेद्भागं योधिकः सऋणी भवेत् ॥

अर्थ—अपने वर्गका दुगनाकर दूसरेका वर्ग जोडना फीर ८ का भाग देना। फीर दूसरेका वर्ग दुगना करके अपना वर्ग जोडके ८ का भाग देना जिसका भाग शेषाङ्क अधिक बचे वोही कम वचनेवालेका ऋणी जानना—

अथ खातचक्रम्

	विवाह	देवालये	गेहारंभे	जलाशय	दिशा
सूर्य	२ ३ ४	१२ १ २	५ ६ ७	१० ११ १२	अग्नि खातं
सूर्य	११ १२ १	९ १० ११	२ ३ ४	७ ८ ९	नैऋत्यखातं
सूर्य	८ ९ १०	६ ७ ८	११ १२ १	४ ५ ६	वाय. खातं
सूर्य	५ ६ ७	३ ४ ५	८ ९ १०	१ २ ३	ईशा खातं

राशिसे शुभ अशुभ देखना

राशिः	मेष १	वृषभ २	मिथुन ३	कर्क ४	सिंह ५	कन्या ६	तुल ७	वृश्चिक ८	धन ९	मकर १०	कुंभ ११	मीन १२
रवि	स्थाननाश	भय	श्रीप्राप्ति	मानभंग	दैन्य	रिपुनाश	गमन	पीडा	कांतिक्षय	कार्यसिद्धि	वित्तलाभ	हानि
चन्द्र	अन्न	वित्तनाश	द्रव्यलाभ	कुक्षिरोग	कार्यनाश	वित्तलाभ	धनस्त्रीलाभ	मृत्यु	राजभय	महासौख्य	विविध	रोगधननाश
मङ्गल	शत्रुभय	धननाश	श्रीलाभ	शत्रुभय	धनक्षय	द्रव्यलाभ	शोक	शत्रुभय	कार्यनाश	शोक	वस्त्रलाभ	रोगधननाश
बुध	बंधुलाभ	धनलाभ	क्लेशक	अर्थलाभ	शत्रुभय	स्थानप्रा.	शरीरपीडा	धनलाभ	पीडा	सौख्य	धनलाभ	वित्तनाश
गुरु	भय	धनलाभ	रोग	द्रव्यनाश	सौख्य	शोक	राजमान	मृत्यु	सौख्य	दैन्य	द्रव्यलाभ	पीडा
शुक्र	शस्त्रघात	द्रव्यलाभ	वित्तनाश	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक	अन्नलाभ	वस्त्रलाभ	सौख्य	धनलाभ	द्रव्यनाश
शनि	धननाश	धनहर	धनलाभ	शत्रुभय	अर्थलाभ	अन्नलाभ	दीपनग्रह	शरीरपीडा	धनलाभ	दामनस्य	द्रव्यलाभ	अनर्थ
राहु	हानि	वित्तनाश	द्रव्यलाभ	वैर	शोक	वित्तलाभ	कलि	प्राणनाश	पाप	वैर	यश	हानि
केतु	हानि	वित्तनाश	द्रव्यलाभ	वैर	शोक	वित्तलाभ	कलि	प्राणनाश	पाप	वैर	यश	हानि

विंशोत्तरीय मुद्दा दशाक्रमः

गतवर्षों में जन्म नक्षत्र की संख्या जोडकर २ घटावें और ९ का भाग देने पर जो शेष बचे उस सूर्यादिकों की मुद्दा दशा समझें।

ग्रह	सू	चं	मं	रा	गु	श	बु	के	शु	योग
मास	०	१	०	१	१	१	१	०	२	१२
दिन	१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०	०

॥ अथ विविधाविषयसम्पन्न सर्वोपयोगी चक्रम् ॥

रवि	चंद्र	मंगल	बुध.	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	ग्रह
आफताब	माहताव	मिरीख	उतारुद	मुश्तरी	झाहार	झाहल	रास	जनब	सितारा
सन्	मून	मार्स	मर्क्यूं.	ज्युपिट.	वेनस	सॅटर्न	ड्रगोन्स	ड्रगोन्स	प्लेनेट
३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	ग्रहाणा एकपाददृष्टि
५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	५।९	द्विपाददृष्टिः
४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	त्रिपाददृष्टिः
७	७	४।७।८	७	७।५।९	७	३।७।१०	७	७	सम्पूर्णदृष्टिः
२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२	ग्रहाणा वर्षाणि
हरिवंश श्रवण	त्रिपुर जप	रुद्रीजप	कांस्य दान.	अमाव-स्या.	गोरक्षा	मृत्युजय जप	भुजंग दान	ध्वजा-दान	नेष्टग्रहस्य वर्षे दानोपायसाधनं
मास १	दिन २।	मास १॥	मास १	मास १३	मास १	मास ३०	मास १८	मास १८	ग्रहाणा एकराशिभुक्त प्रमाण
माणक	मोती	प्रवाल	पन्ना.	पुस्पराज	हीरा	नीलम	पिरोजी	लसण्या	ग्रहाणा रत्नानि
मेष १०	वृषभ ३	मकर २८	कन्या १५	कर्क ५	मीन १५	तुला २०	मिथुन १५	धन १५	ग्रहाणां उच्चराश्यंश
तुल १०	वृश्चिक ३	कर्क २८	मीन १५	मकर ५	कन्या २७	मेष २०	धन १५	मिथुन १५	ग्रहाणां नीच राश्यंश.
सिंह	कर्क	मे. वृ.	मि.क.	ध. मी.	वृष. तु.	म. कुं.	कन्या	मीन	स्वगृहाणि
सिंह	वृष	मेष	कन्या	धनु	तुला	कुंभ	कर्क	मकर	मूलत्रिकोण
क्षत्री	वैश्य	क्षत्री	शूद्र.	विप्र	विप्र	शूद्र निखाद	निखाद	निखाद	वर्ण
पुरु	स्त्री	पुरु	स्त्री	पु.	स्त्री.	स्त्री	पुरुष	पुरु.	पुरुष स्त्री.
चतुरस्त्र	व.स्थूल	चतुष्कों	वृत्त	वृत्त	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ	पुच्छ	आकार
मध्यह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपरह्न	अपराह्न	अपराह्न	समय
पूर्व	वायव्य	दाक्षि	उत्तर	ईशान्य	आग्नेय	पश्चिम	नैर्ऋत्य	नैर्ऋत्य	दिशा
सुवर्ण	रौप्य	सुवर्ण	कांस्य	हीरसुव	रौप्य	लोह	लोह	लोह	धातु
चतुष्प	बहुपद	चतुष्प	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजग अपद	अपद	अपद	पाद
उग्र	सौम्य	उग्र	शुभ	शुभ	शुभ	पाप	पाप	पाप	सौम्यादि
सत्व	सत्व	तम	रज	सत्त्व	रज	तम	तम	तम	गुण
स्थिर	चर	चर	द्विस्व.	स्थिर	चर	पक्षी स्थिर	चर	पक्षी	चरादि
तिक्त	क्षार	कटु	सर्वरस	मधुर	अम्ल	कषाय	कषाय	कषाय	रस
पशु प्राय	जलभू	दग्ध	श्मशान	वार्णा सुरालय	जलभू	उत्कर	उषर	उषर	भूमि
पित्त	श्लेष्म	पित्त	सम धातु	सम धातु	कफ शुक्र	वायु	वायु	वायु	पित्तादि
वृद्ध	युवा	युवा	युवा	वृद्ध	युवा	अतिवृद्ध	वृद्ध	वृद्ध	अवस्था
पाटल	गौरश्व	रक्त	नील	पीत	श्वेत	नील	धूम्र	धूम्र	रंग
मूल	जीव	धातु	जीव	जीव	मूल	मूल	धातु	धातु	धात्वादि
वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	संधि	विवर	विवर	स्थान

विवाहे रविचन्द्रगुरुशुद्धिचक्रम्

महाः	वरस्य रविः	उभयोः चन्द्रः	कन्याया गुरुः
शुभस्थान	३।६।१०।११	१।२।३।५।६ ७।९।१०।११	२।५।७।९।११
पूज्यस्थान	१।५।२।७।९		१।३।६।१०

चोरी में गई वस्तु मिले, न मिले, कितने दिनमें मिले

अन्धलोचन	रो.	पु.	उ.फा.	वि.	पू.षा.	ध.	रे.	शीघ्र मिले.	पूर्व दिशा.
मन्दलोचन	मृ.	आ.	ह.	ऽनु.	उ.षा.	श.	अ.	३ दिनमें मिले.	दक्षिण दिशा.
मध्यलोचन	आ.	म.	चि.	ज्ये.	ऽभि.	पू.भा.	भ.	६४ दिनमें मिले.	पश्चिम दिशा.

संवत् १९९५ शके १८६० का

तिथि साधन

अर्थात्

भूमध्य स्पष्ट सूर्य और स्पष्ट चन्द्र के प्रत्यक्षांतर से
सिद्ध किया हुआ उदाहरण सहित

तिथि समाप्ति काल।

शके १५८० तत्त्वविवेकोक्त) राशिचक्र का नकशा १ उत्तर ध्रुव (विशुवांश क्रांति के अं

अयनांश. १९।४ संपादक—चुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इन्दौर.

शके १८०० तत्वविवेकोक्त) राशिचक्र का नकशा २ दक्षिण ध्रुव (विपुवांश क्रांति के अंश

अयनांश. १९।४ संपादक.—चुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इन्दौर.

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ–बा	तिथि वार	भागलब्ध तिथि समाप्ति काल
			अ	आ	ब	बा			घटि–पल
मार्च ३१	३४६ ६८५	३३७·३१३	९·३७२	०·९७१८३	१२·६८०	१·१०३१२	९·८६८७१	३० गु	४४ २१
एप्रील १	३४७·६७२	३५०·९८०	३५६ ६९२	०·९३६१२	१२·८७०	१·१०९५८	९·८२९५४	१ शु	४०।८
२	३४८·६५८	४·८३६	३४३ ८२२	०·८९३३२	१३·१२१	१·११७९७	९ ७७५३५	२ श	३५।५७
३	३४९·६४४	१८·९४३	३०३·७०१	०·८२६१४	१३ १८१	१ ११९९५	१·७०६१९	३ र	३०।३१
४	३५० ६२९	३३·१०९	३१७·५२०	०·७४१९४	१३ २३१	१ १२१५९	९·६२०३५	४ चं	२५।२
५	३५१ ६१४	४७·३२५	३०४·२८९	०·६३२३६	१३ २४३	१ १२१९९	९ ५१०३७	५ मं	१९।२६
६	३५२ ५९८	६१·५५२	३११ ०४६	० ४८३७३	१३ २२२	१ १२१३०	९·३६२४३	६ बु	१४।४९
७	३५३·५८२	७५·७५८	२७७ ८२४	०·२६१५०	१३·११३	१ ११७७०	९·१४३८०	७ गु	८।२१
८	३५४·५६५	८९·८५४	२६४ ७११	९·८५१८७	१३ ०६३	१ ११६०४	८ ७३५८३	८ शु	३।१६
				१·१०४१८		१·११६०४	९ ९८८१४		५९।२२
९	३५५·५४८	१०३·९००	२५१ ६४८	१ ०६६२५	१२·९५४	१·११२४०	९ ९५३८५	१० श	५३।५७
१०	३५६ ५३०	११७ ८३६	२३८ ६९४	१·०२९१४	१२ ८०६	१·१०७४१	९·९२१७३	११ र	५०.६
११	३५७ ५११	१३१ ६२३	२२५ ८८८	०·९९५११	१२·६१५	१·१००८९	९·८९४२२	१२ चं	४७।२
१२	३५८ ४९२	१४५·२१९	२१३ २७३	० ९६७२२	१२·४०९	१·०९३६३	९ ८७३५९	१३ मं	४४।५१
१३	३५९·४७२	१५८ ६०५	२००·८६७	०·९४७९८	१२ १६७	१·०८५१८	९·८६२६०	१४ बु	४३।४४
१४	०·४५२	१७१·७५२	१८८ ७००	० ९३९५२	११·९५७	१·०७७६२	९·८६११०	१५ गु	४३।४०
१५	१·४३१	१८४ ६८८	१७६·७४३	०·९४१६६	११ ६५८	१·०६६६२	९ ८७५०४	१ शु	४४।३२
१६	२·४०९	१९७ ३२४	१६५ ०८५	०·९५८३२	११ ४०९	१ ०५७२५	९ ९०१०७	२ श	४७।४७
१७	३·३८७	२०९·७११	१५३ ६७६	०·९८५७०	११ १६४	१ ०४७९७	९ ९३७७३	३ र	५१।५९
१८	४ ३६५	२२१·८५७	१४२·५०८	१·०२१५२	११·०१०	१·०४१७९	९ ९७९७३	४ चं	५७।०
१९	५·३४२	२३३·८४४	१३१ ४९८	१·०६०६२	१० ८९०	१ ०३७०३	०·०२३५९	५ मं	६०।००
२०	६ ३१८	२४५·७१०	१२० ६०८	९·७८३९०	१० ८३१	१·०३४६७	८ ७४९२३	५ बु	३।२२
२१	७ २९४	२५७·७५७	१०९ ७७७	० २४९६९	१०·८८१	१·०३६६७	९ २१३०२	६ गु	९।४८
२२	८·२६९	२६९ ३७३	९८·८९६	०·४६१८०	११ ००१	१·०४१४३	९ ४२०३७	७ शु	१५।४७
२३	९·२४४	२८१ ३४९	८७·८९५	० ५९०५१	११ १८३	१·०४८५६	९ ५४१९५	८ श	२०।५४
२४	१० २१८	२९३ ५०६	७६·७१२	०·६७३२१	११·४५२	१·०६०४०	९ ६१२८१	९ र	२४।३६
२५	११ १९२	३०५ ९७२	६५·२२०	०·७१७६७	११·८१३	१ ०७२३६	९·६४५३१	१० चं	२६।३१
२६	१२ १६५	३१८ ७५८	५३·४०७	०·७३२९६	१२ २०४	१·०८६५०	९·६४६४६	११ मं	२६।३५
२७	१३·१३८	३३१ ९३५	४१ २०३	० ७१६२५	१२ ६०४	१·१००५१	९ ६१५७४	१२ बु	२४।४६
२८	१४·११०	३४५·५११	२८·५९९	०·६६२६६	१२·९३४	१·१११७३	९ ५५०९३	१३ गु	२१।२०
२९	१५·०८२	३५९·४१७	१५·६६५	०·५६४०७	१३ २६५	१·१२२७१	९·४४१३६	१४ शु	१६।३५
३०	१६·०५४	१३·६१४	२·४००	०·३८०२१	१३·५१५	१·१३०८२	९·२४९३९	३० श	१०।३९

वैशाख

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ–बा	तिथि वार	भागलब्धि तिथि समाप्ति काल
			अ	आ	ब	बा			घटि-पल
३० मे	१६·०५४	१३·६५४	२·४००	०·३८०२१	१३ ५१५	१ १३०८२	९ २४९३९	३० श	१० ३९
१	१७·०२५	२८·१४०	३४८ ८८५	९ ९४६९४ १ ११०८	१३·६६६	१·१३५६४	९·२४९३९ ८·८११३०	१ र	३ ५३ ५७।५३
२	१७·९९५	४२·७७६	३३५ २१९	१·०४९९५	१३·६६७	१·१३५६७	९·९८४४४	३ चं	४९।१५
३	१८·९६५	५७·४१३	३२१ ५५२	०·९८०३९	१३·६६७	१ १३४६७	९·२१४२८	४ मं	४१।५६
४	१९·९३४	७२ ०४१	३०७ ८८५	०·८९६८०	१३·६९७	१ १३६६३	९·८४४४२	५ बु	३४.३२
५	२०·९०३	८६ ७१५	२९४ १८८	० ७९११५	१३ ०७९	१ ११६५७	९·७३०१७	६ गु	२८।२५
६	२१·८७१	१००·७६२	२८१ १०२	०·७१५१७	१३·०५८	१ ११५८८	९·५९९२९	७ शु	२३·५१
७	२२·८३९	११४ ७८८	२६८ ०५१	०·६०७५६	१२·७७९	१ १०६५०	९·५०१०६	८ श	१९·१
८	२३·८०६	१२८ ५३४	२५५ २७२	० ५४८१	१२ ५१०	१ ०९७२६	९·४४७१५	९ र	१६ ४८
९	२४·७७३	१४२ ०११	२४२ ७६२	०·४४१२२	१२ २७९	१ ०८९१६	९·३५२०६	१० चं	१३ ३०
१०	२५·७४०	१५५·२५७	२३० ४८३	० ३९४९८	१२·०२०	१·०७९९०	९·३१५०८	११ मं	१२ २४
११	२६·७०६	१६७ २४३	२१८ ४६३	० ३९१४६	११·८११	१·०७२२९	९·११९१७	१२ बु	१२ ३१
१२	२७·६७२	१८१ ०२०	२०६ ६५२	०·४२३५७	११ ६०१	१ ०६४५०	९·३५९०७	१३ गु	१३ ४३
१३	२८·६३७	१९३ ५८६	१९५ ०५१	० ४८०४४	११ ३९२	१ ०५६६०	९·४२७८४	१४ शु	१६ ४
१४	२९·६०२	२०५ ९४३	१८३ ६५९	०·५६३३६	११ २४२	१·०५०४४	९·५११२८८	१५ श	१९।३३
१५	३०·५६६	२१८ १४९	१७२·४१७	० ६४५१३	११·०५२	१·०३३०४	९·६३१६९	१ र	२५।४२
१६	३१·५३०	२३० १६५	१६१ ३६५	० ७२९५७	१०·९९२	१·०४१०८	९·६८८४१	२ चं	२९ १७
१७	३२ ४९४	२४२ १२१	१५० ३७३	० ८०४३४	१०·८७४	१ ०३१३८	९·७३७६	३ मं	३५।१०
१८	३३ ४५७	२५३ ९५०	१३९ ४९९	० ८७५००	१०·८५३	१ ०३१५५	९·८४३४५	४ बु	४१।५१
१९	३४ ४२०	२६५ ७७४	१२८ ६४६	०·९३६८२	१०·८८५	१ ०३६८३	९·८९९९९	५ गु	४७ ३९
२०	३५·३८२	२७७ ६०१	११७ ७६१	० ९८९४९	११·०१४	१·०४१९५	९·९४७५४	६ शु	५३·१०
२१	३६.३४४	२८९ ५९७	१०६ ७४७	१ ०३११०	११·१८४	१ ०४८६०	९·९८३६०	७ श	५७ ४७
२२	३७.३०६	३०१ ७४३	९५ ५६३	१ ०६३०७	११·३९६	१ ०५९७५	०·०००३२	८ र	६०।०
२३	३८·२६७	३१४ १००	६४ १६७	९ ७५३५८	११·७८५	१ ०७१३३	८·६८२२५	८ चं	२।५३
२४	३९·२२८	३२६ ८४६	७२ ३८२	९·५८२०६	१२ १८५	१ ०८५८३	८·४९६२३	९ मं	१।५३
२५	४०·१८९	३३९ ९९२	६०·१९७	९ २९४४८ १ ०८६२५	१२ ५७७	१ ०८६२५ १ ०९९५८	८·१९४८८ ९·९८६६७	१० बु	०.५६ ५८।११
२६	४१·१४१	३५३ ५२९	४७ ६२०	१ ०६५२०	१३·००६	१ ११३१७	९·९५२०२	१२ गु	५३ ४४
२७	४२ १०१	७ ४९५	३४ ६१४	१ ०२५७१	१३ ४३७	१ १२८३०	९·८९७४१	१३ शु	४७।२३
२८	४३·०६८	२१·८९१	२१ १७७	० ९६२५०	१३ ७३८	१ १३७९२	९·८२४८२	१४ श	४०.५
२९	४४·०२७	३६ ५८८	७·४३९	० ८७१५१	१३·९८७	१·१४५७२	९·७२५७९	३० र	३१।५५

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्ण पक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश नष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ-बा	तिथि वार	भाग लब्धि तिथि समाप्ति काल
मे			अ	आ	ब	बा			घटि-पल
२९	४४·०२७	३३·५८८	७·४३९	०·४७१५१	१३·९८७	१·१४५७२	९·७२५७९	३० र	३१।५५
३०	४४·९८६	५१·५३४	३५३·४५२	०·७३६५५	१४·०९०	१·१४८९१	९·५८७६४	१ चं	२३।१३
३१	४५·९४५	६६·५८३	३३९·३६२	०·५२६६०	१४·०७६	१·१४८४८	९·३७८१२	२ मं	१४।२१
जून									
१	४६·९०३	८१·६१७	३२५·२८६	०·१०९२४	१३·८५९	१·१४१७३	८·९५६५१	३ बु	५।२३
				१·१२७९८		१·१४१७३	९·९८६१५		५८।७
२	४७·८६१	९६·४३४	३११·४२७	१·००६१७	१३·५७८	१·१३२८४	९·८७३३३	५ गु	५०।३०
३	४८·८१९	११०·९७०	२९७·८४९	०·९९३३९	१३·२२८	१·१२१४९	९·८७१९०	६ शु	४४।४०
४	४९·७७७	१२५·१४६	२८४·६२१	०·९३५५६	१२·८५०	१·१०८९०	९·८२६६६	७ श	४०।१५
५	५०·७३४	१३८·९६३	२७१·७७१	०·८९०४८	१२·४०९	१·०९३७४	९·७९६८४	८ र	३७।२५
६	५१·६९१	१५२·३२९	२५९·३६२	०·८६७००	१२·०८९	१·०८२३९	९·७७४६१	९ च	३५।४३
७	५२·६४८	१६५·३९५	२४७·२८३	०·८६१७१	११·७७०	१·०७०७८	९·७९०९३	१० मं	३५।४
८	५३·६००	१७८·१०२	२३५·५ ३	०·८७५२३	११·५१०	१·०६१०८	९·८१४१५	११ बु	३५।७
९	५४·५६१	१९०·५६८	२२३·९९३	०·९०२७१	११·३८०	१·०५६१४	९·८४६५७	१२ गु	४२।९
१०	५५·५१७	२०२·९०४	२१२·६१३	०·९३५१५	११·१११	१·०४५७५	९·८८९४०	१३ शु	४६।३१
११	५६·४७३	२१४·९७१	२०१·५०२	०·९७७८२	११·०३०	१·०४२५८	९·९३५२४	१४ श	५१।४१
१२	५७·४२९	२२६·९५७	१९०·४७२	१·००२०३	१०·९८१	१·०४०६४	९·९६१३९	१५ र	५४।१४
१३	५८·३८४	२३८·८९३	१७९·४९१	१·०६०३६	१०·९३२	१·०३८७०	०·०२१६६	१ चं	६।१०
१४	५९·३३९	२५०·७८०	१६८·५५९	१·०९८९५	१०·८७१	१·०३६२७	८·७१६११	१ मं	३।६
१५	६०·२९४	२६२·६०६	१५७·६८८	०·२२०३७	१०·९०१	१·०३७४७	९·१८९९०	२ बु	९।१७
१६	६१·२८९	२७४·४६२	१४६·७८७	०·४४५१४	१०·९५२	१·०३९४९	९·४०५६५	३ गु	१५।१६
१७	६२·२०४	२८६·३६९	१३५·८३५	०·५८३७७	११·०२१	१·०४२२२	९·५४१५५	४ शु	२०।५३
१८	६३·१५९	२९८·३४५	१२४·८१४	०·६८२५१	११·१९२	१·०४८९१	९·६३३६०	५ श	२५।४९
१९	६४·११३	३१०·४९१	११३·६२२	०·७४९८९	११·३६८	१·०५५५३	९·६९४३६	६ र	२९।४१
२०	६५·०६७	३२२·८०९	१०२·२५८	०·७९६४४	११·७३२	१·०६९३७	९·७२७०७	७ चं	३२।०
२१	६६·०२१	३३५·४८५	९०·५२६	०·८१४६५	१२·०६२	१·०८१४२	९·७३२२३	८ मं	३२।२८
२२	६६·९७५	३४८·५११	७८·४६४	०·८१०५६	१२·४५२	१·०९५२०	९·७१५३०	९ बु	३१।९
२३	६७·९२९	१·९१७	३६·०१२	०·७७९०२	१२·८६३	१·१०९३४	९·६६९६८	१० गु	२८।३
२४	६८·८८३	१५·७३४	५३·१४९	०·७११४७	१३·३७२	१·११६४२	९·५८५२७	११ शु	२३।५
२५	६९·८३७	३०·०६०	३९·७७७	०·५७७१५	१३·७४२	१·१३८०५	९·४३९१०	१२ श	१६।३०
२६	७०·७९१	४४·७५६	२६·०३५	०·३०८५६	१४·११३	१·१४९६२	९·१५८९४	१३ र	८।४०
						१·१४९६२	९·९९७५९		५९।४०
२७	७१·७४४	५९·८२२	११·९२२	१·१४७२१	१४·२२४	१·१५३०२	९·९२३३३	३० चं	५०।१७
				१·०७६३५					

आषाढ

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

गताब्द	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश नष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ बा	तिथि वार	भागलब्धि तिथी समाप्ति काल
			अ	आ	ब	बा			घटि–पल
जून									
२७	७१·७८४	५९·८१२	११·९२२	१·०७६३५	१४·२२४	१·१५३०२	९·९२३३३	३० चं	५०।१७
२८	७२·६९७	७४·९९९	३५७·६९८	०·९८६६८	१४·३३२	१·१५६३१	९·८३०१७	१ मं	४०।३६
२९	७३·६५१	९०·२८५	३४३·३६६	०·८६७२३	१४·१४४	१·१५०५७	९·७१६६६	२ बु	३१।१५
३०	७४·६०४	१०५·३८२	३२९·२२२	०·७१७८४	१३·८६३	१·१४१८६	९·५७५९८	३ गु	२२।३६
जुलाई									
१	७५·५५७	१२०·१९८	३१५·३५९	०·५२६२१	१३·४७३	१·१२९४६	९·३९६७५	४ शु	१४।५८
२	७६·५११	१३४·६२५	३०१·८८६	०·२७५५४	१२·९७३	१·११३०४	९·१६२५०	५ श	८।४३
३	७७·४६४	१४८·०४१	२८८·११३	९·९६०४७	१२·५०३	१·०९६०१	८·८६४४६	६ र	४।२४
४	७८·४१७	१६२·००७	२७६·४१०	९·६११२८	१२·०४३	१·०८०७३	८·५३२०५	७ चं	२।३
५	७९·३७१	१७५·००४	२६४·३६७	९·५६४६७	११·७२३	१·०६९०३	८·४१५६४	८ मं	१।५३
६	८०·३२४	१८७·६८०	२५२·६४४	९·८०८८९	११·३८३	१·०५६६६	८·७५२६३	९ बु	३।२४
७	८१·२७७	२००·०१६	२४१·२६१	०·१००३१	११·१५१	१·०४७३९	९·०५३३२	१० गु	६।४७
८	८२·२३१	२१२·१२३	२३०·१०८	०·३२३८७	११·००१	१·०४१५१	९·२८२३६	११ शु	११।३०
९	८३·१८४	२२४·०७९	२१९·१०५	०·४९२०६	१०·९१३	१·०३७९४	९·४५४१२	१२ श	१७।१४
१०	८४·१३७	२३५·९४५	२०८·१९२	०·६२२८२	१०·८९३	१·०३७१५	९·५९५९७	१३ र	२३।३८
११	८५·०९१	२४७·७९२	१९७·२९९	०·७२४१९	१०·८९३	१·०३७१५	९·६८७०४	१४ चं	२९।११
१२	८६·०४४	२५९·६३८	१८६·४०६	०·८०६५९	१०·९२२	१·०३८३०	९·७६८२९	१५ मं	३५।१२
१३	८६·९९८	२७१·४१४	१७५·४८४	०·८७४१३	१०·९९४	१·०४०१६	९·८३३९७	१ बु	४०।५६
१४	८७·९५१	२८३·६६१	१६४·४९०	०·९२८९१	११·०५२	१·०४३४४	९·८८५४७	२ गु	४६।६
१५	८८·९०५	२९[illegible]·४२७	१५३·४३८	०·९७८८८	११·१६२	१·०४७०४	९·९२७१४	३ शु	५०।४४
१६	८९·८५९	३०७·५८३	१४२·२७६	१·०११८२	११·२९३	१·०५२८१	९·९५९०१	४ श	५४।६
१७	९०·८१३	३१९·८३०	१३०·९८३	१·०४०७२	११·४६२	१·०५९२६	९·९८१४६	५ र	५७।३०
१८	९१·७६७	३३२·०४२	११९·५२१	१·०६१४९	११·७०३	१·०६८३०	९·९९३१९	६ चं	५९।४
१९	९२·७२१	३४४·२०३	१०७·८९८	१·०७२५४	११·९८२	१·०७८५२	९·९९४०२	७ मं	५९।११
२०	९३·६७५	३५७·८३१	९५·८३६	१·०७२२१	१२·३१३	१·०९०३६	९·९८१८५	८ बु	५७।३३
२१	९४·६२९	११·२०६	८३·५२३	१·०६१५७	१२·७३१	१·१०४८६	९·९५६७१	९ गु	५४।१९
२२	९५·५८४	२४·७९२	७०·७९२	१·०३३१०	१३·१४१	१·११८६३	९·९१४४७	१० शु	४९।१६
२३	९६·५३९	३८·४८८	५८·६५१	०·९८४५७	१३·४४२	१·१२८४६	९·८५६११	११ श	४३।५
२४	९७·४९४	५३·००५	४४·२०९	०·९१४२९	१३·९९९	१·१४६१०	९·७६८१९	१२ र	३५।११
२५	९८·४४९	६८·०३१	३०·२१८	०·७९३६५	१४·१५१	१·१५०७९	९·६४२८६	१३ चं	२६।२२
२६	९९·४०४	८३·३३७	१६·०६७	०·६०९२७	१४·२६१	१·१५४१५	९·४५५१२	१४ मं	१७।७
२७	१००·३५९	९८·५५३	१·८०६	०·२५६७२	१४·१९१	१·१५२०१	९·१०४७१	३० बु	७।३८
									५४।९

श्रावण

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि घटि पल	तिथि वार	भागलब्धि तिथि समाप्ति काल
जुलाई			अ	आ	ब	बा			घटि—पल
२७	१००·३५९	९८·५५३	१·८०६	१·१०७४१	१४·१९१	१·११२०१	९·९५५४०	३० बु	५४।९
२८	१०१·३१५	११३·७००	३४७·६१५	१·०६४०२	१३·९६०	१·१४४१२	९·९१९१०	२ गु	८९।४८
२९	१०२·२७१	१२८·६१६	३३३·६५५	०·९८४७५	१३·६०१	१·१३३५७	९·८५११८	३ शु	४२।३६
३०	१०३·२२७	१४३·१७३	३२०·०५४	०·९ ६०१	१३·११०	१·११०६०	९·८८८४१	४ श	३६।५२
३१	१०४·१८३	१५७·२३९	३०६·९०४	०·८४१६१	१२·६३०	१·१०१४०	९·७४०२१	५ र	
आग									३२।५९
१	१०५·१४०	१७०·८२६	२९४·३१४	०·८००३०	१२·१४९	१·०८४५४	९·७१५७६	६ चं	३१।११
२	१०६·०९७	१८३·९३२	२८२·१६५	०·७८९९३	११·७४९	१·०७०००	९·७१९९३	७ मं	३१।२९
३	१०७·०५४	१९६·६३८	२७०·४१६	०·८०७२६	११·३७०	१·०५५७६	९·७५१५०	८ बु	३३।५१
४	१०८·०११	२०८·९६५	२५९·०४६	०·८४७९४	११·११८	१·०४८८१	९·८००१३	९ गु	३७।५२
५	१०८·९६९	२२१·०४१	२४७·९२८	०·८९११६	१०·९२८	१·०३८५४	९·८६०६२	१० शु	४३।३२
६	१०९·९२७	२३२·९२७	२३७·०००	०·९५४२४	१०·८५८	१·०३५७१	९·९१८४९	११ श	४९।४४
७	११०·८८५	२४४·७४३	२२६·१४२	१·००६१२	१०·८६९	१·०३६१९	९·२६९१३	१२ र	५५।५९
८	१११·८४३	२५६·५७०	२१५·२७३	१·०५१०४	१०·८९८	१·०३७३५	०·०१३६९	१३ चं	६०।०
९	११२·८०१	२६८·४२६	२०४·३७५	९·५७४०३	१०·९८८	१ ०४०९२	८·०३३११	१३ मं	२।३
१०	११३·७६०	२८०·३७३	१९३·३८७	०·१४२०८	११·०९७	१·०४४२१	९·०५५८७	१४ बु	७।११
११	११४·७१९	२९२·४२९	१८२·२९०	०·३५९८४	११·२१६	१·०४९८४	९·३१०००	१५ गु	१२।१५
१२	११५·६७९	३०४·६०५	१७१·०७४	०·४८७७०	११·३७७	१·०५६०२	९·४३१७२	१ शु	१६।१३
१३	११६·६३९	३१६·९४२	१५९·६९७	०·५६७८५	११·५२६	१·०६१९८	९·५०६१७	२ श	१९।१५
१४	११७·५९९	३२९·४२८	१४८·१७१	०·६९०२४	११·६६५	१·०६६८८	९·६२३३६	३ र	२५।१३
१५	११८·५६०	३४२·०५४	१३६·५०६	०·६५३७९	११·८४६	१·०७३५७	९·५८०२२	४ चं	२२।४९
१६	११९·५२१	३५४·८६१	१२४·६६०	०·३६८३९	१२·०९५	१·०८२६१	०·५८५७८	५ मं	२३।७
१७	१२०·४८३	७·९१७	११२·५६५	०·३५९४४	१२·२९४	१·०८९६९	९·५६९७५	६ बु	२२।१७
१८	१२१·४४४	२१·१७३	१००·२७१	०·६३०५३	१२·६१४	१·१००८५	९·५२९६८	७ गु	२०।१९
१९	१२२·४०६	३४·७४९	८७·६५७	०·५६३१३	१२·९४५	१·११२१०	९·४५१०३	८ शु	१६।५७
२०	१२३·३६८	४८·६५६	७४·७१२	०·४३३२९	१३·३२३	१·१२४६०	९·३०८६९	९ श	१२।१३
२१	१२४·३३१	६२·९४२	६१·३८९ १२·३८९	०·१४२७०	१३·५५३	१·१३२०३	६·०१०६७	१० र	६।९ ५४।५१
२२	१२५·२९४	७७·४५८	४७·८३६	१·०७३२०	१३·८४३	१·१४१२३	९·९३०९७	१२ बु	५१।११
२३	१२६·२५८	९२·२६५	३३·९९३	०·९९९७०	१३·९४२	१·१४४३९	९·८५५३८	१३ मं	४३।०
२४	१२७·२२२	१०७·१७१	२०·०५१	०·९०५८५	१३·९५२	१·१४४६३	९·७६१२२	१४ बु	३४।३७
२५	१२८·१८६	१२२·०८७	६·०९९	०·७८५२६	१३·८३१	१·१४०८५	९·६४८४१	३० गु	२६।२८

भाद्रपद

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतिय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि घटि–पल	तिथि वार	भागलब्धि तिथि समाप्ति काल
आग.			अ	आ	ब	बा			घटि–पल
२५	१२८·१८६	१२२·०८७	६·०९९	०·७८५२६	१३·८३१	१·१४०८५	९·६४४४१	३० गु	२६।२८
२६	१२९·१५१	१३६·८८३	३५२·२६५	०·६३०२२	१३·०४२	१·१२८४९	९·००१७३	१ शु	१९।३
२७	१३०·११६	१४९·२९०	३३८·८२६	०·४५११७	१३·०८०	१·११६६१	९·३३४५६	२ श	१२।५८
२८	१३१·०८२	१६५·३३६	३२५·७४६	०·२४२०४	१२·२६१	१·१०२४७	९·१३९५७	३ र	८।१६
२९	१३२·०४८	१७८·९६३	३१३·०८५	०·०३५४३	१२·२०९	१·०८६६८	८·९४८७६	४ चं	५।२०
३०	१३३·०१५	१९२·१३९	३००·८७६	९·९४२५०	११·७९०	१·०७७५१	८·८७०९९	५ मं	४।३०
३१	१३३·९८२	२०४·८९६	२८९·०८६	०·०३५८३	११·४१९	१·०५७६३	८·९८८२०	६ बु	५।५०
सप्टें.									
१	१३४·९४९	२१७·२८२	२७७·६६७	०·२२१९४	११·१६९	१·०४७०१	९·१७४९३	७ गु	८।५८
२	१३५·९१७	२२९·४१९	२६६·४९८	०·३९७५९	१०·९४८	१·०३९३३	९·३५८२६	८ शु	१३।४१
३	१३६·८८५	२४१·३३५	२५७·५५०	०·५५०२३	१०·८६७	१·०३६११	९·५१४१२	९ श	१९।३६
४	१३७·८५४	२५३·१७१	२४४·६८३	०·६७०५२	१०·८४७	१·०३५३१	९·६३४२१	१० र	२५।५०
५	१३८·८२४	२६४·९८८	२३३·८३६	०·७६६१२	१०·९३६	१·०३८८६	९·७२७२६	११ चं	३२।१
६	१३९·७९४	२७६·८९४	२२२·९००	०·८३८८५	११·०४६	१·०४२२१	९·७९६६४	१२ मं	३७।३४
७	१४०·७६४	२८८·९१०	२११·८५४	०·८९५०९	११·२०५	१·०४९४१	९·८४५६८	१३ बु	४२।३
८	१४१·७३५	३०१·०८६	२००·६४९	०·९३६९७	११·४०६	१·०५७१०	९·८८९८७	१४ गु	४६।३३
९	१४२·७०६	३१३·४६३	१८९·२४३	०·९६५८१	११·६१४	१·०६४९८	९·९००८३	१५ शु	४७।४५
१०	१४३·६७८	३२६·०४८	१७७·६२९	१·०६५५४	११·७९४	१·०७३६६	९·९१३८८	१ श	५९।१०
११	१४४·६५०	३३८·८२५	१६५·८३५	१·०३४८३	१२·००४	१·०७९३३	९·९५५५०	२ र	५४।१०
१२	१४५·६२३	३५१·७६२	१५३·८३१	०·९९२५५	१२·१४३	१·०८८३३	९·९०८२२	३ चं	४८।३४
१३	१४६·५९६	४·९०८	१४१·६८८	०·९८६२२	१२·३२३	१·०९०७२	९·८९५५१	४ मं	४७।१०
१४	१४७·५७०	१८·२०५	१२९·३६५	०·९८५२३	१२·५३२	१·०९८०२	९·८८७१८	५ बु	४६।१६
१५	१४८·५४४	३१·७११	११६·८३३	०·९४६११	१२·७११	१·१०४१८	९·८४१९३	६ गु	४१।४२
१६	१४९·५१९	४५·३९७	१०४·१२२	०·९०९६६	१२·९४२	१·११२००	९·७९७६६	७ शु	३७।३९
१७	१५०·४९४	५९·३१४	९१·१८०	०·८५६१२	१३·११०	१·११७६०	९·७३८५२	८ श	३२।५२
१८	१५१·४७०	७३·४००	७८·०७०	०·७८३१९	१३·२३१	१·१२४८६	९·६५८३३	९ र	२७।१९
१९	१५२·४४६	८७·७०७	६४·७३९	०·६७५६९	१३·४४९	१·१२८४०	९·५४६२९	१० चं	२१।६
२०	१५३·४२३	१०२·१३३	५१·२९०	०·५१७२०	१३·५१८	१·१३०९१	९·३८६२९	११ मं	१४।३६
२१	१५४·४०१	११६·६२५	३७·७७२	०·२३८४६	१३·५०९	१·१३०६२	९·१०७८४	१२ बु	७।४१
२२	१५५·३७९	१३१·११६	२४·२६३	९·४१९३६	१३·३७७	१·१२६३६	८·२९३६०	१३ गु	१।११
			१२·०००						५२।३२
२३	१५६·३५८	१४५·४७२	१०·८८६	१·०३६८७	१३·१४७	१·११८८३	९·९१८०४	३० शु	४९।४१

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ–बा	तिथि वार	भागलब्ध तिथि समाप्ति काल
सप्टें.			अ	आ	ब	बा			घटि–पल
२३	१५६·३५८	१४०·४७२	१०·८८६	१·०३६८७	१३·१४७	१·११८८३	९·९१८०४	३० शु	४९ ४१
२४	१५७·३३७	१५९·५९८	३५८·७३९	०·९८८५१	१२·८३६	१·१०८४३	९·८८००८	१ श	४५।३१
२५	१५८·३१७	१७३·४१४	३४४·१०३	०·९४९५४	१२·५०७	१·०८४०३	९·८६५५१	२ र	४४।१
२६	१५९·२९७	१८६·९०१	३२२·३१६	०·९२४०७	१२·१३५	१·०८४०४	९·८४००३	३ चं	४१·३१
२७	१६०·२७८	२००·०१७	३२०·२६१	०·९१७०३	११·७३६	१·०६९५२	९·८५७५१	४ मं	४३।१३
२८	१६१·२५९	२१२·७३४	३०८·७२५	०·९३०६९	११·४३४	१·०५९७१	९·८७०९८	५ बु	४४।३४
२९	१६२·२४१	२२५·११०	२९७·०५१	०·३५६७०	११·१५५	१·०४७४६	९·९०९२४	६ गु	४८।४१
३०	१६३·२२३	२३७·३२७	२८५·८९६	०·९९५४६	१०·९९३	१·०४११२	९·९५४३४	७ शु	५४।१
अक्टो.									
१	१६४·२०६	२४९·३०३	२७४·९०३		१०·८९३			८ श	६०।०
२	१६५·१९०	२६१·१८०	२६४·०१०	८·००००	१०·८८२	१·०३६७१	८·९६३२९	८ र	० ३
३	१६६·१७४	२७३·०४६	२५३·१२८	०·०८९२०	१०·९३१	१·०३८६६	९·०५०५४	९ चं	६।४४
४	१६७·१५९	२८४·९६२	२४०·११७	०·३४१८३	११·०९१	१·०४४९७	९·२९६८६	१० मं	११।१२
५	१६८·१४४	२९७·०३८	२३१·१०६	०·४९२२०	११·२७१	१·०८३७७	९·४४०२४	११ बु	१६।३२
६	१६९·१३०	३०९·२९५	२१९·८३५	०·५८३७७	११·५२०	१·०६१०५	९·५२२३२	१२ गु	१९।५९
७	१७० ११६	१२१·८०१	२०८·३१५	०·६३४०८	११·८२९	१·०७२५८	९·५६२४०	१३ शु	२१·५४
८	१७१·१०३	३३४·६१७	१९६·४८६	०·६५१८७	१२·०१९	१·०७०८७	९·५७२००	१४ श	२२·२४
९	१७२·०९१	३४७·००७	१८०·४६७	०·६५१०२	१२·३२८	१·०९०४४	९·५५९५८	१५ र	२१ ४७
१०	१७३·०७९	०·९४०	१७२·१३९	०·६१६९०	१२·६१७	१·१००४६	९·५१५९४	१ चं	१९।४१
११	१७४·०६८	१०·५४६	१५९·५२२	०·५४६७९	१२·७९८	१·१०६१४	९·४४०६५	२ मं	१६।१३
१२	१७५·०५७	२८·३३३	१४६·७२४	०·४३५२१	१२·०३६	१·११११८०	९·३२३४१	३ बु	१२।३८
१३	१७६·०४७	४२·२५९	१३३·७८८	·२५२३७	१३·०२६	१·११४८१	९·१३७५६	४ गु	८।१४
१४	१७७·०३८	५६·२७६	१२०·७६२	९·८८१९६	१३·०८५	१·११६७७	८·७६५११	५ शु	३।३०
				१·२०५९२			९·९९९१५		५९।५३
१५	१७८·०२९	७०·३५२	१०७·६५७	१·६७३३	१३·१२५	१·११८१०	९·९४९२३	७ श	५३।२३
१६	१७९·०२१	८४·४६९	९४·१५२	१·०२२३३	१३·१६४	१·११९३९	९·९०२९४	८ र	४७ ५९
१७	१८०·०१३	९८·६२५	८१·३८८	०·९७२५१	१३·१७१	१·११९६८	९·८५२८३	९ चं	४२ ४६
१८	१८१·००५	११२·७११	६८·२१५	०·९१४६१	१३·१६४	१·११९३९	९·७९५२२	१० मं	३७ २७
१९	१८१·९९९	१२६·९४८	५५·०५१	०·८४८२५	१३·०५३	१·११५७१	९·७३२५४	११ बु	३२।२५
२०	१८२·९९२	१४०·९९४	४१·९९८	०·७७८०१	१२·८८२	१·१०९९८	९·६६८०३	१२ गु	२७·५७
२१	१८३·९८६	१५४·८७०	२९·११६	०·७०८९३	१२·६४२	१·१०१८२	९·६०७११	१३ शु	२४ १७
२२	१८४·९८१	१६८·५०७	१६ ४७४	०·६५०७०	१२·४५०	१·०९५१७	९·५५३५३	१४ श	२१।१८
२३	१८५·९७७	१८१·९५३	४·०२४	०·६०४६६	१२·२००	१·०८६३६	९·५१८३०	३० र	१९।४७

कार्तिक

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ बा	तिथि वार	भागलब्धि तिथी समाप्ति काल
ऑक्टो			अ	आ	ब	बा			घटि–पल
२३	१८५·९७७	१८१·९५३	४·०२४	०·६०४६६	१२·२००	१·०८६३६	९·५१८३०	३० र	१९।४७
२४	१८६·९७३	१९५·१४९	३५१·८२४	०·५८२५२	११·९१०	१·०७५९१	९·५०६६१	१ चं	१९।१६
२५	१८७·९६९	२०८·०५५	३३९·९१४	०·५९२६२	११·६००	१·०६४४६	९·५१८१६	२ मं	१९।४७
२६	१८८·९६६	२२०·६५२	३२८·३१४	०·६३४८८	११·३९८	१·०५६०७	९·५७८८१	३ बु	२२ ४५
२७	१८९·९६४	२३३·०२८	३१६·९३६	०·६९३३८	११·१३८	१·०४६८१	९·६४६५७	४ गु	२६।३५
२८	१९०·९६३	२४५·१६५	३०५·७९८	०·७६३२८	१०·९८७	१·०४०८८	९·७२२४०	५ शु	३१।४०
२९	१९१·९६२	२५७·१५१	२९४·८११	०·८३३२१	१०·८९८	१·०३६४२	९·७९६७९	६ श	३७।३५
३०	१९२·९६१	२६९·०२८	२८३·९३३	०·८९९४४	१०·८५६	१·०३५६७	९·८६३७७	७ र	४३ ५१
३१	१९३·९६१	२८०·८८४	२७३·०७७	०·९५७९४	१०·९४६	१·०३९२५	९·९१८६९	८ चं	४९।४५
नोव्हें.									
१	१९४·९६१	२९२·८३०	२६२·१३१	१·००५७५	११·०४६	१·०४३२१	९·९६२५४	९ मं	५५।३
२	१९५·९६२	३०४·८७७	२५१·०८५	१·०४४७४	११·२८५	१·०५२५०	९·९९२२४	१० बु	५८।५६
३	१९६·९६३	३१७·१६३	२३९·८००		११·५३४			११ गु	६०।०
४	१९७·९६५	३२९·६९९	२२८·२६६	१·०७१८८	११·८८५	१·०६१९८	०·००९९०	१२ शु	० ३
५	१९८·९६७	३४२·५८६	२१६·३८१	०·०५८०९	१२·२९३	१·०८९६६	८·९६९४३	१३ श	५।३५
६	१९९·९७०	३५५·८१२	२०४·०८८	०·००९४४	१२·५१३	१·०८२३५	८·९२६१९	१४ र	५।४
				१·०८२३५		१·०८२३५	९·९९९१०		५९।५३
७	२००·९७३	९·३९८	१९१·५७५	१·०६३५२	१२·८८३	१·११००२	९·९५३५०	१५ चं	५३।५४
८	२०१·९७७	२३·२८५	१७८·६९२	१·०२९०५	१३·१७२	१·११९६५	९·९०९४०	१ मं	४८ ४२
९	२०२·९८१	३७·४६१	१६५·५२०	०·९७८६४	१३·३७१	१·१२६१६	९·८५२८८	२ बु	४२।४३
१०	२०३·९८६	५१·८३७	१५२·१४९	०·९११९०	१३·४७१	१·१२९४०	९·७८१७०	३ गु	३६।१८
११	२०४·९९२	६६·३१४	१३८·६७५	०·८२४६५	१३·५२०	१·१३०९८	९·६९३६७	४ शु	२९।३८
१२	२०५·९९८	८०·८४०	१२५·१५८	०·७१२४८	१३·४७१	१·१२९४०	९·५८३०८	५ श	२२।५८
१३	२०७·००४	९५·३१७	१११·६८७	०·५६६६७	१३·२९९	१·१२३८२	९·४४२८५	६ र	१६।३८
१४	२०८·०११	१०९·६२३	९८·३८८	०·३७८०३	१३·११९	१·११७९०	९·२६०१३	७ चं	१०।५६
१५	२०९·०१८	१२३·७४९	८५·२६९	०·१०३४६	१२·९५९	१·११२५७	८·९९०८९	८ मं	५।५२
१६	२१०·०२६	१३७·७१६	७२·३१०	९·०४९१४	१२·६७८	१·११२१७	७·९३६५७	९ बु	० ३१
				१·०९०२६		१·१०२०५	९·९८८२१		५८।२४
१७	२११·०३४	१५१·४०२	५९·६३२	१·०६५९५	१२·४३८	१·०९४५५	९·९७१२०	११ गु	५६।९
१८	२१२·०४२	१६४·८४८	४७·१९४	१·०४८९९	१२·२२८	१·०८७३६	९·९६१६३	१२ शु	५४।५६
१९	२१३·०५१	१७८·०८५	३४·९६६	१·०४००४	१२·०१७	१·०७९८०	९·९६०२४	१३ श	५४ ४५
२०	२१४·०६०	१९१·१११	२२·९४९	१·०३९३७	११·७९६	१·०७१७३	९·९६७६४	१४ र	५५।४२
२१	२१५·०७०	२०३·९१७	११·१५३	१·०४७३९	११·६१७	१·०६५०९	९·९८२३०	३० चं	५७।३६

मार्गशीर्ष

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ बा	तिथि वार	भागलब्धि तिथि समाप्ति काल
नाह.			अ	आ	ब	बा			घटि–पल
२१	२१५·०७०	२०३·९१७	११·१५३	१··४७३९	११·६१७	१·०६५०९	९·९८२३०	३० चं	५७।३६
२२	२१६·०८०	२१६·५४४	३५९·५३६		११·३८५			१ मं	६०।०
२३	२१७·०९१	२२८·९४०	३४८·१५१	९·१७८९८	११·२१५	१·०४९८०	८·१२९१८	१ बु	०।४८
२४	२१८·१०२	२४१·१६६	३३६·९३६	९·५७१२८	११·०५६	१·०४३६०	८·९२७६८	२ गु	५।५
२५	२१९·११३	२५३·२३३	३२५·८८०	०·२७४१६	१०·९१४	१·०३७९८	९·२३६१८	३ शु	१०।२०
२६	२२०·१२५	२५६·१५९	३१४·९६६	०·४७२१७	१०·८७५	१·०३६४३	९·४३५७४	४ श	१६।२२
२७	२२१·१३७	२७७·०४६	३०४·०९१	०·६११८३	१०·८५३	१·०३५५५	९·५७६२८	५ र	२२।३७
२८	२२२·१५०	२८८·९१२	२९३·२३८	०·७१९१७	१०·८९३	१·०३७१५	९·६८२०२	६ चं	२८।५१
२९	२२३·१६३	३००·८१८	२८२·३४५	०·८०२४३	१०·९९४	१·०४०१६	९·७६२२७	७ मं	३४।४२
३०	२२४·१७६	३१२·८२५	२७१·३५१	०·८६६३५	११·२०३	१·०४९३३	९·८१७०२	८ बु	३९।२२
डिसे.									
१	२२५·१८९	३२५·०४१	२६०·१४८	०·९११०५	११·५०२	१·०६०७७	९·८५०२८	९ गु	४२।३०
२	२२६·२०३	३३७·५५७	२४८·६४६	०·९३६८२	११·८४३	१·०७३४६	९·८६३३६	१० शु	४३।४८
३	२२७·२१७	३५०·४१४	२३६·८०३	०·९४४६३	१२·२२१	१·०८७१०	९·८५७५३	११ श	४३।१३
४	२२८·२३२	३·६५०	२२४·५८२	०·९३३५९	१२·६४१	१·१०१७८	९·८३१८१	१२ र	४०।४४
५	२२९·२४७	१७·३०६	२११·९४१	०·८९९९३	१२·०८२	१·११६६७	९·७८३२६	१३ चं	३६।२६
६	२३०·२६२	३१·४०३	१९८·८५९	०·८३६२६	१३·४४१	१·१२८४३	९·७०७८३	१४ मं	३०।३७
७	२३१·२७७	४५·८५९	१८५·४१८	०·७३३८४	१३·७३१	१·१३७७०	९·५९६१४	१५ बु	२३।४१
८	२३२·२९३	६०·६०६	१७१·६८७	०·५६६६७	१३·९३०	१·१४३९५	९·४२२७२	१ गु	१५।५३
९	२३३·३०९	७५·५५२	१५७·७५७	०·२४८७७	१३·९२०	१·१४३६४	९·१०११३	२ शु	७।३५
						१·१४३६४	९·३७२२०		५६।१७
१०	२३४·३२५	९०·४८८	१४३·८३७	१·०७३२४	१३·८४१	१·१४३२७	९·३३२०७	४ श	५१।१९
११	२३५·३४१	१०५·३४५	१२९·९९६	९·९९९८३	१३·५६९	०·९९९८३	९·१३२५५	५ र	४४।११
१२	२३६·३५८	११९·९३१	११६·४२७	०·१२४६७	१३·३१०	१·१२४१८	९·८३१४९	६ चं	३७।५९
१३	२३७·३७५	१३४·२५८	१०३·११७	०·८५२३०	१२·९३९	१·११११०	९·७४०८०	७ मं	३३।०
१४	२३८·३९२	१४८·२१४	९०·१७८	०·७९०८५	१२·५६९	१·०९८३०	९·६९१२५५	८ गु	२९।३४
१५	२३९·४०३	१६१·८००	७७·६०९	०·७४८८९	१२·२००	१·०८६३६	९·६६२५३	९ गु	२७।३५
१६	२४०·४२६	१७५·०१७	६५·४०९	०·७३३१२	११·९३८	१·०७६९३	९·६५६११	१० शु	२७।११
१७	२४१·४४४	१८७·९७३	५३·४७१	०·७३८०७	११·६४८	१·०६५२५	९·६७२८२	११ श	२८।१५
१८	२४२·४६२	२००·६३९	४१·८२३	०·७६५१५	११·४१९	१·०६०६६	९·७०५४९	१२ र	३०।२७
१९	२४३·४८०	२१३·१५६	३०·३२४	०·८००९९	११·२७८	१·०५१२३	९·७४१७६	१३ चं	३३।४३
२०	२४४·४९८	२२५·४५४	१९·०४६	०·८४७९४	११·१४७	१·०४६१६	९·८०१७८	१४ मं	३८।१
२१	२४५·५१७	२३७·६१८	७·८९९	०·८९७५७	११·०६८	१·०४४०७	९·८५३५०	३० बु	४२।४९

पौष

सन १९३८–३९ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ–बा	तिथि वार	भागलब्धि तिथि समाप्ति काल
डिस.			अ	आ	ब	बा			घटि-पल
२१	२४५·५१७	५३७·६१८	७·८९९	०·८९७५७	११·०६८	१·०४४०७	९·८५३५०	३० बु	४२।४९
२२	२४६·५३६	२४९·७०५	३५६·८३१	०·३४६०१	१०·९५८	१·०३९७३	९·९०६२८	१ गु	४८।२१
२३	२४७·५५४	२६१·६८१	३४५·८७३	०·९९०४५	१०·८८७	१·०३६११	९·९५८३४	२ शु	५४।३१
२४	२४८·५७३	२७३·५८७	३३४·९८६		१०·८४९			३ श	६०।०
२५	२४९·५९१	२८५·४५४	३२४·१३७	९·१३६७२	१०·८३७	१·०३४९१	८·१०१८१	३ र	०।४६
२६	२५०·६१०	२९७·३१०	३१३·३००	०·२१३९४	१०·८७८	१·०३६५५	९·०७७३९	४ चं	७।१०
२७	२५१·६२९	३०९·२०७	३०२·४२२	०·३८४१७	१०·९४७	१·०३९०२	९·३४५५५	५ मं	१३।१७
२८	२५२·६४८	३२१·१७३	२९१·४७५	०·१४०९५	११·१३६	१·०४६७३	९·५९४२२	६ बु	१८।४४
२९	२५३·६६८	३३३·३२९	२८०·३१९	०·६३७३९	११·४०८	१·०५६२१	९·५८११८	७ गु	५२।५५
३०	२५४·६८७	३४५·७५६	२६८·९३१	०·६९२९४	११·७३७	१·०६९५६	९·६२३३८	८ शु	२५।१२
३१	२५५·७०६	३५८·५१२	२५७·१९४	०·७१५५०	१२·१२७	१·०८३७५	९·६३११७५	९ श	२५।४२
जा.									
१	२५६·७२५	११·६५८	२४५·०६७	०·७०४७५	१२·५५७	१·०९८८९	९·६०५८६	१० र	२३।१३
२	२५७·७४४	२५·२३४	२३२·५१०	०·१५४१८	१३·०५६	१·११५८१	९·५३८३७	११ चं	२०।४४
३	२५८·७६४	३९·३१०	२१९·४५४	०·५३८३२	१३·५०८	१·१३०५९	९·४०७७३	१२ मं	१५।२०
४	२५९·७८३	५३·८३७	२०५·९४६	०·२८९१४	१३·७७८	१·१४२२९	९·१८६८५	१३ बु	८।२५
५	२६०·८०३	६८·७३४	१९२·०६९	९·००८३८	१४·१३७	१·०८१६७	९·९३११२८	१४ गु	०।२६
				१·०८१६७		१·१५०३९	९·९३११२८	१५	५१।१३
६	२६१·८२२	८३·८९०	१७७·३३२	०·९९७०४	१४·२८८	१·१५४९७	९·८४२०७	१ शु	४१।४३
७	२६२·८४१	९९·१९७	१६३·३४४	०·८८३३२	१४·१४७	१·१५०६६	९·७३२६६	२ श	३२।२५
८	२६३·८६०	११४·३६३	१४९·४९७	०·७४०१३	१३·८९७	१·१४२९२	९·५९७२१	३ र	२३।४४
९	२६४·८७९	१२९·२७९	१३५·६००	०·५६३०	१३·५५६	१·१३११३	९·४२५१७	४ चं	१५।५८
१०	२६५·८९९	१३३·८५५	१२२·०४४	०·३१०४८	१३·०८७	१·११६८४	९·१९३६४	५ मं	९।२२
११	२६६·९१८	१५७·९६१	१०८·९५७	९·९८०९१	१२·६२८	१·१०१३४	८·८७९५८	६ बु	४।३३
१२	२६७·९३७	१७१·६०८	९६·३२९	९·५१७१९	१२·१७७	१·०८५५४	८·४३१६५	७ गु	१।३८
१३	२६८·९५६	१८४·८०४	८४·१५२	९·१८१८४	११·८१७	१·०७२५१	८·१०९३३	८ शु	०।४६
१४	२६९·९७५	१९७·६४०	७२·३३५	९·१२५०४	११·५२९	१·०६१७९	८·४६३२५	८ श	१।४५
१५	२७०·९९३	२१०·१८७	६०·८०६	९·३०९३४	११·२६८	१·०५१८५	८·८५७४९	९ र	४।२०
१६	२७२·०११	२२२·४७३	४९·५३८	०·९८६९६	११·०९७	१·०४४२१	९·२४२७५	१० चं	८।२०
१७	२७३·०३०	२३४·५८९	३८·४४१	०·८७५७	१०·९७९	१·०४०५६	९·३४७०१	१२ मं	१३।२१
१८	२७४·०४८	२४६·५८६	२७·४६२	०·१३९९३	१०·९१८	१·०३८१४	९·५०११९	१३ बु	२१।२
१९	२७५·०६६	२५८·५२२	१६·५४४	०·६५७४४	१०·८६९	१·०३६१९	९·६२१२५	१४ गु	२५।५
२०	२७६·०८४	२७·४०९	५·६७५	०·७५३९७	१०·८६८	१·०३६१५	९·७१७८२	३० शु	३१।२०

सन १९३९ इ. शुक्ल और कृष्ण पक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतीय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ-बा	तिथि वार	भागलब्धि तिथि समाप्ति काल
जन.			अ	आ	ब	बा			घंट-पल
२०	२७६.०८४	२७०.४०९	५.६७५	०.७५३९७	१०.८६८	१.०३६१५	९.७१७८२	३० गु	३१।२०
२१	२७७.१०२	२८२.२९५	३५४.८०७	०.८३२९६	१०.८६९	१.०३६१९	९.७९६७७	१ श	३७।३५
२२	२७८.११९	२९४.१८१	३४३.९३८	०.८९९७१	१०.९३८	१.०३८९३	९.८६०७८	२ र	४३।३३
२३	२७९.१३७	३०६.०७७	३३३.०६०	०.९५७१३	१०.९४०	१.०३९०२	९.९१८११	३ चं	४९।४१
२४	२८०.१५४	३१८.०३४	३२२.१२०	१.००५१८	११.००९	१.०४१४७	९.९६३७१	४ मं	५५।१२
२५	२८१.१७१	३३०.०६०	३११.१११	१.०४५७५	११.१६०	१.०४७६६	९.९९८०९	५ बु	५९।४४
२६	२८२.१८८	३४२.२३७	२९९.९५१		११.३८०			६ गु	६०।०
२७	२८३.२०४	३५४.६३३	२८८.५७१	९.७५६६४	११.६६०	१.०६६७०	८.६८९१४	६ शु	२।५६
२८	२८४.२२०	७.३०९	२७६.९११	९.९५९५२	१२.०११	१.०७९५८	८.८७९९४	७ श	४।३५
२९	२८५.२३६	२०.३३६	२६४.९००	९.९५४२४	१२.४००	१.०९३४२	८.८६०८२	८ र	४।२१
३०	२८६.२५२	३३.७५२	२५२.५००	९.६९८९७	१२.८९१	१.११०२९	८.५८८६८	९ चं	२।१९
				१.०९६९१		१.११०२९	९.९८६६२		५८।११
३१	२८७.२६७	४३.७५९	२३९.६०९	१.०६४७९	१३.३६१	१.१२५८४	९.९३८९५	११ मं	५२।८
फर.									
१	२८८.२८३	६२.०३५	२२६.२४८	१.०१०६४	१३.८०१	१.१३९९१	९.८८०७३	१२ बु	४५।३६
२	२८९.२९८	७६.८५१	२१२.४४७	०.९२६७०	१४.१०३	१.१४९३१	९.७७७३९	१३ गु	३५।५८
३	२९०.३१२	९१.९६८	१९८.३४४	०.८०२३६	१४.३१३	१.१५५७३	९.६४६६३	१४ शु	२६।३६
४	२९१.३२६	१०७.२९५	१८४.०३१	०.६०५४१	१४.२५२	१.१५३९०	९.४५१५१	१५ श	१६।५८
५	२९२.३४०	१२२.५६१	१६९.७७९	०.२५०१८	१४.०७२	१.१४६५०	९.१०३६८	१ र	७।३७
						१.१४६५०	९.९६०००		५४।४४
६	२९३.३५४	१३७.६४७	१५५.७०७	१.०६८४५	१३.७६४	१.१३८७४	९.९२९७१	३ चं	५१।२
७	२९४.३६७	१५२.४२४	१४१.९४३	०.९९७५२	१३.२९३	१.१२३६२	९.८७३९०	४ मं	४४।५३
८	२९५.३८०	१६६.७३०	१२८.६५०	०.९३७०२	१२.७३४	१.१०६३३	९.८३०६९	५ बु	४०।३८
९	२९६.३९२	१८०.५२६	११५.८६६	०.८९५७५	१२.३१४	१.०९०४०	९.८०५३५	६ गु	३८।२०
१०	२९७.४०४	१९३.८५२	१०३.५५२	०.८७८०६	११.८८५	१.०७४९६	९.८०३१०	७ शु	३८।८
११	२९८.४१६	२०६.७४९	९१.६६७	०.८८४६२	११.५२४	१.०६१६०	९.८२३०२	८ श	३९।५५
१२	२९९.४२८	२१९.२८५	८०.१४३	०.९१०७८	११.२२५	१.०४९१९	९.८६१५९	९ र	४३।३८
१३	३००.४३९	२३१.५२१	६८.९१८	०.९५०२७	११.०३६	१.०४२८१	९.९०७४६	१० चं	४८।२९
१४	३०१.४५०	२४३.५६८	५७.८८२	०.९१४८४	१०.८८६	१.०३६८७	९.९५७९७	११ मं	५४।२८
१५	३०२.४६०	२५५.४६४	४६.९९६		१०.८७७			१२ बु	६०।०
१६	३०३.४७०	२६७.३५१	३६.११९	९.०७५५५	१०.८३७	१.०३०९१	८.०४०६४	१२ गु	०।३७
१७	३०४.४७९	२७९.१९७	२५.२८२	०.१०७८९	१०.८६७	१.०३६११	९.०७१७८	१३ शु	७।४
१८	३०५.४८८	२९१.०७३	१४.४१५	०.३८२९१	१०.९२७	१.०३८५०	९.३४४४१	१४ श	१३।१६
१९	३०६.४९७	३०३.००९	३.४८८	०.५४२५८	१०.९९९	१.०४१३५	९.५०१२३	३० र	१९।२

फाल्गुन

सन १९३९ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का तिथि साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टसूर्य	स्पष्टचंद्र	आमांतिय तिथिशेष	द्वादश तष्ट तिथिशेष लघुरिक्थ	रवि चंद्र गत्यंतर	गत्यंतर लघुरिक्थ	भागलब्धि आ—बा	तिथि वार	भागलब्धि तिथि समाप्ति काल
फरवरी			अ	आ	ब	बा			घटि—पल
१९	३०६·४९७	३०३·००९	३·४८८	०·५४२५८	१०·२९९	१·०४१३५	९·५०१२३	३० र	१९।२
२०	३०७·५०५	३११·०१६	३५२·४४९	०·६५२१५	११·०७८	१·०४४४६	९·६०७६९	१ चं	२४८
२१	३०८·५१३	३२७·१०२	३४१·४११	०·७३३२८	११·११९	१·०४८१८	९·६८५१०	२ मं	२९।४
२२	३०९·५२०	३३९·३०८	३३०·२१२	०·७९३२३	११·२६०	१·०५१५४	९·७४१६९	३ बु	३३।६
२३	३१०·५२७	३५१·५७५	३१८·९५२	०·८४२११	११·५७०	१·०६३३३	९·७७८७८	४ गु	३६।५४
२४	३११·५३३	४·१५१	३०७·३८२	०·८९८१७	११·७२१	१·०६८९६	९·८२९२१	५ शु	४०।३०
२५	३१२·५३९	१६·८७८	२९५·६६१	०·८८४२९	११·९९०	१·०७८८२	९·८०५४७	६ श	३८।२०
२६	३१३·५४५	२९·८७४	२८३·६७१	०·८८२५८	१२·३६१	१·०९२०५	९·७९०५३	७ र	३७।३
२७	३१४·५५०	४३·२४०	२७१·३१०	०·८९३९२	१२·७५३	१·१०५६१	९·७८८३१	८ चं	३६।५१
२८	३१५·५५४	५६·९९७	२५८·५५७	०·८१६७०	१३·१४२	१·११८६६	९·६९८०४	९ मं	२९।५६
मार्च									
१	३१६·५५८	७१·१४३	२४५·४१५	०·७३२६०	१३·५५२	१·१३२००	९·६०१६०	१० बु	२३।५८
२	३१७·५६२	८५·६९९	२३१·८६३	०·५८६९२	१३·८३४	१·१४०९५	९·४४५२७	११ गु	१६।४५
३	३१८·५६५	१००·५३६	२१८·०२९	०·३०७२८	१३·९६२	१·१४५०१	९·१६२२७	१२ शु	८।४३
४	३१९·५६७	११५·५०२	२०४·०६५	९·८१२९१	१४·२३५	१·१५३३६	८·६६९५५	१३ श	२।४८
				१०·८१५३		१·१५३३६	९·९२८१७		५०।५१
५	३२०·५६९	१३०·७३९	१८९·८३०	०·९९२५५	१३·९५४	१·१४४७०	९·८४७८५	१५ र	४२।१६
६	३२१·५७१	१४५·६९५	१७५·८७६	०·८९६३१	१३·७५६	१·१३८४९	९·७५७८२	१ चं	३४।२१
७	३२२·५७२	१६०·४५१	१६२·१२०	०·७९६७५	१३·२५५	१·१२५७१	९·६७१०४	२ मं	२६।११
८	३२३·५७३	१७४·८०८	१४८·७६५	०·६७८०६	१२·८७६	१·१०९७८	९·५६८२८	३ बु	२२।१०
९	३२४·५७३	१८८·६८४	१३५·८८९	०·५८९८४	१२·४५८	१·०९५४५	९·४३४३९	४ गु	१८।४४
१०	३२५·५७२	२०२·१४१	१२३·४३१	०·५३५४२	११·९९७	१·०७९०७	९·४५६३५	५ शु	१७।१०
११	३२६·५७१	२१५·१३७	१११·४३४	०·५३५८०	११·६१८	१·०६५१३	९·४७०६७	६ श	१७।४४
१२	३२७·५६९	२२७·७५३	९९·८१६	०·५८१६१	११·२९९	१·०५३०४	९·५२८५७	७ र	२०।२६
१३	३२८·५६७	२४०·०५०	८८·५१७	०·६५४८५	११·०६९	१·०४४११	९·६१०७४	८ चं	२४।२६
१४	३२९·५६४	२५२·११६	७७·४४८	०·७३६२४	१०·९१९	१·०३८१८	९·६९८०६	९ मं	२९।५६
१५	३३०·५६१	२६४·०३२	६६·५२९	०·८१४८५	१०·८८०	१·०३६६३	९·७७८२२	१० बु	३६।०
१६	३३१·५५७	२७५·९०८	५५·६४९	०·८८३६०	१०·८४२	१·०३५११	९·८४८४९	११ गु	४२।२०
१७	३३२·५५२	२८७·७४५	४४·८०७	०·९४४८३	१०·९२१	१·०३८२६	९·९०६५७	१२ शु	४८।२३
१८	३३३·५४७	२९९·६६१	३३·८८६	०·९९५०२	११·०२१	१·०४२२२	९·९५२८०	१३ श	५३।००
१९	३३४·५४२	३११·७७७	२२·८६५	१·०३६०३	११·१४३	१·०४७००	९·९८९०३	१४ र	५८।००
२०	३३५·५३६	३२३·८१४	११·७२२		११·२७३			३० चं	६०।०
२१	३३६·५२९	३३६·०८०	०·४४९	९·६५२२५	११·४१३	१·०५८९२	८·५९३३३	३० मं	२।२१

संवत १९९५ शके १८६० का

नक्षत्र साधन

अर्थात्

भूमध्य स्पष्ट चन्द्र तथा उसकी गतिद्वारा प्रत्यक्ष
सिद्ध किया हुआ उदाहरण सहित

नक्षत्र समाप्ति काल।

शाके १५८० तत्वविवेकोक्त) राशिचक्र का नकशा ३ वृषभ मिथुन कर्क (विषुवांशक्रांति के अंश.
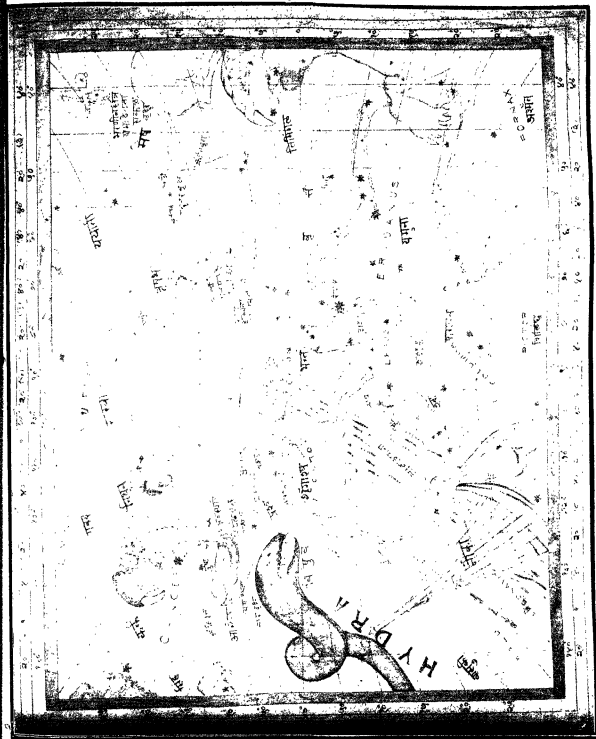
अयनांश १९।४ संपादक—चुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इन्दौर.

शके १५८० तत्वविवेकोक्त) राशिचक्र का नकशा ४ सिंह कन्या तुला (विषुवांश क्रांति के अंश

अयनांश. १९।४ संपादक चुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इन्दौर.

चैत्र

सन १९३८ इ.　　शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३ ।२०नष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
मार्च		ब	अ	आ	बा	आ–बा		घटि–पल
३१	३३७·३१३	१३·९६७	९ ३५४	०·९७१००	१·१३५६७	९·८३५३३	गु उ भा	४१।४
एप्रील								
१	३५०·९८०	१३·८५६	९·०२०	०·९६४७३	१·१४१६१	९·८२३१९	शु रे	३९।५६
२	४·८३६	१४·१०७	८·४९७	०·९२९२७	१·१४९४३	९·७७९८४	श अ	३६।८
३	१८·९४३	१४·१६६	७·७२६	०·८८७९५	१·१५१२५	९·७३६७०	र भ	३२।४४
४	३३·१०९	१४·२१६	६·८९१	०·८३८२८	१·१५२७८	९·६८५५०	चं कृ	२९।५
५	४७·३२५	१४·२२७	६·००८	०·७७८७३	१·१५२४२	९·६२६३१	मं रो	२५।२३
६	६१·५५२	१४·२०६	५·११५	०·७०८८५	१·१५२४७	९·५५६३८	बु मृ	२१।३६
७	७५·७५८	१४·०९६	४·२४२	०·६२७५७	१·१४८१०	९·४७९४७	गु आ	१८।६
८	८९·८५४	१४·०४६	३·४७९	०·५४०४५	१·१४७५५	९·३९२९०	शु पु	१४।५०
९	१०३·९००	१३·९३६	२·७६७	०·४४२०१	१·१४४१४	९·२९७८७	श पु	११।५५
१०	११७·८३६	१३·७८७	२·१६४	०·३३५२६	१·१३९४७	९·१९५७९	र आ	९।२५
११	१३१·६२३	१३·५९६	१·७१०	०·२३३००	१·१३३४१	९·१९५५९	चं म	९।३०
१२	१४५·२१९	१३·३८६	१·४४८	०·१६०७७	१·१२६६८	९·०३४०९	मं पू	६।२९
१३	१५८·६०५	१३·१४७	१·३९५	०·१४४९७	१·११८८३	९·०२६१४	बु उ	६।२३
१४	१७१·७५२	१२ ९३६	१·५८१	०·१९८९३	१·११९८०	९·०८७१३	गु ह	७।२०
१५	१८४·६८८	१२·६३६	१·९७९ १·९७९	०·२९६४५	१·१०१६१	९·१९४८४	शु चि	९।२४
१६	१९७·३२४	१२·३८७	२·६७६	०·४२७४९	१·०२२९७	९·३३४५२	श स्वा	१२।१८
१७	२०९·७११	१२·१४६	३·६२२	०·५५८९५	१·०८४४३	९·४७४५२	र वि	१७।५४
१८	२२१·८५७	११·९८७	४·८१०	०·६८२१५	१·०७८७१	९·६०३४४	चं ऽनु	२४।५
१९	२३३·८४४	११·८६६	६·१५६	०·७८९३०	१·०७४३०	९·७१५००	मं ज्ये	३१।८
२०	२४५·७१०	११·८०७	७·६२३	०·८८२१३	१·०७२१४	९·८०९९९	बु मू	३८।४४
२१	२५७·७५७	११·८५६	९·१५०	०·९६१४२	१·०७३९४	९·८८७४८	गु पू	४६।१८
२२	२६९·३७३	११·९७६	१०·६२७	१·०२६४१	१·०७८२१	९·९४८१०	शु उ	५३।१५
२३	२८१·३४९	१२·१५७	११·९८४	१·०७८६०	१·०८४८३	९·९९३७७	श श्र	५९ ९
२४	२९३·५०६	१२·४६६					र ध	६०।०
२५	३०५·९७२	१२·७८६	०·६९५	९·८४१९८	१·१०६७३	८·७३५२५	चं ध	३।१६
२६	३१८·७५८	१३·१७७	१·२४२	०·०९४१२	१·११९८२	८·९७४३०	मं श	५।४०
२७	३३१·९३५	१३·५७६	१·३९८	०·१४५५१	१·१३२७८	९·०१२७४	बु पू	६।११
२८	३४५·५११	१३·९०६	१·१५६	०·०६२९६	१·१४३२३	८·९१९७६	गु उ	४।५९
२९	३५९·४१७	१४·२३७	०·५८३ १३·९१६	९·७६५६७ १·१४३४८	१·१५३४२ १·१५३४२	८·६१२२५ ९·९९००६	शु रे	२।२८ ५८।३८
३०	१३·६५४	१४·४८६	१३·०१३	१·११४३८	१·१६०९५	९·९५३४३	श भ	५३।५४

वैशाख

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३°।२०'तष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
		ब	अ	आ	बा	आ—बा		घटि-पल
एप्रील								
३०	१३·६५४	१४·४८६	१३·०१३	१·११४२८	१·१६०९५	९·९५३४३	श भ	५३।५४
मई								
१	२८·१४०	१४·६१६	११·८६०	१·०७४०८	१·१६५४२	९·९०८६५	र कृ	४८।३७
२	४२·७७६	१४·६३७	१०·५५७	१·०२३५४	१·१६५४५	९·८५८०९	चं रो	४३।१६
३	५७·४१३	१४·६३६	९·२५४	०·९६६३३	१·१६५४२	९·८००९१	मं मृ	३७।५६
४	७२·०४९	१४·६६६	७·९५१	०·९००४२	१·१६६३१	९·७३४११	बु आ	३२।३२
५	८६·७१५	१४·०४७	६·६१८	०·८२०७३	१·१४७५८	९·६७३१५	गु पु	२८।१६
६	१००·७६२	१४·०२६	५·९०५	०·७७१२२	१·१४६९३	९·६२४२९	शु पु	२५।१६
७	११४·७८८	१३·७४६	५·२१२	०·७१७००	१·१३७१८	९·५८०१८	श आ	२२।४९
८	१२८·५३४	१३·४७७	४·७९९	०·६८११५	१·१२९६३	९·५५१५२	र म	२१।२२
९	१४२·०११	१३·२४६	४·६५६	०·६६८०१	१·१२२०८	९·५४५९३	चं पू	२१।५
१०	१५५·२५७	१२·९८६	४·७४३	०·६७६०५	१·११३४८	९·५६२५७	मं उ	२१।५५
११	१६८·२४३	१२·७७७	५·०९०	०·७०६७२	१·१०६४३	९·६००२९	बु ह	२३।५४
१२	१८१·०२०	१२·५६६	५·६४७	०·७५१८२	१·०९८२०	९·६५३६२	गु चि	२७।२
१३	१९३·५८६	१२·३५७	६·४१४	०·८०७१३	१·०९१९१	९·७१५३२	शु स्वा	३१।९
१४	२०५·९४३	१२·२०६	७·३९०	०·८६६६४	१·०८६३७	९·७८०२७	श वि	३६।१०
१५	२१८·१४९	१२·०१६	८·५१८	०·९३०३४	१·०७९७६	९·८५०५८	र ऽनु	४२।३२
१६	२३०·१६५	११·९५६	९·८३५	०·९९२७७	१·०७७५९	९·९१५१८	चं ज्ये	४९।२१
१७	२४२·१२१	११·८३७	११·२१२	१·०८९६८	१·०७२२४	९·९७७४२	मं मू	५६।५८
१८	२५३·९५८	११·८१६					बु पू	६०।०
१९	२६५·७७४	११·८४७	०·८९३	९·९५०८५	१·०७३६१	८·८७७२४	गु पू	४।३२
२०	२७७·६२१	११·९७६	२·३७९	०·३७६३९	१·०७८३१	९·२९८०८	शु उ	११।५५
२१	२८९·५९७	१२·१४६	३·७३६	०·५७२४१	१·१८४४३	९·३८७९८	श श्र	३४।३८
२२	३०१·७४३	१२·३५७	४·९२४	०·६९२३२	१·०९१९१	९·६००४१	र ध	३०।५५
२३	३१४·१००	१२·७४६	५·९००	०·७७०८५	१·१०५३७	९·६७५४८	चं श	२८।२५
२४	३२६·८४६	१३·१४६	६·४८७	०·८१२०४	१·११८७९	९·६९३२५	मं पू	२९।३६
२५	३३९·९९२	१३·५३७	६·६७५	०·८२४४५	१·१३१५२	९·६९२९३	बु उ	२९।३५
२६	३५३·५२९	१३·९६६	६·४७१	०·८१०९७	१·१४५०७	९·६६५९०	गु रे	२७।४८
२७	७·४९५	१४·३९६	५·८३८	०·७६६२६	१·१५८२४	९·६०७९२	शु अ	२४।२०
२८	२१·८९१	१४·६९७	४·७७६	०·६७९०६	१·१६७२३	९·५११८३	श भ	१९।३०
२९	३६·५८८	१४·९४६	३·४१२	०·५३३०१	१·१७४५३	९·३५८४८	र कृ	१३।४२

सन १९३८ शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३°।२०' तष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्ध लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र		भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति काल:
मई		ब	अ	आ	बा	आ-बा			घटि—पल
२९	३६·५८८	१४·९८८	३·४१२	०·५३३०१	१·१७४५३	९·३५८४८	र	कृ	१३।४२
३०	५१·५३४	१५·०४९	१·७९९	०·२५५०३	१·१७७५१	९·०७७५२	चं	रो	७।११
३१	६६·५८३	१५·०३४	०·५८४	९·७६६४१	१·१७६०७	८·५९०३४	मं	मृ	२।२०
			१३·४१७	१·१२७९६	१·१७६०७	९·९५१८९			५३।४२
जून									
१	८१·६१७	१४·८१७	११·७१६	१·०६८७८	१·१७०७६	९·८९८०२	बु	पु	४७।२७
२	९६·४३४	१४·५३६	१०·२३३	१·०१०००	१·१६२४४	९·८४५५६	गु	पु	४२।३४
३	११०·९७०	१४·१७६	९·०३०	०·९५५६९	१·१५१५५	९·८०४१३	शु	आ	३८।१३
४	१२५·१४६	१३·८१७	८·१८७	०·९१३१२	१·१४०४१	९·७७२७१	श	म	३३।३३
५	१३८·९६३	१३·३६६	७·७०४	०·८८६७२	१·१२६००	९·७६०७२	र	पू	३४।३५
६	१५२·३२९	१३·०४६	७·६७१	०·८८४८५	१·११५४८	९·७६९३७	चं	उ	३५।१७
७	१६५·३७५	१२·७२७	७·९५८	० ९००८०	१·१०४७३	९ ७९६०७	मं	ह	३७।३१
८	१७८·१०२	१२·४६६	८·५६५	०·९३९७३	१·०९५७३	९·८३७००	बु	चि	४१।१३
९	१९०·५६८	१२ ३३६	९·४३२	०·९७४६०	१·०९०१७	९·८८४५७	गु	स्वा	४६।०
१०	२०२·९०४	१२·०६७	१०·४२९	१·०१८२४	१·०८१६०	९·९३६६४	शु	वि	५१।५१
११	२१४·९७१	११ ९८६	११·६९६	१·०६८०४	१·०४८६७	०·०१९३७	श	ऽनु	६०।०
१२	२२६·९५७	११·९३६	०·२९०	९·४६२३९	१·०७६८६	८·३८५५३	र	ऽनु	१।१३
१३	२३८·८९३	११·८८७	१·१०७	०·०४४४२	१·०७५०७	८·९६९३५	चं	ज्ये	५ ३६
१४	२५०·७८०	११·८२६	२·५५३	०·४०७०५	१·०७२८४	९·३३५२१	मं	मू	१२ ५९
१५	२६२·६०६	११·८५६	४·०६१	०·६०८६३	१ ०७३९४	९·५३४६९	बु	पू	२० ३३
१६	२७४·४६२	११·९०७	५·५३८	०·७४३३५	१·०७५८०	९·६६७५५	गु	उ	२७।५४
१७	२८६·३६९	११·९७६	६·९६४	०·८४२८६	१·०७८२१	९·७६४५५	शु	श्र	३४।५४
१८	२९८·३४५	१२·१४६	८·३२२	०·९२०२३	१·०८४४३	९·८३५८०	श	ध	४१।७
१९	३१०·४९१	१२·३१८	९·५०९	०·९७८१३	१·०९०५४	९·८८७५९	र	श	४६ १९
२०	३२२·८०९	१२·६८६	१०·५२४	१·०२२१८	१·१०३३२	९·९१८९६	चं	पू	४९।४७
२१	३३५ ४९५	१३·०१६	११·१७२	१·०४८१३	१·११४४८	९·९३३६५	मं	उ	५१ ३०
२२	३४८·५११	१३·४०६	११·४८९	१·०६०२८	१·१२७३०	९·९३२९८	बु	रे	५१।२५
२३	१·९१७	१३·८१७	११·४१६	१·०५७५१	१·१४०४१	९·९१७१०	गु	अ	४९ ३४
२४	१५·७३४	१४·३२६	१०·९३३	१·०३८७४	१·१५५१२	९·८८३६२	शु	भ	४५।५४
२५	३०·०६०	१४·६९६	९·९४०	०·९९७३९	१·१६७२०	९·७३०१९	श	कृ	४० ३५
२६	४४·७५६	१५·०६६	८·५७७	०·९३३३४	१·१७८००	९·७५५३४	र	रो	३४ १०
२७	५९·८२२	१५·१७७	६·८४५	०·८३५३७	१·१८०१९	९·६५५१८	चं	मृ	२७.७

आषाढ

सन १९३८ इ॰ शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३°।२०′ नष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
जून		ब	अ	आ	बा	आ-बा		घटि-पळ
२७	५९.८२२	१५.१७७	६.८४५	०.८३५३७	१.१८०११	९.६५५१८	चं मृ	२७।७
२८	७४.९९९	१५.२८६	५.००१	०.६११०६	१.१८४२९	९.५१४७७	मं आ	१९।३८
२९	९०.२८५	१५.०९७	३.३४८	०.५२४७९	१.१७८८९	९.३४५९०	बु पु	१३।१८
३०	१०५.३८२	१४.८१६	१.२८५	०.८०८९०	१.१७०७३	८.९३८१७	गु पु	५।१३
जुलई			१४.६१८	१.१६४८९	१.१७०७३	९.९९४१६	आ	५९।१२
१	१२०.१९८	१४.४२७	१३.१३५	१.११८४३	१.१५८१८	९.९६०२५	शु म	५४।४५
२	१३४.६२५	१३.९२६	१२.०४२	१.०८०७०	१.१४३८६	९.९३६९६	श पू	५१।५४
३	१४८.५५१	१३.४५६	११.४४९	१.०५८७७	१.१२८९२	९.९२९४५	र उ	५१।३
४	१६२.००७	१२.९९७	११.३२६	१.०५४०८	१.११३८४	९.९४०२४	चं ह	५२।१७
५	१७५.००४	१२.६७६	११.६६३	१.०६६८१	१.१०२९८	९.९६३८३	मं चि	५५।१३
६	१८७.६८०	१२.३३६	१२.३२०	१.०९०६१	१.०९११७	९.९९९४४	बु स्वा	५९।५५
७	२००.०१६	१२.१०७					गु वि	६०।०
८	२१२.१२३	११.९५६	१.२१०	०.०८२७९	१.०७७५९	९.००५२०	शु वि	६।५
९	२२३.०७९	११.८६६	२.५८८	०.४१२९६	१.०७४३०	९.३४८६६	श ऽनु	१३।२४
१०	२३५.९४५	११.८४७	४.०५५	०.६०८००	१.०७३६१	९.५३५६१	र ज्ये	२०।३६
११	२४७.७९२	११.८४६	५.५४१	०.७४३५९	१.०७३५७	९.६७००२	चं मू	२८।४
१२	२५९.६३८	११.८७६	७.०२९	०.८४६८९	१.०७४६७	९.७७२२२	मं पू	३७।३१
१३	२७१.५१४	११.९४७	८.४८६	०.९२८७०	१.०७७२६	९.८५१५६	बु उ	४२।४६
१४	२८३.४६१	१२.००६	९.८७२	०.९९४४०	१.०७९४०	९.९१५००	गु श्र	४९।२०
१५	२९५.४६७	१२.११६	११.२००	१.०४९२२	१.०८३३६	९.९६९८६	शु ध	५५।२८
१६	३०७.५८३	१२.२४७					श श	६०।०
१७	३१९.८३०	१२.४१६	०.१७०	९.२३०४५	१.०९३९८	८.१३६४७	र श	०।४९
१८	३३२.२४६	१२.६५७	१.०८७	० ०३६२३	१.१०२३३	८.९३३९०	चं पू	५।९
१९	३४४.९०३	१२.९३६	१.७६४	०.२४६५०	१.१११८०	९.१३४७०	मं उ	८।११
२०	३५७.८३९	१३.२६७	२.१६१	०.३३४६५	१.१२२७७	९.२११८८	बु रे	९।५६
२१	११.१०६	१३.६८६	२.२२७	०.३४७७२	१.१३६२८	९.२११४४	गु अ	९।४६
२२	२४.७९२	१४.०९६	१.८७५	०.२७३००	१.१४९१०	९.१२४१०	शु भ	७।५१
२३	३८.८८८	१४.३९७	१.११२	०.०४६१०	१.१५८२७	८.८८७८३	श कृ	४।३८
२४	५३.२८५	१४.९४६	०.०४८	९.६८१२४	१.१७४५३	८.५०६७१	र रो	१।५६
			१३.३८२	१.१२६५२	१.१७४५३	९.९५१९९	मृ	५३।३७
२५	६८.२३१	१५.१०६	११.७६९	१.०७०७४	१.१७८१५	९.८९२५९	चं आ	४६।५१
२६	८३.३३७	१५.२१६	९.९९६	०.९९९८३	१.१८२३०	९.८१७५३	मं पु	३९।२५
२७	९८.५५३	१५.१४७	८.११४	०.९०९३४	१.१८०३३	९.७२८९१	बु पु	३२।८

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	गेवल्यंत १३°।२'० तष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार	नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति काल:
जुलाई		ब	अ	आ	बा	आ-बा			घटि-पल
२७	९८·५५३	१५·१४७	८·११४	०·९०९२४	१·१८०३३	९·७२८९१	बु	पु	३२।८
२८	११३·७००	१४·९१६	६·२००	०·७९९३४	१·२०१८३	९·५९७५१	गु	आ	२३।४५
२९	१२८·६१६	१४·५५७	४·७१७	०·६७३६७	१·१६३०७	९·५१०६०	शु	म	१९।२७
३०	१४३·१७३	१४·०६६	३·४९४	०·५४३३२	१·१४८१७	९·३९५१५	श	पू	१४।५४
३१	१५७·२३९	१३·५८७	२·७६१	०·४४१०७	१·१३२१२	९·३०८९५	र	उ	१२।१३
अगस्त									
१	१७०·८२६	१३·१०६	२·५०७	०·३९९१५	१·११७४७	९·२८१६८	चं	ह	११।२९
२	१८३·९३२	१२·७०६	२·७३५	०·४३६९६	१·१०३०१	९·३३३९५	मं	चि	१२।५७
३	१९६·३३८	१२·३२७	३·३६२	०·५२६६०	१·०९०८६	९·४३५८६	बु	स्वा	१६।२१
४	२०८·९६५	१२·०७६	४·३६८	०·६५०२८	१·०८१९६	९·५६८३२	गु	वि	२२।१२
५	२२१·०४१	११·८८६	५·६२६	०·७५०२०	१·०७४०३	९·६७६१७	शु	ऽनु	२८।२८
६	२३२·९२७	११·८१६	७·०९७३	०·८४९६०	१·०७२४७	९·७७७२७	श	ज्ये	३५।५६
७	२४४·७४३	११·८२७	८·५९०	०·९३२९९	१·०७२८७	९·८६०१२	र	मू	४३।२९
८	२५६·५७०	११·८५६	१०·०९७	१·००४१९	१·०७३९४	९·९३०२५	चं	पू	५१।६
९	२६८·४२६	११·९४७	११·५७४	१·०६३४८	१·०७७२६	९·९८६२२	मं	उ	५८।८
१०	२८०·३७३	१२·०५६					बु	श्र	६०।०
११	२९२·४२९	१२·१७६	१·९०४	९·९५६१७	१·०८५५०	८·८७०६७	गु	श्र	४।३०
१२	३०४·६०५	१२·३३७	२·०६२	०·३१४२९	१·०९०२१	९·२२४०८	शु	ध	१०।३
१३	३१६·९४२	१२·४८६	३·०५८	०·४८५४४	१·०९६४२	९·३८९०२	श	श	१४।४२
१४	३२९·४२८	१२·६२६	३·९०५	०·५९१९२	१·१०१२७	९·४९०६५	र	पू	१८।३४
१५	३४२·०५४	१२·८०७	४·६१३	०·६६३९८	१·११७४४	९·५५६५४	चं	उ	२१।३७
१६	३५४·८६१	१३·०५६	५·१३९	०·७१०८८	१·११५८१	९·५९५०७	मं	रे	२३।३७
१७	७·९१७	१३·२५६	५·४१६	०·७३३७०	१·१२२४१	९·६११२९	बु	अ	२४।३१
१८	२१·१७३	१३·५७६	५·४९४	०·७३९८९	१·१३२७७	९·६०७१२	गु	भ	२४।१७
१९	३४·७४९	१३·९०७	५·२५१	०·७११८९	१·१४३२३	९·५६७६६	शु	कृ	२२।१०
२०	४८·६५६	१४·२८६	४·६७७	०·६६९९७	१·१५४९१	९·५१५०६	श	रो	१९।३९
२१	६२·९४२	१४·५१६	३·७२५	०·५७११३	१·१६१८५	९·४०९२८	र	मृ	१५।२४
२२	७७·४५८	१४·९०७	२·५४२	०·४०५१८	१·१७०४७	९·२३४६१	चं	आ	१०।१८
२३	९२·२६५	१४·९०६	१·०६८	०·०२८५७	१·१७३३६	८·८५५२१	मं	पु	४।१८
			१४·४०२	१·१५८४२	१·१७३३६	९·९८५०६		पु	५७।५८
२४	१०७·१७१	१४·९१६	१२·८२९	१·१०८१९	१·१७३६५	९·९३४४४	बु	आ	५१।३६
२५	१२२·०८७	१४·७१६	११·२४६	१·०५१००	१·१७०१४	९·८८०८६	गु	म	४५।३६

भाद्रपद

सन १९३८ ई   शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	वलंत १३।२०' इष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार	नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
आगस्त		ब	अ	आ	बा	आ-बा			घटि-पल
२५	१२२·०८७	१४·७९६	११·२४६	१·०५१००	१·१७०१४	९·८८०८६	गु	म	४५।३६
२६	१३६·८८३	१४·४०७	९·७८४	०·९९०५२	१·१५८३७	९·७३२१५	शु	पू	३२।२३
२७	१५१·२९०	१४·०४६	८·७१०	०·९४००२	१·१४७५५	९·७९२४७	श	उ	३७।५२
२८	१६५·३३६	१३·६२७	७·९९७	०·९०२९३	१·१३४४०	९·७६८५३	र	ह	३५।१३
२९	१७८·९६३	१३·१७६	७·७०४	०·८८६७२	१·११९७८	९·७६६९४	चं	चि	३५।५
३०	१९२·१३९	१२·७५७	७·८६१	०·८९५४८	१·१०५७५	९·७८९०३	मं	स्वा	३६।५८
३१	२०४·८९६	१२·३८६	८·४३७	०·९२६१९	१·०९२९३	९·८२३२६	बु	वि	४०।५२
सितम्बर									
१	२१७·२८२	१२·१३७	९·३८५	०·९७२४३	१·०८४११	९·८८८३२	गु	ऽनु	४६।२३
२	२२९·४१९	११·९१६	१०·५८१	१·०२४५३	१·०७६१३	९·९४८४०	शु	ज्ये	५३।१६
३	२४१·३३५	११·८३६					श	पू	६०।०
४	२५३·१७१	११·८१७	०·१६२	९·२०९५२	१·०७२५१	८·१३७०१	र	मू	०।४९
५	२६४·९८८	११·९०६	१·६७९	०·२२५०५	१·०७५७६	९·१४९२९	चं	पू	८।२८
६	२७६·८९४	१२·०१६	३·१०६	०·४९२२०	१·०६९७६	९·४१२५६	मं	उ	१५।३१
७	२८८·९१०	१२·१७६	४·४२३	०·६४५७२	१·०८५५०	९·५६०२२	बु	श्र	२१।४८
८	३०१·०८६	१२·३७७	५·५८१	०·७४६७१	१·०६२६२	९·६४४०९	गु	ध	२८।५९
९	३१३·४६३	१२·५८६	६·५३७	०·८१५३८	१·०९९८९	९·७१५४९	शु	श	३१।१०
१०	३२६·०४९	१२·७६६	७·२८४	०·८६२३७	१·१०६०५	९·७५६३२	श	पू	३४।१४
११	३३८·८१५	१२·९७७	७·८५२	०·८९४९८	१·११३१७	९·७८१८१	र	उ	३६।१८
१२	३५१·७९२	१३·११६	८·२०८	०·९१४२४	१·११७८०	९·७९६४४	चं	रे	३७।३३
१३	४·९०८	१३·२९७	८·४२५	०·९२५५७	१·१२३७५	९·८०१८२	मं	अ	३८।१
१४	१८·२०५	१३·५०६	८·४६२	०·९२७४७	१·१३०५३	९·७९६९४	बु	भ	३७।३६
१५	३१·७११	१३·६८६	८·२८९	०·९१८५०	१·१३६२८	९·७८२२२	गु	कृ	३६।२०
१६	४५·३९७	१३·९१७	७·३३६	०·८९९६०	१·१४३५५	९·७५६०५	शु	रो	३४।१४
१७	५९·३१४	१४·०८६	७·३५३	०·८६६४६	१·१४८७९	९·७१७६७	श	मृ	३१।१९
१८	७३·४००	१४·३०७	६·६००	०·८१९५४	१·१५५५५	९·६६३९९	र	आ	२७।४१
१९	८७·७०७	१४·४२६	५·६२६	०·७५०२०	१·१५९१५	९·५९१०५	चं	पु	२३।२४
२०	१०२·१३३	१४·४९६	४·५३४	०·६५६४८	१·१६१२८	९·४९५२०	मं	पु	१९।४६
२१	११६·६२९	१४·४८७	३·३७१	०·५२७७६	१·१६०९८	९·३६६७८	बु	आ	१३।५८
२२	१३१·११६	१४·३५६	२·२१७	०·३४५७७	१·१५७०३	९·१८८७३	गु	म	९।१६
२३	१४५·४७२	१४·१२६	१·१९५	०·०७७३७	१·१५००२	९·०७७३५	शु	पु	७।१०

आश्विन

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३।२०नष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार	नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
सितम्बर		ब	अ	आ	बा	आ—बा			घटि—पल
२३	१४५·४७२	१४·१२६	१·१९५	०·०७७३७	१·१५००२	९·०७७३५	शु	पू	७।१०
२४	१५९·५९८	१३·८१६	०·४०२	९·६०४२३	१·१४०३८	८·४६३८५	श	उ	१।४०
			१३·३३५	१·१३७८३	१·१४०३८	९·९९७४५		ह	५९।३९
२५	१७३·४१४	१३·४८७	१३·२५३	१·१२२३१	१·१२९९२	९·९९२३९	र	चि	५८।५७
२६	१८६·९०१	१३·११६	१३·०९९	१·११७२४	१·११७८०	९·९९९४३	चं	स्वा	५९।५५
२७	२००·०१७	१२·७१७					मं	वि	६०।०
२८	२१२·७३४	१२·४५६	०·५९९	९·७७७४३	१·०९५३८	८·६८२०५	बु	वि	२।५४
२९	२२५·१९०	१२·१३७	१·४७७	०·१६९३८	१·०८३११	९·०८६२७	गु	ऽनु	७।१९
३०	२३७·३२७	११·९३६	२·६७३	०·४२७००	१·०७८३१	९·३४८६९	शु	ज्ये	१३।२४
अक्टूबर									
१	२४९·३०३	११·८७७	४·०३०	०·६०५२१	१·०७४७१	९·५३०६०	श	मू	२०।२२
२	२६१·१८०	११·८६६	५·४८७	०·७३९३४	१·०७४३०	९·६६५०४	र	पू	२७।४५
३	२७३·०४६	११·९१६	६·९५४	०·८४२२३	१·०७६१३	९·७६६१०	चं	उ	३५।१
४	२८४·९६२	१२·०७६	८·३७१	०·९२२७८	१·०८१९२	९·८४०८६	मं	श्र	४१।३६
५	२९७·०३८	१२·२५७	९·६२९	०·९८३५८	१·०८८३८	९·८९५२०	बु	ध	४७।८
६	३०९·२९५	१२·५०६	१०·७०५	१·०२९५९	१·०९७१२	९·९३२४७	गु	श	५१।२२
७	३२१·८०१	१२·८१६	११·५३२	१·०६१९०	१·१०७७५	९·९५४१५	शु	पू	५३।५९
८	३३४·६१७	१३·०९७	१२·०५०	१·०८०९९	१·११७१७	९·९६३८२	श	उ	५५।१२
९	३४७·६२४	१३·३१६	१२·३७६	१·०९२५८	१·१२४३७	९·९६८२१	र	रे	५५।४६
१०	०·९४०	१३·६०६	१२·३९३	१·०९३१८	१·१३३७३	९·९५९४५	चं	अ	५४।३९
११	१४·५४६	१३·३८७	१२·१२१	१·०८३५४	१·१३९४७	९·९४४०७	मं	भ	५२।४५
१२	२८·३३३	१३·९२६	११·६६७	१·०६६९६	१·१४३८३	९·९२३१३	बु	कृ	५०।१६
१३	४२·२५९	१४·०१७	११·०७४	१·०४४३०	१·१४६६६	९·८९७६४	गु	रो	४७।२४
१४	५६·२७६	१४·०७६	१०·३९१	१·०१६६६	१·१४८४८	९·८६८१८	शु	मृ	४४।१४
१५	७०·३५२	१४·११७	९·६४८	०·९८४४४	१·१४९७४	९·८३४७०	श	आ	४१।०
१६	८४·४६९	१४·१५६	८·०६४	०·९४७६३	१·१५०९४	९·७९६६९	र	पु	३७।३४
१७	९८·६२५	१४·१०६	८·०४२	०·९०५३६	१·१५१२५	९·७५४११	चं	पु	३४।४
१८	११२·७९१	१४·१५७	७·२०९	०·८५७८८	१·१५०९७	९·७०६९१	मं	श	३०।३३
१९	१२६·९४८	१४·०४६	६·३८५	०·८०५१६	१·१४७५५	९·६५७६१	बु	म	२७।१२
२०	१४०·९९४	१३·८७६	५·६७३	०·७५३८१	१·१४२२६	९·६११५५	गु	पू	२४।३२
२१	१५४·८७०	१३·६३७	५·१३०	०·७१०१२	१·१३४७२	९·५०५४०	शु	उ	२२।३४
२२	१६८·५०७	१३·४४६	४·८२६	०·६८३५९	१·१२८५९	९·५५५००	श	ह	२१।३२
२३	१८१·९५३	१३·१९६	४·७१४	०·६७३३९	१·१२०४४	९·५५२९५	र	चि	२१।२४

कार्तिक

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३।२०तष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार	नत्रक्ष	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
		ब	अ	आ	बा	आ-बा			घटि—पल
अक्टूबर									
२३	१८१·९५३	१३·१९६	४·७१४	०·६७३३९	१·१२०४४	९·५५२९५	र	चि	२१।२४
२४	१९५·१४९	१२·९०६	४·८५१	०·६८५८३	१·११०७९	९·५७५०४	चं	स्वा	२२।३३
२५	२०८·०५५	१२·५९७	५·२७८	०·७२२४७	१·१००२७	९·६२२२०	मं	वि	२५।८
२६	२२०·६५२	१२·३७६	६·०१५	०·७७९२४	१·०९२५८	९·६८६६६	बु	ऽनु	२९।१०
२७	२३३·०२८	१२·१३७	६·९७२	०·८४३३६	१·०८४११	९·७५९२५	गु	ज्ये	३४।२८
२८	२४५·१६५	११·९८६	८·१६८	०·९१२१२	१·०७८६७	९·८३३४५	शु	मू	४०।५३
२९	२५७·१५१	११·८७७	९·५१६	०·९७८४५	१·०७४७१	९·९०३७४	श	पू	४८।५
३०	२६९·०२८	११·८५६	१०·९७२	१·०४०२९	१·०७३९४	९·९६६३५	र	उ	५५।३२
३१	२८०·८८४	११·९४६	१२·४४९	१·०९४१३	१·०७७२२	०·०१६९१	चं	श्र	६०।०
नवम्बर									
१	२९२·८३०	१२·०४७		०·७०१५७	१·०८०८७	८·६२०६९	मं	श्र	२।३०
२	३०४·८७७	१२·२८६	१·७९०	०·२५२८५	१·०८९४१	९·१६३४४	बु	ध	८।४५
३	३१७·१६३	१२·५३८	२·८३७	०·४५२८६	१·०९४७५	९·३५८११	गु	श	१३।४१
४	३२९·६९९	१२·८८७	३·६३४	०·५६०३८	१·११०१५	९·४५०२३	शु	पू	१६।५५
५	३४२·५८६	१३·२२६	४·०८१	०·६१०७७	१·१२१४३	९·४८९३४	श	उ	१८।२८
६	३५५·८१२	१३·५८६	४·१८८	०·६२२०१	१·१३३०९	९·४८८९२	र	रे	१८।३०
७	९·३९८	१३·८८७	३·९३५	०·५९४९४	१·१४२६१	९·४५२३३	चं	अ	१७।०
८	२३·२८५	१४·१७६	३·३८२	०·५२९१७	१·१५१५५	९·३७७६२	मं	भ	१४।१९
९	३७·४६१	१४·३७६	२·५३९	०·४०४६६	१·१५७६४	९·२४७०२	बु	कृ	१०।३६
१०	५१·८३७	१४·४७७	१·४९६	०·१७४९३	१·१६०६८	९·०१४२५	गु	रो	६।१२
११	६६·३१४	१४·५२६	०·३५३	९·५४७७७	१·१६३१५	८·३८५६२	शु	मृ	१।२७
			१३·६८६	१·१३६२८	१·१६२१५	९·९७४१३		आ	५६।३२
१२	८०·८४०	१४·४७७	१२·४९३	१·०९६६३	१·१६०६८	९·९३५९५	श	पु	५१।४६
१३	९५·३१७	१४·३०६	११·३५०	१·०५४९९	१·१५५५२	९·४९९४७	र	पु	४७।३६
१४	१०९·६२५	१४·१२६	१०·३७७	१·०१५०७	१·१४६९३	९·८६८१४	चं	आ	४४।१७
१५	१२३·७४९	१३·९६७	९·५८४	०·९८१५५	१·१४५१०	९·८३६४५	मं	म	४१।१०
१६	१३७·७१६	१३·६८६	८·९५१	०·९५१८७	१·१३६२८	९·८१५५९	बु	पू	३९।१४
१७	१५१·४०२	१३·४४६	८·५९८	९·९३४४०	१·१२८५९	९·८०५८१	गु	उ	३८।२२
१८	१६४·८४८	१३·२३७	८·४८५	०·९२८६५	१·१२१७९	९·८०६८६	शु	ह	३८।२८
१९	१७८·०८५	१३·०२६	८·५८२	०·९३३५९	१·११४८१	९·८१८७८	श	चि	३९।३२
२०	१९१·१११	१२·८०६	८·८८९	०·९४८८५	१·१०७४१	९·८४१४४	र	स्वा	४१।३९
२१	२०३·९१७	१२·६२७	९·४१६	०·९७३८७	१·१०१३०	९·८७२५७	चं	वि	४४।४५

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३°।२०'तष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार	नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
नवम्बर		ब	अ	आ	बा	आ–बा			घटि–पल
२१	२०३·९१७	१२·६२७	९·४१६	०·९७३८७	१·१०१३०	९·८७२५७	चं	वि	४४।४५
२२	२१६·५४४	१२·३९६	१०·१२३	१·००५३१	१·०९३२८	९·९१२०३	मं	ऽनु	४९।०
२३	२२८·९४०	१२·२२६	११·०६०	१·०४३७५	१·०८७२८	९·९५६४७	बु	ज्ये	५४।१७
२४	२४१·१६६	१२·०६७					गु	मू	६०।०
२५	२५३·२३३	११·९२६	०·१००	९·०००००	१·०७६४९	७·९२३५१	शु	मू	०।३१
२६	२६५·१५९	११·८८७	१·५०८	०·१७८४०	१·०७५०७	९·१०३३३	श		७।३७
२७	२७७·०४६	११·८६६	२·९५४	०·४७०४१	१·०७४३०	९·३९६११	र	उ	१४।५६
२८	२८८·९१२	११·९०६	४·४२१	०·६४५५२	१·०७५७१	९·५६९७५	चं	श्र	२२।१७
२९	३००·८१८	१२·००७	५·८४९	०·७६७०८	१·०७९४३	९·६८७६५	मं	ध	२९।१४
३०	३१२·८२५	१२·२१६	७·१७५	०·८५५८२	१·०८६९३	९·७६८८९	बु	श	३३।१४
दिसम्बर									
१	३२५·०४१	१२·५१६	८·२९२	०·९१८६६	१·०९७४६	९·८२१२०	गु	पू	३९।४५
२	३३७·५५७	१२·८५७	९·११०	०·९५९५२	१·१०९१४	९·८५०३८	शु	उ	४२।३१
३	३५०·४१४	१३·२३६	९·५८६	०·९८१६०	१·१२१७६	९·८५९८८	श	रे	४३।२७
४	३·६५०	१३·६५६	९·६८३	०·९८६०१	१·१३५३२	९·८५०६९	र	अ	४२।३३
५	१७·३०६	१४·०९७	९·३६१	०·९७१३२	१·१४९१३	९·८२२१९	चं	भ	३९।५१
६	३१·४०३	१४·४५६	८·५९७	०·९३४३५	१·१६००५	९·७७४३०	मं	कृ	३५।४१
७	४५·८५९	१४·७४७	७·४७४	०·८७३५५	१·१६८७९	९·७०४८५	बु	रो	३०।२५
८	६०·६०६	१४·९४६	६·०६१	०·३८२५४	१·१७४५३	९·६०८०१	गु	मृ	२४।२०
९	७५·५५२	१४·९३६	४·४४८	०·६४८१६	१·१७४२३	९·४७३९३	शु	आ	१७।५२
१०	९०·४८८	१४·८५७	२·८४५	०·४५४०८	१·१७१९३	९·२८२१५	श	पु	११।३०
११	१०५·३४५	१४·५८६	१·३२२	०·१२१२३	१·१६३९४	८·९५७२९	र	पु	५।२७
१२	११९·९३१	१४·३२७	०·०६९	९·८३८८५	१·१५६१५	८·६८२७०	चं	आ	२।५४
			१३·४०२	१·१२७१७	१·१५६१५	९·९७१०२		म	५६।८
१३	१३४·२५८	१३·९५६	१२·४०९	१·०९३७४	१·१४४७६	९·९४८९८	मं	पू	५३।२१
१४	१४८·२१४	१३·५८६	११·७८६	१·०७१३७	१·१३३०९	९·९३८२८	बु	उ	५२।३
१५	१६१·८००	१३·२१७	११·५३३	१·०६१८३	१·१२११३	९·९४०७०	गु	ह	५२।२१
१६	१७५·०१७	१२·९५६	११·६५०	१·०६६३३	१·११२४७	९·९५३८६	शु	चि	५३।५७
१७	१८७·९७३	१२·६६६	१२·०२७	१·०७९१६	१·१०२६४	९·९७६५२	श	स्वा	५६।५१
१८	२००·६३९	१२·५१७					र	वि	६०।०
१९	२१३·१५६	१२·२९६	०·१७७	९·२४७९७	१·०८९७६	८·१५८२१	चं	वि	०।३८
२०	२२५·४५२	१२·१६६	१·२१५	०·०८४५८	१·०८५१५	८·९९९४३	मं	ऽनु	५।५९
२१	२३७·६१८	१२·०८७	२·३८२	०·३७६९४	१·०८२३२	९·२९४६२	बु	ज्ये	१।५०

पौष

सन १९३८–३९ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३°।२०′ तष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
दिसम्बर		ब	अ	आ	बा	आ–बा		घटि–पल
२१	२३७·६१८	१२·०८७	२·३८२	०·३७६९४	१·०८२३२	९·२९४६२	बु ज्ये	११।५०
२२	२४९·७०५	११·९७६	३·६२८	०·५५९६७	१·०७८३१	९·४८१३६	गु मू	१८।११
२३	२६१·६८१	११·९०६	४·९८६	०·६९७७५	१·०७५७७	९·६२११८	शु पू	२५।८
२४	२७३·५८७	११·८६७	६·४१३	०·८०७०६	१·०७४३४	९·७३२७२	श उ	३२।२६
२५	२८५·४५४	११·८५६	७·८७९	०·८९६४७	१·०७३९४	९·८२२५३	र श्र	३९।५२
२६	२९७·३११	११·८९७	९·३५७	०·९७११४	१·०७५४४	९·८९५७०	सो ध	४७।१२
२७	३०९·२०७	११·९६६	१०·७९३	१·०७१६२	१·७७७९५	९·९९३६७	मं श	५९।८
२८	३२१·१७३	१२·१५६					बु पू	६०।०
२९	३३३·३२९	१२·४२७	०·००४	९·६०२०६	१·०९४३७	८·५०७६९	गु पु	१।५६
३०	३४५·७५६	१२·७५६	०·९११	९·९५९५२	१·१०५७१	८·८५३८१	शु उ	४।१८
३१	३५८·५१२	१३·१४६	१·४८८	०·१७२६०	१·११८७९	९·०५३८१	श रे	६।४७
जनवरी								
१	११·६५८	१३·५७६	१·६७५	०·२२४०१	१·२३२७७	९·०९१२४	र अ	७।२४
२	२५·२३४	१४·०७६	१·४३३	०·१५६२५	१·१४८४८	९·००७७७	सो भ	६।७
३	३९·३१०	१४·५२७	०·६९०	९·८३८८५	१·१६२१८	८·६७६६७	मं कृ	२।५१
			१४·०२३	१·१४६८४	१·१६२१८	९·९८४६६	रो	५७.५५
४	५३·८३७	१४·८९७	१२·८३०	१·१०८२३	१·१७३१०	९·९३५१३	बु मृ	५५।४१
५	६८·७३४	१५·११६	११·२६६	१·०८८७०	१·१८०५८	९·९०८१२	गु आ	४८।३४
६	८३·८९०	१५·२०७	९·४४३	०·९७५११	१·१८२०४	९·७९३०७	शु पु	३७।१५
७	९९·१९७	१५·१६८	७·४७०	०·८७३३२	१·१८०८७	९·६९२४५	श पु	२९।३३
८	११४·३६३	१४·९१६	५·६३७	०·७५१०५	१·१७३६५	९·५७७४०	र आ	२२।४१
९	१२९·२७९	१४·५७६	४·०५४	०·६०७८८	१·१६३६४	९·४४४२४	सो म	१६।४१
१०	१४३·८५५	१४·१०६	२·८१२	०·४४९०२	१·१४९४०	९·२९९६२	मं पू	११।५८
११	१५७·९६१	१३·६४७	२·०३९	०·३०९४२	१·१३५०४	५·१७४३८	बु उ	८।५८
१२	१७१·६०८	१३·१९६	१·७२५	०·२३६८९	१·१२०४४	९·११६३५	गु ह	७।५१
१३	१८४·८०४	१२·८३६	१·८६३	०·२७०२१	१·१०८४३	९·१६१७८	शु चि	८।४२
१४	१९७·६४०	१२·५४७	२·३६०	०·३७२९१	१·०९८५४	९·२७४३७	श स्वा	११।१७
१५	२१०·१८७	१२·२८६	३·१४६	०·४९७७६	१·०८९४१	९·४०८३५	र वि	१५।२२
१६	२२२·४७३	१२·११६	४·११४	०·६२२६३	१·०८३३६	९·५३९२७	सो ऽनु	२०।४६
१७	२३४·५८९	११·९९७	५·४११	०·७३३२८	१·०७९०७	९·६५४८१	मं ज्ये	२७।४
१८	२४६·५८६	११·९३६	६·७४७	०·८२९११	१·०७६८६	९·७५२२५	बु मू	३३।५५
१९	२५८·५२२	११·८८७	८·१४५	०·९११०८९	१·०७५०७	९·८३५८२	गु पू	४१।७
२०	२७०·४०९	११·८८६	९·५९१	०·९८१८६	१·०५५०४	९·२०६८२	शु उ	४८।२५

सन १९३९ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३°।२०'तष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार	नक्षत्र	भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
जनवरी		ब	अ	आ	बा	आ–बा			घटि–लप
२०	२७०·४०९	११·८८६	९·५९१	०·९८१८६	१·०७५०४	९·९०६८२	शु	उ	४८।२५
२१	२८२·२९५	११·८८६	११·०३८	१·०४२४९	१·०७५०४	९·९६७४५	श	श्र	५५।४०
२२	२९४·१८१	११·८९६					र	ध	६०।०
२३	३०६·०७७	११·९५७	०·५९०	९·७७०८५	१·०७७६२	८·६९३२३	चं	ध	२।५८
२४	३१८·०३४	१२·०२६	१·९६६	०·२९३५८	१·०८०१६	९·२१३४६	मं	श	९।४९
२५	३३०·०६०	१२·१७७	३·२७३	०·५१४९५	१·०८५५४	९·४२९४१	बु	पू	१६।८
२६	३४२·२३७	१२·३९६	४·४३०	०·६४६४०	१·०९३३२	९·५५३०८	गु	उ	२१।२७
२७	३५४·६३३	१२·६७६	५·३६७	०·७२९७३	१·१०२९८	९·६२६७५	शु	रे	२५।२४
२८	७·३०९	१३·०२७	६·०२४	०·७७९८९	१·११४८४	९·६६५०५	श	अ	२७।४५
२९	२०·३३६	१३·४१६	६·३३१	०·८०१४२	१·१३७६२	८·६७३८०	र	भ	२८।१९
३०	३३·७५२	१३·९०७	६·२४८	०·७९५७४	१·१४३२३	९·६५२५१	चं	कृ	२६।५८
३१	४७·६५९	१४·३७६	५·६७४	०·७५३८९	१·१५७६४	९·५९६२५	मं	रो	२३।४१
फरवरी									
१	६२·०३५	१४·८१६	४·६३२	०·६६५७७	१·१६०७३	९·४९५०४	बु	मृ	४८।४६
२	७६·८५१	१५·११७	३·१४९	०·४९८१७	१·१७९४७	९·३१८७०	गु	आ	१२।३०
३	९१·९६८	१५·३२७	१·३६५	०·१३५१३	१·१८५४९	८·९४९६७	शु	पु	५।२१
			१४·६९९	१·१६७२९	१·१८५४६	९·९८१८३		पु	५७।३३
४	१०७·२९५	१५·२६६	१२·७०५	१·१०३९७	१·१८३७२	९·९२०२५	श	आ	९४।५६
५	१२२·५६१	१५·०८६	१०·७७२	१·०३२३०	१·१७८५७	९·८५३७३	र	म	४२।५१
६	१३७·६४७	१४·७७७	९·०२०	०·९५५२१	१·१६९५९	९·७८५६२	चं	पू	३६।३७
७	१५२·४२४	१४·३०६	७·५७६	०·८७९४४	१·१५५५२	९·७२३९२	मं	उ	३१।४७
८	१६६·७३०	१३·७९६	६·६०३	०·८१९७४	१·१३९७५	९·६७९९९	बु	ह	२८।४३
९	१८०·५२६	१३·३२६	६·१४१	०·७८८२४	१·१२४७०	९·६६३५४	गु	चि	२७।३९
१०	१९३·८५२	१२·८९७	६·१४८	०·७८८७३	१·११०४९	९·६७८२४	शु	स्वा	२८।३६
११	२०६·७४९	१२·५३६	६·५८४	०·८१८४९	१·०९७१६	९·७२०३३	श	वि	३१।३१
१२	२१९·२८५	१२·२३६	७·३८२	०·८६८१७	१·०८७६४	९·७८०५३	र	ऽनु	३६।१२
१३	२३१·५२१	१२·०४७	८·४७९	०·९२८३४	१·०८०८८	९·६४७४६	चं	ज्ये	४२।१४
१४	२४३·५६८	११·८९६	९·७६५	०·९८९६७	१·०७५८०	९·९१४२७	मं	मू	४९।१५
१५	२५५·४६४	११·८८७	११·२०३	१·०४९३३	१·०७५०७	९·९७४२६	बु	पू	५६।३३
१६	२६७·३५१	११·८४६					गु	उ	६०।०
१७	२७९·१९७	११·८७६	०·८०३	९·९०४७२	१·०७०६७	८·८३००५	शु	उ	४·४
१८	२९१·०७३	११·९३६	२·२६०	०·३५४११	१·०७६८६	९·२७७२५	श	श्र	१२।२२
१९	३०३·००९	१२·००७	३·६५८	०·५६३२४	१·०७९४३	९·४८३८१	र	ध	१८।१७

फाल्गुन

सन १९३९ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का नक्षत्र साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	स्पष्टचंद्र	दिनगति	रेवत्यंत १३।२०' तष्ट नक्षत्र शेष	नक्षत्र शेष लघुरिक्थ भाज्य	दिनगति लघुरिक्थ भाजक	भागलब्धि लघुरिक्थ	नक्षत्र भाग वार नक्षत्र		भागलब्धि नक्षत्र समाप्ति कालः
फरवरी		ब	अ	आ	बा	आ-बा			घटि-पल
१९	३०३.००९	१२.००७	३.६५८	०.५६३२४	१.०७९४३	९.४८३८१	र	घ	१८।१७
२०	३१५.०१६	१२.०८६	४.९८४	०.६९७५८	१.०८२२८	९.६१५३०	चं	श	२४।४५
२१	३२७.१०२	१२.२०६	६.२३५	०.७९४८४	१.०८६५७	९.७०८२७	मं	पू	३०।३९
२२	३३९.३०८	१२.२६७	७.३५९	०.८६६८२	१.०८८७४	९.७७८०८	बु	उ	३६।०
२३	३५१.५७५	१२.५७६	८.४२५	०.९२५५७	१.०९९५४	९.८२६०३	गु	रे	४०।१२
२४	४.१५१	१२.७२७	९.१८२	०.९६२९४	१.१०४७३	९.८५८२१	शु	अ	४३।१७
२५	१६.८७८	१२.९९६	९.७८९	०.९९०७४	१.११३८१	९.८७६९३	श	भ	४५।१२
२६	२९.८७४	१३.३६६	१०.१२६	१.००५४४	१.१२६६५	९.८७८७९	र	कृ	४५।२३
२७	४३.२४०	१३.७५७	१०.०९३	१.००४०२	१.१३८५२	९.८६५५०	चं	रो	४४।१
२८	५६.९९७	१४.१४९	९.६७०	०.९८५४३	१.१५०७२	९.८३४७१	मं	मृ	४१।१
मार्च									
१	७१.१४३	१४.५५६	८.८५७	०.९४७२९	१.१६३०४	९.७८४२५	बु	आ	३६।३१
२	८५.६९९	१४.८३७	७.६३४	०.८८२७५	१.१७१३५	९.७११४०	गु	पु	३०।५२
३	१००.५३६	१४.९६६	६.१३१	०.७८७५३	१.१७५१०	९.६१२४३	शु	पु	२४।३५
४	११५.५०२	१५.२३७	४.४९८	०.६५३०२	१.१८२९०	९.४७०१२	श	आ	१७।४३
५	१३०.७३९	१४.९५६	२.५९४	०.४१३९७	१.१७४८१	९.२३९१६	र	म	१०।२५
६	१४५.६९५	१४.७५७	०.९७२	९.९८७६७	१.१६९००	८.८२०६७	चं	पू	३।५७
			१४.३०५	१.९५५४९	१.१६९००	९.९८६४९		उ	५८।१०
७	१६०.४५२	१४.३५६	१२.८८१	१.१०९९५	१.१५७०३	९.९५९०५	मं	ह	५३।५०
८	१७४.८०८	१३.८७६	११.८५९	१.०७४०५	१.१४२२६	९.९३१७९	बु	चि	५१।१७
९	१८८.६८४	१३.४५७	११.३१६	१.०५३६९	१.१२८९५	९.९२४७४	गु	स्वा	५०।२७
१०	२०२.१४१	१२.९९६	११.१९२	१.०४८९१	१.१४३८१	९.९३५१०	शु	वि	५१।४०
११	२१५.१३७	१२.६१६	११.५३०	१.०६१८३	१.१००९२	९.९६०९१	श	ऽनु	५४।५०
१२	२२७.७५३	१२.२९७	१२.२४७	१.०८८०३	१.०७९८०	९.९९८२३	र	ज्ये	५९।४५
१३	२४०.०५०	१२.०६६					चं	मू	६०।०
१४	२५२.११६	११.९१६	१.२१७	०.०८५२९	१.०७६१३	९.००९१६	मं	मू	६।८
१५	२६४.०३२	११.८७६	२.६३५	०.४२०७८	१.०७४६४	९.३४६११	बु	पू	१३।१९
१६	२७५.९०८	११.८३७	४.०९२	०.६११९४	१.०७३२४	९.७३८७०	गु	उ	२०।४५
१७	२८७.७४५	११.९१६	५.५८८	०.७४७२६	१.०७६१३	९.६७११३	शु	श्र	२८।८
१८	२९९.६६१	१२.०१६	७.००६	०.८४५४७	१.०७९७६	९.७६५७१	श	ध	३४।५९
१९	३११.६७७	१२.१३७	८.३२३	०.९२०२८	१.०८४११	९.८३६१७	र	श	४१।९
२०	३२३.८१४	१२.२६६	९.५११	०.९७८५९	१.०८८७०	९.८८९८९	चं	पू	४६।३४
२१	३०३.००९	१२.००७	१०.५८७	१.०२४७७	१.०९५०३	९.९२५७४	मं	उ	५१।२

संवत् १९९५ शके १८६० का

योग साधन

अर्थात्

भूमध्य स्पष्ट सूर्य और स्पष्ट चन्द्र के प्रत्यक्षांतर से
सिद्ध किया हुआ उदाहरण सहित

योग समाप्ति काल।

शके १५८० तत्वविवेकोक्त) राशिचक्र का नकशा ५ वृश्चिक, धन, मकर (विषुवांश क्रांति के अंश

अयनांश, १९।४ संपादक—चुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इन्दौर.
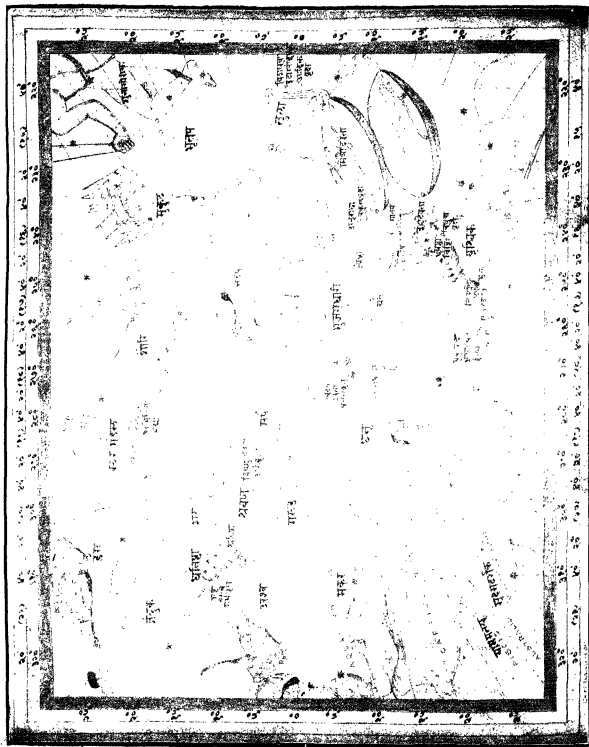
(शके १५८० तत्वविवेकोक्त) राशिचक्र का नक्शा ६ कुंभ, मीन, मेष (विषुवांश क्रांति के अंश)

अयनांश. १९.४ संपादक—बुलेट शास्त्री, वैदिक वेधशाला, इन्दौर

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वैधृत्यंत १३°।२०′ तष्ट	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार योग		भागलब्धि योग समाप्ति कालः
मार्च		ब	अ	आ	बा	आ–बा			घटि–पल
३१	३२३·९९८	१४·६५४	९·३३५	०·९७०१४	१·१६५९६	९·८०४१८	गु	ब्र	३८।१३
एप्रिल									
१	३३८·६६२	१४·८४२	८·०१५	०·९०३९०	१·१७१४९	९·७३२४१	शु	ऐं	३२।२४
२	३५३·४९४	१५·०९३	६·५०६	०·८१३३१	१·१७८७८	९·६३४५३	श	वै	२५।५२
३	८·५८७	१५·१५१	४·७५६	०·६७७२४	१·१८०४४	९·४९६८०	र	वि	१८।५०
४	२३·७३८	१५·२०१	२·९२९	०·४६६७२	१·१८१८७	९·२८४८५	चं	प्री	११।३४
५	३८·९३९	१५·२११	१·०६१	०·०२५७२	१·१८२१६	८·८४३५६	मं	आ	४।११
			१४·३९४	१·१५८१८	१·१८२१६	९·९७६०२		सौ	५६।४७
६	५४·१५०	१५·१९०	१२·०१७	१·०७९८०	१·१८५१६	९·४९८२४	बु	शो	४७।२८
७	६९·३४०	१५·०७९	१०·६६०	१·०२७७६	१·१७८३७	९·८४९३९	गु	अ	४२।२५
८	८४·४१९	१५·०२९	८·९१४	०·९५००७	१·१७६९३	९·७७३१४	शु	सु	३५।३५
९	९९·४४८	१४·८१८	७·२११	०·८५८४८	१·१७०७९	९·६८७६९	श	धृ	२९।१४
१०	११४·३४६	१४·७६८	५·६३६	०·७५०८५	१·१६९३२	९·५८१५३	र	शू	२२।५४
११	१२९·१३४	१४·५७७	४·१९९	०·६२३१५	१·१६३६७	९·४५९४८	चं	गं	१७।१७
१२	१४३·७११	१४·३६६	२·९५६	०·४७०७०	१·१५७३४	९·३१३३६	मं	वृ	१२।२१
१३	१५८·०७७	१४·१२७	१·९२३	०·२८४९८	१·१५००५	९·१३४९३	बु	ध्रु	८।१६
१४	१०२·२०४	१३·९१५	१·१२९	०·०५२६९	१·१४३४८	८·९०९२१	गु	व्या	४।५२
१५	१८६·११९	१३·६१४	०·५४८	९·७३८७८	१·१३३९८	८·६०४८०	शु	ह	२।२५
१६	१९९·७३३	१३·३६५	०·२६७	९·४२६५१	१·१२५९७	८·३००५४	श	व	१।१२
१७	२१३·०९८	१३·१२४	०·२३५	९·३७१०७	१·११८०७	८·२५३००	र	सि	१।५
१८	२२६·२२२	१२·९६४	०·४४५	९·६४८३६	१·११२७४	८·५३५६२	चं	व्य	२।४
१९	२३९·१८६	१२·८४२	०·९१४	९·९६०९५	१·१०८६३	८·८५२३२	मं	व	४।१६
२०	२५२·०२८	१२·७८३	१·३०५	०·११५६१	१·१०६६३	९·००८९८	बु	प	६।८
२१	२६४·८११	१२·८३१	१·८५६	०·२६८५८	१·१०८२६	९·१६०३२	गु	शि	८।४१
२२	२७७·६४२	१२·९५१	२·३५८	०·३७२५४	१·११२३०	९·२६०२४	शु	सि	१०।५६
२३	२९०·५९३	१३·१३१	२·७४०	०·४३७७५	१·११८३०	९·३१९४५	श	सा	१२।३१
२४	३०३·७२४	१३·४४०	२·९४३	०·४६८७९	१·१२८४०	९·३४०३९	र	शु	१३।८
२५	३१७·१६४	१३·७५९	२·८३६	०·४५२७१	१·१३८५९	९·३१४१२	चं	शु	१२।२२
२६	३३०·९२३	१४·१५०	२·४१०	०·३८२०२	१·१५०७६	९·२३११२६	मं	ब्र	१०।१३
२७	३४५·०७३	१४·५४८	१·५९४	०·२०२४९	१·१६२८०	९·०३९६९	बु	ऐं	६।३४
२८	३५९·६२१	१४·८७८	०·३७९	९·५७८६४	१·१७२५४	८·४०६१०	गु	वै	१।३२
			१३·७१२	१·१३७१०	१·१७२५४	९·९६४५६		वि	५५।१८
२९	१४·४९९	१५·२०९	१२·१६८	१·०८५२२	१·१८२१०	९·९०३१२	शु	प्री	४८।१
३०	२९·७०८	१५·४५७	१०·२९२	१·०१२५०	१·१८९१२	९·८२३३८	श	आ	३९।५७

वैशाख

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वैधृत्यंत १३°।२०'तष्ट	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार	योग	भागलब्धि योग समाप्ति कालः
		ब	अ	आ	बा	आ–बा			घटि–पल
एप्रील									
३०	२९.७०८	१५.४५७	१०.२९२	१.०१२५०	१.१८९१२	९.८२३३८	श	आ	३९।५७
मई									
१	४५.१६५	१५.६०६	८.१६८	०.९१२१२	१.१९३२९	९.७१८८३	र	सौ	३१।२४
२	६०.७७१	१५.६०७	५.८९६	०.७५५५७	१.१९३३२	९.५६२२५	चं	शो	२१।५४
३	७६.३७८	१५.६०५	३.६२२	०.५५८९५	१.१९३२६	९.३६५६९	मं	अ	१३।५६
४	९१.९८३	१५.६३५	१.३५०	०.१३०३३	१.१९४१०	८.९३६२३	बु	सु	५।११
			१४.६८४	१.१६६८४	१.१९४१०	९.९७२७४		धृ	५६।२१
५	१०७.६१८	१५.०१५	१२.३८२	१.०९२७९	१.१७६५२	९.९१६२७	गु	शू	४९।२९
६	१२२.६३३	१४.९९४	१०.७००	१.०२९३८	१.१७५९२	९.८५३४६	शु	गं	४२।४९
७	१३७.६२७	१४.७१३	९.०४०	०.९५६१७	१.१६७७०	९.७८८४७	श	वृ	३६।५२
८	१५२.३४०	१४.४४४	७.६६०	०.८८४२३	१.१५९६९	९.७२४५४	र	ध्रु	३१।४९
९	१६६.७८४	१४.२१३	६.५४९	०.८१६१८	१.१५२६८	९.६६३५०	चं	व्या	२७।३९
१०	१८०.९९७	१३.९५२	५.६७०	०.७५३५८	१.१४४६४	९.६०८९४	मं	ह	२४।२३
११	१९४.९४९	१३.७४३	५.०५१	०.७०३३८	१.१३८०८	९.५६५३०	बु	व	२२।३
१२	२०८.६९२	१३.६३१	४.६४१	०.६६६६१	१.१३४५३	९.५३२०८	गु	सि	२०।२६
१३	२२२.२२३	१३.३२२	४.४४४	०.६४७७४	१.१२४५७	९.५२३२०	शु	व्य	२०।१
१४	२३५.५४५	१३.१७०	४.४५५	०.६४८८५	१.११९५८	९.५२९२७	श	व	२०।१८
१५	२४८.७१५	१२.९८०	४.६१८	०.६६४४७	१.११३२७	९.५५११८	र	प	२१।२१
१६	२६१.६९५	१२.९२०	४.९७२	०.६९६५३	१.१११२६	९.५८५२७	चं	शि	२३।५
१७	२७४.६१५	१२.८००	५.३८५	०.७३११८	१.१०७२१	९.६२३९७	मं	सि	२५।१४
१८	२८७.४१५	१२.७७९	५.९१८	०.७७२१८	१.१०६५०	९.६६५६८	बु	सा	२७।४५
१९	३००.१९४	१२.८०९	६.४७३	०.८१११०	१.१०७५१	९.७०३५९	गु	शु	३०।१९
२०	३१३.००३	१२.९३८	६.९९७	०.८४४६६	१.१११८७	९.७३२७९	शु	शु	३२।१६
२१	३२५.९४१	१३.१०८	७.३९२	०.८६८७६	१.११७५४	९.७५१२२	श	ब्र	३३।५०
२२	३३९.०४९	१३.३१८	७.६१८	०.८८१८४	१.१२४४४	९.७५७४०	र	ऐं	३४।१९
२३	३५२.३६७	१३.७०७	७.६३३	०.८८२६९	१.१३६९४	९.७४५७५	चं	वै	३३।२५
२४	६.०७४	१४.१०७	७.२५९	०.८६०८८	१.१४९४३	९.७११४६	मं	वि	३०।५२
२५	२०.१८१	१४.४९७	६.४८६	०.८११९८	१.१६१२८	९.६५०७०	बु	प्री	२६।५१
२६	३४.६७८	१४.९२६	५.३२२	०.७२६०७	१.१७३९४	९.५५२१३	गु	आ	२१।२४
२७	४९.६०४	१५.३५५	३.७२९	०.५७१६९	१.१८६२५	९.३८५५४	शु	सौ	१४।३५
२८	६४.९५९	१५.६५६	१.७०८	०.२३२५०	१.१९४६८	९.०३७८२	श	शो	६।३२
			१५.०४१	१.१७७२८	१.१९४६८	९.९८२६०		अ	५७।३९
२९	८०.६१५	१५.९०५	१२.७१८	१.१०४४२	१.२०१५३	९.९०२८९	र	सु	४७।५९

सन १९३८ इ. **शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०**

तारीख	रवि चंद्र का जोड	भयगति जोड	वैधृत्यंत १३°।२०′तष्ट नक्षत्र शेष	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार योग		भागलब्धि योग समाप्ति कालः
जून		ब	अ	आ	बा	आ–बा			घटि–पल
२९	८०·६१५	१५·९०५	१२·७१८	१·१०४४२	१·२०१५३	९·९०२८९	र	सु	४७।५९
३०	९६·५२०	१६·००८	१०·१४७	१·००६३४	१·२०४३४	९·८०२००	चं	धृ	३८।२
३१	११२·५२८	१५·९९२	७·४७२	०·८७३४४	१·२०३९०	९·६६९५४	मं	शू	२८।२
जुलाई									
१	१२८·५२०	१५·७७५	४·८१३	०·६८२४२	१·१९७९७	९·४८४४५	बु	गं	१८।१८
२	१४४·२९५	१५·४९४	२·३७२	०·३७५११	१·१९०१६	९·१८४९५	गु	वृ	९।११
३	१५९·७८९	१५·१३४	०·२११	०·३२४२८	१·१७९९५	९·१४४३३	शु	ध्रु	८।२२
			१३·५४४	१·१३१७५	१·१७९९५	९·९५१८०		व्या	५३।४२
४	१७४·९२३	१४·७७४	११·५४४	१·०६२३६	१·१६९५०	९·८९२८६	श	ह	४६।५३
५	१८९·६९७	१४·३२३	१०·३०३	१·०१२९६	१·१५६०३	९·८५६९३	र	व	४३।९
६	२०४·०२०	१४·००३	९·३१३	०·९६९०९	१·१४६५२	९·८२२८६	चं	सि	३९।५४
७	२१८·०२३	१३·६८४	८·६४४	०·९३६७१	१·१३६२१	९·७९९५०	मं	व्य	३६।५७
८	२३१·७०७	१३·४२२	८·२९३	०·९१८७१	१·१२७८२	९·७९०८९	बु	व	३७।४
९	२४५·१२९	१३·२९२	८·२०४	०·९१४०२	१·१२३५९	९·७९०४३	गु	प	३७।२
१०	२५८·४२१	१३·०२३	८·२४६	०·९१६२४	१·११४७१	९·८०१५३	शु	शि	३७।५९
११	२७१·४४४	१२·९४२	८·५५६	०·९३२२७	१·११२००	९·८२०२७	श	सि	३९।४०
१२	२८४ ३८६	१२·८९१	८·९४७	०·९५१६८	१·११०२९	९·८४१३९	र	सा	४१।३९
१३	२९७·२७७	१२·८४२	९·३९०	०·९७२६६	१·१०८६३	९·८६४०३	चं	शु	४३।५२
१४	३१०·११९	१२·७८१	९·८८१	०·९९४८०	१·१०६५६	९·८८८२४	मं	शु	४६।२३
१५	३२२·९००	१२·८११	१०·४३३	१·०१८४१	१·१०७५८	९·९१०८३	बु	ब्र	४८।५२
१६	३३५·७११	१२·८६२	१०·९५६	१·०३९९५	१·१०९३१	९·९३०६४	गु	ऐं	५१।९
१७	३४८ ५७३	१२·९३१	११·४२७	१·०५७९३	१·१११६३	९·९४६३०	शु	वै	५३।२
१८	१·५०४	१३·१००	११·८२९	१·०७२९५	१·११७२७	९·९५५६८	श	वि	५४।११
१९	१४·६०४	१३·९७२	१२·०६३	१·०८१४५	१·१२२९४	९·९५८५१	र	प्री	५४।३२
२०	२७·८७६	१३·६४०	१२·१२४	१·०८३९५	१·१३४८१	९·९४९१४	चं	आ	५३।२२
२१	४१·५१६	१३·९७०	११·८१७	१·०७२५१	१·१४५२०	९·९२७३१	मं	सौ	५०।४५
२२	५५·४८६	१४·३६०	११·१८१	१·०४८४८	१·१५७१५	९·८९१३३	बु	शो	४६।४३
२३	६९·८४६	१४·७७१	१०·१५४	१·०४७४३	१·१६९४१	९·८७८०२	गु	अ	४५।१९
२४	८४·६१७	१५·२८०	८·७१६	०·९४०३२	१·१८४१२	९·७५६२०	शु	सु	३४ ४१
२५	९९·८९७	१५·६५०	६·७७०	०·८३०५९	१·१९४५१	९·६३६०८	स	धृ	२५।५८
२६	११५·५४७	१६·०१९	४·४५३	०·६४८६५	१·२०४६३	९·४४४०२	र	शू	१६।४१
२७	१३१·५६६	१६·१३०	१·७६७	०·२४७२४	१·२०७६३	९·०३९६१	चं	गं	६।३५
			१५·१०१	१·१७९०१	१·२०७६३	८·९७१३८		वृ	५६।१०

आषाढ

सन १९३८ इ   शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वैधृत्यंत १३ ।२०'तष्ट नक्षत्र शेष	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग वार	भाग योग	भागलब्धि योग समाप्ति कालः
मई		ब	अ	आ	बा	आ–बा			घटि–पल
२७	१३१·५६६	१६·१३०	१·७६७	१·१७९०१	१·२०७६३	९·९७१३८	चं	गं	६।३५
			१५·१०१					वृ	५६।१०
२८	१४७·६९६	१६·२४०	१२·३०४	१·०९००५	१·२१०५९	९·८७९८६	मं	ध्र	४५।२८
२९	१६३·९३६	१६·०५०	९·३९७	०·९७२९९	१·२०५४७	९·७६७५२	बु	व्या	३५।८
३०	१७९·९८६	१५·७६९	६·६८१	०·८२४८४	१·१९७८०	९·६२७०४	गु	ह	२५।२५
जून १	१९५·७५५	१५·३८१	४·२४५	०·६२७८८	१·१८६९८	९·४४०९०	शु	व	१६।३४
२	२११·१३६	१४·८७९	२·१९७	०·३४१८३	१·१७२५७	९·१६९२६	श	सि	८।५२
			०·६५२						
३	२२६·०१५	१४·४०९	१३·९८५	९·८१४२५	१·१५८६३	८·६५५६२	र	व्य	२।४३
				१·१४५६६	१·१५८६३	९·९८७०३		व	५८।१४
४	२४०·४२४	१३·९५१	१२·९०९	१·११०८९	१·१४४५७	९·९६५३२	चं	प	५५।२४
५	२५४·३७५	१३·६२९	१२·२९२	१·०८९६२	१·१३४४६	९·९५५१६	मं	शि	५४।७
६	२६८·००४	१३·२८९	११·९९६	१·०७९०४	१·१२३४९	९·९५५५५	बु	सि	५४।१०
७	२८१·२९३	१३·०६१	१२·०४०	९·०८०६३	१·११५९८	९·९६४६५	गु	सा	५५।१९
८	२९४·३५४	१२·९०९	१२·३१३	१·०९०३३	१·११०८९	९·९७९४७	शु	शु	५७।१४
९	३०७·२६३	१२·८१९	१२·७३७	१·१०५०७	१·१०७८५	९·९९८२२	श	शु	५९।४५
१०	३२०·०८२	१२·८०१					र	ब्र	६०।०
११	३३२·८८३	१२·७९९	०·४५०	९·६५३२१	१·१०७२४	८·५४५९७	चं	ब्र	२।७
१२	३४५·६८२	१२·८३०	०·९८५	९·९९३४४	१·१०८३३	८·८८५११	मं	ऐं	४।३७
१३	३५८·५१२	१२·९००	१·४८८	०·१६०७७	१·११०५९	९·०५०१८	बु	वै	६।४४
१४	११·४१२	१२·९६०	१·९२१	०·२८३५३	१·११२६०	९·१७०९३	गु	वि	८।५४
१५	२४·३७२	१३·०७०	२·२९५	०·३६०७८	१·११६२७	९·२४४५१	शु	प्री	१०।३२
१६	३७·४४२	१३·२०१	२·५५८	०·४०७०९	१·१२०६१	९·२८७६८	श	आ	११।३८
१७	५०·६४३	१३·३७०	२·६९०	०·४२९७५	१·१२६१३	९·३०३६२	र	सौ	१२।४
१८	६४·०१३	१३·६११	२·६५४	०·४२३९०	१·१३३८९	९·२९००१	चं	शो	१०।४२
१९	७७·६२४	१३·८९०	२·३७६	०·३७५८५	१·१४२७०	९·२३३१५	मं	अ	१०।१६
२०	९१·५१४	१४·२२१	१·८१९	०·२५९८३	१·१५२९३	९·१०६९०	बु	सु	७।४०
२१	१०५·७३५	१४·३४१	०·९३२	९·९६९४२	१·१६५५७	९·८०३८५	गु	धृ	३।४९
			१४·२६५	१·१५४२७	१·१६५५७	९·९८८७०		शू	५८।२७
२२	१२०·३७६	१५·०५१	१२·९५७	१·११२५०	१·१७७५६	९·९३४९४	शु	गं	५१।३९
२३	१३५·४२७	१५·३५२	११·२४०	१·०५०७७	१·१८६१६	९·८६४६१	श	वृ	४३।५६
२४	१५०·७७९	१५·९०१	९·२२१	०·९६४७८	१·२०१४२	९·७६३३६	र	ध्रु	३४।४८
२५	१६६·६८०	१६·०६१	६·६५३	०·८२३०२	१·२०५७७	९·६१७२५	चं	व्या	२४।५१
२६	१८२·७४१	१६·१७१	३·९२६	०·५९३९५	१·२०८७४	९·३८५२१	मं	ह	१४।३४
२७	१९८·९१२	१६·१०३	१·०८८	०·०३६६३	१·२०६११	८·८३६७२	बु	व	४।१
			१४·४२१	१·१५८४२	१·२०६११	९·९५११५		सि	५३।४०

श्रावण

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वैधृत्यंत १३°।२०′ तष्ट	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार योग		भागलब्धि योग समाप्ति कालः
जुलाई		ब	अ	आ	बा	आ—बा			घटि-पल
२७	१९८·९१२	१६·१०३	१·०८८	०·०३६६३	१·२०६९१	८·८३६७२	बु	व	४।१
			१४·४२१	१·१५८४२	१·२०६९१	९·९५१५१		सि	५३।४०
२८	२१५·०१५	१५·८७२	११·६५२	१·०६६४०	१·२००६३	९·८६५७७	गु	व्य	४४।३
२९	२३०·८८७	१५·५१३	९·११३	०·९५९६६	१·१९०६९	९·७६८९७	शु	व	३५।१५
३०	२४६·४००	१५·०२२	६·९३३	०·८४०९२	१·१७६७३	९·६६४१९	श	प	२७।४१
३१	२६१·४२२	१४·५४४	५·२४५	०·७१९७५	१·१६२६८	९·५५७०७	र	शि	२१।३९
अगस्त									
१	२७५·९६६	१४·०६३	४·०३४	०·६०५७३	१·१४८०८	९·४५७६५	चं	सि	१७।१४
२	२९०·०२९	१३·६६३	३·३०४	०·७११९७	१·१३५४५	९·३८३६२	मं	सा	१४।३१
३	३०३·६९२	१३·२८४	२·९७५	०·४६३४९	१·१२३३३	९·३५०१६	बु	शु	१३।२७
४	३१६·९७६	१३·०३४	३·०२४	०·४८०५८	१·११५०८	९·३६५५०	गु	शु	१३।५५
५	३३०·०१०	१२·८४४	३·३२३	०·५२१५३	१·१०८७०	९·४१२८३	शु	ब्र	१५।३२
६	३४२·८५४	१२·७७४	३·८१३	०·५८१३०	१·१०६३३	९·४७५०३	श	ऐं	१७।५५
७	३५५·६२८	१२·७८५	४·३७२	०·६४०६८	१·१०६७०	९·५३३९८	र	वै	२०।३१
८	८·४१३	१२·८१४	४·९२०	०·६९११७	१·१०७६४	९·५८४३३	चं	वि	२३।३०
९	२१·२२७	१२·९०६	५·४४०	०·७३५६०	१·११०७९	९·६३४८१	मं	प्री	२५।१७
१०	३४·१३३	१३·०१५	५·८६७	०·७६८४२	१·११४४४	९·६५३९८	बु	आ	२७।३
११	४७·१४८	१३·१३६	६·१८५	०·७९१३४	१·११८४६	९·६७२८८	गु	सौ	२८।१५
१२	६०·२८४	१३·२९७	६·३८३	०·८०५०२	१·१२३७५	९·६८१२७	शु	शो	२८।४९
१३	७३·५८१	१३·४४६	६·४१९	०·८०७४७	१·१२८५९	९·६७८८८	श	अ	२८।३९
१४	८७·०२७	१३·५८७	६·३०६	०·७९९७५	१·१३३१२	९·६६६६३	र	सु	२७।५१
१५	१००·६१४	१३·७६८	६·०५३	०·७७१९७	१·१३८८७	९·६४३१०	चं	धृ	२६।२३
१६	११४·३८२	१४·०१७	५·६१८	०·६५२६६	१·१४६६५	९·६०६०१	मं	शू	२४।१३
१७	१२८·३९९	१४·२२८	५·०३४	०·७०१९१	१·१५२८४	९·५४९०७	बु	गं	२१।१५
१८	१४२·६१७	१४·५३८	४·०५०	०·७०७४७	१·१६२५०	९·४४४९६	गु	वृ	१६।४३
१९	१५७·१५५	१४·८६९	२·८४५	०·४५५०८	१·१७२२८	९·२८१८०	शु	ध्रु	११।२९
२०	१७२·०२४	१५·२४९	१·३०९	०·११६९४	१·१८३२४	९·९३३७०	श	व्या	५।९
			१४·६४३	१·१६५६३	१·१८३२४	८·९८२३९		ह	५७।३७
२१	१८७·२७२	१५·४७९	१२·७२७	१·१०४७३	१·१८९७४	९·९१४९९	र	व	४९।२०
२२	२०२·७५३	१५·७७१	१०·५८१	१·०२४५३	१·१९७८६	९·८२६९७	चं	सि	४०।१६
२३	२१८·५२३	१५·८७०	८·१४४	१·९२०८४	१·२००५८	९·७१०२६	मं	व्य	३०।४८
२४	२३४·३९३	१५·८८०	५·६०७	१·७४८७३	१·२००८५	९·५४७८८	बु	व	२१।११
२५	२५०·२७३	१५·७६१	३·०६०	१·४८५७२	१·१९७५८	९·२८८१४	गु	प	११।३९

भाद्रपद

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वैधृत्यंत १३°।२०′तष्ठ	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार	योग	भागलब्धि योग समाप्ति कालः
अगस्त		ब	अ	आ	बा	आ—बा			घटि—पल
२५	२५०·२७३	१५·७६१	३·०६०	०·४८५७२	१·१९७५८	९·२८८१४	गु	प	११।३९
२६	२६६·०३४	१५·३७२	०·६३३	९·८०१४०	१·१८६७३	८·६१४६७	शु	शि	२।२८
			१३·९६६	१·१४५०७	१·१८६७३	९·९५८३४		सि	५४।३१
२७	२८१·४०६	१५·०१२	११·९२७	१·०७६५३	१·१७६४४	९·९०००९	श	सा	४७।४०
२८	२९६·४१८	१४·५९३	१०·२४९	१·०१०६८	१·१६४१४	९·८४६५४	र	शु	४३।८
२९	३११·०११	१४·१४३	८·९८९	०·९५३७१	१·१५०५४	९·८०३१७	चं	शु	३८।८
३०	३२५·१५४	१३·७२४	८·१७९	०·९१२७०	१·१३७४२	९·७८५३२	मं	ब्र	३६।३६
३१	३३८·८७८	१३·३५३	७·७८९	०·८९१४८	१·१२५५८	९·७६५९०	बु	ऐं	३५।०
सितम्बर									
१	३५२·२३१	१३·१०५	७·७६९	०·८९०३७	१·११७४७	९·७७२९३	गु	वै	३५।३५
२	५·३३६	१२·८८४	७·९९७	०·९०२९३	०·११००५	९·७९२८८	शु	वि	३७।१५
३	१८·२२०	१२·८०५	८·४४७	०·९२६७०	१·१०७३८	९·८१९३२	श	प्री	३९।३५
४	३१·०२५	१२·७८७	८·९७५	०·९५३०३	१·१०६७७	९·८४६२६	र	आ	४२।७
५	४३·८१२	१२·८७६	९·५२१	०·९७८६८	१·१०९७८	९·८६८९०	चं	सौ	४४।२२
६	५६·६८८	१२·९८६	९·९७९	०·९९९०९	१·११३४७	९·८८५६२	मं	शो	४६।७
७	६९·६७४	१३·१४७	१०·३२६	१·०१३९३	१·११८८३	९·८९५१०	बु	अ	४७।७
८	८२·८२१	१३·३४८	१०·५१२	१·०२१६८	१·१२५४२	९·८९६२६	गु	सु	४७।१५
९	९६·१६९	१३·५५८	१०·४९८	१·०२११०	१·१३२२०	९·८८८९०	शु	धृ	४६।२७
१०	१०९·७२७	१३·७३८	१०·२७३	१·०११७०	१·१३७९२	९·८७३७८	श	शू	४४।५२
११	१२३·४६५	१३·९५०	९·८६८	०·९९४२३	१·१४४५७	९·८४९६६	र	गं	४२।२७
१२	१३७·४१५	१४·०८९	९·२५२	०·९६६२३	१·१४८८८	९·८१७३५	चं	वृ	३९।२४
१३	१५१·५०४	१४·२७१	८·४९६	०·९२९२१	१·१५४४५	९·७७४७६	मं	ध्रु	३५।४३
१४	१६५·७७५	१४·४८०	७·५५८	०·८७८४१	१·१६०७७	९·७१७६४	बु	व्या	३१।१९
१५	१८०·२५५	१४ ६६१	६·४१२	०·८०६९९	१·१६६१६	९·६४०८३	गु	ह	२६।१५
१६	१९४·९१६	१४·८९२	५·०८४	०·७०६२०	१·१७२९५	९·५३३२५	शु	व	२०।२९
१७	२०९·८०८	१५·०६२	३·५२५	०·५४७१६	१·१७७८८	९·३६९२८	श	सि	१४।२
१८	२२४·८७०	१५·२८३	१·७९७	०·२५४५५	१·१८४२१	९·०७०३४	र	व्य	७।३
			१५·१३०	१·१७९८४	१·१८४२१	९·९८५६३		व	५८।३
१९	२४०·१५३	१५·४०३	१३·१८०	१·११९९१	१·१८७६१	९·९३२३०	चं	प	५१।२१
२०	२५५·५५६	१५·५७४	११·१११	१·०४५७५	१·१९२४०	९·८५२३५	मं	शि	४२।४२
२१	२७१·१३०	१५·३६५	९·८७०	०·९९४३२	१·१८६५३	९·८०७७९	बु	सि	३८।३२
२२	२८६·४९५	१५·३३५	६·८३८	०·८३४९३	१·१८५६८	९·६४९२५	गु	सा	२७।४५
२३	३०१·८३०	१५ १०५ ·	४·८३७	०·६८४५८	१·१७९१२	९·५०५४६	शु	शु	१९।१३

सन १९३८ ई. शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वेधृत्यंत १३°।२०′ तष्ट नक्षत्र शेष	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार योग		भागलब्धि योग समाप्ति कालः
सितम्बर		ब	अ	आ	बा	आ–बा			घटि–पल
२३	३०१·८३०	१५·१०५	४·८३७	०·६८४५८	१·१७९१२	९·५०५४६	शु	शु	१९।१३
२४	३१६·९३५	१४·७९६	३·०६५	०·४८६४३	१·१७०१४	९·३१६२९	श	शु	१२।९
२५	३३१·७३१	१४·४६७	१·६०२	०·२०४६६	१·१६०३८	९·०४४२८	र	ब्र	६।३९
२६	३४६·१९८	१४·०९७	०·४६९	९·६७११७	१·१४९१३	८·५२२०४	चं	ऐं	२ ०
			१३·८०२	१·१३९९४	१·१४९१३	९·९९०८१		वै	५८ ४५
२७	०·२९५	१३·६९८	१३·०३८	१·११५२१	१·१३६६६	९·९७८५५	मं	वि	५७।६
२८	१३·९९३	१३·४३८	१२·६७४	१·१०२९१	१·१२८३३	९·९७४५८	बु	प्री	५६।३५
२९	२७·४३१	१३·११९	१२·५६९	१·०९९३०	१·११७९०	९·९८१४०	गु	आ	५७।२९
३०	४०·५५०	१२·९५९	१२·७८३	१·१०६८३	१·११२५७	९·९९४२६	शु	सौ	५९।१३
अक्टूबर									
१	५३·५०९	१२·८६१					•श	शो	६०।०
२	३६·३७०	१२·८५०	०·२९७	९·४७२७६	१·१०८९०	८·३६३८६	र	शो	१।२४
६	७९·२२०	१२·९०१	०·७८०	९·८९२०९	१·११०६५	८·७८१४४	चं	अ	३।३८
४	९२·१२१	१३·०६१	१·२१२	०·०८३५०	१·११५९८	८·९६७५२	मं	सु	५।३४
५	१०५·१८२	१३·२४३	१·४८५	०·१७१७३	१·१२१९९	९·०४९७४	बु	ध	६।४४
६	११८·४२५	१३·४९१	१·५७५	०·१९७२८	१·१३००४	९·०६७२४	गु	शू	७।१
७	१३१·९१७	१३·८३०	१·४१६	०·१५१०६	१·१३९९७	९·०११०९	शु	गं	६।५०
८	१४५·७२०	१३·९९५	०·९४७	९·९७६३५	१·१४५९७	८·८३०३८	श	वृ	४।४
९	१५९·७१५	१४·३०४	०·२८५	९·४५४८८	१·१५५४६	८·२९९३८	र	ध्रु	१।१२
			१३·६१८	१·१३४११	१·१५५४६	९·९७८६५		व्या	५७।७
१०	१७४·०१९	१४·५९५	१२·६४८	१·१०२०२	१·१६४२०	९·९३७८२	चं	ह	५२।०
११	१८८·६१४	१४·७७६	११·३८६	१·०५६३७	१·१६९५६	९·८८६८१	मं	व	४६।१४
१२	२०३·३९०	१४·९१६	९·९४३	०·९९७५२	१·१७३६५	९·८२३८७	बु	सि	४० ०
१३	२१८·३०६	१५·००८	८·३६१	०·९२२२६	१·१७६३२	९·७४५९४	गु	व्य	३३ २५
१४	२३३·३१४	१५·०६७	६·६८६	०·८२५१७	१·१७८०३	९·६४७१४	शु	व	२६।३८
१५	२४८·३८१	१५·१०९	४·९५२	०·६९४५८	१·१७९२४	९·५१५५४	श	प	१९।४०
१६	२६३·४९०	१५·१४८	३·१७७	०·५०२०२	१·१८०३६	९·३२१६६	र	शि	१२।३५
१७	२७८·६३८	१५·१५९	१·३६२	०·१३४१८	१·१८०६७	८·९५३५१	चं	सिं	५।२४
			१४·६९५	१·१६७१७	१·१८०६७	९·९८६५०		सा	५८।१०
१८	२९३·७९७	१५·१५०	१२·८७०	१·१०९५८	१·१८०४१	९·९२९१७	मं	शु	५०।५८
१९	३०८·९४७	१५·०३९	११·०५३	१·०४३४८	१·१७७२२	९·८६६२६	बु	शु	४४।६
२०	३२३·९८६	१४·८७०	९·३४७	०·९७०६७	१·१७२३१	९·७९८३६	गु	ब्र	३७।४३
२१	३३८·८५६	१४·६३२	७·८११	०·८९२७१	१·१६५३०	९·७२७११	शु	ऐं	३२।२
२२	३५३·४८८	१४·४४२	६·५१२	०·८१३७१	१·१५९६३	९·६५४०८	श	वै	२७।३
२३	७·९३०	१४·१९२	५·४०३	०·७३२६३	१·१५२०४	९·५८०५९	र	वि	२२।५०

कार्तिक

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वेधूत्यंत १३ ।२०′ तष्ट नक्षत्र शेष	योग शेष लघुरिक्थ	गति योग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार योग		भागलब्धि योग समाप्ति काल:
अक्टूबर		ब	अ	आ	बा	आ-बा			घटि-पल
२३	७·९३०	१४·१९२	५·४०३	०·७३२६३	१·१५२०४	९·५८०५९	र	वि	२२।५०
२४	२२·१२२	१३·९०२	४·५४५	०·६५७५३	१·१४३०८	९·५१४४५	चं	प्री	११।३७
२५	३६·०२४	१३·५९४	३·९७६	०·५९९४५	१·१३३३५	९·४६६१०	मं	आ	१७।३३
२६	४९·६१८	१३·३७४	३·७१५	०·५६९९६	१·१२६२६	९·४४३७०	बु	सौ	१६।४०
२७	६२·९९२	१३·१३६	३·६७५	०·५६५२६	१·११८४६	९·४४८८०	गु	शो	१६।४७
२८	७६·१२८	१२·९८५	३·८७२	०·५८७९४	१·११३४४	९·४७४५०	शु	अ	१७।५४
२९	८९·११३	१२·८७६	४·२२०	०·६२५३१	१·१०९७८	९·५१५५३	श	सु	१९।४०
३०	१०१·९८९	१२·८५६	४·६७८	०·६७००६	१·१०९११	९·५६०९५	र	धृ	२१।५०
३१	११४·८४५	१२·९४६	५·१५५	०·७१२२३	१·११११४	९·६०१०९	चं	शू	२३।५७
नवम्बर									
१	१२७·७९१	१३·०४८	५·५४२	०·७४३६७	१·११५५४	९·६२८१३	मं	गं	२५।२९
२	१४०·८३९	१३·२८७	५·८२८	०·७६५५२	१·१२३४३	९·६४२०९	बु	वृ	२६।१९
३	१५४·१२६	१६·५३८	५·८७४	०·७६८९३	१·१३१५५	९·६३७३८	गु	ध्रु	२६।२
४	१६७·६६४	१३·८८९	५·६६९	०·७५३५१	१·१४२६७	९·६१०८४	शु	व्या	२४।२९
५	१८१·५५३	१४·२२९	५·११४	०·७०८७६	१·१५३१७	९·५५५५९	श	ह	२१।३४
६	१९५·७८२	१४·५८९	४·२१८	०·६२५११	१·१६४०३	९·४६१०८	र	व	१७।२१
७	२१०·३७१	१४·८९१	२·९६२	०·४७१६९	१·१७२९२	९·२९८६७	चं	सि	११।५६
८	२२५·२६२	१५·१८०	१·४०५	०·१४७६८	१·१८१२७	८·९६६४१	मं	व्य	५।३३
			१४·७३२	१·१६८२६	१·१८१२७	९·९८६९९		व	५८।१४
९	२४०·४४२	१५·३८१	१२·८११	१·११०२९	१·१८६९८	९·९२३३१	बु	प	५०।१७
१०	२५५·८२३	१५·४८३	१०·८४४	१·०३५११	१·१८९८६	९·८४५३३	गु	शि	४१।१
११	२७१·३०६	१५·५३२	८·६९४	०·९३९२२	१·१९१२६	९·७४७९९	शु	सि	३३।३५
१२	२८६·८३८	१५·४८३	६·४९५	०·८१२५८	१·१८९८६	९·६२२७२	श	सा	२५।१०
१३	३०२·३२१	१५·३१३	४·३४६	०·६३८०९	१·१८७३२	९·४५०७७	र	शु	१६।५७
१४	३१७·६३४	१५·१०३	२·३६६	०·३७४०१	१·१७९०६	९·१९४९५	चं	शु	९।२४
१५	३३२·७६७	१४·९७५	०·५६६	९·७५२८२	१·१७५३७	८·५७७४५	मं	ब्र	२।१६
			१३·९००	१·१४३०१	१·१७५३७	९·९६७६४		ऐं	५५।४२
१६	३४७·७४२	१४·६९४	१२·२५८	१·०८८४२	१·१६७१४	९·९२१२८	बु	वं	५०।३
१७	२·४३६	१४·४५४	१०·८९७	१·०३७३१	१·१५९९९	९·८७७३२	गु	वि	४५।१४
१८	१६·८९०	१४·२४६	९·७७७	०·९९०२१	१·१५३६९	९·८३६५२	शु	प्रा	४१।११
१९	३१·१३६	१४·०३५	८·८६४	०·९४७६३	१·१४७२१	९·८००४२	श	आ	३७।५४
२०	४५·१७१	१३·८१६	८·१६२	०·९११८०	१·१४०३८	९·७७१४२	र	सौ	३५।२७
२१	५८·९८७	१३·६३७	७·६८०	०·८८५३६	१·१३४७२	९·७५०६४	चं	शो	३३।४८

सन १९३८ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	भउयगति जोड	वेधूत्यंत १३°।२०'तष्ट नक्षत्र शेष	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार	योग	भागलब्धि योग समाप्ति कालः
		ब	अ	आ	बा	आ-बा			घटि-पल
नवम्बर									
२१	५८·९८७	१३·६३७	७·६८०	०·८८५३६	१·१३४७२	९·७५०६४	चं	शो	३३।४८
२२	७२·६२४	१३·४०७	७·३७६	०·८६७८२	१·१२७३३	९·७४०४९	मं	अ	३३।१
२३	८६·०३१	१३·२३७	७·३०२	०·८६३४४	१·१२१७९	९·७४१६५	बु	सु	३३।६
२४	९९·२६८	१३·०७८	७·३९९	०·८६९१७	१·११६५४	९·७५२६३	गु	धृ	३३।५७
२५	११२·३४६	१२·९३८	७·६५४	०·८८३८९	१·१११८७	९·७७२०२	शु	शू	३५।३०
२६	१२५·२८४	१२·८९९	८·०४९	०·९०५७४	१·११०५६	९·७९५१८	श	गं	३७।२७
२७	१३८·१८३	१२·८७९	८·४८४	०·९२८६०	१·१०९८८	९·८१८७२	र	वृ	३९।३२
२८	१५१·०६२	१२·९११	८·९३८	०·९५१२४	१·१११२३	९·८४००१	चं	ध्रु	४१।३१
२९	१६३·९८१	१३·०२०	९·३५२	०·९७०९०	१·११४६१	९·८५६२९	मं	व्या	४२।६
३०	१७७·००१	१३·२२९	९·६६६	०·९८५२५	१·१२१५३	९·८६३७२	बु	ह	४३।५१
दिसम्बर									
१	१९०·२३०	१३·५३०	९·७७०	०·९८९८९	१·१३१३०	९·८५८५९	गु	व	४३।२०
२	२०३·६६०	१३·८७१	९·५७३	०·९८१०५	१·१४२११	९·८३८९४	शु	सि	४१।२५
३	२१७·६३१	१४·२५१	९·०३६	०·९५५९८	१·१५३८५	९·८०२१३	श	व्य	३८।३
४	२३१·८८२	१४·६७१	८·११८	०·९०९४५	१·१६६४६	९·७४२९९	र	व	३३।१२
५	२४६·५५३	१५·११२	६·७८०	०·८३१२३	१·१७९३२	९·६५१९१	चं	प	२६।५५
६	२६१·६६५	१५·४७१	५·००२	०·६९९१४	१·१४९५२	९·४४९६२	मं	शि	१६।५४
७	२७७·१३६	१५·७६३	२·८६४	०·४५७०३	१·१९७६४	९·२५९३९	बु	सि	१०।५५
८	२९२·८९९	१५·९६२	०·४३४	९·६३७४९	१·२०३०९	८·४३४४०	गु	सा	१।३८
			१३·७६८	१·१३८८७	१·२०३०९	९·९३५७८		शु	५१।४५
९	३०८·८६१	१५·९५२	११·१३९	१·०४६८५	१·२०२८१	९·८४४०४	शु	शु	४१।५४
१०	३२४·८१३	१५·८७३	९·५२०	०·९७८६३	१·२००६६	९·७७७९७	श	ब्र	३५।५९
११	३४०·६८६	१५·६०३	५·९८१	०·७७६७७	१·१९६२१	८·५८३५६	र	ऐं	२३।०
१२	३५६·२८९	१५·३४४	३·७११	०·५६९४९	१·१८५९४	९·३८३५५	चं	वै	१४।३१
१३	११·६३३	१४·९७३	१·७००	०·२३०४५	१·१७५३१	९·०५५१४	मं	वि	६।४९
१४	२६·६०६	१४·६०३	०·०६१	९·७८५२३	१·१६४४४	८·६२०७९	बु	प्री	२।३१
			१३·३९४	१·१२६९१	१·१६४४४	९·९६२४७		आ	५५।२
१५	४१·२०९	१४·२३४	१२·१२४	१·०८३६४	१·१५३३३	९·९३०३१	गु	सौ	५१।६
१६	५५·४४३	१३·९७४	११·२२४	१·०५०१५	१·१४५३२	९·९०४८३	शु	शो	४८।१२
१७	६९·४०७	१३·६८४	१०·५८३	१·०२४६१	१·१३६२१	९·८८८४०	श	अ	४६।२४
१८	८३·१०१	१३·५३५	१०·२३२	१·००९९६	१·१३१४६	९·८७८५०	र	सु	४५।२२
१९	९६·६३६	१३·३२१	१०·०३१	१·००१३४	१·१२४५४	९·८७६८०	चं	धृ	४५।११
२०	१०९·९५०	१३·१८५	१०·०५०	१·००२१७	१·१२०८८	९·८८२०९	मं	शू	४५।४४
२१	१२३·१३५	१३·१०६	१०·१९८	१·००८५२	१·११७४७	९·८९१०५	बु	गं	४६।४१

पौष

सन १९३८-३९ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वैधृत्यंत १३°।२०'तष्ट नक्षत्र शेष	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार	योग	भागलब्धि योग समाप्ति कालः
डिसे.		ब	अ	आ	बा	आ—बा			घटि—पल
२१	१२३·१३५	१३·१०६	१०·१९८	१·००८५२	१·११७४७	९·८९१०५	बु	गं	४६।४१
२२	१३६·२४१	१२·९९४	१०·४२६	१·०१८१२	१·११३७४	९·९०४३८	गु	वृ	४८।९
२३	१४९·२३५	१२·९२५	१०·३६५	१·०३२०१	१·१११४३	९·९२०५८	शु	ध्रु	४९।५८
२४	१६२·१६०	१२·८८५	११·१७३	१·०४८१७	१·११००८	९·९३८०९	श	व्या	५२।२
२५	१७५·०४५	१२·८७५	११·६२२	१·०६५२८	१·१०९७५	९·९५५५३	र	ह	५४।१०
२६	१८७·९२०	१२·९१६	१२·०८०	१·०८२०७	१·१११११३	९·९७०९४	चं	व	५६।७
२७	२००·८३६	१२·९८५	१२·४९७	१·०९६८०	१·११३४४	९·९८३३६	मं	सि	५७।४५
२८	२१३·८२१	१३·१७६	१२·८४६	१·१०८७७	१·११९७८	९·९८८९९	बु	व्य	५८।३०
२९	२२६·९९७	१३·४४६	१३·७०३	१·११४०४	१·१२८५९	९·९८५४५	गु	व	५६।१
३०	२४०·४४३	१३·७७५	१२·८९३	१·११०३५	१·१३९०९	९·९७१२६	शु	प	५६।९
३१	२५४·२१८	१४·१६५	१२·४४९	१·०९४१३	१·१५१२२	९·९४२९१	श	शि	५२।३७
जन.									
१	२६८·३८३	१४·५९५	११·६१७	१·०६५०९	१·१६४२०	९·९००८९	र	सि	४७।४६
२	२८२·९७८	१५·०९६	१०·३५५	१·०१५१५	१·१७८८६	९·८३६२९	चं	सा:	४१।१०
३	२९८·०७४	१५·५४६	८·५९३	०·९३४१४	१·१९१६२	९·७४२५२	म	शु	३३।१०
४	३१३·६२०	१५·९१७	६·३८०	०·८०४८२	१·२०१८६	९·६०२९६	बु	शु	२४।३
५	३२९·५३७	१६·१७५	३·७९६	०·५७९३३	१·२०८८४	९·३७०४९	गु	ब्र	१४।५
६	३४५·७१२	१६·३२६	०·९५५	९·९८०००	१·२०८८४	८·७७११६	शु	ऐं	३।३३
			१४·२८८	१·१५४९७	१·२०८८४	९·९४२०९		वै	५२।३१
७	२·०३८	१६·१८५	११·२९५	१·०५२८९	१·२०९११	९·८४३७८	श	वि	४१।५२
८	१८·२२३	१५·९३५	८·४४४	०·९२६५५	१·२०२३५	९·७२४२०	र	प्री	३१।४८
९	३४·१५८	१५·५९६	५·८४२	०·७६६५६	१·१९३०१	९·५७०५५	चं	आ	२२।१९
१०	४९·७५४	१५·१२५	३·५७९	०·५५३७६	१·१७९७०	९·३७४०६	मं	सौ	१४।१२
११	६४·८७९	१४·६६६	१·७८८	०·२५२३७	१·१६६३१	९·०८६०६	बु	शो	७।१९
१२	७९·५४५	१४·२१५	०·४५५	९·६५८०१	१·१५२७५	८·४११७०	गु	अ	१।५२
			१३·७८८	१·१३९५०	१·१५२७५	९·९८६७५	शु	सु	५८।१२
१३	९३·७६०	१३·८५५	१२·९०७	१·११०८३	१·१४१६१	९·९६९२२	श	धृ	५५।५४
१४	१०७·६१५	१३·५६५	१२·३८५	१·०९२९०	१·१३२४२	९·९६०४८	र	शू	५४।४७
१५	१२१·१८०	१३·३०४	१२·१५३	१·०८४६८	१·१२३९८	९·९६०७०	चं	गं	५४।४९
१६	१३४·४८४	१३·१३५	१२·१८३	१·०८५७५	१·११८४३	९·९६७३२	मं	वृ	५५।३९
१७	१४७·६१९	१३·०१५	१२·३८१	१·०९२७५	१·११४४४	९·९७८३१	बु	ध्रु	५७।५
१८	१६०·६३४	१२·९५४	१२·६९९	१·१०३७७	१·११२४०	९·९९१३७	गु	व्या	५८।४९
१९	१७३·५८८	१२·९०५					शु	ह	६०।०
२०	१८६·४९३	१२·९०४	०·१७४	९·२४०५५	१·१२०७२	८·१२९८३	श	ह	०।४८

माघ

सन १९३९ इ. शुक्ल और कृष्णपक्ष का योग साधन संवत् १९९५ शके १८६०

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वैधृत्यंत १३°।२०′ तष्ट योग शेष	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार	योग	भागलब्धि योग समाप्ति कालः
जनवरी		ब	अ	आ	बा	आ–बा			घटि–पल
२०	१८६·४९३	१२·९०४	०·१७४	९·२४०५५	१·११०७२	८·१२९८३	शु	ह	०।४८
२१	१९९·३९७	१२·९०३	०·६०३	९·७८०३२	१·११०६९	८·६६९६३	श	व	२।४८
२२	२१२·३००	१२·९१४	१·०३३	०·०१४१०	१·१११०६	८·९०३०४	र	मि	४।४८
२३	२२५·२१४	१२·९७४	१·४५३	०·१६२२६	१·११३०७	९·०४९१९	चं	व्य	६।४३
२४	२३८·१८८	१३·०४३	१·८१२	०·२५८१६	१·११५३८	९·१४२७८	मं	व	८।२०
२५	२५१·२३१	१३·१९४	२·१०२	०·३२२६३	१·१२०३८	९·२०२२५	बु	प	९।३४
२६	२६४·४२५	१३·४१२	२·२४२	०·३५०६३	१·१२८७९	९·२२१८४	गु	शि	१०।०
२७	२७७·८३७	१३·६९२	२·१६३	०·३३५०६	१·१३६४७	९·१९८५९	शु	सि	९।२९
२८	२९१·५२९	१४·०४३	१·८०४	०·२५६२४	१·१४७४६	९·१०८७८	श	सा	७।४२
२९	३०५·५७२	१४·४३२	१·०९५	०·०३९४१	१·१५९३३	८·८८००८	र	शु	४।३६
			१४·४२८	१·१५९२१	१·१५९३३	९·९९९८८		शु	५९।५९
३०	३२०·००४	१४·९२३	१३·३२९	१·१२४७९	१·१७३८६	९·९५४९३	चं	ब्र	५४।५
३१	३३४·९२७	१५·३९१	११·७४०	१·०६९६७	१·१८७२७	९·८८२४०	मं	ऐं	८।४३
फरवरी									४५।४६
१	३५०·३१८	१५·८३१	९·६८२	०·९८५९६	१·१९९५१	९·७८६४५	बु	वै	३६।४२
२	६·१४९	१६·१३१	७·१८४	०·८५६३७	१·२०७६६	९·६४८७१	गु	वि	२६।४३
३	२२·२८०	१६·३४१	४·३८७	०·६४२१७	१·२१३२८	९·४२८८९	शु	प्री	१६।७
४	३८·६२१	१६·२८०	१·३७९	०·१३९५६	१·२११६५	८·९२६२८	श	आ	५।४
			१४·७१२	१·१६७६७	१[illegible]११६५	९·९५६०२		सौ	५४।१४
५	५४·९०१	१६·१००	११·७६६	१·०७०६३	१·२०६८३	९·८६३८०	र	शो	४३।५१
६	७१·००१	१५·७९०	८·९९९	०·९५४१९	१·१९८३८	९·७५५८१	चं	अ	३४।१२
७	८६·७९१	१५·३१९	६·५४२	०·८१५७१	१·१८५२३	९·६३०४८	मं	सु	२५।३७
८	१०२·११०	१४·८०८	४·५५७	०·६५८६८	१·१७०५०	९·४८८१८	बु	धृ	१८।२८
९	११६·९१८	१४·३३८	३·०८२	०·४८८८३	१·१५६४९	९·३३२३४	गु	शू	१२।५४
१०	१३१·२५६	१३·९०९	२·०७७	०·३१७४४	१·१४३३०	९·१७४१४	शु	ग	८।५८
११	१४५·१६५	१३·५४८	१·५०२	०·१७६६७	१·१३१८८	९·०४४७९	श	वृ	६।३९
१२	१५८·७१३	१३·२४७	१·२८७	०·१०९५८	१·१२२१२	८·९८७४६	र	ध्र	५।५०
१३	१७१·९६०	१३·०५८	१·३७३	०·१३७६७	१·११५८८	९·०२१७९	चं	व्या	६।१७
१४	१८५·०१८	१२·९०६	१·६४९	०·२१७२२	१·११०७९	९·१०६४३	मं	ह	७।४०
१५	१९७·९२४	१२·८९७	२·०७६	०·३१७२३	१·११०४९	९·२०६७४	बु	व	९।३९
१६	२१०·८२१	१२·८५५	२·५१२	०·४०००२	१·१०९०७	९·२९०९५	गु	सि	११।४४
१७	२२३·६७६	१२·८८५	२·९११	०·४७५८२	१·११००८	९·३६५७४	शु	व्य	१३।५६
१८.	२३६·५६१	१२·९४५	३·४३९	०·५३६४३	१·११२१०	९·४२४३३	श	व	१६।४२
१९	२४९·५०६	१३·०१५	३·८२७	०·५८२८६	१·११४४४	९·४६८४२	र	प	१७।३९

फाल्गुन

सन १९३९ इ. **शुक्ल और कृष्णपक्ष योग का साधन संवत् १९९५ शके १८६०**

तारीख	रवि चंद्र का जोड	उभयगति जोड	वैधृत्यंत १३°।२०' तष्ट योग शेष	योग शेष लघुरिक्थ	गतियोग लघुरिक्थ	भागलब्धि लघुरिक्थ	योग भाग वार	योग	भागलब्धि योग समाप्ति कालः
फरवरी		ब	अ	आ	बा	आ—बा			घटि-पल
१९	२४९.५०६	१३.०१५	३.८२७	०.५८२८६	१.११४४४	९.४६८४२	र	प	१७।३९
२०	२६२.५२१	१३.०९४	४.१४६	०.६१७६३	१.११७०७	९.५००५६	चं	शि	१९।०
२१	२७५.६१५	१३.२१३	४.३८५	०.६४१९७	१.१२१००	९.५२०९७	मं	सि	१९।५५
२२	२८८.८२८	१३.२७४	४.५०५	०.६५३६९	१.१२३००	९.५३०६९	बु	सा	२०।२२
२३	३०२.१०२	१३.५८२	४.५६५	०.६५९४४	१.१३२९६	९.५२६४८	गु	शु	२०।१०
२४	३१५.६८४	१३.७३३	४.३१६	०.६३५०८	१.१३७७७	९.४९७३१	शु	शु	१८।५२
२५	३२९.४१७	१४.००२	३.९१६	०.५९२८४	१.१४६१९	९.४४६६५	श	ब्र	१६।४७
२६	३४३.४१९	१४.३७१	३.२४८	०.५११६२	१.१५७४९	९.३५४१३	र	ऐं	१३।३४
२७	३५७.७९०	१४.७६१	२.२१०	०.३४४३९	१.१६९१२	९.१७५२७	चं	वै	८।५९
२८	१२.५५१	१५.१५०	०.७८२	९.८९३२१	१.१८०४१	८.७११८०	मं	वि	३।६
मार्च			१४.११६	१.१४९७१	१.१८०४१	९.९६९३०		प्री	५५।५४
१	२७.७०१	१५.५६०	१२.२९९	१.०८९८७	१.१९२०१	९.८९७८६	बु	आ	४७।२५
२	४३.२६१	१५.८४०	१०.०७२	१.००३१२	१.१९९७६	९.८१३३६	गु	सौ	३९।३
३	५९.१०१	१५.९६५	७.५६६	०.८७८८७	१.२०३२५	९.६७५६२	शु	शो	२८।२६
४	७५.०६९	१६.२३९	४.९३१	०.६९२९४	१.२१०५६	९.४८२३८	श	अ	१८।१४
५	९१.३०८	१५.९५८	२.०२५	०.३०६४२	१.२०२९८	९.१०३४४	र	सु	७।३७
			१५.३५९	१.१८६९२	१.२०२९८	९.९८३९४		धृ	५७।४९
६	१०७.२६६	१५.७५८	१२.७३४	१.१०४९६	१.१९७५०	९.९०७४६	चं	शू	४८।२९
७	१२३.०२४	१५.३५७	१०.३०९	१.०१३२१	१.१८६३१	९.८२६९०	मं	गं	४०।१७
८	१३८.३८१	१४.८७४	८.२८६	०.९१८३४	१.१७२४३	९.७४५९१	बु	वृ	३३।२२
९	१५३.२५७	१४.४५६	६.७४३	०.८२८८५	१.१६००२	९.६६८८३	गु	ध्रु	२७।५९
१०	१६७.७१३	१३.९९५	५.६२०	०.७४९७४	१.१४५९७	९.६०३७७	शु	व्या	२४।६
११	१८१.७०८	१३.६१४	४.८५९	०.६८६५५	१.१३३९९	९.५५२५६	श	ह	२१।२५
१२	१९५.३२२	१३.२९५	४.६७८	०.६७००६	१.१२३६९	९.५४६३८	र	व	२१।७
१३	२०८.६१७	१३.०६३	४.७१६	०.६७३५७	१.११६०४	९.५५७५३	चं	सि	२१।४०
१४	२२१.६८०	१२.९१३	४.९८७	०.६९७८४	१.१११०३	९.५८६८१	मं	व्य	२३।११
१५	२३४.५९३	१२.८७२	५.४०७	०.७३२९६	१.१०९६५	९.६२३३१	बु	व	२५।१२
१६	२४७.४६५	१२.८३२	५.८६८	०.७६८४९	१.१०८२९	९.६६०२०	गु	प	२७।२७
१७	२६०.२९७	१२.९११	६.३७०	०.८०४१४	१.११०९६	९.६९३१८	शु	शि	२९।३६
१८	२७३.२०८	१३.०११	६.७९२	०.८३२००	१.११४३१	९.७१७६९	श	सि	३१।१९
१९	२८६.२१९	१३.१३१	७.१४४	०.८५४११	१.११८३०	९.७३३८१	र	सा	३२।३०
२०	२९९.३५०	१३.२५९	७.३१६	०.८६४२७	१.१२२५१	९.७४१७६	चं	शु	३३।७
२१	३१२.६०९	१३.४३९	७.३९१	०.८६८७०	१.१२८३७	९.७४०३३	मं	शु	३३।०

INDIAN—ALMANAC

यंत्रादिसे नापने और छाया आदिसे जाँचने योग्य उपपत्ति
सहित सिद्ध किये ग्रहोंके अनेकों परिमाण
दर्शक वेधगणित ।

अर्थात्—

संवत् १९९५ शके १८६० का

इण्डियन—अलमनाक

सूर्य

एप्रिल सन १९३८ इ. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	सा. म. रवि विषुव काल	उदयांतर
			अ. क. वि	अ	अं क वि	अ	अं	क		क वि	घ-पल	पल
३१	३० गु	५१०८	३४४ ४६ ७	८५.८८८	१ ५४ ५९	३४६.६८५	०.९८७	३२.१	०.९९९१	५९ ०.०	१ १८	+१०
१	१ शु	५१०९	३४५ ४५ १५	८६.८७४	+१ ५५ ४	३४७.६७२	०.९८६	३२.१	०.९९९४	५९ ०.२	१ २७	९
२	२ श	५११०	३४६ ४४ २३	८७.८६०	१ ५५ ७	३४८.६५८	०.९८६	३२.१	०.९९९७	५९ ०.३	१ ३७	८
३	३ र	५१११	३४७ ४३ ३२	८८.८४५	१ ५५ ८	३४९.६४४	०.९८५	३२.१	१.००००	५९ ०.४	१ ४७	७
४	४ सो	५११२	३४८ ४२ ४०	८९.८३१	१ ५५ ७	३५०.६२९	०.९८५	३२.१	१.०००३	५९ ०.६	१ ५७	६
५	५ मं	५११३	३४९ ४१ ४८	९०.८१६	१ ५५ ४	३५१.६१४	०.९८४	३२.०	१.०००६	५९ ०.७	२ ७	६
६	६ बु	५११४	३५० ४० ५६	९१.८०२	१ ५४ ५८	३५२.५९८	०.९८४	३२.०	१.०००९	५९ ०.८	२ १७	५
७	७ गु	५११५	३५१ ४० ४	९२.७८८	१ ५४ ५१	३५३.५८२	०.९८३	३२.०	१.००१२	५९ ०.९	२ २६	४
८	८ शु	५११६	३५२ ३९ १३	९३.७३३	+१ ५४ ४२	३५४.५६५	०.९८३	३२.०	१.००१४	५९ १.१	२ ३६	३
९	१० श	५११७	३५३ ३८ २१	९४.७५९	१ ५४ ३१	३५५.५४८	०.९८२	३२.०	१.००१७	५९ १.२	२ ४६	३
१०	११ र	५११८	३५४ ३७ २९	९५.७४४	१ ५४ १८	३५६.५३०	०.९८१	३२.०	१.००१९	५९ १.३	२ ५६	२
११	१२ सो	५११९	३५५ ३६ ३७	९६.७३०	१ ५४ २	३५७.५११	०.९८१	३२.०	१.००२२	५९ १.५	३ ६	२
१२	१३ मं	५१२०	३५६ ३५ ४५	९७.७१६	१ ५३ ४५	३५८.४९२	०.९८०	३२.०	१.००२५	५९ १.६	३ १६	१
१३	१४ बु	५१२१	३५७ ३४ ५४	९८.७०१	१ ५३ २५	३५९.४७२	०.०८०	३२.०	१.००२८	५९ १.७	३ २६	१
१४	१५ गु	५१२२	३५८ ३४ २	९९.६८७	१ ५३ ०४	०००.४५२	०.९७९	३१.९	१.००३१	५९ १.९	३ ३५	+०
१५	१ शु	५१२३	३५९ ३३ १०	१००.६७२	+१ ५२ ४१	१.४३१	०.९७८	३१.९	१.००३४	५९ २.०	३ ४५	−०
१६	२ श	५१२४	० ३२ १८	१०१.६५८	१ ५२ १६	२.४०९	०.९७८	३१.९	१.००३७	५९ २.१	३ ५५	१
१७	३ र	५१२५	१ ३१ २६	१०२.६४४	१ ५१ ४८	३.३८७	०.९७८	३१.९	१.००४०	५९ २.२	४ ५	१
१८	४ सो	५१२६	२ ३० ३५	१०३.६२९	१ ५१ १९	४.३६५	०.९७७	३१.९	१.००४२	५९ २.४	४ १५	२
१९	५ मं	५१२७	३ २९ ४३	१०४.६१५	१ ५० ४८	५.३४२	०.९७६	३१.९	१.००४५	५९ २.५	४ २५	२
२०	५ बु	५१२८	४ २८ ५१	१०५.६००	१ ५० १५	६.३१८	०.९७६	३१.९	१.००४८	५९ २.६	४ ३५	३
२१	६ गु	५१२९	५ २७ ५९	१०६.५५८	१ ४९ ४१	७.२९४	०.९७५	३१.९	१.००५१	५९ २.८	४ ४४	४
२२	७ शु	५१३०	६ २७ ७	१०७.७७१	१ ४८ ५५	८.२६९	०.९७५	३१.९	१.००५३	५९ २.९	४ ५४	४
२३	८ श	५१३१	७ २६ १५	१०८.५५७	+१ ४८ २४	९.२४४	०.९७४	३१.८	१.००५६	५९ ३.०	५ ४	५
२४	९ र	५१३०	८ २५ २४	१०९.५४३	१ ४७ ४३	१०.२१८	०.९७४	३१.८	१.००५९	५९ ३.२	५ १४	५
२५	१० सो.	५१३३	९ २४ ३२	११०.५२८	१ ४७ ०१	११.१९२	०.९७३	३१.८	१.००६२	५९ ३.३	५ २४	६
२६	११ मं	५१३४	१० २३ ४०	१११.५१४	१ ४६ १६	१२.१६५	०.९७३	३१.८	१.००६४	५९ ३.४	५ ३४	६
२७	१२ बु	५१३५	११ २२ ४८	११२.५००	१ ४५ ३०	१३.१३८	०.९७२	३१.८	१.००६७	५९ ३.५	५ ४४	७
२८	१३ गु	५१३६	१२ २१ ५६	११३.४८५	१ ४४ ४२	१४.११०	०.९७२	३१.८	१.००७०	५९ ३.७	५ ५३	७
२९	१४ शु	५१३७	१३ २१ ५	११४.४७१	१ ४३ ५३	१५.०८२	०.९७२	३१.८	१.००७२	५९ ३.८	६ ३	७
३०	३० श	५१३८	१४ २० १३	११५.४५७	१ ४३ १	१६.०५४		३१.८	१.००७४	५९ ३.९	६ १३	−८

सूर्य

एप्रिल सन १९३८ इ. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य		सा.स्प.र. विषुवांश		दिन गति		स्प. रवि विषुव काल		दृक्कर्म	सा.स्प.र. क्रांति		दिनगति		इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल				चर		नतांश		दशांगुल छाया
	अं.	क.	अं.	क.	अं	क	घ.	प.	पल	अं.	क.	अं.	क.	घटि	पल	स्टैं घं.	मि.	घटि	पल	अं.	क	
३१	९	४०	८	५३	०	५४	१	२९	९	+३	५०	०	२३	१५	१०	१२	३१	+०	१७	द १८	५४	उ ३.४२
१	१०	३९	९	४७	०	५६	१	३८	९	४	१३	०	२३	१५	९	१२	३१	०	१८	१८	३१	३.३५
२	११	३९	१०	४३	०	५५	१	४७	९	४	३६	०	२३	१५	८	१२	३०	०	२०	१८	८	३.२७
३	१२	३८	११	३८	०	५४	१	५६	९	४	५९	०	२३	१५	७	१२	३०	०	२१	१७	४५	३.२०
४	१३	३७	१२	३२	०	५४	२	५	९	५	२२	०	२३	१५	६	१२	२९	०	२३	१७	२२	३.१३
५	१४	३६	१३	२६	०	५५	२	१४	१०	५	४५	०	२३	१५	६	१२	२९	०	२५	१६	५९	३.५
६	१५	३५	१४	२१	०	५५	२	२४	९	६	८	०	२३	१५	५	१२	२८	०	२६	१६	३६	२.९८
७	१६	३४	१५	१६	०	५५	२	३३	९	६	३१	०	२२	१५	४	१२	२८	०	२८	१६	१३	२.९१
८	१७	३३	१६	११	०	५५	२	४२	९	+६	५३	०	२३	१५	३	१२	२८	+०	२९	१५	५१	२.८४
९	१८	३२	१७	६	०	५५	२	५१	९	७	१६	०	२२	१५	३	१२	२८	०	३१	१५	२८	२.७७
१०	१९	३१	१८	१	०	५५	३	०	९	७	३८	०	२२	१५	२	१२	२८	०	३२	१५	६	२.७०
११	२०	३०	१८	५६	०	५५	३	९	१०	८	०	०	२२	१५	२	१२	२८	०	३४	१४	४४	२.६३
१२	२१	२९	१९	५१	०	५५	३	१९	९	८	२२	०	२२	१५	१	१२	२७	०	३५	१४	२२	२.५६
१३	२२	२७	२०	४६	०	५५	३	२८	९	८	४४	०	२२	१५	१	१२	२७	०	३७	१४	०	२.४९
१४	२३	२६	२१	४१	०	५६	३	३७	९	९	६	०	२२	१५	०	१२	२७	०	३९	१३	३८	२.४३
१५	२४	२५	२२	३७	०	५५	३	४६	९	+९	२८	०	२२	१५	०	१२	२७	+०	४०	१३	१६	२.३६
१६	२५	२४	२३	३२	०	५५	३	५५	१०	९	५०	०	२१	१४	५९	१२	२७	०	४२	१२	५४	२.२९
१७	२६	२२	२४	२७	७	५६	४	५	९	१०	११	०	२१	१४	५९	१२	२७	०	४३	१२	३३	२.२३
१८	२७	२१	२५	२३	०	५६	४	१४	९	१०	३२	०	२१	१४	५८	१२	२७	०	४५	१२	१२	२.१६
१९	२८	२०	२६	१९	०	५५	४	२३	९	१०	५३	०	२१	१४	५८	१२	२७	०	४६	११	५१	२.१०
२०	२९	१८	२७	१४	०	५७	४	३२	१०	११	१४	०	२०	१४	५७	१२	२६	०	४८	११	३०	२.०३
२१	३०	१७	२८	११	०	५५	४	४२	९	११	३४	०	२१	१४	५६	१२	२६	०	४९	११	१०	१.९७
२२	३१	१५	२९	६	०	५७	४	५१	१०	११	५५	०	२०	१४	५६	१२	२६	०	५१	१०	४९	१.९१
२३	३२	१४	३०	३	०	५६	५	१	९	+१२	१५	०	२०	१४	५५	१२	२५	+०	५२	१०	२९	१.८५
२४	३३	१२	३०	५९	०	५७	५	१०	९	१२	३५	०	२०	१४	५५	१२	२५	०	५४	१०	९	१.७९
२५	३४	११	३१	५६	०	५६	५	१९	१०	१२	५५	०	२०	१४	५४	१२	२५	०	५५	९	४९	१.७३
२६	३५	९	३२	५२	०	५६	५	२९	९	१३	१५	०	१९	१४	५४	१२	२५	०	५७	९	२९	१ ६७
२७	३६	७	३३	४८	०	५७	५	३८	१०	१३	३४	०	१९	१४	५३	१२	२५	०	५८	९	१०	१.६१
२८	३७	६	३४	४५	०	५७	५	४८	९	१३	५३	०	१९	१४	५३	१२	२५	१	०	८	५१	१.५६
२९	३८	४	३५	४२	०	५७	५	५७	१०	१४	१२	०	१९	१४	५३	१२	२५	१	१	८	३२	१.५०
३०	३९	२	३६	३९	०	५७	६	७	९	१४	३१	०	१९	१४	५२	१२	२४	१	२	द ८	१३	उ १.४४

सूर्य

मे सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	स्प. म. रवि विषुव काल	उदयांतर
			अ. क. बि.		अं. क. वि.	अ		क.		क. बि.	घ. प.	पल
३०	३० श	५१३८	१४ २० १३	११५·४५७	१ ४३ १	१६·०५४	०·९७१	३१·८	१·००७४	५९ ३·९	६।१३	–८
१	१ र	५१३९	१५ १९ २१	११६·४४२	+ १ ४२ ६	१७··२५	०·९७०	३१·८	१·००७७	५९ ४·१	६।२३	८
२	३ चं	५१४०	१६ १८ २९	११७·४२८	१ ४१ १२	१७·९९५	०·९७०	३१·८	१·००७९	५९ ४·२	६।३३	८
३	४ मं	५१४१	१७ १७ ३७	११८·४१४	१ ४० १५	१८·९६५	०·९६९	३१·८	१·००८२	५९ ४·३	६।४३	९
४	५ बु	५१४२	१८ १६ ४६	११९·३९९	१ ३९ १६	१९·९३४	०·९६९	३१·८	१·००८५	५९ ४·५	६।५३	९
५	६ गु	५१४३	१९ १५ ५४	१२०·३८५	१ ३८ १५	२०·९०३	०·९६८	३१·८	१·००८७	५९ ४·६	७।२	९
६	७ शु	५१४४	२० १५ २	१२१·३७०	१ ३७ १२	२१·८७१	०·९६८	३१·८	१·००९०	५९ ४·७	७।१२	९
७	८ श	५१४५	२१ १४ १०	१२२·३५६	+ १ ३६ १०	२२·८३९	०·९६७	३१·८	१·००९२	५९ ४·८	७ २२	९
८	९ र	५१४६	२२ १३ १८	१२३·३४२	१ ३५ ५	२३·८०६	०·९६७	३१·८	१·००९४	५९ ५·०	७।३२	९
९	१० चं	५१४७	२३ १२ २७	१२४·३२७	१ ३३ ५७	२४·७७३	०·९६७	३१·८	१·००९७	५९ ५·२	७।४२	१०
१०	११ मं	५१४८	२४ ११ ३५	१२५·३१३	१ ३२ ४८	२५·७४०	०·९६६	३१·८	१·००९९	५९ ५·३	७।५२	१०
११	१२ बु	५१४९	२५ १० ४३	१२६·२०८	१ ३१ ३८	२६·७०६	०·९६६	३१·८	१·०१०१	५९ ५·५	८।२	१०
१२	१३ गु	५१५०	२६ ९ ५१	१२७·२८४	१ ३० २७	२७·६७२	०·९६५	३१·८	१·०१०३	५९ ५·६	८।११	१०
१३	१४ शु	५१५१	२७ ८ ५९	१२८·२७०	१ २९ १४	२८·६३७	०·९६५	३१·८	१·०१०५	५९ ५·७	८।२१	१०
१४	१५ श	५१५२	२८ ८ ८	१२९·२५५	१ २७ ५८	२९·६०२	०·९६४	३१·८	१·०१०७	५९ ५·९	८।३१	१०
१५	१ र	५१५३	२९ ७ १६	१३०·२४१	+ १ २६ ४३	३०·५६६	०·९६४	३१·७	१·०१०९	५९ ६·०	८।४१	१०
१६	२ चं	५१५४	३० ६ २४	१३१·२२६	१ २५ २५	३१·५३०	०·९६४	३१·७	१·०१११	५९ ६·१	८।५१	१०
१७	३ मं	५१५५	३१ ५ ३२	१३२·२१२	१ २४ ४	३२·४९४	०·९६३	३१·७	१·०११३	५९ ६·२	९।१	१०
१८	४ बु	५१५६	३२ ४ ४०	१३३·१९८	१ २२ ४४	३३·४५७	०·९६३	३१·७	१·०११५	५९ ६·४	९।११	१०
१९	५ गु	५१५७	३३ ३ ४९	१३४·१८३	१ २१ २२	३४·४२०	०·९६२	३१·७	१·०११७	५९ ६·५	९।२०	१०
२०	६ शु	५१५८	३४ २ ५७	१३५·१६९	१ १९ ५९	३५·३८२	०·९६२	३१·७	१·०११९	५९ ६·६	९।३०	९
२१	७ श	५१५९	३५ २ ५	१३६·१५४	१ १८ ३३	३६·३४४	०·९६२	३१·७	१·०१२०	५९ ६·८	९।४०	९
२२	८ र	५१६०	३६ १ १३	१३७·१४०	+ १ १७ ७	३७·३०६	०·९६१	३१·७	१·०१२३	५९ ६·९	९।५०	९
२३	८ चं	५१६१	३७ ० २१	१३८·१२६	१ १५ ४१	३८·२६७	०·९६१	३१·७	१·०१२५	५९ ७·०	१०।०	९
२४	९ मं	५१६२	३७ ५९ २९	१३९·१११	१ १४ ११	३९·२२८	०·९६१	३१·७	१·०१२७	५९ ७·२	१०।१०	९
२५	१० बु	५१६३	३८ ५८ ३८	१४०·०९७	१ १२ ४१	४०·१८९	०·९६०	३१·६	१·०१२९	५९ ७·३	१०।२०	९
२६	१२ गु	५१६४	३९ ५७ ४६	१४१·०८२	१ ११ ९	४१·१४९	०·९६०	३१·६	१·०१३१	५९ ७·४	१०।२९	८
२७	१३ शु	५१६५	४० ५६ ५४	१४२·०६८	१ ९ ३८	४२·१०९	०·९५९	३१·६	१·०१३३	५९ ७·५	१०।३९	८
२८	१४ श	५१६६	४१ ५६ २	१४३·०४४	१ ८ ४	४३·०६८	०·९५९	३१·६	१·०१३५	५९ ७·६	१०।४९	८
२९	३० र	५१६७	४२ ५५ १०	१४४·०३९	१ ६ २९	४४·०२७		३१·६	१·०१३७	५९ ७·८	१०।५९	–८

सूर्य

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य		सा.स्प. विषुवांश		दिन गति		स्प. रवि विषुव काल		[illegible]	सा.स्प.र. क्रांति		दिनगति		इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल				चर		नतांश		दशांगुल छाया
	अ.	क.	अं.	क.	अं.	क.	घ.	प.	पल	अ.	क.	अं.	क	घ.	प.	स्टैं.घं.	मि.	घटि	पल	अं.	क.	उ०
३०	३९	२	३६	३९	०	५७	६	७	९	+१४	३१	०	१९	१४	५२	१२	२४	+ १	२	द ८	१३	१·४४
१	४०	१	३७	३६	०	५७	६	१६	१०	१४	५०	०	१८	१४	५२	१२	२४	१	४	७	५४	१·३९
२	४०	५९	३८	३३	०	५८	६	२६	९	१५	८	०	१८	१४	५२	१२	२४	१	५	७	३६	१·३३
३	४१	५७	३९	३१	०	५७	६	३५	१०	१५	२६	०	१८	१४	५१	१२	२४	१	६	७	१८	१·२८
४	४२	५५	४०	२८	०	५७	६	४५	९	१५	४४	०	१७	१४	५१	१२	२४	१	८	७	००	१·२३
५	४३	५३	४१	२५	०	५८	६	५४	१०	१६	१	०	१७	१४	५१	१२	२४	१	९	६	४३	१·१८
६	४४	५१	४२	२३	०	५८	७	४	१०	१६	१८	०	१७	१४	५१	१२	२४	१	१०	६	२६	१·१३
७	४५	४९	४३	२१	०	५८	७	१४	९	१६	३५	०	१७	१४	५१	१२	२४	+ १	११	६	९	१·०८
८	४६	४७	४४	१९	०	५८	७	२३	१०	१६	५२	०	१६	१४	५१	१२	२४	१	१३	५	५२	१·०३
९	४७	४५	४५	१७	०	५९	७	३३	१०	१७	८	०	१६	१४	५०	१२	२३	१	१४	५	३६	०·९८
१०	४८	४३	४६	१६	०	५८	७	४३	९	१७	२५	०	१६	१४	५०	१२	२३	१	१५	५	२०	०·९३
११	४९	४१	४७	१४	०	५९	७	५२	१०	१७	४०	०	१५	१४	५०	१२	२३	१	१६	५	४	०·८९
१२	५०	३९	४८	१३	०	५८	८	२	१०	१७	५५	०	१५	१४	५०	१२	२३	१	१७	४	४९	०·८४
१३	५१	३७	४९	११	१	०	८	१२	१०	१८	१०	०	१५	१४	५०	१२	२३	१	१९	४	३४	०·८०
१४	५२	३५	५०	११	०	५९	८	२२	१०	१८	२५	०	१५	१४	५०	१२	२३	१	२०	४	१९	०·७५
१५	५३	३३	५१	१०	०	५९	८	३२	१०	१८	४०	०	१४	१४	५०	१२	२३	+ १	२१	४	४	०·७१
१६	५४	३१	५२	९	१	०	८	४२	९	१८	५४	०	१४	१४	५०	१२	२३	१	२२	३	५०	०·६७
१७	५५	२९	५३	९	०	५९	८	५१	१०	१९	८	०	१४	१४	५०	१२	२३	१	२३	३	३६	०·६३
१८	५६	२७	५४	८	०	५९	९	१	१०	१९	२२	०	१३	१४	५०	१२	२३	१	२५	३	२२	०·५९
१९	५७	२४	५५	७	१	०	९	११	१०	१९	३५	०	१३	१४	५०	१२	२३	१	२६	३	९	०·५५
२०	५८	२२	५६	७	१	०	९	२१	१०	१९	४८	०	१३	१४	५१	१२	२४	१	२७	२	५६	०·५१
२१	५९	२०	५७	७	१	०	९	३१	१०	२०	१	०	१२	१४	५१	१२	२४	१	२८	२	४३	०·४७
२२	६०	१७	५८	७	१	१	९	४१	१०	२०	१३	०	१२	१४	५१	१२	२४	+ १	२९	२	३१	०·४४
२३	६१	१५	५९	८	१	०	९	५१	१०	२०	२५	०	१२	१४	५१	१२	२४	१	३०	२	१९	०·४१
२४	६२	१३	६०	८	१	०	१०	१	१०	२०	३७	०	११	१४	५१	१२	२५	१	३१	२	७	०·३७
२५	६३	१०	६१	८	१	१	१०	११	११	२०	४८	०	११	१४	५१	१२	२४	१	३२	१	५६	०·३४
२६	६४	८	६२	९	१	१	१०	२२	१०	२०	५९	०	१०	१४	५२	१२	२४	१	३३	१	४५	०·३१
२७	६५	६	६३	१०	१	०	१०	३३	१०	२१	९	०	१०	१४	५२	१२	२४	१	३४	१	३५	०·२८
२८	६६	३	६४	१०	१	१	१०	४२	१०	२१	१९	०	१०	१४	५२	१२	२४	१	३५	१	२५	०·२५
२९	६७	१	६५	११	१	१	१०	५२	१०	२१	२९	०	९	१४	५२	१२	२४	१	३५	द १	१५	उ०·२२

सूर्य

मई-जून सन १९३८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	सा. म. रवि विषुव काल	उदयांतर
			अं. क. वि.		अं. क. वि.	अं.		क.		क. वि.	घ. प.	पल
२९	३० र	५१६७	४२ ५५ १०	१४४·०३९	१ ६ २९	४४·०२७	०·९५९	३१·६	१·०१३७	५९ ७·८	१० ५९	-८
३०	१ चं	५१६८	४३ ५४ १९	१४५·०२५	+१ ४ ५४	४४·९८६	०·९५९	३१·६	१·०१३९	५९ ७·९	११ ९	७
३१	२ मं	५१६९	४४ ५३ २७	१४६·०१०	१ ३ १५	४५·९४५	०·९५८	३१·६	१·०१४१	५९ ८·१	११ १९	७
१	३ बु	५१७०	४५ ५२ ३५	१४६·९४६	१ १ ३७	४६·९०३	०·९५८	३१·६	१·०१४२	५९ ८·२	११ २९	७
२	५ गु	५१७१	४६ ५१ ४३	१४७·९८२	० ५९ ५८	४७·८६१	०·९५८	३१·६	१·०१४४	५९ ८·३	११ ३८	६
३	६ शु	५१७२	४७ ५० ५१	१४८·९६७	० ५८ १८	४८·८१९	०·९५८	३१·६	१·०१४५	५९ ८·४	११ ४८	६
४	७ श	५१७३	४८ ४९ ००	१४९·९५३	० ५६ ३७	४९·७७७	०·९५७	३१·६	१·०१४६	५९ ८·६	११ ५८	५
५	८ र	५१७४	४९ ४९ ८	१५०·९३८	+० ५४ ५५	५०·७३४	०·९५७	३१·६	१·०१४८	५९ ८·७	१२ ८	५
६	९ चं	५१७५	५० ४८ १६	१५१·९२४	० ५३ १३	५१·६९१	०·९५७	३१·६	१·०१४९	५९ ८·८	१२ १८	४
७	१० मं	५१७६	५१ ४७ २४	१५२·९१०	० ५१ २७	५२·६४८	०·९५७	३१·६	१·०१५०	५९ ८·९	१२ २८	४
८	११ बु	५१७७	५२ ४६ ३२	१५३·८९५	० ४९ ४३	५३·६०५	०·९५६	३१·६	१·०१५२	५९ ९·१	१२ ३८	३
९	१२ गु	५१७८	५३ ४५ ४१	१५४·८८१	० ४७ ५८	५४·५६१	०·९५६	३१·६	१·०१५३	५९ ९·२	१२ ४७	३
१०	१३ शु	५१७९	५४ ४४ ४९	१५५·८६६	० ४६ १३	५५·५१७	०·९५६	३१·६	१·०१५४	५९ ९·४	१२ ५७	२
११	१४ श	५१८०	५५ ४३ ५५	१५६·८५२	० ४४ २४	५६·४७३	०·९५६	३१·६	१·०१५५	५९ ९·५	१३ ७	२
१२	१५ र	५१८१	५६ ४३ ५	१५७·८३८	० ४२ २६	५७·४२९	०·९५५	३१·६	१·०१५६	५९ ९·६	१३ १७	२
१३	१ चं	५१८२	५७ ४२ १३	१५८·८२३	+० ४० ४८	५८·३८४	०·९५५	३१·६	१·०१५७	५९ ९·८	१३ २७	१
१४	१ मं	५१८३	५८ ४१ २२	१५९·८०९	० ३८ ५९	५९·३३९	०·९५५	३१·५	१·०१५८	५९ ९·९	१३ ३७	१
१५	२ बु	५१८४	५९ ४० ३०	१६०·७९४	० ३७ ८	६०·२९४	०·९५५	३१·५	१·०१५९	५९ १०·०	१३ ४७	१
१६	३ गु	५१८५	६० ३९ ३८	१६१·७८०	० ३५ १७	६१·२४९	०·९५५	३१·५	१·०१६०	५९ १०·१	१३ ५६	०
१७	४ शु	५१८६	६१ ३८ ४६	१६२·७६६	० ३३ २६	६२·२०४	०·९५५	३१·५	१·०१६१	५९ १०·३	१४ ६	-०
१८	५ श	५१८७	६२ ३७ ५४	१६३·७५१	० ३१ ३५	६३·१५९	०·९५४	३१·५	१·०१६२	५९ १०·४	१४ १६	+१
१९	६ र	५१८८	६३ ३७ ३	१६४·७३७	० २९ ४३	६४·११३	०·९५४	३१·५	१·०१६२	५९ १०·५	१४ २६	२
२०	७ चं	५१८९	६४ ३६ ११	१६५·७२२	० २७ ५१	६५·०६७	०·९५४	३१·५	१·०१६३	५९ १०·७	१४ ३६	२
२१	८ मं	५१९०	६५ ३५ १९	१६६·७०८	+० २५ ५८	६६·०२१	०·९५४	३१·५	१·०१६४	५९ १९·८	१४ ४६	३
२२	९ बु	५१९१	६६ ३४ २७	१६७·६९४	० २४ २	६६·९७५	०·९५४	३१·५	१·०१६४	५९ १०·९	१४ ५६	३
२३	१० गु	५१९२	६७ ३३ ३५	१६८·६७९	० २२ ८	६७·९२९	०·९५४	३१·५	१·०१६५	५९ ११·१	१५ ५	४
२४	११ शु	५१९३	६८ ३२ ४३	१६९·६६५	० २० १४	६८·८८३	०·९५४	३१·५	१·०१६५	५९ ११·२	१५ १५	४
२५	१२ श	५१९४	६९ ३१ ५२	१७०·६५०	० १८ १९	६९·८३७	०·९५४	३१·५	१·०१६६	५९ ११·३	१५ २५	५
२६	१३ र	५१९५	७० ३१ ०	१७१·६३६	० १६ २५	७०·७९१	०·९५४	३१·५	१·०१६६	५९ ११·४	१५ ३५	५
२७	३० चं	५१९६	७१ ३० ८	१७२·६२१	० १४ ३०	७१·७४४	०·९५३	३१·५	१·०१६७	५९ ११·५	१५ ४५	६

मई-जून सन १९३८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य	सा.स्प.र. विषुवांश	दिन गति	स्प.रवि विषुव काल	दिन गति	सा.स्प.र. क्रांति	दिनगति	इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल		चर	नतांश	दशांगुल छाया
	अं क	अं क	अं क	घ प	पल	अं क	अं क	घ प	स्टै. घं मि	घ प	अं क	
२९	६७ १	६५ ११	१ १	१० ५२	१०	+२१ २९	+० ९	१४ ५२	१२ २४	+१ ३५	द१ १५	उ० २२
३०	६७ ५८	६६ १२	१ १	११ २	१०	२१ ३८	० ९	१४ ५३	१२ २५	१ ३६	१ ६	० १९
३१	६८ ५६	६७ १३	१ १	११ १२	१०	२१ ४७	० ९	१४ ५३	१२ २५	१ ३७	० ५७	० १७
१	६९ ५३	६८ १४	१ २	११ २२	११	२१ ५६	० ९	१४ ५३	१२ २५	१ ३७	० ४८	० १४
२	७० ५१	६९ १६	१ १	११ ३३	१०	२२ ५	० ८	१४ ५४	१२ २५	१ ३८	० ३९	० ११
३	७१ ४८	७० १७	१ २	११ ४३	१०	२२ १३	० ७	१४ ५४	१२ २५	१ ३८	० ३१	० ९
४	७२ ४६	७१ १९	१ १	११ ५३	१०	२२ २०	० ७	१४ ५५	१२ २५	१ ३९	० २४	० ७
५	७३ ४३	७२ २०	१ २	१२ ३	११	२२ २७	० ७	१४ ५५	१२ २५	१ ३९	० १७	० ५
६	७४ ४१	७३ २२	१ २	१२ १४	१०	२२ ३४	० ६	१४ ५६	१२ २६	१ ४०	० १०	० ३
७	७५ ३८	७४ २४	१ २	१२ २४	१०	२२ ४०	० ६	१४ ५६	१२ २६	१ ४०	द ० ४	उ० १
८	७६ ३५	७५ २६	१ २	१२ ३४	११	२२ ४६	० ६	१४ ५७	११ २६	१ ४१	उ ० २	द० १
९	७७ ३३	७६ २८	१ २	१२ ४५	१०	२२ ५२	० ५	१४ ५७	१२ २६	१ ४१	० १२	० ३
१०	७८ ३०	७७ ३०	१ ३	१२ ५५	११	२२ ५७	० ५	१४ ५८	१२ २७	१ ४२	० १३	० ४
११	७९ २८	७८ ३३	१ २	१३ ६	१०	२३ २	० ४	१४ ५८	१२ २७	१ ४२	० १८	० ५
१२	८० २५	७९ ३५	१ २	१३ १६	१०	२३ ६	० ४	१४ ५८	१२ २७	१ ४३	० २२	० ३
१३	८१ २२	८० ३७	१ २	१३ २६	११	२३ १०	० ३	१४ ५९	१२ २७	१ ४३	० २६	० ८
१४	८२ १९	८१ ३९	१ २	१३ ३७	१०	२३ १३	० ३	१५ ५९	१२ २७	१ ४४	० २९	० ८
१५	८३ १७	८२ ४१	१ २	१३ ४७	१०	२३ १६	० ३	१४ ५९	१२ २७	१ ४४	० ३२	० ९
१६	८४ १४	८३ ४३	१ ३	१३ ५७	११	२३ १९	० ३	१५ ०	१२ २७	१ ४४	० ३५	० १०
१७	८५ ११	८४ ४६	१ २	१४ ८	१०	२३ २२	० २	१५ ०	१२ २७	१ ४४	० ३८	० ११
१८	८६ ९	८५ ४८	१ २	१४ १८	१०	२३ २४	० १	१५ १	१२ २७	१ ४५	० ४०	० १२
१९	८७ ६	८६ ५०	१ २	१४ २८	११	२३ २५	० १	१५ २	१२ २८	१ ४५	० ४१	० १२
२०	८८ ३	८७ ५२	१ ३	१४ ३९	१०	२३ २६	० १	१५ २	१२ २८	१ ४५	० ४२	० १२
२१	८९ ०	८८ ५५	१ ३	१४ ४९	११	२३ २७	० ०	१५ ३	१२ २८	१ ४५	० ४३	० १३
२२	८९ ५८	८९ ५८	१ २	१५ ०	१०	२३ २७	० ०	१५ ३	१२ २८	१ ४५	० ४३	० १३
२३	९० ५५	९१ ००	१ २	१५ १०	१०	२३ २७	-० १	१५ ४	१२ २८	१ ४५	० ४३	० १३
२४	९१ ५२	९२ २	१ २	१५ २०	११	२३ २६	० १	१५ ४	१२ २८	१ ४५	० ४२	० १२
२५	९२ ४९	९३ ४	१ ३	१५ ३१	१०	२३ २५	० १	१५ ५	१२ २९	१ ४५	० ४१	० १२
२६	९३ ४७	९४ ७	१ ३	१५ ४१	११	२३ २४	० २	१५ ५	१२ २९	१ ४५	० ४०	० १२
२७	९४ ४४	९५ १०	१ २	१५ ५२	१०	+२३ २२	-० २	१५ ६	१२ २९	+१ ४४	उ० ३८	द० ११

सूर्य

जून-जुलाई सन १९३८ इ. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश क वि.	स्प. म. रात्रि लिखित काल	उदय तर
			अं क वि		अं क बि	अं		क		क वि	घ प	पल
२७	३० चं	५१९६	७१ ३० ८	१७२.६२१	+० १४ ३०	७१.७४४	०.९५३	३१.५	१.०१६७	५९ ११.५	१५ ४५	६
२८	१ मं	५१९७	७२ २९ १६	१७३.६०७	० १२ ३४	७२.६९७	०.९५४	३१.५	१.०१६७	५९ ११.७	१५ ५५	+६
२९	२ बु	५१९८	७३ २८ २४	१७४.५९२	० १० ३९	७३.६५१	०.९५३	३१.५	१.०१६७	५९ ११.८	१६ ५	७
३०	३ गु	५१९९	७४ २७ ३३	१७५.५७८	० ८ ४१	७४.६०४	०.९५३	३१.५	१.०१६८	५९ १२.०	१६ १४	७
१	४ शु	५२००	७५ २६ ४१	१७६.५६४	० ६ ४५	७५.५५७	०.९५४	३१.५	१.०१६८	५९ १२.१	१६ २४	८
२	५ श	५२०१	७६ २५ ४९	१७७.५४९	० ४ ४९	७६.५११	०.९५३	३१.५	१.०१६८	५९ १२.२	१६ ३४	८
३	६ र	५२०२	७७ २४ ५७	१७८.५३५	० २ ५३	७७.४६४	०.९५३	३१.५	१.०१६८	५९ १२.४	१६ ४४	९
४	७ चं	५२०३	७८ २४ ५	१७९.५२०	० ० ५७	७८.४१७	०.९५४	३१.५	१.०१६८	५९ १२.५	१६ ५४	९
५	८ मं	५२०४	७९ २३ १४	१८०.५०६	-० ० ५९	७९.३७१	०.९५३	३१.५	१.०१६८	५९ १२.६	१७ ४	१०
६	९ बु	५२०५	८० २२ २२	१८१.४९२	० २ ५५	८०.३२४	०.९५३	३१.५	१.०१६८	५९ १२.७	१७ १४	१०
७	१० गु	५२०६	८१ २१ ३०	१८२.४७७	० ४ ५३	८१.२७७	०.९५४	३१.५	१.०१६८	५९ १२.९	१७ २३	१०
८	११ शु	५२०७	८२ २० ३८	१८३.४६४	० ६ ४९	८२.२३१	०.९५३	३१.५	१.०१६८	५९ १३.०	१७ ३३	११
९	१२ श	५२०८	८३ १९ ४६	१८४.४४८	० ८ ४५	८३.१८४	०.९५३	३१.५	१.०१६८	५९ १३.१	१७ ४३	११
१०	१३ र	५२०९	८४ १८ ५५	१८५.४३४	० १० ५	८४.१३७	०.९५४	३१.५	१.०१६७	५९ १३.३	१७ ५३	१२
११	१४ चं	५२१०	८५ १८ ३	१८६.४२०	० १२ ३६	८५.०९१	०.९५३	३१.५	१.०१६७	५९ १३.४	१८ ३	१२
१२	१५ मं	५२११	८६ १७ ११	१८७.४०५	० १४ ३२	८६.०४४	०.९५४	३१.५	१.०१६७	५९ १३.५	१८ १३	१२
१३	१ बु	५२१२	८७ १६ १९	१८८.३९१	० १६ २६	८६.९९८	०.९५३	३१.५	१.०१६६	५९ १३.७	१८ २३	१३
१४	२ गु	५२१३	८८ १५ २७	१८९.३७६	० १८ २३	८७.९५१	०.९५४	३१.५	१.०१६६	५९ १३.८	१८ ३२	१३
१५	३ शु	५२१४	८९ १४ ३६	१९०.३६५	० २० १७	८८.९०५	०.९५४	३१.५	१.०१६५	५९ १३.९	१८ ४२	१३
१६	४ श	५२१५	९० १३ ४४	१९१.३४८	० २२ १२	८९.८५९	०.९५४	३१.५	१.०१६५	५९ १४.०	१८ ५२	१४
१७	५ र	५२१६	९१ १२ ५२	१९२.३३३	० २४ ६	९०.८१३	०.९५४	३१.५	१.०१६४	५९ १४.२	१९ २	१४
१८	६ चं	५२१७	९२ १२ ०	१९३.३१९	० २५ ५९	९१.७६७	०.९५४	३१.५	१.०१६४	५९ १४.३	१९ १२	१४
१९	७ मं	५२१८	९३ ११ ८	१९४.३०४	० २७ ५२	९२.७२१	०.९५४	३१.५	१.०१६३	५९ १४.४	१९ २२	१४
२०	८ बु	५२१९	९४ १० १६	१९५.२९०	० २९ ४४	९३.६७५	०.९५४	३१.५	१.०१६२	५९ १४.६	१९ ३२	१५
२१	९ गु	५२२०	९५ ९ २५	१९६.२७६	० ३१ ३७	९४.६२९	०.९५५	३१.५	१.०१६२	५९ १४.७	१९ ४१	१५
२२	१० शु	५२२१	९६ ८ ३३	१९७.२६१	० ३३ ३०	९५.५८४	०.९५५	३१.५	१.०१६१	५९ १४.८	१९ ५१	१५
२३	११ श	५२२२	९७ ७ ४१	१९८.२४७	० ३५ २१	९६.५३९	०.९५५	३१.५	१.०१६०	५९ १५.०	२० १	१५
२४	१२ र	५२२३	९८ ६ ४९	१९९.२३२	० ३७ १२	९७.४९४	०.९५५	३१.५	१.०१५९	५९ १५.१	२० ११	१५
२५	१३ चं	५२२४	९९ ५ ५७	२००.२१८	० ३९ १	९८.४४९	०.९५५	३१.५	१.०१५८	५९ १५.२	२० २१	१५
२६	१४ मं	५२२५	१०० ५ ६	२०१.२०४	० ४० ५०	९९.४०४	०.९५५	३१.५	१.०१५७	५९ १५.३	२० ३१	१५
२७	३० बु	५२२६	१०१ ४ १४	२०२.१८९	-० ४२ ३८	१००.३५९	०.९५५	३१.५	१.०१५६	५९ १५.५	२० ४१	१५

जून–जुलाई सन १९३८ इ. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्य का वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य	सा.स्प.र. विषुवांश	दिन गति	स्प.रवि विषुव काल	दिनगति	सा.स्प.र. क्रांति	दिनगति	इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल		चर	नतांश	दशांगुल छाया
	अं. क.	अं. क.	अं. क	घ. प	पल	अं. क.	अं. क.	घ. प	स्टैं. घं. मि.	घ. पल		
७	९४ ४४	९५ १०	१ २	१५ ५२	१०	+२३ २२	० २	१५ ६	१२ २९	+१ ४४	उ ० ३८	द ०·११
८	९५ ४१	९६ १२	१ २	१६ २	१०	२३ २०	० ३	१५ ६	१२ २९	१ ४४	० ३६	०·१०
९	९६ ३८	९७ १४	१ २	१६ १२	११	२३ १७	० ३	१५ ७	१२ ३०	१ ४३	० ३३	०·१०
०	९७ ३५	९८ १६	१ २	१६ २३	१०	२३ १४	० ४	१५ ७	१२ ३०	१ ४३	० ३०	०·०८
१	९८ ३३	९९ १८	१ २	१६ ३३	१०	२३ १०	० ४	१५ ८	१२ ३०	१ ४२	० २६	०·०७
२	९९ ३०	१०० २०	१ २	१६ ४३	११	२३ ६	० ४	१५ ८	१२ ३०	१ ४२	० २२	०·०६
३	१०० २७	१०१ २२	१ २	१६ ५४	१०	२३ २	० ५	१५ ९	१२ ३१	१ ४१	० १८	०·०५
४	१०१ २४	१०२ २४	१ २	१७ ४	१०	२२ ५७	० ५	१५ ९	१२ ३१	१ ४१	० १३	०·०४
५	१०२ २१	१०३ २६	१ २	१७ १४	११	२२ ५२	० ५	१५ १०	१२ ३१	१ ४०	० ८	०·०२
६	१०३ १९	१०४ २८	१ २	१७ २५	१०	२२ ४७	० ६	१५ १०	१२ ३१	१ ३९	उ ० ३	द ०·०१
७	१०४ १६	१०५ ३०	१ १	१७ ३५	१०	२२ ४१	० ६	१५ १०	१२ ३१	१ ३९	द ० ३	उ ०·०१
८	१०५ १३	१०६ ३१	१ १	१७ ४५	१०	२२ ३५	० ७	१५ ११	१२ ३२	१ ३८	० ९	०·०३
९	१०६ १०	१०७ ३२	१ १	१७ ५५	११	२२ २८	० ७	१५ ११	१२ ३२	१ ३८	० १६	०·०५
१०	१०७ ७	१०८ ३३	१ २	१८ ६	१०	२२ २१	० ७	१५ १२	१२ ३२	१ ३७	० २३	०·०७
११	१०८ ५	१०९ ३५	१ १	१८ १६	१०	२२ १४	० ८	१५ १२	१२ ३२	१ ३७	० ३०	०·०८
१२	१०९ २	११० ३६	१ १	१८ २६	१०	२२ ६	० ८	१५ १२	१२ ३२	१ ३६	० ३८	०·११
१३	१०९ ५९	१११ ३७	१ १	१८ ३६	१०	२१ ५८	० ९	१५ १३	१२ ३३	१ ३६	० ४६	०·१३
१४	११० ५६	११२ ३८	१ १	१८ ४६	११	२१ ४९	० ९	१५ १३	१२ ३३	१ ३५	० ५५	०·१६
१५	१११ ५४	११३ ३९	१ १	१८ ५७	१०	२१ ४०	० ९	१५ १३	१२ ३३	१ ३५	१ ४	०·१९
१६	११२ ५१	११४ ४०	१ ०	१९ ७	१०	२१ ३१	० १०	१५ १४	१२ ३३	१ ३४	१ १३	०·२१
१७	११३ ४८	११५ ४०	१ १	१९ १७	१०	२१ २१	० १०	१५ १४	१२ ३३	१ ३३	१ २३	०·२४
१८	११४ ४५	११६ ४१	१ ०	१९ २७	१०	२१ ११	० १०	१५ १४	१२ ३३	१ ३२	१ ३३	०·२७
१९	११५ ४३	११७ ४१	१ १	१९ ३७	१०	२१ १	० ११	१५ १४	१२ ३३	१ ३१	१ ४३	०·३०
२०	११६ ४०	११८ ४२	१ ०	१९ ४७	१०	२० ५०	० ११	१५ १५	१२ ३४	१ ३१	१ ५४	०·३३
२१	११७ ३७	११९ ४२	० ५९	१९ ५७	१०	२० ३९	० १२	१५ १५	१२ ३४	१ ३०	२ ५	०·३६
२२	११८ ३४	१२० ४१	१ ०	२० ७	१०	२० २७	० १२	१५ १५	१२ ३४	१ २९	२ १७	०·४०
२३	११९ ३२	१२१ ४१	१ ०	२० १७	१०	२० १५	० १२	१५ १५	१२ ३४	१ २८	२ २९	०·४३
२४	१२० २९	१२२ ४१	० ५९	२० २७	१०	२० ३	० १२	१५ १५	१२ ३४	१ २८	२ ४१	०·४७
२५	१२१ २६	१२३ ४०	१ ०	२० ३७	१०	१९ ५१	० १३	१५ १५	१२ ३४	१ २७	२ ५३	०·५०
२६	१२२ २४	१२४ ४०	० ५९	२० ४७	१०	१९ ३८	० १३	१५ १५	१२ ३४	१ २६	३ ६	०·५४
२७	१२३ २१	१२५ ३९	० ५९	२० ५७	९	+१९ २५	० १४	१५ १५	१२ ३४	+१ २५	३ १९	उ ०·५८

सूर्य

जुलाई-आगष्ट सन १९३८ इ. श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	सा म गति विषुव काल	उदयांतर
			अं. क. वि		अ क. वि	अं.		क.		क वि.	घ प	पल
२७	३० बु	५२२६	१०१ ४ १४	२०२.१८९	० ४२ ३८	१००.३२९	०.९५६	३१.५	१.०१५६	५९ १५.५	२० ४१	+ १५
२८	२ गु	५२२७	१०२ ३ २२	२०३.१७५	० ४४ २८	१०१.३१५	०.९५६	३१.५	१.०१५५	५९ १५.६	२० ५०	१५
२९	३ शु	५२२८	१०३ २ ३०	२०४.१६०	० ४६ १५	१०२.२७१	०.९५६	३१.५	१.०१५४	५९ १५.७	२१ ०	१५
३०	४ श	५२२९	१०४ १ ३८	२०५.१४६	० ४८ १	१०३.२२७	०.९५६	३१.५	१.०१५३	५९ १५.९	२१ १०	१५
३१	५ र	५२३०	१०५ ० ४७	२०६.१३२	० ४९ ४६	१०४.१८३	०.९५७	३१.५	१.०१५०	५९ १६.०	२१ २०	१५
१	६ चं	५२३१	१०५ ५९ ५५	२०७.११७	० ५१ ३१	१०५.१४०	०.९५७	३१.५	१.०१५०	५९ १६.१	२१ ३०	१५
२	७ मं	५२३२	१०६ ५९ ३	२०८.१०३	० ५३ १४	१०६.०९७	०.९५७	३१.५	१.०१४९	५९ १६.३	२१ ४०	१५
३	८ बु	५२३३	१०७ ५८ ११	२०९.०८८	० ५४ ५७	१०७.०५४	०.९५७	३१.५	१.०१४८	५९ १६.४	२१ ५०	१५
४	९ गु	५२३४	१०८ ५७ १९	२१०.०७४	० ५६ ३२	१०८.०११	०.९५८	३१.६	१.०१४६	५९ १६.५	२१ ५९	१५
५	१० शु	५२३५	१०९ ५६ २८	२११.०६०	० ५८ २२	१०८.९६९	०.९५८	३१.६	१.०१४५	५९ १६.६	२२ ९	१४
६	११ श	५२३६	११० ५५ ३६	२१२.०४५	१ ० २	१०९.९२७	०.९५८	३१.६	१.०१४४	५९ १६.८	२२ १९	१४
७	१२ र	५२३७	१११ ५४ ४४	२१३.०३१	१ १ ४०	११०.८८५	०.९५८	३१.६	१.०१४०	५९ १६.९	२२ २९	१४
८	१३ च	५२३८	११२ ५३ ५२	२१४.०१६	१ ३ १८	१११.८४३	०.९५८	३१.६	१.०१४१	५९ १७.०	२२ ३९	१४
९	१३ मं	५२३९	११३ ५३ ०	२१५.००२	१ ४ ५५	११२.८०१	०.९५९	३१.६	१.०१३९	५९ १७.२	२२ ४९	१३
१०	१४ बु	५२४०	११४ ५२ ९	२१५.९८८	१ ६ ३१	११३.७६०	०.९५९	३१.६	१.०१३७	५९ १७.३	२२ ५९	१३
११	१५ गु	५२४१	११५ ५१ १७	२१६.९७३	१ ८ ५	११४.७१९	०.९६०	३१.६	१.०१३६	५९ १७.४	२३ ८	१३
१२	१ शु	५२४२	११६ ५० २५	२१७.९५९	१ ९ ४०	११५.६७९	०.९६०	३१.६	१.०१३४	५९ १७.६	२३ १८	१२
१३	२ श	५२४३	११७ ४९ ३३	२१८.९४४	१ ११ १२	११६.६३९	०.९६०	३१.६	१.०१३२	५९ १७.७	२३ २८	१२
१४	३ र	५२४४	११८ ४८ ४१	२१९.९३०	१ १२ ४४	११७.५९९	०.९६१	३१.६	१.०१३०	५९ १७.८	२३ ३८	१२
१५	४ चं	५२४५	११९ ४७ ५०	२२०.९१६	१ १४ १३	११८.५६०	०.९६१	३१.६	१.०१२८	५९ १७.९	२३ ४८	११
१६	५ मं	५२४६	१२० ४६ ५८	२२१.९०१	१ १५ ४२	११९.५२१	०.९६२	३१.६	१.०१२६	५९ १८.१	२३ ५८	११
१७	६ बु	५२४७	१२१ ४६ ६	२२२.८८७	१ १७ ८	१२०.४८३	०.९६१	३१.६	१.०१२४	५९ १८.२	२४ ८	११
१८	७ गु	५२४८	१२२ ४५ १४	२२३.८७२	१ १८ ३५	१२१.४४४	०.९६२	३१.६	१.०१२२	५९ १८.३	२४ १७	१०
१९	८ शु	५२४९	१२३ ४४ २२	२२४.८५८	- १ २० ०	१२२.४०६	०.९६२	३१.६	१.०१२०	५९ १८.५	२४ २७	१०
२०	९ श	५२५०	१२४ ४३ ३०	२२५.८४४	१ २१ २५	१२३.३६८	०.९६३	३१.६	१.०११८	५९ १८.८	२४ ३७	९
२१	१० र	५२५१	१२५ ४२ ३९	२२६.८२९	१ २२ ४७	१२४.३३१	०.९६३	३१.६	१.०११६	५९ १८.९	२४ ४७	८
२२	१२ च	५२५२	१२६ ४१ ४७	२२७.८१५	१ २४ ८	१२५.२९४	०.९६४	३१.६	१.०११४	५९ १८.९	२४ ५७	८
२३	१३ मं	५२५३	१२७ ४० ५५	२२८.८००	१ २५ २६	१२६.२५८	०.९६४	३१.६	१.०११२	५९ १९.०	२५ ७	७
२४	१४ बु	५२५४	१२८ ४० ३	२२९.७८६	१ २६ ४४	१२७.२२२	०.९६४	३१.७	१.०११०	५९ १९.१	२५ १७	७
२५	३० गु	५२५५	१२९ ३९ ११	२३०.७७१	१ २७ ५९	१२८.१८६		३१.७	१.०१०८	५९ १९.२	२५ २६	+ ६

सूर्य

जुलाई–अगस्ट सन १९३८ ई श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य		सा.स्प.र. विषुवांश		दिन गति		स्प.रवि विषुव काल		वृद्धि	सा.स्प.र क्रांति		दिनगति		इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल				चर		नतांश		दशांगुल छाया
	अ	क	अं	क	अं	क	घ	प	पल	अं	क	अं	क	घ	प	स्टैं घं	मि	घ	प			
२७	१२३	२१	१२५	३९	०	५९	२०	५७	९	+१९	२५	०	१३	१५	१५	१२	३४	+१	२५	द ३	१९	उ ०.५८
२८	१२४	१८	१२६	३८	०	५९	२१	६	१०	१९	११	०	१४	१५	१५	१२	३४	१	२४	३	३३	०.६२
२९	१२५	१६	१२७	३७	०	५९	२१	१६	१०	१८	५७	०	१४	१५	१५	१२	३४	१	२३	३	४७	०.६६
३०	२६	१३	१२८	३६	०	५८	२१	२६	१०	१८	४३	०	१४	१५	१५	१२	३४	१	२२	४	१	०.७०
३१	२७	१०	१२९	३४	०	५९	२१	३६	१०	१८	२९	०	१५	१५	१५	१२	३४	१	२१	४	१५	०.७४
१	१२८	८	१३०	३३	०	५८	२१	४६	९	१८	१४	०	१५	१५	१५	१२	३४	१	२०	४	३०	०.७९
२	१२९	५	१३१	३१	०	५९	२१	५५	१०	१७	५९	०	१५	१५	१५	१२	३४	१	१९	४	४५	०.८३
३	१३०	३	१३२	३०	०	५८	२२	५	१०	१७	४४	०	१५	१५	१५	१२	३४	१	१७	५	०	०.८७
४	१३१	०	१३३	२८	०	५८	२२	१५	९	१७	२९	०	१६	१५	१५	१२	३४	१	१६	५	१५	०.९२
५	१३१	५८	१३४	२६	०	५७	२२	२४	१०	१७	१३	०	१६	१५	१४	१२	३३	१	१५	५	३१	०.९७
६	३२	५५	१३५	२३	०	५७	२२	३४	९	१६	५७	०	१७	१५	१४	१२	३३	१	१४	५	४७	१.०१
७	१३३	५२	१३६	२०	०	५८	२२	४३	१०	१६	४०	०	१७	१५	१४	१२	३३	१	१२	६	४	१.०६
८	१३४	५०	१३७	१८	०	५७	२२	५३	१०	१६	२३	०	१७	१५	१४	१२	३३	१	११	६	२१	१.११
९	३५	४७	१३८	१५	०	५७	२३	३	९	१६	६	०	१७	१५	१३	१२	३३	१	१०	६	३८	१.१६
१०	१३६	४५	१३९	१२	०	५७	२३	१२	१०	१५	४९	०	१७	१५	१३	१२	३३	१	८	६	५५	१.२१
११	१३७	४३	१४०	९	०	५७	२३	२२	९	१५	३२	०	१८	१५	१३	१२	३३	१	७	७	१२	१.२६
१२	१३८	४०	१४१	६	०	५७	२३	३१	१०	१५	१४	०	१८	१५	१२	१२	३२	१	६	७	३०	१.३२
१३	१३९	३८	१४२	३	०	५६	२३	४१	९	१४	५६	०	१८	१५	१२	१२	३२	१	४	७	४८	१.३७
१४	१४०	३५	१४२	५९	०	५७	२३	५०	९	१४	३८	०	१८	१५	१२	१२	३२	१	३	८	६	१.४२
१५	१४१	३३	१४३	५६	०	५६	२३	५९	१०	१४	२०	०	१९	१५	११	१२	३२	१	२	८	२४	१.४८
१६	१४२	३१	१४४	५२	०	५६	२४	९	९	१४	१	०	१९	१५	११	१२	३२	१	१	८	४३	१.५३
१७	४३	२८	१४५	४८	०	५६	२४	१८	९	१३	४२	०	१९	१५	११	१२	३२	०	५९	९	२	१.५९
१८	१४४	२६	१४६	४४	०	५६	२४	२७	१०	१३	२३	०	१९	१५	१०	१२	३१	०	५८	९	२१	१.६५
१९	१४५	२४	१४७	४०	०	५५	२४	३७	९	१३	४	०	२०	१५	१०	१२	३१	०	५६	९	४०	१.७०
२०	१४६	२१	१४८	३५	०	५६	२४	४६	९	१२	४४	०	२०	१५	९	१२	३१	०	५५	१०	०	१.७६
२१	१४७	१९	१४९	३१	०	५६	२४	५५	१०	१२	२४	०	२०	१५	८	१२	३०	०	५३	१०	२०	१.८२
२२	१४८	१७	१५०	२७	०	५५	२५	५	९	१२	४	०	२०	१५	८	१२	३०	०	५२	१०	४०	१.८८
२३	१४९	१५	१५१	२२	०	५५	२५	१४	९	११	४४	०	२०	१५	७	१२	३०	०	५०	११	०	१.९४
२४	१५०	१२	१५२	१७	०	५५	२५	२३	९	११	२४	०	२०	१५	७	१२	३०	०	४९	११	२०	२.००
२५	१५१	१०	१५३	१२	०	५५	२५	३२	९	+११	४	०	२१	१५	६	१२	२९	+०	४७	द ११	४०	उ २.०६

सूर्य

अगस्ट—सप्टेंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	सा.म. रवि विषुव काल	उदयांतर
			अं क वि		अ क वि	अ		क		क वि	घ प	पल
२५	३० गु	५२५५	१२९ ३९ ११	२३०·७७१	− १ २७ ५९	१२८·१८६	०·९६५	३१·७	१·०१०८	५९ १९·२	२५ २६	+ ६
२६	१ शु	५२५६	१३० ३८ २०	२३१·७५७	१ २९ १५	१२९·१५१	०·९६५	३१·७	१·०१०६	५९ १९·४	२५ ३६	६
२७	२ श	५२५७	१३१ ३७ २८	२३२·७४३	१ ३० २९	१३०·११६	०·९६६	३१·७	१·०१०४	५९ १९·५	२५ ४६	५
२८	३ र	५२५८	१३२ ३६ ३६	२३३·७३८	१ ३१ ५	१३१·०८२	०·९६६	३१·७	१·०१०२	५९ १९·६	२५ ५३	४
२९	४ चं	५२५९	१३३ ३५ ४४	२३४·७१४	१ ३२ ५१	१३२·०४८	०·९६७	३१·७	१·००९९	५९ १९·८	२६ ६	४
३०	५ मं	५२६०	१३४ ३४ ५२	२३५·७००	१ ३३ ५९	१३३·०१५	०·९६७	३१·७	१·००९७	५९ १९·९	२६ १६	३
३१	६ बु	५२६१	१३५ ३४ ६	२३६·६८५	१ ३५ ६	१३३·९८२	०·९६७	३१·७	१·००९५	५९ २०·०	२६ २३	२
१	७ गु	५२६२	१३६ ३३ ८	२३७·६७१	१ ३६ ११	१३४·९४९	०·९६८	३१·७	१·७०९३	५९ २०·२	२६ ३५	१
२	८ शु	५२६३	१३७ ३२ १७	२३८·६५६	१ ३७ १५	१३५·९१७	०·९६८	३१·७	१·००९०	५९ २०·३	२६ ४५	०
३	९ श	५२६४	१३८ ३१ २५	२३९·६४२	१ ३८ १८	१३६·८८५	०·९६९	३१·८	१·००८८	५९ २०·४	२६ ५५	− १
४	१० र	५२६५	१३९ ३० ३३	२४०·६२८	१ ३९ १८	१३७·८५४	०·९७०	३१·८	१·००८५	५९ २०·६	२७ ५	२
५	११ चं	५२६६	१४० २९ ४२	२४१·६०३	१ ४० १८	१३८·८२४	०·९७०	३१·८	१·००८३	५९ २०·७	२७ १५	२
६	१२ मं	५२६७	१४१ २८ ५०	२४२·५९९	१ ४१ १३	१३९·७९४	०·९७०	३१·८	१·००८०	५९ २०·९	२७ २५	३
७	१३ बु	५२६८	१४२ २७ ५८	२४३·५८४	१ ४२ ७	१४०·७६४	०·९७१	३१·८	१·००७८	५९ २१·०	२७ ३५	४
८	१४ गु	५२६९	१४३ २७ ६	२४४·५७०	१ ४३ २	१४१·७३५	०·९७१	३१·८	१·००७५	५९ २१·२	२७ ४४	५
९	१५ शु	५२७०	१४४ २६ १४	२४५·५५६	१ ४३ ५३	१४२·७०६	०·९७२	३१·८	१·००७३	५९ २१·३	२७ ५४	५
१०	१ श	५२७१	१४५ २५ २३	२४६·५४१	१ ४४ ४३	१४३·६७८	०·९७२	३१·८	१·००७०	५९ २१·४	२८ ०४	६
११	२ र	५२७२	१४६ २४ ३१	२४७·५२७	१ ४५ ३२	१४४·६५०	०·९७४	३१·८	१·००६७	५९ २१·६	२८ १४	७
१२	३ च	५२७३	१४७ २३ ३९	२४८·५१२	१ ४६ १७	१४५·६२३	०·९७५	३१·८	१·००६५	५९ २१·७	२८ २४	८
१३	४ मं	५२७४	१४८ २२ ४७	२४९·४९८	१ ४७ २	१४६·५९४	०·९७६	३१·८	१·००६२	५९ २१·८	२८ ३४	९
१४	५ बु	५२७५	१४९ २१ ५५	२५०·४८४	१ ४७ ४६	१४७·५७०	०·९७४	३१·८	१·००५९	५९ २१·९	२८ ४४	१०
१५	६ गु	५२७६	१५० २१ ४	२५१·४६९	१ ४८ २५	१४८·५४४	०·९७५	३१·८	१·००५७	५९ २२·१	२८ ५३	१०
१६	७ शु	५२७७	१५१ २० १२	२५२·४५५	१ ४९ ४	१४९·५१९	०·९७५	३१·८	१·००५४	५९ २२·२	२९ ०३	११
१७	८ श	५२७८	१५२ १९ २०	२५३·४४०	१ ४९ ४१	१५०·४९४	०·९७६	३१·८	१·००५१	५९ २२·३	२९ १३	११
१८	९ र	५२७९	१५३ १८ २८	२५४·४२६	१ ५० १५	१५१·४७०	०·९७६	३१·८	१·००४८	५९ २२·५	२९ २३	१२
१९	१० चं	५२८०	१५४ १७ ३६	२५५·४११	१ ५० ३८	१५२·४४६	०·९७७	३१·८	१·००४५	५९ २२·६	२९ ३३	१३
२०	११ मं	२८१	१५५ १६ ४४	२५६·३९७	१ ५१ २०	१५३·४२३	०·९७८	३१·८	१·००४२	५९ २२·७	२९ ४३	१४
२१	१२ बु	५२८२	१५६ १५ ५३	२५७·३८३	१ ५१ ४९	१५४·४०१	०·९७८	३१·८	१·००३९	५९ २२·९	२९ ५३	१५
२२	१३ गु	५२८३	१५७ १५ १	२५८·४६८	१ ५२ १६	१५५·३७९	०·९७९	३१·८	१·००३७	५९ २३·०	३० ०२	१५
२३	३० शु	५२८४	१५८ १४ ९	२५९·३५४	− १ ५२ ४१	१५६·३५८		३१·८	१·००३४	५९ २३·१	३० १२	−१६

सूर्य

अगस्ट—सप्टेंबर सन १९३८ इ भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य		सा.स्प.र. विषुवांश		दिन गति		स्प.रवि विषुव का		[illegible]	सा.स्प.र. क्रांति		दिनगति		इन्दोर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल				चर		नतांश		दशांगुल छाया
	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	घ.	प.	पल	अं.	क.	अं	क.	घ.	प.	९० घं.	मि.	घ	प			
२५	१५१	१०	१५३	१२	०	५५	२५	३२	९	+११	४	०	२१	१५	६	१२	२९	०	४७	द११	४०	उ २.०६
२६	१५२	८	१५४	७	०	५६	२५	४१	१०	१०	४३	०	२१	१५	६	१२	२९	०	४६	१२	१	२.१३
२७	१५३	६	१५५	३	०	५४	२५	५[illegible]	९	१०	२२	०	२१	१५	५	१२	२९	०	४४	१२	२[illegible]	२.१९
२८	१५४	४	१५५	५७	०	५५	२६	०	९	१०	१	०	२१	१५	४	१२	२८	०	४[illegible]	१२	४३	२.२६
२९	१५५	२	१५६	५२	०	५५	२६	९	९	९	४०	०	२१	१५	४	१२	२८	०	४१	१३	४	२.३२
३०	१५६	०	१५७	४७	०	५४	२६	१८	९	९	१९	०	२२	१५	३	१२	२८	०	४०	१३	२[illegible]	२.३९
३१	१५६	५८	१५८	४१	०	५४	२६	२७	९	८	५७	०	२१	१५	२	१२	२८	०	३८	१३	४७	२.४५
१	१५७	५६	१५९	३५	०	५५	२६	३६	९	८	३६	०	२२	१५	१	१२	२७	०	३७	१४	८	२.५२
२	१५८	५४	१६०	३०	०	५५	२६	४५	९	८	१४	०	२२	१५	०	१२	२७	०	३५	१४	३०	२.५९
३	१५९	५२	१६१	२५	०	५४	२६	५४	९	७	५२	०	२२	१४	५९	१२	२७	०	३४	१४	५२	२.६५
४	१६०	५१	१६२	१९	०	५५	२७	३	९	७	३०	०	२२	१४	५८	१२	२७	०	३२	१५	१४	२.७२
५	१६१	४९	१६३	१४	०	५४	२७	१२	९	७	८	०	२३	१४	५८	१२	२७	०	३१	१५	३६	२.७९
६	१६२	४७	१६४	८	०	५४	२७	२१	९	६	४६	०	२२	१४	५७	१२	२७	०	२९	१५	५८	२.८६
७	१६३	४५	१६५	२	०	५४	२७	३०	९	६	२४	०	२३	१४	५६	१२	२६	०	२८	१६	२०	२.९३
८	१६४	४४	१६५	५६	०	५४	२७	३९	९	६	१	०	२३	१४	५५	१२	२६	०	२६	१६	४३	३.००
९	१६५	४२	१६६	५०	०	५४	२७	४८	९	५	३८	०	२२	१४	५५	१२	२६	०	२४	१७	६	३.०८
१०	१६६	४०	१६७	४४	०	५४	२७	५७	९	५	१६	०	२३	१४	५४	१२	२५	०	२३	१७	२८	३.१५
११	१६७	३८	१६८	३८	०	५४	२८	६	९	४	५३	०	२३	१४	५२	१२	२५	०	२१	१७	५१	३.२२
१२	१६८	३७	१६९	३२	०	५४	२८	२५	९	४	३०	०	२३	१४	५३	१२	२४	०	१९	१८	१४	३.२९
१३	१६९	३५	१७०	२६	०	५४	२८	२४	९	४	७	०	२३	१४	५१	१२	२४	०	१८	१८	३७	३.३७
१४	१७०	३४	१७१	२०	०	५३	२८	३३	९	३	४४	०	२३	१४	५०	१२	२३	०	१६	१९	०	३.४४
१५	१७१	३२	१७२	१३	०	५४	२८	४२	९	३	२१	०	२३	१४	५०	१२	२३	०	१५	१९	२३	३.५२
१६	१७२	३०	१७३	७	०	५४	२८	५१	९	२	५८	०	२३	१४	४९	१२	२३	०	१३	१९	४६	३.५९
१७	१७३	२९	१७४	१	०	५४	२९	०	९	२	३५	०	२३	१४	४९	१२	२३	०	११	२०	९	३.६७
१८	१७४	२८	१७४	५५	०	५४	२९	९	९	२	१२	०	२३	१४	४८	१२	२[illegible]	०	१०	२०	३२	३.७५
१९	१७५	२६	१७५	४९	०	५४	२९	१८	९	१	४९	०	२४	१४	४७	१२	२[illegible]	०	८	२०	५५	३.८२
२०	१७६	२५	१७६	४३	०	५३	२९	२७	९	१	२५	०	२३	१४	४६	१२	२१	०	६	२१	१९	३.९०
२१	१७७	२३	१७७	३६	०	५४	२९	३६	९	१	२	०	२३	१४	४५	१२	२०	०	४	२१	४२	३.९८
२२	१७८	२२	१७८	३०	०	५४	२९	४५	९	०	३९	०	२३	१४	४५	१२	२०	०	३	२२	५	४.०६
२३	१७०	२१	१७९	२४	०	५४	२९	५४	९	+०	१६	०	२४	१४	४४	१२	२०	०	१	द२२	२८	उ ४.११

सूर्य

सप्टेम्बर-अक्टूबर सन १९३८ इ   आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	मा. म. रवि विषुव काल	उदयांतर
			अं. क. वि.		अं. क वि	अं		क		क. वि.	घ. प	पल
२३	३० शु	५२८४	१५८ १४ ९	२५९·३५४	१ ५२ ४१	१५६·३५८	०·९७९	३१·८	१·००३४	५९ २३·१	३० १२	– १६
२४	१ श	५२८५	१५४ १३ १७	२६०·३४०	– १ ५३ ५	१५७·३३७	०·९८०	३१·९	१·००३१	५९ २३·२	३० २२	१७
२५	२ र	५२८६	१६० १२ २०	२६१·३२५	१ ५३ २६	१५८·३१७	०·९८०	३१·९	१·००२८	५९ २३·४	३० ३२	१८
२६	३ चं	५२८७	१६१ ११ ३४	२६२·३१६	१ ५३ ४५	१५९·२९७	०·८८१	३१·९	१·००२५	५९ २३·५	३० ४२	१९
२७	४ मं	५२८८	१६२ १० ४२	२६३·२९५	१ ५४ ३	१६०·२७८	०·९८१	३१·९	१·७०२२	५९ २३ ६	३० ५२	२०
२८	५ बु	५२८९	१६३ ९ ५०	२६४·२८२	१ ५४ १७	१६१·२५९	०·९८२	३१·९	१·००२०	५९ २३·८	३१ २	२०
२९	६ गु	५२९०	१६४ ८ ५८	२६५·२६८	१ ५४ ३१	१६२·२४१	०·९८२	३१·९	१·००१७	५९ २३·९	३१ ११	२१
३०	७ शु	५२९१	१६५ ८ ६	२६६·२५४	१ ५४ ४२	१६३·२२३	०·९८३	३१·९	१·००१४	५९ २४·०	३१ २१	२२
१	८ श	५२९२	१६६ ७ १५	२६७·२३९	१ ५४ ५१	१६४·२०६	०·९८४	३१·९	१·००११	५९ २४·१	३१ ३१	२३
२	९ र	५२९३	१६७ ६ २३	२६८·२२५	१ ५४ ५९	१६५·१९०	०·९८४	३१·९	१·०००८	५९ २४·३	३१ ४१	२४
३	९ चं	५२९४	१६८ ५ ३१	२६९·२१०	१ ५५ ४	१६६·१७४	०·९८५	३२·०	१·०००५	५९ २४·४	३१ ५१	२५
४	१० मं	५२९५	१६९ ४ ३९	२७०·१९६	१ ५५ ७	१६७·१५९	०·९८५	३२·०	१·०००२	५९ २४·५	३२ १	२६
५	११ बु	५२९६	१७० ३ ४७	२७१·१८२	१ ५५ ८	१६८·१४४	०·९८६	३२·०	१·००००	५९ २४·७	३२ ११	२७
६	१२ गु	५२९७	१७१ २ ५६	२७२·१६७	१ ५५ ७	१६९·१३०	०·९८६	३२·०	०·९९९७	५९ २४·८	३२ २०	२८
७	१३ शु	५२९८	१७२ २ ४	२७३·१५३	१ ५५ ४	१७०·११६	०·९८७	३२·०	०·९९९४	५९ २४·९	३२ ३०	२८
८	१४ श	५२९९	१७३ १ १२	२७४·१३८	१ ५४ ५९	१७१·१०३	०·९८८	३२·०	०·९९९१	५९ २५·१	३२ ४०	२९
९	१५ र	५३००	१७४ ० २०	२७५·१२४	१ ५४ ५२	१७२·०९१	०·९८८	३२·०	०·९९८८	५९ २५·२	३२ ५०	३०
१०	१ चं	५३०१	१७४ ५९ २८	२७६·११०	१ ५४ ४३	१७३·०७९	०·९८९	३२·०	०·९९८५	५९ २५·३	३३ ०	३१
११	२ मं	५३०२	१७५ ५८ ३७	२७७·०९५	१ ५४ ३१	१७४·०६८	०·९८९	३२·०	०·९९८२	५९ २५·५	३३ १०	३१
१२	३ बु	५३०३	१७६ ५७ ४५	२७८· ८१	१ ५४ १८	१७५·०५७	०·९९०	३२·०	०·९९७९	५९ २५·६	३३ २०	३२
१३	४ गु	५३ ४	१७७ ५६ ५३	२७९·०६६	१ ५४ ३	१७६·०४[illegible]	०·९९१	३२·०	०·९९७७	५९ २५·७	३३ २९	३२
१४	५ शु	५३०५	१७८ ५६ १	२८०·०५२	१ ५३ ४०	१७७·०[illegible]८	०·९९१	३२·१	०·९९७४	५९ २५·८	३३ ३९	३३
१५	७ श	५३०६	१७९ ५५ ९	२८१·०३८	१ ५३ २६	१७८·०२९	०·९९२	३२·१	०·९९७१	५९ २६·०	३३ ४९	३४
१६	८ र	५३०७	१८० ५४ १७	२८२·०२३	१ ५३ ५	१७९·०२१	०·९९२	३२·१	०·९९६८	५९ २६·१	३३ ५९	३४
१७	९ चं	५३०८	१८१ ५३ २६	२८३·००९	१ ५२ ४१	१८०·०१३	०·९९२	३२·१	०·९९६५	५९ २६·२	३४ ९	३५
१८	१० मं	५३०९	१८२ ५२ ३४	२८३·९९४	१ ५२ १६	१८१·००५	०·९९४	३२·१	०·९९६३	५९ २६·४	३४ १९	३५
१९	११ बु	५३१०	१८३ ५१ ४२	२८४·९८०	१ ५१ ४८	१८१·९९९	०·९९३	३२·१	०·९९६०	५९ २६·५	३४ २९	३६
२०	१२ गु	५३११	१८४ ५० ५०	२८५·९६६	१ ५१ १८	१८२·९९२	०·९९४	३२·१	०·९९५७	५९ २६·६	३४ ३८	३६
२१	१३ शु	५३१२	१८५ ४९ ५८	२८६·९५१	१ ५० ४७	१८३·९८६	०·९९५	३२·१	०·९९५४	५९ २६·[illegible]	३४ ४८	३७
२२	१४ श	५३१३	१८६ ४९ ७	२८७·९३७	१ ५० १४	१८४·९८१	०·९९६	३२·१	०·९९५१	५९ २६·९	३४ ५८	३७
२३	३० र	५३१४	१८७ ४८ १५	२८८·९२२	– १ ४९ ३८	१८५·९७७		३२·१	०·९९४८	५९ २७·०	३५ ८ –	३८

सप्टेंबर—अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य	सा.स्प.र. विषुवांश	दिन गति	स्प.रवि विषुव काल	दिन गति	सा.स्प.र. क्रांति	दिनगति	इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल		चर	नतांश	दशांगुल छाया
	अं क	अं क	अं क	घ प	पल	अं क	अं क	घ प	स्टँ घं मि	घ. प.	अं क	
२३	१७९ २१	१७९ २४	० ५४	२९ ५४	९	+ ० १६	० २४	१४ ४४	१२ २०	+ ० १	द २२ २८	उ ४·११
२४	१८० २०	१८० १८	० ५४	३० ३	९	− ० ८	० २३	१४ ४३	१२ २०	− ० १	२२ ५२	४·२२
२५	१८१ १८	१८१ १२	० ५४	३० १२	९	० ३१	० २४	१४ ४२	१२ २०	० ३	२३ १५	४·३०
२६	१८२ १७	१८२ ६	० ५४	३० २१	९	० ५५	० २३	१४ ४१	१२ १९	० ४	२३ ३९	४·३८
२७	१८३ १६	१८३ ०	० ५४	३० ३०	९	१ १८	० २३	१४ ४०	१२ १९	० ६	२४ २	४·४६
२८	१८४ १५	१८३ ५४	० ५४	३० ३९	९	१ ४१	० २४	१४ ४०	१२ १९	० ८	२४ २५	४·५४
२९	१८५ १४	१८४ ४८	० ५४	३० ४८	९	२ ५	० २३	१४ ३९	१२ १९	० १०	२४ ४९	४·६२
३०	१८६ १३	१८५ ४२	० ५५	३० ५७	९	२ २८	० २३	१४ ३८	१२ १८	० ११	२५ १२	४·७१
१	१८७ १२	१८६ ३७	० ५४	३१ ६	९	− २ ५१	० २४	१४ ३७	१२ १८	० १३	२५ ३५	४·७९
२	१८८ ११	१८७ ३१	० ५४	३१ १५	९	३ १५	० २३	१४ ३६	११ १७	० १४	२५ ५९	४·८७
३	१८९ १०	१८८ २५	० ५५	३१ २४	९	३ ३८	० २३	१४ ३५	१२ १७	० १५	२७ २२	४·९६
४	१९० ९	१८९ २०	० ५४	३१ ३३	९	४ १	० २३	१४ ३४	१२ १७	० १७	२६ ४५	५·०४
५	१९१ ८	१९० १४	० ५४	३१ ४२	९	४ २४	० २३	१४ ३३	१२ १६	० १९	२७ ८	५·१२
६	१९२ ७	१९१ ८	० ५५	३१ ५१	१०	४ ४७	० २३	१४ ३२	१२ १६	० २०	२७ ३१	५·२१
७	१९३ ६	१९२ ३	० ५५	३२ १	९	५ १०	० २३	१४ ३२	१२ १६	० २२	२७ ५४	५·३०
८	१९४ ६	१९२ ५८	० ५५	३२ १०	९	५ ३३	० २३	१४ ३१	१२ १५	० २४	२८ १७	५·३८
९	१९५ ५	१९३ ५३	० ५५	३२ १९	९	५ ५६	० २३	१४ ३०	१२ १५	० २५	२८ ४०	५·४७
१०	१९६ ४	१९४ ४८	० ५५	३२ २८	९	− ६ १९	० २३	१४ २९	१२ १४	० २७	२९ ३	५·५५
११	१९७ ३	१९५ ४३	० ५६	३२ ३७	१०	६ ४२	० २३	१४ २९	१२ १४	० २८	२९ २६	५·६४
१२	१९८ ३	१९६ ३९	० ५५	३२ ४७	९	७ ५	० २२	१४ २८	१२ १४	० ३०	२९ ४९	५·७३
१३	१९९ २	१९७ ३४	० ५६	३२ ५६	९	७ २७	० २३	१४ २८	१२ १४	० ३२	३० ११	५·८२
१४	२०० २	१९८ ३०	० ५५	३३ ५	९	७ ५०	० २२	१४ २७	१२ १४	० ३३	३० ३४	५·९१
१५	२०१ १	१९९ २५	० ५६	३३ १४	१०	८ १२	० २३	१४ २६	१२ १३	० ३५	३० ५६	५·९९
१६	२०२ १	२०० २१	० ५६	३३ २४	९	− ८ ३५	० २२	१४ २६	१२ १३	० ३६	३१ १९	६·०८
१७	२०३ ०	२०१ १७	० ५६	३३ ३३	९	८ ५७	० २२	१४ २५	१२ १३	० ३८	३१ ४१	६·१७
१८	२०४ ०	२०२ १३	० ५६	३३ ४२	१०	९ १९	० २१	१४ २५	१२ १३	० ४०	३२ ३	६·२६
१९	२०४ ५९	२०३ ९	० ५६	३३ ५२	९	९ ४०	० २२	१४ २४	१२ १३	० ४१	३२ २४	६·३५
२०	२०५ ५९	२०४ ५	० ५७	३४ १	९	१० २	० २२	१४ २४	१२ १३	० ४३	३२ ४६	६·४४
२१	२०६ ५९	२०५ २	० ५६	३४ १०	१०	१० २४	० २१	१४ २३	१२ १२	० ४४	३३ ८	६·५३
२२	२०७ ५८	२०५ ५८	० ५७	३४ २०	९	१० ४५	० २२	१४ २३	१२ १२	० ४६	३३ २९	६·६१
२३	२०८ ५८	२०६ ५५	० ५८	३४ २९	१०	११ ७	० २१	१४ २२	१२ १२	− ० ४७	द ३३ ५१	उ ६·७१

सूर्य

अक्टूबर–नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	सा.म.गत विषुव काल	उदयांतर
			अं. क. वि.		अं. क. वि.	अं		क,		क. वि.	घटि पल	पल
२३	३० र	५३१४	१८७ ४८ १५	२८८·९२२	१ ४९ ३८	१८५·९७७	०·९९६	३२·१	०·९९४८	५९ २७·०	३५ ८	३८
२४	१ चं	५३१५	१८८ ४७ २३	२८९·९०८	–१ ४९ १	१८६·९७३	०·९९६	३२·२	०·९९४५	५९ २७·१	३५ १८	–३८
२५	२ मं	५३१६	१८९ ४६ ३७	२९०·८९४	१ ४८ २२	१८७·९६९	०·९९७	३२·२	०·९९४२	५९ २७·३	३५ २८	३९
२६	३ बु	५३१७	१९० ४५ ३९	२९१·८८९	१ ४७ ४०	१८८·९६६	०·९९८	३२·२	०·९९३९	५९ २७·४	३५ ३८	३९
२७	४ गु	५३१८	१९१ ४४ ४८	२९२·८६५	१ ४६ ५७	१८९·९६४	०·९९९	३२·२	०·९९३७	५९ २७·५	३५ ४७	३९
२८	५ शु	५३१९	१९२ ४३ ५६	२९३·८५०	१ ४६ १	१९०·९६३	०·९९९	३२·२	०·९९३४	५९ २७·७	३५ ५७	३९
२९	६ श	५३२०	१९३ ४३ ४	२९४·८३६	१ ४५ २४	१९१·९६२	०·९९९	३२·२	०·९९३२	५९ २७·८	३६ ७	४०
३०	७ र	५३२१	१९४ ४२ १२	२९५·८२२	१ ४४ ३५	१९२·९६१	१·०००	३२·२	०·९९२९	५९ २७·९	३६ १७	४०
३१	८ चं	५३२२	१९५ ४१ २०	२९६·८०७	–१ ४३ ४३	१९३·९६१	१·०००	३२·२	०·९९२७	५९ २८·०	३६ २७	–४०
१	९ मं	५३२३	१९६ ४० २९	२९७·७९३	१ ४२ ५०	१९४·९६१	१·००१	३२·२	०·९९२४	५९ २८·२	३६ ३७	४०
२	१० बु	५३२४	१९७ ३९ ३७	२९८·७७८	१ ४१ ५५	१९५·९६२	१·००१	३२·३	०·९९२२	५९ २८·३	३६ ४७	४०
३	११ गु	५३२५	१९८ ३८ ४५	२९९·७६४	१ ४० ५८	१९६·९६३	१·००२	३२·३	०·९९१९	५९ २८·४	३६ ५६	४०
४	११ शु	५३२६	१९९ ३७ ५३	३००·७५०	१ ४० ०	१९७·९६५	१·००२	३२·३	०·९९१७	५९ २८·६	३७ ६	४१
५	१२ श	५३२७	२०० ३७ १	३०१·७३५	१ ३८ ५९	१९८·९६७	१·००३	३२·३	०·९९१४	५९ २८·७	३७ १६	४१
६	१३ र	५३२८	२०१ ३६ ९	३०२·७११	१ ३७ ४८	१९९·९७०	१·००३	३२·३	०·९९११	५९ २८·८	३७ २६	४१
७	१५ चं	५३२९	२०२ ३५ १८	३०३·७०६	१ ३६ ५४	२००·९७३	१·००४	३२·३	०·९९०९	५९ २९·०	३७ ३३	४०
८	१ मं	५३३०	२०३ ३४ २६	३०४·६९२	–१ ३५ ४८	२०१·९७७	१·००४	३२·३	०·९९०७	५९ २९·१	३७ ४६	–४०
९	२ बु	५३३१	२०४ ३३ ३४	३०५·६७८	१ ३४ ४०	२०२·९८१	१·००५	३२·३	०·९९०४	५९ २९·२	३७ ५६	४०
१०	३ गु	५३३२	२०५ ३२ ४२	३०६·६८३	१ ३३ ३१	२०३·९८६	१·००६	३२·३	०·९९०२	५९ २९·४	३८ ५	४०
११	४ शु	५३३३	२०६ ३१ ५०	३०७·६४९	१ ३२ २०	२०४·९९२	१·००६	३२·३	०·९९००	५९ २९·५	३८ १५	४०
१२	५ श	५३३४	२०७ २९ ५९	३०८·६३४	१ ३१ ८	२०५·९९८	१·००६	३२·३	०·९८९७	५९ २९·६	३८ २५	४०
१३	६ र	५३३५	२०८ ३० ७	३०९·६२६	१ २९ ५२	२०७·००४	१·००७	३२·४	०·९८९५	५९ २९·७	३८ ३५	४०
१४	७ चं	५३३६	२०९ ३० १५	३१०·६०६	१ २८ ३६	२०८·०११	१·००७	३२·४	०·९८९३	५९ २९·९	३८ ४५	३९
१५	८ मं	५३३७	२१० २८ २३	३११·५९१	–१ २७ २०	२०९·०१८	१·००८	३२·४	०·९८९०	५९ ३०·०	३८ ५५	–३९
१६	९ बु	५३३८	२११ २७ ३१	३१२·५७७	१ २५ ५९	२१०·०२६	१·००८	३२·४	०·९८८८	५९ ३०·१	३९ ५	३९
१७	११ गु	५३३९	२१२ २६ ४०	३१३·५६२	१ २४ ३७	२११·०३४	१·००८	३२·४	०·९८८६	५९ ३०·३	३९ १४	३८
१८	१२ शु	५३४०	२१३ २५ ४८	३१४·५४८	१ २३ १६	२१२·०४२	१·००९	३२·४	०·९८८४	५९ ३०·४	३९ २४	३८
१९	१३ श	५३४१	२१४ २४ ५६	३१५·५३४	१ २१ ५३	२१३·०५१	१·००९	३२·४	०·९८८२	५९ ३०·५	३९ ३४	३७
२०	१४ र	५३४२	२१५ २४ ४	३१६·५१९	१ २० २७	२१४·०६०	१·०१०	३२·४	०·९८८०	५९ ३०·७	३९ ४४	३७
२१	३० चं	५३४३	२१६ २३ १२	३१७·५०५	१ १९ ०	२१५·०७०		३२·४	०·९८७८	५९ ३०·८	३९ ५४	३६

अक्टूबर नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य		सा.स्प.र. विषुवांश		दिन गति		स्प. रवि विषुव काल			सा.स्प.र. क्रांति		दिनगति		इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल.				चर		नतांश		दशांगुल छाया
	अं.	क.	अं.	क.	अं	क	घ.	प.	प	अं.	क.	अं.	क.	घटि	पल	स्टैं	घं. मि.	घटि	पल	अं.	क.	
२३	२०८	५८	२०६	५५	०	५८	३४	२९	१०	-११	७	०	२१	१४	२२		१२ १२	-०	४७	द ३३	५१	उ ६·७१
२४	२०९	५८	२०७	५३	०	५७	३४	३९	९	११	२८	०	२१	१४	२२		१२ १२	०	४९	३४	१४	६·८०
२५	२१०	५८	२०८	५०	०	५७	३४	४८	१०	११	४९	०	२०	१४	२१		१२ ११	०	५०	३४	३३	६·८९
२६	२११	५७	२०९	४७	०	५७	३४	५८	९	१२	९	०	२१	१४	२१		१२ ११	०	५२	३४	५३	६·९७
२७	२१२	५७	२१०	४४	०	५८	३५	७	१०	१२	३०	०	२०	१४	२१		१२ ११	०	५३	३५	१४	७·०६
२८	२१३	५७	२११	४२	०	५८	३५	१७	१०	१२	५०	०	२०	१४	२१		१२ ११	०	५५	३५	३४	७·१५
२९	२१४	५७	२१२	४०	०	५८	३५	२७	९	१३	१०	०	२०	१४	२०		१२ ११	०	५६	३५	५४	७·२४
३०	२१५	५७	२१३	३८	०	५९	३५	३६	१०	१३	३०	०	२०	१४	२०		१२ ११	०	५८	३६	१४	७·३३
३१	२१६	५७	२१४	३७	०	५८	३५	४६	१०	-१३	५०	०	२०	१४	२०		१२ ११	०	५९	३६	३४	७·४२
१	२१७	५७	२१५	३५	०	५९	३५	५६	१०	१४	१०	०	१९	१४	२०		१२ ११	१	१	३६	५४	७·५१
२	२१८	५७	२१६	३४	०	५८	३६	६	९	१४	२९	०	१९	१४	२०		१२ ११	१	२	३७	१३	७·५९
३	२१९	५७	२१७	३२	०	५९	३६	१५	१०	१४	४८	०	१९	१४	२०		१२ ११	१	४	३७	३२	७·६८
४	२२०	५७	२१८	३१	१	०	३६	२५	१०	१५	७	०	१९	१४	१९		१२ ११	१	५	३७	५१	७·७७
५	२२१	५८	२१९	३१	१	०	३६	३५	१०	१५	२६	०	१८	१४	१९		१२ ११	१	७	३८	१०	७·८६
६	२२२	५८	२२०	३१	०	५९	३६	४५	१०	१५	४४	०	१८	१४	१९		१२ ११	१	८	३८	२८	७·९४
७	२२३	५८	२२१	३०	१	०	३६	५५	१०	१६	२	०	१८	१४	२०		१२ ११	१	१०	३८	४६	८·०३
८	२२४	५८	२२२	३०	१	०	३७	५	१०	-१६	२०	०	१७	१४	२०		१२ ११	१	११	३९	४	८·१२
९	२२५	५८	२२३	३०	१	१	३७	१५	१०	१६	३७	०	१८	१४	२०		१२ ११	१	१२	३९	२१	८·२०
१०	२२६	५९	२२४	३१	१	०	३७	२५	१०	१६	५५	०	१७	१४	२०		१२ ११	१	१३	३९	३९	८·२९
११	२२७	५९	२२५	३१	१	१	३७	३५	१०	१७	१२	०	१६	१४	२०		१२ ११	१	१५	३९	५६	८·३७
१२	२२८	५९	२२६	३२	१	१	३७	४५	११	१७	२८	०	१६	१४	२०		१२ ११	१	१६	४०	१२	८·४५
१३	२३०	०	२२७	३३	१	१	३७	५६	१०	१७	४४	०	१६	१४	२०		१२ ११	१	१७	४०	२८	८·५३
१४	२३१	०	२२८	३४	१	२	३८	६	१०	१८	०	०	१६	१४	२१		१२ ११	१	१८	४०	४४	८·६१
१५	२३२	१	२२९	३६	१	१	३८	१६	१०	-१८	१६	०	१६	१४	२१		१२ ११	१	२०	४१	०	८·६९
१६	२३३	१	२३०	३७	१	२	३८	२६	११	१८	३२	०	१५	१४	२१		१२ ११	१	२१	४१	१६	८·७७
१७	२३४	२	२३१	३९	१	२	३८	३७	१०	१८	४७	०	१५	१४	२२		१२ १२	१	२२	४१	३१	८·८५
१८	२३५	२	२३२	४१	१	३	३८	४७	१०	१९	२	०	१४	१४	२२		१२ १२	१	२४	४१	४६	८·९३
१९	२३६	३	२३३	४४	१	२	३८	५७	११	१९	१६	०	१४	१४	२३		१२ १२	१	२५	४२	०	९·००
२०	२३७	३	२३४	४६	१	३	३९	८	१०	१९	३०	०	१४	१४	२३		१२ १२	१	२६	४२	१४	९·०८
२१	२३८	४	२३५	४९	१	२	३९	१८	११	१९	४४	०	१३	१४	२४		१२ १३	-१	२७	द ४२	२८	उ ९·१५

सूर्य

नवम्बर-डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	स्प. म. रवि विषुव काल	उदयांतर
			अं. क. बि.		अं. क. वि.	अं		क.		क. बि.	घ. प.	पल
२१	३० चं	५३४३	२१६ २३ १२	३१७·५०५	१ १९ ०	२१५·०७०	१·०१०	३२·४	०·९८७८	५९ ३०·८	३९ ५४	३६
२२	१ मं	५३४४	२१७ २२ २१	३१८·४९०	-१ १७ ३०	२१६·०८०	१·०११	३२·४	०·९८७६	५९ ३०·९	४० ४	-३५
२३	१ बु	५३४५	२१८ २१ २९	३१९·४७६	१ १६ १	२१७·०९१	१·०११	३२·४	०·९८७४	५९ ३१·०	४० १४	३५
२४	२ गु	५३४६	२१९ २० ३७	३२०·४६१	१ १४ २८	२१८ १०२	१·०११	३२·४	०·९८७२	५९ ३१·२	४० २३	३४
२५	३ शु	५३४७	२२० १९ ४५	३२१·४४७	१ १२ ५७	२१९·११३	१·०१२	३२·४	०·९८७०	५९ ३१·३	४० ३३	३३
२६	४ श	५३४८	२२१ १८ ५३	३२२·४३२	१ ११ १२	२२०·१२५	१·०१२	३२·४	०·९८६८	५९ ३१·४	४० ४३	३३
२७	५ र	५३४९	२२२ १८ २	३२३·४१८	१ ९ ४७	२२१·१३७	१·०१३	३२·४	०·९८६६	५९ ३१·६	४० ५३	३२
२८	६ चं	५३५०	२२३ १७ १०	३२४·४०४	१ ८ ९	२२२·१५०	१·०१३	३२·४	०·९८६४	५९ ३१·७	४१ ३	३१
२९	७ मं	५३५१	२२४ १६ १८	३२५·३८९	१ ६ ३४	२२३·१६३	१·०१३	३२·४	०·९८६३	५९ ३१·८	४१ १३	३०
३०	८ बु	५३५२	२२५ १५ २६	३२६·३७५	१ ४ ५३	२२४·१७६	१·०१३	३२·४	०·९८६१	५९ ३२·०	४१ २३	२९
१	९ गु	५३५३	२२६ १४ ३४	३२७·३६०	१ ३ ११	२२५·१८९	१·०१४	३२·४	०·९८५९	५९ ३२·१	४१ ३२	२९
२	१० शु	५३५४	२२७ १३ ४२	३२८·३४६	१ १ ३०	२२६·२०३	१·०१४	३२·४	०·९८५८	५९ ३२·२	४१ ४२	२८
३	११ श	५३५५	२२८ १२ ५१	३२९·३३२	० ५९ ४८	२२७·२१७	१·०१५	३२·४	०·९८५६	५९ ३२·३	४१ ५२	२७
४	१२ र	५३५६	२२९ ११ ५९	३३०·३१७	० ५८ ४	२२८·२३२	१·०१५	३२·५	०·९८५५	५९ ३२·५	४२ २	२६
५	१३ चं	५३५७	२३० ११ ७	३३१·३०३	० ५६ १६	२२९·२४७	१·०१५	३२·५	०·९८५३	५९ ३२·६	४२ १२	२५
६	१४ मं	५३५८	२३१ १० १५	३३२·२८८	० ५४ ३२	२३०·२६२	१·०१५	३२·५	०·९८५२	५९ ३२·७	४२ २२	२४
७	१५ बु	५३५९	२३२ ९ २३	३३३·२७४	० ५२ ४४	२३१·२७७	१·०१६	३२·५	०·९८५१	५९ ३२·९	४२ ३२	२३
८	१ गु	५३६०	२३३ ८ ३२	३३४·२६०	० ५० ५७	२३२·२९३	१·०१६	३२·५	०·९८४९	५९ ३३·०	४२ ४१	२२
९	२ शु	५३६१	२३४ ७ ४०	३३५·२४५	० ४९ ८	२३३·३०९	१·०१६	३२·५	०·९८४८	५९ ३३·१	४२ ५१	२१
१०	४ श	५३६२	२३५ ६ ४८	३३६·२३१	० ४७ १८	२३४·३२५	१·०२०	३२·५	०·९८४७	५९ ३३·३	४३ १	२०
११	५ र	५३६३	२३६ ५ ५६	३३७·२१६	० ४५ २८	२३५·३४५	१·०१३	३२·५	०·९८४६	५९ ३३·४	४३ ११	१९
१२	६ चं	५३६४	२३७ ५ ४	३३८·२०२	० ४३ ३६	२३६·३५८	१·०१७	३२·५	०·९८४५	५९ ३३·५	४३ २१	१८
१३	७ मं	५३६५	२३८ ४ १३	३३९·१८८	० ४१ ४४	२३७·३७५	१·०१७	३२·५	०·९८४४	५९ ३३·७	४३ ३१	१६
१४	८ बु	५३६६	२३९ ३ २१	३४०·१७३	० ३९ ५०	२३८·३८२	१·०२७	३२·५	०·९८४३	५९ ३३·८	४३ ४१	१५
१५	९ गु	५३६७	२४० २ २९	३४१·१५९	० ३७ ५७	२३९·४०९	१·०१७	३२·५	०·९८४२	५९ ३३·९	४३ ५०	१४
१६	१० शु	५३६८	२४१ १ ३०	३४२·१४४	० ३६ ०	२४०·४२६	१·०१८	३२·५	०·९८४१	५९ ३४·०	४४ ०	१३
१७	११ श	५३६९	२४२ ० ४५	३४३·१३०	० ३४ ५	२४१·४४४	१·०१८	३२·५	०·९८४०	५९ ३४·२	४४ १०	१२
१८	१२ र	५३७०	२४२ ५९ ५४	३४४·११६	० ३२ ८	२४२·४६२	१·०१८	३२·५	०·९८३९	५९ ३४·३	४४ २०	१०
१९	१३ चं	५३७१	२४३ ५९ २	३४५·१०१	० ३० १३	२४३·४८०	१·०१८	३२·५	०·९८३८	५९ ३४·४	४४ ३०	९
२०	१४ मं	५३७२	२४४ ५८ १०	३४६·०८७	० २८ १६	२४४·४९८	१·०१९	३२·५	०·९८३८	५९ ३४·६	४४ ४०	८
२१	३० बु	५३७३	२४५ ५७ १८	३४७·०७२	-० २६ १८	२४५·५१७		३२·५	०·९८३७	५९ ३४·७	४४ ५०	- ६

नवंबर—डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्य का वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य	सा.स्प.र. विषुवांश	दिन गति	स्प. रवि विषुव काल	पल	सा.स्प.र. क्रांति	दिनगति	इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल		चर	नतांश	दशांगुल छाया
	अ. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प	पल	अ. क.	अं. क.	घ. प.	स्टैं.घं. मि	घटि पल	अं क.	
२१	२३८ ४	२३५ ४९	१ २	३९ १८	११	−१९ ४४	० १३	१४ २४	१२ १३	१ २७	द४२ २८	उ९·१५
२२	२३९ ४	२३६ ५१	१ ३	३९ २९	१०	१९ ५७	० १३	१४ २५	१२ १३	− १ २८	४२ ४१	९·२२
२३	२४० ५	२३७ ५४	१ ४	३९ ३९	११	२० १०	० १३	१४ २५	१२ १३	१ २९	४२ ५४	९·२९
२४	२४१ ६	२३८ ५८	१ ३	३९ ५०	१०	२० २३	० १२	१४ २६	१२ १३	१ ३०	४३ ७	९·३६
२५	२४२ ६	२४० १	१ ३	४० ०	११	२० ३५	० १२	१४ २७	१२ १४	१ ३१	४३ १९	९·४३
२६	२४३ ७	२४१ ४	१ ५	४० ११	११	२० ४७	० १२	१४ २७	१२ १४	१ ३२	४३ ३१	९·५०
२७	२४४ ८	२४२ ९	१ ४	४० २२	१०	२० ५९	० ११	१४ २८	१२ १४	१ ३३	४३ ४३	९·५६
२८	२४५ ९	२४३ १३	१ ४	४० ३२	११	२१ १०	० ११	१४ २९	१२ १४	१ ३४	४३ ५४	९·६२
२९	२४६ ९	२४४ १७	१ ४	४० ४३	११	२१ २१	० १०	१४ ३०	१२ १५	१ ३५	४४ ५	९·६९
३०	२४७ १०	२४५ २१	१ ५	४० ५४	१०	−२१ ३१	० १०	१४ ३१	१२ १५	− १ ३६	४४ १५	९·७४
१	२४८ ११	२४६ २६	१ ४	४१ ४	११	२१ ४१	० ९	१४ ३१	१२ १५	१ ३६	४४ २५	९·८०
२	२४९ १२	२४७ ३०	१ ५	४१ १५	११	२१ ५०	० ९	१४ ३२	१२ १६	१ ३७	४४ ३४	९·८५
३	२५० १३	२४८ ३५	१ ५	४१ २६	११	२१ ५९	० ९	१४ ३३	१२ १६	१ ३८	४४ ४३	९·९०
४	२५१ १३	२४९ ४०	१ ५	४१ ३७	११	२२ ८	० ८	१४ ३४	१२ १७	१ ३९	४४ ५२	९·९५
५	२५२ १४	२५०.४५	१ ५	४१ ४८	१०	२२ १६	० ८	१४ ३५	१२ १७	१ ३९	४५ ०	१०·००
६	२५३ १५	२५१ ५०	१ ६	४१ ५८	११	२२ २४	० ७	१४ ३६	१२ १७	१ ४०	४५ ८	१०·०५
७	२५४ १६	२५२ ५६	१ ५	४२ ९	११	२२ ३१	० ७	१४ ३७	१२ १८	१ ४०	४५ १५	१०·०९
८	२५५ १७	२५४ १	१ ६	४२ २०	११	−२२ ३८	० ७	१४ ३८	१२ १८	− १ ४१	४५ २२	१०·१३
९	२५६ १८	२५५ ७	१ ६	४२ ३१	११	२२ ४५	० ६	१४ ३९	१२ १९	१ ४१	४५ २९	१० १७
१०	२५७ १९	२५६ १३	१ ६	४२ ४२	११	२२ ५१	० ५	१४ ४०	१२ १९	१ ४२	४५ ३५	१०·२१
११	१५८ २०	२५७ १९	१ ६	४२ ५३	११	२२ ५६	० ५	१४ ४१	१२ १९	१ ४२	४५ ४०	१०·२४
१२	२५९ २१	२५८ २५	१ ६	४३ ४	११	२३ १	० ५	१४ ४२	१२ २०	१ ४३	४५ ४५	१०·२७
१३	२६० २२	२५९ ३१	१ ६	४३ १५	११	२३ ६	० ४	१४ ४४	१२ २०	१ ४३	४५ ५०	१०·३०
१४	२६१ २३	२६० ३७	१ ७	४३ २६	११	−२३ १०	० ४	१४ ४५	१२ २१	− १ ४३	४५ ५४	१०·३२
१५	२६२ २४	२६१ ४४	१ ६	४३ ३७	११	२३ १४	० ३	१४ ४६	१२ २१	१ ४४	४५ ५८	१०·३४
१६	२६३ २५	२६२ ५०	१ ६	४३ ४८	११	२३ १७	० ३	१४ ४७	१२ २२	१ ४४	४६ १	१० ३६
१७	२६४ २६	२६३ ५६	१ ७	४३ ५९	१३	२३ २०	० २	१४ ४८	१२ २२	१ ४४	४६ ४	१०·३८
१८	२६५ २७	२६५ ३	१ ६	४४ १२	१०	२३ २२	० २	१४ ५०	१२ २३	१ ४४	४६ ६	१०·३९
१९	२६६ २८	२६६ ९	१ ७	४४ २२	११	२३ २४	० १	१४ ५१	१२ २४	१ ४५	४६ ८	१०·४०
२०	२६७ ३०	२६७ १६	१ ७	४४ ३३	११	२३ २५	० १	१४ ५२	१२ २४	१ ४५	४६ ९	१०·४१
२१	२६८ ३१	२६८ २३	१ ७	४४ ४४	११	२३ २६	० १	१४ ५४	१२ २५	१ ४५	४६ १०	१०·४२

सूर्य

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	सा. म. रवि विषुव काल	उदयांतर
			अं. क. वि		अं. क. वि.	अं.		क.		क. वि.	घ. प.	पल
२१	३० बु	५३७३	२४५ ५७ १८	३४७.०७२	० २६ १८	२४५.५१७	१.०१९	३२.५	०.९८३७	५९ ३४.७	४४ ५०	६
२२	१ गु	५३७४	२४६ ५६ २६	३४८.०५८	-० २४ २०	२४६.५३६	१.०१८	३२.५	०.९८३६	५९ ३४.८	४४ ५९	- ५
२३	२ शु	५३७५	२४७ ५५ ३५	३४९.०४४	० २२ २२	२४७.५५४	१.०१९	३२.५	०.९८३५	५९ ३४.९	४५ ९	४
२४	३ श	५३७६	२४८ ५४ ४३	३५०.०२९	० २० २१	२४८.५७३	१.०१८	३२.५	०.९८३५	५९ ३५.१	४५ १९	२
२५	३ र	५३७७	२४९ ५३ ५१	३५१.०१५	० १८ २१	२४९.५९१	१.०१९	३२.६	०.९८३४	५९ ३५.२	४५ २९	- १
२६	४ चं	५३७८	२५० ५२ ५९	३५२.०००	० १६ २२	२५०.६१०	१.०१९	३२.६	०.९८३४	५९ ३५.३	४५ ३९	+ १
२७	५ मं	५३७९	२५१ ५२ ७	३५२.९८६	० १४ २२	२५१.६२९	१.०१९	३२.६	०.९८३३	५९ ३५.५	४५ ४९	२
२८	६ बु	५३८०	२५२ ५१ १६	३५३.९७२	० १२ २२	२५२.६४८	१.०२०	३२.६	०.९८३३	५९ ३५.६	४५ ५९	३
२९	७ गु	५३८१	२५३ ५० २४	३५४.९५७	० १० २१	२५३.६६८	१.०१९	३२.६	०.९८३३	५९ ३५.७	४६ ८	४
३०	८ शु	५३८२	२५४ ४९ ३२	३५५.९४३	-० ८ १८	२५४.६८७	१.०१९	३२.६	०.९८३२	५९ ३५.९	४६ १८	+ ६
३१	९ श	५३८३	२५५ ४८ ४०	३५६.९२८	० ६ १८	२५५.७०६	१.०१९	३२.६	०.९८३२	५९ ३६.०	४६ २८	७
१	१० र	५३८४	२५६ ४७ ४८	३५७.९१४	० ४ १७	२५६.७२५	१.०१९	३२.६	०.९८३२	५९ ३६.२	४६ ३८	८
२	११ चं	५३८५	२५७ ४६ ५६	३५८.९००	० २ १६	२५७.७४४	१.०२०	३२.६	०.९८३२	५९ ३६.३	४६ ४८	९
३	१२ मं	५३८६	२५८ ४६ ५	३५९.८८५	-० ० १४	२५८.७६४	१.०१९	३२.६	०.९८३२	५९ ६६.५	४६ ५८	१०
४	१३ बु	५३८७	२५९ ४५ १३	०००.८६१	+० १ ४७	२५९.७८३	१.०२०	३२.६	०.९८३२	५९ ३६.६	४७ ८	११
५	१५ गु	५३८८	२६० ४४ २१	१.८५६	० ३ ४८	२६०.८०३	१.०१९	३२.६	०.९८३२	५९ ३६.७	४७ १७	१२
६	१ शु	५३८९	२६१ ४३ २९	२.८४२	+० ५ ५१	२६१.८२२	१.०१९	३२.६	०.९८३२	५९ ३६.९	४७ २७	+१३
७	२ श	५३९०	२६२ ४२ ३७	३.८२८	० ७ ५२	२६२.८४१	१.०१९	३२.६	०.९८३२	५९ ३७.०	४७ ३७	१५
८	३ र	५३९१	२६३ ४१ ४६	४.८१३	० ९ ५३	२६३.८६०	१.०१९	३२.६	०.९८३३	५९ ३७.१	४७ ४७	१६
९	४ चं	५३९२	२६४ ४० ५४	५.७९९	० ११ ५३	२६४.८७९	१.०२०	३२.६	०.९८३३	५९ ३७.३	४७ ५७	१७
१०	५ मं	५३९३	२६५ ४० २	६.७८४	० १३ ५३	२६५.८९९	१.०१९	३२.६	०.१८३३	५९ ३७.४	४८ ७	१८
११	६ बु	५३९४	२६६ ३९ १०	७.७७०	० १५ ५३	२६६.९१८	१.०१९	३२.६	०.९८३४	५९ ३७.५	४८ १७	१९
१२	७ गु	५३९५	२६७ ३८ १८	८.७५६	० १७ ५३	२६७.९३७	१.०१९	३२.६	०.९८३४	५९ ३७.६	४८ २६	२०
१३	८ शु	५३९६	२६८ ३७ २७	९.७४१	+० १९ ५५	२६८.९५६	१.०१९	३२.६	०.९८३५	५९ ३७.८	४८ ३६	+२१
१४	९ श	५३९७	२६९ ३६ ३५	१०.७२७	० २१ ५४	२६९.९७५	१.०१८	३२.६	०.९८३५	५९ ३७.९	४८ ४६	२२
१५	१० र	५३९८	२७० ३५ ४३	११.७१२	० २३ ५२	२७०.९९३	१.०१८	३२.६	०.९८३६	५९ ३८.०	४८ ५६	२३
१६	११ चं	५३९९	२७१ ३४ ५१	१२.६९८	० २५ ५०	२७२.०११	१.०१९	३२.६	०.९८३७	५९ ३८.२	४९ ६	२४
१७	१२ मं	५४००	२७२ ३३ ५९	१३.६८४	० २७ ४८	२७३.०३०	१.०१८	३२.६	०.९८३८	५९ ३८.३	४९ १६	२५
१८	१३ बु	५४०१	२७३ ३३ ८	१४.६६९	० २९ ४५	२७४.०४८	१.०१८	३२.६	०.९८३८	५९ ३८.४	४९ २६	२६
१९	१४ गु	५४०२	२७४ ३२ १६	१५.६५५	० ३१ ४०	२७५.०६६	१.०१८	३२.६	०.९८३९	५९ ३८.५	४९ ३५	२७
२०	३० शु	५४०३	२७५ ३१ २४	१६.६४०	० ३३ ३८	२७६.०८४		३२.६	०.९८४०	५९ ३८.६	४९ ४५	२८

डिसेंबर–जनवरी सन १९३८–३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित ।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य		सा.स्प.र. विषुवांश		दिन गति		स्प.रवि विषुव काल			सा.स्प.र. क्रांति		दिनगति		इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल				चर		नतांश		दशांगुल छाया
	अं	क	अं	क	अं	क	घ	प	पल	अं	क	अं	क	घ	प	घं	म	घ	प	अं	क	
२१	२६८	३१	२६८	२३	१	७	४४	४४	११	२३	२६	०	१	१४	५४	१२	२५	१	४५	४५	१०	१०.४२
२२	२६९	३२	२६९	३०	१	७	४४	५५	११	-२३	२७	०	०	१४	५५	१२	२५	-१	४५	द४६	११	उ१०.४२
२३	२७०	३४	२७०	३७	१	६	४५	६	११	२३	२७	०	१	१४	५६	१२	२६	१	४५	४६	११	१०.४२
२४	३७१	३४	२७१	४३	१	६	४५	१७	११	२३	२६	०	१	१४	५८	१२	२७	१	४५	४६	१०	१०.४२
२५	१७२	३५	२७२	४९	१	६	४५	२८	११	२३	२५	०	१	१४	५९	१२	२७	१	४५	४६	९	१०.४१
२६	२७३	३६	२७३	५५	१	७	४५	३९	११	२३	२४	०	२	१५	१	१२	२७	१	४५	४६	८	१०.४०
२७	२७४	३७	२७५	२	१	६	४५	५०	११	२३	२२	०	२	१५	२	१२	२८	१	४५	४६	६	१०.३९
२८	२७५	३८	२७६	८	१	७	४६	१	१२	२३	२०	०	३	१५	३	१२	२८	१	४५	४६	४	१०.३८
२९	२७६	४०	२७७	१५	१	७	४६	१३	११	२३	१७	०	४	१५	४	१२	२९	१	४५	४६	१	१०.३६
३०	२७७	४१	२७८	२२	१	६	४६	२४	११	२३	१३	०	४	१५	६	१२	२९	१	४४	४५	५७	१०.३४
३१	२७८	४२	२७९	२८	१	६	४६	३५	११	२३	९	०	४	१५	७	१२	३०	१	४४	४५	५३	१०.३१
१	२७९	४३	२८०	३४	१	६	४६	४६	११	२३	५	०	४	१५	८	१२	३१	१	४४	४५	४९	१०.२९
२	२८०	४४	२८१	४०	१	६	४६	५७	११	२३	१	०	५	१५	९	१२	३१	१	४३	४५	४५	१०.२७
३	२८१	४५	२८२	४६	१	६	४७	८	११	२२	५६	०	६	१५	१०	१२	३१	१	४३	४५	४०	१०.२४
४	२८२	४७	२८३	५४	१	५	४७	१९	११	२२	५०	०	६	१५	११	१२	३२	१	४२	४५	३४	१०.२०
५	२८३	४८	२८४	५९	१	६	४७	३०	११	२२	४४	०	७	१५	१२	१२	३२	१	४२	४५	२८	१०.१६
६	२८४	४९	२८६	५	१	६	४७	४१	११	२२	३७	०	७	१५	१३	१२	३३	१	४१	४५	२१	१०.१२
७	२८५	५०	२८७	११	१	५	४७	५२	११	२२	३०	०	७	१५	१५	१२	३४	१	४०	४५	१४	१०.०८
८	२८६	५१	२८८	१६	१	६	४८	३	११	२२	२३	०	८	१५	१६	१२	३४	१	४०	४५	७	१०.०४
९	२८७	५२	२८९	२२	१	६	४८	१४	११	२२	१५	०	८	१५	१७	१२	३५	१	३९	४४	५९	९.९९
१०	२८८	५४	२९०	२८	१	५	४८	२५	११	२२	७	०	९	१५	१८	१२	३५	१	३८	४४	५१	९.९५
११	२८९	५५	२९१	३३	१	५	४८	३६	१०	२१	५८	०	९	१५	१९	१२	३५	१	३७	४४	४२	९.९०
१२	१९०	५६	२९२	३८	१	५	४८	४६	११	२१	४९	०	९	१५	२०	१२	३५	१	३७	४४	३३	९.८४
१३	२९१	५७	२९३	४३	१	५	४८	५७	११	२१	४०	०	१०	१५	२१	१२	३५	१	३६	४४	२४	९.७९
१४	२९२	५८	२९४	४८	१	४	४९	८	११	२१	३०	०	११	१५	२२	१२	३६	१	३५	४४	१४	९.७४
१५	२९३	५९	२९५	५२	१	५	४९	१९	११	२१	१९	०	११	१५	२३	१२	३६	१	३४	४४	३	९.६७
१६	२९५	०	२९६	५७	१	४	४९	३०	१०	२१	८	०	११	१५	२४	१२	३७	१	३३	४३	५२	९.६१
१७	२९६	१	२९८	१	१	४	४९	४०	११	२०	५७	०	१२	१५	२५	१२	३७	१	३२	४३	४१	९.५५
१८	२९७	२	२९९	५	१	५	४९	५१	११	२०	४५	०	१२	१५	२६	१२	३७	१	३१	४३	२९	९.४८
१९	२९८	४	३००	१०	१	४	५०	२	१०	२०	३३	०	१२	१५	२७	१२	३७	१	३०	४३	१७	९.४२
२०	२९९	५	३०१	१४	१	३	५०	१२	११	-२०	२१	०	१३	१५	२८	१२	३८	-१	२९	द४३	५	उ ९.३५

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	स्प. म. रवि विषुव काल	उदयांतर
			अं क. वि	अं	अं क वि	अं	अं	क		क वि	घ. प.	पल
२०	३० शु	५४०३	२७५ ३१ २४	१६.६४०	० ३३ ३८	२७६.०८४	१.०१८	३२.६	०.९८४०	५९ ३८.७	४९ ४५	२८
२१	१ श	५४०४	२७६ ३० ३२	१७.६२६	+० ३५ ३५	२७७.१०२	१.०१७	३२.६	०.९८४१	५९ ३८.८	४९ ५५	+ २९
२२	२ र	५४०५	२७७ २९ ४०	१८.६११	० ३७ ३०	२७८.११९	१.०१८	३२.६	०.९८४२	५९ ३८.९	५० ५	३०
२३	३ सो	५४०६	२७८ २८ ४९	१९.५९७	० ३९ २४	२७९.१३७	१.०१७	३२.६	०.९८४३	५९ ३९.१	५० १५	३१
२४	४ मं	५४०७	२७९ २७ ५७	२०.५८३	० ४१ १८	२८०.१५४	१.०१७	३२.५	०.९८४४	५९ ३९.२	५० २५	३२
२५	५ बु	५४०८	२८० २७ ५	२१.५६८	० ४३ १०	२८१.१७१	१.०१७	३२.५	०.९८४५	५९ ३९.३	५० ३४	३२
२६	६ गु	५४०९	२८१ २६ १३	२२.५५४	० ४५ १	२८२.१८८	१.०१६	३२.५	०.९८४६	५९ ३९.५	५० ४४	३३
२७	६ शु	५४१०	२८२ २५ २१	२३.५४०	० ४६ ५२	२८३.२०४	१.०१६	३२.५	०.९८४७	५९ ३९.६	५० ५४	३३
२८	७ श	५४११	२८३ २४ २९	२४.५२५	० ४८ ४४	२८४.२२०	१.०१६	३२.५	०.९८४८	५९ ३९.७	५१ ४	३३
२९	८ र	५४१२	२८४ २३ ३८	२५.५११	+० ५० ३३	२८५.२३६	१.०१६	३२.५	०.९८४९	५९ ३९.८	५१ १४	+ ३४
३०	९ सो	५४१३	२८५ २२ ४६	२६.४९६	० ५२ २१	२८६.२५२	१.०१६	३२.५	०.९८५१	५९ ४०.०	५१ २४	३४
३१	११ मं	५४१४	२८६ २१ ५४	२७.४८२	० ५४ ७	२८७.२६८	१.०१५	३२.५	०.९८५२	५९ ४०.१	५१ २४	३४
१	१२ बु	५४१५	२८७ २१ २	२८.४६८	० ५५ ५२	२८८.२८३	१.०१५	३२.५	०.९८५३	५९ ४०.२	५१ ४३	३५
२	१३ गु	५४१६	२८८ २० १०	२९.४५३	० ५४ ३९	२८९.२९८	१.०१४	३२.५	०.९८५४	५९ ४०.४	५१ ५३	३५
३	१४ शु	५४१७	२८९ १९ १९	३०.४३९	० ५९ २४	२९०.३१२	१.०१४	३२.५	०.९८५५	५९ ४०.५	५२ ३	३५
४	१५ श	५४१८	२९० १८ २७	३१.४२४	१ १ ७	२९१.३२६	१.०१४	३२.५	०.९८५६	५९ ४०.६	५२ १३	३६
५	१ र	५४१९	२९१ १७ ३५	३२.४१०	+१ २ ४९	२९२.३४०	१.०१४	३२.५	०.९८५८	५९ ४०.८	५२ २३	+ ३६
६	३ सो	५४२०	२९२ १६ ४३	३३.३९६	१ ४ ३१	२९३.३५४	१.०१३	३१.५	०.९८६०	५९ ४०.९	५२ ३३	३६
७	४ मं	५४२१	२९३ १५ ५१	३४.३८१	१ ६ ८	२९४.३६७	१.०१३	३२.५	०.९८६१	५९ ४१.०	५२ ४३	३६
८	५ बु	५४२२	२९४ १५ ०	३५.३६७	१ ७ ४७	२९५.३८०	१.०१२	३२.५	०.९८६३	५९ ४१.२	५२ ५२	३६
९	६ गु	५४२३	२९५ १४ ८	३६.३५२	१ ९ २५	२९६.३९२	१.०१२	३२.५	०.९८६५	५९ ४१.३	५३ २	३६
१०	७ शु	५४२४	२९६ १३ १६	३७.३३८	१ ११ ०	२९७.४०४	१.०१२	३२.५	०.९८६७	५९ ४१.४	५३ १२	३७
११	८ श	५४२५	२९७ १२ २४	३८.३२४	+१ १२ ३४	२९८.४१६	१.०१२	३२.५	०.९८६९	५९ ४१.५	५३ २२	३७
१२	९ र	५४२६	२९८ ११ ३२	३९.३०९	१ १४ ०८	२९९.४२८	१.०११	३२.५	०.९८७१	५९ ४१.७	५३ ३२	३७
१३	१० सो	५४२७	२९९ १० ४१	४०.२९५	१ १५ ४१	३००.४३९	१.०११	३२.४	०.९८७३	५९ ४१.८	५३ ४३	३७
१४	११ मं	५४२८	३०० ९ ४९	४१.२८०	१ १७ ११	३०१.४५०	१.०१०	३२.४	०.९८७५	५९ ४१.९	५३ ५२	३७
१५	१२ बु	५४२९	३०१ ८ ५७	४२.२६६	१ १८ ३९	३०२.४६०	१.०१०	३२.४	०.९८७७	५९ ४२.१	५४ १	३६
१६	१२ गु	५४३०	३०२ ८ ५	४३.२५१	१ २० ०४	३०३.४७०	१.००९	३२.४	०.९८७९	५९ ४२.२	५४ ११	३६
१७	१३ शु	५४३१	३०३ ७ १३	४४.२३७	१ २१ ३२	३०४.४७९	१.००९	३२.४	०.९८८१	५९ ४२.३	५४ २१	३६
१८	१४ श	५४३२	३०४ ६ २२	४५.२२३	१ २२ ५६	३०५.४८८	१.००९	३२.४	०.९८८३	५९ ४२.४	५४ ३१	३६
१९	३० र	५४३३	३०५ ५ ३०	४६.२०८	१ २४ २०	३०६.४९७		३२.४	०.९८८५	५९ ४२.६	५४ ४१	+ ३५

सूर्य

जनवरी–फरवरी सन १९३९ इ.   माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य		मा स्प.र विषुवांश		दिन गति		स्प.रवि विषुव काल		[illegible]	सा.स्प.र. क्रांति		दिनगति		इन्दौर शहर का स्थानिक — याम्योत्तर लंघन काल				चर		नतांश		दशांगुल छाया
	अं	क	अं	क	अं	क	घ	प	पल	अं	क	अं	क	घ	प	स्टैं घं	म	घ	प			
२०	२९९	५	३०१	१४	१	३	५०	१२	११	२०	२१	०	१३	१५	२८	१२	३८	१	२९	४३	५	९·३५
२१	३००	६	३०२	१७	१	३	५०	२३	१०	−२०	८	०	१३	१५	२९	१२	३९	−१	२८	४२	५२	९·२८
२२	३०१	७	३०३	२०	१	४	५०	३३	११	१९	५५	०	१४	१५	३०	१२	३९	१	२७	४२	३९	९·२१
२३	३०२	८	३०४	२४	१	३	५०	४४	११	१९	४१	०	१४	१५	३१	१२	३९	१	२६	४२	२५	९·१४
२४	३०३	९	३०५	२७	१	३	५०	५५	१०	१९	२७	०	१४	१५	३२	१२	४०	१	२५	४२	११	९·०६
२५	३०४	१०	३०६	३०	१	२	५१	५	१०	१९	१३	०	१४	१५	३२	१२	४०	१	२४	४१	५७	८·९९
२६	३०५	११	३०७	३२	१	३	५१	१५	११	१८	५९	०	१५	१५	३३	१२	४१	१	२३	४१	४३	८·९१
२७	३०६	१२	३०८	३५	१	२	५१	२६	१०	१८	४४	०	१५	१५	३३	१२	४१	१	२२	४१	२८	८·८४
२८	३०७	१३	३०९	३७	१	२	५१	३६	११	१८	२९	०	१६	१५	३३	१२	४१	१	२१	४१	१३	८·७६
२९	३०८	१४	३१०	३९	१	२	५१	४७	१०	−१८	१३	०	१६	१५	३४	१२	४१	−१	२०	४०	५७	८·६८
३०	३०९	१५	३११	४१	१	२	५१	५७	१०	१७	५७	०	१६	१५	३४	१२	४१	१	१९	४०	४१	८·६०
३१	३१०	१६	३१२	४३	१	१	५२	७	१०	१७	४१	०	१७	१५	३४	१२	४१	१	१७	४०	२५	८·५२
१	३११	१७	३१३	४४	१	१	५२	१७	११	१७	२४	०	१७	१५	३५	१२	४१	१	१६	४०	८	८·४४
२	३१२	१८	३१४	४५	१	१	५२	२८	१०	१७	७	०	१७	१५	३५	१२	४१	१	१५	३९	५१	८·३५
३	३१३	१८	३१५	४६	१	१	५२	३८	१०	१६	५०	०	१८	१५	३५	१२	४१	१	१३	३९	३४	८·२६
४	३१४	१९	३१६	४७	१	१	५२	४८	१०	१६	३२	०	१८	१५	३६	१२	४१	१	१२	३९	१६	८·१८
५	३१५	२०	३१७	४८	१	०	५२	५८	१०	−१६	१४	०	१८	१५	३६	१२	४१	−१	११	३८	५८	८·०९
६	३१६	२१	३१८	४८	१	१	५३	८	१०	१५	५६	०	१८	१५	३६	१२	४१	१	१०	३८	४०	८·००
७	३१७	२२	३१९	४९	०	५९	५३	१८	१०	१५	३८	०	१८	१५	३६	१२	४१	१	८	३८	२२	७·९२
८	३१८	२२	३२०	४८	१	०	५३	२८	१०	१५	२०	०	१९	१५	३६	१२	४१	१	७	३८	४	७·८३
९	३१९	२३	३२१	४८	१	०	५३	३८	१०	१५	१	०	१९	१५	३६	१२	४१	१	५	३७	४५	७·७४
१०	३२०	२४	३२२	४८	१	०	५३	४८	१०	१४	४२	०	१९	१५	३७	१२	४२	१	४	३७	२६	७·६५
११	३२१	२५	३२३	४८	०	५९	५३	५८	१०	−१४	२३	०	२०	१५	३७	१२	४२	−१	२	३७	७	७·५७
१२	३२२	२५	३२४	४७	०	५९	५४	८	१०	१४	३	०	२०	१५	३७	१२	४२	१	१	३६	४७	७·४८
१३	३२३	२६	३२५	४६	०	५९	५४	१८	१०	१३	४३	०	२०	१५	३७	१२	४२	१	५९	३६	२७	७·३९
१४	३२४	२७	३२६	४५	०	५८	५४	२८	९	१३	२३	०	२०	१५	३७	१२	४२	१	५७	३६	७	७·३०
१५	३२५	२७	३२७	४३	०	५९	५४	३७	१०	१३	३	०	२१	१५	३६	१२	४१	१	५६	३५	४७	७·२१
१६	३२६	२८	३२८	४२	०	५८	५४	४७	१०	१२	४२	०	२१	१५	३६	१२	४१	१	५४	३५	२६	७·१२
१७	३२७	२८	३२९	४०	०	५८	५४	५७	९	१२	२१	०	२१	१५	३६	१२	४१	१	५३	३५	५	७·०२
१८	३२८	२९	३३०	३८	०	५८	५५	६	१०	१२	०	०	२१	१५	३६	१२	४१	१	५१	३४	४४	६·९३
१९	३२९	२९	३३१	३६	०	५८	५५	१६	१०	११	३९	०	२१	१५	३५	१२	४१	१	५०	३४	२३	६·८४

सूर्य

फरवरी–मार्च सन १९३१ इ. **फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्यका वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम रवि	रवि मंद केंद्र	मंदफल	स्पष्ट रवि	दिन गति	रवि बिंब	मंद कर्ण	अयनांश २२अंश	सा. म. रवि विषुव काल	उदयांतर
			अ क वि	अं	अ क वि	अं		क		क वि	घ प	पल
१९	३० र	५४३३	३०५ ५ ३०	४६·२०८	+१ २४ २०	३०६·४९७	१·००८	३२·४	०·९८८५	५९ ४२·६	५४ ४१	+३
२०	१ चं	५४३४	३०६ ४ ३८	४७·१९४	१ २५ ४२	३०७·५०५	१·००८	३२·४	०·९८८७	५९ ४२·७	५४ ५१	३
२१	२ मं	५४३५	३०७ ३ ४६	४८·१८०	१ २७ १	३०८·५१३	१·००७	३२·४	०·९८८९	५९ ४२·८	५५ १	३
२२	३ बु	५४३६	३०८ २ ५४	४९·१६६	१ २८ ११	३०९·५२०	१·००७	३२·४	०·९८९१	५९ ४३·०	५५ १०	३४
२३	४ गु	५४३७	३०९ २ ३	५०·१५१	१ २९ ३४	३१०·५२७	१·००६	३२·४	०·९८९३	५९ ४३·१	५५ २०	३४
२४	५ शु	५४३८	३१० १ ११	५१·१३७	१ ३० ४९	३११·५३३	१·००६	३२·४	०·९८९५	५९ ४३·२	५५ ३०	३३
२५	६ श	५४३९	३११ ० १९	५२·१२२	१ ३२ २	३१२·५३९	१·००६	३२·४	०·९८९८	५९ ४३·४	५५ ४०	३३
२६	७ र	५४४०	३११ ५९ २७	५३·१०८	१ ३३ १५	३१३·५४५	१·००५	३२·४	०·९९००	५९ ४३·५	५५ ५०	३
२७	८ चं	५४४१	३१२ ५८ ३५	५४·०९४	+१ ३४ २४	३१४·५५०	१·००४	३२·४	०·९९०३	५९ ४३·६	५६ ०	+३
२८	९ मं	५४४२	३१३ ५७ ४३	५५·०७९	१ ३५ ३२	३१५·५५४	१·००४	३२·४	०·९९०६	५९ ४३·७	५६ १०	३१
१	१० बु	५४४३	३१४ ५६ ५२	५६·०६५	१ ३६ ४०	३१६·५५८	१·००४	३२·४	०·९९०८	५९ ४३·९	५६ १९	३१
२	११ गु	५४४४	३१५ ५६ ०	५७·०५०	१ ३७ ४३	३१७·५६२	१·००३	३२·४	०·९९११	५९ ४४·०	५६ २९	३०
३	१२ शु	५४४५	३१६ ५५ ८	५८·०३६	१ ३८ ४५	३१८·५६५	१·००२	३२·४	०·९९१३	५९ ४४·१	५६ ३९	३०
४	१४ श	५४४६	३१७ ५४ १६	५९·०२२	१ ३९ ४६	३१९·५६७	१·००२	३२·४	०·९९१६	५९ ४४·३	५६ ४९	२९
५	१५ र	५४४७	३१८ ५३ २४	६०·००७	१ ४० ४५	३२०·५६९	१·००२	३२·४	०·९९१८	५९ ४४·४	५६ ५९	२९
६	१ चं	५४४८	३१९ ५२ ३३	६०·९९३	+१ ४१ ४३	३२१·५७१	१·००१	३२·३	०·९९२१	५९ ४४·५	५७ ९	+२८
७	२ मं	५४४९	३२० ५१ ४१	६१·९७८	१ ४२ ३८	३२२·५७२	१·००१	३२·३	०·९९२४	५९ ४४·७	५७ १९	२७
८	३ बु	५४५०	३२१ ५० ४९	६२·९६४	१ ४३ ३२	३२३·५७३	१·०००	३२·३	०·९९२६	५९ ४४·८	५७ २८	२७
९	४ गु	५४५१	३२२ ४९ ५७	६३·९५०	१ ४४ २३	३२४·५७३	०·९९९	३२·३	०·९९२९	५९ ४४·९	५७ ३८	२६
१०	५ शु	५४५२	३२३ ४९ ५	६४·९३५	१ ४५ १३	३२५·५७२	०·९९९	३२·३	०·९९३२	५९ ४५·०	५७ ४८	२६
११	६ श	५४५३	३२४ ४८ १४	६५·९२१	१ ४६ ०	३२६·५७१	०·९९८	३२·३	०·९९३४	५९ ४५·२	५७ ५८	२५
१२	७ र	५४५४	३२५ ४७ २२	६६·९०६	१ ४६ ४५	३२७·५६९	०·९९८	३२·३	०·९९३७	५९ ४५·३	५८ ८	२४
१३	८ चं	५४५५	३२६ ४६ ३०	६७·८९२	+१ ४७ ३०	३२८·५६७	०·९९७	३२·३	०·९९४०	५९ ४५·४	५८ १८	+२४
१४	९ मं	५४५६	३२७ ४५ ३८	६८·८७८	१ ४८ १२	३२९·५६४	०·९९७	३२·३	०·९९४२	५९ ४५·६	५८ २८	२३
१५	१० बु	५४५७	३२८ ४४ ४६	६९·८६३	१ ४८ ५२	३३०·५६१	०·९९६	३२·२	०·९९४५	५९ ४५·७	५८ ३७	२२
१६	११ गु	५४५८	३२९ ४३ ५५	७०·८४९	१ ४९ ३०	३३१·५५७	०·९९६	३२·२	०·९९४८	५९ ४५·८	५८ ४७	२२
१७	१२ शु	५४५९	३३० ४३ ३	७१·८३४	१ ५० ६	३३२·५५२	०·९९५	३२·२	०·९९५१	५९ ४६·०	५८ ५७	२१
१८	१३ श	५४६०	३३१ ४२ ११	७२·८२०	१ ५० ३९	३३३·५४७	०·९९५	३२·२	०·९९५३	५९ ४६·१	५९ ७	२१
१९	१४ र	५४६१	३३२ ४१ १९	७३·८०६	१ ५१ ११	३३४·५४२	०·९९४	३२·२	०·९९५६	५९ ४६·२	५९ १७	२०
२०	३० चं	५४६२	३३३ ४० २७	७४·७९१	१ ५१ ४२	३३५·५३६	०·९९३	३२·२	०·९९५९	५९ ४६·३	५९ २७	१९
२१	३० मं	५४६३	३३४ ३९ ३६	७५·७७७	१ ५२ १०	३३६·५२९		३२·२	०·९९६१	५९ ४६·५	५९ ३७	+१८

सूर्य

फरवरी– मार्च सन १९३९ इ   फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का सूर्य का वेध गणित।

ता.	सायन स्पष्टसूर्य	सा.स्प.र. विषुवांश	दिन गति	स्प.रवि विषुव काल		सा.स्प.र क्रांति	दिनगति	इन्दौर शहर का स्थानिक याम्योत्तर लंघन काल		चर	नतांश	दशांगुल छाया
	अ क	अं क	अं क	घ प	पल	अं क	अं क	घ प	स्टैं घं मि	घ प		
९	३२९ २९	३३१ ३६	० ५८	५५ १६	१०	११ ३९	० २१	१५ ३५	१२ ४१	-० ५०	द ३४ २३	उ ६.८४
१०	३३० ३०	३३२ ३४	० ५७	५५ २६	९	-११ १८	० २१	१५ ३५	१२ ४१	० ४८	३४ २	६.७५
११	३३१ ३०	३३३ ३१	० ५८	५५ ३५	१०	१० ५७	० २२	१५ ३५	१२ ४१	० ४७	३३ ४१	६.६६
१२	३३२ ३१	३३४ २९	० ५७	५५ ४५	९	१० ३५	० २२	१५ ३४	१२ ४१	० ४५	३३ १९	६.५७
१३	३३३ ३१	३३५ २६	० ५८	५५ ५४	१०	१० १३	० २२	१५ ३४	१२ ४१	० ४३	३२ ५७	६.४८
१४	३३४ ३२	३३६ २४	० ५७	५६ ४	१०	९ ५१	० २२	१५ ३३	१२ ४०	० ४१	३२ ३५	६.३९
१५	३३५ ३२	३३७ २१	० ५६	५६ १४	९	९ २९	० २२	१५ ३३	१२ ४०	० ४०	३२ १३	६.३०
१६	३३६ ३२	३३८ १७	० ५८	५६ २३	९	९ ७	० २३	१५ ३२	१२ ४०	० ३८	३१ ५१	६.२१
१७	३३७ ३३	३३९ १४	० ५७	५६ ३२	१०	- ८ ४४	० २२	१५ ३२	१२ ४०	-० ३७	३१ २८	६.१२
१८	३३८ ३३	३४० ११	० ५६	५६ ४२	९	८ २२	० २२	१५ ३१	१२ ३९	० ३५	३१ ६	६.०३
१	३३९ ३३	३४१ ७	० ५६	५६ ५१	१०	८ ०	० २३	१५ ३१	१२ ३९	० ३४	३० ४४	५.९५
२	३४० ३३	३४२ ३	० ५७	५७ १	९	७ ३७	० २३	१५ ३०	११ ३९	० ३२	३० २२	५.८६
३	३४१ ३४	३४३ ०	० ५६	५७ १०	९	७ १४	० २३	१५ ३०	१२ ३९	० ३१	२९ ५८	५.७७
४	३४२ ३४	३४३ ५६	० ५५	५७ १९	१०	६ ५१	० २३	१५ २९	१२ ३९	० २९	२९ ३५	५.६८
५	३४३ ३४	३४४ ५१	० ५६	५७ २९	९	६ २८	० २३	१५ २९	१२ ३९	० २७	२९ १२	५.५९
६	३४४ ३४	३४५ ४७	० ५६	५७ ३८	९	- ६ ५	० २४	१५ २८	१२ ३८	-० २६	२८ ४९	५.५०
७	३४५ ३४	३४६ ४३	० ५५	५७ ४७	९	५ ४१	० २३	१५ २७	१२ ३८	० २४	२८ २५	५.४१
८	३४६ ३४	३४७ ३८	० ५६	५७ ५६	१०	५ १८	० २३	१५ २७	१२ ३८	० २३	२८ २	५.३२
९	३४७ ३५	३४८ ३४	० ५५	५८ ६	९	४ ५५	० २४	१५ २६	१२ ३७	० २१	२७ ३९	५.२४
१०	३४८ ३४	३४९ २९	० ५६	५८ १५	९	४ ३१	० २३	१५ २६	१२ ३७	० १९	२७ १५	५.१५
११	३४९ ३४	३५० २५	० ५४	५८ २४	९	४ ८	० २४	१५ २५	१२ ३७	० १८	२६ ५२	५.०७
१२	३५० ३४	३५१ १९	० ५६	५८ ३३	१०	३ ४४	० २३	१५ २४	१२ ३७	० १६	२६ २८	४ ९८
१३	३५१ ३४	३५२ १५	० ५५	५८ ४३	९	- ३ २१	० २४	१५ २४	१२ ३७	-० १५	२६ ५	४.९०
१४	३५२ ३४	३५३ १०	० ५५	५८ ५२	९	२ ५७	० २३	१५ २३	१२ ३६	० १३	२५ ४१	४.८१
१५	३५३ ३३	३५४ ५	० ५५	५९ १	९	२ ३४	० २४	१५ २२	१२ ३६	० ११	२५ १८	४.७३
१६	३५४ ३३	३५५ ०	० ५५	५९ १०	९	२ १०	० २४	१५ २२	१२ ३६	० ९	२४ ५४	४.६४
१७	३५५ ३३	३५५ ५५	७ ५५	५९ १९	९	१ ४६	० २४	१५ २१	१२ ३५	० ८	२४ ३०	४.५६
१८	३५६ ३३	३५६ ५०	० ५५	५९ २८	९	१ २२	० २३	१५ २१	१२ ३५	० ६	२४ ६	४.४७
१९	३५७ ३२	३५७ ४४	० ५४	५९ ३७	९	० ५९	० २४	१५ २०	१२ ३५	० ५	२३ ४३	४.३९
२०	३५८ ३२	३५८ ३९	० ५५	५९ ४७	१०	० ३५	० २४	१५ १९	१२ ३५	० ३	२३ १९	४.३१
२१	३५९ ३२	३५९ ३४	० ५५	५९ ५६	९	- ० ११		१५ १८	१२ ३४	-० १	द २२ ५५	उ ४.२३

चन्द्र

एप्रिल सन १९३८ इ. **चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।**

ता	ति	वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	प्र. के गति सं.	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	द्वितीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
				अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं
३१	३०	गु	५१०८	३३३.४८३	.०७	३५७.७०	०.७६	८०.४३	२.५३	२७२.५९	२७५.९५	०.२०	३३७.०६३
१	१	शु	५१०९	३४६.६६०	.०७	९.८९	१.००	९१.९५	२.५४	२८५.६६	२८९.७७	०.४५	३५०.७२०
२	२	श	५११०	३५९.८३६	.०६	२२.०८	१.२०	१०३.००	२.५०	२९८.३२	३०२.४८	०.९९	४.५८६
३	३	र	५१११	१३.०१३	.०६	३४.२७	१.३४	११४.३८	२.४३	३११.७९	३१५.६२	१.८८	१८.७२३
४	४	च	५११२	२६.१८९	.०६	४६.४६	१.३७	१२५.८०	२.३०	३२४.८५	३२८.५८	३.०१	३२.९२९
५	५	मं	५११३	३९.३६५	.०६	५८.६५	१.२९	१३७.०२	२.१४	३३७.३२	३४१.४१	४.३६	४७.२१५
६	६	बु	५११४	५२.५४२	.०६	७०.८४	१.१२	१४८.३३	१.३४	३५०.३८	३५४.१०	५.८०	६१.४६२
७	७	गु	५११५	६५.७१८	.०६	८३.०४	०.९१	१५९.६४	१.०३	४.०५	६.७५	७.३०	७५.७१८
८	८	शु	५११६	७८.८९४	.०६	९५.२३	०.६६	१७०.९७	१.४९	१७.११	१९.३२	८.७१	८९.८१४
९	१०	श	५११७	९२.०७०	.०६	१०७.४२	०.४३	१८२.२९	१.२५	३०.१८	३१.९२	१०.०२	१०३.८३०
१०	११	र	५११८	१०५.२४६	.०६	११९.६१	०.२६	१९३.६१	१.०१	४३.२४	४४.५७	११.१४	११७.३१६
११	१२	च	५११९	११८.४२३	.०७	१३१.८०	०.१८	२०४.९३	.७१	५६.३१	५७.३४	१२.००	१३१.४५३
१२	१३	मं	५१२०	१३१.५९९	.०७	१४३.९९	०.२१	२१६.२५	०.५८	६९.३७	७०.२३	१२.५४	१४४.९९९
१३	१४	बु	५१२१	१४४.७७५	.०७	१५६.१८	०.३४	२२७.५६	०.४०	८२.४४	८३.७५	१२.७३	१५८.३५५
१४	१५	गु	५१२२	१५७.९५२	.०७	१६८.३७	०.५५	२३८.८८	०.२४	९५.५०	९६.३६	१२.६८	१७१.४९२
१५	१	शु	५१२३	१७१.१२८	.०७	१८०.५६	०.८१	२५०.१९	०.१४	१०८.५७	१०९.५९	१२.०९	१८४.४३८
१६	२	श	५१२४	१८४.३०४	.०७	१९२.७५	१.०६	२६१.५०	०.०८	१२१.६३	१२२.८४	११.५९	१९७.१०४
१७	३	र	५१२५	१९७.४८१	.०७	२०४.९४	१.२८	२७२.८२	०.०६	१३४.७०	१३६.११	१०.६५	२०९.५४१
१८	४	च	५१२६	२१०.६५७	.०७	२१७.१३	१.३९	२८४.१३	०.०९	१४७.७६	१४९.३१	९.५२	२२१.७२०
१९	५	मं	५१२७	२२३.८३४	.०७	२२९.३२	१.४१	२९५.४५	०.१७	१६०.८२	१६१.४२	८.२८	२३३.७६४
२०	५	बु	५१२८	२३७.०१०	.०७	२४१.५१	१.३२	३०६.७७	०.३१	१७३.८९	१७५.४९	६.९५	२४५.६६०
२१	६	गु	५१२९	२५०.१८७	.०७	२५३.७०	१.१४	३१८.०८	०.४६	१८६.९६	१८८.६३	५.६२	२५७.४७७
२२	७	शु	५१३०	२६३.३६३	.०७	२६५.८९	०.९२	३२९.४०	०.६६	२००.०२	२०१.६७	४.३२	२६९.३३३
२३	८	श	५१३१	२७६.५३९	.०७	२७८.०८	०.६७	३४०.७२	०.७८	२१३.०९	२१४.७१	३.१२	२८१.२७१
२४	९	र	५१३२	२८९.७१६	.०७	२९०.२७	०.४५	३५२.०३	१.१३	२२६.१५	२२७.८०	२.०४	२९३.४०६
२५	१०	च	५१३३	३०२.८९२	.०७	३०२.४६	०.३०	३.३५	१.३२	२३९.२२	४०.३७	१.१८	३०५.८२२
२६	११	मं	५१३४	३१६.०६८	.०७	३१४.६५	०.२३	१४.६७	१.६२	२५२.२८	२५४.२०	०.५७	३१८.५५८
२७	१२	बु	५१३५	३२९.२४५	.०८	३२६.८४	०.२९	२५.९८	१.७५	२६५.३५	२६७.५५	०.२५	३३१.६९५
२८	१३	गु	५१३६	३४२.४२१	.०८	३३९.०४	०.४२	३७.३०	२.०६	२७८.४१	२८०.९३	०.०७	३४५.२५१
२९	१४	शु	५१३७	३५५.५९७	.०८	३५१.२३	०.६२	४८.६२	२.२४	२९१.४८	२९४.४०	०.६२	३५९.१५७
३०	३०	श	५१३८	८.७७३	.०८	३.४२	०.८७	५९.९३	२.३८	३०४.५४	३०७.८७	१.३२	१३.४२४

एप्रिल सन १९३८ इ चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।

ता	राहु (पात)	पातोन चन्द	कक्षा प. चक्रम	स्पष्टचंद्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	बिंब	विपुवांश	इन्दोर शहर का स्थानिक या.	लं. का.
	अं	अ	अं	अं	अं	अं क	अं क	अं क	कला	अं क	घ प	स्टँघामि
३१	१४३·४९८	१२०·५६१	·२५०	३३७·३१३	१३·६६७	४ २५·७	० १८	४ ११	३१·८	३५८ ३०	१३ २८	११ ५०
१	१४३·५५१	१३४·२७१	·२६०	३५०·९८०	१३·८५६	+३ ४१·०	१२ ५८	+ ८ ४९	३२·०	११ २५	१५ २७	१२ ३८
२	१४३·६४४	१४८·१९०	·२५०	४·८३६	१४·१०७	२ ४२·६	२७ ४९	१३ ८	३२·१	२४ ५१	१७ ३२	१३ २८
३	१४३·६५७	१६२·२८०	·२२०	१८·९४३	१४·१६६	१ ३३·९	४१ ५६	१६ ५५	३२·३	३८ ५९	१९ ४३	१४ २०
४	१४३·७१०	१७६·६३९	·१६०	३३·१०९	१४·२१६	+० १७·९	५६ ४	१९ ३४	३२·४	५३ ४०	२२ ०	१३ १५
५	१४३·७६३	१९०·९७८	·११०	४७·३२५	१४·२३७	−० ५८·८	७० १९	२१ २	३२·५	६८ ५१	२४ २२	१६ १२
६	१४३·८१६	२०५·२७८	·०७०	६१·५५२	१४·२०६	२ ११·६	८४ ३१	२१ ५	३२·५	८४ ८	२६ ४४	१७ ८
७	१४३·८६९	२१९·५८७	·०४०	७५·७५८	१४·०९६	३ १६·७	९८ ४४	१९ ५३	३२·४	९९ १६	२९ ७	१८ ६
८	१४३·९२२	२३३·७३६	·०४०	८९·८५४	१४·०४६	४ ८·९	११२ ५०	१७ २५	३२·३	११३ ५५	३१ २३	१९ ०
९	१४३·९७५	२४७·८०५	·०७०	१०३·९००	१३·९३६	४ ४५·९	१२६ ५३	१३ ५६	३२·१	१२८ २	३३ ३४	१९ ५२
१०	१४४·०२८	२६१·७४४	·१२०	११७·८३६	१३·७८७	५ ५·६	१४० ४९	९ ४३	३२·०	१४१ ३३	३५ ४०	२० ४३
११	१४४·०८१	२७५·५३४	·१७०	१३१·६२३	१३·५९६	५ ७·३	१५४ ३६	५ ४	३१·८	१५४ ३५	३७ ४०	२१ ३१
१२	१४४·१३४	२८९·१३३	·२२०	१४५·२१९	१३·३८६	४ ५१·६	१६८ १२	+ ० ११	३१·५	१६७ १५	३९ ३७	२२ १८
१३	१४४·१८७	३०२·५४२	·२५०	१५८·६०५	१३·१४७	४ २०·३	१८१ ३५	− ४ ३६	३१·२	१७९ ४३	४१ ३१	२३ ३
१४	१४४·२४०	३१५·७३२	·२६०	१७१·७५२	१२·९३६	३ ३५·४	१९४ ४३	९ ७	३०·९	१९२ १०	४३ २७	२३ ५०
१५	१४४·२९३	३२९·७३१	·२५०	१८४·६८८	१२·६३६	२ ३५·६	२०७ ४०	१३ ५	३०·६	२०४ ४४	४५ २२	० ३६
१६	१४४·३४६	३४१·४५०	·२२०	१९७·३२४	१२·३८७	१ ३८·१	२२० १८	१६ २८	३०·३	२१७ २१	४७ १९	१ २३
१७	१४४·३९९	३५३·९४०	·१७०	२०९·७११	१२·१४६	−० ३२·६	२३२ ४२	१८ ५९	३०·०	२३० ९	४९ १७	२ १०
१८	१४४·४५२	६·१७९	·१३०	२२१·८५७	११·९८७	+० ३३·२	२४४ ५०	२० ३८	२९·८	२४२ ५९	५१ १५	२ ५७
१९	१४४·५०५	१८·२६९	·०८०	२३३·८४४	११·८६६	१ ३६·८	२५६ ५०	२१ ११	२९·७	२५५ ५२	५३ १४	३ ४४
२०	१४४·५५८	३०·२१८	·०५०	२४५·७१०	११·८०७	२ ३५·३	२६८ ४२	२० ५२	२९·६	२६८ ३७	५५ ११	४ ३१
२१	१४४·६११	४२·०८८	·०४०	२५७·५१७	११·८५६	३ २६·९	२८० ३०	१९ ३५	२९·७	२८१ ८	५७ ७	५ १८
२२	१४४·६६४	५३·९९७	·०४०	२६९·३७३	११·९७६	४ ९·७	२९२ २१	१७ २९	२९·८	२९३ २५	५९ ०	६ ३
२३	१४४·७१७	६५·९९६	·०७०	२८१·३४९	१२·१५७	४ ४२·७	३०४ २०	१४ ३७	३०·१	३०५ ३०	० ५१	६ ४७
२४	१४४·७७०	७८·१७६	·१००	२९३·५०६	१२·४६६	५ २·०	३१६ २९	११ ६	३०·४	३१७ २४	२ ४०	७ ३१
२५	१४४·८२३	९० ६४५	·१५०	३०५·९७२	१२·७८६	५ ८·८	३२८ ३७	७ १	३०·८	३२९ १६	४ २९	८ १५
२६	१४४·८ ६	१०३·४३४	·२००	३१८·७५८	१३·१७७	५ ०·२	३४१ ४५	− २ ३२	३१·३	३४१ १५	६ १९	८ ५९
२७	१४४·९२९	११६·६२४	·२४०	३३१·९३५	१३·५७६	४ ३६·१	३५४ ५५	+ २ १२	३१·७	३५३ ३०	८ ११	९ ४३
२८	१४४·९८२	१३०·३३३	·२६०	३४५·५११	१३·९०६	३ ५५·३	८ ३०	६ ५८	३२·१	६ १६	१० १०	१० ३१
२९	१४५·०३५	१४४ १९२	·२६०	३५९·४१७	१४·२३७	३ ०·६	२२ २४	११ ३१	३२·४	१९ ३४	१२ १३	११ २०
३०	१४५·०८८	१५८·५१२	·२३०	१३·६५४		+१ ५३·१	३६ ३८	१५ ३१	३२·८	३३ ३६	१४ २३	१२ १२

मई– सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का चंद्रका वेध गणित।

ता	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	प्र. के. गति सं.	तिथि केंद्र	द्वितीयसंस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अं	अं	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अं
३०	३० श	५१३८	८·७७३	·०८	३·४२	०·८७	५९·९३	२·३८	३०४·५४	३०७·८७	१·३२	१३·४२४
१	१ र	५१३९	२१·९५०	·०९	१५·६१	१·१०	७१·२५	२·४७	३१७·६१	३२१·२७	२·३५	२७·९६०
२	३ चं	५१४०	३५·१२६	·०९	२७·८०	१·२८	८२·५७	२·५३	३३०·६७	३३४·५७	३·६३	४२·६५६
३	४ मं	५१४१	४८·३०३	·०९	४०·००	१·३६	९३·८८	२·५३	३४३·७४	३४८·७२	५·०६	५७·३४३
४	५ बु	५१४२	६१·४७९	·०९	५२·१९	१·३५	१०५·२०	२·४९	३५६·८०	०·७३	६·५९	७१·९९९
५	६ गु	५१४३	७४·६५५	·०९	६४·३८	१·२४	११६·५१	२·४०	९·८७	१३·६०	८·०९	८६·४७५
६	७ शु	५१४४	८७·८३२	·०९	७६·५७	१·०३	१२७·८३	२·२८	२२·९३	२६·३३	९·४६	१००·६९२
७	८ श	५१४५	१०१·००८	·०९	८८·७६	०·७९	१३९·१४	२·११	३६·००	३८·९९	१०·६८	११४·६७८
८	९ र	५१४६	११४·१८४	·१०	१००·९५	०·५५	१५०·४६	१·९०	४९·०६	५१·६१	११·६४	१२८·३७४
९	१० चं	५१४७	१२७·३६१	·१०	११३·१४	०·३५	१६१·७८	१·६६	६२·१३	६४·२४	१२·३३	१४१·८०१
१०	११ मं	५१४८	१४०·५३७	·१०	१२५·३३	०·२२	१७३·०९	१·४५	७५·१९	७६·९६	१२·७०	१५५·००७
११	१२ बु	५१४९	१५३·७१३	·१०	१३७·५२	०·१९	१८४·४१	१·२१	८८·२६	८९·७६	१२·७७	१६७·९८३
१२	१३ गु	५१५०	१६६·८९०	·११	१४९·७१	०·२७	१९५·७३	०·९७	१०१·३२	१०२·६७	१२·५३	१८०·७७०
१३	१४ शु	५१५१	१८०·०६६	·११	१६१·९०	०·४४	२०७·०५	०·७४	११४·३९	११५·६८	१२·००	१९३·३५६
१४	१५ श	५१५२	१९३·२४२	·११	१७४·१०	०·६७	२१८·३७	०·५४	१२७·४५	१२८·७७	११·२०	२०५·७६३
१५	१ र	५१५३	२०६·४१९	·११	१८६·२९	०·९३	२२९·६८	०·३७	१४०·५२	१४१·९३	१०·१८	२१८·००९
१६	२ चं	५१५४	२१९·५९५	·११	१९८·४८	१·१७	२४१·००	०·२२	१५३·५८	१५५·०८	८·९८	२३०·०७५
१७	३ मं	५१५५	२३२·७७१	·११	२१०·६७	१·३४	२५२·३२	०·१३	१६६·६५	१६८·२३	७·३१	२४२·०६१
१८	४ बु	५१५६	२४५·९४८	·१२	२२२·८६	१·४१	२६३·६३	०·०७	१७९·७१	१८१·३१	६·३७	२५३·९१८
१९	५ गु	५१५७	२५९·१२४	·१२	२३५·०५	१·३९	२७४·९५	०·०६	१९२·७८	१९४·३५	५·०४	२६५·७३४
२०	६ शु	५१५८	२७२·३००	·१२	२४७·२४	१·२५	२८६·२७	०·१०	२०५·८४	२०७·३१	३·७९	२७७·५६१
२१	७ श	५१५९	२८५·४७६	·१२	२५९·४३	१·०५	२९७·५८	०·२०	२१८·९१	२२०·२९	२·६४	२८९·४९७
२२	८ र	५१६०	२९८·६५४	·१३	२७१·६२	०·८२	३०८·९०	०·३४	२३१·९७	२३३·२६	१·६६	३०१·६०३
२३	८ च	५१६१	३११·८३०	·१३	२८३·८१	०·५५	३२०·२२	०·४९	२४५·०४	२४६·२१	०·९१	३१३·९१०
२४	९ मं	५१६२	३२५·००६	·१३	२९६·००	०·३७	३३१·५३	०·७०	२५८·१०	२५९·३०	०·४१	३२६·६१६
२५	१० बु	५१६३	३३८·१८३	·१४	३०८·१९	०·२४	३४२·८३	०·९३	२७१·१७	२७२·४९	०·२३	३३९·७३२
२६	१२ गु	५१६४	३५१·३५९	·१४	३२०·३८	०·३३	३५४·१७	१·१७	२८४·२३	२८५·७८	०·३६	३५३·२६९
२७	१३ शु	५१६५	४·५३५	·१४	३३२·५७	०·५१	५·४८	१·४२	२९७·३०	२९९·१९	०·८३	७·२५५
२८	१४ श	५१६६	१७·७११	·१४	३४४·७६	०·७४	१६·८०	१·६७	३१०·३६	३१२·६८	१·६६	२१·६९०
२९	३० र	५१६७	३०·८८८	·१४	३५६·९५	०·९८	२८·११	१·८९	३२३·४३	३२६·२०	२·७९	३६·४४८

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।

ता.	राहु (पात)	पातोन चन्द्र	कक्षा पत पश्चिम	स्पष्ट चन्द्र	दिनगति	शर	सायर भोग	क्रांति	बिंब	विषुवांश	इन्दौर शहर का स्थानिक या. लं. का.	
	अ	अं		अं	अ	अ क	अ क	अं क	अ	अं क	घ प	इष्टघमि
३०	१४५.०८८	१५८.५१२	.२३०	१३.६५४	१४.४८६	+१ ५३.१	३६ ३८	+१५ ३१	३२.८	३३ ३६	१४ २३	१२ १२
१	१४५.१४१	१७३.१०१	.१८०	२८.२४०	१४.६३६	+० ३७.१	५१ ७	१८ ३९	३३.०	४८ ३१	१६ ४२	१३ ८
२	१४५.१९४	१८७.८५०	.१२०	४२.७७६	१४.५३७	−० ४१.५	६२ ४६	२० २५	३३.०	६४ ०	१९ ७	१४ ६
३	१४५.२४७	२०२.५०९	.०७०	५७.४१३	१४.६३६	१ ५८.६	८० २४	२१ ७	३३.०	७९ ४३	२१ ३४	१५ ५
४	१४५.३००	२१७.२९९	.०५०	७२.०४९	१४.६६६	३ ५.०	९५ २	२० १४	३३.०	९५ २१	२४ १	१६ ३
५	१४५.३५३	२३२.०२८	.०४०	८६.७१५	१४.०४७	४ ३.३	१०९ ४२	१८ ०	३२.२	११० ४२	२६ २५	१७ १
६	१४५.४०६	२४६.०९८	.०७०	१००.७६२	१४.०२६	४ ४२.३	१२३ ४५	१४ ४५	३२.२	१२४ ५५	२८ ३७	१७ ५३
७	१४५.४५९	२६०.१३७	.११०	११४.९८८	१३.७४६	५ ४.२	१३७ ४६	१० २७	३१.९	१३८ ३८	३० ४४	१८ ४४
८	१४५.५१२	२७३.८८६	.१६०	१२८.५३४	१३.७७७	५ ८.०	१५१ ३२	६ ८	३१.६	१५१ ४३	३२ ५५	१९ ३७
९	१४५.५६५	२८७.३६६	.२१०	१४२.०११	१३.२४६	४ ५४.४	१६५ ०	+ १ २३	३१.३	१६४ १८	३४ ४१	२० १९
१०	१४५.६१८	३००.६२५	.२५०	१५५.२५७	१२.९८६	४ २५.५	१७८ १५	− ३ २२	३१.०	१७६ ३८	३६ ३४	२१ ४
११	१४५.६७१	३१३.६५४	.२६०	१६८.२४३	१२.७७७	३ ४३.३	१९१ १४	८ १	३०.७	१८८ ४८	३८ २६	२१ ४९
१२	१४५.७२४	३२६.४९४	.२५०	१८१.०२०	१२.५६६	२ ५०.३	२०४ ०	११ ५७	३०.५	२०१ ३६	४० २५	२२ ३७
१३	१४५.७७७	३३९.१३३	.२३०	१९३.५८६	१२.३५७	१ ४९.८	२१६ ३४	१५ २७	३०.२	२१३ ३६	४२ १५	२३ २१
१४	१४५.८३०	३५१.५९३	.१८०	२०५.९४३	१२.२०६	−० ४५.०	२२८ ५६	१८ ११	३०.०	२२६ १६	४४ ३२	० ८
१५	१४५.८८३	३.८९२	.१४०	२१८.१४९	१२.०१६	+० २१.०	२४१ ८	२० २	२९.८	२३९ ५	४६ १०	० ५५
१६	१४५.९३६	१६.०११	.०९०	२३०.१६५	११.९५६	१ २५.०	२५३ ९	२० ५९	२९.७	२५१ ५५	४८ ८	१ ४२
१७	१४६.९८९	२८.०५०	.०६०	२४२.१११	११.८३७	२ २५.०	२६५ ६	२० ५६	२९.६	२६४ ४५	५० ७	२ ३०
१८	१४६.०४२	३९.९६०	.०४०	२५३.९५८	११.८१६	३ १८.६	२७६ ५७	१९ ५६	२९.६	२७७ ३०	५२ ४	३ १७
१९	१४६.०९५	५१.८२९	.०४०	२६५.७७४	११.८४७	४ २.७	२८८ ४६	१८ ७	२९.६	२८९ ४४	५३ ५७	४ २
२०	१४६.१४८	६३.७०९	.०६०	२७७.६११	११.९७६	४ ३६.९	३०० ३६	१५ ३१	२९.८	३०१ ४६	५५ ४८	४ ४६
२१	१४६.२०१	७५.६९८	.१००	२८९.५९७	१२.१४६	४ ५९.२	३१२ ३५	१२ १५	३०.०	३१३ ३७	५७ ३६	५ २९
२२	१४६.२५४	८७.८५७	.१४०	३०१.७४३	१२.३५७	+५ ८.६	३२४ ४४	८ २६	३०.२	३२५ १७	५९ २३	६ १२
२३	१४६.३०७	१००.२१७	.१९०	३१४.१००	१२.७४६	५ ३.९	३३७ ५	४ १२	३०.७	३३६ ५६	१ ९	६ ५५
२४	१४६.३६०	११२.९७६	.२३०	३२६.८४६	१३.१४६	४ ४४.२	३४९ ५०	− ० २०	३१.२	३४८ ४८	२ ५८	७ ३८
२५	१४६.४१३	१२६.१४५	.२६०	३३९.९१२	१३.५३७	४ ९.२	२ ५९	+ ४ ५९	३१.७	१ ५	४ ५१	८ २३
२६	१४६.४६६	१३९.७३५	.२६०	३५३.५२९	१३.९६६	३ १९.३	१६ ३१	९ ३३	३२.२	१३ ५५	६ ५०	९ ११
२७	१४६.५१९	१५३.७७४	.२४०	७.४९५	१४.३९६	२ १६.३	३० २९	१३ ३६	३२.७	२७ ३३	८ ५७	१० २
२८	१४३.५७२	१६८.२६३	.२००	२१.८९१	१४.६९७	+१ २.८	४४ ५३	१७ १९	३३.०	४२ ६	११ १२	१० ५६
२९	१४६.६२५	१८३.०७३	.१४०	३६.५८८		−० १६.५	५९ ३४	+१९ ४७	३३.३	५७ २६	१३ ३५	११ ५२

मई-जून सन १९३८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।

ता	ति.वा	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	कें. मा.तिथि	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ
२९	३० र	५१६७	३०·८८८	·१४	३५६·९५	०·९८	२८·११	१·८९	३२३·४३	३२३·२०	२·७९	३६·४४८
३०	१ चं	५१६८	४४·०६४	·१५	९·१४	१·१८	३९·४३	२·०९	३३६·४९	३३९·७१	४·१७	५१·४५४
३१	२ मं	५१६९	५७·२४१	·१५	२१·३३	१·३४	५०·७४	२·२७	३४९·५६	३५३·१६	५·६९	६६·५३१
१	३ बु	५१७०	७०·४१७	·१५	३३·५२	१·३७	६२·०६	२·४०	२·६२	६·५१	७·२७	८१·५७७
२	५ गु	५१७१	८३·५९४	·१६	४५·७१	१·३०	७३·३७	२·४९	१५·६९	१९·७१	८·०६	९६·३७४
३	६ शु	५१७२	९६·७७०	·१६	५७·९०	१·१४	८४·६९	२·५४	२८·७५	३२·७५	१०·१०	११०·८७०
४	७ श	५१७३	१०९·९४६	·१६	७०·१०	०·९३	९६·०१	२·५३	४१·८२	४५·६५	११·२२	१२४·९९६
५	८ र	५१७४	१२३·१२३	·१७	८२·२९	०·६७	१०७·३३	२·४८	५४·८८	५८·४६	१२·०५	१३८·७५३
६	९ चं	५१७५	१३६·२९९	·१७	९४·४८	०·४५	११८·६४	२·३८	६७·९५	७१·१७	१२·५६	१५२·०७९
७	१० म	५१७६	१४९·४७५	·१७	१०६·६७	०·२७	१२९·९६	२·२४	८१·०१	८३·८७	१२·७८	१६५·११५
८	११ बु	५१७७	१६२·६५२	·१७	११८·८६	०·१८	१४१·२८	२· ७	९४·०८	९६·५९	१२·६८	१७७·८४२
९	१२ गु	५१७८	१७५·८२८	·१८	१३१·०५	०·२१	१५२·६०	१·८६	१०७·१४	१०९·३६	१२·३०	१९०·३३८
१०	१३ शु	५१७९	१८९·००४	·१८	१४३·२४	०·३३	१६३·९२	०·६४	१२०·२१	१२२·२४	११·६८	२०२·०१४
११	१४ श	५१८०	२०२·१८१	·१८	१५५·४३	०·५४	१७५·२३	०·४१	१३३·२७	१३५·१९	१०·७२	२१४·८२१
१२	१५ र	५१८१	२१५·३५७	·१८	१६७·६२	०·८०	१८६·५५	०·१६	१४६·३४	१४८·२२	९·६२	२२६·८५७
१३	१ चं	५१८२	२२८·५३३	·१९	१७९·८१	१·०५	१९७·८७	०·९२	१५९·४०	१६१·३१	८·३९	२३८·८३३
१४	१ मं	५१८३	२४१·७१०	·१९	१९२·००	१·२६	२०९·१८	०·७१	१७२·४७	१७४·४२	७·०८	२५०·७४०
१५	२ बु	५१८४	२५४·८८६	·१९	२०४·२०	१·३९	२२०·५०	०·५०	१८५·५३	१८७·४८	५·७३	२६२·५६६
१६	३ गु	५१८५	२६८·०६२	·१९	२१६·३९	१·४१	२३१·८२	०·३३	१९८·६०	२००·५१	४·४३	२७४·४०२
१७	४ शु	५१८६	२८१ २३९	·२०	२२८·५८	१·३३	२४३·१३	०·२०	२११·६६	२१३·४७	३·२३	२८६·२७९
१८	५ श	५१८७	२९४·४१५	·२०	२४०·७७	१·१६	२५४·४४	०·१२	२२४·७३	२२६·३८	२·१५	२९८·२१५
१९	६ र	५१८८	३०७·५९१	·२०	२५२·९६	०·९०	२६५·७५	०·०७	२३७·७९	२३९·२२	१·२९	३१०·३११
२०	७ चं	५१८९	३२०·७६९	·२०	२६५·१५	०·६८	२७७·०७	०·०७	२५०·८६	२५२·०३	०·६५	३२२·५८९
२१	८ मं	५१९०	३३३·९४५	·२१	२७७·३४	०·४६	२८८·३८	०·१२	२६३·९२	२६४·९३	०·२९	३३५·२४५
२२	९ बु	५१९१	३४७·१२१	·२१	२८९·५४	०·३०	२९९·७०	०·२२	२७६·९९	२७७·८८	०·२४	३४८·२५१
२३	१० गु	५१९२	०·२९७	·२१	३०१·७३	०·२३	३११·०२	०·३६	२९०·०५	२९०·९२	०·५०	१·६६७
२४	११ शु	५१९३	१३·४७४	·२२	३१३·९२	०·२७	३२२·३३	०·५२	३०३·१२	३०४·०९	१·०८	१५·५२४
२५	१२ श	५१९४	२६·६५०	·२२	३२६·११	०·४०	३३३·६५	०·७४	३१६·१८	३१७·४१	२·०२	२९·९००
२६	१३ र	५१९५	३९·८२६	·२२	३३८·३०	०·६१	३४४·९७	०·९७	३२९·२५	३३०·८४	३·२४	४४·६५६
२७	३० चं	५१९६	५३·००२	·२३	३५० ४९	०·८५	३५६·२९	१·२३	३४२·३१	३४४·३८	४·६९	५९·७६२

मई-जून सन १९३८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।

	राहु (पात)	पातोन चंद्र	कक्षा प्र. फल	स्पष्ट चंद्र	दिनगति	शर	सायन भाग	क्रांति	बिंब	विषुवांश	इंदोर शहर का स्थानिक या.	लं. का
		अं.	अं	अं	अ	अं. क.	अ क.	अ. क.	क	अं क.	घ प	घं मि
९	१४६.६२५	१८३.०७३	.१४०	३६.५८८	१४.९४६	० १६.५	५९ ३४	१९ ४७	३३.३	५७ २६	१३ ३५	११ ५२
०	१४६.६७८	१९८.१३२	.०८०	५१.५३४	१५.०४१	−१ ३५.८	७४ ३१	+२० ५७	३३.५	७३ २३	१६ ५	१२ ५३
१	१४६.७३१	२१३.२६२	.०५०	६६.५८३	१५.०३४	२ ४९.२	८९ ३४	१९ २५	३३ ४	८९ ३२	१८ ३६	१३ ५३
१	१४६.७८४	२२८.३६१	.०४०	८१.६१७	१४.८१७	३ ५०.५	१०४ ३६	१८ ४९	३३.२	१०५ ३३	२१ ७	१४ ५४
२	१४६.८३७	२४३.२११	.०६०	९६.४३४	१४.५३६	४ ३५.५	११९ २५	१५ ४७	३२.९	१२० ३५	२३ २८	१५ ४६
३	१४६.८९०	२५७.७६७	.१००	११०.९७०	१४.१०६	५ १.८	१३३ ५७	११ ५०	३२.४	१३४ ५६	२५ ४१	१६ ४३
४	१४६.९४३	२७१.९३१	.१५०	१२५.१४६	१३.८१७	५ ८.६	१४८ ८	७ १८	३२.०	१४८ ३१	२७ ४९	१७ ३४
५	१४६.९९६	२८५.७४९	.२१०	१३८.९६३	१३.३६६	४ ५५.२	१६१ ५७	२ ३२	३१.४	१६१ २९	२९ ४७	१८ २२
६	१४७.०४९	२९९.१२८	.२५०	१५२.३२९	१३.०४६	४ २९.८	१७५ १९	+ २ ८	३१.१	१७३ ५५	३१ ४१	१९ ७
७	१४७.१०२	३१२.२१७	.२६०	१६५.३७५	१२.७२७	३ ४८.६	१८८ २२	− ६ ४९	३०.७	१८६ १०	३३ ३४	१९ ५२
८	१४७.१५५	३२४.८९७	.२५०	१७८.१०२	१२.४६६	२ ५७.५	२०१ ५	१० ५९	३०.४	१९८ २१	३५ २६	२० ३७
९	१४७.२०८	३३७.५५६	.२३०	१९०.५६८	१२.३३६	१ ५९.४	२१३ ३३	१४ ३३	३०.२	२१० ३८	३७ १९	२१ २३
१०	१४७.२६१	३४९.९७५	.१९०	२०२.९०४	१२.०६७	−० ५३.७	२२५ ५३	१७ २७	२९.९	२२३ ८	३९ १४	२२ ९
११	१४७.३१४	२.१३५	.१५०	२१४.९७१	११.९८६	+० ११.६	२३७ ५७	१९ ३१	२९.८	२३५ ४४	४१ १०	२२ ५५
१२	१४७.३६७	१४.२२४	.१००	२२६.९५७	११.९३६	१ १५.८	२४९ ५७	२० ४२	२९.७	२४८ ३०	४३ ८	२३ ४२
१३	१४७.४२०	२६.२५३	.०६०	२३८.८९३	११.८८७	२ १६.५	२६१ ५३	२० ५५	२९.७	२६१ १८	४५ ६	० २९
१४	१४७.४७३	३८.२१३	.०४०	२५०.७८०	११.८२६	३ १०.८	२७३ ४६	२० १३	२९.६	२७४ १	४७ ३	१ १६
१५	१४७.५२६	५०.०९२	.०४०	२६२.६०६	११.८५६	३ ५६.८	२८५ ३६	१८ ३७	२९.६	२८६ २७	४८ ५८	२ २
१६	१४७.५७९	६१.९८१	.०६०	२७४.४६२	११.९०७	४ ३२.६	२९७ २७	१६ १३	२९.७	२९८ ३५	५० ५०	२ ४७
१७	१४७.६३२	७३.९११	.०९०	२८६.३६९	११.९७६	४ ५६.६	३०९ २१	१३ ९	२९.८	३१० २७	५२ ३९	३ ३१
१८	१४७.६८५	८५.९००	.१३०	२९८.३४५	१२.१४६	५ ८.०	३२१ २०	९ ३२	३०.०	३२२ ३	५४ २५	४ १३
१९	१४७.७३८	९८.०४९	.१८०	३१०.४९१	१२.३१८	५ ५.८	३३३ २९	५ २९	३०.२	३३३ ३३	५६ १०	४ ५५
२०	१४७.७९१	११०.३८०	.२२०	३२२.८०९	१२.६८६	४ ४९.३	३४५ ४८	− १ ९	३०.६	३४५ ४	५७ ५५	५ ३७
२१	१४७.८४४	१२३.०८९	.२५०	३३५.४९५	१३.०१६	४ १८.७	३५८ २९	+ ३ १८	३१.०	३५६ ५४	५९ ४३	६ २०
२२	१४७.८९७	१३६.१४८	.२६०	३४८.५११	१३.४०६	४ ३३.८	११ ३०	७ ५०	३१.५	९ १०	१ ३७	७ ६
२३	१४७.९५०	१४९.६१७	.२५०	१.९१७	१३.८१७	२ ३६.१	२४ ५४	१२ ४	३२.०	२२ ६	३ ३६	७ ५४
२४	१४८.००३	१६३.५२७	.२१०	१५.७३४	१४.३२६	१ २७.५	३८ ४३	१५ ४८	३२.६	३५ ५०	५ ४३	८ ४४
२५	१४८.०५६	१७७.९५६	.१६०	३०.०६०	१४.६९६	० ११.०	५३ ३	१८ ४३	३३ ०	५० ३६	८ १	९ ३९
२६	१४८.१०९	१९२.७६५	.१००	४४.७५६	१५.०६६	−१ ८.२	६७ ४५	२० ३०	३३.५	६६ ९	१० २७	१० ३८
२७	१४८.१६२	२०७.९२४	.०६०	५९.८२२		२ २४.४	८२ ४९	+२० ५२	३३.६	८२ १९	१२ ५८	१० ३८

चन्द्र

जून–जुलाई सन १९३८ इ. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।

ता	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	[illegible]	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अ	अं	अ	अ	अं	अं	अं	अं	अं	अं
२७	३० चं	५१९६	५३.००२	.२३	३५०.४९	०.८५	३५६.२९	१.२३	३४२.३१	३४४.३८	४.६९	५९.७६२
२८	१ मं	५१९७	६६.१७९	.२३	२.६८	०.८५	७.६१	१.४६	३५५.३८	३५७.९२	६.२४	७४.९५९
२९	२ बु	५१९८	७९.३५५	.२३	१४.८७	१.०९	१८.९३	१.७१	८.४४	११.४७	७.८५	९०.२३५
३०	३ गु	५१९९	९२.५३२	.२४	२७.०६	१.२७	३०.२४	१.९३	२१.५१	२४.९५	९.३२	१०५.२९१
१	४ शु	५२००	१०५.७०८	.२४	३९.२५	१.३६	४१.५६	२.१३	३४.५७	३८.३०	१०.६२	१२०.०५८
२	५ श	५२०१	११८.८८५	.२४	५१.४४	१.३६	५२.८८	२.३०	४७.६४	५१.५४	११.६४	१३४.४२५
३	६ र	५२०२	१३२.०६१	.२५	६३.६३	१.२४	६४.२०	२.४२	६०.७०	६४.६१	१२.३४	१४८.३११
४	७ चं	५२०३	१४५.२३७	.२५	७५.८२	१.०४	७५.५१	२.५१	७३.७७	७७.५७	१२.७१	१६१.७४७
५	८ मं	५२०४	१५८.४१४	.२५	८८.०१	०.८१	८६.८३	२.५४	८६.८३	९०.४३	१२.७७	१७४.७४४
६	९ बु	५२०५	१७१.५९०	.२६	१००.२०	०.५७	९८.१४	२.५२	९९.९०	१०३.२५	१२.५१	१८७.४५०
७	१० गु	५२०६	१८४.७६६	.२६	११२.३९	०.३६	१०९.४६	२.४६	११२.९६	११६.०४	११.९८	१९९.८२६
८	११ शु	५२०७	१९७.९४३	.२६	१२४.५८	०.२२	१२०.७७	२.३६	१२६.०३	१२८.८७	११.१९	२११.९७३
९	१२ श	५२०८	२११.११९	.२७	१३६.७७	०.१९	१३२.०९	२.२१	१३९.०९	१४१.७६	१०.१९	२२३.९७९
१०	१३ र	५२०९	२२४.२९५	.२७	१४८.९६	०.२६	१४३.४०	२.०३	१५२.१६	१५४.७२	९.०२	२३५.८७५
११	१४ चं	५२१०	२३७.४७२	.२७	१६१.१५	०.४२	१५४.७२	१.८३	१६२.२२	१६७.७४	७.७६	२४७.७५९
१२	१५ मं	५२११	२५०.६४८	.२८	१७३.३४	०.६५	१६६.०३	१.६०	१७८.२९	१८०.८२	६.४२	२५९.५९८
१३	१ बु	५२१२	२६३.८२४	.२८	१८५.५३	०.९२	१७७.३५	१.३६	१९१.३५	१९३.९१	५.०८	२७१.४६४
१४	२ गु	५२१३	२७७.००१	.२८	१९७.७२	१.१६	१८८.६७	१.१२	२०४.४२	२०६.९८	३.८२	२८३.३८१
१५	३ शु	५२१४	२९०.१७७	.२९	२०९.९१	१.३३	१९९.९८	०.८८	२१७.४८	२१९.९८	२.६६	२९५.३३७
१६	४ श	५२१५	३०३.३५३	.२९	२२२.१०	१.४१	२११.३०	०.६६	२३०.५५	२३२.९१	१.६९	३०७.४०३
१७	५ र	५ १६	३१६.५३०	.२९	२३४.३०	१.३९	२२२.६२	०.४७	२४३.६१	२४५.७६	०.९३	३१९.६१०
१८	६ चं	५२१७	३२९.७०६	.३०	२४६.४९	१.२६	२३३.९४	०.३०	२५६.६८	२५८.५४	०.४३	३३१.९९६
१९	७ मं	५२१८	३४२.८८३	.३०	२५८.६८	१.०५	२४५.२५	०.१८	२६९.७४	२७१.२७	०.२३	३४४.६४३
२०	८ बु	५२१९	३५६.०५९	.३०	२७०.८७	०.८१	२५६.५७	०.१०	२८२.८१	२८४.०२	०.३२	३५७.५८९
२१	९ गु	५२२०	९.२३६	.३०	२८३.०६	०.५७	२६७.८८	०.०७	२९५.८७	२९६.८१	०.७१	१०.८८६
२२	१० शु	५२२१	२२.४१२	.३१	२९५.२५	०.३८	२७९.२०	०.०७	३०८.९४	३०९.७०	१.४५	२४.६२२
२३	११ श	५२२२	३५.५८८	.३१	३०७.४४	०.२६	२९०.५२	०.१४	३२२.००	३२२.७१	२.४७	३८.७६८
२४	१२ र	५२२३	४८.७६५	.३१	३१९.६३	०.२४	३०१.८३	०.२४	३३५.०७	३३५.८६	३.७६	५३.२१५
२५	१३ चं	५२२४	६१.९४१	.३१	३३१.८२	०.३२	३१३.१५	०.३९	३४८.१३	३४९.१५	५.२३	६८.१९१
२६	१४ मं	५२२५	७५.११७	.३२	३४४.०१	०.४९	३२४.४७	०.५६	१.२०	२.५७	६.८१	८३.२९७
२७	३० बु	५२२६	८८.२९३	.३२	३५६.२०	०.७२	३३५.७८	०.७९	१४.२६	१६.०९	८.३६	९८.४८३

चन्द्र

जून–जुलाई सन १९३८ इ. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।

	राहु (पात)	पातोन चन्द	कक्षा प्र. चलन	स्पष्टचंद्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	बिंब	विषुवांश	इन्दोर शहर का स्थानिक या. लं.	का.
	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क.	अ. क.	अ. क.	क.	अ. क.	घ प.	इं.घं.मि.
	१४८·१६२	२०७·९२४	·०६०	५९·८२२	१५·१७७	२ २४·४	८२ ४९	२० ५२	३३·६	८२ १९	१२ ५८	११ ३८
	१४८·२१५	२२३·१७४	·०४०	७४·९९९	१५·२८६	−३ ३१·१	९७ ५९	+१९ ४२	३३·७	९८ २८	१५ ३०	१२ ३९
	१४८·२६८	२३८·५०३	·०५०	९०·२८५	१५·०९७	४ २३·२	११३ १६	१७ ७	३३·५	११४ २१	१७ ५९	१३ ३९
	१४८·३२१	२५३·६१३	·०९०	१०५·३८२	१४·८१६	४ ५६·२	१२८ २२	१३ २५	३३·२	१२९ २९	२० २१	१४ ३५
	१४८·३७४	२६८·४३२	·१४०	१२०·१९८	१४·४२७	५ ८·७	१४३ ११	८ ५५	३२·८	१४३ ४८	२२ ३४	१५ २८
	१४८·४२७	२८२·८५२	·२००	१३४·६२५	१३·९२६	५ १·१	१५७ ३७	४ ४	३२·१	१५७ २६	२४ ४०	१६ १९
	१४८·४८०	२९६·९११	·२४०	१४८·५५१	१३·४५६	४ ३५·६	१७१ ३२	+० ५२	३१·६	१७० २४	२६ ४०	१७ ७
	१४८·५३३	३१०·२८०	·२६०	१६२·००७	१२·९९७	३ ५५·४	१८५ ०	−५ ४३	३१·०	१८३ २	२८ ३६	१७ ५३
१	१४८·५८६	३२३·३३०	·२६०	१७५·००४	१२·६३६	३ ४·३	१९७ ५९	९ ५४	३०·६	१९५ २४	३० ३०	१८ ३९
२	१४८·६३९	३३६·०८९	·२३०	१८७·६८०	१२·३३६	२ ५·०	२१० ४०	१३ ४०	३०·२	२०७ ४८	३२ २५	१९ २४
७	१४८·६९२	३४८·५१८	·१९०	२००·०१६	१२·१०७	१ १·४	२२३ ०	१६ ४३	२९·९	२२० १४	३४ १९	२० ११
८	१४८·७४५	०·७१८	·१५०	२१२·१२३	११·९५६	+० ३·९	२३५ ७	१८ ५९	२९·७	२३२ ४९	३६ १५	२० ५७
९	१४८·७९८	१२·७७७	·१००	२२४·०७९	११·८६६	१ ७·६	२४७ ४	२० २५	२९·६	२४५ २६	३८ ११	२१ ४३
०	१४८·८५१	२४·७२६	·०७०	२३५·९४५	११·८४७	२ ९·१	२५८ ५६	२० ५१	२९·६	२५८ ९	४० ९	२२ ३१
१	१४८·९०४	३६·६५६	·०४०	२४७·७९२	११·८४६	३ ४·४	२७० ४७	२० २३	२९·६	२७० ५०	४२ ५	२३ १७
२	१४८·९५७	४८·५५५	·०४०	२५९·६३८	११·८७६	३ ५१·४	२८२ ३८	१९ १	२९·७	२८३ २०	४४ ०	० ३
३	१४९·०१०	६०·४७४	·०५०	२७१·५१४	११·९४७	४ २५·८	२९४ ३०	१६ ५२	२९·९	२९५ ३६	४५ ५३	० ४८
४	१४९·०६३	७२·४४४	·०८०	२८३·४६१	१२·००६	४ ५४·४	३०६ २७	१३ ५५	२९·८	३०७ ३५	४७ ४४	१ ३३
५	१४९·११६	८४·४५३	·१३०	२९५·४६७	१२·११६	५ ७·३	३१८ २७	१० ४१	२९·९	३१९ १७	४९ ३१	२ १५
६	१४९·१६९	९६·५७२	·१८०	३०७·५८३	१२·२४७	५ ६·८	३३० ३४	६ २९	३०·१	३३० ४९	५१ १६	२ ५७
७	१४९·२२२	१०८·८३२	·२२०	३१९·८३०	१२·४१६	४ ५२·२	३४२ ४९	−२ १५	३०·३	३४२ १८	५३ १	३ ३९
८	१४९·२७४	१२१·२७०	·२५०	३३२·२४६	१२·६५७	४ २३·७	३५५ १४	+२ ८	३०·६	३५३ ५४	५४ ४८	४ २२
९	१४९·३२७	१३३·९७०	·२६०	३४४·९०३	१२·९३६	३ ४१·६	७ ५३	६ ३१	३०·९	००५ ४८	५६ ३१	५ ५
१०	१४९·३८०	१४६·९६१	·२५०	३५७·८३१	१३·२६७	२ ४७·६	२० ५०	१० ४४	३१·३	१८ ११	५८ ३०	६ ४१
११	१४९·४३३	१६०·३११	·२४०	११·१०६	१३·६८६	१ ४४·०	३४ ६	१४ ३१	३१·८	३१ १४	० ३१	६ ३९
१२	१४९·४८६	१७४·१०८	·१७०	२४·७९२	१४·०९६	−० ३१·७	४७ ४७	१७ ३९	३२·३	४५ १०	२ ४१	८ २१
१३	१४९·५३९	१८८·३०७	·१२०	३८·८८८	१४·३९७	० ४४·५	६१ ५३	१९ ४९	३२·६	५९ [illegible]	४ ५८	[illegible] २६
१४	१४९·५९२	२०२·८०७	·०७०	५३·२८५	१४·९४६	१ ५९·५	७६ १६	२१ १५	३३·३	७५ १८	७ २६	९ २४
१५	१४९·६४५	२१७·८३६	·०४०	६८·२३१	१५·१०६	३ ९·६	९१ १३	२० १७	३३·५	९१	९ ५५	१० २४
१६	१४९·६९८	२३२·९१५	·०४०	८३·३३७	१५·२१६	४ ६·५	१०६ १९	१८ २२	३३·७	१०७ १०	१२ २	११ २३
१७	१४९·७५१	२४८·२३४	·०७०	९८·५५३		४ ४६·८	१२१ ३२	+१५ १०	३३·६	१२२ ४१	१४ ४६	१२ २१

चन्द्र

जुलाई-अगस्ट सन १९३८ इ. श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।

ता	ति.वा	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	र.कें. गतिसं	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अ.	अ.	अं	अं	अं	अ	अं	अ	अ	अ
२७	३० बु	५२२६	८८·२९३	·३२	३५६·२०	०·७२	३३५·७८	०·७९	१४·२६	१६·०९	८·३६	९८·४८३
२८	२ गु	५२२७	१०१·४७०	·३२	८·४०	०·९७	३४७·१०	१·०२	२७·३३	२९·६४	०·८०	११३·१८०
२९	३ शु	५२२८	११४·६४६	·३३	२०·५९	१·०८	३५८·४२	१·२७	४०·३९	४३·१६	११·०२	१२८·४३६
३०	४ श	५२२९	१२७·८२३	·३३	३२·७८	१·०३	९·५३	१·५३	५३·४६	५६·६४	११·९४	१४२·१४३
३१	५ र	५२३०	१४०·९९९	·३३	४४·९७	१·३७	२१·०५	१·७५	६६·५२	६९·९७	१२·५३	१५६·९७९
१	६ च	५२३१	१५४·१७६	·३३	५७·१६	१·३१	३२·३७	१·९८	७९·५९	८३·२१	१२·७७	१७०·५६६
२	७ म	५२३२	१६७·३५२	·३४	६९·३५	१·१५	४३·६८	२·१७	९२·६५	९६·३०	१२·६९	१८३·६९२
३	८ बु	५२३३	१८०·५२८	·३४	८१·५४	०·९४	५५·००	२·३३	१०५·७२	१०९·३३	१२·३०	१९६·४३८
४	९ गु	५२३४	१९३·७०५	·३४	९३·७३	०·६९	६६·३२	२·४४	११८·७८	१२२·२५	११·६३	२०८·८०५
५	१० शु	५२३५	२०६·८८१	·३५	१०५·९२	०·४६	७७·६३	२·५२	१३१·८५	१३५·१७	१०·७३	२२०·९३१
६	११ श	५२३६	२२०·०५७	·३५	११८·११	०·२८	८८·९५	२·५४	१४४·९१	१४८·०८	९·६३	२३२·८५७
७	१२ र	५२३७	२३३·२३३	·३	१३०·३०	०·१९	१००·२७	२·५१	१५७·९८	१६१·०३	८·४२	२४४·७०३
८	१३ चं	५२३८	२४६·४१०	·३५	१४२·४९	०·२१	१११·५८	२·४४	१७१·०४	१७४·०४	७·१२	२५६·५३०
९	१३ मं	५२३९	२५९·५८६	·३	१५४·६८	०·३३	१२२·९०	२·३४	१८४·११	१८७·१३	५·७७	२६८·३७६
१०	१४ बु	५२४०	२७२·७६३	·३६	१६६·८७	०·५३	१३४·२२	२·१८	१९७·१७	२००·२४	४·४६	२८०·२९३
११	१५ गु	५२४१	२८५·९३९	·३६	१७९·०६	०·७७	१४५·५३	२·००	२१०·२४	२१३·३७	३·२४	२९२·३०९
१२	१ शु	५२४२	२९९·११५	·३६	१९१·२५	१·०४	१५६·८५	१·७८	२२३·३०	२२६·४८	२·१४	३०४·४३५
१३	२ श	५२४३	३१२·२९२	·३७	२०३·४४	१·२६	१६८·१७	१·५५	२३६·३७	२३९·५४	१·२७	३१६·७३२
१४	३ र	५२४४	३२५·४६८	·३७	२१५·६४	१·३९	१७९·४८	१·३२	२४९·४३	२५२·५१	०·६३	३२९·७७८
१५	४ च	५२४५	३३८·६४४	·३७	२२७·८३	१·४२	१९०·८०	१·०७	२६२·५०	२६५·३६	०·२९	३४१·७९४
१६	५ मं	५२४६	३३८८२१	·३८	२४०·०२	१·३४	२०२·१२	०·८४	२७५·५६	२७८·११	०·२४	३५४·६११
१७	६ बु	५२४७	४·९९७	·३८	२५२·२१	१·१८	२१३·४३	०·६३	२८८·६३	२९०·८२	०·५०	७·६८७
१८	७ गु	५२४८	१८·१७३	·३८	६४·४०	०·९५	२२४·७५	०·४४	३०१·६९	३०३·४६	१·०५	२०·९९३
१९	८ शु	५२४९	३१·३४९	·३८	२७६·५९	०·७०	२३६·०७	०·२७	३१४·७६	३१६·११	१·९२	३४·६९१
२०	९ श	५२५०	४४·५२६	·३९	२८८·७८	०·४७	२४७·३८	०·१६	३२७·८२	३२८·८३	३·०४	४८·५७६
२१	१० र	५२५१	५७·७०२	·३९	३००·९७	०·३१	२५८·७०	०·०९	३४०·८९	३४१·६८	४·४०	६२·८९२
२२	१२ चं	५२५२	७०·८७८	·३९	३१३·१६	०·२३	२७०·०२	०·०६	३५३·९५	३५४·६३	५·८६	७६·४१८
२३	१३ म	५२५३	८४·०५५	·३९	३२५·३५	०·२६	२८१·३३	०·०८	७·०२	७·७५	७·४२	९१·२०५
२४	१४ बु	५२५४	९७·२३१	·३९	३३७·५४	०·४०	२९२·६५	०·१५	२०·०८	२१·०२	८·९०	१०७·०७१
२५	३० गु	५२५५	११०·४०८	·४०	३४९·७४	०·६०	३०३·३७	०·२६	३३·१५	३४·४१	१०·२६	१२१·९२७

जुलाई–आगष्ट सन १९३८ इ. श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का चंद्रका वेध गणित ।

ता.	राहु (पात)	पातोन चंद्र	कक्षा ध्रु फल	स्पष्ट चंद्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	बिंब	विषुवांश	इदोर शहर का स्थानिक या. ल. का.	
	अ	अ.	अ	अ.	अं	अ क.	अं क	अं क	क. बि.	अ क	घ प	स्टैंघ मि
२७	१४९.७५१	२४८·२३४	·०७०	९८·५५३	१५·१४७	−४ ४६·८	१२१ ३२	१५ १०	३३·६	१२२ ४१	१४ ४६	१२ २१
२८	१४९ ८०४	२६३·३८४	·१२०	११३·७००	१४·९१६	५ ६·८	१३६ ४१	+१० ५८	३३·३	१३७ ३५	१७ ६	१३ १७
२९	१४९ ८५७	२७८·२९:	·१८०	१२८ ६१६	१४ ५५७	५ ५·६	१५१ ३६	६ ३०	३२·८	१५१ ५१	१९ १९	१४ ११
३०	१४९ ९१०	२९२·८५३	·२३०	१४३ १७३	१४ ०६६	४ ४४·४	१६६ १०	+ १ ६	३२·३	१६५ २६	२१ २४	१५ १
३१	१४९ ९६३	:०६ ९४२	२६०	१५७ २३९	१३·५८७	४ ६·६	१८० १४	− ३ ५१	३१·७	१९८ ३५	२३ २६	१५ ४९
१	१५० ०१६	३२०·५८२	२६०	१७० ८·६	१३ १०६	३ १५·८	१९३ ४९	८ २८	३१·१	१९१ २६	२५ २४	१६ ३६
२	१५०·०६९	३३३ ७६१	२४०	१८३ ९३२	१२·७०६	२ १६·९	२०६ ५५	१२ २९	३०·६	२०४ ८	२७ २१	१७ २३
३	१५० १२२	:४६·५६०	·२००	१९६·६३८	१२·३२७	१ ११·६	२१९ ३८	१५ ५१	३०·२	२१६ ५०	२९ १८	१८ १०
४	१५० १७५	३५८·९८०	·१६०	२०८·९६५	१२·०७६	−० ४·९	२३१ ५७	१८ २०	२९·९	·२९ ३०	३१ १६	१८ ५७
५	१५० २२८	११·१५९	·११०	२२१·०४१	११·८८६	+० ५९·४	२४४ २	१८ ५९	·९·६	२४२ १४	३३ १३	१९ ४४
६	१५०·२८१	२३·१३८	·०७०	२३२ ९२७	११·८१६	२ ०·७	२५५ ५५	२० ४२	२९·६	२५४ ५६	३५ १०	२० ३१
७	१५० ३३४	३५ ०३७	·०४०	२४४·७४३	११ ८२७	२ ५७·१	२६७ ४४	२० २९	२९·६	२६७ ३५	३७ ७	२१ १८
८	१५० ३८:	४६·९१७	·०४०	२५६·५७०	११·८५६	३ ४··४	२७९ ३३	१९ २:	२९·७	२८० ७	३९ २	२२ ४
९	१५०·४४०	५८·८१६	·०५०	२६८ ४२६	११·९४७	४ २४·०	२९१ २५	१७ २३	२९·८	२९२ २६	४० ५५	२२ ४९
१०	१५० ४९३	७०·७८६	०८०	२८०·३७३	१२·०५६	४ ५१··	३०३ २:	१४ ४१	२९·८	३०४ ३१	४२ ४७	२३ ३४
११	१५०·५४६	८२ ८५५	.१२०	२९२ ४२९	१२·१७६	५ ६·५	३१५ २५	११ २०	३०·०	३१६ २०	४४ ३५	० १७
१२	१५०·५९९	९५·०३४	१७०	३०४ ६०५	१२ ३३७	५ ९·६	३२७ ३६	७ २७	३०·२	३२८ ०	४६ २२	१ ०
१३	१५०·६५२	१०७·३८४	२१०	३१६·९४:	१२·४८६	४ ५४·६	३३९ ५६	३ १८	३०·४	३३९ ११	४८ ४	१ ४१
१४	१५०·७०५	११९·८८३	·२५०	३२९ ४२८	१२·६२६	४ २७·५	३५२ २५	− १ ६	३०·६	३५१ १६	४९ ५५	२ २५
१५	१५०·७५८	१३२ ५५२	२६०	३४२ ०५४	१२·८०७	३ ४७·२	५ ३	+ ५ २८	३०·८	३ ८	५१ ४३	३ ८
१६	१५०·८११	१४५ ४२२	·२५०	३५४·८६१	१३ ०५६	२ ५४·२	१७ ५१	९ ४१	३१·०	१५ २१	५३ ३६	३ ५३
१७	१५०·८६४	१५८·५५१	२३०	७·९१७	१३ २५६	१ ५२·६	३० ५४	१३ ३३	३१·३	२८ ५	५५ ३३	४ ४०
१८	१५०·९१७	१७१·९१०	·१८०	२१·१७३	१३·५७६	+० ४३·४	४४ १०	१६ ४७	३१·७	४१ २९	५७ :८	५ ३०
१९	१५० ९७०	१८५·५८९	१३८	३४·७४९	१३·९०७	−० ३०·१	५७ ४४	१९ १०	३२·१	५५ ३५	५९ ४९	६ २३
२०	१५१·०२३	१९९ ५९९	·०८०	४८ ६५६	१४ २८:	१ ४३·५	७१ ४१	२० २८	३२·५	७० ३०	३ ८	७ १८
२१	.५१·०७६	·१४ ०६८	०५०	६२ ९४·	१४ ५१६	२ ५३·०	८५ ५६	२० ३१	३२·८	८५ ३९	४ ३०	८ १५
२२	१५१·१२९	२२८ ५४७	०४०	७७·४५८	१४ ८०७	३ ५१·३	१०० २७	१९ १२	३३·२	१०१ ३	६ ५४	९ १३
२३	१५१·१८२	२४३ ३८९	·०६०	९२ २६५	१४ ९०६	४ ३६·१	११५ १५	१६ ३४	३३·४	११६ २०	९ १६	१० ९
२४	१५१ २३·	२५८ ३०६	·१००	१०७ १७१	१४ ९१६	५ २·४	१३० १०	१२ ५१	३३·३	१३१ १४	११ ३५	११ ५
२५	१५१·२६८	२७३·२१५	१६०	१२२·०८७		−५ ८·३	१४५ ५	+ ८ १९	३३·२	१४५ ३७	१३ ५०	११ ५९

चन्द्र

अगस्ट–सप्टेंबर सन १९३८ इ. **भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	कें.गति सं.	तिथि केंद्र	द्वितीयसंस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं	मन्द स्पष्ट चंद्र
			अ	अ	अ	अ	अ	अं	अं	अं	अं	अं
२५	३० गु	५२५५	११०.४०७	.४०	३४९.७४	०.६०	३०३.९७	०.२६	३३.१५	३४.४१	१०.२६	१२१.१२७
२६	१ शु	५२५६	१२३.५८३	.४०	१.९३	०.८४	३१५.२८	०.४२	४६.२१	४७.८७	११.३८	१३६.६२३
२७	२ श	५२५७	१३६.७६०	.४०	१४.१२	१.०७	३२६.६०	०.६१	५९.२८	६१.३६	१२.२०	१५१.०४०
२८	३ र	५२५८	१४९.९३६	.४०	२६.३१	१.२५	३३७.९२	०.८३	७२.३४	७४.८२	१२.६६	१६५.०७६
२९	४ चं	५२५९	१६३.११३	.४०	३८.५०	१.३६	३४९.२३	१.०६	८५.४१	८८.२३	१२.७८	१७८.७१३
३०	५ मं	५२६०	१७६.२८९	.४१	०५०.७०	१.३६	०.५५	१.३१	९८.४७	१०१.५५	१२.५६	१९१.९२९
३१	६ बु	५२६१	१८९.४६६	.४१	६२.८९	१.२५	११.८७	१.५६	१११.५४	११४.७६	१२.०४	२०४.७२६
१	७ गु	५२६२	२०२.६४२	.४१	७५.०८	१.०६	२३.१८	१.७९	१२४.६०	१२७.८६	११.२६	२१७.१६२
२	८ शु	५२६३	२१५.८१९	.४१	८७.२७	०.८३	३४.५०	२.०१	१३७.६७	१४०.९२	१०.२७	२२९.३३९
३	९ श	५२६४	२२८.९९५	.४१	९९.४६	०.५८	४५.८२	२.२०	१५०.७३	१५३.९२	९.०७	२४१.२८५
४	१० र	५२६५	२४२.१७१	.४१	१११.६५	०.३६	५७.१३	२.३५	१६३.८०	१६६.९२	७.८४	२५३.१३१
५	११ चं	५२६६	२५५.३४८	.४२	१२३.८४	०.२२	६८.४५	२.४५	१७६.८६	१७९.९५	६.५०	२६४.९३८
६	१२ मं	५२६७	२६८.५२४	.४२	१३६.०३	०.१८	७९.७६	२.५३	१८९.९३	१९३.०६	५.१६	२७६.८१४
७	१३ बु	५२६८	२८१.७००	.४२	१४८.२३	०.२५	९१.०८	२.५४	२०२.९९	२०६.२०	३.८९	२८८.८००
८	१४ गु	५२६९	२९४.८७६	.४२	१६०.४२	०.४१	१०२.४०	२.५१	२१६.०६	२१९.४०	२.७१	३००.९२६
९	१५ शु	५२७०	३०८.०५३	.४२	१७२.६१	०.६४	११३.७१	२.४३	२२९.१२	२३२.६१	१.७१	३१३.२५३
१०	१ श	५२७१	३२१.२२९	.४२	१८४.८०	१.९१	१२५.०३	२.३२	२४२.१९	२४५.८४	०.९३	३२५.८०९
११	२ र	५२७२	३३४.४०५	.४३	१८६.९९	१.१५	१३६.३५	२.१५	२५५.२५	२५८.९८	०.४२	३३८.५५५
१२	३ चं	५२७३	३४७.५८२	.४३	२०९.१८	१.३३	१४७.६७	१.९६	२६८.३२	२७२.०४	०.२३	३५१.५३२
१३	४ मं	५२७४	०.७५८	.४३	२२१.३७	१.४१	१५८.९८	१.७४	२८१.३८	२८४.९६	०.३४	४.६७८
१४	५ बु	५२७५	१३.९३५	.४३	२३३.५६	१.३९	१७०.३०	१.५०	२९४.४५	२९७.७७	०.७६	१८.०१५
१५	६ गु	५२७६	२७.११९	.४३	२४५.७५	१.२७	१८१.६२	१.२७	३०७.५१	३१०.४८	१.५०	३१.५८१
१६	७ शु	५२७७	४०.२८७	.४३	२५७.९४	१.०७	१९२.९३	१.०२	३२०.५८	३२३.१०	२.५१	४५.३१७
१७	८ श	५२७८	५३.४६४	.४३	२७०.१३	०.८३	२०४.२५	०.८०	३३३.६४	३३५.७०	३.७४	५९.२६४
१८	९ र	५२७९	६६.६४०	.४३	२८२.३२	०.५८	२१५.५७	०.५८	३४६.७१	३४८.३०	५.१३	७३.२६०
१९	१० चं	५२८०	७९.८१७	.४३	२९४.५१	०.३८	२२६.८८	०.४१	३५९.७७	०.९९	६.६३	८७.६५७
२०	११ मं	५२८१	९२.९९३	.४३	३०६.७०	०.२६	२३८.२०	०.२५	१२.८४	१३.७८	८.११	१०१.०४३
२१	१२ बु	५२८२	१०६.१६९	.४३	३१८.९	०.२४	२४९.५२	०.१४	२५.९०	२६.७१	९.५१	११६.४८९
२२	१३ गु	५२८३	११९.३४६	.४३	३३१.०९	०.३१	२६०.८३	०.०८	३८.९७	३९.७९	१०.७५	१३०.५९६
२३	३० शु	५२८४	१३२.५२२	.४३	३४३.२८	०.४८	२७२.१५	०.०६	५२.०३	५३.००	११.७४	१४५.२३२

अगस्ट-सप्टेम्बर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।

ता.	राहु (पात)	पातोन चन्द्र	कक्षा प. संस्कार	स्पष्ट चन्द्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	बिंब	विषुवांश	इन्दौर शहर का स्थानिक या. लं. का.	
	अ.	अं.	अ	अं.	अं	अं. क.	अं. क	अ. क	कला	अं. क	घ. प.	स्टैं घं. मि
२५	१५१·२६८	२७३·२१५	·१६०	१२२·०८७	१४·७९६	५ ८·३	१४५ ५	८ १९	३३·२	१४५ ३७	१३ ५०	११ ५९
२६	१५१·३४१	२८७·९६४	·२२०	१३६·८८३	१४·४०७	−४ ५३·४	१५९ ५२	३ २१	३२·७	१५९ ३४	१६ ०	१२ ५१
२७	१५१·३९४	३०२·४३४	·२५०	१५१·२९०	१४·०४६	४ २०·७	१७४ १७	+ १ ४३	३२·२	१७३ २	१८ ४	१३ ४१
२८	१५१·४४७	३१६·५२३	·२६०	१६५·३३६	१३·६२७	३ ३२·४	१८८ २०	− ६ ३३	३१·७	१८६ १५	२० ७	१४ ३०
२९	१५१·५००	३३०·२१३	·२५०	१७८·९६३	१३·१७६	२ ३३·२	२०१ ५७	१० ५५	३१·२	१९९ १९	२२ ७	१५ १८
३०	१५१·५५३	३४३·४८२	·२१०	१९२·१३९	१२·७५७	१ २७·८	२१५ ८	१४ ३७	३०·७	२१२ २१	२४ ८	१६ ६
३१	१५१·६०६	३५६·३३२	·१७०	२०४·८९६	१२·३८६	−० १९·८	२२७ ५३	१७ ३०	३०·३	२२५ १९	२६ ७	१६ ५३
१	१५१·६५९	८·८२१	·१२०	२१७·२८२	१२·१३७	+० ५२·६	२४० १६	१९ २१	३०·०	२३८ १७	२८ ८	१७ ४२
२	१५१·७१२	२१·०५१	·०८०	२२९·४१९	११·९१६	१ ५०·७	२५२ २५	२० २८	२९·७	२५१ १२	३० ७	१८ ३०
३	१५१·७६५	३३·०५०	·०५०	२४१·३३५	११·८३६	२ ४८·२	२६४ २०	२० ३२	२९·६	२६३ ५७	३२ ५	१९ १७
४	१५१·८१८	४४·९४९	·०४०	२५३·१७१	११·८१७	३ ३८·०	२७६ १०	१९ ४१	२९·६	२७६ ३२	३४ ०	२० ३
५	१५१·८७१	५६·९०८	·०५०	२६४·९८८	११·९०६	४ १८·४	२८७ ५९	१७ ५९	२९·७	२८८ ५३	३५ ५४	२० ४९
६	१५१·९२४	६८·७३८	·०८०	२७६·८१४	१२·०१६	४ ४७·७	२९९ ५३	१५ ३०	२९·८	३०१ १	३७ ४५	२१ ३३
७	१५१·९७७	८०·७७७	·११०	२८८·९१०	१२·१७६	५ ४·८	३११ ५४	१२ २०	३०·०	३१२ ५५	३९ ३४	२२ १७
८	१५२·०३०	९२·९५६	·१६०	३०१·०८६	१२·३७७	५ ८·४	३२४ ५	८ ३९	३०·२	३२४ ४१	४१ २३	२३ ०
९	१५२·०८३	१०५·३३६	·२१०	३१३·४६३	१२·५८६	४ ५७·८	३३६ २७	४ ३२	३०·५	३३६ २३	४३ १०	२३ ४३
१०	१५२·१३६	११७·९४५	·२४०	३२६·०४९	१२·७६६	४ ३२·७	३४९ २	− ० ९	३०·७	३४८ ८	४४ ५७	० २६
११	१५२·१८९	१३०·७४४	·२६०	३३८·८१५	१२·९७७	३ ५३·८	१ ४८	+ ४ १७	३०·९	० ६	४६ ४७	१ १०
१२	१५२·२४२	१४३·७७४	·२६०	३५१·७९२	१३·२१६	३ २·४	१४ ४७	८ ४४	३१·१	१२ २१	४८ ४०	१ ५५
१३	१५२·२९५	१५६·९७३	·२३०	४·९०८	१३·२९७	२ ०·८	२७ ५४	१२ ३७	३१·४	२५ १०	५० ३८	२ ४२
१४	१५२·३४८	१७०·३६३	·१९०	१८·२०५	१३·५०६	+० ५१·६	४१ १२	१६ १	३१·६	३८ २९	५२ ४१	३ ३१
१५	१५२·४०१	१८३·९८२	·१३०	३१·७११	१३·६८६	−० २१·५	५४ ४२	१८ ३६	३१·८	५२ २६	५४ ५१	४ २३
१६	१५२·४५४	१९७·७७१	·०८०	४५·३९७	१३·९१७	१ ३४·०	६८ २३	२० १०	३२·१	६६ ५३	५७ ६	५ १७
१७	१५२·५०७	२११·७७१	·०५०	५९·३१४	१४·०८६	२ ४२·४	८२ १८	२० ३२	३२·३	८१ ४७	५९ २५	६ १३
१८	१५२·५६०	२२५·९२०	·०४०	७३·४००	१४·३०७	३ ४१·७	९६ २४	१९ ३६	३२·६	९६ ४७	१ ४५	७ ९
१९	१५२·६१३	२४०·२७०	·०५०	८७·७०७	१४·४२६	४ २७·१	११० ४२	१७ २८	३२·७	११२ ८	४ ८	८ ५
२०	१५२·६६६	२५४·७०९	·०९०	१०२·१३३	१४·४९६	४ ५७·८	१२५ ७	१४ १०	३२·८	१२६ १४	६ ११	८ ५९
२१	१५२·७१९	२६९·२०८	·१४०	११६·६२९	१४·४८७	५ ८·८	१३९ ३७	१४ ३	३२·९	१४० २४	८ ३१	९ ५१
२२	१५२·७७२	२८३·६८८	·२००	१३१·११६	१४·३५६	५ ८·०	१५४ ६	५ १४	३२·६	१५४ ७	१० ३९	१० ४३
२३	१५२·८२५	२९८·०५७	·२४०	१४५·४७२		−४ ३२·०	१६८ २८	+ ० २३	३२·३	१६७ ३७	१२ ४४	११ ३३

सप्टेंबर–अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	र. कें गति सं	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अ	अ	अ	अ	अं	अं	अं	अं	अं	अं
२३	३० शु	५२८४	१३२.५२२	.४३	३४३.२८	०.४८	२७२.१५	०.०६	५२.०३	५३.००	११.७४	१४५.२३२
२४	१ श	५२८५	१४५.६९८	.४३	३५५.४७	०.७१	२८३.४६	०.०९	६५.१०	६६.३३	१२.४१	१५९.१३८
२५	२ र	५२८६	१५८.८७४	.४३	७.६६	०.९५	२९४.७८	०.१७	७८.१६	७९.७१	१२.५४	१७३.१६४
२६	३ सो	५२८७	१७२.०५१	.४३	१९.८५	१.१७	३०६.०९	०.२९	९१.२३	९३.१२	१२.७४	१८६.६८१
२७	४ मं	५२८८	१८५.२२७	.४३	३२.०४	१.३२	३१७.४०	०.४५	१०४.२९	१०६.४९	१२.४१	१९९.८३७
२८	५ बु	५२८९	१९८.४०४	.४३	४४.२३	१.३७	३२८.७२	०.६५	११७.३६	११९.८१	११.७५	२१२.६०४
२९	६ गु	५२९०	२११.५८०	.४४	५६.४२	१.३२	३४०.०३	०.८७	१३०.४२	१३३.०५	१०.९०	२२५.११०
३०	७ शु	५२९१	२२४.७५७	.४४	६८.६१	१.१६	३५१.३५	१.१२	१४३.४९	१४६.२१	९.८०	२३७.२७७
१	८ श	५२९२	२३७.९३३	.४४	८०.८०	०.९५	२.६७	१.३६	१५६.५५	१५९.३०	८.५८	२४९.२६३
२	९ र	५२९३	२५१.११०	.४४	९२.९९	०.७०	१३.९९	१.६०	१६९.६२	१७२.३६	७.२९	२६१.१४०
३	९ सो	५२९४	२६४.२८६	.४४	१०५.१८	०.४७	२५.३१	१.८४	१८२.६८	१८५.४३	५.९४	२७२.९७६
४	१० मं	५२९५	२७७.४६२	.४४	११७.३७	०.२९	३६.६३	२.०५	१९५.७५	१९८.५३	४.६२	२८४.८६२
५	११ बु	५२९६	२९०.६३८	.४४	१२९.५६	०.१९	४७.९४	२.२३	२०८.८१	२११.६७	३.३९	२९६.८८८
६	१२ गु	५२९७	३०३.८१५	.४४	१४१.७५	०.२०	५९.२६	२.३७	२२१.८८	२२४.८९	२.२७	३०९.०९५
७	१३ शु	५२९८	३१६.९९१	.४४	१५३.९४	०.३१	७०.५८	२.४७	२३४.९४	२३८.१६	१.३५	३२१.५६१
८	१४ श	५२९९	३३०.१६७	.४४	१६६.१३	०.५१	८१.९०	२.५३	२४८.०१	२५१.४९	०.७१	३३४.३५७
९	१५ र	५३००	३४३.३६४	.४४	१७८.३२	०.७५	९३.२२	२.५३	२६१.०७	२६४.७९	०.२९	३४७.३५४
१०	१ सो	५३०१	३५६.५२०	.४३	१९०.५१	१.०२	१०४.५३	२.४९	२७४.१४	२७८.०८	०.२४	०.७००
११	२ मं	५३०२	९.६९६	.४३	२०२.७०	१.२४	११५.८५	२.४१	२८७.२०	२९१.२८	०.५०	१४.२७६
१२	३ बु	५३०३	२२.८७३	.४३	२१४.९०	१.३८	१२७.१७	२.२९	३००.२७	३०४.३७	१.०८	२८.०५३
१३	४ गु	५३०४	३६.०४९	.४३	२२७.०९	१.४२	१३८.४८	२.१२	३१३.३३	३१७.३०	२.०१	४२.०२९
१४	५ शु	५३०५	४९.२२६	.४३	२३९.२८	१.३५	१४९.७९	१.९१	३२६.४०	३३०.०९	३.५७	५६.०८६
१५	७ श	५३०६	६२.४०२	.४३	२५१.४७	१.१९	१६१.११	१.७०	३३९.४६	३४२.७८	४.५२	७०.१४२
१६	८ र	५३०७	७५.५७८	.४३	२६३.२६	०.९६	१७२.४२	१.४६	३५२.५३	३५५.३८	५.९५	८४.३७८
१७	९ सो	५३०८	८८.७५५	.४३	२७५.८५	०.७१	१८३.७३	१.२३	५.५९	७.९३	७.४१	९८.५०५
१८	१० मं	५३०९	१०१.९३१	.४३	२८८.०४	०.४९	१९५.०५	०.९८	१८.६६	२०.५६	८.८६	११२.६९१
१९	११ बु	५३१०	११५.१०८	.४३	३००.२३	०.३२	२०६.३७	०.७५	३१.७२	३३.२२	१०.१५	१२६.७५८
२०	१२ गु	५३११	१२८.२८४	.४३	३१२.४२	०.२३	२१७.६८	०.५६	४४.७९	४६.०१	११.२५	१४०.७५४
२१	१३ शु	५३१२	१४१.४६०	.४३	३२४.६१	०.२६	२२९.००	०.३८	५७.८५	५८.९२	१२.०८	१५४.६१०
२२	१४ श	५३१३	१५४.६३७	.४२	३३६.८०	०.३६	२४०.३२	०.३०	७०.९२	७१.९४	१२.५९	१६८.२४७
२३	३० र	५३१४	१६७.८१३	.४२	३४९.००	०.५८	२५१.६३	०.१३	८३.९८	८५.११	१२.७८	१८१.७२३

सितंबर-अक्टूबर सन १९३८ इ आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।

ता.	राहु (पात)	पातोन चंद्र	कक्षा ८ फल	स्पष्ट चंद्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	बिंब	विषुवांश	इंदौर शहर का स्थानिक या.	लं. का.
	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	क.	अं. क.	घ. प.	स्टैं.घ मि.
२३	१५२·८२५	२९८·०५७	·२४०	१४५·४७२	१४·१२६	–४ ३२·०	१६८ २८	+ ० २३	३२·३	१६७ ३७	१२ ४४	११ ३३
२४	१५२·८७८	३१२·२१६	·२६०	१५९·५९८	१३·८१६	–३ ४८·५	१८२ ३५	– ४ ३०	३२·०	१८० ५१	१४ ४७	१२ २१
२५	१५२·९३१	३२६·०९५	·२५०	१७३·४१४	१३·४८७	२ ५१·९	१९६ २४	९ ५	३१·६	१९३ ५९	१६ ४८	१३ १०
२६	१५२·९८४	३३९·६६५	·२२०	१८६·९०१	१३·११६	१ ४७·२	२०९ ५३	१३ ७	३१·१	२०७ ९	१८ ५०	१३ ५९
२७	१·३·०३७	३१२·८७४	·१८०	२००·०१७	१२·७१७	–० ३८·३	२२३ ०	१६ २१	३०·७	२२० ९	२० ५०	१४ ४७
२८	१५३·०९०	५·६९४	·१३०	२१२·७३४	१२·४५६	+० ३०·०	२३५ ४३	१८ ४३	३०·३	२३३ ३१	२२ ५३	१५ ३६
२९	१५३·१४३	१८·२५३	·०८०	२२५·१९०	१२·१३७	१ ३६·०	२४८ ११	२० ७	२९·९	२४६ ४१	२४ ५६	१६ २५
३०	१५३·१९६	३०·४७३	·०५०	२३७·३२७	११·९७६	२ ३४·५	२६० १९	२० ३२	२९८	२५९ ४०	२६ ५६	१७ १३
१	१५३·२४९	४२·५१२	·०४०	२४९·३०३	११·८७७	+३ २८·५	२७२ १८	–१९ ५७	२९·७	२७२ ३४	२८ ५५	१८ १
२	१५३·३०२	५४·४४२	·०४०	२६१·१८	११·८६६	४ ११·१	२८४ १०	१८ ३२	२९·६	२८४ ५५	३० ४८	१८ ४६
३	१५३·३५५	६६·३३१	·०७०	२७३·०४६	११·९१६	४ ४२·८	२९६ २	१६ १९	२९·७	२९७ ७	३२ ४०	१९ ३१
४	१५३·४०८	७९·२७०	·१००	२८४·९६२	१२·०१६	५ २·३	३०७ ५७	१३ २५	२९·८	३०९ २	३४ २९	२० १५
५	१५३·४६१	९०·३४९	·१५०	२९७·०३८	१२·२५७	५ ८·४	३२० २	९ ५७	३०·१	३२० ४८	३६ १७	२० ५८
६	१५३ ५१४	१०२·६०९	·२००	३०९·२९५	१२·५०६	५ ०·१	३३२ १७	६ ०	३०·४	३३२ २८	३८ ५	२१ ४१
७	१५३·५६७	११५·१२८	·२४०	३२१·८०१	१२·८१६	४ ३९·५	३४४ ४७	– १ ४२	३०·८	३४४ ११	३९ ५२	२२ २४
८	१५३·६२०	१२७·९७३	·२६०	३३४·६१७	१३·००७	४ ३·३	३५७ ३६	+ ३ ४२	३१·०	३५६ १४	४१ ४२	२३ ८
९	१५३·६७३	१४१·०२७	·२६०	३४७·६२४	१३·३१६	३ १३·८	१० ३७	७ १०	३१·४	८ २८	४३ ३५	२३ ५३
१०	१५३·७२६	१५४·४२६	·२४०	०·९४०	१३·६०६	२ १३·१	२३ ५६	+११ २१	३१·७	२१ २०	४५ ३३	० ४०
११	१५३·७७९	१६८·०५५	·२००	१४·५४६	१३·७८७	+१ ३·६	३७ ३२	१५ ३	३२·०	३४ ५०	४७ ३८	१ ३०
१२	१५३·८३२	१८१·८८३	·१४०	२८·३३३	१३·९२६	–० १०·१	५१ १९	१७ ५६	३२·१	४८ ५६	४९ ४९	२ २३
१३	१५३·८८५	१९५·९१४	·०९०	४२·२५९	१४·०१७	१ २४·५	६५ १५	१९ ४७	३२·२	६३ ३५	५२ ७	३ १८
१४	१५३·९३८	२१०·०२४	·०५०	५६·२७६	१४·०७६	२ ३४·३	७९ १६	२० २७	३२·३	७८ ३४	५४ २७	४ १४
१५	१५३·९९१	२२४·२३३	·०४०	७०·३५२	१४·११७	३ ३५·१	९३ २१	१९ ५२	३२·२	९३ ३३	५६ ४७	५ ९
१६	१५४·०४४	२३८·४२२	·०५०	८४·४६९	१४·१५६	–४ २२·९	१०७ २८	+१७ ५८	३२·४	१०८ २०	५९ : ४	६ ५
१७	१५४·०९७	२५२·६०२	·०९०	९८·६२५	१४·१६६	४ ५४·५	१२१ ३७	१५ ४५	३२·४	१२२ ४४	१ १८	६ ५८
१८	१५४·१५०	२६६·८४१	·१४०	११२·७९१	१४·१५७	५ ८·३	१३५ ४७	११ २३	३२·४	१३६ ४२	३ २८	७ ५०
१९	१५४·२०३	२८०·९६१	·१९०	१२६·९४८	१४·०४६	५ ३·१	१४९ ५६	६ ४६	३२·३	१५० १४	५ ३३	८ ४०
२०	१५४·२५६	२९५·०१०	·२४०	१४०·९९४	१३·८५६	४ ११·५	१६३ ५९	+ २ ६	३२·१	१६३ ३७	७ ३८	९ ३०
२१	१५४·३०९	३०८·९१९	·२६०	१५४·८७०	१३·६३७	४ ०·२	१७७ ५२	– २ ५०	३१·८	१७६ २७	९ ३७	१० १८
२२	१५४·३६२	३२२·६०९	·२६०	१६८·५०७	१३·४४६	३ ७·४	१९१ ३०	७ २६	३१·५	१८९ २१	११ ३६	११ ५
२३	१५४·४१५	३३६·१३८	·२३०	१८१ ९५३		–२ ५·०	२०४ ५६	११ ३६	३१·२	२०२ २०	१३ ३५	११ ५२

चन्द्र

अक्टूबर–नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	प्र. संस्कार	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अं.	अं.	अ.	अं.	अं.	अं.	अं.	अ.	अं.	अं.
२३	३० र	५३१४	१६७·८१३	·४२	३४९·००	०·५८	२५१·६३	०·१३	८३·९८	८५·११	१२·७८	१८१·७२३
२४	१ चं	५३१५	१८०·९८९	·४२	१·१९	०·८२	२६२·९५	०· ८	९७·०५	९८·३७	१२·६५	१९४·९५९
२५	२ मं	५३१६	१९४·१६५	·४२	१३·३८	१·०६	२७४·२७	०· ६	११०·११	१११·६५	१२·२०	२०७·९०५
२६	३ बु	५३१७	२०७·३४२	·४२	२५·५७	१·२५	२८५·५९	०·१०	१२३·१८	१२४·९५	११·४५	२२०·५६२
२७	४ गु	५३१८	२२०·५१८	·४२	३७·७६	१·३६	२९६·९०	०·१९	१३६·२४	१३८·२१	१०·४८	२३२·९६८
२८	५ शु	५३१९	२३३·६९५	·४२	४९·९५	१·३६	३०८·२२	०·३२	१४९·३१	१५१·४१	९·३३	२४५·१२५
२९	६ श	५३२०	२४६·८७१	·४१	६२·१४	१·२६	३१९·५३	०·४९	१६२·३७	१६४·५३	८·०८	२५७·१११
३०	७ र	५३२१	२६०·०४८	·४१	७४·३३	१·०७	३३०·८५	०·६९	१७५·४४	१७७·६१	६·७५	२६८·९६८
३१	८ चं	५३२२	२७३·२२४	·४१	८६·५२	०·८४	३४२·१७	०·९१	१८८·५०	१९०·६६	५·४०	२८०·८८४
१	९ मं	५३२३	२८६·४००	·४१	९८·७१	०·५९	३५३·४८	१·१६	२०१·५७	२०३·७३	४·१३	२९२·६९०
२	१० बु	५३२४	२९९·५७७	·४१	११०·९०	०·३७	४·८०	१·४०	२१४·६३	२१६·८१	२·९३	३०४·६८७
३	११ गु	५३२५	३१२·७५३	·४१	१२३·०९	०·२३	१६·१२	१·६५	२२७·७०	२२९·९९	१·८९	३१६·९३३
४	११ शु	५३२६	३२५·९२९	·४०	१३५·२८	०·१८	२७·४४	१·८८	२४०·७६	२४३·२२	१·०६	३२९·४४९
५	१२ श	५३२७	३३९·१०६	·४०	१४७·४८	०·२४	३८·७५	२·०९	२५३·८३	२५६·५६	०·४९	३४२·३२६
६	१३ र	५३२८	३५२·२८२	·४०	१५९·६७	०·४०	५०·०७	२·२६	२६६·८९	२६९·९५	०·२३	३५५·५७२
७	१५ चं	५३२९	५·४५८	·४०	१७१·८६	०·६३	६१·३८	२·३९	२७९·९६	२८३·३८	०·३१	९·९८८
८	१ मं	५३३०	१८·६३५	·४०	१८४·०५	०·८९	७२·७०	२·४९	२९३·०२	२९६·८०	०·७१	२३·१२५
९	२ बु	५३३१	३१·८११	·४०	१९६·२४	१·१३	८४·०२	२·५४	३०६·०९	३१०·१६	१·४८	३७·३६१
१०	३ गु	५३३२	४४·९८७	·४०	२०८·४३	१·३२	९५·३३	२·५३	३१९·१५	३२३·४०	२·५४	५१·७७७
११	४ शु	५३३३	५८·१६४	·३९	२२०·६२	१·४१	१०६·६५	२·४८	३३२·२२	३३६·५०	३·८३	६६·२७४
१२	५ श	५३३४	७१·३४०	·३९	२३२·८१	१·४०	११७·९७	२·३९	३४५·२८	३४९·४६	५·२७	८०·७९०
१३	६ र	५३३५	८४·५१७	·३९	२४५·००	१·२८	१२९·२८	२·२७	३५८·३५	२·२९	६·७८	९५·२३७
१४	७ चं	५३३६	९७·६९३	·३९	२५७·१९	१·०९	१४०·६०	२·०८	११·४१	१४·९७	८·२४	१०९·४९३
१५	८ मं	५३३७	११०·८६९	·३९	२६९·३८	०·८४	१५१·९२	१·८७	२४·४८	२७·५८	९·६०	१२३·५६९
१६	९ बु	५३३८	१२४·०४६	·३९	२८१·५८	०·६०	१६३·२३	१·६६	३७·५४	४०·१९	१०·७८	१३७·४७६
१७	११ गु	५३३९	१३७·२२२	·३८	२९३·७७	०·३९	१७४·५५	१·४२	५०·६१	५२·८०	११·७३	१५१·१४२
१८	१२ शु	५३४०	१५०·३९८	·३८	३०५·९६	०·२६	१८५·८७	१·१७	६३·६७	६५·४८	१२·३८	१६४·५८८
१९	१३ श	५३४१	१६३·५७५	·३८	३१८·१५	०·२३	१९७·१८	०·९४	७६·७४	७८·२९	१२·७२	१७७·८४५
२०	१४ र	५३४२	१७६·७५१	·३८	३३०·३४	०·३०	२०८·५०	०·७२	८९·८०	९१·२०	१२·७६	१९०·९११
२१	३० चं	५३४३	१८९·९२७	·३८	३४२·५३	०·४७	२१९·८२	०·५१	१०२·८७	१०४·२३	१२·४८	२०३·७६७

अक्टूबर–नवंबर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।

ता.	राहु (पात)	पातोन चन्द	कक्षा प्र.	स्पष्टचंद्र	दिनगति	शर		सायन भोग		क्रांति		बिंब	विषुवांश		इन्दोर शहर का स्थानिक या. लं. का.			
	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं	क.	अं.	क.	अं.	क.	क.	अं.	क.	घ.	प	स्टँ. घं.	मि
२३	१५४·४१५	३३६·१३८	·२३०	१८१·९५३	१३·१९३	–२	५·०	२०४	५६	–११	३६	३१·२	२०२	२०	१३	३५	११	५२
२४	१५४·४६४	३४९·४२७	·१९०	१९५·१४९	१२·९०६	–०	५६·८	२१८	८	–१५	८	३०·९	२१५	२७	१५	३७	१२	४२
२५	१५४·५२१	२·४२६	·१५०	२०८·०५५	१२·५९७	+०	१३·०	२३१	३	१७	४९	३०·७	२२८	४१	१७	३९	१३	३१
२६	१५४·५७४	१५·१३६	·०९०	२२०·६५२	१२·३७६	१	२०·५	२४३	३९	१९	३५	३०·२	२४१	५४	१९	४१	१४	१९
२७	१५४·६२७	२७·५९५	·०६०	२३३·०२८	१२·१३७	२	२२·९	२५६	१	२०	२२	२९·९	२५५	५	२१	४४	१५	९
२८	१५४·६८०	३९·८०५	·०४०	२४५·१६५	११·९८६	३	१७·५	२६८	९	२०	९	२९·८	२६८	२	२३	४३	१५	५६
२९	१५४·७३३	५१·८४४	·०४०	२५७·१५१	११·८७७	४	२·८	२८०	३	१९	०	२९·७	२८०	३६	२५	३९	१६	४२
३०	१५४·७८६	६३·७५४	·०६०	२६९·०२८	११·८५६	४	३७·०	२९२	१	१७	६	२९·६	२९३	०	२७	३३	१७	२८
३१	१५४·८३९	७५·६२३	·१००	२८०·८८४	११·९४६	४	५९·१	३०३	५२	१४	२७	२९·७	३०४	५८	२९	२३	१८	१२
१	१५४·८९२	८७·५८२	·१४०	२९२·८३०	१२·०५७	५	८·५	३१५	४९	१०	५९	२९·८	३१६	४३	३१	१०	१८	५५
२	१५४·४४५	९९·६३२	·१९०	३०४·८७७	१२·२८६	५	४·५	३२७	५२	७	२७	३०·१	३२८	१७	३२	५६	१९	३७
३	१५४·९९८	१११·९३१	·२३०	३१७·१६३	१२·५३६	४	४६·५	३४०	९	३	२०	३०·४	३३९	५१	३४	४३	२०	२०
४	१५५·०५१	१२४·५००	·२५०	३२९·६९९	१२·८८७	४	१४·४	३५२	४१	– १	०	३०·९	३५१	३६	३६	३०	२१	३
५	१५५·१०४	१३७·४३०	·२६०	३४२·५८६	१३·२२६	३	२८·८	५	३५	+ ५	२६	३१·२	३	४५	३८	२२	२१	४८
६	१५५·१५७	१५०·७२९	·२४०	३५५·८१२	१३·५८६	२	३०·८	१८	४८	९	४२	३१·७	१६	२३	४०	१८	२२	३४
७	१५५·२१०	१६४·३९८	·२१०	९·३९८	१३·८८७	१	२२·९	३२	२३	१३	३७	३२·१	२९	४३	४२	२१	२३	२३
८	१५५·२६३	१७८·३८८	·१६०	२३·२८५	१४·१७६	+०	८·८	४६	१७	१६	५१	३२·४	४३	४७	४४	३२	०	१६
९	१५५·३१६	१९२·६७७	·१००	३७·४६१	१४·३७६	–१	७·५	६०	२७	१९	९	३२·६	५८	३२	४६	४९	१	११
१०	१५५·३६९	२०७·१४६	·०६०	५१·८३७	१४·४७७	२	२०·७	७४	५०	२०	१६	३२·८	७३	५०	४९	१३	२	८
११	१५५·४२२	२२१·६९६	·०४०	६६·३१४	१४·५२६	३	२५·३	८९	१८	२०	२	३२·९	८९	१६	५१	३८	३	६
१२	१५५·४७५	२३६·२६५	·०५०	८०·८४०	१४·४७७	४	१६·७	१०३	५०	१८	२८	३२·८	१०४	३३	५४	१	४	३
१३	१५५·५२८	२५०·७६५	·०८०	९५·३१७	१४·३०६	४	५१·३	११८	१९	१५	४५	३२·६	११९	२४	५६	१९	४	५८
१४	१५५·५८१	२६५·०७४	·१३०	१०९·६२३	१४·१२६	५	७·६	१३२	३७	१२	६	३२·२	१३३	३६	५८	३१	५	५१
१५	१५५·६३४	२७९·२०३	·१९०	१२३·७४९	१३·९६७	५	४·१	१४६	४३	७	५०	३२·२	१४७	१२	१	३७	६	४२
१६	१५५·६८७	२९३·१६३	·२३०	१३७·७१६	१३·६६८	४	४३·१	१६०	४२	३	११	३१·८	१६०	२४	२	३९	७	३१
१७	१५५·७४०	३०६·८८२	·२६०	१५१·४०२	१३·४४६	४	६·८	१७४	२४	+ १	३४	३१·५	१७३	१३	४	३८	८	१८
१८	१५५·७९३	३२०·३८१	·२६०	१६४·८४८	१२·२३७	३	१६·८	१८७	५०	– ६	७	३१·३	१८५	५४	६	३५	९	५
१९	१५५·८४६	३३३·६९१	·२४०	१७८·०८५	१२·०२६	२	१६·७	२०१	५	१०	२१	३१·०	१९८	३६	८	३२	९	५२
२०	१५५·८९९	३४६·८१०	·२००	१९१·१११	१२·८०६	१	१०·५	२१४	६	१४	१	३०·८	२११	२६	१०	३०	१०	३९
२१	१५५·९५२	३४९·७११	·१५०	२०३·९१७		–०	१·६	२२६	५५	–१६	५६	३०·६	२२४	२६	१२	३०	११	२७

नवंबर-डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।

ता.	ति.वा	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	प्र. कें. गति फ.	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं	मन्द स्पष्ट चंद्र
			अ	अं	अं	अ	अं	अ	अं	अं	अं	अं
२१	३० चं	५३४३	१८९·९२७	·३८	३४२·५३	०·४७	२१९·८२	०·५१	१०२·८७	१०४·२३	१२·४८	२०३·७६७
२२	१ मं	५३४४	२०३·१०४	·३८	३५४·७२	०·७०	२३१·१३	०·३५	११५·९३	११७·३६	११·९१	२१६·५५५
२३	१ बु	५३४५	२१६·२८०	·३७	६·९१	०·९४	२४२·४५	०·२१	१२९·००	१३०·५२	११·०७	२२८·८७०
२४	२ गु	५३४६	२२९·४५६	·३७	१९·१०	१·१६	२५३·७७	०·१२	१४२·०६	१४३·७१	१०·०२	२४१·१२६
२५	३ शु	५३४७	२४२·६३३	·३७	३१·२९	१·३१	२६५·०८	०·०७	१५५·१३	१५६·८८	८·८१	२५३·१९३
२६	४ श	५३४८	२५५·८०९	·३६	४३·४८	१·३७	२७६·४०	०·०६	१६८·१५	१६९·९४	७·५४	२६५·०९९
२७	५ र	५३४९	२६८·९८६	·३६	५५·६७	१·३१	२८७·७२	०·१२	१८१·२६	१८३·०५	६·१८	२७६·९५६
२८	६ च	५३५०	२८२·१६२	·३६	६७·८६	१·१७	२९९·०३	०·२१	१९४·३२	१९६·०३	४·८८	२८८·७८२
२९	७ म	५३५१	२९५·३३८	·३६	८०·०५	०·९७	३१०·३५	०·३५	२०७·३९	२०९·०७	३·६२	३००·६३८
३०	८ बु	५३५२	३०८·५१५	·३५	९२·२४	०·७२	३२१·६७	०·५२	२२०·४५	२२२·०४	२·५०	३१२·६०५
१	९ गु	५३५३	३२१·६९३	·३५	१०४·४३	०·४९	३३२·९८	०·७३	२३३·५२	२३५·०९	१·०३	३२४·७११
२	१० शु	५३५४	३३४·८६७	·३५	११६·६२	०·२९	३४४·३०	०·९६	२४६·५८	२४८·१८	०·८३	३३७·२९७
३	११ श	५३५५	३४८·०४४	·३५	१२८·८१	०·१९	३५५·६२	१·२१	२५९·६५	२६१·४०	०·३९	३५०·१६४
४	१२ र	५३५६	१·२२०	·३४	१४१·००	०·२०	६·९४	१·४५	२७२·७१	२७४·१०	०·२२	३·४३०
५	१३ चं	५३५७	१४·३९६	·३४	१५३·२०	०·३०	१८·२५	१·६९	२८५·७८	२८८·११	०·४१	१७·१३६
६	१४ म	५३५८	२७·५७३	·३४	१६५·३९	०·५०	२९·५७	१·९-	२९८·८४	३०१·६०	०·९५	३१·२८३
७	१५ बु	५३५९	४०·७४९	·३४	१७७·५८	०·७४	४०·८८	२·१२	३११·९१	३१५·११	१·८४	४५·७८९
८	१ गु	५३६०	५३·९२६	·३३	१८९·७७	१·००	५२·२०	२·२९	३२४·९७	३२८·५९	३·०२	६०·५६४
९	२ शु	५३६१	६७·१०२	·३३	२०१·९६	१·२३	६३·५२	२·४२	३३८·०४	३४२·०२	४·४३	७५·५१२
१०	४ श	५३६२	८०·२७८	·३३	२१४·१५	१·३७	७४·८३	२·५०	३५१·१०	३५५·३०	५·३४	९०·४१८
११	५ र	५३६३	९३·४५५	·३२	२२६·३४	१·४२	८६·१५	२·५४	४·१७	८·४५	७·४९	१०५·२२५
१२	६ चं	५३६४	१०६·६३१	·३२	२३८·५३	१·३५	९७·४७	२·५२	१७·२३	२१·४२	८·९४	११९·७६१
१३	७ मं	५३६५	११९·८०८	·३२	२५०·७२	१·२०	१०८·७८	२·४६	३०·३०	३४·२८	१०·२५	१३४·०३८
१४	८ बु	५३६६	१३२·९८४	·३१	२६२·९१	०·९८	१२०·१०	२·३७	४३·३६	४७·०२	११·३२	१४७·९६४
१५	९ गु	५३६७	१४६·१६०	·३१	२७५·१०	०·७३	१३१·४१	२·२२	५६·४३	५९·६९	१२·१२	१६१·५४०
१६	१० शु	५३६८	१५९·३३७	·३१	२८७·३०	०·५०	१४२·७३	२·०४	६९·४९	७२·३४	१२·२९	१७४·७७७
१७	११ श	५३६९	१७२·५१३	·३०	२९९·४९	०·३३	१५४·०४	१·८४	८२·५६	८५·०३	१२·[illegible]८	१८५·७६३
१८	१२ च	५३७०	१८५·६८९	·३०	३११·६८	०·२३	१६५·३६	१·६१	९५·६१	९७·९३	१२·६०	२००·४९१
१९	१३	५३७१	१९८·८६६	·३०	३२३·८७	०·२५	१७६·६८	१·३८	१०८·६९	११०·३२	१२·२५	२१३·०४६
२०	१४ म	५३७२	२१२·०४२	·२९	३३६·०६	०·३७	१८८·००	१·१३	१२१·७५	१२३·५४	११·५५	२२५·३८२
२१	३० बु	५३७३	२२५·२१८	·२९	३४८·२५	०·५६	१९९·३२	०·८९	१३४·८२	१३६·५८	१०·६२	२३७·५७८

नवंबर–दिसेंबर सन १९२८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का चंद्रका वेध गणित।

ता.	राहु (पात)	पातोन चंद्र	कक्षा प्र. फल	स्पष्ट चंद्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	बिंब	विपुवांश	इंदोर शहर का स्थानिक ग. लं. का.	
		अं	अं	अं	अं	अं क	अं क	अं क	क	अं क	घ प	घ मि
२१	१५५.९५२	३४९.७१९	.१५०	२०३.९१७	१२.६२७	० १.६	२२६ ५५	१६ ५६	३०.६	२२४ २६	१२ ३०	११ २१
२२	१५६.००५	१२.४४९	.१००	२१६.५४४	१२.३९६	+१ ६.५	२३९ ३२	–१८ ५८	३०.३	२३७ ३१	१४ ३१	१२ १५
२३	१५६.०५८	२४.९२८	.०७०	२२८.९४०	१२.२६६	२ ९.९	२५१ ५६	२० ५	३०.१	२५० ४४	१६ ३३	१३ ४
२४	१५६.१११	३७.२३९	.०४०	२४१.१६६	१२.०६७	३ ६.८	२६४ ९	२० १३	२९.९	२६३ ४७	१८ ३५	१३ ५३
२५	१५६.१६४	४९.३५७	.०४०	२५३.२३३	११.९२६	३ ५४.२	२७६ १४	१९ २५	२९.७	२७६ ३५	२० ३३	१४ ४०
२६	१५६.२१७	६१.३२६	.०६०	२६५.१५९	११.८८७	४ ३०.८	२८८ ९	१७ ४५	२९.७	२८९ १	२२ १७	१५ २६
२७	१५६.२७०	७३.२२६	.०९०	२७७.०४६	११.८६६	४ ५५.८	३०० २	१५ २०	२९.७	३०१ ३	२४ १८	१६ १०
२८	१५६.३२३	८५.१०५	.१३०	२८८.९१२	११.९०६	५ ७.६	३११ ५४	१२ १८	२९.७	३१२ ५४	२६ ६	१६ ५३
२९	१५६.३७६	९७.०१४	.१८०	३००.८१८	१२.००७	५ ६.५	३२३ ४९	८ ४६	२९.८	३२४ २५	२७ ५१	१७ ३५
३०	१५६.४२९	१०९.०३४	.२२०	३१२.८२५	१२.२१६	४ ५१.७	३३५ ४९	४ ५१	३०.०	३३५ ४९	२९ ३५	१८ १७
१	१५६.४८२	१२१.२७३	.२५०	३२५.०४१	१२.५१६	४ २३.७	३४८ २	० ४१	३०.४	३४७ १७	३१ २१	१८ ५९
२	१५६.५३५	१३३.८३२	.२६०	३३७.५५७	१२.८५७	३ ४२.६	० ३३	+३ ३७	३०.८	३५९ २	३३ ८	१९ ४२
३	१५६.५८८	१४६.७५२	.२५०	३५०.४१४	१३.२३६	२ ४८.७	१३ २४	७ ५३	३१.३	११ १४	३५ ०	२० २७
४	१५६.६४१	१६०.०७१	.२२०	३.६५०	१३.६५६	१ ४९.०	२६ ३९	११ ५५	३१.८	२४ ५	३६ ५९	२१ १४
५	१५६.६९४	१७३.८३०	.१७०	१७.३०६	१४.०९७	+० ३३.१	४० १८	१५ २४	३२.३	३७ ४२	३९ ५	२२ ५
६	१५६.७४७	१८८.०३०	.१२०	३१.४०३	१४.४५६	–० ४२.९	५४ २४	१८ ११	३२.८	५२ १३	४१ २०	२२ ५९
७	१५६.८००	२०२.५८९	.०७०	४५.८५९	१४.७४७	१ ५८.५	६८ ५१	१९ ५०	३३.१	६७ २८	४३ ४३	२३ ५७
८	१५६.८५३	२१७.४१९	.०४०	६०.६०६	१४.९४६	–३ ७.५	८३ ३६	२० १०	३३.४	८३ १२	४६ ११	० ५५
९	१५६.९०६	२३२.४१८	.०४०	७५.५५२	१४.९३६	४ ४.५	९८ ३३	१९ ६	३३.४	९९ २	४८ ३९	१ ४७
१०	१५६.९५९	२४७.३७७	.०७०	९०.४८८	१४.८५७	४ ४५.९	११३ २९	१६ ४३	३३.२	११४ २९	५१ ४	२ ५३
११	१५७.०१२	२६२.२३७	.१२०	१०५.३४५	१४.५८६	५ ५.९	१२८ २०	१३ १६	३२.९	१२९ २३	५३ २३	३ ४८
१२	१५७.०६५	२७६.८२६	.१७०	११९.९३१	१४.३२७	५ ६.६	१४२ ५५	९ ९	३२.६	१४३ २७	५५ ३४	४ ४१
१३	१५७.११८	२९१.१५६	.२२०	१३४.२५८	१३.९५६	४ ४७.९	१५७ १५	+ ४ २४	३२.१	१५७ १०	५७ ४१	५ ३१
१४	१५७.१७१	३०५.१३५	.२५०	१४८.२१४	१३.५८६	४ १२.४	१७१ १२	– ० २३	३१.७	१७० १६	५९ ३८	६ १८
१५	१५७.२२३	३१८.७६३	.२६०	१६१.८००	१३.२१७	३ २३.४	१८४ ४८	५ १	३१.३	१८३ ४	१ ४१	७ ७
१६	१५७.२७६	३३२.०५३	.२४०	१७५.०१७	१२.९५६	२ २४.३	१९८ १	९ १८	३०.९	१९५ ४१	३ ३७	७ ५४
१७	१५७.३२९	३४५.०९०	.२१०	१८७.९७३	१२.६६६	१ १९.३	२१० ५८	१३ २	३०.६	२०८ २२	५ ३४	८ ४१
१८	१५७.३८२	३५७.८६१	.१६०	२००.६३९	१२.५१७	–० ११.६	२२३ ३८	१६ ९	३०.४	२२१ ७	७ ३१	९ २७
१९	१५७.४३५	१०.४८१	.११०	२१३.१५६	१२.२९६	+० ५६.२	२३६ ९	१८ २४	३०.२	२३४ ४	९ ३१	१० १५
२०	१५७.४८८	२२.८७०	.०७०	२२५.४५२	१२.१६६	१ ५९.८	२४८ २७	१९ ४५	३०.०	२४७ ३	११ ३१	११ ३
२१	१५७.५४१	३५.११९	.०४०	२३७.६१८		२ ५७.५	२६० ३७	२० १०	२९.९	२६० १	१३ ३०	११ ५१

डिसेंबर–जनवरी सन १९३८–३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित।

ता	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	गति	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अं.
२१	३० बु	५३७३	२२५.२१८	.२९	३४८.२५	०.५६	१९९.३२	०.८९	१३४.८२	१३६.५६	१०.६२	२३७.५७८
२२	१ गु	५३७४	२३८.३९५	.२९	०.४४	०.८१	२१०.६३	०.६८	१४७.८८	१४९.६६	९.४९	२४९.६६५
२३	२ शु	५३७५	२५१.५७१	.२८	१२.६३	१.०५	२२१.९५	०.४८	१६०.९५	१६२.७६	८.२५	२६१.३३१
२४	३ श	५३७६	२६४.७४७	.२८	२४.८२	१.२४	२३३.२७	०.३१	१७४.०१	१७५.८४	६.९३	२७३.५०७
२५	३ र	५३७७	२७७.९२४	.२८	३७.०१	१.३६	२४४.५८	०.१८	१८७.०८	१८८.९०	५.५९	२८५.३३४
२६	४ चं	५३७८	२९१.१४०	.२७	४९.२०	१.३६	२५५.९०	०.१०	२००.०४	२०१.८७	४.३१	२९७.१४०
२७	५ मं	५३७९	३०४.२७७	.२७	६१.३९	१.२७	२६७.२२	०.०७	२१३.२१	२१४.८२	३.११	३०८.९९७
२८	६ बु	५३८०	३१७.४५३	.२७	७३.५८	१.०८	२७८.५३	०.०७	२२६.२७	२२७.६९	२.०५	३२०.९२३
२९	७ गु	५३८१	३३०.६२९	.२६	८५.७७	०.८५	२८९.८५	०.१३	२३९.३४	२४०.५८	१.२०	३३३.०६९
३०	८ शु	५३८२	३४३.८०६	.२६	९७.९६	०.६०	३०१.१७	०.२३	२५२.४०	२५३.४९	०.६०	३४५.४९६
३१	९ श	५३८३	३५६.९८२	.२६	११०.१५	०.३९	३१२.४८	०.३८	२६५.४७	२६६.५०	०.२७	३५८.२८२
१	१० र	५३८४	१०.१५८	.२५	१२२.३४	०.२४	३३०.८०	०.५६	२७८.५३	२७९.५८	०.२६	११.४६८
२	११ चं	५३८५	२३.३३४	.२५	१३४.५४	०.१८	३३५.१२	०.७७	२९१.६०	२९२.८०	० ५६	२५.०९४
३	१२ मं	५३८६	३६.५१०	.२५	१४६.७३	०.२४	३४६.४३	१.०१	३०४.६६	३०६.१६	१.२१	३९.२२०
४	१३ बु	५३८७	४९.६८७	.२५	१५८.९२	०.३९	३५७.७४	१.२६	३१७.७३	३१९.६३	२.२०	५३.७८७
५	१५ गु	५३८८	६२.८६४	.२४	१७१.११	०.६१	९.०६	१.५०	३३०.७९	३३३.१४	३.४८	६८.६९४
६	१ शु	५३८९	७६.०४०	.२४	१८३.३०	०.८६	२०.३८	१.७४	३४३.८६	३४६.७०	४.९५	८३.८३०
७	२ श	५३९०	८९.२१७	.२४	१९५.४९	१.११	३१.७०	१.९६	३५६.९२	०.२३	६.५३	९९.०९७
८	३ र	५३९१	१०२.३९३	.२३	२०७.६८	१.३२	४३.०१	२.१६	९.९९	१३.७०	८.१०	११४.२०३
९	४ चं	५३९२	११५.५६९	.२३	२१९.८७	१.४०	५४.३५	२.३२	२३.०५	२७.००	९.५४	१२९.०५९
१०	५ मं	५३९३	१२८.७४५	.२३	२३२.०६	१.४०	६५.६५	२.४४	३६.१२	४०.१९	१०.७९	१४३.६०५
११	६ बु	५३९४	१४१.९२१	.२२	२४४.२५	१.३०	७६.९७	२.५१	४९.१८	५३.२१	११.७५	१५७.७०१
१२	७ गु	५३९५	१५५.०९८	.२२	२५६.४४	१.१०	८८.२८	२.५४	६२.२५	६६.११	१२.४०	१७१.३५८
१३	८ शु	५३९६	१६८.२७४	.२२	२६८.६३	०.८६	९९.६०	२.५१	७५.३१	७८.९०	१२.७३	१८४.५९४
१४	९ श	५३९७	१८१.४५०	.२१	२८०.८२	०.६१	११०.९१	२.४५	८८.३८	९१.६५	१२ ७५	१९७.४७०
१५	१०	५३९८	१९४.६२७	.२१	२९३.०१	०.४०	१२२.२३	२.३५	१०१.४४	१०४.४०	१२.४८	२१०.०६७
१६	११ च	५३९९	२०७.८०३	.२१	३०५.२०	०.२७	१३३.५४	२.१९	११४.५१	११७.१८	११.९२	२२२.३९३
१७	१२ मं	५४००	२२०.९८०	.२०	३१७.४०	०.२३	१४४.८६	२.०१	१२७.५७	१३०.०१	११.११	२३४.५३०
१८	१३ बु	५४०१	२३४.१५६	.२०	३२९.५९	०.३०	१५६.१७	१.८०	१४०.६४	१४२.९४	१०.०९	२४६.५४६
१९	१४ गु	५४०२	२४७.३३२	.२०	३४१.७८	०.४६	१६७.४९	१.५७	१५३.७०	१५५.९३	८.९१	२५८.४७२
२०	३० शु	५४०३	२६०.५०८	.१९	३५३.९७	०.६८	१७८.८१	१.३०	१६६.७७	१६८.९४	७.६४	२७०.३१८

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।

ता.	राहु (पात)	पातोन चन्द्र	कक्षा पृ. उन्नति	स्पष्ट चन्द्र	दिनगति	शर		सायन भोग		क्रांति		बिंब	विषुवांश		इन्दौर शहर का स्थानिक या. लं. का.			
	अ	अं	अ	अ	अ	अ	क	अं	क	अं		क	अ.	क	घ.	प.	स्टॅ.घं	मि
२१	१५७.५४१	३५.११९	.०४०	२३७.६१८	१२.०८७	२	५७.५	२६०	५७	२०	१०	२९.९	२६०	१	१३	३०	११	५१
२२	१५७.५९४	४७.२५९	.०४०	२४९.७०५	११.९७६	+३	४६.६	२७२	४२	−१९	३९	२९.८	२७२	५२	१५	३०	१२	३९
२३	१५७.६४७	५९.२७८	.०५०	२६१.६८१	११.९०६	४	२५.३	२८४	४०	१८	१५	२९.७	२८५	२४	१७	२५	१३	२५
२४	१५७.७००	७१.२०७	.०८०	२७३.५८७	११.८६७	४	५२.२	२९६	३५	१६	५	२९.६	२९७	३९	१९	१८	१४	१०
२५	१५७.७५३	८३.०८७	.१२०	२८५.४५४	११.८५६	५	६.६	३०८	२७	१३	१४	२९.६	३०९	३१	२१	६	१४	५३
२६	१५७.८०६	९५.०३६	.१७०	२९७.३१०	११.८९७	५	७.५	३२०	१८	९	५१	२९.७	३२१	४	२२	५२	१५	३६
२७	१५७.८५९	१०६.८५६	.२१०	३०९.२०७	११.९६६	४	५५.४	३३२	१२	६	६	२९.८	३३२	२५	२४	३७	१६	१८
२८	१५७.९१२	११८.८३५	.२५०	३२१.१७३	१२.१५६	५	३१.७	३४४	१०	−२	३	३०.०	३४३	४०	२६	१८	१६	५८
२९	१५७.९६५	१३१.७३४	.२६०	३३३.३२९	१२.४२७	३	५२.५	३५६	१९	+२	६	३०.३	३५५	४	२८	३	१७	४०
३०	१५८.०१८	१४३.५१४	.२६०	३४५.७५६	१२.७५६	३	३.५	८	४५	६	१७	३०.७	६	२६	२९	४६	१८	२१
३१	१५८.०७१	१५६.३५३	.२३०	३५८.५१२	१३.१४६	२	३.७	२१	३०	१०	१८	३१.२	१९	४	३१	४३	१९	८
१	१५८.१२४	१६९.५९२	.१९०	११.६५८	१३.५७६	+०	५५.७	३४	३९	१३	५७	३१.७	३२	४	३३	४३	१९	५६
२	१५८.१७७	१८३.२७१	.१४०	२५.२३४	१४.०७६	−०	१७.७	४८	१४	१६	५८	३२.३	४५	५२	३५	५१	२०	४७
३	१५८.२३०	१९७.४५०	.०९०	३९.३१०	१४.५२७	१	३२.०	६२	१८	१९	७	३२.८	६०	३३	३८	८	२१	४२
४	१५८.२८३	२१२.०७०	.०५०	५३.८३७	१४.८९७	२	४४.०	७६	५०	२०	६	३३.३	७५	५९	४०	३२	२२	४०
५	१५८.३३६	२२७.०३०	.०४०	६८.७३४	१५.११६	३	४५.७	९१	४४	१९	४१	३३.६	९१	५०	४३	१	२३	३९
६	१५८.३८९	२४२.२११	.०६०	८३.८९०	१५.२०७	४	३३.१	१०६	५३	१७	५३	३३.६	१०७	४२	४५	३०	०	३९
७	१५८.४४२	२५७.५३९	.१००	९९.१९७	१५.१६६	५	१.४	१२२	११	१४	४८	३३.६	१२३	१७	४७	५६	१	३७
८	१५८.४९५	२७२.६९८	.१६०	११४.३६३	१४.९१६	५	८.४	१३७	२१	१०	४५	३३.३	१३८	१२	५०	१५	२	३३
९	१५८.५४८	२८७.६०७	.२२०	१२९.२७९	१४.५७६	४	५४.२	१५२	१६	६	६	३२.९	१५२	२८	५२	२८	३	२६
१०	१५८.६०१	३०२.२०६	.२५०	१४३.८५५	१४.१०६	४	२१.२	१६६	५१	+१	१२	३२.३	१६६	१३	५४	३५	४	१७
११	१५८.६५४	३१४.३५५	.२६०	१५७.९६१	१३.६४७	३	३३.०	१८०	५७	−३	३८	३१.८	१७९	२७	५६	३८	५	६
१२	१५८.७०७	३३०.०६५	.२५०	१७१.६०८	१३.१९६	२	३३.७	१९४	३६	८	८	३१.२	१९२	२६	५८	३८	५	५४
१३	१५८.७६०	३४३.३५४	.२१०	१८४.८०४	१२.८३६	१	२८.४	२०७	४८	१२	५	३०.८	२०५	१७	०	३७	६	४२
१४	१५८.८१३	३५६.२८३	.१७०	१९७.६४०	१२.५४७	−०	२०.०	२२०	३८	१५	२१	३०.५	२१८	६	२	३५	७	२९
१५	१५८.८६६	८.९३३	.१२०	२१०.१८७	१२.२८६	+०	४७.८	२३३	११	१७	४९	३०.२	२३१	०	४	३४	८	१७
१६	१५८.९१९	२१.३१२	.०८०	२२२.४७३	१२.११६	१	५२.०	२४५	२८	१९	२४	२९.९	२४३	५४	६	३३	९	४
१७	१५८.९७२	३३.५०२	.०५०	२३४.५८९	११.९९७	२	५०.३	२५७	३५	२०	३	२९.८	२५६	४८	८	३२	९	५२
१८	१५९.०२५	४५.५७१	.०४०	२४६.५८६	११.९३६	३	४०.५	२६९	३५	१९	४६	२९.७	२६९	३४	१०	३०	१०	३९
१९	१५९.०७८	५७.५५०	.०५०	२५८.५२२	११.८८७	४	२०.५	२८१	३१	१८	३७	२९.७	२८२	७	१२	२६	११	२५
२०	१५९.१३१	६९.४४९	.०८०	२७०.४०९		+४	४९.०	२९३	२४	−१६	४१	२९.७	२९४	२४	१४	१९	१२	११

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	प्र. कें. गति सं.	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अ.	अ	अ.	अं.	अं.	अं.	अं.	अ.	अ.	अं
२०	३० शु	५४०३	२६०.५०८	.१९	३५३.९७	०.६८	१७८.८१	१.३०	१६६.७७	१६८.९४	७.६४	२७०.३१८
२१	१ श	५४०४	२७३.८८५	.१९	६.१६	०.९२	१९०.१२	१.०९	१७९.८३	१८२.०३	६.३०	२८२.१८५
२२	२ र	५४०५	२८६.८६१	.१९	१८.३५	१.१५	२०१.४४	०.८५	१९२.९०	१९५.०९	४.९७	२९४.०२१
२३	३ चं	५४०६	३००.०३७	.१८	३०.५४	१.३१	२१२.७६	०.६३	२०५.९६	२०८.०८	३.७१	३०५.८६७
२४	४ मं	५४०७	३१३.२१४	.१८	४२.७३	१.३७	२२४.०७	०.४५	२१९.०३	२२१.०३	२.५८	३१७.७१४
२५	५ बु	५४०८	३२६.३९०	.१८	५४.९२	१.३३	२३५.३९	०.२८	२३२.०९	२३३.८८	१.६२	३२९.८००
२६	६ गु	५४०९	३३९.५६७	.१७	६७.११	१.१९	२४६.७०	०.१६	२४५.१६	२४६.६८	०.८९	३४१.९७७
२७	६ शु	५४१०	३५२.७४३	.१७	७९.३०	०.९८	२५८.०२	०.०९	२५८.२२	२५९.४६	०.४१	३५४.३९३
२८	७ शं	५४११	५.९१९	.१७	९१.५०	०.७३	२६९.३३	०.०६	२७१.२९	२७२.२५	०.२३	७.१०९
२९	८ र	५४१२	१९.०९६	.१७	१०३.६९	०.५०	२८०.६५	०.०८	२८४.३५	२८५.१०	०.३४	२०.१८६
३०	९ चं	५४१३	३२.२७२	.१६	११५.८८	०.३०	२९१.९७	०.१५	२९७.४२	२९८.०३	०.७७	३३.६५२
३१	११ मं	५४१४	४५.४४९	.१६	१२९.०७	०.२०	३०३.२८	०.२०	३१०.४८	३११.०९	१.५४	४७.५९९
१	१२ बु	५४१५	५८.६२५	.१६	१४०.२६	०.१९	३१४.६०	०.४१	३२३.५५	३२४.३१	२.६१	६१.९९५
२	१३ गु	५४१६	७१.८०१	.१६	१५२.४५	०.२९	३२५.९२	०.६०	३३६.६१	३३७.६६	३.९५	७६.८०१
३	१४ शु	५४१७	८४.९७८	.१५	१६४.६४	०.५०	३३७.२४	०.८१	३४९.६८	३५१.१४	५.४५	९१.८८८
४	१५ श	५४१८	९८.१५५	.१५	१७६.८३	०.७३	३४८.५५	१.०६	२.७४	४.६८	७.०६	१०७.१५५
५	१ र	५४१९	१११.३३१	.१५	१८९.०२	०.९९	३५९.८७	१.३०	१५.८१	१८.२५	८.५९	१२२.३६१
६	३ चं	५४२०	१२४.५०७	.१५	२०१.२१	१.२१	११.१८	१.५४	२८.८७	३१.७७	१०.००	१३७.४०७
७	४ मं	५४२१	१३७.६८४	.१४	२१३.४०	१.३७	२२.५०	१.७८	४१.९४	४५.२३	११.१९	१५२.१६४
८	५ बु	५४२२	१५०.८६०	.१४	२२५.५९	१.४२	३३.८२	२.००	५५.००	५८.५६	१२.०६	१६७.१८०
९	६ गु	५४२३	१६४.०३६	.१४	२३७.७८	१.३६	४५.१३	२.१९	६८.०७	७१.७६	१२.५८	१८०.३०६
१०	७ शु	५४२४	१७७.२१२	.१४	२४९.९७	१.२१	५६.४५	२.३४	८१.१३	८४.८२	१२.७८	१९३.६८२
११	८ श	५४२५	१९०.३८९	.१३	२६२.१६	१.००	६७.७७	२.४५	९४.२०	९७.७८	१२.६५	२०६.६११
१२	९ र	५४२६	२०३.५६५	.१३	२७४.३५	०.७४	७९.०८	२.५२	१०७.२६	११०.६५	१२.२५	२१९.२०५
१३	१० चं	५४२७	२१६.७४१	.१३	२८६.५५	०.५१	९०.४०	२.५४	१२०.३३	१२३.५१	११.५५	२३१.४७१
१४	११ मं	५४२८	२२९.९१८	.१३	२९८.७४	०.३३	१०१.७२	२.५१	१३३.३९	१३६.३६	१०.६४	२४३.५२८
१५	१२ बु	५४२९	२४३.०९४	.१२	३१०.९३	०.२४	११३.०३	२.४३	१४६.४६	१४९.२५	९.५३	२५५.४१४
१६	१२ गु	५४३०	२५६.२७१	.१२	३२३.१२	०.२५	१२४.३५	२.३३	१५९.५२	१६२.२२	८.३१	२६७.२८१
१७	१३ शु	५४३१	२६९.४४७	.१२	३३५.३१	०.३६	१३५.६७	२.१६	१७२.५९	१७५.२३	७.००	२७९.०८७
१८	१४ श	५४३२	२८२.६२३	.१२	३४७.५०	०.५५	१४६.९८	१.९७	१८४.६५	१८८.२९	५.६५	२९०.९१३
१९	३० र	५४३३	२९५.७९९	.११	३५९.६९	०.७९	१५८.३०	१.७६	१९८.७२	२११.३८	४.३५	३०२.८०९

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।

ता	राहु (पात)	पातोन चन्द	कक्षा प. मध्यम	स्पष्टचंद्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	बिंब	विपुवांश	इन्दोर शहर का स्थानिक या. लं.	का.
	अं.	अं.	अ.	अ.	अ.	अ. क.	अ. क.	अं. क.	क.	अं. क.	घ. प.	घं.मि
२०	१५९.१३१	६९.४४९	.०८०	२७०.४०९	११.८८६	+४ ४९.०	२९३ २४	१६ ४१	२९.७	२९४ २०	१४ १९	१२ ११
२१	.१८४	८१.३६९	.११०	२८२.२९५	११.८८६	+५ ५.३	३०५ १७	−१४ २	२९.७	३०६ २२	१६ ९	१२ ५५
२२	.२१७	९३.२५८	.१६०	२९४.१८१	११.८९६	५ ८.६	३१७ ११	१० ४७	२९.७	३१८ २	१७ ५५	१३ ३८
२३	.२९०	१०५.१५७	.२१०	३०६.०७७	११.९५७	४ ५८.०	३२९ ४	७ ९	२९.८	३२९ २७	१९ ४०	१४ १९
२४	.३४३	११७.१३७	.२४०	३१८.०३४	१२.०२६	४ ३४.७	३४१ २	− ३ ११	२९.९	३४० ४६	२१ २३	१५ ०
२५	.३९६	१२९.१९६	.२६०	३३०.०६०	१२.१७७	३ ५९.२	३५३ ३	+ ० ५४	३०.०	३५२ ३	२३ ७	१५ ४२
२६	.४४९	१४१.४२६	.२६०	३४२.२३७	१२.३९६	३ १२.५	५ १४	५ २	३०.३	३ ३२	२४ ५१	१६ २३
२७	.५०२	१५३.८९५	.२४०	३५४.६३३	१२.६७६	२ १५.७	१७ ३८	९ १	३०.६	१५ २३	२६ ४०	१७ ७
२८	.५५५	१६६.६६४	.२००	७.३०९	१३.०२७	१ ११.०	३० १८	१२ ४२	३१.०	२७ ४७	२८ ३४	१७ ५२
२९	.६०८	१७९.७९४	.१५०	२०.३३६	१३.४१६	+० १.१	४३ २०	१५ ५३	३१.५	४० ५२	३० ३५	१८ ४१
३०	.६६१	१९३.३१३	.१००	३३.७५२	१३.९०७	−१ ११.०	५६ ४५	१८ १७	३२.१	५४ ४४	३२ ४३	१९ ३२
३१	.७१४	२०७.३१३	.०६०	४७.६५९	१४.३७६	२ २१.५	७० ३९	१९ ४२	३२.६	६९ २८	३५ ०	२० २७
१	.७६७	२२१.७६२	.०४०	६२.०३५	१४.८१६	३ २५.७	८५ २	१९ ५६	३३.२	८४ ४३	३७ २४	२१ २५
२	.८२०	२३६.५२१	.०५०	७६.८५१	१५.११७	४ १५.८	९९ ५१	१८ ४८	३३.५	१०० ३१	३९ ५२	२२ २४
३	.८७३	२५१.७६१	.०८०	९१.९६८	१५.३२७	४ ५४.१	११४ ५८	१६ २१	३३.८	११५ ५९	४२ १७	२३ २२
४	.९२६	२६७.०८१	.१४०	१०७.२९५	१५.२६६	५ ८.४	१३० १७	१२ ४४	३३.७	१३१ १८	४४ ४०	० १९
५	१५९.९७९	२८२.३४०	.२००	१२२.५६१	१५.०८६	५ १.७	१४५ ३३	८ १६	३३.४	१४६ ६	४६ ५८	१ १४
६	१६०.०३२	२९७.४३९	.२४०	१३७.६४७	१४.७७७	४ ३४.०	१६० ३८	+३ २२	३३.१	१६० २५	४९ ११	२ ७
७	.०८५	३१२.२४९	.२६०	१५२.४२४	१४.३०६	३ ४८.४	१७५ २५	−१ ४०	३२.६	१७४ १८	५१ २०	२ ५९
८	.१३८	३२६.६१८	.२५०	१६६.७३०	१३.७९६	२ ४९.८	१८९ ४३	६ २८	३२.०	१८७ ४९	५३ २६	३ ४९
९	.१९१	३४०.४९७	.२२०	१८०.५२६	१३.३२६	१ ४३.०	२०३ ३१	१० ४४	३१.४	२०१ ७	५५ २९	४ ३९
१०	.२४४	३५३.९२६	.१७०	१९३.८५२	१२.८९७	−० ३२.८	२१६ ५१	१४ २०	३०.९	२१४ २०	५७ ३१	५ २७
११	.२९७	६.११६	.१३०	२०६.७४१	१२.५३६	+० ३७.१	२२९ ४५	१७ ६	३०.४	२२७ २९	५९ ३३	६ १६
१२	.३५०	१९.५५५	.०८०	२१९.२८५	१२.२३६	१ ४३.०	२४२ १७	१८ ५७	३०.१	२४० ३४	१ ३[illegible]	७ ४
१३	.४०३	३१.८७४	.०५०	२३१.५२१	१२.०४७	२ ४३.०	२५४ ३१	१९ २४	२९.८	२५३ ३२	३ ३३	७ ५२
१४	.४५६	४३.९८४	.०४०	२४३.५६८	११.८९६	३ ३४.०	२६६ ३४	१९ ५०	२९.७	२६६ २१	५ ३२	८ ४०
१५	.५०९	५५.९२३	.०५०	२५५.४६४	११.८८७	४ १५.६	२७८ २८	१८ ५५	२९.७	२७८ ५६	७ २८	९ २६
१६	.५६२	६७.८४३	.०७०	२६७.३५१	११.८४९	४ ४६.०	२९० २१	१७ १२	२९.७	२९१ १६	९ २२	१० १२
१७	.६१५	७९.७०२	.११०	२७९.१९७	११.८७६	५ ३.८	३०२ १२	१४ ४५	२९.७	३०३ १८	११ १२	१० ५६
१८	.६६८	९१.५८१	.१६०	२९१.०७३	११.९३६	५ ८.७	३१४ ४	११ ४०	२९.७	३१५ ८	१३ ०	११ ३९
१९	१६०.७२१	१०३.५३०	.२००	३०३.००९		+५ ०.२	३२६ ०	८ ९	२९.८	३२६ ५३	१४ ४८	१२ २२

चन्द्र

फरवरी-मार्च सन १९३९ ह. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्र का वेध गणित ।

ता.	ति. वा	प्रभाकर दिनगण	मध्यम चन्द्र स्थिरांक	प्र. अं. नति सं.	तिथि केंद्र	द्वितीय संस्कार	च्युति केंद्र	तृतीय संस्कार	मध्यम मंद केंद्र	स्पष्ट मंद केंद्र	मंद फल चतुर्थ सं.	मन्द स्पष्ट चन्द्र
			अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं
१९	३० र	५४३३	२९५.७९९	.११	३५९.६९	०.७९	१५८.३०	१.७६	१९८.७२	२०१.३८	४.३५	३०२.८०९
२०	१ चं	५४३४	३०८.९७६	.११	११.८८	१.०४	१६९.६२	१.५१	२११.७८	२१४.४४	३.१४	३१४.७७६
२१	२ मं	५४३५	३२२.१५२	.११	२४.०७	१.२३	१८०.९३	१.२८	२२४.८५	२२७.४७	२.०७	३२६.८४२
२२	३ बु	५४३६	३३५.३२८	.११	३६.२६	१.३५	१९२.२५	१.०५	२३७.९१	२४०.४३	१.२१	३३९.०४८
२३	४ गु	५४३७	३४८.५०५	.११	४८.४५	१.३०	२०३.५७	०.८१	२५०.९८	२५३.२०	०.६१	३५१.३३५
२४	५ शु	५४३८	१.६८१	.११	६०.६४	१.२७	२१४.८८	०.६०	२६४.०४	२६६.०२	०.२८	३.९४१
२५	६ श	५४३९	१४.८५८	.१०	७२.८३	१.०९	२२६.२०	०.४२	२७७.११	२७८.७२	०.२५	१६.७१८
२६	७ र	५४४०	२८.०३४	.१०	८५.०२	०.८७	२३७.५२	०.२५	२९०.१७	२९१.३९	०.११	२९.७६४
२७	८ चं	५४४१	४१.२१०	.१०	९७.२१	०.६२	२४८.८३	०.१५	३०३.२४	३०४.११	१.०९	४३.११७
२८	९ मं	५४४२	५४.३८७	.१०	१०९.४०	०.४१	२६०.१५	०.०८	३१६.३०	३१६.८९	१.९८	५६.९५७
१	१० बु	५४४३	६७.५६३	.१०	१२१.६०	०.२४	२७१.४७	०.०६	३२९.३७	३२९.७७	३.१४	७१.१०३
२	११ गु	५४४४	८०.७३९	.१०	१३३.७९	०.१८	२८२.७८	०.०९	३४२.४३	३४२.८०	४.५२	८५.६२९
३	१२ शु	५४४५	९३.९१६	.०९	१४५.९८	०.२३	२९४.१०	०.१६	३५५.५०	३५५.९८	६.०२	१००.४१६
४	१४ श	५४४६	१०७.०९२	.०९	१५८.१७	०.३७	३०५.४२	०.२७	८.५६	९.२९	७.६०	११५.४२२
५	१५ र	५४४७	१२०.२६९	.०९	१७०.३६	०.६९	३१६.७३	०.४५	२१.६३	२२.७७	९.१०	१३०.५०९
६	१ च	५४४८	१३३.४४५	.०९	१८२.५५	०.८४	३२८.०५	०.६३	३४.६९	३६.२५	१०.४३	१४५.४३५
७	२ मं	५४४९	१४६.६२२	.०९	१९४.७४	१.१०	३३९.३७	०.८६	४७.७६	४९.८१	११.५२	१६०.११२
८	३ बु	५४५०	१५९.७९८	.०९	२०६.९३	१.३१	३५०.६८	१.१०	६०.८२	६३.३२	१२.२८	१७४.५७८
९	४ गु	५४५१	१७२.९७१	.०९	२१९.१२	१.४०	२.००	१.३४	७३.८९	७६.७२	१२.६९	१८८.४१४
१०	५ शु	५४५२	१८६.१५१	.०८	२३१.३१	१.४१	१३.३२	१.५९	८६.९५	९०.०३	१२.७७	२०२.००१
११	६ श	५४५३	१९९.३२७	.०८	२४३.५०	१.३०	२४.६५	१.८२	१००.०२	१०३.२२	१२.५२	२१५.०४७
१२	७ र	५४५४	२१२.५०३	.०८	२५५.७०	१.११	३५.९५	२.०४	११३.०८	११६.३१	११.९७	२२७.७०३
१३	८ चं	५४५५	२२५.६८०	.०८	२६७.८९	०.८७	४७.२७	२.२२	१२६.१५	१२९.३२	११.१७	२४०.०२०
१४	९ मं	५४५६	२३८.८५६	.०८	२८०.०८	०.६३	५८.५८	२.३७	१३९.२१	१४२.२९	१०.१४	२५२.०७६
१५	१० बु	५४५७	२५२.०३२	.०८	२९२.२७	०.४२	६९.९०	२.४७	१५२.२८	१५५.२५	८.९७	२६३.९७२
१६	११ गु	५४५८	२६५.२०८	.०८	३०४.४६	०.२८	८१.२२	२.५३	१६५.३४	१६८.२३	७.७१	२७५.८०८
१७	१२ शु	५४५९	२७८.३८५	.०७	३१६.६५	०.२३	९२.५३	२.५३	१७८.४१	१८१.२४	६.३८	२८०.१९५
१८	१३ श	५४६०	२९१.५६१	.०७	३२८.८४	०.२९	१०३.८५	२.५०	१९१.४७	१९४.३३	५.०४	२९९.४६१
१९	१४ र	५४६१	३०४.७३७	.०७	३४१.०३	०.४५	११५.१७	२.४२	२०४.५४	२०७.४८	३.७७	३११.४४७
२०	३० चं	५४६२	३१७.९१४	.०७	३५३.२२	०.६६	१२६.४८	२.३०	२१७.६०	२२०.६३	२.६१	३२३.५५४
२१	३० मं	५४६३	३३१.०९०	.०७	५.४१	०.९१	१३७.८०	२.१२	२३०.६७	२३३.८७	१.६३	३३५.८५०

फरवरी–मार्च सन १९३९ इ. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का चन्द्रका वेध गणित।

ता.	राहु (पात)	पातोन चन्द्र	कक्षा	स्पष्ट चन्द्र	दिनगति	शर	सायन भोग	क्रांति	बिंब	विषुवांश	इन्दौर शहर का स्थानिक या.	लं. का.
	अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं क	अं क	क वि	अं क	घ प	घं मि
१९	१६०.७२१	१०३.५३०	.२००	३०३.००१	१२.००७	+५ ०.२	३२६ ०	८ ९	२९.८	३२६ ५३	१४ ४८	१२ २२
२०	१६०.७७४	११५.६५०	.२४०	३१५.०१६	१२.०८६	४ ३८.५	३३८ १	−४ १५	२९.९	३३८ २३	१६ ३३	१३ ४
२१	१६०.८२७	१२७.६६१	.२६०	३२७.१०२	१२.२०६	४ ४.३	३५० ६	+० ११	३०.०	३४९ १८	१८ १२	१३ ४४
२२	१६०.८८०	१३९.९२८	.२६०	३३९.३०८	१२.२६७	३ १८.७	२ १८	३ ५८	३०.१	० ४७	१९ ५८	१४ २६
२३	१६०.९३३	१५२.२६८	.२४०	३५१.५७५	१२.५७६	२ २३.३	१४ ३४	७ ५८	३०.५	१२ २९	२१ ४५	१५ ०
२४	१६०.९८६	१६४.९२७	.२१०	४.१५१	१२.७२७	१ २०.३	२७ ९	११ ४२	३०.७	२४ ३४	२३ ३६	१५ ५३
२५	१६१.०३९	१७७.७५७	.१६०	१६.८७८	१२.९९६	+० १२.०	३९ ५२	१४ ५८	३१.०	३७ ४	२५ २१	१६ ३५
२६	१६१.०९२	१९०.८५६	.११०	२९.८७४	१३.३६६	−० ५८.२	५२ ५२	१७ ४७	३१.४	५० ४३	२७ ३७	१७ ३०
२७	१६१.१४५	२०४.३१५	.०७०	४३.२४०	१३.७५९	−२ ६.१	६६ १४	+१९ १६	३१.९	६४ ४५	२९ ४२	१८ २०
२८	१६१.१९८	२१८.१५५	.०४०	५६.११७	१४.१४६	३ १०.६	८० ०	१९ ५४	३२.४	७९ २३	३२ ४	१९ १७
१	१६१.२५१	२३२.३५४	.०४०	७१.१४३	१४.५५६	४ ४.३	९४ ८	१९ १९	३२.९	९४ २१	३४ २५	२० १३
२	१६१.३०४	२४६.९३३	.०७०	८५.६९९	१४.८३७	४ ४४.०	१०८ ४२	१७ २६	३३.२	१०९ ३४	३६ ४७	२१ ६
३	१६१.३५७	२६१.७७३	.१२०	१००.५३६	१४.९६६	५ ५.६	१२३ ३२	१४ २४	३३.४	१२४ ३७	३९ ७	२२ ६
४	१६१.४१०	२७६.८३२	.१७०	११५.५०२	१५.२३७	५ ६.६	१३८ ३०	१० २५	३३.७	१३९ २०	४१ २४	२३ १
५	१६१.४६३	२९१.९७२	.२३०	१३०.७३९	१४.९५६	४ ४६.५	१५३ ४४	५ ४२	३३.४	१५३ ५४	४३ ४०	२३ ५५
६	१६१.५१६	३०६.९५१	.२६०	१४५.६९५	१४.७१७	−४ ६.६	१६८ ४१	+ ० ३३	३३.१	१६७ ५९	४५ ५१	० ४७
७	१६१.५६९	३२१.७६१	.२६०	१६०.४५२	१४.३५६	३ ११.४	१८३ २७	− ४ १८	३२.७	१८१ ५३	४८ ०	१ ३९
८	१६१.६२२	३३६.२००	.२३०	१७४.८०८	१३.८७६	२ ४.०	१९७ ४८	८ ५४	३२.०	१९५ ३७	५० ८	२ ३०
९	१६१.६७५	३५०.१६९	.११०	१८८.६८४	१३.४५९	−० ५२.९	२११ ४१	१२ ५४	३१.६	२०९ १३	५२ १४	३ २१
१०	१६१.७२८	३.७२९	.१४०	२०२.१४१	१२.९९६	+० ११.९	२२५ ८	१६ ४	३१.०	२२२ ४६	५४ २०	४ ११
११	१६१.७८१	१६.८२८	.०९०	२१५.१३७	१२.६१६	१ २९.२	२३८ २०	१८ २१	३०.५	२३६ २६	५६ २६	५ १
१२	१६१.८३४	२९.५३७	.०५०	२२७.७५३	१२.२९७	२ ३२.१	२५० ४५	१९ ३४	३०.२	२४९ ३३	५८ २८	५ ५०
१३	१६१.८८७	४१.९०७	.०४०	२४०.०५०	१२.०६६	+३ २६.१	२६३ ३	−१९ ५०	२९.९	२६२ ३८	० २८	६ ३८
१४	१६१.९४०	५४.०१६	.०४०	२५२.११६	११.९१६	४ ९.७	२७५ ७	१८ ४४	२९.७	२७५ २४	२ २९	७ २५
१५	१६१.९९३	६५.९६५	.०७०	२६४.०३२	११.८७६	४ ४.९	२८७ २	१७ ४२	२९.७	२८७ ५०	४ २१	८ ११
१६	१६२.०४६	७७.८५४	.१००	२७५.९०८	११.८३७	५ १.८	२९८ ५४	१५ २८	२९.६	२९९ ५८	६ १३	८ ५६
१७	१६२.०९९	८९.६९४	.१५०	२८७.७४५	११.९१६	५ ८.८	३१० ४४	१२ ३६	२९.७	३११ ४९	८ १	९ ३९
१८	१६२.१५२	१०१.६१३	.२००	२९९.६६१	१२.०१६	५ २.५	३२२ ३९	९ १२	२९.८	३२३ २०	९ ४६	१० २१
१९	१६२.२०५	११३.६५२	.२३०	३११.६७७	१२.१३६	४ ४२.८	३३४ ४०	५ २५	३०.०	३३४ ४८	११ ३१	११ ३
२०	१६२.२५८	१२५.८१२	.२६०	३२३.८१४	१२.२६६	४ १०.३	३४६ ४१	१ २२	३०.१	३४६ १७	१३ १६	११ ४५
२१	१६२.३११	१३८.१३१	.२६०	३३६.०८०		३ २६.१	३५९ ५	२ ४४	३०.४	३५७ ४७	१५ १	१२ २७

मंगल

अप्रेल सन १९२८ इ. **चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं	अं	अं	अं.		अं	अं	अं क	अं	अं क
३१	३० गु	५१०८	३१.२७	७९.३१	१०.६६	४१.९३	१.५१०३	१५.८७	४१.९२	+३० ४	३०४.७७	२१ ३
१	१ शु	५१०९	३१.८०	७९.८४	+१०.६७	४२.४७	१.५११६	१६.४१	४२.४६	+३१ ३	३०५.२१	−२१ २
२	२ श	५११०	३२.३२	८०.३६	१०.६७	४२.९९	१.५१२८	१६.९३	४२.९८	३२ ३	३०५.६८	२१ १
३	३ र	५१११	३२.८५	८०.८९	१०.६८	४३.५३	१.५१४४	१७.४७	४३.५२	३३ ३	३०६.१२	२१ ०
४	४ चं	५११२	३३.३७	८१.४१	१०.६८	४४.०५	१.५१५६	१७.९९	४४.०४	३४ ३	३०६.५९	२० ५
५	५ मं	५११३	३३.८९	८१.९३	१०.६९	४४.५८	१.५१६८	१८.५२	४४.५७	३५ २	३०७.०४	२० ३
६	६ बु	५११४	३४.४२	८२.४६	१०.६९	४५.११	१.५१८१	१९.०५	४५.१०	३६ ३	३०७.५०	२० २
७	७ गु	५११५	३४.९४	८२.९८	१०.६९	४५.६३	१.५१९५	१९.५७	४५.६२	३७ २	३०७.९६	२० १
८	८ शु	५११६	३५.४७	८३.५१	१०.६९	४६.१६	१.५२०८	२०.१०	४६.१५	३८ १	३०८.४२	२० ०
९	१० श	५११७	३५.९९	८४.०३	१०.६९	४६.६८	१.५२२१	२०.६२	४६.६७	३९ १	३०८.८८	१९ ५
१०	११ र	५११८	३६.५१	८४.५५	१०.६९	४७.२०	१.५२३१	२१.१४	४७.१९	४० ०	३०९.३४	१९ ४
११	१२ चं	५११९	३७.०४	८५.०८	१०.६८	४७.७२	१.५२४७	२१.६६	४७.७१	४१ ०	३०९.८०	१९ ३
१२	१३ मं	५१२०	३७.५६	८५.६०	१०.६८	४८.२४	१.५२५७	२२.१८	४८.२३	४१ ९	३१०.२६	१९ २
१३	१४ बु	५१२१	३८.०९	८६.१३	१०.६७	४८.७६	१.५२७३	२२.७०	४८.७५	४२ ८	३१०.७२	१९ १
१४	१५ गु	५१२२	३८.६१	८६.६५	१०.६७	४९.२८	१.५२८५	२३.२२	४९.२७	४३ ८	३११.१८	१९ ०
१५	१ शु	५१२३	३९.१३	८७.१७	१०.६६	४९.७९	१.५३००	२३.७३	४९.७८	४४ ७	३११.६५	१८ ५
१६	२ श	५१२४	३९.६६	८७.७०	१०.६६	५०.३२	१.५३१२	२४.२६	५०.३१	४५ ६	३१२.१०	१८ ४
१७	३ र	५१२५	४०.१८	८८.२२	१०.६५	५०.८३	१.५३२४	२४.७७	५०.८२	४६ ५	३१२.५७	१८ ३
१८	४ चं	५१२६	४०.७१	८८.७५	१०.६४	५१.३५	१.५३३६	२५.२९	५१.३४	४७ ४	३१३.०३	१८
१९	५ मं	५१२७	४१.२३	८९.२७	१०.६३	५१.८६	१.५३५१	२५.८०	५१.८५	४८ ३	३१३.४९	१८
२०	५ बु	५१२८	४१.७५	८९.७९	१०.६२	५२.३७	१.५३६४	२६.३१	५२.३६	४९ २	३१३.९६	१७
२१	६ गु	५१२९	४२.२८	९०.३२	१०.६१	५२.८९	१.५३७६	२६.८३	५२.८९	५० १	३१४.४०	१७
२२	७ शु	५१३०	४२.८०	९०.८४	१०.६०	५३.४०	१.५३८९	२७.३४	५३.३९	५१ ०	३१४.८८	१७
२३	८ श	५१३१	४३.३३	९१.३७	१०.५९	५३.९२	१.५४०३	२७.८६	५३.९१	५१ ९	३१५.३३	१७
२४	९ र	५१३२	४३.८५	९१.८९	१०.५७	५४.४२	१.५४१५	२८.३६	५४.४१	५२ ७	३१५.८१	१७
२५	१० चं	५१३३	४४.३७	९२.४१	१०.५५	५४.९२	१.५४२८	२८.८६	५४.९१	५३ ६	३१६.२८	१७
२६	११ मं	५१३४	४४.९०	९२.९४	१०.५४	५५.४४	१.५४४१	२९.३८	५५.४३	५४ ५	३१६.७४	१६
२७	१२ बु	५१३५	४५.४२	९३.४६	१०.५३	५५.९५	१.५४५३	२९.८९	५५.९४	५५ ३	३१६.८०	१६
२८	१३ गु	५१३६	४५.९५	९३.९९	१०.५१	५६.४६	१.५४६६	३०.४०	५६.४५	५६ २	३१७.६६	१६
२९	१४ शु	५१३७	४६.४७	९४.५१	१०.५०	५६.९७	१.५४७८	३०.९१	५६.९६	५७ ०	३१८.१२	१६
३०	३० श	५१३८	४६.९९	९५.०३	+१०.४८	५७.४७	१.५४९०	३१.४१	५७.४६	+५७ ९	३१८.५९	−१६

मंगल

अप्रेल सन १९३८ इ. — चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह रा	अं	क	गति क	भूमध्य दृश्य शर अं	क	गति अं	क	सायनभोग अं	क	विषुवांश अं	क	गति अं	क	विषुवकाल घ	प	क्रांति अं	क	गति अं	क	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल घ.	प.	स्टँ घं	मि
३१	०	२०	२२	४२	+०	२०	+०	१	४३	२१	४०	४४	०	४३	६	४७	१५	५५	०	१४	२०	२९	१४	३९
१	०	२१	४	४३	०	२१	०	१	४४	३	४१	२७	०	४३	६	५५	+१६	९	०	१५	२०	२८	१४	३८
२	०	२१	४९	४३	०	२२	०	०	४४	४६	४२	१०	०	४३	७	२	१६	२४	०	१५	२०	२५	१४	३७
३	०	२२	३०	४३	०	२२	०	१	४५	२९	४२	५३	०	४३	७	९	१६	३९	०	१४	२०	२२	१४	३६
४	०	२३	१३	४३	०	२३	०	१	४६	१२	४३	३६	०	४३	७	१६	१६	५३	०	१५	२०	१९	१४	३५
५	०	२३	५६	४३	०	२४	०	०	४६	५५	४४	१९	०	४३	७	२३	१७	८	०	१४	२०	१६	१४	३२
६	०	२४	३९	४२	०	२४	०	०	४७	३८	४५	०२	०	४३	७	३०	१७	२२	०	१५	२०	१३	१४	३२
७	०	२५	२१	४२	०	२५			४८	२०	४५	४५	०	४३	७	३८	१७	३७	०	१४	२०	१२	१४	३२
८	०	२६	३	४२	+०	२५	+०	१	४९	२	४६	२८	०	४२	७	४५	+१७	५१	०	१५	२०	९	१४	३१
९	०	२६	४५	४२	०	२६	०	१	४९	४४	४७	१०	०	४३	७	५२	१८	६	०	१४	२०	६	१४	२९
१०	०	२७	२७	४२	०	२६	०	१	५०	२६	४७	५३	०	४३	७	५९	१८	२०	०	१३	२०	३	१४	२८
११	०	२८	९	४२	०	२७	०	०	५१	८	४८	३६	०	४३	८	६	१८	३३	०	१४	२०	०	१४	२७
१२	०	२८	५१	४२	०	२८	०	१	५१	५०	४९	१९	०	४३	८	१३	१८	४७	७	१३	१९	५७	१४	२६
१३	०	२९	३३	४२	०	२९	०	१	५२	३२	५०	०२	०	४२	८	२०	१९	०	०	१४	१९	५४	१४	२४
१४	१	०	१५	४२	०	२९	०	०	५३	१४	५०	४४	०	४३	८	२७	१९	१४	०	१३	१९	५२	१४	२४
१५	१	०	५७	४२	+०	३०	+०	१	५३	५६	५१	२७	०	४३	८	३५	+१९	२७	०	१४	१९	५०	१४	२३
१६	१	१	३९	४२	०	३०	०	०	५४	३८	५२	१०	०	४३	८	४२	१९	४१	०	१३	१९	४७	१४	२२
१७	१	२	२१	४२	०	३१	०	१	५५	२०	५२	५३	०	४३	८	४९	१९	५४	०	१४	१९	४४	१४	२१
१८	१	३	३	४२	०	३१	०	१	५६	२	५३	३६	०	४२	८	५६	२०	८	०	१३	१९	४१	१४	२०
१९	१	३	४५	४२	०	३२	०	१	५६	४४	५४	१८	०	४४	९	३	२०	२१	०	८	१९	३८	१४	१८
२०	१	४	२७	४२	०	३२	०	०	५७	२६	५५	२	०	४३	९	१०	२०	२९	०	७	१९	३५	१४	१७
२१	१	५	९	४२	०	३३	०	१	५८	८	५५	४५	०	४४	९	१८	२०	३६	०	७	१९	३४	१४	१७
२२	१	५	५१	४२	०	३४	०	१	५८	५०	५६	२९	०	४४	९	२५	२०	४३	०	७	१९	३१	१४	१५
२३	१	६	३३	४२	+०	३४	+०	०	५९	३२	५७	१३	०	४३	९	३२	+२०	५०	०	७	१९	२८	१४	१४
२४	१	७	१५	४२	०	३५	०	१	६०	१४	५७	५६	०	४४	९	३९	२०	५७	०	७	१९	२५	१४	१३
२५	१	७	५७	४२	०	३५	०	०	६०	५६	५८	४०	०	४४	९	४७	२१	४	०	७	१९	२३	१४	१२
२६	१	८	३९	४२	०	३६	०	१	६१	३८	५९	२४	०	४४	९	५४	२१	११	०	७	१९	२०	१४	११
२७	१	९	२१	४२	०	३६	०	०	६२	२०	६०	८	०	४४	१०	१	२१	१८	०	७	१९	१७	१४	१०
२८	१	१०	३	४२	०	३७	०	१	६३	२	६०	५२	०	४२	१०	९	२१	२५	०	७	१९	१६	१४	९
२९	१	१०	४५	४१	०	३७	०	०	६३	४३	६१	३५	०	४३	१०	१६	२१	३२	०	७	१९	१३	१४	८
३०	१	११	२५	४१	०	३८	०	१	६४	२४	६२	१८	०	४३	१०	२३	२१	३९	०	७	१९	१०	१४	७

मंगल

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं क	अं.	अं. क.
३०	३० श	५१३८	४६.९९	९५.०३	१०.४८	५७.४७	१.५४९०	३१.४१	५७.४६	५७.९	३१८.५९	१६ ७
१	१ र	५१३९	४७.५२	९५.५६	+१०.४६	५७.९८	१५५०२	३१.९२	५७.९७	५८.७	३१९.०६	१५ ५७
२	३ चं	५१४०	४८.०४	९६.०८	१०.४४	५८.४८	१.५५१५	३२.४२	५८.४७	५९.५	३१९.५३	१५ ४५
३	४ मं	५१४१	४८.५७	९६.६१	१०.४२	५८.९९	१.५५२९	३२.९३	५८.९८	६०.३	३१९.९९	१५ ३४
४	५ बु	५१४२	४९.०९	९७.१३	१०.४०	५९.४९	१.५५४१	३३.४३	५९.४८	६१.२	३२०.४५	१५ २४
५	६ गु	५१४३	४९.६१	९७.६५	१०.३८	५९.९९	१.५५५३	३३.९३	५९.९८	६२.०	३२०.९२	१५ १२
६	७ शु	५१४४	५०.१४	९८.१८	१०.३५	६०.४९	१.५५६६	३४.४३	६०.४८	६२.८	३२१.३९	१५ २
७	८ श	५१४५	५०.६६	९८.७०	+१०.३२	६०.९८	१.५५७८	३४.९२	६०.९७	६३.५	३२१.८७	१४ ५१
८	९ र	५१४६	५१.१९	९९.२३	१०.३०	६१.४९	१.५५९०	३५.४३	६१.४८	६४.३	३२२.३३	१४ ३९
९	१० चं	५१४७	५१.७१	९९.७५	१०.२७	६१.९८	१.५६०२	३५.९२	६१.९७	६५.१	३२२.७०	१४ २८
१०	११ मं	५१४८	५२.२३	१००.२७	१०.२५	६२.४८	१.५६१६	३६.४२	६२.४७	६५.९	३२३.२७	१४ १७
११	१२ बु	५१४९	५२.७६	१००.८०	१०.२२	६२.९८	१.५६२६	३६.९२	६२.९७	६६.७	३२३.७४	१४ ६
१२	१३ गु	५१५०	५३.२८	१०१.३२	१०.१९	६३.४७	१.५६३८	३७.४१	६३.४६	६७.४	३२४.२१	१३ ५५
१३	१४ शु	५१५१	५३.८१	१०१.८५	१०.१६	६३.९७	१.५६५१	३७.९१	६३.९६	६८.२	३२४.६८	१३ ५१
१४	१५ श	५१५२	५४.३३	१०२.३७	१०.१३	६४.४६	१.५६६४	३८.४०	६४.४५	६८.९	३२५.१५	१३ ३३
१५	१ र	५१५३	५४.८५	१०२.८९	+१०.०९	६४.९४	१.५६७६	३८.८८	६४.९३	६९.७	३२५.६४	१३ २९
१६	२ चं	५१५४	५५.३८	१०३.४२	१०.०७	६५.४५	१.५६८८	३९.३९	६५.४४	७०.४	३२६.०९	१३ ११
१७	३ मं	५१५५	५५.९०	१०३.९४	१०.०३	६५.९३	१.५६९८	३९.८७	६५.९२	७१.२	३२६.५७	१३ २
१८	४ बु	५१५६	५६.४३	१०४.४७	१०.०१	६६.४४	१.५७१२	४०.३८	६६.४३	७१.९	३२७.०३	१२ ४९
१९	५ गु	५१५७	५६.९५	१०४.९९	९.९६	६६.९१	१.५७२३	४०.८५	६६.९०	७२.६	३२७.५२	१२ ३९
२०	६ शु	५१५८	५७.४७	१०५.५१	९.९३	६७.४०	१.५७३४	४१.३४	६७.३९	७३.३	३२७.९९	१२ २६
२१	७ श	५१५९	५८.००	१०६.०४	९.९०	६७.९०	१.५७४६	४१.८४	६७.८९	७४.०	३२८.४६	१२ १६
२२	८ र	५१६०	५८.५२	१०६.५६	+ ९.८७	६८.३९	१.५७५८	४२.३३	६८.३८	७४.८	३२८.९३	१२ ४
२३	८ चं	५१६१	५९.०५	१०७.०९	९.८३	६८.८८	१.५७७०	४२.८२	६८.८७	७५.४	३२९.४०	११ ५३
२४	९ मं	५१६२	५९.५७	१०७.६१	९.७९	६९.३६	१.५७८०	४३.३०	६९.३५	७६.१	३२९.८८	११ ४३
२५	१० बु	५१६३	६०.०९	१०८.१३	९.७६	६९.८५	१.५७९२	४३.७९	६९.८४	७६.८	३३०.३५	११ ३१
२६	१२ गु	५१६४	६०.६२	१०८.६६	९.७२	७०.३४	१.५८०२	४४.२८	७०.३३	७७.५	३३०.८२	११ १९
२७	१३ शु	५१६५	६१.१४	१०९.१८	९.६८	७०.८२	१.५८१६	४४.७६	७०.८१	७८.२	३३१.३०	१० ९
२८	१४ श	५१६६	६१.६७	१०९.७१	९.६४	७१.३१	१.५८२६	४५.२५	७१.३०	७८.८	३३१.७७	१० ५९
२९	३० र	५१६७	६२.१९	११०.२३	+ ९.६०	७१.७९	१.५८३८	४५.७३	७१.७८	७९.५	३३२.२५	१० ४७

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल		क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा. अं. क.	क.	अं. क.	क.	क. अं	अं. क.	अं. क.	घ	प	अ क	अं क	घ	प	इँ घं	मि
३०	१ ११ २५	४१	० ३८	० ०	६४ २४	६२ १८	० ४४	१०	२३	२१ ३९	० ७	१९	१०	१४	७
१	१ १२ ६	४१	+० ३८	+० १	६५ ५	६३ ०२	० ४३	१०	३०	+२१ ४६	० ८	१९	७	१४	६
२	१ १२ ४७	४१	० ३९	० ०	६५ ४६	६३ ४५	० ४३	१०	३८	२१ ५४	० ७	१९	५	१४	५
३	१ १३ २८	४१	० ३९	० १	६६ २७	६४ २८	० ४४	१०	४५	२२ १	० ७	१९	२	१४	४
४	१ १४ ९	४१	० ४०	० ०	६७ ८	६५ १२	० ४३	१०	५२	२२ ८	० ७	१८	५९	१४	२
५	१ १४ ५०	४१	० ४०	० १	६७ ४९	६५ ५५	० ४४	१०	५९	२२ १५	० ८	१८	५७	१४	१
६	१ १५ ३१	४१	० ४१	० ०	६८ ३०	६६ २९	० ४४	११	५	२२ २३	० ७	१८	५३	१४	०
७	१ १६ १२	४१	० ४१	० १	६९ ११	६७ २३	० ४४	११	१४	२२ ३०	० ७	१८	५२	१४	०
८	१ १६ ५३	४१	० ४२	० ०	६९ ५२	६८ ७	० ४४	११	२१	२२ ३७	० ८	१८	४९	१३	५९
९	१ १७ ३४	४१	० ४२	० १	७० ३३	६८ ५१	० ४३	११	२९	२२ ४५	० ५	१८	४७	१३	५८
१०	१ १८ १५	४१	० ४३	० ०	७१ १४	६९ ३४	० ४४	११	३६	२२ ५०	० ५	१८	४४	१३	५६
११	१ १८ ५६	४१	० ४३	० १	७१ ५५	७० १८	० ४३	११	४३	२२ ५५	० ५	१८	४१	१३	५५
१२	१ १९ ३७	४१	० ४४	० ०	७२ ३६	७१ १	० ४४	११	५०	२३ ००	० ५	१८	३९	१३	५५
१३	१ २० १८	४१	० ४४	० १	७३ १७	७१ ४५	० ४२	११	५७	२३ ५	० ६	१८	३८	१३	५४
१४	१ २० ५९	४१	० ४५	० ०	७३ ५८	७२ २७	० ४३	१२	५	२३ ११	० ५	१८	३४	१३	५३
१५	१ २१ ३०	४१	० ४५	० १	७४ २९	७३ १०	० ४३	१२	१२	२३ १६	० ५	१८	३१	१३	५१
१६	१ २२ ११	४१	० ४६	० ०	७५ १०	७३ ५३	० ४३	१२	१९	२३ २१	० ५	१८	२८	१३	५०
१७	१ २२ ५२	४१	० ४६	० १	७५ ५१	७४ ३६	० ४३	१२	२६	२३ २६	० ५	१८	२५	१६	४९
१८	१ २३ ३३	४१	० ४७	० ०	७६ ३२	७५ १९	० ४३	१२	३३	२३ ३१	० ६	१८	२२	१३	४८
१९	१ २४ १४	४१	० ४७	० १	७७ १३	७६ २	० ४३	१२	४०	२३ ३७	० ३	१८	२०	१३	४०
२०	१ २४ ५५	४१	० ४८	० ०	७७ ५४	७६ ४५	० ४३	१२	४८	२३ ४०	० ४	१८	१८	१३	४७
२१	१ २५ ३६	४१	० ४८	० ०	७८ ३५	७७ २८	० ४३	१२	५५	२३ ४४	० ३	१८	१५	१३	४५
२२	१ २६ १७	४१	० ४८	० १	७९ १६	७८ ११	० ४३	१३	२	२३ ४७	० ४	१८	१२	१३	४४
२३	१ २६ ५८	४१	० ४९	० ०	७९ ५७	७८ ५४	० ४२	१३	९	२३ ५१	० ३	१८	९	१३	४३
२४	१ २७ ३	४१	० ४९	० १	८० ३८	७९ ३६	० ४३	१३	१६	२३ ५४	० ४	१८	६	१३	४१
२५	१ २८ २०	४१	० ५०	० ०	८१ १९	८० १९	० ४३	१३	२३	२३ ५८	० ३	१८	३	१३	४०
२६	१ २९ १	४०	० ५०	० १	८२ ०	८१ २	० ४३	१३	३०	२४ १	० ४	१८	१	१३	३९
२७	१ २९ ४१	४०	० ५१	० ०	८२ ४०	८१ ४५	० ४३	१३	३८	२४ ५	० ३	१७	५९	१३	३९
२८	२ ० २१	४०	० ५१	+० ०	८३ २०	८२ २८	० ४२	१३	४५	२४ ८	० ४	१७	५६	१३	३८
२९	२ १ १		+० ५१		८४ ०	८३ १०		१३	५२	+२४ १२		१७	५३	१३	३६

मंगल

मई-जून सन १९३८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं	अं	अं	अं		अं	अं	अं क	अं	अं क.
२९	३० र	५१६७	६२.१९	११०.२३	+९.६०	७१.७९	१.५८३८	४५.७३	७१.७८	७९.५	३३२.२५	१० ४७
३०	१ चं	५१६८	६२.७१	११०.७५	+९.५६	७२.२७	१.५८५०	४६.२१	७२.२६	८०.१	३३२.७३	−१० ३५
३१	२ मं	५१६९	६३.२४	१११.२८	९.५२	७२.७६	१.५८६२	४६.७०	७२.७५	८०.८	३३३.२०	१० २४
१	३ बु	५१७०	६३.७६	१११.८०	९.४७	७३.२३	१.५८७३	४७.१७	७३.२२	८१.४	३३३.२८	१० १३
२	५ गु	५१७१	६४.२९	११२.३३	९.४३	७३.७२	१.५८८३	४७.६६	७३.७१	८२.१	३३४.१५	१० २
३	६ शु	५१७२	६४.८१	११२.८५	९.३९	७४.२०	१.५८९३	४८.१४	७४.१९	८२.७	३३४.६३	९ ५०
४	७ श	५१७३	६५.३३	११३.३७	९.३५	७४.६८	१.५९०६	४८.६२	७४.६७	८३.३	३३५.११	९ ३९
५	८ र	५१७४	६५.८६	११३.९०	+९.२९	७५.१५	१.५९१७	४९.०९	७५.१४	८३.९	३३५.५९	९ २८
६	९ चं	५१७५	६६.३८	११४.४२	९.२५	७५.६३	१.५९२७	४९.५७	७५.६२	८४.५	३३६.०७	९ १७
७	१० मं	५१७६	६६.९१	११४.९५	९.२०	७६.११	१.५९३८	५०.०५	७६.१०	८५.१	३३६.१५	९ ०६
८	११ बु	५१७७	६७.४३	११५.४७	९.१४	७६.५७	१.५९५०	५०.५१	७६.५६	८५.७	३३७.०५	८ ५४
९	१२ गु	५१७८	६७.९५	११५.९९	९.१०	७७.०५	१.५९६०	५०.९९	७७.०४	८६.०	३३७.५२	८ ४३
१०	१३ शु	५१७९	६८.४८	११६.५२	९.०५	७७.५३	१.५९७०	५१.४७	७७.५२	८६.८	३३८.००	८ ३१
११	१४ श	५१८०	६९.००	११७.०४	९.००	७८.००	१.५९८१	५१.९४	७७.९९	८७.४	३३८.४८	८ २०
१२	१५ र	५१८१	६९.५३	११७.५७	८.९५	७८.४८	१.५९९२	५२.४२	७८.४७	८८.०	३३९.०६	८ ७
१३	१ चं	५१८२	७०.०५	११८.०९	+८.९०	७८.९५	१.६००२	५२.८९	७८.९४	८८.५	३३९.४४	७ ५८
१४	१ मं	५१८३	७०.५७	११८.६१	८.८५	७९.४२	१.६०१२	५३.३६	७९.४१	८९.१	३३९.९३	७ ४६
१५	२ बु	५१८४	७१.१०	११९.१४	८.८०	७९.९०	१.६०२२	५३.८४	७९.८९	८९.६	३४०.४०	७ ३५
१६	३ गु	५१८५	७१.६२	११२.६६	८.७५	८०.३७	१.६०३२	५४.३१	८०.३६	९०.२	३४०.८९	७ ३२
१७	४ शु	५१८६	७२.१५	१२०.१९	८.६९	८०.८४	१.६०४२	५४.७८	८०.८३	९०.७	३४१.३७	७ १३
१८	५ श	५१८७	७२.६७	१२०.७१	८.६४	८१.३१	१.६०५४	५५.२५	८१.३०	९१.२	३४१.८६	७ १
१९	६ र	५१८८	७३.१९	१२१.२३	८.५९	८१.७८	१.६०६१	५५.७२	८१.७७	९१.७	३४२.३४	६ ५०
२०	७ चं	५१८९	७३.७२	१२१.७६	८.५३	८२.२५	१.६०७३	५६.१९	८२.२४	९२.२	३४२.८३	६ ३८
२१	८ मं	५१९०	७४.२४	१२२.२८	+८.४७	८२.७१	१.६०८४	५६.६५	८२.७०	९२.७	३४३.३२	६ २७
२२	९ बु	५१९१	७४.७७	१२२.८१	८.४१	८३.१८	१.६०९४	५७.१२	८३.१७	९३.२	३४३.८१	६ १६
२३	१० गु	५१९२	७५.२९	१२३.३३	८.३६	८३.६५	१.६१०३	५७.५९	८३.६४	९३.७	३४४.२९	६ ४
२४	११ शु	५१९३	७५.८१	१२३.८५	८.३०	८४.११	१.६११३	५८.०५	८४.१०	९४.२	३४४.७८	५ ५२
२५	१२ श	५१९४	७६.३४	१२४.३८	८.२४	८४.५८	१.६१२३	५८.५२	८४.५७	९४.७	३४५.२७	५ ४१
२६	१३ र	५१९५	७६.८६	१२४.९०	८.१८	८५.०४	१.६१३२	५८.९८	८५.०३	९५.१	३४५.७६	५ ३०
२७	३० च	५१९६	७७.३९	१२५.४३	८.१३	८५.५२	१.६१४१	५९.४६	८५.५१	९५.६	३४५.२३	५ १९

मई—जून सन १९३८ इ. **ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित।**

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति	भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा.	अं.	क.	क	अं	क		क	अं.	क	अं.	क.	अं.	क.	घ.	प.	अं.	क.	अं.	क.	घ.	प	घं.	मि.
२९	२	१	१	४०	+०	५१	+०	१	८४	०	८३	१०	०	४३	१३	५२	२४	१२	०	१	१७	५३	१३	३६
३०	२	१	४१	४०	+०	५२	+०	०	८४	४०	८३	५३	०	४३	१३	५९	+२४	१३	०	१	१७	५०	१३	३५
३१	२	२	२१	४०	०	५२	०	१	८५	२०	८४	३६	०	४२	१४	६	२४	१४	०	१	१७	४७	१३	३३
१	२	३	१	४०	०	५३	०	०	८६	०	८५	१८	०	४३	१४	१३	२४	१५	०	१	१७	४४	१३	३३
२	२	३	४१	४०	०	५३	०	०	८६	४०	८६	१	०	४३	१४	२०	२४	१६	०	१	१७	४२	१३	३२
३	२	४	२१	४०	०	५३	०	१	८७	२०	८६	४४	०	४२	१४	२७	२४	१७	०	१	१७	३९	१३	३१
४	२	५	१	४०	०	५४	०	०	८८	०	८७	२६	०	४३	१४	३४	२४	१८	०	१	१७	३६	१३	२९
५	२	५	४१	४०	+०	५४	+०	१	८८	४०	८८	९	०	४२	१४	४२	२४	१९	०	१	१७	३४	१३	२९
६	२	६	२१	४०	०	५५	०	०	८९	२०	८८	५१	०	४३	१४	४९	२४	२०	०	१	१७	३१	१३	२७
७	२	७	१	४०	०	५५	०	०	९०	०	८९	३४	०	४२	१४	५६	२४	२१	०	१	१७	२८	१३	२६
८	२	७	४१	४०	०	५५	०	०	९०	४०	९०	१६	०	४५	१५	३	२४	२२	०	२	१७	२५	१३	२५
९	२	८	२१	४०	०	५५	०	१	९१	२०	९१	१	०	४५	१५	१०	२४	२०	०	१	१७	२३	१३	२४
१०	२	९	१	४१	०	५६	०	०	९२	०	९१	४६	०	४५	१५	१८	२४	१९	०	१	१७	२१	१३	२३
११	२	९	४२	४०	०	५६	०	१	९२	४०	९२	३१	०	४४	१५	२५	२४	१८	०	१	१७	१८	१३	२२
१२	२	१०	२२	४०	०	५७	०	०	९३	२०	९३	१५	०	४५	१५	३३	२४	१७	०	१	१७	१६	१३	२१
१३	२	११	२	४०	+०	५७	+०	०	९४	०	९४	०	०	४५	१५	४०	२४	१६	०	१	१७	१३	१३	२०
१४	२	११	४२	४०	०	५७	०	१	९४	४१	९४	४५	०	४५	१५	४८	२४	१५	०	१	१७	११	१३	१९
१५	२	१२	२२	४०	०	५८	०	०	९५	२१	९५	३०	०	४५	१५	५५	२४	१४	०	१	१७	८	१३	१८
१६	२	१३	२	३९	०	५८	०	०	९६	१	९६	१५	०	४५	१६	३	२४	१३	०	१	१७	७	१३	१८
१७	२	१३	४१	४०	०	५८	०	१	९६	४०	९७	०	०	४४	१६	१०	२४	१२	०	१	१७	४	१३	१६
१८	२	१४	२१	४०	०	५९	०	०	९७	२०	९७	४४	०	४५	१६	१७	२४	११	०	३	१७	१	१३	१५
१९	२	१५	१	३९	०	५९	०	०	९८	०	९८	२९	०	४४	१६	२५	२४	८	०	३	१६	५९	१३	१५
२०	२	१५	४०	३९	०	५९	०	१	९८	३९	९९	१३	०	४५	१६	३२	२४	५	०	२	१६	५६	१३	१३
२१	२	१६	१९	३९	+१	०	+०	०	९९	१८	९९	५८	०	४६	१६	४०	२४	३	०	३	१६	५४	१३	१३
२२	२	१६	५८	३९	१	०	०	०	९९	५७	१००	४४	०	४३	१६	४७	२४	०	०	२	१६	५२	१३	१२
२३	२	१७	३७	३९	१	०	०	०	१००	४६	१०१	२७	०	४४	१६	५५	२३	५८	०	३	१६	५०	१३	१०
२४	२	१८	१६	३९	१	१	०	०	१०१	१५	१०२	११	०	४५	१७	२	२३	५५	०	२	१६	४७	१३	१०
२५	२	१८	५५	३९	१	१	०	०	१०१	५४	१०२	५६	०	४४	१७	९	२३	५३	०	३	१६	४१	१३	८
२६	२	१९	३४	३९	१	१	०	०	१०२	३३	१०३	४०	०	४५	१७	१७	२३	५०	०	२	१६	४२	१३	८
२७	२	२०	१३		१	१			१०३	१२	१०४	२५			१७	२४	+२३	४८			१६	३९	१३	७

मंगल

जून-जुलाई सन १९३८ इ. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शार	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अ. क.	अ.	अं क
२७	३० चं	५१९६	७७.३९	१२५.४३	८.१३	८५.५२	१.६१४१	५९.४६	८५.५१	१ ३६	३४६.२३	५ १९
२८	१ मं	५१९७	७७.९१	१२५.९५	+८.०७	८५.९८	१.६१५१	५९.९२	८५.९७	१ ३६	३४६.७३	−५ ०७
२९	२ बु	५१९८	७८.४३	१२६.४७	८.०२	८६.४५	१.६१६१	६०.३९	८६.४४	१ ३७	३४७.२१	४ ५६
३०	३ गु	५१९९	७८.९६	१२७.००	७.९५	८६.९१	१.६१७०	६०.८५	८६.९०	१ ३७	३४७.७०	४ ४४
१	४ शु	५२००	७९.४८	१२७.५२	७.८९	८७.३७	१.६१७८	६१.३१	८७.३६	१ ३७	३४८.२०	४ ३३
२	५ श	५२०१	८०.०१	१२८.०५	७.८३	८७.८४	१.६१८७	६१.७८	८७.८३	१ ३८	३४८.४८	४ २१
३	६ र	५२०२	८०.५३	१२८.५७	७.७७	८८.३०	१.६१९५	६२.२४	८८.२९	१ ३८	३४९.१७	४ १०
४	७ चं	५२०३	८१ ०५	१२९.०९	७.७०	८८.७५	१.६२०५	६२.६९	८८.७४	१ ३९	३४९.६८	३ ५८
५	८ मं	५२०४	८१.५८	१२९.६२	७.६४	८९.२२	१.६२१४	६३.१६	८९.२१	१ ३९	३५०.१६	−३ ४८
६	९ बु	५२०५	८२.१०	१३०.१४	७.५८	८९.६८	१.६२२३	६३.६२	८९.६७	१ ३९	३५०.६५	३ ३६
७	१० गु	५२०६	८२ ६३	१३०.६७	७.५२	९०.१५	१.६२३२	६४.०९	९०.१४	१ ४०	३५१.१४	३ २५
८	११ शु	५२०७	८३.१५	१३१.१९	७.४४	९०.५९	१.६२४१	६४.५३	९०.५८	१ ४०	३५१.६५	३ १३
९	१२ श	५२०८	८३.६७	१३१.७१	७.३७	९१.०४	१.६२४८	६४.९८	९१.०३	१ ४०	३५२.१५	३ ०२
१०	१३ र	५२०९	८४.२०	१३२.२४	७.३२	९१.५२	१.६२५९	६५.४६	९१.५१	१ ४१	३५२.६३	२ ५०
११	१४ चं	५२१०	८४.७२	१३२.७६	७.२४	९१.९६	१.६२६४	६५.९०	९१.९५	१ ४१	३५३.१४	२ ३८
१२	१५ मं	५२११	८५.२५	१३३.२९	७.१८	९२.४२	१.६२७५	६६.३७	९२.४२	१ ४१	३५३.६२	२ २७
१३	१ बु	५२१२	८५.७७	१३३.८१	७.१२	९२.८९	१.६२८२	६६.८३	९२.८८	१ ४२	३५४.१२	−२ १५
१४	२ गु	५२१३	८६.२९	१३४.३३	७.०५	९३.३४	१.६२९१	६७.२८	९३.३३	१ ४२	३५४.६२	२ ०४
१५	३ शु	५२१४	८६.८२	१३४.८६	६.९७	९३.७९	१.६२९९	६७.७३	९३.७८	१ ४२	३५५.१३	१ ४६
१६	४ श	५२१५	८७.३४	१३५.३८	६.९१	९४.२५	१.६३०७	६८.१९	९४.२४	१ ४३	३५५.६२	१ ४१
१७	५ र	५२१६	८७.८७	१३५.९१	६.८४	९४.७१	१.६३१५	६८.६५	९४.७०	१ ४३	३५६.११	१ ३०
१८	६ चं	५२१७	८८.३९	१३६.४३	६.७८	९५.१७	१.६३२२	६९.११	९५.१६	१ ४३	३५६.६१	१ १८
१९	७ मं	५२१८	८८.९१	१३६.९५	६.७०	९५.३१	१.६३३०	६९.५५	९५.६०	१ ४४	३५७.१२	१ ०६
२०	८ बु	५२१९	८९.४४	१३७.४८	६.६३	९६.०७	१.६३३८	७०.०१	९६.०६	१ ४४	३५७.६२	० ५४
२१	९ गु	५२२०	८९.९६	१३८.००	६.५६	९६.५२	१.६३४६	७०.४६	९६.५१	१ ४४	३५८.१२	० ४३
२२	१० शु	५२२१	९०.४९	१३८.५३	६.४९	९६.९८	१.६३५३	७०.९२	९६.९७	१ ४५	३५८.६१	० ३१
२३	११ श	५२२२	९१.०१	१३९.०५	६.४२	९७.४३	१.६३६०	७१.३७	९७.४२	१ ४५	३५९.१२	० २०
२४	१२ र	५२२३	९१.५३	१३९.५७	६.३४	९७.८७	१.६३६७	७१.८१	९७.८६	१ ४५	३५९.६३	−० ०८
२५	१३ चं	५२२४	९२.०६	१४०.१०	६.२८	९८.३४	१.६३७५	७२.२८	९८.३३	१ ४५	०.१२	+० ०४
२६	१४ म	५२२५	९२.५८	१४०.६२	६.२०	९८.७८	१.६३८३	७२.७२	९८.७७	१ ४६	०.६३	० १५
२७	३० बु	५२२६	९३.११	१४१.१५	+ ६.१२	९९.२३	१.६३९०	७३.१७	९९.२२	१ ४६	१.१४	+० २५

जून-जुलाई सन १९३८ इ. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा अं क	क	अं क	क	अं क	अं क	अं क	घ प	अं क	अं क	घ प	स्टैं घं मि
२७	२ २० १३	३९	+१ १	+० ०	१०३ १२	१०४ २५	० ४४	१७ २४	२३ ४८	० ३	१६ ३९	१३ ७
२८	२ २० ५२	३९	१ १	+० १	१०३ ५१	१०५ ९	० ४२	१७ ३२	+२३ ४५	० ५	१६ ३७	१३ ६
२९	२ २१ ३१	३९	१ २	० ०	१०४ ३०	१०५ ५१	० ४२	१७ ३९	२३ ४०	० ५	१६ ३४	१३ ४
३०	२ २२ १०	३९	१ २	० १	१०५ ९	१०६ ३३	० ४२	१७ ४६	२३ ३५	० ४	१६ ३२	१३ ४
१	२ २२ ४९	३९	१ ३	० ०	१०५ ४८	१०७ १५	० ४३	१७ ५२	२३ ३१	० ५	१६ २८	१३ २
२	२ २३ २८	३९	१ ३	० ०	१०६ २७	१०७ ५८	० ४२	१८ ०	२३ २६	० ४	१६ २६	१३ १
३	२ २४ ०७	३९	१ ३	० १	१०७ ६	१०८ ४०	० ४२	१८ ७	२३ २२	० ५	१६ २३	१३ १
४	२ २४ ४६	३९	१ ४	० [illegible]	१०७ ४५	१०९ २२	० ४२	१८ १४	२३ १७	० ४	१६ २०	१२ ५९
५	२ २५ २५	३९	+१ ४	+० ०	१०८ २४	११० ४	० ४३	१८ २१	२३ १३	० ५	१६ १७	१२ ५८
६	२ २६ ०४	३९	१ ४	० ०	१०९ ३	११० ४७	० ४२	१८ २८	२३ ८	० ४	१६ १५	१२ ५७
७	२ २६ ४३	३९	१ ४	० १	१०९ ४२	१११ २९	० ४२	१८ ३५	२३ ४	० ५	१६ १२	१२ ५६
८	२ २७ २३	३९	१ ५	० ०	११० २१	११२ ११	० ४२	१८ ४२	२२ ५९	० ७	१६ ९	१२ ५५
९	२ २८ ०१	३९	१ ५	० ०	१११ ०	११२ ५३	० ४२	१८ ४९	२२ ५२	० ६	१६ ६	१२ ५३
१०	२ २८ ४०	३९	१ ५	० ०	१११ ३९	११३ ३५	० ४१	१८ ५६	२२ ४६	० ७	१६ ३	१२ ५२
११	२ २९ १९	३९	१ ५	० १	११२ १८	११४ १६	० ४२	१९ ३	२२ ३९	० ६	१६ ०	१२ ५१
१२	२ २९ ५८	३९	१ ६	० ०	११२ ५७	११४ ५८	० ४२	१९ १०	२२ ३३	० ७	१५ ५७	१२ ५०
१३	३ ० ३७	३९	+१ ६	+० ०	११३ ३६	११५ ४०	० ४१	१९ १७	२२ २६	० ६	१५ ५४	१२ ४९
१४	३ १ १६	३९	१ ६	० ०	११४ १५	११६ २१	० ४३	१९ २४	२२ २०	० ७	१५ ५२	१२ ४८
१५	३ १ ५५	३९	१ ६	० [illegible]	११४ ५४	११७ ३	० ४२	१९ ३१	२२ १३	० ६	१५ ४९	१२ ४६
१६	३ २ ३४	३९	१ ७	० ०	११५ ३३	११७ ४५	० ४१	१९ ३८	२२ ७	० ७	१५ ४६	१२ ४५
१७	३ ३ १३	३	१ ७	० ०	११६ १२	११८ २६	० ४१	१९ ४४	२२ ०	० ६	१५ ४२	२ ४४
१८	३ ३ ५२	३	१ ७	० ०	११६ ५१	११९ [illegible]	० ४१	१९ ५१	२१ ५४	० ९	१५ ३[illegible]	[illegible]२ ४३
१९	३ ४ ३१	३९	१ ७	० [illegible]	११७ ३०	११९ ४[illegible]	० ४१	१९ ५८	२१ ४५	० ८	१५ ३६	[illegible]२ ४१
२०	३ ५ १०	३९	+१ ८	+० ०	११८ ९	१२० २९	० ४१	२० ५	२१ ३७	० ८	१५ ३३	१२ ४०
२१	३ ५ ४९	३९	१ ८	० ०	११८ ४८	१२१ १०	० ४१	२० १२	२१ २९	० ८	१५ ३१	[illegible]२ ३९
२२	३ ६ २८	३९	१ ८	० ०	११९ २७	१२१ ५१	० ४१	२० १९	२१ २१	० ८	१५ २८	[illegible]२ ३८
२३	३ ७ ७	३९	१ ८	० ०	१२० ६	१२२ ३२	० ४१	२० २५	२१ १३	० ९	१५ २[illegible]	१२ ३७
२४	३ ७ ४६	३९	१ [illegible]	० १	१२० ४५	१२३ १३	० ४१	२० ३२	२१ ४	० ८	१५ २[illegible]	१२ ३५
२५	३ ८ २५	३९	१ [illegible]	० ०	१२१ २४	१२३ ५४	० ४१	२० ३९	२० ५६	० ८	१५ १८	१२ ३५
२६	३ ९ ४	३९	१ [illegible]	० ०	१२२ ३	१२४ ३५	० ४१	२० ४६	२० ४८	० ८	१५ [illegible]१	१२ ३४
२७	३ ९ ४३		१ ९		१२२ ४२	१२५ १६		२० ५३	+२० ४०		१५ १२	१२ ३२

मंगल

जुलाई-अगस्ट सन १९३८ ई. श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं	अं	अं	अं		अं	अं	अं क	अं	अं क
२७	३० बु	५२२६	९३.११	१४१.१५	+६.१२	९९.२३	१.६३९०	७३.१७	९९.२२	१ ४६	१.१४	+० २५
२८	२ गु	५२२७	९३.६३	१४१.६७	६.०५	९९.६८	१.६३९६	७३.६२	९९.६७	१ ४६	१.६५	० ३८
२९	३ शु	५२२८	९४.१५	१४२.१९	५.९८	१००.१३	१.६४०३	७४.०७	१००.१२	१ ४६	२.१५	० ५०
३०	४ श	५२२९	९४.६८	१४२.७२	५.९१	१००.५९	१.६४१०	७४.५३	१००.५८	१ ४७	२.६५	१ ०१
३१	५ र	५२३०	९५.२०	१४३.२४	५.८४	१०१.०४	१.६४१६	७४.९८	१०१.०३	१ ४७	३.१५	१ १३
१	६ चं	५२३१	९५.७३	१४३.७७	५.७५	१०१.४८	१.६४२३	७५.४२	१०१.४७	१ ४७	३.६७	१ २४
२	७ मं	५२३२	९६.२५	१४४.२९	५.६९	१०१.९४	१.६४३१	७५.८८	१०१.९३	१ ४७	४.१७	२ ३६
३	८ बु	५२३३	९६.७७	१४४.८१	+५.६१	१०२.३८	१.६४३७	७६.३२	१०२.३७	१ ४८	४.६८	+१ ४७
४	९ गु	५२३४	९७.३०	१४५.३४	५.५४	१०२.८४	१.६४४४	७६.७८	१०२.८३	१ ४८	५.१८	१ ५८
५	१० शु	५२३५	९७.८२	१४५.८६	५.४५	१०३.२७	१.६४४९	७७.२१	१०३.२६	१ ४८	५.७१	२ १०
६	११ श	५२३६	९८.३५	१४६.३९	५.३८	१०३.७३	१.६४५७	७७.६७	१०३.७२	१ ४८	६.२१	२ २२
७	१२ र	५२३७	९८.८७	१४६.९१	५.३०	१०४.१७	१.६४६२	७८.११	१०४.१६	१ ४८	६.७३	२ ३४
८	१३ च	५२३८	९९.३९	१४७.४३	५.२३	१०४.६२	१.६४६८	७८.५६	१०४.६१	१ ४८	७.२३	२ ४४
९	१३ मं	५२३९	९९.९२	१४७.९६	५.१४	१०५.०६	१.६४७४	७९.००	१०५.०५	१ ४९	७.७५	२ ५६
१०	१४ बु	५२४०	१००.४४	१४८.४८	५.०७	१०५.५१	१.६४८०	७९.४५	१०५.५०	१ ४९	८.२६	३ ०९
११	१५ गु	५२४१	१००.९७	१४९.०१	४.९९	१०५.९६	१.६४८६	७९.९०	१०५.९५	१ ४९	८.७७	३ ११
१२	१ शु	५२४२	१०१.४९	१४९.५३	+४.९२	१०६.४१	१.६४९१	८०.३५	१०६.४०	१ ४९	९.२८	+३ ३१
१३	२ श	५२४३	१०२.०१	१५०.०५	४.८३	१०६.८४	१.६४९७	८०.७८	१०६.८३	१ ४९	९.८१	३ ४३
१४	३ र	५२४४	१०२.५४	१५०.५८	४.७५	१०७.२९	१.६५०३	८१.२३	१०७.२८	१ ५०	१०.३२	३ ५६
१५	४ चं	५२४५	१०३.०६	१५१.१०	४.६८	१०७.७४	१.६५०८	८१.६८	१०७.७३	१ ५०	१०.८३	४ ०३
१६	५ मं	५२४६	१०३.५९	१५१.६३	४.६०	१०८.१९	१.६५१३	८२.१३	१०८.१८	१ ५०	२१.३४	४ १९
१७	६ बु	५२४७	१०४.११	१५२.१५	४.५१	१०८.६२	१.६५१८	८२.५६	१०८.६१	१ ५०	११.८७	४ ३०
१८	७ गु	५२४८	१०४ ६३	१५२.६७	४.४३	१०९.०६	१.६५२४	८३.००	१०९.०५	१ ५०	१२.३९	४ ४२
१९	८ शु	५२४९	१०५.१६	१५३.२०	+४.३६	१०९.५२	१.६५२९	८३.४६	१०९.५१	१ ५०	१२.९०	+४ ५३
२०	९ श	५२५०	१०५.६८	१५३.७२	४.२९	१०९.९७	१.६५३३	८३.९१	१०९.९७	१ ५०	१३.४०	५ ०५
२१	१० र	५२५१	१०६.२१	१५४.२५	४.२०	११०.४१	१.६५३८	८४.३५	११०.४१	१ ५०	१३.९२	५ १७
२२	१२ चं	५२५२	१०६.७३	१५४.७७	४.१२	११०.८५	१.६५४३	८४.७९	११०.८५	१ ५०	१४.४४	५ २९
२३	१३ मं	५२५३	१०७.२५	१५५.२९	४.०३	१११.२८	१.६५४८	८५.२२	१११.२८	१ ५०	१४.९८	५ ४०
२४	१४ बु	५२५४	१०७.७८	१५५.८२	३.९६	१११.७४	१.६५५२	८५.६८	१११ ७४	१ ५१	१५.४८	५ ५१
२५	३० गु	५२५५	१०८.३०	१५६.३४	३.८७	११२.१७	१.६५५७	८६.११	११२.१७	१ ५१	१६.०२	६ ३

जुलाई-अगस्ट सन १९३८ इ. श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा अं. क.	क.	अं. क.	क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ प	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टैं. घं. मि.
२७	३ ९ ४३	३९	+१ ९	+० ०	१२२ ४२	१२५ १६	० ४१	२० ५३	२० ४०	० ८	१५ १२	१२ ३२
२८	३ १० २२	३९	+१ ९	० ०	१२३ २१	१२५ ५७	० ४०	२१ ००	+२० ३२	० १०	१५ १०	१२ ३१
२९	३ ११ १	३९	१ ९	० १	१२४ ०	१२६ ३७	० ४०	२१ ६	२० २२	० ९	१५ ६	१२ २९
३०	३ ११ ४०	३९	१ १०	० ०	१२४ ३९	१२७ १७	० ४०	२१ १३	२० १३	० १०	१५ ३	१२ २८
३१	३ १२ १९	३९	१ १०	० ०	१२५ १८	१२७ ५७	० ४०	२१ २०	२० ३	० १०	१५ ०	१२ २७
१	३ १२ ५८	३९	१ १०	० ०	१२५ ५७	१२८ ३७	० ४०	२१ २६	१९ ५३	० १०	१४ ५६	१२ २६
२	३ १३ ३७	३९	१ १०	० ०	१२६ ३६	१२९ १७	० ४०	२१ ३५	१९ ४३	० ९	१४ ५५	१२ २५
३	३ १४ १६	३९	+१ १०	+० १	१२७ १५	१२९ ५७	० ४०	२१ ४०	१९ ३४	० १०	१४ ५०	१२ २३
४	३ १४ ५५	३९	१ ११	० १	१२७ ५४	१३० ३७	० ४०	२१ ४६	१९ २४	० १०	१४ ४७	१२ २२
५	३ १५ ३४	३९	१ ११	० ०	१२८ ३३	१३१ १७	० ४०	२१ ५३	१९ १४	० ९	१४ ४४	१२ २०
६	३ १६ १३	३९	१ ११	० ०	१२९ १२	१३१ ५७	० ४१	२२ ००	१९ ५	० १०	१४ ४१	१२ १९
७	३ १६ ५२	३९	१ ११	० ०	१२९ ५१	१३२ ३८	० ३८	२२ ६	१८ ५५	० ११	१४ ३७	१२ १८
८	३ १७ ३१	३८	१ ११	० ०	१३० ३०	१३३ १६	० ३८	२२ १३	१८ ४४	० १०	१४ ३४	१२ १७
९	३ १८ ९	३८	१ ११	० १	१३१ ८	१३३ ५४	० ३९	२२ १९	१८ ३४	० ११	१४ ३०	१२ १५
१०	३ १८ ४७	३८	१ १२	० ०	१३१ ४६	१३४ ३३	० ३८	२२ २६	१८ २३	० १०	१४ २८	१२ १४
११	३ १९ २५	३८	१ १२	० ०	१३२ २४	१३५ ११	० ३८	२२ ३२	१८ १३	० ११	१४ २४	१२ १३
१२	३ २० ३	३८	+१ १२	+० ०	१३३ २	१३५ ४९	० ३९	२२ ३८	१८ २	० ११	१४ २०	१२ ११
१३	३ २० ४१	३८	१ १२	० ०	१३३ ४०	१३६ २८	० ३८	२२ ४५	१७ ५१	० ११	१४ १७	१२ १०
१४	३ २१ १९	३८	१ १२	० ०	१३४ १८	१३७ ६	० ३८	२२ ५१	१७ ४०	० १०	१४ १३	१२ ८
१५	६ २१ ५७	३८	१ १२	० ०	१३४ ५६	१३७ ४४	० ३९	२२ ५७	१७ ३०	० ११	१४ ९	१२ ७
१६	३ २२ ३५	३८	१ १२	० ०	१३५ ३४	१३८ २३	० ३८	२३ ४	१७ १९	० ११	१४ ६	१२ ५
१७	३ २३ १३	३८	१ १२	० १	१३६ १२	१३९ २	० ३७	३२ १०	१७ ८	० ११	१४ २	१२ ४
१८	३ २३ ५१	३८	१ १३	० ०	१३६ ५०	१३९ ३९	० ३८	२३ १७	१६ ५७	० १२	१४ ०	१२ ३
१९	३ २४ २९	३८	+१ १३	+० ०	१३७ २८	१४० १७	० ३८	२३ २३	१६ ४५	० १२	१३ ५६	१२ २
२०	३ २५ ७	३८	१ १३	० ०	१३८ ६	१४० ५५	० ३७	२३ २९	१६ ३३	० १२	१३ ५२	१२ ०
२१	३ २५ ४५	३८	१ १३	० ०	१३८ ४४	१४१ ३२	० ३८	२३ ३५	१६ २१	० ११	१३ ४८	११ ५८
२२	३ २६ २३	३८	१ १३	० ०	१३९ २२	१४२ १०	० ३७	२३ ४२	१६ १०	० १२	१२ ४५	११ ५७
२३	३ २७ १	६८	१ १३	० ०	१४० ०	१४२ ४७	० ३८	२३ ४८	१५ ५८	० १२	१३ ४१	११ ५५
२४	३ २७ ३९	३८	१ १३	+० ०	१४१ ३८	१४३ २५	० ३७	२३ ५४	१५ ४६	० ११	१३ ३७	११ ५४
२५	३ २८ १७		+१ १३		१४२ १६	१४४ २		२४ १	+१५ ३५	० १२	१३ ३५	११ ५२

मंगल

अगस्ट-सप्टेंबर सन १९३८ इ   भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं	अं	अं.	अं.		अं.	अं.	अं.क	अं.	अं. क.
२५	३० गु	५२५५	१०८.३०	१५६.३४	३.८७	११२.१७	१.६५५७	८६.११	११२.१७	१ ५१	१६.०२	६ ०३
२६	१ शु	५२५६	१०८.८३	१५६.८७	+ ३.७८	११२.६१	१.६५६१	८६.५५	११२.६१	१ ५१	१६.५४	+ ६ १६
२७	२ श	५२५७	१०९.३५	१५७.३९	३.७१	११३.०६	१.६५६६	८७.००	११३.०६	१ ५१	१७.०६	६ २७
२८	३ र	५२५८	१०९.८७	१५७.९१	३.६३	११३.५०	१.६५६९	८७.४४	११३.५०	१ ५१	१७.५८	६ ३८
२९	४ चं	५२५९	११०.४०	१५८.४४	३.५५	११३.९५	१.६५७३	८७.८९	११३.९५	१ ५१	१८.१०	६ ५०
३०	५ मं	५२६०	११०.९२	१५८.९६	३.४७	११४.३९	१.६५७७	८८.३३	११४.३९	१ ५१	१८.६३	७ ०२
३१	६ बु	५२६१	१११.४५	१५९.४९	३.३७	११४.८२	१.६५८१	८८.७६	११४.८२	१ ५१	१९.१६	७ १४
१	७ गु	५२६२	१११.९७	१६०.०१	३.२९	११५.२६	१.६५८५	८९.२०	११५.२६	१ ५१	१९.६९	७ २६
२	८ शु	५२६३	११२.४९	१६० ५३	३.२२	११५.७१	१.६५८८	८९.३५	११५.७१	१ ५१	२०.२१	७ ३७
३	९ श	५२६४	११३.०२	१६१.०६	३.१२	११६.१४	१.६५९२	९०.०८	११६.१४	१ ५१	२०.७५	७ ४९
४	१० र	५२६५	११३.५४	१६१.५८	३.०४	११६.५८	१.६५९५	९०.५२	११६.५८	१ ५१	२१.२७	८ ००
५	११ चं	५२६६	११४.०७	१६२.११	२.९५	११७.०२	१.६६००	९०.९६	११७.०२	१ ५१	२१.८०	८ १२
६	१२ मं	५२६७	११४.५९	१६२.६३	२.८८	११७.४७	१.६६०३	९१.४१	११७.४७	१ ५१	२२.३२	८ २३
७	१३ बु	५२६८	११५.११	१६३.१५	२.७९	११७.९०	१.६६०६	९१.८४	११७.९०	१ ५१	२२.८६	८ ३६
८	१४ गु	५२६९	११५.६४	१६३.६८	२.७०	११८.३४	१.६६०९	९२.२८	११८.३४	१ ५१	२३.४०	८ ४६
९	१५ शु	५२७०	११६.१६	१६४.२०	२.६१	११८.७७	१.६६१२	९२.७१	११८.७७	१ ५१	२३.९४	९ ००
१०	१ श	५२७१	११६.६९	१६४.७३	२.५३	११९.२२	१.६६१४	९३.१६	११९.२२	१ ५१	२४.४६	९ ११
११	२ र	५२७२	११७.२१	१६५.२५	२.४५	११९.६६	१.६६१८	९३.६०	११९.६६	१ ५१	२४.९९	९ २३
१२	३ चं	५२७३	११७.७३	१६५.७७	२.३[illegible]	१२०.१०	१.६६२०	९४.०४	१२०.१०	१ ५१	२५.५२	९ ३५
१३	४ म	५२७४	११८.२६	१६६.३०	२.२७	१२०.५३	१.६६२३	९४.४७	१२०.५३	१ ५१	२६.०५	९ ४६
१४	५ बु	५२७५	११८.७८	१६६.८२	२.२०	१२०.९८	१.६६२६	९४.९२	१२०.९८	१ ५०	२६.५९	९ ४९
१५	६ गु	५२७६	११९.३१	१६७.३५	२.११	१२१.४२	१.६६२९	९५.३६	१२१.४२	१ ५०	२७.१२	१० १४
१६	७ शु	५२७७	११९.८४	१६७.८७	२.०२	१२१.८६	१.६६३१	९५.८०	१२१.८६	१ ५०	२७.६६	१० २१
१७	८ श	५२७८	१२०.३६	१६८.३९	१.९३	२२.२९	१.६६३४	९६.२३	१२२.२९	१ ५०	२८.२०	१० ३३
१८	९ र	५२७९	१२०.८९	१६८.९२	१.८५	१२२.७४	१.६६३५	९६.६८	१२२.७४	१ ५०	२८.७३	१० ४५
१९	१० चं	५२८०	१२१.४१	१६९.४४	१.७६	१२३.१५	१.६६३७	९७.११	१२३.१७	१ ५०	२९.२८	१० ५४
२०	११ मं	५२८१	१२१.९४	१६९.९७	१.६६	१२३.६०	१.६६४०	९७.५४	१२३.६०	१ ५०	२९.८२	११ ०८
२१	१२ बु	५२८२	१२२.४६	१७०.४९	१.५८	१२४.०४	१.६६४१	९७.९८	१२४.०४	१ ५०	३०.३६	११ २०
२२	१३ गु	५२८३	१२२.९८	१७१.०१	१.५०	१२४.४८	१.६६४३	९८.४२	१२४.४८	१ ५०	३०.९०	११ ३२
२३	३० शु	५२८४	१२३.५१	१७१.५४	+ १.४२	१२४.९३	१.६६४४	९८.८७	१२४.९३	१ ५०	३१.४३	+११ ४३

अगस्ट–सप्टेंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति	भूमध्य दृश्य शर		गति	सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा	अं	क	क	अं	क	क	अं	क	अं	क	अं	क	घ	प	अं	क	अं	क	घ	प	स्टैं घं	मि.
२५	३	२८	१७	३८	+१	१३	+० १	१४१	१६	१४४	२०	०	३८	२४	१	+१५	३५	०	१२	१३	३५	११	५२
२६	३	२८	५४	३८	+१	१४	+० ०	१४१	५४	१४४	४०	०	३७	२४	७	+१५	२३	०	१२	१३	३१	११	५१
२७	३	२९	३२	३८	१	१४	० ०	१४२	३१	१४५	१७	०	३७	२४	१३	१५	११	०	१२	१३	२७	११	४९
२८	४	०	१०	३८	१	१४	० ०	१४३	९	१४५	५४	०	३७	२४	१९	१४	५९	०	१३	१३	२३	११	४८
२९	४	०	४८	३८	१	१४	० ०	१४३	४७	१४६	३१	०	३७	२४	२५	१४	४६	०	१३	१३	१९	११	४७
३०	४	१	२६	३८	१	१४	० ०	१४४	२५	१४७	८	०	३७	२४	३१	१४	३३	०	१३	१३	१५	११	४५
३१	४	२	४	३८	१	१४	० ०	१४५	३	१४७	४५	०	३७	२४	३८	१४	२०	०	१३	१३	१२	११	४४
१	४	२	४२	३८	१	१४	० ०	१४५	४१	१४८	२२	०	३७	२४	४४	१४	७			१३	९	११	४३
२	४	३	२०	३८	+१	१४	+० ०	१४६	१९	१४८	५९	०	३७	२४	५०	+१३	५४	०	१३	१३	५	११	४१
३	४	३	५८	३८	१	१४	० ०	१४६	५७	१४९	३६	०	३७	२४	५६	१३	४१	०	१३	१३	१	११	३९
४	४	४	३६	३८	१	१४	० ०	१४७	३५	१५०	१३	०	३७	२५	२	१३	२८	०	१३	१२	५७	११	३८
५	४	५	१४	३८	१	१४	० ०	१४८	१३	१५०	५०	०	३६	२५	८	१३	१५	०	१३	१२	५३	११	३६
६	४	५	५२	३८	१	१४	० ०	१४८	५१	१५१	२६	०	३६	२५	१४	१३	२	०	१३	१२	४९	११	३५
७	४	६	३०	३८	१	१४	० १	१४९	२९	१५२	२	०	३६	२५	२०	१२	४८	०	१४	१२	४५	११	३३
८	४	७	८	३८	१	१५	० ०	१५०	७	१५२	३८	०	३७	२५	२६	१२	३४	०	१४	१२	४१	११	३२
९	४	७	४६	३८	१	१५	० ०	१५०	४५	१५३	१५	०	३६	२५	३३	१२	२१	०	१३	१२	३९	११	३१
																		०	१४				
१०	४	८	२४	३८	+१	१५	+० ०	१५१	२३	१५३	५१	०	३६	२५	४०	+१२	७	०	१३	१२	३६	११	२९
११	४	९	२	३८	१	१५	० ०	१५२	१	१५४	२७	०	३६	२५	४५	११	५४	०	१४	१२	३१	११	२८
१२	४	९	४०	३८	१	१५	० ०	१५२	३९	१५५	३	०	३८	२५	५१	११	४०	०	१३	१२	२७	११	२६
१३	४	१०	१८	३८	६	१५	० ०	१५३	१७	१५५	४१	०	३७	२५	५७	११	२७	०	१४	१२	२३	११	२४
१४	४	१०	५६	३८	१	१५	० ०	१५३	५५	१५६	१८	०	३५	२६	३	११	१३	०	१३	१२	१९	११	२३
१५	४	११	३४	३८	१	१५	० ०	१५४	३३	१५६	५३	०	३६	२६	९	११	०	०	१४	१२	१६	११	२१
१६	४	१२	१२	३८	१	१५	० ०	१५५	११	१५७	२९	०	३६	२६	१५	१०	४६	०	१५	१२	१२	११	२०
१७	४	१२	५०	३८	+१	१५	+० ०	१५५	४९	१५८	५	०	३६	२६	२१	+१०	३१	०	१४	१२	८	११	१८
१८	४	१३	२८	३८	१	१५	० ०	१५६	२७	१५८	४१	०	३६	२६	२७	१०	१७	०	१४	१२	४	११	१६
१९	४	१४	६	३८	१	१५	० ०	१५७	५	१५९	१७	०	३६	२३	३३	१०	३	०	१४	१२	०	११	१५
२०	४	१४	४४	३८	१	१५	० ०	१५७	४३	१५९	५३	०	३६	२६	३९	९	४९	०	१४	११	५६	११	१४
२१	४	१५	२२	३८	१	१५	० ०	१५८	२१	१६०	२९	०	३६	२६	४५	९	३५	०	१४	११	५२	११	१२
२२	४	१६	०	३८	१	१५	० ०	१५८	५९	१६१	५	०	३६	२६	५१	९	२१	०	१५	११	४९	११	११
२३	४	१६	३८	३८	१	१५		१५९	३७	१६१	४१			२६	५७	९	६			११	४५	११	९

मंगल

सप्टेंबर-अक्टूबर सन १९३८ इ   आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं	अं क	अं	
२३	३० शु	५२८४	१२३·५१	१७१·५४	+१·४२	१२४·९३	१·६६४४	९८·८७	१२४·९३	१ ५०	३१·४३	+११ ४३
२४	१ श	५२८५	१२४·०३	१७२·०६	१·३३	१२५·३६	१·६६४६	९९·३०	१२४·३६	१ ५०	३१·९८	११ ५५
२५	२ र	५२८६	१२४·५६	१७२·५९	१·२३	१२५·७९	१·६६४८	९९·७३	१२५·७९	१ ४९	३२·५३	१२ ०७
२६	३ चं	५२८७	१२५·०८	१७३·११	१·१४	१२६·२२	१·६६४९	१००·१६	१२६·२२	१ ४९	३३·०८	१२ १९
२७	४ मं	५२८८	१२५·६०	१७३·६३	१·०७	१२६·६७	१·६६५०	१००·६१	१२६·६७	१ ४९	३३·६१	१२ ३०
२८	५ बु	५२८९	१२६·१३	१७४·१६	०·९८	१२७·११	१·६६५१	१०१·०५	१२७·११	१ ४९	३४·१५	१२ ४३
२९	६ गु	५२९०	१२६·६५	१७४·६८	०·८९	१२७·५४	१·६६५२	१०१·४८	१२७·५४	१ ४९	३४·७०	१२ ५४
३०	७ शु	५२९१	१२७·१८	१७५·२१	०·७९	१२७·९७	१·६६५३	१०१·९१	१२७·९८	१ ४९	३५·२४	१३ १३
१	८ श	५२९२	१२७·७०	१७५·७३	+०·७१	१२८·४१	१·६६५५	१०२·३५	१२८·४२	१ ४८	३५·७९	+१३ १७
२	९ र	५२९३	१२८·२२	१७६·२५	०·६१	१२८·८३	१·६६५५	१०२·७७	१२८·८४	१ ४८	३६·३५	१३ ३०
३	९ चं	५२९४	१२८·७५	१७६·७८	०·५४	१२९·२९	१·६६५६	१०३·२३	१२९·३०	१ ४८	३६·८७	१३ ४१
४	१० मं	५२९५	१२९·२७	१७७·३०	०·४५	११९·७२	१·६६५६	१०३·६६	१२९·७३	१ ४८	३७·४३	१३ ५४
५	११ बु	५२९६	१२९·८०	१७७·८३	०·३६	१३०·१६	१·६६५६	१०४·१०	१३०·१७	१ ४८	३७·९७	१४ ००
६	१२ गु	५२९७	१३०·३२	१७८·३५	०·२९	१३०·६१	१·६६५७	१०४·५५	१३०·६२	१ ४७	३८·५१	१४ २२
७	१३ शु	५२९८	१३०·८४	१७८·८७	०·१९	१३१·०३	१·६६५७	१०४·९७	१३१·०४	१ ४७	३९·०८	१४ २८
८	१४ श	२५९९	१३१·३७	१७९·४०	०·१०	१३१·४७	१·६६५७	१०५·४१	१३१·४८	१ ४७	३९·६२	१४ ३९
९	१५ र	५३००	१३१·८९	१७९·९२	+०·०२	१३१·९१	१·६६५७	१०५·८५	१३१·९२	१ ४७	४०·१७	१४ ५१
१०	१ चं	५३०१	१३२·४२	१८०·४५	−०·०७	१३२·३५	१·६६५७	१०६·२९	१३२·३६	१ ४७	४०·७२	+१५ ०३
११	२ मं	५३०२	१३२·९४	१८०·९७	०·१५	१३२·७९	१·६६५७	१०६·७३	१३२·८०	१ ४६	४१·२७	१५ १५
१२	३ बु	५३०३	१३३·४६	१८१·४९	०·२६	१३३·२०	१·६६५७	१०७·१४	१३३·२१	१ ४६	४१·८५	१५ २७
१३	४ गु	५३०४	१३३·९९	१८२·०२	०·३३	१३३·६६	१·६६५७	१०७·६०	१३३·६७	१ ४६	४२·३८	१२ ३८
१४	५ शु	५३०५	१३४·५१	१८२·५४	०·४२	१३४·०९	१·६६५७	१०८·०३	१३४·१०	१ ४६	४२·९४	१५ ५०
१५	७ श	५३०६	१३५·०४	१८३·०७	०·५२	१३४·५२	१·६६५६	१०८·४६	१३४·५३	१ ४५	४३·५०	१६ ०२
१६	८ र	५३०७	१३५·५६	१८३·५९	−०·६०	१३४·९६	१·६६५५	१०८·९०	१३४·९७	१ ४५	४४·०५	+१६ १४
१७	९ चं	५३०८	१३६·०८	१८४·११	०·६८	१३५·४०	१·६६५५	१०९·३४	१३५·४१	१ ४५	४४·६०	१६ २५
१८	१० मं	५३०९	१३६·६१	१८४·६४	०·७६	१३५·८५	१·६६५४	१०९·७९	१३५·८६	१ ४४	४५·१५	१६ ३७
१९	११ बु	५३१०	१३७·१३	१८५·१६	०·८७	१३६·२६	१·६६५३	११०·२०	१३६·२७	१ ४४	४५·७३	१६ ४९
२०	१२ गु	५३११	१३७·६६	१८५·६९	०·९५	१३६·७१	१·६६५२	११०·६५	१३६·७२	१ ४४	४६·२७	१७ ००
२१	१३ शु	५३१२	१३८·१८	१८६·२१	१·०४	१३७·१४	१·६६५१	१११·०८	१२७·१५	१ ४४	४६·८४	१७ १२
२२	१४ श	५३१३	१३८·७०	१८६·७३	१·११	१३७·५९	१·६६५०	१११·५३	१३७·६०	१ ४३	४७·३८	१७ २३
२३	३० र	५३१४	१३९·२३	१८७·२६	१·२०	१३८·०३	१·६६४८	१११·९७	१३८·०४	१ ४३	४७·९४	१७ ३५

सितंबर–अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित ।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति	भूमध्य दृश्य शर		गति	सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा	अं	क	क	अं	क	क	अं	क	अं	क	अं	क	घ	प	अं	क	अं	क	घ	प	स्टैं घं	मि
२३	४	१६	३८	३८	१	१५	० ०	१५९	३७	१६१	४१	०	३६	२६	५७	९	६	०	१४	११	४५	११	९
२४	४	१७	१६	३८	+१	१५	० ०	१६०	१५	१६२	१७	०	३६	२७	३	+८	५२	०	१४	११	४१	११	७
२५	४	१७	५४	३८	१	१५	० ०	१६०	५३	१६२	५३	०	३६	२७	९	८	३८	०	१४	११	३९	११	६
२६	४	१८	३२	३८	१	१५	० ०	१६१	३१	१६३	२९	०	३५	२७	१५	८	२४	०	१५	११	३३	११	४
२७	४	१९	१०	३८	१	१५	० ०	१६२	९	१६४	४	०	३५	२७	२१	८	९	०	१५	११	२९	११	३
२८	४	१९	५८	३८	१	१५	० ०	१६२	४७	१६४	३९	०	३५	२७	२७	७	५४	०	१४	११	२५	११	१
२९	४	२०	२६	३८	१	१५	० ०	१६३	२५	१६५	१४	०	३५	२७	३२	७	४०	०	१५	११	२१	१०	५९
३०	४	२१	४	३८	१	१५	० ०	१६४	३	१६५	४९	०	३५	२७	३८	७	२५	०	१४	११	१७	१०	५८
					१																		
१	४	२१	४२	३८	+१	१५	० ०	१६४	४१	१६६	२४	०	३५	२७	४४	+७	११	०	१५	११	१३	१०	५६
२	४	२२	२०	३८	१	१५	० ०	१६५	१९	१६६	५९	०	३५	२७	५०	६	५६	०	१३	११	९	१०	५४
३	४	२२	५८	३८	१	१५	० ०	१६५	५७	१६७	३४	०	३५	२७	५६	६	४३	०	१६	११	५	१०	५३
४	४	२३	३६	३८	१	१५	० ०	१६६	३५	१६८	९	०	३५	२८	१२	६	२७	०	१४	११	१	१०	५१
५	४	२४	१४	३८	१	१५	० ०	१६७	१३	१६८	४४	०	३५	२८	१७	६	१३	०	१५	१०	५६	१०	४९
६	४	२४	५२	३८	१	१५	० ०	१६७	५१	१६९	१९	०	३५	२८	१३	५	५८	०	१६	१०	५३	१०	४८
७	४	२५	३०	३८	१	१५	० ०	१६८	२९	१६९	५४	०	३५	२८	१९	५	४२	०	१६	१०	४९	१०	४७
८	४	२६	८	३८	१	१५	० ०	१६९	७	१७०	२९	०	३५	२८	२५	५	२६	०	१५	१०	४५	१०	४६
९	४	२६	४६	३८	१	१५	० ०	१६९	४५	१७१	४	०	३५	२८	३१	५	११	०	१६	१०	४१	१०	४४
१०	४	२७	२४	३८	+१	१५	० ०	१७०	२३	१७१	३९	०	३४	२८	३७	+४	५५	०	१५	१०	३७	१०	४२
११	४	२८	२	३८	१	१५	० ०	१७१	१	१७२	१३	०	३५	२८	४२	४	४०	०	१६	१०	३२	१०	४०
१२	४	२८	४०	३८	१	१५	० ०	१७१	३९	१७२	४८	०	३५	२८	४८	४	२४	०	१५	१०	२८	१०	३८
१३	४	२९	१८	३८	१	१५	० ०	१७२	१७	१७३	२३	०	३५	२८	५४	४	९	०	१६	१०	२५	१०	३७
१४	४	२९	५६	३८	१	१५	० ०	१७२	५५	१७३	५८	०	३५	२९	०	३	५३	०	१५	१०	२१	१०	३५
१५	५	०	३४	३८	१	१५	० ०	१७३	३३	१७४	३३	०	३४	२९	६	३	३८	०	१६	१०	१७	१०	३४
१६	५	१	१२	३८	+१	१५	० १	१७४	११	१७५	७	०	३५	२९	११	+३	२२	०	१५	१०	१२	१०	३२
१७	५	१	५०	३८	१	१४	० ०	१७४	४९	१७५	४२	०	३५	२९	१७	३	७	०	१५	१०	८	१०	३०
१८	५	२	२८	३८	१	१४	० ०	१७५	२७	१७६	१७	०	३५	२९	२३	२	५२	०	१४	१०	४	१०	२८
१९	५	३	६	३८	१	१४	० ०	१७६	५	१७६	५२	०	३५	२९	२९	२	३८	०	१५	१०	०	१०	२७
२०	५	३	४४	३८	१	१४	० ०	१७६	४३	१७७	२७	०	३५	२९	३५	२	२३	०	१४	९	५९	१०	२६
२१	५	४	२२	३८	१	१४	० ०	१७७	२१	१७८	२	०	३५	२९	४०	२	९	०	१५	९	५२	१०	२४
२२	५	५	०	३८	१	१४	० ०	१७७	५९	१७८	३७	०	३५	२९	४६	१	५४	०	१४	९	४८	१०	२२
२३	५	५	३८	३८	+१	१४	० ०	१७८	३७	१७९	१२	०	३५	२९	५२	+१	४०	०	१५	९	४४	१०	२१

मंगल

अक्तूबर-नवम्बर सन १९३८ इ   कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	ति.घा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं	अं	अं	अं		अं	अं	अं क	अं	अं क
२३	३० र	५३१४	१३९.२३	१८७.२६	–१.२०	१३८.०३	१.६६४८	१११.९७	१३८.०४	१ ४३	४७.९४	+१७ ३
२४	१ चं	५३१५	१३९.७५	१८७.७८	१.३०	१३८.४५	१.६६४७	११२.३९	१३८.४६	१ ४३	४८.५१	१७ ४६
२५	२ मं	५३१६	१४०.२८	१८८.३१	१.३८	१३८.९०	१.६६४५	११२.८४	१३८.९१	१ ४२	४९.०६	१७ ५८
२६	३ बु	५३१७	१४०.८०	१८८.८३	१.४७	१३९.३३	१.६६४४	११३.२७	१३९.३४	१ ४२	४९.६३	१८ १०
२७	४ गु	५३१८	१४१.३२	१८९.३५	१.५५	१३९.७७	१.६६४२	११३.७१	१३९.७८	१ ४२	५०.१८	१८ २१
२८	५ शु	५३१९	१४१.८५	१८९.८८	१.६५	१४०.२०	१.६६४१	११४.१४	१४०.२१	१ ४१	५०.७५	१८ ३३
२९	६ श	५३२०	१४२.३७	१९०.४०	१.७३	१४०.६४	१.६६३९	११४.५८	१४०.६५	१ ४१	५१.३१	१८ ४४
३०	७ र	५३२१	१४२.९०	१९०.९३	१.८१	१४१.०९	१.६६३६	११५.०३	१४१.१०	१ ४१	५१.८६	१८ ५६
३१	८ चं	५३२२	१४३.४२	१९१.४५	–१.९०	१४१.५२	१.६६३४	११५.४६	१४१.५३	१ ४०	५२.४३	+१९ ८
१	९ मं	५३२३	१४३.९४	१९१.९७	१.९८	१४१.९६	१.६६३२	११५.९०	१४१.९७	१ ४०	५२.९९	१९ १९
२	१० बु	५३२४	१४४.४७	१९२.५०	२.०७	१४२.४०	१.६६३०	११६.३४	१४२.४१	१ ४०	५३.५५	१९ ३१
३	११ गु	५३२५	१४४.९९	१९३.०२	२.१६	१४२.८३	१.६६२८	११६.७७	१४२.८४	१ ३९	५४.१२	१९ ४३
४	११ शु	५३२६	१४५.५२	१९३.५५	२.२४	१४३.२८	१.६६२५	११७.२२	१४३.२९	१ ३९	५४.६८	१९ ५४
५	१२ श	५३२७	१४६.०४	१९४.०७	२.३४	१४३.७०	१.६६२२	११७.६४	१४३.७१	१ ३८	५५.२६	२० ६
६	१३ र	५३२८	१४६.५६	१९४.५९	२.४२	१४४.१४	१.६६१९	११८.०८	१४४.१५	१ ३८	५५.८२	२० १७
७	१५ चं	५३२९	१४७.०९	१९५.१२	२.५०	१४४.५९	१.६६१७	११८.५३	१४४.६०	१ ३८	५६.३७	२० २९
८	१ मं	५३३०	१४७.६१	१९५.६४	–२.५९	१४५.०२	१.६६१४	११८.९६	१४५.०३	१ ३७	५६.९५	+२० ४०
९	२ बु	५३३१	१४८.१४	१९६.१७	२.६८	१४५.४६	१.६६११	११९.४०	१४५.४७	१ ३७	५७.५१	२० ५१
१०	३ गु	५३३२	१४८.६६	१९६.६९	२.७६	१४५.९०	१.६६०८	११९.८४	१४५.९१	१ ३६	५८.०८	२१ २
११	४ शु	५३३३	१४९.१८	१९७.२१	२.८५	१४६.३३	१.६६०५	१२०.२७	१४६.३४	१ ३६	५८.६५	२१ १३
१२	५ श	५३३४	१४९.७१	१९७.७४	२.९२	१४६.७९	१.६६०२	१२०.७३	१४६.८०	१ ३५	५९.२०	२१ २५
१३	६ र	५३३५	१५०.२३	१९८.२६	३.०१	१४७.२२	१.६५९९	१२१.१६	१४७.२३	१ ३५	५९.७७	२१ ३६
१४	७ चं	५३३६	१५०.७६	१९८.७९	३.१०	१४७.६६	१.६५९६	१२१.६०	१४७.६७	१ ३५	६०.३४	२१ ४८
१५	८ मं	५३३७	१५१.२८	१९९.३१	३.१९	१४८.०९	१.६५९२	१२२.०३	१४८.१०	१ ३४	६०.९२	+२२ ००
१६	९ बु	५३३८	१५१.८०	१९९.८३	३.२६	१४८.५४	१.६५८७	१२२.४८	१४८.५५	१ ३४	६१.४८	२२ ११
१७	११ गु	५३३९	१५२.३३	२००.३६	३.३४	१४८.९९	१.६५८३	१२२.९३	१४९.००	१ ३३	६२.०३	२२ २२
१८	१२ शु	५३४०	१५२.८५	२००.८८	३.४२	१४९.४३	१.६५८०	१२३.३७	१४९.४४	१ ३३	६२.६०	२२ ३३
१९	१३ श	५३४१	१५३.३८	२०१.४१	३.५२	१४९.८६	१.६५७४	१२३.८०	१४९.८७	१ ३२	६३.१८	२२ ४५
२०	१४ र	५३४२	१५३.९०	२०१.९३	३.६०	१५०.३०	१.६५७१	१२४.२४	१५०.३१	१ ३२	६३.७५	२२ ५६
२१	३० चं	५३४३	१५४.४२	२०२.४५	–३.६८	१५०.७४	१.६५६६	१२४.६८	१५०.७५	१ ३१	६४.३२	२३ ०८

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह रा अं. क.	गति क.	भूमध्य दृश्य शर अं. क.	गति क.	सायनभोग अं. क.	विषुवांश अं. क.	गति अं. क.	विषुवकाल घ प	क्रांति अं. क.	गति अं. क.	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल घ प.	स्टैं. घं. मि.
२३	५ ५ ३८	३८	+१ १४	० ०	१७८ ३७	१७९ १२	० ३५	२९ ५२	+१ ४०	० १५	९ ४४	१० २१
२४	५ ६ १६	३८	+१ १४	० ०	१७९ १५	१७९ ४७	० ३५	२९ ५८	१ २५	० १४	९ ४०	१० १९
२५	५ ६ ५४	३८	१ १४	० ०	१७९ ५३	१८० २२	० ३६	३० ५	+१ ११	० १५	९ ३७	१० १८
२६	५ ७ ३२	३८	१ १४	० ०	१८० ३१	१८० ५८	० ३५	३० १०	० ५६	० १३	९ ३२	१० १६
२७	५ ८ १०	३८	१ १४	० ०	१८१ ०९	१८२ ३३	० ३५	३० १६	० ४३	० १३	९ २९	१० १५
२८	५ ८ ४८	३८	१ १४	० १	१८१ ४७	१८२ ०८	० ३५	३० २१	० ३०	० १३	९ २४	१० १३
२९	५ ९ २६	३८	१ १३	० ०	१८२ २५	१८२ ४३	० ३४	३० २७	० १७	० १५	९ २०	१० ११
३०	५ १० ४	३८	१ १३	० ०	१८३ ३	१८३ १७	० ३५	३० ३३	−० २	० १६	९ १६	१२ ९
३१	५ १० ४२	३८	१ १३	० ०	१८३ ४१	१८३ ५२	० ३५	३० ३९	० १८	० १६	९ १२	१० ७
१	५ ११ २०	३८	१ १३	० ०	१८४ १९	१८४ २७	० ३५	३० ४५	० ३४	० १६	९ ८	१० ६
२	५ ११ ५८	३८	१ १३	० ०	१८४ ५७	१८५ ०२	० ३५	३० ५०	० ५०	० १६	९ ३	१० ४
३	५ १२ ३६	३८	१ १३	० ०	१८५ ३५	१८५ ३७	० ३५	३० ५६	१ ६	० १६	९ ०	१० ३
४	५ १३ १४	३८	१ १३	० ०	१८६ १३	१८६ १२	० ३४	३१ २	१ २२	० १६	८ ५६	१० २
५	५ १३ ५२	३८	१ १३	० ०	१८६ ५१	१८६ ४६	० ३३	३१ ८	१ ३८	० १५	८ ५२	१० ०
६	५ १४ ३०	३८	१ १३	० १	१८७ २९	१८७ १९	० ३४	३१ १३	१ ५३	० १५	८ ४७	९ ५८
७	५ १५ ८	३८	१ १२	० ०	१८८ ०७	१८७ ५३	० ३३	३१ १९	२ ८	० १५	८ ४३	९ ५६
८	५ १५ ४६	३८	+१ १२	० ०	१८८ ४५	१८८ २६	० ३३	३१ २४	२ २३	० १५	८ ३८	९ ५४
९	५ १६ २४	३८	१ १२	० ०	१८९ २३	१८८ ५९	० ३४	३१ ३०	२ ३८	० १५	८ ३४	९ ५३
१०	५ १७ २	३८	१ १२	० ०	१९० ०१	१८९ ३३	० ३३	३१ ३६	२ ५३	० १५	८ ३१	९ ५१
११	५ १७ ४०	३८	१ १२	० ०	१९० ३९	१९० ०६	० ३३	३१ ४१	३ ८	० १५	८ २६	९ ४९
१२	५ १८ १८	३८	१ १२	० ०	१९१ १७	१९० ३९	० ३४	३१ ४७	३ २३	० १५	८ २२	९ ४८
१३	५ १८ ५६	३८	१ १२	० १	१९१ ५५	१९१ १३	० ३३	३१ ५२	३ २८	० १५	८ १७	९ ४६
१४	५ १९ ३४	३८	१ ११	० ०	१९२ ३३	१९१ ४६	० ३४	३१ ५८	३ ५३	० १४	८ १३	९ ४४
१५	५ २० १२	३८	+१ ११	० ०	१९३ ११	१९२ २०	० ३६	३२ ३	४ ७	० १५	८ ८	९ ४२
१६	५ २० ५०	३८	१ ११	० ०	१९३ ५०	१९२ ५६	० ३७	३२ ९	४ २२	० १५	८ ४	९ ४०
१७	५ २१ २८	३८	१ ११	० ०	१९४ २८	१९३ ३३	० ३६	३२ १६	४ ३७	० १४	८ २	९ ४०
१८	५ २२ ६	३८	१ ११	० ०	१९५ ०६	१९४ ०९	० ३७	३२ २२	४ ५१	० १५	७ ५८	९ ३८
१९	५ २२ ४४	३८	१ ११	० १	१९५ ४४	१९४ ४६	० ३६	३२ २८	५ ६	० १५	७ ५४	९ ३६
२०	५ २३ २२	३८	१ १०	० ०	१९६ २१	१९५ २२	० ३७	३२ ३४	५ २१	० १५	७ ५०	९ ३५
२१	५ २४ ०		+१ १०		१९७ ०	१९५ ५९		३२ ४०	−५ ३६	० १४	७ ४६	९ ३३

मंगल

नवंबर–डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर		शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल	
			अं	अं	अं	अं		अं	अं	अं	क	अं	अं	क
२१	३० चं	५३४३	१५४.४२	२०२.४५	−३.६८	१५०.७४	१.६५६६	१२४.६८	१५०.७५	१	३१	६४.६२	२३	७
२२	१ मं	५३४४	१५४.९५	२०२.९८	३.७६	१५१.१९	१.६५६२	१२५.१३	१५१.२०	१	३१	६४.८८	+२३	१८
२३	१ बु	५३४५	१५५.४७	२०३.५०	३.८४	१५१.६३	१.६५५८	१२५.५७	१५१.६४	१	३०	६५.४५	२३	३०
२४	२ गु	५३४६	१५६.००	२०४.०३	३.९२	१५२.०८	१.६५५४	१२६.०२	१५२.०९	१	३०	६६.०१	२३	४०
२५	३ शु	५३४७	१५६.५२	२०४.५५	४.०१	१५२.५१	१.६५५०	१२६.४५	१५२.५२	१	२९	६६.५९	२३	५२
२६	४ श	५३४८	१५७.०४	२०५.०७	४.०९	१५२.९५	१.६५४५	१२६.८९	१५१.९६	१	२९	६७.१७	२४	१०
२७	५ र	५३४९	१५७.५७	२०५.६०	४.१८	१५३.३९	१.६५४०	१२७.३३	१५३.४०	१	२८	६७.७४	२४	१७
२८	६ च	५३५०	१५८.०९	२०६.१२	४.२६	१५३.८३	१.६५३५	१२७.७७	१५३.८४	१	२८	६८.३१	२४	२५
२९	७ मं	५३५१	१५८.६२	२०६.६५	४.३४	१५४.२८	१.६५३०	१२८.२२	१५४.२९	१	२७	६८.८७	२४	३६
३०	८ बु	५३५२	१५९.१४	२०७.१७	−४.४१	१५४.७३	१.६५२६	१२८.६७	१५४.७४	१	२७	६९.४४	+२४	४८
१	९ गु	५३५३	१५९.६६	२०७.६९	४.४९	१५५.१७	१.६५२०	१२९.११	१५५.१८	१	२६	७०.०१	२४	५८
२	१० शु	५३५४	१६०.१९	२०८.२२	४.५७	१५५.६२	१.६५१५	१२९.५६	१५५.६३	१	२६	७०.५७	२५	९
३	११ श	५३५५	१६०.७१	२०८.७४	४.६५	१५६.०६	१.६५१०	१३०.००	१५६.०७	१	२५	७१.१५	२५	२०
४	१२ र	५३५६	१६१.२४	२०९.२७	४.७३	१५६.५१	१.६५०४	१३०.४५	१५६.५२	१	२४	७१.७१	२५	३१
५	१३ चं	५३५७	१६१.७६	२०९.७९	४.८१	१५६.९५	१.६४९९	१३०.८९	१५६.९६	१	२४	७२.२९	२५	४१
६	१४ मं	५३५८	१६२.२८	२१०.३१	४.८९	१५७.३९	१.६४९४	१३१.३३	१५७.४०	१	२३	७२.८६	२५	५३
७	१५ बु	५३५९	१६२.८१	२१०.८४	४.९७	१५७.८४	१.६४८८	१३१.७८	१५७.८५	१	२३	७३.४३	२६	०४
८	१ गु	५३६०	१६३.३३	२११.३६	−५.०४	१५८.२९	१.६४८२	१३२.२३	१५८.३०	१	२२	७३.९९	+२६	१४
९	२ शु	५३६१	१६३.८६	२११.८९	५.१३	१५८.७३	१.६४७७	१३२.६७	१५८.७४	१	२२	७४.५७	२६	२६
१०	४ श	५१६२	१६४.३८	२१२.४१	५.२०	१५९.१८	१.६४७१	१३३.१२	१५९.१९	१	२१	७५.१४	२६	३७
११	५ र	५३६३	१६४.९०	२१२.९३	५.२८	१५९.६२	१.६४६५	१३३.५६	१५९.६३	१	२०	७५.७१	२६	४७
१२	६ च	५३६४	१६५.४३	२१३.४६	५.३५	१६०.०८	१.६४५८	१३४.०२	१६०.०९	१	२०	७६.२७	२६	५८
१३	७ मं	५३६५	१६५.९५	२१३.९८	५.४४	१६०.५१	१.६४५३	१३४.४५	१६०.५२	१	१९	७६.८६	२७	९
१४	८ बु	५३६६	१६६.४८	२१४.५१	−५.५१	१६०.९७	१.६४४६	१३४.९१	१६०.९८	१	१९	७७.४१	+२७	१९
१५	९ गु	५३६७	१६७.००	२१५.०३	५.५९	१६१.४१	१.६४४०	१३५.३५	१६१.४२	१	१८	७७.९९	२७	३१
१६	१० शु	५३६८	१६७.५२	२१५.५५	५.६६	१६१.८६	१.६४३३	१३५.८०	१६१.८७	१	१७	७८.५६	२७	४१
१७	११ श	५३६९	१६८.०५	२१६.०८	५.७४	१६२.३१	१.६४२६	१३६.२५	१६२.३२	१	१७	७९.१२	२७	५१
१८	१२ र	५३७०	१६८.५७	२१६.६०	५.८१	१६२.७६	१.६४२०	१३६.७०	१६२.७७	१	१६	७९.६९	२८	१
१९	१३ चं	५३७१	१६९.१०	२१७.१३	५.८८	१६३.२२	१.६४१३	१३७.१६	१६३.२३	१	१५	८०.२५	२८	१२
२०	१४ मं	५३७२	१६९.६२	२१७.६५	५.९६	१६३.६६	१.६४०७	१३७.६०	१६३.६७	१	१५	८०.८३	२८	२३
२१	३० बु	५३७३	१७०.१४	२१८.१७	६.०२	१६६.१२	१.६३९९	१३८.०६	१६४.१३	१	१४	८१.३९	२८	३३

नवंबर-डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह शा	अं	क	गति क	भूमध्य दृश्य शर अं	क	गति अं	क	सायनभोग अं	क	विषुवांश अं	क	गति अं	क	विषुवकाल घ	प	क्रांति अं	क	गति अं	क	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल घ.	प.	स्टँ घं	मि
२१	५	२४	०	३७	+१	१०	०	०	१९७	०	१९५	५९	०	३६	३२	४०	−५	३६	०	१४	७	४६	९	३३
२२	५	२४	३७	३७	+१	१०	०	०	१९७	३७	१९६	३५	०	३७	३२	४६	५	५०	०	१५	७	४२	९	३२
२३	५	२५	१४	३७	१	१०	०	०	१९८	१४	१९७	१२	०	३६	३२	५२	६	५	०	१५	७	३८	९	३०
२४	५	२५	५१	३७	१	१०	०	१	१९८	५१	१९७	४८	०	३७	३२	५८	६	२०	०	१४	७	३५	९	२९
२५	५	२६	२८	३७	१	९	०	०	१९९	२७	१९८	२५	०	३३	३३	४	६	३४	०	१४	७	३१	९	२७
२६	५	२७	५	३७	१	९	०	०	२००	५	१९८	५८	०	३३	३३	१०	६	४८	०	१४	७	२७	९	२६
२७	५	२७	४२	३७	१	९	०	०	२००	४२	१९९	३१	०	३३	३३	१५	७	२	०	१४	७	२२	९	२४
२८	५	२८	१९	३७	१	९	०	०	२०१	१९	२००	४	०	३३	३३	२१	७	१६	०	१४	७	१८	९	२२
२९	५	२८	५६	३७	१	९	०	१	२०१	५६	२००	३७	०	३३	३३	२६	७	३०	०	१४	७	१३	९	२०
३०	५	२९	३३	३७	+१	८	०	०	२०२	३३	२०१	१०	०	३३	३३	३२	७	४४	०	१४	७	९	९	१९
१	६	०	१०	३७	१	८	०	०	२०३	१०	२०१	४३	०	३३	३३	३७	७	५८	०	१४	७	५	९	१७
२	६	०	४७	३७	१	८	०	०	२०३	४७	२०२	१६	०	३३	३३	४३	८	१२	०	१४	७	१	९	१५
३	६	१	२४	३७	१	८	०	१	२०४	२४	२०२	४९	०	३३	३३	४८	८	२६	०	१४	६	५६	९	१३
४	६	२	१	३७	१	७	०	०	२०५	१	२०३	२२	०	३३	३३	५४	८	४०	०	१३	६	५२	९	१२
५	६	२	३८	३८	१	७	०	०	२०५	३८	२०३	५५	०	३६	३३	५९	८	५३	०	१४	६	४७	९	१०
६	६	३	१६	३८	१	७	०	०	२०६	१६	२०४	३१	०	३६	३४	५	९	७	०	१३	६	४३	९	८
७	६	३	५४	३८	१	७	०	१	२०६	५४	२०५	७	०	३६	३४	११	९	२०	०	१४	६	३९	९	७
८	६	४	३२	३८	+१	६	०	०	२०७	३२	२०५	४३	०	३६	३४	१७	९	३४	०	१३	६	३६	९	५
९	६	५	१०	३८	१	६	०	०	२०८	१०	२०६	१९	०	३६	३४	२३	९	४७	०	१४	६	३२	९	४
१०	६	५	४८	३८	१	६	०	०	२०८	४८	२०६	५५	०	३६	३४	२९	१०	१	०	१३	६	२८	९	२
११	६	६	२६	३८	१	६	०	१	२०९	२६	२०७	३१	०	३६	३४	३५	१०	१४	०	१४	६	२४	९	०
१२	६	७	४	३८	१	५	०	०	२१०	४	२०८	७	०	३६	३४	४१	१०	२८	०	१३	६	२०	८	५९
१३	६	७	४२	३८	१	५	०	०	२१०	४२	२०८	४३	०	३६	३४	४७	१०	४१	०	१४	६	१६	८	५७
१४	६	८	२०	३८	+१	५	०	०	२११	२०	२०९	१९	०	३५	३४	५३	१०	५५	०	१४	६	१२	८	५६
१५	६	८	५८	३८	१	५	०	१	२११	५८	२०९	५४	०	३७	३४	५९	११	९	०	१३	६	९	८	५५
१६	६	९	३६	३८	१	४	०	०	२१२	३६	२१०	३१	०	३७	३५	५	११	२२	०	१३	६	५	८	५३
१७	६	१०	१४	३८	१	४	०	०	२१३	१४	२११	८	०	३८	३५	११	११	३५	०	१४	६	१	८	५१
१८	६	१०	५२	३८	१	४	०	१	२१३	५२	२११	४६	०	३७	३५	१८	११	४९	०	१३	५	५८	८	५१
१९	६	११	३०	३८	१	३	०	१	२१४	३०	२१२	२३	०	३७	३५	२४	१२	२	०	१३	५	५४	८	४९
२०	६	१२	८	३७	१	२	०	०	२१५	८	२१३	०	०	३८	३५	३०	१२	१५	०	१३	५	५०	८	४७
२१	६	१२	४५		१	२			२१५	४५	२१३	३८			३५	३६	−१२	२८			५	४६	८	४६

मंगल

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं	अं	अं	अं		अं	अं	अ. क.	अं	अ. क
२१	३० बु	५३७३	१७०.१४	२१८.१७	६.०२	१६४.१२	१.६३१९	१३८.०६	१६४.१३	१ १४	८१.३९	२८ ३३
२२	१ गु	५३७४	१७०.६७	२१८.७०	-६.११	१६४.५६	१.६३९३	१३८.५०	१६४.५७	१ १४	८१.९७	+२८ ४३
२३	२ शु	५३७५	१७१.११	२१९.२२	६.१७	१६५.०२	१.६३८५	१३८.९६	१६५.०३	१ १३	८२.५२	२८ ५४
२४	३ श	५३७६	१७१.७२	२१९.७५	६.२५	१६५.४७	१.६३७८	१३९.४१	१६५.४८	१ १२	८३.०९	२९ ४
२५	३ र	५३७७	१७२.२४	२२०.२७	६.३३	१६५.९१	१.६३६९	१३९.८५	१६५.९२	१ १२	८३.६७	२९ १४
२६	४ चं	५३७८	१७२.७६	२२०.७९	६.४०	१६६.३६	१.६३६५	१४०.३०	१६६.३७	१ ११	८४.२४	२९ २५
२७	५ मं	५३७९	१७३.२९	२२१.३२	६.४७	१६६.८२	१.६३५६	१४०.७६	१६६.८३	१ १०	८४.८०	२९ ३५
२८	६ बु	५३८०	१७३.८१	२२१.८४	६.५३	१६७.२८	१.६३४८	१४१.२२	१६७.२९	१ १०	८५.३६	२९ ४५
२९	७ गु	५३८१	१७४ ३४	२२२.३७	६.६०	१६७.७४	१.६३४१	१४१.६८	१६७.७५	१ ९	८५.९२	२९ ५५
३०	८ शु	५३८२	१७४.८६	२२२.८९	-६.६९	१६८.१७	१.६३३३	१४२.११	१६८.१८	१ ८	८६.५१	+३० ५
३१	९ श	५३८३	१७५.३८	२२३.४१	६.७५	१६८.६३	१.६३२५	१४२.५७	१६८.६४	१ ७	८७.०७	३० १५
१	१० र	५३८४	१७५.९१	२२३.९४	६.८२	१६९.०९	१.६३१८	१४३.०३	१६९.१०	१ ७	८७.६३	३० २५
२	११ चं	५३८५	१७६.४३	२२४.४६	६.८८	१६९.५५	१.६३०८	१४३.४९	१६९.५६	१ ६	८८.१८	३० ३५
३	१२ मं	५३८६	१७६.९६	२२४.९९	६.९६	१७०.००	१.६३०१	१४३.९४	१७०.०१	१ ५	८८.७५	३० ४५
४	१३ बु	५३८७	१७७.४८	२२५.५१	७.०२	१७०.४६	१.६२९३	१४४.४४	१७०.२७	१ ५	८९.३१	३० ५५
५	१५ गु	५३८८	१७८.००	२२६.०३	७.०९	१७०.९१	१.६२८६	१४४.८५	१७०.९२	१ ४	८९.८८	३१ ५
६	१ शु	५३८९	१७८.५३	२२६.५६	-७.१६	१७१.३७	१.६२७८	१४५.३१	१७१.३८	१ ३	९०.४४	+३१ ५५
७	२ श	५३९०	१७९.०५	२२७.०८	७.२३	१७१.८२	१.६२६८	१४५.७६	१७१.८३	१ २	९१.०१	३१ २४
८	३ र	५३९१	१७९.५८	२२७.६१	७.२९	१७२.२९	१.६२६१	१४६.२३	१७२.३०	१ २	९१.५६	३१ ३४
९	४ चं	५३९२	१८०.१०	२२८.१३	७.३५	१७२.७५	१.६२५२	१४६.६९	१७२.७६	१ १	९२.१२	३१ ४४
१०	५ मं	५३९३	१८०.६२	२२८.६५	७.४२	१७३.२०	१.६२४३	१४७.१४	१७३.२१	१ ०	९२.६९	३१ ५३
११	६ बु	५३९४	१८१.१५	२२९.१८	७.४८	१७३.६७	१.६२३५	१४७.६१	१७३.६८	० ५९	९३.२४	३२ ३
१२	७ गु	५३९५	१८१.६७	२२९.७०	७.५५	१७४.१२	१.६२२७	१४८.०६	१७४.१३	० ५९	९३.८१	३२ १२
१३	८ शु	५३९६	१८२.२०	२३०.२३	-७.६१	१७४.५९	१.६२१७	१४८.५३	१७४.६०	० ५८	९४.३६	+३२ २२
१४	९ श	५३९७	१८२.७२	२३०.७५	७.६८	१७५.०४	१.६२११	१४८.९८	१७५.०५	० ५७	९४.९३	३२ ३१
१५	१० र	५३९८	१८३.२४	२३१.२७	७.७४	१७५.५०	१.६१९९	१४९.४४	१७५.५१	० ५६	९५.४८	३२ ४०
१६	११ चं	५३९९	१८३.७७	२३१.८०	७.८१	१७५.९६	१.६१९२	१४९.९०	१७५.९७	० ५६	९६.०४	३२ ५०
१७	१२ मं	५४००	१८४.२९	२३२.३२	७.८६	१७६.४३	१.६१८२	१५०.३७	१७६.४४	० ५५	९६.५९	३२ ५९
१८	१३ गु	५४०१	१८४.८२	२३२.८५	७.९३	१७६.८९	१.६१७५	१५०.८३	१७६.९०	० ५४	९७.१५	३३ ८
१९	१४ बु	५४०२	१८५.३४	२३३.३७	७.९९	१७७.३५	१.६१६४	१५१.२९	१७७.३६	० ५३	९७.७१	३३ १७
२०	३० शु	५४०३	१८५.८६	२३३.८९	-८.०५	१७७.८१	१.६१५४	१५१.७५	१७७.८२	० ५३	९८.२६	+३३ २७

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगल का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह रा. अं. क.	गति क.	भूमध्य दृश्य शर अं. क.	गति क.	सायनभोग अं क	विषुवांश अं. क.	गति अं क	विषुवकाल घ प	क्रांति अं क	गति अं क	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल घ प	स्टैं घं मि
२१	६ १२ ४५	३७	+१ २	० १	२१५ ४५	२१३ ३८	० ३७	३५ ३६	-१२ २८	० १४	५ ४६	८ ४६
२२	६ १३ २२	३७	+१ १	० १	२१६ २२	२१४ १५	० ३७	३५ ४३	१२ ४२	० १३	५ ४४	८ ४५
२३	६ १३ ५९	३७	१ ०	० १	२१६ ५९	२१४ ५२	० ३८	३५ ४९	१२ ५५	० १३	५ ४०	८ ४३
२४	६ १४ ३६	३७	० ५९	० १	२१७ ३६	२१५ ३०	० ३८	३५ ५५	१३ ८	० १३	५ ३६	८ ४१
२५	६ १५ १३	३७	० ५८	० ०	२१८ १३	२१६ ८	० ३६	३६ १	१३ २१	० १२	५ ३२	८ ४०
२६	६ १५ ५०	३७	० ५८	० १	२१८ ५०	२१६ ४४	० ३६	३६ ७	१३ ३३	० १२	५ २८	८ ३८
२७	६ १६ २७	३७	० ५७	० १	२१९ २७	२१७ २०	० ३७	३६ १३	१३ ४५	० १२	५ २४	८ ३७
२८	६ १७ ४	३७	० ५६	० १	२२० ४	२१७ ५७	० ३६	३६ २०	१३ ५७	० १२	५ २१	८ ३५
२९	६ १७ ४१	३७	० ५५	० १	२२० ४१	२१८ ३३	० ३६	३६ २६	१४ ९	० १२	५ १८	८ ३४
३०	६ १८ १८	३७	+० ५४	० ०	२२१ १८	२१९ ९	० ३७	३६ ३२	१४ २१	० १२	५ १४	८ ३३
३१	६ १८ ५५	३७	० ५४	० १	२२१ ५५	२१९ ४६	० ३६	३६ ३८	१४ ३३	० १२	५ १०	८ ३१
१	६ १९ ३२	३७	० ५३	० १	२२२ ३२	२२० २२	० ३६	३६ ४४	१४ ४५	० १२	५ ६	८ २९
२	६ २० ९	३७	० ५२	० १	२२३ ९	२२० ५८	० ३६	३६ ५०	१४ ५७	० १२	५ २	८ २८
३	६ २० ४६	३७	० ५१	० ०	२२३ ४६	२२१ ३४	० ३७	३६ ५६	१५ ९	० १२	४ ५८	८ २६
४	६ २१ २३	३७	० ५१	० १	२२४ ३०	२२२ ११	० ३७	३७ २	१५ २१	० ११	४ ५४	८ २५
५	६ २२ ०	३७	० ५०	० १	२२५ ०	२२२ ४८	० ३७	३७ ८	१५ ३२	० ११	४ ५१	८ २३
६	६ २२ ३७	३७	+० ४९	० १	२२५ ३७	२२३ २५	० ३७	३७ १४	१५ ४३	० ११	४ ४७	८ २२
७	६ २३ १४	३७	० ४८	० ०	२२६ १४	२२४ २	० ३६	३७ २०	१५ ५४	० ११	४ ४३	८ २०
८	६ २३ ५१	३७	० ४८	० १	२२६ ५१	२२४ ३८	० ३७	३७ २६	१६ ५	० १२	४ ३९	८ १९
९	६ २४ २८	३७	० ४७	० १	२२७ २८	२२५ १५	० ३७	३७ ३३	१६ १७	० ११	४ ३६	८ १७
१०	६ २५ ५	३७	० ४६	० १	२२८ ५	२२५ ५२	० ३७	३७ ३९	१६ २८	० ११	४ ३२	८ १६
११	६ २५ ४२	३७	० ४५	० ०	२२८ ३२	२२६ २९	० ३७	३७ ४५	१६ ३९	० ११	४ २८	८ १४
१२	६ २६ १९	३७	० ४५	० १	२२९ १९	२२७ ६	० ३७	३७ ५१	१६ ५०	० ११	४ २५	८ १३
१३	६ २६ ५६	३७	+० ४४	० १	२२९ ५६	२२७ ४३	० ३६	३७ ५७	१७ १	० ११	४ २१	८ ११
१४	६ २७ २२	३७	० ४३	० ०	२३० ३३	२२८ १९	० ३८	३८ ३	१७ १२	० १०	४ १७	८ १०
१५	६ २८ १०	३७	० ४३	० १	२३१ १०	२२८ ५७	० ३७	३८ १०	१७ २२	० १०	४ १४	८ ९
१६	६ २८ ४७	३७	० ४२	० १	२३१ ४७	२२९ ३४	० ३८	३८ १६	१७ ३२	० १०	४ १०	८ ७
१७	६ २९ २४	३७	० ४१	० १	२३२ २४	२३० १२	० ३७	३८ २२	१७ ४२	० १०	४ ६	८ ४
१८	७ ० १	३७	० ४०	० ०	२३३ १	२३० ४९	० ३८	३८ २८	१७ ५२	० १०	४ २	८ ४
१९	७ ० ३८	३७	० ४०	० १	२३३ ३८	२३१ २७	० ३७	३८ ३५	१८ २	० १०	४ ०	८ ३
२०	७ १ १५		० ३९		२३४ १५	२३२ ४		३८ ४१	-१८ १२		३ ५६	८ १

मंगल

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. **माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम अं.	मंदकेंद्र अं.	मंदफल अं.	मंदस्पष्ट अं.	मंदकर्ण	पातोन अं.	रवि म. ग्रह अं.	रवि म.शर अं. क.	शीघ्रकेंद्र अं.	शीघ्रफल अं. क.
२०	३० शु	५४०३	१८५·८६	२३३·८९	८·०५	१७७·८१	१·६१५४	१५१·७५	१७७·८२	० ५३	९८·२६	३३ २७
२१	१ श	५४०४	१८६·३९	२३४·४२	−८·११	१७८·२८	१·६१४५	१५२·२२	१७८·२९	० ५२	९८·८१	+३३ ३५
२२	२ र	५४०५	१८६·९१	२३४·९४	८·१६	१७८·७५	१·६१३५	१५२·६९	१७८·७६	० ५१	९९·३६	३३ ४४
२३	३ चं	५४०६	१८७·४४	२३५·४७	८·२२	१७९·२२	१·६१२५	१५३·१६	१७९·२३	० ५०	९९·९१	३३ ५३
२४	४ मं	५४०७	१८७·९६	२३५·९९	८·२८	१७९·६८	१·६११६	१५३·६२	१७९·६९	० ४९	१००·४६	३४ २
२५	५ बु	५४०८	१८८·४८	२३६·५१	८·३४	१८०·१४	१·६१०६	१५४·०८	१८०·१५	० ४८	१०१·०२	३४ ११
२६	६ गु	५४०९	१८९·०१	२३७·०४	८·४०	१८०·६१	१·६०९७	१५४·५५	१८०·६२	० ४८	१०१·५७	३४ २०
२७	६ शु	५४१०	१८९·५३	२३७·५६	८·४५	१८१·०८	१·६०८८	१५५·०२	१८१·०९	० ४७	१०२·११	३४ २८
२८	७ श	५४११	१९०·०६	२३८·०९	८·५१	१८१·५५	१·६०७६	१५५·४९	१८१·५६	० ४६	१०२·६६	३४ ३६
२९	८ र	५४१२	१९०·५८	२३८·६१	८·५७	१८२·०१	१·६०६६	१५५·९५	१८२·०२	० ४५	१०३·२२	३४ ४५
३०	९ चं	५४१३	१९१·१०	२३९·१३	८·६२	१८२·४८	१·६०५७	१५६·४२	१८२·४९	० ४४	१०३·७६	३४ ५३
३१	११ मं	५४१४	१९१·६३	२३९·६६	८·६७	१८२·९६	१·६०४७	१५६·९०	१८२·९७	० ४४	१०४·३०	३५ २
१	१२ बु	५४१५	१९२·१५	२४०·१८	८·७३	१८३·४२	१·६०३५	१५७·३६	१८३·४३	० ४३	१०४·८५	३५ १०
२	१३ गु	५४१६	१९२·६८	२४०·७१	८·७८	१८३·९०	१·६०२६	१५७·८४	१८३·९१	० ४२	१०५·३९	३५ १८
३	१४ शु	५४१७	१९३·२०	२४१·२३	८·८३	१८४·३७	१·६०१६	१५८·३१	१८४·३८	० ४१	१०५·९३	३५ २७
४	१५ श	५४१८	१९३·७२	२४१·७५	८·८८	१८४·८४	१·६००६	१५८·७८	१८४·८५	० ४०	१०६·४८	३५ ३५
५	१ र	५४१९	१९४·२५	२४२·२८	८·९४	१८५·३१	१·५९९४	१५९·२५	१८५·३२	० ३९	१०७·०२	३५ ४३
६	३ चं	५४२०	१९४·७७	२४२·८०	८·९९	१८५·७८	१·५९८४	१५९·७२	१८५·७९	० ३८	१०७·५६	३५ ५१
७	४ मं	५४२१	१९५·३०	२४३·३३	९·०३	१८६·२७	१·५९७४	१६०·२१	१८६·२८	० ३८	१०८·०९	३५ ५८
८	५ बु	५४२२	१९५·८२	२४३·८५	९·०८	१८६·७४	१·५९६४	१६०·६८	१८६·७५	० ३७	१०८·६३	३६ ६
९	६ गु	५४२३	१९६·३४	२४४·३७	९·१२	१८७·२२	१·५९५२	१६१·१६	१८७·२३	० ३६	१०९·१६	३६ १४
१०	७ शु	५४२४	१९६·८७	२४४·९०	९·१८	१८७·६९	१·५९४२	१६१·६३	१८७·७०	० ३५	१०९·७०	३६ २२
११	८ श	५४२५	१९७·३९	२४५·४२	९·२३	१८८·१६	१·५९३२	१६२·१०	१८८·१७	० ३४	११०·२५	३६ ३०
१२	९ र	५४२६	१९७·९२	२४५·९५	९·२८	१८८·६४	१·५९२१	१६२·५८	१८८·६५	० ३३	११०·७८	३६ ३७
१३	१० चं	५४२७	१९८·४४	२४६·४७	९·३२	१८९·१२	१·५९०९	१६३·०६	१८९·१३	० ३२	१११·३१	३६ ४४
१४	११ मं	५४२८	१९८·९६	२४६·९९	९·३७	१८९·५९	१·५८९८	१६३·५३	१८९·६०	० ३१	१११·८५	३६ ५२
१५	१२ बु	५४२९	१९९·४९	२४७·५२	९·४१	१९०·०८	१·५८८८	१६४·०२	१९०·[illegible]	० ३१	११२·३७	३६ ५९
१६	१२ गु	५४३०	२००·०१	२४८·०४	९·४५	१९०·५६	१·५८७७	१६४·५०	१९०·५७	० ३०	११२·९०	३७ ६
१७	१३ शु	५४३१	२००·५४	२४८·५७	९·४९	१९१·०५	१·५८६५	१६४·९९	१९१·०६	० २९	११३·४२	३७ १३
१८	१४ श	५४३२	२०१·०६	२४८·०९	९·५४	१९१·५२	१·५८५४	१६५·४६	१९१·५३	० २८	११३·९६	३७ २०
१९	३० र	५४३३	२०१·५८	२४९·६१	−९·५८	१९२·००	१·५८४४	१६५·९४	१९२·०१	० २७	११४·४९	+३७ २६

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा अं. क.	क.	अं. क.	क.	अं. क.	अं. क.	अं क.	घ प	अं. क.	अ.क.	घ प.	स्टैं. घं. मि.
२०	७ १ १५	० ३७	० ३९	० १	२३४ १५	२३२ ४	० ३८	३८ ४१	१८ १२	० १०	३ ५६	८ १
२१	७ १ ५२	० ३७	+० ३८	० १	२३४ ५२	२३२ ४२	० ३७	३८ ४७	-१८ २२	० १०	३ ५२	८ ०
२२	७ २ २९	० ३७	० ३७	० ०	२३५ २९	२३३ १९	० ३८	३८ ५३	१८ ३२	० १०	३ ४८	७ ५८
२३	७ ३ ६	० ३७	० ३७	० १	२३६ ६	२३३ ५७	० ३७	३८ ०	१८ ४२	० ९	३ ४५	७ ५७
२४	७ ३ ४३	० ३७	० ३६	० १	२३६ ४३	२३४ ३४	० ३८	३९ ६	१८ ५१	० ८	३ ४१	७ ५५
२५	७ ४ २०	० ३७	० ३५	० ०	२३७ २०	२३५ १२	० ३८	३९ १२	१८ ५९	० ८	३ ३८	७ ५४
२६	७ ४ ५७	० ३७	० ३५	० १	२३७ ५७	२३५ ५०	० ३७	३९ १८	१९ ७	० ९	३ ३४	७ ५२
२७	७ ५ ३४	० ३७	० ३४	० १	२३८ ३४	२३६ २७	० ३८	३९ २५	१९ १६	० ८	३ ३१	७ ५१
२८	७ ६ ११	० ३६	० ३३	० ०	२३९ ११	२३७ ५	० ३८	३९ ३१	१९ २४	० ९	३ २७	७ ५०
२९	७ ६ ४७	० ३६	० ३३	० १	२३९ ४८	२३७ ४३	० ३७	३९ ३७	१९ ३३	० ८	३ २३	७ ४८
३०	७ ७ २३	० ३६	० ३२	० १	२४० २३	२३८ २०	० ३८	३९ ४३	१९ ४१	० ९	३ १९	७ ४७
३१	७ ७ ५९	० ३६	० ३१	० १	२४० ५९	२३८ ५८	० ३८	३९ ५०	१९ ५०	० ९	३ १६	७ ४५
१	७ ८ ३५	० ३६	० ३०	० ०	२४१ ३५	२३९ ३६	० ३७	३९ ५६	१९ ५९	० ८	३ १३	७ ४४
२	७ ९ ११	० ३६	० ३०	० १	२४२ ११	२४० १३	० ३७	४० २	२० ७	० ८	३ ९	७ ४३
३	७ ९ ४७	० ३६	० २९	० १	२४२ ४७	२४० ५०	० ३८	४० ८	२० १५	० ७	३ ५	७ ४१
४	७ १० २३	० ३६	० २८	० ०	२४३ २३	२४१ २८	० ३८	४० १५	२० २२	० ७	३ २	७ ४०
५	७ १० ५९	० ३६	० २८	० १	२४३ ५९	२४२ ६	० ३८	४० २१	२० २९	० ७	२ ५८	७ ३८
६	७ ११ ३५	० ३६	० २७	० १	२४४ ३५	२४२ ४४	० ३८	४० २७	२० ३६	० ७	२ ५४	७ ३६
७	७ १२ ११	० ३६	० २६	० ०	२४५ ११	२४३ २२	० ३८	४० ३४	२० ४३	० ७	२ ५१	७ ३५
८	७ १२ ४७	० ३६	० २६	० १	२४५ ४७	२४४ ०	० ३८	४० ४०	२० ५०	० ७	२ ४८	७ ३४
९	७ १३ २३	० ३६	० २५	० १	२४६ २३	२४४ ३८	० ३८	४० ४६	२० ५७	० ७	२ ४४	७ ३३
१०	७ १३ ५९	० ३६	० २४	० ०	२४६ ५९	२४५ १६	० ३८	४० ५३	२१ ४	० ७	२ ४१	७ ३१
११	७ १४ ३५	० ३६	० २४	० १	२४७ ३५	२४५ ५४	० ३८	४० ५९	२१ ११	० ७	२ ३७	७ ३०
१२	७ १५ ११	० ३६	० २३	० १	२४८ ११	२४६ ३२	० ३७	४१ ५	२१ १८	० ७	२ ३३	७ २८
१३	७ १५ ४७	० ३६	० २२	० ०	२४८ ४७	२४७ ९	० ३७	४१ १२	२१ २५	० ५	२ ३०	७ २७
१४	७ १६ २३	० ६	० २२	० १	२४९ २३	२४७ ४६	० ३७	४१ १८	२१ ३०	० ६	२ २६	७ २५
१५	७ १६ ५९	० ६	० २१	० १	२४९ ५९	२४८ २३	० ३८	४१ २४	२१ ३६	० ५	२ २३	७ २४
१६	७ १७ ३०	० ३६	० २०	० ०	२५० ३५	२४९ १	० ३७	४१ ३०	२१ ४१	० ६	२ १९	७ २३
१७	७ १८ ११	० ६	० २०	० १	२५१ ११	२४९ ३८	० ३७	४१ ३७	२१ ४७	० ५	२ १६	७ २१
१८	७ १८ ४७	० ३६	० १९	० १	२५१ ४७	२५० १५	० ३७	४१ ४३	२१ ५२	० ६	२ १२	७ २०
१९	७ १९ २३		+० १८		२५२ २३	२५० ५२		४१ ४९	-२१ ५८		२ ८	७ १८

मंगल

फरवरी–मार्च सन १९३९ इ. **फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अं.	अ.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
१९	३० र	५४३३	२०१·८५	२४९·६१	९·५८	१९२·००	१·५८४४	१६५·९४	१९२·०१	० २७	११४·४९	३७ २६
२०	१ चं	५४३४	२०२·११	२५०·१४	– ९·६२	१९२·४९	१·५८३२	१६६·४३	१९२·५०	० २६	११५·०१	+३७ ३३
२१	२ मं	५४३५	२०२·६३	२५०·६६	९·६६	१९२·९७	१·५८२०	१६६·९१	१९२·९८	० २५	११५·५३	३७ ४०
२२	३ बु	५४३६	२०३·१६	२५१·१९	९·७१	१९३·४५	१·५८०८	१६७·३९	१९३·४६	० २४	११५·०६	३७ ४९
२३	४ गु	५४३७	२०३·६८	२५१·७१	९·७४	१९३·९४	१·५७९८	१६७·८८	१९३·९५	० २३	११६·५८	३७ ५३
२४	५ शु	५४३८	२०४·२०	२५२·२३	९·७८	१९४·४२	१·५७८६	१६८·३६	१९४४३	० २२	११६·१०	३७ ५९
२५	६ श	५४३९	२०४·७३	२५२·७६	९·८२	१९४·९१	१·५७७६	१६८·८५	१९४·९२	० २१	११७·६२	३८ ५
२६	७ र	५४४०	२०५·२५	२५३·२८	९·८६	१९५·३९	१·५७६२	१६९·३३	१९५·४०	० २१	११७·१५	३८ १२
२७	८ चं	५४४१	२०५·७८	२५३·८१	९·८९	१९५·८९	१·५७५२	१६९·८३	१९५·९०	० २०	११८·६५	३८ २३
२८	९ मं	५४४२	२०६·३०	२५४·३३	९·९२	१९६·३८	१·५७४०	१७०·३२	१९६·३८	० १९	११९·१७	३८ २६
१	१० बु	५४४३	२०६·८२	२५४·८५	९·९५	१९६·८७	१·५७२८	१७०·८१	१९६·८७	० १८	११९·६९	३८ ३२
२	११ गु	५४४४	२०७·३५	२५५·३८	९·९९	१९७·३६	१·५७१४	१७१·३०	१९७·३६	० १७	१२०·२०	३८ ३६
३	१२ शु	५४४५	२०७·८७	२५५·९०	१०·०३	१९७·८४	१·५७०४	१७१·७८	१९७·८४	० १६	१२०·७३	३८ ४१
४	१४ श	५४४६	२०८·४०	२५६·४३	१०·०५	१९८·३५	१·५६९३	१७२·२९	१९८·३५	० १५	१२१·२२	३८ ४७
५	१५ र	५४४७	२०८·९२	२५६·९५	१०·०९	१९८·८१	१·५६७९	१७२·७५	१९८·८१	० १४	१२१·७६	३८ ५३
६	१ चं	५४४८	२०९·४४	२५७·४७	१०·११	१९९·३३	१·५६६७	१७३·२७	१९९·३३	० १३	१२२·२४	३८ ५८
७	२ मं	५४४९	२०९·९७	२५८·००	१०·१५	१९९·८२	१·५६५५	१७३·७६	१९९·८२	० १२	१२२·७५	३९ ३
८	३ बु	५४५०	२१०·४९	२५८·५२	१०·१८	२००·३१	१·५६४३	१७४·२५	२००·३१	० ११	१२३·२६	३९ ८
९	४ गु	५४५१	२११·०२	२५९·०५	१०·२१	२००·८१	१·५६३१	१७४·७५	२००·८१	० १०	१२३·७६	३९ १४
१०	५ शु	५४५२	२११·५४	२५९·५७	१०·२४	२०१·३०	१·५६२०	१७५·२४	२०१·३०	० ९	१२४·२७	३९ १८
११	६ श	५४५३	२१२·०६	२५०·०९	१०·२६	२०१·८०	१·५६०९	१७५·७४	२०१·८०	० ८	१२४·७७	३९ २२
१२	७ र	५४५४	२१२·५९	२६०·६२	१०·२९	२०२·३०	१·५५९६	१७६·२४	२०२·३०	० ७	१२५·२७	३९ २७
१३	८ चं	५४५५	२१३·११	२६१·१४	१०·३१	२०२·८०	१·५५८२	१७६·७४	२०२·८०	० ६	१२५·७६	३९ ३२
१४	९ मं	५४५६	२१३·६४	२६१·६७	१०·३५	२०३·२९	१·५५७०	१७७·२३	२०३·२९	० ५	१२६·२७	३९ ३६
१५	१० बु	५४५७	२१४·१६	२६२·१९	१०·३७	२०३·७९	१·५५५७	१७७·७३	२०३·७९	० ४	१२६·७७	३९ ४०
१६	११ गु	५४५८	२१४·६८	२६२·७१	१०·३९	२०४·२९	१·५५४५	१७८·२३	२०४·२९	० ३	१२७·२७	३९ ४५
१७	१२ शु	५४५९	२१५·२१	२६३·२४	१०·४१	२०४·८०	१·५५३३	१७८·७४	२०४·८०	० ३	१२७·७५	३९ ४८
१८	१३ श	५४६०	२१५·७३	२६३·७६	१०·४३	२०५·३०	१·५५२१	१७९·२४	२०५·३०	० २	१२८·२५	३९ ५२
१९	१४ र	५४६१	२१६·२६	२६४·२९	१०·४५	२०५·८१	१·५५०७	१७९·७५	२०५·८१	० १	१२८·७३	३९ ५६
२०	३० चं	५४६२	२१६·७८	२६४·८१	१०·४८	२०६·३०	१·५४९४	१८०·२४	२०६·३०	० ०	१२९·२४	४० ००
२१	३० मं	५४६३	२१७·३०	२६५·३३	–१०·४९	२०६·८१	१·५४८३	१८०·७५	२०६·८१	० १	१२९·७२	+४० २

फरवरी–मार्च सन १९३९ इ. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का मंगलका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अ. क.	क	अ. क.	क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	स्टे. घ. म.
१९	७ १९ २३	० ३६	० १८	० ०	२५२ २३	२५० ५२	० ३८	४१ ४९	२१ ५८	० ५	२ ८	७ १८
२०	७ १९ ५९	० ३६	+० १८	० १	२५२ ५९	२५१ ३०	० ३७	४१ ५५	−२२ ३	० ६	२ ४	७ १६
२१	७ २० ३५	० ३६	० १७	० १	२५३ ३५	२५२ ७	० ३७	४२ १	२२ ९	० ५	२ ०	७ १५
२२	७ २१ ११	० ३६	० १६	० ०	२५४ ११	२५२ ४४	० ३७	४२ ७	२२ १४	० ५	१ ५७	७ १४
२३	७ २१ ४७	० ३६	० १६	० १	२५४ ४७	२५३ २१	० ३९	४२ १४	२२ १९	० ४	१ ५४	७ १२
२४	७ २२ २३	० ३६	० १५	० १	२५५ २३	२५४ ०	० ४०	४२ २०	२२ २३	० ४	१ ५०	७ ११
२५	७ २२ ५९	० ३६	० १४	० ०	२५५ ५९	२५४ ४०	० ३९	४२ २७	२२ २७	० ४	१ ४७	७ १०
२६	७ २३ ३५	० ३६	० १४		२५६ ३५	२५५ १९	० ३९	४२ ३३	२२ ३१	० ४	१ ४३	७ ८
२७	७ २४ ११	० ३६	+० १३	० १	२५७ ११	२५५ ५८	० ४०	४२ ४०	२२ ३५	० ४	१ ४०	७ ७
२८	७ २४ ४७	० ३६	० १२	० १	२५७ ४७	२५६ ३८	० ३९	४२ ४६	२२ ३९	० ४	१ ३६	७ ५
१	७ २५ २३	० ३५	० १२	० ०	२५८ २३	२५७ १७	० ४०	४२ ५३	२२ ४३	० ४	१ ३४	७ ४
२	७ २५ ५८	० ३५	० ११	० १	२५८ ५८	२५७ ५७	० ३९	४३ ००	२२ ४७	० ४	१ ३१	७ ३
३	७ २६ ३३	० ३५	० ११	० ०	२५९ ३३	२५८ ३६	० ३९	४३ ६	२२ ५१	० ४	१ २७	७ २
४	७ २७ ८	० ३५	० १०	० १	२६० ८	२५९ १५	० ४०	४३ १३	२२ ५५	० ४	१ २४	७ १
५	७ २७ ४३	० ३५	० ९	० १	२६० ४३	२५९ ५५	० ३७	४३ १९	२२ ५९	० २	१ २०	६ ५९
६	७ २८ १८	० ३५	+० ९	० ०	२६१ १८	२६० ३२	० ३७	४३ २५	२३ १	० २	१ १६	६ ४७
७	७ २८ ५३	० ३५	० ८	० १	२६१ ५३	२६१ ९	० ३८	४३ ३२	२३ ३	० २	१ १३	६ ५६
८	७ २९ २८	० ३५	० ७	० १	२६२ २८	२६१ ४७	० ३७	४३ ३८	२३ ५	० ३	१ १०	६ ५५
९	८ ० ३	० ३४	० ७	० १	२६३ ३	२६२ २४	० ३७	४३ ४४	२३ ८	० २	१ ६	६ ५३
१०	८ ० ३७	० ३४	० ६	० १	२६३ ३७	२६३ १	० ३८	४३ ५०	२३ १०	० २	१ २	६ ५२
११	८ १ ११	० ३४	० ५	० १	२६४ ११	२६३ ३९	० ३७	४३ ५७	२३ १२	० ३	० ५९	६ ५१
१२	८ १ ४५	० ३४	० ५	० ०	२६४ ४५	२६४ १६	० ३७	४४ ३	२३ १५	० २	० ५५	६ ४९
१३	८ २ १९	० ३४	+० ४	० १	२६५ १९	२६४ ५३	० ३८	४४ ९	२३ १७	० २	० ५१	६ ४७
१४	८ २ ५३	० ३४	० ३	० १	२६५ ५३	२६५ ३१	० ३७	४४ १५	२३ १९	० २	० ४७	६ ४६
१५	८ ३ २७	९ ३४	० ३	० ०	२६६ २७	२६६ ८	० ३७	४४ २१	२३ २१	० १	० ४४	६ ४५
१६	८ ४ १	० ३४	० २	० १	२६७ १	२६६ ४५	० ३७	४४ २८	२३ २२	० ०	० ४१	६ ४४
१७	८ ४ ३५	० ३४	० २	० ०	२६७ ३५	२६७ २२	० ३७	४४ ३४	२३ २२	० १	० ३७	६ ४२
१८	८ ५ ९	० ३४	+० १	० १	२६७ ९	२६८ ५९	० ३७	४४ ४०	२३ २३	० १	० ३३	६ ४०
१९	८ ५ ४३	० ३४	० ०	० १	२६८ ४३	२६८ ३६	० ३७	४४ ४६	२३ २४	० १	० २९	६ ३९
२०	८ ६ १७	० ३४	+० १	० १	२६९ १७	२६९ १३	० ३७	४४ ५२	२३ २५	० ०	० २५	६ ३७
२१	८ ६ ५१	० ३४	−० २	० १	२६९ ५१	२६९ ५०	० ३७	४४ ५८	−२३ २५		० २१	६ ३५

बुध

अप्रेल सन १९१८ इ.　　　　**चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अ.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क	अं.	अं. क.
३१	३० गु	५१०८	७९.७४	२६.२०	+१३.३५	९३.०९	०.३२००	६८.४५	९२.९४	+६ ३०	१०६.२५	+१८ ४०
१	१ शु	५१०९	८३.८४	३०.३०	+१५.०५	९८.८९	०.३२३९	७४.२५	९८.७६	+६ ४४	१११.०९	+१८ ५४
२	२ श	५११०	८७.९३	३४.३९	१६.६०	१०४.५३	०.३२५९	७९.८९	१०४.४३	६ ५[illegible]	११५.७७	१९ २
३	३ र	५१११	९२.०२	३८.४८	१७.९९	११०.०१	०.३२८२	८५.३७	१०९.९७	६ ५९	१२०.३३	१९ ३
४	४ च	५११२	९६.११	४२.५७	१९.२४	११५.३५	०.३३२९	९०.७१	११५.३४	७ ०	१२४.७१	१८ ५८
५	५ मं	५११३	१००.२०	४६.६६	२०.३३	१२०.५३	०.३३७९	९५.८९	१२०.५६	६ ५[illegible]	१२८.९५	१८ ४७
६	६ बु	५११४	१०४.२९	५०.७६	२१.२५	१२५.५४	०.३४३२	१००.९०	१२५.६०	६ ५[illegible]	१३३.००	१८ २९
७	७ गु	५११५	१०८.३९	५४.८७	२२.०१	१३०.४०	०.३४८६	१०५.७६	१३०.४९	६ ४४	१३६.९१	१८ ३
८	८ शु	५११६	११२.४८	५८.९४	+२२.६४	१३५.१२	०.३५४२	११०.४८	१३५.२४	+६ ३३	१४०.६७	१७ ३१
९	१० श	५११७	११६.५७	६३.०३	२३.१०	१३९.६७	०.३५९९	११५.०३	१३९.८३	६ २१	१४४.२८	१६ ५१
१०	११ र	५११८	१२०.६७	६७.१३	२३.४३	१४४.१०	०.३६५६	११९.४६	१४४.२८	६ ०५	१४७.७५	१६ ४
११	१२ चं	५११९	१२४.७६	७१.२२	२३.६३	१४८.३९	०.३७१५	१२३.७५	१४८.५६	५ ४[illegible]	१५१.०५	१५ १२
१२	१३ मं	५१२०	१२८.८५	७५.३१	२३.६८	१५२.५३	०.३७७२	१२९.८९	१५२.७३	५ ३१	१५४.२४	१४ १२
१३	१४ बु	५१२१	१३२.९४	७९.४७	२३.६२	१५६.५६	०.३८३०	१३१.९२	१५६.७७	५ १२	१५७.३०	१३ ७
१४	१५ गु	५१२२	१३७.०४	८३.८९	२३.४४	१६०.४८	०.३८८८	१३५.८४	१६०.७०	४ ५२	१६०.२५	११ ५५
१५	१ शु	५१२३	१४१.१३	८७.५९	+२३.१५	१६४.२८	०.३९४३	१३९.६४	१६४.५०	+४ ३१	१६३.०७	१० ३८
१६	२ श	५१२४	१४५.१२	९१.६८	२२.७६	१६७.९८	०.३९९९	१४३.३४	१६८.२०	४ १०	१६५.७९	९ १४
१७	३ र	५१२५	१४९.३१	९५.७७	२२.२८	१७१.५९	०.४०५२	१४६.९५	१७१.८१	३ ४०	१६८.४२	७ ४७
१८	४ चं	५१२६	१५३.४१	९९.८६	२१.७०	१७५.११	०.४१०३	१५०.४७	१७५.३१	३ २[illegible]	१७०.९४	६ १७
१९	५ मं	५१२७	१५७.५०	१०३.९६	११.०५	१७८.५५	०.४१५४	१५३.९१	१७८.७२	३ ०४	१७३.३८	४ ४४
२०	५ बु	५१२८	१६१.५९	१०८.०५	२०.३१	१८१.९०	०.४२०४	१५७.२६	१८२.०६	२ ४२	१७५.७४	३ ७
२१	६ गु	५१२९	१६५.६८	११२.१४	१९.५१	१८५.१९	०.४२४९	१६०.५५	१८५.३४	२ १९	१७८.०५	+ १ २८
२२	७ शु	५१३०	१६९.७८	११६.२४	१८.६४	१८८.४२	०.४२९५	१६३.७८	१८८.५५	१ ५७	१८०.२८	− ० ११
२३	८ श	५१३१	१७३.८७	१२०.३३	+१७.७२	१९१.५९	०.४३३६	१६६.९५	१९१.६९	+१ ३५	१८२.४५	१ ५३
२४	९ र	५१३२	१७७.९६	१२४.४२	१६.७३	१९४.६९	०.४३४६	१७०.०५	१९४.७७	१ ०५	१८४.५५	३ ३२
२५	१० चं	५१३३	१८२.०५	१२८.५१	१५.६९	१९७.७४	०.४४१४	१७३.१०	१९७.८०	० ५०	१८६.६१	५ ११
२६	११ मं	५१३४	१८६.१४	१३२.६०	१४.६१	२००.७५	०.४४४९	१७६.११	२००.८१	० २[illegible]	१८८.६४	६ ४९
२७	१२ बु	५१३५	१९०.२४	१३६.७०	१३.४७	२०३.७१	०.४४८२	१७९.०७	२०३.७४	+० ५	१९०.६०	८ २४
२८	१३ गु	५१३६	१९४.३३	१४०.७९	१२.३२	२०६.६५	०.४५४०	१८२.०१	२०६.६५	−० ११	१९२.५४	९ ५५
२९	१४ शु	५१३७	१९८.४२	१४४.८८	११.१२	२०९.५४	०.४५६५	१८४.९०	२०९.५०	० ३[illegible]	१९४.४२	११ २३
३०	३० श	५१३८	२०२.५१	१४८.९७	९.९०	२१२.४१	०.४५९२	१८७.७७	२१२.३५	−० ५७	१९६.३०	−१२ ४९

बुध

अप्रेल सन १९२८ इ. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा अं. क.	क.	अ. क.	क.	अ. क.	अं. क.	अं क	घ. प.	अं. क	अं.क.	घ. प	स्टैं. घं. मि.
३१	० ५ २१	१ १३	२ १०	० ११	२८ २०	२५ ३०	१ ७	४ १५	१२ ५०	० ३१	१७ ५७	१३ ३८
१	० ६ ३४	+१ ७	+२ २१	० ९	२९ ३३	२६ ३७	१ ४१	४ २६	+१३ २१	० २९	१७ ५९	१३ ३९
२	० ७ ४१	१ १	२ ३०	० ८	३० ४०	२७ ३८	० ५९	४ ३६	१३ ५०	० २८	१७ ५९	१३ ३९
३	० ८ ४२	० ५४	२ ३८	० ८	३१ ४१	२८ ३७	० ४७	४ ४६	१४ १८	० २६	१७ ५९	१३ ३९
४	० ९ ३६	० ४७	२ ४६	० ७	३२ ३५	२९ २४	० ३९	४ ५४	१४ ४४	० २३	१७ ५७	१३ ३८
५	० १० २३	० ४१	२ ५३	० ६	३३ २२	३० ३	० ३३	५ १	१५ ७	० २०	१७ ५४	१३ ३७
६	० ११ ४	० ३४	२ ५९	० ५	३४ ३	३० ३६	० ३०	५ ६	१५ २७	० १५	१७ ४९	१३ ३५
७	० ११ ३८	० २६	३ ४	० ३	३४ ३९	३१ ६	० २८	५ ११	१५ ४२	० ११	१७ ४५	१३ ३३
८	० १२ ४	० १९	३ ७	० २	३५ ३	३१ ३४	० २४	५ १५	१५ ५३	० ८	१७ ३९	१३ ३१
९	० १२ २३	० १३	३ ९	० १	३५ २२	३१ ५९	० २३	५ २०	१६ १	० ४	१७ ३४	१३ २९
१०	० १२ ३६	+० ६	३ १०	० १	३५ ३५	३२ २२	० २२	५ २४	१६ ५	० ३	१७ २८	१३ २६
११	० १२ ४२	० ०	३ ९	० २	३५ ४१	३२ ४४	० ००	५ २७	१६ २	० ८	१७ २१	१३ २३
१२	० १२ ४२	-० ७	३ ७	० ३	३५ ४१	३२ ४४	० १२	५ २६	१५ ५४	० १२	१७ १०	१३ १९
१३	० १२ ३५	० १३	३ ४	० ५	३५ ३४	३२ ३२	० १५	५ २४	१५ ४२	० १४	१६ ५८	१३ १४
१४	० १२ २२	० १८	२ ५९	० ७	३५ २१	३२ १७	० २०	५ २१	१५ २८	० १६	१६ ४६	१३ ९
१५	० १२ ४	० २५	२ ५२	० ८	३५ ३	३१ ५७	० २२	५ १८	१५ १२	० १८	१६ ३३	१३ ४
१६	० ११ ३९	० २९	२ ४४	० ९	३४ ३८	३१ ३५	० २५	५ १४	१४ ५४	० २०	१६ १९	१२ ५९
१७	० ११ १०	० ३१	२ ३५	० ११	३४ ९	३१ १०	० २६	५ १०	१४ ३४	० २२	१६ ५	१२ ५३
१८	० १० ३९	० ३४	२ २४	० १२	३३ ३८	३० ४४	० २८	५ ६	१४ १२	० २३	१५ ५१	१२ ४८
१९	० १० ५	० ३९	२ १२	० १३	३३ ४	३० १६	० २९	५ १	१३ ४९	० २६	१५ ३६	१२ ४१
२०	० ९ २६	० ४०	१ ५९	० १४	३२ २५	२९ ४७	० २८	४ ५८	१३ २३	० १९	१५ २३	१२ ३६
२१	० ८ ४६	० ४२	१ ४५	० १६	३१ ४५	२९ १९	० २७	४ ५३	१३ ०४	० १९	१५ ९	१२ ३१
२२	० ८ ४	० ४२	१ २९	० १६	३१ ३	२८ ५२	० २६	४ ४९	१२ ४५	० २१	१४ ५५	१२ २५
२३	० ७ २२	० ४१	१ १३	० १७	३० २१	२८ ३६	० २५	४ ४४	१२ २४	० २०	१४ ४०	१२ १९
२४	० ६ ४१	० ४०	० ५६	० १७	२९ ४०	२८ १	० २४	४ ४०	१२ ४	० २८	१४ २६	१२ १३
२५	० ६ १	० ४०	० ३९	० १७	२९ ०	२७ ३७	० २२	४ ३६	११ ३६	० २८	१४ १२	१२ ८
२६	० ५ २१	० ३७	० २२	० १७	२८ २०	२७ १५	० २०	४ ३३	११ ८	० २७	१३ ५९	१२ ३
२७	० ४ ४४	० ३३	+० ५	० १७	२७ ४३	२६ ५५	० १५	४ २९	१० ४१	० २६	१३ ४५	११ ५५
२८	० ४ ११	० २९	-० १२	० १६	२७ १०	२६ ४०	० ११	४ २७	१० १५	० २५	१३ ३४	११ ५२
२९	० ३ ४२	-० २८	० २८	० १७	२६ ४१	२६ २९	० ९	४ २५	९ ५०	० २४	१३ २२	११ ४८
३०	० ३ १४		० ४५		२६ १३	२६ २०		४ २३	+९ २६		१३ १०	११ ४३

बुध

मई सन १९३८ इ.　　　वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अ.	अ.		अं.	अं.	अ. क.	अ	अ. क.
३०	३० श	५१३८	२०२.५१	१४८.९७	+ ९.९०	२१२.४१	०.४५१२	१८७.७७	२१२.३५	–० ५७	१९६.३०	–१२ ४९
१	१ र	५१३९	२०६.६१	१५३.०७	+ ८.६४	२१५.२५	०.४६०६	१९०.६१	२१५.१७	–१ १७	१९८.१४	–१४ ७
२	३ चं	५१४०	२१०.७०	१५७.१६	७.३७	२१८.०७	०.४६२४	१९३.४३	२१७.९८	१ ३७	१९९.९८	१५ २४
३	४ मं	५१४१	२१४.७९	१६१.२५	६.०८	२२०.८७	०.४६३८	१९६.२३	२२०.८६	१ ५७	२०१.७९	१६ ३६
४	५ बु	५१४२	२१८.८८	१६५.३४	४.७६	२२३.६४	०.४६४९	१९९.००	२२३.५२	२ १६	२०३.५९	१७ ४३
५	६ गु	५१४३	२२२.९८	१६९.४३	३.४५	२२६.४३	०.४६५८	२०१.७९	२२६.२८	२ ३५	२०५.३८	१८ ४५
६	७ शु	५१४४	२२७.०७	१७३.५३	२.१२	२२९.६१	०.४६६४	२०४.५५	२२९.०३	२ ५४	२०७.१६	१९ ४३
७	८ श	५१४५	२३१.१६	१७७.६२	+ ०.७८	२३१.९४	०.४६६७	२०७.३०	२३१.७८	–३ १२	२०८.९४	–२० ६
८	९ र	५१४६	२३५.२५	१८१.७१	– ०.५६	२३४.६९	०.४६६७	२१०.०५	२३४.५२	३ ३०	२१०.७१	२१ २४
९	१० चं	५१४७	२३९.३५	१८५.८०	१.९०	२३७.४५	०.४६६४	२१२.८१	२३७.२६	३ ४७	२१२.४९	२२ ८
१०	११ म	५१४८	२४३.४४	१८९.९०	३.२४	२४०.२०	०.४६५९	२१५.५६	२४०.०३	४ ४	२१४.२९	२२ ४७
११	१२ बु	५१४९	२४७.५३	१९३.९९	४.५५	२४२.९८	०.४६५१	२१८.३४	२४२.७९	४ २०	२१६. ८	२३ २१
१२	१३ गु	५१५०	२५१.६२	१९८.०८	५.८६	२४५.७६	०.४६४०	२२१.१२	२४५.५६	४ ३६	२१७.८९	२३ ५२
१३	१४ शु	५१५१	२५५.७१	२०२.१७	७.१७	२४८.५४	०.४६२६	२२३.९०	२४८.३६	४ ५१	२१९.७२	२४ १८
१४	१५ श	५१५२	२५९.८१	२०६.२६	८.४४	२५१.३७	०.४६१८	२२६.७३	२५१.१६	५ ५	२२१.५६	२४ ४४
१५	१ र	५१५३	२६३.९०	२१०.३६	– ९.७०	२५४.२०	०.४५९०	२२९.५६	२५४.०१	–५ १९	२२३.४४	–२४ ५८
१६	२ चं	५१५४	२६७.९९	२१४.४५	१०.९२	२५७.०७	०.४५६९	२३२.४३	२५६.८७	५ ३३	२२५.३४	२५ १३
१७	३ मं	५१५५	२७२.०८	२१८.५४	१२.१३	२५९.९५	०.४५४४	२३५.३१	२५९. ६	५ ४५	२२७.२७	२५ २४
१८	४ बु	५१५६	२७६.१८	२२२.६३	१३.२९	२६२.८९	०.४४१६	२३८.२५	२६२. ०	५ ५७	२२९.२१	२५ ३१
१९	५ गु	५१५७	२८०.२७	२२६.७३	१४.४३	२६५.८४	०.४४८७	२४१.२१	२६५.६७	६ ८	२३१.२५	२५ ३५
२०	६ शु	५१५८	२८४.३६	२३०.८२	१५.५१	२६८.८५	०.४४५५	२४४.२१	२६८. ८	६ २१	२३३.३०	२५ ३५
२१	७ श	५१५९	२८८.४५	२३४.९१	१६.५६	२७१.८९	०.४४२०	२४७.२५	२७१.७४	६ ३०	२३५.४०	२५ ३३
२२	८ र	५१६०	२९२.५४	२३९.००	–१७.५६	२७४.९८	०.४३८२	२५०.३४	२७४.८६	–६ ३५	२३७.५५	–२५ २७
२३	८ चं	५१६१	२९६.६४	२४३.१०	१८.५०	२७८.१४	०.४३४३	२५३.५०	२७८.०२	६ ४३	२३९.७५	२५ १८
२४	९ मं	५१६२	३००.७३	२४७.१९	१९.३८	२८१.३५	०.४३०२	२५६.७१	२८१.२६	६ ४८	२४२. ३	२५ ६
२५	१० गु	५१६३	३०४.८२	२५१.२८	२०.१	२८४.६३	०.४२५८	२५९.९९	२८४.५८	६ ५४	२४४.३९	२४ ५१
२६	१२ बु	५१६४	३०८.९१	२५५.३७	२०.९४	२८७.९७	०.४२११	२६३.३३	२८७.९३	६ ५८	२४६.७८	२४ ३३
२७	१३ शु	५१६५	३१३.०१	२५९.४७	२१.६०	२९१.४१	०.४१६२	२६६.७७	२९१.३९	६ ५९	२४९.२८	२४ १२
२८	१४ श	५१६६	३१७.१०	२६३.५६	२२.२१	२९४.८९	०.४११२	२७०.२५	२९४.९१	७ ००	२५१.८४	२३ ४९
२९	३० र	५१६७	३२१.१९	२६७.६५	२२.७०	२९९.४९	०.४०६०	२७४.८५	२९८.५३	–६ ५९	२५४.५०	२३ २२

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह (रा. अं. क.)	गति (अं. क.)	भूमध्य दृश्य शर (अं. क.)	गति (अं. क.)	सायनभोग (अं. क.)	विषुवांश (अं. क.)	गति (अं. क)	विषुवकाल (घ प.)	क्रांति (अं. क.)	गति (अं क.)	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल (घ. प.)	(स्टैं. घं. मि.)
३०	० ३ १४	-० २२	-० ४५	० १६	२६ १३	२६ २०	० ७	४ २३	+ ९ २६	० २३	१३ १०	११ ४३
१	० २ ५२	० १८	१ १	० १५	२५ ५१	२६ १३	० ५	४ २२	९ ०३	० २०	१२ ५९	११ ३८
२	० २ ३४	० १	१ १६	० १४	२५ ३३	२६ ८	० २	४ २१	८ ४३	० १८	१२ ४८	११ ३४
३	० २ २१	० ८	१ ३०	० १४	२५ २०	२६ ६	० ०	४ २१	८ २५	० १६	१२ ३८	११ ३०
४	० २ १३	० ४	१ ४४	० १३	२५ १२	२६ ६	० २	४ २१	८ ९	० १४	११ २८	११ २६
५	० २ ९	० ०	१ ५७	० १२	२५ ८	२६ ८	० ४	४ २१	७ ५५	० ११	१२ १९	११ २३
६	० २ ९	+० ५	२ ९	० ११	२५ ८	२६ १२	० ९	४ २२	७ ४४	० ९	१२ १०	११ १९
७	० २ १४	+० १०	२ २०	० १०	२५ १३	२६ २१	० १२	४ २४	७ ३५	० ५	१२ २	११ १६
८	० २ २४	० १४	२ ३०	० ९	२५ २३	२६ ३३	० १६	४ २६	७ ३०	० २	११ ५४	११ १३
९	० २ ३८	० २१	२ ३९	० ८	२५ ३७	२६ ४९	० १८	४ २८	७ २८	० १	११ ४६	११ ९
१०	० २ ५९	० २१	२ ४७	० ८	२५ ५८	२७ ७	० २१	४ ३१	७ २९	० ५	११ ३९	११ ७
११	० ३ २०	० १८	२ ५५	० ७	२६ १९	२७ २८	० २४	४ ३५	७ ३४	० ९	११ ३३	११ ४
१२	० ३ ४८	० ३२	३ २	० ६	२६ ४५	२७ ५१	० २७	४ ३८	७ ४३	० १०	११ २८	११ २
१३	० ४ २०	० ३६	३ ८	० ४	२७ १९	२८ १९	० २९	४ ४३	७ ५३	० ११	११ २२	११ ०
१४	० ४ ५६	० ४०	३ १२	० ४	२७ ५५	२८ ४७	० ३१	४ ४८	८ ३	० १२	११ १७	१० ५८
१५	० ५ ३६	+० ४३	३ १६	० ३	२८ ३५	२९ १८	० ३४	५ ५३	८ १५	० १३	११ १२	१० ५६
१६	१ ६ १९	० ४७	३ १९	० २	२९ १८	२९ ५२	० ३७	५ ५९	८ २८	० १५	११ ८	१० ५४
१७	० ७ ६	० ५०	३ २१	० २	३० ५	३० २९	० ४०	५ ५	८ ४३	० १६	११ ४	१० ५३
१८	० ७ ५६	० ५४	३ २३	० १	३० ५५	३१ ९	० ४२	५ १२	८ ५९	० १७	११ १	१० ५१
१९	० ८ ५०	० ५८	३ २४	० ०	३१ ४९	३१ ५१	० ४८	५ १९	९ १६	० १९	१० ५९	१० ५१
२०	० ९ ४८	१ ०	३ २४	० १	३२ ४७	३२ ३९	० ५२	५ २७	९ ३५	० २१	१० ५७	१० ५०
२१	० १० ४८	१ ३	३ २३	० २	३३ ४७	३३ ३१	० ५६	५ ३५	९ ५६	० २३	१० ५५	१० ४९
२२	० ११ ५१	+१ ७	३ २१	० २	३४ ५०	३४ २७	० ५९	५ ४५	१० १९	० २५	१० ५५	१० ४९
२३	० १२ ५८	१ १०	३ १९	० ३	३५ ५७	३५ २६	१ ४	६ ५४	१० ४४	० २६	१० ५४	२० ४९
२४	० १४ ८	१ १२	३ १६	० ३	३७ ७	३६ ३०	१ ८	५ ५	११ १०	० २८	१० ५५	१० ४९
२५	० १५ २०	१ १६	३ १३	० ४	३८ १९	३७ ३८	१ १४	६ १६	११ ३८	० २९	१० ५६	१० ४९
२६	० १६ ३६	१ १९	३ ९	० ५	३९ ३५	३८ ५२	१ १८	६ २९	१२ ७	० ३०	११ ०	१० ५१
२७	० १७ ५५	१ २१	३ ४	० ६	४० ५४	४० १०	१ २०	६ ४२	१२ ३७	० ३१	११ ३	१० ५२
२८	० १९ १६	१ २५	२ ५८	० ६	४२ १५	४१ ३०	१ २१	६ ५६	१३ ८	० ३१	११ ६	१० ५३
२९	० २० ४१		-२ ५२		४३ ४०	४२ ५१		७ ९	+१३ ३९		११ १०	१० ५५

मई-जून सन १९३८ ई ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२९	३० र	५१६७	३२१·१९	२६७·६५	–२२·७०	२९९·४९	०·४०६०	२७४·८५	२९८·५३	६ ५९	२५४·५०	–२३ २२
३०	१ चं	५१६८	३२५·२८	२७१·७४	–२३·१०	३०२·१८	०·४०००	२७७·५४	३०२·२४	–६ ५६	२५७·२५	२२ ५३
३१	२ मं	५१६९	३२९·३८	२७५·८४	२३·४०	३०५·९८	०·३९५२	२८१·३४	३०६·०६	६ ५२	२६०·११	२२ २२
१	३ बु	५१७०	३३३·४७	२७९·९३	२३·६०	३०९·८७	०·३८९७	२८५·२३	३०९·९९	६ ४५	२६३· ९	२१ ४८
२	५ गु	५१७१	३३७·५६	२८४·०२	२३·६८	३१३·८८	०·३८४०	२८९·२४	३१४·०२	६ ३६	२६६·१५	२१ ११
३	६ शु	५१७२	३४१·६५	२८८·११	२३·६४	३१८·०१	०·३७८२	२९३·३७	३१८·१७	६ २५	२६९·३५	२० २७
४	७ श	५१७३	३४५·७४	२९२·२०	२३·४७	३२२·२७	०·३७२४	२९७·६३	३२२·४४	६ १२	२७२·६६	१९ ५२
५	८ र	५१७४	३४९·८४	२९६·३०	–२३·१६	३२६·६८	०·३६६६	३०२·७४	३२६·८७	–५ ५६	२७६·१४	–१९ ५
६	९ चं	५१७५	३५३·९३	३००·३९	२२·७२	३३१·२१	०·३६०८	३०६·५७	३३१·४०	५ ३७	२७९·७१	१८ १८
७	१० मं	५१७६	३५८·०२	३०४·४८	२२·१२	३३५·९०	०·३५५१	३११·२६	३३६·१०	५ १५	२८३·४५	१७ २८
८	११ बु	५१७७	२·१२	३०८·५७	२१·३८	३४०·३४	०·३४९५	३१५·७०	३४०·९४	४ ५३	२८७·३३	१६ ३३
९	१२ गु	५१७८	६·२१	३१२·६७	२०·४९	३४५·७२	०·३४४०	३२१·०८	३४५·९२	४ १३	२९१·३६	१५ ४१
१०	१३ शु	५१७९	१०·३०	३१६·७६	१९·४३	३५०·८७	०·३३८७	३२६·२३	३५१·०६	३ ५३	२९५·५४	१४ ४४
११	१४ श	५१८०	१४·४०	३२०·८५	१८·२०	३५६·२०	०·३३३७	३३१·५६	३५६·३५	३ २०	२९९·८८	१३ ४६
१२	१५ र	५१८१	१८·४९	३२४·९४	१६·८४	१·६५	०·३२९०	३३७·०१	१·७८	२ ४४	३०४·३५	१२ ४४
१३	१ चं	५१८२	२२·५८	३२९·०३	–१५·३२	७·२६	०·३२४६	३४२·६२	७·३६	–२ ५	३०८·९८	–११ ४१
१४	१ मं	५१८३	२६·६७	३३३·१३	१३·६४	१३·०३	०·३२०६	३४८·३९	१३·०९	१ २४	३१३·७५	१० ३६
१५	२ बु	५१८४	३०·७६	३३७·२२	११·८३	१८·९३	०·३१७१	३५४·२९	१८·९६	–० ४२	३१८·६७	९ २९
१६	३ गु	५१८५	३४·८६	३४१·३१	९·८९	२४·९७	०·३१४१	०·३३	२४·९३	+० २४	३२३·६८	८ २१
१७	४ शु	५१८६	३८·९५	३४५·४०	७·८५	३१·१०	०·३११६	६·४६	३१·०५	० ४७	३२८·८५	७ १०
१८	५ श	५१८७	४३·०४	३४९·५०	५·३१	३७·३३	०·३०९६	१२·६९	३७·२३	१ ३२	३३४· ७	५ ५८
१९	६ चं	५१८८	४७·१३	३५३·५९	३·५१	४३·८२	०·३०८३	१९·१८	४३·४५	२ १८	३३९·३४	४ ४६
२०	७ र	५१८९	५१·२२	३५७·६८	– १·२८	४९·९४	०·३०७६	२५·३०	४९·७४	२ ५९	३४४·६७	३ ३३
२१	८ मं	५१९०	५५·३२	१·७८	+ ०·९८	५६·३०	०·३०७६	३१·६६	५६·०८	३ ४०	३५०· ६	२ १८
२२	९ बु	५१९१	५९·४१	५·८७	३·२३	६२·६४	०·३०८१	३८·००	६२·३९	४ १८	३५५·४१	– १ ४
३३	१० गु	५१९२	६३·५०	९·९६	५·४३	६८·९३	०·३०९४	४४·२९	६८·६९	४ ५३	०·७६	+ ० ११
२४	११ शु	५१९३	६७·५९	१४·०५	७·५७	७५·१६	०·३११२	५०·५०	७४·९३	५ २४	६· ५	१ २५
२५	१२ श	५१९४	७१·६८	१८·१४	९·६२	८१·३०	०·३१३७	५६·६६	८१·१०	५ ५१	११·२६	२ ३१
२६	१३ ।	५१९५	७५·७८	२२·२४	११·५८	८७·३६	०·३१६७	६२·७२	८७·१६	६ १३	१६·३७	३ ४०
२७	३० चं	५१ ६	७९·८७	२६·३३	+१३·४०	९३·२७	०·३२०१	६८·६३	९३·११	६ ३१	२१·३७	+ ५ ४

मई–जून सन १९३८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृष्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प	अं. क.	अं. क.	घ. प,	स्टैं.घं.मि.
२९	० २० ४१	+१ २६	−२ ५२	० ६	४३ ४०	४२ ५१	१ २५	७ ९	+१३ ३९	० ३१	११ १०	१० ५५
३०	० २२ ७	१ २८	२ ४६	० ६	४५ ६	४४ १६	१ २७	७ २३	१४ १०	० ३१	११ १४	१० ५७
३१	० २३ ३५	१ ३१	२ ४०	० ८	४६ १४	४५ ४३	१ २८	७ ३७	१४ ४१	० ३१	११ १८	१० ५८
१	० २५ ६	१ ३४	२ ३२	० ८	४८ ५	४७ ११	१ २९	७ ५२	१५ १२	० ३१	११ २३	११ ०
२	० २६ ४०	१ ३७	२ २४	० ९	४९ ३९	४८ ४०	१ ३१	८ ७	१५ ४३	० ३१	११ २९	११ ३
३	० २७ १७	१ ४०	२ १५	० ९	५१ १६	५० ११	१ ३१	८ २२	१६ १४	० ३१	११ ३४	११ ५
४	० २९ ५७	१ ४२	२ ६	० ९	५२ ५६	५१ ४२	१ ३५	८ ३७	१६ ४५	० ३१	११ ३९	११ ७
५	१ १ ३९	१ ४४	−१ ५७	० १०	५४ ३८	५३ १७	१ ४१	८ ५३	+१७ १६	० ३१	११ ४५	११ ९
६	१ ३ २३	१ ४७	१ ४७	० १०	५६ २२	५४ ५८	१ ५०	९ १०	१७ ४७	० ३१	११ ५२	११ १२
७	१ ५ ११	१ ४९	१ ३७	० ११	५८ १०	५६ ४८	१ ५६	९ २८	१८ १८	० ३१	१२ ०	११ १५
८	१ ७ ०	१ ५२	१ २६	० १०	५९ ५९	५८ ४४	१ ५८	९ ४६	१८ ४९	० ३०	१२ ९	११ १९
९	१ ८ ५२	१ ५४	१ १६	० १०	६१ ५१	६० ४२	१ ५९	१० ७	१९ १९	० २९	१२ २०	११ २३
१०	१ १० ४६	१ ५६	१ ६	० ११	६३ ४५	६२ ४१	२ २	१० २७	१९ ४८	० २८	१२ ३०	११ २७
११	१ १२ ४२	१ ५९	० ५५	० ११	६५ ४१	६४ ४३	२ ७	१० ४७	२० १६	० २७	१२ ४०	११ ३१
१२	१ १४ ४१	२ ०	० ४४	० ११	६७ ४०	६६ ५०	२ ९	११ ८	२० ४३	० २६	१२ ५१	११ ३५
१३	१ १६ ४१	२ २	० ३३	० ११	६९ ४०	६८ ५९	२ ११	११ ३०	+२१ ९	० २५	१३ ३	११ ४०
१४	१ १८ ४३	२ ५	० २२	० १२	७१ ४२	७१ १०	२ १४	११ ५२	२१ ३४	० २४	१३ १५	११ ४५
१५	१ २० ४८	२ ६	−० १०	० ११	७३ ४७	७३ २४	२ १६	१२ १४	२१ ५८	० २३	१३ २७	११ ४९
१६	१ २२ ५४	२ ८	+० १	० १०	७५ २३	७५ ४०	२ १८	१२ ३७	२२ २१	० २२	१३ ४१	११ ५५
१७	१ २५ २	२ ९	० ११	० ११	७८ १	७७ ५८	२ २०	१३ ०	२२ ४३	० २१	१३ ५४	१२ १
१८	१ २७ ११	२ १०	० २२	० १०	८० १०	८० १८	२ २१	१३ २३	२३ ४	० २०	१४ ७	१२ ६
१९	१ २९ २१	२ ११	० ३२	० १०	८२ २०	८२ ३८	२ २२	१३ ४६	२३ २४	० १९	१४ २०	१२ ११
२०	२ १ ३२	२ ११	० ४२	० ९	८४ ३१	८५ ०	२ २२	१४ १०	२३ ४३	० १६	१४ ३४	१३ १७
२१	२ ३ ४३	+२ १२	+० ५१	० ९	८६ ४२	८७ २२	२ २३	१४ ३४	+२३ ५९	० १४	१४ ४८	१२ २२
२२	२ ५ ५५	२ १२	१ ०	० ९	८८ ५४	८९ ४[illegible]	२ २३	१४ ५८	२४ १३	० १३	१५ ३	१२ २६
२३	२ ८ ७	२ ११	१ ९	० ९	९१ ६	९२ ८	२ २२	१५ २१	२४ २६	[illegible] ९	१५ १६	१२ ३४
२४	[illegible] ० १८	२ ११	१ १६	० ७	९३ १७	९४ ३०	२ २२	१५ ४५	२४ ३[illegible]	० १०	१५ ३०	१२ ३९
२५	२ २ २९	२ १०	१ २३	० ७	९५ २८	९६ ५२	२ २१	१६ ९	२४ २५	० ११	१५ ४४	१२ ४५
२६	२ ४ ३९	२ १०	१ २९	० ७	९७ ३८	९९ १३	२ २१	१६ ३२	२४ १४	० १५	१५ ५७	१२ ५०
२७	२ १६ ४९		१ ३५	० ६	९९ ४८	१०१ ३४		१६ ५६	२४ ५९		१६ ११	१२ ५५

बुध

जून–जुलई सन १९३८ इ. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं	अ. क.	अं.	अं. क.
२७	३० चं	५१९६	७९·८७	२६·३३	१३·४०	९३·२७	०·३२०१	६८·६३	९३·११	६ ३१	२१·३७	५ ४
२८	१ मं	५१९७	८३·९६	३०·४२	+१५·१०	९९·०६	०·३२४०	७४·४२	९८·९४	+६ ४४	२६·२४	+ ६ १५
२९	२ बु	५१९८	८८·०५	३४·५१	१६·३४	१०४·६९	०·३२८४	८०·०५	१०४·६०	६ ५४	३०·९५	७ २५
३०	३ गु	५१९९	९२·१५	३८·६०	१८·०३	११०·१८	०·३३३१	८५·५४	११०·१४	६ ५९	३५·५४	८ ३३
१	४ शु	५२००	९६·२४	४२·७०	१९·२८	११५·५२	०·३३८०	९०·८८	११५·५१	७ ०	३९·९५	९ ३९
२	५ श	५२०१	१००·३३	४६·७९	२०·३६	१२०·६९	०·३४३४	९६·०५	१२०·७३	६ ५८	४४·२२	१० ४४
३	६ र	५२०२	१०४·४२	५०·८८	२१·२८	१२५·७०	०·३४८८	१०१·०६	१२५·७७	६ ५२	४८·३१	११ ४७
४	७ चं	५२०३	१०८·५१	५४·९७	२२·०३	१३०·५४	०·३५४४	१०५·९०	१३०·६५	६ ४०	५२·२३	१२ ४८
५	८ मं	५२०४	११२·६१	५९·०७	२२·६६	१३५·२७	०·३६०१	११०·६३	१३५·४०	६ ३३	५६·०३	१३ ४७
६	९ बु	५२०५	११६·७०	६३·१६	२३·१२	१३९·८२	०·३६५८	११५·१८	१३९·१८	६ २०	५९·६६	१४ ४३
७	१० गु	५२०६	१२०·७९	६७·२५	२३·४४	१४४·२३	०·३७१६	११९·५९	१४४·४३	६ ६	६३·१५	१५ ३८
८	११ शु	५२०७	१२४·८९	७१·३४	२३·६३	१४८·५३	०·३७७४	१२३·८९	१४८·७१	५ ४८	६६·४८	१६ ३१
९	१२ श	५२०८	१२८·९८	७५·४३	२३·६८	१५२·६६	०·३८३२	१२८·०२	१५२·८७	५ ३१	६९·६९	१७ २२
१०	१३ र	५२०९	१३३·०७	७९·५३	२३·६२	१५६·६९	०·३८८९	१३२·०५	१५६·९१	५ १२	७२·७७	१८ १२
११	१४ चं	५२१०	१३७·१६	८३·६२	२३·४४	१६०·६०	०·३९४५	१३५·९६	१६०·८३	४ ५२	७५·७४	१८ ५७
१२	१५ मं	५२११	१४१·१५	८७·७१	२३·१५	१६४·४०	०·४०००	१३९·७६	१६४·८३	४ ३१	७८·५९	१९ ४१
१३	१ बु	५२१२	१४५·३५	९१·८०	२२·७५	१६८·१०	०·४०५३	१४३·४६	१६८·३२	४ १०	८१·३२	२० २४
१४	२ गु	५२१३	१४९·४४	९५·८९	२२·२७	१७१·७१	०·४१०५	१४७·०७	१७१·९२	३ ४८	८३·९७	२१ ४
१५	३ शु	५२१४	१५३·५३	९९·९९	२१·६८	१७५·२१	०·४१५६	१५०·५७	१७५·४२	३ २६	८६·५१	२१ ४३
१६	४ श	५२१५	१५७·६२	१०४·०८	२१·०३	१७८·६५	०·४२०५	१५४·०१	१७८·८३	३ ४	८८·९७	२२ १९
१७	५ र	५२१६	१६१·७२	१०८·१७	२०·२८	१८२·००	०·४२५१	१५८·३६	१८२·१६	२ ४१	९१ ३५	२२ ५४
१८	६ चं	५२१७	१६५·८१	११२·२६	१९·४९	१८५·३०	०·४२९६	१६०·६६	१८५·४३	२ १९	९३·६६	२३ २६
१९	७ मं	५२१८	१६९·९०	११६·३६	१८·६२	१८८·५२	०·४३३८	१६३·८८	१८८·६३	१ ५६	९५·९१	२३ ५७
२०	८ बु	५२१९	१७४·००	१२०·४५	१७·६९	१९१·६९	०·४३७७	१६७·०५	१९१·७६	१ ३४	९७·०८	२४ २५
२१	९ गु	५२२०	१७८·०९	१२४·५४	१६·७०	१९४·७९	०·४४१५	१७०·१५	१९४·८४	१ १०	१००·२१	२४ ५१
२२	१० शु	५२२१	१८२·१८	१२८·६३	१५·६६	१९७·८४	०·४४५०	१७३·२०	१९७·८८	० ५०	१०२·३०	२५ १६
२३	११ श	५२२२	१८६·२७	१३२·७२	१४·५८	२००·८५	०·४४८२	१७६·२१	२००·८९	० २८	१०४·२६	२५ ३८
२४	१२ र	५२२३	१९०·३६	१३६·८२	१३·४५	२०३·८१	०·४५१३	१७९·१७	२०३·८२	+० ६	१०६·३३	२५ ५९
२५	१३ चं	५२२४	१९४·४६	१४०·९१	१२·२९	२०६·७५	०·४५४१	१८२·११	२०६·७३	−० १५	१०८·२८	२६ १६
२६	१४ मं	५२२५	१९८·५५	१४५·००	११·०८	२०९·६३	०·४५६६	१८४·९९	२०९·६१	० ३६	११०·२१	२६ ३२
२७	३० बु	५२२६	२०२·६४	१४९·०९	+ ९·८६	२१२·५०	०·४५८७	१८७·८६	२१२·४४	० ५७	११२·०८	+२६ ४३

जून–जुलई सन १९३८ ई. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा.अ क.	अं क.	अं. क.	अं.क.	अ. क.	अं. क.	अं.क	घ. प.	अ. क	अं.क	घ. प.	स्टॅ. घं.म.
२७	२ १६ ४९	२ ९	१ ३५	० ५	९९ ४८	१०१ ३४	२ २०	१६ ५६	२४ ५९	० १४	१६ ११	१२ ५५
२८	२ १८ ५८	+२ ७	+१ ४०	० ४	१०१ ५७	१०३ ५४	२ २०	१७ १९	+२४ ३५	० १०	१६ २४	१३ १
२९	२ २१ ५	२ ५	१ ४४	० ३	१०४ ४	१०६ १४	२ १९	१७ ४२	२४ २५	० १०	१६ ३७	१३ ६
३०	२ २३ ९	२ ३	१ ४७	० ३	१०६ ८	१०८ ३३	२ १८	१८ ६	२४ १५	० १३	१६ ५२	१३ १२
१	२ २५ १२	२ ३	१ ५०	० २	१०८ ११	११० ५१	२ १७	१८ २९	२४ २	० १५	१७ ५	१३ १७
२	२ २७ १५	२ ०	१ ५२	० १	११० १४	११३ ८	२ १६	१८ ५१	२३ ४७	० १८	१७ १७	१३ २२
३	२ २९ १५	१ ५८	१ ५३	० ०	११२ १४	११५ २४	२ १४	१९ १४	२३ २९	० २०	१७ ३०	१३ २५
४	३ १ १३	१ ५६	१ ५३	० ०	११४ १२	११७ ३८	२ १०	१९ ३६	२३ ९	० २३	१७ ४२	१३ ३२
५	३ ३ ९	१ ५४	१ ५३	० १	११६ ८	११९ ४८	२ ५	१९ ५८	२२ ४६	० २६	१७ ५४	१३ ३७
६	३ ५ ३	१ ५२	१ ५२	० २	११८ २	१२१ ५३	१ ५९	२० १९	२२ २०	० २७	१८ ६	१३ ४१
७	३ ६ ५५	१ ५०	१ ५०	० २	११९ ५४	१२३ ५२	१ ५१	२० ३९	२१ ५३	० २८	१८ १६	१३ ४६
८	३ ८ ४५	१ ४८	१ ४८	० ३	१२१ ४४	१२५ ४३	१ ५०	२१ ५७	२१ २५	० २९	१८ २४	१३ ४९
९	३ १० ३३	१ ४७	१ ४५	० ३	१२३ ३२	१२७ ३३	१ ४८	२१ १६	२० ५६	० २८	१८ ३३	१३ ५२
१०	३ १२ २०	१ ४४	१ ४२	० ४	१२५ १९	१२९ २१	१ ४४	२१ ३४	२० २८	० २८	१८ ४१	१३ ५५
११	३ १४ ४	१ ४२	१ ३८	० ५	१२७ ३	१३१ ०५	१ ४०	२१ ५१	२० ०	० २९	१८ ४८	१३ ५८
१२	३ १५ ४६	१ ३९	१ ३३	० ५	१२८ ४५	१३२ ४५	१ ३८	२२ ८	१९ ३१	० ३०	१८ ५५	१४ १
१३	३ १७ २५	१ ३७	१ २८	० ६	१३० २४	१३४ २२	१ ३४	२२ २४	१९ १	० ३१	१९ १	१४ ३
१४	३ १९ २	१ ३५	१ २२	० ६	१३२ १	१३५ ५७	१ ३२	२२ ४०	१८ ३०	० ३२	१९ ८	१४ ६
१५	३ २० ३७	१ ३४	१ १६	० ६	१३३ ३६	१३७ २९	१ ३०	२२ ५५	१७ ५८	० ३३	१९ १३	१४ ८
१६	३ २२ ११	१ ३२	१ १०	० ७	१३५ १०	१३८ ५९	१ २९	२३ १०	१७ २५	० ३४	१९ १८	१४ १०
१७	३ २३ ४३	१ ३०	१ ३	० ८	१३६ ४२	१४० २८	१ २८	२३ २५	१६ ५१	० ३५	१९ २३	१४ १२
१८	३ २५ १३	१ २८	० ५५	० ७	१३८ १२	१४१ ५६	१ २६	२३ ३९	१६ १६	० ३४	१९ २७	१४ १४
१९	३ २६ ४१	१ २६	० ४८	० ९	१३९ ४०	१४३ २२	१ २३	२३ ५४	१५ ४२	० ३३	१९ ३२	१४ १६
२०	३ २८ ७	१ २३	० ३९	० ८	१४१ ६	१४४ ४५	१ २०	२४ ८	१५ ९	० ३४	१९ ३६	१४ १७
२१	३ २९ ३०	१ २१	० ३१	० ९	१४२ २९	१४६ ५	१ १७	२४ २१	१४ ३५	० ३५	१९ ४०	१४ १९
२२	४ ० ५१	१ १९	० २२	० १०	१४३ ५०	१४७ २२	१ १४	२४ ३४	१४ ०	० ३४	१९ ४३	१४ २०
२३	४ २ १०	१ १८	० १२	० ९	१४५ ९	१४८ ३६	१ ४	२४ ४६	१३ २६	० ३४	१९ ४५	१४ २१
२४	४ ३ २८	१ १५	+० ३	० १०	१४६ २७	१४९ ४०	० ५९	२४ ५७	१२ ५२	० ३४	१९ ४६	१४ २१
२५	४ ४ ४३	१ १३	−० ७	० १०	१४७ ४२	१५० ३९	० ५७	२५ ७	१२ १८	० ३४	१९ ४६	१४ २१
२६	४ ५ ५६	+१ ११	० १७	० ११	१४८ ५५	१५१ ३६	० ५४	२५ १६	११ ३४	० ३४	१९ ४५	१४ २१
२७	४ ७ ७		−० २८		१५० ६	१५२ ३०		२५ २५	+११ ००		१९ ४४	१४ २१

बुध

जुलाई–अगस्त सन १९३८ इ.   श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं	अं.	अं. क.	अं.	अं
२७	३० बु	५२२६	२०२·६४	१४१·०१	९·८६	२१२·५०	०·४५८७	१८७·८६	२१२·४४	० ५७	११२·८	२६
२८	२ गु	५२२७	२०६·७३	१५३·११	+ ८·६०	२१५·३३	०·४६०७	१९०·६९	२१५·२५	–१ १८	११३·९२	२६
२९	३ शु	५२२८	२१०·८२	१५७·२८	७·३४	२१८·१६	०·४६२४	१९२·८०	२१८·०५	१ ३८	११५ ७८	२७
३०	४ श	५२२९	२१४·९१	१६१·३८	६·०३	२२०·९४	०·४६३८	१९५·५८	२२०·८३	१ ५८	११७·६१	२७
३१	५ र	५२३०	२१९ ००	१६५·४७	४·७२	२२३·७२	०·४६४९	१९८·३६	२२३·५९	२ १७	११९·४१	२७
१	६ चं	५२३१	२२३·०९	१६९·५६	३·५८	२२६·५०	०·४६५८	२०१·१४	२२६·३६	२ ३६	१२१·२१	२७
२	७ मं	५२३२	२२७·१८	१७३·६५	२·२६	२२९·२६	०·४६६४	२०३·९०	२२९·१०	२ ५५	१२३· ०	२७
३	८ ब	५२३३	२३१·२८	१७७·७४	+ ०·७५	२३२·७३	०·४६६७	२०६·६७	२३१·८५	३ १३	१२४ ८०	२७
४	९ गु	५२३४	२३५·३७	१८१·८३	+ ०·६१	२३४·७६	०·४६६५	२०९·४०	२३४·५९	३ ३०	१२६·५८	२६
५	१० शु	५२३५	२३९·४६	१८५·९३	१·९४	२३७·५२	०·४६६४	२१२·१६	२३७·३४	३ ४८	१२८·३७	२६
६	११ श	५२३६	२४३·५५	१९०·०२	३·२७	२४०·२८	०·४६५९	२१४·९२	२४०·१०	४ ४	१३०·१७	२६
७	१२ र	५२३७	२४७·६५	१९४·११	४·५९	२४३·०६	०·४६५१	२१७·७०	२४२·८६	४ २०	१३१·९७	२६
८	१३ चं	५२३८	२५१·७४	१९८·२०	५·९०	२४५·८४	०·४६३९	२२०·४८	२४५·६३	४ ३६	१३३·७९	२५
९	१३ मं	५२३९	२५५·८३	२०२·३०	७·२१	२४८·६२	०·४६२६	२२३·२६	२४८·४३	४ ५१	१३५·६३	२५
१०	१४ बु	५२४०	२५९·९२	२०६·३९	८·४८	२५१ ४४	०·४६०९	२२६·०८	२५१·२२	५ ६	१३७·४७	२४
११	१५ गु	५२४१	२६४·०१	२१०·४८	९·७४	२५४·२७	०·४५९०	२२८·९१	२५४·०८	५ २०	१३९·३६	२४
१२	१ शु	५२४२	२६८·११	२१४·५७	–१०·९५	२५७·१६	०·४५६९	२३१·८०	२५६·९४	५ ३३	१४१·२६	२३
१३	२ श	५२४३	२६२·२०	२१८·६६	१२·१६	२६०·०४	०·४५४३	२३४·६८	२५९·८४	५ ४५	१४३·२०	२२
१४	३ र	५२४४	२७६·२९	२२२·७६	१३·३२	२६२·९७	०·४५१६	२३७·६१	२६२·७८	५ ५७	१४५·१८	२१
१५	४ चं	५२४५	२८०·३८	२२६·८५	१४·४६	२६५·९२	०·४४८६	२४०·५६	२६५·७५	६ ८	१४७·१९	२०
१६	५ मं	५२४६	२८४·४८	२३०·९४	१५·५५	२६८·९३	०·४४५३	२४३·५७	२६८·७७	६ १८	१४९·२५	१९
१७	६ बु	५२४७	२८८·५७	२३५·०३	१६·५९	२७१·९८	०·४४१९	२४६·६२	२७१·८३	६ २७	१५१·३५	१८
१८	७ गु	५२४८	२९२·६६	२३०·१३	१७·५९	२७५·०७	०·४३८१	२४९·७३	२७४·९५	६ ३६	१५३·५१	१७
१९	८ शु	५२४९	२९६·७५	२४३·२२	+१८·५२	२७८·२३	०·४३४२	२५२·८७	२७८·११	६ ४३	१५५·७०	१६
२०	९ श	५२५०	३००·८४	२४७·३१	१९·४०	२८१·४४	०·४३०१	२५६·०८	२८१·३५	६ ४९	१५७·९८	१४
२१	१० र	५२५१	३०४·९४	२५१·४०	२०·२१	२८४·७३	०·४२५६	२५९·३७	२८४·६६	६ ५४	१६०·३३	१३
२२	१२ चं	५२५२	३०९·०३	२५५·४२	२०·९६	२८८·०७	०·४२१०	२६२·७१	२८८·०३	६ ५७	१६२·७४	११
२३	१३ मं	५२५३	३१३·१२	२५९·५९	२१·६२	२९१·५०	०·४१६१	२६६·१४	२९१·४८	७ ०	१६५·२२	९
२४	१४ बु	५२५४	३१७·२१	२६३·६८	२२·२१	२९५·००	०·४१११	२६९·६४	२९५·०१	७ ०	१६७·७९	८
२५	३० गु	५२५५	३२१·३०	२७६·७७	२२·७१	२९९·५९	०·४०५९	२७४·२३	२९८·६४	–६ ५८	१७०·४५	६

जुलई-अगस्त सन १९३८ इ.   श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल			
	रा.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क	अं.	क	घ.	प.	अं.	क.	अं.	क	घ.	प.	स्टॅं. घं	मि
२७	४	७	७	+१	८	−०	२८	०	११	१५०	६	१५२	३०	०	५०	२५	२५	+११	०	०	३४	१९	४४	१४	२१
२८	४	८	१५	१	६	०	३९	०	११	१५१	१४	१५३	२०	०	४९	२५	३३	१०	२६	०	३१	१९	४३	१४	२०
२९	४	९	२१	१	४	०	५०	०	११	१५२	२०	१५४	९	०	४८	२५	४२	९	५५	०	३०	१९	४२	१४	२०
३०	४	१०	२५	१	०	१	१	०	११	१५३	२४	१५४	५७	०	४५	२५	५०	९	२५	०	३०	१९	४०	१४	१९
३१	४	११	२५	०	५८	१	१२	०	१२	१५४	२४	१५५	४२	०	४३	२५	५७	८	५५	०	३०	१९	३७	१४	१८
१	४	१२	२३	०	५५	१	२४	०	११	१५५	२२	१५६	२५	०	४०	२६	४	८	२५	०	३०	१९	३४	१४	१७
२	४	१३	१८	०	५२	१	३५	०	१२	१५६	१७	१५७	५	०	३९	२६	११	७	५५	०	३०	१९	३१	१४	१५
३	४	१४	१०	+०	४९	−१	४७	०	१२	१५७	९	१५७	४४	०	३७	२६	१७	+७	२५	०	३०	१९	२७	१४	१४
४	४	१४	५९	०	४५	१	५९	०	१२	१५७	५८	१५८	२३	०	३६	२६	२४	६	५५	०	३०	१९	२५	१४	१३
५	४	१५	४४	०	४२	२	११	०	१२	१५८	४३	१५८	५७	०	३४	२६	३०	६	२५	०	३०	१९	२१	१४	११
६	४	१६	२६	०	३८	२	२३	०	१२	१५९	२५	१५९	३१	०	३३	२६	३५	५	५५	०	३०	१९	१६	१४	९
७	४	१७	४	०	३४	२	३५	०	१२	१६०	३	१६०	४	०	३०	२६	४१	५	२५	०	१६	१९	१२	१४	८
८	४	१७	३८	०	३१	२	४७	०	१२	१६०	३६	१६०	३४	०	२५	२६	४६	५	९	०	२०	१९	७	१४	६
९	४	१८	९	०	२५	२	५९	०	११	१६१	८	१६०	५९	०	२१	२६	५०	४	४९	०	२०	१९	१	१४	३
१०	४	१८	३४	०	२१	३	१०	०	१२	१६१	३३	१६१	२०	०	१५	२६	५३	४	२९	०	२०	१८	५५	१४	१
११	४	१८	५५	०	१७	३	२२	०	११	१६१	५४	१६१	३५	०	७	२६	५६	४	९	०	१९	१८	४८	१३	५८
१२	४	१९	१२	०	१२	−३	३३	०	१०	१६२	११	१६१	५२	०	२	२६	५७	+३	५०	०	१६	१८	३९	१३	५५
१३	४	१९	२४	०	५	३	४३	०	१०	१६२	२३	१६१	४४	०	०	२६	५७	३	३४	०	१३	१८	२९	१३	५१
१४	४	१९	२९	+०	०	३	५३	०	१०	१६२	२८	१६१	४४	०	४	२६	५७	३	२१	०	११	१८	१९	१३	४७
१५	४	१९	२९	−०	६	४	३	०	९	१६२	२८	१६१	४०	०	१२	२६	५७	३	१०	०	८	१८	९	१३	४३
१६	४	१९	२३	०	९	४	१२	०	८	१६२	२२	१६१	२८	०	१८	२६	५५	३	२	०	७	१७	५७	१३	३६
१७	४	१९	१४	०	१५	४	२०	०	८	१६२	१३	१६१	१०	०	२०	२६	५२	२	५५	०	२	१७	४६	१३	३३
१८	४	१८	५९	०	२४	४	२८	०	६	१६१	५८	१६०	५०	०	२२	२६	४८	२	५३	०	३	१७	३१	१३	२५
१९	४	१८	३५	−०	२८	−४	३४	०	४	१६१	३४	१६०	२८	०	२५	२६	४५	+२	५६	०	७	१७	१८	१३	२२
२०	४	१८	७	०	३५	४	३८	०	३	१६१	६	१६०	३	०	३०	२६	४१	३	३	०	११	१७	४	१३	१६
२१	४	१७	३२	०	४१	४	४१	०	१	१६०	३१	१५९	३३	०	३३	२६	३६	३	१४	०	१४	१६	४९	१३	११
२२	४	१६	५१	०	४४	४	४२	०	०	१५९	५०	१५९	०	०	३६	२६	३०	३	२८	०	१७	१६	३३	१३	४
२३	४	१६	७	०	४७	४	४२	०	२	१५९	६	१५८	२४	०	३९	२६	२४	३	४५	०	२०	१६	१७	१२	५८
२४	४	१५	२०	−०	५१	४	४०	०	३	१५८	१९	१५७	४५	०	४१	२६	१८	४	५	०	२४	१६	१	१२	५१
२५	४	२४	२९			४	३७			१५७	२८	१५७	४			२६	११	४	२९			१५	४५	१२	४५

बुध

अगस्त-सितंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभांकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.	अं.	अ.	अं.	अं.क.	अ.	अ. क.
२५	३० गु	५२५५	३२१.३०	२६७.७७	२२.७१	२९९.५९	०.४०५९	२७४.२३	२९८.६४	६ ५८	१७०.४५	६ १०
२६	१ शु	५२५६	३२५.४०	२७१.८६	-२३.०२	३०२.३८	०.४००६	२७७.०२	३०२.३३	-६ ५६	१७३.१८	४ २७
२७	२ श	५२५७	३२९.४९	२७५.९६	२३.४१	३०६.०८	०.३९५०	२८१.४४	३०६.१६	६ ५२	१७६.४	+ २ ३२
२८	३ र	५२५८	३३३.५९	२८०.०५	२३.६०	३०९.९९	१.३८९६	२८५.३५	३१०.१०	६ ४५	१७९.२	+ ० ३६
२९	४ चं	५२५९	३३७.६८	२८४.१५	२३.६८	३१४.००	०.३८३८	२८९.३६	३१४.१३	६ ३६	१८२.८	- १ १६
३०	५ मं	५२६०	३४१.७७	२८८.२४	२३.६४	३१८.१३	०.३७८०	२९३.४९	३१८.२९	६ २५	१८५.२७	३ ८
३१	६ बु	५२६१	३४५.८७	२९२.३३	२३ ४६	३२२.४१	०.३७२२	२९७.७७	३२२.५५	६ ११	१८८.५७	४ ५६
१	७ गु	५२६२	३४९.९६	२९६.४२	२३.१५	३२६.८१	०.३६६४	३०२.१७	३२६.९९	५ ५५	१९२.४	६ ४२
२	८ शु	५२६३	३५४.०५	३००.५१	२२.७१	३३१.३४	०.३६०७	३०६.७०	३३१.५३	५ ३७	१९५.६१	८ २०
३	९ श	५२६४	३५८.१४	३०४.६१	२२.११	३३६.०३	०.३५५०	३११.३९	३३६.२३	५ १५	१९९.३४	९ ५०
४	१० र	५२६५	२.२४	३०८.७०	२१.१६	३४१.०८	०.३४९३	३१६.४४	३४१.०७	४ ४९	२०३.२२	११ २०
५	११ चं	५२६६	६.३३	३१२.७९	२०.४६	३४५.८७	०.३४३९	३२१.२३	३४६.०६	४ २३	२०७.२४	१२ ३८
६	१२ मं	५२६७	१०.४२	३१६.८८	१९.४०	३५१.०२	०.३३८६	३२६.३८	३५१.२१	३ ५२	२११.४२	१३ ४८
७	१३ बु	५२६८	१४.५२	३२०.९७	१८.१७	३५६.३५	०.३३३५	३३१.७१	३५६.५१	३ १९	२१५.७५	१४ ४८
८	१४ गु	५२६९	१८.६१	३२५.०७	१६.८०	१.८१	०.३२८८	३३७.१७	१.९४	२ ४२	२२०.२०	१५ ४०
९	१५ शु	५२७०	२२.७०	३२९.१६	१५.२६	७.४४	०.३२४४	३४२.८०	७.५३	२ ४	२२४.८२	१६ २४
१०	१ श	५२७१	२६.७९	३३३.२५	१३.५८	१३.२१	.०३२०५	३४८.५७	१३.२६	१ २३	२२९.५८	१६ ५५
११	२ र	५२७२	३०.८८	३३७.३४	११.७७	१९.११	०.३१७१	३५४.४७	१९.१५	-० ४०	२३४.५०	१७ २५
१२	३ चं	५२७३	३४.९८	३४१.४३	९.८३	२५.१५	०.३१४०	०.५१	२५.१३	+० ३७	२३९.५१	१७ ४३
१३	४ मं	५२७४	३९.०७	३४५.५६	७.७९	३१.२८	०.३११५	६.६४	३१.२६	० ४९	२४४.६६	१७ ५३
१४	५ बु	५२७५	४३.१६	३४९.६२	५.६४	३७.५२	०.३०९५	१२.८८	३७.४२	१ ३३	२४९.८५	१७ ५६
१५	६ गु	५२७६	४७.२५	३५३.७१	३.४६	४३.७९	०.३०८३	१९.१५	४३.६७	२ १७	२५५.१३	१७ ५६
१६	७ शु	५२७७	५१.३५	३५७.८१	- १.२१	५०.१४	०.३०७६	२५.५०	४९.९७	३ ०	२६०.४५	१७ ३८
१७	८ श	५२७८	५५.४४	१.९०	+ १.०५	५६.४९	०.३०७६	३१.८५	५६.३२	३ ४१	२६५.८३	१७ २०
१८	९ र	५२७९	५९.५३	५.९९	३.२९	६२.८२	०.३०८२	३८.१८	६२.६२	४ १९	२७१.१५	१६ ५७
१९	१० चं	५२८०	६३.६३	१०.०८	५.४८	६९.११	०.३०९४	४४.४७	६८.९१	४ ५४	२७६.४६	१६ ३०
२०	११ मं	५२८१	६७.७२	१४.१७	७.६३	७५.३२	०.३११३	५०.६८	७५.१५	५ २५	२८२.५३	१५ ५६
२१	१२ बु	५२८२	७१.८१	१८.२६	९.६८	८१.६९	०.३१३८	५७.०५	८१.३०	५ ५२	२८६.९०	१५ २०
२२	१३ गु	५२८३	७५.९०	२२.३६	११.६३	८७.५३	०.३१६८	६२.८९	८७.३६	६ १३	२९१.९८	१४ ४७
२३	३० शु	५२८४	७९.९९	२६.४५	+१३.४५	९३.४४	०.३२०२	६८.८०	९३.३१	६ ३१	२९६.९५	१३ ५६

अगस्त-सितंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह (रा. अं क.)	गति (अं. क.)	भूमध्य दृश्य शर (अं. क.)	गति (अ. क.)	सायनभोग (अ. क.)	विषुवांश (अ. क.)	गति (अ. क.)	विषुवकाल (घ. प.)	क्रांति (अ. क)	गति (अं. क.)	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल (घ. प)	स्टैं. घं. मि.
२५	४ १४ २९	−० ५४	−४ ३७	० ६	१५७ २८	१५७ १४	० ४३	२६ ११	+ ४ २९	० २७	१५ ४५	१२ ४५
२६	४ १३ ३५	−० ५६	−४ ३१	० ७	१५६ ३४	१५६ २१	० ४५	२६ ४	+ ४ ५६	० ३०	१५ २८	१२ ३८
२७	४ १२ ३९	० ५६	४ २४	० १५	१५५ ३८	१५५ ३६	० ४७	२५ ५६	५ २६	० ३०	१५ १०	१२ ३१
२८	४ ११ ४३	० ५५	४ ९	० १३	१५४ ४२	१५४ ४८	० ४६	२५ ४८	५ ५६	० २९	१४ ५२	१२ २४
२९	४ १० ४८	० ५४	३ ६	० १८	१५३ ४७	१५४ ३	० ४०	२५ ४१	६ २५	० २८	१४ ३५	१२ १७
३०	४ ९ ५४	० ५१	३ ४८	० १७	१५२ ५३	१५३ २३	० ३४	२५ ३४	६ ५४	० २६	१४ १८	१२ १०
३१	४ ९ ३	० ४७	३ ३१	० १५	१५२ २	१५२ ४९	० ३०	२५ २८	७ २०	० २५	१४ २	१२ ४
१	४ ८ १६	० ४१	३ १६	० १६	१५१ १५	१५२ १९	० २७	२५ २३	७ ४५	० २५	१३ ४८	११ ५८
२	४ ७ ३५	−० ३५	−३ ०	० १६	१५० ३४	१५१ ५२	० २३	२५ १९	+ ८ १०	० २४	१३ ३४	११ ५२
३	४ ७ ०	० २८	२ ४४	० २०	१४९ ५९	१५१ २९	० १९	२५ १५	८ ३४	० २४	१३ २०	११ ४७
४	४ ६ ३२	० २०	२ २४	० १९	१४९ ३१	१५१ १०	० १२	२५ १२	८ ५८	० २३	१३ ७	११ ४२
५	४ ६ १२	० १२	२ ५	० १९	१४९ ११	१५० ५८	० १२	२५ १०	९ २१	० २१	१२ ५५	११ ३७
६	४ ६ ०	−० ३	१ ४६	० १९	१४८ ५९	१५० ४६	० ६	२५ ८	१० ४२	० २१	१२ ४३	११ ३२
७	४ ५ ५७	+० ६	१ २७	० १९	१४८ ५६	१५० ४०	० २३	२५ ७	११ ३	० १५	१२ ३२	११ २८
८	४ ६ ३	० १५	१ ८	० १८	१४९ २	१५१ ३	० २७	२५ ११	११ १८	० ११	१२ २७	११ २६
९	४ ६ १८	० २४	० ५०	० १८	१४९ १७	१५१ ३०	० ३२	२५ १५	११ २९	० ९	१२ २१	११ २३
१०	४ ६ ४२	+० ३२	−० ३२	० १७	१४९ ४१	१५२ २	० ३६	२५ २०	+११ ३८	० ५	१२ १६	११ २२
११	४ ७ १४	० ४०	−० १५	० १६	१५० १३	१५२ ३८	० ४४	२५ २६	११ ४३	० ०	१२ १२	११ २०
१२	४ ७ ५४	० ४९	+० १	० १६	१५० ४३	१५३ २२	० ५०	२५ ३४	११ ४३	० ११	१२ १०	११ १९
१३	४ ८ ४३	० ५५	० १७	० १४	१५१ १२	१५४ १२	० ५४	२५ ४२	११ ३२	० १५	१२ ८	११ १८
१४	४ ९ ३८	१ ५	० ३१	० १३	१५२ ३७	१५५ ६	० ५९	२५ ५१	११ १७	० १८	१२ ७	११ १८
१५	४ १० ४३	१ १०	० ४४	० ११	१५३ ४२	१५६ ५	१ १	२६ १	१० ५९	० २३	१२ ८	११ १८
१६	४ ११ ५३	१ १७	० ५६	० १०	१५४ ५२	१५७ ६	१ १४	२६ ११	१० ३६	० २४	१२ ८	११ १८
१७	४ १३ १०	+१ २१	+१ ६	० ९	१५६ ९	१५८ २०	१ २०	२६ २३	+१० १२	० २६	१२ १०	११ १९
१८	४ १४ ३१	१ २७	१ १५	० ९	१५७ ३०	१५९ ४०	१ २५	२६ ३७	९ ५७	० २६	१२ १४	११ २१
१९	४ १५ ५८	१ ३१	१ २४	० ७	१५८ ५७	१६१ ५	१ २८	२६ ५१	९ ३१	० २८	१२ १८	११ २२
२०	४ १७ २९	१ ३५	१ ३१	० ६	१६० २८	१६२ ३३	१ ३१	२७ ६	९ ३	० ३०	१२ २३	११ २४
२१	४ १९ ४	१ ३८	१ ३७	० ५	१६२ ३	१६४ ४	१ ३४	२७ २१	८ ३३	० ३४	१२ २८	११ २६
२२	४ २० ४२	१ ४५	१ ४२	० ४	१६३ ४१	१६५ ३८	१ ३५	२७ ३६	७ ५९	० ३६	१२ ३४	११ २९
२३	४ २२ २३		१ ४६		१६५ २२	१६७ १३		२७ ५२	७ २३		१२ ४०	११ ३१

बुध

सितम्बर-अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अ.	अ.		अं.	अं.	अं. क	अ	अ. क.
२३	३० शु	५२८४	७९·९९	२६·४५	+१३·४५	९३·४४	०·३२०२	६८·८०	९३·३१	+६ ३१	२९६·९५	-१३ ५६
२४	१ श	५२८५	८४·०९	३०·५४	+१५·१५	९९·२४	०·३२४१	७४·६०	९९·१२	+६ ४५	३०१·७८	-१३ १३
२५	२ र	५२८६	८८·१८	३४·६४	१६·६९	१०४·८७	०·३२८४	८०·२३	१०४·७९	६ ५४	३०६·४७	१२ २६
२६	३ चं	५२८७	९२·९७	३८·७३	१८·०८	११०·३५	०·३३३२	८५·७१	११०·३२	६ ५९	३११·०२	११ ३८
२७	४ मं	५२८८	९६·३७	४२·८२	१९·३१	११५·६८	०·३३८२	९१·०४	११५·६७	७ ०	३१५·३९	१० ४९
२८	५ बु	५२८९	१००·४६	४६·९२	२०·३९	१२०·८५	०·३४३५	९६·२१	१२०·८९	६ ५७	३१९·६३	१० ०
२९	६ गु	५२९०	१०४·५५	५१·०१	२१·३०	१२५·८५	०·३४८९	१०१·२१	१२५·९२	६ ५२	३२३·६८	९ ९
३०	७ शु	५२९१	१०८·६४	५५·१०	२२·०६	१३०·७०	०·३५४५	१०६·०६	१३०·८०	६ ४४	३२७·५८	८ ११
१	८ श	५२९२	११२·७४	५९·१९	+२२·६७	१३५·४१	०·३६०३	११०·७७	१३५·५५	+६ ३३	३३१·३४	- ७ २१
२	९ र	५२९३	११६·८३	६३·२८	२३·१३	१३९·९६	०·३६६०	११५·३२	१४०·१०	६ २१	३३४·९१	६ ३१
३	९ च	५२९४	१२०·९२	६६·३८	२३·४५	१४४·३७	०·३७१८	११९·७३	१४४·५४	६ ७	३३८·३७	५ ४८
४	१० मं	५२९५	१२५·०१	७१·४७	२३·६३	१४८·६४	०·३७७६	१२४·००	१४८·८२	५ ४८	३४१·६६	५ ०
५	११ बु	५२९६	१२९·१०	७५·५६	२३·६८	१५२·७८	०·३८३४	१२८·१४	१५२·९८	५ ३०	३४४·८४	४ ११
६	१२ गु	५२९७	१३३·२०	७९·६५	२३·६१	१५६·८१	०·३८९२	१३२·१७	१५७·०१	५ ११	३४७·८८	३ २३
७	१३ शु	५२९८	१३७·२९	८३·७५	२३·४३	१६०·७२	०·३९४७	१३६·०८	१६०·९२	४ ५१	३५०·८०	२ ३८
८	१४ श	५२९९	१४१·३८	८७·८४	२३·१४	१६४·५२	०·४००२	१३९·८८	१६४ ७२	४ ३०	३५३·६२	१ ४९
९	१५ र	५३००	१४५·४८	९१·९३	२२·७४	१६८·२२	०·४०४२	१४३·५८	१६८·४२	४ ९	३५६·३३	१ ३
१०	१ चं	५३०१	१४९·५७	९६·०२	+२२·२५	१७१·८२	०·४१०७	१४७·१८	१७२·०१	+३ ४७	३५८·९३	- ० १९
११	२ मं	५३०२	१५३·६६	१००·१२	२१ ६७	१७५·३३	०·४१५७	१५०·६९	१७५·५१	३ २५	१·४४	+ ० २५
१२	३ बु	५३०३	१५७·७५	१०४·२१	२१·०१	१७८·७६	०·४२०६	१५४·१२	१७८·९२	३ ३	३·८६	१ ९
१३	४ गु	५३०४	१६१·८४	१०८·३०	२०·२६	१८२·१०	०·४२५२	१५७·४६	१८२·२५	२ ४१	६·२०	१ ५१
१४	५ शु	५३०५	१६५·९४	११२·३९	१९·४६	१८५·४०	०·४२९७	१६०·७६	१८५·५२	२ १९	८·४८	२ ३३
१५	७ श	५३०६	१७०·०३	११६·४९	१८·५८	१८८·६१	०·४३३९	१६३·९७	१८८·७२	१ ५६	१०·६९	३ १४
१६	८ र	५३०७	१७४·१२	१२०·५८	+१७·६६	१९१·७८	०·४३७८	१६७·१४	१९१·८८	+१ ३४	१२·८६	+ ३ ५५
१७	९ चं	५३०८	१७८·२१	१२४·६७	१६·३६	१९४·८७	०·४४१६	१७०·२३	१९४ ९१	१ ११	१४·९४	४ ३४
१८	१० मं	५३०९	१८२·३०	१२८·७७	१५·६३	१९७·९३	०·४४५१	१७३·२९	१९७·३८	० ४९	१६·९७	५ १३
१९	११ बु	५३१०	१८६·४०	१३२·८६	१४·५४	२००·९४	०·४४८३	१७६·३०	२००·९९	० २७	१८·३९	५ ५२
२०	१२ गु	५३११	१९०·४९	१३६·९५	१३·४१	२०३·९०	०·४५११	१७९·२६	२०३·९१	+०	२०·९२	६ २९
२१	१३ शु	५३१२	१९४·५८	१४१·०४	१२·५५	२०७·१३	०·४५४१	१८२·८९	२०६·९२	-० १८	२२·९३	७ ८
२२	१४ श	५३१३	१९८·६७	१४५·१३	११·०४	२०९·७१	०·४५६७	१८५·०७	२०९·३९	० ३७	२४·७१	७ ४२
२३	३० र	५३१४	२०२·७६	१४९·२३	९·८२	२१२·५८	०·४५८७	१८७·९४	२१२·५३	० ५८	२६·५५	+ ८ १९

सितंबर-अक्टूबर सन १९३८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायन भोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं क.	अं. क.	अं. क	घ. प.	अं. क.	अं क.	घ. प.	स्टैं. घं. मि.
२३	४ २२ २३	+१ ४४	+१ ४६	० ३	१६५ २२	१६७ १३	१ ३८	२७ ५२	+ ७ २३	० ३७	१२ ४०	११ ३१
२४	४ २४ ७		१ ४९		१६७ ६	१६८ ५१		२८ ९	६ ४६		१२ ४७	११ ३४
		१ ४६		० २			१ ४२			० ३९		
२५	४ २५ ५३		१ ५१		१६८ ५२	१७० ३३		२८ २६	६ ७		१२ ५४	११ ३७
		१ ४७		० १			१ ४६			० ४२		
२६	४ २७ ४०		१ ५२		१७० ३९	१७२ १९		२८ ४३	५ २५		१३ १	११ ३९
		१ ४८		० ०			१ ४४			० ४३		
२७	४ २९ २८		१ ५२		१७२ २७	१७४ ३		२९ १	४ ४२		१३ ९	११ ४३
		१ ४८		० ०			१ ४१			० ४२		
२८	५ १ १६		१ ५२		१७४ १५	१७६ ४४		२९ १७	४ ०		१३ १५	११ ४५
		१ ४९		० १			१ ३९			० ४१		
२९	५ ३ ५		१ ५१		१७६ ४	१७७ २३		२९ ३४	३ १९		१३ २३	११ ४८
		१ ४९		० २			१ ३७			० ४०		
३०	५ ४ ५४		१ ४९		१७७ ५३	१७९ ००		२९ ५०	२ ३९		१३ २९	११ ५०
		१ ४९		० २			१ ३७			० ३९		
१	५ ६ ४३		+१ ४७		१७९ ४२	१८० ३७		३० ६	२ ००		१३ ३५	११ ५२
		+१ ४९		० ३			१ ३६			० ३८		
२	५ ८ ३३		१ ४४		१८१ ३१	१८२ १३		३० २२	१ २२		१३ ४१	११ ५५
		१ ४९		० ३			१ ३५			० ३८		
३	५ १० २२		१ ४१		१८३ २०	१८३ ४८		३० ३८	० ४४		१३ ४७	११ ५८
		१ ४८		० ४			१ ३३			० ३७		
४	५ १२ ९		१ ३७		१८५ ८	१८५ २१		३० ५४	+ ० ७		१३ ५३	१२ १
		१ ४८		० ४			१ ३२			० ३७		
५	५ १३ ५७		१ ३३		१८६ ५६	१८६ ५३		३१ ९	- ० ३०		१३ ५८	१२ २
		१ ४७		० ५			१ ३२			० ३७		
६	५ १५ ४४		१ २८		१८८ ४३	१८८ ३५		३१ २६	१ ७		१४ ६	१२ ५
		१ ४६		० ५			१ ३१			० ३७		
७	५ १७ ३०		१ २३		१९० २९	१९० ०६		३१ ४१	१ ४४		१४ ११	१२ ७
		१ ४६		० ५			१ ३१			० ३७		
८	५ १९ १६		१ १८		१९२ १५	१९१ ३७		३१ ५६	२ २१		१४ १६	१२ ९
		१ ४५		० ५			१ ३३			० ३८		
९	५ २१ १		१ १३		१९४ ०	१९३ १०		३२ १२	२ ५९		१४ २२	१२ १२
		१ ४५		० ६			१ ३३			० ३९		
१०	५ २२ ४६		+१ ७		१९५ ४५	१९४ ४३		३२ २७	३ ३८		१४ २७	१२ १४
		+१ ४३		० ६			१ ३३			० ४०		
११	५ २४ २९		१ १		१९७ २८	१९६ १६		३२ ४३	४ १८		१४ ३३	१२ १६
		१ ४३		० ७			१ ३३			० ४१		
१२	५ २६ १२		० ५४		१९९ ११	१९७ ४९		३२ ५८	४ ५९		१४ ३८	१२ १८
		१ ४३		० ६			१ ३४			० ४१		
१३	५ २७ ५४		० ४८		२०० ५३	१९९ २३		३३ १४	५ ४०		१४ ४५	१२ २१
		१ ४१		० ६			१ ३४			० ४०		
१४	५ २९ ३५		० ४२		२०२ ३४	२०० ५७		३३ ३०	६ २०		१४ ५१	१२ २४
		१ ४१		० ७			१ ३६			० ४१		
१५	६ १ १६		० ३५		२०४ १५	२०२ ३३		३३ ४६	७ १		१४ ५७	१२ २७
		१ ४०		० ६			१ ३६			० ४२		
१६	६ २ ५६		+० २९		२०५ ५५	२०४ ९		३४ २	८ ४२		१५ १	१२ २८
		+१ ३९		० ७			१ ३५			० ४४		
१७	६ ४ ३५		० २२		२०७ ३४	२०५ ४४		३४ १७	९ २६		१५ ८	२२ ३०
		१ ३८		० ७			१ ३४			० ४२		
१८	६ ६ १३		० १५		२०९ १२	२०७ १८		३४ ३३	१० ८		१५ १४	१२ ३३
		१ ३८		० ७			१ ३४			० ४१		
१९	६ ७ ५१		+० ८		२१० ५०	२०८ ५२		३४ ४९	१० ४९		१५ २०	१२ ३५
		१ ३७		० ७			१ ३०			० ४०		
२०	६ ९ २८		-० १		२१२ २७	२१० २२		३५ ४	११ २९		१५ २६	१२ ३७
		१ ३७		० ५			१ ३३			० ३९		
२१	६ ११ ५		० ६		२१४ ४	२११ ५५		३५ १९	१२ ८		१५ ३१	१२ ३९
		१ ३७		० ६			१ ३३			० ३८		
२२	६ १२ ४२		० १२		२१५ ४१	२१३ २७		३५ ३५	१२ ४६		१५ ३७	१२ ४२
		१ ३६		० ७			१ ३२			० ३७		
२३	६ १४ १८		-० १९		२१७ १७	२१४ ५९		३५ ५०	-१३ २३		१५ ४२	१२ ४४

बुध

सितम्बर-अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अ.	अ.		अं.	अं.	अं. क	अ	अ. क.
२३	३० शु	५२८४	७९·९९	२६·४५	+१३·४५	९३·४४	०·३२०२	६८·८०	९३·३१	+६ ३१	२९६·९५	–१३ ५६
२४	१ श	५२८५	८४·०९	३०·१४	+१५·१५	९९·२४	०·३२४१	७४·६०	९९·१२	+६ ४५	३०१·७८	–१३ १३
२५	२ र	५२८६	८८·१८	३४·६४	१६·६९	१०४·८७	०·३२८४	८०·२३	१०४·७९	६ ५४	३०६·४७	१२ २६
२६	३ चं	५२८७	९२·९७	३८·७३	१८·०८	११०·३५	०·३३३२	८५·७१	११०·३२	६ ५९	३११·०२	११ ३८
२७	४ मं	५२८८	९६·३७	४२·८२	१९·३१	११५·६८	०·३३८२	९१·०४	११५·६७	७ ०	३१५·३९	१० ४९
२८	५ बु	५२८९	१००·४६	४६·९२	२०·३९	१२०·८५	०·३४३५	९६·२१	१२०·८९	६ ५७	३१९·६३	१० ०
२९	६ गु	५२९०	१०४·५५	५१·०१	२१·३०	१२५·८५	०·३४८९	१०१·२१	१२५·९२	६ ५२	३२३·६८	९ ९
३०	७ शु	५२९१	१०८·६४	५५·१०	२२·०६	१३०·७०	०·३५४५	१०६·०६	१३०·८०	६ ४४	३२७·५८	८ १९
१	८ श	५२९२	११२·७४	५९·१९	+२२·६७	१३५·४१	०·३६०३	११०·७७	१३५·५५	+६ ३३	३३१·३४	– ७ २९
२	९ र	५२९३	११६·८३	६३·२८	२३·१३	१३९·९६	०·३६६०	११५·३२	१४०·१०	६ २१	३३४·९१	६ ३९
३	९ च	५२९४	१२०·९२	६६·३८	२३·४५	१४४·३७	०·३७१८	११९·७३	१४४·५४	६ ७	३३८·३७	५ ४८
४	१० मं	५२९५	१२५·०१	७१·४७	२३·६३	१४८·६४	०·३७७६	१२४·००	१४८·८२	५ ४८	३४१·६६	५ ०
५	११ बु	५२९६	१२९·१०	७५·५६	२३·६८	१५२·७८	०·३८३४	१२८·१४	१५२·९८	५ ३०	३४४·८४	४ ११
६	१२ गु	५२९७	१३३·२०	७९·६५	२३·६१	१५६·८१	०·३८९२	१३२·१७	१५७·०१	५ ११	३४७·८८	३ २३
७	१३ शु	५२९८	१३७·२९	८३·७५	२३·४३	१६०·७२	०·३९४७	१३६·०८	१६०·९२	४ ५१	३५०·८०	२ ३८
८	१४ श	५२९९	१४१·३८	८७·८४	२३·१४	१६४·५२	०·४००२	१३९·८८	१६४·७२	४ ३०	३५३·६२	१ ४९
९	१५ र	५३००	१४५·४८	९१·९३	२२·७४	१६८·२२	०·४०४२	१४३·५८	१६८·४२	४ ९	३५६·३३	१ ३
१०	१ चं	५३०१	१४९·५७	९६·०२	+२२·२५	१७१·८२	०·४१०७	१४७·१८	१७२·०१	+३ ४७	३५८·९३	– ० १९
११	२ मं	५३०२	१५३·६६	१००·१२	२१·६७	१७५·३३	०·४१५७	१५०·६९	१७५·५१	३ २५	१·४४	+ ० २५
१२	३ बु	५३०३	१५७·७५	१०४·२१	२१·०१	१७८·७६	०·४२०६	१५४·१२	१७८·९२	३ ३	३·८६	१ ९
१३	४ गु	५३०४	१६१·८४	१०८·३०	२०·२६	१८२·१०	०·४२५२	१५७·४६	१८२·२५	२ ४१	६·२०	१ ५१
१४	५ शु	५३०५	१६५·९४	११२·३९	१९·४६	१८५·४०	०·४२९७	१६०·७६	१८५·५२	२ १९	८·४८	२ ३३
१५	७ श	५३०६	१७०·०३	११६·४९	१८·५८	१८८·६१	०·४३३९	१६३·९७	१८८·७२	१ ५६	१०·६९	३ १४
१६	८ र	५३०७	१७४·१२	१२०·५८	+१७·६६	१९१·७८	०·४३७८	१६७·१४	१९१·८८	+१ ३४	१२·८६	+ ३ ५५
१७	९ चं	५३०८	१७८·२१	१२४·६७	१६·६६	१९४·८७	०·४४१६	१७०·२३	१९४·९१	१ ११	१४·९४	४ ३४
१८	१० मं	५३०९	१८२·३०	१२८·७७	१५·६३	१९७·९३	०·४४५१	१७३·२९	१९७·९८	० ४९	१६·९७	५ १३
१९	११ बु	५३१०	१८६·४०	१३२·८६	१४·५४	२००·९४	०·४४८३	१७६·३०	२००·९९	० २७	१८·९१	५ ५२
२०	१२ गु	५३११	१९०·४९	१३६·९५	१३·४१	२०३·९०	०·४५११	१७९·२६	२०३·९१	+० [illegible]	२०·९२	६ २९
२१	१३ शु	५३१२	१९४·५८	१४१·०४	१२·५५	२०७·१३	०·४५४१	१८०·८९	२०६·९२	–० १८	२२·९३	७ ८
२२	१४ श	५३१३	१९८·६७	१४५·१३	११·०४	२०९·७१	०·४५६७	१८५·०७	२०९·६९	० ३७	२४·७१	७ ४२
२३	३० र	५३१४	२०२·७६	१४९·२२	९·८२	२१२·५८	०·४५८७	१८७·९४	२१२·५३	० ५८	२६·१५	+ ८ १९

सितंबर–अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं क.	अं. क.	अं. क	घ. प.	अं. क.	अं क.	घ. प.	स्टँ. घं. मि.
२३	४ २२ २३	+१ ४४	+१ ४६	० ३	१६५ २२	१६७ १३	१ ३८	२७ ५२	+ ७ २३	० ३७	१२ ४०	११ ३१
२४	४ २४ ७	१ ४६	१ ४९	० २	१६७ ६	१६८ ५१	१ ४२	२८ ९	६ ४६	० ३९	१२ ४७	११ ३४
२५	४ २५ ५३	१ ४७	१ ५१	० १	१६८ ५२	१७० ३३	१ ४६	२८ २६	६ ७	० ४२	१२ ५४	११ ३७
२६	४ २७ ४०	१ ४८	१ ५२	० ०	१७० ३९	१७२ १९	१ ४४	२८ ४३	५ २५	० ४३	१३ १	११ ३९
२७	४ २९ २८	१ ४८	१ ५२	० ०	१७२ २७	१७४ ३	१ ४१	२९ १	४ ४२	० ४२	१३ ९	११ ४३
२८	५ १ १६	१ ४९	१ ५२	० १	१७४ १५	१७६ ४४	१ ३९	२९ १७	४ ०	० ४१	१३ १५	११ ४५
२९	५ ३ ५	१ ४९	१ ५१	० २	१७६ ४	१७७ २३	१ ३७	२९ ३४	३ १९	० ४०	१३ २३	११ ४८
३०	५ ४ ५४	१ ४९	१ ४९	० २	१७७ ५३	१७९ ००	१ ३७	२९ ५०	२ ३९	० ३९	१३ २९	११ ५०
१	५ ६ ४३	+१ ४९	+१ ४७	० ३	१७९ ४२	१८० ३७	१ ३६	३० ६	२ ००	० ३८	१३ ३५	११ ५२
२	५ ८ ३३	१ ४९	१ ४४	० ३	१८१ ३१	१८२ १३	१ ३५	३० २२	१ २२	० ३८	१३ ४१	११ ५५
३	५ १० २१	१ ४८	१ ४१	० ४	१८३ २०	१८३ ४८	१ ३३	३० ३८	० ४४	० ३७	१३ ४७	११ ५८
४	५ १२ ९	१ ४८	१ ३७	० ४	१८५ ८	१८५ २१	१ ३२	३० ५४	+ ० ७	० ३७	१३ ५३	१२ १
५	५ १३ ५७	१ ४७	१ ३३	० ५	१८६ ५६	१८६ ५३	१ ३२	३१ ९	− ० ३०	० ३७	१३ ५८	१२ २
६	५ १५ ४४	१ ४६	१ २८	० ५	१८८ ४३	१८८ ३५	१ ३१	३१ २६	१ ७	० ३७	१४ ६	१२ ५
७	५ १७ ३०	१ ४६	१ २३	० ५	१९० २९	१९० ०६	१ ३१	३१ ४१	१ ४४	० ३७	१४ ११	१२ ७
८	५ १९ १६	१ ४५	१ १८	० ५	१९२ १५	१९१ ३७	१ ३३	३१ ५६	२ २१	० ३८	१४ १६	१२ ९
९	५ २१ १	१ ४५	१ १३	० ६	१९४ ०	१९३ १०	१ ३३	३२ १२	२ ५९	० ३९	१४ २२	१२ १२
१०	५ २२ ४६	+१ ४३	+१ ७	० ६	१९५ ४५	१९४ ४३	१ ३३	३२ २७	३ ३८	० ४०	१४ २७	१२ १४
११	५ २४ २९	१ ४३	१ १	० ७	१९७ २८	१९६ १६	१ ३३	३२ ४३	४ १८	० ४१	१४ ३३	१२ १६
१२	५ २६ १२	१ ४३	० ५४	० ६	१९९ ११	१९७ ४९	१ ३४	३२ ५८	४ ५९	० ४१	१४ ३८	१२ १८
१३	५ २७ ५४	१ ४१	० ४८	० ६	२०० ५३	१९९ २३	१ ३४	३३ १४	५ ४०	० ४०	१४ ४५	१२ २१
१४	५ २९ ३५	१ ४१	० ४२	० ७	२०२ ३४	२०० ५७	१ ३६	३३ ३०	६ २०	० ४१	१४ ५१	१२ २४
१५	६ १ १६	१ ४०	० ३५	० ६	२०४ १५	२०२ ३३	१ ३६	३३ ४६	७ १	० ४२	१४ ५७	१२ २७
१६	६ २ ५६	+१ ३९	+० २९	० ७	२०५ ५५	२०४ ९	१ ३५	३४ २	८ ४२	० ४४	१५ ३	१२ २८
१७	६ ४ ३५	१ ३८	० २२	० ७	२०७ ३४	२०५ ४४	१ ३४	३४ १७	९ २६	० ४२	१५ ८	१२ ३०
१८	६ ६ १३	१ ३८	० १५	० ७	२०९ १२	२०७ १८	१ ३४	३४ ३३	१० ८	० ४१	१५ १४	१२ ३३
१९	६ ७ ५१	१ ३७	+० ८	० ७	२१० ५०	२०८ ५२	१ ३०	३४ ४९	१० ४९	० ४०	१५ २०	१२ ३५
२०	६ ९ २८	१ ३७	−० १	० ५	२१२ २७	२१० २२	१ ३३	३५ ४	११ २९	० ३९	१५ २६	१२ ३७
२१	६ ११ ५	१ ३७	० ६	० ६	२१४ ४	२११ ५५	१ ३३	३५ १९	१२ ८	० ३८	१५ ३१	१२ ३९
२२	६ १२ ४२	१ ३६	० १२	० ७	२१५ ४१	२१३ २७	१ ३२	३५ ३५	१२ ४६	० ३७	१५ ३७	१२ ४२
२३	६ १४ १८		−० १९		२१७ १७	२१४ ५९		३५ ५०	−१३ २३		१५ ४२	१२ ४४

बुध

अक्टूबर–नवम्बर सन १९१८ ई. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अ.	अ.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२३	३० र	५३१४	२०२.७६	१४९.२३	९.८२	२१२.५८	०.४५८७	१८७.९४	२१२.५३	० ५८	२६.५५	८ १९
२४	१ चं	५३१५	२०६.८६	१५३.३२	+ ८.५६	२१५.४२	०.४५८७	१९०.७८	२१५.३५	−१ ११	२८.३८	+ ८ ५१
२५	२ मं	५३१६	२१०.९५	१५७.४१	७.३०	२१८.२५	०.४६०७	१९३.६१	२१८.१५	१ ३९	३०.१८	९ २८
२६	३ बु	५३१७	२१५.०४	१६१.५०	५.९९	२२१.०३	०.४६२९	१९६.३९	२२०.९१	१ ५९	३१.९४	१० २
२७	४ गु	५३१८	२१९.१३	१६५.५९	४.६८	२२३.८१	०.४६३८	१९९.१७	२२३.६७	२ १७	३३.७१	१० ३५
२८	५ शु	५३१९	२२३.२२	१६९.६९	३.३७	२२६.५९	०.४६५०	२०१.९५	२२६.४२	२ ३६	३५.४६	११ ८
२९	६ श	५३२०	२२७.३२	१७३.७८	२.०४	२२९.३६	०.४६५८	२०४.७२	२२९.१८	२ ४५	३७.२२	११ ४१
३०	७ र	५३२१	२३१.४१	१७७.८७	+ ०.७१	२३२.१२	०.४६६४	२०७.४८	२३१.९२	३ १३	३८.९६	१२ १३
३१	८ चं	५३२२	२३५.५०	१८१.९६	− ०.६५	२३४.८५	०.४६६७	२१०.२१	२३४.६६	३ ३१	४०.७०	१२ ४४
१	९ मं	५३२३	२३९.५९	१८६.०५	१.९८	२३७.६१	०.४६६७	२१२.९७	२३७.४०	३ ४८	४२.४४	१३ १५
२	१० बु	५३२४	२४३.६८	१९०.१५	३.३२	२४०.३६	०.४६६४	२१५.७२	२४०.१६	४ ५	४४.२०	१३ ४६
३	११ गु	५३२५	२४७.७८	१९४.२४	४.६३	२४३.१५	०.४६५९	२१८.५१	२४२.९३	४ २१	४५.९७	१४ १६
४	११ शु	५३२६	२५१.८७	१९८.३३	५.९४	२४५.९३	०.४६५०	२२१.२९	२४५.७०	४ ३७	४७.७३	१४ ४५
५	१२ श	५३२७	२५५.९६	२०२.४२	७.२५	२४८.७१	०.४६३९	२२४.०७	२४८.५१	४ ५१	४९.५४	१५ १४
६	१३ र	५३२८	२६०.०५	२०६.५२	८.५१	२५१.५४	०.४६२५	२२६.९०	२५१.३२	५ ६	५१.३५	१५ ४५
७	१५ चं	५३२९	२६४.१५	२१०.६१	९.७७	२५४.३८	०.४६१७	२२९.७४	२५४.१८	५ २०	५३.२१	१६ ११
८	१ मं	५३३०	२६८.२४	२१४.७०	१०.९९	२५७.२५	०.४५८९	२३२.६१	२५७.०४	५ ३३	५५. ६	१६ ३९
९	२ बु	५३३१	२७२.३३	२१८.७९	१२.७०	२६०.१३	०.४५६८	२३५.४९	२५९.९४	५ ४६	५६.९६	१७ ६
१०	३ गु	५३३२	२७६.४२	२२२.८८	१३.३६	२६३.०६	०.४५४२	२३८.४२	२६२.८८	५ ५८	५८.८९	१७ ३२
११	४ शु	५३३३	२८०.५२	२२६.९८	१४.५०	२६६.०२	०.४५१५	२४१.३८	२६५.८५	६ ९	६०.८६	१७ ५८
१२	५ श	५३३४	२८४.६१	२३१.०७	१५.५९	२६९.०२	०.४४८५	२४४.३८	२६८.८७	६ २१	६२.८७	१८ २३
१३	६ र	५३३५	२८८.७०	२३५.६१	१६.६२	२७२.०८	०.४४५३	२४७.४४	२७१.९३	६ २८	६४.९३	१८ ४७
१४	७ चं	५३३६	२९२.७९	२३९.२५	१७.६२	२७५.१७	०.४४१८	२५०.५३	२७५.०५	६ ३६	६७. ४	१९ १०
१५	८ मं	५३३७	२९६.८९	२४३.३५	१८.५५	२७८.३४	०.४३८०	२५३.७०	२७८.२१	६ ४५	६९.१९	१९ ३३
१६	९ बु	५३३८	३००.९८	२४७.४४	१९.४३	२८१.५५	०.४३४१	२५६.९१	२८१.४६	६ ४९	७१.४३	१९ ५४
१७	११ गु	५३३९	३०५.०७	२५१.५३	२०.२३	२८४.८४	०.४३००	२६०.२०	२८४.७८	६ ५४	७३.७५	२० १५
१८	१२ शु	५३४०	३०९.१६	२५५.६२	२०.९७	२८८.१९	०.४२५४	२६३.५५	२८८.१४	६ ५७	७६.१०	२० ३३
१९	१३ श	५३४१	३१३.२६	२५९.७१	२१.६४	२९१.६२	०.४२०८	२६६.९८	२९१.६०	७ ०	७८.५५	२० ५१
२०	१४ र	५३४२	३१७.३५	२६३.८१	२२.२३	२९५.१२	०.४१५९	२७०.४५	२९५.१३	७ ०	८१. ७	२१ ६
२१	३० चं	५३४३	३२१.४४	२६७.९०	−२२.७२	२९८.७२	०.४०५७	२७४.०८	२९८.७६	−६ ५९	८३.६९	+२१ २०

अक्टूबर–नवंबर सन १९२८ ई. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	अ. क.	अं. क	अं.क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टैं. घ. मि
२३	६ १४ १८	+१ ३४	−० १९	० ७	२१७ १७	२१४ ५९	१ ३२	३५ ५०	१३ २३	० ३६	१५ ४२	१२ ४४
२४	६ १५ ५२	+१ ३४	−० २६	० ६	२१८ ५१	२१६ ३१	१ ३१	३६ ५	−१३ ५९	० ३५	१५ ४७	१२ ४६
२५	६ १७ २६	१ ३४	० ३२	० ७	२२० २५	२१८ २	१ ३१	३६ २०	१४ ३४	० ३४	१५ ५२	१२ ४८
२६	६ १९ ०	१ ३३	० ३९	० ७	२२१ ५९	२१९ ३३	१ ३०	३६ ३६	१५ ८	० ३६	१५ ५८	१२ ५०
२७	६ २० ३३	१ ३३	० ४६	० ६	२२३ ३२	२२१ ३	१ ३१	३६ ५१	१५ ४४	० ३६	१६ ४	१२ ५२
२८	६ २१ ६	१ ३२	० ५२	० ७	२२५ ५	२२२ ३२	१ ३०	३७ ५	१६ २०	० ३६	१६ ८	१२ ५४
२९	६ २३ ३८	१ ३२	० ५९	० ६	२२६ ३७	२२४ २	१ ३१	३७ २०	१६ ५६	० ३६	१६ १३	१२ ५६
३०	६ २५ १०	१ ३२	१ ५	० ६	२२८ ९	२२५ ३१	१ ३०	३७ ३५	१७ ३२	० ३६	१६ १८	१२ ५८
३१	६ २६ ४२	+१ ३१	−१ ११	० ७	२२९ ४१	२२७ १	१ ३०	३७ ५०	१८ ८	० ३६	१६ २३	१३ १
१	६ २८ १३	१ ३१	१ १८	० ६	२३१ १२	२२८ ३१	१ २९	३८ ५	१८ ४४	० ३६	१६ २८	१३ २
२	६ २९ ४४	१ ३०	१ २४	० ६	२३२ ४३	२३० ०	२ ३०	३८ २०	१९ २०	० ३७	१६ ३३	१३ ४
३	७ १ १४	१ २९	१ ३०	० ५	२३४ १३	२३१ ३०	१ २९	३८ ३५	१९ ५६	० ३८	१६ ३९	१३ ७
४	७ २ ४३	१ २९	१ ३५	० ६	२३५ ४२	२३२ ५९	१ ३०	३८ ५०	२० ३४	० ३७	१६ ४४	१३ ८
५	७ ४ १२	१ २९	१ ४१	० ५	२३७ ११	२३४ २९	१ ३१	३९ ५	२१ ११	० ३८	१६ ४९	१३ ११
६	७ ५ ४१	१ २९	१ ४६	० ६	२३८ ४०	२३६ ०	१ ३१	३९ २०	२१ ४९	० ३०	१६ ५४	१३ १३
७	७ ७ १०	१ २८	१ ५२	० ५	२४० ९	२३७ ३१	१ ३१	३९ ३५	२२ १६	० २८	१६ ५९	१३ १५
८	७ ८ ३८	+१ २८	−१ ५७	० ५	२४१ ३७	२३९ २	१ ३१	३९ ५०	२२ ४४	० २६	१७ ४	१३ १६
९	७ १० ६	१ २६	२ २	० ४	२४३ ५	२४० ३३	१ ३०	४० ६	२३ १०	० २३	१७ १०	१३ १९
१०	७ ११ ३२	१ २६	२ ६	० ४	२४४ ३१	२४२ ३	१ ३०	४० २१	२३ ३३	० २०	१७ १६	१३ २१
११	७ १२ ५८	१ २५	२ १०	० ४	२४५ ५७	२४३ ३३	१ ३०	४० ३६	२३ ५३	० १८	१७ २१	१३ २३
१२	७ १४ २३	१ २४	२ १४	० ४	२४७ २२	२४५ ३	१ २९	४० ५१	२४ ११	० १६	१७ २६	१३ २५
१३	७ १५ ४७	१ २४	२ १८	० ३	२४८ ४६	२४६ ३२	१ २९	४१ ५	२४ २७	० १४	१७ ३०	१३ २५
१४	७ १७ ११	१ २३	२ २१	० ३	२५० १०	२४८ १	१ २८	४१ २०	२४ ४१	० १३	१७ ३५	१३ २९
१५	७ १८ ३४	+१ २२	−२ २४	० ३	२५१ ३४	२४९ ३९	१ ३०	४१ ३७	२४ ५४	० १२	१७ ४२	१३ ३२
१६	७ १९ ५६	१ २१	२ २७	० २	२५२ ५६	२५१ ९	१ २८	४१ ५२	२५ ६	० १०	१७ ४७	१३ ३४
१७	७ २१ १७	१ १९	२ २९	० २	२५४ १७	२५२ ३७	१ २६	४२ ६	२५ १६	० ११	१७ ५२	१३ ३६
१८	७ २२ ३६	१ १८	२ ३१	० १	२५५ ३६	२५४ ३	१ २५	४२ २१	२५ २७	० ७	१७ ५७	१३ ३८
१९	७ २३ ५४	१ १६	२ ३२	० १	२५६ ३४	२५५ २८	१ २३	४२ ३५	२५ ३४	० ५	१८ १	१३ ३९
२०	७ २५ १०	१ १४	२ ३३	० ०	२५८ १०	२५६ ५१	१ २२	४२ ४९	२५ ३९	० ३	१८ ५	१३ ४१
२१	७ २६ २४		२ ३३		२५९ २४	२५८ १३		४३ २	−२५ ४२		१८ ८	१३ ४२

बुध

नवम्बर-डिसेंबर सन १९३८ ई मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२१	३० चं	५३४३	३२१·४४	२६७·९०	२२·७२	२९८·७२	०·४०५७	२७४·०८	२९८·६६	६ ५९	८३·६९	+२१ २०
२२	१ मं	५३४४	३२५·५३	२७१·९९	–२३·१२	३०२·४१	०·४००४	२७७·७७	३०२·४७	–६ ५६	८६·३९	+२१ ३२
२३	१ बु	५३४५	३२९·६३	२७६·०८	२३·४२	३०६·२१	०·३९८९	२८१·५७	३०६·३०	६ ५१	८९·२१	२१ ४१
२४	२ गु	५३४६	३३३·७२	२८०·१८	२३·६१	३१०·११	०·३८९३	२८५·४७	३१०·२३	६ ४५	९२·१३	२१ ४८
२५	३ शु	५३४७	३३७·८१	२८४·२७	२३·६८	३१४·१३	०·३८३६	२८९·४९	३१४·२६	६ ३६	९५·१५	२१ ४५
२६	४ श	५३४८	३४१·९०	२८८·३६	२३·६३	३१८·२७	०·३७७९	२९३·६३	३१८·४२	६ २५	९८·२९	२१ ५१
२७	५ र	५३४९	३४६·००	२९२·४६	२३·४५	३२२·५५	०·३७२०	२९७·९१	३२२·६८	६ ११	१०१·५४	२१ ४७
२८	६ चं	५३५०	३५०·०९	२९६·५५	२३·१४	३२६·९५	०·३६६२	३०२·३१	३२७·१२	५ ५५	१०४·९७	२१ ३८
२९	७ मं	५३५१	३५४·१८	३००·६४	२२·७०	३३१·४८	०·३६०५	३०६·८४	३३१·६७	५ ३६	१०८·५१	२१ २५
३०	८ बु	५३५२	३५८·२७	३०४·७३	२२·०८	३३६·१९	०·३५४८	३११·५५	३३६·३७	–५ १४	११२·१९	+२१ ५
१	९ गु	५३५३	२·३६	३०८·८२	२१·३४	३४१·०२	०·३४९२	३१६·३८	३४१·२१	४ ४९	११६· २	२० ३९
२	१० शु	५३५४	६·४६	३१२·९२	२०·४४	३४६·०२	०·३४३७	३२१·३८	३४६·२१	४ २२	१२०· १	२० ५
३	११ श	५३५५	१०·५५	३१७·०१	१९·३७	३५१·१८	०·३३८४	३२६·५४	३५१·३५	३ ५१	१२४·१३	१९ २३
४	१२ र	५३५६	१४·६४	३२१·१०	१८·१३	३५६·५१	०·३३३४	३३१·८७	३५६·६४	३ १८	१२८·४१	१८ ३३
५	१३ चं	५३५७	१८·७३	३२५·१९	१६·७५	१·९८	०·३२८७	३३७·३४	२·०८	२ ४१	१३२·८३	१७ ३३
६	१४ मं	५३५८	२२·८३	३२९·२९	१५·२१	७·६२	०·३२४३	३४२·९८	७·६६	२ ३	१३७·४०	१६ ४२
७	१५ बु	५३५९	२६·९२	३३३·३८	१३·५३	१३·३९	०·३२०४	३४८·७५	१३·४०	१ २२	१४२·१२	१५ २
८	१ गु	५३६०	३१·०१	३३७·४७	११·७१	१९·३०	०·३१६९	३५४·६६	१९·२८	–० ३९	१४६·९९	+१३ ३०
९	२ शु	५३६१	३५·१०	३४१·५६	९·७७	२५·३३	०·३१४०	०·६९	२५·२६	+० ५	१५१·९५	११ ४७
१०	४ श	५३६२	३९·१९	३४५·६५	७·७१	३१·४८	०·३११४	६·८४	३१·३७	० ५०	१५७· ४	९ ५२
११	५ चं	५३६३	४३·२९	३४९·७५	५·५७	३७·७२	०·३०९५	१३·०८	३७·५२	१ ३५	१६२·१८	७ ४९
१२	६ र	५३६४	४७·३८	३५३·८४	३·३७	४४·०१	०·३०८२	१९·३७	४३·७७	२ १९	१६७ ४१	५ ३७
१३	७ मं	५३६५	५१·४७	३५७·९३	– १·१५	५०·३२	०·३०७६	२५·६८	५०·०६	३ १	१७२·६८	३ १८
१४	८ बु	५३६६	५५·५६	२·०३	+ १·११	५६·६७	०·३०७६	३२·०३	५६·४०	+३ ४२	१७८· १	+ ० ५५
१५	९ गु	५३६७	५९·६५	६·१२	३·३६	६३·०१	०·३०८२	३८·३७	६२·७१	४ २०	१८३·३०	– १ ३०
१६	१० शु	५३६८	६३·७५	१०·२१	५·५५	६९·३०	०·३०९५	४४·६६	६९·०१	४ ५५	१८८·५८	३ ५३
१७	११ श	५३६९	६७·८४	१४·३०	७·६९	७५·५३	०·३११४	५०·८९	७५·२४	५ २६	१९३·८०	६ १३
१८	१२ र	५३७०	७१·९३	१८·४०	९·७५	८१·६८	०·३१३८	५७·०४	८१·४२	५ ५२	१९८·९६	८ २६
१९	१३ चं	५३७१	७६·०२	२२·४९	११·७०	८७·७२	०·३१६९	६३·०८	८७·४८	६ १४	२०३·९८	१० ३१
२०	१४ मं	५३७२	८०·११	२६·५८	१३·५१	९३·६२	०·३२०३	६८·९८	९३·४३	६ ३२	२०८·९३	१२ २५
२१	३० बु	५३७३	८४·२१	३०·६७	+१५·२०	९९·४१	०·३२४३	७४·७७	९९·२६	६ ४५	२१३·७४	–१४ ९

नवंबर-डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा अं. क.	अं. क.	अ. क.	अं. क.	अं. क.	अ. क.	अ. क.	घ प	अ. क.	अ. क.	घ प.	स्टैं. घं. मि.
२१	७ २६ २४	+१ १३	-२ ३३	० ०	२५९ २४	२५८ १३	१ २१	४३ २	२५ ४२	० २	१८ ८	१३ ४२
२२	७ २७ ३७	१ ९	२ ३३	० १	२६० ३७	२५९ ३४	१ १७	४३ १६	-२५ ४४	० १	१८ १२	१३ ४४
२३	७ २८ ४६	१ ८	२ ३२	० १	२६१ ४६	२६० ५१	१ १६	४३ २९	२५ ४५	० ०	१८ १५	१३ ४५
२४	७ २९ ५४	१ ५	२ ३१	० ३	२६२ ५४	२६२ ४	१ १३	४३ ४१	२५ ४५	० ०	१८ १८	१३ ४६
२५	८ ० ५९	१ ०	२ २८	० ३	२६३ ५९	२६३ १९	१ ७	४३ ५३	२५ ४५	० ०	१८ २०	१३ ४७
२६	८ १ ५९	० ५६	२ २५	० ४	२६४ ५९	२६४ २६	१ २	४४ ४	२५ ४५	० २	१८ २१	१३ ४८
२७	८ २ ५५	० ५२	२ २१	० ६	२६५ ५५	२६५ २८	१ ५७	४४ १५	२५ ४३	० ४	१८ २३	१३ ४८
२८	८ ३ ४७	० ४८	२ १५	० ५	२६६ ४७	२६६ २५	० ५६	४४ २४	२५ ३९	० ६	१८ २१	१३ ४८
२९	८ ४ ३५	० ४१	२ १०	० ८	२६७ ३५	२६७ २१	० ४४	४४ ३४	२५ ३३	० १०	१८ २१	१३ ४८
३०	८ ५ १६	+० ३४	-२ २	० ८	२६८ १६	२६८ ५	० ३८	४४ ४१	२५ २३	० १२	१८ १८	१३ ४६
१	८ ५ ५०	० २७	१ ५४	० ८	२६८ ५०	२६८ ४३	० ३०	४४ ४७	२५ ११	० १३	१८ १५	१३ ४५
२	८ ६ १७	० १९	१ ४६	० १३	२६९ १७	२६९ १३	० २१	४४ ५२	२४ ५८	० १४	१८ १०	१३ ४३
३	८ ६ ३६	+० ११	१ ३३	० १३	२६९ ३६	२६९ ३४	० १२	४४ ५६	२४ ४४	० १४	१८ ४	१३ ४१
४	८ ६ ४७	+० १	१ २०	० १३	२६९ ४७	२६९ ४६	० ११	४४ ५८	२४ ३०	० १४	१७ ५६	१३ ३८
५	८ ६ ४८	-० १०	१ ७	० १६	२६९ ४८	२६९ ५७	० २१	४५ ०	२४ १६	० १५	१७ ४८	१३ ३४
६	८ ६ ३८	० १९	० ५१	० १६	२६९ ३८	२६९ ३६	० ३३	४४ ५६	२४ ०१	० १५	१७ ३४	१३ २९
७	८ ६ १९	० ३१	० ३५	० १८	२६९ १९	२६९ ३	० ४९	४४ ५१	२३ ४६	० १६	१७ १९	१३ २३
८	८ ५ ४८	-० ४२	-० १७	० १९	२६८ ४८	२६८ १४	० ५४	४४ ४२	२३ ३०	० १८	१७ १	१३ १५
९	८ ५ ६	० ५४	+० २	० २०	२६८ ६	२६७ २०	१ १५	४४ ३४	२३ १२	० १८	१६ ४३	१३ ८
१०	८ ४ १२	१ ३	० २०	० २२	२६७ १२	२६६ ६	१ १७	४४ २४	२२ ५४	० २०	१६ २०	१२ ५९
११	८ ३ ९	१ ११	० ४२	० २१	२६६ ९	२६५ ४९	१ २०	४४ १८	२२ ३४	० २२	१६ ७	१२ ५४
१२	८ १ ५८	१ १७	१ ३	० १९	२६४ ५८	२६४ २९	१ २३	४४ ५	२२ १२	० २४	१५ ४४	१२ ४५
१३	८ ० ४१	१ २२	१ १२	० २१	२६३ ४१	२६३ ६	१ २६	४३ ५१	२१ ४८	० २६	१५ २०	१२ ३५
१४	७ २९ ११	-१ २४	+१ ४३	० १६	२६२ १९	२६१ ४०	१ २९	४३ ३७	२१ २२	० २९	१४ ५६	१२ २६
१५	७ २७ ५५	१ २२	१ ५९	० १५	२६० ५५	२६० ११	१ २६	४३ २२	२० ५३	० ३१	१४ ३२	१२ १८
१६	७ २६ ३३	१ १९	२ १४	० १४	२५८ ३३	२५८ ४२	१ २५	४३ ८	२० २२	० २२	१४ ८	१२ ६
१७	७ २५ १४	१ १२	२ २८	० ११	२५७ १४	२५७ २२	१ ११	४२ ५४	२० ००	० १७	१३ ४४	११ ५७
१८	७ २४ २	१ ४	२ ३९	० ९	२५७ २	२५६ ११	१ ७	४२ ४२	१९ ४३	० ११	१३ २२	११ ४८
१९	७ २२ ५८	० ५३	२ ४८	० ६	२५५ ५८	२५५ ४	० ५६	४२ ३१	१९ ३२	० ८	१३ १	११ ३९
२०	७ २२ ५	० ४३	२ ५४	० ४	२५५ ५	२५४ ८	० ४३	४२ २१	१९ २४	० ७	१२ ४१	११ ३१
२१	७ २१ २२		२ ५८		२५४ २२	२५३ २५		४२ १४	-१९ १७		१२ २४	११ २५

बुध

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ ई० पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं.क.	अं.	अं.
२१	३० शु	५३७३	८४·२१	३०·३७	१५·२०	९९·४१	०·३२४३	७४·७७	९९·२६	६ ४५	२१३·७४	१४ १
२२	१ गु	५३७४	८८·३०	३४·७६	+१६·७३	१०५·०३	०·३२८६	८०·३९	१०४·९३	+६ ५४	२१८·३९	−१५ ४२
२३	२ शु	५३७५	९२·३९	३८·८६	१८·१२	११०·५१	०·३३३३	८५·८७	११०·४७	६ ५९	२२२·९२	१७ ४
२४	३ श	५३७६	९६·४८	४२·९५	१९·३६	११५·८४	०·३३८४	९१·२०	११५·८२	७ ०	२२७·२५	१८ ५४
२५	३ र	५३७७	१००·५८	४७·०४	२०·४२	१२१·००	०·३४३६	९६·३६	१२१·०४	६ ५९	३१·४५	१९ १५
२६	४ चं	५३७८	१०४·६७	५१·१४	२१·३३	१२६·००	०·३४९१	१०१·३६	१२६·०७	६ ५२	२३५·४६	२० ७
२७	५ मं	५३७९	१०८·७६	५५·२३	२२·०८	१३०·८४	०·३५४७	१०६·२०	१३०·२४	६ ४३	२३९·३१	२० ४९
२८	६ बु	५३८०	११२·८६	५९·३२	२२·६९	१३५·५५	०·३६०५	११०·९१	१३५·६९	६ ३२	२४३·०४	२१ २४
२९	७ गु	५३८१	११६·९५	६३·४१	२३·१४	१४०·०९	०·३६६०	११५·४५	१४०·२५	६ १९	२४६·५८	२१ ५१
३०	८ शु	५३८२	१२१·०४	६७·५०	२३·४५	१४४·४९	०·३७२०	११९·८५	१४४·६७	६ ४	२४९·९८	२२ १३
३१	९ श	५३८३	१२५·१३	७१·६०	२३·६३	१४८·७६	०·३७७८	१२४·१२	१४८·९५	५ ४	२५३·२४	२२ २९
१	१० र	५३८४	१२९·२३	७५·६९	२३·६८	१५२·९१	०·३८३६	१२८·२७	१५३·११	५ २९	२५६·३८	२२ ३९
२	११ चं	५३८५	१३३·३२	७९·७६	२३·६१	१५६·९३	०·३८७९	१३२·२९	१५७·१४	५ १०	२५९·४०	२२ ४१
३	१२ मं	५३८६	१३७·४१	८३·८७	२३·४२	१६०·८३	०·३९४८	१३६·१९	१६१·०३	४ ५	२६२·२७	२२ ४९
४	१३ बु	५३८७	१४१·५०	८७·९६	२३·१२	१६४·६२	०·४००४	१३९·९८	१६४·८३	४ ३०	२६५·०५	२२ ४९
५	१५ गु	५३८८	१४५·५९	९२·०६	२२·७२	१६८·३१	०·४०५७	१४३·६७	१६८·५३	४ ८	२६७·७३	२२ ४४
६	१ शु	५३८९	१४९·६९	९६·१५	२२·२४	१७१·९३	०·४१०९	१४७·२९	१७२·१२	३ ४	२७०·३०	२२ ३४
७	२ श	५३९०	१५३·७८	१००·२४	२१·६५	१७५·४३	०·४१५९	१५०·७९	१७५·६३	३ २	२७२·७९	२२ २१
८	३ र	५३९१	१५७·८७	१०४·३३	२१·०८	१७८·९५	०·४२०८	१५४·३१	१७९·०४	३ २	२७५·१८	२२ १९
९	४ चं	५३९२	१६१·९६	१०८·४२	२०·२४	१८२·२०	०·४२५४	१५७·५६	१८२·६७	२ ४	२७७·४९	२२ ६
१०	५ मं	५३९३	१६६·०५	११२·५२	१९·४४	१८५·४९	०·४२९९	१६०·८५	१८५·६४	२ १८	२७९·७४	२१ ५१
११	६ बु	५३९४	१७०·१५	११६·६१	१८·५६	१८८·७१	०·४३४०	१६४·०७	१८८·८४	१ ५५	२८१·९२	२१ ३५
१२	७ गु	५३९५	१७४·२४	१२०·७०	१७·६३	१९१·८७	०·४३८०	१६७·२३	१९१·९७	१ ३३	२८४·०३	२१ १८
१३	८ शु	५३९६	१७८·३३	१२४·७९	१६·६३	१९४·९६	०·४४१६	१७०·३२	१९५·०५	१ ११	२८६·०९	२० ५९
१४	९ श	५३९७	१८२·४२	१२८·८९	१५·५९	१९८·०१	०·४४५२	१७३·३७	१९८·०६	० ४९	२८८·०८	२० ४०
१५	१० र	५३९८	१८६·५२	१३२·९८	१४·५१	२०१·०३	०·४४८५	१७६·३९	२०१·०७	० २६	२९०·०८	२० १९
१६	११ चं	५३९९	१९०·६१	१३७·०७	१३·३७	२०३·९८	०·४५१४	१७९·३४	२०४·००	० ०५	२९१·९९	१९ ५७
१७	१२ मं	५४००	१९४·७०	१४१·१६	१२·२१	२०६·९१	०·४५४२	१८२·२७	२०६·९०	० १९	२९३·८७	१९ ३५
१८	१३ बु	५४०१	१९८·७९	१४५·२५	११·०१	२०९·९०	०·४५६७	१८५·१६	२०९·७९	० ३८	२९५·७४	१९ ११
१९	१४ गु	५४०२	२०२·८८	१४९·३४	९·७९	२१२·६७	०·४५८९	१८८·०३	२१२·६३	० ५९	२९७·५६	१८ ४७
२०	३० शु	५४०३	२०६·९८	१५३·४४	+ ८·५३	२१५·५१	०·४६०८	१९०·८७	२१५·४४	+१ १९	२९९·३६	−१८ ५

डिसेंबर–जनवरी सन १९३८–३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं क.	क	अं. क.	क.	अं. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क	अ. क.	घ. प.	स्टैं. घ.मि.
२१	७ २१ २२	० ३२	२ ५८	० ३	२५४ २२	२५३ २५	० ३४	४२ १४	१९ १७	० २	१२ २४	११ २५
२२	७ २० ५०	–० २१	+३ १	० ०	२५३ ५०	२५२ ५१	० २२	४२ ९	–१९ १५	० ०	१२ १०	११ १९
२३	७ २० २९	० ९	३ १	० २	२५३ २९	२५२ २९	० १०	४२ ५	१९ १५	० ६	११ ५६	११ १४
२४	७ २० २०	० ०	२ ५९	० ३	२५३ २०	२५२ १९	० ००	४२ ३	१९ २१	० ९	११ ४४	११ ९
२५	७ २० २०	–० १०	२ ५६	० ४	२५३ २०	२५२ १९	० १०	४२ ३	१९ ३०	० १०	११ ३४	११ ५
२६	७ २० ३०	+० १८	२ ५२	० ५	२५३ ३०	२५२ २९	० १८	४२ ५	१९ ४०	० १०	११ २६	११ १
२७	७ २० ४८	० २७	२ ४७	० ६	२५३ ४८	२५२ ४७	० २८	४२ ८	१९ ५०	० ११	११ १९	१० ५९
२८	७ २१ १५	० ३४	२ ४१	० ७	२५४ १५	२५३ १३	० ३४	४२ १२	२० ०१	० १३	११ १३	१० ५६
२९	७ २१ ४९		२ ३४	० ७	२५४ ४९	२५३ ४९	० ४१	४२ १८	२० १४	० १५	११ १०	१० ५५
३०	७ २२ २८	+० ३९	+२ २७	० ८	२५५ २८	२५४ ३०	० ४७	४२ २५	२० २९	० १५	११ ७	१० ५४
३१	७ २३ १३	० ४५	२ १९	० ८	२५६ १३	२५५ १७	० ५४	४२ ३३	२० ४४	० १६	११ ५	१० ५३
१	७ २४ ५	० ५२	२ ११	० ९	२५७ ५	२५६ ११	० ५७	४२ ४२	२१ ०	० १६	११ ४	१० ५३
२	७ २४ ५९	० ५४	२ २	० ७	२५७ ५९	२५७ ८	१ १	४२ ५१	२१ १६	० १६	११ ३	१० ५२
३	७ २५ ५७	० ५८	१ ५४	० ९	२५८ ५७	२५८ ९	१ ५	४३ २	२१ ३२	० १५	११ ४	१० ५३
४	७ २६ ५८	१ १	१ ४५	० ९	२५९ ५८	२५९ १४	१ ८	४३ १२	२१ ४७	० १४	११ ४	१० ५३
५	७ २८ २	१ ४	१ ३६	० ८	२६१ २	२६० २२	१ १२	४३ २४	२२ १	० १४	११ ७	१० ५४
६	७ २९ ९	+१ ७	+१ २८	० ९	२६२ ९	२६१ ३४	१ १६	४३ ३६	२२ १५	० १३	११ ९	१० ५४
७	८ ० १९	१ १०	१ १९	० १०	२६३ १९	२६२ ५०	१ १९	४३ ४८	२२ २८	० ११	११ ११	१० ५५
८	८ १ ३३	१ १४	१ ९	० ८	२६४ ३३	२६४ १०	१ २०	४४ २	२२ ३९	० १०	११ १५	१० ५७
९	८ २ ४८	१ १५	१ १	० ९	२६५ ४८	२६५ ३०	१ २२	४४ १५	२२ ४९	० १०	११ १८	१० ५८
१०	८ ४ ४	१ १६	० ५२	० ९	२६७ ४	२६६ ५२	१ २४	४४ २९	२२ ५९	० ९	११ २२	११ ०
११	८ ५ २१	१ १७	० ४३	० ८	२६८ २१	२६८ १६	१ २६	४४ ४३	२३ ८	० ८	११ २६	११ १
१२	८ ६ ३९	१ १८	० ३५	० ९	२६९ ३९	२६९ ४२	१ २८	४४ ५७	२३ १६	० ६	११ ३१	११ ३
१३	८ ७ ५८	+१ १९	+० २६	० ८	२७० ५८	२७१ १०	१ २९	४५ १२	२३ २२	० ४	११ ३६	११ ५
१४	८ ९ १९	१ २१	० १८	० ८	२७२ १९	२७२ ३९	१ ३१	४५ २७	२३ २६	० ३	११ ४१	११ ७
१५	८ १० ४१	१ २२	० १०	० ९	२७३ ४१	२७४ १०	१ ३१	४५ ४२	२३ २९	० २	११ ४६	११ ९
१६	८ १२ ४	१ २३	+० १	० ७	२७५ ४	२७५ ४०	१ ३१	४५ ५७	२३ ३१	० १	११ ५१	११ १२
१७	८ १३ २८	१ २४	–० ६	० ८	२७६ २८	२७७ १०	१ ३२	४६ १२	२३ ३२	० १	११ ५६	११ १४
१८	८ १४ ५२	१ २४	० १४	० ७	२७७ ५२	२७८ ४२	१ ३२	४६ २७	२३ ३३	० ०	१२ १	११ १५
१९	८ १६ १७	१ २५	० २१	० ७	२७९ १७	२८० १४	१ ३३	४६ ४२	२३ ३३	० १	१२ ७	११ १८
२०	८ १८ ४३	+१ २६	–० २८		२८१ ३	२८१ ४७		४६ ५८	–२३ ३२		१२ १३	११ २०

जनवरी–फरवरी सन १९१९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुधका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं	अ.	अं.		अ.	अं.	अ. क.	अ	अ. क
२०	३० शु	५४०३	२०६·९८	१५३·४४	८·५३	२१५·५१	०·४६०८	१९०·८७	२१५·४४	–१ १९	२९९·३६	–१८
२१	१ श	५४०४	२११·०७	१५७·५३	+ ७·२६	२१८·३३	०·४६२५	१९३·६९	२१८·२४	१ ३९	३०१·१४	१७
२२	२ र	५४०५	२१५·१६	१६१·६२	५·९५	२२१·११	०·४६३९	१९६·४७	२२१·०२	१ ५९	३०२·९०	१७
२३	३ चं	५४०६	२१९·२५	१६५·७१	४·६५	२२३·९०	०·४६५०	१९९·२६	२२३·७९	२ १९	३०४·६५	१७
२४	४ मं	५४०७	२२३·३५	१६९·८१	३·३४	२२६·६९	०·४६५९	२०२·०५	२२६·५४	२ ३८	३०६·३९	१६
२५	५ बु	५४०८	२२७·४४	१७३·९०	२·००	२२९·४४	०·४६६४	२०४·८०	२२९·२९	२ ५६	३०८·१२	१६
२६	६ गु	५४०९	२३१·५४	१७७·९९	+ ०·६६	२३२·२०	०·४६६७	२०७·५६	२३२·०३	३ १४	३०९·२४	१५
२७	६ शु	५४१०	२३५·६३	१८२·०८	– ०·७०	२३४·९३	०·४६६७	२१०·२९	२३४·७८	३ ३१	३११·५८	१५
२८	७ श	५४११	२३९·७२	१८६·१८	२·०३	२३७·६९	०·४६६४	२१३·०५	२३७·५१	३ ४३	३१३·२९	१४
२९	८ र	५४१२	२४३·८१	१९०·२७	३·३६	२४०·४५	०·४६५९	२१५·८१	२४०·२७	४ ५	३१५·०३	१४
३०	९ चं	५४१३	२४७·९०	१९४·३६	४·६७	२४३·२३	०·४६५०	२१८·५९	२४३·०४	४ २१	३१६·७९	१३
३१	११ मं	५४१४	२५२·००	१९८·४५	५·९७	२४६· ३	०·४६३९	२२१·३९	२४५·८१	४ ३७	३१८·५४	१२
१	१२ बु	५४१५	२५६·०९	२०२·५५	७·२८	२४८·८१	०·४६२५	२२४·१७	२४८·६१	४ ५२	३२०·३३	१२
२	१३ गु	५४१६	२६०·१८	२०६·६४	८·५५	२५१·६३	०·४६०८	२२६·९९	२५१·४१	५ ७	३२२·११	११
३	१४ शु	५४१७	२६४·२७	२१०·७३	९·८१	२५४·४६	०·४५८८	२२९·८२	२५४ २५	५ २१	३२३·९४	११
४	१५ श	५४१८	२६८·३६	२१४·८३	११·०३	२५७·३३	०·४५६७	२३२·[illegible]९	२५७·११	५ ३४	३२५·७८	११
५	१ र	५४१९	२७२·४६	२१८·९२	१२·२३	२६०·२३	०·४५४१	२३५·५९	२६०·०१	५ ४६	३२७·६७	१०
६	३ चं	५४२०	२७६·५५	२२३·०१	१३·३९	२६३·१६	०·४५१४	२३८·५२	२६२·९६	५ ५८	३२९·६१	९
७	४ मं	५४२१	२८०·६४	२२७·१०	१४·५३	२६६·११	०·४४८४	२४१·४७	२६५·९३	६ ९	३३१·५६	८
८	५ बु	५४२२	२८४·७३	२३१·१९	१५·६२	२६९·११	०·४४५१	२४४·४७	२६८·९५	६ २२	३३३·५७	८
९	६ गु	५४२३	२८८·८२	२३५·२९	१६·६६	२७२·१६	०·४४१६	२४७·५७	२७२·०१	६ २८	३३२·६२	७
१०	७ शु	५४२४	२९२·९२	२३९·३८	१७·६५	२७५·२७	०·४३७८	२५०·६३	२७५·१४	६ ३५	३३७·७४	६
११	८ श	५४२५	२९७·०१	२४३·४७	१८·५७	२७८·४४	०·४३३९	२५३·८०	२७८·३०	६ ४३	३३९·८८	६
१२	९ र	५४२६	३०१·१०	२४७·५६	१९·४५	२८१·६५	०·४२९८	२५७·०१	२८१·५५	६ ४९	३४२·१२	५
१३	१० चं	५४२७	३०५·१९	२५१·६६	२०·२५	२८४·९४	०·४२५३	२६०·३०	२८४·८७	६ ५४	३४४·४३	४
१४	११ मं	५४२८	३०९·२९	२५५·७५	२१·००	२८८·२९	०·४२०७	२६३·६५	२८८·२४	६ ५७	३४६·७९	३
१५	१२ बु	५४२९	३१३·३८	२५९·८४	२१·६६	२९१·७२	०·४१५८	२६७·०८	२९१·७०	७ ०	३४९·२४	३
१६	१२ गु	५४३०	३१७·४७	२६३·९४	२२·२५	२९५·२२	०·४१०८	२७०·५८	२९५·२४	७ ०	३५१·७७	२
१७	१३ शु	५४३१	३२१·५६	२६८·०३	२२·७३	२९८·८३	०·४०५६	२७४·७९	२९८·८७	६ ५९	३५४·३९	१
१८	१४ श	५४३२	३२५·६६	२७२·१२	२३·१३	३०२·५३	०·४००३	२७७·८९	३०२·५८	६ ५६	३५७· ९	०
१९	३० र	५४३३	३२९·७५	२७६·२१	–२३·४३	३०६·३२	०·३९४७	२८१·६८	३०६·४२	–६ ५१	३५९·९२	– ०

जनवरी–फरवरी सन १९३९ इ. **माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।**

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह (रा. अं. क.)	गति (अं. क.)	भूमध्य दृश्य शर (अं. क.)	गति (अं. क)	सायनभोग (अं. क.)	विषुवांश (अं. क)	गति (अं. क)	विषुवकाल (घ. प.)	क्रांति (अं. क)	गति (अं. क)	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल (घ. प.)	स्टै. घं. मि.
२०	८ १७ ४३	+१ २७	–० २८	० ८	२८१ ३	२८१ ४७	१ [illegible]	४६ ५८	–२३ ३२	० २	१२ १३	११ २०
२१	८ १९ १०	१ २८	० ३६	० ७	२८२ १०	२८३ २०	१ ३४	४७ १३	२३ ३०	० ३	१२ १८	११ २२
२२	८ २० ३८	१ २८	० ४३	० ६	२८३ ३८	२८४ ५४	१ ३४	४७ २९	२३ २७	० ३	१२ २४	११ २५
२३	८ २२ ६	१ २९	० ४९	० ७	२८५ ६	२८६ २८	१ ३५	४७ ४५	२३ २४	० ३	१२ ३०	११ २७
२४	८ २३ ३५	१ २९	० ५६	० ६	२८६ ३५	२८८ ३	१ ३७	४८ १	२३ २१	० ४	१२ ३६	११ २९
२५	८ २५ ४	१ ३०	१ २	० ६	२८८ ४	२८९ ४०	१ ३९	४८ १७	२३ १७	० २	१२ ४३	११ ३२
२६	८ २६ ३४	१ ३१	१ ८	० ६	२८९ ३४	२९१ १९	१ ४०	४८ ३३	२३ १५	० ०६	१२ ४७	११ ३४
२७	८ २८ ५	१ ३२	१ १४	० ५	२९१ ५	२९२ ५९	१ ४०	४८ ५०	२३ ९	० १३	१२ ५६	११ ३७
२८	८ २९ ३७	१ ३३	१ १९	० ६	२९२ ३७	२९४ ३९	१ ४०	४९ ७	२२ ५६	० १४	१३ ३	११ ४०
२९	९ १ १०	+१ ३३	–१ २५	० ५	२९४ १०	२९६ १९	१ ४०	४९ २३	२२ ४२	० १४	१३ ९	११ ४३
३०	९ २ ४३	१ ३४	१ ३०	० ४	२९५ ४३	२९७ ५९	१ ४१	४९ ४०	२२ २८	० १५	१३ १६	११ ४५
३१	९ ४ १७	१ ३५	१ ३४	० ५	२९७ १७	२९९ ४०	१ ४१	४९ ५७	२२ १३	० १५	१३ २३	११ ४८
१	९ ५ ५२	१ ३५	१ ३९	० ४	२९८ ५२	३०१ २१	१ ४१	५० १४	२१ ५८	० १६	१३ ३१	११ ५१
२	९ ७ २९	१ ३६	१ ४३	० ४	३०० २९	३०३ २	१ ४२	५० ३०	२१ ४२	० १७	१३ ३९	११ ५३
३	९ ९ ३	१ ३७	१ ४७	० ३	३०२ ३	३०४ ४४	१ ४२	५० ४७	२१ २५	० १९	१३ ४४	११ ५७
४	९ १० ४०	१ ३७	१ ५०	० ३	३०३ ४०	३०६ २६	१ ४२	५१ ४	२१ ६	० २०	१३ ५१	१२ ०
५	९ १२ १७	+१ ३८	–१ ५३	० ३	३०५ १६	३०८ ८	१ ४२	५१ २१	२० ४६	० २१	१३ ५८	१२ २
६	९ १३ ५५	१ ३९	१ ५६	० २	३०६ ५५	३०९ ५०	१ ४२	५१ ३८	२० २५	० २२	१४ ५	१२ ५
७	९ १५ ३४	१ ४०	१ ५८	० २	३०८ ३४	३११ ३२	१ ४२	५१ ५५	२० ३	० २३	१४ १२	१२ ८
८	९ १७ १४	१ ४१	२ ०	० २	३१० १४	३१३ १४	१ ४३	५२ १२	१९ ४०	० २४	१४ २०	१२ ११
९	९ १८ ५५	१ ४१	२ २	० २	३११ ५५	३१४ ५७	१ ४३	५२ ३०	१९ १६	० २५	१४ २८	१२ १४
१०	९ २० ३६	१ ४२	२ ४	० १	३१३ ३६	३१६ ४०	१ ४३	५२ ४७	१८ ५१	० २६	१४ ३५	१२ १७
११	९ २२ १८	+१ ४४	२ ५	० १	३१५ १८	३१८ २३	१ ४३	५३ ४	१८ २५	० २८	१४ ४२	१२ २०
१२	९ २४ २	१ ४४	२ ६	० ०	३१७ २	३२० ६	१ ४३	५३ २१	१७ ५७	० ३०	१४ ४९	१२ २३
१३	९ २५ ४६	१ ४५	२ ६	० ०	३१८ ४६	३२१ ४९	१ ४४	५३ ३८	१७ २७	० ३२	१४ ५६	१२ २६
१४	९ २७ ३१	१ ४६	२ ६	० २	३२० ३१	३२३ ३३	१ ४४	५३ ५६	१६ ५५	० ३४	१५ ४	१२ २८
१५	९ २९ १७	१ ४६	२ ५	० १	३२२ १७	३२५ १७	१ ४४	५४ १३	१६ २१	० ३६	१५ १२	१२ ३२
१६	० १ ३	१ ४८	२ ४	० २	३२४ ३	३२७ १	१ ४४	५४ ३०	१५ ४५	० ३८	१५ १९	१२ ३५
१७	१० २ ५१	१ ४८	२ २	० ३	३२५ ५१	३२८ ४५	१ ४४	५४ ४८	१५ ७	० ४०	१५ २७	१२ ३८
१८	१० ४ ३९	१ ५०	१ ५९	० २	३२७ ३९	३३० २९	१ ४५	५५ ५	१४ २७	० ४२	१५ ३४	१२ ४१
१९	० ६ २९		१ ५७		३२९ २९	३३२ १४		५५ २२	–१३ ४५		१५ ४१	१२ ४३

बुध

फरवरी–मार्च सन १९३९ इ फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.		अं.	अ.	अं.	अं क.	अं.	अं. क.
१९	३० र	५४३३	३२९·७५	२७६ २१	–२३·४३	३०६·३२	०·३९४७	२८१·६८	३०६·४२	–६ ५१	३५९·९२	– ० १
२०	१ चं	५४३४	३३३·८४	२८०·३०	–२३·६१	३१०·२३	०·३८९७	२८५·५९	३१०·३५	६ ४४	२·८४	+ ० २७
२१	२ मं	५४३५	३३७·९३	२८४·४०	२३·६८	३१४·२५	०·३८३४	२८९·६१	३१४·३८	६ ३६	५·८७	१ ३८
२२	३ बु	५४३६	३४२·०३	२८८·४८	२३·६३	३१८·४०	०·३७७७	२९३·७६	३१८·५५	६ २४	९·३	२ ३०
२३	४ गु	५४३७	३४६·१२	२९२·५८	२३·४५	३२२·६७	०·३७१९	२९८·०३	३२२·८४	६ १०	१२·३१	३ २१
२४	५ शु	५४३८	३५०·२१	२९६·६७	२३·१३	३२७·०८	०·३६६१	३०२·४८	३२७·२८	५ ५५	१५·७५	४ ८
२५	६ श	५४३९	३५४·३०	३००·७६	२२·६८	३३१·६२	०·३६०५	३०६·९८	३३१·८३	५ ३६	१९·२९	५ ७
२६	७ र	५४४०	३५८·४०	३०४·८५	२२·०७	३३६·३३	०·३५४६	३११·६९	३३६·५४	५ १४	२२·९९	६ ०
२७	८ चं	५४४१	२·४९	३०८·९५	–२१·३१	३४१·१८	०·३४९०	३१६·५४	३४१·४०	–४ ४९	२६·८५	+ ६ ५४
२८	९ म	५४४२	६·५८	३१३·०४	२०·४०	३४६·१८	०·३४३६	३२१·५४	३४६·४१	४ २१	३०·८६	७ ५२
१	१० बु	५४४३	१०·६८	३१७·१३	१९·३३	३५१·३५	०·३३८२	३२६·७१	३५१·४५	३ ५१	३४·८९	८ ४१
२	११ गु	५४४४	१४·७७	३२१·२२	१८·१०	३५६·६७	०·३३३३	३३२·०३	३५६·७५	३ १७	३९·१९	९ ३३
३	१२ शु	५४४५	१८·८६	३२५·३२	१६·७१	२·१५	०·३२८५	३३७·५१	२·३१	२ ४१	४३·७३	१० २८
४	१४ श	५४४६	२२·९५	३२९·४१	१५·१७	७·७८	०·३२४२	३४३·१४	७·९०	२ २	४८·३३	११ २१
५	१५ र	५४४७	२७·०५	३३३·५०	१३·४८	१३·५७	०·३२०२	३४८·९३	१३·६५	१ २१	५३·८	१२ ०
६	१ चं	५४४८	३१·१४	३३७·६०	–११·६६	१९·४८	०·३१६८	३५४·८४	१९·५३	–० ३८	५७·९६	+१३ १
७	२ मं	५४४९	३५·२३	३४१·६९	९·७०	२५·५३	०·३१३८	०·८९	२५·५२	+० ६	६२·९५	१३ ५०
८	३ बु	५४५०	३९·३२	३४५·७८	७·६५	३१·६७	०·३११३	७·०३	३१·६५	० ५१	६८·८	१४ ३६
९	४ गु	५४५१	४३·४२	३४९·८७	५·५१	३७·९१	०·३०९४	१३·२७	३७·८१	१ ३६	७३·२४	१५ १९
१०	५ शु	५४५२	४७·५१	३५३·९६	३·३१	४४·२०	०·३०८२	१९·५६	४४·०६	२ २१	७८·४९	१६ २९
११	६ श	५४५३	५१·६०	३५८·०६	– १·०७	४९·५९	०·३०७६	२४·९५	५०·३५	२ ५७	८३·७८	१७ ३५
१२	७ र	५४५४	५५·६९	२·१५	+ १·१८	५६·८७	०·३०७६	३२·२३	५६·६९	३ ४४	८९·१२	१७ ७
१३	८ चं	५४५५	५९·७८	६·२४	+ ३·४२	६३·२०	०·३०८३	३८·५६	६३·००	+४ २२	९४·४३	+१७ ३५
१४	९ मं	५४५६	६३·८७	१०·३३	५·६१	६९·४८	०·३०९५	४४·८४	६९·२९	४ ५६	९९·७३	१७ ५७
१५	१० बु	५४५७	६७·९७	१४·४३	७·७५	७५·७२	०·३११५	५१·०८	७५·५२	५ २७	१०४·९६	१८ १३
१६	११ गु	५४५८	७२·०६	१८·५२	९·८१	८१·८७	०·३१३९	५७·२३	८१·६७	५ ५३	११०·११	१८ २३
१७	१२ शु	५४५९	७६·१५	२२·६१	११·७५	८७·९०	०·३१७०	६३·२६	८७·७२	६ १५	११५·१७	१८ २७
१८	१३ श	५४६०	८०·२५	२६·७०	१३·५६	९३·२१	०·३२०४	६८·१७	९३·६६	६ ३१	१२०·११	१८ २२
१९	१४ र	५४६१	८४·३४	३०·८०	१५·२५	९९·५९	०·३२४४	७४·९५	९९·४७	६ ४६	१२४·९३	१८ ११
२०	३० चं	५४६२	८८·४३	३४·८९	१६·७९	१०५·२२	०·३२८८	८०·५८	१०५·१३	६ ५४	१२९·५९	१८ २
२१	३० मं	५४६३	९२·५२	३८·९८	+१८·१५	११०·६७	०·३३३५	८६·०३	११०·६६	६ ५९	१३४·१३	१७ २४

फरवरी-मार्च सन १९३९ इ. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का बुध का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा.अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क	अं. क.	घ. प	स्टैं.घं. मि.
१९	१० ६ २९	१ ५०	१ ५७	० २	३२९ २९	३३२ १४	१ ४५	५५ २२	१३ ४५	० ४४	१५ ४१	१२ ४४
२०	१० ८ १९	+१ ५०	−१ ५४	० ३	३३१ १९	३३३ ५९	१ ४५	५५ ४०	−१३ १	० ४८	१५ ४९	१२ ४७
२१	१० १० ९	१ ५२	१ ५१	० ४	३३३ ९	३३५ ४४	१ ४६	५५ ५७	१२ १३	० ४८	१५ ५६	१२ ४९
२२	१० १२ १	१ ५२	१ ४७	० ४	३३५ १	३३७ ३०	१ ४६	५६ १५	११ २५	० ५०	१६ ५	१२ ५३
२३	१० १३ ५३	१ ५२	१ ४३	० ४	३३६ ५३	३३९ १६	१ ४५	५६ ३३	१० ३५	० ४८	१६ १२	१२ ५६
२४	१० १५ ४५	१ ५३	१ ३९	० ९	३३८ ४५	३४१ १	१ ४४	५६ ५०	९ ४७	० ४९	१६ २०	१२ ५९
२५	१० १७ ३८	१ ५४	१ ३०	० ६	३४० ३८	३४२ ४५	१ ४३	५७ ८	८ ५८	० ४९	१६ २७	१३ ५
२६	१० १९ ३२	१ ५४	१ २४	० ७	३४२ ३२	३४४ २८	१ ४२	५७ २५	८ ९	० ५०	१६ ३५	१३ २
२७	१० २१ २६	१ ५४	१ १७	० ८	३४४ ३६	३४६ १०	१ ४२	५७ ४२	७ १९	० ५१	१६ ४२	१३ ८
२८	१० २३ २०	१ ५४	१ ९	० ८	३४६ २०	३४७ ५२	१ ४२	५७ ५९	६ २८	० ५२	१६ ४९	१३ ११
१	१० २५ १४	१ ५४	१ १	० ९	३४८ १४	३४९ ३४	१ ४२	५८ १६	५ ३६	० ५३	१६ ५७	१३ १४
२	१० २७ ८	१ ५३	० ५२	० १०	३५० ८	३५१ १६	१ ४१	५८ ३३	४ ४३	० ५४	१७ ४	१३ १६
३	१० २८ १	१ ५२	० ४२	० १०	३५१ १	३५१ ५७	१ ४०	५८ ५०	३ ४९	० ५५	१७ ११	१३ १९
४	११ ० ५३	१ ५२	० ३२	० ११	३५३ ५३	३५४ ३७	१ ३८	५९ ६	२ ५४	० ५५	१७ १७	१३ २२
५	११ २ ४५	१ ५०	० २१	० ११	३५५ ४५	३५६ १५	१ ३७	५९ २३	१ ५९	० ५४	१७ २४	१३ २५
६	११ ४ ३५	१ ४९	−० १०	० १२	३५७ ३५	३५७ ५२	१ ३५	५९ ३९	१ ५	० ५३	१७ ३०	१३ २७
७	११ ६ २४	१ ४४	+० २	० १२	३५९ २४	३५९ २७	१ ३२	५९ ५५	−० १२	० ५२	१७ ३६	१३ २९
८	११ ८ ८	१ ४५	० १४	० १३	१ ८	० ५९	१ २९	० १०	+० ४०	० ५२	१७ ४३	१३ ३२
९	११ ९ ५३	१ ४०	० २७	० १३	२ ५३	२ २८	१ २६	० २५	१ ३२	० ५२	१७ ४९	१३ ३५
१०	११ ११ ३३	१ ३६	० ४०	० १३	४ ३३	३ ५४	१ २३	० ३९	२ २४	० ५१	१७ ५५	१३ ३८
११	११ १३ ९	१ ३२	० ५३	० १३	६ ९	५ १७	१ २१	० ५३	३ १५	० ४९	१८ १	१३ ३९
१२	११ १४ ४१	१ २८	१ ६	० १३	७ ४१	६ ३८	१ १७	१ ६	४ ४	० ४७	१८ ६	१३ ४१
१३	११ १६ ९	१ २२	−१ १९	० १४	९ ९	७ ५५	१ ११	१ १९	४ ५१	० ४४	१८ ११	१३ ४३
१४	११ १७ ३१	१ १६	१ ३३	० १३	१० ३१	९ ६	१ ४	१ ३१	५ ३५	० ४२	१८ १५	१३ ४५
१५	११ १८ ४७	१ ९	१ ४६	० १३	११ ४७	१० १०	० ५७	१ ४२	६ १७	० ३९	१८ १९	१३ ४७
१६	११ १९ ५६	१ ४	१ ५९	० १२	१२ ५६	११ ७	० ५०	१ ५१	६ ५६	० ३६	१८ २०	१३ ४७
१७	११ २१ ०	० ५५	२ ११	० ११	१४ ०	११ ५७	० ४३	२ ०	७ ३२	० ३३	१८ २१	१३ ४८
१८	११ २१ ५५	० ४९	२ २२	० १२	१४ ५५	१२ ४०	० ३५	२ ७	८ ५	० २९	१८ २०	१३ ४७
१९	११ २२ ४४	० ४०	२ ३४	० ११	१५ ४४	१३ १५	० २९	२ १३	८ ३४	० २५	१८ १९	१३ ४७
२०	११ २३ २४	+० ३३	२ ४५	० १०	१६ २४	१३ ४४	० २४	२ १७	८ ५९	० २१	१८ १५	१३ ४५
२१	११ २३ ५७		−२ ५५		१६ ५७	१४ ८		२ २१	+ ९ २०		१८ ११	१३ ४३

गुरु

अप्रेल सन १९३८ इ. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित।

ता.	ति वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र
			अ.	अं.	अ.	अं.		अ.	अ.	अ क.	अं.
३१	३० गु	५१०८	२९६·४२	३०६·०९	४ ६२	२९१·८°	५·०६४	२१४·९७	२९१·७९	० ४५	५४·९०
१	१ शु	५१०९	२९६·५१	३०६·१७	–४ ६२	२९१·८९	५·०६३	२१५·०६	२९१·८८	–० ४५	५५·७९
२	२ श	५११०	२९६·५९	३०६·२५	४ ६२	२९१·९८	५·०६३	२१५·१५	२९१·९७	० ४५	५६·६९
३	३	५१११	२९६·६७	३०६·३४	४ ६१	२९२·०६	५·०६२	२१५·२३	२९२·०५	० ४५	५७·५९
४	४ चं	५११२	२९६·७६	३०६·४२	४ ६१	२९२·१५	५·०६२	२१५·३२	२९२·१४	० ४५	५८·४९
५	५ मं	५११३	२९६·८४	३०६·५१	४ ६१	२९२·२४	५·०६२	२१५·४१	२९२·२३	० ४५	५९·३८
६	६ बु	५११४	२९६·९२	३०६·५९	४ ६०	२९२·३२	५·०६२	२१५·४९	२९२·३१	० ४५	६०·२९
७	७ गु	५११५	२९७·००	३०६·६७	४ ६०	२९२·४०	५·०६१	२१५·५८	२९२·४०	० ४५	६१·१८
८	८ शु	५११६	२९७·०९	३०६·७६	४ ५९	२९२·५०	५·०६१	२१५·६७	२९२·४९	० ४५	६२·०८
९	१० श	५११७	२९७·१७	३०६·८४	४ ५९	२९२·५८	५·०६१	२१५·७५	२९२·५७	० ४५	६२·९८
१०	११ र	५११८	२९७·२५	३०६·९२	४ ५९	२९२·६६	५·०६०	२१५·८४	२९२·६६	० ४६	६३·८७
११	१२ चं	५११९	२९७·३४	३०७·००	४ ५९	२९२·७५	५·०६०	२१५·९३	२९२·७५	० ४६	६४·७६
१२	१३ मं	५१२०	२९७·४२	३०७·०८	४ ५८	२९२·८४	५·०५९	२१६·०२	२९२·८४	० ४६	६५·६५
१३	४ बु	५१२१	२९७·५०	३०७·१६	४ ५७	२९२·९३	५·०५९	२१६·१०	२९२·९२	० ४६	६६·५५
१४	५ गु	५१२२	२९७·५९	३०७·२५	४ ५७	२९३·००	५·०५९	२१६·२०	२९३·०२	० ४६	६७·४३
१५	१ शु	५१२३	२९७·६७	३०७·३३	४ ५६	२९३·१०	५·०५९	२१६·२८	२९३·१०	० ४६	६८·३३
१६	२ श	५१२४	२९७·७५	३०७·४२	४ ५६	२९३·१९	५·०५८	२१६·३६	२९३·१८	० ४	६९·२३
१७	३ र	५१२५	२९७·८३	३०७·५०	४ ५६	२९३·२८	५·०५८	२१६·४५	२९३·२७	० ४६	७०·१२
१८	४ चं	५१२६	२९७·९२	३०७·५९	४ ५५	२९३·३	५·०५८	२१६·५३	२९३·३६	० ४६	७१·०१
१९	५ मं	५१२७	२९८·००	३०७·६७	४ ५५	२९३·४६	५·०५७	२१६·६२	२९३·४५	० ४६	७१·८९
२०	५ बु	५१२८	२९८·०८	३०७·७५	४ ५४	२९३·५४	५·०५७	२१६·७१	२९३·५३	० ४७	७२·७९
२१	६ गु	५१२९	२९८·१७	३०७·८३	४ ५४	२९३·६३	५·०५७	२१६·८०	२९३·६२	० ४	७३·५८
२२	७ शु	५१३०	२९८·२५	३०७·९२	४ ५४	२९३·७२	५·०५७	२१६·८९	२९३·७१	० ४	७४·५६
२३	८ श	५१३१	२९८·३३	३०८·००	४ ५३	२९३·८१	५·०५६	२१६·९८	२९३·८०	० ४७	७५·४४
२४	९ र	५१३२	२९८·४२	३०८·०८	४ ५२	२९३·९०	५·०५६	२१७·०७	२९३·८९	० ४७	७६·३३
२५	१० चं	५१३३	२९८·५०	३०८·१७	४ ५२	२९३·९९	५·०५६	२१७·१६	२९३·९८	० ४७	७७·२१
२६	११ मं	५१३४	२९८·५८	३०८·२५	४ ५१	२९४·०७	५·०५६	२१७·२४	२९४·०६	० ४७	७८·११
२७	१२ बु	५१३५	२९८·६६	३०८·३४	४ ५१	२९४·१६	५·०५५	२१७·३३	२९४·१	० ४७	७८·९९
२८	१३ गु	५१३६	२९८·७५	३०८·४२	४ ५०	२९४·२५	५·०५५	२१७·४२	२९४·२४	० ४७	७९·८७
२९	१४ शु	५१३७	२९८·८३	३०८·५०	४ ४९	२९४·३	५·०५५	२१७·५१	२९४·३३	० ४७	८०·७५
३०	३० श	५१३८	२९८·९१	३०८·५८	–४ ४८	२९४·४२	५·०५५	२१७·६०	२९४·४२	–० ४८	८१·६३

अप्रेल सन १९३८ इ. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं क.	अ. क	अं. क.	अ. क.	अं. क.	अ. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टैं. घ.मि.
३१	१० ० २	० १२	० ३९	० ०	३२३ १	३२५ ३४	० १२	५४ १६	-१४ २८	० ४	७ ५८	९ ३८
१	१० ० १४	० १२	-० ३९	० ०	३२३ १३	३२५ ४६	० ११	५४ १८	-१४ २४	० ४	७ ५१	९ ३५
२	१० ० २६	० १२	० ३९	० १	३२३ २५	३२५ ५७	० १२	५४ २०	१४ २०	० ३	७ ४३	९ ३२
३	१० ० ३८	० १२	० ४०	० ०	३२३ ३७	३२६ ९	० ११	५४ २२	१४ १७	० ३	७ ३५	९ २९
४	१० ० ५०	० ११	० ४०	० ०	३२३ ४९	३२६ २०	० १२	५४ २३	१४ १४	० ४	७ २६	९ २५
५	१० १ १	० ११	० ४०	० ०	३२४ ०	३२६ ३२	० ११	५४ २५	१४ १०	० ३	७ १८	९ २२
६	१० १ १२	० ११	० ४०	० ०	३२४ ११	३२६ ४३	० १२	५४ २७	१४ ७	० ४	७ १०	९ १९
७	१० १ २३	० ११	० ४०	० ०	३२४ २२	३२६ ५५	० ११	५४ २९	१४ ३	० ३	७ ३	९ १६
८	१० १ ३४	० ११	० ४०	० १	३२४ ३३	३२७ ६	० ११	५४ ३१	-१४ ०	० ४	६ ५५	९ १३
९	१० १ ४५	० ११	० ४१	० ०	३२४ ४४	३२७ १७	० १०	५४ ३३	१३ ५६	० ४	६ ४७	९ १०
१०	१० १ ५६	० ११	० ४१	० ०	३२४ ५५	३२७ २७	० १०	५४ ३५	१३ ५२	० ३	६ ३९	९ ७
११	१० २ ७	० ११	० ४१	० ०	३२५ ६	३२७ ३७	० १०	५४ ३६	१३ ४९	० ३	६ ३०	९ ३
१२	१० २ १८	० ११	० ४१	० ०	३२५ १७	३२७ ४७	० १०	५४ ३८	१३ ४६	० ३	६ २२	९ ०
१३	१० २ २९	० ११	० ४१	० १	३२५ २८	३२७ ५७	० ११	५४ ४०	१३ ४३	० ३	६ १४	८ ५७
१४	१० २ ४०	० ११	० ४२	० ०	३२५ ३९	३२८ ८	० १०	५४ ४१	१३ ४०	० ४	६ ६	८ ५३
१५	१० २ ५१	० १०	० ४२	० ०	३२५ ५०	३२८ १८	० १०	५४ ४३	-१३ ३६	० ३	५ ५८	८ ५१
१६	१० ३ १	० १०	० ४२	० ०	३२६ ०	३२८ २८	० १०	५४ ४५	१३ ३३	० ३	५ ५०	८ ४७
१७	१० ३ ११	० १०	० ४२	० ०	३२६ १०	३२८ ३८	० १०	५४ ४६	१३ ३०	० ३	५ ४१	८ ४३
१८	१० ३ २१	० १०	० ४२	० ०	३२६ २०	३२८ ४८	० ११	५४ ४८	१३ २७	० ३	५ ३३	८ ४०
१९	१० ३ ३१	० १०	० ४२	० १	३२६ ३०	३२८ ५९	० ९	५४ ५०	१३ २४	० २	५ २५	८ ३७
२०	१० ३ ४१	० १०	० ४३	० ०	३२६ ४०	३२९ ८	० १०	५४ ५१	१३ २२	० ३	५ १६	८ ३३
२१	१० ३ ५१	० १०	० ४३	० ०	३२६ ५०	३२९ १८	० ९	५४ ५३	१३ १९	० ३	५ ९	८ ३१
२२	१० ४ १	० १०	० ४३	० ०	३२७ ०	३२९ २८	० १०	५४ ५५	१३ १६	० ३	५ १	८ २७
२३	१० ४ ११	० १०	० ४३	० ०	३२७ १०	३२९ ३७	० ९	५४ ५६	-१३ १३	० ३	४ ५२	८ २४
२४	१० ४ २१	० ९	० ४३	० १	३२७ २०	३२९ ४६	० १०	५४ ५८	१३ १०	० ३	४ ४४	८ २०
२५	१० ४ ३०	० ९	० ४४	० ०	३२७ २९	३२९ ५६	० ९	५४ ५९	१३ ७	० ३	४ ३५	८ १७
२६	१० ४ ३९	० ९	० ४४	० ०	३२७ ३८	३३० ५	० १०	५५ १	१३ ४	० ३	४ २७	८ १४
२७	१० ४ ४८	० ९	० ४४	० ०	३२७ ४७	३३० १५	० ९	५५ ३	१३ १	० ३	४ १९	८ ११
२८	१० ४ ५७	० ९	० ४४	० ०	३२७ ५६	३३० २४	० १०	५५ ४	१२ ५८	० ३	४ ११	८ ७
२९	१० ५ ६	० ९	० ४४	० १	३२८ ५	३३० ३४	० ९	५५ ६	१२ ५५	० २	४ ३	८ ४
३०	१० ५ १५		-० ४५		३२८ १४	३३० ४३		५५ ७	१२ ५३		३ ५४	८ ०

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अ.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
३०	३० श	५१३८	२९८·९१	३०८·५८	४·४८	२९४·४३	५·०५५	२१७·६०	२९४·४२	० ४८	८१·६३	१० ५०
१	१ र	५१३९	२९९·००	३०८·६७	– ४·४८	२९४·५२	५·०५५	२१७·६९	२९४·५१	–० ४८	८२·५२	+११ ५४
२	३ चं	५१४०	२९९·०८	३०८·७५	४·४८	२९४·६०	५·०५४	२१७·७७	२९४·५९	० ४८	८३·४१	११ ५७
३	४ मं	५१४१	२९९·१६	३०८·८३	४·४७	२९४·६९	५·०५४	२१७·८६	२९४·६८	० ४८	८४·३१	११ ०
४	५ बु	५१४२	२९९·२५	३०८·९२	४·४६	२९४·७९	५·०५४	२१७·९६	२९४·७८	० ४८	८५·१५	११ ३
५	६ गु	५१४३	२९९·३३	३०९·००	४·४६	२९४·८७	५·०५३	२१८·०४	२९४·८६	० ४८	८६·०४	११ ७
६	७ शु	५१४४	२९९·४१	३०९·०८	४·४६	२९४·९५	५·०५३	२१८·१२	२९४·९४	० ४८	८६·९३	११ ९
७	८ श	५१४५	२९९·४९	३०९·१६	४·४५	२९५·०४	५·०५३	२१८·२१	२९५·०३	० ४८	८७·८१	११ १२
८	९ र	५१४६	२९९·५८	३०९·२५	४·४५	२९५·१३	५·०५२	२१८·३०	२९५·१२	० ४८	८८·६९	११ १४
९	१० चं	५१४७	२९९·६६	३०९·३३	४·४५	२९५·२१	५·०५२	२१८·३८	२९५·२०	० ४८	८९·५७	११ १७
१०	११ मं	५१४८	२९९·७४	३०९·४०	४·४४	२९५·३०	५·०५२	२१८·४७	२९५·२९	० ४८	९०·४५	११ १९
११	१२ बु	५१४९	२९९·८३	३०९·४८	४·४४	२९५·३९	५·०५१	२१८·५६	२९५·३८	० ४९	९१·३३	११ २१
१२	१३ गु	५१५०	२९९·९१	३०९·५६	४·४३	२९५ ४८	५·०५१	२१८·६५	२९५·४७	० ४९	९२·२०	११ २३
१३	१४ शु	५१५१	२९९·९९	३०९·६५	४·४३	२९५·५६	५·०५१	२१८·७३	२९५·५५	० ४९	९३·०९	११ २५
१४	१५ श	५१५२	३००·०८	३०९·७३	४·४२	२९५·६६	५·०५१	२१८·८३	२९५·६५	० ४९	९३·९५	११ २६
१५	१ र	५१५३	३००·१६	३०९·८२	४·४२	२९५·७४	५·०५०	२१८·९१	२९५·७३	० ४९	९४·८४	११ २८
१६	२ चं	५१५४	३००·२४	३०९·९०	४·४१	२९५·८३	५·०५०	२१९·००	२९५·८२	० ४९	९५·७१	११ २९
१७	३ मं	५१५५	३००·३२	३०९·९९	४·४१	२९५·९१	५·०४९	२१९·०८	२९५·९०	० ४९	९६·५९	११ ३०
१८	४ बु	५१५६	३००·४१	३१०·०७	४·४०	२९६·०१	५·०४९	२१९·१८	२९६·००	० ४९	९७·४६	११ ३०
१९	५ गु	५१५७	३००·४९	३१०·१६	४·३९	२९६·१०	५·०४९	२१९·२६	२९६·०९	० ४९	९८·३३	११ ३२
२०	६ शु	५१५८	३००·५७	३१०·२४	४·३९	२९६·१८	५·०४९	२१९·३५	२९६·१७	० ४९	९९·२१	११ ३३
२१	७ श	५१५९	३००·६६	३१०·३३	४·३८	२९६·२८	५·०४९	२१९·४५	२९६·२७	० ४९	१००·०७	११ ३४
२२	८ र	५१६०	३००·७४	३१०·४१	४·३८	२९६·३६	५·०४९	२१९·५३	२९६·३५	० ५०	१००·९६	११ ३४
२३	८ चं	५१६१	३००·८२	३१०·४९	४·३७	२९६·४५	५·०४९	२१९·६२	२९६·४४	० ५०	१०१·८३	११ ३४
२४	९ मं	५१६२	३००·९१	३१०·५८	४·३६	२९६·५५	५·०४८	२१९·७२	२९६·५४	० ५०	१०२·६९	११ ३४
२५	१० बु	५१६३	३००·९९	३१०·६६	४·३६	२९६·६३	५·०४७	२१९·८०	२९६·६२	० ५०	१०३·५७	११ ३४
२६	१२ गु	५१६४	३०१·०७	३१०·७४	४·३६	२९६·७१	५·०४७	२१९·८८	२९६·७०	० ५०	१०४·४५	११ ३४
२७	१३ शु	५१६५	३०१·१५	३१०·८२	४·३५	२९६·८०	५·०४७	२१९·९७	२९६·७९	० ५०	१०५·३२	११ ३३
२८	१४ श	५१६६	३०१·२४	३१०·९१	४·३४	२९६·९०	५·०४७	२२०·०७	२९६·८९	० ५०	१०६·१८	११ ३३
२९	३० र	५१६७	३०१·३२	३१०·९९	– ४·३४	२९६·९८	५·०४६	२२०·१५	२९६·९७	–० ५०	१०७·०६	+११ ३२

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लघन काल	
	रा अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं क.	अं. क.	अं. क	घ प.	अं. क.	अं क.	घ. प.	स्टैं. घं. मि.
३०	१० ५ १५	० ९	−० ४५	० ०	३२८ १४	३३० ४३	० ९	५५ ७	−१२ ५३	० ३	३ ५४	८ ०
१	१० ५ २४	० ९	० ४५	० ०	३२८ २३	३३० ५२	० ९	५५ ९	१२ ५०	० ३	३ ४६	७ ५८
२	१० ५ ३३	० ८	० ४५	० ०	३२८ ३२	३३१ १	० ९	५५ १०	१२ ४७	० ३	३ ३७	७ ५४
३	१० ५ ४१	० ८	० ४५	० ०	३२८ ४०	३३१ १०	० ९	५५ १२	१२ ४४	० ३	३ २९	७ ५१
४	१० ५ ४९	० ८	० ४५	० १	३२८ ४८	३३१ १९	० ९	५५ १३	१२ ४१	० २	३ २०	७ ४७
५	१० ५ ५७	० ८	० ४६	० ०	३२८ ५६	३३१ २८	० ९	५५ १५	१२ ३९	० ३	३ १३	७ ४४
६	१० ६ ५	० ८	० ४६	० ०	३२९ ४	३३१ ३७	० ९	५५ १६	१२ ३६	० ३	३ ४	७ ४०
७	१० ६ १३	० ८	−० ४६	० ०	३२९ १२	३३१ ४६	० ९	५५ १८	−१२ ३३	० ३	२ ५६	७ ३७
८	१० ६ २१	० ८	० ४६	० १	३२९ २०	३३१ ५५	० ९	५५ १९	१२ ३०	० ३	२ ४७	७ ३४
९	१० ६ २९	० ८	० ४७	० ०	३२९ २८	३३२ ४	० ५	५५ २१	१२ २७	० २	२ ३९	७ ३१
१०	१० ६ ३७	० ८	० ४७	० ०	३२९ ३६	३३२ ९	० ५	५५ २२	१२ २५	० ३	२ ३०	७ २७
११	१० ६ ४५	० ७	० ४७	० ०	३२९ ४४	३३२ १४	० ६	५५ २२	१२ २२	० २	२ २०	७ २३
१२	१० ६ ५२	० ७	० ४७	० ०	३२९ ५१	३३२ २०	० ५	५५ २३	१२ २०	० ३	२ १२	७ २०
१३	१० ६ ५९	० ७	० ४७	० १	३२९ ५८	३३२ २५	० ५	५५ २४	१२ १७	० २	२ ३	७ १६
१४	१० ७ ६	० ७	० ४८	० ०	३३० ५	३३२ ३०	० ६	५५ २५	१२ १५	० ३	१ ५४	७ १३
१५	१० ७ १३	० ६	−० ४८	० ०	३३० १२	३३२ ३६	० ५	५५ २६	−१२ १२	० २	१ ४५	७ ९
१६	१० ७ १९	० ६	० ४८	० ०	३३० १८	३३२ ४१	० ५	५५ २७	१२ १०	० ३	१ ३६	७ ५
१७	१० ७ २५	० ६	० ४८	० १	३३० २४	३३२ ४६	० ५	५५ २८	१२ ७	० २	१ २७	७ २
१८	१० ७ ३१	० ६	० ४९	० ०	३३० ३०	३३२ ५१	० ६	५५ २९	१२ ५	० ३	१ १८	६ ५८
१९	१० ७ ३७	० ६	० ४९	० ०	३३० ३६	३३२ ५७	० ५	५५ ३०	१२ २	० १	१ १०	६ ५५
२०	१० ७ ४३	० ६	० ४९	० ०	३३० ४२	३३३ १	० ५	५५ ३०	१२ १	० २	१ ०	६ ५१
२१	१० ७ ४९	० ६	० ४९	० १	३३० ४८	३३३ ७	० ५	५५ ३१	११ ५९	० २	० ५१	६ ४७
२२	१० ७ ५५	० ५	−० ५०	० ०	३३० ५४	३३३ १२	० ५	५५ ३२	−११ ५७	० २	० ४२	६ ४४
२३	१० ८ ०	० ५	० ५०	० ०	३३० ५९	३३३ १७	० ५	५५ ३३	११ ५५	० १	० ३३	६ ४०
२४	१० ८ ५	० ५	० ५०	० ०	३३१ ४	३३३ २२	० ५	५५ ३४	११ ५४	० २	० २४	६ ३६
२५	१० ८ १०	० ५	० ५०	० १	३३१ ९	३३३ २७	० ५	५५ ३५	११ ५२	० २	० १५	६ ३३
२६	१० ८ १५	० ५	० ५१	० ०	३३१ १४	३३३ ३२	० ५	५५ ३५	११ ५०	० १	० ६	६ २९
२७	१० ८ २०	० ५	० ५१	० ०	३३१ १९	३३३ ३७	० ५	५५ ३६	११ ४९	० २	५९ ५७	६ २६
२८	१० ८ २५	० ५	० ५१	० ०	३३१ २४	३३३ ४२	० ६	५५ ३७	११ ४७	० २	५९ ४८	६ २२
२९	१० ८ ३०		० ५१		३३१ २९	३३३ ४८		५५ ३८	११ ४५		५९ ३९	६ १९

मई–जून सन १९१८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ	अ.	अ.		अं.	अ	अ. क.	अ.	अं. क.
२९	३० र	५१६७	३०१·३२	३१०·९९	४·३४	२९६·९८	५·०४६	२२०·१५	२९६·९७	–० ५०	१०७·०६	११ ३२
३०	१ चं	५१६८	३०१·४०	३११·०७	– ४·३३	२९७·०७	५·०४५	२२०·२४	२९७·०६	० ५०	१०७·९३	+११ ३१
३१	२ मं	५१६९	३०१·४९	३११·१६	४·३३	२९७·१६	५·०४५	२२०·३३	२९७·१५	० ५०	१०८·८०	११ ३०
१	३ बु	५१७०	३०१·५७	३११·२४	४·३२	२९७·२५	५·०४५	२२०·४२	२९७·२४	० ५१	१०९·६६	११ २९
२	५ गु	५१७१	३०१·६५	३११·३२	४·३१	२९७·३४	५·०४४	२२०·५१	२९७·३३	० ५१	११०·५३	११ २७
३	६ शु	५१७२	३०१·७४	३११·४१	४·३१	२९७·४३	५·०४४	२२०·६०	२९७·४२	० ५१	१११·४०	११ २५
४	७ श	५१७३	३०१·८२	३११·४९	४·३०	२९७·५२	५·०४४	२२०·६९	२९७·५१	० ५१	११२·२७	११ २३
५	८ र	५१७४	३०१·९०	३११·५७	४·२९	२९७·६१	५·०४३	२२०·७८	२९७·६०	० ५१	११३·१३	११ २१
६	९ च	५१७५	३०१·९८	३११·६५	४·२९	२९७·६९	५·०४३	२२०·८६	२९७·६८	० ५१	११४·०१	११ १९
७	१० मं	५१७६	३०२·०७	३११·७४	४·२९	२९७·७८	५·०४३	२२०·९५	२९७·७७	० ५१	११४·८८	११ १७
८	११ बु	५१७७	३०२·१५	३११·८२	४·२८	२९७·८७	५·०४३	२२१·०४	२९७·८६	० ५१	११५·७५	११ १७
९	१२ गु	५१७८	३०२·२३	३११·९०	४·२७	२९७·९६	५·०४३	२२१·१३	२९७·९५	० ५१	११६·६१	११ १५
१०	१३ शु	५१७९	३०२·३२	३११·९९	४·२७	२९८·०५	५·०४२	२२१·२२	२९८·०४	० ५१	११७·४८	११ ०९
११	१४ श	५१८०	३०२·४०	३१२·०७	४·२७	२९८·१३	५·०४२	२२१·३०	२९८·१२	० ५१	११८·३५	११ ०५
१२	१५ र	५१८१	३०२·४८	३१२·१५	४·२७	२९८·२१	५·०४२	२२१·३८	२९८·२०	० ५२	११९·२३	११ ०२
१३	१ चं	५१८२	३०२·५७	३१२·२४	४·२६	२९८·३१	५·०४१	२२१·४८	२९८·३०	० ५२	१२०·०८	१० ५८
१४	१ मं	५१८३	३०२·६५	३१२·३२	४·२५	२९८·४०	५·०४१	२२१·५७	२९९·३९	० ५२	१२०·९५	१० ५५
१५	२ बु	५१८४	३०२·७३	३१२·४०	४·२५	२९८·४८	५·०४१	२२१·६५	२९८·४७	० ५३	१२१·८२	१० ५१
१६	३ ग	५१८५	३०२·८१	३१२·४८	४·२४	२९८·५७	५·०४१	२२१·७४	२९८·५६	० ५३	१२२·६९	१० ४६
१७	४ श	५१८६	३०२·९०	३१२·५७	४·२४	२९८·६६	५·०४०	२२१·८३	२९८·६५	० ५३	१२३·५५	१० ४२
१८	५ श	५१८७	३०२·९८	३१२·६५	४·२३	२९८·७५	५·०४०	२२१·९२	२९८·७४	० ५३	१२४·४२	१० ३७
१९	६ र	५१८८	३०३·०६	३१२·७३	४·२३	२९८·८३	५·०४०	२२२·००	२९८·८२	० ५३	१२५·२९	१० ३३
२०	७ चं	५१८९	३०३·१५	३१२·८२	४·२२	२९८·९३	५·०३९	२२२·१०	२९८·९२	० ५३	१२६·१५	१० २८
२१	८ मं	५१९०	३०३·२३	३१२·९०	४·२२	२९९·०१	५·०३९	२२२·१८	२९९·००	० ५३	१२७·०२	१० २३
२२	९ बु	५१९१	३०३·३१	३१२·९८	४·२१	२९९·१०	५·०३९	२२२·२७	२९९·०९	० ५३	१२७·८९	१० १८
२३	१० गु	५१९२	३०३·४०	३१३·०७	४·२१	२९९·१९	५·०३८	२२२·३६	२९९·१८	० ५३	१२८·७५	१० १२
२४	११ शु	५१९३	३०३·४८	३१३·१५	४·२१	२९९·२७	५·०३८	२२२·४४	२९९·२६	० ५३	१२९·६२	१० ०७
२५	१२ श	५१९४	३०३·५६	३१३·२३	४·२०	२९९·३६	५·०३८	२२२·५३	२९९·३५	० ५३	१३०·४९	१० ०१
२६	१३ र	५१९५	३०३·६४	३१३·३१	४·१९	२९९·४५	५·०३८	२२२·६२	२९९·४४	० ५३	१३१·३५	९ ५५
२७	३० च	५१९६	३०३·७३	३१३·४०	– ४·१९	२९९·५४	५·०३७	२२२·७१	२९९·५३	–० ५३	१३२·२१	+ ९ ४९

मई-जून सन १९३८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अ. क	अं. क	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टॅ. घं. मि
२९	१० ८ ३०	० ५	-० ५१	० १	३३१ २९	३३३ ४८	० ४	५५ ३८	-११ ४५	० २	५९ ३९	६ १९
३०	१० ८ ३५	+० ४	० ५२	० ०	३३१ ३४	३३३ ५२	० ४	५५ ३९	११ ४३	० १	५९ ३०	६ १५
३१	१० ८ ३९	० ४	० ५२	० ०	३३१ ३८	३३३ ५६	० ४	५५ ३९	११ ४२	० १	५९ २०	६ ११
१	१० ८ ४३	० ४	० ५२	० ०	३३१ ४२	३३४ ०	० ४	५५ ४०	११ ४१	० १	५९ ११	६ ७
२	१० ८ ४७	० ४	० ५२	० १	३३१ ४६	३३४ ४	० ४	५५ ४१	११ ४०	० १	५९ ३	६ ४
३	१० ८ ५१	० ४	० ५३	० ०	३३१ ५०	३३४ ८	० ४	५५ ४१	११ ३९	० २	५८ ५३	६ ०
४	१० ८ ५५	० ४	० ५३	० ०	३३१ ५४	३३४ १२	० ४	५५ ४२	११ ३७	० १	५८ ४४	५ ५७
५	१० ८ ५९	० ४	-० ५३	० ०	३३१ ५८	३३४ १६	० ४	५५ ४३	११ ३६	० १	५८ ३५	५ ५३
६	१० ९ ३	० ४	० ५३	० १	३३२ २	३३४ २०	० ४	५५ ४३	११ ३५	० १	५८ २५	५ ४९
७	१० ९ ७	० ३	० ५४	० ०	३३२ ६	३३४ २४	० ३	५५ ४४	११ ३४	० १	५८ १६	५ ४५
८	१० ९ १०	० २	० ५४	० ०	३३२ ९	३३४ २७	० १	५५ ४५	११ ३३	० ०	५८ ७	५ ४२
९	१० ९ १२	० १	० ५४	० ०	३३२ ११	३३४ २८	० १	५५ ४५	११ ३३	० ०	५७ ५८	५ ३८
१०	१० ९ १३	० १	० ५४	० ०	३३२ १२	३३४ २९	० १	५५ ४५	११ ३३	० ०	५७ ४८	५ ३४
११	१० ९ १४	० १	० ५४	० १	३३२ १३	३३४ ३०	० १	५५ ४५	११ ३३	० ०	५७ ३८	५ ३०
१२	१० ९ १५	० १	० ५५	० ०	३३२ १४	३३४ ३१	० २	५५ ४५	११ ३३	० १	५७ २८	५ २६
१३	१० ९ १६	० १	-० ५५	० ०	३३२ १५	३३४ ३३	० १	५५ ४६	११ ३२	० ०	५७ १९	५ २३
१४	१० ९ १७	० १	० ५५	० ०	३३२ १६	३३४ ३४	० १	५५ ४६	११ ३२	० ०	५७ ९	५ १९
१५	१० ९ १८	० १	० ५५	० १	३३२ १७	३३४ ३५	० १	५५ ४६	११ ३२	० ०	५६ ५९	५ १४
१६	१० ९ १९	० १	० ५६	० ०	३३२ १८	३३४ ३६	० १	५५ ४६	११ ३२	० ०	५६ ५०	५ ११
१७	१० ९ २०	० १	० ५६	० ०	३३२ १९	३३४ ३७	० २	५५ ४६	११ ३२	० ०	५६ ४०	५ ७
१८	१० ९ २१	० १	० ५६	० १	३३२ २०	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	११ ३२	० ०	५६ ३१	५ ३
१९	१० ९ २२	० १	० ५७	० ०	३३२ २१	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	११ ३२	० ०	५६ २१	४ ५९
२०	१० ९ २३	+० ०	० ५७	० ०	३३२ २२	३३४ ३९		५५ ४७	११ ३२	० १	५६ ११	४ ५५
२१	१० ९ २३	-० ०	-० ५७	० १	३३२ २२	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	११ ३३	० ०	५६ १	४ ५१
२२	१० ९ २३	० ०	० ५८	० ०	३३२ २२	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	११ ३३	० ०	५५ ५२	४ ४८
२३	१० ९ २३	० ०	० ५८	० ०	३३२ २२	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	११ ३३	० ०	५५ ४२	४ ४४
२४	१० ९ २३	० ०	० ५८	० ०	३३२ २२	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	११ ३३	० १	५५ ३२	४ ४०
२५	१० ९ २३	० १	० ५८	० ०	३३२ २२	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	११ ३४	० ०	५५ २२	४ ३६
२६	१० ९ २२	-० १	० ५८	० १	३३२ २१	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	११ ३४	० ०	५५ १२	४ ३२
२७	१० ९ २१		० ५९		३३२ २०	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	-११ ३४		५५ २	४ २८

गुरु

जून–जुलई सन १९३८ इ. **आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२७	३० चं	५१९६	३०३.७३	३१३.४०	४.१९	२९९.५४	५.०३७	२२२.७१	२९९.५३	० ५३	१३२.२१	९ ४०
२८	१ मं	५१९७	३०३.८१	३१३.४८	– ४.१८	२९९.६३	५.०३७	२२२.८०	२९९.६२	–० ५३	१३३.०८	+९ ४४
२९	२ बु	५१९८	३०३.८९	३१३.५६	४.१८	२९९.७१	५.०३७	२२२.८८	२९९.७०	० ५३	१३३.९५	९ ३६
३०	३ गु	५१९९	३०३.९८	३१३.६५	४.१७	२९९.८१	५.०३६	२२२.९८	२९९.८०	० ५३	१३४.८०	९ २९
१	४ शु	५२००	३०४.०६	३१३.७३	४.१७	२९९.८९	५.०३६	२२३.०६	२९९.८८	० ५३	१३५.६८	९ २१
२	५ श	५२०१	३०४.१४	३१३.८१	४.१६	२९९.९८	५.०३६	२२३.१५	२९९.९७	० ५३	१३६.५४	९ १४
३	६ र	५२०२	३०४.२३	३१३.९०	४.१५	३००.०८	५.०३६	२२३.२५	३००.०७	० ५३	१३७.३९	९ ०७
४	७ चं	५२०३	३०४.३१	३१३.९८	४.१५	३००.१६	५.०३५	२२३.३३	३००.१५	० ५४	१३८.२७	८ ५८
५	८ मं	५२०४	३०४.३९	३१४.०६	४.१५	३००.२४	५.०३५	२२३.४१	३००.२३	० ५४	१३९.१४	+८ ५१
६	९ बु	५२०५	३०४.४७	३१४.१४	४.१४	३००.३३	५.०३५	२२३.५०	३००.३२	० ५४	१४०.००	८ ४४
७	१० गु	५२०६	३०४.५६	३१४.२३	४.१३	३००.४३	५.०३५	२२३.६०	३००.४२	० ५४	१४०.८६	८ ३५
८	११ शु	५२०७	३०४.६४	३१४.३१	४.१२	३००.५२	५.०३४	२२३.६९	३००.५१	० ५४	१४१.७२	८ २७
९	१२ श	५२०८	३०४.७२	३१४.३९	४.१२	३००.६०	५.०३४	२२३.७७	३००.५९	० ५४	१४२.५९	८ १९
१०	१३ र	५२०९	३०४.८१	३१४.४८	४.११	३००.७०	५.०३४	२२३.८७	३००.६९	० ५४	१४३.४५	८ ११
११	१४ चं	५२१०	३०४.८९	३१४.५६	४.१०	३००.७९	५.०३४	२२३.९६	३००.७८	० ५४	१४४.३१	८ ०१
१२	१५ मं	५२११	३०४.९७	३१४.६४	४.१०	३००.८७	५.०३३	२२४.०४	३००.८८	० ५४	१२५.१६	७ ५२
१३	१ बु	५२१२	३०५.०६	३१४.७३	४.१०	३००.९६	५.०३३	२२४.१३	३००.९५	० ५४	१४६.०५	+७ ४४
१४	२ गु	५२१३	३०५.१४	३१४.८१	४.०९	३०१.०५	५.०३३	२२४.२२	३०१.०४	० ५४	१४६.९१	७ ३४
१५	३ शु	५२१४	३०५.२२	३१४.८९	४.०८	३०१.१४	५.०३३	२२४.३१	३०१.१३	० ५४	१४७.७८	७ २४
१६	४ श	५२१५	३०५.३०	३१४.९७	४.०८	३०१.२२	५.०३३	२२४.३९	३०१.२१	० ५५	१४८.६५	७ १४
१७	५ र	५२१६	३०५.३९	३१५.०६	४.०८	३०१.३१	५.०३२	२२५.४८	३०१.३०	० ५५	१४९.५१	७ ०४
१८	६ चं	५२१७	३०५.४७	३१५.१४	४.०७	३०१.४०	५.०३२	२२४.५७	३०१.३९	० ५५	१५०.३८	६ ५४
१९	७ मं	५२१८	३०५.५५	३१५.२२	४.०६	३०१.४९	५.०३२	२२४.६६	३०१.४८	० ५५	१५१.२४	६ ४४
२०	८ बु	५२१९	३०५.६४	३१५.३१	४.०५	३०१.५९	५.०३१	२२४.७६	३०१.५८	० ५५	१५२.१०	+६ ३३
२१	९ गु	५२२०	३०५.७२	३१५.३९	४.०५	३०१.६७	५.०३१	२२४.८४	३०१.६६	० ५५	१५२.९७	६ २३
२२	१० शु	५२२१	३०५.८०	३१५.४७	४.०४	३०१.७६	५.०३१	२२४.९३	३०१.७५	० ५५	१५३.८३	६ १२
२३	११ श	५२२२	३०५.८९	३१५.५६	४.०३	३०१.८६	५.०३०	२२५.०३	३०१.८५	० ५५	१५४.६९	६ ०१
२४	१२ र	५२२३	३०५.९७	३१५.६४	४.०३	३०१.९४	५.०३०	२२५.११	३०१.९३	० ५५	१५५.५६	५ ५०
२५	१३ चं	५२२४	३०६.०५	३१५.८२	४.०३	३०२.०२	५.०३०	२२५.१९	३०२.०१	० ५५	१५६.४४	५ ३९
२६	१४ मं	५२२५	३०६.१३	३१५.८०	४.०२	३०२.११	५.०२९	२२५.२८	३०२.१०	० ५५	१५७.३०	५ २८
२७	३० शु	५२२६	३०६.२२	३१५.८९	– ४.०१	३०२.२१	५.०२९	२२५.३८	३०२.२०	–० ५६	१५८.१६	+५ १७

जून-जुलई सन १९३८ ई. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा.अं.क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क	अं. क.	घ. प	स्टँ.घं. मि.
२७	१० ९ २१	—० १	—० ५९	० ०	३३२ २०	३३४ ३९	० ०	५५ ४७	११ ३४	० १	५५ २	४ २८
२८	१० ९ २०	—० २	—० ५९	० ०	३३२ १९	३३४ ३९	० २	५५ ४७	—११ ३५	० १	५४ ५२	४ २४
२९	१० ९ १८	० २	० ५९	० ०	३३२ १७	३३४ ३७	० २	५५ ४६	११ ३६	० १	५४ ४१	४ १९
३०	१० ९ १६	० २	० ५९	० १	३३२ १५	३३४ ३५	० २	५५ ४६	११ ३७	० १	५४ ३२	४ १६
१	१७ ९ १४	० २	१ ०	० ०	३३२ १३	३३४ ३३	० २	५५ ४६	११ ३८	० १	५४ २२	४ १२
२	१० ९ १२	० २	१ ०	० ०	३३२ ११	३३४ ३१	० २	५५ ४५	११ ३९	० १	५४ ११	४ ७
३	१० ९ १०	० २	१ ०	० ०	३३२ ९	३३४ २९	० २	५५ ४५	११ ४०	० १	५४ १	४ ३
४	१० ९ ८	० २	१ ०	० १	३३२ ७	३३४ २७	० २	५५ ४५	११ ४१	० १	५३ ५१	३ ५९
५	१० ९ ६	—० २	—१ १	० ०	३३२ ५	३३४ २५	० २	५५ ४४	११ ४२	० १	५३ ४०	३ ५५
६	१० ९ ४	० ३	१ १	० ०	३३२ ३	३३४ २३	० २	५५ ४४	११ ४३	० १	५३ ३१	३ ५१
७	१० ९ १	० ३	१ १	० ०	३३२ ०	३३४ २१	० २	५५ ४४	११ ४४	० १	५३ २१	३ ४७
८	१० ८ ५८	० ४	१ १	० १	३३१ ५७	३३४ १९	० ३	५५ ४३	११ ४५	० २	५३ १०	३ ४३
९	१० ८ ५४	० ४	१ २	० ०	३३१ ५४	३३४ १६	० ४	५५ ४३	११ ४७	० २	५३ ०	३ ३९
१०	१० ८ ५०	० ४	१ २	० ०	३३१ ५०	३३४ १२	० ४	५५ ४२	११ ४९	० १	५२ ४९	३ ३५
११	१० ८ ४६	० ४	१ २	० ०	३३१ ४६	३३४ ८	० ४	५५ ४१	११ ५०	० २	५२ ३८	३ ३०
१२	१० ८ ४२	० ४	१ २	० १	३३१ ४२	३३४ ४	० ४	५५ ४१	११ ५२	० २	५२ २८	३ २६
१३	१० ८ ३८	—० ४	—१ ३	० ०	३३१ ३८	३३४ ०	० ३	५५ ४०	११ ५४	० २	५२ १७	३ २२
१४	१० ८ ३४	० ४	१ ३	० ०	३३१ ३४	३३३ ५७	० ४	५५ ४०	११ ५६	० १	५२ ८	३ १८
१५	१० ८ ३०	० ४	१ ३	० ०	३३१ ३०	३३३ ५३	० ४	५५ ३९	११ ५७	० २	५१ ५७	३ १३
१६	१० ८ २६	० ५	१ ३	० ०	३३१ २६	३३३ ४९	० ४	५५ ३८	११ ५९	० २	५१ ४६	३ ९
१७	१० ८ २१	० ५	१ ३	० १	३३१ २१	३३३ ४५	० ४	५५ ३८	१२ १	० १	५१ ३६	३ ५
१८	१० ८ १६	० ४	१ ४	० ०	३३१ १६	३३३ ४१	० ६	५५ ३७	१२ २	० २	५१ २५	३ १
१९	१० ८ १२	० ५	१ ४	० ०	३३१ ११	३३३ ३५	० ५	५५ ३६	१२ ४	० २	५१ १४	२ ५७
२०	१० ८ ७	—० ५	—१ ४	० ०	३३१ ६	३३३ ३०	० ५	५५ ३५	१२ ६	० २	५१ ३	२ ५२
२१	१० ८ २	० ५	१ ४	० १	३३१ १	३३३ २५	० ५	५५ ३४	१२ ८	० २	५० ५३	२ ४८
२२	१० ७ ५७	० ५	१ ५	० ०	३३१ ५६	३३३ २०	० ५	५५ ३३	१२ १०	० २	५० ४२	२ ४४
२३	१० ७ ५२	० ६	१ ५	० ०	३३० ५१	३३३ १५	० ६	५५ ३३	१२ १२	० २	५० ३२	२ ४०
२४	१० ७ ४६	० ६	१ ५	० ०	३३० ४५	३३३ ९	० ५	५५ ३२	१२ १४	० २	५० २१	२ ३५
२५	१० ७ ४०	० ६	१ ५	० ०	३३० ३९	३३३ ४	० ५	५५ ३१	१२ १६	० २	५० १०	२ ३१
२६	१० ७ ३४	० ६	१ ५	० १	३३० ३३	३३२ ५९	० ५	५५ ३०	१२ १८	० २	४९ ५९	२ २७
२७	१० ७ २८		१ ७		३३० २७	३३२ ५४		५५ २९	—१२ २०		४९ ४८	२ २२

जुलई-अगस्त सन १९३८ ई. **श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क	अं	अं. क.
२७	३० बु	५२२६	३०६·२२	३१५·८९	४·०१	३०२·२१	५·०२९	२२५·३८	३०२·२०	० ५६	१५८·१६	५ १७
२८	२ गु	५२२७	३०६·३१	३१५·९७	−४·०१	३०२·३०	५·०२९	२२५·४७	३०२·२९	−० ५६	१५९·०३	+५ ५
२९	३ शु	५२२८	३०६·३९	३१६·०५	४·०१	३०२·३८	५·०२८	२२५·५५	३०२·३७	० ५६	१५९·९०	४ ५३
३०	४ श	५२२९	३०६·४८	३१६·१४	४·००	३०२·४८	५·०२८	२२५·६५	३०२·४७	९ ५६	१६०·७६	४ ४२
३१	५ र	५२३०	३०६·५६	३१६·२२	३·९९	३०२·५७	५·०२७	२२५·७४	३०२·५६	० ५६	१६१·६२	४ ३०
१	६ चं	५२३१	३०६·६८	३१६·३०	३·९८	३०२·६६	५·०२७	२२५·८३	३०२·६५	० ५६	१६२·४९	४ १८
२	७ मं	५२३२	३०६·७३	३१६·३९	३·९८	३०२·७५	५·०२७	२२५·९२	३०२·७४	० ५६	१६३·३६	४ ५
३	८ बु	५२३३	३०६·८१	३१६·४७	३·९७	३०२·८४	५·०२७	२२६·०१	३०२·८३	० ५६	१६४·२२	३ ५४
४	९ गु	५२३४	३०६·८९	३१६·५५	३·९६	३०२·९३	५·०२७	२२६·१०	३०२·९२	० ५६	१६५·०९	३ ४१
५	१० शु	५२३५	३०६·९७	३१६·६३	३·९६	३०३·०१	५·०२७	२२६·१८	३०३·००	० ५६	१६५·९७	३ २८
६	११ श	५२३६	३०७·०६	३१६·७२	३·९६	३०३·१०	५·०२६	२२६·२७	३०३·०९	० ५६	१६६·८४	३ १६
७	१२ र	५२३७	३०७·१४	३१६·८१	३·९५	३०३·१९	५·०२६	२२६·३६	३०३·१८	० ५७	१६७·७१	३ ३
८	१३ चं	५२३८	३०७·२२	३१६·८९	३·९४	३०३·२८	५·०२६	२२६·४५	३०३·२७	० ५७	१६८·५७	२ ५०
९	१३ मं	५२३९	३०७·३१	३१६·९८	३·९४	३०३·३७	५·०२६	२२६·५४	३०३·३६	० ५७	१६९·४४	२ ३८
१०	१४ बु	५२४०	३०७·३९	३१७·०६	३·९४	३०३·४५	५·०२६	२२६·६२	३०३·४४	० ५७	१७०·३२	२ २५
११	१५ गु	५२४१	३०७·४७	३१७·१४	३·९३	३०३·५४	५·०२५	२२६·७१	३०३·५३	० ५७	१७१·१९	२ १२
१२	१ शु	५२४२	३०७·५६	३१७·२३	३·९२	३०३·६४	५·०२५	२२६·८१	३०३·६३	० ५७	१७२·०५	२ ००
१३	२ श	५२४३	३०७·६४	३१७·३१	३·९१	३०३·७३	५·०२५	२२६·९०	३०३·७२	० ५७	१७२·९२	१ ४७
१४	३ र	५२४४	३०७·७२	३१७·३९	३·९१	३०३·८१	५·०२५	२२६·९८	३०३·८०	० ५७	१७३·८०	१ ३३
१५	४ चं	५२४५	३०७·८०	३१७·४७	३·९१	३०३·८९	५·०२४	२२७·०६	३०३·८८	० ५७	१७४·६८	१ २०
१६	५ मं	५२४६	३०७·८९	३१७·५६	३·९०	३०३·९९	५·०२४	२२७·१६	३०३·९८	० ५७	१७५·५४	१ ७
१७	६ बु	५२४७	३०७·९७	३१७·६४	३·८९	३०४·०८	५·०२४	२२७·२५	३०४·०७	० ५७	१७६·४१	० ५३
१८	७ गु	५२४८	३०८·०५	३१७·७२	३·८९	३०४·१६	५·०२३	२२७·३३	३०४·१५	० ५७	१७७·२९	० ४३
१९	८ शु	५२४९	३०८·१४	३१७·८१	३·८८	३०४·२६	५·०२३	२२७·४३	३०४·२५	० ५८	१७८·१६	० २७
२०	९ श	५२५०	३०८·२२	३१७·८९	३·८७	३०४·३५	५·०२३	२२७·५२	३०४·३४	० ५८	१७९·०३	० १४
२१	१० र	५२५१	३०८·३०	३१७·९७	३·८७	३०४·४३	५·०२३	२२७·६०	३०४·४२	० ५८	१७९·९१	+० १
२२	१२ चं	५२५२	३०८·३९	३१८·०६	३·८७	३०४·५२	५·०२२	२२७·६९	३०४·५१	० ५८	१८०·७८	−० १२
२३	१३ मं	५२५३	३०८·४७	३१८·१४	३·८६	३०४·६१	५·०२२	२२७·७८	३०४·६०	० ५८	१८१ ६६	० २६
२४	१४ बु	५२५४	३०८·५५	३१८·२२	३·८५	३०४·७०	५·०२२	२२७·८७	३०४·६९	० ५८	१८२·५३	० ३७
२५	३० गु	५२५५	३०८·६३	३१८·३०	−३·८४	३०४·७९	५·०२२	२२७·९६	३०४·७८	−० ५८	१८३·४१	−० ५२

जुलई-अगस्त सन १९३८ इ. श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इंदौर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल			
	रा.अं.क.	अं	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क	घ	प.	अ.	क	अं.	क	घ.	प.	स्टैं. घं.	मि.
२७	१० ७ २८	०	६	-१	६	०	०	३३०	२७	३३२	५४	०	[illegible]	५५	२९	-१२	२०	०	३	४९	४८	२	२२
२८	१० ७ २२	-०	६	-१	६	०	०	३३०	२१	३३२	४९	०	६	५५	२८	१२	२३	०	३	४९	३८	२	१८
२९	१० ७ १६	०	७	१	६	०	०	३३०	१५	३३२	४३	०	६	५५	२७	१२	२६	०	३	४९	२७	२	१४
३०	१० ७ ९	०	७	१	६	०	१	३३०	८	३३२	३६	०	६	५५	२६	१२	२९	०	२	४९	१६	२	९
३१	१० ७ २	०	७	१	७	०	०	३३०	१	३३२	३०	०	७	५५	२५	१२	३१	०	३	४९	५	२	५
१	१० ६ ५५	०	७	१	७	०	०	३२९	५४	३३२	२३	०	६	५५	२४	१२	३४	०	३	४८	५४	२	१
२	१० ६ ४८	०	७	१	७	०	०	३२९	४७	३३२	१७	०	७	५५	२३	१२	३७	०	३	४८	४३	१	५७
३	१० ६ ४१	०	७	१	७	०	०	३२९	४०	३३२	१०	०	६	५५	२२	-१२	४०	०	२	४८	३२	१	५२
४	१० ६ ३४	०	७	१	७	०	०	३२९	३३	३३२	४	०	७	५५	२१	१२	४२	०	३	४८	२२	१	४८
५	१० ६ २७	०	७	१	७	०	१	३२९	२६	३३१	५७	०	६	५५	२०	१२	४५	०	३	४८	११	१	४३
६	१० ६ २०	०	७	१	८	०	०	३२९	१९	३३१	५१	०	७	५५	१९	१२	४८	०	२	४८	०	१	३९
७	१० ६ १३	०	७	१	८	०	०	३२९	१२	३३१	४४	०	८	५५	१७	१२	५०	०	३	४७	४८	१	३४
८	१० ६ ६	०	७	१	८	०	०	३२९	५	३३१	३६	०	७	५५	१६	१२	५३	०	३	४७	३७	१	३०
९	१० ५ ५९	०	७	१	८	०	०	३२८	५८	३३१	२९	०	७	५५	१५	१२	५६	०	३	४७	२६	१	२५
१०	१० ५ ५२	०	७	१	८	०	०	३२८	५१	३३१	२२	०	७	५५	१४	१२	५९	०	३	४७	१६	१	२१
११	१० ५ ४५	०	७	१	८	०	०	३२८	४४	३३१	१५	०	७	५५	१३	१३	२	०	२	४७	५	१	१७
१२	१० ५ ३८	०	७	१	८	०	१	३२८	३७	३३१	८	०	७	५५	११	-१३	४	०	३	४६	५३	१	१२
१३	१० ५ ३१	०	८	१	९	०	०	३२८	३०	३३१	१	०	७	५५	१०	१३	७	०	३	४६	४२	१	८
१४	१० ५ २३	०	८	१	९	०	०	३२८	२२	३३०	५४	०	७	५५	९	१३	१०	०	३	४६	३१	१	३
१५	१० ५ १५	०	८	१	९	०	०	३२८	१४	३३०	४७	०	७	५५	८	१३	१३	०	३	४६	२०	०	५९
१६	१० ५ ७	०	८	१	९	०	०	३२८	६	३३०	४०	०	७	५५	७	१३	१६	०	२	४६	९	०	५५
१७	१० ४ ५९	०	८	१	९	०	०	३२७	५८	३३०	३३	०	८	५५	६	१३	१८	०	३	४५	५८	०	५०
१८	१० ४ ५१	०	८	१	९	०	०	३२७	५०	३३०	२५	०	८	५५	४	१३	२१	०	२	४५	४७	०	४६
१९	१० ४ ४३	०	८	१	९	०	०	३२७	४२	३३०	१७	०	८	५५	३	-१३	२३	०	३	४५	३६	०	४१
२०	१० ४ ३५	०	८	१	९	०	१	३२७	३४	३३०	९	०	७	५५	२	१३	२६	०	२	४५	२५	०	३७
२१	१० ४ २७	०	८	१	१०	०	०	३२७	२६	३३०	२	०	८	५५	०	१३	२८	०	३	४५	१३	०	३२
२२	१० ४ १९	०	८	१	१०	०	०	३२७	१८	३२९	५४	०	७	५४	५९	१३	३१	०	२	४५	२	०	२८
२३	१० ४ ११	०	८	१	१०	०	०	३२७	१०	३२९	४७	०	१०	५४	५८	१३	३३	०	३	४४	५१	०	२३
२४	१० ४ ३	-०	८	१	१०	०	०	३२७	२	३२९	३७	०	५	५४	५६	१३	३६	०	२	४४	३९	०	१९
२५	१० ३ ५५			-१	१०			३२६	५४	३२९	३२			५४	५५	१३	३८			४४	२९	०	१५

गुरु

अगस्त-सितंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं	अं.		अ.	अं.	अं॰क.	अं.	अ. क
२५	३० गु	५२५५	३०८.६३	३१८.३०	−३.८४	३०४.७९	५.०२२	२२७.९६	३०४.७८	० ५८	१८३.४१	−० ५२
२६	१ शु	५२५६	३०८.७२	३१८.३९	३.८४	३०४.८८	५.०२२	२२८.०५	३०४.८७	−० ५८	१८४.२८	१ ५
२७	२ श	५२५७	३०८.८०	३१८.४७	३.८३	३०१.९७	५.०२१	२२८.१४	३०४.९६	० ५८	१८५.१६	१ १८
२८	३ र	५२५८	३०८.८८	३१८.५५	३.८२	३०५.०६	५.०२१	२२८.२३	३०५.०५	० ५८	१८६.०३	१ ३१
२९	४ चं	५२५९	३०८.९७	३१८.६४	३.८२	३०५.१५	५.०२१	२२८.३२	३०५.१४	० ५८	१८६.९१	१ ४४
३०	५ मं	५२६०	३०९.०५	३१८.७२	३.८२	३०५.२३	५.०२०	२२८.४०	३०५.२२	० ५८	१८७.८०	१ ५७
३१	६ बु	५२६१	३०९.१३	३१८.८०	३.८१	३०५.३२	५.०२०	२२८.४९	३०५.३१	० ५९	१८८.६७	२ १०
१	७ गु	५२६२	३०९.२२	३१८.८९	३.८०	३०५.४२	५.०२०	२२८.५९	३०५.४१	० ५९	१८९.५४	२ २३
२	८ शु	५२६३	३०९.३०	३१८.९७	३.८०	३०५.५०	५.०२०	२२८.६७	३०५.४९	० ५९	१९०.४३	२ ३६
३	९ श	५२६४	३०९.३८	३१९.०५	३.८०	३०५.५८	५.०१९	२२८.७५	३०५.५७	० ५९	१९१.३२	२ ४९
४	१० र	५२६५	३०९.४६	३१९.१३	३.७९	३०५.६७	५.०१९	२२८.८४	३०५.६६	० ५९	१९२.१९	३ १
५	११ चं	५२६६	३०९.५५	३१९.२२	३.७८	३०५.७७	५.०१९	२२८.९४	३०५.७६	० २९	१९३.०६	३ १४
६	१२ मं	५२६७	३०९.६३	३१९.३०	३.७७	३०५.८६	५.०१९	२२९. ३	३०५.८५	० ५९	१९३.९४	३ २७
७	१३ बु	५२६८	३०९.७१	३१९.३८	३.७७	३०५.९४	५.०१९	२२९.११	३०५.९३	० ५९	१९४.८३	३ ३९
८	१४ गु	५२६९	३०९.८०	३१९.४७	३.७६	३०६.०४	५.०१९	२२९.२१	३०६.०३	० ५९	१९५.७१	३ ५१
९	१५ शु	५२७०	३०९.८८	३१९.५५	३.७६	३०६.१२	५.०१८	२२९.२९	३०६.११	० ५९	१९६.५०	४ ३
१०	१ श	५२७१	३०९.९६	३१९.६३	३.७५	३०६.२१	५.०१८	२२९.३८	३०६.२०	० ५९	१९७.४८	४ १६
११	२ र	५२७२	३१०.०४	३१९.७२	३.७४	३०६.३०	५.०१८	२२९.४७	३०६.२९	० ५९	१९८.३६	४ ३१
१२	३ चं	५२७३	३१०.१२	३१९.८०	३.७३	३०६.३९	५.०१८	२२९.५६	३०६.३८	० ५९	१९९.२४	४ ३९
१३	४ मं	५२७४	३१०.२१	३१९.८८	३.७२	३०६.४९	५.०१७	२२९.६६	३०६.४८	० ५९	२००.१२	४ ५१
१४	५ बु	५२७५	३१०.२९	३१९.९६	३.७२	३०६.५७	५.०१७	२२९.७४	३०६.५६	१ ०	२०१.०१	५ ३
१५	६ गु	५२७६	३१०.३८	३२०.०५	३.७२	३०६.३६	५.०१७	२२९.८३	३०६.६५	१ ०	२०१.८९	५ १५
१६	७ शु	५२७७	३१०.४६	३२०.१३	३.७१	३०६.७५	४.०१६	२२९.९२	३०६.७४	१ ०	२०२.७८	५ २८
१७	८ श	५२७८	३१०.५४	३२०.२१	३.७०	३०६.८४	५.०१६	२३०.०१	३०६.८३	१ ०	२०३.६६	५ ३९
१८	९ र	५२७९	३१०.६३	३२०.३०	३.६९	३०६.९४	५.०१६	२३०.११	३०६.९३	१ ०	२०४.५४	५ ४९
१९	१० चं	५२८०	३१०.७१	३२०.३८	३.६९	३०७.०२	५.०१५	२३०.१९	३०७.०१	१ ०	२०५.४४	५ ५९
२०	११ मं	५२ १	३१०.७९	३२०.४६	३.६८	३०७.११	५.०१५	२३०.२८	३०७.१०	१ ०	२०६.३२	६ १०
२१	१२ बु	५२८२	३१०.८८	३२०.५५	३.६७	३०७.२१	५.०१५	२३०.३८	३०७.२०	१ ०	२०७.२०	६ २१
२२	१३ गु	५२८३	३१०.९६	३२०.६३	३.६६	३०७.३०	५.०१५	२३०.४७	३०७.२९	१ ०	२०८.०९	६ ३१
२३	३० शु	५२८४	३११.०४	३२०.७१	−३.६६	३०८.३८	५.०१४	२३०.५५	३०७.३७	−१ ०	२०८.९९	−६ ४२

अगस्त-सितम्बर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृष्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं. क.	अं. क	अं. क.	अ. क.	अं. क.	अ. क.	अं. क	घ. प	अं. क.	अं. क.	घ. प,	स्टैं.घं.मि.
२५	१० ३ ५५	−० ८	−१ १०	० ०	३२६ ५४	३२९ ३२	० ८	५४ ५५	१३ ३८	० ३	४४ २९	० १५
२६	१० ३ ४८	० ८	−१ १०	० ०	३२६ ४७	३२९ २४	० ७	५४ ५४	−१३ ४१	० ३	४४ १८	० १०
२७	१० ३ ४०	० ८	१ १०	० ०	३२६ ३९	३२९ १७	० ७	५४ ५३	१३ ४४	० ३	४४ ७	० ६
२८	१० ३ ३२	० ८	१ १०	० ०	३२६ ३१	३२९ १०	० ८	५४ ५२	१३ ४७	० २	४३ ५६	० २
२९	१० ३ २४	० ८	१ १०	० ०	३२६ २३	३२९ २	० ७	५४ ५०	१३ ४९	० ३	४३ ४४	२३ ५७
३०	१० ३ १६	० ८	१ १०	० ०	३२६ १५	३२८ ५५	० ८	५४ ४९	१३ ५२	० २	४३ ३३	२३ ५३
३१	१० ३ ८	० ८	१ १०	० ०	३२६ ७	३२८ ४७	० ७	५४ ४८	१३ ५४	० ३	४३ २२	२३ ४८
१	१० ३ ०	० ८	१ १०	० ०	३२५ ५९	३२८ ४०	० ८	५४ ४७	१३ ५७	० २	४३ १२	२३ ४४
२	१० २ ५२	−० ८	१ १०	० ०	३२५ ५१	३२८ ३२	० ७	५४ ४५	१३ ५९	० ३	४३ ०	२३ ३९
३	१० २ ४४	० ८	१ १०	० ०	३२५ ४३	३२८ २५	० ८	५४ ४४	१४ २	० २	४२ ४९	२३ ३४
४	१० २ ३६	० ७	१ १०	० ०	३२५ ३५	३२८ १७	० ७	५४ ४३	१४ ४	० ३	४२ ३८	२३ ३०
५	१० २ २९	० ७	१ १०	० ०	३२५ २८	३२८ १०	० ८	५४ ४२	१४ ७	० २	४२ २७	२६ २६
६	१० २ २२	० ७	१ १०	० ०	३२५ २१	३२८ -	० ७	५४ ४०	१४ ९	० २	४२ १५	२३ २१
७	१० २ १५	० ७	१ १०	० ०	३२५ १४	३२७ ५५	० ६	५४ ३९	१४ ११	० २	४२ ४	२३ १७
८	१० २ ८	० ७	१ १०	० ०	३२५ ७	३२७ ४९	० ६	५४ ३८	१४ १३	० ३	४१ ५३	२३ १२
९	१० २ १	० ६	१ १०	० ०	३२५ ०	३२७ ४३	० ६	५४ ३७	१४ १६	० २	४१ ४३	२३ ८
१०	१० १ ५५	−० ६	१ १०	० ०	३२४ ५४	३२७ ३७	० ६	५४ ३६	१४ १८	० २	४१ ३२	२३ ४
११	१० १ ४९	० ६	१ १०	० ०	३२४ ४८	३२७ ३१	० ७	५४ ३५	१४ २०	० २	४१ २१	२२ ५९
१२	१० १ ४३	० ६	१ १०	० ०	३२४ ४२	३२७ २४	० ६	५४ ३४	१४ २२	० ३	४१ १०	२२ ५५
१३	१० १ ३७	० ६	१ १०	० ०	३२४ ३६	३२७ १८	० ६	५४ ३३	१४ २५	० २	४० ५९	२२ ५१
१४	१० १ ३१	० ६	१ १०	० ०	३२४ ३०	३२७ १२	० ६	५४ ३२	१४ २७	० २	४० ४८	२२ ४६
१५	१० १ २४	० ६	१ १०	० ०	३२४ २४	३२७ ६	० ६	५४ ३१	१४ २९	० ३	४० ३८	२२ ४२
१६	१० १ १९	० ६	१ १०	[illegible] ०	३२४ १८	३२७ ०	० ६	५४ ३०	१४ ३२	० २	४० २७	२२ ३८
१७	१० १ १३	−० ६	१ १०	० ०	३२४ १२	३२६ ५४	० ५	५४ २९	१४ ३४	० २	४० १६	२२ ३३
१८	१० १ ७	० ६	१ १०	० ०	३२४ ६	३२६ ४९	० ५	५४ २८	१४ ३६	० २	४० ५	२२ २९
१९	१० १ १	० ६	१ १०	० ०	३२४ ०	३२६ ४४	० ५	५४ २७	१४ ३८	० २	३९ ५४	२२ २५
२०	१० ० ५५	० ६	१ १०	० ०	३२३ ५४	३२६ ३९	० ५	५४ २७	१४ ४०	० १	३९ ४४	२२ २१
२१	१० ० ४९	० ६	१ १०	० ०	३२३ ४८	३२६ ३४	० ५	५४ २६	१४ ४१	० २	३९ ३३	२२ १६
२२	१० ० ४४	−० ५	१ १०	० ०	३२३ ४३	३२६ २९	० ५	५४ २५	१४ ४३	० २	३९ २३	२२ १२
२३	१० ० ३९	० ५	१ १०	० ०	३२३ ३८	३२६ २४	० ५	५४ २४	१४ ४५	० २	३९ १२	२२ ८

गुरु

सितंबर-अक्टूबर १९३८ ई. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	पातोन	रवि म. ग्रह	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अ.	अं.	अं क.	अं	अं. क.
२३	३० शु	५२८४	३११·०४	३२०·७१	३·६६	३०७·३८	५·०१४	२३०·५५	३०७·३७	१ ०	२०८·९९	६ ४२
२४	१ श	५२८५	३११·१२	३२०·७९	– ३·६५	३०७·४७	५·०१४	२३०·६४	३०७·४६	–१ ०	२०९·८८	– ६ ५२
२५	२ र	५२८६	३११·२१	३२०·८८	३·६४	३०७·५७	५·०१४	२३०·७४	३०७·५६	१ ०	२१०·७६	७ २
२६	३ चं	५२८७	३११·२९	३२०·९६	३·६४	३०७·६५	५·०१४	२३०·८२	३०७·६४	१ १	२११·६६	७ १२
२७	४ मं	५२८८	३११·३७	३२१·०४	३·६४	३०७·७३	५·०१३	२३०·९०	३०७·७२	१ १	२१२·५६	७ २२
२८	५ बु	५२८९	३११·४६	३२१·१३	३·६३	३०७·८३	५·०१३	२३१·००	३०७·८२	१ १	२१३·४४	७ ३१
२९	६ गु	५२९०	३११·५४	३२१·२१	३·६२	३०७·९२	५·०१३	२३१·०९	३०७·९१	१ १	२१४·३३	७ ४१
३०	७ शु	५२९१	३११·६२	३२१·२९	३·६१	३०८·०१	५·०१२	२३१·१८	३०८·००	१ १	२१५·२२	७ ५०
१	८ श	५२९२	३११·७१	३२१·३८	३·६१	३०८·१०	५·०१२	२३१·२७	३०८·०९	१ १	२१६·१२	७ ५९
२	९ र	५२९३	३११·७९	३२१·४६	३·६०	३०८·१९	५·०१२	२३१·३६	३०८·१८	१ १	२१७·०१	८ ८
३	९ च	५२९४	३११·८७	३२१·५४	३·६०	३०८·२७	५·०१२	२३१·४४	३०८·२६	१ १	२१७·९१	८ १६
४	१० मं	५२९५	३११·९५	३२१·६२	३·५९	३०८·३६	५·०१२	२३१·५३	३०८·३५	१ १	२१८·८१	८ २४
५	११ बु	५२९६	३१२·०४	३२१·७१	३·५९	३०८·४५	५·०१२	२३१·६२	३०८·४४	१ १	२१९·७०	८ ३३
६	१२ गु	५२९७	३१२·१२	३२१·७९	३·५८	३०८·५४	५·०११	२३१·७१	३०८·५३	१ १	२२०·६०	८ ४१
७	१३ शु	५२९८	३१२·२०	३२१·८७	३·५८	३०८·६२	५·०११	२३१·७९	३०८·६१	१ १	२२१·५१	८ ४९
८	१४ श	५२९९	३१२·२९	३२१·९६	३·५७	३०८·७२	५·०११	२३१·८९	३०८·७१	१ २	२२२·३९	८ ५७
९	१५ र	५३००	३१२·३७	३२२·०४	३·५७	३०८·८०	५·०१०	२३१·९७	३०८·७९	१ २	२२३·३०	९ ५
१०	१ चं	५३०१	३१२·४५	३२२·१२	३·५६	३०८·८९	५·०१०	२३२·०६	३०८·८८	१ २	२२४·२०	९ १५
११	२ मं	५३०२	३१२·५४	३२२·२१	३·५५	३०८·९९	५·०१०	२३२·१६	३०८·९८	१ २	२२५·०९	९ १९
१२	३ बु	५३०३	३१२·६२	३२२·२९	२·५४	३०९·०८	५·०१०	२३२·२५	३०९·०७	१ २	२२५·९९	९ २६
१३	४ गु	५३०४	३१२·७०	३२२·३७	३·५३	३०९·१७	५·००९	२३२·३४	३०९·१६	१ २	२२६·८९	९ ३३
१४	५ शु	५३०५	३१२·७८	३२२·४५	३·५३	३०९·२५	५·००९	२३२·४२	३०९·२४	१ २	२२७·८०	९ ४०
१५	७ श	५३०६	३१२·८७	३२२·५४	३·५२	३०९·३५	५·००९	२३२·५२	३०९·३४	१ २	२२८·६९	९ ४६
१६	८ र	५३०७	३१२·९५	३२२·६२	३·५१	३०९·४४	५·००९	२३२·६१	३०९·४३	१ २	२२९·५९	९ ५२
१७	९ चं	५३०८	३१३·०३	३२२·७०	३·५१	३०९·५२	५·००९	२३२·६९	३०९·५१	१ २	२३०·५०	९ ५८
१८	१० मं	५३०९	३१३·१२	३२२·७९	३·५०	३०९·६२	५·००८	२३२·७९	३०९·६१	१ २	२३१·४०	१० ३
१९	११ बु	५३१०	३१३·२०	३२२·८७	३·४९	३०९·७१	५·००८	२३२·८८	३०९·७०	१ २	२३२·३०	१० ९
२०	१२ गु	५३११	३१३·२८	३२२·९५	३·४९	३०९·७९	५·००८	२३२·९६	३०९·७८	१ २	२३३·२१	१० १४
२१	१३ शु	५३१२	३१३·३७	३२३·०४	३·४९	३०९·८८	५·००७	२३३·०५	३०९·८७	१ २	२३४·१२	१० १९
२२	१४ श	५३१३	३१३·४५	३२३·१२	३·४८	३०९·९७	५·००७	२३३·१४	३०९·९६	१ २	२३५·०२	१० २४
२३	३० र	५३१४	३१३·५३	३२३·२०	– ३·४७	३१०·०६	५·००७	२३३·२३	३१०·०५	–१ २	२३५·९३	–१० २९

सितम्बर-अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्व शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल			
	.अं. क.	अं. क.	अं. क	अं. क	अं. क.	अ. क	अं. क	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ.	प.	स्टॅ. घं.	मि
२३	१० ० ३९	० ५	-१ १०	० १	३२३ ३८	३२६ २४	० ५	५४ २४	-१४ ४५	० २	३९	१२	२२	८
२४	१० ० ३४	-० ४	१ १०	० ०	३२३ ३३	३२६ १९	० ५	५४ २३	१४ ४७	० २	३९	१	२२	३
२५	१० ० ३०	० ४	१ १०	० ०	३२३ २९	३२६ १४	० ५	५४ २२	१४ ४९	० १	३८	५०	२१	५९
२६	१० ० २६	० ४	१ १०	० ०	३२३ २५	३२६ ९	० ३	५४ २२	१४ ५०	० १	३८	४०	२१	५५
२७	१० ० २२	० ४	१ १०	० ०	३२३ २१	३२६ ६	० ४	५४ २१	१४ ५१	० १	३८	२९	२१	५०
२८	१० ० १८	० ४	१ १०	० ०	३२३ १७	३२६ २	० ३	५४ २०	१४ ५२	० १	३८	१८	२१	४६
२९	१० ० १४	० ४	१ १०	० १	३२३ १३	३२५ ५९	० ४	५४ २०	१४ ५३	० १	३८	९	२१	४३
३०	१० ० १०	० ४	१ ९	० ०	३२३ ९	३२५ ५५	० ३	५४ १९	१४ ५४	० १	३७	५८	२१	३८
१	१० ० ६	० ३	१ ९	० ०	३२३ ५	३२५ ५२	० ४	५४ १९	१४ ५५	० १	३७	४८	२१	३४
२	१० ० ३	० ३	१ ९	० ०	३२३ २	३२५ ४८	० ३	५४ १८	१४ ५६	० १	३७	३७	२१	३०
३	१० ० ०	० ३	१ ९	० ०	३२२ ५९	३२५ ४५	० ४	५४ १८	१४ ५७	० १	३७	२७	२१	२६
४	९ २९ ५७	० ३	१ ९	० ०	३२२ ५६	३२५ ४१	० ३	५४ १७	१४ ५८	० १	३७	१६	२१	२२
५	९ २९ ५४	० ३	१ ९	० ०	३२२ ५३	३२५ ३८	० ४	५४ १६	१४ ५९	० १	३७	५	२१	१७
६	९ २९ ५१	० ३	१ ९	० ०	३२२ ५०	३२५ ३४	० १	५४ १६	१५ ०	० ०	३६	५६	२१	१३
७	९ २९ ४८	० २	१ ९	० ०	३२२ ४७	३२५ ३३	० २	५४ १६	१५ ०	० १	३६	४६	२१	९
८	९ २९ ४६	० २	१ ९	० ०	३२२ ४५	३२५ ३१	० २	५४ १५	१५ १	० ०	३६	३५	२१	५
९	९ २९ ४४	० २	१ ९	० ०	३२२ ४३	३२५ २९	० २	५४ १५	१५ १	० १	३६	२५	२१	१
१०	९ २९ ४२	० २	१ ९	० १	३२२ ४१	३२५ २७	० १	५४ १५	१५ २	० ०	३६	१५	२०	५७
११	९ २९ ४०	० २	१ ८	० ०	३२२ ३९	३२५ २[illegible]	० २	५४ १४	१५ २	० १	३६	४	२०	५३
१२	९ २९ ३८	० २	१ ८	० ०	३२५ ३७	३२५ २४	० २	५४ १४	१५ ३	० ०	३५	५४	२०	४९
१३	९ २९ ३६	० १	१ ८	० ०	३२२ ३५	३२५ २२	० १	५४ १४	१५ ३	० १	३५	४५	२०	४५
१४	९ २९ ३५	० १	१ ८	० ०	३२२ ३४	३२५ २[illegible]	० २	५४ १४	१५ ४	० ०	३५	३५	२०	४१
१५	९ २९ ३४	० ०	१ ८	० ०	३२२ ३३	[illegible]२५ १९	० २	५४ १३	१५ ४	० १	३५	२४	२०	३७
१६	९ २९ ३४		१ ८	० ०	३२२ ३३	[illegible]२५ १[illegible]	० ०	५४ १३	१५ ५		३५	१४	२०	३३
१७	९ २९ ३४	० ०	१ ८	० ०	३२२ ३[illegible]	३२५ १७	० ०	५४ १३	१५ ५	० ०	३५	४	२०	२९
१८	९ २९ ३४	० ०	१ ८	० १	३२२ ३३	[illegible]२[illegible] १७	० ०	५४ १३	१५ ५	० ०	३४	५४	२०	[illegible]५
१९	९ २९ ३४	० ०	१ ७	० ०	३२२ ३३	३२५ १७	० ०	५४ १३	१५ ५	० ०	३४	४४	२०	२१
२०	९ २९ ३४	० ०	१ ७	० ०	३२२ ३३	३२५ १७	० ०	५४ १३	१५ ४	० [illegible]	३४	३५	२०	१७
२१	९ २९ ३४	० ०	१ ७	० ०	३२२ ३३	३२५ १७	० ०	५४ १३	१५ ४	० ०	३४	२५	२०	१३
२२	९ २९ ३४	० ०	१ ७	० ०	३२२ ३३	३२५ १७	० ०	५४ १३	१५ ४	० ०	३४	१[illegible]	२०	९
२३	९ २९ ३४	-० ०	-१ ७		३२२ ३३	३२५ १७		५४ १३	-१५ ३	० १	३४	५	२०	६

गुरु

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शार	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं	अं. क.	अं.	अ.क.
२३	३० र	५३१४	३१३.५३	३२३.२०	३.४७	३१०.०६	५.००७	३१०.०५	२३३.२३	१ २	२३५.९३	१० २
२४	१ चं	५३१५	३१३.६१	३२३.२८	− ३.४६	३१०.१५	५.००७	३१०.१४	२३३.३२	−१ ३	२३६.८३	-१० ३३
२५	२ मं	५३१६	३१३.७०	३२३.३७	३.४५	३१०.२५	५.००६	३१०.२४	२३३.४२	१ ३	२३७.७३	१० ३८
२६	३ बु	५३१७	३१३.७८	३२३.४५	३.४४	३१०.३४	५.००६	३१०.३३	२३३.५१	१ ३	२३८.६४	१० ४२
२७	४ गु	५३१८	३१३.८६	३२३.५३	३.४४	३१०.४२	५.००६	३१०.४१	२३३.५९	१ ३	२३९.५५	१० ४६
२८	५ शु	५३१९	३१३.९५	३२३.६२	३.४३	३१०.५२	५.००६	३१०.५१	२३३.६९	१ ३	२४०.४५	१० ५०
२९	६ श	५३२०	३१४.०३	३२३.७०	३.४३	३१०.६०	५.००६	३१०.५९	२३३.७७	१ ३	२४१.३७	१० ५३
३०	७ र	५२२१	३१४.११	३२३.७८	३.४२	३१०.६९	५.००६	३१०.६८	२३३.८६	१ ३	२४२.२८	१० ५६
३१	८ चं	५३२२	३१४.२०	३२४.८७	३.४१	३१०.७९	५.००५	३१०.७८	२३४.९६	१ ३	२४३.१८	१० ५९
१	९ मं	५३२३	३१४.२८	३२४.९५	३.४१	३१०.८७	५.००५	३१०.८६	२३४.०४	१ ३	२४५.१०	११ २
२	१० बु	५३२४	३१४.३६	३२४.०३	३.४१	३१०.९५	५.००५	३१०.९४	२३४.१२	१ ३	२४५.०२	११ ५
३	११ गु	५३२५	३१४.४४	३२४.११	३.४०	३११.०४	५.००५	३११.०३	२३४.२१	१ ३	२४५.९३	११ ८
४	११ शु	५३२६	३१४.५३	३२४.२०	३.३९	३११.१४	५.००४	३११.१३	२३४.३१	१ ३	२४६.८४	११ १०
५	१२ श	५३२७	३१४.६१	३२४.२८	३.३८	३११.२३	५.००४	३११.२२	२३४.४०	१ ३	२४७.७५	११ १२
६	१३ र	५३२८	३१४.६५	३२४.३६	३.३८	३११.३१	५.००४	३११.३०	२३४.४८	१ ४	२४८.६७	११ १४
७	१५ चं	५४२९	३१४.७८	३२४.४५	३.३७	३११.४१	५.००३	३११.४०	२३४.५८	१ ४	२४९.५७	११ १६
८	१ मं	५३३०	३१४.८६	३२४.५३	३.३६	३११.५२	५.००३	३११.५१	२३४.६९	१ ४	२५०.४७	११ १८
९	२ बु	५३३१	३१४.९४	३२४.६१	३.३६	३११.५८	५.००३	३११.५७	२३४.७५	१ ४	२५१.४१	११ १९
१०	३ गु	५३३२	३१५.०३	३२४.७०	३.३५	३११.६८	५.००२	३११.६७	२३४.८५	१ ४	२५२.३२	११ २०
११	४ शु	५३३३	३१५.११	३२४.७८	३.३४	३११.७७	५.००२	३११.७६	२३४.९४	१ ४	२५३.२३	११ २१
१२	५ श	५३३४	३१५.१९	३२४.८६	३.३४	३११.८५	५०.०२	३११.८४	२३५.०२	१ ४	२५४.१६	११ २२
१३	६ र	५३३५	३१५.२७	३२४.९४	३.३३	३११.९४	५.००२	३११.९३	२३५.११	१ ४	२५५.०७	११ २३
१४	७ चं	५३३६	३१५.३६	३२५.०३	३.३३	३१२.०३	५.००२	३१२.०२	२३५.२०	१ ४	२५५.९९	११ २३
१५	८ मं	५३३७	३१५.४४	३२५.११	३.३२	३१२.१२	५.००२	३१२.११	२३५.२९	१ ४	२५६.९१	११ २३
१६	९ बु	५३३८	३१५.५२	३२५.१९	३.३१	३१२.२१	५.००१	३१२.२०	२३५.३८	१ ४	२५७.८३	११ २४
१७	११ गु	५३३९	३१५.६१	३२५.२८	३.३०	३१२.३१	५.००१	३१२.३०	२३५.४८	१ ४	२५८.७३	११ २४
१८	१२ शु	५३४०	३१५.६९	३२५.३६	३.२९	३१२.४०	५.००१	३१२.३९	२३५.५७	१ ४	२५९.६५	११ २४
१९	१३ श	५३४१	३१५.७७	३२५.४४	३.२९	३१२.४८	५.००१	३१२.४७	२३५.६५	१ ४	२६०.५८	११ २३
२०	१४ चं	५३४२	३१५.८६	३२५.५३	३.२८	३१२.५८	५.०००	३१२.५७	२३५.७५	१ ५	२६१.४९	११ २२
२१	३० र	५३४३	३१५.९४	३२५.६१	− ३.२८	३१२.६६	५.०००	३१२.६५	२३७.८३	−१ ५	२६२.४२	−११ २२

गुरु

अगस्त-सितम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृष्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	घ. प	अं. क.	अं. क	घ. प,	स्टैं.घं.मि.
२३	९ २९ ३४	० १	− १ ७	० ०	३२२ ३३	३२५ १७	० १	५४ १३	−१५ ३	० ०	३४ ५	२० ६
२४	९ २९ ३५	० १	− १ ७	० ०	३२२ ३४	३२५ १८	० १	५४ १३	−१५ ३	० ०	३३ ५५	२० १
२५	९ २९ ३६	० १	१ ७	० ०	३२२ ३५	३२५ १९	० १	५४ १३	१५ ३	० ०	३३ ४५	१९ ५७
२६	९ २९ ३७	० १	१ ७	० ०	३२२ ३६	३२५ २०	० २	५४ १३	१५ ३	० १	३३ ३५	१९ ५३
२७	९ २९ ३८	० २	१ ७	० १	३२२ ३७	३२५ २२	० २	५४ १४	१५ २	० १	३३ २७	१९ ४९
२८	९ २९ ४०	० २	१ ६	० ०	३२२ ३९	३२५ २४	० ३	५४ १४	१५ १	० १	३३ १७	१९ ४६
२९	९ २९ ४२	० २	१ ६	० ०	३२२ ४१	३२५ २७	० २	५४ १५	१५ ०	० १	३३ ८	१९ ४२
३०	९ २९ ४४	० २	१ ६	० ०	३२२ ४३	३२५ २९	० २	५४ १५	१४ ५९	० १	३२ ५८	१९ ३८
३१	९ २९ ४६	० ३	− १ ६	० ०	३२२ ४५	३२५ ३१	० ३	५४ १५	−१४ ५८	० १	३२ ४८	१९ ३४
१	९ २९ ४९	० ३	१ ६	० ०	३२२ ४८	३२५ ३४	० २	५४ १६	१४ ५७	० १	३२ ३९	१९ ३०
२	९ २९ ५२	० ३	१ ६	० ०	३२२ ५१	३२५ ३६	० २	५४ १६	१४ ५६	० १	३२ २९	१९ २६
३	९ २९ ५५	० ३	१ ६	० १	३२२ ५४	३२५ ३८	० ३	५४ १६	१४ ५५	० १	३२ २०	१९ २३
४	९ २९ ५८	० ३	१ ५	० ०	३२२ ५७	३२५ ४१	० २	५४ १७	१४ ५४	० १	३२ ११	१९ १९
५	१० ० १	० ३	१ ५	० ०	३२३ ०	३२५ ४३	० ४	५४ १७	१४ ५३	० १	३२ १	१९ १५
६	१० ० ४	० ४	१ ५	० ०	३२३ ३	३२५ ४७	० ४	५४ १८	१४ ५२	० २	३१ ५२	१९ १२
७	१० ० ८	० ४	१ ५	० ०	३२३ ७	३२५ ५१	० ४	५४ १९	१४ ५०	० १	३१ ४३	१९ ८
८	१० ० १२	० ४	− १ ५	० ०	३२३ ११	३२५ ५५	० ४	५४ १९	१४ ४९	० २	३१ ३३	१९ ४
९	१० ० १६	० ४	१ ५	० १	३२३ १५	३२५ ५९	० ४	५४ २०	१४ ४७	० १	३१ २४	१९ १
१०	१० ० २०	० ४	१ ४	० ०	३२३ १९	३२६ ३	० ४	५४ २१	१४ ४६	० २	३१ १६	१८ ५७
११	१० ० २४	० ४	१ ४	० ०	३२३ २३	३२६ ७	० ४	५४ २१	१४ ४४	० १	३१ ६	१८ ५४
१२	१० ० २८	० ५	१ ४	० ०	३२३ २७	३२६ ११	० ४	५४ २२	१४ ४३	० २	३० ५७	१८ ५०
१३	१० ० ३३	० ५	१ ४	० ०	३२३ ३२	३२६ १५	० ४	५४ २३	१४ ४१	० १	३० ४८	१८ ४६
१४	१० ० ३८	० ५	१ ४	० ०	३२३ ३७	३२६ १९	० ५	५४ २३	१४ ४०	० २	३० ३८	१८ ४२
१५	१० ० ४३	० ५	− १ ४	० ०	३२३ ४२	३२६ २४	० ६	५४ २४	१४ ३८	० ३	३० २९	१८ ३८
१६	१० ० ४८	० ६	१ ४	० १	३२३ ४७	३२६ ३०	० ६	५४ २५	१४ ३५	० २	३० २०	१८ ३५
१७	१० ० ५४	० ६	१ ३	० ०	३२३ ५३	३२६ ३६	० ६	५४ २६	१४ ३३	० २	३० १२	१८ ३२
१८	१० १ ०	० ६	१ ३	० ०	३२४ ५९	३२६ ४२	० ६	५४ २७	१४ ३१	० २	३० ३	१८ २८
१९	१० १ ६	० ६	१ ३	० ०	३२४ ५	३२६ ४८	० ५	५४ २८	१४ २९	० २	२९ ५४	१८ २४
२०	१० १ १२	० ६	१ ३	० ०	३२४ ११	३२६ ५३	० ६	५४ २९	१४ २७	० ३	२९ ४५	१८ २०
२१	१० १ १८		१ ३		३२४ १७	३२६ ५९		५४ ३०	१४ २४		२९ ३६	१८ १७

गुरु

नवंबर-डिसेंबर १९३८ ई. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित।

ता.	ति.घा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं	अ.	अं.		अं.	अं.	अ. क	अ.	अं. क.
२१	३० चं	५३४३	३१५·९४	३२५·६१	३·२८	३१२·६६	५·०००	३१२·६५	२३५·८३	१ ५	२६२·४२	११ २२
२२	१ मं	५३४४	३१५·०२	३२५·६९	− ३·२७	३१२·७५	५·०००	३१२·७४	२३५·९२	−१ ५	२६३·३४	−११ २१
२३	१ बु	५३४५	३१६·१०	३२५·७७	३·२७	३१२·८३	५·०००	३१२·८२	२३६·००	१ ५	२६४·२७	११ २०
२४	२ गु	५३४६	३१६·१९	३२५·८६	३·२६	३१२·९४	५·०००	३१२·९२	२३६·१०	१ ५	२६५·१८	११ १८
२५	३ शु	५३४७	३१६·२७	३२५·९५	३·२५	३१३·०२	४·९९९	३१३·०१	२३६·१९	१ ५	२६६·१०	११ १७
२६	४ श	५३४८	३१६·३५	३२६·०३	३·२५	३१३·१०	४·९९९	३१३·०९	२३६·२७	१ ५	२६७·०४	११ १५
२७	५ र	५३४९	३१६·४४	३२६·१२	३·२४	३१३·२०	४·९९९	३१३·१९	२३६·३७	१ ५	२६७·९५	११ १३
२८	६ च	५३५०	३१६·५२	३२६·२०	३·२३	३१३·२९	४·९९९	३१३·२८	२३६·४६	१ ५	२६८·८७	११ ११
२९	७ मं	५३५१	३१६·६०	३३६·२८	३·२२	३१३·३८	४·९९९	३१३·३७	२३६·५५	१ ५	२६९·७९	११ ९
३०	८ बु	५३५२	३१६·६९	३२६·३७	३·२२	३१३·४७	४·९९८	३१३·४६	२६६·६४	१ ५	२७०·७२	११ ७
१	९ गु	५३५३	३१६·७७	३२६·४५	३·२१	३१३·५६	४·९९८	३१३·५५	२३६·७३	१ ५	२७१·६४	११ ५
२	१० शु	५३५४	३१६·८५	३२६·५३	३·२०	३१३·६५	४·९९८	३१३·६४	२३६·८२	१ ५	२७२·५६	११ ३
३	११ श	५३५५	३१६·९३	३२६ ६१	३·१९	३१३·७४	४·९९८	३१३·७३	२३६·९१	१ ५	२७३·४९	११ ०
४	१२ र	५३५६	३१७·०२	३२६·७०	३·१९	३१३·८२	४·९९८	३१३·८१	२३६·९९	१ ५	२७४·४२	१० ५९
५	१३ चं	५३५७	३१७·१०	३२६·७८	३·१८	३१३·९२	४·९९७	३१३·९१	२३७·०९	१ ६	२७५·३४	१० ५६
६	१४ मं	५३५८	३१७·१८	३२६·८६	३·१७	३१४·०१	४·९९७	३१४·००	२३७·१८	१ ६	२७६·२६	१० ५३
७	१५ बु	५३५९	३१७·२७	३२६·९५	३·१७	३१४·१०	४·९९७	३१४·०९	२३७·२७	१ ६	२७७·१९	१० ५०
८	१ गु	५३६०	३१७·३५	३२७·०३	३·१७	३१४·१८	४·९९६	३१४·१७	२३७·३५	१ ६	२७८·१२	१० ४७
९	२ शु	५३६१	३१७·४३	३२७·११	३·१६	३१४·२७	४·९९६	३१४·२६	२३७·४४	१ ६	२७९·०५	१० ४४
१०	४ श	५३६२	३१७·५२	३२७·२०	२·१५	३१४·३७	४·९९६	३१४·३६	२३७·५४	१ ६	२७९·९७	१० ४०
११	५ र	५३६३	३१७·६०	३२७·२८	३·१४	३१४·४६	४·९९६	३१४·४५	२३७·६३	१ ६	२८०·८९	१० ३६
१२	६ चं	५३६४	३१७·६८	३२७·३६	३·१४	३१४·५४	४·९९६	३१४·५३	२३७·७१	१ ६	२८१·८३	१० ३२
१३	७ मं	५३६५	३१७·७६	३२७·४४	३·१३	३१४·६३	४·९९६	३१४·६२	२३७·८०	१ ६	२८२·७६	१० २८
१४	८ बु	५३६६	३१७·८५	३२७·५३	३·१२	३१४·७३	४·९९५	३१४·७२	२३७·९०	१ ६	२८३·६७	१० २४
१५	९ गु	५३६७	३१७·९४	३२७·६१	३·११	३१४·८३	४·९८५	३१४·८२	२३८·००	१ ६	२८४·५९	१० १९
१६	१० शु	५३६८	३१८·०२	३२७ ६९	३·११	३१४·९१	४·९९५	३१४·९०	२३८·०८	१ ६	२८५·५३	१० १४
१७	११ श	५३६९	३१८·११	३२७·७८	३·१०	३१५·०१	४·९९५	३१५·००	२३८·१८	१ ६	२८६·४४	१० ९
१८	१२ र	५३७०	३१८·१९	३२७·८६	३·१०	३१५·०९	४·९९५	३१५·०८	२३८·२६	१ ६	२८७·३८	१० ४
१९	१३ चं	५३७१	३१८·२७	३२७·९४	३·०९	३१५·१८	४·९९५	३१५·१७	२३८·३५	१ ६	२८८·३१	९ ५९
२०	१४ मं	५३७२	३१८·३६	३२८·०३	३·०९	३१५·२७	४·९९४	३१५·२६	२३८·४४	१ ७	२८९·२४	९ ५४
२१	३० शु	५३७३	३१८·४४	३२८·११	− ३·०८	३१५·३६	४·९९४	३१५·३५	२३८·५३	−१ ७	२९०·१७	− ९ ४९

नवंबर-डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
२१	१० १ १८	+० ६	-१ ३	० ०	३२४ १७	३२६ ५९	० ६	५४ ३०	१४ २४	० २	२९ ३६	१८ १७
२२	१० १ २४	० ६	१ ३	० ०	३२४ २३	३२७ ५	० ६	५४ ३१	-१४ २२	० २	२९ २७	१८ १४
२३	१० १ ३०	० ६	१ ३	० ०	३२४ २९	३२७ ११	० ६	५४ ३२	१४ २०	० २	२९ १८	१८ १०
२४	१० १ ३६	० ७	१ ३	० १	३२४ ३५	३२७ १७	० ५	५४ ३३	१४ १८	० २	२९ १०	१८ ७
२५	१० १ ४३	० ७	१ २	० ०	३२४ ४२	३२७ २२	० ७	५४ ३४	१४ १६	० २	२९ १	१८ ३
२६	१० १ ५०	० ७	१ २	० ०	३२४ ४९	३२७ २९	० ८	५४ ३५	१४ १४	० ३	२८ ५२	१८ ०
२७	१० १ ५८	० ८	१ २	० ०	३२४ ५६	३२७ ३७	० ७	५४ ३६	१४ ११	० ३	२८ ४३	१७ ५६
२८	१० २ ५	० ८	१ २	० ०	३२५ ४	३२७ ४४	० ८	५४ ३७	१४ ८	० ३	२८ ३४	१७ ५२
२९	१० २ ५३	० ८	१ २	० ०	३२५ १२	३२७ ५२	० ७	५४ ३९	१४ ५	० ३	२८ २६	१७ ४९
३०	१० २ २०	० ८	१ २	० ०	३२५ २०	३२७ ५९	० ८	५४ ४०	१४ २	० २	२८ १७	१७ ४५
१	१० २ २९	० ८	१ २	० १	३२५ २८	३२८ ७	० ७	५४ ४१	१४ ०	० ३	२८ ९	१७ ४३
२	१० २ ३७	० ८	१ १	० ०	३२५ ३६	३२८ १४	० ८	५४ ४२	१३ ५७	० ३	२८ ०	१७ ३९
३	१० २ ४५	० ८	१ १	० ०	३२५ ४४	३२८ २२	० ७	५४ ४४	१३ ५४	० ३	२७ ५२	१७ ३६
४	१० २ ५३	० ८	१ १	० ०	३२५ ५२	३२८ २९	० ८	५४ ४५	१३ ५१	० ३	२७ ४३	१७ ३२
५	१० ३ १	० ९	१ १	० ०	३२६ ०	३२८ ३७	० ९	५४ ४६	१३ ४८	० ३	२७ ३४	१७ २८
६	१० ३ १०	० ९	१ १	० ०	३२६ ९	३२८ ४६	० ९	५४ ४८	१३ ४५	० ३	२७ २६	१७ २५
७	१० ३ १९	० ९	१ १	० ०	३२६ १८	३२८ ५५	० ८	५४ ४९	१३ ४२	० ३	२७ १७	१७ २२
८	१० ३ २८	० ९	१ १	० ०	३२६ २६	३२९ ३	० ९	५४ ५१	१३ ३९	० ३	२७ १०	१७ १९
९	१० ३ ३७	० ९	१ १	० ०	३२६ ३५	३२९ १२	० ९	५४ ५२	१३ ३६	० ३	२७ १	१७ १५
१०	१० ३ ४६	० ९	१ १	० ०	३२६ ४४	३२९ २१	० ९	५४ ५४	१३ ३३	० ३	२६ ५३	१७ १२
११	१० ३ ५५	० ९	१ १	० १	३२६ ५३	३२९ ३०	० ८	५४ ५५	१३ ३०	० ३	२६ ४४	१७ ८
१२	१० ४ ४	० ९	१ ०	० ०	३२७ २	३२९ ३८	० ९	५४ ५६	१३ २७	० ३	२१ ३५	१७ ५
१३	१० ४ १३	० ९	१ ०	० ०	३२७ ११	३२९ ४७	० ९	५४ ५८	१३ २४	० ३	२६ २७	१७ २
१४	१० ४ २२	० १०	१ ०	० ०	३२७ २०	३२९ ५६	० ८	५४ ५९	१३ २१	० ४	२६ १८	१६ ५८
१५	१० ४ ३२	० १०	१ ०	० ०	३२७ ३०	३३० ४	० १०	५५ १	१३ १७	० ४	२६ ११	१६ ५५
१६	१० ४ ४२	० १०	१ ०	० ०	३२७ ४०	३३० १४	० १०	५५ २	१३ १३	० ४	२६ २	१६ ५१
१७	१० ४ ५२	० १०	१ ०	० ०	३२७ ५०	३३० २४	० १०	५५ ४	१३ ९	० ३	२५ ५४	१६ ४८
१८	१० ५ २	० १०	१ ०	० ०	३२८ १	३३० ३४	० १०	५५ ६	१३ ६	० ४	२५ ४६	१६ ४३
१९	१० ५ १२	० १०	१ ०	० ०	३२८ १०	३३० ४४	० १०	५५ ७	१३ २	० ३	२५ ३७	१६ ४१
२०	१० ५ २२	+० १०	१ ०	० १	३२८ २०	३३० ५४	० १०	५५ ९	१२ ५९	० ४	२५ २९	१६ ३८
२१	१० ५ ३२		-१ ०		३२८ ३०	३३१ ४		५५ ११	-१२ ५५		२५ २१	१६ ३५

गुरु

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर		शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल	
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं.	क	अं	अं.	क.
२१	३० बु	५३७३	३१८·४४	३२८·११	३·०८	३१५·३६	४·९९४	३१५·३५	२३८·५३	१	७	२९०·१७	९	४९
२२	१ गु	५३७४	३१८·५२	३२८·१९	− ३·०७	३१५·४५	४·९९४	३१५·४४	२३८·६२	−१	७	२९१·१०	−९	४४
२३	२ शु	५३७५	३१८·६०	३२८·२७	३·०६	३१५·५४	४·९९४	३१५·५३	२३८·७१	१	७	२९२·०२	९	३९
२४	३ श	५३७६	३१८·६९	३२८·३६	३·०५	३१५·६४	४·९९४	३१५·६३	२३८·८१	१	७	२९२·९४	९	३४
२५	३ र	५३७७	३१८·७७	३२८·४४	३·०५	३१५·७२	४·९९४	३१५·७१	२३८·८९	१	७	२९३·८८	९	२८
२६	४ चं	५३७८	३१८·८५	३२८·५२	३·०४	३१५·८१	४·९९३	३१५·८०	२३८·९८	१	७	२९४·८१	९	२३
२७	५ मं	५३७९	३१८·९४	३२८·६१	३·०३	३१५·९१	४·९९३	३१५·९०	२३९·०८	१	७	२९५·७३	९	१७
२८	६ बु	५३८०	३१९· २	३२८·६९	३·०२	३१६·००	४·९९३	३१५·९९	२३९·१७	१	७	२९६·६६	१	११
२९	७ गु	५३८१	३१९·१०	३२८·७७	३·०२	३१६·०८	४·९९२	३१६·०७	२३९·२५	१	७	२९७·५९	९	५
३०	८ शु	५३८२	३१९·१९	३२८·८६	− ३·०१	३१६·१८	४·९९२	३१६·१७	२३९·३५	−१	७	२९८·५२	−८	५९
३१	९ श	५३८३	३१९·२७	३२८·९४	३·००	३१६·२७	४·९९२	३१६·२६	२३९·४४	१	७	२९९·४५	८	५३
१	१० र	५३८४	३१९·३५	३२९·०२	३·००	३१६·३५	४·९९१	३१६·३४	२३९·५२	१	७	३००·३९	८	४७
२	११ चं	५३८५	३१९·४३	३२९·१०	२·९९	३१६·४४	४·९९१	३१६·४३	२३९·६१	१	७	३०१·३१	८	४१
३	१२ मं	५३८६	३१९·५२	३२९·१९	२·९८	३१६·५४	४·९९१	३१६·५३	२३९·७१	१	७	३०२·२३	८	३५
४	१३ बु	५३८७	३१९·६०	३२९·२७	२·९८	३१६·६३	४·९९१	३१६·६२	२३९·८०	१	८	३०३·१६	८	२८
५	१५ गु	५३८८	३१९·६८	३२९·३५	२·९७	३१६·७१	४·९९१	३१६·७०	२३९·८८	१	८	३०४·१०	८	२२
६	१ शु	५३८९	३१९·७७	३२९·४४	− २·९७	३१६·८१	४·९९१	३१६·८०	२३९·९८	−१	८	३०५·०२	−८	१५
७	२ श	५३९०	३१९·८५	३२९·५२	२·९६	३१६·९०	४·९९०	३१६·८९	२४०·०७	१	८	३०५·९५	८	८
८	३ र	५३९१	३१९·९३	३२९·६१	२·९५	३१६·९९	४·९९०	३१६·९८	२४०·१६	१	८	३०६·८८	८	२
९	४ चं	५३९२	३२०·०२	३२९·७०	२·९४	३१७·०९	४·१९०	३१८·०८	२४०·२६	१	८	३०७·८०	७	५५
१०	५ मं	५३९३	३२०·१०	३२९·७८	२·९३	३१७·१८	४·९९०	३१७·१७	२४०·३५	१	८	३०८·७३	७	४८
११	६ बु	५३९४	३२०·१८	३२९·८६	२·९२	३१७·२६	४·९९०	३१७·२५	२४०·४३	१	८	३०९·६७	७	४१
१२	७ गु	५३९५	३२०·२६	३२९·९४	२·९२	३१७·३५	४·९९०	३१७·३४	२४०·५२	१	८	३१०·६०	७	३४
१३	८ शु	५३९६	३२०·३२	३२९·०२	− २·९१	३१७·४४	४·९८९	३१७·४३	२४०·६१	−१	८	३११·५३	−७	२७
१४	९ श	५३९७	३२०·४३	३३०·१०	२·९१	३१७·५३	४·९८९	३१७·५२	२४०·७०	१	८	३१२·४६	७	१९
१५	१० र	५३९८	३२०·५१	३३०·१८	२·९०	३१७·६२	४·९८९	३१७·६१	२४०·७९	१	८	३१३·३८	७	१२
१६	११ चं	५३९९	३२०·६०	३३०·२७	२·८९	३१७·७२	४·९८९	३१७·७१	२४०·८९	१	८	३१४·३०	७	४
१७	१२ मं	५४००	३२०·६८	३३०·३५	२·८८	३१७·८१	४·९८८	३१७·८०	२४०·९८	१	८	३१५·२३	६	५७
१८	१३ बु	५४०१	३२०·७६	३३०·४३	२·८७	३१७·८९	४·९८८	३१७·८८	२४१·०६	१	८	३१६·१६	६	४९
१९	१४ गु	५४०२	३२०·८५	३३०·५२	२·८७	३१७·९९	४·९८८	३१७·९८	२४१·१६	१	९	३१७·०९	६	४२
२०	३० शु	५४०३	३२०·९३	३३०·६०	२·८६	३१८·०७	४·९८७	३१८·०६	२४१·२४	१	९	३१८·०२	६	३४

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह रा.	अं. क.	गति अं. क	भूमध्य दृश्य शर अं. क.	गति अं. क.	सायनभोग अं क.	विषुवांश अं. क.	गति अं. क	विषुवकाल घ प.	क्रांति अं. क.	गति अं. क.	इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल घ. प.	स्टँ. घं. मि.
२१	१०	५ ३२	० १०	१ ०	० १	३२८ ३१	३३१ ४	० १०	५५ ११	-१२ ५५	० ३	२५ २१	१६ ३५
२२	१०	५ ४२	१० ११	-० ५९	० ०	३२८ ४२	३३१ १४	० १०	५५ १२	१२ ५२	० ४	२५ १३	१६ ३२
२३	१०	५ ५३	० ११	० ५९	० ०	३२८ ५३	३३१ २४	० १०	५५ १४	१२ ४८	० ३	२५ ५	१६ २९
२४	१०	६ ४	० ११	० ५९	० ०	३२९ ४	३३१ ३४	० १०	५५ १६	१२ ४५	० ४	२४ ५७	१६ २६
२५	१०	६ १५	० ११	० ५९	० ०	३२९ १५	३३१ ४४	० ११	५५ १७	१२ ४१	० ४	२४ ४८	१६ २२
२६	१०	६ २६	० ११	० ५९	० ०	३२९ २६	३३१ ५५	० ११	५५ १९	१२ ३७	० ४	२४ ४०	१६ १९
२७	१०	६ ३७	० ११	० ५९	० ०	३२९ ३७	३३२ ६	० ११	५५ २१	१२ ३३	० ४	२४ ३२	१६ १६
२८	१०	६ ४८	० ११	० ५९	० ०	३२९ ४८	३३२ १७	० ११	५५ २३	१२ २९	० ४	२४ २४	१६ १२
२९	१०	६ ५९	० ११	० ५९	० ०	३२९ ५९	३३२ २८	० ११	५५ २५	१२ २५	० ४	२४ १७	१६ १०
३०	१०	७ १०	० १२	० ५९	० ०	३३० १०	३३२ ३९	० ११	५५ २७	१२ २१	० ५	२४ ९	१६ ७
३१	१०	७ २२	० १२	० ५९	० ०	३३० २२	३३२ ५०	० ११	५५ २८	१२ १६	० ४	२४ ०	१६ ३
१	१०	७ ३४	० १२	० ५९	० ०	३३० ३४	३३३ १	० ११	५५ ३०	१२ १२	० ४	२३ ५२	१६ ०
२	१०	७ ४६	० १२	० ५९	० ०	३३० ४६	३३३ १२	० ११	५५ ३२	१२ ८	० ४	२३ ४४	१५ ५६
३	१०	७ ५८	० १२	० ५९	० ०	३३० ५८	३३३ २३	० १०	५५ ३४	१२ ४	० ५	२३ ३६	१५ ५४
४	१०	८ १०	० १२	० ५९	० १	३३१ १०	३३३ ३३	० १२	५५ ३६	११ ५९	० ४	२३ २८	१५ ५०
५	१०	८ २२	० १२	० ५८	० ०	३३१ २२	३३३ ४५	० ११	५५ ३८	११ ५५	० ५	२३ २१	१५ ४७
६	१०	८ ३४	० १२	० ५८	० ०	३३१ ३४	३३३ ५६	० १२	५५ ३९	११ ५०	० ४	२३ १२	१५ ४३
७	१०	८ ४६	० १२	० ५८	० ०	३३१ ४६	३३४ ८	० ११	५५ ४१	११ ४६	० ५	२३ ४	१५ ४१
८	१०	८ ५८	० १२	० ५८	० ०	३३१ ५८	३३४ १९	० १२	५५ ४३	११ ४१	० ४	२२ ५६	१५ ३७
९	१०	९ १०	० १२	० ५८	० ०	३३२ १०	३३४ ३१	० ११	५५ ४५	११ ३७	० ५	२२ ४८	१५ ३४
१०	१०	९ २२	० १२	० ५८	० ०	३३२ २२	३३४ ४२	० १२	५५ ४७	११ ३२	० ४	२२ ४०	१५ ३१
११	१०	९ ३४	० १२	० ५८	० ०	३३२ ३४	३३४ ५४	० ११	५५ ४९	११ २८	० ५	२२ ३२	१५ २८
१२	१०	९ ४६	० १३	० ५८	० ०	३३२ ४६	३३५ ५	० १२	५५ ५१	११ २३	० ४	२२ २५	१५ २५
१३	१०	९ ५९	० १३	० ५८	० ०	३३२ ५९	३३५ १७	० १२	५५ ५३	११ १९	० ५	२२ १७	१५ २२
१४	१०	१० १२	० १३	० ५८	० ०	३३३ १२	३३५ २९	० १२	५५ ५५	११ १४	० ४	२२ ९	१५ १९
१५	१०	१० २५	० १३	० ५८	० ०	३३३ २५	३३५ ४१	० १२	५५ ५७	११ १०	० ५	२२ १	१५ १५
१६	१०	१० ३८	० १३	० ५८	० ०	३३३ ३८	३३५ ५३	० १३	५५ ५९	११ ५	० ५	२१ ५३	१५ १२
१७	१०	१० ५१	० १३	० ५८	० १	३३३ ५१	३३६ ६	० १२	५६ १	११ ०	० ५	२१ ४५	१५ ९
१८	१०	११ ४	० १३	० ५७	० ०	३३४ ४	३३६ १८	० १२	५६ ३	१० ५५	० ४	२१ ३७	१५ ६
१९	१०	११ १७	० १३	० ५७	० ०	३३४ १७	३३६ ३०	० १३	५६ ५	१० ५१	० ५	२१ ३०	१५ ३
२०	१०	११ ३०		-० ५७		३३४ ३०	३३६ ४३		५६ ७	-१० ४६		२१ २२	१५ ०

गुरु

जनवरी–फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अ.	अं.	अं.	अं		अ.	अं.	अ·क.	अं.	
२०	३० शु	५४०३	३२०·९३	३३०·६०	−२·८६	३१८·०७	४·९८७	३१८·०६	२४१·२४	१ ९	३१८·०२	−६ ३४
२१	१ श	५४०४	३२१·०१	३३०·६८	२·८५	३१८·१६	४·९८७	३१८·१५	२४१·३३	−१ ९	३१८·९५	६ २६
२२	२ र	५४०५	३२१·०९	३३०·७६	२·८५	३१८·२४	४·९८७	३१८·२३	२४१·४१	१ ९	३१९·८९	६ १८
२३	३ चं	५४०६	३२१·१८	३३०·८५	२·८४	३१८·३४	४·९८७	३१८·३३	२४१·५१	१ ९	३२०·८१	६ ११
२४	४ मं	५४०७	३२१·२६	३३०·९३	२·८३	३१८·४३	४·९८७	३१८·४२	२४१·६०	१ ९	३२१·७३	६ ३
२५	५ बु	५४०८	३२१·३४	३३१·०१	२·८३	३१८·५१	४·९८६	३१८·५०	२४१·६८	१ ९	३२२·६७	५ ५५
२६	६ गु	५४०९	३२१·४३	३३१·१०	२·८२	३१८·६१	४·९८६	३१८·६०	२४१·७८	१ ९	३२३·५९	५ ४६
२७	६ शु	५४१०	३२१·५१	३३१·१८	२·८१	३१८·७०	४·९८६	३१८·६९	२४१·८७	१ ९	३२४·५१	५ ३८
२८	७ श	५४११	३२१·५९	३३१·२६	२·८०	३१८·७९	४·९८६	३१८·७८	२४१·९६	१ ९	३२५·४४	५ ३०
२९	८ र	५४१२	३२१·६८	३३१·३५	२·८०	३१८·८८	४·९८५	३१८·८७	२४२·०५	१ ९	३२६·३७	५ २२
३०	९ चं	५४१३	३२१·७६	३३१·४३	२·७९	३१८·९७	४·९८५	३१८·९६	२४२·१४	१ ९	३२७·२९	५ १३
३१	११ मं	५४१४	३२१·८४	३३१·५१	२·७८	३१९·०६	४·९८५	३१९·०५	२४२·२३	१ १०	३२८·२२	५ ५
१	१२ बु	५४१५	३२१·९२	३३१·५९	२·७७	३१९·१५	४·९८५	३१९·१४	२४२·३२	१ १०	३२९·१४	४ ५७
२	१३ गु	५४१६	३२२·०१	३३१·६८	२·७६	३१९·२५	४·९८५	३१९·२४	२४२·४२	१ १०	३३०·०६	४ ४८
३	१४ शु	५४१७	३२२·०९	३३१·७६	२·७५	३१९·३४	४·९८५	३१९·३३	२४२·५१	१ १०	३३०·९८	४ ४०
४	१५ श	५४१८	३२२·१७	३३१·८४	२·७५	३१९·४२	४·९८५	३१९·४१	२४२·५९	१ १०	३३१·९२	४ ३२
५	१ र	५४१९	३२२·२६	३३१·९३	२·७४	३१९·५२	४·९८५	३१९·५१	२४२·६९	१ १०	३३२·८३	४ २३
६	३ चं	५४२०	३२२·३४	३३२·०१	२·७४	३१९·६०	४·९८५	३१९·५९	२४२·७७	१ १०	३३३·७६	४ १४
७	४ मं	५४२१	३२२·४२	३३२·०९	२·७३	३१९·६९	४·९८५	३१९·६८	२४२·८६	१ १०	३३४·६९	४ ६
८	५ बु	५४२२	३२२·५१	३३२·१८	२·७२	३१९·७९	४·९८४	३१९·७८	२४२·९६	१ १०	३३५·५०	३ ५७
९	६ गु	५४२३	३२३·५९	३३२·२६	२·७१	३१९·८८	४·९८४	३१९·८७	२४३·०५	१ १०	३३६·५२	३ ४९
१०	७ शु	५४२४	३२३·६७	३३२·३४	२·७१	३१९·९६	४·९८४	३१९·९५	२४३·१३	१ १०	३३७·४५	३ ४०
११	८ श	५४२५	३२३·७५	३३२·४२	२·७०	३२०·०५	४·९८४	३२०·०४	२४३·२२	१ १०	३३८·३८	३ ३१
१२	९ र	५४२६	३२३·८४	३३२·५१	२·६९	३२०·१५	४·९८४	३२०·१४	२४३·३२	१ १०	३३९·२९	३ २२
१३	१० चं	५४२७	३२३·९२	३३२·५९	२·६८	३२०·२४	४·९८३	३२०·२३	२४३·४१	१ १०	३४०·२१	३ १४
१४	११ मं	५४२८	३२३·००	३३२·६७	२·६७	३२०·३३	४·९८३	३२०·३२	२४३·५०	१ १०	३४१·१३	३ ५
१५	१२ बु	५४२९	३२३·०९	३३२·७६	२·६७	३२०·४२	४·९८३	३२०·४१	२४३·५९	१ १०	३४२·०५	२ ५८
१६	१२ गु	५४३०	३२३·१७	३३२·८४	२·६६	३२०·५१	४·९८३	३२०·५०	२४३·६८	१ १०	३४२·९७	२ ४७
१७	१३ शु	५४३१	३२३·२५	३३२·९२	२·६५	३२०·६०	४·९८३	३२०·५९	२४३·७७	१ ११	३४३·८९	२ ३८
१८	१४ श	५४३२	३२३·३४	३३३·०१	२·६५	३२०·६९	४·९८२	३२०·६८	२४३·८६	१ ११	३४४·८१	२ ३०
१९	३० र	५४३३	२२३·४२	३३३·०९	−२·६४	३२०·७८	४·९८२	३२०·७७	२४३·९५	−१ ११	३४५·७३	−२ २१

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरुका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा.	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क.	अ	क.	अ.	क.	अ.	क	अं.	क.	घ.	प.	अं.	क	अ.	क.	घ.	प	स्टैं. घ.	मि
२०	१०	११	३०	०	१३	—०	५७	०	०	३३४	३०	३३६	४३	०	१२	५६	७	—१०	४६	०	५	२१	२२	१५	०
२१	१०	११	४३	०	१३	०	५७	०	०	३३४	४३	३३६	५५	०	१२	५६	९	१०	४१	०	५	२१	१४	१४	५७
२२	१०	११	५६		१३	०	५७	०	०	३३४	५६	३३७	७	०	१२	५६	११	१०	३६	०	५	२१	६	१४	५३
२३	१०	१२	९	०	१:	०	५७	०	०	३३५	९	३३७	१९	०	१३	५६	१३	१०	३१	०	५	२०	५८	१४	५०
२४	१०	१२	२२	०	१३	०	५७	०	०	३३५	२२	३३७	३२	०	१३	५६	१५	१०	२६	०	५	२०	५०	१४	४७
२५	१०	१२	३५	०	१३	०	५७	०	०	३३५	३५	३३७	४५	०	१२	५६	१८	१०	२१	०	५	२०	४४	१४	४५
२६	१०	१२	४८	०	१३	०	५७	०	०	३३५	४८	३३७	५७	०	१३	५६	२०	१०	१६	०	५	२०	३६	१४	४१
२७	१०	१३	१	०	१३	०	५७	०	०	३३६	१	३३८	१०	०	१२	५६	२२	१०	११	०	५	२०	२८	१४	३८
२८	१०	१३	१४	०	१३	०	५७	०	०	३३६	१४	३३८	२२	०	१३	५६	२४	१०	६	०	५	२०	२०	१५	३५
२९	१०	१३	२७	०	१३	०	५७	०	०	३३६	२७	३३८	३५	०	१२	५६	२६	१०	१	०	५	२०	१२	१४	३२
३०	१०	१३	४०	०	१३	०	५७	०	०	३३६	४०	३३८	४७	०	१३	५६	२८	९	५६	०	५	२०	४	१४	२९
३१	१०	१३	५३	०	१३	०	५७	०	०	३३६	५३	३३९	०	०	१२	५६	३०	९	५१	०	५	१९	५६	१४	२५
१	१०	१४	६	०	१३	०	५७	०	०	३३७	६	३३९	१२	०	१३	५६	३२	९	४६	०	५	१९	४९	१४	२३
२	१०	१४	१९	०	१३	०	५७	०	०	३३७	१९	३३९	२५	०	१३	५६	३४	९	४१	०	५	१९	४१	१४	१९
३	१०	१४	३२	०	१३	०	५७	०	०	३३७	३२	३३९	३८	०	१३	५६	३६	९	३६	०	५	१९	३३	१४	१६
४	१०	१४	४५	०	१३	०	५७	०	०	३३७	४५	३३९	५१	०	१३	५६	३९	९	३१	०	५	१९	२६	१४	११
५	१०	१३	५८	०	१३	०	५७	०	०	३३७	५८	३४०	४	०	१३	५३	४१	९	२६	०	५	१९	१८	१४	१०
६	१०	१५	११	०	१३	०	५७	०	०	३३८	११	३४०	१७	०	१३	५६	४३	९	२१	०	५	१९	१०	१४	७
७	१०	१५	२४	०	१३	०	५७	०	०	३३८	२४	३४०	३०	०	१४	५६	४५	९	१६	०	६	१९	२	१४	४
८	१०	१५	३७	०	१३	०	५७	०	०	३३८	३७	३४०	४४	०	१३	५६	४७	९	१०	०	५	१८	५५	१४	१
९	१०	१५	५०	०	१३	०	५७	०	०	३३८	५०	३४०	५७	०	१३	५६	५०	९	५	०	५	१८	४८	१३	५८
१०	१०	१६	३	०	१४	०	५७	०	०	३३९	३	३४१	१०	०	१२	५६	५२	९	०	०	५	१८	४०	१३	५५
११	१०	१६	१७	०	१४	०	५७	०	०	३३९	१७	३४१	२२	०	१४	५६	५४	८	५५	०	५	१८	३२	१३	५२
१२	१०	१६	३१	०	१४	०	५७	०	०	३३९	३१	३४१	३६	०	१४	५६	५६	८	५०	०	६	१८	२४	१३	४९
१३	१०	१६	४५	०	१४	०	५७	०	०	३३९	४५	३४१	५०	०	१४	५६	५८	८	४४	०	५	१८	१६	१३	४६
१४	१०	१६	५९	०	१४	०	५७	०	०	३३९	५९	३४२	४	०	१३	५७	१	८	३९	०	५	१८	९	१३	४३
१५	१०	१७	१३	०	१४	०	५७	०	०	३४०	१३	३४२	१७	०	१४	५७	३	८	३४	०	५	१८	२	१३	४०
१६	१०	१७	२[illegible]	०	१४	०	५७	०	०	३४०	२७	३४२	३१	०	१३	५७	५	८	२९	०	५	१७	५४	१३	३७
१७	१०	१७	४१	०	१४	०	५७	०	०	३४०	४१	३४२	४४	०	१४	५७	७	८	२४	०	६	१७	४६	१३	३३
१८	१०	१७	५५	०	१४	०	५७	०	०	३४०	५५	३४२	५८	०	१३	५७	१०	८	१८	०	६	१७	३९	१३	३१
१९	१०	१८	९			—०	५७			३४१	९	३४३	११			५७	१२	८	१२			१७	३१	१३	२७

फरवरी–मार्च सन १९३९ इ. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अ.		अ.	अ.	अ. व	अं.	अं. क.
१९	३० र	५४३३	३२३·४२	३३३·०९	२·६४	३२०·७८	४·९८२	३२०·७७	२४३·९५	१ ११	३४५·७३	२ २१
२०	१ चं	५४३४	३२३·५०	३३३·१७	– २·६३	३२०·८७	४·९८२	३२०·८६	२४४·०४	–१ ११	३४६·६५	–२ १२
२१	२ मं	५४३५	३२३·५८	३३३·२५	२·६२	३२०·९६	४·९८२	३२०·९५	२४४·१३	१ ११	३४७·५६	२ ३
२२	३ बु	५४३६	३२३·६७	३३३·३४	२·६२	३२१·०५	४·९८२	३२१·०४	२४४·२२	१ ११	३४८·४८	१ ५४
२३	४ गु	५४३७	३२३·७५	३३३·४२	२·६१	३२१·१४	४·९८२	३२१·१३	२४४·३१	१ ११	३४९·४०	१ ४५
२४	५ शु	५४३८	३२३·८३	३३३·५०	२·६०	३२१·२३	४·९८२	३२१·२२	२४४·४०	१ ११	३५०·३१	१ ३६
२५	६ श	५४३९	३२३·९२	३३३·५९	२·५९	३२१·३३	४·९८१	३२१·३२	२४४·५०	१ ११	३५१·२२	१ २७
२६	७ र	५४४०	३२४·००	३३३·६७	२·५८	३२१·४२	४·९८१	३२१·४१	२४४·५९	१ ११	३५२·१४	१ १८
२७	८ चं	५४४१	३२४·०८	३३३·७५	२·५८	३२१·५०	४·९८१	३२१·४९	२४४·६७	१ ११	३५३·०६	१ ९
२८	९ मं	५४४२	३२४·१७	३३३·८४	२·५७	३२१·६०	४·९८०	३२१·५९	२४४·७७	१ ११	३५३·९६	१ ०
१	१० बु	५४४३	३२४·२५	३३३·९२	२·५६	३२१·६९	४·९८०	३२१·६८	२४४·८६	१ ११	३५४·८८	० ५१
२	११ गु	५४४४	३२४·३३	३३४·००	२·५६	३२१·७७	४·९८०	३२१·७६	२४४·९४	१ ११	३५५·७०	० ४१
३	१२ शु	५४४५	३२४·४१	३३४·०८	२·५५	३२१·८६	४·९८०	३२१·८५	२४५·०३	१ ११	३५६·७२	० ३२
४	१४ श	५४४६	३२४·५०	३३४·१७	२·५४	३२१·९६	४·९८०	३२१·९५	२४५·१३	१ ११	३५७·६२	० २३
५	१५ र	५४४७	३२४·५८	३३४·२५	२·५३	३२२·०५	४·९८०	३२२·०४	२४५·२२	१ ११	३५८·५३	० १५
६	१ चं	५४४८	३२४·६६	३३४·३३	२·५३	३२२·१३	४·९८०	३२२·१२	२४५·३०	१ ११	३५९·४५	–० ५
७	२ मं	५४४९	३२४·७५	३३४·४२	२·५२	३२२·२३	४·९८०	३२२·२२	२४५·४०	१ ११	०·६५	+० ३
८	३ बु	५४५०	३२४·८३	३३४·५०	२·५१	३२२·३२	४·९७९	३२२·३१	२४५·४९	१ १२	१·२६	० १२
९	४ गु	५४५१	३२४·९१	३३४·५८	२·५०	३२२·४१	४·९७९	३२२·४०	२४५·५८	१ १२	२·१७	० २१
१०	५ शु	५४५२	३२५·००	३३४·६६	२·४९	३२२·५१	४·९७९	३२२·५०	२४५·६८	१ १२	३·०७	० ३०
११	६ श	५४५३	३२५·०८	३३४·७४	२·४९	३२२·५९	४·९७९	३२२·५८	२४५·७६	१ १२	३·९९	० ३७
१२	७ र	५४५४	३२५·१६	३३४·८२	२·४८	३२२·६८	४·९७९	३२२·६७	२४५·८५	१ १२	४·९०	० ४८
१३	८ चं	५४५५	३२५·२४	३३४·९०	२·४७	३२२·७७	४·९७९	३२२·७६	२४५·९४	१ १२	५·८१	० ५७
१४	९ मं	५४५६	३२५·३३	३३४·९९	२·४७	३२२·८६	४·९७९	३२२·८५	२४६·०३	१ १२	६·७१	१ ६
१५	१० बु	५४५७	३२५·४१	३३५·०८	२·४६	३२२·९५	४·९७८	३२२·९४	२४६·१२	१ १२	७·६२	१ १५
१६	११ गु	५४५८	३२५·४९	३३५·१६	२·४५	३२३·०४	४·९७८	३२३·०४	२४६·२१	१ १२	८·५२	१ २४
१७	१२ शु	५४५९	३२५·५८	३३५·२५	२·४४	३२३·१४	४·९७८	३२३·१४	२४६·३१	१ १२	९·४१	१ ३३
१८	१३ श	५४६०	३२५·६६	३३५·३३	२·४४	३२३·२२	४·९७७	३२३·२२	२४६·३९	१ १२	१०·३३	१ ४२
१९	१४ र	५४६१	३२५·७४	३३५·४१	२·४३	३२३·३१	४·९७७	३२३·३१	२४६·४८	१ १२	११·२३	१ ५१
२०	३० चं	५४६२	३२५·८३	३३५·५०	२·४२	३२३·४१	४·९७७	३२३·४१	२४६·५८	१ १२	१२·१३	२ ०
२१	३० मं	५४६३	३२५·९१	३३५·५८	– २·४१	३२३·५०	४·९७७	३२३·५०	२४६·६७	–१ १२	१३·०३	+२ ९

फरवरी–मार्च सन १९३९ इ. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का गुरु का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं क.	अ. क	अं. क.	अ. क.	अं. क.	अ. क	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टॅं. घ.मि.
१९	१० १८ ९	−० १४	−० ५७	० ०	३४१ ९	३४३ ११	० १४	५७ १२	−८ १२	० ५	१७ ३१	१३ २७
२०	१० १८ २३	−० १४	−० ५७	० ०	३४१ २३	३४३ २५	० १३	५७ १४	८ ७	० ६	१७ २३	१३ २४
२१	१० १८ ३७	० १५	० ५७	० ०	३४१ ३७	३४३ ३८	० १४	५७ १६	८ १	० ५	१७ १५	१३ २१
२२	१० १८ ५२	० १५	० ५७	० ०	३४१ ५२	३४३ ५२	० १३	५७ १९	७ ५६	० ६	१७ ९	१३ १९
२३	१० १९ ७	० १५	० ५७	० ०	३४२ ७	३४४ ५	० १४	५७ २१	७ ५०	० ६	१७ १	१३ १५
२४	१० १९ २२	० १५	० ५७	० ०	३४२ २२	३४४ १९	० १३	५७ २३	७ ४४	० ५	१६ ५३	१३ १२
२५	१० १९ ३७	० १५	० ५७	० ०	३४२ ३७	३४४ ३२	० १४	५७ २५	७ ३९	० ६	१६ ४५	१३ ९
२६	१० १९ ५२	० १५	० ५७	० ०	३४२ ५२	३४४ ४६	० १३	५७ २८	७ ३२	० ५	१६ ३८	१३ ६
२७	१० २० ७	−० १५	−० ५७	० ०	३४३ ७	३४४ ५९	० १४	५७ ३०	−७ २८	० ६	१६ ३०	१३ ३
२८	१० २० २२	० १५	० ५७	० ०	३४३ २२	३४५ १२	० १३	५७ ३२	७ २२	० ६	१६ २२	१३ ०
१	१० २० ३७	० १५	० ५७	० ०	३४३ ३७	३४५ २६	० १४	५७ ३४	७ १६	० ६	१६ १५	१२ ५७
२	१० २० ५२	० १५	० ५७	० ०	३४३ ५२	३४५ ४०	० १३	५७ ३७	७ १०	० ५	१६ ८	१२ ५४
३	१० २१ ७	० १५	० ५७	० ०	३४४ ७	३४५ ५३	० १४	५७ ३९	७ ५	० ६	१६ ०	१२ ५१
४	१० २१ २२	० १५	० ५७	० ०	३४४ २२	३४६ ७	० १४	५७ ४१	६ ५९	० ६	१५ ५६	१२ ४८
५	१० २१ ३७	० १५	० ५७	० ०	३४४ ३७	३४६ २१	० १४	५७ ४४	६ ५३	० ५	१५ ४५	१२ ४५
६	१० २१ ५२	−० १५	−० ५७	० ०	३४४ ५२	३४६ ३५	० १४	५७ ४६	−६ ४८	० ६	१५ ३९	१२ ४२
७	१० २२ ७	० १५	० ५७	० ०	३४५ ७	३४६ ४९	० १४	५७ ४८	६ ४२	० ६	१५ ३१	१२ ३९
८	१० २२ २२	० १५	० ५७	० ०	३४५ २२	३४७ ३	० १४	५७ ५१	६ ३६	० ६	१५ २३	१२ ३६
९	१० २२ [illegible]	० १५	० ५७	० ०	३४५ ३७	३४७ १७	० १४	५७ ५३	६ ३०	० ६	१५ १५	१२ ३४
१०	१० २२ ५२	० १५	० ५७	० ०	३४५ ५२	३४७ ३१	० १४	५७ ५५	६ २४	० ५	१५ ७	१२ ३०
११	१० २३ ७	० १५	० ५८	० १	३४६ ७	३४७ ४५	० १४	५७ ५८	६ १९	० ६	१५ ०	१२ २७
१२	१० २३ २२	० १५	० ५८	० ०	३४६ २२	३४७ ५९	० १४	५७ ०	६ १३	० ६	१५ ५२	१२ २४
१	१० २३ ३७	−० १५	−० ५८	० ०	३४६ ३७	३४८ १३	० १४	५७ २	−६ ७	० ६	१४ ४४	१२ २०
१४	१० २३ ५२	० १५	० ५८	० ०	३४६ ५२	३४८ २७	० १४	५७ ५	६ १	० ६	१४ ३७	१२ १८
१५	१० २४ ७	० १५	० ५८	० ०	३४७ ७	३४८ ४१	० १३	५७ ७	५ ५५	० ५	१४ ३०	१२ १५
१६	१० २४ २२	० १४	० ५८	० ०	३४७ २२	३४८ ५४	० १३	५७ ९	५ ५०	० ६	१४ २२	१२ १२
१	१० २४ ३६	० १४	० ५८	० ०	३४७ ३६	३४९ ७	० १३	५७ ११	५ ४४	० ६	१४ १४	१२ ९
१८	१० २४ ५०	० १४	० ५८	० ०	३४७ ५०	३४९ २०	० १३	५७ १३	५ ३८	० ६	१४ ६	१२ ५
१	१० २५ ४	० १४	० ५८	० ०	३४८ ४	३४९ ३३	० १३	५७ १६	५ ३२	० ६	१३ ५९	१२ ३
२	१० २५ १८	० १४	० ५८	० ०	३४८ १८	३४९ ४६	० १३	५७ १८	५ २६	० ५	१३ ५१	१२ ०
२१	१० २५ ३२		० ५८		३४८ ३२	३४९ ५९		५७ २०	५ २१		१३ ४३	११ ५६

शुक्र

अप्रेल सन १९२८ ई. **चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अ.	अ.	अ.	अं.		अं.	अं.	अं.क.	अ.	अं. क.
३०	३० गु	५१०८	१९.७५	२७२.११	०.७९	१८.९६	०.७२३२	१९.०१	३२५.८४	१ ५४	३२.३२	१३ ३१
१	१ शु	५१०९	२१.३५	२७३.७१	–०.७९	२०.५६	०.७२३१	२०.६१	३२७.४४	–१ ५०	३२.९४	+१३ ४५
२	२ श	५११०	२३.९६	२७५.३२	०.७९	२२.१७	०.७२३०	२२ २१	३२९.०५	१ ४५	३३.५५	१४ ००
३	३ र	५१११	२४.५६	२७६.९२	०.७८	२३.७८	०.७२२८	२३.८२	३३०.६६	१ ४०	३४.१८	१४ १६
४	४ चं	५११२	२६.१६	२७८.५२	०.७८	२५.३८	०.७२२६	२५.४२	३३२.२६	१ ३५	३४.७९	१४ ३०
५	५ मं	५११३	२७.७६	२८०.१२	०.७८	२६.९८	०.७२२५	२७.०२	३३३.८६	१ ३०	३५.४१	१४ ४५
६	६ बु	५११४	२९.३६	२८१.७२	०.७८	२८.५८	०.७२२४	२८.५८	३३५.४६	१ २५	३५.९८	१४ ५९
७	७ गु	५११५	३०.९७	२८३.३२	०.७७	३०.२०	०.७२२३	३०.२४	३३७.०८	१ १९	३६.६६	१५ १६
८	८ शु	५११६	३२.५७	२८४.९३	०.७७	३१.८०	०.७२२१	३१.८३	३३८.६८	१ १४	३७.२६	१५ ३०
९	१० श	५११७	३४.१७	२८६.५३	०.७६	३३.४१	०.७२१९	३३.४४	३४०.२९	१ ९	३७.८९	१५ ४५
१०	११ र	५११८	३५.७८	२८८.१३	०.७५	३५.०३	०.७२१८	३५.०६	३४१.९१	१ ४	३८.५३	१६ १
११	१२ चं	५११९	३७.३८	२८९.७३	०.७३	३६.५५	०.७२१६	३६.५८	३४३.४३	० ५८	३९.०७	१६ १५
१२	१३ मं	५१२०	३८.९८	२९१.३४	०.७२	३८.२६	०.७२१६	३८.२८	३४५.१४	० ५२	३९.७९	१६ ३१
१३	१४ बु	५१२१	४०.५८	२९२.९४	०.७१	३९.८७	०.७२१५	३९.८९	३४६.७५	० ४७	४०.४२	१६ ४७
१४	१५ गु	५१२२	४२.१८	२९४.५४	०.७०	४१.४८	०.७२१३	४१.५०	३४८.३६	० ४१	४१.०५	१७ १
१५	१ शु	५१२३	४३.७९	२९६.१४	०.६९	४३.१०	०.७२१२	४३.११	३४९.९८	० ३५	४१.६८	१७ १७
१६	२ श	५१२४	४५ ३९	२९७.७४	०.६८	४४.७१	०.७२१०	४४.७	३५१.५९	० ३०	४२.३१	१७ ३१
१७	३ र	५१२५	४६.९९	२९९.३५	०.६७	४६.३२	०.७२०९	४६.३३	३५३.२०	० २३	४२.९४	१७ ४७
१८	४ चं	५१२६	४८.५९	३००.९५	० ६६	४७.९३	०.७२०८	४७.९४	३५४.८१	० १८	४३ ५७	१८ ३
१९	५ मं	५१२७	५०.१९	३०२.५५	०.६५	४९.५४	०.७२०७	४९.५५	३५६.४२	० १३	४४.२१	१८ १७
२०	५ बु	५१२८	५१.७९	३०४.१६	०.६४	५१.१५	०.७२०५	५१.१५	३५८.०३	० ७	४४.८३	१८ ३२
२१	६ गु	५१२९	५३.३९	३०५.७६	०.६२	५२.७	०.७२०४	५२.७७	३५९.६५	–० २	४५.४८	१८ ४८
२२	७ शु	५१३०	५५.००	३०७.३६	०.६१	५४.३९	०.७२०३	५४.३९	१.२७	+० ४	४६.१२	१९ २
२३	८ श	५१३१	५६.६०	३०८.९६	०.६०	५६.००	०.७२०२	५६.००	२.८८	० ११	४६.७६	१९ १८
२४	९ र	५१३२	५८.२१	३१०.५६	०.५९	५७.६२	०.७२०१	५७.६१	४.५०	० १५	४७.३९	१९ ३२
२५	१० चं	५१३३	५९.८१	३१२.१७	०.५८	५९.२३	०.७२००	५९.२२	६.११	० २१	४८.०३	२० ४८
२६	११ मं	५१३४	६१.४१	३१३.७७	०.५७	६०.८४	०.७१९९	६०.८३	७.७२	० २७	४८.६६	२० २
२७	१२ बु	५१३५	६३.३१	३१५.३७	०.५५	६२.७६	०.७१९८	६२.७५	९.६४	० ३४	४९.३२	२० २५
२८	१३ गु	५१३६	६४.६२	३१६.९७	०.५१	६४.११	०.७१९८	६४.०९	१०.९९	० ३९	४९.९८	२० ३१
२९	१४ शु	५१३७	६६.२२	३१८.५७	०.४९	६५.७३	०.७१९६	६५.७१	१२.६१	० ४४	५०.६३	२० ४१
[illegible]	३० श	५१३८	६७.८२	३२०.१८	–०.४८	६७.३४	०.७१९६	६७.३२	१४.२२	+० ५०	५१.२७	+२० ५४

शुक्र

अप्रेल सन १९३९ इ. **चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।**

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह रा	अ.	क.	गति अ.	क.	भूमध्य दृश्य शर अ.	क.	गति अ.	क.	सायनभोग अं.	क.	विषुवांश अं.	क.	गति अ.	क.	विषुवकाल घ	प	क्रांति अ.	क.	गति अ.	क.	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल घ	प.	स्टें. घं.	मि.
३१	०	०	१२	१	१५	-०	५०	०	२	२३	११	२१	३७	१	११	३	३६	+८	१३	०	२८	१७	१८	१३	२२
१	०	१	२७	१	१५	०	४८	०	२	२४	२६	२२	४८	१	११	३	४८	८	४१	०	२८	१७	२१	१३	२३
२	०	२	४२	१	१५	०	४६	०	२	२५	४१	२३	५९	१	११	४	०	९	९	०	२८	१७	२३	१३	२४
३	०	३	५७	१	१५	०	४४	०	२	२६	५६	२५	१०	१	११	४	१२	९	३७	०	२८	१७	२५	१३	२५
४	०	५	१२	१	१४	०	४२	०	२	२८	११	२६	२१	१	११	४	२४	१०	५	०	२९	१७	२७	१३	२६
५	०	६	२६	१	१४	०	३९	०	२	२९	२५	२७	३२	१	११	४	३५	१०	३४	०	२९	१७	२८	१३	२६
६	०	७	४०	१	१४	०	३७	०	२	३०	३९	२८	४३	१	११	४	४७	११	३	०	२९	१७	३०	१३	२७
७	०	८	५४	१	१४	०	३५	०	२	३१	५३	२९	५४	१	११	४	५९	११	३२	०	२९	१७	३३	१३	२८
८	०	१०	८	१	१४	-०	३३	०	३	३३	७	३१	५	१	११	५	११	१२	१	०	२९	१७	३५	१३	२९
९	०	११	२२	२	१४	०	३०	०	२	३४	२१	३२	१६	१	११	५	२३	१२	३०	०	२६	१७	३७	१३	३०
१०	०	१२	३६	१	१४	०	२८	०	२	३५	३५	६३	२७	१	११	५	३५	१२	५६	०	२६	१७	३९	१३	३१
११	०	१३	५०	३	१४	०	२६	०	२	३६	४९	३४	३८	१	११	५	४६	१३	२२	०	२६	१७	४०	१३	३१
१२	०	१५	४	१	१४	०	२४	०	३	३८	३	३५	४९	१	११	५	५८	१३	४८	०	२५	१७	४२	१३	३२
१३	०	१६	१८	१	१४	०	२१	०	३	३९	१७	३७	००	१	१२	६	१०	१४	१३	०	२५	१७	४४	१३	३३
१४	०	१७	३२	१	१४	०	१८	०	२	४०	३१	३८	१२	१	१२	६	२२	१४	३८	०	२५	१७	४७	१३	३३
१५	०	१८	४६	१	१४	-०	१६	०	३	४१	४५	३९	२४	१	१२	६	३४	१५	३	०	२५	१७	४९	१३	३५
१६	०	२०	०	१	१३	०	१३	०	३	४२	५९	४०	३६	१	१२	६	४६	१५	२८	०	२५	१७	५१	१३	३६
१७	०	२१	१३	१	१३	०	१०	०	२	४४	१२	४१	४८	१	१२	६	५८	१५	५३	०	२५	१७	५३	१३	३७
१८	०	२२	२६	१	१३	०	८	०	२	४५	२५	४२	००	१	१२	७	१०	१६	१८	०	२५	१७	५५	१३	३८
१९	०	२३	३९	१	१३	०	६	०	४	४६	३८	४४	१२	१	१४	७	२२	१६	४३	०	२२	१७	५७	१३	३८
२०	०	२४	५२	१	१३	०	४	०	३	४७	५४	४५	२६	१	१४	७	३४	१७	५	०	२२	१७	५९	१३	३९
२१	०	२६	५	१	१३	-०	१	०	१	४९	४	४६	४०	१	१४	७	४७	१७	२९	०	२२	१८	३	१३	४०
२२	०	२७	१८	१	१३	+०	२	०	३	५०	१७	४७	५४	१	१४	७	५९	१७	४९	०	२१	१८	५	१३	४१
२३	०	२८	३१	१	१४	+०	५	०	२	५१	३०	४९	८	१	१४	८	११	१८	१०	०	२१	१८	७	१३	४२
२४	०	२९	४४	१	१४	०	७	०	३	५२	४३	५०	२२	१	१४	८	२४	१८	३१	०	२१	१८	१०	१३	४३
२५	१	०	५८	१	१३	०	१०	०	३	५३	५७	५१	३६	१	१४	८	३६	१८	५२	०	२१	१८	१२	१३	४४
२६	१	२	१२	१	१३	०	१३	०	२	५५	११	५२	५०	१	१४	८	४८	१९	१३	०	२१	१८	१४	१३	४५
२७	१	३	२५	१	१४	०	१६	०	२	५६	२४	५४	०४	१	१४	९	१	१९	३४	०	२१	१८	१७	१३	४६
२८	१	४	३८	१	१३	०	१८	०	३	५७	३७	५५	१८	१	१४	९	१३	१९	५५	०	१६	१८	२०	१३	४७
२९	१	५	५२	१	१३	०	२१	०	२	५८	५१	५६	३२	१	१७	९	२५	२०	१६	०	१६	१८	२२	१३	४८
३०	१	७	५			+०	२३			६०	४	५७	४९			९	३८	+२०	३२			१८	२५	१३	४९

शुक्र

मई सन १९३८ इ. **वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्र	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं क.	अं.	अं.क.
३०	३० श	५१३८	६७.८२	३२०.१८	०.४८	६७.३४	०.७१९६	६७.३२	१४.२२	० ५०	५१.२७	२० ५४
१	१ र	५१३९	६९.४३	३२१.७८	−०.४७	६८.९६	०.७१९४	६८.९३	१५.८४	+० ५६	५१.९०	+२१ १९
२	३ चं	५१४०	७१.०३	३-३.३८	०.४६	७०.५७	०.७१९४	७०.५४	१७.४५	१ १	५२.५४	२१ ३३
३	४ मं	५१४१	७२.६३	३२४.९९	०.४४	७२.१९	०.७१९३	७२.१६	१९.०७	१ ७	५३.१९	२१ ५०
४	५ बु	५१४२	७४.२३	३२६.५९	०.४३	७३.८०	०.७१९२	७३.७७	२०.६८	१ १२	५३.८४	२२ ४
५	६ गु	५१४३	७५.८३	३२८.१९	०.४२	७५.४१	०.७१९१	७५.३८	२२.२९	१ ११	५४.४८	२२ १९
६	७ शु	५१४४	७७.४३	३२९.७९	०.४१	७७.०२	०.७१९१	७६.३८	२३.९०	१ २२	५५.११	२२ ३३
७	८ श	५१४५	७९.०४	३३१.३९	०.३९	७८.६५	०.७१९०	७८.६१	२५.५३	१ २८	५५.७७	२२ ४९
८	९ र	५१४६	८०.६४	३३३.००	०.३७	८०.२७	०.७१८९	८०.२३	२७.१५	१ ३३	५६.४२	२३ १
९	१० चं	५१४७	८२.२४	३३४.६०	०.३५	८१.८९	०.७१८८	८१.८४	२८.७७	१ ३८	५७.०८	२३ १९
१०	११ म	५१४८	८३.८४	३३६.२०	०.३३	८३.५१	०.७१८८	८३.४७	३०.३९	१ ४३	५७.७३	२३ ३४
११	१२ बु	५१४९	८५.४५	३३७.८०	०.३२	८५.१३	०.७१८८	८५.०९	३२.०१	१ ४८	५८.३८	२३ ४९
१२	१३ ग	५१५०	८७.०५	३३९.४१	०.३०	८६.७५	०.७१८	८६.७०	३३.६३	१ ५३	५९.०३	२४ ४
१३	१४ गु	५१५१	८८.६५	३४०.०१	०.२९	८८.३६	०.७१८	८८.३१	३५.२४	१ ५७	५९.६७	२४ १९
१४	१५ श	५१५२	९०.२५	३४२.६१	०.२६	८९.९९	०.७१८६	८९.९४	३६.८७	२ २	६०.३४	२४ ३५
१५	१ [illegible]	५१५३	९१.८५	३४४.२१	०.२४	९१.६१	०.७१८	९१.५६	३८.४९	२ ७	६०.९९	२४ ४९
१६	२ च	५१५४	९३.४५	३४५.८१	०.२२	९३.२३	०.७१८६	९३.१८	४०.११	२ ११	६१.६५	२५ ७
१७	३ मं	५१५५	९५.०६	३४७.४२	०.१९	९४.८७	०.७१८	९४.८२	४१.७५	२ १६	६२.३३	२५ २०
१८	४ बु	५१५६	९६.६६	३४९.०२	०.१७	९६.४९	०.७१८५	९६.४४	४३.३७	२ २०	६२.९८	२५ ३३
१९	५ ग	५१५७	९८.२६	३५०.६२	०.१३	९८.१४	०.७१८५	९८.०९	४५.०२	२ २४	६३.६७	२५ ४९
२०	६ शु	५१५८	९९.८६	३५२.२२	०.१०	९९.७६	०.७१८५	९९.७१	४६.६४	२ २८	६४.३३	२६ ५
२१	७ श	५१५९	१०१.४६	३५३.८२	०.०७	१०१.३९	०.७१८५	१०१.३४	४८.२७	२ ३२	६५.००	२६ २०
२२	८	५१६०	१०३.०६	३५५.४३	०.०४	१०३.०२	०.७१८४	१०२.९७	४९.९०	२ ३६	६५.६६	२६ ३५
२३	८ च	५१६१	१०४.६७	३५७.०३	०.०२	१०४.६५	०.७१८	१०४.६०	५१.५३	२ ३९	६६.३३	२६ ५७
२४	९ म	५१६२	१०६.२७	३५८.६३	−०.०१	१०६.२६	०.७१८३	१०६.२१	५३.१४	२ ४३	६६.९८	२७ ४
२५	१० र	५१६३	१०७.८७	०.२३	+०.००	१०७.८७	०.७१८३	१०७.८२	५४.७५	२ ४६	६७.६३	२७ १९
२६	१२ गु	५१६४	१०९.४७	१.८३	०.०३	१०९.५०	०.७१८	१०९.४५	५६.३८	२ ५०	६८.३०	२७ ३४
२७	१३ शु	५१६५	१११.०८	३.४३	०.०४	१११.१२	०.७१८३	१११.०७	५८.००	२ ५३	६८.९७	२७ ४९
२८	१४ श	५१६६	११२.६८	५.०४	०.०५	११२.७५	०.७१८०	११२.७०	५९.६३	२ ५६	६९.६१	२८ ४
२९	३० र	५१६७	११४.२८	६.६४	+०.०८	११४.३६	०.७१८४	११४.३१	६१.२४	+२ ५८	७०.२९	+२८ १७

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं. क.	अं. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अ. क	अ. क.	घ. प	स्टैं. घ. मि
३०	१ ७ ५	१ १३	+० २३	० ३	६० ४	५७ ४९	१ १७	९ ३८	+२० ३२	० १६	१८ २५	१३ ४९
१	१ ८ १८	१ १४	+० २६	० २	६१ १७	५९ ६	१ १७	९ ५१	+२० ४८	० १६	१८ २८	१३ ५०
२	१ ९ ३१	१ १४	० २८	० ३	६२ ३०	६० २३	१ १७	१० ४	२१ ४	० १६	१८ ३१	१३ ५१
३	१ १० ४५	१ १४	० ३१	० ३	६३ ४	६१ ४०	१ १७	१० १७	२१ २०	० १६	१८ ३४	१३ ५३
४	१ ११ ५९	१ १४	० ३४	० २	६४ ५८	६२ ५७	१ १७	१० ३०	२१ ३६	० १६	१८ ३७	१३ ५४
५	१ १३ १३	१ १३	० ३६	० ३	६६ १२	६४ १४	१ १७	१० ४२	२१ ५२	० १६	१८ ४०	१३ ५५
६	१ १४ २६	१ १३	० ३९	० २	६७ २५	६५ ३१	१ १७	१० ५५	२२ ८	० १५	१८ ४३	१३ ५६
७	१ १५ ३९	१ १६	+० ४१	० ३	६८ ३८	६६ ४८	१ १७	११ ८	+२२ २३	० १५	१८ ४६	१३ ५७
८	१ १६ ५२	१ १३	० ४४	० ३	६९ ५१	६८ ५	१ १८	११ २१	२२ ३८	० १५	१८ ४९	१३ ५९
९	१ १८ ५	१ १३	० ४६	० २	७१ ४	६९ २३	१ १९	११ ३४	२२ ५३	० १०	१८ ५२	१४ ०
१०	१ १९ १८	१ १३	० ४९	० ३	७२ १७	७० ४२	१ १९	११ ४७	२३ ३	० १०	१८ ५५	१४ १
११	१ २० ३१	१ १३	० ५१	० २	७३ ३०	७२ १	१ १९	१२ ०	२३ १३	० १०	१८ ५८	१४ २
१२	१ २१ ४४	१ १३	० ५४	० ३	७४ ४३	७३ २०	१ १९	१२ १३	२३ २३	० १०	१९ १	१४ ३
१३	१ २२ ५७	१ १३	० ५६	० २	७५ ५६	७४ ३९	१ १९	१२ २७	२३ ३३	० ९	१९ ६	१४ ५
१४	१ २४ १०	१ १३	० ५९	० ३	७७ ९	७५ ५८	१ १९	१२ ४०	२३ ४२	० ९	१९ ९	१४ ७
१५	१ २५ २३	१ १३	+१ १	० २	७८ २२	७७ १७	१ १९	१२ ५३	+२३ ५१	० ९	१९ १२	१४ ८
१६	१ २६ ३६	१ १२	१ ३	० ३	७९ ३५	७८ ३६	१ १९	१३ ६	२४ ०	० ९	१९ १५	१४ ९
१७	१ २७ ४८	१ १३	१ ६	० २	८० ४७	७९ ५५	१ १९	१३ १९	२४ ९	० ९	१९ १८	१४ १०
१८	१ २९ १	१ १३	१ ८	० २	८२ ०	८१ १४	१ १९	१३ ३२	२४ १८	० ९	१९ २१	१४ ११
१९	२ ० १४	१ १३	१ १०	० २	८३ १३	८२ ३३	१ १९	१३ ४६	२४ २७	० ३	१९ २६	१४ १३
२०	२ १ २७	१ १३	१ १२	० २	८४ २६	८३ ५२	१ २०	१३ ५९	२४ ३०	० ३	१९ २९	१४ १५
२१	२ २ ४०	१ १३	१ १४	० ३	८५ ३९	८५ १२	१ २०	१४ १२	२४ ३३	० ३	१९ ३२	१४ १७
२२	२ ३ ५३	१ १३	+१ १७	० २	८६ ५२	८६ ३२	१ २०	१४ २५	+२४ ३६	० २	१९ ३५	१४ १७
२३	२ ५ ६	१ १३	१ १९	० २	८८ ५	८७ ५२	१ २०	१४ ३९	२४ ३८	० २	१९ ३९	१४ १९
२४	२ ६ १९	१ १३	१ २१	० २	८९ १८	८९ १२	१ २०	१४ ५२	२४ ४०	० २	१९ ४२	१४ २०
२५	२ ७ ३१	१ १२	१ २३	० २	९० ३१	९० ३२	१ २०	१५ ५	२४ ४२	० २	१९ ४७	१४ २१
२६	२ ८ ४४	१ १३	१ २५	० २	९१ ४३	९१ ५२	१ २०	१५ १९	२४ ४४	० २	१९ ५०	१४ २३
२७	२ ९ ५६	१ १२	१ २७	० २	९२ ५५	९३ १२	१ २०	१५ ३२	२४ ४६	० २	१९ ५३	१४ २४
२८	२ ११ ८	१ १२	१ २८	० २	९४ ७	९४ ३२	१ २०	१५ ४५	२४ ४८	० २	१९ ५६	१४ २५
२९	२ १२ २०		१ ३०		९५ १९	९५ ५१		१५ ५९	२४ ५०		२० ०	१४ २७

शुक्र

मई-जून सन १९३८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अ.	अं.		अं.	अं.	अं क.	अ.	क़. क.
२९	३० र	५१६७	११४·२८	६·६४	०·०८	११४·३६	०·७१८४	११४·३२	६१·२४	२ ५८	७०·२९	२८ १७
३०	१ चं	५१६८	११५·८८	८·२४	+०·११	११५·९९	०·७१८४	११५·९५	६२·८७	+३ १	७०·९६	+२८ ३३
३१	२ मं	५१६९	११७·४९	९·८४	०·१३	११७·६२	०·७१८२	११७·५८	६४·५०	३ ४	७१·६३	२८ ४८
१	३ बु	५१७०	११९·०९	११·४४	०·१५	११९·२४	०·७१८५	११९·२०	६६·१२	३ ६	७२·३०	२९ ३
२	५ गु	५१७१	१२०·६९	१३·०५	०·१८	१२०·८७	०·७१८५	१२०·८३	६७·७५	३ ८	७२·९७	२९ १७
३	६ शु	५१७२	१२२·२९	१४·६५	०·२१	१२२·५०	०·७१८६	१२२·४७	६९·३८	३ १०	७३·६५	२९ ३२
४	७ श	५१७३	१२३·८९	१६·२५	०·२२	१२४·११	०·७१८६	१२४·०८	७०·९९	३ १२	७४·३०	२९ ४७
५	८ र	५१७४	१२५·४९	१७·८५	०·२४	१२५·७३	०·७१८६	१२५·७०	७२·६१	३ १४	७४·९७	३० १
६	९ चं	५१७५	१२७·१०	१९·४५	०·२६	१२७·३६	०·७१८७	१२७·३३	७४·२४	३ १६	७५·६४	३० १६
७	१० मं	५१७६	१२८·७०	२१·०६	०·२८	१२८·९८	०·७१८७	१२८·९६	७५·८६	३ १७	७६·३१	३० ३१
८	११ बु	५१७७	१३०·३०	२२·६६	०·३१	१३०·६१	०·७१८८	१३०·५९	७७·४९	३ १९	७६·९८	३० ४४
९	१२ गु	५१७८	१३१·९०	२४·२६	०·३२	१३२·२२	०·७१८८	१३२·२०	७९·१०	३ २०	७७·६४	३० ५९
१०	१३ शु	५१७९	१३३·५१	२५·८६	०·३५	१३३·८६	०·७१८९	१३३·८५	८०·७४	३ २१	७८·३३	३१ १४
११	१४ श	५१८०	१३५·११	२७·४६	०·३६	१३५·४७	०·७१८९	१३५·४६	८२·३५	३ २२	७८·९९	३१ २८
१२	१५ र	५१८१	१३६·७१	२९·०७	०·३९	१३७·१०	०·७१९०	१३७·०९	८३·९८	३ २२	७९·६६	३१ ४३
१३	१ चं	५१८२	१३८·३१	३०·६७	०·४१	१३८·७२	०·७१९१	१३८·७१	८५·६०	३ २३	८०·३३	३१ ५७
१४	१ मं	५१८३	१३९·९१	३२·२७	०·४२	१४०·३४	०·७१९२	१४०·३३	८७·२२	३ २३	८०·९९	३२ ११
१५	२ बु	५१८४	१४१·५२	३३·८७	०·४५	१४१·९७	०·७१९२	१४१·९७	८८·८५	३ २४	८१·६८	३२ २७
१६	३ गु	५१८५	१४३·१२	३५·४७	०·४६	१४३·५८	०·७१९३	१४३·५८	९०·४६	३ २४	८२·३३	३२ ४१
१७	४ शु	५१८६	१४४·७२	३७·०८	०·४८	१४५·२०	०·७१९४	१४५·२०	९२·०८	३ २३	८३·००	३२ ५४
१८	५ श	५१८७	१४६·३२	३८·६८	०·५०	१४६·८२	०·७१९५	१४६·८३	९३·७०	३ २३	८३·६७	३३ ९
१९	६ र	५१८८	१४७·९३	४०·२८	०·५१	१४८·४४	०·७१९६	१४८·४५	९५·३२	३ २३	८४·३४	३३ २२
२०	७ चं	५१८९	१४९·५३	४१·८८	०·५३	१५०·०६	०·७१९७	१५०·०७	९६·९४	३ २२	८५·००	३३ ३६
२१	८ मं	५१९०	१५१·१४	४३·४८	०·५४	१५१·६८	०·७१९७	१५१·६९	९८·५६	३ २१	८५·६७	३३ ५०
२२	९ बु	५१९१	१५२·७४	४५·०९	०·५६	१५३·३०	०·७१९८	१५३·३२	१००·१८	३ २०	८६·३४	३४ ५
२३	१० गु	५१९२	१५४·३४	४६·६९	०·५८	१५४·९२	०·७१९९	१५४·९४	१०१ ८०	३ १९	८७·०१	३४ १८
२४	११ शु	५१९३	१५५·९४	४८·२५	०·५९	१५६·५३	०·७२००	१५६·५५	१०३·४१	३ १८	८७·६७	३४ ३२
२५	१२ श	५१९४	१५७·५४	४९·८९	०·६१	१५८·१५	०·७२०१	१५८·१७	१०५·०३	३ १७	८८·३३	३४ ४९
२७	१३ र	५१९५	१५९ १४	५१·४९	०·६२	१५९·७६	०·७२०२	१५९·७९	१०६·६४	३ १५	८९·००	३४ ५९
२७	३० चं	५१९६	१६०·७४	५३·१०	+०·६४	१६१·३८	०·७२०३	१६१·४१	१०८·२६	+३ १३	८९·६७	+३५ १३

मई-जून सन १९३८ इ. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अ. क.	अं. क.	घ, प	स्टैं.घं. मि·
२९	२ १२ २०	१ १२	+१ ३०	० २	९५ १९	९५ ५२	१ १९	१५ ५९	+२४ ५०	० ४	२० ०	१४ २७
३०	२ १३ ३२	१ १२	+१ ३२	० २	९६ ३१	९७ ११	१ १९	१६ १२	+२४ ४६	० ४	२० ३	१४ २८
३१	२ १४ ४४	१ १२	१ ३४	० १	९७ ४३	९८ ३०	१ १९	१६ २५	२४ ४२	० ४	२० ६	१४ २९
१	२ १५ ५६	१ १२	१ ३५	० २	९८ ५५	९९ ४९	१ १९	१६ ३८	२४ ३८	० ४	२० ९	१४ ३१
२	२ १७ ८	१ १२	१ ३७	० ३	१०० ७	१०१ ८	१ १९	१६ ५१	२४ ३४	० ५	२० १३	१४ ३२
३	२ १८ २०	१ १२	१ ३९	० १	१०१ १९	१०२ २७	१ १९	१७ ५	२४ २९	० ५	२० १७	१४ ३३
४	२ १९ ३२	१ १२	१ ४०	० १	१०२ ३१	१०३ ४६	१ १९	१७ १८	२४ २४	० ५	२० २०	१४ ३५
५	२ २० ४४	१ १२	+१ ४१	० १	१०३ ४३	१०५ ५	१ १९	१७ ३१	+२४ १९	० ५	२० २३	१४ ३६
६	२ २१ ५६	१ १२	१ ४२	० २	१०४ ५५	१०६ २४	१ १९	१७ ४४	२४ १४	० ५	२० २६	१४ ३७
७	२ २३ ८	१ १२	१ ४४	० १	१०६ ७	१०७ ४३	१ १८	१७ ५७	२४ ९	० ५	२० २९	१४ ३९
८	२ २४ २०	१ १२	१ ४५	० १	१०७ १९	१०९ १	१ १८	१८ १०	२४ ४	० ११	२० ३२	१४ ४०
९	२ २५ ३२	१ १२	१ ४६	० १	१०८ ३१	११० १९	१ १८	१८ २३	२३ ५३	० ११	२० ३६	१४ ४१
१०	२ २६ ४४	१ १२	१ ४७	० १	१०९ ४३	१११ ३७	१ १८	१८ ३६	२३ ४२	० ११	२० ३९	१४ ४३
११	२ २७ ५६	१ १२	१ ४८	० १	११० ५५	११२ ५५	१ १७	१८ ४९	२३ ३१	० ११	२० ४२	१४ ४४
१२	२ २९ ८	१ १२	१ ४९	० १	११२ ७	११४ १२	१ १७	१९ २	२३ २०	० ११	२० ४५	१४ ४५
१३	३ ० २०	१ १२	+१ ५०	० १	११३ १९	११५ २९	१ १७	१९ १५	+३३ ९	० १२	२० ४८	१४ ४६
१४	३ १ ३२	१ १२	१ ५१	० ०	११४ ३१	११६ ४६	१ १७	१९ २८	२२ ५७	० १२	२० ५१	१४ ४७
१५	३ २ ४४	१ १२	१ ५१	० १	११५ ४३	११८ ३	१ १७	१९ ४१	२२ ४५	० १२	२० ५४	१४ ४८
१६	३ ३ ५६	१ १२	१ ५२	० १	११६ ५५	११९ २०	१ १७	१९ ५३	२२ ३३	० १२	२० ५७	१४ ५०
१७	३ ५ ८	१ १२	१ ५३	० ०	११८ ७	१२० ३७	१ १७	२० ६	२२ २१	० १२	२१ ०	१४ ५१
१८	३ ६ २०	१ ११	१ ५३	० ०	११९ १९	१२१ ५४	१ १४	२० १९	२२ ९	० १७	२१ ३	१४ ५२
१९	३ ७ ३१	१ ११	१ ५३	० ०	१२० ३०	१२३ ०८	१ १४	२० ३१	२१ ५२	० १७	२१ ५	१४ ५३
२०	३ ८ ४२	१ ११	१ ५३	० १	१२१ ४१	१२४ २२	१ १४	२० ४४	२१ ३५	० १७	२१ ८	१४ ५४
२१	३ ९ ५३	१ ११	+१ ५४	० ०	१२२ ५२	१२५ ३६	१ १४	२० ५६	+२१ १८	० १७	२१ १०	१४ ५५
२२	३ ११ ४	१ ११	१ ५४	० ०	१२४ ३	१२६ ५०	१ १४	२१ ८	२१ १	० १७	२१ १३	१४ ५६
२३	३ १२ ५	१ ११	१ ५४	० ०	१२५ १४	१२८ ४	१ १४	२१ २१	२० ४४	० १८	२१ १६	१४ ५७
२४	३ १३ २६	१ ११	१ ५४	० ०	१२६ २५	१२९ १८	१ १३	२१ ३३	२० २६	० १८	२१ १८	१४ ५९
२५	३ १४ ३७	१ ११	१ ५३	० १	१२७ ३६	१३० ३१	१ १३	२१ ४५	२० ८	० १८	२१ २०	१४ ५९
२६	३ १५ ४८	१ ११	१ ५३	० ०	१२८ ४७	१३१ ४४	१ १३	२१ ५७	१९ ५०	० १८	२१ २३	१५ ०
२७	३ १६ ५९		१ ५३		१२९ ५८	१३२ ५७		२२ १०	१९ ३२		२१ २५	१५ १

शुक्र

जून-जुलई सन १९२८ इ. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अ.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२७	३० चं	५१९६	१६०·७४	५३·१०	०·६४	१६१·३८	०·७२०३	१६१·४१	१०८·२६	३ १३	८९·६७	३५ १३
२८	१ मं	५१९७	१६२·३४	५४·७०	+०·६५	१६२·९९	०·७२०५	१६३·०२	१०९·८७	+३ ११	९०·३२	+३५ २६
२९	२ बु	५१९८	१६३·९५	५६·३०	०·६६	१६४·६१	०·७२०६	१६४·६४	१११·४९	३ ९	९०·९९	३५ ३८
३०	३ गु	५१९९	१६५ ५५	५७·९१	०·६७	१६६·२२	०·७२०७	१६६·२४	११३·१०	३ ७	९१·६४	३५ ५३
१	४ शु	५२००	१६७·१५	५९·५१	०·६८	१६७·८३	०·७२०९	१६७·८७	११४·७१	३ ५	९२·३१	३६ ६
२	५ श	५२०१	१६८·७५	६१·११	०·६९	१६९·४४	०·७२०९	१६९·४८	११५·३२	३ ४	९२·९७	३६ १९
३	६ र	५२०२	१७०·३५	६२·७१	०·७०	१७१·०५	०·७२११	१७१·०९	११७·९३	३ ०	९३·६३	३६ ३३
४	७ चं	५२०३	१७१·९६	६४·३१	०·७१	१७२·६७	०·७२१२	१७२·७१	११९·५५	२ ५७	९४·२९	३६ ४६
५	८ मं	५२०४	१७३·५६	६५·९१	०·७२	१७४·२७	०·७२१४	१७४·३२	१२१·१६	२ ५४	९४·९५	३६ ५८
६	९ बु	५२०५	१७५·१६	६७·५२	०·७३	१७५·८९	०·७२१५	१७५·९४	१२२·७७	२ ५१	९५·६२	३७ ११
७	१० गु	५२०६	१७६·७६	६९·१२	०·७४	१७७·५०	०·७२१६	१७७·५५	१२४·३८	२ ४८	९६·२७	३७ २६
८	११ शु	५२०७	१७८·३६	७०·७२	०·७५	१७९·११	०·७२१७	१७९·१६	१२५·९९	२ ४५	९६·९३	३७ ३६
९	१२ श	५२०८	१७९·९६	७२·३२	०·७५	१८०·७१	०·७२१८	१८०·७६	१२७·५९	२ ४१	९७·५८	३७ ४९
१०	१३ र	५२०९	१८१·५७	७३·९३	०·७६	१८२·३३	०·७२२०	१८२·३८	१२९·२१	२ ३८	९८·२४	३८ २
११	१४ चं	५२१०	१८३·१७	७५·५३	०·७६	१८३·९३	०·७२२२	१८३·९८	१३०·८१	२ ३४	९८·८९	३८ १५
१२	१५ मं	५२११	१८४·७७	७७·१३	०·७७	१८५·५४	०·७२२३	१८५·५९	१३२·४२	२ ३०	९९·५५	३८ २८
१३	१ बु	५२१२	१८६·३७	७८·७३	०·७७	१८७·१४	०·७२२४	१८७·१९	१३४·०२	२ २६	१००·१९	३८ ४०
१४	२ गु	५२१३	१८७·९८	८०·३४	०·७७	१८८·७५	०·७२२५	१८८·८०	१३५·६३	२ २२	१००·८५	३८ ५२
१५	३ शु	५२१४	१८९·५८	८१·९३	०·७८	१९०·३६	०·७२२७	१९०·४१	१३७·२४	२ १८	१०१·५०	३९ ४
१६	४ श	५२१५	१९१·१८	८३·५४	०·७८	१९१·९६	०·७२२९	१९२·०१	१३८·८४	२ १४	१०२·१५	३९ १६
१७	५ र	५२१६	१९२·७९	८५·१४	०·७९	१९३·५८	०·७२३०	१९३·६३	१४०·४६	२ १०	१०२·८२	३९ २८
१८	६ चं	५२१७	१९४·३९	८६·७५	०·७९	१९५·१८	०·७२३१	१९५·२३	१४२·०६	२ ५	१०३·४६	३९ ४०
१९	७ मं	५२१८	१९५·९९	८८·३५	०·७९	१९६·७८	०·७२३२	१९६·८३	१४३·६६	२ १	१०४·११	३९ ५३
२०	८ बु	५२१९	१९७·५९	८९·९६	०·७९	१९८·३८	०·७२३४	१९८·४३	१४५·२६	१ ५६	१०४·७५	४० ३
२१	९ गु	५२२०	१९९·२०	९१·५६	०·७९	१९९·९९	०·७२३६	२००·०४	१४६·८७	१ ५१	१०५·४१	४० १५
२२	१० शु	५२२१	२००·८०	९३·१६	०·७९	२०१·५९	०·७२३७	२०१·६३	१४८·४७	१ ४६	१०६·०५	४० २६
२३	११ श	५२२२	२०२·४०	९४·७६	०·७९	२०३·१९	०·७२३९	२०३·२३	१५०·०७	१ ४२	१०६·६९	४० ३८
२४	१२ र	५२२३	२०४·००	९६·३६	०·७८	२०४·७८	०·७२३९	२०४·८२	१५१·६६	१ ३७	१०७·३३	४० ४९
२५	१३ चं	५२२४	२०५·६०	९७·९६	०·७८	२०६·३८	०·७२४१	२०६·४२	१५३·२६	१ ३२	१०७·९७	४१ ०
२६	१४ मं	५२२५	२०७·२०	९९·५७	०·७८	२०७·९८	०·७२४३	२०८·०२	१५४·८६	१ २६	१०८·६२	४१ ११
२७	३० बु	५२२६	२०८·८१	१०१·१७	+०·७७	२०९·५८	०·७२४४	२०९·६२	१५६·४६	+१ २१	१०९·२६	+४१ २२

जून-जुलई सन १९३८ इ. आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अ.	क.	अं.	क.	अं.	क	अं.	क.	घ.	प.	अं.	क.	अ.	क.	घ.	प.	स्टैं. घं.	मि.
२७	३	१६	५९	१	११	+१	५३	०	१	१२९	५८	१३२	५७	१	१३	२२	१०	+१९	३२	०	१८	२१	२५	१५	१
२८	३	१८	१०	१	१०	१	५२	०	१	१३१	९	१३४	१०	१	१०	२२	२२	१९	१४	०	२२	२१	२७	१५	२
२९	३	१९	२०	१	१०	१	५१	०	०	१३२	१९	१३५	२०	१	१०	२२	३३	१८	५२	०	२२	२१	२८	१५	२
३०	३	२०	३०	१	१०	१	५१	०	१	१३३	२९	१३६	३०	१	१०	२२	४५	१८	३०	०	२२	२१	३१	१५	३
१	३	२१	४०	१	१०	१	५०	०	१	१३४	३९	१३७	४०	१	१०	२२	५७	१८	८	०	२२	२१	३३	१५	४
२	३	२२	५०	१	१०	१	४९	०	१	१३५	४९	१३८	५०	१	९	२३	८	१७	४६	०	२२	२१	३४	१५	५
३	३	२४	०	१	१०	१	४८	०	१	१३६	५९	१३९	५९	१	९	२३	२०	१७	२४	०	२२	२१	३६	१५	६
४	३	२५	१०	१	१०	१	४७	०	१	१३८	९	१४१	०८	१	९	२३	३१	१७	२	०	२२	२१	३७	१५	७
५	३	२६	२०	१	१०	१	४६	०	१	१३९	१९	१४२	१७	१	९	२३	४३	१६	४०	०	२३	२१	३९	१५	७
६	३	२७	३०	१	१०	१	४५	०	१	१४०	२९	१४३	२६	१	९	२३	५४	१६	१७	०	२३	२१	४१	१५	७
७	३	२८	४०	१	१०	१	४४	०	२	१४२	३९	१४४	३५	१	९	२४	६	१५	५४	०	२३	२१	४३	१५	८
८	३	२९	५०	१	१०	१	४२	०	१	१४२	४९	१४५	४४	१	७	२४	१७	१५	३१	०	२६	२१	४४	१५	९
९	४	१	०	१	१०	१	४१	०	२	१४३	५९	१४६	५१	१	७	२४	२९	१५	५	०	२६	२१	४६	१५	९
१०	४	२	१०	१	१०	१	३९	०	१	१४५	९	१४७	५८	१	७	१४	४०	१४	३९	०	२६	२१	४७	१५	१०
११	४	३	२०	१	१०	१	३८	०	२	१४६	१९	१४९	५	१	७	२४	५१	१४	१३	०	२६	२१	४८	१५	१०
१२	४	४	३०	१	१०	१	३६	०	२	१४७	२९	१५०	१२	१	७	२५	२	१३	४७	०	२६	२१	४९	१५	११
१३	४	५	४०	१	१०	१	३४	०	२	१४८	३९	१५१	१९	१	७	२५	१३	१३	२१	०	२६	२१	५०	१५	११
१४	४	६	५०	१	१०	१	३२	०	२	१४९	४९	१५२	२६	१	६	२५	२४	१२	५५	०	२६	२१	५२	१५	१२
१५	४	८	०	१	१०	१	३०	०	२	१५०	५९	१५३	३२	१	६	२५	३५	१२	२९	०	२६	२१	५३	१५	१३
१६	४	९	१०	१	९	१	२८	०	२	१५२	९	१५४	३८	१	६	२५	४६	१२	३	०	२६	२१	५४	१५	१३
१७	४	१०	१९	१	९	१	२६	०	३	१५३	१८	१५५	४४	१	६	२५	५७	११	३७	०	२७	२१	५५	१५	१३
१८	४	११	२८	१	९	१	२३	०	२	१५४	२७	१५६	५०	२	४	२६	८	११	१०	०	२८	२१	५६	१५	१३
१९	४	१२	३७	१	९	१	२१	०	३	१५५	३६	१५७	५४	१	४	२६	१९	१०	४२	०	२८	२२	५७	१५	१४
२०	४	१३	४६	१	९	१	१८	०	३	१५६	४५	१५८	५८	१	४	२६	३७	१०	१४	०	२८	२१	५८	१५	१५
२१	४	१४	५५	१	९	१	१५	०	२	१५७	५४	१६०	२	१	४	२६	४०	९	४६	०	२९	२१	५९	१५	१५
२२	४	१६	४	१	९	१	१३	०	३	१५९	३	१६१	६	१	४	२६	५१	९	१७	०	२९	२२	०	१५	१५
२३	४	१७	१३	१	९	१	१०	०	३	१६०	१२	१६२	१०	१	४	२७	२	८	४८	०	२९	२२	१	१५	१५
२४	४	१८	२२	१	९	१	७	०	३	१६१	२१	१६३	१४	१	३	२७	१२	८	१९	०	२९	२२	१	१५	१५
२५	४	१९	३१	१	९	१	४	०	३	१७२	३०	१६४	१७	१	३	२७	२३	७	५०	०	२९	२२	२	१५	१६
२६	४	२०	४०	१	९	१	१	०	३	१६३	३९	१६५	२०	१	३	२७	३३	७	२१	०	२९	२२	२	१५	१६
२७	४	२१	४९			+०	५८			१६४	४८	१६६	२३			२७	४४	६	५२			२२	३	१५	१७

शुक्र

जुलई-अगस्त सन १९३८ इ. **श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अ.	अं.	अ. क.	अं.	अं क.
२७	३० बु	५२२६	२०८.८१	१०१.१७	०.७७	२०९.५८	०.७२४४	२०९.६२	१५६.४६	१ २१	१०९.२६	४१ २२
२८	२ गु	५२२७	२१०.४१	१०२.७७	+०.७६	२११.१७	०.७२४५	२११.२१	१५८.०५	+१ १६	१०९.८९	+४१ ३२
२९	३ शु	५२२८	२१२.०१	१०४.३७	०.७६	२१२.७७	०.७२४६	२१२.८०	१५९.६५	१ ११	११०.५३	४१ ४३
३०	४ श	५२२९	२१३.६१	१०५.९८	०.७५	२१४.३६	०.७२४८	२१४.३९	१६१.२४	१ ६	१११.१६	४१ ४८
३१	५ र	५२३०	२१५.२२	१०७.५८	०.७५	२१५.९७	०.७२४९	२१६.००	१६२.८५	१ ०	१११.८२	४१ ५६
१	६ चं	५२३१	२१६.८२	१०९.१८	०.७४	२१७.५६	०.७२५०	२१७.५९	१६४.४४	० ५५	११२.४५	४२ १३
२	७ मं	५२३२	२१८.४२	११०.७८	०.७३	२१९.१५	०.७२५२	२१९.१७	१६६.०३	० ४९	११३.०७	४२ २३
३	८ बु	५२३३	२२०.०२	११२.३८	०.७३	२२०.७५	०.७२५३	२२०.७७	१६७.६३	० ४४	११३.७२	४२ ३४
४	९ गु	५२३४	२२१.६२	११३.९८	०.७२	२२२.३४	०.७२५४	२२२.३६	१६९.२२	० ३८	११४.३५	४२ ४३
५	१० शु	५२३५	२२३.२२	११५.५९	०.७१	२२३.९३	०.७२५६	२२३.९५	१७०.८१	० ३२	११४.९८	४२ ५३
६	११ श	५२३६	२२४.८३	११७.१९	०.७०	२२५.५३	०.७२५६	२२५.५४	१७२.४१	० २७	११५.६१	४३ २
७	१२ र	५२३७	२२६.४३	११८.७९	०.६९	२२७.१२	०.७२५८	२२७.१३	१७४.००	० २१	११६.२४	४३ १२
८	१३ चं	५२३८	२२८.०३	१२०.३९	०.६८	२२८.७१	०.७२५९	२२८.७२	१७५.५९	० १६	११६.८८	४३ २१
९	१३ मं	५२३९	२२९.६३	१२१.९९	०.६७	२३०.३०	०.७२६०	२३०.३१	१७७.१८	० १०	११७.५१	४३ २९
१०	१४ बु	५२४०	२३१.२४	१२३.६०	०.६५	२३१.८९	०.७२६२	२३१.८९	१७८.७७	+० ४	११८.१३	४३ ३७
११	१५ गु	५२४१	२३२.८४	१२५.२०	०.६४	२३३.४८	०.७२६२	२३३.४८	१८०.३६	−० १	११८.७६	४३ ४७
१२	१ शु	५२४२	२३४.४४	१२६.८०	०.६२	२३५.०७	०.७२६४	२३५.०७	१८१.९५	० ७	११९.३९	४३ ५५
१३	२ श	५२४३	२३६.०४	१२८.४०	०.६१	२३६.६५	०.७२६४	२३६.६४	१८३.५३	० १३	१२०.००	४४ ४
१४	३ र	५२४४	२३७.६४	१३०.००	०.६०	२३८.२४	०.७२६६	२३८.२३	१८५.१२	० १८	१२०.६३	४४ १३
१५	४ चं	५२४५	२३९.२४	१३१.६१	०.५९	२३९.८३	०.७२६७	२३९.८२	१८६.७१	० २४	१२१.२६	४४ २१
१६	५ मं	५२४६	२४०.८५	१३३.२१	०.५८	२४१.४३	०.७२६८	२४१.४२	१८८.३१	० २९	१२१.९०	४४ २८
१७	६ बु	५२४७	२४२.४५	१३४.८१	०.५६	२४३.०१	०.७२६९	२४३. ०	१८९.८९	० ३५	१२२.५२	४४ ३६
१८	७ गु	५२४८	२४४.०५	१३६.४१	०.५४	२४४.५९	०.७२७०	३४४.५७	१९१.४७	० ४०	१२३.१३	४४ ४३
१९	८ शु	५२४९	२४५.६५	१३८.०१	०.५२	२४६.१७	०.७२७१	२४६.१५	१९३.०५	० ४६	१२३.७४	४४ ५०
२०	९ श	५२५०	२४७.२६	१३९.६२	०.५०	२४७.७६	०.७२७२	२४७.७४	१९४.६४	० ५२	१२४.३७	४४ ५७
२१	१० र	५२५१	२४८.८६	१४१.२२	०.४८	२४९.३४	०.७२७३	२४९.३१	१९६.२२	० ५७	१२४.९८	४५ ४
२२	१२ चं	५२५२	२५०.४६	१४२.८२	०.४६	२५०.९२	०.७२७४	२५०.८९	१९७.८०	१ २	१२५.६०	४५ १०
२३	१३ मं	५२५३	२५२.०६	१४४.४२	०.४४	२५२.५०	०.७२७४	२५२.४७	१९९.३८	१ ८	१२६.२१	४५ १६
२४	१४ बु	५२५४	२५३.६६	१४६.०२	०.४३	२५४.०९	०.७२७५	२५४.०६	२००.९७	१ १३	१२६.८४	४५ २२
२५	३० गु	५२५५	२५५.२७	१४७.६३	+०.४२	२५५.६९	०.७२७५	२५५.६५	२०२.५७	−१ १८	१२७.४६	+४५ २९

शुक्र

जुलई–अगस्त सन १९३८ इ. **श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।**

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह रा	अं.	क.	गति अं.	क.	भूमध्य दृश्य शर अं.	क.	गति अं.	क.	सायनभोग अं.	क.	विषुवांश अं.	क.	गति अं.	क.	विषुवकाल घ	प	क्रांति अं.	क.	गति अं.	क.	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल घ	प.	स्टँ.घ.मि.
२७	४	२१	४९	१	९	+०	५८	०	४	१६४	४८	१६६	२३	१	३	२७	४४	+६	५२	०	२९	२२	३	१५ १७
२८	४	२२	५८	१	८	०	५४	०	३	१६५	५७	१६७	२६	१	१	२७	५४	६	२३	०	३०	२२	४	१५ १७
२९	४	२४	६	१	८	०	५१	०	४	१६७	५	१६८	२७	१	१	२८	५	५	५३	०	३०	२२	५	१५ १७
३०	४	२५	१४	१	८	०	४७	०	४	१६८	१३	१६९	२८	१	१	२८	१५	५	२३	०	३०	२२	५	१५ १७
३१	४	२६	२२	१	८	०	४३	०	३	१६९	२१	१७०	२९	१	१	२८	२५	४	५३	०	३०	२२	५	१५ १७
१	४	२७	३०	१	८	०	४०	०	४	१७०	२९	१७१	३०	१	१	२८	३५	४	२३	०	३०	२२	५	१५ १७
२	४	२८	३८	१	८	०	३६	०	४	१७१	३७	१७२	३१	१	१	२८	४५	३	५३	०	३०	२२	५	१५ १७
३	४	२९	४६	१	८	+०	३२	०	४	१७२	४५	१७३	३२	१	१	२८	५५	३	२३	०	३०	२२	५	१५ १७
४	५	०	५४	१	७	०	२८	०	४	१७३	५३	१७४	३३	१	०	२९	६	२	५३	०	३०	२२	७	१५ १८
५	५	२	१	१	७	०	२४	०	४	१७५	०	१७५	३३	१	०	२९	१६	२	२३	०	३०	२२	७	१५ १८
६	५	३	८	१	७	०	२०	०	५	१७६	७	१७६	३३	१	०	२९	२६	१	५३	०	३०	२२	७	१५ १८
७	५	४	१५	१	७	०	१५	०	४	१७७	१४	१७७	३३	०	५९	२९	३६	१	२३	०	३०	२२	७	१५ १८
८	५	५	२२	१	६	०	११	०	४	१७८	२१	१७८	३२	०	५९	२९	४५	०	५३	०	३१	२२	६	१५ १७
९	५	६	२८	१	६	०	७	०	४	१७९	२७	१७९	३१	०	५९	२९	५५	+०	२२	०	३१	२२	६	१५ १७
१०	५	७	३४	१	६	+०	३	०	२	१८०	३३	१८०	३०	०	५९	३०	६	−०	९	०	३१	२२	८	१५ १८
११	५	८	४०	१	६	−०	१	०	४	१८१	३९	१८१	२९	०	५९	३०	१५	०	४०	०	३०	२२	७	१५ १८
१२	५	९	४६	१	५	−०	५	०	४	१८२	४५	१८२	२८	०	५९	३०	२५	१	१०	०	३०	२२	७	१५ १८
१३	५	१०	५१	१	५	०	९	०	४	१८३	५०	१८३	२७	०	५८	३०	३५	१	४०	०	३०	२२	७	१५ १८
१४	५	११	५६	१	५	०	१३	०	४	१८४	५५	१८४	२५	०	५८	३०	४४	२	१०	०	२९	२२	६	१५ १७
१५	५	१३	१	१	५	०	१७	०	४	१८६	०	१८५	२३	०	५८	३०	५४	२	३९	०	३०	२२	६	१५ १७
१६	५	१४	६	१	४	०	२१	०	४	१८७	५	१८६	२१	०	५८	३१	४	३	९	०	२८	२२	६	१५ १७
१७	५	१५	१०	१	४	०	२५	०	४	१८८	९	१८७	१९	०	५८	३१	१३	३	३७	०	२८	२२	५	१५ १७
१८	५	१६	१४	१	४	०	२९	०	४	१८९	१३	१८८	१७	०	५८	३१	२३	४	५	०	२८	२२	६	१५ १७
१९	५	१७	१८	१	४	−०	३३			१९०	१७	१८९	१५	०	५८	३१	३३	४	३३	०	२८	२२	६	१५ १७
२०	५	१८	२२	१	४	०	३७	०	४	१९१	२१	१९०	१३	०	५७	३१	४२	५	१	०	२८	२२	५	१५ १७
२१	५	१९	२६	१	४	०	४१	०	४	१९२	२५	१९१	१०	०	५७	३१	५२	५	२९	०	२८	२२	५	१५ १७
२२	५	२०	३०	१	४	०	४५	०	४	१९३	२९	१९२	७	०	५७	३२	१	५	५७	०	२८	२२	४	१५ १७
२३	५	२१	३४	१	४	०	४९	०	४	१९४	३३	१९३	४	०	५७	३२	११	६	२५	०	२८	२२	४	१५ १७
२४	५	२२	३८	१	३	०	५३	०	४	१९५	३७	१९४	१	०	५७	३२	२०	६	५३	०	२९	२२	३	१५ १६
२५	५	२३	४१			०	५७	०	४	१९६	४०	१९४	५८			३२	३०	−७	२२			२२	४	१५ १७

शुक्र

अगस्त-सितंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अ.	अं.		अं.	अं.	अं.क.	अं.	अं. क.
२५	३० गु	५२५५	२५५·२७	१४७·६३	०·४२	२५५·६९	०·७२७५	२५५·६५	२०२·५७	१ १८	१२७·४६	४५ २९
२६	१ शु	५२५६	२५६·८७	१४९·२३	+०·४०	२५७·२७	०·७२७६	२५७·२३	२०४·१५	−१ २३	१२८·०८	+४५ ३३
२७	२ श	५२५७	२५८·४७	१५०·८३	०·३८	२५८·८५	०·७२७७	२५८·८१	२०५·७३	१ २८	१२८·६९	४५ ३८
२८	३ र	५२५८	२६०·०७	१५२·४३	०·३६	२६०·४३	०·७२७७	२६०·३९	२०७·३१	१ ३४	१२९·३१	४५ ४३
२९	४ चं	५२५९	२६१·६७	१५४·०३	०·३४	२६२·०१	०·७२७८	२६१·९७	२०८·८९	१ ३८	१२९·९२	४५ ४८
३०	५ मं	५२६०	२६३·२७	१५५·६३	०·३२	२६३·५९	०·७२७९	२६३·५५	२१०·४७	१ ४३	१३०·५३	४५ ५२
३१	६ बु	५२६१	२६४·८८	१५७·२४	०·३०	२६५·१८	०·७२७९	२६५·१४	२१२·०६	१ ४८	१३१·१६	४५ ५६
१	७ गु	५२६२	२६६·४८	१५८·८४	०·२८	२६६·७६	०·७२८०	२६६·७१	२१३·६४	१ ५३	१३१·७६	४६ ००
२	८ शु	५२६३	२६८·०८	१६०·४४	०·२६	२६८·३४	०·७२८०	२६८·२९	२१५·२२	१ ५७	१३२·३७	४६ २
३	९ श	५२६४	२६९·६८	१६२·०४	०·२३	२६९·९१	०·७२८१	२६९·८६	२१६·७९	२ २	१३२·९७	४३ ७
४	१० र	५२६५	२७१ २९	१६३·६४	०·२१	२७१·५०	०·७२८१	२७१·४५	२१८·३८	२ ६	१३३·६०	४६ ९
५	११ चं	५२६६	२७२·८९	१६५·२५	०·१९	२७३·०८	०·७२८२	२७३·०३	२१९·९६	२ ११	१३४·२१	४६ ११
६	१२ मं	५२६७	२७४·४९	१६६·८५	०·१७	२७४·६६	०·७२८२	२७४·६१	२२१·५४	२ १५	१३४·८२	४६ १४
७	१३ बु	५२६८	२७६·०९	१६८·४५	०·१६	२७६·२५	०·७२८२	२७६·२०	२२३·१३	२ १९	१३५·४५	४६ १५
८	१४ गु	५२६९	२७७·६९	१७०·०५	०·१३	२७७·८२	०·७२८२	२७७·७७	२२४·७०	२ २३	१३६·०३	४६ १७
९	१५ शु	५२७०	२७९·३०	१७१·६६	०·११	२७९·४१	०·७२८३	२७९·३६	२२६·२९	२ २७	१३६·६५	४६ १७
१०	१ श	५२७१	२८०·९०	१७३·२६	०·०९	२८०·९९	०·७२८३	२८०·९४	२२७·८७	२ ३१	१३७·२६	४६ १९
११	२ र	५२७२	२८२·५०	१७४·८६	०·०७	२८२·५७	०·७२८३	२८२·५२	२२९·४५	२ ३५	१३७·८७	४६ १९
१२	३ चं	५२७३	२८४·१०	१७६·४६	०·०५	२८४·१५	०·७२८३	२८४·१०	२३१·०३	२ ३८	१३८·४८	४६ १९
१३	४ मं	५२७४	२८५·७०	१७८·०६	०·०३	२८५·७३	०·७२८३	२८५·६८	२३२·६१	२ ४२	१३९·०८	४६ १८
१४	५ बु	५२७५	२८७·३१	१७९·६७	+०·००	२८७·३१	०·७२८३	२८७·२६	२३४·१९	२ ४५	१३९·६९	४६ १७
१५	६ गु	५२७६	२८८·९१	१८१·२७	−०·०१	२८८·९०	०·७२८३	२८८·८५	२३५·७८	२ ४८	१४०·३१	४६ १५
१६	७ शु	५२७७	२९०·५१	१८२·८७	०·०४	२९०·४७	०·७२८३	२९०·४२	२३७·३५	२ ५१	१४०·९०	४६ १३
१७	८ श	५२७८	२९२·११	१८४·४७	०·०६	२९२·०५	०·७२८३	२९२·०१	२३८·९३	२ ५४	१४१·५२	४६ ११
१८	९ र	५२७९	२९३·७१	१८६·०८	०·०८	२९३·६३	०·७२८३	२९३·५९	२४०·५१	२ ५७	१४२·१२	४६ ७
१९	१० चं	५२८०	२९५·३२	१८७·६८	०·१०	२९५·२२	०·७२८३	२९५·१८	२४२·१०	३ ०	१४२·७३	४६ ४
२०	११ मं	५२८१	२९६·९२	१८९·२८	०·१२	२९६·८०	०·७२८३	२९६·७६	२४३·६८	३ २	१४३·३४	४६ ००
२१	१२ बु	५२८२	२९८·५२	१९०·८८	०·१४	२९८·३८	०·७२८३	२९८·३४	२४५·२६	३ ५	१४३·९०	४५ ५५
२२	१३ गु	५२८३	३००·१२	१९२·४१	०·१६	२९९·९६	०·७२८२	२९९·९२	२४६·८४	३ ७	१४४·५४	४५ ४८
२३	३० शु	५२८४	३०१·७३	१९४·०९	−०·१८	३०१·५५	०·७२८२	३०१·५१	२४८·४३	−३ ९	१४५·१५	+४५ ४३

अगस्त–सितंबर सन १९३८ इ.   भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायन भोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टैं. घं. मि.
२५	५ २३ ४१	१ ३	-० ५७	० ४	१९६ ४१	१९४ ५८	० ५७	३२ ३०	+ ७ २२	० २९	२२ ४	१५ १७
२६	५ २४ ४३	१ २	१ १	० ३	१९७ ४२	१९५ ५५	० ५७	३२ ३९	७ ५१	० २९	२२ ३	१५ १६
२७	५ २५ ४५	१ २	१ ४	० ४	१९८ ४४	१९६ ५२	० ५८	३२ ४९	८ २०	० २६	२२ ३	१५ १६
२८	५ २६ ४७	१ २	१ ८	० ३	१९९ ४६	१९७ ५०	० ५७	३२ ५८	८ ४६	० २६	२२ २	१५ १६
२९	५ २७ ४९	१ २	१ ११	० ४	२०० ४८	१९८ ४७	० ५७	३३ ८	९ १२	० २६	२२ २	१५ १६
३०	५ २८ ५१	१ २	१ १५	० ४	२०१ ५०	१९९ ४४	० ५७	३३ १७	९ ३८	० २६	२२ १	१५ १५
३१	५ २९ ५३	१ २	१ १९	० ३	२०२ ५२	२०० ४१	० ५७	३३ २७	१० ४	० २६	२२ १	१५ १५
१	६ ० ५५	१ २	१ २२	० ३	२०३ ५४	२०१ ३८	० ५७	३३ ३६	१० ३०	० २६	२२ १	१५ १५
२	६ १ ५७	१ २	१ २५	० ४	२०४ ५६	२०२ ३५	० ५७	३३ ४६	१० ५६	० २६	२२ १	१५ १५
३	६ २ ५९	१ १	-१ २९	० ३	२०५ ५८	२०३ ३२	० ५७	३३ ५५	११ २२	० २६	२२ ०	१५ १५
४	६ ४ ०	१ १	१ ३२	० ३	२०६ ५९	२०४ २९	० ५७	३४ ५	११ ४८	० २६	२२ ०	१५ १५
५	६ ५ १	१ १	१ ३५	० ३	२०८ ०	२०५ २६	० ५७	३४ १४	१२ १४	० २६	२१ ५९	१५ १५
६	६ ६ २	१ ०	१ ३८	० ३	२०९ १	२०६ २३	० ५६	३४ २४	१२ ४०	० २३	२१ ५९	१५ १५
७	६ ७ २	० ५९	१ ४१	० ३	२१० १	२०७ १९	० ५६	३४ ३३	१३ ३	० २३	२१ ५८	१५ १४
८	६ ८ १	० ५९	१ ४४	० ३	२११ १	२०८ १५	० ५६	३४ ४३	१३ २६	० २३	२१ ५९	१५ १४
९	६ ९ ०	१ ०	१ ४७	० २	२१२ १	१०९ ११	० ५६	३४ ५२	१३ ४९	० २२	२१ ५८	१५ १४
१०	६ १० ०	० ५८	-१ ४९	० ४	२१२ ५९	२१० ७	० ५६	३५ १	१४ ११	० २२	२१ ५७	१५ १४
११	६ १० ५८	० ५८	१ ५३	० २	२१३ ५७	२११ ३	० ५६	३५ ११	१४ ३३	० २२	२१ ५७	१५ १४
१२	६ ११ ५६	० ५८	१ ५५	० २	२१४ ५५	२११ ५९	० ५५	३५ २०	१४ ५५	० २२	२१ ५६	१५ १३
१३	६ १२ ५४	० ५७	१ ५७	० ३	२१५ ५३	२१२ ५४	० ५५	३५ २९	१५ १७	० २२	२१ ५५	१५ १३
१४	६ १३ ५१	० ५७	२ ०	० २	२१६ ५०	२१३ ४९	० ५५	३५ ३८	१५ ३९	० २२	२१ ५४	१५ १३
१५	६ १४ ४८	० ५७	२ २	० ३	२१७ ४७	२१४ ४४	० ५५	३५ ४७	१६ १	० २२	२१ ५४	१५ १३
१६	६ १५ ४५	० ५६	२ ५	० २	२१८ ४४	२१५ ३९	० ५४	३५ ५७	१६ २३	० १८	२१ ५४	१५ १३
१७	६ १६ ४१	० ५६	-२ ७	० २	२१९ ४०	२१६ ३३	० ५४	३६ ३	१६ ४१	० १८	२१ ५३	१५ १२
१८	६ १७ ३७	० ५५	२ ९	० २	२२० ३५	२१७ २७	० ५३	३६ १५	१६ ५९	० १८	२१ ५२	१५ १२
१९	६ १८ ३२	० ५४	२ ११	० २	२२१ ३१	२१८ २०	० ५३	३६ २३	१७ १७	० १८	२१ ५०	१५ ११
२०	६ १९ २६	० ५४	२ १३	० १	२२२ २५	२१९ १३	० ५३	३६ ३२	१७ ३५	० १८	२१ ४९	१५ ११
२१	६ २० २०	० ५४	२ १४	० २	२२३ १९	२२० ६	० ५३	३६ ४१	१७ ५३	० १८	२१ ४८	१५ १०
२२	६ २१ १४	० ५३	२ १६	० २	२२४ १३	२२० ५९	० ५३	३६ ५०	१८ ११	० १८	२१ ४८	१५ १०
२३	६ २२ ७		२ १८		२२५ ६	२२१ ५२		३६ ५९	+१८ २९		२१ ४७	१५ १०

शुक्र

सितंबर-अक्टूबर १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क	अं.	अं. क.
२३	३० शु	५२८४	३०१·७३	१९४·०९	०·१८	३०१·५५	०·७२८२	३०१·५१	२४८·४३	३ ९	१४५·१५	४५ ४३
२४	१ श	५२८५	३०३·३३	१९५·६९	−०·२०	३०३·१३	०·७२८१	३०३·१०	२५०·०१	−३ ११	१४५·७७	+४५ ३६
२५	२ र	५२८६	३०४·९३	१९७·२९	०·२२	३०४·७१	०·७२८१	३०४·६८	२५१·५९	३ १३	१४६·३६	४५ २८
२६	३ चं	५२८७	३०६·५३	१९८·८९	०·२४	३०६·२९	०·७२८१	३०६·२६	२५३·१७	३ १५	१४६·९६	४५ २२
२७	४ मं	५२८८	३०८·१३	२००·५०	०·२६	३०७·८७	०·७२८०	३०७·८५	२५४·७५	३ १६	१४७·५७	४५ ११
२८	५ बु	५२८९	३०९·७३	२०२·१०	०·२८	३०९·४५	०·७२८०	३०९·४३	२५६·३३	३ १८	१४८·१७	४५ २
२९	६ गु	५२९०	३११·३४	२०३·७०	०·३०	३११·०४	०·७२७९	३११·०२	२५७·९२	३ १९	१४८·७८	४४ ५१
३०	७ शु	५२९१	३१२·९४	२०५·३०	०·३२	३१२·६२	०·७२७९	३१२·६०	२५९·५०	३ २०	१४९·३८	४४ ४०
१	८ श	५२९२	३१४·५४	२०६·९१	०·३४	३१४·२०	०·७२७८	३१४·१९	२६१·०८	३ २१	१४९·९८	४४ २८
२	९ र	५२९३	३१६·१४	२०८·५१	०·३६	३१५·७८	०·७२७७	३१५·७७	२६२·६६	३ २२	१५०·५८	४४ १५
३	९ चं	५२९४	३१७·७५	२१०·११	०·३८	३१७·३७	०·७२७६	३१७·३६	२६४·२५	३ २३	१५१·१९	४४ १
४	१० मं	५२९५	३१९·३५	२११·७१	०·४०	३१८·९५	०·७२७५	३१८·९४	२६५·८३	३ २३	१५१·७८	४३ ४४
५	११ बु	५२९६	३२० ९५	२१३·३१	०·४२	३२०·५३	०·७२७५	३२०·५३	२६७·४१	३ २३	१५२·३९	४३ ३०
६	१२ गु	५२९७	३२२·५५	२१४·९१	०·४४	३२२·११	०·७२७४	३२२·११	२६८·९९	३ २४	१५२·९८	४३ १३
७	१३ शु	५२९८	३२४·१५	२१६·५२	०·४६	३२३·६९	०·७२७४	३२३·६९	२७०·५७	३ २४	१५३·५७	४२ ५६
८	१४ श	५२९९	३२५·७६	२१८·१२	०·४७	३२५·२९	०·७२७३	३२५·२९	२७२·१७	३ २३	१५४·१९	४२ ३६
९	१५ र	५३००	३२७·३६	२१९·७२	०·४९	३२६·८७	०·७२७२	३२६·८७	२७३·७५	३ २३	१५४ ७८	४२ १६
१०	१ चं	५३०१	३२८·९६	२२१·३२	०·५०	३२८·४६	०·७२७१	३२८·४५	२७५·३४	३ २३	१५५·३७	४१ ५५
११	२ मं	५३०२	३३०·५६	२२२·९३	०·५२	३३०·०४	०·७२७०	३३०·०५	२७६·९२	३ २२	१५५·९८	४१ ३२
१२	३ बु	५३०३	३३२·१७	२२४·५३	०·५४	३३१·६३	०·७२६९	३३१·६४	२७८ ५१	३ २१	१५६·५८	४१ ८
१३	४ गु	५३०४	३३३·७७	२२६ १३	०·५६	३३३·२१	०·७२६८	३३३·२३	२८०·०९	३ २०	१५७·१८	४० ४५
१४	५ शु	५३०५	३३५·३७	२२७·७३	०·५७	३३४·८०	०·७२६७	३३४·८२	२८१·६८	३ १९	१५७·७८	४० १५
१५	७ श	५३०६	३३६·९७	२२९·३४	०·५९	३३६·३८	०·७२६६	३३६.४०	१८३·२६	३ १८	१५८·३७	३९ ४७
१६	८ चं	५३०७	३३८·५८	२३०·९४	०·६१	३३७·९७	०·७२६५	३३७·९९	२८४·८५	३ १७	१५८·९७	३९ १७
१७	९ र	५३०८	३४०·१८	२३२·५४	०·६२	३३९·५६	०·७२६४	३३९·५९	२८६·४४	३ १५	१५९·५८	३८ ४४
१८	१० मं	५३०९	३४१·७८	२३४·१४	०·६३	३४१·१५	०·७२६३	३४१·१८	२८८·०३	३ १४	१६०·१७	३८ १२
१९	११ बु	५३१०	३४३·३८	२३५ ७५	०·६४	३४२·७४	०·७२६२	३४२·७७	२८९·६२	३ १२	१६०·७७	३७ ३७
२०	१२ गु	५३११	३४४·९८	२३७·३५	०·६५	३४४·३३	०·७२६१	३४४·३६	२९१·२१	३ १०	१६१·३७	३६ ५९
२१	१३ शु	५३१२	३४६·५९	२३८·९५	०·६७	३४५·९२	०·७२५९	३४५·९६	२९२·८०	३ ८	१६१·९७	३६ १९
२२	१४ श	५३१३	३४८·१९	२४०·५५	०·६८	३४७·५१	०·७२५८	३४७·५५	२९४·३९	३ ५	१६२·५७	३५ ३९
२३	३० र	५३१४	३४९·७९	२४२·१५	−०·६९	३४९·१०	०·७२५७	३४९·१४	२९५·९८	−३ ६	१६३·१६	+३४ ५९

शुक्र

सितम्बर-अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृष्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं क.	अ. क	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टँ. घ. मि
२३	६ २२ ७	० ५२	२ १८	० १	२२५ ६	२२१ ५२	० ५३	३६ ५९	१८ २९	० १८	२१ ४७	१५ १०
२४	६ २२ ५९	० ५२	−२ १९	० १	२२५ ५८	२२२ ४५	० ५३	३७ ८	−१८ ४७	० १८	२१ ४६	१५ ९
२५	६ २३ ५१	० ५१	२ २०	० २	२२६ ५०	२२३ ३८	० ५३	३७ १६	१९ ५	० १७	२१ ४४	१५ ९
२६	६ २४ ४२	० ५१	२ २२	० १	२२७ ४१	२२४ ३१	० ४८	३७ २५	१९ २२	० १४	२१ ४३	१५ ८
२७	६ २५ ३३	० ५०	२ २३	० १	२२८ ३२	२२५ १९	० ४८	३७ ३३	१९ ३६	० १४	२१ ४१	१५ ७
२८	६ २६ २३	० ४९	२ २४	० १	२२९ २२	२२६ ७	० ४८	३७ ४१	१९ ५०	० १४	२१ ३९	१५ ७
२९	६ २७ १२	० ४७	२ २५	० १	२३० ११	२२६ ५५	० ४८	३७ ४९	२० ४	० १३	२१ ३८	१५ ६
३०	६ २७ ५९	० ४६	२ २६	० ०	२३० ५८	२२७ ४३	० ४८	३७ ५७	२० १७	० १३	२१ ३६	१५ ५
१	६ २८ ४५	० ४५	२ २६	० १	२३१ ४४	२२८ ३१	० ४८	३८ ५	२० ३०	० १३	२१ ३४	१५ ५
२	६ २९ ३०	० ४४	२ २७	० ०	२३२ २९	२२९ १९	० ४८	३८ १३	२० ४३	० १३	२१ ३२	१५ ४
३	७ ० १४	० ४०	२ २७	० १	२३३ १३	२३० ७	० ४८	३८ २१	२० ५६	० १३	२१ ३०	१५ ३
४	७ ० ५४	० ४५	२ २८	० ०	२३४ ५३	२३० ५५	० ४७	३८ २९	२१ ९	० १३	२१ २८	१५ २
५	७ १ ३९	० ४२	१ २८	० ०	२३४ ३८	२३१ ४२	० ४७	३८ ३७	२१ २२	० १३	२१ २६	१५ १
६	७ २ २१	० ४२	२ २८	० ०	२३५ २०	२३२ २९	० ३७	३८ ४५	२१ ३५	० ८	२१ २५	१५ १
७	७ ३ ३	० ३९	२ २८	० ०	२३६ २	२३३ ६	० ३७	३८ ५१	२१ ४३	० ७	२१ २१	१४ ५९
८	७ ३ ४२	० ३९	२ २८	० ०	२३६ ४१	२३३ ४३	० ३७	३८ ५७	२१ ५०	० ७	२१ १७	१४ ५८
९	७ ४ २१	० ३९	२ २८	० १	२३७ २०	२३४ २०	० ३७	३९ ३	२१ ५७	० ७	२१ १७	१४ ५६
१०	७ ५ ०	० ३६	२ २७	० ०	२३७ ५९	२३४ ५७	० ३७	३९ १०	२२ ४	० ७	२१ १०	१४ ५५
११	७ ५ ३६	० ३३	२ २७	० १	२३८ ३५	२३५ ३४	० ३७	३९ १६	२२ ११	० ७	२१ ६	१४ ५३
१२	७ ६ ११	० ३७	२ २६	० १	२३९ १०	२३६ ११	० ३७	३९ २२	२२ १८	० ७	२१ २	१४ ५२
१३	७ ६ ४८	० २९	२ २५	० ०	२३९ ४७	२३६ ४८	० ३७	३९ २८	२२ २५	० ७	२० ५९	१४ ५१
१४	७ ७ १७	० ३२	२ २५	० १	२४० १६	२३७ २५	० ३७	३९ ३४	२२ ३२	० ७	२० ५५	१४ ४९
१५	७ ७ ४९	० २९	२ २४	० १	२४० ४८	२३८ २	० ३६	३९ ४०	२२ ३९	० ७	२० ५१	१४ ४७
१६	७ ८ १८	० २९	२ २३	० १	२४१ १७	२३८ ३८	० २२	३९ ४६	२२ ४६	० ३	२० ४७	१४ ४६
१७	७ ८ ४७	० २५	२ २२	० २	२४१ ४६	२३९ ०	० २२	३९ ५०	२२ ४९	० ३	२० ४१	१४ ४३
१८	७ ९ १२	० २६	२ २०	० १	२४२ ११	२३९ २२	० २२	३९ ५४	२२ ५२	० ३	२० ३५	१४ ४१
१९	७ ९ ३८	० २०	२ १९	० १	२४२ ३७	२३९ ४४	० २२	३९ ५७	२२ ५५	० ३	२० २८	१४ ३८
२०	७ ९ ५८	० २३	२ १८	० २	२४२ ५७	२४० ६	० २२	४० १	२२ ५८	० २	२० २३	१४ ३६
२१	७ १० २१	० २०	२ १६	० २	२४३ २०	२४० २८	० २२	४० ५	२३ ०	० २	२० १७	१४ ३४
२२	७ १० ४१	० १८	२ १४	० १	२४३ ४०	२४० ५०	० २२	४० ८	२३ २	० २	२० १०	१४ ३१
२३	७ १० ५९		−२ १३		२४३ ५८	२४१ १२		४० १२	−२३ ४		२० ४	१४ २९

शुक्र

अक्टूबर–नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	श
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	
२३	३० र	५३१४	३४९.७९	२४२.१५	०.६९	३४९.१०	०.७२५७	३४९.१४	२९५.९८	३ ३	१६३.१६	
२४	१ चं	५३१५	३५१.३९	२४३.७६	− ०.७०	३५०.६९	०.७२५६	३५०.७३	२९७.५६	−३ ०	१६३.७६	-
२५	२ मं	५३१६	३५२.९९	२४५.३६	०.७१	३५२.२८	०.७२५५	३५२.३२	२९९.१६	२ ५८	१६४.३५	
२६	३ बु	५३१७	३५४.६०	२४६.९६	०.७२	३५३.८८	०.७२५४	३५३.९२	३००.७६	२ ५५	१६४.९५	
२७	४ गु	५३१८	३५६.२०	२४८.५७	०.७३	३५५.४७	०.७२५२	३५५.५१	३०२.३५	२ ५२	१६५.५५	
२८	५ शु	५३१९	३५७.८०	२५०.१७	०.७३	३५७.०७	०.७२५०	३५७.१२	३०३.९५	२ ४९	१६६.१६	
२९	६ श	५३२०	३५९.४०	२५१.७७	०.७४	३५८.६६	०.७२४९	३५८.७१	३०५.५४	२ ४६	१६६.७५	
३०	७ र	५३२१	१.०१	२५३.३७	०.७५	०.२६	०.७२४८	०००.३१	३०७.१४	२ ४२	१६७.३५	
३१	८ चं	५३२२	२.६१	२५४.९८	०.७६	१.८५	०.७२४७	१.९०	३०८.७३	२ ३९	१६७.९४	
१	९ मं	५३२३	४.२१	२५६.५८	०.७६	३.४५	०.७२४५	३.५०	३१०.३३	२ ३५	१६८.५४	
२	१० बु	५३२४	५.८१	२५८.१८	०.७७	५.०४	०.७२४४	५.०९	३११.९२	२ ३२	१६९.१३	
३	११ गु	५३२५	७.४१	२५९.७८	०.७७	६.६४	०.७२४३	६.६९	३१३.५२	२ २८	१६९.७३	
४	११ शु	५३२६	९.०२	२६१.३८	०.७८	८.२४	०.७२४२	८.२९	३१५.१२	२ २४	१७०.३२	
५	१२ श	५३२७	१०.६२	२६२.९८	०.७८	९.८४	०.७२४०	९.८९	३१६.७२	२ २०	१७०.९२	
६	१३ र	५३२८	१२.२२	२६४.५९	०.७८	११.४४	०.७२३९	११.४९	३१८.३२	२ १५	१७१.५२	
७	१५ चं	५३२९	१३.८२	२६६.१९	०.७९	१३.०३	०.७२३८	१३.०८	३१९.९१	२ ११	१७२.११	
८	१ मं	५३३०	१५.४३	२६७.७९	०.७९	१४.६४	०.७२३६	१४.६९	३२१.५२	२ ७	१७२.७१	
९	२ बु	५३३१	१७.०३	२६९.३९	०.७९	१६.२४	०.७२३५	१६.२९	३२३.१२	१ २	१७३.३१	
१०	३ गु	५३३२	१८.६३	२७०.९९	०.७९	१७.८४	.०७२३३	१७.८९	३२४.७२	१ ५८	१७३.९०	
११	४ शु	५३३३	२०.२३	२७२.६०	०.७९	१९.४४	०.७२३१	१९.४९	३२६.३२	१ ५३	१७४.५०	
१२	५ श	५३३४	२१.८३	२७४.२०	०.७९	२१.०४	०.७२३०	२१.०९	३२७.९२	१ ४८	१७५.०९	
१३	६ र	५३३५	२३.४४	२७५.८०	०.७८	२२.६६	०.७२२९	२२.७०	३२९.५४	१ ४३	१७५.७०	
१४	७ चं	५३३६	२५.०४	२७७.४०	०.७८	२४.२६	०.७२२८	२४.३०	३३१.१४	१ ३८	१७६.२९	
१५	८ मं	५३३७	२६.६४	२७९.००	०.७८	२५.८६	०.७२२६	२५.९०	३३२.७४	१ ३३	१७६.८८	
१६	९ [illegible]	५३३८	२८.२५	२८०.६१	०.७८	२७.४७	०.७२२४	२७.५१	३३४.३५	१ २८	१७७.४८	
१७	११ गु	५३३९	२९.८५	२८२.२१	०.७७	२९.०८	०.७२२३	२९.१२	३३५.९६	१ २३	१७८.०९	
१८	१२ शु	५३४०	३१.४५	२८३.८१	०.७७	३०.६८	०.७२२२	३०.७२	३३७.५६	१ १८	१७८.६८	
१९	१३ श	५३४१	३३.०५	२८५.४१	०.७६	३२.२९	०.७२२१	३२.३२	३३९.१७	१ १२	१७९.२७	
[illegible]	१४ [illegible]	५३४२	३४.६५	२८७.०१	०.७६	३३.८९	०.७२१९	३३.९२	३४०.७७	१ ७	१७९.८६	-
२१	[illegible]	५३४३	३६.२६	२८८.६२	− ०.७५	३५.५१	०.७२१७	३५.५४	३४२.३९	−१ २	१८०.४७	-

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल			
	रा.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अ.	क	अं.	क	घ.	प.	अं.	क.	अं.	क	घ.	प.	स्टॅ. घं	मि
२३	७	१०	५९	०	१४	-२	९३	०	२	२४३	५८	२४१	१२	०	२२	४०	१२	-२३	४	०	२	२०	४	१४	२९
२४	७	११	१३	०	१४	२	११	०	२	२४४	१२	२४१	३४	०	२२	४०	१६	२३	६	०	२	१९	५८	१४	२६
२५	७	११	२७	०	१२	२	९	०	२	२४४	२६	२४१	५६	०	२१	४०	१९	२३	८	०	२	१९	५१	१४	२३
२६	७	११	३९	०	९	२	७	०	२	२४४	३८	२४२	७	०	३	४०	२३	२३	१०	०	३	१९	४५	१४	२१
२७	७	११	४८	०	६	२	५	०	३	२४४	४७	२४२	१४	०	३	४०	२२	२३	७	०	३	१९	३५	१४	१७
२८	७	११	५४	०	४	२	२	०	२	२४४	५३	२४२	११	०	३	४०	२२	२३	४	०	३	१९	२५	१४	१३
२९	७	११	५८	०	२	२	०	०	२	२४४	५७	२४२	८	०	३	४०	२१	२३	१	०	३	१९	१४	१४	९
३०	७	१२	०	०	२	१	५८	०	३	२४४	५९	२४१	५	०	३	४०	२१	२२	५८	०	३	१९	४	१४	५
३१	७	१२	२	०	२	१	५५	०	३	२४५	१	२४३	२	०	३	४०	२०	२२	५५	०	३	१८	५३	१४	०
१	७	१२	०	०	५	१	५२	०	२	२४४	५९	२४१	५९	०	२	४०	२०	२२	५२	०	३	१८	४३	१३	५७
२	७	११	५५	०	९	१	५०	०	३	२४४	५४	२४१	५७	०	२	४०	२०	२२	४९	०	३	१८	३३	१३	५२
३	७	११	४६	०	९	१	४७	०	३	२४४	४५	२४१	५५	०	२	४०	१९	२२	४६	०	४	१८	२३	१३	४८
४	७	११	३७	०	१३	१	४४	०	३	२४४	३६	२४१	५३	०	२	४०	१९	२२	४२	०	४	१८	१३	१३	४४
५	७	११	२४	०	१५	१	४१	०	३	२४४	२३	२४१	५१	०	२१	४०	१९	२२	३८	०	७	१८	३	१३	४०
६	७	११	९	०	१४	१	३८	०	३	२४४	८	२४१	३०	०	२१	४०	१५	२२	३१	०	७	१७	४९	१३	३५
७	७	१०	५५	०	१९	१	३५	०	३	२४३	५४	२४१	९	०	२१	४०	१२	२२	२४	०	७	१७	३६	१३	२९
८	७	१०	३६	०	१९	१	३२	०	४	२४३	३५	२४०	४८	०	२१	४०	८	२२	१७	०	७	१७	२२	१३	२४
९	७	१०	१७	०	२३	१	२८	०	३	२४३	१६	२४०	२७	०	२१	४०	५	२२	१०	०	७	१७	९	१३	१९
१०	७	९	५४	०	२७	१	२५	०	३	२४२	५३	२४०	६	०	२२	४०	१	२२	३	०	७	१६	५६	११	१३
११	७	९	२७	०	२९	१	२२	०	४	२४२	२६	२३९	४४	०	२२	३९	५७	२१	५६	०	८	१६	४२	१३	८
१२	७	८	५८	०	३०	१	१८	०	३	२४१	५७	२३९	२२	०	२२	३९	५४	२१	४८	०	८	१६	२९	१३	३
१३	७	८	२८	०	३२	१	१५	०	४	२४१	२७	२३९	०	०	२२	३९	५०	२१	४०	०	८	१६	१५	१२	५७
१४	७	७	५६	०	३४	१	११	०	४	२४०	५५	२३८	३८	०	२२	३९	४६	२१	३२	०	८	१६	१	१२	५१
१५	७	७	२२	०	३५	१	७	०	३	२४०	२१	२३८	१६	०	३८	३९	४३	२१	२४	०	१२	१५	४८	१२	४६
१६	७	६	४७	०	३५	१	४	०	४	२३९	४६	२३७	३८	०	३८	३९	३६	२१	१२	०	१२	१५	३१	१२	३९
१७	७	६	१२	०	३६	१	०	०	४	२३९	११	२३७	०	०	३८	३९	३०	५१	०	०	१२	१५	१६	१२	३४
१८	७	५	३६	०	३६	०	५६	०	४	२३८	३५	२३६	२२	०	३८	३९	२४	२०	४८	०	१२	१५	०	१२	२७
१९	७	५	०	०	३६	०	२२	०	४	२३७	५९	२३५	४४	०	३८	३९	१७	२०	३६	०	१२	१४	४३	१२	२०
२०	७	४	२४	०	३६	०	४८	०	४	२३७	२३	२३५	६	०	३८	३९	११	२०	२४	०	१२	१४	२७	१२	१४
२१	७	३	४८			-०	४४			२३६	४७	२३४	२८			३९	५	-२०	१२			१४	११	१२	७

शुक्र

नवंबर-डिसेंबर १९३८ ई. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२१	३० चं	५३४३	३६·२६	२८८·६२	०·७५	३५·५१	०·७२१७	३५·५४	३४२·३९	१ २	१८०·४७	१ १६
२२	१ मं	५३४४	३७·८६	२९०·२२	– ०·७४	३७·१२	०·७२१६	३७·१५	३४४·००	–० ५६	१८१·०७	– २ ५३
२३	१ बु	५३४५	३९·४६	२९१·८२	०·७३	३८·७३	०·७२१५	३८·७५	३४५·६१	० ५१	१८१·६६	४ ३०
२४	२ गु	५३४६	४१·०६	२९३·४२	०·७३	४०·३३	०·७२१४	४०·३५	३४७·२१	० ४५	१८२·२५	६ १
२५	३ शु	५३४७	४२·६६	२९५·०२	०·७२	४१·९४	०·७२१३	४१·९६	३४८·८२	० ३९	१८२·८५	७ ४९
२६	४ श	५३४८	४४·२७	२९६·६३	०·७१	४३·५६	०·७२११	४३·५८	३५०·४४	० ३४	१८३·४५	९ १२
२७	५ र	५३४९	४५·८७	२९८·२३	०·६९	४५·१८	०·७२१०	४५·१९	३५२·०६	० २८	१८४·०५	१० ४४
२८	६ चं	५३५०	४७·४७	२९९·८३	०·६८	४६·७९	०·७२०९	४६·८०	३५३·६७	० २३	१८४·६५	१२ १६
२९	७ मं	५३५१	४९·०७	३०१·४३	०·६७	४८·४०	०·७२०८	४८·४१	३५५·२८	० १७	१८५·२५	१३ ४६
३०	८ बु	५३५२	५०·६०	३०३·०४	०·६६	५०·०१	०·७२०७	५०·०२	३५६·८९	० ११	१८५·८४	१५ १६
१	९ गु	५३५३	५२·२८	३०४·६४	०·६५	५१·६३	०·७२०५	५१·६३	३५८·५१	–० ५	१८६·४४	१६ ३४
२	१० शु	५३५४	५३·८८	३०६·२४	०·६३	५३·२५	०·७२०४	५३·२५	०००·१३	+० १	१८७·०५	१८ २
३	११ श	५३५५	५५·४८	३०७·८४	०·६२	५४·८६	०·७२०३	५४·८६	१·७४	० ६	१८७·६४	१९ २४
४	१२ र	५३५६	५७·०८	३०९·४४	०·६१	५६·४७	०·७२०२	५६·४७	३·३५	० १२	१८८·२४	२० ४३
५	१३ चं	५३५७	५८·६८	३११·०४	०·६०	५८·०८	०·७२०१	५८·०७	४·९६	० १८	१८८·८२	२२ ००
६	१४ मं	५३५८	६०·२८	३१२·६४	०·५९	५९·६९	०·७२००	५९·६८	६·५७	० २३	१८९·४२	२३ १४
७	१५ बु	५३५९	६१·८८	२१४·२४	०·५७	६१·३१	०·७१९९	६१·३०	८·१९	० २९	१९०·०२	२४ २६
८	१ गु	५३६०	६३·४९	३१५·८४	०·५५	६२·९४	०·७१९८	६२·९२	९·८२	० ३५	१९०·६३	२५ ३५
९	२ शु	५३६१	६५·०९	३१७·४५	०·५३	६४·५६	०·७१९७	६४·५४	११·४५	० ४०	१९१·२३	२६ ४५
१०	४ श	५३६२	६६·६९	३१९·०५	०·५२	६६·१७	०·७१९६	६६·१५	१३·०५	० ४६	१९१·८२	२७ ४५
११	५ र	५३६३	६८·२९	३२०·६५	०·५०	६७·७९	०·७१९६	६७·७७	१४·६७	० ५२	१९२·४३	२८ ४३
१२	६ चं	५३६४	६९·८९	३२२·२५	०·४८	६९·४१	०·७१९४	६९·३८	१६·२९	० ५७	१९३·०२	२९ ३९
१३	७ मं	५३६५	७१·५०	३२३·८६	०·४६	७१·०४	०·७१९३	७१·०१	१७·९२	१ ३	१९३·६३	३० ३६
१४	८ बु	५३६६	७३·१०	३२५·४६	०·४५	७२·६५	०·७१९३	७२·६२	१९·५३	१ ८	१९४·२३	३१ ३३
१५	९ गु	५३६७	७४·७१	३२७·०७	०·४३	७४·२८	०·७१९२	७४·२५	२१·१६	१ १४	१९४·८५	३२ ३०
१६	१० शु	५३६८	७६·३१	३२८·६७	०·४१	७५·९०	०·७१९१	७५·८६	२२·७८	१ १९	१९५·४३	३३ १७
१७	११ श	५३६९	७७·९१	३३०·२७	०·३९	७७·५२	०·७१९१	७७·४८	२४·४०	१ २४	१९६·०४	३४ ११
१८	१२ र	५३७०	७९·५२	३३१·८८	०·३७	७९·१४	०·७१९०	७९·१०	२६·०२	१ २९	१९६·६४	३४ ५१
१९	१३ चं	५३७१	८१·११	३३३·४८	०·३५	८०·७६	०·७१८९	८०·७२	२७·६४	१ ३४	१९७·२४	३५ ३८
२०	१४ मं	५३७२	८२·७२	३३५·०८	०·३३	८२·३९	०·७१८८	८२·३५	२९·२७	१ ४०	१९७·८५	३६ १९
२१	३० बु	५३७३	८४·३२	३३६·६८	– ०·३१	८४·०१	०·७१८८	८३·९७	३०·८९	+१ ४५	१९८·४५	–३७ ४०

शुक्र

नवंबर–डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं क.	अं. क.	अं. क	घ प.	अं. क.	अं क.	घ. प.	स्टँ. घं. मि.
२१	७ ३ ४८	० ३६	० ४४	० ३	२३६ ४७	२३४ २८	० ३८	३९ ५	–२० १२	० १२	१४ ११	१२ ७
२२	७ ३ १२	० ३६	–० ४१	० ५	२३६ ११	२३४ ५८	० ३८	३८ ५८	२० ०	० १२	१३ ५४	१२ १
२३	७ २ ३६	० ३५	० ३६	० ३	२३५ ३५	२३३ ३०	० ३८	३८ ५२	१९ ४८	० १३	१३ ३८	११ ५३
२४	७ २ १	० ३४	० ३३	० ४	२३५ ०	२३२ ५६	० ३७	३८ ४६	१९ ३५	० १३	१३ २३	११ ४८
२५	७ १ २७	० ३३	० २९	० ५	२३४ २६	२३२ २४	० २५	३८ ४०	१९ २२	० ११	१३ ७	११ ४२
२६	७ ० ५४	० ३२	० २४	० ४	२३३ ५३	२३१ ५०	० २५	३८ ३५	१९ ११	० ११	१२ ५२	११ ३६
२७	७ ० २२	० ३१	० २०	० ४	२३३ २१	२३१ १९	० २५	३८ ३१	१९ ०	० ११	१२ ३८	११ ३०
२८	६ २९ ५१	० २९	० १६	० ४	२३२ ५०	२३० ४८	० २५	३८ २७	१८ ४९	० ११	१२ २४	११ २५
२९	६ २९ २२	० २७	० १२	० ४	३२२ २१	२३० १९	० २५	३८ २३	१८ ३८	० ११	१२ १०	११ १९
३०	६ २८ ५५	० २४	० ८	० ४	२३१ ५५	२२९ ५२	० २४	३८ १९	१८ २७	० ११	११ ५६	११ १४
१	६ २८ ३१	० २२	–० ४	० ४	२३१ ३०	२२९ २८	० २४	३८ १५	१८ १६	० १०	११ ४३	११ ८
२	६ २८ ९	० २०	+० ०	० ४	२३१ ८	२२९ ४	० २४	३८ ११	१८ ६	० १०	११ २९	११ ३
३	६ २७ ४९	० १८	० ४	० ५	२३० ४८	२२८ ४०	० २४	३८ ७	१७ ५६	० १०	११ १५	१० ५७
४	६ २७ ३१	० १६	० ९	० ४	२३० ३०	२२८ १६	० २४	३८ ३	१७ ४६	० १०	११ १	१० ५१
५	६ २७ १५	० १३	० १३	० ४	२३० १४	२२७ ५२	० २	३७ ५९	१७ ३६	० ५	१० ४७	१० ४६
६	६ २७ २	० ८	० १७	० ४	२३० १	२२७ ५०	० २	३७ ५८	१७ ३१	० ५	१० ३६	१० ४२
७	६ २६ ५४	० ६	० २१	० ४	२२९ ५३	२२७ ४८	० २	३७ ५८	१७ २६	० ५	१० २६	१० ३७
८	६ २६ ४८	० ५	० २५	० ४	२२९ ४७	२२७ ४६	० १	३७ ५८	१७ २१	० ५	१० १७	१० ३४
९	६ २६ ४३	० २	० २९	० ४	२२९ ४२	२२७ ४५	० १	३७ ५८	१७ १६	० ४	१० ७	१० ३०
१०	६ २६ ४१	० २	० ३३	० ४	२२९ ४०	२२७ ४४	० १	३७ ५७	१७ १२	० ४	९ ५६	१० २६
११	६ २६ ४३	० ३	० ३७	० ४	२२९ ४१	२२७ ४५	० १	३७ ५८	१७ ८	० ४	९ ४६	१० २२
१२	६ २६ ४६	० ५	० ४१	० ४	२२९ ४५	२२७ ४६	० १	३७ ५८	१७ ४	० ४	९ ३६	१० १७
१३	६ २६ ५१	० ७	० ४५	० ४	२२९ ५०	२२७ ४७	० १	३७ ५८	१७ ०	० ४	९ २६	१० १३
१४	६ २६ ५८	० ९	० ४९	० ४	२२९ ५७	२२७ ४८	० ३	३७ ५८	१६ ५६	० ४	९ १६	१० ९
१५	६ २७ ७	० ११	० ५३	० ४	२३० ६	२२७ ५१	० ३	३७ ५९	१६ ५२	० २	९ ७	१० ६
१६	६ २७ १८	० १३	० ५७	० ३	२३० १७	२२७ ५४	० २२	३७ ५९	१६ ५४	० २	९ ०	१० ३
१७	६ २७ ३१	० १६	१ ०	० ४	२३० ३०	२२८ १६	० २३	३८ ३	१६ ५६	० २	८ ५४	१० १
१८	६ २७ ४७	० १८	१ ४	० ४	२३० ४६	२२८ ३९	० २३	३८ ७	१६ ५८	० २	८ ४८	९ ५८
१९	६ २८ ५	० २०	१ ८	० ३	२३१ ४	२२९ २	० २४	३८ १०	१७ ०	० २	८ ४१	९ ५५
२०	६ २८ २५	० २२	१ ११	० ३	२३१ २४	२२९ २६	० २५	३८ १४	१७ २	० २	८ ३५	९ ५३
२१	६ २८ ४७		+१ १५		२३१ ४६	२२९ ५१		३८ १९	–१७ ४		८ २९	९ ५१

शुक्र

डिसेंबर-जानवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अ.	अं.क.	अं.	अं. क.
२१	३० बु	५३७३	८४.३२	३३६.६८	− ०.३१	८४.०१	०.७१८८	८३.९७	३०.८९	+१ ४५	१९८.४५	३७ ४०
२२	१ गु	५३७४	८५.९२	३३८.२९	− ०.२९	८५.६३	०.७१८७	८५.५९	३२.५१	+१ ४९	१९९.०५	−३७ ३६
२३	२ शु	५३७५	८७.५२	३३९.८९	०.२७	८७.२५	०.७१८७	८७.२०	३४.१३	१ ५४	१९९.५५	३७ ५८
२४	३ श	५३७६	८९.१३	३४१.४९	०.२५	८८.८८	०.७१८७	८८.८३	३५.७६	१ ५९	२००.२६	३८ ४७
२५	३ र	५३७७	९०.७३	३४३.०९	०.२३	९०.५०	०.७१८६	९०.४५	३७.३८	२ ४	२००.८६	३९ २५
२६	४ च	५३७८	९२.३३	३४४.६९	०.२१	९२.१२	०.७१८६	९२.०७	३९.००	२ ८	२०१.४६	३९ ५२
२७	५ मं	५३७९	९३.९३	३४६.३०	०.१९	९३.७४	०.७१८६	९३.६९	४०.६२	२ १३	२०२.०६	४० २४
२८	६ बु	५३८०	९५.५४	३४७.९०	०.१७	९५.३७	०.७१८५	९५.३२	४२.२५	२ १७	२०२.६७	४० ५०
२९	७ गु	५३८१	९७.१४	३४९.५०	०.१४	९७.००	०.७१८५	९६.९५	४३.८८	२ २१	२०३.२८	४१ १८
३०	८ शु	५३८२	९८.७४	३५१.१०	०.१२	९८.६२	०.७१८४	९८.५७	४५.५०	२ २३	२०३.८८	४१ ४३
३१	९ श	५३८३	१००.३४	३५२.७०	०.०९	१००.२५	०.७१८४	१००.२०	४७.१३	२ २९	२०४.४९	४२ ७
१	१० र	५३८४	१०१.९४	३५४.३१	०.०७	१०१.८७	०.७१८३	१०१.८२	४८.७५	२ ३३	२०५.०९	४२ ३०
२	११ चं	५३८५	१०३.५५	३५५.९१	०.०४	१०३.५१	०.७१८३	१०३.४६	५०.३९	२ ३७	२०५.७२	४२ ५०
३	१२ मं	५३८६	१०५.१५	३५७.५१	०.०२	१०५.१३	०.७१८३	१०५.०८	५२.०१	२ ४०	२०६.३२	४३ ११
४	१३ बु	५३८७	१०६.७५	३५९.११	− ०.००	१०६.७५	०.७१८३	१०६.७०	५३.६३	२ ४४	२०६.९२	४३ ३०
५	१५ गु	५३८८	१०८.३५	०.७१	+ ०.०१	१०८.३६	०.७१८३	१०८.३१	५५.२४	२ ४७	२०७.५१	४३ ४८
६	१ शु	५३८९	१०९.९५	२.३२	०.०३	१०९.९८	०.७१८३	१०९.९३	५६.८६	२ ५०	२०८.११	४४ ४
७	२ श	५३९०	१११.५६	३.९२	०.०५	१११.६१	०.७१८४	१११.५७	५८.४९	२ ५४	२०८.७३	४४ २१
८	३ र	५३९१	११३.१६	५.५२	०.०७	११३.२३	०.७१८४	११३.१९	६०.११	२ ५७	२०९.३३	४४ ३५
९	४ चं	५३९२	११४.७६	७.१२	०.१०	११४.८६	०.७१८४	११४.८२	६१.७४	२ ५९	२०९.९४	४४ ५०
१०	५ मं	५३९३	११६.३६	८.७२	०.१२	११६.४८	०.७१८४	११६.४४	६३.३६	३ २	२१०.५४	४५ २
११	६ बु	५३९४	११७.९७	१०.३२	०.१४	११८.११	०.७१८५	११८.०७	६४.९९	३ ५	२११.१५	४५ १५
१२	७ गु	५३९५	११९.५७	११.९३	०.१६	११९.७३	०.७१८५	११९.६९	६६.६१	३ ७	२११.७६	४५ २६
१३	८ शु	५३९६	१२१.१७	१३.५३	०.१९	१२१.३६	०.७१८५	१२१.३२	६८.२४	३ ९	२१२.३६	४५ ३६
१४	९ श	५३९७	१२२.७७	१५.१३	०.२१	१२२.९८	०.७१८६	१२२.९५	६९.८६	३ ११	२१२.९७	४५ ४६
१५	१० र	५३९८	१२४.३८	१६.७३	०.२३	१२४.६१	०.७१८६	१२४.५८	७१.४९	३ १३	२१३.५९	४५ ५५
१६	११ चं	५३९९	१२५.९८	१८.३३	०.२५	१२६.२३	०.७१८६	१२६.२०	७३.११	३ १५	२१४.१९	४६ ३
१७	१२ मं	५४००	१२७.५८	१९.९४	०.२७	१२७.८५	०.७१८७	१२७.८२	७४.७३	३ १६	२१४.७९	४६ १५
१८	१३ बु	५४०१	१२९.१८	२१.५४	०.२९	१२९.४७	०.७१८७	१२९.४५	७६.३५	३ १८	२१५.४०	४६ १७
१९	१४ गु	५४०२	१३०.७८	२३.१४	०.३१	१३१.०९	०.७१८८	१३१.०७	७७.९७	३ १९	२१६.००	४६ २३
२०	३० शु	५४०३	१३२.३९	२४.७४	+ ०.३३	१३२.७२	०.७१८८	१३२.७०	७९.६०	+३ २०	२१६.६२	−४६ २६

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	घ. प	अं. क.	अं. क	घ. प.	स्टैं घ. मि.
२१	६ २८ ४७	० २४	१ १५	० ४	२३० ४६	२२९ ५१	० २२	३८ १९	१७ ४	० २	८ २९	९ ५१
२२	६ २९ ११	० २५	+१ १९	० ३	२३१ ११	२३० १३	० २२	३८ २२	-१७ ६	० २	८ २३	९ ४८
२३	६ २९ ३६	० २६	१ २२	० ३	२३२ ३६	२३० ३५	० २२	३८ २६	१७ ८	० १	८ १७	९ ४६
२४	७ ० २	० २८	१ २५	० ४	२३३ २	२३० ५७	० २१	३८ ३०	१७ ९	० १	८ ११	९ ४३
२५	७ ० ३०	० ३०	१ २९	० ३	२३३ ३०	२३१ १८	० ३८	३८ ३३	१७ १०	० ५	८ ४	९ ४१
२६	७ १ ०	० ३१	१ ३२	० ३	२३४ ०	२३१ ५६	० ३८	३८ ३९	१७ १५	० ५	८ ०	९ ३९
२७	७ १ ३१	० ३२	१ ३५	० ३	२३४ ३१	२३२ ३४	० ३८	३८ ४६	१७ २०	० ५	७ ५७	९ ३७
२८	७ २ ३	० ३३	१ ३८	० ३	२३४ ३	२३३ १२	० ३७	३८ ५२	१७ २५	० ५	७ ५३	९ ३६
२९	७ २ ३६	० ३४	१ ४१	० ३	२३५ ३६	२३३ ४९	० ३७	३८ ५८	१७ ३०	० ६	७ ५०	९ ३५
३०	७ ३ १०	० ३५	१ ४४	० ३	२३६ १०	२३४ २६	० ३७	३९ ४	१७ ३६	० ६	७ ४६	९ ३३
३१	७ ३ ४५	० ३७	१ ४७	० ३	२३६ ४५	२३५ ३	० ३७	३९ ११	१७ ४२	० ६	७ ४३	९ ३२
१	७ ४ २२	० ३८	१ ५०	० ३	२३७ २२	२३५ ४०	० ३७	३९ १७	१७ ४८	० ६	७ ३९	९ ३१
२	७ ५ ०	० ४०	१ ५३	० २	२३८ ०	२३६ १७	० ३७	३९ २३	१७ ५४	० ६	७ ३५	९ २९
३	७ ५ ४०	० ४१	१ ५५	० ३	२३८ ४०	२३६ ५४	० ३७	३९ २९	१८ ०	० ६	७ ३१	९ २७
४	७ ६ २१	० ४२	१ ५८	० २	२३९ २१	२३७ ३१	० ५०	३९ ३५	१८ ६	० ७	७ २७	९ २६
५	७ ७ ३	० ४३	२ ०	० २	२४० ३	२३८ २१	० ५०	३९ ४४	१८ १३	० ७	७ २७	९ २६
६	७ ७ ४६	० ४४	२ २	० ३	२४० ४६	२३९ ११	० ५०	३९ ५२	१८ २०	० ७	७ २५	९ २५
७	७ ८ ३०	० ४५	२ ५	० २	२४१ ३०	२४० १	० ५०	४० ०	१८ २७	० ७	७ २३	९ २४
८	७ ९ १५	० ४६	२ ७	० २	२४२ १५	२४० ५१	० ५०	४० ९	१८ ३४	० ७	७ २२	९ २४
९	७ १० १	० ४७	२ ९	० २	२४३ १	२४१ ४१	० ५०	४० १७	१८ ४१	० ७	७ २०	९ २३
१०	७ १० ४८	० ४८	२ ११	० १	२४३ ४८	२४२ ३१	० ५०	४० २५	१८ ४८	० ७	७ १८	९ २२
११	७ ११ ३६	० ५०	२ १२	० २	२४४ ३६	२४३ २१	० ५०	४० ३४	१८ ५५	० ७	७ १७	९ २२
१२	७ १२ २६	० ५१	२ १४	० २	२४५ २६	२४४ ११	० ५०	४० ४२	१९ २	० ८	७ १६	९ २१
१३	७ १३ १७	० ५३	२ १६	० १	२४६ १७	२४५ १	० ५०	४० ५०	१९ १०	० ८	७ १४	९ २१
१४	७ १४ १०	० ५४	२ १७	० २	२४७ १०	२४५ ५१	० ५७	४० ५९	१९ १८	० ७	७ १३	९ २०
१५	७ १५ ४	० ५४	२ १९	० १	२४८ ४	२४६ ४८	० ५७	४१ ८	१९ २५	० ६	७ १२	९ २०
१६	७ १५ ५८	० ५५	२ २०	० १	२४८ ५८	२४७ ४५	० ५८	४१ १८	१९ ३१	० ६	७ १२	९ २०
१७	७ १६ ५३	० ५५	२ २१	० १	२४९ ५३	२४८ ४३	० ५८	४१ २७	१९ ३७	० ६	७ ११	९ १९
१८	७ १७ ४८	० ५५	२ २२	० १	२५० ४८	२४९ ४१	० ५८	४१ ३७	१८ ४३	० ६	७ ११	९ १९
१९	७ १८ ४३	० ५५	२ २३	० १	२५१ ४३	२५० ३९	० ५८	४१ ४७	१९ ४९	० ६	७ ११	९ १९
२०	७ १९ ३८		+२ २४		२५२ ३८	२५१ ३७		४१ ५६	-१९ ५५		७ ११	९ १९

शुक्र

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं क.	अं	अं. क.
२०	३० शु	५४०३	१३२.३९	२४.७२	०.३३	१३२.७२	.७१८८	१३२.७०	७९.६०	३ २०	२१६.६२	४६ २६
२१	१ श	५४०४	१३३.९९	२६.३४	+ ०.३५	१३४.३४	.७१८९	१३४.३३	८१.२२	+३ २१	२१७.२३	−४६ ३४
२२	२ र	५४०५	१३५.५९	२७.९४	०.३७	१३५.९६	.७१९०	१३५.९५	८२.८४	३ २२	२१७.८३	४६ ३८
२३	३ चं	५४०६	१३७.१९	२९.५५	०.३९	१३७.५८	.७१९१	१३७.५७	८४.४६	३ २३	२१८.४३	४६ ४२
२४	४ मं	५४०७	१३८.७९	३१.१५	०.४१	१३९.२०	.७१९१	१३९.१९	८६.०८	३ २३	२१९.०४	४६ ४६
२५	५ बु	५४०८	१४०.३९	३२.७५	०.४३	१४०.८२	.७१९२	१४०.८२	८७.७०	३ २३	२१९.६५	४६ ४८
२६	६ गु	५४०९	१४१.९९	३४.३५	०.४४	१४२.४३	.७१९२	१४२.४३	८९.३१	३ २४	२२०.२४	४६ ५२
२७	६ शु	५४१०	१४३.५९	३५.९५	०.४६	१४४.०५	.७१९३	१४४.०५	९०.९३	३ २४	२२०.८५	४६ ५२
२८	७ श	५४११	१४५.२०	३७.५६	०.४७	१४५.६७	.७१९४	१४५.६७	९२.५५	३ २३	२२१.४५	४६ ५४
२९	८ र	५४१२	१४६.८०	३९.१६	०.४९	१४७.२९	.७१९५	१४७.३०	९४.१७	३ २३	२२२.०६	४६ ५५
३०	९ च	५४१३	१४८.४०	४०.७६	०.५०	१४८.९०	.७१९६	१४८.९१	९५.७८	३ २२	२२२.६७	४६ ५५
३१	११ मं	५४१४	१५०.००	४२.३६	०.५२	१५०.५२	.७१९७	१५०.५३	९७.४०	३ २२	२२३.२६	४६ ५६
१	१२ बु	५४१५	१५१.६१	४३.९६	०.५४	१५२.१५	.७१९८	१५२.१६	९९.०३	३ २१	२२३.८८	४६ ५५
२	१३ गु	५४१६	१५३.२१	४५.५७	०.५६	१५३.७७	.७१९९	१५३.७९	१००.६५	३ २०	२२४.४९	४६ ५५
३	१४ शु	५४१७	१५४.८१	४७.१७	०.५८	१५५.३९	.७१९९	१५५.४१	१०२.२७	३ १९	२२५.१०	४६ ५३
४	१५ श	५४१८	१५६.४१	४८.७७	०.५९	१५७.००	.७२००	१५७.०२	१०३.८८	३ १८	२२५.६९	४६ ५२
५	१ र	५४१९	१५८.०२	५०.३७	०.६१	१५८.६३	.७२०२	१५८.६६	१०५.५१	३ १६	२२६.३२	४६ ५०
६	३ चं	५४२०	१५९.६२	५१.९७	०.६२	१६०.२४	.७२०३	१६०.२७	१०७.१२	३ १५	२२६.९२	४६ ४८
७	४ मं	५४२१	१६१.२२	५३.५७	०.६३	१६१.८५	.७२०४	१६१.८८	१०८.७३	३ १३	२२७.५१	४६ ४६
८	५ बु	५४२२	१६२.८२	५५.१८	०.६४	१६३.४६	.७२०५	१६३.४९	११०.३४	३ ११	२२८.११	४६ ४३
९	६ गु	५४२३	१६४.४२	५६.७८	०.६६	१६५.०८	.७२०६	१६५.१२	१११.९६	३ ९	२२८.७३	४६ ३९
१०	७ शु	५४२४	१६६.०२	५८.३८	०.६७	१६६.६९	.७२०७	१६६.७३	११३.५७	३ ७	२२९.३३	४६ ३५
११	८ श	५४२५	१६७.६३	५९.९८	०.६८	१६८.३१	.७२०९	१६८.३५	११५.२९	३ ४	२२९.९३	४६ ३२
१२	९ र	५४२६	१६९.२३	६१.५९	०.६९	१६९.९२	.७२१०	१६९.९६	११६.८०	३ २	२३०.५३	४६ २८
१३	१० चं	५४२७	१७०.८३	६३.१९	०.७०	१७१.५३	.७२११	१७१.५७	११८.४१	२ ५९	२३१.१३	४६ २४
१४	११ मं	५४२८	१७२.४३	६४.७९	०.७०	१७३.१३	.७२१३	१७३.१७	१२०.०१	२ ५६	२३१.७२	४६ १९
१५	१२ बु	५४२९	१७४.०४	६६.३९	०.७१	१७४.७५	.७२१४	१७४.७९	१२१.६३	२ ५३	२३२.३३	४६ १४
१६	१२ गु	५४३०	१७५.६४	६७.९९	०.७१	१७६.३५	.७२१५	१७६.४०	१२३.२३	२ ५०	२३२.९३	४६ ९
१७	१३ शु	५४३१	१७७.२४	६९.६०	०.७२	१७७.९४	.७२१६	१७७.९९	१२४.८२	२ ४७	२३३.५१	४६ ४
१८	१४ श	५४३२	१७८.८४	७१.२०	०.७३	१७९.५७	.७२१७	१७९.६२	१२६.४५	२ ४४	२३४.१३	४५ ५८
१९	३० र"	५४३३	१८०.४५	७२.८०	+ ०.७३	१८१.१८	.७२१९	१८१.२३	१२८.१६	+२ ४०	२३४.७३	−४५ ५२

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्रका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभाग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं	क	अं.	क	अं.	क	अं	क.	घ.	प.	अं.	क.	अं.	क.	घ.	प	स्टैं. घ.	मि
२०	७	१९	३८	०	५५	+२	२४	०	०	२५२	३८	२५१	३७	०	५८	४१	५६	१९	५५	०	६	७	११	९	१९
२१	७	२०	३३	०	५५	+२	२४	०	१	२५३	३३	२५२	३५	०	५८	४२	६	−२०	१	०	६	७	११	९	१९
२२	७	२१	२८	०	५७	२	२५	०	१	२५४	२८	२५३	३३	०	५८	४२	१६	२०	७	०	६	७	११	९	१९
२३	७	२२	२५	०	५७	२	२६	०	०	२५५	२५	२५४	३१	०	५८	४२	२५	२०	१३	०	६	७	१०	९	१९
२४	७	२३	२२	०	५९	२	२६	०	०	२५६	२२	२५५	२९	१	४	४२	३५	२०	१९	०	५	७	१०	९	१९
२५	७	२४	२१	०	५९	२	२६	०	०	२५७	२१	२५६	३३	१	४	४२	४६	२०	२४	०	५	७	११	९	२०
२६	७	२५	२०	०	५९	२	२६	०	०	२५८	२०	२५७	३७	१	४	४२	५६	२०	२९	०	४	७	१२	९	२०
२७	७	२६	१९	१	०	२	२६	०	०	२५९	११	२५८	४१	१	४	४३	७	२०	३३	०	४	७	१३	९	२०
२८	७	२७	१९	१	०	२	२६	०	०	२६०	१९	२५९	४५	१	४	४३	१८	२०	३७	०	४	७	१४	९	२१
२९	७	२८	१९	१	०	+२	२६	०	०	२६१	१९	२६०	४९	१	४	४३	२८	२०	४१	०	४	७	१४	९	२१
३०	७	२९	१९	१	१	२	२६	०	१	२६२	१९	२६१	५३	१	४	४३	३९	२०	४५	०	४	७	१५	९	२१
३१	८	०	२०	१	२	२	२५	०	०	२६३	२०	२६२	५७	१	४	४३	५०	२०	४९	०	४	७	१६	९	२१
१	८	१	२२	१	१	२	२५	०	१	२६४	२१	२६४	१	१	४	४४	०	२०	५३	०	४	७	१७	९	२२
२	८	२	२३	१	२	२	२४	०	१	२६५	२३	२६५	५	१	५	४४	११	२०	५७	०	४	७	१८	९	२२
३	८	३	२५	१	२	२	२३	०	१	२६६	२५	२६६	१०	१	९	४४	२२	२१	१	०	१	७	१९	९	२३
४	८	४	२७	१	३	२	२२	०	१	२६७	२७	२६७	१९	१	९	४४	३३	२१	२	०	१	७	२०	९	२३
५	८	५	३०	१	३	+२	२१	०	१	२६८	३०	२६८	२८	१	९	४४	४५	२१	३	०	१	७	२२	९	२४
६	८	६	३३	१	३	२	२०	०	१	२६९	३३	२६९	३७	१	९	४४	५६	२१	४	०	१	७	२३	९	२४
७	८	७	३६	१	४	२	१९	०	२	२७०	३६	२७०	४६	१	८	४५	८	२१	५	०	१	७	२५	९	२५
८	८	८	४०	१	५	२	१७	०	१	२७१	४०	२७१	५४	१	८	४५	१९	२१	६	०	१	७	२७	९	२६
९	८	९	४५	१	४	२	१६	०	२	२७२	४५	२७३	२	१	८	४५	३०	२१	७	०	०	७	२८	९	२६
१०	८	१०	४९	१	४	२	१४	०	२	२७३	४९	२७४	१०	१	८	४५	४२	२१	७	०	०	७	३०	९	२७
११	८	११	५३	१	५	+२	१२	०	१	२७४	५३	२७५	१८	१	८	४५	५३	२१	७	०	०	७	३१	९	२७
१२	८	१२	५८	१	४	२	११	०	२	२७६	५८	२७६	२६	१	८	४६	४	२१	७	०	०	७	३२	९	२८
१३	८	१४	२	१	६	२	९	०	२	२७७	२	२७७	३४	१	११	४६	१६	२१	७	०	३	७	३४	९	२९
१४	८	१५	८	१	६	२	७	०	२	२७८	८	२७८	४५	१	११	४६	२८	२१	४	०	३	७	३६	९	२९
१५	८	१६	१४	१	५	२	५	०	२	२७९	१४	२७९	५६	१	११	४६	३९	२१	१	०	३	७	३८	९	३०
१६	८	१७	१९	१	६	२	३	०	३	२८०	१९	२८१	७	१	१०	४६	५१	२०	५८	०	३	७	४०	९	३१
१७	८	१८	२५	१	६	२	०	०	२	२८१	२५	२८२	१७	१	१०	४७	३	२०	५५	०	४	७	४२	९	३२
१८	८	१९	३१	१	६	१	५७	०	३	२८२	३१	२८३	२७	१	१०	४७	१५	२०	५१	०	४	७	४४	९	३३
१९	८	२०	३७			१	५५			२८३	३७	२८४	३७			४७	२६	−२०	४७			७	४५	९	३३

शुक्र

फरवरी–मार्च सन १९३९ इ. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अ क.	अं.	अं. क.
१९	३० र	५४३३	१८०.४५	७२.८०	०.७३	१८१.१८	०.७२१६	१८१.२३	१२८.१६	२ ४०	२३४.७३	४५ ५२
२०	१ चं	५४३४	१८२.०५	७४.४०	+०.७४	१८२.७९	०.७२२०	१८२.८४	१२९.६७	+२ ३७	२३५.३३	–४५ ४६
२१	२ मं	५४३५	१८३.६५	७६.०१	०.७५	१८४.४०	०.७२२२	१८४.४५	१३१.२८	२ ३३	२३५.९४	४५ ४०
२२	३ बु	५४३६	१८५.२५	७७.६१	०.७६	१८६.०१	०.७२२४	१८६.०६	१३२.८९	२ २९	२३६.५४	४५ ३६
२३	४ गु	५४३७	१८६.८६	७९.२२	०.७७	१८७.६३	०.७२२४	१८७.६८	१३४.५१	२ २५	२३७.१५	४५ २७
२४	५ शु	५४३८	१८८.४६	८०.८२	०.७८	१८९.२४	०.७२२६	१८९.२९	१३६.१२	२ २१	२३७.७६	४५ २०
२५	६ श	५४३९	१९०.०६	८२.४२	०.७८	१९०.८४	०.७२२७	१९०.८९	१३७.७२	२ १७	२३८.३५	४५ १५
२६	७ र	५४४०	१९१.६७	८४.०३	०.७८	१९२.४५	०.७२२९	१९२.५०	१३९.३३	२ १३	२३८.९५	४५ ६
२७	८ चं	५४४१	१९३.२७	८५.६६	०.७९	१९४.०६	०.७२३१	१९४.११	१४०.९४	२ ८	२३९.५६	४४ ५९
२८	९ मं	५४४२	१९४.८७	८७.२३	०.७९	१९५.६६	०.७२३१	१९५.७१	१४२.५४	२ ४	२४०.१६	४४ ५१
१	१० बु	५४४३	१९६.४८	८८.८३	०.७९	१९७.२७	०.७२३३	१९७.३२	१४४.१५	१ ५९	२४०.७६	४४ ४३
२	११ गु	५४४४	१९८.०८	९०.४४	०.७९	१९८.८७	०.७२३४	१९८.९२	१४५.७५	१ ५५	२४१.३६	४४ ३५
३	१२ शु	५४४५	१९९.६८	९२.०४	०.७९	२००.४७	०.७२३६	२००.५२	१४७.३५	१ ५०	२४१.९५	४४ २७
४	१४ श	५४४६	२०१.२८	९३.६४	०.७९	२०२.०७	०.७२३८	२०२.११	१४८.९५	१ ४५	२४२.५४	४४ १९
५	१५ र	५४४७	२०२.८८	९५.२४	०.७९	२०३.६७	०.७२३९	२०३.७१	१५०.५५	१ ४०	२४३.१४	४४ १०
६	१ चं	५४४८	२०४.४९	९६.८५	०.७८	२०५.२७	०.७२४०	२०५.३१	१५२.१५	१ ३५	२४३.७४	४४ १
७	२ मं	५४४९	२०६.०९	९८.४५	०.७८	२०६.८७	०.७२४१	२०६.९१	१५३.७५	१ ३०	२४४.३४	४३ ५३
८	३ बु	५४५०	२०७.६९	१००.०५	०.७८	२०८.४७	०.७२४३	२०८.५१	१५५.३५	१ २५	२४४.९४	४३ ४४
९	४ गु	५४५१	२०९.२९	१०१.६५	०.७७	२१०.०६	०.७२४४	२१०.१०	१५६.९४	१ २०	२४५.५३	४३ ३५
१०	५ शु	५४५२	२१०.८९	१०३.२६	०.७७	२११.६६	०.७२४५	२११.७०	१५८.५४	१ १५	२४६.१३	४३ २५
११	६ श	५४५३	२१२.५०	१०४.८३	०.७६	२१३.२६	०.७२४७	२१३.२९	१६०.१४	१ ९	२४६.७२	४३ १७
१२	७ र	५४५४	२१४.१०	१०६.४६	०.७६	२१४.८६	०.७२४८	२१४.८९	१६१.७४	१ ४	२४७.३२	४३ ७
१३	८ चं	५४५५	२१५.७०	१०८.०६	०.७५	२१६.४५	०.७२४९	२१६.४८	१६३.३३	० ५८	२४७.९१	४२ ५८
१४	९ मं	५४५६	२१७.३०	१०९.६६	०.७४	२१८.०४	०.७२५२	२१८.०६	१६४.९२	० ५३	२४८.५०	४२ ४८
१५	१० बु	५४५७	२१८.९०	१११.२६	०.७३	२१९.६३	०.७२५२	२१९.६५	१६६.५१	० ४७	२४९.०९	४२ ३८
१६	११ गु	५४५८	२२०.५०	११२.८६	०.७२	२२१.२२	०.७२५४	२२१.२४	१६८.१०	० ४२	२४९.६८	४२ २९
१७	१२ शु	५४५९	२२२.१०	११४.४६	०.७१	२२२.८१	०.७२५४	२२२.८३	१६९.६९	० ३६	२५०.२८	४२ १८
१८	१३ श	५४६०	२२३.७१	११६.०७	०.७०	२२४.४१	०.७२५६	२२४.४२	१७१.२९	० ३१	२५०.८७	४२ ९
१९	१४ र	५४६१	२२५.३१	११७.६७	०.६९	२२६.००	०.७२५७	२२६.०१	१७२.८८	० २५	२५१.४७	४१ ५९
२०	३० चं	५४६२	२२६.९१	११९.२७	०.६८	२२७.५९	०.७२५८	२२७.६०	१७४.४७	० २०	२५२.०६	४१ ४७
२१	३० मं	५४६३	२२७.५१	१२०.८७	+०.६७	२२९.१८	०.७२५९	२२९.१९	१७६.०६	+० १४	२५२.६६	–४१ ३८

फरवरी-मार्च सन १९३९ इ. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शुक्र का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल		
	रा अं. क.	अ. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ प	अं. क.	अ. क.	घ.	प.	स्टैं.घं.मि.
१९	८ २० ३७	१ ६	१ ५५	० २	२८३ ३७	२८४ ३७	१ १०	४७ २६	२० ४७	० ४	७	४५	९ ३३
२०	८ २१ ४३	१ ६	+ १ ५३	० ३	२८४ ४३	२८५ ४७	१ १०	४७ ३८	−२० ४३	० ४	७	४७	९ ३४
२१	८ २२ ४९	१ ६	१ ५०	० २	२८५ ४९	२८६ ५७	१ १०	४७ ४०	२० ३९	० ४	७	४९	९ ३५
२२	८ २३ ५५	१ ६	१ ४८	० ३	२८६ ५५	२८८ ७	१ १०	४८ १	२० ३५	० ४	७	५१	९ ३५
२३	८ २५ १	१ ७	१ ४५	० ३	२८८ १	२८९ १७	१ ११	४८ १३	२० ३१	० ८	७	५३	९ ३६
२४	८ २६ ८	१ ८	१ ४२	० ३	२८९ ८	२९० २८	१ ११	४८ २५	२० २३	० ८	७	५५	९ ३७
२५	८ २७ १६	१ ८	१ ३९	० ३	२९० १६	२९१ ३९	१ १२	४८ ३७	२० १५	० ८	७	५७	९ ३८
२६	८ २८ २४	१ ८	१ ३६	० ३	२९१ २४	२९२ ५१	१ १२	४८ ४९	२० ७	० ८	७	५९	९ ३८
२७	८ २९ ३२		१ ३३		२९२ ३२	२९४ ३		४९ १	१९ ५९		८	१	९ ३९
२८	९ ० ४०	१ ८	१ २९	० ४	२९३ ४०	२९५ १५	१ १२	४९ १३	१९ ५१	० ८	८	३	९ ४०
१	९ १ ४८	१ ८	१ २६	० ३	२९४ ४८	२९६ २७	१ १२	४९ २५	१९ ४३	० ८	८	६	९ ४१
२	९ २ ५६	१ ८	१ २३	० ३	२९५ ५६	२९७ ३९	१ १२	४९ ३७	१९ ३४	० ९	८	८	९ ४२
३	९ ४ ४	१ ८	१ १९	० ४	२९७ ४	२९८ ५१	१ १२	४९ ४९	१९ २५	० ९	८	१०	९ ४३
४	९ ५ १२	१ ८	१ १६	० ३	२९८ १२	३०० ३	१ १२	५० १	१९ १६	० ९	८	१२	९ ४४
५	९ ६ २१	१ ९	१ १२	० ४	२९९ २१	३०१ १५	१ १२	५० १३	१९ ७	० ९	८	१४	९ ४५
		१ ९		० ३			१ १२			० १३			
६	९ ७ ३०		१ ९		३०० ३०	३०२ २७		५० २५	१८ ५४		८	१६	९ ४५
७	९ ८ ३९	१ ९	१ ५	० ४	३०१ ३९	३०३ ३९	१ १२	५० ३७	१८ ४१	० १३	८	१८	९ ४६
८	९ ९ ४८	१ ९	१ १	० ४	३०२ ४८	३०४ ५१	१ १२	५० ४९	१८ २८	० १३	८	२१	९ ४७
९	९ १० ५७	१ ९	० ५८	० ३	३०३ ५७	३०६ ३	१ १२	५१ १	१८ १५	० १३	८	२३	९ ४८
१०	९ १२ ६	१ ९	० ५४	० ४	३०५ ६	३०७ १५	१ १२	५१ १३	१८ २	० १३	८	२५	९ ४९
११	९ १३ १६	१ १०	० ५०	० ४	३०६ १६	३०८ २७	१ १२	५१ २५	१७ ४९	० १३	८	२७	९ ५०
१२	९ १४ २६	१ १०	० ४६	० ४	३०७ २६	३०९ ३९	१ १२	५१ ३७	१७ ३६	० १३	८	२९	९ ५१
		१ १०		० ४			१ १२			० १३			
१३	९ १५ ३६		० ४२		३०८ ३६	३१० ५१		५१ ४९	१७ २३		८	३१	९ ५१
१४	९ १६ ४६	१ १०	० ३८	० ४	३०९ ४६	३१२ ३	१ १२	५२ १	१७ १०	० १३	८	३३	९ ५२
१५	९ १७ ५६	१ १०	० ३४	० ४	३१० ५६	३१३ १४	१ ११	५२ १२	१६ ५७	० १३	८	३५	९ ५३
१६	९ १९ ६	१ १०	० ३०	० ४	३१२ ६	३१४ २५	१ ११	५२ २४	१६ ४०	० १७	८	३७	९ ५४
१७	९ २० १५	१ ९	० २६	० ४	३१३ १५	३१५ ३६	१ ११	५२ ३६	१६ २३	० १७	८	३९	९ ५५
१८	९ २१ २४	१ ९	० २२	० ४	३१४ २४	३१६ ४७	१ ११	५२ ४८	१६ ६	० १७	८	४१	९ ५५
१९	९ २२ ३४	१ १०	० १८	० ४	३१५ ३४	३१७ ५८	१ ११	५३ ०	१५ ४९	० १७	८	४३	९ ५६
२०	९ २३ ४४	१ १०	० १४	० ४	३१६ ४४	३१९ ९	१ १०	५३ १२	१५ ३२	० १७	८	४५	९ ५७
२१	९ २४ ५४	१ १०	+ ० १०	० ४	३१७ ५४	३२० १९	१ १०	५३ २२	−१५ १५	० १७	८	४६	९ ५७

शनि

अप्रेल सन १९३८ इ. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित ।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अ.	अं.	अ.	अं.		अं.	अ.	अं.क.	अं.	अं. क.
३१	३० गु	५१०८	३५१.३५	२८२.६३	−६.४०	३४४.९५	९.४५७	३४४.९४	२५४.७७	२ २४	१.७५	+० १०
१	१ शु	५१०९	३५१.३९	२८२.६७	६.४०	३४४.९९	९.४५७	३४४.९८	२५४.८१	−२ २४	२.६९	० १५
२	२ श	५११०	३५१.४२	२८२.७०	६.३९	३४५.०३	९.४५६	३४५.०२	२५४.८५	२ २४	३.६४	० २१
३	३ र	५१११	३५१.४५	२८२.७३	६.३९	३४५.०६	९.४५६	३४५.०५	२५४.८८	२ २४	४.५९	० २६
४	४ च	५११२	३५१.४९	२८२.७७	६.३९	३४५.१०	९.४५६	३४५.०९	२५४.९२	२ २४	५.५४	० ३१
५	५ ग	५११३	३५१.५२	२८२.८०	६.३९	३४५.१३	९.४५५	३४५.१२	२५४.९५	२ २४	६.४९	० ३७
६	६ बु	५११४	३५१.५५	२८२.८३	६.३९	३४५.१६	९.४५५	३४५.१५	२५४.९८	२ २४	७.४५	० ४४
७	७ गु	५११५	३५१.५८	२८२.८७	६.३९	३४५.१९	९.४५५	३४५.१८	२५५.०१	२ २५	८.४०	० ४८
८	८ शु	५११६	३५१.६१	२८२.९०	६.३९	३४५.२२	९.४५४	३४५.२१	२५५.०४	२ २५	९.३६	० ५४
९	१० श	५११७	३५१.६५	२८२.९३	६.३९	३४५.२६	९.४५४	३४५.२५	२५५.०८	२ २५	१०.३०	१ ००
१०	११ र	५११८	३५१.६८	२८२.९७	६.३१	३४५.२९	९.४५४	३४५.२८	२५५.११	२ २५	११.२५	१ ५
११	१२ चं	५११९	३५१.७२	२८३.००	६.३९	३४५.३३	९.४५४	३४५.३२	२५५.१५	२ २५	१२.१९	१ १०
१२	१३ मं	५१२०	३५१.७५	२८३.०३	६.३९	३४५.३६	९.४५३	३४५.३५	२५५.१८	२ २५	१३.१४	१ १५
१३	१४ बु	५१२१	३५१.७८	२८३.०७	६.३९	३४५.३९	९.४५३	३४५.३८	२५५.२१	२ २५	१४.०९	१ २०
१४	१५ गु	५१२२	३५१.८२	२८३.११	६.३९	३४५.४३	९.४५३	३४५.४२	२५५.२५	२ २५	१५.०३	१ २६
१५	१ शु	५१२३	३५१.८५	२८३.१४	६.३९	३४५.४६	९.४५३	३४५.४५	२५५.२८	२ २५	१५.९८	१ ३१
१६	२ श	५१२४	३५१.८८	२८३.१८	६.३९	३४५.४९	९.४५२	३४५.४८	२५५.३१	२ २५	१६.९३	१ ३६
१७	३ र	५१२५	३५१.९२	२८३.२१	६.३८	३४५.५४	९.४५२	३४५.५३	२५५.३६	२ २५	१७.८६	१ ४२
१८	४ च	५१२६	३५१.९५	२८३.२४	६.३८	३४५.५७	९.४५२	३४५.५६	२५५.३९	२ २५	१८.८१	१ ४६
१९	५ मं	५१२७	३५१.९९	२८३.२७	६.३८	३४५.६१	९.४५२	३४५.६०	२५५.४५	२ २५	१९.७४	१ ५२
२०	५ बु	५१२८	३५२.०२	२८३.३१	६.३८	३४५.६४	९.४५१	३४५.६३	२५५.४६	२ २५	२०.६९	१ ५७
२१	६ गु	५१२९	३५२.०६	२८३.३४	६.३८	३४५.६८	९.४५१	३४५.६७	२५५.५०	२ २५	२१.६२	२ ३
२२	७ शु	५१३०	३५२.०९	२८३.३७	६.३८	३४५.७१	९.४५१	३४५.७०	२५५.५३	२ २५	२२.५७	२ ८
२३	८ श	५१३१	३५२.१२	२८३.४१	६.३८	३४५.७४	९.४५०	३४५.७३	२५५.५६	२ २५	२३.५१	२ १३
२४	९ र	५१३२	३५२.१६	२८३.४५	६.३८	३४५.७८	९.४५०	३४५.७७	२५५.६०	२ २५	२४.४५	२ १८
२५	१० चं	५१३३	३५२.१९	२८३.४८	६.३८	३४५.८१	९.४५०	३४५.८०	२५५.६३	२ २५	२५.३९	२ २४
२६	११ मं	५१३४	३५२.२३	२८३.५१	६.३८	३४५.८५	९.४४९	३४५.८४	२५५.६७	२ २५	२६.३३	२ २८
२७	१२ बु	५१३५	३५२.२६	२८३.५४	६.३८	३४५.८८	९.४४९	३४५.८७	२५५.७०	२ २५	२७.२७	२ ३३
२८	१३ गु	५१३६	३५२.२९	२८३.५७	६.३७	३४५.९०	९.४४९	३४५.९१	२५५.७४	२ २५	२८.२०	२ ३८
२९	१४ शु	५१३७	३५२.३२	२८३.६०	६.३७	३४५.९५	९.४४८	३४५.९४	२५५.७७	२ २५	२९.१४	२ ४२
३०	३० श	५१३८	३५२.३६	२८३.६३	−६.३७	३४५.९९	९.४४८	३४५.९८	२५५.८१	−२ २५	३०.०७	+२ ४८

अप्रेल सन १९३८ इ. चैत्र शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा.	अं	क.	अ	क.	अ.	क.	अ.	क	अ.	क.	अ.	क.	अ.	क	घ	प.	अं.	क.	अ.	क	घ.	प.	स्टै. घं.	म
३१	११	१५	६	०	८	२	१०	०	०	८	५	८	१७	०	९	१	२३	+१	१४	०	३	१५	५	१२	२९
१	११	१५	१४	०	८	-२	१०	०	०	८	१३	८	२६	०	८	१	२४	१	१७	०	३	१४	५७	१२	२६
२	११	१५	२२	०	८	२	१०	०	०	८	२१	८	३४	०	८	१	२६	१	२०	०	३	१४	४९	१२	२३
३	११	१५	३०	०	८	२	१०	०	०	८	२९	८	४२	०	७	१	२७	१	२३	०	३	१४	४०	१२	१९
४	११	१५	३८	०	८	२	१०	०	०	८	३७	८	४९	०	७	१	२८	१	२६	०	३	१४	३१	१२	१५
५	११	१५	४६	०	८	२	१०	०	०	८	४५	८	५६	०	७	१	२९	१	२९	०	३	१४	२२	१२	१२
६	११	१५	५४	०	८	२	१०	०	०	८	५३	९	३	०	७	१	३१	१	३२	०	३	१४	१४	१२	९
७	११	१६	२	०	८	२	१०	०	०	९	१	९	१०	०	७	१	३२	१	३५	०	४	१४	६	१२	५
८	११	१६	१०	०	८	-२	१०	०	०	९	९	९	१७	०	७	१	३३	१	३९	०	३	१३	५७	१२	२
९	११	१६	१८	०	८	२	१०	०	०	९	१७	९	२४	०	७	१	३४	१	४०	०	३	१३	४९	११	५८
१०	११	१६	२६	०	८	२	१०	०	०	९	२५	९	३१	०	७	१	३५	१	४५	०	३	१३	३८	११	५४
११	११	१६	३४	०	८	२	१०	०	०	९	३३	९	३८	०	७	१	३६	१	४८	०	३	१३	३०	११	५१
१२	११	१६	४२	०	७	२	१०	०	०	९	४१	९	४५	०	७	१	३८	१	५१	०	३	१३	२२	११	४८
१३	११	१६	४९	०	७	२	१०	०	०	९	४८	९	५२	०	७	१	३९	१	५४	०	३	१३	१३	११	४४
१४	११	१६	५६	०	७	२	१०	०	०	९	५५	९	५९	०	६	१	४०	१	५७	०	३	१३	५	११	४१
१५	११	१७	३	०	७	-२	१०	०	०	१०	२	१०	५	०	७	१	४१	२	०	०	३	१२	५६	११	३७
१६	११	१७	१०	०	७	२	१०	०	०	१०	९	१०	१२	०	७	१	४२	२	३	०	३	१२	४७	११	३४
१७	११	१७	१७	०	७	२	१०	०	०	१०	१६	१०	१९	०	७	१	४३	२	६	०	३	१२	३८	११	३०
१८	११	१७	२४	०	७	२	१०	०	०	१०	२३	१०	२५	०	६	१	४४	२	८	०	३	१२	२९	११	२७
१९	११	१७	३१	०	७	२	१०	०	०	१०	३०	१०	३१	०	६	१	४५	२	११	०	३	१२	२०	११	२३
२०	११	१७	३८	०	७	२	१०	०	०	१०	३७	१०	३८	०	७	१	४६	२	१४	०	३	१२	११	११	१९
२१	११	१७	४५	०	७	२	१०	०	०	१०	४४	१०	४४	०	६	१	४७	२	१७	०	३	१२	३	११	१६
२२	११	१७	५२	०	७	२	१०	०	०	१०	५१	१०	५०	०	७	१	४८	२	२०	०	३	११	५४	११	१३
२३	११	१७	५९	०	७	-२	१०	०	०	१०	५८	१०	५७	०	६	१	५०	२	२३	०	३	११	४६	११	९
२४	११	१८	६	०	७	२	१०	०	१	११	५	११	३	०	७	१	५१	२	२६	०	३	११	३७	११	६
२५	११	१८	१३	०	७	२	११	०	०	११	१२	११	१०	०	६	१	५२	२	२९	०	३	११	२८	११	२
२६	११	१८	२०	०	७	२	११	०	०	११	१९	११	१६	०	७	१	५३	२	३२	०	२	११	२९	१०	५९
२७	११	१८	२७	०	७	२	११	०	०	११	२६	११	२३	०	६	१	५४	२	३४	०	२	११	१०	१०	५५
२८	११	१८	३४	०	७	२	११	०	०	११	३३	११	२९	०	६	१	५५	२	३६	०	३	११	२	१०	५२
२९	११	१८	४१	०	७	२	११	०	०	११	४०	११	३५	०	६	१	५६	२	३९	०	२	१०	५३	१०	४८
३०	११	१८	४८			२	११			११	४७	११	४१			१	५७	+२	४१			१०	४४	१०	४५

शनि

मई सन १९१८ ई. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अ.	अ.		अ.	अं.	अ. क	अं.	अं क.
३०	३० श	५१३८	३५२.३६	२८३.६३	६.३७	३४५.९९	९.४४८	३४५.९८	२५५.८१	२ २५	३०.०७	२ ४८
१	१ र	५१३९	३५२.३९	२८३.६६	– ६.३७	३४६.०२	९.४४८	३४६.०१	२५५.८४	–२ २५	३१.०२	+२ ५३
२	३ चं	५१४०	३५२.४३	२८३.७०	६.३७	३४६.०६	९.४४७	३४६.०५	२५५.८८	२ २५	३१.९५	२ ५७
३	४ मं	५१४१	३५२.४६	२८३.७३	६.३७	३४६.०९	९.४४७	३४६.०८	२५५.९१	२ २२	३२.८९	३ ४
४	५ बु	५१४२	३५२.४९	२८३.७६	६.३७	३४६.१२	९.४४७	३४६.११	२५५.९४	२ २५	३३.८२	३ ७
५	६ गु	५१४३	३५२.५३	२८३.८०	६.३७	३४६.१६	९.४४६	३४६.१५	२५५.९८	२ २५	३४.७५	३ ११
६	७ शु	५१४४	३५२.५६	२८३.८३	६.३७	३४६.१९	९.४४६	३४६.१८	२५६.०१	२ २५	३५.६९	३ १६
७	८ श	५१४५	३५२.५९	२८३.८७	– ६.३७	३४६.२२	९.४४६	३४६.२१	२५६.०४	२ ३५	३६.६३	३ २२
८	९ र	५१४६	३५२.६३	२८३.९१	६.३७	३४६.२६	९.४४५	३४६.२५	२५६.०८	२ २५	३७.५६	३ २७
९	१० चं	५१४७	३५२.६६	२८३.९४	६.३७	३४६.२९	९.४४५	३४६.२८	२५६.११	२ २५	३८.४९	३ २९
१०	११ मं	५१४८	३५२.६९	२८३.९७	६.३७	३४६.३२	९.४४५	३४६.३१	२५६.१४	२ २५	३९.४३	३ ३५
११	१२ बु	५१४९	३५२.७३	२८४.०१	६.३७	३४६.३६	९.४४४	३४६.३५	२५६.१८	२ २५	४०.३६	३ ४०
१२	१३ गु	५१५०	३५२.७६	२८४.०५	६.३७	३४६.३९	९.४४४	३४६.३८	२५६.२१	२ २५	४१.२९	३ ४४
१३	१४ शु	५१५१	३५२.७९	२८४.०८	६.३७	३४६.४२	९.४४४	३४६.४१	२५६.२४	२ २५	४२.२३	३ ४८
१४	१५ श	५१५२	३५२.८३	२८४.११	६.३७	३४६.४६	९.४४३	३४६.४५	२५६.२८	२ २५	४३.१५	३ ५५
१५	१ र	५१५३	३५२.८६	२८४.१४	– ६.३७	३४६.४९	९.४४३	३४६.४८	२५६.३१	२ २५	४४.०९	४ ०
१६	२ चं	५१५४	३५२.८९	२८४.१८	६.३७	३४६.५२	९.४४३	३४६.५१	२५६.३४	२ २५	४५.०२	४ ३
१७	३ मं	५१५५	३५२.९३	२८४.२१	६.३७	३४६.५६	९.४४२	३४६.५५	२५६.३८	२ २५	४५.९४	४ ७
१८	४ बु	५१५६	३५२.९६	२८४.२४	६.३७	३४६.५९	९.४४२	३४६.५८	२५६.४१	२ २५	४६.८८	४ १०
१९	५ गु	५१५७	३५३.९९	२८४.२७	६.३६	३४६.६३	९.४४२	३४६.६२	२५६.४५	२ २५	४७८०	४ १५
२०	६ शु	५१५८	३५३.०२	२८४.३०	६.३६	३४६.६६	९.४४१	३४६.६५	२५६.४८	२ २५	४८.७३	४ १८
२१	७ श	५१५९	३५३.०६	२८४.३४	६.३६	३४६.७०	९.४४१	३४६.६९	२५६.५२	२ २५	४९.६५	४ २१
२२	८ र	५१६०	३५३.०९	२८४.३७	– ६.३६	३४६.७३	९.४४१	३४६.७२	२५६.५५	२ २६	५०.५९	४ २६
२३	८ चं	५१६१	३५३.१३	२८४.४०	६.३६	३४६.७७	९.४४०	३४६.७६	२५६.५९	२ २६	५१.५१	१ २८
२४	९ मं	५१६२	३५३.१६	२८४.४४	६.३६	३४६.८०	९.४४०	३४६.७९	२५६.६२	२ २६	५२.४२	४ ३३
२५	१० बु	५१६३	३५३.१९	२८४.४७	६.३६	३४६.८३	९.४४०	३४६.८२	२५६.६५	२ २६	५३.३७	४ ३७
२६	१२ गु	५१६४	३५३.२२	२८४.५०	६.३६	३४६.८६	९.४३९	३४६.८५	२५६.६८	२ २६	५४.३०	४ ४१
२७	१३ शु	५१६५	३५३.२६	२८४.५४	६.३६	३४६.९०	९.४३९	३४६.८९	२५६.७२	२ २६	५५.२२	४ ४५
२८	१४ श	५१६६	३५३.२९	२८४.५७	६.३६	३४६.९३	९.४३९	३४६.९२	२५६.७५	२ २६	५६.१५	४ ४८
२९	३० र	५१६७	३५३.३३	२८४.६१	६.३६	३४६.९७	९.४३८	३४६.९६	२५६.७९	–२ २६	५७.०७	+४ ५२

शनि

मई सन १९३८ इ. वैशाख शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क	अ. क.	अ. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अ. क	अ. क.	घ प.	स्टैं. घं. मि.
३०	११ १८ ४८	० ७	२ ११	० ०	११ ४७	११ ४१	० ६	१ ५७	२ ४१	० २	१० ४४	१० ४५
१	११ १८ ५५	० ७	− २ ११	० १	११ ५४	११ ४७	० ७	१ ५८	+२ ४३	० २	१० ३५	१० ४१
२	११ १९ २	० ७	२ १२	० ०	१२ १	११ ५४	० ६	१ ५९	२ ४५	० २	१० २६	१० ३७
३	११ १९ ९	० ७	२ १२	० ०	१२ ८	१२ ०	० ६	२ ०	२ ४७	० २	१० १७	१० ३४
४	११ १९ १६	० ६	२ १२	० ०	१२ १५	१२ ६	० ६	२ १	२ ४९	० २	१० ८	१० ३०
५	११ १९ २२	० ६	२ १२	० ०	१२ २१	१२ १२	० ६	२ २	२ ५१	० २	१० ०	१० २७
६	११ १९ २८	० ६	२ १२	० ०	१२ २७	१२ १८	० ७	२ ३	२ ५३	० २	९ ५१	१० २४
७	११ १९ ३४	० ६	२ १२	० ०	१२ ३३	१२ २५	० ६	२ ४	२ ५५	० ३	९ ४२	१० २०
८	११ १९ ४०	० ६	२ १२	० १	१२ ३९	१२ ३१	० ६	२ ५	२ ५८	० २	९ ३३	१० १६
९	११ १९ ४६	० ६	२ १३	० ०	१२ ४५	१२ ३७	० ५	२ ६	३ ०	० २	९ २४	१० १३
१०	११ १९ ५२	० ६	२ १३	० ०	१२ ५१	१२ ४२	० ६	२ ७	३ २	० २	९ १५	१० ९
११	११ १९ ५८	० ६	२ १३	० ०	१२ ५७	१२ ४८	० ५	२ ८	३ ४	० २	९ ६	१० ५
१२	११ २० ४	० ६	२ १३	० ०	१३ ३	१२ ५३	० ६	२ ९	३ ६	० २	८ ५८	१० २
१३	११ २० १०	० ६	२ १३	० ०	१३ ९	१२ ५९	० ५	२ १०	३ ८	० २	८ ४९	९ ५९
१४	११ २० १६	० ६	२ १३	० १	१३ १५	१३ ४	० ६	२ ११	३ १०	० २	८ ४०	९ ५५
१५	११ २० २२	० ६	२ १४	० ०	१३ २१	१३ १०	० ५	२ १२	३ १२	० ३	८ ३१	९ ५२
१६	११ २० २८	० ६	२ १४	० ०	१३ २७	१३ १५	० ६	२ १३	३ १५	० ३	८ २१	९ ४७
१७	११ २० ३४	० ६	२ १४	० ०	१३ ३३	१३ २१	० ५	२ १४	३ १८	० ३	८ १३	९ ४४
१८	११ २० ४०	० ६	२ १४	० ०	१३ ३९	१३ २६	० ६	२ १४	३ २१	० २	८ ३	९ ४०
१९	११ २० ४६	० ६	२ १४	० ०	१३ ४५	१३ ३२	० ६	२ १५	३ २३	० २	७ ५५	९ ३७
२०	११ २० ५२	० ६	२ १४	० ०	१३ ५१	१३ ३८	० ६	२ १६	३ २५	० २	७ ४६	९ ३३
२१	११ २० ५८	० ६	२ १४	० १	१३ ५७	१३ ४४	० ६	२ १७	३ २७	० २	७ ३७	९ ३०
२२	११ २१ ४	० ६	२ १५	० ०	१४ ३	१३ ५०	० ६	२ १८	३ २९	० २	७ २८	९ २६
२३	११ २१ १०	० ६	२ १५	० ०	१४ ९	१३ ५६	० ६	२ १९	३ ३१	० २	७ १९	९ २३
२४	११ २१ १६	० ६	२ १५	० ०	१४ १५	१४ २	० ६	२ २०	३ ३३	० २	७ १०	९ १९
२५	११ २१ २२	० ५	२ १५	० ०	१४ २१	१४ ८	० ६	२ २१	३ ३५	० २	७ १	९ १५
२६	११ २१ २८	० ५	२ १५	० ०	१४ २७	१४ १४	० ५	२ २२	३ ३७	० ३	६ ५३	९ १२
२७	११ २१ ३३	० ५	२ १५	० ०	१४ ३२	१४ १९	० ६	२ २३	३ ४०	० ३	६ ४४	९ ९
२८	११ २१ ३८	० ५	२ १५	० १	१४ ३७	१४ २५	० ५	२ २४	३ ४३	० २	६ ३५	९ ५
२९	११ २१ ४३		− २ १६		१४ ४२	१४ ३०		२ २५	+३ ४५		६ २६	९ १

शनि

मई-जून सन १९३८ ई. **ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अं.	अं.		अ.	अं.	अ. क	अं.	अ. क.
२९	३० र	५१६७	३५३·३३	२८४·६१	६·३६	३४६·९७	९·४३८	३४६·९६	२५६·७९	२ २६	५७·०७	४ ५२
३०	१ चं	५१६८	३५३·३६	२८४·६४	–६·३६	३४७·००	९·४३८	३४६·९९	२५६·८२	–२ २६	५८·००	+४ ५५
३१	२ म	५१६९	३५३·४०	२८४·६८	६·३५	३४७·०५	९·४३८	३४७·०४	२५६·८७	२ २६	५८·९१	४ ५८
१	३ बु	५१७०	३५३·४३	२८४·७१	६·३५	३४७·०८	९·४३७	३४७·०७	२५६·९०	२ २६	५९·८३	५ २
२	५ गु	५१७१	३५३·४६	२८४·७४	६·३५	३४७·११	९·४३७	३४७·१०	२५६·९३	२ २६	६०·७६	५ ५
३	६ शु	५१७२	३५३·४९	२८४·७८	६·३५	३४७·१४	९·४३७	३४७·१३	२५६·९६	२ २६	६१·६९	५ ८
४	७ श	५१७३	३५३·५३	२८४·८१	६·३५	३४७·१८	९·४३६	३४७·१७	२५७·००	२ २६	६२·६१	५ ११
५	८ र	५१७४	३५३·५६	२८४·८४	६·३५	३४७·२१	९·४३६	३४७·२०	२५७·०३	२ २६	६३·५३	५ १४
६	९ चं	५१७५	३५३·५९	२८४·८७	६·३५	३४७·२४	९·४३६	३४७·२३	२५७·०६	२ २६	६४·४६	५ १७
७	१० मं	५१७६	३५३·६२	२८४·९०	६·३५	३४७·२७	९·४३६	३४७·२६	२५७·०९	२ २६	६५·३८	५ २०
८	११ बु	५१७७	३५३·६६	२८४·९४	६·३५	३४७·३१	९·४३६	३४७·३०	२५७·१३	२ २६	६६·३१	५ २४
९	१२ गु	५१७८	३५३·६९	२८४·९७	६·३५	३४७·३४	९·४३६	३४७·३३	२५७·१६	२ २६	६७·२३	५ २६
१०	१३ शु	५१७९	३५३·७३	२८५·००	६·३५	३४७·३८	९·४३५	३४७·३७	२५७·२०	२ २६	६८·१५	५ २९
११	१४ श	५१८०	३५३·७६	२८५·०४	६·३५	३४७·४१	९·४३५	३४७·४०	२५७·२३	२ २६	६९·०७	५ ३१
१२	१५ र	५१८१	३५३·८०	२८५·०७	६·३५	३४७·४५	९·४३५	३४७·४४	२५७·२७	२ २६	६९·९९	५ ३४
१३	१ चं	५१८२	३५३·८३	२८५·१०	६·३५	३४७·४८	९·४३४	३४७·४७	२५७·३०	२ २६	७०·९१	५ ३६
१४	१ मं	५१८३	३५३·८६	२८५·१४	६·३५	३४७·५१	९·४३४	३४७·५०	२५७·३३	२ २६	७१·८४	५ ३९
१५	२ बु	५१८४	३५३·९०	२८५·१७	६·३५	३४७·५५	९·४३४	३४७·५४	२५७·३७	२ २६	७२·७५	५ ४१
१६	३ गु	५१८५	३५३·९३	२८५·२०	६·३५	३४७·५८	९·४३३	३४७·५७	२५७·४०	२ २६	७३·६८	५ ४३
१७	४ शु	५१८६	३५३·९७	२८५·२३	६·३५	३४७·६२	९·४३३	३४७·६१	२५७·४४	२ २६	७४·६१	५ ४५
१८	५ श	५१८७	३५४·००	२८५·२७	६·३४	३४७·६६	९·४३३	३४७·६५	२५७·४८	२ २६	७५·५१	५ ४७
१९	६ चं	५१८८	३५४·०३	२८५·३१	६·३४	३४७·६९	९·४३२	३४७·६८	२५७·५१	२ २६	७६·४३	५ ५०
२०	७ र	५१८९	३५४·०७	२८५·३४	६·३४	३४७·७३	९·४३२	३४७·७२	२५७·५५	२ २६	७७·३५	५ ५१
२१	८ मं	५१९०	३५४·१०	२८५·३८	६·३४	३४७·७६	९·४३१	३४७·७५	२५७·५८	२ २६	७८·२७	५ ५३
२२	९ बु	५१९१	३५४·१४	२८५·४१	६·३४	३४७·८०	९·४३१	३४७·७९	२५७·६२	२ २६	७९·१९	५ ५५
२३	१० गु	५१९२	३५४·१७	२८५·४४	६·३४	३४७·८३	९·४३०	३४७·८२	२५७·६५	२ २६	८०·११	५ ५६
२४	११ शु	५१९३	३५४·२०	२८५·४७	६·३४	३४७·८६	९·४३०	३४७·८५	२५७·६८	२ २६	८१·०३	५ ५८
२५	१२ श	५१९४	३५४·२४	२८५·५१	६·३४	३४७·९०	९·४२९	३४७·८९	२५७·७२	२ २६	८१·९५	६ ०
२६	१३ र	५१९५	३५४·२७	२८५·५४	६·३४	३४७·९३	९·४२९	३४७·९२	२५७·७५	२ २६	८२·८७	६ १
२७	३० चं	५१९६	३५४·३०	२८५·५८	–६·३४	३४७·९६	९·४२९	३४७·९५	२५७·७८	–२ २६	८३·७९	+६ २

मई–जून सन १९३८ ई. ज्येष्ठ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	अं. क'	अं. क.	घ. प.	स्टैं. घं. मि.
२९	११ २१ ४३	० ५	२ १६	० ०	१४ ४२	१४ ३०	० ६	२ २५	२३ ४५	० १	६ २६	९ १
३०	११ २१ ४८	० ६	– २ १६	० ०	१४ ४७	१४ ३५	० ५	२ २६	+३ ४६	० १	६ १७	८ ५८
३१	११ २१ ५४	० ५	२ १६	० १	१४ ५२	१४ ४०	० ५	२ २७	३ ४७	० १	६ ८	८ ५४
१	११ २१ ५९	० ६	२ १७	० ०	१४ ५८	१४ ४५	० ५	२ २८	३ ४८	० २	५ ५९	८ ५१
२	११ २२ ५	० ५	२ १७	० ०	१५ १५	१४ ५०	० ५	२ २८	३ ५०	० २	५ ५०	८ ४७
३	११ २२ १०	० ६	२ १७	० ०	१५ ९	१४ ५५	० ५	२ २९	३ ५२	० २	५ ४१	८ ४३
४	११ २२ १६	० ६	२ १७	० ०	१५ १५	१५ ०	० ५	२ ३०	३ ५४	० २	५ ३२	८ ४०
५	११ २२ २२	० ६	२ १७	० ०	१५ २१	१५ ५	० ५	२ ३१	३ ५६	० २	५ २३	८ ३६
६	११ २२ २८	० ६	२ १७	० १	१५ २७	१५ १०	० ४	२ ३२	३ ५८	० २	५ १४	८ ३३
७	११ २२ ३४	० ६	२ १८	० ०	१५ ३३	१५ १४	० ४	२ ३२	४ ०	० २	५ ४	८ २९
८	११ २२ ४०	० ६	२ १८	० ०	१५ ४९	१५ १८	० ५	२ ३३	४ २	० १	४ ५५	८ २५
९	११ २२ ४६	० ६	२ १८	० ०	१५ ४५	१५ २३	० ४	२ ३४	४ ३	० १	४ ४८	८ २२
१०	११ २२ ५२	० ६	२ १८	० १	१५ ५१	१५ २७	० ४	२ ३५	४ ४	० १	४ ३८	८ १८
११	११ २२ ५८	० ५	२ १९	० ०	१५ ५७	१५ ३१	० ५	२ ३५	४ ५	० २	४ २८	८ १४
१२	११ २३ ३	० ५	२ १९	० ०	१६ २	१५ ३६	० ४	२ ३६	४ ७	० २	४ १९	८ ११
१३	११ २३ ८	० ५	२ १९	० ०	१६ ७	१५ ४०	० ५	२ ३७	४ ९	० २	४ १०	८ ७
१४	११ २३ १३	० ५	२ १९	० ०	१६ १२	१५ ४५	० ४	२ ३८	४ ११	० २	४ १	८ ३
१५	११ २३ १८	० ४	२ १९	० १	१६ १७	१५ ४९	० ५	२ ३८	४ १३	० २	३ ५१	७ ५९
१६	११ २३ २२	० ४	२ २०	० ०	१६ २१	१५ ५४	० ४	२ ३९	४ १५	० २	३ ४३	७ ५६
१७	११ २३ २६	० ४	२ २०	० ०	१६ २५	१५ ५८	० ४	२ ४०	४ १७	० २	३ ३४	७ ५३
१८	११ २३ ३०	० ४	२ २०	० ०	१६ २९	१६ २	० ४	२ ४०	४ १९	० १	३ २६	७ ४९
१९	११ २३ ३४	० ४	२ २०	० १	१६ ३३	१६ ६	० ४	२ ४१	४ २०	० १	३ १५	७ ४५
२०	११ २३ ३८	० ४	२ २१	० ०	१६ ३७	१६ १०	० ४	२ ४२	४ २१	० १	३ ६	७ ४१
२१	११ २३ ४२	० ४	२ २१	० ०	१६ ४१	१६ १४	० ४	२ ४२	४ २२	० १	२ ५६	७ ३८
२२	११ २३ ४६	० ४	२ २१	० ०	१६ ४५	१६ १८	० ४	२ ४३	४ २३	० १	२ ४८	७ ३४
२३	११ २३ ५०	० ४	२ २१	० ०	१६ ४९	१६ २२	० ४	२ ४४	४ २४	० १	२ ३९	७ ३०
२४	११ २३ ५४	० ३	२ २१	० १	१६ ५३	१६ २६	० ३	२ ४४	४ २५	० २	२ २९	७ २७
२५	११ २३ ५७	० ४	२ २२	० ०	१६ ५६	१६ २९	० ४	२ ४५	४ २७	० २	२ २०	७ २३
२६	११ २४ १	० ३	२ २२	० ०	१७ ०	१६ ३३	० ३	२ ४६	४ २९	० २	२ ११	७ १९
२७	११ २४ ४		– २ २२		१७ ३	१६ ३६		२ ४६	+४ ३१		२ १	७ १५

शनि

जून-जुलई सन १९३८ ई.   आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफ
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं.क.	अं.	अं.
२७	३० चं	५१९६	३५४.३०	२८५.५८	−६.३४	३४७.९६	९.४२९	३४७.९५	२५७.७८	२ २६	८३.७९	+६
२८	१ मं	५१९७	३५४.३३	२८५.६१	६.३४	३४७.९९	९.४२८	३४७.९८	२५७.८१	−२ २६	८४.७२	६
२९	२ बु	५१९८	३५४.३६	२८५.६४	६.३४	३४८.०२	९.४२८	३४८.०१	२५७.८४	२ २६	८५.६४	६
३०	३ गु	५१९९	३५४.४०	२८५.६७	६.३४	३४८.०६	९.४२८	३४८.०५	२५७.८८	२ २६	८६.५५	६
१	४ शु	५२००	३५४.४३	२८५.७१	६.३३	३४८.१०	९.४२७	३४८.०९	२५७.९२	२ २६	८७.४७	६
२	५ श	५२०१	३५४.४६	२८५.७४	६.३३	३४८.१३	९.४२७	३४८.१२	२५७.९५	२ २६	८८.३९	६
३	६ र	५२०२	३५४.५०	२८५.७७	६.३३	३४८.१६	९.४२७	३४८.१६	२५७.९९	२ २६	८९.३०	६
४	७ चं	५२०३	३५४.५३	२८५.८१	६.३३	३४८.२०	९.४२६	३४८.१९	२५८.०२	२ २६	९०.२३	६
५	८ मं	५२०४	३५४.५६	२८५.८४	६.३३	३४८.२३	९.४२६	३४८.२२	२५८.०५	२ २६	९१.१५	६
६	९ बु	५२०५	३५४.६०	२८५.८७	६.३३	३४८.२७	९.४२६	३४८.२६	२५८.०९	२ २६	९२.०६	६
७	१० गु	५२०६	३५४.६३	२८५.९०	६.३३	३४८.३०	९.४२६	३४८.२९	२५८.१२	२ २६	९२.९९	६
८	११ शु	५२०७	३५४.६७	२८५.९४	६.३३	३४८.३४	९.४२६	३४८.३३	२५८.१६	२ २६	९३.९०	६
९	१२ श	५२०८	३५४.७०	२८५.९७	६.३३	३४८.३७	९.४२६	३४८.३६	२५८.१९	२ २६	९४.८२	६
१०	१३ र	५२०९	३५४.७४	२८६.०१	६.३३	३४८.४१	९.४२६	३४८.४०	२५८.२३	२ २६	९५.७४	६
११	१४ चं	५२१०	३५४.७७	२८३.०४	६.३३	३४८.४४	९.४२६	६४८.४३	२५८.२६	२ २६	९६.६६	६
१२	१५ म	५२११	३५४.८०	२८६.०७	६.३३	३४८.४७	९.४२६	३४८.४६	२५८.२९	२ २७	९७.५८	६
१३	१ बु	५२१२	३५४.८४	२८६.११	६.३३	३४८.५१	९.४२५	३४८.५०	२५८.३३	२ २७	९८.५०	६
१४	२ गु	५२१३	३५४.८७	२८६.१४	६.३३	३४८.५४	९.४२५	३४८.५३	२५८.३६	२ २७	९९.४२	६
१५	३ शु	५२१४	३५४.९०	२८६.१७	६.३३	३४८.५७	९.४२५	३४८.५६	२५८.३९	२ २७	१००.३५	६
१६	४ श	५२१५	३५४.९४	२८६.२१	६.३३	३४८.६१	९.४२४	३४८.६०	२५८.४३	२ २७	१०१.२६	६
१७	५ र	५२१६	३५४.९७	२८६.२४	६.३३	३४८.६४	९.४२४	३४८.६३	२५८.४६	२ २७	१०२.१८	६
१८	६ चं	५२१७	३५५.००	२८६.२८	६.३३	३४८.६७	९.४२४	३४८.६६	२५८.४९	२ २७	१०३.११	६
१९	७ मं	५२१८	३५५.०३	२८६.३१	६.३३	३४८.७०	९.४२३	३४८.६९	२५८.५२	२ २७	१०४.०३	६
२०	८ बु	५२१९	३५५.०६	२८६.३५	६.३३	३४८.७३	९.४२३	३४८.७२	२५८.५५	२ २७	१०४.९६	६
२१	९ गु	५२२०	३५५.१०	२८६.३८	६.३२	३४८.७८	९.४२३	३४८.७५	२५८.६०	२ २७	१०५.८६	६
२२	१० शु	५२२१	३५५.१३	२८३.४२	६.३२	३४८.८१	९.४२३	३४८.८०	२५८.६३	२ २७	१०६.७८	६
२३	११ श	५२२२	३५५.१६	२८६.४५	६.३२	३४८.८४	९.४२३	३४८.८१	२५८.६६	२ २७	१०७.७१	६
२४	१२ र	५२२३	३५५.२०	२८६.४८	६.३२	३४८.८८	९.४२२	३४८.८७	२५८.७०	२ २७	१०८.६२	६
२५	१३ चं	५२२४	३५५.२३	२८६.५२	६.३२	३४८.९१	९.४२१	३४८.९०	२५८.७३	२ २७	१०९.५१	६
२६	१४ मं	५२२५	३५५.२६	२८६.५५	६.३२	३४८.९४	९.४२१	३४८.९३	२५८.७६	२ २७	११०.४७	५
२७	३० गु	५३२६	३५५.३०	२८६.५८	−६.३२	३४८.९८	९.४२१	३४८.९७	२५८.८०	−२ २७	१११.३९	+५

जून–जुलई सन १९३८ इ. **आषाढ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।**

।।.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल	
	रा. अं क.	अं.क	अं. क.	अं.क.	अं. क.	अ. क.	अ. क.	घ. प.	अं. क.	अं.क	घ. प.	स्टैँ. घं. मि.
७	११ २४ ४	० ४	२ २२	० ०	८ ३	१६ ३६	० ३	२ ४६	+४ ३१	० १	२ १	७ १५
८	११ २४ ८	० ३	−२ २२	० ०	१७ ७	१६ ३९	० ३	२ ४७	४ ३२	० १	१ ५२	७ १२
९	११ २४ ११	० ३	२ २२	० १	०७ १०	१६ ४२	० ३	२ ४७	४ ३३	० ०	१ ४२	७ ८
०	११ २४ १४	० ३	२ २३	० ०	१७ १३	१६ ४५	० ३	२ ४८	४ ३३	० १	१ ३४	७ ४
१	११ २४ १७	० ३	२ २३	० ०	१७ १६	१६ ४८	० ३	२ ४८	४ ३४	० ०	१ २४	७ १
२	११ २४ २०	० २	२ २:	० १	१७ १९	१६ ५१	० २	२ ४९	४ ३४	० १	१ १५	६ ५७
३	११ २४ २२	० २	२ २४	० ०	१७ २१	१६ ५३	० २	२ ४९	४ ३५	० १	१ ५	६ ५३
४	११ २४ २४	० २	२ २४	० ०	१७ २३	१६ ५५	० २	२ ४९	४ ३६	० ०	० ५५	६ ४९
५	११ २४ २६	० २	२ २४	० ०	१७ २५	१६ ५७	० २	२ ५०	१ ३६	० १	० ४६	६ ४६
६	११ २४ २८	० १	२ २४	० १	१७ २७	१६ ५९	० २	२ ५०	१ ३७	० ०	० ३७	६ ४२
७	११ २४ २९	० २	२ २५	० ०	१७ २८	१७ १	० २	२ ५०	१ ३७	० १	० २७	६ ३८
	११ २४ ३१	० २	२ २५	० ०	१७ ३०	१७ ३	० २	२ ५१	१ ३८	० ०	० १८	६ ३४
	११ २४ ३३	० २	२ २५	० ०	१७ ३२	१७ ५	० २	२ ५१	१ ३८	० १	० ८	६ ३०
	११ २४ ३५	० २	२ २५	० १	१७ ३४	१७ ७	० २	२ ५१	१ ३९	० ०	५९ ५८	६ २६
	११ २४ ३७	० २	२ २६	० ०	१७ ३६	१७ ९	० २	२ ५२	१ ३९	० १	५९ ४९	६ २३
	११ २४ ३९	० २	२ २६	० ०	१७ ३८	१७ ११	० २	२ ५२	४ ४०	० ०	५९ ३९	६ १९
३	११ २४ ४१	० २	२ २६	० १	१७ ४०	१७ १३	० २	२ ५२	४ ४०	० १	५९ २९	६ १५
	११ २४ ४३	० २	२ २७	० ०	१७ ४२	१७ १५	० २	२ ५३	४ ४१	० ०	५९ २१	६ ११
	११ २४ ४५	० १	२ २७	० ०	१७ ४४	१७ १७	० २	२ ५३	४ ४१	० १	५९ ११	६ ७
	११ २४ ४६	० १	२ २७	० ०	१७ ४५	१७ १९	० १	२ ५३	४ ४२	० ०	५९ १	६ ३
	११ २४ ४७	० १	२ २७	० ०	१७ ४६	१७ २०	० १	२ ५३	४ ४२	० १	५८ ५१	५ ५९
	११ २४ ४८	० १	२ २७	० १	१७ ४७	१७ २१	० १	२ ५४	४ ४३	० ०	५८ ४२	५ ५६
	११ २४ ४९	० १	२ २८	० ०	१७ ४८	१७ २२	० १	२ ५४	४ ४३	० ०	५८ ३२	५ ५२
	११ २४ ५०	० १	२ २८	० ०	१७ ४९	१७ २३	० १	२ ५४	४ ४३	० ०	५८ २२	५ ४८
	११ २४ ५१	० १	२ २८	० १	१७ ५०	१७ २४	० १	२ ५४	४ ४३	० ०	५८ १३	५ ४४
	११ २४ ५२	० १	२ २९	० ०	१७ ५१	१७ २५	० १	२ ५४	४ ४३	० ०	५८ ३	५ ४०
	११ २४ ५३	० १	२ २९	० ०	१८ ५२	१७ २६	० १	२ ५४	४ ४३	० ०	५७ ५३	५ ३६
	११ २४ ५४	० १	२ २९	० ०	१७ ५३	१७ २७	० १	२ ५५	४ ४३	० ०	५७ ४४	५ ३३
	११ २४ ५५	० १	२ २९	० १	१७ ५४	१७ २८	० १	२ ५५	४ ४३	० १	५७ ३४	५ २९
	११ २४ ५६	० १	२ ३०	० ०	१७ ५५	१७ २९	० १	२ ५५	४ ४४	० ०	५७ २४	५ २५
	११ २४ ५७		−२ ३०		१७ ५६	१७ ३०		२ ५५	+४ ४४		५७ १४	५ २१

शनि

जुलई–अगस्त सन १९३८ इ. श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंद केंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शार	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
·			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
२७	३० बु	५३२६	३५५.३०	२८६.५८	६.३२	३४८.९८	९.४२१	३४८.९७	२५८.८०	२ २७	१११.३९	५ ५७
२८	२ गु	५२२७	३५५.३३	२८६.६१	– ६.३२	३४९.०१	९.४२०	३४९.००	२५८.८३	–२ २७	११२.३२	+५ ५५
२९	३ शु	५२२८	३५५.३६	२८६.६५	६.३२	३४९.०४	९.४२०	३४९.०३	२५८.८६	२ २७	११३.२४	५ ५४
३०	४ श	५२२९	३५५.४०	२८६.६८	६.३१	३४९.०९	९.४२०	३४९.०८	२५८.९१	२ २७	११४.१५	५ ५२
३१	५ र	५२३०	३५५.४४	२८६.७२	६.३१	३४९.१३	९.४२०	३४९.१२	२५८.९५	२ २७	११५.०६	५ ५०
१	६ चं	५२३१	३५५.४७	२८६.७५	६.३१	३४९.१६	९.४१९	३४९.१५	२५८.९८	२ २७	११५.९९	५ ४८
२	७ मं	५२३२	३५५.५१	२८६.७८	६.३१	३४९.२०	९.४१९	३४९.१९	२५९.०२	२ २७	११६.९१	५ ४६
३	८ बु	५२३३	३५५.५४	२८६.८२	– ६.३१	३४९.२३	९.४१९	३४९.२२	२५९.०५	–२ २७	११७.८३	+५ ४३
४	९ गु	५२३४	३५५.५७	२८६.८५	६.३१	३४९.२६	९.४१९	३४९.२५	२५९.०८	२ २७	११८.७६	५ ४१
५	१० शु	५२३५	३५५.६०	२८६.८८	६.३१	३४९.२९	९.४१८	३४९.२८	२५९.११	२ २७	११९.६९	५ ३८
६	११ श	५२३६	३५५.६३	२८६.९१	६.३१	३४९.३२	९.४१८	३४९.३१	२५९.१४	२ २७	१२०.६२	५ ३७
७	१२ र	५२३७	३५५.६७	२८६.९५	६.३१	३४९.३६	९.४१८	३४९.३५	२५९.१८	२ २७	१२१.५४	५ ३३
८	१३ चं	५२३८	३५५.७०	२८६.९८	६.३१	३४९.३९	९.४१८	३४९.३८	२५९.२१	२ २७	१२२.४६	५ ३०
९	१३ मं	५२३९	३५५.७४	२८७.०२	६.३१	३४९.४३	९.४१७	३४९.४२	२५९.२५	२ २७	१२३.३८	५ २७
१०	१४ बु	५२४०	३५५.७७	२८७.०५	६.३१	३४९.४६	९.४१७	३४९.४५	२५९.२८	२ २७	१२४.३१	५ २४
११	१५ गु	५२४१	३५५.८१	२८७.०९	६.३१	३४९.५०	९.४१७	३४९.४९	२५९.३२	२ २७	१२५.२३	५ २१
१२	१ शु	५२४२	३५५.८४	२८७.१२	– ६.३१	३४९.५३	९.४१६	३४९.५२	२५९.३५	–२ २७	१२६.१६	+५ १७
१३	२ श	५२४३	३५५.८७	२८७.१६	६.३१	३४९.५६	९.४१६	३४९.५५	२५९.३८	२ २७	१२७.०९	५ १४
१४	३ र	५२४४	३५५.९१	२८७.१९	६.३१	३४९.६०	९.४१६	३४९.५९	२५९.४२	२ २७	१२८.०१	५ ११
१५	४ चं	५२४५	३५५.९४	२८७.२२	६.३१	३४९.६३	९.४१५	३४९.६२	२५९.४५	२ २७	१२८.९४	५ ७
१६	५ म	५२४६	३५५.९७	२८७.२५	६.३१	३४९.६६	९.४१५	३४९.६५	२५९.४८	२ २७	१२९.८७	५ ४
१७	६ बु	५२४७	३५६.००	२८७.२८	६.३०	३४९.७०	९.४१५	३४९.६९	२५९.५२	२ २७	१३०.७९	५ ०
१८	७ गु	५२४८	३५६.०४	२८७.३२	६.३०	३४९.७४	९.४१४	३४९.७३	२५९.५६	२ २७	१३१.७१	४ ५६
१९	८ शु	५२४९	३५६.०७	२८७.३५	– ६.३०	३४९.७७	९.४१४	३४९.७६	२५९.५९	–२ २७	१३२.६५	+४ ५३
२०	९ श	५२५०	३५६.१०	२८७.३८	६.३०	३४९.८०	९.४१४	३४९.७९	२५९.६२	२ २७	१३३.५८	४ ४८
२१	१० र	५२५१	३५२.१४	२८७.४२	६.३०	३४९.८४	९.४१३	३४९.८३	२५९.६६	२ २७	१३४.५०	४ ४५
२२	१२ चं	५२५२	३५६.१७	२८७.४५	६.३०	३४९.८७	९.४१३	३४९.८६	२५९.६९	२ २७	१३५.४३	४ ३९
२३	१३ मं	५२५३	३५६.२०	२८७.४८	६.२९	३४९.९१	९.४१३	३४९.९०	२५९.७३	२ २७	१३६.३६	४ ३६
२४	१४ बु	५२५४	३५६.२४	२८७.५२	६.२९	३४९.९५	९.४१२	३४९.९४	२५९.७७	२ २७	१३७.२८	४ ३३
२५	३० गु	५२५५	३५६.२७	२८७.५५	६.२९	३४९.९८	९.४१२	३४९.९७	२५९.८०	२ २७	१३८.२२	४ २९

शनि

जुलई-अगस्त सन १९३८ इ. **श्रावण शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।**

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	घ	प	अं.	क.	अं.	क.	घ	प.	स्टैं.घं.	मि.
२७	११	२४	५७	०	०	२	३०	०	०	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४४	०	०	५७	१४	५	२१
२८	११	२४	५७	०	०	–२	३०	०	०	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	+४	४४	०	१	५७	५	५	१७
२९	११	२४	५७	०	०	२	३०	०	१	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४३	०	०	५६	५५	५	१२
३०	११	२४	५७	०	०	२	३१	०	०	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४३	०	०	५६	४५	५	९
३१	११	२४	५७	०	०	२	३१	०	०	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४३	०	१	५६	३५	५	५
१	११	२४	५७	०	०	२	३१	०	१	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४२	०	०	५६	२५	५	१
२	११	२४	५७	०	०	२	३२	०	०	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४२	०	०	५६	१५	४	५७
३	११	२४	५७	०	०	२	३२	०	०	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४२	०	०	५६	४	४	५३
४	११	२४	५७	०	०	२	३२	०	०	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४२	०	०	५५	५६	४	५०
५	११	२४	५७	०	०	२	३२	०	०	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४२	०	१	५५	४६	४	४६
६	११	२४	५७	०	१	२	३२	०	१	१७	५६	१७	३०	०	०	२	५५	४	४१	०	०	५५	३६	४	४१
७	११	२४	५६	०	१	२	३३	०	०	१७	५५	१७	३०	०	१	२	५५	४	४१	०	१	५५	२६	४	३७
८	११	२४	५५	०	[illegible]	२	३३	०	०	१७	५४	१७	२९	०	०	२	५५	४	४०	०	०	५५	१६	४	३३
९	११	२४	५४	०	१	२	३३	०	१	१७	५३	१७	२९	०	१	२	५५	४	४०	०	१	५५	६	४	२९
१०	११	२४	५३	०	१	२	३४	०	०	१७	५२	१७	२८	०	०	२	५५	४	३९	०	०	५४	५७	४	२६
११	११	२४	५२	०	१	२	३४	०	०	१७	५१	१७	२८	०	१	२	५५	४	३९	०	१	५४	४७	४	२२
१२	११	२४	५१	०	१	२	३४	०	०	१७	५०	१७	२७	०	१	२	५५	४	३८	०	१	५४	३७	४	१८
१३	११	२४	५०	०	१	२	३४	०	१	१७	४९	१७	२६	०	१	२	५४	४	३७	०	०	५४	२६	४	१३
१४	११	२४	४९	०	१	२	३५	०	०	१७	४८	१७	२५	०	१	२	५४	४	३७	०	१	५४	१६	४	९
१५	११	२४	४८	०	१	२	३५	०	०	१७	४७	१७	२४	०	१	२	५४	४	३६	०	०	५४	६	४	६
१६	११	२४	४७	०	१	२	३५	०	०	१७	४६	१७	२३	०	१	२	५४	४	३६	०	१	५३	५६	४	१
१७	११	२४	४६	०	२	२	३५	०	०	१७	४५	१७	२२	०	२	२	५४	४	३५	०	२	५३	४६	३	५७
१८	११	२४	४४	०	२	२	३५	०	१	१७	४३	१७	२०	०	२	२	५३	४	३३	०	१	५३	३६	३	५३
१९	११	२४	४२	०	२	२	३६	०	०	१७	४१	१७	१८	०	२	२	५३	४	३२	०	१	५३	२६	३	४९
२०	११	२४	४०	०	३	२	३६	०	०	१७	३९	१७	१६	०	२	२	५३	४	३१	०	१	५३	१६	६	४५
२१	११	२४	३७	०	३	२	३६	०	०	१७	३६	१७	१४	०	२	२	५२	४	३०	०	२	५३	५	३	४१
२२	११	२४	३४	०	३	२	३६	०	१	१७	३६	१७	१२	०	३	२	५२	४	२८	०	१	५२	५५	३	३७
२३	११	२४	३१	०	३	२	३७	०	०	१७	३०	१७	९	०	३	२	५२	४	२७	०	१	५२	४५	३	३३
२४	११	२४	२८	०	३	२	३७	०	०	१७	२७	१७	६	०	३	२	५१	४	२६	०	२	५२	३४	३	२९
२५	१२	२४	२५			–२	३७			१७	२४	१७	३			२	५१	+४	२४			५२	२५	३	२५

शनि

अगस्त-सितंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अ.	अं.		अं.	अं.	अ. क	अं.	अ क.
२५	३० गु	५२५५	३५६.२७	२८७.५५	६.२९	३४९.९८	९.४१२	३४९.९७	२५९.८०	२ २७	१३८.२२	४ २६
२६	१ शु	५२५६	३५६.३०	२८७.५८	– ६.२९	३५०.०१	९.४१२	३५०.००	२५९.८३	–२ २७	१३९.१५	+४ २२
२७	२ श	५२५७	३५६.३४	२८७.६२	६.२९	३५०.०५	९.४११	३५०.०४	२५९.८७	२ २७	१४०.०८	४ १७
२८	३ र	५२५८	३५६.३७	२८७.६५	६.२९	३५०.०८	९.४११	३५०.०७	२५९.९०	२ २७	१४१.०१	४ १२
२९	४ चं	५२५९	३५६.४१	२८७.६८	६.२९	३५०.१२	९.४११	३५०.११	२५९.९४	२ २७	१४१.९४	४ ७
३०	५ मं	५२६०	३५६.४४	२८७.७१	६.२९	३५०.१४	९.४१०	३५०.१४	२५९.९७	२ २७	१४२.८८	४ ३
३१	६ बु	५२६१	३५६.४७	२८७.७५	६.२९	३५०.१८	९.४१०	३५०.१७	२६०.००	२ २७	१४३.८१	३ ५८
१	७ गु	५२६२	३५६.५१	२८७.७८	६.२८	३५०.२३	९.४१०	३५०.२२	२६०.०५	२ २७	१४४.७३	३ ५३
२	८ शु	५२६३	३५६.५४	२८७.८५	– ६.२८	३५०.२६	९.४१०	३५०.२५	२६०.०८	२ २७	१४५.६७	३ ४८
३	९ श	५२६४	३५६.५७	२८७.८५	६.२८	३५०.२९	९.४०९	३५०.२८	२६०.११	२ २७	१४६.६१	३ ४२
४	१० र	५२६५	३५६.६०	२८७.८८	६.२८	३५०.३२	९.४०९	३५०.३१	२६०.१४	२ २७	१४७.५४	३ ३७
५	११ चं	५२६६	३५६.६३	२८७.९१	६.२८	३५०.३५	९.४०९	३५०.३४	२६०.१८	२ २७	१४८.४८	३ ३१
६	१२ मं	५२६७	३५६.६७	२८७.९५	६.२८	३५०.३९	९.४०९	३५०.३८	२६०.२१	२ २७	१४९.४१	३ २६
७	१३ बु	५२६८	३५६.७०	२८७.९८	६.२८	३५०.४२	९.४०९	३५०.४१	२६०.२४	२ २७	१५०.३५	३ २०
८	१४ गु	५२६९	३५६.७४	२८८.०२	६.२८	३५०.४६	९.४०८	३५०.४५	२६०.२८	२ २७	१५१.२९	३ १४
९	१५ शु	५२७०	३५६.७७	२८८.०५	६.२८	३५०.४९	९.४०८	३५०.४८	२६०.३१	२ २८	१५२.२३	३ ९
१०	१ श	५२७१	३५६.८०	२८८.०८	– ६.२८	३५०.५२	९.४०८	३५०.५१	२६०.३४	२ २८	१५३.१७	३ ३
११	२ र	५२७२	३५६.८४	२८८.१२	६.२८	३५०.५६	९.४०७	३५०.५५	२६०.३८	२ २८	१५४.१०	२ ५७
१२	३ चं	५२७३	३५६.८७	२८८.१५	६.२८	३५०.५९	९.४०७	३५०.५८	२६०.४१	२ २८	१५५.०४	२ ५२
१३	४ मं	५२७४	३५६.९०	२८८.१८	६.२७	३५०.६३	९.४०७	३५०.६२	२६०.४५	२ २८	१५५.९८	२ ४७
१४	५ बु	५२७५	३५६.९४	२८८.२२	६.२७	३५०.६७	९.४०६	३५०.६६	२६०.४९	२ २८	१५६.९१	२ ४०
१५	६ गु	५२७६	३५७.९७	२८८.२५	६.२७	३५०.७०	९.४०६	३५०.६९	२६०.५२	२ २८	१५७.८५	२ ३५
१६	७ शु	५२७७	३५७.०१	२८८.२८	६.२७	३५०.७४	९.४०६	३५०.७३	२६०.५६	२ २८	१५८.७९	२ २७
१७	८ श	५२७८	३५७. ४	२८८.३२	– ६.२७	३५०.७७	९.४०५	३५०.७६	२६०.५९	२ २८	१५९.७३	२ २१
१८	९ र	५२७९	३५७. ८	२८८.३५	६.२७	३५०.८१	९.४०५	३५०.८०	२६०.६३	२ २८	१६०.६७	२ १५
१९	१० चं	५२८०	३५७.११	२८८.३९	६.२७	३५०.८४	९.४०५	३५०.८३	२६०.६६	२ २८	१६१.५८	२ ९
२०	११ मं	५२८१	३५७.१४	२८८.४२	६.२७	३५०.८७	९.४०४	३५०.८६	२६०.६९	२ २८	१६२.५६	२ ३
२१	१२ बु	५२८२	३५७.१८	२८८.४५	६.२७	३५०.९१	९.४०४	३५०.९०	२६०.७३	२ २८	१६३.५०	१ ५६
२२	१३ श	५२८३	३५७.२१	२८८.४९	६.२६	३५०.९५	९.४०४	३५०.९४	२६०.७७	२ २८	१६४.४४	१ ४९
२३	३० गु	५२८४	३५७.२४	२८८.५२	६.२६	३५०.९८	९.४०३	३५०.९७	२६०.८०	–२ २८	१६५.३९	+१ ४३

अगस्त-सितंबर सन १९३८ इ. भाद्रपद शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघन काल			
	रा.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अ.	क.	अं.	क.	अं.	क	अं.	क.	घ.	प.	अं.	क	अ.	क.	घ.	प.	स्टैं.घ.	मि.
२५	११	२४	२५	०	३	+२	३७	०	०	१७	२४	१७	३	०	३	२	५१	४	२४	०	१	५२	२५	३	२५
२६	११	२४	२२	०	३	+२	३७	०	१	१७	२१	१७	०	०	३	२	५०	+४	२३	०	१	५२	१४	३	२१
२७	११	२४	१९	०	३	२	३८	०	०	१७	१८	१६	५७	०	३	२	५०	४	२२	०	२	५२	४	३	१७
२८	११	२४	१६	०	३	२	३८	०	०	१७	१५	१६	५४	०	२	२	४९	४	२०	०	१	५१	५३	३	१२
२९	११	२४	१३	०	३	२	३८	०	०	१७	१२	१६	५२	०	३	२	४९	४	१९	०	१	५१	४३	३	८
३०	११	२४	१०	०	३	२	३८	०	०	१७	९	१६	४९	०	२	२	४८	४	१८	०	१	५१	३२	३	४
३१	११	२४	७	०	३	२	३८	०	०	१७	६	१६	४७	०	३	२	४८	४	१७	०	२	५१	२२	३	०
१	११	२४	४	०	३	२	३८	०	१	१७	३	१६	४४	०	३	२	४७	४	१५	०	१	५१	१२	२	५६
२	११	२४	१	०	३	२	३९	०	०	१७	०	१६	४१	०	३	२	४७	४	१४	०	१	५१	२	२	५२
३	११	२३	५८	०	३	२	३९	०	०	१६	५७	१६	३८	०	३	२	४६	४	१३	०	२	५०	५१	२	४७
४	११	२३	५५	०	३	२	३९	०	०	१६	५३	१६	३५	०	३	२	४६	४	११	०	१	५०	४१	२	४३
५	११	२३	५२	०	४	२	३९	०	०	१६	५१	१६	३२	०	३	२	४५	४	१०	०	१	५०	३०	२	३९
६	११	२३	४८	०	४	२	३९	०	१	१६	४७	१६	२९	०	३	२	४५	४	९	०	२	५०	२०	२	३५
७	११	२३	४४	०	४	२	४०	०	०	१६	४३	१६	२६	०	३	२	४४	४	७	०	२	५०	९	२	३०
८	११	२३	४०	०	४	२	४०	०	०	१६	३९	१६	२३	०	३	२	४४	४	५	०	१	५०	०	२	२७
९	११	२३	३६	०	४	२	४०	०	०	१६	३५	१६	२०	०	३	२	४३	४	४	०	२	४९	४९	२	२३
१०	११	२३	३२	०	४	२	४०	०	०	१६	३१	१६	१७	०	३	२	४३	४	२	०	२	४९	३९	२	१९
११	११	२३	२८	०	४	२	४०	०	१	१६	२७	१६	१४	०	३	२	४२	४	०	०	१	४९	२८	२	१४
१२	११	२३	२४	०	४	२	४१	०	०	१६	२३	१६	११	०	४	२	४२	३	५९	०	२	४९	१८	२	१०
१३	११	२३	२०	०	४	२	४१	०	०	१६	१९	१६	७	०	४	२	४१	३	५७	०	१	४९	७	२	६
१४	११	२३	१६	०	४	२	४१	०	०	१६	१५	१६	३	०	४	२	४१	३	५६	०	२	४८	५७	२	२
१५	११	२३	१२	०	४	२	४१	०	०	१६	११	१५	५९	०	४	२	४०	३	५४	०	१	४८	४७	१	५८
१६	११	२३	८	०	४	२	४१	०	०	१६	७	१५	५५	०	४	२	३९	३	५३	०	१	४८	३६	१	५४
						२																			
१७	११	२३	४	०	४	२	४[illegible]	०	०	१६	३	१५	५१	०	४	२	३९	३	५२	०	२	४८	२६	१	५०
१८	११	२३	०	०	४	२	४१	०	१	१५	५९	१५	४७	०	४	२	३८	३	५०	०	२	४८	१५	१	४५
१९	११	२२	५६	०	४	२	४२	०	०	१५	५५	१५	४३	०	४	२	३७	३	४८	०	२	४८	४	१	४१
२०	११	२२	५२	०	४	२	४२	०	०	१५	५१	१५	३९	०	४	२	३७	३	४६	०	२	४७	५४	१	३७
२१	११	२२	४८	०	४	२	४२	०	०	१५	४७	१५	३५	०	४	२	३६	३	४४	०	२	४७	४३	१	३२
२२	११	२२	४४	०	४	२	४२	०	०	१५	४३	१५	३१	०	४	२	३५	३	४२	०	२	४७	३३	१	२८
२३	११	२२	४०			+२	४२			१५	३९	१५	२७			२	३५	+३	४०			४७	२३	१	२४

शनि

सितंबर–अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म.शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अ.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क	अं.	अं. क.
२३	३० शु	५२८४	३५७·२४	२८८·५२	६·२६	३५०·९८	९·४०३	३५०·९७	२६०·८०	२ २६	१६५·३९	१ ४३
२४	१ श	५२८५	३५७·२८	२८८·५५	–६·२६	३५१·०२	९·४०३	३५१·०१	२६०·८४	–२ २८	१६६·३३	+१ ३६
२५	२ र	५२८६	३५७·३१	२८८·५९	६·२६	३५१·०५	९·४०२	३५१·०४	२६०·८७	२ २८	१६७·२८	१ ३०
२६	३ चं	५२८७	३५७·३४	२८८·६२	६·२६	३५१·०८	९·४०२	३५१·०७	२६०·९०	२ २८	१६८·२३	१ २३
२७	४ मं	५२८८	३५७·३८	२८८ ६५	६·२६	३५१·१२	९·४०२	३५१·११	२६०·९४	२ २८	१६९·१७	१ १७
२८	५ बु	५२८९	३५७·४१	२८८·६९	६·२६	३५१·१५	९·४०२	३५१·१४	२६०·९७	२ २८	१७०·१२	१ १०
२९	६ गु	५२९०	३५७·४४	२८८·७२	६·२६	३५१·१८	९·४०१	३५१·१७	२६१·००	२ २८	१७१·०७	१ ३
३०	७ शु	५२९१	३५७·४८	२८८·७६	६·२६	३५१·२२	९·४०१	३५१·२१	२६१·०४	२ २८	१७२·०१	० ५७
१	८ श	५२९२	३५७·५१	२८८·७९	६·२५	३५१·२६	९·४०१	३५१·२५	२६१·०८	२ २८	१७२·९६	० ५०
२	९ र	५२९३	३५७·५४	२८८·८२	६·२५	३५१·२९	९·४००	३५१·२८	२६१·११	२ २८	१७३·९१	० ४३
३	९ चं	५२९४	३५७·५८	२८८·८६	६·२५	३५१·३३	९·४००	३५१·३२	२६१·१५	२ २८	१७४·८५	० ३६
४	१० मं	५२९५	३५७·६१	२८८·८९	६·२५	३५१·३६	९·४००	३५१·३५	२६१·१८	२ २८	१७५·८१	० ३०
५	११ बु	५२९६	३५७·६४	२८८·९२	६·२५	३५१·३९	९·३९९	३५१·३८	२६१·२१	२ २८	१७६·७६	० २३
६	१२ गु	५२९७	३५७·६८	२८८·९५	६·२५	३५१·४३	९·३९९	३५१·४२	२६१·२५	२ २८	१७७·७१	० १६
७	१३ शु	५२९८	३५७·७१	२८८·९८	६·२५	३५१·४६	९·३९९	३५१·४५	२६१·२८	२ २८	१७८·६७	० ९
८	१४ श	५२९९	३५७·७४	२८९·०१	६·२५	३५१·४९	९·३९८	३५१·४८	२६१·३१	२ २८	१७९·६२	+० ३
९	१५ र	५३००	३५७·७८	२८९·०५	६·२५	३५१·५३	९·३९८	३५१·५२	२६१·३५	२ २८	१८०·४३	–० ४
१०	१ चं	५३०१	३५८·८१	२८९·०८	६·२५	३५१·५६	९·३९८	३५१·५५	२६१·३८	२ ३८	१८१·५३	० १०
११	२ मं	५३०२	३५८·८४	२८९·१२	६·२५	३५१·५९	९·३९७	३५१·५८	२६१·४१	२ २८	१८२·४९	० १८
१२	३ बु	५३०३	३५८·८७	२८९·१५	६·२५	३५१·६२	९·३९७	३५१·६१	२६१·४४	२ २८	१८३·४५	० २५
१३	४ गु	५३०४	३५८·९१	२८९ १८	६·२५	३५१·६६	९·३९७	३५१·६५	२६१·४८	२ २८	१८४·४०	० ३१
१४	५ शु	५३०५	३५८·९४	२८९·२२	६·२५	३५१·६९	९·३९६	३५१·६८	२६१·५१	२ २८	१८५·३६	० ३८
१५	७ श	५३०६	३५८ ९७	२८९·२५	६·२५	३५१·७२	९·३९६	३५१·७१	२६१·५४	२ २८	१८६·३२	० ४५
१६	८ र	५३०७	३५८·०१	२८९·२९	६·२४	३५१·७७	९·३९५	३५१·७६	२६१·५९	२ २८	१८७·२६	० ५२
१७	९ चं	५३०८	३५८·०४	२८९·३२	६·२४	३५१·८०	९·३९५	३५१·७९	२६१·६२	२ २८	१८८·२२	० ५८
१८	१० मं	५३०९	३५८·०८	२८९·३६	६·२४	३५१·८४	९·३९५	३५१·८३	२६१·६६	२ २८	१८९·१८	१ ५
१९	११ बु	५३१०	३५८·११	२८९·३९	६·२४	३५१·८७	९·३९४	३५१·८६	२६१·६९	२ २८	१९०·१४	१ ११
२०	१२ गु	५३११	३५८·१४	२८९·४२	६·२४	३५१·९०	९·३९४	३५१·८९	२६१·७२	२ २८	१९१·१०	१ १८
२१	१३ शु	५३१२	३५८·१८	२८९·४६	६·२४	३५१·९४	९·३९४	३५१·९३	२६१·७६	२ २८	१९२·०६	१ २५
२२	१४ श	५३१३	३५८·२१	२८९·४९	६·२४	३५१·९७	९·३९४	३५१·९६	२६१·७९	२ २८	१९३·०२	१ ३१
२३	३० र	५३१४	३५८·२४	२८९·५२	–६·२४	३५२·००	९·३९३	३५१·९९	२६१·८२	–२ २८	१९३·९९	–१ ३८

सितम्बर–अक्टूबर सन १९३८ इ. आश्विन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृष्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं क.	अ. क	अ. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	अ. क.	घ. प.	अं. क.	अं क.	घ. प.	स्टँ. घ. मि
२३	११ २२ ४०	० ४	२ ४२	० ०	१५ ३९	१५ २७	० ४	२ ३५	३ ४०	० २	४७ २३	१ २४
२४	११ २२ ३६	० ५	−२ ४२	० ०	१५ ३५	१५ २३	० ४	२ ३४	+३ ३८	० २	४७ १२	१ २०
२·	११ २२ ३१	० ५	२ ४२	० ०	१५ ३०	१५ १९	० ४	२ ३३	३ ३६	० १	४७ १	१ १५
२६	११ २२ २६	० ५	२ ४२	० ०	१५ २५	१५ १५	० ४	२ ३३	३ ३५	० २	४६ ५१	१ ११
२७	११ २२ २१	० ५	२ ४२	० ०	१५ २०	१५ ११	० ४	२ ३२	३ ३३	० २	४६ ४०	१ ७
२८	११ २२ १६	० ५	२ ४२	० ०	१४ १५	१५ ७	० ४	२ ३१	३ ३१	० २	४६ २९	१ ३
२९	११ २२ ११	० ५	२ ४२	० ०	१५ १०	१५ ३	० ४	२ ३१	३ २९	० २	४६ २०	० ५९
३०	११ २२ ६	० ५	२ ४२	० ०	१५ ५	१४ ५९	० ५	२ ३०	३ २७	० २	४६ ९	० ५५
१	११ २२ १	० ५	२ ४२	० १	१५ ०	१४ ५४	० ५	२ २९	३ २५	० २	४५ ५८	० ५०
२	११ २१ ५६	० ५	२ ४३	० ०	१४ ५५	१४ ४९	० ५	२ २८	३ २३	० २	४५ ४७	० ४६
३	११ २१ ५१	० ५	२ ४३	० ०	१४ ५०	१४ ४४	० ५	२ २७	३ २१	० २	४५ ३६	० ४१
४	११ २१ ४६	० ५	२ ४३	० ०	१४ ४५	१४ ३९	० ५	२ २७	३ १९	० २	४५ २६	० ३७
५	११ २१ ४१	० ५	२ ४३	० ०	१४ ४०	१४ ३४	० ५	२ २६	३ १७	० २	४५ १५	० ३३
६	११ २१ ३६	० ५	२ ४२	० ०	१४ ३५	१४ २९	० ५	२ २५	३ १५	० १	४५ ५	० २९
७	११ २१ ३१	० ५	२ ४३	० ०	१४ ३०	१४ २४	० ५	२ २४	३ १४	० २	४४ ५४	० २५
८	११ २१ २६	० ४	२ ४३	० ०	१४ २५	१४ १९	० ४	२ २३	३ १२	० १	४४ ४३	० २०
९	११ २१ २१	० ४	२ ४३	० ०	१४ २०	१४ १५	० ४	२ २३	३ ११	० २	४४ ३३	० १६
१०	११ २१ १७	० ४	२ ४३	० ०	१४ १६	१४ ११	० ४	२ २२	३ ९	० १	४४ २२	० १२
११	११ २१ १३	० ४	२ ४३	० ०	१४ १२	१४ ७	० ४	२ २१	३ ८	० २	४४ ११	० ७
१२	११ २१ ९	० ४	२ ४३	० ०	१४ ८	१४ ३	० ४	२ २१	३ ६	० २	४४ १	० ३
१३	११ २१ ५	० ४	२ ४३	० ०	१४ ४	१४ ५९	० ४	२ २०	३ ४	० १	४३ ५१	० ००
१४	११ २१ १	० ४	२ ४३	० ०	१४ ०	१४ ५५	० ४	२ १९	३ ३	० २	४३ ४०	२३ ५५
१५	११ २० ५७	० ४	२ ४३	० ०	१३ ५६	१३ ५१	० ४	२ १९	३ १	० २	४३ ३०	२३ ५१
१६	११ २० ५३	० ४	२ ४३	० ०	१३ ५२	१३ ४७	० ४	२ १८	२ ५९	० १	४३ १९	२३ ४७
१७	११ २० ४९	० ४	२ ४३	० ०	१३ ४८	१३ ४३	० ४	२ १७	२ ५८	० २	४३ ८	२३ ४२
१८	११ २० ४५	० ५	२ ४३	० ०	१३ ४४	१३ ३९	० ४	२ १७	२ ५६	० २	४२ ५८	२३ ३८
१९	११ २० ४१	० ५	२ ४३	० १	१३ ४०	१३ ३५	० ४	२ १६	२ ५४	० २	४२ ४७	२३ ३४
२०	११ २० ३६	० ५	२ ४२	० ०	१३ ३५	१३ ३१	० ४	२ १५	२ ५२	० १	४२ ३७	२३ ३०
२१	११ २० ३१	० ५	२ ४२	० ०	१३ ३०	१३ २७	० ४	२ १५	२ ५१	० २	४२ २७	२३ २६
२२	११ २० २६	० ४	२ ४२	० १	१३ २५	१३ २३	० ४	२ १४	२ ४९	० २	४२ १६	२३ २१
२३	११ २० २१		−२ ४१		१३ २०	१३ १९		२ · १३	+२ ४७		४२ ५	२३ १७

शनि

अक्टूबर–नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	.अं		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं.क.
२३	३० र	५३१४	३५८.२४	२८९.५२	६.२४	३५२.००	९.३९३	३५१.९९	२६१.८२	२ २८	१९३.९९	१ ३८
२४	१ चं	५३१५	३५८.२८	२८९.५६	– ६.२४	३५२.०४	९.३९.३	३५२.०३	२६१.८६	–२ २८	१९४.९४	-१ ४४
२५	२ मं	५३१६	३५८.३१	२८९.५९	६.२३	३५२.०८	९.३९३	३५२.०७	२६१.९०	२ २८	१९५.९०	१ ५१
२६	३ बु	५३१७	३५८.३५	२८९.६२	६.२३	३५२.१२	९.३९२	३५२.११	२६१.९४	२ २८	१९६.८६	१ ५७
२७	४ गु	५३१८	३५८.३८	२८९.६६	६.२३	३५२.१५	९.३९२	३५२.१४	२६१.९७	२ २८	१९७.८२	२ ४
२८	५ शु	५३१९	३५८.४२	२८९.६९	६.२३	३५२.१९	९.३९२	३५२.१८	२६२.०१	२ २८	१९८.७८	२ १०
२९	६ श	५३२०	३५८ ४५	२८९.७२	६.२३	३५२.२२	९.३९१	३५२.२१	२६२.०४	२ २८	१९९.७५	२ १६
३०	७ र	५३२१	३५८.४८	२८९.७६	६.२३	३५२.२५	९.३९१	३५२.२४	२६२.०७	२ २८	२००.७२	२ २३
३१	८ चं	५३२२	३५८.५२	२८९.७९	६.२३	३५२.२९	९.३९१	३५२.२८	२६२.११	२ २८	२०१.६८	२ २९
१	९ मं	५३२३	३५८.५५	२८९.८२	६.२३	३५२.३२	९.३९०	३५२.३१	२६२.१४	२ २८	२०२.६५	२ ३५
२	१० बु	५३२४	३५८.५८	२८९.८६	६.२३	३५२.३५	९.३९०	३५२.३४	२६२.१७	२ २८	२०३.६२	२ ४१
३	११ गु	५३२५	३५८.६२	२८९.८९	६.२२	३५२.३९	९.३९०	३५२.३९	२६२.२२	२ २८	२०४.५७	२ ४६
४	११ शु	५३२६	३५८.६५	२८९.९२	६.२२	३५२.४३	९.३९०	३५२.४२	२६२.२५	२ २८	२०५.५५	२ ५३
५	१२ श	५३२७	३५८.६८	२८९.९६	६.२२	३५२.४६	९.३९०	३५२.४५	२६२.२८	२ २८	२०६.५२	२ ५९
६	१३ र	५३२८	३५९.७२	२९०.००	६.२२	३५३.५०	९.३८९	३५२.४९	२६२.३२	२ २८	२०७.४८	३ ५
७	१५ चं	५३२९	३५८.७५	२९९.०४	६.२२	३५२.५३	९.३८९	३५२.५२	२६२.३५	२ २८	२०८.४५	३ १०
८	१ मं	५३३०	३५८.७९	२९०.०७	६.२२	३५२.५७	९.३८९	३५२.५६	२६२.३९	२ २८	२०९.४२	३ १६
९	२ बु	५३३१	३५८.८२	२९०.१०	६.२२	३५२.६०	९.३८८	३५२.५९	२६२.४२	२ २८	२१०.३९	३ २२
१०	३ गु	५३३२	३५८.८५	२९०.१४	६.२२	३५२.६३	९.३८८	३५२.६२	२६२४५	२ २८	२११.३७	३ २७
११	४ शु	५३३३	३६८.८९	२९०.१७	६.२२	३५२.६७	९.३८८	३५२.६६	२६२.४९	२ २८	२१२.३३	३ ३३
१२	५ श	५३३४	३५८.९२	२९०.२०	६.२२	३५२.७०	९.३८७	३५२.६९	२६२.५२	२ २८	२१३.३१	३ ३८
१३	६ र	५३३५	३५८.९५	२९०.२३	६.२२	३५२.७३	९.३८७	३५२.७२	२६२.५५	२ २८	२१४.२८	३ ४३
१४	७ चं	५३३६	३५८.९९	२९०.२६	६.२१	३५२.७८	९.३८७	३५२.७७	२६२.६०	२ २८	२१५.२४	३ ४६
१	८ मं	५३३७	३५९.०२	२९०.२९	६.२१	३५२.८१	९.३८७	३५२.८०	२६२.६३	२ २८	२१६.२२	३ ५४
१	९ बु	५३३८	३५९.०४	२९०.३३	६.२१	३५२.८४	९.३८७	३५२.८३	२६२.६६	२ २८	२१७.२०	३ ५९
१	११ गु	५३३९	३५९.०९	२९०.३६	६.२१	३५२.८८	९.३८६	३५२.८७	२६२.७०	२ २८	२१८.१६	४ ३
१	१२ शु	५३४०	३५९.१२	२९०.३९	६.२१	३५२.९१	९.३८६	३५२.९०	२६२.७३	२ २८	२१९.१४	४ ८
	१३ श	५३४१	३५९.१५	२९०.४३	६.२१	३५२.९४	९.३८५	३५२.९३	२६२.७६	२ २८	२२०.१२	४ १३
	१४ र	५३४२	३५९.१९	२९०.४६	६.२१	३५२.९८	९.३८५	३५२.९७	२६२.८०	२ २८	२२१.०९	४ १८
२	३० चं	५३४३	३५९.२२	२९०.४९	– ६.२०	३५३.०२	९.३८५	३५३.०१	२६२.८४	–२ २८	२२२.०६	–४ २३

शनि

अक्टूबर-नवम्बर सन १९३८ इ. कार्तिक शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	घ. प.	अं. क.	अं. क	घ. प.	स्टॅ. घं मि
२३	११ २० २१	० ४	२ ४२	० ०	१३ २०	१३ १९	० ४	२ १३	२ ४७	० १	४२ ५	२३ १७
२४	११ २० १७	० ४	-२ ४२	० ०	१३ १६	१३ १५	० ४	२ १३	+२ ४६	० २	४१ ५५	२३ १३
२५	११ २० १३	० ४	२ ४२	० ०	१३ १२	१३ ११	० ४	२ १२	२ ४४	० २	४१ ४४	२३ ९
२६	११ २० ९	० ४	२ ४२	० ०	१३ ८	११ ७	० ४	२ ११	२ ४२	० २	४१ ३३	२३ ४
२७	११ २० ५	० ४	२ ४२	० ०	१३ ४	१३ ३	० ४	२ ११	२ ४०	० १	४१ २४	२३ १
२८	११ २० १	० ४	२ ४२	० ०	१३ ०	१२ ५९	० ४	२ १०	२ ३९	० १	४१ १३	२३ ५६
२९	११ १९ ५७	० ४	२ ४२	० ०	१२ ५६	१२ ५५	० ४	२ ९	२ ३८	० २	४१ २	२३ ५२
३०	११ १९ ५३	० ४	२ ४२	० १	१२ ५२	१२ ५१	० ४	२ ९	२ ३६	० १	४० ५२	२३ ४८
३१	११ १९ ४९	० ४	२ ४१	० ०	१२ ४८	१२ ४७	० ४	२ ८	२ ३५	० २	४० ४१	२३ ४३
१	११ १९ ४५	० ४	२ ४१	० ०	१२ ४४	१२ ४३	० ३	२ ७	२ ३३	० १	४० ३०	२२ ३९
२	११ १९ ४१	० ४	२ ४१	० ०	१२ ४०	१२ ४०	० ३	२ ७	२ ३२	० १	४० २०	२२ ३५
३	११ १९ ३७	० ४	२ ४१	० ०	१२ ३६	१२ ३७	० ३	२ ६	२ ३१	० २	४० १०	२२ ३१
४	११ १९ ३३	० ४	२ ४१	० ०	१२ ३२	१२ ३४	० ४	२ ६	२ २९	० १	४० ०	२२ २७
५	११ १९ २९	० ४	२ ४१	० ०	१२ २८	१२ ३०	० ३	२ ५	२ २८	० १	३९ ४९	२२ २३
६	११ १९ २५	० ४	२ ४१	० १	१२ २४	१२ २७	० ३	२ ५	२ २७	० १	३९ ३९	२२ १९
७	११ १९ २१	० ४	२ ४०	० ०	१२ २०	१२ २४	० ३	२ ४	२ २६	० १	३९ २८	२२ १४
८	११ १९ १७	० ४	२ ४०	० ०	१२ १६	१२ २१	० ३	२ ४	२ २५	० १	३९ १८	२२ १०
९	११ १९ १३	० ३	२ ४०	० ०	१२ १२	१२ १८	० ३	२ ३	२ २४	० १	३९ ७	२२ ६
१०	११ १९ १०	० ३	२ ४०	० ०	१२ ९	१२ १५	० ३	२ ३	२ २३	० १	३८ ५८	२२ २
११	११ १९ ७	० ३	२ ४०	० ०	१२ ६	१२ १२	० ३	२ २	२ २२	० १	३८ ४७	२१ ५८
१२	११ १९ ४	० ३	२ ४०	० १	१२ ३	१२ ९	० ३	२ २	२ २१	० १	३८ ३७	२१ ५४
१३	११ १९ १	० ३	२ ३९	० ०	१२ ०	१२ ६	० ३	२ १	२ २०	० १	३८ २६	२१ ४९
१४	११ १८ ५८	० ३	२ ३९	० ०	११ ५७	१२ ३	० ३	२ १	२ १९	० २	३८ १६	२१ ४६
१५	११ १८ ५५	० ३	२ ३९	० ०	११ ५४	१२ ०	० ३	२ ०	२ १७	० १	३८ ५	२१ ४१
१६	११ १८ ५२	० ३	२ ३९	० ०	११ ५१	११ ५७	० ३	२ ०	२ १६	० १	३७ ५५	२१ ३७
१७	११ १८ ४९	० ३	२ ३९	० ०	११ ४८	११ ५४	० ३	१ ५९	२ १५	० १	३७ ४५	२१ ३३
१८	११ १८ ४६	० ३	२ ३९	० १	११ ४५	११ ५१	० ३	१ ५९	२ १४	० १	३७ ३५	२१ २९
१९	११ १८ ४३	० ३	२ ३८	० ०	११ ४२	११ ४८	० २	१ ५८	२ १३	० ०	३७ २४	२१ २५
२०	११ १८ ४०	० ३	२ ३८	० ०	११ ३९	११ ४६	० २	१ ५८	२ १३	० १	३७ १४	२१ २१
२१	११ १८ ३७		-७ ३८		११ ३६	११ ४४		१ ५७	+२ १२		३७ ३	२१ १६

नवंबर-डिसेंबर १९३८ ई. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अ	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क
२१	३० चं	५३४३	३५९·२२	२९०·४९	-६·२०	३५३·०२	९·३८५	३५३·०१	२६२·८०	२ २८	२२२·०६	-४ २३
२२	१ मं	५३४४	३५९·२५	२९०·५३	६·२०	३५३·०५	९·३८४	३५३·०४	२६२·८४	-२ २८	२२३·०४	४ २७
२३	१ बु	५३४५	३५९·२९	२९०·५६	६·२०	३५३·०९	९·३८४	३५३·०८	२६२·८७	२ २८	२२४·०१	४ ३२
२४	२ गु	५३४६	३५९·३२	२९०·५९	६·२०	३५३·१२	९·३८४	३५३·११	२६२·९१	२ २८	२२४·९९	४ ३६
२५	३ शु	५३४७	३५९·३५	२९०·६३	६·२०	३५३·१५	९·३८३	३५३·१४	२६२·९७	२ २८	२२५·९७	४ ४०
२६	४ श	५३४८	३५९·३९	२९०·६६	६·२०	३५३·१९	९·३८३	३५३·१८	२६३·०१	२ २९	२२६·९५	४ ४४
२७	५ र	५३४९	३५९·४२	२९०·६९	६·२०	३५३·२२	९·३८३	३५३·२१	२६३·०४	२ २९	२२७·९३	४ ४८
२८	६ चं	५३५०	३५९·४५	२९०·७३	६·२०	३५३·२५	९·३८२	३५३·२४	२६३·०७	२ २९	२२८·९१	४ ५२
२९	७ मं	५३५१	३५९·४८	२९०·७६	६·२०	३५३·२८	९·३८२	३५३·२७	२६३·१०	२ २९	२२९·८८	४ ५६
३०	८ बु	५३५२	३५९·५२	२९०·८०	६·१९	३५३·३३	९·३८१	३५३·३२	२६३·१५	२ २९	२३०·८६	४ ५९
१	९ गु	५३५३	३५९·५५	२९०·८३	६·१९	३५३·३६	९·३८१	३५३·३५	२६३·१८	२ २९	२३१·८४	५ ३
२	१० शु	५३५४	३५९·५८	२९०·८६	६·१९	३५३·३९	९·३८०	३५३·३८	२६३·२१	२ २९	२३२·८२	५ ७
३	११ श	५३५५	३५९·६२	२९०·८९	६·१९	३५३·४३	९·३८०	३५३·४२	२६३·२५	२ २९	२३३·८०	५ १०
४	१२ र	५३५६	३५९·६५	२९०·९३	६·१९	३५३·४६	९·३८०	३५३·४५	२६३·२८	२ २९	२३४·७८	५ १३
५	१३ चं	५३५७	३५९·६८	२९०·९६	६·१९	३५३·४९	९·३७९	३५३·४८	२६३·३१	२ २९	२३५·७७	५ १६
६	१४ मं	५३५८	३५९·७१	२९०·९९	६·१९	३५३·५२	९·३७९	३५३·५२	२६३·३४	२ २९	२३६·७४	५ २०
७	१५ बु	५३५९	३५९·७५	२९१·०३	६·१९	३५३·५६	९·३७९	३५३·५६	२६३·३८	२ २९	२३७·७२	५ २३
८	१ गु	५३६०	३५९·७८	२९१·०६	६·१९	३५३·५९	९·३८०	३५३·५९	२६३·४१	२ २९	२३८·७०	५ २५
९	२ शु	५३६१	३५९·८२	२९१·०९	६·१९	३५३·६३	९·३८०	३५३·६३	२६३·४५	२ २९	२३९·६८	५ २७
१०	४ श	५३६२	३५९·८५	२९१·१३	६·१९	३५३·६६	९·३८०	३५३·६६	२६३·४८	२ २९	२४०·६७	५ ३१
११	५ र	५३६३	३५९·८८	२९१·१६	६·१९	३५३·६९	९·३७९	३५३·६९	२६३·५१	२ २९	२४१·६५	५ ३३
१२	६ चं	५३६४	३५९·९२	२९१·१९	६·१८	३५३·७४	९·३७९	३५३·७४	२६३·५६	२ २९	२४२·६२	५ ३६
१३	७ मं	५३६५	३५९·९५	२९१·२३	६·१८	३५३·७७	९·३७९	३५३·७७	२६३·५९	२ २९	२४३·६१	५ ३८
१४	८ बु	५३६६	३५९·९८	२९१·२६	६·१८	३५३·८०	९·३७८	३५३·८०	२६३·६२	२ २९	२४४·५९	५ ४१
१५	९ गु	५३६७	०·०२	२९१·२९	६·१८	३५३·८४	९·३७८	३५३·८४	२६३·६६	२ २९	२४५·५७	५ ४२
१६	१० शु	५३६८	०·०५	२९१·३२	६·१८	३५३·८७	९·३७८	३५३·८७	२६३·६९	२ २९	२४६·५६	५ ४४
१७	११ श	५३६९	०·०९	२९१·३६	६·१८	३५३·९१	९·३७७	३५३·९१	२६३·७३	२ २९	२४७·५३	५ ४६
१८	१२ र	५३७०	०·१२	२९१·३९	६·१८	३५३·९४	९·३७७	३५३·९४	२६३·७६	२ २९	२४८·५२	५ ४८
१९	१३ चं	५३७१	०·१५	२९१·४२	६·१८	३५३·९७	९·३७७	३५३·९७	२६३·७९	२ २९	२४९·५१	५ ४९
२०	१४ मं	५३७२	०·१९	२९१·४६	६·१८	३५३·०१	९·३७६	३५३·०१	२६३·८३	२ २९	२५०·४९	५ ५१
२१	३० बु	५३७३	०·२२	२९१·४९	-६·१७	३५३·०५	९·३७६	३५३·०५	२६२·८७	-२ २९	२५१·४७	-५ ५२

नवंबर-डिसेंबर सन १९३८ इ. मार्गशीर्ष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल			
	रा	अं.	क	अं.	क	अं.	क.	अं.	क.	अं	क.	अं.	क	अं.	क	घ.	प.	अं.	क.	अं	क.	घ.	प.	स्टॅं. घ.	मि.
२१	११	१८	३७	०	२	२	३८	०	१	११	३७	११	४४	०	२	१	५७	२	१२	०	१	३७	३	२१	१६
२२	११	१८	३५	०	२	−२	३७	०	०	११	३५	११	४२	०	२	१	५७	+ २	११	०	१	३६	५३	२१	१२
२३	११	१८	३३	०	२	२	३७	०	०	११	३३	११	४०	०	२	१	५७	२	१०	०	१	३६	४३	२१	८
२४	११	१८	३१	०	२	२	३७	०	०	११	३१	११	३८	०	२	१	५६	२	९	०	०	३६	३३	२१	४
२५	११	१८	२९	०	२	२	३७	०	०	११	२९	११	३६	०	२	१	५६	२	९	०	०	३६	२३	२१	०
२६	११	१८	२७	०	२	२	३७	०	०	११	२७	११	३४	०	२	१	५६	२	९	०	१	३६	१३	२०	५६
२७	११	१८	२५	०	२	२	३७	०	१	११	२५	११	३२	०	२	१	५५	२	८	०	०	३६	२	२०	५२
२८	११	१८	२३	०	२	२	३६	०	०	११	२३	११	३०	०	२	१	५५	२	८	०	१	३५	५२	२०	४८
२९	११	१८	२१	०	२	२	३६	०	०	११	२१	११	२८	०	२	१	५५	२	७	०	०	३५	४२	२०	४४
३०	११	१८	१९	०	२	−२	३६	०	०	११	१९	११	२६	०	२	१	५४	२	७	०	१	३५	३१	२०	३९
१	११	१८	१७	०	१	२	३६	०	१	११	१[illegible]	११	२४	०	१	१	५४	२	६	०	०	३५	२२	२०	३६
२	११	१८	१६	०	१	२	३५	०	०	११	१६	११	२३	०	१	१	५४	२	६	०	१	३५	१२	२०	३२
३	११	१८	१५	०	१	२	३५	०	०	११	१५	११	२२	०	१	१	५४	२	५	०	०	३५	२	२०	२८
४	११	१८	१४	०	१	२	३५	०	०	११	१४	११	२१	०	१	१	५४	२	५	०	१	३४	५२	२०	२४
५	११	१८	१३	०	१	२	३५	०	१	११	१३	११	२०	०	१	१	५३	२	४	०	०	३४	४१	२०	१९
६	११	१८	१२	०	१	२	३४	०	०	११	१२	११	१९	०	१	१	५३	२	४	०	०	३४	३१	२०	१५
७	११	१८	११	०	१	२	३४	०	०	११	११	११	१८	०	१	१	५३	२	४	०	०	३४	२१	२०	११
८	११	१८	१०	०	१	−२	३४	०	०	११	१०	११	१७	०	१	१	५३	२	४	०	०	३४	१२	२०	८
९	११	१८	९	०	१	२	३४	०	१	११	९	११	१६	०	१	१	५३	२	४	०	०	३४	२	२०	४
१०	११	१८	८	०	१	२	३३	०	०	११	८	११	१५	०	१	१	५३	२	४	०	०	३३	५२	२०	०
११	११	१८	७	०	०	२	३३	०	०	११	७	११	१४	०	१	१	५२	२	४	०	०	३३	४१	१९	५५
१२	११	१८	७	०	०	२	३३	०	०	११	७	११	१३	०	०	१	५२	२	४	०	०	३३	३१	१९	५१
१३	११	१८	७	०	०	२	३३	०	१	११	७	११	१३	०	०	१	५२	२	४	०	०	३३	२१	१९	४७
१४	११	१८	७	०	०	−२	३[illegible]	०	०	११	७	११	१३	०	०	१	५२	२	४	०	१	३३	११	१९	४३
१५	११	१८	७	०	०	२	३[illegible]	०	०	११	७	११	१३	०	०	१	५२	२	५	०	०	३३	२	१९	४०
१६	११	१८	७	०	०	२	३२	०	०	११	७	११	१३	०	०	१	५२	२	५	०	१	३२	५२	१९	३६
१७	११	१८	७	०	१	२	३[illegible]	०	१	११	७	११	१३	०	१	१	५२	२	६	०	०	३२	४२	१९	३२
१८	११	१८	८	०	१	२	३१	०	०	११	८	११	१४	०	०	१	५२	२	६	०	१	३२	३२	१९	२७
१९	११	१८	९	०	१	२	३१	०	०	११	९	११	१४	०	१	१	५२	२	७	०	०	३२	२२	१९	२३
२०	११	१८	१०	०	१	२	३१	०	१	११	१०	११	१५	०	१	१	५३	२	७	०	१	३२	१३	१९	२०
२१	११	१८	११			२	३०			११	११	११	१६			१	५३	+ २	८			३२	३	१९	१६

शनि

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अ.	अ.	अ.	अ.		अं.	अं.	अ. क.	अं	अं. क.
२१	३० बु	५३७३	०·२२	२९१·४९	६·१७	३५४·०५	९·३७६	३५४·०५	२६३·८७	२ २९	२५१·४७	५ ५२
२२	१ गु	५३७४	०·२५	२९१·५२	–६·१७	३५४·०८	९·३७५	३५४·०८	२६३·९०	–२ २९	२५२·४६	–५ ५४
२३	२ शु	५३७५	०·२९	२९१·५६	६·१७	३५४·१२	९·३७५	३५४·१२	२६३·९४	२ २९	२५३·४३	५ ५५
२४	३ श	५३७६	०·३२	२९१·६०	३·१७	३५४·१५	९·३७५	३५४·१५	२६३·९७	२ २९	२५४·४२	५ ५६
२५	३ र	५३७७	०·३५	२९१·६३	६·१७	३५४·१८	९·३७५	३५४·१८	२६४·००	२ २९	२५५·४१	५ ५७
२६	४ च	५३७८	०·३८	२९१·६६	६·१७	३५४·२१	९·३७४	३५४·२१	२६४·०३	२ २९	२५६·४०	५ ५८
२७	५ मं	५३७९	०·४२	२९१·७०	६·१७	३५४·२५	९·३७४	३५४·२५	२६४·०७	२ २९	२५७·३८	५ ५९
२८	६ बु	५३८०	०·४५	२९१·७३	६·१७	३५४·२८	९·३७४	३५४·२८	२६४·१०	२ २९	२५८ ३७	५ ५९
२९	७ गु	५३८१	०·४८	२९१·७६	६·१७	३५४·३१	९·३७४	३५४·३१	५६४·१३	२ २९	२५९·३६	६ ०
३०	८ शु	५३८२	०·५२	२९१·८०	६·१६	३५४·३६	९·३७४	३५४·३६	२६४·१८	२ २९	२६०·३३	६ ०
३१	९ श	५३८३	०·५५	२९१·८३	६·१६	३५४·३९	९·३७४	३५४·३९	२६४·२१	२ २९	२६१·३२	६ १
१	१० र	५३८४	०·५८	२९१·८६	६·१६	३५४·४२	९·३७३	३५४·४२	२६४·२४	२ २९	२६२·३१	६ १
२	११ चं	५३८५	०·६२	२९१·९०	६·१६	३५४·४६	९·३७३	३५४·४६	२६४·२८	२ २९	२६३·३०	६ १
३	१२ मं	५३८६	०·६५	२९१·९३	६·१६	३५४·४९	९·३७३	३५४·४९	२६४·३१	२ २९	२६४·२७	६ १
४	१३ बु	५३८७	०·६९	२९१·९६	६·१६	३५४·५३	९·३७२	३५४·५३	२६४·३५	२ २९	२६५·२५	६ १
५	१५ गु	५३८८	०·७२	२९२·००	६·१६	३५४·५६	९·३७२	३५४·५६	२६४·३८	२ २९	२६६·२४	६ १
६	१ शु	५३८९	०·७६	२९२·०३	६·१६	३५४·६०	९·३७१	३५४·६०	२६४·४२	२ २९	२६७·२२	६ १
७	२ श	५३९०	०·७९	२९२·०६	६·१६	३५४·६३	९·३७०	३५४·६३	२६४·४५	२ २९	२६८·२१	६ ०
८	३ र	५३९१	०·८२	२९२·१०	६·१६	३५४·६६	९·३७०	३५४·६६	२६४·४८	२ २९	२६९·२०	६ ०
९	४ चं	५३९२	०·८६	२९२·१३	६·१६	३५४·७०	९·३७०	३५४·७०	२६४·५२	२ २९	२७०·१८	५ ५९
१०	५ मं	५३९३	०·८९	२९२·१७	६·१६	३५४·७३	९·३७०	३५४·७३	२६४·५५	२ २९	२७१·१७	५ ५९
११	६ बु	५३९४	०·९२	२९२·२०	६·१६	३५४·७६	९·३६९	३५४·७६	२६४·५८	२ २९	२७२·१६	५ ५८
१२	७ गु	५३९५	०·९६	२९२·२३	६·१६	३५४·८०	९·३६९	३५४·८०	२६४·६२	२ २९	२७३·१४	५ ५७
१३	८ शु	५३९६	१·९९	२९२·२६	६·१६	३५४·८३	९·३६९	३५४·८३	२६४·६५	२ २९	२७४·१३	५ ५७
१४	९ श	५३९७	१·०२	२९२·२९	६·१५	३५४·८७	९·३६९	३५४·८७	२६४·६९	२ २९	२७५·११	५ ५५
१५	१० र	५३९८	१·०६	२९२·३३	६·१५	३५४·९१	९·३६८	३५४·९१	२६४·७३	२ २९	२७६·०८	५ ५४
१६	११ चं	५३९९	१·०९	२९२·३६	६·१५	३५४·९४	९·३६८	३५४·९४	२६४·७६	२ २९	२७७·०७	५ ५३
१७	१२ मं	५४००	१·१३	२९२·३९	६·१५	३५४·९६	९·३६८	३५४·९७	२६४·७८	२ २९	२७८·०६	५ ५२
१८	१३ बु	५४०१	१·१६	२९२·४३	६·१५	३५५·०१	९·३६७	३५५·०१	२४८·८३	२ २९	२७९·०४	५ ५०
१९	१४ गु	५४०२	१·१९	२९२·४६	६·१५	३५५·०४	९·३६७	३५५·०४	२६४·८६	२ २९	२८०·०३	५ ४९
२०	३० शु	५४०३	१·२३	२९२·४९	–६·१४	३५५·०९	९·३६७	३५५·०९	२६४·९१	–२ २९	२८०·९९	–५ ४७

शनि

डिसेंबर-जनवरी सन १९३८-३९ इ. पौष शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृश्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवकाल	क्रांति	गति	इन्दौर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं क.	अं. क	अ. क.	अ. क.	अ. क.	अं क.	अं. क	घ. प	अं. क.	अ. क	घ प	स्टैं. घं. मि.
२१	११ १८ ११	० १	२ ३०	० ०	११ ११	११ १६	० १	१ ५३	२ ८	० ०	३२ ३	१९ १६
२२	११ १८ १२	० १	−२ ३०	० ०	११ १२	११ १७	० १	१ ५३	+२ ८	० १	३१ ५४	१९ १२
२३	११ १८ १३	० १	२ ३०	० ०	११ १३	११ १८	० १	१ ५३	२ ९	० ०	३१ ४४	१९ ८
२४	११ १८ १४	० १	२ ३०	० ०	११ १४	११ १९	० १	१ ५३	२ ९	० १	३१ ३४	१९ ४
२५	११ १८ १५	० १	२ ३०	० १	११ १५	११ २०	० १	१ ५३	२ १०	० १	३१ २४	१९ ०
२६	११ १८ १६	० १	२ २९	० ०	११ १६	११ २१	० १	१ ५४	२ ११	० १	३१ १५	१८ ५७
२७	११ १८ १७	० १	२ २९	० ०	११ १७	११ २२	० १	१ ५४	२ १२	० ०	३१ ६	१८ ५३
२८	११ १८ १८	० १	२ २९	० १	११ १८	११ २३	० १	१ ५४	२ १२	० १	३० ५५	१८ ४९
२९	११ १८ १९	० १	२ २८	० ०	११ १९	११ २४	० १	१ ५४	२ १३	० १	३० ४६	१८ ४५
३०	११ १८ २०	० २	२ २८	० ०	११ २०	११ २५	० १	१ ५४	२ १४	० १	३० ३६	१८ ४१
३१	११ १८ २२	० २	२ २८	० ०	११ २२	११ २६	० १	१ ५४	२ १५	० १	३० २६	१८ ३७
१	११ १८ २४	० २	२ २८	० १	११ २४	११ २७	० २	१ ५५	२ १६	० १	३० १७	१८ ३४
२	११ १८ २६	० २	२ २७	० ०	११ २६	११ २९	० २	१ ५५	२ १७	० १	३० ७	१८ ३०
३	११ १८ २८	० २	२ २७	० ०	११ २८	११ ३१	० २	१ ५५	२ १८	० ०	२९ ५७	१८ २६
४	११ १८ ३०	० २	२ २७	० १	११ ३०	११ ३३	० २	१ ५६	२ १८	० १	२९ ४८	१८ २२
५	११ १८ ३२	० ३	२ २६	० ०	११ ३२	११ ३५	० २	१ ५६	२ १९	० १	२९ ३९	१८ १९
६	११ १८ ३५	० ३	२ २६	० ०	११ ३५	११ ३७	० ३	१ ५६	२ २०	० २	२९ २९	१८ १५
७	११ १८ ३८	० ३	२ २६	० ०	११ ३८	११ ४०	० ३	१ ५७	२ २२	० १	२९ २०	१८ ११
८	११ १८ ४१	० ३	२ २६	० १	११ ४१	११ ४३	० ३	१ ५७	२ २३	० २	२९ १०	१८ ७
९	११ १८ ४४	० ३	२ २५	० ०	११ ४४	११ ४६	० ३	१ ५८	२ २५	० १	२९ १	१८ ३
१०	११ १८ ४७	० ३	२ २५	० ०	११ ४७	११ ४९	० ३	१ ५८	२ २६	० २	२८ ५१	१७ ५९
११	११ १८ ५०	० ३	२ २५	० ०	११ ५०	११ ५२	० ३	१ ५९	२ २८	० १	२८ ४२	१७ ५५
१२	११ १८ ५३	० ३	२ २५	० १	११ ५३	११ ५५	० ३	१ ५९	२ २९	० २	२८ ३३	१७ ५२
१३	११ १८ ५६	० ३	२ २४	० ०	११ ५६	११ ५८	० ३	२ ०	२ ३१	० १	२८ २४	१७ ४८
१४	११ १८ ५९	० ३	२ २४	० ०	११ ५९	१२ १	० ३	२ ०	२ ३२	० २	२८ १४	१७ ४४
१५	११ १९ २	० ३	२ २४	० ०	१२ २	१२ ४	० ३	२ १	२ ३४	० १	२८ ५	१७ ४१
१६	११ १९ ५	० ३	२ २४	० १	१२ ५	१२ ७	० ३	२ १	२ ३५	० २	२७ ५५	१७ ३७
१७	११ १९ ८	० ३	२ २३	० ०	१२ ८	१२ १०	० ३	२ २	२ ३७	० १	२७ ४६	१७ ३३
१८	११ १९ ११	० ४	२ २३	० ०	१२ ११	१२ १३	० ३	२ २	२ ३८	० २	२७ ३६	१७ २९
१९	११ १९ १५	० ४	२ २३	० ०	१२ १५	१२ १६	० ३	२ ३	२ ४०	० १	२७ २८	१७ २६
२०	११ १९ १९		−२ २३		१२ १९	१२ १९		२ ३	+२ ४१		२७ १८	१७ २२

शनि

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. **माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं	अं.		अ	अ.	अ. क.	अं.	अ. क.
२०	३० शु	५४०३	१.२३	२९२.४९	६.१४	३५५.०९	९.३६७	३५५.०९	२६४.९१	२ २९	२८०.९९	५ ४७
२१	१ श	५४०४	१.२६	२९२.५३	– ६.१४	३५५.१२	९.३६६	३५५.१२	२६४.९४	-२ २९	२८१.९८	-५ ४५
२२	२ र	५४०५	१.२९	२९२.५६	६.१४	३५५.१५	९.३६६	३५५.१५	२६४.९७	२ २९	२८२.९७	५ ४३
२३	३ च	५४०६	१.३३	२९२.५९	६.१४	३५५.१९	९.३६६	३५५.१९	२६५.०१	२ २९	२८३.९५	५ ४१
२४	४ मं	५४०७	१.३६	२९२.६३	६.१४	३५५.२२	९.३६५	३५५.२२	२६५.०४	२ २९	२८४.९३	५ ३९
२५	५ बु	५४०८	१.३९	२९२.६६	६.१४	३५५.२६	९.३६५	३५५.२५	२६५.०७	२ २९	२८५.९२	५ ३७
२६	६ गु	५४०९	१.४३	२९२.६९	६.१३	३५५.३०	९.३६५	३५५.३०	२६५.१२	२ २९	२८६.८९	५ ३४
२७	६ शु	५४१०	१.४६	२९२.७३	६.१३	३५५.३३	९.३६४	३५५.३३	२६५.१५	२ २९	२८७.८७	५ ३२
२८	७ श	५४११	१.४९	२९२.७६	६.१३	३५५.३६	९.३६४	३५५.३६	२६५.१८	२ २९	२८८.८६	५ २९
२९	८ र	५४१२	१.५३	२९२.७९	६.१३	३५५.४०	९.३६४	३५५.४०	२६५.२२	–२ २९	२८९.८४	५ २७
३०	९ चं	५४१३	१.५६	२९२.८३	६.१३	३५५.४३	९.३६३	३५५.४३	२६५.२५	२ २९	२९०.८२	५ २४
३१	११ मं	५४१४	१.५९	२९२.८६	६.१३	३५५.४६	९ ३६३	३५५.४६	२६५.२८	२ २९	२९१.८१	५ २२
१	१२ बु	५४१५	१.६३	२९२.८९	६.१२	३५५.५१	९.३६३	३५५.५१	२६५.३३	२ २९	२९२.७७	५ १९
२	१३ गु	५४१६	१.६६	२९२.९३	६.१२	३५५.५४	९.३६३	३५५.५४	२६५.३६	२ २१	२९३.७६	५ १६
३	१४ शु	५४१७	१.६९	२९२.९७	६.१२	३५५.५७	९.३६३	३५५.५७	२६५.३९	२ २९	२९४.७४	५ १३
४	१५ श	५४१८	१.७३	२९३.०१	६.१२	३५५.६१	९.३६२	३५५.६१	२६५.४३	२ २९	२९५.७३	५ १०
५	१ र	५४१९	१.७६	२९३.०७	६.१२	३५५.६४	९.३६२	३५५.६४	२६५.४६	–२ २९	२९६.७०	५ ७
६	३ चं	५४२०	१.७९	२९३.०४	६ १२	३५५.६७	९.३६२	३५५.६७	२६५.४९	२ २९	२९७.६८	५ ४
७	४ मं	५४२१	१.८३	२९३.१०	६.१२	३५५.७१	९.३६२	३५५.७१	२६५.५३	२ २९	२९८.६६	५ १
८	५ बु	५४२२	१.८६	२९३.१४	६.१२	३५५.७४	९.३६१	३५५.७४	२६५.५६	२ २९	२९९.६४	४ ५८
९	६ गु	५४२३	१.८९	२९३.१७	६.११	३५५.७८	९.३६१	३५५.७८	२६५.६०	२ २९	३००.६१	४ ५५
१०	७ शु	५४२४	१.९३	२९३.२०	६.११	३५५.८२	९.३६०	३५५.८२	२६५.६४	२ २९	३०१.५८	४ ५१
११	८ श	५४२५	१.९६	२९३.२४	६.११	३५५.८५	९.३६०	३५५.८५	२६५.६७	–२ २९	३०२.५७	४ ४८
१२	९ र	५४२६	१.९९	२९३.२७	६.११	३५५.८८	९.३६०	३५५.८८	२६५.७०	२ २९	३०३.५५	४ ४४
१३	१० चं	५४२७	२.०३	२९३.३०	६.११	३५५.९२	९.३५९	३५५.९२	२६५.७४	२ २९	३०४.५३	४ ४१
१४	११ मं	५४२८	२.०६	२९३.३३	६.११	३५५.९५	९.३५९	३५५.९५	२६५.७७	२ २९	३०५.५०	४ ३७
१५	१२ बु	५४२९	२.१०	२९३.३६	६.११	३५५.९९	९.३५९	३५५.९९	२६५.८१	२ २९	३०६.४७	४ ३३
	१२ गु	५४३०	२.१३	२९३.४०	६.१०	३५६.०३	९.३५८	३५६.०३	२६५.८५	२ २९	३०७.४४	४ ३०
	शु	५४३१	२.१६	२९३.४३	६.१०	३५६.०६	९.३५८	३५६.०६	२६५.८८	२ २९	३०८.४२	४ २५
		५४३२	२.२०	२९३.४६	६.१०	३५६.१०	९.३५८	३५६.१०	२६५.९२	२ २९	३०९.३९	४ २१
		[illegible]३३	२.२३	२९३.५०	– ६.१०	३५६.१३	९.३५७	३५६.१३	२६५.९५	२ २९	३१०.३७	–४ १८

जनवरी-फरवरी सन १९३९ इ. माघ शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनि का वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह			गति		भूमध्य दृश्य शर		गति		सायनभोग		विषुवांश		गति		विषुवकाल		क्रांति		गति		इंदोर शहर का याम्योत्तर लघनकाल			
	रा	अं.	क	अं.	क	अं.	क.	अं.	क.	अं	क.	अं.	क.	अं.	क	घ	प.	अं.	क	अं	क.	घ.	प.	स्टैं. घं.	मि.
२०	११	१९	१९	०	४	२	२३	०	१	१२	१९	१२	१९	०	३	२	३	२	४१	०	२	२७	१८	१७	२२
२१	११	१९	२३	०	४	-२	२२	०	०	१२	२३	१२	२२	०	४	२	४	+२	४३	०	२	२७	९	१७	१९
२२	११	१९	२७	०	४	२	२२	०	०	१२	२७	१२	२६	०	४	२	४	२	४५	०	२	२६	५९	१६	१४
२३	११	१९	३१	०	४	२	२२	०	०	१२	३१	१२	३०	०	४	२	५	२	४७	०	१	२६	५०	१७	११
२४	११	१९	३५	०	४	२	२२	०	०	१२	३५	१२	३४	०	४	२	६	२	४८	०	२	२६	४१	१७	७
२५	११	१९	३९	०	५	२	२२	०	१	१२	३९	१२	३८	०	५	२	६	२	५०	०	२	२६	३२	१७	४
२६	११	१९	४४	०	५	२	२१	०	०	१२	४४	१२	४३	०	४	२	७	२	५२	०	२	२६	२३	१७	०
२७	११	१९	४९	०	५	२	२१	०	०	१२	४९	१२	४७	०	४	२	८	२	५४	०	२	२६	१४	१६	५७
२८	११	१९	५४	०	५	२	२१	०	०	१२	५४	१२	५१	०	४	२	९	२	५६	०	२	२६	५	१६	५२
२९	११	१९	५९	०	५	-२	२१	०	१	१२	५९	१२	५५	०	५	२	९	२	५८	०	२	२५	५५	१६	४९
३०	११	२०	४	०	५	२	२०	०	०	१३	४	१३	०	०	५	२	१०	३	०	०	२	२५	४६	१६	४५
३१	११	२०	९	०	५	२	२०	०	०	१३	९	१३	५	०	५	२	११	३	२	०	२	२५	३७	१६	४१
१	११	२०	१४	०	५	२	२०	०	०	१३	१४	१३	१०	०	५	२	१२	३	४	०	२	२५	२९	१६	३८
२	११	२०	१९	०	५	२	२०	०	०	१३	१९	१३	१५	०	४	२	१३	३	६	०	३	२५	२०	१६	३५
३	११	२०	२४	०	५	२	२०	०	१	१३	२४	१३	१९	०	५	२	१३	३	९	०	२	२५	१०	१६	३१
४	११	२०	२९	०	५	२	१९	०	०	१३	२९	१३	२४	०	४	२	१४	३	११	०	२	२५	१	१६	२७
५	११	२०	३४	०	५	-२	१९	०	०	१३	३४	१३	२८	०	५	२	१५	३	१३	०	२	२४	५२	१६	२४
६	११	२०	३९	०	५	२	१९	०	०	१३	३९	१३	३३	०	४	२	१६	३	१५	०	३	२४	४३	१६	२०
७	११	२०	४४	०	५	२	१९	०	०	१३	४४	१३	३७	०	५	२	१६	३	१८	०	२	२४	३३	१६	१६
८	११	२०	४९	०	५	२	१९	०	१	१३	४९	१३	४२	०	४	२	१७	३	२०	०	२	२४	२५	१६	१३
९	११	२०	५४	०	५	२	१८	०	०	१३	५४	१३	४६	०	४	२	१८	३	२२	०	२	२४	१६	१६	९
१०	११	२०	५९	०	५	२	१८	०	०	१३	५९	१३	५०	०	४	२	१८	३	२४	०	२	२४	६	१६	५
११	११	२१	४	०	५	-२	१८	०	०	१४	४	१३	५४	०	५	२	१९	३	२६	०	२	२३	५७	१६	२
१२	११	२१	९	०	५	२	१८	०	१	१४	९	१३	५९	०	५	२	२०	३	२८	०	३	२३	४८	१५	५८
१३	११	२१	१४	०	५	२	१७	०	०	१४	१४	१४	४	०	६	२	२१	३	३१	०	२	२३	३९	१५	५४
१४	११	२१	१९	०	६	२	१७	०	०	१४	१९	१४	१०	०	५	२	२२	३	३३	०	३	२३	३०	१५	५१
१५	११	२१	२५	०	६	२	१७	०	०	१४	२५	१४	१५	०	६	२	२३	३	३६	०	२	२३	२२	१५	४८
१६	११	२१	३१	०	६	२	१७	०	०	१४	३१	१४	२१	०	५	२	२४	३	३८	०	२	२३	१३	१५	४४
१७	११	२१	३७	०	६	२	१७	०	०	१४	३७	१४	२६	०	६	२	२४	३	४०	०	३	२३	३	१५	४१
१८	११	२१	४३	०	६	२	१७	०	०	१४	४३	१४	३२	०	५	२	२५	३	४३	०	२	२२	५४	१५	३७
१९	११	२१	४९			२	१७			१४	४९	१४	३७			२	२६	+३	४५			२२	४५	१५	३३

शनि

फरवरी–मार्च सन १९३९ इ. **फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।**

ता.	ति.वा.	प्रभाकर दिनगण	मध्यम	मंदकेंद्र	मंदफल	मंदस्पष्ट	मंदकर्ण	रवि म. ग्रह	पातोन	रवि म. शर	शीघ्रकेंद्र	शीघ्रफल
			अं.	अं.	अं.	अं.		अं.	अं.	अं. क.	अं.	अं. क.
१९	३० र	५४३३	२.२३	२९३.५०	६.१०	३५६.१३	९.३५७	३५६.१३	२६५.९५	२ २९	३१०.३७	४ १८
२०	१ चं	५४३४	२.२६	२९३.५३	–६.१०	३५६.१६	९.३५७	३५६.१६	२६५.९८	–२ २९	३११.३५	-४ १३
२१	२ मं	५४३५	२.२९	२९३.५६	६. ९	३५६.२०	९.३५७	३५६.२०	२६६.०२	२ २९	३१२.३१	४ ७
२२	३ बु	५४३६	२.३२	२९३.६०	६. ९	३५६.२३	९.३५६	३५६.२३	२६६.०५	२ २९	३१३.२८	४ ५
२३	४ गु	५४३७	२.३५	२९३.६३	६. ९	३५६.२६	९.३५६	३५६.२६	२६६.०८	२ २९	३१४.२७	४ १
२४	५ शु	५४३८	२.३९	२९३.६६	६. ९	३५६.३०	९.३५६	३५६.३०	२६६.१२	२ २९	३१५.२३	३ ५६
२५	६ श	५४३९	२.४२	२९३.७०	६. ९	३५६.३३	९.३५५	३५६.३३	२६६.१५	२ २९	३१६.२१	३ ५२
२६	७ र	५४४०	२.४६	२९३.७३	६. ९	३५६.३९	९.३५५	३५६.३९	२६६.२१	२ २९	३१७.१६	३ ४८
२७	८ चं	५४४१	२.५०	२९३.७८	६. ८	३५६.४३	९.३५५	३५६.४३	२६६.२५	२ २९	३१८.१२	३ ४४
२८	९ मं	५४४२	२.५३	२९२.८०	६. ८	३५६.४६	९.३५५	३५६.४६	२६६.२८	२ २९	३१९. ९	३ ३९
१	१० बु	५४४३	२.५७	२९३.८३	६. ८	३५६.५०	९.३५४	३५६.५०	२६६.३२	२ २९	३२०. ६	३ ३५
२	११ गु	५४४४	२.६०	२९३.८६	६. ८	३५६.५२	९.३५४	३५६.५२	२६६.३४	२ २९	३२१. ४	३ ३०
३	१२ शु	५४४५	२.६३	२९३.९०	६. ८	३५६.५५	९.३५४	३५६.५५	२६६.३७	२ २९	३२२. २	३ २५
४	१४ श	५४४६	२.६६	२९३.९३	६. ८	३५६.५८	९.३५३	३५६.५८	२६६.४०	२ २९	३२२.९९	३ २१
५	१५ र	५४४७	२.६९	२९३.९७	६. ८	३५६.६१	९.३५३	३५६.६१	२६६.४३	२ २९	३२३.९६	३ १६
६	१ चं	५४४८	२.७३	२९४.०१	६. ८	३५६.६५	९.३५३	३५६.६५	२६६.४७	२ २९	३२४.९२	३ ११
७	२ मं	५४४९	२.७६	२९४.०४	६. ८	३५६.६८	९.३५३	३५६.६८	२६६.५०	२ २९	३२५.८९	३ ७
८	३ बु	५४५०	२.७९	२९४.०७	६. ८	३५६.७१	९.३५३	३५६.७१	२६६.५३	२ २९	३२६.८६	३ २
९	४ गु	५४५१	२.८३	२९४.११	६. ८	३५६.७५	९.३५२	३५६.७५	२६६.५७	२ २९	३२७८२	२ ५७
१०	५ शु	५४५२	२.८६	२९४.१४	६. ८	३५६.७८	९.३५२	३५६.७८	२६६.६०	२ २९	३२८.७९	२ ५२
११	६ श	५४५३	२.८९	२९४.१७	६. ७	३५६.८२	९.३५२	३५६.८२	२६६.६४	२ २९	३२९.७५	२ ४७
१२	७ र	५४५४	२.९३	२९४ २१	६. ७	३५६.८६	९.३५१	३५६.८६	२६६.६८	२ २९	३३०.७१	२ ४३
१३	८ चं	५४५५	२.९६	२९४.२४	६. ७	३५६.८९	९.३५१	३५६.८९	२६६.७१	२ २९	३३१.६८	२ ३९
१४	९ मं	५४५६	२.९९	२९४.२७	६. ७	३५६.९२	९.३५१	३५६.९२	२६६.७४	२ २९	३३२.६४	२ ३३
१५	१० बु	५४५७	३.०२	२९४.३०	६. ७	३५६.९५	९.३५०	३५६.९५	२६६.७७	२ २९	३३३.६१	२ २७
१६	११ गु	५४५८	३.०५	२९४.३३	६. ७	३५६.९८	९.३५०	३५६.९८	२६६.८०	२ २९	३३४.५८	२ २२
१७	१२ शु	५४५९	३.०९	२९४.३६	६. ६	३५६.०३	९.३५०	३५७.०३	२६६.८५	२ २९	३३५.५२	२ १७
१८	१३ श	५४६०	३.१२	२९४.४०	६. ६	३५७.०६	९.३४९	३५७.०६	२६६.८८	२ २९	३३६.४९	२ १२
१९	१४ र	५४६१	३.१५	२९४.४३	६. ६	३५७.०९	९.३४९	३५७.०९	२६६.९१	२ २९	३३७.४५	२ ७
२०	३० चं	५४६२	३.१९	२९४.४६	६. ६	३५६.१३	९.३४९	३५७.१३	२६६.९५	२ २९	३३८.४१	२ २
२१	३० मं	५४६३	३.२२	२९४.५०	– ६. ६	३५७.१६	९.३४८	३५७.१६	२६६.९८	–२ २९	३३९.३७	–१ ५७

फरवरी–मार्च सन १९३८ इ. फाल्गुन शुक्ल और कृष्णपक्ष का शनिका वेध गणित।

ता.	भूमध्य स्पष्ट ग्रह	गति	भूमध्य दृष्य शर	गति	सायनभोग	विषुवांश	गति	विषुवत्काल	क्रांति	गति	इंदोर शहर का याम्योत्तर लंघनकाल	
	रा. अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	अं. क.	घ. प.	अं. क.	अं. क.	घ. प.	स्टैं. घं. मि
१९	११ २१ ४९	० ६	–२ १७	० ०	१४ ४९	१४ ३७	० ६	२ २६	३ ४५	० २	२२ ४५	१५ ३३
२०	११ २१ ५५	० ६	२ १७	० १	१४ ५५	१४ ४३	० ५	२ २७	–३ ४७	० २	२२ ३६	१५ २९
२१	११ २२ १	० ६	२ १६	० ०	१४ १	१४ ४८	० ६	२ २८	३ ४९	० ३	२२ २७	१५ २६
२२	११ २२ ७	० ६	२ १६	० ०	१५ ७	१४ ५४	० ६	२ २९	३ ५२	० ३	२२ १९	१५ २३
२३	११ २२ १३	० ६	२ १६	० ०	१५ १३	१५ ०	० ६	२ ३०	३ ५५	० २	२२ १०	१५ १९
२४	११ २२ १९	० ६	२ १६	० ०	१५ १९	१५ ६	० ६	२ ३१	३ ५७	० ३	२२ १	१५ १५
२५	११ २२ २५	० ६	२ १६	० १	१५ २५	१५ १२	० ६	२ ३२	४ ०	० २	२१ ५२	१५ १२
२६	११ २२ ३१	० ७	२ १६	० ०	१५ ३१	१५ १८	० ६	२ ३३	४ २	० ३	२१ ४३	१५ ८
२७	११ २२ ३८	० ७	२ १५	० ०	१५ ३८	१५ २४	० ६	२ ३४	४ ५	० २	२१ ३४	१५ ५
२८	११ २२ ४५	० ७	२ १५	० ०	१५ ४५	१५ ३०	० ६	२ ३५	४ ७	० ३	२१ २५	१५ १
१	११ २२ ५२	० ७	२ १५	० ०	१५ ५२	१५ ३६	० ६	२ ३६	४ १०	० २	२१ १७	१४ ५८
२	११ २२ ५९	० ७	२ १५	० ०	१६ ५९	१५ ४२	० ६	२ ३७	४ १२	० ३	२१ ८	१४ ५४
३	११ २३ ६	० ७	२ १५	० ०	१६ ६	१५ ४८	० ७	२ ३८	४ १५	० ३	२० ५९	१४ ५१
४	११ २३ १३	० ७	२ १५	० ०	१६ १३	१५ ५५	० ७	२ ३९	४ १८	० ३	२० ५०	१४ ४७
५	११ २३ २०	० ७	२ १५	० ०	१६ २०	१६ २	० ६	२ ४०	४ २१	० ३	२० ४१	१४ ४३
६	११ २३ २७	० ७	२ १५	० ०	१६ २७	१६ ८	० ७	२ ४१	४ २४	० ३	२० ३२	१४ ४०
७	११ २३ ३४	० ७	२ १५	० १	१६ ३४	१६ १५	० ६	२ ४३	४ २७	० २	२० २४	१४ ३६
८	११ २३ ४१	० ७	२ १४	० ०	१६ ४१	१६ २१	० ७	२ ४४	४ २९	० ३	२० १६	१४ ३३
९	११ २३ ४८	० ७	२ १४	० ०	१६ ४८	१६ २८	० ७	२ ४५	४ ३२	० २	२० ७	१४ ३०
१०	११ २३ ५५	० ७	२ १४	० ०	१६ ५५	१६ ३५	० ६	२ ४६	४ ३४	० ३	१९ ५८	१४ २६
११	११ २४ २	० ७	२ १४	० ०	१७ २	१७ ४१	० ६	२ ४७	४ ३७	० ३	१९ ४९	१४ २३
१२	११ २४ ९	० ७	२ १४	० ०	१७ ९	१७ ४७	० ७	२ ४८	४ ४०	० ३	१९ ४०	१४ १९
१३	११ २४ १६	० ७	२ १४	० ०	१७ १६	१७ ५४	० ६	२ ४९	४ ४३	० ३	१९ ३१	१४ १५
१४	११ २४ २३	० ७	२ १४	० ०	१७ २३	१७ ०	० ७	२ ५०	४ ४६	० ३	१९ २२	१४ १२
१५	११ २४ ३०	० ७	२ १४	० ०	१७ ३०	१७ ७	० ६	२ ५१	४ ४९	० ३	१९ १४	१४ ९
१६	११ २४ ३७	० ७	२ १४	० ०	१७ ३७	१७ १३	० ७	२ ५२	४ ५२	० २	१९ ५	१४ ५
१७	११ २४ ४४	० ७	२ १४	० १	१७ ४४	१७ २०	० ६	२ ५३	४ ५४	० ३	१८ ५६	१४ १
१८	११ २४ ५१	० ७	२ १३	० ०	१७ ५१	१७ २६	० ७	२ ५४	४ ५७	० २	१८ ४७	१३ ५८
१९	११ २४ ५८	० ७	२ १३	० ०	१७ ५८	१७ ३३	० ७	२ ५६	४ ५९	० ३	१८ ३९	१३ ५५
२०	११ २५ ५	० ७	२ १३	० ०	१८ ५	१८ ४०	० ६	२ ५७	५ २	० २	१८ ३०	१३ ५१
२१	११ २५ १२		–२ १३		१८ १२	११ ४६		२ ५८	–५ ४		१८ २१	१३ ४८

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टॅंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

अप्रेल १९३८

ता.	महिसुर				मद्रास			रंगून			हैदराबाद				मुंबई				नागपुर				एलिचपुर			बडोदा				कलकत्ता		
	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ	अ.	च	दि	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.
	३०	६	६	+०	३०	६	६	३०	५	५	३०	६	६	+०	३०	६	६	+०	३०	६	६	+०	३०	६	६	३०	६	६	+०	३०	५	५
१	३०	२१	३३	१०	३२	६	१९	३५	५	१७	३५	१३	२७	११	३८	३५	५१	१४	४०	१०	२६	१५	४०	१७	३३	४२	३२	४९	१७	४३	३२	४९
२	३०	२१	३३	१०	३४	५	१९	३७	४	१८	३७	१२	२७	१३	४१	३५	५१	१४	४३	९	२६	१७	४३	१६	३३	४५	३१	४९	१९	४६	३१	४९
३	३२	२०	३३	११	३६	५	१९	४०	३	१८	४०	११	२७	१४	४३	३४	५१	१७	४६	८	२६	१८	४६	१५	३३	४८	३०	४९	२०	४८	३०	४९
४	३४	१९	३३	१२	३८	३	१९	४३	२	१८	४३	१०	२७	१६	४६	३३	५२	१८	४९	७	२६	२०	४९	१४	३३	५१	२९	४९	२२	५२	२९	४९
५	३६	१९	३३	१३	४०	३	२०	४५	१	१८	४५	९	२८	१७	४९	३२	५२	१९	५२	६	२७	२१	५२	१३	३३	५४	२८	५१	२२	५५	२८	५०
६	३८	१८	३३	१४	४२	२	२०	४८	५/०	१९	४८	८	२८	१८	५२	३१	५२	२१	५५	५	२७	२३	५५	१२	३३	५७	२७	५१	२४	५८	२७	५१
७	३८	१८	३३	१४	४३	१	२०	५०	४/५९	१९	५०	८	२८	१९	५४	३१	५२	२२	१०/५८	५	२७	२४	५८	११	३४	१/१	२६	५१	२५	१/२	२६	५१
८	४०	१७	३३	१५	४५	१	१९	५२	५९	१९	५२	७	२८	२०	१०/५८	३०	५३	२४	१/१	३	२७	२५	१/१	१०	३४	४	२५	५१	२७	५	२५	५१
९	४२	१६	३३	१६	४७	१	२०	५५	५८	१९	५५	६	२८	२१	१/०	२९	५३	२५	४	२	२८	२७	४	९	३४	६	२४	५१	२८	८	२४	५१
१०	४४	१६	३४	१७	४९	०	२०	५७	५७	१९	५७	५	२९	२२	२	२८	५३	२६	७	१	२९	२८	७	८	३५	९	२३	५२	३०	११	२३	५२
११	४६	१५	३४	१८	५१	५/५९	२०	५९	५६	२०	५९	५	२९	२३	५	२७	५३	२८	१०	१	२९	३०	१०	७	३५	१३	२२	५३	३२	१५	२२	५२
१२	४६	१५	३४	१८	५३	५९	२०	१/१	५५	२०	१/०	४	२९	२४	८	२६	५३	२९	१३	१/०	२९	३१	१३	७	३५	१६	२२	५३	३३	१९	२३	५२
१३	४८	१४	३४	१९	५४	५८	२०	३	५५	२१	३	४	२९	२५	११	२५	५३	३०	१६	५/५९	२९	३३	१६	५	३६	१९	२१	५३	३५	२१	२१	५२
१४	५०	१४	३४	२०	५६	५७	२१	६	५४	२१	६	३	२९	२७	१३	२४	५४	३१	१८	५८	२९	३४	१८	५	३६	२२	२०	५४	३६	२४	२१	५२
१५	५२	१३	३४	२१	५८	५७	२१	८	५३	२१	८	२	३०	२८	१६	२३	५४	३३	२१	५८	३०	३६	२१	४	३६	२५	१९	५४	३७	२७	१९	५३
१६	५४	१२	३४	२२	५९	५६	२१	१०	५३	२१	१०	१	३०	२९	१८	२३	५५	३४	२४	५७	३०	३७	२४	३	३७	२८	१८	५४	३९	३१	१९	५३
१७	५४	१२	३४	२२	१/१	५६	२१	१३	५२	२१	१३	१	३१	३०	२१	२२	५५	३५	२७	५६	३१	३९	२७	३	३७	३१	१७	५५	४१	३४	१८	५४
१८	५६	१२	३४	२३	३	५५	२१	१५	५२	२१	१५	०	३१	३१	२४	२१	५६	३७	३०	५५	३१	४०	३०	१	३८	३४	१७	५५	४२	३७	१७	५५
१९	५८	११	३४	२४	५	५५	२१	१७	५१	२१	१७	५/५९	३१	३२	२६	२१	५६	३८	३३	५५	३१	४१	३३	१	३८	३७	१६	५६	४४	३९	१६	५५
२०	१/०	१०	३४	२५	६	५४	२१	१९	५१	२२	१९	५९	३१	३४	२९	२०	५६	३९	३५	५४	३१	४३	३५	०	३८	४०	१५	५६	४५	४२	१५	५५
२१	२	१०	३४	२६	८	५३	२१	२२	५०	२२	२२	५८	३१	३४	३१	१९	५६	४०	३८	५३	३२	४४	३८	५/५९	३९	४३	१४	५६	४६	४५	१४	५६
२२	२	१०	३४	२६	९	५३	२१	२४	४९	२२	२४	५८	३१	३५	३३	१९	५६	४२	४१	५२	३२	४५	४१	५९	३९	४५	१३	५७	४८	४८	१३	५६
२३	४	९	३४	२७	१०	५३	२१	२६	४९	२२	२६	५७	३१	३७	३६	१९	५७	४३	४३	५२	३३	४७	४३	५८	३९	४८	१३	५७	४९	५१	१३	५७
२४	६	८	३५	२८	१३	५२	२१	२८	४८	२३	२८	५६	३१	३८	३८	१८	५७	४४	४५	५१	३३	४८	४५	५७	३९	५१	१२	५७	५१	५४	११	५७
२५	८	८	३५	२९	१४	५२	२१	३०	४७	२३	३०	५६	३१	३९	४०	१७	५७	४५	४९	५०	३३	४९	४९	५६	३९	५४	११	५७	५२	५७	१०	५७
२६	१०	७	३५	३०	१६	५१	२२	३२	४७	२३	३२	५५	३२	४०	४३	१६	५७	४६	५२	४९	३३	५१	५२	५६	४०	५७	११	५८	५३	१/०	१०	५८
२७	१०	७	३५	३०	१७	५१	२२	३४	४६	२३	३४	५५	३२	४१	४५	१५	५८	४८	५४	४९	३४	५२	५४	५५	४१	१/०	१०	५८	५५	३	९	५८
२८	१२	६	३५	३१	१९	५०	२२	३६	४६	२३	३६	५४	३२	४२	४७	१५	५८	४९	५७	४८	३४	५३	५७	५४	४१	२	९	५८	५५	५	९	५८
२९	१४	६	३६	३२	२१	५०	२२	३८	४५	२३	३८	५३	३३	४३	४९	१४	५८	५०	१/५९	४७	३४	५५	५९	५४	४१	५	९	५९	५८	८	८	५९
	३१	६	६	+०	३१	५	६	३१	४	५	३१	५	६	+०	३१	६	६	+०	३२	५	६	+०	३२	५	६	३२	६	६	+०	३२	५	५
३०	१६	५	३६	३३	२२	४९	२२	४०	४४	२४	४०	५३	३३	४४	५१	१४	५९	५१	२	४७	३५	५६	२	५३	४१	९	८	५२	५९	११	७	५९

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल, सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर प.ळ ।

अप्रेल १९३८

ता.	उदेपुर	(काशी) बनारस	(प्रयाग) अलाहाबाद	गवालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(काश्मिर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ अ. च	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.
	३० ६ ६	३० ५ ६+०	३० ५ ६	३० ६ ६	३० ६ ६	३० ६ ६+०	३० ६ ६+०	३१ ६ ६+०	३१ ६ ६+०
१	५० २९ ४९	५० ५२ १२ २०	४८ ५८ १५	५२ ११ ३२	५० २ २३	५१ २१ ४१ २१	५२ १४ ३६ २२	० २१ ४५ २५	७ २१ ४७ २८
२	५४ २८ ४९	५४ ५१ १३ २२	५१ ५७ १६	५६ १० ३२	५३ २ २३	५४ २० ४१ २२	५७ १३ ३७ २४	५ २० ४५ २७	१२ १९ ४८ ३१
३	५८ २६ ५०	५८ ५० १३ २४	५३ ५६ १६	३१ ८ ३२	५७ १ २३	५८ १९ ४२ २३	३१/१ १२ ३७ २६	१० १८ ४६ २९	१८ १८ ४९ ३४
४	३१ २६ ५०	३१/२ ४८ १४ २६	५९ ५५ १६	४ ७ ३३	३१/१ ५९ २३	३१/२ १८ ४२ २६	७ ११ ३८ २७	१४ १७ ४७ ३२	२३ १६ ५० ३७
५	४ २५ ५०	६ ४७ १४ २८	३१ ५३ १९	८ ६ ३४	५ ५८ २४	७ १६ ४२ २८	९ १० ३८ २९	१९ १६ ४७ ३४	२९ १५ ५० ३९
६	८ २४ ५१	१० ४७ १४ ३०	६ ५२ १८	१२ ५ ३४	९ ५७ २५	११ १५ ४३ ३०	१५ ९ ३८ ३२	२३ १५ ४८ ३७	३४ १४ ५१ ४२
७	१२ २२ ५१	१३ ४६ १५ ३१	१० ५१ १९	१६ ४ ३४	१३ ५६ २५	१५ १४ ४४ ३२	२० ७ ३९ ३[illegible]	२८ १३ ४९ ४०	४० १२ ५२ ४५
८	१४ २२ ५१	१६ ४५ १५ ३३	१३ ५० १९	१९ ३ ३५	१७ ५५ २५	१९ १३ ४४ ३४	२४ ६ ४० ३७	३३ १२ ४९ ४२	४५ ११ ५२ ४७
९	१८ २१ ५२	१९ ४४ १६ ३५	१७ ४९ १९	२३ २ ३५	२० ५४ २६	२२ १२ ४५ ३६	२८ ५ ४० ३९	३८ ११ ५० ४४	५० १० ५४ ५०
१०	२० २० ५२	२२ ४३ १६ ३७	२१ ४८ २०	२६ १ ३६	२४ ५३ २६	२६ ११ ४५ ३८	३२ ४ ४१ ४१	४३ १० ५१ ४६	५५ ८ ५४ ५२
११	२४ १९ ५३	२६ ४२ १६ ३८	२५ ४७ २०	३० ५/० ३६	२८ ५२ २७	३० १० ४६ ४०	३६ ३ ४१ ४४	४८ ८ ५१ ४९	३२/० ७ ५५ ५५
१२	२८ १८ ५३	३० ४१ १७ ४०	२८ ४६ २१	३४ ५९ ३७	३२ ५१ २८	३४ ९ ४७ ४२	४० २ ४२ ४६	५३ ७ ५२ ५१	५ ६ ५६ ५७
१३	३० १८ ५४	३४ ४० १८ ४२	३१ ४५ २१	३७ ५८ ३८	३६ ५० २८	३७ ८ ४७ ४३	४५ १ ४३ ४७	५७ ६ ५३ ५३	१० ५ ५६ ५९
१४	३४ १६ ५४	३८ ३९ १९ ४४	३५ ४४ २१	४० ५८ ३८	३९ ४९ २८	४१ ७ ४७ ४५	४९ ० ४३ ४९	३२/१ ५ ५३ ५६	१५ ४ ५७ १/१
१५	३८ १६ ५५	४१ ३८ १९ ४६	३८ ४३ २२	४४ ५८ ३८	४३ ४८ २९	४४ ६ ४८ ४७	५३ ५९ ४४ ५१	६ ४ ५४ ५८	२० ३ ५८ ४
१६	४० १५ ५५	४५ ३७ २० ४८	४३ ४२ २३	४८ ५६ ३९	४७ ४७ २९	४६ ५ ४८ ५०	५८ ५७ ४५ ५४	११ ३ ५५ १/१	२५ १ ५९ ७
१७	४४ १४ ५६	४८ ३६ २० ४९	४३ ४१ २३	५२ ५५ ४०	[illegible]१ ४३ ३०	५३ ४ ४९ ५१	३१/२ ५७ ४५ ५६	१६ १ ५६ ३	३० ० ७/० ९
१८	४८ १३ ५६	५१ ३६ २० ५०	५० ४० २४	५४ ५४ ४०	५४ ४५ ३१	५७ ३ ४९ ५३	६ ५५ ४६ ५८	२१ ० ५६ ५	३५ ५९ ० १२
१९	५२ १२ ५७	५५ ३५ २१ ५२	५३ ३९ २४	५८ ५३ ४०	५८ ४४ ३१	[illegible] २ ५० ५५	१० ५५ ४७ १/०	२५ ५९ ५७ ९	४० ५८ २ १५
२०	[illegible]४ ११ ५७	५८ ३४ २१ ५४	५६ ३८ २५	३१/२ ५२ ४१	३१/१ ४३ ३१	४ १ ५१ ५७	१४ ५३ ४७ १	३० ५८ ५८ १०	४४ ५६ २ १७
२१	५८ १० ५७	३१/२ ३३ २२ ५६	३१ ३७ २५	६ ५१ ४१	५ ४२ ३२	७ ० ५१ ५९	१८ ५२ ४७ ३	३४ ५७ ५८ १२	४९ ५५ ३ २०
२२	३१/२ ९ ५८	५ ३२ २२ ५७	३ ३७ २५	९ ५० ४२	९ ४१ ३३	११ ५९ ५१ १/०	२१ ५१ ४८ ५	३९ ५६ ५९ १४	५४ ५४ ४ २२
२३	४ ८ ५८	८ ३१ २३ ५९	६ ३६ २६	१२ ४९ ४२	१२ ४१ ३३	१४ ५९ ५२ २	२५ ५० ४१ ७	४३ ५५ ५९ १६	५९ ५२ ४ २५
२४	८ ८ ५९	११ ३० २३ १/०	१० ३५ २७	१६ ४८ ४३	१५ ४० ३३	१८ ५७ ५३ ४	२९ ४९ ५० ९	४७ ५५ ५९ १८	३२/४ ५२ ५ २७
२५	१२ ६ ५९	१५ ३० २३ २	१३ ३४ २७	२० ४७ ४३	१९ ३९ ३३	२१ ५७ ५३ ६	३३ ४८ ५० ११	५१ ५३ ७/१ २१	८ ५० ६ २९
२६	१६ ६ [illegible]	१८ २९ २४ ४	१५ ३३ २७	२३ ४६ ४४	२२ ३८ ३[illegible]	२५ ५६ ५३ ७	३७ ४८ ५० १३	५६ ५२ २ २३	१३ ४९ ७ ३२
२७	१८ ५ ०	२१ २८ २४ ५	१९ ३३ २८	२७ ४६ ४४	२६ ३७ ३५	२९ ५५ ५४ ९	४१ ४७ ५१ १५	३२/० ५१ ३ २५	१८ ४८ ८ ३४
२८	२२ ४ १	२४ २७ २५ ६	२३ ३२ २८	३० ४५ ४५	३० ३६ ३६	३३ ५४ ५५ ११	४५ ४६ ५१ १७	४ ५० ३ २७	२३ ४७ ८ ३६
२९	२४ ४ १	२७ २६ २५ ८	२६ ३१ २९	३४ ४४ ४६	३३ ३५ ३६	३६ ५३ ५५ १३	४९ ४५ ५२ १९	९ ४९ ४ २९	२८ ४६ ९ ३९
	३२ ६ ७	३२ ५ ६+१	३२ ५ ६	३२ ५ ६	३२ ५ ६	३२ ५ ६+१	३२ ५ ६+१	३३ ५ ७+१	३३ ५ ७+१
३०	२६ ३ १	३० २६ २६ १०	२८ ३० २९	३७ ४३ ४६	३७ ३५ ३७	४० ५२ ५६ १५	५३ ४४ ५३ २१	१२ ४८ ५ ३२	३२ ४५ १० ४१

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल, सूर्योदय सूर्यास्त स्टॅंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

मई १९३८

ता.	महिसुर	मद्रास	रंगून	हैदराबाद	मुंबई	नागपुर	एलिंचपुर	बडोदा	कलकत्ता
	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.
	३१ ६ ६+०	३१ ५ ६	३१ ४ ५	३१ ५ ६+०	३१ ६ ६+०	३२ ५ ६+०	३२ ५ ६	३२ ६ ६+१	३२ ५ ६
१	१८ ५ ३६ ३४	२४ ४९ २३	४३ ४४ २४	४३ ५२ ३३ ४५	५४ १३ ५९ ५२	५ ४६ ३५ ५८	५ ५२ ४१	११ ७ ५९ १	१४ ६ ०
२	१८ ५ ३६ ३४	२५ ४९ २३	४५ ४३ २५	४५ ५१ ३४ ४७	५७ १३ ० ५४	८ ४५ ३६ ५९	८ ५१ ४२	१४ ७ ० २	१७ ५ १
३	२० ४ ३६ ३५	२६ ४८ २३	४७ ४३ २५	४७ ५१ ३४ ४८	० १२ ० ५४	१० ४५ ३७ ५९	१० ५१ ४३	१६ ६ १ ३	२० ५ १
४	२२ ४ ३६ ३६	२८ ४८ २३	४९ ४२ २५	४९ ५१ ३४ ४८	३ ११ १ ५५	१२ ४४ ३७ ०	१२ ५० ४३	१८ ५ १ ४	२२ ४ १
५	२२ ४ ३६ ३६	२९ ४७ २३	५० ४२ २५	५० ५१ ३४ ४९	५ ११ १ ५७	१५ ४३ ३७ २	१५ ५० ४३	२१ ५ १ ६	२४ ४ १
६	२४ ३ ३७ ३७	३० ४७ २४	५१ ४१ २५	५१ ५० ३५ ५०	७ १० १ ५७	१६ ४३ ३७ ३	१६ ४९ ४४	२३ ५ १ ७	२६ ३ २
७	२६ ३ ३७ ३८	३२ ४७ २४	५३ ४१ २५	५३ ४९ ३५ ५१	१० ९ २ ५८	१९ ४३ ३८ ४	१९ ४९ ४४	२६ ४ २ ८	२९ ३ २
८	२६ ३ ३७ ३८	३३ ४७ २४	५५ ४१ २५	५५ ४९ ३५ ५२	१२ ९ २ ०	२२ ४२ ३९ ६	२२ ४९ ४५	२८ ३ ३ ९	३२ २ ३
९	२८ २ ३७ ३९	३४ ४६ २४	५७ ४१ २७	५७ ४९ ३६ ५३	१४ ८ २ ०	२४ ४१ ३९ ७	२४ ४८ ४५	३० ३ ३ १०	३४ २ ३
१०	३० २ ३७ ४०	३६ ४६ २४	५९ ४० २७	५९ ४८ ३६ ५६	१६ ८ २ १	२६ ४१ ३९ ८	२६ ४७ ४५	३३ २ ३ १२	३६ १ ३
११	३० २ ३७ ४०	३७ ४५ २५	१ ३९ २७	१ ४८ ३६ ५४	१८ ८ ३ २	२९ ४० ३९ १०	२९ ४७ ४६	३६ १ ४ १३	३९ १ ४
१२	३२ १ ३८ ४१	३८ ४५ २५	२ ३९ २७	२ ४७ ३६ ५५	२० ७ ३ ३	३१ ४० ४० १०	३२ ४६ ४६	३८ १ ४ १४	४१ ० ४
१३	३२ १ ३८ ४१	३९ ४५ २५	४ ३९ २८	४ ४७ ३६ ५६	२२ ७ ३ ३	३४ ३९ ४१ ११	३४ ४५ ४७	४१ १ ५ १५	४४ ५९ ५
१४	३४ १ ३८ ४२	४० ४५ २५	६ ३८ २८	६ ४७ ३७ ५७	२४ ७ ४ ५	३६ ३९ ४१ १४	३६ ४५ ४७	४३ ० ५ १६	४६ ५९ ५
१५	३६ ० ३९ ४३	४१ ४५ २५	८ ३८ २८	८ ४६ ३७ ५८	२५ ६ ४ ६	३८ ३८ ४१ १४	३८ ४५ ४८	४५ ५९ ६ १८	४९ ५९ ६
१६	३६ ० ३९ ४३	४३ ४४ २६	९ ३७ २९	९ ४६ ३८ ५९	२६ ६ ४ ७	४० ३८ ४२ १४	४० ४४ ४८	४७ ४९ ६ १८	५१ ५८ ६
१७	३८ ० ३९ ४४	४४ ४४ २६	११ ३७ २९	११ ४६ ३८ ५९	२८ ६ ४ ८	४२ ३७ ४२ १६	४२ ४४ ४९	४९ ५९ ७ २०	५४ ५७ ६
१८	३८ ० ३९ ४४	४५ ४४ २६	१३ ३७ २९	१३ ४५ ३९ ०	२९ ५ ५ ८	४३ ३७ ४२ १७	४३ ४४ ४९	५१ ५८ ७ २१	५६ ५७ ७
१९	४० ० ४० ४५	४६ ४४ २७	१४ ३६ ३०	१४ ४५ ३९ १	३० ५ ५ ९	४५ ३७ ४३ १७	४५ ४३ ४९	५३ ५८ ७ २१	५८ ५७ ८
२०	४० ० ४० ४५	४७ ४४ २७	१५ ३६ ३१	१५ ४५ ३९ २	३२ ५ ६ ११	४७ ३७ ४३ १९	४७ ४३ ५०	५५ ५८ ८ २३	२३ ५७ ९
२१	४२ ० ४० ४६	४८ ४४ २७	१७ ३६ ३१	१७ ४५ ४० ३	३३ ४ ६ १२	४९ ३७ ४४ २०	४९ ४३ ५०	५७ ५८ ८ २४	२ ५६ ९
२२	४२ ० ४० ४६	४९ ४३ २७	१८ ३६ ३१	१८ ४५ ४० ३	३५ ४ ६ १२	५१ ३६ ४४ २०	५१ ४३ ५१	५९ ५७ ९ २४	३ ५६ ९
२३	४४ ० ४१ ४७	५० ४३ २७	१९ ३६ ३१	१९ ४४ ४० ४	३७ ४ ७ १३	५२ ३६ ४५ २१	५२ ४२ ५१	१ ५७ ९ २५	५ ५५ १०
२४	४४ ० ४१ ४७	५१ ४३ २८	२१ ३५ ३१	२१ ४४ ४० ५	३९ ४ ७ १४	५३ ३५ ४५ २३	५३ ४२ ५१	३ ५७ ९ २७	८ ५५ १०
२५	४५ ५९ ४१ ४७	५२ ४३ २८	२३ ३५ ३१	२३ ४४ ४१ ६	४१ ३ ८ १५	५६ ३५ ४५ २३	५६ ४१ ५२	५ ५६ १० २८	१० ५५ ११
२६	४६ ५९ ४२ ४८	५३ ४३ २८	२४ ३५ ३२	२४ ४४ ४१ ६	४२ ३ ८ १६	५८ ३५ ४६ २४	५८ ४१ ५२	७ ५६ १० २८	१२ ५५ ११
२७	४६ ५९ ४२ ४८	५३ ४३ २८	२५ ३५ ३२	२५ ४४ ४१ ७	४३ ३ ९ १६	५९ ३५ ४६ २५	५९ ४१ ५३	९ ५६ ११ २९	१३ ५४ १२
२८	४८ ५९ ४२ ४८	५४ ४३ २९	२६ ३५ ३३	२६ ४३ ४२ ८	४४ ३ ९ १७	१ ३५ ४७ २५	१ ४१ ५३	१० ५६ ११ ३१	१५ ५४ १२
२९	४८ ५९ ४२ ४९	५५ ४३ २९	२७ ३५ ३३	२७ ४३ ४२ ८	४५ ३ ९ १८	२ ३४ ४७ २६	२ ४१ ५३	११ ५५ १२ ३१	१८ ५४ १३
३०	४८ ५९ ४२ ४९	५६ ४३ २९	२९ ३५ ३३	२९ ४३ ४२ ९	४७ ३ १० १८	४ ३४ ४७ २७	५ ४० ५४	१३ ५५ १२ ३२	२० ५३ १३
	३१ ५ ६+०	३१ ५ ६	३२ ४+५	३२ ५ ६+१	३२ ६ ७ १	३३ ५ ६+१	३३ ५+६	३३ ५ ७ १	३३ ४+१
३१	५० ५९ ४३ ४९	५६ ४३ २९	३० ३४ ३३	३० ४३ ४३ ९	४८ ३ १० १९	५ ३४ ४७ २८	५ ४० ५४	१५ ५५ १३ ३२	२१ ५३ १

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल, सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

मई १९३८

ता.	उदेपुर	(काशी) बनारस	(प्रयाग) अलाहाबाद	ग्वालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(काश्मीर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.
	३२ ६ ७	३२ ५ ६ +१	३२ ५ ६	३२ ५ ६	३२ ५ ६	३२ ५ ६ +१	३२ ५ ६ +१	३३ ५ ७ +१	३३ ५ ७ +१
१	३० २ २	३३ २५ २६ ११	३३ २९ ३०	४० ४२ ४६	४० ३४ ३७	४३ ५१ ५७ १७	५७ ४३ ५३ २३	१५ ४७ ५ ३४	३७ ४४ १० ४३
२	३२ २ २	३६ २४ २७ १३	३६ २८ ३१	४३ ४२ ४७	४३ ३३ ३८	४८ ५० ५७ १८	(३३) १ ४२ ५४ २५	१९ ४६ ५ ३६	४१ ४३ ११ ४५
३	३६ ० ३	३९ २३ २७ १५	३८ २८ ३१	४६ ४१ ४७	४६ ३२ ३९	४९ ४९ ५८ १९	४ ४१ ५५ २६	२५ ४५ ७ ३७	४६ ४२ १२ ४८
४	३८ ० ३	४२ २३ २८ १६	४२ २७ ३१	४९ ४१ ४८	४९ ३१ ३९	५२ ४८ ५९ २१	७ ४१ ५५ २८	२९ ४४ ७ ४०	५० ४१ १३ ५०
५	४० ० ४	४५ २२ २८ १८	४५ २६ ३२	५२ ४० ४८	५२ ३१ ३९	५६ ४८ ५९ २३	११ ४० ५६ ३०	३३ ४३ ८ ४२	५४ ४० १४ ५२
६	४४ (५) ५९ ४	४८ २१ २९ १९	४७ २६ ३२	५६ ४० ४९	५४ ३० ४०	५८ ४७ ५९ २४	१३ ४० ५६ ३२	३६ ४२ ९ ४३	५९ ३९ १४ ५४
७	४६ ५८ ५	५१ २१ २९ २०	४९ २५ ३३	५९ ३९ ५०	५६ २९ ४०	(३३) ० ४७ (७) ० २५	१५ ३९ ५७ ३३	३९ ४२ ९ ४४	(३४) १ ३८ १६ ५७
८	५० ५८ ६	५४ २० ३० २२	५२ २५ ३३	(३३) २ ३८ ५०	(३३) ० २९ ४१	४ ४६ १ २७	१८ ३८ ५७ ३४	४३ ४१ १० ४६	७ ३७ १७ ५९
९	५२ ५७ ६	५६ २० ३० २३	५४ २४ ३४	५ ३८ ५०	३ २९ ४१	७ ४६ १ २८	२१ ३८ ५८ ३६	४७ ४० ११ ४८	१२ ३६ १७ (२) १
१०	५४ ५६ ६	५९ १९ ३१ २५	५९ २३ ३४	८ ३७ ५१	७ २७ ४२	११ ४५ १ ३०	२४ ३७ ५८ ३९	५१ ३९ ११ ५१	१६ ३५ १८ ३
११	५८ ५६ ७	(३३) १ १८ ३१ २६	(३३) १ २२ ३५	११ ३६ ५२	११ २७ ४३	१३ ४४ २ ३२	२८ ३६ ५९ ४०	५६ ३८ १२ ५३	२० ३४ १८ ५
१२	(३३) ० ५५ ७	४ १८ ३२ २७	५ २२ ३५	१४ ३५ ५२	१३ २६ ४३	१६ ४३ ३ ३३	३२ ३५ (७) ० ४२	(३४) ० ३७ १३ ५५	२४ ३४ १९ ७
१३	४ ५४ ८	७ १७ ३२ २८	८ २१ ३६	१६ ३४ ५३	१६ २५ ४४	२० ४३ ३ ३५	३५ ३४ १ ४४	४ ३६ १४ ५७	२८ ३३ २० ९
१४	६ ५४ ८	९ १७ ३३ ३०	१० २१ ३७	१९ ३४ ५३	१९ २५ ४४	२३ ४२ ३ ३६	३९ ३४ १ ४५	८ ३५ १५ ५८	३१ ३२ २१ ११
१५	८ ५४ ९	१२ १६ ३३ ३१	१३ २० ३७	२२ ३३ ५४	२२ २४ ४५	२६ ४१ ४ ३८	४३ ३३ २ ४८	११ ३५ १५ (२) १	३५ ३२ २१ १२
१६	१२ ५३ १०	१५ १६ ३४ ३२	१५ २० ३७	२४ ३३ ५४	२४ २४ ४५	२९ ४१ ५ ३९	४६ ३२ ३ ४८	१४ ३४ १६ २	३८ ३१ २२ १४
१७	१४ ५२ १०	१७ १५ ३४ ३४	१९ १९ ३८	२७ ३२ ५६	२७ २३ ४६	३२ ४० ६ ४१	४९ ३२ ३ ५०	१८ ३३ १७ ४	४२ ३० २३ १६
१८	१६ ५२ १०	१९ १५ ३५ ३५	२१ १९ ३९	३० ३२ ५६	२९ २३ ४६	३४ ४० ६ ४२	५२ ३१ ४ ५१	२१ ३३ १७ ५	४५ ३० २३ १७
१९	१८ ५२ ११	२२ १५ ३५ ३६	२३ १८ ३९	३३ ३१ ५६	३१ २२ ४७	३५ ३९ ७ ४३	५५ ३१ ४ ५२	२४ ३२ १८ ७	४८ २९ २४ १९
२०	२० ५२ १२	२४ १४ ३६ ३७	२६ १८ ४०	३६ ३० ५७	३४ २२ ४८	३९ ३९ ८ ४५	५८ ३० ५ ५४	२७ ३२ १९ ९	५२ २८ २५ २१
२१	२२ ५१ १२	२६ १४ ३६ ३८	२८ १७ ४१	३८ ३० ५८	३७ २१ ४८	४२ ३९ ८ ४६	(३४) १ ३० ६ ५५	३० ३१ १९ १०	५५ २८ २६ २३
२२	२४ ५१ १२	२८ १३ ३७ ३९	३० १७ ४१	४० ३० ५८	३९ २१ ४९	४३ ३८ ९ ४७	३ २९ ७ ५६	३३ ३१ २० ११	५९ २७ २६ २४
२३	२६ ५० १३	३० १३ ३७ ४०	३२ १७ ४१	४२ ३० ५८	४२ २१ ४९	४६ ३८ ९ ४८	५ २९ ७ ५७	३६ ३१ २० १२	(३५) १ २६ २७ २६
२४	२८ ५० १३	३२ १३ ३८ ४१	३५ १६ ४२	४४ २९ ५९	४५ २० ५०	४९ ३७ १० ५०	९ २९ ७ (१) ०	३९ ३० २१ १३	५ २६ २८ २७
२५	३० ५० १४	३५ १२ ३८ ४२	३७ १६ ४२	४६ २९ ५९	४७ २० ५०	५२ ३७ १० ५१	११ २८ ८ १	४२ २९ २२ १६	८ २५ २८ २९
२६	३२ ५० १४	३६ १२ ३९ ४३	३९ १५ ४३	४८ २९ (७) ०	४९ १९ ५१	५४ ३७ १० ५२	१३ २७ ९ २	४५ २९ २२ १७	११ २५ २९ ३०
२७	३४ ४९ १५	३८ १२ ३९ ४४	४१ १५ ४३	५० २८ ०	५१ १९ ५१	५५ ३७ ११ ५३	१६ २७ ९ २	४८ २८ २३ १९	१४ २४ ३० ३२
२८	३६ ४९ १५	४० १२ ४० ४५	४४ १५ ४४	५२ २८ १	५३ १९ ५२	५७ ३६ ११ ५४	१८ २७ १० ४	५० २८ २४ २०	१७ २४ ३० ३३
२९	३८ ४८ १६	४१ ११ ४० ४६	४५ १५ ४४	५४ २८ १	५५ १९ ५२	५९ ३६ १२ ५५	२० २७ १० ५	५२ २७ २४ २१	२० २३ ३१ ३५
३०	४० ४८ १६	४३ ११ ४१ ४७	४७ १४ ४५	५६ २८ २	५७ १८ ५३	(३४) १ ३६ १२ ५६	२२ २६ ११ ६	५५ २७ २५ २२	२२ २३ ३२ ३६
	३३ ५ ७	३३ ५ ६ +१	३३ ५ ६	३३ ५ ७	३३ ५ ६	३४ ५ ७ +१	३४ ५ ७ +२	३४ ५ ७ +२	३५ ५ ७ +२
३१	४२ ४८ १७	४५ ११ ४१ ४७	४८ १४ ४६	५८ २७ २	५९ १८ ५३	२ ३६ १३ ५७	२४ २६ ११ ७	५८ २७ २५ २४	२५ २३ ३२ ३७

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंका दिनमान के घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

जून १९३८

ता	महिसुर	मद्रास	रंगून	हैदराबाद	मुंबई	नागपुर	एलिचपुर	बडोदा	कलकत्ता
	दि.उ.अ.च	दि.उ.अ.	दि.उ.अ.	दि.उ.अ.च.	दि.उ.अ.च.	दि.उ अ.च.	दि.उ.अ.	दि.उ.अ.च.	दि.उ.अ.
	३१ ५ ६+१	३१ ५ ६	३२ ४ ५	३२ ५ ६+१	३२ ६ ७+१	३३ ५ ६+१	३३ ५ ६	३३ ५ ७+१	३३ ४ ६
१	५० ५९ ४३ ५०	५७ ४३ ३०	३१ ३४ ३३	३१ ४३ ४३ १०	४९ २ १० २०	७ ३४ ४७ २८	७ ४० ५८	१६ ५५ १३ ३३	२२ ५३ १४
२	५२ ५९ ४४ ५१	५८ ४३ ३०	३२ ३४ ३३	३२ ४३ ४३ ११	५० २ १० २०	८ ३३ ४८ २९	८ ४० ५५	१७ ५५ १३ ३४	२४ ५३ १५
३	५२ ५९ ४४ ५१	५९ ४३ ३१	३३ ३४ ३५	३३ ४३ ४३ ११	५१ २ ११ २१	१० ३३ ४९ ३०	१० ४० ५६	१८ ५५ १४ ३५	२५ ५३ १५
४	५२ ५९ ४४ ५१	५९ ४३ ३१	३४ ३४ ३५	३४ ४३ ४४ १२	५२ २ ११ २२	११ ३३ ५० ३१	११ ४० ५६	१९ ५५ १४ ३५	२६ ५३ १५
५	५४ ५९ ४४ ५२	(१)० ४३ ३१	३५ ३४ ३५	३४ ४३ ४४ १२	५३ २ ११ २२	१२ ३३ ५० ३१	१२ ४० ५७	२० ५५ १५ ३५	२७ ५३ १५
६	५४ ५९ ४५ ५२	१ ४३ ३१	३५ ३४ ३६	३५ ४३ ४५ १२	५४ २ १२ २२	१३ ३३ ५१ ३२	१३ ३९ ५७	२२ ५५ १५ ३६	२८ ५३ १६
७	५४ ५९ ४५ ५२	१ ४३ ३१	३६ ३४ ३६	३६ ४३ ४५ १३	५५ २ १२ २३	१४ ३३ ५१ ३२	१४ ३९ ५७	२३ ५५ १५ ३६	२९ ५३ १६
८	५६ ५९ ४६ ५३	१ ४३ ३२	३७ ३४ ३७	३७ ४३ ४५ १३	५६ २ १२ २३	१५ ३३ ५१ ३२	१५ ३९ ५८	२४ ५४ १६ ३७	३० ५३ १७
९	५६ ५९ ४६ ५३	२ ४३ ३२	३८ ३४ ३७	३८ ४३ ४६ १३	५७ २ १३ २४	१६ ३३ ५२ ३३	१६ ४० ५८	२५ ५४ १७ ३८	३१ ५३ १७
१०	५६ (१)० ४६ ५३	२ ४४ ३३	३८ ३४ ३७	३८ ४३ ४६ १४	५८ २ १३ २४	१७ ३३ ५२ ३३	१७ ४० ५८	२६ ५४ १७ ३८	३२ ५३ १८
११	५६ ० ४६ ५३	२ ४४ ३३	३९ ३४ ३७	३९ ४३ ४६ १४	५९ २ १४ २४	१८ ३३ ५३ ३४	१८ ४० ५९	२७ ५४ १७ ३९	३३ ५३ १८
१२	५६ ० ४६ ५३	३ ४४ ३३	३९ ३५ ३८	३९ ४३ ४७ १५	५९ २ १४ २४	१८ ३३ ५३ ३४	१८ ४० ५९	२८ ५४ १७ ३९	३४ ५३ १८
१३	५८ ० ४७ ५४	३ ४४ ३३	४० ३५ ३८	४० ४३ ४७ १५	(१)० २ १४ २५	१९ ३३ ५३ ३४	१९ ४० ५९	२८ ५४ १७ ३९	३४ ५३ १९
१४	५८ ० ४७ ५४	४ ४४ ३३	४१ ३५ ३८	४१ ४३ ४७ १५	० ३ १५ २५	१९ ३३ ५३ ३४	१९ ४० ५९	२९ ५४ १८ ३९	३५ ५३ १९
१५	५८ ० ४७ ५४	४ ४४ ३४	४१ ३५ ३९	४१ ४३ ४७ १५	१ ३ १५ २५	२० ३३ ५३ ३४	२० ४० (१)०	२९ ५४ १८ ३९	३५ ५३ १९
१६	५८ ० ४७ ५४	४ ४४ ३४	४१ ३५ ३९	४१ ४४ ४८ १५	१ ३ १५ २६	२० ३४ ५४ ३५	२० ४० ०	३० ५५ १९ ४०	३६ ५३ १९
१७	५८ ० ४७ ५४	४ ४५ ३४	४१ ३५ ३९	४१ ४४ ४८ १६	२ ३ १६ २६	२० ३४ ५४ ३५	२० ४० ०	३० ५५ १९ ४०	३६ ५३ २०
१८	५८ ० ४८ ५४	४ ४५ ३४	४२ ३५ ३९	४२ ४४ ४३ १६	२ ३ १६ २६	२१ ३४ ५४ ३५	२१ ४१ ०	३१ ५५ १९ ४०	३७ ५४ २०
१९	५८ १ ४८ ५४	५ ४५ ३५	४२ ३५ ४०	४२ ४४ ४९ १६	२ ३ १६ २६	२१ ३४ ५४ ३५	२१ ४१ १	३१ ५५ १९ ४०	३७ ५४ २०
२०	५८ १ ४८ ५४	५ ४५ ३५	४२ ३५ ४०	४२ ४४ ४९ १६	२ ३ १६ २६	२१ ३५ ५५ ३६	२१ ४१ १	३२ ५५ २० ४१	३७ ५४ २१
२१	५८ १ ४८ ५४	५ ४५ ३५	४२ ३५ ४०	४२ ४४ ४९ १६	१ ४ १६ २६	२१ ३५ ५५ ३६	२१ ४१ २	३२ ५५ २० ४१	३७ ५४ २१
२२	५८ २ ४८ ५४	५ ४५ ३६	४२ ३५ ४०	४२ ४५ ४९ १६	१ ४ १७ २६	२१ ३५ ५५ ३६	२१ ४१ २	३२ ५५ २० ४१	३७ ५४ २१
२३	५८ २ ४९ ५४	५ ४५ ३६	४२ ३६ ४१	४२ ४५ ४९ १६	१ ४ १७ २६	२१ ३५ ५५ ३६	२१ ४१ २	३२ ५५ २० ४१	३६ ५४ २१
२४	५८ २ ४९ ५४	५ ४५ ३६	४२ ३६ ४१	४२ ४५ ५० १६	१ ४ १७ २६	२१ ३५ ५६ ३६	२१ ४१ २	३२ ५६ २१ ४१	३६ ५५ २१
२५	५८ २ ४९ ५४	४ ४६ ३६	४२ ३६ ४१	४२ ४५ ५० १६	१ ४ १७ २६	२१ ३५ ५६ ३६	२१ ४१ ३	३२ ५६ २१ ४१	३५ ५५ २१
२६	५८ २ ४९ ५४	४ ४६ ३६	४२ ३७ ४१	४२ ४५ ५० १६	० ५ १७ २६	२० ३६ ५६ ३५	२० ४२ ३	३१ ५६ २१ ४१	३५ ५५ २१
२७	५८ २ ५० ५४	४ ४६ ३६	४२ ३७ ४१	४२ ४५ ५० १६	० ५ १७ २६	२० ३६ ५६ ३५	२० ४२ ३	३१ ५७ २१ ४०	३४ ५५ २२
२८	५८ ३ ५० ५४	४ ४६ ३६	४१ ३७ ४२	४१ ४६ ५१ १६	० ५ १७ २६	२० ३६ ५६ ३५	२० ४३ ३	३० ५७ २१ ४०	३४ ५५ २२
२९	५८ ३ ५० ५४	४ ४७ ३७	४१ ३७ ४२	४१ ४६ ५१ १६	० ६ १८ २६	१९ ३६ ५६ ३५	१९ ४३ ३	३० ५७ २१ ४०	३४ ५६ २२
	३१ ६ ६+०	३२ ५ ६	३२ ४ ५	३२ ५ ६+१	३३ ६ ७+१	३३ ५ ६+०	३३ ५ ७	३३ ५ ७+२	३३ ४ ६
३०	५८ ३ ५० ५४	३ ४७ ३७	४१ ३७ ४२	४१ ४७ ५१ १६	० ६ १८ २६	१९ ३७ ५७ ३५	१९ ४४ ३	२९ ५८ २१ ४०	३३ ५७ २२

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल, सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

जून १९३८

ता.	उदेपुर	(काशी) बनारस	(प्रयाग) अलाहाबाद	गवालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(काश्मिर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ.अ.च.	दि. उ.अ	दि. उ.अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च
	३३ ५ ७	३३ ५ ६+१	३३ ५ ६	३४ ५ ७	३४ ५ ६	३४ ५ ७+१	३४ ५ ७+२	३५ ५ ७+२	३५ ५ ७+२
१	४४ ४८ १७	४६ ११ ४१ ४८	५० १४ ४६	० २७ ३	१ १७ ५४	५ ३५ १३ ५८	२६ २५ १२ ८	१ २६ २६ २६	३७ २२ ३३ ३९
२	४६ ४८ १८	४७ ११ ४२ ४९	५२ १३ ४६	१ २७ ३	३ १७ ५४	७ ३५ १३ ५९	२८ २५ १२ ९	२ २६ २७ २६	२९ २२ ३४ ४०
३	४६ ४८ १८	४९ ११ ४२ ४९	५४ १३ ४७	२ २७ ४	५ १७ ५५	९ ३५ १४ ५९	३१ २५ १३ १०	५ २६ २७ २७	३१ २२ ३४ ४१
४	४८ ४८ १९	५० १० ४३ ५०	५६ १३ ४७	३ २७ ४	६ १७ ५५	११ ३५ १५ १/०	३३ २५ १३ १२	७ २५ २८ २९	३३ २२ ३५ ४२
५	४८ ४८ १९	५२ १० ४३ ५१	५७ १३ ४८	४ २७ ४	७ १७ ५६	१२ ३५ १५ ०	३५ २५ १४ १२	८ २५ २९ २९	३५ २१ ३६ ४३
६	५० ४८ २०	५३ १० ४४ ५१	५८ १३ ४८	५ २७ ५	८ १७ ५६	१३ ३५ १५ १	३६ २५ १५ १३	९ २५ २९ ३०	३७ २१ ३६ ४४
७	५० ४८ २०	५४ १० ४४ ५२	५९ १३ ४९	६ २७ ५	१० १७ ५७	१४ ३५ १६ २	३७ २५ १५ १४	११ २५ ३० ३१	३९ २१ ३७ ४५
८	५२ ४८ २०	५५ १० ४४ ५३	३४/० १३ ४९	७ २७ ६	११ १७ ५७	१५ ३५ १६ ३	३८ २५ १५ १४	१२ २५ ३० ३१	४० २१ ३७ ४५
९	५२ ४८ २०	५६ १० ४५ ५३	१ १३ ४९	८ २७ ६	१३ १७ ५७	१७ ३५ १७ ४	३९ २५ १६ १५	१५ २५ ३१ ३२	४१ २१ ३८ ४६
१०	५२ ४८ २१	५७ १० ४५ ५३	२ १३ ५०	९ २७ ७	१३ १७ ५७	१८ ३५ १७ ४	४० २५ १६ १५	१६ २५ ३१ ३२	४२ २१ ३८ ४७
११	५४ ४८ २१	५८ १० ४५ ५४	३ १३ ५०	१० २७ ७	१४ १७ ५८	१९ ३५ १८ ५	४१ २५ १७ १६	१७ २५ ३२ ३४	४३ २१ ३८ ४७
१२	५४ ४८ २१	५८ १० ४६ ५४	४ १३ ५१	११ २७ ७	१५ १७ ५८	२० ३४ १८ ५	४२ २४ १७ १६	१८ २५ ३२ ३५	४४ २१ ३९ ४८
१३	५४ ४८ २२	५९ १० ४६ ५५	५ १३ ५१	१२ २७ ८	१६ १७ ५८	२१ ३४ १८ ६	४३ २४ १८ १७	१९ २५ ३२ ३५	४५ २१ ३९ ४८
१४	५६ ४८ २२	३४/० १० ४६ ५५	५ १३ ५१	१३ २७ ८	१७ १७ ५९	२२ ३४ १९ ६	४४ २४ १८ १७	२० २४ ३३ ३५	४६ २० ४० ४९
१५	५६ ४८ २२	० १० ४७ ५५	६ १३ ५२	१३ २७ ८	१८ १७ ५९	२२ ३४ १९ ७	४४ २४ १८ १७	२१ २४ ३३ ३६	४७ २० ४० ४९
१६	५६ ४८ २२	१ ११ ४७ ५६	६ १३ ५२	१४ २७ ८	१८ १७ ७/०	२३ ३४ २० ७	४५ २५ १८ १८	२२ २४ ३४ ३६	४८ २० ४० ५०
१७	५८ ४८ २३	१ ११ ४७ ५६	७ १३ ५२	१४ २७ ९	१९ १७ ०	२३ ३४ २० ७	४५ २५ १८ १८	२३ २४ ३४ ३६	४९ २० ४० ५०
१८	५८ ४८ २३	१ ११ ४८ ५६	७ १३ ५३	१५ २७ ९	१९ १७ १	२४ ३५ २० ७	४६ २५ १९ १८	२३ २५ ३४ ३६	५० २१ ४१ ५०
१९	५८ ४८ २४	२ ११ ४८ ५६	८ १४ ५३	१५ २७ १०	१९ १७ १	२४ ३५ २० ७	४६ २५ १९ १८	२४ २५ ३५ ३६	५० २१ ४२ ५१
२०	५८ ४८ २४	२ ११ ४८ ५६	८ १४ ५३	१६ २७ १०	२० १७ १	२५ ३५ २१ ८	४७ २५ १९ १९	२४ २५ ३५ ३६	५१ २१ ४२ ५१
२१	३४/० ४८ २४	२ ११ ४८ ५६	९ १४ ५३	१६ २८ १०	२० १७ १	२५ ३५ २१ ८	४८ २५ २० १९	२५ २५ ३५ ३८	५१ २१ ४२ ५१
२२	० ४८ २४	२ १२ ४९ ५६	८ १४ ५३	१६ २८ १०	२० १८ १	२५ ३५ २१ ८	४९ २५ २० १९	२५ २५ ३५ ३८	५२ २१ ४२ ५१
२३	० ४९ २५	२ १२ ४९ ५६	८ १५ ५४	१६ २८ १०	२० १८ २	२५ ३५ २१ ८	४९ २५ २१ १९	२५ २५ ३५ ३८	५२ २२ ४२ ५१
२४	० ४९ २५	२ १२ ४९ ५६	७ १५ ५४	१६ २८ १०	२० १८ २	२५ ३५ २२ ८	४८ २५ २१ १९	२४ २६ ३५ ३८	५२ २२ ४२ ५१
२५	० ४९ २५	२ १२ ४९ ५६	६ १५ ५४	१६ २८ ११	१९ १८ २	२४ ३६ २२ ८	४८ २५ २१ १९	२४ २६ ३५ ३८	५१ २२ ४२ ५१
२६	० ४९ २५	१ १३ ४९ ५६	६ १५ ५४	१६ २८ ११	१९ १९ २	२४ ३६ २२ ७	४७ २६ २१ १८	२३ २७ ३५ ३८	५१ २२ ४२ ५०
२७	३३/५८ ५० २५	१ १३ ४९ ५५	६ १६ ५४	१६ २९ ११	१९ १९ २	२३ ३६ २२ ७	४६ २६ २१ १८	२३ २७ ३६ ३६	५० २३ ४२ ५०
२८	५८ ५० २५	० १३ ४९ ५५	६ १६ ५४	१६ २९ ११	१८ १९ २	२३ ३७ २३ ७	४६ २७ २१ १८	२२ २७ ३६ ३६	५० २३ ४३ ५०
२९	५८ ५० २६	३३/५९ १३ ४९ ५५	५ १६ ५५	१५ ३० ११	१८ १९ २	२२ ३७ २३ ७	४५ २७ २१ १८	२२ २७ ३६ ३६	४९ २४ ४३ ४९
	३३ ५ ८	३३ ५ ६+१	३४ ५ ६	३४ ५ ७	३४ ५ ७	३४ ५ ७+२	३४ ५ ७+२	३५ ५ ७+२	३५ ५ ७+२
३०	५६ ५१ २६	५९ १४ ५० ५४	४ १७ ५५	१५ ३० ११	१८ २० ३	२२ ३७ २३ ७	४४ २७ २१ १८	२१ २८ ३६ ३६	४८ २४ ४३ ४९

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टॅंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

जुलई १९३८

ता.	महिसुर	मद्रास	रंगून	हैदराबाद	मुंबई	नागपुर	एलिचपुर	बडोदा	कलकत्ता
	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.
	३१ ६ ६+०	३२ ५ ६	३२ ४ ५	३२ ५ ६+१	३२ ६ ७+१	३३ ५ ६+१	३३ ५ ७	३३ ५ ७+१	३३ ४ ६
१	५८ ३ ५० ५४	३ ४७ ३७	४० ३८ ४२	४० ४७ ५१ १६	५९ ६ १९ २५	१८ ३७ ५७ ३४	१८ ४४ ३	२९ ५८ २१ ३९	३२ ५७ २३
२	५६ ४ ५० ५३	२ ४७ ३७	४० ३८ ४३	४० ४७ ५१ १५	५८ ७ १९ २५	१८ ३७ ५७ ३४	१८ ४४ ३	२८ ५८ २१ ३९	३२ ५७ २३
३	५६ ४ ५० ५३	२ ४७ ३७	४० ३८ ४३	४० ४७ ५१ १५	५८ ७ १९ २५	१७ ३८ ५७ ३४	१७ ४५ ४	२७ ५९ २१ ३९	३२ ५७ २३
४	५६ ४ ५० ५३	२ ४९ ३७	३९ ३९ ४३	३९ ४७ ५१ १५	५७ ७ १९ २५	१७ ३८ ५७ ३४	१७ ४५ ४	२७ ५९ २१ ३९	३१ ५८ २२
५	५६ ४ ५१ ५३	१ ४१ ३७	३९ ३९ ४३	३९ ४८ ५१ १५	५७ ८ १९ २५	१६ ३९ ५७ ३४	१६ ४५ ३	२६ ५९ २१ ३९	३० ५८ २२
६	५६ ४ ५१ ५३	१ ४९ ३७	३८ ३९ ४३	३८ ४८ ५१ १८	५६ ८ १८ २४	१५ ३९ ५७ ३३	१५ ४५ ३	२५ ६/० २१ ३८	२९ ५९ २२
७	५४ ५ ५१ ५२	१ ४९ ३७	३७ ३९ ४३	३७ ४८ ५१ १४	५५ ८ १८ २३	१४ ३९ ५७ ३२	१४ ४५ ३	२४ ० २१ ३७	२८ ५९ २२
८	५४ ५ ५१ ५२	० ४९ ३७	३६ ३९ ४३	३६ ४९ ५१ १४	५४ ८ १८ २३	१४ ३९ ५७ ३२	१४ ४६ ३	२३ ० २१ ३६	२७ ५९ २२
९	५४ ५ ५१ ५२	० ४९ ३७	३५ ४० ४३	३५ ४९ ५१ १४	५३ ९ १८ २२	१३ ४० ५७ ३२	१३ ४६ ३	२२ ० २१ ३६	२६ ५९ २२
१०	५२ ६ ५१ ५१	३१/५९ ५० ३७	३५ ४० ४३	३५ ४९ ५१ १३	५२ ९ १८ २२	१२ ४० ५७ ३२	१२ ४६ ३	२० १ २१ ३५	२५ ६/० २२
११	५२ ६ ५१ ५१	५८ ५० ३७	३४ ४१ ४३	३४ ५० ५१ १३	५१ ९ १८ २२	११ ४१ ५७ ३१	११ ४७ ३	१८ २ २१ ३५	२४ ० २२
१२	५२ ६ ५१ ५१	५७ ५१ ३७	३३ ४१ ४३	३३ ५० ५१ १२	५० १० १८ २१	१० ४१ ५७ ३१	१० ४७ ३	१७ २ २१ ३४	२३ १ २१
१३	५० ७ ५१ ५१	५७ ५१ ३७	३२ ४१ ४३	३२ ५० ५१ १२	४९ १० १८ २०	८ ४१ ५७ ३०	८ ४७ ३	१६ २ २१ ३३	२२ १ २१
१४	५० ७ ५१ ५०	५६ ५१ ३७	३१ ४२ ४२	३१ ५१ ५१ ११	४८ १० १८ २०	७ ४१ ५७ २९	७ ४८ ३	१५ ३ २१ ३३	२१ १ २१
१५	५० ७ ५१ ५०	५६ ५१ ३७	३० ४२ ४२	३० ५१ ५१ ११	४७ ११ १८ २०	७ ४१ ५७ २९	७ ४८ ३	१४ ३ २१ ३२	१९ १ २१
१६	५० ७ ५१ ५०	५५ ५२ ३७	२९ ४२ ४२	२९ ५१ ५१ ११	४६ ११ १७ १९	६ ४२ ५६ २८	६ ४८ ३	१३ ३ २१ ३२	१८ २ २१
१७	४८ ८ ५१ ४९	५४ ५२ ३७	२८ ४२ ४२	२८ ५२ ५१ १०	४४ ११ १७ १८	५ ४३ ५६ २७	५ ४९ ३	११ ४ २१ ३१	१६ ३ २१
१८	४८ ८ ५१ ४९	५३ ५२ ३७	२७ ४३ ४२	२७ ५२ ५१ ९	४३ ११ १७ १८	२ ४३ ५६ २६	२ ४९ २	१० ४ २० ३०	१५ ३ २०
१९	४८ ८ ५१ ४९	५२ ५२ ३७	२६ ४३ ४२	२६ ५२ ५१ ९	४२ १२ १७ १७	३३/१ ४३ ५५ २५	१ ५० २	९ ५ २० ३०	१३ ३ २०
२०	४६ ८ ५१ ४८	५१ ५२ ३७	२५ ४३ ४२	२५ ५३ ५० ९	४० १२ १७ १६	३२/५९ ४४ ५५ २५	३२/५९ ५० १	७ ५ २० २९	११ ४ २०
२१	४६ ८ ५१ ४८	५० ५३ ३७	२४ ४४ ४१	२४ ५३ ५० ८	३८ १३ १६ १६	५७ ४५ ५५ २४	५७ ५१ १	४ ६ १९ २८	८ ५ २०
२२	४४ ९ ५० ४७	४९ ५३ ३७	२२ ४५ ४१	२२ ५३ ५० ८	३७ १३ १६ १४	५५ ४५ ५५ २२	५५ ५१ १	२ ६ १९ २७	६ ५ १९
२३	४२ ९ ५० ४६	४८ ५३ ३७	२० ४५ ४१	२० ५४ ५० ७	३६ १३ १६ १४	५३ ४५ ५४ २२	५३ ५२ १	३३/० ७ १९ २६	५ ५ १९
२४	४२ ९ ५० ४६	४७ ५३ ३७	१९ ४५ ४१	१९ ५४ ४९ ५	३४ १४ १६ १३	५२ ४६ ५४ २१	५२ ५२ ०	३२/५९ ७ १८ २५	३ ६ १९
२५	४० १० ५० ४५	४६ ५३ ३७	१६ ४६ ४१	१८ ५४ ४९ ५	३३ १४ १५ १२	५१ ४६ ५४ २०	५१ ५३ ०	५७ ७ १८ २४	२ ६ १८
२६	३८ १० ४९ ४४	४५ ५४ ३६	१७ ४६ ४१	१७ ५५ ४९ ५	३१ १५ १५ १२	४९ ४७ ५३ २०	४९ ५३ ६/५९	५५ ७ १७ २४	३२/५९ ७ १८
२७	३८ १० ४९ ४४	४४ ५४ ३६	१५ ४६ ४०	१५ ५५ ४९ ४	२९ १५ १५ १०	४७ ४७ ५३ १८	४७ ५३ ५९	५३ ८ १७ २२	५७ ७ १७
२८	३६ १० ४९ ४३	४३ ५४ ३६	१३ ४६ ४०	१३ ५५ ४८ ३	२७ १५ १४ ९	४५ ४७ ५३ १७	४५ ५३ ५९	५१ ९ १७ २१	५५ ८ १६
२९	३४ ११ ४८ ४२	४२ ५४ ३६	१२ ४७ ३९	१२ ५५ ४८ २	२६ १६ १४ ९	४३ ४७ ५२ १७	४३ ५३ ५९	४८ ९ १६ १८	५२ ८ १६
३०	३४ ११ ४८ ४३	४१ ५४ ३५	१० ४७ ३९	१० ५६ ४८ १/०	२४ १६ १४ ७	४१ ४८ ५२ १५	४१ ५४ ५८	४६ ९ १६ १८	५१ ९ १६
	३१ ६ ६+०	३१ ५ ६	३२ ४ ५	३२ ५ ६+०	३२ ६ ७+१	३२ ५ ६+१	३२ ५ ६	३२ ६ ७+१	३२ ५ ६
३१	३२ ११ ४८ ४१	४० ५४ ३५	८ ४७ ३९	८ ५६ ४७ ५९	२२ १६ १३ ७	३९ ४८ ५१ १४	३९ ५५ ५८	४४ १० १५ १७	४९ ९ १५

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

जुलई १९३८

ता.	उदेपुर	(काशी) बनारस	(प्रयाग) अलाहाबाद	गवालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(काश्मिर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.
	३३ ५ ७	३३ ५ ६+१	३४ ५ ६	३४ ५ ७	३४ ५ ७	३४ ५ ७+२	३४ ५ ७+२	३५ ५ ७+२	३५ ५ ७+२
१	५६ ५१ २६	५८ १४ ५० ५४	३ १७ ५५	१४ ३० १२	१७ २० ३	२१ ३८ २३ ६	४३ २८ २१ १७	१९ २९ ३६ ३५	४७ २४ ४३ ४८
२	५६ ५१ २६	५८ १५ ५० ५४	३ १७ ५५	१३ ३० १२	१६ २१ ३	२१ ३८ २३ ६	४३ २८ २१ १७	१८ २९ ३६ ३५	४६ २४ ४३ ४८
३	५४ ५२ २६	५७ १५ ५० ५४	३ १८ ५५	१२ ३१ १२	१५ २१ ३	२० ३८ २३ ५	४२ २९ २१ १६	१७ २९ ३६ ३४	४५ २५ ४३ ४८
४	५४ ५२ २६	५६ १५ ५० ५३	२ १८ ५५	११ ३१ १२	१४ २१ ३	१९ ३९ २३ ५	४२ २९ २१ १६	१७ ३० ३६ ३४	४४ २५ ४३ ४७
५	५२ ५३ २६	५६ १६ ५० ५३	१ १९ ५५	१० ३२ १२	१३ २२ ३	१८ ३९ २३ ५	४१ २९ २१ १६	१६ ३० ३६ ३४	४२ २६ ४३ ४७
६	५२ ५३ २६	५५ १६ ५० ५२	० १९ ५५	९ ३२ ११	१२ २२ ३	१७ ३९ २२ ४	४० २९ २१ १५	१५ ३० ३६ ३२	४१ २६ ४३ ४६
७	५० ५३ २६	५४ १६ ५० ५२	३३/५९ १९ ५५	८ ३२ ११	११ २२ ३	१६ ३९ २२ २	३९ २९ २१ १४	१४ ३० ३६ ३१	४० २६ ४२ ४५
८	५० ५३ २६	५२ १७ ५० ५१	५८ १९ ५५	७ ३३ ११	१० २३ ३	१४ ४० २२ २	३८ ३० २१ १४	१२ ३१ ३६ ३१	३८ २७ ४२ ४४
९	४८ ५४ २६	५१ १७ ४९ ५१	५७ २० ५५	६ ३३ ११	९ २३ ३	१३ ४१ २२ १	३७ ३१ २१ १३	१० ३१ ३५ ३०	३५ २८ ४२ ४३
१०	४८ ५४ २६	५० १७ ४९ ५०	५६ २० ५५	५ ३४ ११	८ २३ ३	१२ ४१ २२ ०	३६ ३१ २१ १३	९ ३२ ३५ ३०	३३ २८ ४२ ४२
११	४६ ५५ २५	४८ १८ ४९ ४९	५४ २१ ५४	३ ३४ ११	७ २४ ३	११ ४२ २२ ०	३४ ३१ २१ ११	७ ३३ ३५ २९	३१ २९ ४२ ४१
१२	४६ ५५ २५	४७ १८ ४९ ४९	५२ २१ ५४	२ ३४ ११	५ २५ २	९ ४२ २१ ५९	३१ ३२ २१ १०	५ ३३ ३५ २७	२८ २९ ४१ ४०
१३	४४ ५६ २५	४६ १९ ४९ ४८	५० २२ ५४	० ३५ ११	३ २५ २	७ ४२ २१ ५८	२९ ३२ २० ९	२ ३३ ३४ २६	२६ ३० ४१ ३९
१४	४२ ५६ २५	४४ १९ ४९ ४७	४९ २२ ५३	३३/५८ ३५ १०	१ २५ २	५ ४३ २१ ५८	२७ ३३ २० ८	१ ३४ ३४ २६	२४ ३० ४१ ३८
१५	४० ५६ २४	४३ १९ ४८ ४६	४८ २२ ५३	५६ ३६ १०	० २६ २	४ ४३ २१ ५७	२६ ३३ २० ८	० ३५ ३४ २६	२१ ३१ ४० ३६
१६	३८ ५७ २४	४१ २० ४८ ४६	४७ २३ ५३	५४ ३६ १०	३३/५९ २६ १	३ ४४ २१ ५७	२४ ३४ १९ ७	३४/५८ ३५ ३३ २४	१९ ३२ ४० ३५
१७	३६ ५८ २४	३९ २० ४८ ४५	४५ २३ ५३	५२ ३७ १०	५७ २७ १	१ ४५ २१ ५६	२२ ३५ १९ ६	५५ ३६ ३३ २२	१७ ३२ ४० ३४
१८	३४ ५८ २४	३७ २१ ४८ ४४	४३ २३ ५३	५० ३७ ९	५५ २७ १	३३/५९ ४५ २० ५५	२० ३५ १९ ५	५२ ३७ ३३ २१	१४ ३३ ३९ ३२
१९	३२ ५८ २३	३६ २१ ४७ ४३	४० २४ ५३	४८ ३८ ९	५३ २८ १	५७ ४५ २० ५४	१८ ३५ १९ ४	५० ३७ ३२ २०	११ ३४ ३८ ३१
२०	३० ५९ २३	३४ २२ ४७ ४२	३९ २५ ५३	४६ ३८ ९	५१ २८ ०	५५ ४६ १९ ५३	१६ ३६ १८ ३	४८ ३८ ३१ १९	८ ३५ ३८ २९
२१	२८ ० २३	३२ २२ ४७ ४१	३६ २५ ५२	४४ ३९ ८	४९ २९ ०	५३ ४७ १९ ५२	१४ ३६ १८ २	४५ ३९ ३१ १७	५ ३५ ३८ २८
२२	२६ ० २२	३० २२ ४६ ४०	३४ २५ ५२	४२ ३९ ८	४५ २९ ०	५० ४८ १९ ५१	१० ३७ १७ ०	४० ३९ ३० १५	२ ३६ ३७ २६
२३	२४ ० २२	२८ २३ ४६ ३८	३२ २६ ५१	४० ४० ८	४३ ३० ५९	४८ ४८ १९ ४९	७ ३८ १७ ५९	३७ ४० ३० १४	३४/५९ ३६ ३६ २५
२४	२२ १ २२	२६ २३ ४५ ३८	३० २६ ५१	३८ ४० ७	४१ ३१ ५९	४६ ४८ १८ ४८	५ ३८ १७ ५७	३५ ४० २९ १३	५६ ३७ ३६ २३
२५	२० १ २१	२३ २४ ४५ ३७	२८ २७ ५१	३६ ४० ७	३९ ३१ ५९	४४ ४९ १८ ४७	३ ३९ १६ ५६	३३ ४१ २९ ११	५३ ३८ ३५ २२
२६	१८ २ २१	२१ २४ ४५ ३६	२५ २७ ५०	३४ ४१ ६	३७ ३१ ५८	४१ ४९ १७ ४६	१ ३९ १६ ५५	३० ४२ २८ १०	४९ ३८ ३४ २०
२७	१६ २ २०	१९ २५ ४४ ३४	२३ २८ ४९	३१ ४१ ६	३४ ३२ ५७	३८ ४९ १७ ४४	३३/५८ ४० १५ ५३	२६ ४२ २८ ८	४६ ३९ ३४ १८
२८	१४ २ २०	१६ २५ ४४ ३३	२१ २८ ४९	२८ ४२ ५	३१ ३३ ५७	३६ ५० १६ ४३	५४ ४१ १४ ५२	२३ ४३ २७ ७	४२ ४० ३३ १६
२९	१० ३ १९	१४ २६ ४३ ३२	१८ २८ ४९	२६ ४२ ५	२९ ३३ ५६	३३ ५१ १५ ४२	५२ ४१ १४ ५१	२१ ४४ २६ ५	३९ ४० ३२ १५
३०	८ ४ १९	१२ २६ ४३ ३१	१५ २९ ४८	२४ ४३ ४	२६ ३३ ५६	३० ५१ १५ ४०	४८ ४२ १३ ४९	१६ ४४ २६ ३	३५ ४१ ३२ १३
	३३ ६ ७	३३ ५ ६+१	३३ ५ ६	३३ ५ ७	३३ ५ ६	३३ ५ ७+१	३३ ५ ७+१	३४ ५ ७+१	३४ ५ ७+२
३१	६ ४ १८	९ २७ ४२ ३०	१२ ३० ४७	२० ४४ ४	२४ ३४ ५५	२७ ५२ १५ ३९	४६ ४२ १३ ४८	११ ४५ २५ २	३१ ४२ ३१ ११

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घाटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

अगस्त १९३८

ता.	महिसुर	मद्रास	रंगून	हैदराबाद	मुंबई	नागपुर	एलिचपुर	बडोदा	कलकत्ता
	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.
	३१ ६ ६+०	३१ ५ ६	३२ ४ ५	३२ ५ ६+०	३२ ६ ७+१	३२ ५ ६+१	३२ ५ ६	३२ ६ ७+१	३२ ५ ६
१	३२ ११ ४८ ४१	३९ ५५ ३५	६ ४८ ३९	६ ५७ ४७ ५८	२० १७ १३ ६	३६ ४९ ५१ १३	३६ ५५ ५७	४२ १० १५ १६	४६ ९ १५
२	३० १२ ४८ ४०	३७ ५५ ३५	५ ४८ ३८	५ ५७ ४७ ५८	१८ १७ १२ ५	३३ ४९ ५१ १२	३३ ५५ ५७	३९ ११ १५ १५	४३ १० १५
३	३० १२ ४८ ४०	३६ ५५ ३५	३ ४८ ३८	३ ५७ ४७ ५८	१६ १७ १२ ४	३१ ५० ५० ११	३१ ५६ ५७	३७ ११ १४ १४	४१ ११ १४
४	२८ १२ ४७ ३९	३५ ५६ ३४	२ ४८ ३८	२ ५८ ४६ ५७	१४ १८ ११ ३	२९ ५० ४९ १०	२९ ५६ ५६	३४ १२ १४ १२	३९ ११ १३
५	२८ १२ ४७ ३९	३४ ५६ ३४	० ४९ ३८	१२/० ५८ ४६ ५६	१२ १८ ११ २	२८ ५० ४९ ८	२८ ५७ ५६	३२ १२ १३ १२	३७ ११ १३
६	२६ १२ ४६ ३८	३२ ५६ ३३	३१/५१ ४९ ३७	३१/५१ ५८ ४५ ५५	१० १८ १० १	२६ ५० ४९ ८	२६ ५७ ५५	३० १२ १३ १०	३३ १२ १२
७	२४ १२ ४६ ३७	३१ ५६ ३३	५७ ४९ ३७	५७ ५८ ४५ ५४	८ १९ १० १/०	२३ ५१ ४८ ७	२३ ५७ ५५	२७ १३ १२ ९	३१ १२ १२
८	२४ १२ ४६ ३७	३० ५७ ३३	५५ ४९ ३६	५५ ५९ ४४ ५३	६ १९ ९ १०/५९	२१ ५१ ४८ ५	२१ ५८ ५४	२६ १३ ११ ८	२९ १२ ११
९	२२ १२ ४५ ३६	२९ ५७ ३२	५३ ५० ३५	५३ ५९ ४४ ५५	३ १९ ९ ५८	१९ ५२ ४७ ५	१९ ५८ ५४	२३ १३ ११ ६	२८ १२ ११
१०	२० १३ ४५ ३५	२७ ५७ ३२	५१ ५० ३५	५१ ५९ ४३ ५१	१ २० ८ ५७	१६ ५२ ४६ ३	१६ ५८ ५३	२० १४ १० ५	२३ १३ १०
११	२० १३ ४५ ३५	२६ ५७ ३१	५० ५० ३४	५० ५९ ४३ ५०	३१/५१ २० ८ ५६	१४ ५३ ४६ २	१४ ५९ ५२	१८ १४ ९ ४	२१ १३ ९
१२	१८ १३ ४४ ३४	२५ ५७ ३१	४८ ५० ३४	४८ ५९ ४३ ४९	५७ २० ७ ५५	१२ ५३ ४५ १	१२ ५९ ५२	१५ १५ ८ ३	१९ १३ ९
१३	१८ १३ ४४ ३३	२३ ५७ ३०	४६ ५१ ३४	४६ ५९ ४३ ४८	५५ २० ७ ५४	१० ५३ ४५ १/०	१० ५९ ५१	१२ १५ ८ १	१६ १४ ९
१४	१८ १३ ४४ ३३	२१ ५७ २९	४४ ५१ ३३	४४ ५/० ४१ ४७	५३ २१ ६ ५३	७ ५३ ४४ ०/५८	७ ५९ ५१	१० १५ ७ १/०	१३ १४ ७
१५	१४ १३ ४३ ३२	२० ५७ २९	४२ ५१ ३३	४२ ० ४१ ४७	५० २१ ५ ५२	४ ५३ ४३ ५७	४ ५/० ४९	७ १५ ७ १०/५८	१० १५ ७
१६	१२ १४ ४२ ३१	१९ ५८ २९	४० ५१ ३२	४० १ ४० ४६	४८ २१ ४ ५१	१ ५४ ४२ ५५	१ ० ४९	४ १६ ६ ५७	७ १५ ६
१७	१२ १४ ४२ ३०	१७ ५८ २८	३८ ५१ ३१	३८ १ ४० ४५	४६ २१ ३ ४९	३१/५८ ५५ ४२ ५४	३१/५८ १ ४८	२ १६ ५ ५६	४ १५ ५
१८	१० १४ ४२ २९	१६ ५८ २८	३६ ५२ ३१	३६ १ ३९ ४४	४३ २२ ३ ४८	५६ ५५ ४१ ५३	५६ १ ४७	३१/५१ १७ ४ ५५	२ १५ ५
१९	८ १४ ४१ २९	१४ ५८ २७	३४ ५२ ३०	३४ १ ३९ ४३	४१ २२ २ ४७	५४ ५५ ४१ ५२	५४ १ ४६	५७ १७ ३ ५३	० १६ ४
२०	८ १४ ४१ २८	१३ ५८ २७	३२ ५२ ३०	३२ १ ३८ ४२	३९ २२ २ ४६	५२ ५५ ४० ५१	५२ १ ४६	५४ १७ ३ ५२	३१/५७ १६ ३
२१	६ १४ ४० २७	११ ५८ २६	३० ५२ २९	३० १ ३७ ४१	३७ २२ १ ४५	४९ ५५ ३९ ४९	४९ १ ४५	५१ १८ २ ५१	५४ १७ २
२२	४ १४ ४० २६	९ ५८ २५	२८ ५२ २८	२८ २ ३७ ४०	३४ २३ ० ४४	४६ ५६ ३८ ४८	४६ २ ४४	४८ १८ १ ४९	५१ १७ १
२३	२ १४ ३९ २५	८ ५८ २५	२६ ५३ २८	२६ २ ३६ ३९	३१ २३ ५/१ ४३	४३ ५६ ३७ ४७	४३ ३ ४३	४५ १८ १ ४८	४८ १७ १
२४	० १४ ३८ २४	६ ५८ २५	२४ ५३ २७	२४ २ ३५ ३८	२९ २३ ५९ ४२	४१ ५७ ३७ ४५	४१ ३ ४२	४३ १८ ० ४६	४५ १७ ०
२५	३०/५८ १४ ३८ २४	४ ५९ २४	२२ ५३ २७	२२ २ ३५ ३७	२७ २३ ५८ ४०	३८ ५७ ३६ ४४	३८ ३ ४२	४० १९ ५/१ ४५	४२ १८ ५/१
२६	५८ १४ ३८ २३	२ ५९ २४	२० ५३ २६	२० २ ३४ ३६	२४ २४ ५७ ३९	३५ ५७ ३५ ४३	३५ ४ ४१	३७ १९ ५९ ४५	३८ १९ ५९
२७	५६ १४ ३७ २२	० ५९ २३	१७ ५३ २५	१७ ३ ३४ ३५	२१ २४ ५६ ३७	३१ ५८ ३४ ४३	३१ ५ ४१	३३ २० ५७ ४५	३५ १९ ५७
२८	५४ १४ ३६ २२	५/० ५९ २२	१४ ५४ २५	१४ ३ ३३ ३३	१८ २४ ५५ ३६	२८ ५८ ३३ ३९	२८ ५ ४०	३० २० ५६ ४०	३२ १९ ५६
२९	५४ १४ ३६ २१	५७ ५९ २२	१२ ५४ २४	१२ ३ ३३ ३२	१५ २५ ५५ ३५	२६ ५८ ३३ ३८	२६ ५ ३९	२७ २१ ५६ ३९	२९ २० ५६
३०	५२ १४ ३५ २०	५६ ५९ २१	१० ५४ २३	१० ३ ३२ ३०	१३ २५ ५४ ३४	२४ ५८ ३३ ३७	२४ ५ ३९	२५ २१ ५५ ३७	२७ २० ५५
	३० ६ ६+०	३० ५ ६	३१ ४ ५	३१ ६ ६+०	३१ ६ ६+०	३१ ५ ६+०	३१ ६ ६	३१ ६ ६०+	३० ५ ५
३१	५० १४ ३४ २०	५४ ५९ २१	८ ५५ २३	८ ३ ३१ ३०	११ २५ ५३ ३३	२१ ५९ ३१ ३५	२१ ५ ३८	२२ २१ ५४ ३६	२४ २० ५४

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल, सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

अगस्त १९३८

ता.	उदेपुर	(काशी) बनारस	(प्रयाग) अलाहाबाद	ग्वालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(काश्मीर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.
	३३ ६ ७	३३ ५ ६ +१	३३ ५ ६	३३ ५ ७	३३ ५ ६	३३ ५ ७ +१	३३ ५ ७ +१	३४ ५ ७ +१	३४ ५ ७ +२
१	२ ५ १८	७ २७ ४२ २८	१० ३० ४७	१८ ४४ ३	२० ३४ ५५	२४ ५२ १४ ३७	४२ ४३ १२ ४६	९ ४६ २४ ५९	२७ ४२ ३० ९
२	० ५ १८	४ २८ ४१ २७	७ ३१ ४७	१६ ४४ २	१७ ३५ ५४	२१ ५३ १३ ३६	३९ ४४ ११ ४५	६ ४७ २३ ५८	२३ ४४ २९ ७
३	३२/५९ ६ १७	२ २८ ४० २६	५ ३१ ४६	१२ ४५ २	१५ ३५ ५४	१८ ५३ १३ ३४	३६ ४४ ११ ४३	२ ४७ २३ ५६	२० ४४ २८ ५
४	५६ ६ १६	३२/५९ २९ ४० २५	२ ३२ ४५	१० ४६ २	१२ ३६ ५३	१६ ५४ १२ ३३	३३ ४५ १० ४२	० ४८ २२ ५५	१६ ४५ २८ ३
५	५२ ६ १५	५६ २९ ३९ २३	३२/५९ ३२ ४४	६ ४६ ०	९ ३७ ५३	११ ५४ १२ ३१	२९ ४६ ९ ४०	३३/५५ ४९ २१ ५२	१२ ४६ २६ १
६	५० ७ १५	५४ ३० ३९ २२	५६ ३३ ४४	४ ४६ ०	६ ३७ ५१	१३ ५५ ११ ३०	२७ ४६ ८ ३९	५२ ४९ २० ५१	८ ४६ २६ ५९
७	४८ ७ १४	५१ ३० ३८ २०	५२ ३४ ४३	० ४७ ५९	३ ३७ ५१	७ ५५ १० २९	२३ ४६ ७ ३७	४८ ५० २० ४९	४ ४७ २५ ५७
८	४६ ८ १४	४८ ३० ३७ १९	५० ३४ ४२	३२/५७ ४८ ५९	० ३८ ५०	४ ५६ ९ २७	१९ ४७ ७ ३५	४३ ५० १९ ४७	० ४८ २४ ५५
९	४२ ८ १३	४५ ३१ ३७ १८	४७ ३४ ४१	५४ ४८ ५८	३२/५८ ३९ ५०	२ ५६ ९ २६	१७ ४८ ७ ३४	४० ५१ १९ ४५	३३/५६ ४८ २३ ५३
१०	४० ८ १२	४२ ३१ ३६ १६	४४ ३५ ४१	५१ ४८ ५७	५४ ३९ ४९	३२/५८ ५७ ८ २४	१३ ४८ ५ ३२	३६ ५१ १७ ४३	५१ ४९ २२ ५१
११	३६ ९ १२	३९ ३२ ३५ १५	४१ ३५ ४०	४८ ४९ ५६	५० ४० ४८	५४ ५७ ७ २२	९ ४९ ४ २९	३३ ५२ १७ ४१	४७ ५० २१ ४९
१२	३४ ९ ११	३६ ३२ ३४ १३	३८ ३६ ३९	४५ ४९ ५६	४८ ४० ४७	५२ ५८ ७ २१	७ ४९ ४ २८	३० ५२ १६ ४०	४३ ५० २० ४७
१३	३० १० १०	३३ ३३ ३४ १२	३५ ३७ ३८	४२ ५० ५४	४५ ४० ४७	४९ ५८ ५ १९	३ ५० ३ २५	२५ ५३ १५ ३७	३८ ५२ १९ ४४
१४	२८ १० १०	३० ३३ ३३ १०	३१ ३७ ३७	३९ ५० ५४	४२ ४१ ४६	४५ ५९ ५ १७	३२/५९ ५१ २ २४	२० ५४ १४ ३६	३४ ५२ १८ ४२
१५	२४ ११ ८	२७ ३४ ३२ ९	२८ ३७ ३७	३६ ५१ ५४	३८ ४१ ४५	४१ ५९ ४ १६	५३ ५१ १ २२	१४ ५५ १२ ३३	२९ ५३ १७ ४०
१६	२२ ११ ८	२४ ३४ ३१ ७	२५ ३८ ३६	३२ ५२ ५२	३४ ४२ ४४	३८ ६/० ३ १४	५१ ५२ ० २०	११ ५५ ११ ३१	२५ ५४ १६ ३८
१७	१८ १२ ७	२१ ३५ ३० ६	२१ ३८ ३५	२८ ५२ ५२	३१ ४३ ४३	३४ ० २ १२	४७ ५२ ५९ १८	७ ५६ ११ २९	२० ५४ १५ ३५
१८	१६ १२ ६	१८ ३५ ३० ४	१९ ३९ ३५	२४ ५३ ५०	२९ ४३ ४३	३२ ० २ १०	४३ ५३ ५८ १६	२ ५७ १० २६	१५ ५५ १४ ३३
१९	१२ १३ ६	१५ ३५ २९ २	१६ ३९ ३३	२१ ५३ ५०	२६ ४३ ४२	२९ १ १ ९	४१ ५३ ५७ १५	० ५७ ९ २५	१० ५६ १३ ३१
२०	१० १३ ५	११ ३६ २८ १	१३ ३९ ३२	१८ ५४ ४९	२२ ४४ ४१	२५ १ ० ८	३७ ५३ ५७ १४	३३/५५ ५७ ८ २३	६ ५७ १२ २८
२१	६ १३ ४	८ ३६ २७ ५९	१० ४० ३२	१५ ५४ ४८	१९ ४४ ३९	२१ २ ५९ ६	३३ ५४ ५५ १२	५१ ५८ ७ २१	१ ५७ १० २६
२२	२ १४ ३	५ ३७ २६ ५८	६ ४० ३१	१२ ५५ ४७	१५ ४५ ३८	१८ ३ ५८ ४	२९ ५५ ५४ १०	४७ ५९ ६ १९	३३/५६ ५८ ९ २४
२३	० १४ २	२ ३७ २५ ५६	३ ४१ ३०	८ ५५ ४६	११ ४५ ३७	१४ ३ ५७ २	२५ ५५ ५३ ८	४३ ५९ ५ १६	५१ ५९ ८ २१
२४	३२/५८ १५ १	३२/५८ ३७ २४ ५४	० ४१ २९	४ ५५ ४५	८ ४६ ३५	११ ३ ५७ ०	२१ ५६ ५२ ६	३८ ६/० ३ १४	४७ ६/० ७ १९
२५	५२ १५ ०	५५ ३८ २३ ५३	३२/५५ ४२ २८	२ ५५ ४४	५ ४६ ३५	९ ३ ५५ ५९	१७ ५७ ५१ ४	३३ १ २ १२	४२ ० ५ १६
२६	५० १६ ०	५२ ३८ २२ ५१	५१ ४३ २७	३२/५८ ५६ ४४	१ ४७ ३४	४ ४ ५४ ५७	१३ ५७ ५० २	२९ १ १ १०	३७ १ ४ १४
२७	४६ १६ ५८	४८ ३९ २१ ४९	४८ ४३ २६	५४ ५७ ४२	३२/५६ ४८ ३४	३२/५८ ५ ५३ ५४	८ ५८ ४९ ५९	२३ २ १ ६	३२ २ ३ ११
२८	४२ १६ ५७	४५ ३९ २० ४७	४५ ४३ २५	५० ५७ ४१	५४ ४८ ३३	५३ ६ ५२ ५२	४ ५९ ४८ ५७	१८ ३ ५९ ४	२७ ३ १ ८
२९	४० १७ ५७	४१ ३९ १९ ४६	४२ ४४ २५	४६ ५८ ४०	४९ ४९ ३२	५१ ७ ५१ ५१	० ५९ ४७ ५५	१४ ४ ५७ २	२२ ४ ० ६
३०	३६ १७ ५६	३८ ४० १८ ४४	३८ ४४ २३	४२ ५८ ३९	४६ ४९ ३१	४८ ७ ५० ४९	३२/५६ ६/० ४५ ५३	१० ४ ५७ ०	१७ ४ ५९ ३
	३१ ६ ६	३१ ५ ६ +०	३१ ५ ६	३१ ५ ६	३१ ५ ६	३१ ६ ६ +०	३१ ६ ६ +०	३२ ६ ६ +०	३२ ६ ६ +१
३१	३४ १७ ५५	३५ ४० १७ ४२	३५ ४५ २३	३८ ५९ ३८	४२ ४९ ३१	४४ ७ ४९ ४७	५३ ० ४५ ५१	५ ५ ५५ ५८	१२ ५ ५८ १

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल ।

सितम्बर १९३८

ता.	महिसुर	मद्रास	रंगून	हैदराबाद	मुंबई	नागपुर	एलिचपुर	बडोदा	कलकत्ता
	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.
	३० ६ ६ +०	३० ५ ६	३१ ४ ५	३१ ६ ६ +०	३१ ६ ६ +०	३१ ५ ६ +०	३१ ६ ६	३१ ६ ६ +०	३१ ५ ५
१	४८ १४ ३४ १९	५३ ५९ २०	६ ५५ २२	६ ३ ३० २९	९ २५ ५३ ३१	१८ ५९ ३० ३४	१८ ५ ३७	२२ २१ ५४ ३६	२१ २१ ५३
२	४६ १४ ३३ १८	५० ५९ १९	३ ५५ २१	३ ३ २९ २८	७ २५ ५२ ३०	१५ ५९ २९ ३३	१५ ५ ३६	१९ २१ ५४ ३५	१७ २१ ५२
३	४४ १४ ३२ १७	४८ ५९ १८	१ ५५ २०	१ ४ २८ २६	५ २५ ५१ २८	११ ६/० २८ ३१	११ ६ ३४	१३ २१ ५२ ३३	१४ २१ ५१
४	४४ १४ ३२ १७	४७ ५९ १८	३०/५८ ५५ १९	३०/५८ ४ २७ २५	३१/२ २५ ५० २७	९ ० २८ ३०	९ ६ ३३	१२ २१ ५१ ३१	११ २१ ५०
५	४२ १४ ३१ १६	४५ ५९ १७	५६ ५५ १८	५६ ४ २७ २४	३०/५९ २६ ४९ २६	७ ० २६ २८	७ ७ ३२	९ २१ ५० ३०	८ २२ ४९
६	४० १४ ३० १५	४४ ५९ १७	५४ ५५ १७	५४ ४ २६ २३	६ २६ ४८ २५	४ १ २५ २७	४ ७ ३१	७ २२ ५० २८	५ २२ ४८
७	३८ १४ ३० १४	४२ ५९ १६	५२ ५५ १७	५२ ४ २५ २२	३ २६ ४७ २४	१ १ २४ २६	१ ७ ३१	४ २२ ४९ २७	१ २३ ४७
८	३६ १४ २९ १३	४० ५९ १५	४९ ५५ १६	४९ ५ २४ २१	५१ २६ ४७ २२	३०/५७ १ २३ २४	३०/५७ ७ ३०	० २२ ४८ २५	३०/५८ २३ ४६
९	३६ १४ २९ १३	३८ ५९ १५	४७ ५५ १५	४७ ५ २३ १९	४८ २६ ४६ २१	५५ १ २२ २३	५५ ८ २९	३०/५७ २३ ४७ २४	५५ २३ ४५
१०	३४ १४ २८ १२	३६ ५९ १४	४५ ५५ १५	४५ ५ २३ १८	४६ २७ ४५ १९	५२ २ २२ २१	५२ ८ २८	५५ २३ ४६ २२	५२ २३ ४४
११	३२ १४ २७ ११	३४ ५९ १३	४३ ५६ १४	४३ ५ २२ १७	४३ २७ ४४ १८	४९ २ २१ २०	४९ ८ २७	५२ २४ ४४ २१	४८ २४ ४३
१२	३० १४ २६ १०	३२ ६/० १३	३९ ५६ १३	३९ ५ २१ १६	४० २७ ४३ १६	४६ २ २० १८	४६ ८ २७	४८ २४ ४३ १९	४६ २४ ४३
१३	२८ १४ २६ ९	३० ० १२	३६ ५६ १२	३६ ६ २० १४	३७ २७ ४२ १५	४३ ३ २० १७	४३ ९ २६	४५ २५ ४३ १८	४३ २४ ४२
१४	२६ १४ २५ ८	२९ ० ११	३५ ५७ १२	३५ ६ १९ १३	३४ २७ ४१ १४	४१ ३ १९ १५	४१ ९ २५	४२ २५ ४२ १६	४१ २५ ४१
१५	२४ १५ २४ ७	२६ ० १०	३३ ५७ ११	३३ ६ १९ १३	३१ २८ ४० १३	३८ ३ १८ १४	३८ ९ २४	३९ २५ ४१ १५	३६ २५ ३९
१६	२४ १५ २४ ७	२४ ० १०	३० ५७ १०	३० ६ १८ ११	२८ २८ ३९ ११	३४ ३ १७ १२	३४ ९ २३	३५ २६ ३९ १३	३३ २६ ३९
१७	२२ १५ २४ ६	२३ ० ९	२८ ५७ ९	२८ ६ १७ १०	२६ २८ ३९ १०	३२ ३ १६ ११	३२ ९ २२	३३ २६ ३९ ११	३० २६ ३८
१८	२० १५ २३ ५	२१ ० ८	२६ ५७ ९	२६ ६ १७ ९	२४ २८ ३८ ९	२९ ४ १५ १०	२९ १० २१	३० २६ ३८ १०	२६ २६ ३७
१९	१८ १५ २२ ४	१८ ० ७	२२ ५७ ८	२२ ७ १५ ८	२२ २८ ३७ ७	२५ ४ १४ ८	२५ १० २१	२६ २७ ३७ ८	२३ २६ ३६
२०	१६ १५ २१ ३	१६ ० ७	२० ५८ ७	२० ७ १५ ६	१९ २८ ३६ ६	२३ ४ १३ ६	२३ १० २०	२३ २७ ३६ ७	२१ २७ ३५
२१	१४ १५ २० २	१५ ० ६	१८ ५८ ५	१८ ७ १४ ५	१६ २८ ३५ ५	२० ४ १२ ५	२० १० १९	२० २७ ३५ ५	१७ २७ ३४
२२	१२ १५ २० १	१२ १ ५	१५ ५८ ५	१५ ७ १३ ४	१३ २९ ३४ ३	१६ ५ ११ ३	१६ ११ १७	१७ २७ ३४ ३	१४ २७ ३३
२३	१० १५ १९ ०	११ १ ५	१३ ५८ ४	१३ ७ १३ ३	१० २९ ३३ २	१४ ५ ११ २	१४ ११ १७	१४ २८ ३३ २	११ २८ ३२
२४	८ १५ १९ ०	८ १ ४	११ ५८ ४	११ ७ १२ १	८ २९ ३२ ०	११ ५ ९ १	११ १२ १६	११ २८ ३२ १	७ २८ ३१
२५	८ १५ १७ -१	६ १ ३	८ ५८ ३	८ ७ ११ ०	६ २९ ३२ -१	६ ५ ९ -१	७ १२ १५	७ २८ ३१ -१	४ २८ ३०
२६	६ १५ १८ २	४ १ २	४ ५८ २	४ ७ ९ -१	४ २९ ३१ २	५ ५ ८ ३	५ १२ १४	५ २८ ३१ ३	२ २८ २९
२७	४ १५ १६ ३	२ १ १	१ ५८ १	३०/१ ७ ९ ३	३०/१ ३० ३० ४	३०/२ ६ ७ ४	२ १२ १२	२ २९ २९ ४	२९/५८ २९ २८
२८	४ १५ १६ ३	३०/० १ १	५९ ५८ ५/०	२९/५९ ८ ८ ५	२९/५८ ३० २९ ५	२९/५९ ६ ५ ६	२९/५९ १३ १२	२९/५८ २९ २८ ६	५५ २९ २७
२९	२ १५ १६ ४	२९/५८ १ ६/०	५७ ५९ ४/५९	५७ ८ ७ ६	५५ ३० २८ ६	५६ ७ ५ ७	५६ १३ ११	५५ २९ २८ ७	५२ २९ २६
	३० ६ ६ -०	२९ ६ ५	२९ ४ ४	२९ ६ ६ -०	२९ ६ ६ -०	२९ ६ ६ -०	२९ ६ ६	२९ ६ ६ -०	२९ ५ ५
३०	० १५ १५ ५	५६ १ ५९	५५ ५९ ५८	५५ ८ ६ ७	५२ ३० २७ ८	५३ ७ ४ ८	५३ १३ ११	५३ ३० २७ ९	४८ ३० २५

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंके दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

सितंबर १९३८

ता.	उदेपुर	(काशी) बनारस	(प्रयाग) अलाहाबाद	गवालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(कास्मिर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.
	३१ ६ ६	३१ ५ ६+०	३१ ५ ६	३१ ५ ६	३१ ५ ६	३१ ६ ६+०	३१ ६ ३०+	३२ ६ ६+०	३२ ६ ६+०
१	३० १८ ५४	३१ ४० १६ ४१	३१ ४५ २१	३४ ५९ ३७	३१ ५० २९	४१ ८ ४५ ४५	४९ १ ४४ ४९	१ ६ ५४ ५६	७ ६ ५६ ५८
२	२६ १८ ५२	२८ ४१ १५ ३९	२७ ४५ २०	३२ ५९ ३६	३५ ५० २८	३६ ८ ४५ ४४	४५ १ ४३ ४८	३/५५ ६ ५३ ५४	२ ६ ५५ ५६
३	२२ १८ ५१	२४ ४१ १४ ३७	२४ ४५ १९	२८ ५/० ३५	३१ ५१ २७	३२ ९ ४५ ४१	४१ १ ४१ ४६	५३ ६ ५२ ५१	३१/५७ ७ ५३ ५३
४	२० १८ ५०	२१ ४१ १३ ३५	२० ४६ १८	२४ ० ३४	२७ ५१ २६	२८ ९ ४५ ३९	३६ २ ४० ४३	४७ ७ ५० ४८	५२ ७ ५२ ५१
५	१६ १९ ५०	१७ ४२ १३ ३३	१७ ४६ १७	२० १ ३३	२४ ५१ २५	२५ ९ ४३ ३८	३२ ३ ३९ ४१	४२ ८ ४९ ४६	४७ ८ ५१ ४८
६	१२ २० ४८	१४ ४२ १२ ३२	१४ ४७ १६	१६ १ ३२	२० ५२ २४	२२ १० ४३ ३६	२९ ३ ३८ ४०	३८ ९ ४८ ४४	४२ ९ ५० ४६
७	१० २० ४८	१० ४३ १० ३०	९ ४७ १५	१२ २ ३०	१७ ५२ २३	१८ १० ४१ ३४	२४ ३ ३७ ३७	३२ ९ ४६ ४२	३७ १० ४८ ४३
८	६ २० ४६	६ ४३ ९ २८	६ ४७ १४	१० २ ३०	१७ ५२ २२	१३ ११ ४० ३३	१९ ४ ३६ ३४	२७ १० ४५ ३९	३२ १० ४७ ४१
९	२ २१ ४६	३ ४३ ८ २६	२ ४८ १३	६ २ २९	८ ५३ २०	१० ११ ३९ ३०	१३ ५ ३४ ३१	२३ १० ४५ ३७	२७ ११ ४६ ३८
१०	० २१ ४५	३/५१ ४४ ७ २५	३/५१ ४९ १२	२ ३ २८	५ ५४ १९	६ १२ ३८ २८	९ ६ ३३ ३०	१९ ११ ४४ ३४	२२ १२ ४४ ३६
११	३/५५ २१ ४४	५६ ४४ ६ २२	५५ ४९ ११	३०/५८ ३ २६	२ ५४ १९	३ १२ ३७ २६	५ ६ ३३ २८	१५ १२ ४१ ३२	१७ १२ ४३ ३३
१२	५२ २२ ४२	५२ ४४ ५ २१	५१ ५० १०	५४ ४ २५	३०/५७ ५४ १७	३०/५८ १३ ३६ २४	१ ६ ३१ २६	८ १३ ४० २९	११ १३ ४२ ३१
१३	४८ २२ ४१	४८ ४५ ४ १९	४८ ५० ९	५२ ४ २४	५३ ५५ १७	५४ १३ ३५ २२	३/५८ ७ ३० २४	४ १३ ३९ २७	६ १४ ४० २८
१४	४६ २२ ४०	४५ ४५ ३ १७	४५ ५० ८	४८ ४ २३	५० ५५ १६	५१ १४ ३४ २०	५२ ८ २९ २६	० १४ ३८ २५	१ १४ ३८ २५
१५	४२ २३ ४०	४१ ४६ २ १६	४० ५१ ७	४४ ५ २२	४७ ५५ १५	४७ १४ ३३ १८	५० ८ २८ २०	३०/५६ १४ ३७ २३	३०/५६ १६ ३७ २२
१६	३८ २३ ३८	३८ ४६ ० १४	३७ ५१ ६	४० ५ २१	४१ ५६ १३	४२ १५ ३१ १६	४५ ८ २७ १७	४१ १५ ३५ २०	५० १६ ३६ २०
१७	३४ २४ ३८	३४ ४६ ५/५ १२	३४ ५१ ५	३६ ६ २०	३९ ५७ १२	३८ १५ ३१ १४	४१ ९ २६ १५	४५ १६ ३४ १८	४५ १७ ३५ १७
१८	३० २४ ३६	३० ४७ ५८ १०	२९ ५२ ३	३२ ६ १९	३५ ५७ ११	३५ १६ २९ १३	३६ १० २४ १४	४१ १६ ३३ १६	४० १८ ३३ १४
१९	२६ २५ ३५	२७ ४७ ५७ ८	२६ ५२ ३	२८ ७ १८	३० ५८ १०	३० १६ २८ १०	३० ११ २३ १०	३५ १७ ३१ १२	३५ १८ ३२ १२
२०	२४ २५ ३४	२३ ४८ ५६ ७	२३ ५२ २	२४ ८ १७	२७ ५८ ९	२७ १७ २७ ८	२८ ११ २२ ९	२९ १८ ३० ९	२९ १९ ३० ९
२१	२० २५ ३३	१९ ४८ ५५ ५	१८ ५२ ०	२० ८ १६	२३ ५८ ८	२१ १७ २६ ७	२५ ११ २१ ७	२६ १८ २९ ८	२४ २० २९ ७
२२	१६ २६ ३२	१५ ४८ ५४ ३	१५ ५४ ५/५	१६ ८ १४	१८ ५९ ६	१८ १८ २५ ४	१८ १२ १९ ४	२० १९ २७ ५	१९ २१ २८ ४
२३	१२ २६ ३१	१२ ४९ ५३ १	१२ ५४ ५९	१२ ९ १४	१५ ५/० ५	१५ १८ २४ २	१५ १३ १८ ३	१६ २० २६ ३	१४ २१ २७ २
२४	८ २७ ३०	९ ४१ ५२ -१	६ ५४ ५७	८ ९ १२	१२ ० ५	१२ १८ २३ -१	१२ १३ १७ -१	१२ २० २५ -१	८ २२ २५ -१
२५	४ २७ २९	४ ५० ५१ ३	३ ५५ ५६	४ १० ११	६ ० ३	६ १८ २२ २	६ १३ १६ २	६ २१ २३ २	३ २३ २४ ४
२६	२ २७ २८	० ५० ४९ ५	० ५५ ५५	० १० १०	३ १ २	३ १९ २१ ३	३ १३ १५ ४	२ २१ २२ ४	२/५६ २४ २३ ६
२७	१/५८ २८ २७	१/५१ ५० ४८ ७	२१/५१ ५५ ५४	२१/५१ १० ९	० १ १	० १९ १९ ५	२१/५१ १४ १३ ६	२१/५८ २२ २१ ६	५३ २४ २१ ९
२८	५४ २८ २६	५४ ५१ ४७ ९	५३ ५६ ५३	५३ ११ ८	२१/५५ १ ०	२१/५५ २० १८ ८	५३ १४ १२ ८	५१ २३ १९ ९	४८ २५ २० ११
२९	५० २९ २५	४९ ५१ ४६ ११	४९ ५६ ५२	५० ११ ७	५२ २ ५/५	५१ २१ १७ ९	४९ १५ ११ १०	४७ २३ १९ ११	४३ २६ १८ १४
	२९ ६ ६	२९ ५ ५ -०	२९ ५ ५	२९ ६ ६	२९ ६ ५	२९ ६ ६ -०	२९ ६ ६ -०	२९ ६ ६ -०	२९ ६ ६ -०
३०	४८ २९ २४	४५ ५२ ४५ १२	४५ ५७ ५१	४६ १२ ६	४९ ३ ५८	४८ २१ १६ ११	४६ १६ १० १२	४३ २४ १७ १४	३९ २६ १७ १६

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

अक्टूबर १९३८

ता.	महिसुर				मद्रास			रंगून			हैदराबाद				मुंबई				नागपुर				एलिचपुर			बडोदा				कलकत्ता		
	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.
	३०	६	६	-०	२९	६	५	२९	४	४	२९	६	६	-०	२९	६	६	-०	२९	६	६	-०	२९	६	६	२९	६	६	-०	२९	५	५
१	०	१४	१४	५	५४	१	५९	५३	५९	५७	५३	८	५	७	४९	३१	२६	९	५०	६	३	१०	५०	१३	९	४९	३०	२५	११	४५	३०	२४
२	२९/५८	१४	१४	६	५२	१	५८	५१	५९	५७	५१	८	५	८	४६	३१	२५	११	४७	६	३	१२	४७	१३	९	४६	३०	२५	१२	४२	३०	२३
३	५६	१४	१३	७	५०	१	५७	४६	५९	५६	४६	८	४	१०	४३	३१	२४	१२	४४	६	२	१३	४४	१३	७	४३	३०	२४	१३	३८	३१	२२
४	५६	१४	१२	७	४९	१	५६	४४	५९	५५	४४	८	३	१२	४१	३१	२४	१३	४१	६	१	१५	४१	१३	८	३९	३१	२३	१५	३५	३१	२१
५	५४	१४	१२	८	४७	१	५५	४२	५९	५४	४२	८	२	१३	३९	३१	२३	१५	३८	७	५/०	१६	३८	१३	७	३६	३१	२१	१७	३३	३१	२०
६	५२	१४	११	९	४५	१	५५	३९	५९	५३	३९	८	१	१४	३६	३२	२२	१६	३५	७	५९	१७	३५	१३	५	३४	३१	२१	१८	२९	३१	१९
७	५०	१४	१०	१०	४३	१	५४	३६	५९	५२	३६	९	५/०	१६	३४	३२	२१	१८	३१	७	५८	१९	३१	१३	५	३०	३१	१९	२०	२६	३२	१८
८	४८	१४	१०	११	४१	१	५३	३४	५/०	५१	३४	९	५९	१७	३२	३२	२१	१९	२९	७	५८	२१	२९	१४	४	२७	३२	१९	२२	२३	३२	१७
९	४६	१४	९	१२	३९	१	५३	३१	०	५१	३१	९	५९	१८	२९	३२	२०	२०	२६	८	५७	२२	२६	१४	३	२४	३२	१८	२३	१९	३२	१६
१०	४६	१४	८	१२	३८	१	५२	२९	०	५०	२९	९	५७	१९	२६	३३	१९	२२	२३	८	५५	२४	२३	१५	२	२०	३३	१७	२५	१६	३३	१५
११	४४	१४	८	१३	३६	१	५२	२७	१	४९	२७	१०	५७	२१	२३	३३	१८	२३	२०	८	५५	२५	२०	१५	१	१७	३३	१५	२६	१३	३३	१४
१२	४२	१४	७	१४	३४	१	५१	२५	१	४८	२५	१०	५६	२२	२०	३३	१७	२४	१७	९	५४	२६	१७	१५	१	१५	३३	१५	२८	११	३३	१३
१३	४०	१५	७	१५	३२	२	५१	२२	१	४८	२२	१०	५६	२३	१७	३४	१६	२५	१५	९	५३	२८	१५	१५	५९	१२	३३	१४	२९	६	३४	१३
१४	३८	१५	६	१६	३०	२	५०	१९	१	४७	१९	१०	५५	२४	१५	३४	१५	२७	११	९	५३	३०	११	१६	५९	८	३४	१३	३१	३	३५	११
१५	३६	१५	५	१७	२८	२	४९	१७	१	४६	१७	११	५४	२५	१३	३४	१५	२८	८	१०	५१	३१	८	१७	५७	५	३५	१२	३२	०	३५	१०
१६	३४	१५	५	१८	२७	२	४९	१५	२	४५	१५	११	५३	२६	१०	३४	१४	३०	६	११	५०	३२	६	१७	५६	२	३५	११	३४	२८/५८	३५	९
१७	३२	१५	४	१९	२५	३	४८	१२	३	४४	१२	११	५२	२७	८	३४	१४	३१	४	११	४९	३३	५	१८	५५	२९/५८	३५	११	३५	५५	३५	९
१८	३०	१६	४	२०	२३	३	४७	११	३	४३	११	१२	५२	२९	५	३५	१३	३३	२८/५९	१२	४८	३५	३	१८	५४	५५	३५	१०	३७	५२	३६	७
१९	२८	१६	३	२१	२१	३	४७	८	३	४३	८	१२	५१	३०	२९/२	३५	१२	३३	५८	१२	४७	३६	२८/५९	१९	५४	५४	३६	९	३९	४८	३७	७
२०	२८	१६	३	२१	२०	३	४७	६	३	४२	६	१२	५१	३१	२८/५९	३६	११	३५	५४	१३	४६	३८	५८	१९	५३	५०	३६	८	४०	४५	३७	६
२१	२६	१६	२	२२	१८	३	४६	३	३	४२	३	१३	४९	३२	५७	३६	११	३६	५२	१३	४६	३९	५४	१९	५२	४७	३७	८	४२	४२	३८	५
२२	२४	१६	२	२३	१६	३	४५	१	४	४१	२९/१	१३	४९	३३	५५	३६	१०	३७	४९	१३	४५	४१	५२	२०	५१	४४	३८	७	४३	३९	३८	४
२३	२२	१६	१	२४	१५	३	४५	२८/५९	४	४०	२८/५९	१३	४८	३४	५३	३७	९	३९	४६	१४	४४	४२	४९	२०	५१	४१	३८	५	४४	३६	३८	४
२४	२०	१६	०	२५	१३	३	४४	५७	४	३९	५७	१३	४८	३४	५०	३७	९	४०	४३	१४	४३	४३	४६	२०	५०	३९	३८	५	४६	३३	३८	३
२५	१८	१६	०	२६	११	३	४३	५४	५	३९	५४	१३	४७	३६	४८	३७	८	४१	४१	१५	४२	४५	४३	२१	४९	३६	३८	५	४७	२९	३९	२
२६	१६	१७	५९	२७	९	४	४३	५२	५	३८	५२	१४	४७	३८	४५	३८	८	४३	३७	१५	४२	४७	४१	२१	४८	३२	३९	३	४९	२६	४०	१
२७	१४	१७	५९	२८	८	४	४३	५०	५	३८	५०	१४	४६	३९	४३	३८	७	४४	३४	१५	४१	४८	३७	२२	४७	२९	३९	३	५१	२३	४०	१
२८	१२	१८	५८	२९	६	४	४३	४८	५	३७	४८	१५	४६	४०	४०	३९	५	४५	३१	१६	४०	४९	३४	२३	४७	२६	४०	२	५२	२०	४१	१
२९	१०	१८	५८	२९	४	४	४२	४५	६	३७	४५	१५	४५	४१	३७	३९	६	४६	२८	१७	४०	५१	२८	२३	४६	२३	४०	२	५३	१७	४१	०
३०	१०	१८	५८	३०	२	५	४१	४३	६	३६	४३	१५	४४	४२	३५	३९	५	४८	२६	१७	३९	५२	२६	२३	४५	२०	४१	१	५५	१५	४१	५९
	२९	६	५	-०	२९	६	५	२८	५	४	२८	६	५	-०	२८	६	६	-०	२८	६	५	-०	२८	६	५	२८	६	५	-०	२८	५	४
३१	८	१८	५७	३१	०	५	४१	४१	७	३५	४१	१६	४४	४३	३३	४०	५	४९	२३	१७	३८	५३	२३	२४	४५	१७	४१	०	५६	१२	४२	५९

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

अक्टूबर १९३८

ता.	उदेपुर			(काशी) बनारस				(प्रयाग) अलाहाबाद			गवालियर			कानपुर			जयपुर				दिल्ली				लाहोर				(काश्मीर) श्रीनगर			
	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.
	२९	६	६	२९	५	५	-०	२९	५	५	२९	६	६	२९	६	५	२९	६	६	-०	२९	६	६	-०	२९	६	६	-०	२९	६	६	-०
१	४४	२९	२३	४२	५२	४४	१४	४१	५७	५०	४२	१२	५	४३	३	५७	४३	२२	१५	१३	४१	१६	९	१५	३७	२५	१६	१७	३४	२६	१६	१८
२	४०	३०	२२	३८	५२	४३	१५	३९	५७	४९	३८	१२	४	४०	३	५५	४०	२२	१४	१५	३७	१७	८	१६	३३	२५	१५	१९	२९	२७	१४	२१
३	३६	३०	२०	३५	५३	४२	१८	३४	५७	४८	३४	१३	२	३७	४	५४	३४	२३	१३	१८	३३	१७	७	१८	२८	२६	१३	२१	२४	२८	१३	२३
४	३४	३०	२०	३१	५३	४१	२०	३०	५७	४७	३०	१३	१	३२	४	५३	२९	२३	११	२०	२८	१८	५	२१	२२	२७	११	२४	२०	२८	१२	२५
५	३०	३०	१८	२७	५४	४०	२१	२७	५८	४६	२८	१३	०	२८	५	५२	२८	२३	१०	२१	२४	१८	४	२३	१८	२७	१०	२६	१५	२९	११	२८
६	२८	३०	१८	२३	५४	३९	२३	२२	५८	४५	२४	१४	५९	२५	५	५१	२४	२३	९	२३	२०	१९	३	२५	१४	२७	९	२८	१०	२९	९	३०
७	२४	३१	१७	२०	५४	३८	२५	१९	५९	४४	२०	१४	५८	२०	५	४९	१९	२४	८	२६	१५	१९	१	२८	८	२८	७	३१	४	३०	८	३३
८	२०	३२	१६	१६	५५	३७	२७	१६	५९	४३	१६	१५	५७	१७	६	४९	१५	२५	७	२७	११	२०	१	३०	३	२९	७	३३	२८/५८	३१	६	३६
९	१६	३२	१५	१३	५५	३६	२९	११	५९	४२	१२	१५	५६	१३	७	४७	११	२५	६	२९	७	२०	५९	३१	२८/५९	३०	५	३५	५२	३२	५	३९
१०	१२	३२	१३	९	५६	३५	३०	८	६/०	४१	८	१६	५५	८	७	४६	७	२५	५	३२	१	२१	५८	३४	५३	३०	४	३९	४६	३२	४	४१
११	८	३३	१५	५	५६	३४	३२	५	१	४०	४	१६	५४	५	७	४५	३	२६	४	३३	२८/५८	२१	५७	३६	४९	३१	२	४१	४१	३४	२	४४
१२	६	३३	१२	२	५७	३३	३४	१	१	३९	०	१७	५३	१	८	४४	०	२७	३	३५	५४	२२	५६	३८	४४	३२	१	४३	३४	३४	१	४७
१३	२	३४	११	२८/५८	५७	३२	३६	२८/५७	२	३८	२८/५६	१८	५२	२८/५८	८	४३	२८/५७	२७	१	३७	५१	२३	५५	४०	४०	३२	०	४५	२९	३६	०	५०
१४	२८/५८	३४	१०	५५	५८	३१	३८	५४	२	३७	५२	१८	५१	५३	९	४३	५१	२८	०	३९	४५	२३	५४	४३	३३	३३	५९	४८	२३	३६	५८	५३
१५	५४	३५	८	५१	५८	३०	३९	५०	२	३६	४८	१८	५०	५०	९	४१	४८	२८	५९	४१	४१	२४	५३	४५	२९	३४	५७	५०	१८	३७	५६	५६
१६	५०	३६	८	४८	५९	२९	४१	४७	३	३५	४४	१९	४९	४६	१०	४०	४५	२९	५८	४३	३७	२४	५०	४७	२५	३५	५६	५२	१२	३८	५५	५९
१७	४६	३६	६	४४	५९	२८	४३	४२	४	३३	४०	२०	४८	४३	११	३९	४१	२९	५७	४४	३३	२५	५१	४८	२१	३५	५५	५५	७	३९	५४	१/१
१८	४४	३६	५	४१	१/०	२७	४५	४०	५	३३	३६	२०	४७	३९	११	३८	३६	३०	५६	४७	२७	२६	४९	५१	१५	३६	५४	५८	२	४०	५३	४
१९	४०	३७	५	३७	०	२६	४७	३५	५	३३	३२	२१	४६	३६	११	३८	३४	३०	५६	४८	२५	२७	४८	५२	१२	३७	५४	५९	२७/५७	४१	५१	७
२०	३६	३८	४	३२	१	२६	४८	३२	६	३३	३०	२१	४६	३१	१२	३६	२९	३०	५४	५१	२०	२७	४७	५५	६	३७	५२	१/२	५२	४२	५०	९
२१	३२	३९	३	३०	१	२५	५०	२८	६	२९	२६	२२	४४	२७	१३	३६	२५	३१	५३	५२	१६	२८	४७	५७	१	३९	५१	४	४७	४२	४९	१२
२२	२८	३९	२	२६	२	२४	५२	२५	७	२९	२२	२२	४३	२४	१३	३५	२२	३२	५३	५४	१२	२८	४५	५९	२७/५७	३९	४९	६	४२	४३	४८	१४
२३	२४	३९	१	२३	२	२३	५४	२२	७	२८	१८	२३	४२	२१	१४	३४	१८	३३	५२	५६	८	२९	४४	१/१	५३	४०	४९	९	३७	४४	४६	१७
२४	२२	४०	१/०	२०	३	२२	५५	१७	८	२७	१४	२४	४१	१७	१४	३३	१५	३३	५१	५८	४	२९	४३	३	४८	४०	४७	११	३२	४५	४६	१९
२५	१८	४०	५९	१६	३	२१	५७	१४	८	२६	१०	२४	४०	१३	१५	३२	११	३३	५०	५९	०	३०	४२	५	४४	४१	४६	१३	२७	४६	४४	२२
२६	१६	४०	५९	१३	४	२१	५९	१०	९	२५	८	२४	४०	८	१५	३१	६	३४	४९	१/१	२७/५५	३१	४१	७	३७	४२	४५	१६	२२	४६	४३	२४
२७	१२	४१	५८	९	५	२०	१/०	७	९	२५	४	२५	३९	५	१६	३०	२	३५	४८	४	५१	३२	४०	१०	३३	४३	४४	१८	१७	४८	४२	२७
२८	८	४२	५७	६	५	१९	२	४	१०	२४	०	२६	३८	१	१६	२९	२७/५९	३६	४७	५	४७	३३	३९	११	२९	४३	४३	२१	१२	४८	४१	२९
२९	६	४२	५६	४	६	१८	४	०	११	२३	२७/५८	२६	३७	२७/५८	१७	२९	५५	३७	४६	७	४३	३४	३८	१४	२४	४५	४२	२३	७	४९	४०	३२
३०	२	४३	५६	२७/५९	६	१८	५	२७/५७	११	२२	५४	२७	३६	५४	१८	२७	५१	३७	४५	९	३९	३४	३७	१५	२०	४५	४१	२५	२	४९	४०	३४
	२८	६	५	२७	६	५	-१	२७	६	५	२७	६	५	२७	६	५	२७	६	५	-१	२७	६	५	-१	२७	६	५	-१	२६	६	५	-१
३१	०	४३	५५	५६	७	१७	७	५४	१२	२१	५०	२८	३६	५१	१९	२७	४७	३७	४५	११	३४	३५	३६	१७	१५	४६	४०	२७	५७	५१	३८	३७

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल, सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

नवम्बर १९३८

ता.	महिसुर	मद्रास	रंगून	हैदराबाद	मुंबई	नागपुर	एलिचपुर	बडोदा	कलकत्ता
	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.
	२९ ६ ५-०	२८ ६ ५	२८ ५ ४	२८ ६ ५-०	२८ ६ ६-०	२८ ६ ५-०	२८ ६ ५	२८ ६ ५-०	२८ ५ ४
१	६ १८ ५७ ३२	५९ ५ ४१	३९ ७ ३५	३९ १६ ४३ ४४	३० ४० ४ ५०	२० १८ ३८ ५५	२० २४ ४४	१५ ४२ ५९ ५८	९ ४३ ५८
२	४ १९ ५६ ३३	५८ ५ ४१	३७ ७ ३५	३७ १७ ४३ ४५	२७ ४१ ३ ५१	१७ १८ ३७ ५६	१७ २५ ४४	१२ ४२ ५९ ५९	६ ४३ ५७
३	४ १९ ५६ ३३	५७ ६ ४०	३६ ८ ३४	३६ १७ ४३ ४६	२५ ४१ ३ ५२	१५ १९ ३७ ५८	१५ २५ ४३	९ ४३ ५९ १/१	४ ४३ ५७
४	२ १९ ५६ ३४	५५ ६ ३९	३४ ८ ३४	३४ १७ ४२ ४७	२३ ४१ २ ५३	१४ १९ ३७ ५८	१४ २५ ४३	७ ४३ ५८ १	१ ४० ५६
५	२९/० १९ ५५ ३५	५४ ६ ३९	३२ ८ ३३	३२ १७ ४१ ४८	२१ ४२ २ ५४	११ १९ ३६ १/०	११ २५ ४२	५ ४३ ५८ ३	२७/५८ ४४ ५५
६	२८/५८ २० ५५ ३६	५२ ६ ३९	३० ९ ३३	३० १८ ४१ ४९	१९ ४२ २ ५५	८ २० ३५ १	८ २६ ४१	१ ४३ ५७ ४	५५ ४५ ५५
७	५८ २० ५५ ३६	५१ ७ ३९	२८ ९ ३२	२८ १९ ४१ ५०	१७ ४३ १ ५७	५ २० ३५ २	५ २७ ४१	२७/५९ ४४ ५६ ६	५२ ४६ ५५
८	५६ २० ५५ ३७	४९ ७ ३९	२५ ९ ३२	२५ १९ ४१ ५१	१४ ४३ १ ५८	२८/२ २१ ३४ ४	२ २८ ४१	५५ ४५ ५६ ७	४९ ४६ ५४
९	५४ २१ ५४ ३८	४८ ७ ३९	२४ १० ३२	२४ १९ ४० ५२	१२ ४४ ० ५९	२७/५९ २२ ३३ ५	२७/५९ २९ ४०	५३ ४५ ५६ ९	४८ ४७ ५४
१०	५४ २१ ५४ ३८	४७ ८ ३८	२२ ११ ३१	२२ २० ४० ५३	१० ४४ ० ०	५८ २२ ३३ ६	५९ २९ ४०	५१ ४६ ५५ ९	४५ ४७ ५३
११	५२ २१ ५४ ३९	४५ ८ ३८	२० ११ ३१	२० २० ३९ ५४	७ ४५ १/० १/१	५५ २३ ३३ ७	५५ २९ ३९	४८ ४७ ५५ ११	४२ ४८ ५३
१२	५० २२ ५४ ४०	४४ ८ ३८	१९ ११ ३१	१९ २१ ३९ ५५	४ ४६ ५/५९ २	५२ २३ ३२ ९	५२ ३० ३९	४५ ४७ ५४ १२	४० ४८ ५२
१३	५० २२ ५४ ४०	४३ ९ ३८	१७ १२ ३०	१७ २१ ३९ ५५	२ ४६ ५९ ३	५१ २४ ३२ १०	५० ३० ३८	४४ ४८ ५३ १३	३७ ४९ ५२
१४	४८ २२ ५४ ४१	४२ ९ ३८	१५ १२ ३०	१५ २१ ३९ ५६	२८/० ४७ ५९ ४	४८ २४ ३१ ११	४८ ३१ ३७	४१ ४९ ५३ १५	३४ ५० ५१
१५	४६ २३ ५३ ४२	४० ९ ३८	१४ १३ ३०	१४ २२ ३९ ५८	२७/५६ ४७ ५८ ५	४५ २५ ३१ १२	४५ ३१ ३७	३८ ४९ ५३ १६	३२ ५० ५१
१६	४६ २३ ५३ ४२	३९ ९ ३७	१३ १३ ३०	१३ २२ ३८ ५८	५५ ४८ ५८ ६	४४ २५ ३१ १३	४४ ३२ ३७	३६ ५० ५२ १७	२९ ५१ ५१
१७	४४ २४ ५३ ४३	३९ १० ३७	१२ १३ २९	१२ २३ ३८ ५८	५४ ४८ ५८ ७	४१ २६ ३१ १४	४१ ३२ ३७	३३ ५० ५२ १८	२८ ५१ ५१
१८	४२ २४ ५३ ४४	३७ १० ३७	८ १४ २९	८ २३ ३८ ५९	५२ ४९ ५८ ८	४० २७ ३१ १५	४० ३३ ३७	३२ ५१ ५२ १९	२६ ५२ ५०
१९	४२ २४ ५३ ४४	३६ ११ ३७	६ १४ २९	६ २४ ३८ १/१	५१ ४९ ५८ ९	३७ २७ ३० १६	३७ ३३ ३७	२९ ५२ ५१ २१	२३ ५३ ५०
२०	४० २५ ५३ ४५	३५ ११ ३७	५ १५ २९	५ २४ ३८ २	५० ५० ५८ १०	३५ २८ ३० १७	३५ ३४ ३७	२७ ५३ ५१ २२	२१ ५३ ४९
२१	४० २५ ५३ ४५	३५ ११ ३७	३ १५ २९	३ २५ ३८ २	४९ ५१ ५८ १०	३४ २८ ३० १८	३४ ३५ ३६	२६ ५३ ५१ २४	१८ ५४ ४९
२२	३८ २६ ५३ ४६	३४ १२ ३७	२८/२ १६ २९	२८/२ २६ ३८ ३	४७ ५१ ५७ ११	३१ २९ २९ २०	३१ ३६ ३६	२३ ५३ ५१ २४	१६ ५५ ४९
२३	३८ २६ ५३ ४६	३२ १३ ३७	२७/५९ १७ २९	२७/५९ २७ ३८ ४	४५ ५२ ५७ १२	२९ ३० २९ २०	२९ ३७ ३६	२१ ५५ ५० २५	१४ ५५ ४९
२४	३६ २७ ५३ ४७	३१ १३ ३७	५८ १७ २९	५८ २७ ३८ ५	४३ ५२ ५७ १४	२७ ३१ २९ २२	२७ ३७ ३५	१८ ५५ ५० २६	१२ ५६ ४९
२५	३६ २७ ५४ ४७	३१ १३ ३७	५७ १८ २९	५७ २७ ३८ ६	४१ ५३ ५७ १४	२५ ३१ २९ २२	२५ ३८ ३५	१६ ५६ ५० २७	१० ५७ ४९
२६	३४ २८ ५४ ४८	३० १४ ३८	५६ १९ २९	५६ २७ ३८ ६	३९ ५३ ५७ १५	२४ ३२ २९ २३	२४ ३८ ३५	१५ ५७ ५० २८	८ ५८ ४९
२७	३४ २८ ५४ ४८	२९ १५ ३८	५५ १९ २९	५५ २८ ३८ ७	३७ ५४ ५७ १६	२२ ३२ २९ २४	२२ ३९ ३५	१३ ५७ ५० २८	७ ५८ ४९
२८	३३ २९ ५४ ४९	२७ १५ ३८	५४ १९ २९	५४ २९ ३८ ८	३६ ५५ ५७ १६	२१ ३३ २९ २५	२१ ३९ ३५	१२ ५७ ५० २९	५ ५९ ४९
२९	३२ २९ ५४ ४९	२६ १६ ३८	५२ २० २९	५२ ३० ३८ ८	३५ ५५ ५७ १७	१९ ३४ २९ २५	१९ ४० ३५	१० ५८ ५० ३०	४ ५९ ४९
	२८ ६ ५-०	२८ ६ ५	२७ ५ ४	२७ ६ ५-१	२७ ६ ५-१	२७ ६ ५-१	२७ ६ ५	२७ ६ ५-१	२७ ६ ४
३०	३२ ३० ५४ ४९	२५ १७ ३८	५१ २१ २९	५१ ३१ ३८ ९	३५ ५६ ५८ १८	१८ ३५ २९ २६	१८ ४१ ३६	८ ५९ ५० ३१	२ ० ४९

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,
सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

नवंबर १९३८

ता.	उदेपुर	(काशी) बनारस	(प्रयाग) अलाहाबाद	गवालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(काश्मिर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ अ. च.	दि. उ. अ. च.
	२७ ६ ५	२७ ६ ५–१	२७ ६ ५	२७ ६ ५	२७ ६ ५	२७ ६ ५–१	२७ ६ ५–१	२७ ६ ५–१	२६ ६ ५–१
१	५६ ४४ ५४	५३ ८ १६ ९	५० १३ २१	४६ २८ ३५	४७ १९ २६	४४ ३८ ४४ १३	३१ ३५ ३५ १९	११ ४७ ३९ २९	५२ ५२ ३७ ३९
२	५४ ४४ ५४	५० ८ १६ १०	४७ १३ २०	४४ २९ ३४	४३ २० २५	४० ३९ ४३ १५	२७ ३६ ३५ २१	६ ४८ ३८ ३२	४८ ५३ ३६ ४१
३	५० ४५ ५३	४७ ९ १५ १२	४५ १३ २०	४० ३० ३४	४० २१ २५	३७ ४० ४२ १७	२३ ३७ ३४ २३	२ ४९ ३७ ३४	४३ ५४ ३५ ४३
४	४८ ४५ ५२	४४ ९ १४ १३	४२ १४ १९	३६ ३० ३२	३८ २१ २४	३५ ४० ४२ १७	२१ ३७ ३३ २४	२६/५९ ४१ ३७ ३५	३९ ५४ ३४ ४६
५	४४ ४६ ५२	४१ १० १४ १५	३८ १५ १८	३४ ३० ३२	३५ २१ २३	३१ ४१ ४१ १९	१७ ३७ ३३ २६	५५ ४९ ३५ ३७	३४ ५५ ३३ ४८
६	४२ ४६ ५१	३८ ११ १३ १६	३५ १५ १७	३० ३१ ३१	३१ २२ २३	२८ ४१ ४० २१	१३ ३८ ३१ २८	५० ५१ ३५ ४०	२९ ५६ ३२ ५१
७	३८ ४८ ५१	३५ ११ १३ १८	३१ १७ १७	२८ ३२ ३१	२७ २३ २१	२४ ४२ ३९ २३	९ ३९ ३१ ३०	४६ ५१ ३४ ४२	२५ ५८ ३१ ५३
८	३६ ४८ ५०	३२ १२ १२ १९	२८ १७ १६	२४ ३३ ३०	२४ २३ २१	२० ४३ ३९ २५	५ ४१ ३१ ३२	४१ ५३ ३३ ४४	२१ ५८ ३० ५५
९	३२ ४९ ५०	२८ १३ १२ २१	२६ १७ १६	२० ३४ ३०	२० २५ २१	१७ ४४ ३८ २७	१ ४१ ३० ३४	३७ ५३ ३३ ४७	१७ ५९ ३० ५७
१०	३० ४९ ४९	२६ १३ ११ २२	२३ १८ १५	१६ ३४ २९	१८ २५ २०	१५ ४४ ३८ २८	२६/५९ ४२ २९ ३५	३५ ५४ ३२ ४८	१२ ७/० २९ ५९
११	२६ ५० ४८	२३ १४ ११ २४	१९ १९ १५	१४ ३५ २८	१५ २६ १९	११ ४५ ३७ २९	५५ ४३ २८ ३७	३० ५५ ३१ ५०	८ १ २८ २/१
१२	२२ ५१ ४८	२० १५ १० २५	१७ १९ १४	१० ३६ २८	११ २७ १९	७ ४५ ३६ ३१	५१ ४३ २७ ४०	२५ ५६ ३० ५२	४ २ २७ ३
१३	२० ५१ ४७	१७ १५ १० २६	१३ २० १३	८ ३६ २७	८ २७ १८	५ ४६ ३६ ३२	४९ ४४ २७ ४१	२३ ५७ २९ ५४	० २ २६ ५
१४	१८ ५२ ४७	१४ १६ ९ २८	१२ २१ १३	४ ३७ २७	५ २८ १७	१ ४७ ३५ ३४	४५ ४५ २६ ४३	१८ ५७ २९ ५६	२५/५५ ४ २६ ७
१५	१६ ५२ ४७	१२ १७ ९ २९	८ २१ १३	२ ३८ २६	२ २९ १७	२६/५८ ४८ ३५ ३६	४१ ४६ २६ ४५	१३ ५८ २८ ५८	५२ ४ २५ ९
१६	१४ ५३ ४६	९ १७ ९ ३०	४ २२ १२	२६/५८ ३८ २६	२७/० २९ १७	५६ ४८ ३५ ३७	३९ ४६ २५ ४६	११ ५९ २७ ५९	४८ ५ २४ ११
१७	१० ५४ ४६	७ १८ ८ ३२	३ २३ १२	५६ ३९ २६	२६/५९ ३० १६	५२ ४९ ३४ ३९	३४ ४७ २५ ४८	६ ७/० २७ २/२	४५ ६ २४ १३
१८	८ ५४ ४६	४ १९ ८ ३३	२६/५९ २३ ११	५४ ४० २५	५४ ३१ १६	५१ ५० ३४ ४०	३२ ४८ २५ ४९	४ १ २७ ३	४१ ७ २३ १५
१९	६ ५५ ४६	१ १९ ८ ३४	५७ २५ ११	५० ४१ २५	५० ३१ १५	४६ ५१ ३३ ४२	२८ ४९ २४ ५१	२६/५९ २ २५ ५	३७ ८ २३ १७
२०	४ ५६ ४५	२६/५९ २० ८ ३६	५५ २५ ११	४८ ४१ २४	४९ ३२ १५	४४ ५१ ३३ ४३	२६ ४९ २४ ५२	५७ ३ २५ ७	३४ ९ २२ १८
२१	० ५६ ४५	५७ २१ ७ ३७	५२ २६ ११	४६ ४२ २४	४८ ३३ १५	४२ ५२ ३३ ४४	२४ ५० २४ ५३	५४ ३ २५ ८	३० १० २२ २०
२२	२६/५८ ५८ ४५	५४ २२ ७ ३८	५० २७ ११	४४ ४३ २४	४३ ३३ १५	३८ ५३ ३२ ४६	१९ ५१ २३ ५५	५० ५ २५ १०	२७ ११ २२ २२
२३	५६ ५८ ४४	५२ २२ ७ ३९	४८ २७ १०	४० ४४ २४	४१ ३४ १५	३६ ५४ ३२ ४७	१७ ५२ २३ ५६	४७ ५ २५ ११	२३ १२ २१ २४
२४	५४ ५९ ४४	५० २३ ७ ४०	४४ २८ १०	३८ ४४ २४	३७ ३५ १४	३२ ५५ ३१ ४९	१३ ५३ २२ ५९	४२ ७ २३ १४	१९ १३ २० २६
२५	५२ ७/० ४४	४८ २४ ७ ४१	४३ २९ १०	३६ ४५ २४	३५ ३६ १४	३० ५५ ३१ ५०	११ ५४ २२ ७/०	४० ७ २३ १५	१६ १४ २० २७
२६	५० ० ४४	४५ २४ ७ ४२	४१ २९ ९	३४ ४६ २३	३३ ३७ १४	२९ ५६ ३१ ५१	९ ५५ २१ १	३७ ८ २३ १६	१३ १५ २० २९
२७	४८ १ ४४	४४ २५ ७ ४३	३९ ३० ९	३२ ४६ २३	३१ ३७ १३	२८ ५६ ३१ ५१	६ ५५ २१ २	३५ ९ २३ १७	१० १६ २० ३०
२८	४६ २ ४४	४२ २६ ७ ४४	३७ ३१ ९	३० ४७ २३	२९ ३८ १३	२५ ५७ ३१ ५३	४ ५६ २१ ३	३३ ९ २३ १९	७ १७ १९ ३२
२९	४४ २ ४४	४० २७ ७ ४५	३७ ३१ ९	२८ ४८ २३	२७ ३९ १३	२३ ५८ ३१ ५३	२ ५७ २१ ४	३० ११ २३ २०	४ १८ १९ ३३
	२६ ७ ५	२६ ६ ५–१	२६ ६ ५	२६ ६ ५	२६ ६ ५	२६ ६ ५–१	२६ ६ ४–२	२५ ७ ५–२	२५ ७ ५–२
३०	४२ ३ ४४	३८ २७ ७ ४६	३३ ३३ ९	२६ ४९ २३	२५ ३९ १२	२१ ५९ ३१ ५४	० ५७ २१ ५	२८ ११ २३ २१	१ १८ १९ ३४

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

डिसेंबर १९३८

ता.	महिसुर	मद्रास	रंगून	हैदराबाद	मुंबई	नागपुर	एलिचपुर	बडोदा	कलकत्ता
	दि. उ. अ.च.	दि. उ.अ.	दि. उ.अ.	दि. उ.अ.च.	दि. उ. अ.च.	दि. उ. अ.च	दि. उ.अ.	दि. उ. अ.च.	दि. उ.अ.
	२८ ६ ५–०	२८ ६ ५	२७ ५ ४	२७ ६ ५–१	२७ ६ ५–१	२७ ६ ५–१	२७ ६ ५	२७ ७ ५–१	२७ ६ ४
१	३० ३० ५४ ५०	२४ १७ ३९	५० २१ २९	५० ३१ ३९ १	३३ ५६ ५८ १८	१६ ३५ २९ २७	१६ ४१ ३६	७ ०५० ३२	१ १४९
२	३० ३० ५४ ५०	२३ १८ ३९	४९ २२ २९	४९ ३२ ३९ १०	३१ ५७ ५८ १९	१५ ३६ २९ २८	१५ ४२ ३६	५ १५० ३२	२६/५९ १४९
३	३० ३१ ५५ ५०	२२ १८ ३९	४८ २३ ३०	४८ ३२ ३९ ११	३० ५८ ५८ २०	१३ ३७ २९ २८	१३ ४३ ३६	४ १५१ ३३	५७ ३४९
४	२८ ३२ ५५ ५१	२१ १९ ३९	४७ २३ ३०	४७ ३३ ३९ ११	२८ ५८ ५८ २०	१२ ३७ ३० २९	१२ ४३ ३६	२ २५१ ३४	५६ ३४९
५	२८ ३२ ५५ ५१	२१ १९ ३९	४५ २४ ३०	४५ ३३ ३९ १२	२८ ५/१ ५८ २१	१० ३८ ३० ३०	१० ४४ ३६	१ २५१ ३५	५४ ४४९
६	२८ ३२ ५५ ५१	२० २० ४०	४४ २४ ३१	४४ ३४ ३९ १२	२७ ५/० ५९ २२	८ ३९ ३० ३१	८ ४५ ३६	२६/५९ ३५१ ३५	५२ ४५०
७	२६ ३३ ५६ ५२	२० २० ४०	४४ २५ ३१	४४ ३५ ४० १३	२६ ० ५९ २२	७ ३९ ३० ३२	७ ४५ ३७	५८ ४५१ ३६	५२ ५५०
८	२६ ३४ ५६ ५२	१९ २१ ४०	४३ २५ ३१	४३ ३५ ४० १३	२५ १ ५९ २२	७ ४० ३० ३२	७ ४६ ३७	५७ ५५१ ३६	५१ ५५०
९	२६ ३४ ५६ ५२	१९ २१ ४१	४२ २६ ३१	४२ ३६ ४० १४	२४ १ ५/९ २३	६ ४० ३० ३२	६ ४७ ३७	५६ ५५१ ३७	४९ ६५०
१०	२४ ३५ ५६ ५३	१८ २२ ४१	४२ २७ ३१	४२ ३६ ४१ १४	२३ २ ५/० २४	४ ४१ ३० ३३	४ ४७ ३७	५५ ६५१ ३८	४९ ७५१
११	२४ ३५ ५७ ५३	१८ २२ ४१	४१ २७ ३२	४१ ३७ ४१ १४	२२ २ ० २४	४ ४१ ३० ३३	४ ४८ ३८	५४ ६५२ ३८	४८ ७५१
१२	२४ ३६ ५७ ५३	१७ २३ ४२	४१ २८ ३२	४१ ३८ ४१ १५	२२ ३ ० २४	३ ४२ ३१ ३४	३ ४८ ३८	५३ ७५२ ३९	४६ ८५१
१३	२४ ३६ ५८ ५३	१७ २३ ४२	३९ २९ ३३	३९ ३८ ४१ १५	२१ ४ १ २४	३ ४३ ३२ ३४	३ ४९ ३८	५३ ८५३ ३९	४६ ९५२
१४	२४ ३७ ५८ ५३	१६ २४ ४३	३९ २९ ३३	३९ ३९ ४२ १५	२१ ४ १ २५	१ ४४ ३२ ३४	१ ५० ३८	५१ ८५३ ३९	४६ ९५२
१५	२२ ३८ ५८ ५४	१६ २५ ४३	३९ ३० ३३	३९ ३९ ४२ १५	२० ५ १ २५	१ ४४ ३२ ३४	१ ५१ ३९	५१ ९५३ ३९	४४ १० ५२
१६	२२ ३८ ५९ ५४	१६ २५ ४३	३८ ३० ३३	३८ ३९ ४३ १५	२० ६ २ २५	१ ४५ ३३ ३४	१ ५१ ३९	५१ ९५३ ३९	४४ ११ ५३
१७	२२ ३८ ५९ ५४	१५ २६ ४४	३८ ३१ ३४	३८ ४० ४३ १६	२० ६ २ २६	० ४५ ३३ ३५	० ५१ ३९	४९ १० ५४ ४०	४४ ११ ५३
१८	२२ ३९ ५/० ५४	१५ २७ ४४	३८ ३१ ३५	३८ ४१ ४४ १६	२० ६ ३ २६	० ४६ ३४ ३५	० ५२ ४०	४९ ११ ५५ ४०	४४ १२ ५३
१९	२२ ४० ० ५४	१५ २७ ४५	३८ ३२ ३५	३८ ४१ ४४ १६	१९ ७ ३ २६	० ४६ ३४ ३५	० ५३ ४१	४९ ११ ५५ ४०	४३ १२ ५४
२०	२२ ४० १ ५४	१५ २७ ४५	३७ ३२ ३५	३७ ४१ ४५ १६	१९ ८ ३ २६	० ४७ ३५ ३५	२७/० ५३ ४१	४९ १२ ५५ ४०	४३ १३ ५४
२१	२२ ४१ २ ५४	१५ २८ ४५	३७ ३३ ३६	३७ ४२ ४५ १६	१९ ८ ४ २६	२६/५८ ४७ ३५ ३६	२६/५८ ५४ ४१	४८ १२ ५५ ४१	४३ १३ ५५
२२	२२ ४१ २ ५४	१५ २९ ४६	३७ ३३ ३६	३७ ४३ ४५ १६	१८ ९ ४ २६	५८ ४८ ३६ ३३	५८ ५५ ४२	४८ १३ ५६ ४१	४३ १४ ५५
२३	२२ ४२ २ ५४	१५ २९ ४७	३७ ३४ ३७	३७ ४३ ४६ १६	१८ १० ५ २६	५८ ४९ ३६ ३६	५८ ५५ ४३	४८ १३ ५७ ४१	४३ १५ ५६
२४	२२ ४२ ३ ५४	१५ २९ ४७	३७ ३५ ३७	३७ ४४ ४६ १६	१७ १० ५ २६	५८ ४९ ३६ ३६	५८ ५६ ४३	४८ १३ ५७ ४१	४४ १५ ५७
२५	२२ ४३ ४ ५४	१६ ३० ४८	३८ ३५ ३७	३८ ४४ ४७ १६	१७ १० ६ २६	५८ ४९ ३७ ३५	२७/० ५६ ४४	४८ १४ ५७ ४१	४४ १६ ५८
२६	२२ ४४ ४ ५४	१६ ३१ ४९	३८ ३५ ३९	३८ ४५ ४९ १६	१७ ११ ६ २६	२७/० ५० ३८ ३५	० ५७ ४५	४९ १५ ५९ ४१	४४ १७ ५९
२७	२२ ४४ ५ ५४	१६ ३१ ४९	३८ ३६ ३९	३८ ४६ ४९ १६	१८ ११ ७ २६	० ५१ ३९ ३५	० ५७ ४५	४९ १५ ५९ ४०	४४ १८ ५९
२८	२२ ४४ ५ ५४	१६ ३१ ५०	३८ ३७ ४०	३८ ४७ ५० १६	१८ १२ ७ २६	० ५१ ३९ ३५	० ५८ ४६	४९ १६ १/० ४०	४६ १८ ५/०
२९	२२ ४५ ६ ५४	१६ ३२ ५१	३९ ३७ ४०	३९ ४७ ५० १६	१९ १२ ८ २६	० ५१ ३९ ३५	० ५९ ४७	४९ १७ १ ४०	४६ १८ १
३०	२२ ४६ ६ ५४	१७ ३३ ५१	३९ ३८ ४१	३९ ४७ ५१ १६	१९ १३ ९ २६	० ५२ ४० ३४	१ ५९ ४७	५१ १७ १ ३९	४८ १८ १
	२८ ६ ६–०	२८ ६ ५	२७ ५ ४	२७ ६ ५–१	२७ ७ ६–१	२७ ६ ५–१	२७ ६ ५	२६ ७ ६–१	२६ ६ ५
३१	२२ ४६ ७ ५४	१७ ३३ ५२	४१ ३८ ४१	४१ ४७ ५१ १५	२० १३ ९ २५	१ ५३ ४१ ३४	१ ५९ ४७	५१ १८ २ ३९	४८ १९ २

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,
सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

डिसेंबर १९३८

ता.	उदेपुर	(काशी) बनारस	(प्रयाग) अलाहाबाद	गवालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(काश्मिर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ.	दि उ अ च	दि. उ अ. च	दि. उ अ. च.	दि उ. अ. च.
	२६ ७ ५	२६ ६ ५–१	२६ ६ ५	२६ ६ ५	२६ ६ ५	२६ ७ ५–१	२५ ६ ५–२	२५ ७ ५–२	२४ ७ ५–२
१	४० ४ ४४	३६ २८ ७ ४७	३१ ३३ ९	२४ ४९ २३	२३ ४० १४	१९ ० ३१ ५६	५८ ५८ २१ ६	२५ १३ २२ २२	५८ १९ १८ ३६
२	३८ ४ ४४	३५ २९ ७ ४८	२९ ३४ १०	२२ ५० २३	२१ ४१ १४	१७ ० ३१ ५७	५६ ५९ २१ ७	२३ १३ २२ २४	५६ २० १८ ३७
३	३६ ५ ४४	३३ २९ ७ ४९	२८ ३५ १०	२० ५१ २३	१९ ४२ १४	१५ १ ३१ ५८	५३ ० २१ ८	२० १४ २२ २५	५३ २१ १८ ३८
४	३४ ६ ४४	३२ ३० ७ ४९	२६ ३५ १०	१८ ५२ २३	१७ ४३ १४	१३ २ ३१ ५९	५१ १ २१ ९	१८ १५ २२ २६	५० २२ १८ ४०
५	३४ ६ ४४	३० ३१ ७ ५०	२४ ३६ १०	१६ ५२ २३	१५ ४३ १४	११ ३ ३१ ०	४९ १ २१ १०	१५ १६ २२ २७	४८ २३ १८ ४१
६	३२ ७ ४४	२९ ३२ ७ ५१	२२ ३७ १०	१५ ५३ २३	१३ ४४ १४	९ ४ ३१ ०	४७ ३ २१ १२	१३ १७ २२ २९	४६ २४ १८ ४२
७	३० ८ ४४	२८ ३२ ७ ५१	२२ ३७ १०	१४ ५४ २३	११ ४५ १४	७ ४ ३१ १	४५ ३ २१ १२	११ १८ २२ ३०	४४ २४ १८ ४४
८	३० ८ ४४	२७ ३३ ८ ५२	२० ३८ १०	१३ ५४ २४	१० ४५ १४	६ ५ ३१ १	४५ ४ २१ १३	१० १८ २२ ३०	४२ २५ १८ ४५
९	२८ ९ ४४	२५ ३३ ८ ५२	१८ ३९ १०	१२ ५५ २४	९ ४६ १४	२ ५ ३२ २	४२ ५ २१ १४	८ १९ २२ ३१	४० २६ १८ ४६
१०	२८ १० ४५	२४ ३४ ८ ५३	१८ ३९ ११	१२ ५५ २४	७ ४७ १४	२ ६ ३२ ४	४० ५ २१ १५	५ २० २२ ३२	३८ २७ १८ ४७
११	२६ १० ४५	२३ ३५ ८ ५३	१७ ४० ११	११ ५६ २४	७ ४७ १५	० ७ ३२ ४	४० ५ २२ १५	५ २१ २२ ३२	३६ २७ १८ ४८
१२	२६ ११ ४५	२२ ३५ ९ ५४	१७ ४१ ११	१० ५६ २४	६ ४८ १५	० ८ ३२ ५	३८ ७ २२ १६	३ २१ २३ ३४	३५ २८ १८ ४८
१३	२४ १२ ४६	२२ ३६ ९ ५४	१५ ४१ १२	९ ५८ २५	६ ४९ १५	० ९ ३२ ५	३८ ७ २३ १६	३ २२ २३ ३४	३४ ३० १८ ४९
१४	२४ १२ ४६	२१ ३७ ९ ५५	१५ ४२ १२	८ ५८ २५	४ ५० १५	(२५) ५८ ९ ३३ ६	३६ ८ २३ १७	० २३ २३ ३५	३३ ३० १९ ४९
१५	२२ १३ ४६	२१ ३७ ९ ५५	१५ ४३ १२	७ ५९ २५	४ ५० १६	५८ १० ३३ ६	३६ ९ २३ १७	(२४) ५८ २४ २३ ३५	३२ ३० १९ ४९
१६	२२ १४ ४६	२० ३८ १० ५५	१३ ४३ १३	६ ५९ २६	४ ५१ १६	५८ १० ३३ ६	३६ ९ २३ १७	५८ २४ २३ ३५	३१ ३१ १९ ५०
१७	२२ १४ ४७	२० ३८ १० ५५	१३ ४४ १३	६ ० २६	२ ५१ १६	५६ ११ ३४ ७	३३ ९ २३ १८	५७ २५ २४ ३६	३१ ३२ २० ५०
१८	२२ १५ ४८	१९ ३९ ११ ५५	१३ ४५ १३	६ १ २६	२ ५२ १७	५६ १२ ३४ ७	३३ ११ २४ १८	५७ २५ २५ ३६	३० ३२ २० ५०
१९	२२ १६ ४८	१९ ३९ ११ ५६	१३ ४५ १४	५ १ २७	२ ५३ १७	५६ १२ ३५ ७	३३ ११ २५ १८	५७ २६ २५ ३६	३० ३३ २० ५०
२०	२० १६ ४८	१९ ४० १२ ५६	११ ४५ १४	५ २ २७	२ ५३ १८	५६ १३ ३५ ७	३३ १२ २५ १८	५७ २७ २५ ३६	२९ ३४ २१ ५१
२१	२० १७ ४९	१८ ४० १२ ५६	११ ४६ १५	४ २ २८	० ५४ १८	५४ १३ ३५ ८	३१ १२ २५ १९	५५ २७ २५ ३८	२९ ३४ २२ ५१
२२	२० १७ ४९	१८ ४१ १३ ५६	११ ४७ १५	४ ३ २८	० ५४ १८	५४ १४ ३५ ८	३१ १३ २५ १९	५५ २८ २५ ३८	२८ ३५ २२ ५१
२३	२० १८ ५०	१८ ४१ १३ ५६	११ ४७ १६	४ ३ २९	० ५५ १९	५४ १४ ३६ ८	३१ १४ २६ १९	५५ २९ २६ ३८	२८ ३५ २२ ५१
२४	२० १९ ५०	१८ ४२ १४ ५६	११ ४७ १६	४ ४ ३०	० ५५ १९	५४ १५ ३७ ८	३१ १४ २६ १९	५५ २९ २७ ३८	२८ ३६ २३ ५१
२५	२० १९ ५१	१९ ४२ १४ ५६	१२ ४८ १७	४ ४ ३०	० ५६ २०	५४ १५ ३७ ८	३१ १५ २७ १९	५५ २९ २७ ३८	२८ ३६ २४ ५१
२६	२० १९ ५२	१९ ४३ १५ ५५	१३ ४९ १८	४ ५ ३१	२ ५६ २१	५६ १६ ३८ ७	३३ १५ २८ १८	५७ ३० २८ ३६	२८ ३७ २४ ५१
२७	२२ २० ५२	२० ४३ १५ ५५	१३ ४९ १९	४ ६ ३१	२ ५७ २२	५६ १७ ३९ ७	३३ १६ २९ १८	५७ ३१ २९ ३६	२९ ३७ २५ ५०
२८	२२ २० ५३	२० ४४ १६ ५५	१३ ४९ १९	४ ६ ३२	२ ५७ २२	५६ १७ ३९ ७	३३ १६ २९ १८	५७ ३१ २९ ३६	२९ ३८ २६ ५०
२९	२२ २० ५४	२० ४४ १६ ५५	१३ ५० २०	४ ६ ३२	२ ५८ २३	५६ १७ ४० ७	३३ १६ ३० १८	५७ ३१ ३० ३६	३० ३८ २६ ५०
३०	२४ २१ ५४	२१ ४५ १७ ५५	१५ ५० २१	५ ७ ३३	२ ५९ २३	५६ १८ ४१ ७	३४ १७ ३० १८	५७ ३२ ३१ ३६	३१ ३८ २७ ४९
	२६ ७ ५	२६ ६ ५–१	२६ ६ ५	२६ ७ ५	२६ ६ ५	२५ ७ ५–२	२५ ७ ५–२	२५ ७ ५–२	२४ ७ ५–२
३१	२४ २१ ५५	२१ ४५ १७ ५४	१५ ५१ २१	५ ७ ३४	४ ५९ २४	५७ १८ ४१ ६	३६ १७ ३१ १७	० ३२ ३२ ३५	३२ ३९ २८ ४९

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

जनवरी १९३९

ता.	महिसुर				मद्रास			रंगून			हैदराबाद				मुंबई				नागपुर				एलिचपुर			बडोदा				कलकत्ता		
	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.
	२८	६	६	–०	२८	६	५	२७	५	४	२७	६	५	–१	२७	७	६	–१	२७	६	५	–१	२७	६	५	२६	७	६	–१	२६	६	५
१	२२	४६	७	५४	१७	३३	५२	४१	३९	४२	४१	४८	५२	१५	२०	१३	१०	२५	१	५३	४१	३४	३	५९	४८	५३	१८	२	३९	४८	११	२
२	२४	४६	८	५३	१८	३३	५३	४२	३९	४३	४२	४८	५३	१५	२१	१४	१०	२४	३	५३	४२	३४	३	७/०	४९	५३	१८	३	३९	४९	११	३
३	२४	४७	८	५३	१८	३४	५३	४२	३९	४३	४२	४८	५३	१५	२२	१४	११	२४	३	५३	४२	३३	४	०	४९	५४	१८	३	३८	५०	२०	३
४	२४	४७	९	५३	१९	३४	५३	४३	३९	४४	४३	४८	५४	१४	२३	१४	१२	२४	४	५३	४२	३३	४	०	५०	५४	१९	४	३८	५०	२०	५
५	२४	४८	९	५३	१९	३४	५४	४४	३९	४४	४४	४९	५५	१४	२४	१५	१२	२४	४	५४	४३	३२	६	०	५१	५६	१९	४	३७	५२	२०	५
६	२६	४८	१०	५२	२०	३४	५५	४४	३९	४५	४४	५०	५५	१४	२५	१५	१३	२३	६	५४	४४	३२	७	१	५२	५७	१९	५	३६	५४	२०	६
७	२६	४८	११	५२	२०	३५	५५	४५	४०	४६	४५	५०	५६	१३	२६	१५	१४	२२	७	५४	४५	३२	७	१	५३	५७	२०	६	३६	५६	२०	६
८	२६	४९	११	५२	२१	३६	५६	४६	४१	४६	४६	५०	५६	१३	२७	१५	१४	२२	७	५४	४६	३१	९	१	५३	५९	२०	६	३५	५७	२१	७
९	२८	४९	१२	५१	२१	३६	५७	४८	४१	४७	४८	५०	५७	१२	२८	१६	१५	२२	९	५५	४७	३०	१०	१	५३	२७/१	२०	७	३५	५९	२१	७
१०	२८	४९	१२	५१	२२	३६	५७	४९	४१	४७	४९	५१	५७	१२	२९	१६	१५	२१	१०	५५	४७	२९	१२	१	५४	२	२०	८	३४	५९	२२	८
११	३०	४९	१३	५०	२३	३७	५७	४९	४१	४८	४९	५१	५८	११	३१	१६	१६	२०	१२	५५	४८	२८	१३	१	५५	४	२०	९	३३	२७/१	२२	९
१२	३०	५०	१४	५०	२४	३७	५८	५०	४१	४९	५०	५१	५९	११	३२	१६	१७	२०	१३	५५	४९	२८	१३	२	५५	४	२०	१०	३३	२	२२	१०
१३	३२	५०	१४	४९	२५	३७	५९	५१	४१	४९	५१	५१	५ ५/१	११	३४	१६	१८	२०	१३	५५	४९	२८	१५	२	५६	५	२०	११	३२	५	२२	११
१४	३२	५०	१५	४९	२६	३७	५९	५३	४२	५०	५३	५१	६/०	१०	३५	१७	१९	१९	१५	५५	५०	२७	१६	२	५७	७	२०	१२	३२	७	२२	११
१५	३४	५०	१६	४८	२७	३७	६/०	५५	४३	५०	५५	५१	१	९	२६	१७	१९	१८	१६	५५	५१	२५	१९	२	५७	१०	२०	१३	३०	९	२२	१२
१६	३४	५०	१६	४८	२९	३७	६/१	५६	४३	५१	५६	५१	२	८	३७	१७	२०	१७	१९	५५	५१	२५	२१	२	५८	१२	२०	१३	२९	११	२२	१३
१७	३६	५०	१७	४७	३०	३७	१	५७	४३	५२	५७	५२	२	८	३९	१७	२०	१६	२१	५५	५२	२४	२२	२	५९	१३	२०	१४	२८	१२	२१	१३
१८	३६	५१	१७	४७	३१	३७	२	५८	४३	५३	५८	५२	३	७	४०	१७	२१	१६	२१	५६	५३	२३	२३	२	६/०	१५	२०	१५	२८	१३	२१	१४
१९	३८	५१	१८	४६	३२	३७	२	५९	४३	५३	५९	५२	३	६	४२	१७	२२	१५	२३	५६	५३	२३	२५	१	०	१६	२०	१५	२७	१७	२१	१५
२०	३८	५१	१८	४६	३३	३७	३	२८/२	४३	५३	२८/०	५१	४	६	४४	१७	२३	१४	२५	५५	५४	२२	२७	१	१	१८	२०	१६	२६	१९	२१	१६
२१	४०	५१	१९	४५	३३	३८	३	३	४३	५४	३	५१	५	५	४५	१७	२३	१४	२७	५५	५४	२०	२९	१	२	२१	२०	१७	२५	२०	२१	१७
२२	४०	५२	२०	४५	३३	३८	४	४	४३	५५	४	५२	५	४	४७	१७	२४	१३	२९	५५	५५	२१	३१	१	२	२३	२०	१८	२४	२३	२१	१७
२३	४२	५२	२०	४४	३४	३९	४	६	४३	५६	६	५२	६	३	४८	१७	२४	१३	३१	५५	५६	१९	३३	१	३	२४	२०	१८	२३	२४	२१	१८
२४	४२	५२	२१	४४	३५	३९	५	८	४४	५६	८	५२	७	१	५०	१७	२५	११	३३	५५	५७	१७	३५	१	४	२७	२०	१९	२१	२८	२०	१९
२५	४२	५२	२१	४४	३६	३९	५	१२	४३	५७	१२	५१	७	२	५२	१६	२६	९	३५	५५	५८	१७	३७	१	५	२९	१९	२०	२१	२९	१९	१९
२६	४४	५२	२२	४३	३७	३९	६	१३	४३	५८	१३	५१	८	१	५४	१६	२६	९	३७	५५	५९	१५	४०	१	५	३२	१९	२१	१९	३३	१९	२०
२७	४४	५२	२२	४३	३९	३९	६	१४	४२	५९	१४	५१	८	१/०	५६	१६	२७	८	४०	५५	५९	१४	४१	१	६	३३	१९	२१	१८	३४	१९	२१
२८	४६	५२	२२	४२	४०	३९	७	१५	४१	५९	१५	५१	९	०/५८	५८	१६	२७	७	४२	५५	५९	१३	४४	१	७	३६	१९	२१	१७	३७	१९	२१
२९	४६	५२	२२	४२	४१	३९	७	१७	४१	५ ४/१	१७	५१	९	५८	२८/०	१६	२८	६	४४	५५	०	१२	४५	१	७	३८	१९	२२	१६	४०	१८	२२
३०	४८	५२	२३	४१	४२	३८	७	१९	४१	५/०	१९	५१	९	५८	२	१६	२८	५	४५	५४	१	११	४८	०	७	४१	१८	२२	१५	४२	१८	२३
	२८	६	६	–०	२८	६	६	२८	५	५	२८	६	६	–०	२८	७	६	–१	२७	६	६	–१	२७	७	६	२७	७	६	–१	२७	६	५
३१	५०	५२	२३	४०	४४	३८	८	२१	४१	०	२१	५०	१०	५६	४	१५	२९	४	४८	५४	१	१०	५१	०	८	४४	१८	२३	१३	४५	१७	२३

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंके दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

जनवरी १९३९

ता.	उदेपुर			(काशी) बनारस				(प्रयाग) अलाहाबाद			ग्वालियर			कानपुर			जयपुर				दिल्ली				लाहोर				(काश्मिर) श्रीनगर			
	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.
	२६	७	५	२६	६	५	-१	२६	६	५	२६	७	५	२६	६	५	२५	७	५	-२	२५	७	५	-२	२५	७	५	-२	२४	७	५	-२
१	२६	२१	५६	२२	४५	१८	५४	१७	५१	२२	६	८	३४	४	५९	२५	५९	१९	४२	६	३६	१७	३२	१७	०	३२	३२	३५	३३	३९	२८	४८
२	२६	२२	५६	२३	४६	१९	५४	१७	५१	२२	७	८	३५	६	५९	२५	[२६]०	१९	४३	५	३८	१७	३३	१६	३	३३	३३	३४	३५	३९	२९	४८
३	२८	२२	५७	२४	४६	२०	५३	१९	५१	२३	८	८	३५	६	५९	२६	०	१९	४३	५	३८	१८	३३	१६	३	३३	३३	३४	३६	३९	३०	४७
४	२८	२२	५७	२५	४६	२०	५३	१९	५१	२४	९	८	३६	८	५९	२७	२	१९	४४	४	४०	१८	३३	१५	५	३३	३४	३२	३८	३९	३१	४६
५	३०	२२	५८	२६	४६	२०	५२	२०	५१	२४	१०	८	३६	८	[७]०	२७	२	१९	४५	४	४०	१८	३४	१५	५	३३	३५	३२	४०	३९	३१	४५
६	३०	२२	५८	२७	४७	२१	५२	२२	५२	२५	११	८	३७	९	०	२८	६	१९	४५	२	४२	१८	३५	१४	८	३३	३५	३१	४२	३९	३२	४४
७	३२	२३	[६]०	२८	४७	२१	५१	२२	५२	२६	१२	९	३८	११	१	२९	७	१९	४७	१	४५	१९	३६	१३	१०	३३	३७	३०	४४	४०	३३	४३
८	३२	२३	०	२९	४७	२२	५०	२४	५२	२७	१४	९	३९	११	१	२९	७	२०	४७	१	४५	१९	३७	१३	१०	३३	३७	३०	४६	४०	३४	४२
९	३४	२३	१	३१	४७	२३	४९	२६	५२	२७	१६	९	४०	१३	१	३०	९	२०	४८	०	४७	१९	३७	१२	१३	३४	३८	२९	४८	४०	३५	४१
१०	३४	२४	१	३३	४७	२४	४९	२८	५२	२८	१८	९	४१	१५	१	३१	११	२०	४८	[२]०	४९	१९	३८	१०	१५	३४	३९	२७	५१	४०	३६	४०
११	३६	२४	२	३४	४७	२४	४८	२९	५२	२९	२०	९	४१	१७	१	३२	१३	२०	४९	५९	५१	१९	३९	९	१८	३४	३९	२६	५३	४०	३६	३९
१२	३८	२४	३	३६	४७	२५	४७	२९	५२	३०	२२	९	४२	१९	१	३२	१५	२०	५०	५८	५३	१९	४०	८	२०	३३	४१	२५	५५	४०	३७	३८
१३	४०	२४	४	३८	४७	२६	४६	३१	५२	३१	२४	९	४२	१९	१	३३	१५	२०	५१	५८	५३	१९	४१	८	२०	३३	४१	२५	५७	४०	३८	३७
१४	४२	२४	४	४०	४७	२६	४५	३३	५२	३१	२६	९	४३	२१	१	३४	१७	२०	५१	५७	५६	१९	४२	७	२३	३३	४२	२४	[२५]०	३९	३९	३५
१५	४४	२४	५	४२	४७	२७	४४	३७	५२	३१	२८	९	४४	२३	१	३५	१९	२०	५३	५६	५८	१९	४२	६	२५	३३	४३	२२	३	३९	४०	३४
१६	४६	२४	६	४३	४७	२९	४३	३९	५२	३३	३०	९	४५	२७	१	३५	२३	२०	५३	५४	[२६]२	१९	४३	४	३०	३३	४४	२०	६	३९	४१	३२
१७	४८	२४	७	४५	४७	३०	४२	४१	५२	३४	३२	९	४६	२९	१	३६	२५	२०	५४	५३	४	१९	४४	३	३३	३३	४५	१९	१०	३८	४२	३०
१८	५०	२४	८	४७	४७	३०	४१	४३	५२	३५	३४	९	४७	३१	१	३७	२७	२०	५५	५२	६	१९	४५	२	३५	३३	४६	१७	१४	३८	४४	२८
१९	५२	२४	८	४९	४७	३१	४०	४५	५२	३५	३६	९	४८	३३	१	३८	२९	२०	५६	५१	९	१९	४६	१	३७	३३	४७	१६	१८	३८	४५	२६
२०	५४	२४	९	५१	४७	३२	३९	४६	५२	३६	३८	९	४८	३५	१	३८	३०	१९	५६	५०	११	१८	४६	[२]०	४०	३२	४७	१५	२२	३७	४६	२४
२१	५६	२४	१०	५४	४७	३३	३८	५०	५२	३७	४१	९	५०	३७	१	३९	३२	१९	५७	४९	१३	१८	४७	५९	४२	३२	४८	१४	२६	३७	४७	२२
२२	५८	२४	११	५६	४७	३३	३७	५२	५२	३८	४४	९	५०	४१	०	४०	३६	१९	५८	४७	१७	१८	४८	५६	४७	३२	४९	११	३०	३६	४८	२०
२३	[२७]०	२४	१२	५८	४६	३४	३५	५४	५२	३८	४७	९	५१	४३	०	४१	३८	१९	५९	४६	१९	१८	४९	५५	५०	३२	५०	१०	३४	३६	५०	१८
२४	४	२३	१३	[२७]०	४६	३५	३५	५७	५२	३९	५०	८	५२	४५	०	४२	४०	१९	[६]०	४६	२१	१७	५०	५४	५२	३२	५१	९	३८	३६	५१	१६
२५	६	२३	१३	३	४६	३६	३३	५९	५२	३९	५२	८	५३	४९	०	४३	४४	१९	०	४३	२६	१७	५१	५२	५७	३२	५२	७	४१	३५	५१	१५
२६	१०	२२	१४	६	४६	३६	३२	[२७]१	५१	४०	५४	८	५४	५०	०	४४	४६	१९	१	४२	२८	१७	५२	५१	५९	३१	५३	५	४५	३५	५२	१३
२७	१२	२२	१५	८	४५	३७	३१	५	५१	४१	५८	७	५४	५४	५९	४५	५०	१८	२	४०	३२	१६	५३	४९	[२६]१	३१	५४	३	४८	३४	५३	११
२८	१४	२२	१५	११	४५	३८	३०	९	५१	४२	[७]०	७	५५	५६	५९	४५	५२	१८	३	३९	३४	१६	५३	४८	६	२९	५५	२	५२	३३	५४	९
२९	१८	२१	१६	१४	४५	३९	२८	१०	५१	४२	३	७	५६	[२७]०	५८	४६	५६	१७	४	३७	३८	१६	५५	४६	११	२९	५६	५९	५६	३३	५५	७
३०	२०	२१	१७	१६	४४	३९	२७	१३	५०	४३	६	६	५६	२	५८	४७	५८	१७	४	३६	४१	१५	५५	४४	१४	२८	५७	५८	५९	३२	५६	५
	२७	७	६	२७	६	५	-१	२७	६	५	२७	७	५	२७	६	५	२७	७	६	-१	२६	७	५	-१	२६	७	५	-१	२६	७	५	-२
३१	२४	२०	१८	१९	४४	४०	२६	१७	४९	४४	८	६	५७	५	५७	४७	१	१७	४	३४	४५	१४	५६	४३	१८	२८	५८	५६	३	३२	५६	४

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

फरवरी १९३९

ता.	महिसुर	मद्रास	रंगून	हैदराबाद	मुंबई	नागपुर	एलिचपुर	बडोदा	कलकत्ता
	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ च	दि. उ. अ	दि. उ. अ. च	दि. उ. अ
	२८ ६ ६ -०	२८ ६ ६	२८ ५ ५	२८ ६ ६ -०	२८ ७ ६ -१	२७ ६ ६ -१	२७ ७ ६	२७ ७ ६ -१	२७ ६ ५
१	५० ५२ २४ ४०	४५ ३८ ८	२२ ४१ १	२२ ४९ १० ५५	६ १५ २९ ३	५१ ५४ २ ९	५२ ० ९	४५ १७ २४ १२	४८ १७ २४
२	५२ ५२ २४ ३९	४७ ३८ ९	२४ ४१ १	२४ ४९ ११ ५४	८ १५ ३० २	५२ ५३ २ ८	५५ ५१ ९	४८ १७ २४ ११	४९ १६ २५
३	५४ ५२ २४ ३८	४८ ३८ ९	२५ ४१ १	२५ ४९ ११ ५४	११ १४ ३१ १	५५ ५३ ३ ६	५८ ५९ १०	५१ १७ २५ ९	५२ १६ २६
४	५४ ५२ २५ ३८	४९ ३७ ९	२८ ४१ २	२८ ४८ १२ ५३	१३ १४ ३१ १/०	५८ ५३ ३ ५	५९ ५९ १०	५३ १७ २५ ९	५५ १५ २६
५	५६ ५१ २५ ३७	५१ ३७ ९	३० ४० ३	३० ४८ १२ ५२	१५ १४ ३२ ०	५९ ५३ ४ ४	२८ २ ५८ ११	५५ १६ २६ ७	५८ १५ २७
६	५८ ५० २६ ३६	५२ ३७ १०	३२ ४० २	३२ ४८ १२ ५१	१७ १३ ३२ ०/५८	२८ २ ५२ ५ २	५ ५७ ११	५९ १५ २७ ५	२८ १ १४ २७
७	२९ ० ५० २६ ३५	५४ ३७ १०	३४ ३९ ३	३४ ४८ १३ ५०	२० १३ ३३ ५७	५ ५१ ५ १	८ ५७ १२	२८ १ १५ २७ ४	४ १४ २८
८	० ५० २६ ३५	५५ ३७ १०	३६ ३९ ४	३६ ४७ १४ ४२	२२ १३ ३३ ५५	८ ५१ ६ १/०	११ ५७ १३	४ १४ २८ ३	७ १३ २९
९	२ ५० २६ ३४	५७ ३७ ११	३८ ३९ ४	३८ ४७ १४ ४८	२४ १२ ३४ ५४	११ ५० ६ ०/५८	११ ५६ १४	६ १४ २९ २	१० १३ २९
१०	४ ५० २७ ३३	५९ ३६ ११	४० ३९ ५	४० ४७ १५ ४७	२६ १२ ३४ ५३	१५ ५० ७ ५७	१६ ५६ १४	१० १३ २९ १/०	१२ १२ ३०
११	६ ४९ २८ ३२	२८ ३६ १२	४२ ३८ ५	४२ ४६ १५ ४६	२८ ११ ३५ ५२	१६ ४९ ८ ५५	१९ ५५ १५	१३ १३ ३० ०/५८	१४ १२ ३०
१२	६ ४९ २८ ३२	२२ ३५ १२	४३ ३८ ६	४३ ४६ १५ ४५	३० ११ ३५ ५१	१९ ४९ ८ ५४	२२ ५४ १५	१६ १२ ३१ ५७	१७ ११ ३१
१३	८ ४९ २८ ३१	३ ३५ १२	४५ ३७ ६	४५ ४५ १६ ४४	३२ ११ ३५ ४९	२२ ४८ ९ ५३	२३ ५४ १६	१७ १२ ३१ ५६	२० १० ३१
१४	१० ४८ २८ ३०	४ ३५ १२	४९ ३७ ६	४९ ४५ १६ ४३	३५ १० ३६ ४९	२३ ४८ ९ ५२	२६ ५३ १६	२० ११ ३१ ५५	२३ ९ ३२
१५	१२ ४८ २८ २९	६ ३४ १३	५१ ३७ ६	५१ ४४ १६ ४२	३७ ९ ३६ ४८	२६ ४७ ९ ५०	३० ५३ १७	२५ ११ ३२ ५३	२८ ९ ३३
१६	१२ ४८ २८ २९	८ ३४ १३	५३ ३६ ७	५३ ४४ १७ ४१	४० ९ ३७ ४६	३० ४६ १० ४९	३३ ५२ १७	२७ १० ३२ ५१	३१ ८ ३३
१७	१४ ४७ २९ २८	१० ३३ १३	५५ ३५ ७	५५ ४३ १७ ४०	४२ ८ ३७ ४५	३३ ४६ ११ ४७	३५ ५२ १७	३० ९ ३३ ५०	३३ ७ ३३
१८	१६ ४७ २९ २७	११ ३३ १३	५७ ३५ ८	५७ ४३ १७ ३८	४५ ८ ३८ ४३	३५ ४५ ११ ४६	३८ ५१ १८	३३ ९ ३३ ४८	३६ ७ ३४
१९	१८ ४६ २९ २६	१३ ३३ १३	५९ ३५ ८	५९ ४२ १७ ३७	४७ ७ ३८ ४२	३८ ४५ १२ ४४	४२ ५० १९	३६ ७ ३४ ४७	३९ ६ ३५
२०	२० ४६ ३० २५	१५ ३२ १४	२९ १ ३४ ८	२९ १ ४२ १८ ३६	५० ७ ३९ ४०	४२ ४३ १३ ४३	४३ ५० १९	३९ ७ ३४ ४६	४२ ५ ३५
२१	२२ ४५ ३० २४	१६ ३२ १४	३ ३३ ९	३ ४१ १८ ३५	५२ ६ ३९ ३९	४३ ४३ १३ ४२	४६ ४९ १९	४१ ७ ३५ ४४	४६ ४ ३५
२२	२२ ४५ ३० २४	१८ ३१ १४	७ ३३ ९	७ ४० १९ ३४	५५ ४ ४० ३८	४६ ४३ १३ ४१	४९ ४८ १८	४४ ६ ३५ ४३	४९ ३ ३६
२३	२४ ४४ ३० २३	२० ३१ १५	९ ३२ ९	९ ३९ १९ ३३	२८ ५८ ५ ४० ३७	४९ ४२ १३ ३९	५३ ४७ २०	४८ ५ ३५ ४१	५२ ३ ३६
२४	२६ ४४ ३० २२	२२ ३० १५	११ ३१ १०	११ ३९ १९ ३२	२९ ० ४ ४० ३६	५३ ४१ १४ ३७	५५ ४७ २०	५१ ४ ३६ ३९	५५ १ ३७
२५	२८ ४३ ३० २१	२४ २९ १५	१३ ३१ १०	१३ ३८ १९ ३१	३ ३ ४१ ३४	५५ ४० १४ ३६	५८ ४६ २१	५४ ३ ३७ ३८	५८ १/० ३७
२६	३० ४२ ३० २०	२५ २९ १५	१५ ३० १०	१५ ३७ २० ३०	६ ३ ४१ ३३	५८ ३९ १५ ३५	२८ ० ४५ २१	५७ २ ३७ ३७	२८ ० ५ ३८
२७	३२ ४२ ३१ १९	२७ २९ १५	१७ २९ ११	१७ ३६ २० २८	९ २ ४२ ३२	२८ ० ३९ १५ ३४	३ ४५ २१	५९ २ ३७ ३५	५ ५८ ३८
	२९ ६ ६ -०	२० ६ ६	२९ ५ ५	२९ ६ ६ -०	२९ ७ ६ -०	२९ ६ ६ -०	२९ ६ ६	२९ ७ ६ -०	२९ ५ ५
२८	३४ ४१ ३१ १८	२८ २८ १५	२० २९ ११	२० ३६ २१ २७	१२ १ ४२ ३१	३ ३८ १५ ३२	६ ४३ २२	२ १ ३७ ३४	८ ५८ ३९

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

फरवरी १९३९

ता.	उदेपुर	(काशी) बनारस	(प्रयाग) अलाहाबाद	गवालियर	कानपुर	जयपुर	दिल्ली	लाहोर	(काश्मिर) श्रीनगर
	दि. उ. अ.	दि. उ.अ.च	दि. उ.अ	दि. उ.अ.	दि. उ. अ.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.	दि. उ. अ. च.
	२७ ७ ६	२७ ६ ५-१	२७ ६ ५	२७ ७ ५	२७ ६ ५	२७ ७ ६-१	२६ ७ ५-१	२६ ७ ५-१	२६ ७ ५-२
१	२६ २० १८	२२ ४३ ४१ २४	११ ४९ ४४	१२ ५ ५८	९ ५७ ४८	५ १६ ६ ३२	४९ १४ ५७ ४१	२३ २७ ५९ ५४	६ ३१ ५८ २
२	२८ २० १९	२५ ४३ ४१ २३	२३ ४८ ४५	१४ ५ ५८	११ ५७ ४९	७ १६ ६ ३१	५१ १३ ५७ ४०	२५ २६ [६]० ५२	१० ३० ५९ ०
३	३२ १९ २०	२८ ४३ ४२ २१	२६ ४८ ४६	१८ ४ ५९	१५ ५६ ४९	११ १५ ७ ३०	५५ १३ ५८ ३८	३० २५ १ ५०	१४ ३० ५९ [१]५८
४	३४ १९ २०	३१ ४२ ४३ २०	२८ ४७ ४७	२० ४ [६]०	१९ ५५ ५१	१५ १५ ८ २८	५९ १२ ५९ ३६	३२ २५ २ ४८	१८ २९ [६]० ५६
५	३८ १८ २१	३४ ४२ ४३ १८	३१ ४६ ४८	२४ ३ १	२० ५५ ५१	१७ १४ ९ २७	[२७]१ १२ [६]० ३५	३७ २४ ३ ४७	२३ २८ १ ५४
६	४० १८ २२	३७ ४१ ४४ १७	३५ ४६ ४८	२८ २ २	२४ ५४ ५२	२० १३ ९ २५	५ ११ १ ३३	४१ २३ ३ ४४	२७ २८ २ ५२
७	४४ १७ २२	४० ४१ ४५ १५	३८ ४५ ४९	३२ २ २	२७ ५४ ५२	२४ १३ १० २३	९ १० १ ३०	४६ २२ ३ ४२	३२ २६ ३ ४९
८	४६ १६ २३	४३ ४० ४६ १४	४२ ४५ ४९	३४ १ ३	३१ ५३ ५३	२८ १२ ११ २१	१३ ९ २ २८	५१ २१ ५ ४०	३६ २६ ४ ४७
९	५० १६ २४	४६ ३९ ४६ १२	४५ ४५ ५०	३८ ० ४	३५ ५२ ५४	३१ ११ ११ १९	१८ ८ ३ २६	५५ २० ७ ३७	४१ २५ ५ ४५
१०	५२ १६ २४	४९ ३९ ४७ १०	४९ ४४ ५१	४२ ० ५	३८ ५२ ५५	३५ ११ ११ १७	२१ ८ ४ २४	[२७]० २० ८ ३५	४६ २४ ६ ४२
११	५६ १५ २५	५३ ३८ ४८ ९	५२ ४३ ५२	४४ ० ५	४२ ५१ ५६	३९ १० १३ १६	२५ ७ ५ २२	४ १९ ९ ३३	५१ २३ ७ ४०
१२	५८ १४ २६	५६ ३८ ४८ ७	५५ ४३ ५२	४८ ५९ ६	४५ ५१ ५६	४२ ९ १४ १४	२९ ७ ६ २०	९ १८ ९ ३१	५६ २२ ८ ३८
१३	[२८]१ १४ २६	५९ ३७ ४९ ६	५७ ४२ ५३	५२ ५८ ६	४९ ५० ५७	४५ ९ १५ १२	३३ ६ ७ १८	१३ १७ १० २९	[२७]० २१ ९ ३५
१४	६ १३ २७	[२८]२ ३७ ५० ४	[२८]० ४१ ५३	५६ ५७ ८	५१ ४९ ५७	४७ ९ १५ ११	३५ ५ ७ १७	१५ १७ ११ २७	५ २० १० ३३
१५	१० १२ २८	६ ३६ ५० २	५ ४१ ५४	[२८]० ५६ ८	५४ ४८ ५८	५१ ७ १५ ९	३९ ४ ७ १५	२० १५ ११ २५	१० १९ ११ ३०
१६	१२ ११ २८	९ ३५ ५१ १	९ ३९ ५५	२ ५६ ८	[२८]० ४७ ५९	५७ ६ १७ ७	४५ ३ ९ १२	२७ १४ १३ २२	१५ १८ १२ २८
१७	१६ १० २९	१४ ३४ ५१ ५९	१२ ३९ ५५	६ ५५ ९	३ ४७ [६]०	[२८]० ५ १७ ५	४९ २ ९ ११	३१ १३ १३ २०	२० १७ १३ २५
१८	२० १० ३०	१६ ३३ ५२ ५७	१५ ३८ ५६	१० ५४ १०	७ ४५ १	४ ४ १८ ३	५३ १ १० ९	३५ १३ १४ १७	२५ १६ १४ २३
१९	२२ ९ ३०	१९ ३३ ५३ ५५	१९ ३७ ५६	१४ ५३ १०	१० ४५ १	८ ४ १९ १	५७ १ ११ ७	३९ १२ १५ १५	३० १४ १४ २०
२०	२६ ८ ३०	२३ ३२ ५३ ५४	२२ ३६ ५७	१८ ५२ ११	१३ ४४ १	११ ३ १९ ५९	[२८]१ ५९ ११ ५	४६ १० १६ १२	३५ १४ १५ १८
२१	३० ७ ३१	२६ ३१ ५४ ५२	२५ ३६ ५७	२० ५२ १२	१७ ४३ २	१५ २ २० ५८	५ ५९ १२ ३	४८ ९ १७ ११	४० १२ १६ १५
२२	३२ ६ ३१	३० ३० ५४ ५०	२९ ३५ ५८	२४ ५० १२	२० ४३ ३	१८ १ २१ ५६	९ ५८ १३ १	५३ ९ १७ ८	४५ ११ १७ १३
२३	३६ ६ ३२	३३ २९ ५५ ४८	३३ ३४ ५९	२८ ५० १३	२४ ४१ ३	२२ ० २१ ५४	१२ ५७ १३ ५९	५७ ७ १८ ६	५० १० १८ १०
२४	४० ४ ३२	३७ २९ ५६ ४७	३८ ३२ ५९	३१ ४९ १३	२९ ४१ ४	२७ ५९ २२ ५२	१८ ५५ १५ ५६	[२८]४ ५ २१ ३	५४ ८ १९ ७
२५	४४ ४ ३३	४१ २८ ५७ ४५	४० ३२ [६]०	३४ ४८ १४	३२ ४० ४	३१ ५८ २२ ५०	२२ ५४ १५ ५४	८ ५ २० १	५९ ८ २० ५
२६	४६ ३ ३३	४४ २७ ५७ ४३	४३ ३१ ०	३८ ४७ १४	३६ ३९ ४	३४ ५७ २३ ४८	२५ ५३ १६ ५२	१२ ४ २१ ५९	[२८]४ ६ २० २
२७	५० २ ३४	४८ २६ ५७ ४१	४७ ३० १	४२ ४६ १५	३९ ३९ ५	३८ ५६ २३ ४६	२९ ५३ १६ ५०	१७ ३ २१ ५७	९ ५ २२ ९
	२८ ७ ६	२८ ६ ५-०	२८ ६ ६	२८ ६ ६	२८ ६ ६	२८ ६ ६-०	२८ ६ ६ ०	२८ ७ ६-०	२८ ७ ६-०
२८	५४ १ ३४	५१ २५ ५८ ३९	५० २९ १	४६ ४५ १५	४३ ३८ ५	४० ५६ २४ ४५	३३ ५२ १७ ४८	२१ २ २२ ५५	१३ ४ २२ ५७

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरों के दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टँडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

मार्च १९३९

ता.	महिसुर				मद्रास			रंगून			हैदराबाद				मुंबई				नागपुर				एलिचपुर			बडोदा				कलकत्ता		
	दि.	उ.	अ.	च	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि	उ,	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.
	२९	६	६	-०	२९	६	६	२९	५	५	२९	६	६	-०	२९	७	६	-०	२९	६	६	-०	२९	६	६	२९	६	६	-०	२९	५	
१	३४	४१	३१	१८	३०	२७	१५	२३	२७	११	२३	३५	२१	२६	१४	०	४२	३०	६	३७	१५	३०	१०	४३	२३	६	५९	३८	३२	११	५७	३१
२	३६	४०	३१	१७	३२	२७	१५	२५	२७	१२	२५	३५	२१	२५	१७	०	४३	२८	१०	३६	१६	२९	१२	४२	२३	९	५९	३८	३०	१५	५७	३१
३	३८	४०	३१	१६	३४	२६	१६	२८	२६	१२	२८	३४	२१	२४	१९	५९	४३	२७	१२	३५	१६	२८	१५	४१	२३	१२	५८	३९	२९	१७	५५	३१
४	४०	३९	३१	१५	३६	२५	१६	३०	२६	१२	३०	३३	२१	२३	२१	५९	४३	२५	१५	३५	१७	२६	१९	४०	२३	१६	५७	३९	२७	२०	५५	४०
५	४२	३९	३२	१४	३८	२५	१६	३२	२५	१२	३२	३३	२१	२१	२३	५८	४३	२२	१९	३४	१७	२४	२१	४०	२४	१९	५७	४०	२६	२५	५४	४०
६	४२	३८	३२	१४	४०	२४	१६	३५	२४	१३	३५	३२	२१	२०	२५	५८	४४	२२	२१	३३	१७	२१	२४	३९	२४	२२	५५	४०	२४	२७	५३	४१
७	४४	३८	३२	१३	४२	२३	१६	३७	२४	१३	३७	३१	२२	१९	२७	५७	४४	२१	२४	३२	१८	१९	२८	३७	२५	२५	५५	४०	२२	३०	५३	४१
८	४६	३७	३२	१२	४४	२३	१७	३९	२३	१३	३९	३१	२२	१७	३०	५६	४४	१९	२८	३१	१८	१८	३०	३७	२५	२८	५४	४१	२१	३४	५३	४१
९	४८	३६	३२	११	४६	२२	१७	४३	२३	१३	४३	३०	२३	१६	३३	५५	४५	१८	३०	३१	१९	१७	३४	३६	२५	३१	५३	४१	१९	३७	५१	४१
१०	५०	३६	३२	१०	४८	२२	१७	४५	२२	१३	४५	२९	२३	१५	३६	५४	४५	१७	३३	३०	१९	१७	३८	३५	२६	३५	५२	४२	१७	४०	५०	४२
११	५२	३५	३२	९	५०	२१	१७	४७	२१	१४	४७	२८	२३	१४	३८	५४	४५	१५	३६	२९	२०	१५	३९	३४	२६	३८	५१	४२	१६	४४	४९	४३
१२	५४	३४	३२	८	५२	२०	१७	५०	२०	१४	५०	२७	२३	१४	४०	५३	४५	१४	३९	२८	२०	१४	४२	३३	२६	४०	५०	४२	१५	४७	४८	४३
१३	५६	३४	३२	७	५४	२०	१७	५२	२०	१४	५२	२७	२३	१३	४४	५२	४६	१३	४२	२७	२०	१२	४६	३३	२७	४५	४९	४३	१३	५१	४७	४३
१४	५८	३३	३२	६	५६	१९	१७	५५	१९	१४	५५	२६	२४	१२	४६	५१	४६	११	४६	२६	२१	११	४८	३२	२७	४७	४९	४३	११	५४	४६	४४
१५	५८	३३	३२	६	५८	१८	१७	५७	१९	१५	५७	२४	२४	१०	४८	५०	४६	१०	४८	२५	२१	९	५२	३१	२७	५१	४७	४३	९	५६	४५	४४
१६	(३०) ०	३२	३२	५	(३०) ०	१८	१८	(३०) ०	१८	१५	(३०) ०	२४	२४	९	५१	५०	४६	८	५२	२४	२१	८	५५	३०	२८	५४	४७	४४	८	(३०) ०	४५	४४
१७	२	३२	३२	४	२	१७	१८	३	१७	१५	३	२४	२५	७	५४	४९	४७	७	५५	२३	२१	६	५७	२९	२८	५७	४५	४५	७	३	४३	४५
१८	४	३१	३२	३	४	१७	१८	५	१७	१५	५	२३	२५	६	५७	४८	४७	६	५७	२२	२१	४	(३०) १	२९	२९	(३०) १	४४	४५	५	६	४३	४५
१९	६	३०	३३	२	६	१६	१८	७	१५	१५	७	२२	२५	५	(३०) ०	४७	४७	४	(३०) १	२२	२१	३	४	२७	२९	३	४३	४५	३	१०	४१	४५
२०	८	३०	३३	१	८	१५	१८	१०	१५	१६	१०	२१	२५	३	३	४६	४७	३	४	२१	२२	२	६	२७	२९	६	४२	४६	२	१३	४०	४६
२१	१०	२९	३३	०	१०	१४	१८	१३	१४	१६	१३	२०	२५	२	६	४५	४८	२	६	२०	२२	०	१०	२५	२९	१०	४१	४६	०	१६	३९	४६
२२	१०	२८	३२	+१	१२	१३	१८	१५	१३	१६	१५	१९	२६	१	९	४५	४८	०	१०	१९	२३	+१	१३	२५	२९	१३	४१	४६	+१	२०	३९	४६
२३	१२	२८	३२	१	१४	१३	१८	१८	१२	१६	१८	१८	२६	०	११	४४	४८	+१	१३	१८	२३	३	१५	२३	३०	१६	४०	४६	३	२३	३८	४६
२४	१४	२७	३२	२	१६	११	१९	२०	११	१६	२०	१७	२६	+१	१४	४३	४९	२	१५	१८	२३	६	१९	२२	३०	१९	३९	४७	५	२६	३६	४७
२५	१६	२६	३२	३	१८	११	१९	२३	१०	१७	२३	१६	२६	२	१७	४१	४९	४	१९	१६	२३	८	२२	२१	३१	२२	३७	४७	६	२९	३५	४७
२६	१८	२५	३२	४	२०	१०	१९	२६	९	१७	२६	१५	२७	४	२०	४१	४९	६	२२	१५	२४	९	२५	२०	३१	२६	३६	४७	८	३३	३५	४७
२७	२०	२५	३३	५	२३	९	१९	२८	८	१७	२८	१५	२७	५	२३	४०	४९	७	२५	१४	२४	११	२८	१९	३१	२९	३५	४८	१०	३६	३४	४८
२८	२२	२४	३३	६	२५	९	१९	३०	७	१७	३०	१४	२७	७	२६	३९	५०	८	२८	१३	२४	१२	३१	१९	३१	३३	३५	४८	११	४०	३३	४८
२९	२४	२३	३३	७	२६	८	१९	३२	६	१७	३२	१३	२७	८	२९	३८	५०	१०	३१	१३	२५	१४	३४	१८	३१	३५	३३	४९	१३	४३	३२	४९
३०	२६	२२	३३	८	२९	७	१९	३५	५	१८	३५	१२	२८	९	३१	३८	५०	११	३४	११	२५	१५	३७	१७	३१	३९	३२	४९	१५	४६	३१	४९
	३०	६	६	+०	३०	६	६	३०	५	५	३०	६	६	+०	३०	६	६	+०	३०	६	६	+०	३०	६	६	३०	६	६	+०	३०	५	
३१	२८	२२	३३	९	३०	७	१९	३७	५	१८	३७	११	२८	१०	३३	३७	५०	१३	३७	११	२५	१७	४०	१६	३२	४२	३२	४९	१६	४८	३०	४९

भारत वर्षके प्रसिद्ध नगरोंके दिनमान-घटि पल,

सूर्योदय सूर्यास्त स्टैंडर्ड घंटा मिनिट और चर पल।

मार्च १९३९

ता.	उदेपुर			(काशी) बनारस				(प्रयाग) अलाहाबाद			गवालियर			कानपुर			जयपुर				दिल्ली				लाहौर				(काश्मिर) श्रीनगर			
	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.	दि.	उ.	अ.	च.
	२८	७	६	२८	६	५	-०	२८	६	६	२८	६	६	२८	६	६	२८	६	६	-०	२८	६	६	-०	२८	७	६	-०	२८	७	६	-०
१	५८	०	३५	५५	२५	५८	३८	५५	२८	२	५०	४४	१६	४६	३७	६	५५	५५	२४	४३	३७	५१	१७	४६	२५	१	२२	५२	१८	२	२३	५४
२	२९/०	०	३५	५९	२३	५९	३६	५८	२७	२	५४	४३	१६	५१	३६	६	५०	५३	२५	४०	४३	४९	१८	४४	३१	५९	२३	४९	२३	१	२४	५२
३	४	५८	३६	२९/२	२२	५९	३४	२९/१	२६	३	५८	४२	१७	५५	३५	७	५३	५२	२६	३८	४६	४८	१९	४२	३६	५८	२४	४७	२८	०	२५	४९
४	८	५७	३६	६	२१	१/०	३२	६	२५	३	२९/२	४१	१८	५८	३४	७	५७	५१	२७	३७	५०	४७	१९	४०	४०	५७	२५	४५	३३	५८	२६	४६
५	१०	५७	३६	१०	२०	०	३०	९	२५	४	६	४०	१८	२९/२	३३	८	२९/२	५०	२७	३४	५६	४६	२०	३७	४८	५५	२६	४१	३८	५८	२६	४४
६	१४	५६	३७	१५	१९	१	२८	१३	२३	४	८	३९	१८	७	३२	९	५	५०	२७	३२	५९	४५	२१	३५	५१	५५	२७	४०	४४	५६	२७	४१
७	१८	५४	३८	१७	१८	१	२७	१७	२३	५	१२	३८	१९	१०	३१	९	९	४९	२८	३१	२९/४	४४	२१	३३	५५	५३	२७	३७	४९	५५	२८	३९
८	२२	५४	३८	२१	१७	२	२५	२१	२१	५	१६	३७	२०	१५	३०	१०	१४	४७	२९	२८	९	४३	२१	३०	२९/१	५२	२८	३४	५५	५४	२९	३६
९	२४	५३	३८	२४	१६	२	२३	२४	२१	६	२०	३६	२०	१८	२९	१०	१७	४७	२९	२६	१३	४२	२३	२९	५	५१	२९	३२	२९/१	५२	३०	३३
१०	२८	५२	३९	२८	१५	३	२१	२९	१९	७	२४	३५	२१	२२	२८	११	२१	४५	२९	२४	१७	४१	२३	२७	९	४९	२९	३०	६	५१	३०	३१
११	३२	५१	४०	३२	१४	३	१९	३२	१८	७	२८	३४	२१	२७	२६	१२	२४	४५	३०	२२	२१	३९	२४	२५	१७	४८	३१	२७	१२	५०	३१	२८
१२	३६	५०	४०	३६	१३	४	१७	३४	१७	७	३२	३३	२२	३०	२५	१३	२६	४४	३०	२२	२८	३८	२५	२३	२०	४७	३१	२६	१८	४८	३२	२५
१३	४०	४९	४१	३९	१२	४	१५	४०	१६	८	३६	३२	२२	३३	२३	१३	३१	४२	३१	२०	३०	३७	२५	२०	२४	४६	३१	२३	२४	४७	३३	२३
१४	४२	४८	४१	४३	११	५	१४	४३	१५	९	४०	३१	२३	३९	२३	१४	३६	४१	३२	१६	३५	३५	२६	१७	३१	४५	३३	२०	३०	४६	३४	२०
१५	४६	४७	४१	४७	१०	५	१२	४८	१४	९	४४	३०	२३	४२	२१	१४	४२	४०	३३	१४	३९	३४	२६	१६	३५	४३	३३	१८	३६	४४	३४	१७
१६	५०	४६	४२	५०	९	६	१०	५१	१३	९	४८	२९	२४	४७	२०	१५	४६	३९	३३	१२	४४	३३	२७	१३	४१	४२	३४	१५	४१	४३	३६	१४
१७	५४	४५	४२	५४	८	६	८	५४	१२	१०	५२	२८	२४	५०	१९	१५	५०	३८	३४	१०	४८	३३	२८	११	४५	४१	३५	१३	४७	४२	३६	१२
१८	५६	४४	४३	५८	७	७	६	५९	११	११	५६	२७	२५	५३	१८	१५	५३	३७	३४	८	५२	३१	२८	९	४९	३९	३५	१०	५२	४०	३७	९
१९	३०/०	४३	४३	३०/२	६	७	४	३०/२	१०	११	३०/०	२६	२६	५८	१७	१६	५८	३६	३५	६	५७	३१	२९	६	५७	३८	३७	७	५८	३९	३८	७
२०	४	४२	४४	५	५	८	२	५	९	११	४	२४	२६	३०/२	१७	१७	३०/२	३५	३५	४	३०/१	२९	२९	४	३०/०	३७	३७	५	३०/१	३८	३८	४
२१	८	४१	४४	९	४	८	+०	१०	८	१२	८	२३	२६	५	१५	१७	५	३४	३५	३	५	२८	३०	३	४	३६	३७	३	९	३६	३९	१
२२	१२	४०	४४	१३	३	८	२	१३	७	१२	१२	२२	२७	१०	१४	१८	१०	३२	३६	+०	१०	२७	३१	+०	१०	२४	३८	+०	१४	३५	४०	+१
२३	१६	३८	४५	१७	२	९	३	१७	६	१२	१६	२१	२७	१३	१३	१८	१३	३१	३७	२	१४	२५	३१	२	१४	३३	३९	२	२०	३३	४०	४
२४	२०	३७	४५	२०	१	९	५	२२	४	१३	२०	२०	२८	१८	११	१९	१८	३०	३७	४	१८	२४	३१	४	२०	३१	३९	५	२५	३२	४१	७
२५	२४	३६	४६	२४	०	१०	७	२५	३	१३	२४	१८	२८	२२	१०	१९	२२	२९	३७	६	२३	२३	३२	६	२५	३०	४०	७	३०	३०	४२	१०
२६	२८	३५	४६	२७	५९	१०	९	२९	२	१३	२८	१७	२९	२६	९	१९	२६	२७	३८	८	२८	२१	३३	९	३०	२९	४१	१०	३५	२९	४२	१३
२७	३२	३४	४७	३१	५८	११	११	३३	१	१४	३२	१६	२९	३०	८	२०	३०	२६	३८	१०	३२	२०	३३	११	३५	२७	४१	१२	४०	२७	४३	१६
२८	३६	३३	४७	३५	५७	११	१२	३७	०	१५	३६	१५	३०	३४	७	२०	३४	२५	३९	१३	३६	१९	३३	१३	४०	२६	४२	१५	४५	२६	४४	१९
२९	४०	३२	४८	३८	५६	११	१४	४०	५९	१५	४०	१४	३०	३८	६	२१	३८	२४	३९	१४	४०	१८	३४	१५	४५	२५	४३	१७	५०	२५	४५	२१
३०	४२	३१	४८	४२	५५	१२	१६	४४	५८	१५	४४	१३	३०	४२	५	२१	४२	२३	४०	१६	४४	१७	३५	१७	५०	२३	४३	२०	५६	२३	४६	२३
	३०	६	६	३०	५	६	+०	३०	५	६	३०	६	६	३०	६	६	३०	६	६	+०	३०	६	६	+०	३०	६	६	+१	३१	६	६	+०
३१	४६	३०	४८	४५	५४	१२	१८	४८	५७	१६	४८	१२	३१	४६	३	२२	४६	२२	४०	१८	४८	१६	३५	१९	५५	२२	४४	२२	२	२२	४७	२६

अक्षांश ८ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहूलतासे निकालते आवे इस सुभीते के लिये, नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी। इसका उपयोगः—

१ सीलोन (लंका), २ अनुराधापुर, ३ नरलिया, ४ बादुला, ५ मदुरा, ६ रत्नापुर, ७ पटलाम, ८ मानकुलम्, ९ रामेश्वर, १० त्रिचेंदूर, ११ कन्याकुमारी, १२ तिनेवेल्ली, १३ विसधूनगर, १४ रामनंद, १५ कोर्चीन, १६ शेनकोव्यू, १७ उदनगुंडी, १८ एलिफंटपास, १९ मेनकाशी, २० कामेरीन, २१ निकोबार (बेट) इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें।

राशय:	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७
	२१	३०	३८	४७	५६	५	१३	२२	३२	४१	५१	०	१०	१९	२९	३८	४८	५७	७	१६	२६	३५	४५	५४	४	१३	२३	३२	४२	५१
१ वृषभ	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	१	१०	२०	२९	३९	४८	५८	७	१७	२८	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५२	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१६	२६	३७	४८	५८
२ मिथुन	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८
	९	२०	३०	४१	५१	२	१३	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४
३ कर्क	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३
	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१४	२५	३५	४६	५६	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१
४ सिंह	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८
	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१४	२४	३४	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	११	२१	३१	४१
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३
	५१	१	११	२१	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	७	१७	२७	३७
६ तुल	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	२५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८
	४७	५७	७	१७	२६	३६	४६	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३२	४३	५३	४	१४	२५	३५	४६
७ वृश्चिक	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४
	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०
८ धन	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९
	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४०	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	५	१६	२६	३७	४७	५८	८	१९	२९
९ मकर	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४
	४०	५०	१	११	२२	३२	४३	५३	२	१२	२१	३१	४०	५०	५९	९	१८	२८	३७	४६	५६	६	१५	२५	३४	४४	५३	३	१२	२२
१० कुंभ	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	३१	४१	५०	०	९	१९	२८	३८	४७	५५	४	१३	२२	३०	३९	४८	५७	५	१४	२३	३२	४०	४९	५८	६	१५	२४	३३	४१	५०
११ मीन	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३
	५९	८	१६	२५	३४	४३	५१	०	९	१७	२६	३५	४४	५२	१	१०	१९	२७	३६	४५	५४	२	११	२०	२८	३७	४६	५५	३	१२

अक्षांश ११ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलता से निकालते आवें इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी। इसका उपयोगः—

१ तंजावर, २ त्रिचनापल्ली, ३ कुंभकोण, ४ कुन्नूर, ५ पांदिचरी, ६ चामराजनगर, ७ सालेम, ८ श्रीरंगम्, ९ मानारगुंडी, १० पदुदुकोट, ११ मदुरा, १२ वेलूपुर, १३ साकेरीदुर्ग, १४ रामकलदुर्ग, १५ कांची, १६ कोइमतूर, १७ पालघाट, १८ उटकमंड १९ शिवराई डोंगरी, २० नागूर, २१ नागापट्टण, २२ कावेरीपुर, २३ कालिकट, २४ छोटा अंदमान इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें।

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	३ १५	३ २४	३ ३३	३ ४१	३ ५०	३ ५९	४ ८	४ १६	४ २५	४ ३४	४ ४३	४ ५२	५ १	५ १०	५ १९	५ २८	५ ३७	५ ४६	५ ५६	६ ५	६ १४	६ २३	६ ३३	६ ४२	६ ५१	७ १	७ १०	७ २०	७ ३०	७ ३९
१ वृषभ	७ ४९	७ ५८	८ ८	८ १८	८ २८	८ ३८	८ ४७	८ ५७	९ ७	९ १७	९ २७	९ ३७	९ ४८	९ ५८	१० ८	१० १८	१० २८	१० ३९	१० ४९	१० ५९	११ १०	११ २०	११ ३१	११ ४१	११ ५२	१२ ३	१२ १३	१२ २४	१२ ३४	१२ ४५
२ मिथुन	१२ ५६	१३ ७	१३ १७	१३ २८	१३ ३९	१३ ५०	१४ १	१४ १२	१४ २३	१४ ३४	१४ ४५	१४ ५६	१५ ६	१५ १७	१५ २८	१५ ३९	१५ ५०	१६ २	१६ १३	१६ २४	१६ ३५	१६ ४६	१६ ५७	१७ ८	१७ १९	१७ ३०	१७ ४०	१७ ५१	१८ २	१८ १३
३ कर्क	१८ २४	१८ ३५	१८ ४६	१८ ५७	१९ ८	१९ १९	१९ ३०	१९ ४०	१९ ५१	२० २	२० १३	२० २४	२० ३५	२० ४५	२० ५६	२१ ७	२१ १८	२१ २९	२१ ३९	२१ ५०	२२ १	२२ ११	२२ २२	२२ ३३	२२ ४३	२२ ५४	२३ ४	२३ १५	२३ २५	२३ ३६
४ सिंह	२३ ४६	२३ ५६	२४ ७	२४ १७	२४ २७	२४ ३८	२४ ४८	२४ ५८	२५ ९	२५ १९	२५ २९	२५ ३९	२५ ४९	२६ ०	२६ १०	२६ २०	२६ ३०	२६ ४०	२६ ५०	२७ ०	२७ १०	२७ २०	२७ ३०	२७ ४०	२७ ५०	२८ ०	२८ १०	२८ २०	२८ ३०	२८ ४०
५ कन्या	२८ ५०	२९ ०	२९ १०	२९ २०	२९ ३०	२९ ४०	२९ ५०	३० ०	३० १०	३० २०	३० ३०	३० ४०	३० ५०	३१ ०	३१ १०	३१ २०	३१ ३०	३१ ४०	३१ ५०	३२ ०	३२ १०	३२ २०	३२ ३०	३२ ४०	३२ ५०	३३ ०	३३ १०	३३ २०	३३ ३०	३३ ४०
६ तुल	३३ ५०	३४ ०	३४ ११	३४ २१	३४ ३१	३४ ४१	३४ ५१	३५ २	३५ १२	३५ २२	३५ ३३	३५ ४३	३५ ५३	३६ ४	३६ १४	३६ २५	३६ ३५	३६ ४५	३६ ५६	३७ ६	३७ १७	३७ २७	३७ ३८	३७ ४९	३७ ५९	३८ १०	३८ २१	३८ ३१	३८ ४२	३८ ५३
७ वृश्चिक	३९ ३	३९ १४	३९ २५	३९ ३६	३९ ४७	३९ ५८	४० ९	४० २०	४० ३१	४० ४२	४० ५२	४१ ३	४१ १४	४१ २५	४१ ३६	४१ ४७	४१ ५८	४२ ९	४२ २०	४२ ३१	४२ ४२	४२ ५२	४३ ३	४३ १४	४३ २५	४३ ३६	४३ ४७	४३ ५९	४४ १०	४४ २१
८ धन	४४ ३२	४४ ४३	४४ ५४	४५ ५	४५ १५	४५ २७	४५ ३८	४५ ४८	४५ ५९	४६ १०	४६ २१	४६ ३२	४६ ४३	४६ ५३	४७ ४	४७ १५	४७ २६	४७ ३६	४७ ४७	४७ ५८	४८ ८	४८ १९	४८ २९	४८ ४०	४८ ५०	४९ १	४९ ११	४९ २१	४९ ३२	४९ ४२
९ मकर	४९ ५२	५० २	५० १३	५० २३	५० ३३	५० ४३	५० ५३	५१ ३	५१ १३	५१ २३	५१ ३३	५१ ४३	५१ ५२	५२ २	५२ ११	५२ २१	५२ ३१	५२ ४०	५२ ५०	५२ ५९	५३ ९	५३ १८	५३ २७	५३ ३७	५३ ४६	५३ ५५	५४ ५	५४ १४	५४ २३	५४ ३२
१० कुंभ	५४ ४१	५४ ५०	५४ ५९	५५ ८	५५ १७	५५ २६	५५ ३५	५५ ४४	५५ ५२	५६ १	५६ १०	५६ १९	५६ २७	५६ ३६	५६ ४५	५६ ५३	५७ २	५७ ११	५७ १९	५७ २८	५७ ३६	५७ ४५	५७ ५३	५८ २	५८ ११	५८ १९	५८ २७	५८ ३६	५८ ४४	५८ ५३
११ मीन	५९ १	५९ १०	५९ १८	५९ २६	५९ ३५	५९ ४३	५९ ५२	० ०	० ८	६ १७	० २५	० ३४	० ४२	० ५१	० ५९	१ ७	१ १६	१ २४	१ ३३	१ ४१	१ ५०	१ ५८	२ ७	२ १५	२ २४	२ ३२	२ ४१	२ ५०	२ ५८	३ ७

अक्षांश १३ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलता से निकालते आवें इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग मे आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी । इसका उपयोगः—

१ मद्रास, २ बेंगलूर, तुमकूर, ४ चित्तर, ५ शालिंगड, ६ अर्काट, ७ पुन्नूर, ८ महाबलीपुर, ९ पुलिकट, १० त्रिपति, ११ म्हैसुर, १२ श्रीरंगपट्टण, १३ कोदरु, १४ मधनापाली, १५ कृष्णजयनगर, १६ उडुप्पी, १७ अबूर, १८ बेलूरा, १९ कांचीपुरम् २० बांदीवाश २१ आरमगांव २२ मर्कारा २३ नरसिंहराजपूर, २४ नगर, २५ शिमोगा, २६ चित्रदुर्ग, २७ अंदमान इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें !

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७
	१२	२१	२९	३८	४६	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२७	३६	४५	५४	४	१३	२३	३२
१ वृषभ	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२
	४२	५१	१	११	२०	२९	४०	५०	०	९	१९	२९	३९	५०	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२५	३६
२ मिथुन	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८
	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५
३ कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३
	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३०
४ सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	४१	५२	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२५	३५	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	२९	३९
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३
	४९	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३१	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४३
६ तुल	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९
	५४	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	०
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४
	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९
८ धन	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९
	४०	५१	२	१३	२४	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४५	५६	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	२०	३०	४०	५०
९ मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४
	०	११	२१	३१	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१८	२८	३७	४७	५६	६	१५	२४	३४	४३	५२	२	१०	१९	२८	३७
१० कुंभ	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	४६	५५	४	१३	२२	३०	३९	४८	५७	५	१४	२२	३१	३९	४८	५७	५	१४	२२	३०	४९	४७	५६	४	१२	२१	२९	३७	४६	५४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३
	२	१०	१९	२७	३५	४५	५२	०	८	१७	२५	३३	४१	५०	५८	६	१५	२३	३१	३९	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४७	५५	४

अक्षांश १५ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निजके रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलतासे निकाला आवे इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी। इसका उपयोग—:

१ गोवे, २ मालवण, ३ वेंगुर्ले, ४ पणजी, ५ मुरमुगांव, ६ लोंढा, ७ धारवाड, ८ बेळगांव, ९ विजयानगर, १० बेल्लारी, ११ सध्वनी, १२ ताडपत्री, १३ कोंडापुर, १४ रायद्रुग, १५ ओरिवापुरम्, १६ कोडनगर, १७ हरिहर, १८ सावनूर, १९ गोकाक, २० वाल्छापुर, २१ आचरें, २२ विनागुंटा, २३ हुबळी, २४ रामदुर्ग २५ कमदम, २६ अनंतपुरम् इत्यादि नगरानिवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें।

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७
	९	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२५	३४	४२	५१	०	९	१८	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	२९	३९	४८	५७	६	१६	२५
१ वृषभ	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२
	३५	४४	५४	३	१३	२२	३२	४२	५२	१	११	२१	३१	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१६	२७
२ मिथुन	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७
	३८	४८	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७
३ कर्क	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१५	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३
	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	४	१४	२५
४ सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	३६	४६	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	११	२१	३२	४२	५३	३	१३	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	२८	३८
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३
	४८	५९	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	१२	२२	३२	४३	५३	३	१३	२४	३४	४४	५५	५	१५	२६	३६	४७
६ तुल	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९
	५७	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२४	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७
७ वृश्चिक	४९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४
	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९
८ धन	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९
	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४९	५९
९ मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४
	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१८	२८	३८	४७	५७	७	१६	२६	३५	४४	५४	३	१२	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३
१० कुंभ	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	५१	०	९	१८	२६	३५	४४	५२	१	९	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	६	१४	२२	३१	३९	४७	५५
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३
	३	११	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४१	४९	५७	५	१३	२१	३०	३८	४६	५४	२	११	१९	२७	३५	४४	५२	०

अक्षांश २० की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलता से निकालते आवें इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी । इसका उपयोगः —

१ पालघर, २ जव्हार, ३ दमण, ४ धरमपूर, ५ सुरगाणी, ६ मालेगाव, (खानदेश) ७ चालीसगांव, ८ नादगांव, ९ पाचोरा, १० मनमाड, ११ नाशीक, १२ त्र्यंबकेश्वर, १३ देवळाली, १४ बेलपूर, १५ येवलें, १६ दौलताबाद १७ औरंगाबाद, १८ वेरूळ, १९ जालना, २० लोणार, २१ वाशिम, २२ मेहकर, २३ बुलढाणा, २४ आकोला, २५ कारंजा, २६ यवतमाळ, २७ पुसद, २८ माहूर, २९ वरोरा, ३० हिंगणघाट, ३१ चांदा, ३२ रायगड, ३३ जगन्नाथपुरी, इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्नसाधनमें करें ।

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	३ ०	३ ८	३ १६	३ २४	३ ३२	३ ४०	३ ४९	३ ५७	४ ५	४ १३	४ २२	४ ३०	४ ३८	४ ४७	४ ५५	५ ४	५ १२	५ २१	५ २९	५ ३८	५ ४७	५ ५५	६ ४	६ १३	६ २२	६ ३१	६ ४०	६ ४९	६ ५८	७ ७
१ वृषभ	७ १६	७ २५	७ ३४	७ ४४	७ ५३	८ २	८ १२	८ २१	८ ३१	८ ४१	८ ५०	९ ०	९ १०	९ २०	९ २९	९ ३९	९ ४९	९ ५९	१० ९	१० १९	१० २९	१० ४०	१० ५०	११ ०	११ ११	११ २१	११ ३२	११ ४२	११ ५३	११ ३
२ मिथुन	१२ १४	१२ २४	१२ ३५	१२ ४६	१२ ५७	१३ ७	१३ १८	१३ २९	१३ ४०	१३ ५१	१४ २	१४ १३	१४ २४	१४ ३५	१४ ४६	१४ ५७	१५ ९	१५ २०	१५ ३१	१५ ४२	१५ ५३	१६ ४	१६ १६	१६ २७	१६ ३८	१६ ४९	१७ १	१७ १२	१७ २३	१७ ३५
३ कर्क	१७ ४६	१७ ५७	१८ ९	१८ २०	१८ ३१	१८ ४२	१८ ५४	१९ ५	१९ १६	१९ २८	१९ ३९	१९ ५०	२० १	२० १३	२० २४	२० ३५	२० ४६	२० ५८	२१ ९	२१ २०	२१ ३१	२१ ४२	२१ ५३	२२ ५	२२ १६	२२ २७	२२ ३८	२२ ४९	२३ ०	२३ ११
४ सिंह	२३ २२	२३ ३३	२३ ४४	२३ ५५	२४ ६	२४ १७	२४ २८	२४ ३९	२४ ५०	२५ ०	२५ ११	२५ २२	२५ ३३	२५ ४४	२५ ५४	२६ ५	२६ १६	२६ २७	२६ ३८	२६ ४८	२६ ५९	२७ १०	२७ २०	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५२	२८ ३	२८ १३	२८ २४	२८ ३५
५ कन्या	२८ ४६	२८ ५६	२९ ७	२९ १८	२९ २८	२९ ३९	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २१	३० ३२	३० ४३	३० ५३	३१ ४	३१ १४	३१ २५	३१ ३६	३१ ४६	३१ ५७	३२ ८	३२ १८	३२ २९	३२ ४०	३२ ५०	३३ १	३३ १२	३३ २३	३३ ३३	३३ ४४	३३ ५५
६ तुल	३४ ६	३४ १६	३४ २७	३४ ३८	३४ ४९	३५ ०	३५ ११	३५ २१	३५ ३२	३५ ४३	३५ ५४	३६ ५	३६ १६	३६ २७	३६ ३८	३६ ४९	३७ ०	३७ ११	३७ २२	३७ ३३	३७ ४५	३७ ५६	३८ ७	३८ १८	३८ २९	३८ ४०	३८ ५१	३९ २	३९ १४	३९ २५
७ वृश्चिक	३९ ३६	३९ ४७	३९ ५९	४० १०	४० २१	४० ३२	४० ४४	४० ५५	४१ ६	४१ १८	४१ २९	४१ ४०	४१ ५२	४२ ३	४२ १४	४२ २५	४२ ३७	४२ ४८	४२ ५९	४३ ११	४३ २२	४३ ३३	४३ ४५	४३ ५६	४४ ७	४४ १८	४४ २९	४४ ४०	४४ ५२	४५ ३
८ धन	४५ १४	४५ २५	४५ ३६	४५ ४७	४५ ५८	४६ ९	४६ २०	४६ ३१	४६ ४२	४६ ५३	४७ ३	४७ १४	४७ २५	४७ ३६	४७ ४६	४७ ५७	४८ ७	४८ १८	४८ २९	४८ ३९	४८ ४९	४९ ०	४९ १०	४९ २०	४९ ३१	४९ ४१	४९ ५१	५० १	५० ११	५० २१
९ मकर	५० ३१	५० ४१	५० ५०	५१ ०	५१ १७	५१ १९	५१ २९	५१ ३९	५१ ४८	५१ ५८	५२ ७	५२ १६	५२ २६	५२ ३५	५२ ४४	५२ ५३	५३ २	५३ ११	५३ २०	५३ २९	५३ ३८	५३ ४७	५३ ५६	५४ ५	५४ १४	५४ २२	५४ ३१	५४ ३९	५४ ४८	५४ ५७
१० कुंभ	५५ ५	५५ १३	५५ २२	५५ ३०	५५ ३९	५५ ४७	५५ ५५	५६ ३	५६ १२	५६ २०	५६ २८	५६ ३६	५६ ४४	५६ ५२	५७ ०	५७ ८	५७ १६	५७ २४	५७ ३२	५७ ४०	५७ ४८	५७ ५६	५८ ४	५८ ११	५८ १९	५८ २७	५८ ३५	५८ ४३	५८ ५०	५८ ५८
११ मीन	५९ ६	५९ १४	५९ २२	५९ २९	५९ ३७	५९ ४५	५९ ५२	० ०	० ८	० १५	० २४	० ३१	० ३९	० ४६	० ५४	१ २	१ १०	१ १८	१ २५	१ ३३	१ ४१	१ ४९	१ ५७	२ ४	२ १२	२ २०	२ २८	२ ३६	२ ४४	२ ५२

अक्षांश २१ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहजता से निकालते आवें इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी। इसका उपयोगः—

१ सूरत, २ भडोंच, ३ गिरनार, ४ शुक्लतीर्थ, ५ रतनपूर, ६ धुळे, ७ अमळनेर, ८ जळगांव, ९ भुसावळ, १० शिरडा, ११ आशिरगड, १२ शेगांव, १३ खामगांव, १४ उमरावती, १५ अंजनगांव, १६ एलिचपुर, १७ वर्धा, १८ नागपुर, १९ कामठी, २० छिंदवाडा, २१ भंडारा, २२ नांदगांव, २३ रायपूर, २४ संबलपुर, २५ ओरिसा, २६ बेतूल, २७ खंडवा, २८ ब-हाणपुर, २९ चिखलदरा, ३० नंदुरबार, ३१ बालाघाट, ३२ जूनागड, ३३ जाफराबाद, ३४ तालबंध ३५ क्यांगतुंग (ब्रह्मदेश) इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें।

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७
	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१८	२७	३५	४३	५६	१	९	१८	२७	३६	४५	५५	३
१ वृषभ	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११
	१२	२१	३०	३९	४९	५८	८	१७	२७	३६	४६	५६	५	१५	२५	३५	४५	५४	५	१५	२५	३५	४५	५५	६	१६	२७	३७	४८	५८
२ मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७
	९	२०	३१	४१	५२	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	७	१९	३०
३ कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३
	४१	५२	४	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५१	२	१३	२४	३४
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३
	४५	५६	७	१७	२८	३९	४०	०	११	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७
६ तुल	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९
	८	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२९
७ वृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५
	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५६	८
८ धन	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०
	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२५	३५	४६	५६	६	१६	२५
९ मकर	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४
	३५	४५	५५	४	१४	२४	३३	४३	५२	२	११	२०	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	४०	५१	५९	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९
१० कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	८	१६	२५	३३	४१	४९	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३३	४१	४९	५७	५	१२	२०	२८	३६	४३	५१	५९
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
	६	१४	२२	२९	३७	४५	५२	०	८	१५	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१७	२४	३२	४०	४८	५५	३	११	१९	२७	३४	४२	५०

अक्षांश २२ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निजके रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलतासे निकालते आवे इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी। इसका उपयोग—:

१ राजकोट, २ जामनगर, ३ नवानगर, ४ भावनगर, ५ वांकानेर, ६ द्वारका, ७ लिंबडी, ८ ध्रांगध्रा, ९ अहमदाबाद, १० नड़ियाद, ११ बड़ोदा, १२ रतलाम, १३ जावरा, १४ झाबुआ, १५ उज्जैन, १६ देवास, १७ धार, १८ भोपाळ, १९ मंडलेश्वर, २० हुशंगाबाद, २१ बिलासपूर, २२ जबलपुर, २३ नरसिंगपुर, २४ छोटानागपुर, २५ मिदनापुर, २६ कलकत्ता, २७ चंद्रनगर, २८ बरद्वान, २९ रांची ३० खुलना इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें।

राशय:	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२५	३३	४१	४९	५८	६	१५	२३	३१	४०	४९	५७	६	१५	२३	३२	४१	५०	५९
१ बृषभ	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११
	८	१७	२६	३६	४५	५४	४	१३	२२	३२	४२	५१	१	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२२	३२	४३	५३
२ मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७
	४	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२५
३ कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३
	४५	५५	६	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४७	५८
६ तुल	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९
	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	०	२१	३३
७ बृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५
	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१३
८ धन	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०
	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१७	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०
९ मकर	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५
	४०	५०	५९	९	१८	२८	३८	४७	५७	६	१५	२४	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४५	५४	३	१२	२०	२९	३७	४६	५४	२
१० कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	११	१९	२७	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	१९	२७	३५	४३	५०	५८	६	१४	२१	२९	३७	४४	५२	५९
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	०	८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२४	३१	३९	४७	५४	२	१०	१७	२५	३३	४१	४९

अक्षांश २४ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलता से निकालते आवें इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी । इसका उपयोग: —

१ शाहबंदर, २ कच्छभुज ३ राधनपुर, ४ पालनपुर, ५ इडर, ६ पाटण, ७ डुंगरपुर, ८ बांसवाडा, ९ उदेपुर, १० नीमच ११ प्रतापगढ, १२ राजगढ, १३ रामपुरा, (भानपुरा) १४ नरसिंगगढ, १५ झालरापाटण १६ मंदसोर, १७ चितोडगढ, १८ नाथद्वारा, १९ चंदेरी, २० ललितपुर, २१ छत्रपुर, २२ पन्ना, २३ सागर, २४ दमोह, २५ कटणी, २६ मिर्जापुर, २७ चुनार, २८ गया, २९ राजगीर, ३० राणीगंज, ३१ मुर्शिदाबाद, ३२ मणिपुर, ३३ माणिकपुर, ३४ आबू (पर्वत) ३५ कोमिल्ला इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें ।

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
	५३	०	८	१६	२४	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४४	५२	०	८	१७	२५	३३	४२	५२	५९	७	१६	२५	३४	४२	५१
१ वृषभ	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
	०	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१४	२३	३३	४२	५२	१	११	२१	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२२	३२	४३
२ मिथुन	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४९	०	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६
३ कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२
	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३७	४८	५९
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८
	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४
	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२
६ तुल	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९
	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४०
७ वृश्चिक	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५
	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	१२	२३
८ धन	४५	४५	५४	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०
	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१७	२८	३८	४९	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०
९ मकर	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५
	४९	५९	८	१८	२८	३७	४७	५६	६	१४	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२६	३५	४४	५३	१	१०	१८	२६	३५	४४	५२	०	८
१० कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३६	४४	५२	०	७	१५	२३	३०	३८	४६	५३	१	८	१६	२३	३१	३८	४६	५३	१
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
	८	१६	२३	३०	३८	४५	५३	०	७	१५	२२	३०	३७	४४	५२	५९	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	७	१४	२२	३०	३७	४५

अक्षांश २५ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलता से निकालते आवें इस सुर्भाते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग मे आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी । इसका उपयोगः—

१ कराची, २ सिंधहैद्राबाद, ३ सिरोही, ४ जलिवाडा, ५ पाली (मारवाड) ६ टोंक, ७ बूंदी, ८ कोटा, ९ शहाबाद, १० शिवपुर, ११ दतिया १२ झांसी, १३ बीरगांव, १४ काल्पी, १५ फतेहपुर, १६ हमीरपुर, १७ सुलतानपुर, १८ प्रतापगड, (यू पी.) १९ अलाहाबाद, (प्रयाग) २० बनारस, (काशी) २१ गाजीपुर, २२ बलिया, २३ अजीमगढ, २४ छपरा, २५ मुजफ्फरपुर, २६ पटना, २७ बांकीपुर, २८ बहार, २९ पुरजीया, ३० दिनाजपुर, ३१ शिलांग, ३२ चेरापुजी, ३३ राजमहाल, ३४ सवाई माधोपुर, ३५ हजारीबाग, ३६ पारसनाथ, ३७ बांडा, इत्यादि नगरनिवासी अपने स्थानिक लग्न साधन मे करें ।

राश्यंशः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
० मेष	२ ५१	२ ५८	३ ६	३ १४	३ २१	३ २९	३ ३७	३ ४५	३ ५३	४ ०	४ ८	४ १६	४ २४	४ ३२	४ ४१
१ वृषभ	६ ५६	७ ५	७ १४	७ २३	७ ३२	७ ४१	७ ५०	८ ०	८ ९	८ १८	८ २८	८ ३७	८ ४७	८ ५६	९ ६
२ मिथुन	११ ४८	११ ५९	१२ ९	१२ २०	१२ ३१	१२ ४२	१२ ५२	१३ ३	१३ १४	१३ २५	१३ ३६	१३ ४७	१३ ५८	१४ १०	४१ २१
३ कर्क	१७ २३	१७ ३४	१७ ४६	१७ ५७	१८ ९	१८ २०	१८ ३२	१८ ४३	१८ ५५	१९ ६	१९ १८	१९ ३०	१९ ४१	१९ ५३	२० ४
४ सिंह	२३ ७	२३ १९	२३ ३०	२३ ४१	२३ ५३	२४ ४	२४ १५	२४ २७	२४ ३८	२४ ४९	२५ ०	२५ १२	२५ २३	२५ ३४	२५ ४५
५ कन्या	२८ ४३	२८ ५४	२९ ५	२९ १६	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३३	३० ४४	३० ५५	३१ ६	३१ १७
६ तुल	३४ १५	३४ २६	३४ ३७	३४ ४८	३५ ०	३५ ११	३५ २२	३५ ३३	३५ ४५	३५ ५६	३६ ७	३६ १९	३६ ३०	३६ ४१	३६ ५३
७ वृश्चिक	३९ ५६	४० ७	४० १९	४० ३१	४० ४२	४० ५४	४१ ५	४१ १७	४१ २८	४१ ४०	४१ ५१	४२ ३	४२ १४	४२ २६	४२ ३८
८ धन	४५ ३९	४५ ५१	४६ २	४६ १३	४६ २४	४६ ३५	४६ ४६	४६ ५७	४७ ८	४७ १९	४७ २९	४७ ४०	४७ ५१	४८ १	४८ १२
९ मकर	५० ५४	५१ ४	५१ १३	५१ २३	५१ ३२	५१ ४२	५१ ५१	५२ ०	५२ १०	५२ १९	५२ २८	५२ ३७	५२ ४६	५२ ५५	५३ ४
१० कुंभ	५४ २०	५५ २८	५५ ३६	५५ ४४	५५ ५२	५६ ०	५६ ८	५६ १५	५६ २३	५६ ३१	५६ ३९	५६ ४६	५६ ५४	५७ २	५७ ९
११ मीन	५९ ९	५९ १६	५९ २४	५९ ३१	५९ ३८	५९ ४५	५९ ५३	० ०	० ७	० १५	० २२	० २९	० ३७	० ४४	० ५१

राश्यंशः	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	४ ४९	४ ५७	५ ४	५ १३	५ २२	५ ३०	५ ३८	५ ४७	५ ५५	६ ४	६ १२	६ २१	६ ३०	६ ३८	६ ४७
१ वृषभ	९ १६	९ २५	९ ३५	९ ४५	९ ५५	१० ५	१० १५	१० २५	१० ३५	१० ४६	१० ५६	११ ६	११ १७	११ २७	११ ३८
२ मिथुन	१४ ३२	१४ ४३	१४ ५४	१५ ६	१५ १७	१५ २८	१५ ४०	१५ ५१	१६ २	१६ १४	१६ २५	१६ ३७	१६ ४८	१६ ५९	१७ ११
३ कर्क	२० १६	२० २७	२० ३९	२० १०	२१ १	२१ १३	२१ २५	२१ ३६	२१ ४७	२१ ५९	२२ १०	२२ २२	२२ ३३	२२ ४४	२२ ५६
४ सिंह	२५ ५६	२६ ७	२६ १८	२६ ३०	२६ ४१	२६ ५२	२७ ३	२७ १४	२७ २५	२७ ३६	२७ ४८	२७ ५९	२८ १०	२८ २१	२८ ३२
५ कन्या	३१ २८	३१ ३९	३१ ५०	३२ १	३२ १३	३२ २४	३२ ३५	३२ ४६	३२ ५७	३३ ८	३३ १९	३ ३०	३३ ४२	३३ ५३	३४ ४
६ तुल	३७ ४	३७ १५	३७ २७	३७ ३८	३७ ५०	३८ १	३८ १३	३८ २४	३८ ३५	३८ ४७	३८ ५८	३९ १०	३९ २१	३९ ३३	३९ ४४
७ वृश्चिक	४२ ४९	४३ १	४३ १२	४३ २४	४३ ३५	४३ ४६	४३ ५८	४४ ९	४४ २१	४४ ३२	४४ ४३	४४ ५४	४५ ६	४५ १७	४५ २८
८ धन	४८ २३	४८ ३३	४८ ४३	४८ ५४	४९ ४	४९ १४	४९ २५	४९ ३५	४९ ४५	४९ ५५	५० ५	५० १५	५० २५	५० ३५	५० ४४
९ मकर	५३ १३	५३ २२	५३ ३०	५३ ३९	५३ ४८	५३ ५६	५४ ५	५४ १३	५४ २२	५४ ३०	५४ ३९	५४ ४७	५४ ५५	५५ ३	५५ ११
१० कुंभ	५७ १७	५७ २५	५७ ३२	५७ ४०	५७ ४७	५७ ५५	५८ २	५८ १०	५८ १७	५८ २४	५८ ३२	५८ ३९	५८ ४७	५४ ५८	५९ १
११ मीन	० ५९	१ ६	१ १३	१ २१	१ २८	१ ३६	१ ४३	१ ५०	१ ५८	२ ५	२ १३	२ २०	२ २८	२ ३६	२ ४३

अक्षांश २६ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलता से निकालते आवें इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी। इसका उपयोग:—

१ जयपुर, २ जेसलमर, ३ राणीपुर, ४ नागोर ५ मुंडवा (मारवाड) ६ जोधपुर, ७ सांबर, ८ अजमेर, ९ नशीराबाद, १० किशनगड, ११ बांदकुिई, १२ भरतपुर, १३ धोलपुर, १४ मथुरा, १५ आग्रा, १६ महाराजपुर, १७ ग्वालियर, १८ इटावा १९ कंनोज, २० फतेहगढ, २१ हरदोई, २२ लखनौ, २३ उन्नाव, २४ रायबरेली, २५ बाराबंकी, २६ फैजाबाद, २७ सुलतानपुर, २८ अयोध्या २९ गोरखपुर, ३० कानपूर, ३१ जनकपूर, ३२ दरभंगा, ३३ दार्जिलिंग, ३४ कुचबिहार, ३५ गोहाटी, ३६ तेजपुर, ३७ डबरूगड, ३८ मैनपूर, (यु पी.) ३९ नोगांव इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें!

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
	४९	५६	४	१२	१९	२७	३४	४२	५०	५८	६	१३	२१	२९	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१७	२६	३४	४३
१ वृषभ	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४२	५२	१	११	२१	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२२	३२
२ मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
	४३	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
	१७	२९	४१	५२	४	१५	२७	३९	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८
	४	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४६	५८	९	१९	३१
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४
	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५५	६
६ तुल	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९
	१७	२८	४०	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५०	१	१३	२४	३६	४८
७ वृश्चिक	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५
	५९	११	२२	३४	४६	५७	९	२०	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३
८ धन	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०
	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	४९
९ मकर	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५
	५९	९	१८	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१७	२५	३४	४२	५०	५८	६	१५
१० कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
	२३	३१	३९	४७	५५	२	१०	१८	२६	३३	४१	४९	५६	४	११	१९	२६	३४	४१	४९	५६	४	११	१८	२६	३३	४०	४८	५५	२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
	९	१७	२४	३१	३८	४६	५३	०	७	१५	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१३	२०	२७	३५	४२	४९	५७	४	११	१९	२६	३४	४१

अक्षांश २८ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलतासे निकालते आवे इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी । इसका उपयोगः—

१ जाकोबाबाद, २ शिकारपूर, ३ सक्कर, ४ खैरपूर, ५ बिकानेर, ६ सुजानगड, ७ रतनगड, ८ हिसार, ९ हनुमानगड, १० अलवर, ११ गजनेर, १२ दिल्ली, १३ रोहतक, १४ पानीपत, १५ नैनीताल, १६ मुरादाबाद, १७ अलीगढ, १८ वृंदावन, १९ शहाजहांपूर, २० सीतापूर, २१ नाण अमरसर, २२ माधोपुर, २३ भिवाणी, २४ नवलगड, २५ बिसाऊ इत्यादि नगर निवासी अपने स्थानिक लग्न साधन में करें ।

राशय:	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
	४५	५२	०	७	१५	२३	२९	३७	४५	५१	०	८	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१७	२६	३५
१ वृषभ	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५१	१	१०	२०	३०	३९	४९	५९	९	१९	२९	४०	५०	०	११	२१
२ मिथुन	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
	३२	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५६
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
	७	१९	३१	४२	५४	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२८	४०	५१	३	१५	२७	३८	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७
४ सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२२	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८
	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३२	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	३०
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४
	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	०	११	२३	३४	४[illegible]	[illegible]६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९
६ तुल	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९
	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२८	३९	५०	२	१४	२५	३६	४८	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३४	४५	५७
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५
	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	६	१८	२९	३१	[illegible]	४	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	३३	४५
८ धन	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
	२६	७	१८	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	७	१८	२८	२९	४९	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	११	[illegible]	३१	४१	५०	०
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	[illegible]	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
	९	१९	२८	३७	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२६	३४	४३	५२	०	८	१३	२४	३३	४१	[illegible]	[illegible]	५	१३	२१
१० कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	[illegible]	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	[illegible]	५८	५८	५८	५९
	२९	३७	४५	५२	०	८	१६	२३	३१	३६	४६	५३	०	८	१५	२३	३०	३८	४५	५२	५९	६	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२
	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	२७	४	११	१८	२५	३२	३९	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७

अक्षांश ३० की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलतासे निकालते आवे इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी । इसका उपयोगः—

१ क्वेटा, २ बोलनघाट, ३ मुलतान, ४ मुजफरगढ, ५ डेरा गाजीखान, ६ भावलपुर, ७ रायसिंगपूर, ८ फिरोजपूर, ९ कपूरथला, १० लुधियाना, ११ जालंदर, १२ नाभा, १३ पटियाला, १४ कुरुक्षेत्र, १५ अंबाला, १६ सिमला, १७ देहरादून, १८ सहारणपूर, १९ हरिद्वार, २० श्रीनगर (यू. पी.), २१ टेहरी, २२ केदारनाथ, २३ बद्रीनाथ, २४ अल्मोडा, २५ जन्मोत्री, २६ काल्का, २७ भातिया, २८ कुराली, २९ मसूरी.

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२ ४१	२ ४८	२ ५५	३ २	३ १०	३ १७	३ २४	३ ३२	३ ३९	३ ४७	३ ५४	४ २	४ ९	४ १७	४ २५	४ ३३	४ ४०	४ ४८	४ ५६	५ ४	५ १२	५ २०	५ २८	५ ३६	५ ४४	५ ५२	६ १	६ ९	६ १७	६ २६
१ वृषभ	६ ३४	६ ४३	६ ५२	७ ०	७ ९	७ १८	७ २७	७ ३६	७ ४५	७ ५४	८ ३	८ १२	८ २२	८ ३१	८ ४०	८ ५०	८ ५९	९ ९	९ १९	९ २८	९ ३८	९ ४८	९ ५८	१० ८	१० १८	१० २८	१० ३९	१० ४९	१० ५९	११ १०
२ मिथुन	११ २०	११ ३१	११ ४१	११ ५२	१२ ३	१२ १३	१२ २४	१२ ३५	१२ ४६	१२ ५७	१३ ८	१३ १९	१३ ३०	१३ ४२	१३ ५३	१४ ४	१४ १५	१४ २७	१४ ३८	१४ ४९	१५ १	१५ १२	१५ २४	१५ ३५	१५ ४७	१५ ५८	१६ १०	१६ २२	१६ ३३	[illegible] ४५
३ कर्क	१६ ५७	१७ ९	१७ २१	१७ ३३	१७ ४४	१७ ५६	१८ ८	१८ २०	१८ ३१	१८ ४३	१८ ५५	१९ ७	१९ १९	१९ ३१	१९ ४२	१९ ५४	२० ६	२० १८	२० ३०	२० ४२	२० ५४	२१ ६	२१ १७	२१ २९	२१ ४१	२१ ५३	२२ ५	२२ १६	२२ २८	२२ ४०
४ सिंह	२२ ५२	२३ ३	२३ १५	२३ २७	२३ ३९	२३ ५०	२४ २	२४ १४	२४ २५	२४ ३७	२४ ४९	२५ ०	२५ १२	२५ २४	२५ ३५	२५ ४७	२५ ५८	२६ १०	२६ २२	२६ ३३	२६ ४५	२६ ५६	२७ ८	२७ १९	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५४	२७ ५	२८ १७	२८ २८
५ कन्या	२८ ४०	२८ ५१	२९ ३	२९ १४	२९ २६	२९ ३७	२९ ४९	३० ०	३० १२	३० २३	३० ३५	३० ४६	३० ५७	३१ ९	३१ २०	३१ ३२	३१ ४३	३१ ५५	३२ ६	३२ १८	३२ २९	३२ ४१	३२ ५२	३३ ४	३३ १५	३३ २७	३३ ३९	३३ ५०	३४ २	३४ १३
६ तुल	३४ २५	३४ ३७	३४ ४८	३५ ०	३५ ११	३५ २३	३५ ३५	३५ ४६	३५ ५८	३६ १०	३६ २२	३६ ३३	३६ ४५	३६ ५७	३७ ८	३७ २०	३७ ३२	३७ ४४	३७ ५५	३८ ७	३८ १९	३८ ३१	३८ ४३	३८ ५५	३९ ६	३९ १८	३९ ३०	३९ ४२	३९ ५४	४० ६
७ वृश्चिक	४० १८	४० ३०	४० ४१	४० ५३	४१ ५	४१ १७	४१ २९	४१ ४१	४१ ५२	४२ ४	४२ १६	४२ २८	४२ ४०	४२ ५१	४३ ३	४३ १५	४३ २७	४३ ३८	४३ ५०	४४ २	४४ १३	४४ २५	४४ ३६	४४ ४८	४४ ५९	४५ ११	४५ २२	४५ ३४	४५ ४५	४५ ५६
८ धन	४६ ७	४६ १९	४६ ३०	४६ ४१	४६ ५२	४७ ३	४७ १४	४७ २५	४७ ३६	४७ ४७	४७ ५८	४८ ८	४८ १९	४८ २९	४८ ४०	४८ ५०	४९ १	४९ ११	४९ २२	४९ ३२	४९ ४२	४९ ५२	५० २	५० १२	५० २२	५० ३२	५० ४१	५० ५१	५१ १	५१ १०
९ मकर	५१ २०	५१ २९	५१ ३९	५१ ४८	५१ ५७	५२ ६	५२ १५	५२ २४	५२ ३३	५२ ४२	५२ ५१	५३ ०	५३ ८	५३ १७	५३ ३६	५३ ३५	५३ ४३	५३ ५१	५३ ५९	५४ ८	५४ १६	५४ २४	५४ ३२	५४ ४०	५४ ४८	५४ ५६	५५ ४	५५ १२	५५ २०	५५ २७
१० कुंभ	५५ ३५	५५ ४३	५५ ५१	५५ ५८	५६ ६	५६ १३	५६ २१	५६ २८	५६ ३६	५६ ४३	५६ ५०	५६ ५८	५७ ५	५७ १२	५७ १९	५७ २७	५७ ३४	५७ ४१	५७ ४८	५७ ५५	५८ २	५८ ९	५८ १६	५८ २३	५८ ३०	५८ ३७	५८ ४४	५८ ५१	५८ ५८	५९ ५
११ मीन	५९ १२	५९ १९	५९ २६	५९ ३३	५९ ३९	५९ ४६	५९ ५३	० ०	० ७	० १४	० २१	० २८	० ३४	० ४१	० ४८	० ५५	१ २	१ ९	१ १६	१ २३	१ ३०	१ ३७	१ ४४	१ ५१	१ ५८	२ ५	२ १२	२ १९	३ २६	३ ३४

अक्षांश ३२ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलता से निकालते आवें इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग मे आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी। इसका उपयोगः—

१ कंदाहार, २ चमन, ३ डेरा इस्माईलखान, ४ शाहपूर, ५ झेलम, ६ रावलपिंडी, ७ तक्षशिला, ८ गुजरानवाला, ९ सियालकोट, १० जंमू, ११ गुरुदासपूर, १२ लाहोर, १३ पठाणकोट, १४ गोविंदगढ, १५ अमृतसर, १६ धारीवाल, १७ होशियारपूर, १८ कांगडा, १९ चांबा, २० धरमशाला, २१ गुजराथ, (पंजाब) २२ चिलियानवाला, २३ भेरा, २४ कुलरकोट, २५ कुरुम, २६ चंबलपूर, २७ कोहाट, २८ बसई, २९ जंद, ३० खुशालगढ, ३१ इस्लामाबाद.

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	२	२	३	३	३	३	३	२	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६
	३६	४३	५१	५८	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५६	३	१०	१८	२५	३३	४१	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१७
१ वृषभ	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	२५	३४	४२	५१	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	२९	३९	४८	५८	७	१७	२७	३७	४६	५७	६	१६	२७	३७	४७	५७
२ मिथुन	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६
	८	१८	२९	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	११	२३	३४
३ कर्क	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२९	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२
	४६	५८	१०	२२	३४	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३४	४५	५७	९	२१	३३
४ सिंह	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८
	४५	५७	९	३३	२२	४४	५६	८	२०	३२	४४	५५	७	१९	३१	४३	५४	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२७
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
	३८	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	७	१९	३०	४२	५४	६	१७
६ तुल	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
	२९	४१	५३	५	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६
	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३८	५०	२	१४	२६	३७	४९	१	१३	२५	३६	४८	०	१२	२३	३४	४६	५७	८
८ धन	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२३	३४	४४	५४	४	१४	२४	३३	४३	५३	२	१२	२१
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
	३१	४०	४९	५८	८	१७	२६	३४	४३	५२	१	९	१८	२७	३५	४३	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	१९	२७	३५
१० कुंभ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	४२	५०	५७	५	१२	१९	२७	३४	४१	४८	५५	२	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५८	५	१३	१८	२६	३३	३९	४६	५३	०	६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२
	१३	२०	२७	३३	४०	४७	५१	०	७	१३	२०	२७	३४	४०	४७	५४	१	७	१४	२१	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१५	२२	२९

अक्षांश ३५ की लग्नसारणी

समस्त भारत वर्ष के प्रत्येक प्रसिद्ध नगर निवासी को खास अपने निज के रहते ग्राम का सूक्ष्म लग्न सहलता से निकालते आवें इस सुभीते के लिये नीचे लिखे ग्राम के उपयोग में आनेवाली बनाई हुई खास लग्न सारणी। इसका उपयोगः—

१ श्रीनगर (काश्मीर), २ नौशेरा, ३ पेशावर, ४ चित्रल, ५ लदाक, ६ आबटाबाद, ७ बारामूल, ८ मारइन, ९ दुरगाई, १० काबूल, ११ जलालाबाद, १२ गिजनी, १३ खैबरघाट, १४ लांडीकोटल, १५ अटक.

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२		२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६
	२१	३६	४३	५०	५७	३	१०	१७	२४	३१	३८	४६	५३	०	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	७	१५	२२	३०	३८	४६	५४	२
१ वृषभ	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०
	१०	१८	२७	३५	४३	५२	१	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	४०	४९	५९	८	१८	२८	३८	४७	५७	८	१८	२८	३८
२ मिथुन	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६
	४१	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१६
३ कर्क	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२
	२८	४०	५२	४	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९	४२	५४	६	१८	३१	४३	५५	७	२०	३२	४४	५६	८	२१	३३	४५	५७	१०	२२
४ सिंह	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८
	३४	४६	५८	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	११	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४
६ तुल	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
	३६	४८	०	१२	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	५०	२	१४	२६	३८	५०	३	१५	२७	३९	५२	४	१६	२८	४१	५३	५	१७	३०
७ वृश्चिक	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६
	४२	५४	६	१८	३१	४३	५५	७	१९	३१	४४	५६	८	१९	३२	४४	५६	८	२०	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८
८ धन	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१
	३९	५०	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	२९	४०	५०	१	१२	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	११	२०	३०	३९
९ मकर	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५
	४८	५७	७	१६	२४	३३	४२	५१	०	८	१७	२५	३३	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५३	१	९	१६	२४	३१	३८	४५
१० कुंभ	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	५३	०	७	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	३	१०	१७	२४	३१	३७	४४	५१	५७	४	१०	१७	२३	३०	३७	४३	५०	५६	२	९
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२
	१५	२२	२८	३५	४१	४७	५४	०	६	१३	१९	२६	३२	३८	४५	५१	५८	४	११	१७	२४	३०	३७	४३	५०	५६	३	१०	१६	२३

वैवस्वत मनुके २८ युगारंभ कालीन
अयन और परम क्रांति की स्थिति आदि परिमाण दर्शक
वेदोक्त ऐतिहासिक कोष्टक.

युग सं.	शकारंभके पूर्व वर्ष	अयनांश अंश	एकवर्षकी अयनगति विकला	सांपातिक वर्ष मान ३६५ दिन घ.प.वि.			सांपातिक नक्षत्र और चरण	सांपातिक मास	रवि परम क्रांति	वेदज्ञानका जिनको स्फुरण हुआ वेदव्यास +	ऐतिहासिक ग्रंथ निर्माण
				घ.	प.	वि.					
०	३३४१५४	४६·६	+२५·६१	१५	४८	५६	रोहिणी २	वैशाख	६७·८७६	स्वयंभू	प्राचीन साममंत्र
१	३२२१५४	१२७·५	२२·९०		४६	११	मघा ३	श्रावण	६६·२८९	प्रजापति	संहिता ग्रंथोंका आरंभ
२	३१०१५४	१९९·३	२०·१०		४३	२	स्वाति ४	आश्विन	६४·७०२	उशना	सामवेद संहिता
३	२९८१५४	२६२·१	१७·४८		४०	४२	पूर्वाषाढा ३	मार्गशीर्ष	६३·११६	बृहस्पति	यजुर्वेद ,,
४	२८६१५४	३१५·९	१४·७७		३७	५७	शतता. ३	माघ	६१·५२९	सावता	ऋग्वेद ,,
५	२७४१५४	०·७	१२·७७		३५	१२	अश्विनी १	चैत्र शु.१	५९·९४२	मृत्यु	अथर्वण वेद संहिता
६	२६२१५४	१६·४	९·३६		३२	२७	कृत्तिका ३	वैशाख	५८·३५६	इंद्र	रचनाका आरंभ होकर
७	२५०१५४	६३·१	६·६५		२९	[illegible]	मृगशीर्ष ३	ज्येष्ठ	५६·७६९	वसिष्ठ	समाप्ति काल.
८	३३८१५४	८०·७	३·९४		२६	५७	पुनर्वसु १	,,	५५·१८२	सारस्वत	अदिति कालारंभ
९	२२६१५४	८९·३	+ १·२३	१५	२४	१२	,, ३	,,	५३·५९६	त्रिधामा	दक्षिणावर्त समाप्ति
१०	२१४१५४	८८·९	− १·४८		२१	२७	,, ३	,,	५२·००९	त्रिवृषा	वामावर्त आरंभ
११	२०२१५४	७९·५	४·१९		१८	४२	आर्द्रा ४	,,	५०·४२२	भरद्वाज	अदितिकाल समाप्ति
१२	१९०१५४	६१·०	६·९०		१६	५७	मृगशीर्ष ३	,,	४८·८३६	अन्तरिक्ष	उपलब्ध वेद संहिता
१३	१७८१५४	३३·५	९·६१		१३	१२	कृत्तिका ३	वैशाख	४७·२४९	वप्री	ग्रंथोंका निर्माण
१४	१६६१५४	३५७·०	१२·३२		१०	२९	रेवती ४	फाल्गुन	४५·६६२	त्रय्यारुण	ब्राह्मण काल आरंभ
१५	१५४१५४	३११·४	१५·०३		७	४२	शतता १	माघ	४४·०७६	धनंजय	ब्रा. ग्रंथ २००० करीब
१६	१४२१५४	२५६·८	१७·७८		४	२७	पूर्वाषाढा २	मार्गशीर्ष	४२·४८९	कृतंजय	ब्रा. उपलब्ध षड्विंश
१७	१३०१५४	१९३·२	२०·४५		२	१२	स्वाती ३	आश्विन	४०·८०२	ऋणंजय	तांड्य ब्राह्मण
१८	११८१५४	१२०·५	२२·१६	१५	५९	२८	मघा १	श्रावण	३९·३१६	भरद्वाज	गोपथ ,,
१९	१०६१५४	३८·८	२५·८७	१४	५६	४३	कृत्तिका ४	वैशाख	३७·७२९	गौतम	ऐतरेय ,,
२०	९४१५४	३०८·१	२८·५८		५३	५८	शतता १	माघ	३६·१४२	हर्यात्मा	तैत्तिरीय शतपथ ब्राह्मण
२१	८२१५४	२०८·३	३१·२८		५१	१३	विशाखा ३	आश्विन	३४·५५६	वेन	ब्राह्मण ग्रंथो की
२२	७०१५४	९९·५	३३·९९		४८	२८	पुष्य ३	आषाढ	३२·९६९	तृणबिन्दु	पूर्णता
२३	५८१५४	३४१·७	३६·७०		४५	४३	उ. भाद्र ३	फाल्गुन	३१·३८२	ऋक्ष	श्रौतसूत्र कालारंभ लाट्या
२४	४६१५४	२१४·९	३९·४१		४२	५८	अनुराधा २	कार्तिक	२९·७९६	पराशर	यन, द्राह्यायण, ऋक्प्राति
२५	३४१५४	७९·०	४२·१२		४०	१३	आर्द्रा ४	ज्येष्ठ	२८·२०९	पाराशर	साख्य वैश्रा. गृह्यकालारंभ
२६	२२१५४	२९४ १	४४·८३		३७	२८	धनिष्ठा १	पौष	२६·६२२	द्वैपायन	पारस्कर गृह्य सूत्र
२७	−१०१५४	१४०·२	४७·५४	१४	३४	४३	पू फाल्गुन ३	श्रावण	२५·०३६	अश्वत्थामा	वेदांग ज्यो. भारतरामायण
२८	+ १८४६	३३७·२	−५०·२५		३१	५८	उ. भाद्र. २	फाल्गुन	२३·४४९	० ० ० ०	सिद्धांत ग्रंथ

उपयुक्त अयनांश और रवि परम क्रांति शके १८४६ के समय ३३७·२ अंश में अयन गति ५०·२३५७२ एक वर्ष में अयनगतिका कालांतर संस्कार ·०००११२८९ वर्ष वर्ग। गत वर्ष १२ हजार युग संख्या में ऊनित करके तथा परम क्रांति की वर्ष गति ·४७६ विकलात्मक का गुणाकार जोड कर लिखे गए हैं। यह परिमाण प्रो. हानसेन कोष्टक से मिलते हुए हैं। प्रो. हर्शल प्रोक्त परम क्रांति की आंदोलन गति तथा लिव्हेरियर का कालांतर संस्कार से वेदोक्त क्रांति नहीं मिलने से उपयोग मे नहीं ली है।

\+ विष्णुपुराणसे उद्धृत.

हमारे रचित और प्रकाशित ग्रन्थों का परिचय और उनपर प्राप्त हुए विद्वानों के अभिप्राय

वेदकाल--निर्णय

कोई कहता है वेद अपौरुषेय हैं ईश्वर प्रणीत हैं; यह भगवान की श्वासा से उत्पन्न हुए हैं। तो कोई कहता है; संसार की तमाम वस्तु काल बद्ध हैं। इस उलझन भरी जटिल समस्या पर कई भारतीयों "जैसे सुधाकर द्विवेदी, तिलक, दीक्षित, वैद्य, केतकर, लेले, गोडबोले, दास प्रभृति विद्वानों तथा पाश्चिमात्य, म्याक्स मुल्लर, डॉ० हौ, बेंटली, वायो, बेवर, थीबो," आदि विद्वानों ने खूब गहरा विचार किया है।

वसन्त संपात यह वाम गति से २६ हजार वर्ष के लगभग पुनः अपनी पाहिली स्थिति पर पूर्ण प्रदक्षिणा करता हुआ आता है। क्योंकि यह गणितागत बात है सो एक एक बात की जांच इसमें कई प्रकारों से करी गई है। और उसी की जांच में भूभाग की बनावट के तथा समुद्र की तली दिखाने वाले न्यारे न्यारे नकशे दिए हैं। नकशा नं. १ दस लाख से आठ लाख वर्ष की प्राचीन स्थिति समुद्र तथा जमीन की स्थिति बताता है। नकशा नं. २ आठ लाख से २ लाख वर्ष की स्थिति बतलाता है। नकशा नं. ३ दो लाख से ८० हजार वर्ष की पुरानी स्थिति दिखाता है। उसी प्रकार नकशा नं. ४ अस्सी हजार से नव हजार वर्ष तक की स्थिति दिखानें वाला है। इन चारों नकशोंसे जांच की है। इसी प्रकार जिस सरस्वती नदी का वर्णन आज हम कई ग्रंथों में पढ रहे है वह आज विनशन् हो गई तब यह घटना कितने वर्षों में होना संभव है, पराशर कालीन भूगोल वर्णन, वराह मिहिर का भूगोल वर्णन और आज का भूगोल में कितना और क्या क्या स्थित्यंतर कैसे कैसे हुआ है ? आज से तीन लाख वर्ष तक अनुक्रम से अयनांश कैसे और कितने थे ? साम्पातिक नक्षत्र कौनसा था, और मास तथा वसन्तारंभ की तिथियां कैसी थीं। पौलिश सिद्धांत कितने वर्ष का पुराना है। श्रौत सूत्र के भाष्यकार कर्काचार्य को कितने वर्ष हुए। गृह्य सूत्र कितने वर्ष के पुरातन हैं ? इसी प्रकार वेदांग ज्योतिष एवं आरण्यक तथा ब्राह्मण ग्रंथ और वेद कितने वर्ष के प्राचीन हैं। इन सब बातों का सविस्तर खुलासा इस पुस्तक में स्थल स्थल पर किया है। नव शिक्षित को जटिल वाक्य सुलभतासे समझ में आने के लिए इसमें परिभाषा भी जोड दी है। जिसके बल पर सर्व साधारण पुरुषका भी ज्योतिष शास्त्र में प्रवेश भली प्रकार हो सकता है। पुस्तक बहुत ही उच्च कोटिकी और गंभीर विषयों से ओतः प्रोत है। इसके महत्व को समझकर ही इन्दोर महाराजने अगाध अनुकम्पा करके पुस्तक छपवा दी है, यही इसकी उपादेयता का खासा नमूना है। मूल्य सिर्फ ४ रुपया रखा है। पुस्तक संग्रह करने योग्य है। शीघ्रता करिये पुस्तक थोडे ही रह गये हैं।

युग-परिवर्तन अर्थात् कलियुग का अन्त और सतयुग का आरंभ।

भारत वर्ष के कोने कोने से आवाज उठाई जारही है कि " अब सोने का जमाना गया ! बीता !! समाप्त होगया ! ! ! अब हमें अभीष्ट कर्म धुरन्धुर बनना चाहिए। केवल तर्क वितर्कों से अब काम नहीं चलेगा। इस समय हमारा उद्धार करने में हम ही बस हैं; क्योंकि बिना कृति के कुछ नहीं होगा। यह हम अच्छी प्रकार समझ चुके हैं।" निःसंकोच हम ऐसा कहते ही नहीं हैं; वरन् कई जगह इसे कृति में लाने के लिए प्रत्यक्ष प्रयत्न भी हो रहे हैं। इससे प्रत्येक नीतिज्ञ को निःसन्देह कबूल करना भाग होता है कि जमाना बदल रहा है ! समय ने पलटा खाया है ! ! काल और युग अपना रंग बदल रहा है !!!

पुस्तक डेमी साइज में सुन्दर एँटिक पेपर पर छपी है। इसकी जिल्द सुन्दर सुनहरी और प्रोटेक्टर कवर मन को फडका देने वाला है। ऐसी सुन्दर और उपयुक्त पुस्तक का मूल्य सर्व साधारण के लाभ के लिये केवल रु. २ ही रखा है। बुकसेलरों को योग्य कमीशन दिया जायगा।

अभिप्राय।

परम माननीय श्रीमान **रावबहादुर सरदार माधवराव विनायकराव किबे**
होम मिनिस्टर इंदौर स्टेट, लिखते हैं—

In his book entitled "Veda Kal Nirnaya", Vol. I, Vidyabhushan Pandit Dinanath Shastri Chulet of Elichpur, (Berar) has attempted to assign dates of four ancient works, viz., (1) Karkacharya's Commentary on Shulba Sutra, (2) Paraskar Grihya Sutra, (3) Paulish Siddhanta, and (4) Vedanga Jyotish. These are far more ancient than modern scholars are inclined to agree. They are all, however, based on astronomical evidence based on references to physical phenomena observed in the sky.

It was Bal Gangadhar Tilak, who first drew attention of scholars to astronomical references in the Rig Veda, from which he inferred the age of these texts. It was he who first found that the references in ancient Sanskrit works to Uttarayana and Dakshinayana, referred to two distinct ways of calculating them viz. from one equinox to another, and from one solstice to another. He also established that in Vedic literature, down to the Brahamanas and even Sutras, the former sort of period was meant. He has also proved that the year commenced with the equinoxes, which was also the beginning of the annual

sacrifices. This pioneer work has facilitated the research of scholars who have followed in his wake.

The above brief description of the work will show that it merits close, careful and critical attention of scholars. There seems no reason for finding fault with the purely mathematical calculations of the learned author, while his interpretations of the old texts although ingenious, appear to be based on ground which has a solid foundation. After Tilak's Orion, and in respects more learned than it, Pandit Dinanath's essays are the most original, learned and remarkable production. Being in an Indian language it may be long before they will attract the attention of scholars.

The manner and method of presentation is also a handicap to the spread of the book. Thinking that he is writing for laymen the Pandit has a tendency to become verbose, and elementary which hide the real contribution made by him to the knowledge of the world, and which has made the work bulky, tedious and uninteresting as far as the scholars are concerned, and as regards orthodox and unimaginative laymen, and scholars trained in the old fashion, they are simply bewildered and unable to appreciate its merits, nay even to accede to its real value.

Indore, (Sd.) M. V. KIBE.
22-5-1933.

परम माननीय श्रीमान रावबहादुर सरदार माधवराव विनायकराव किबे

होम मिनिस्टर इंदोर स्टेट, लिखते हैं--

Yuga Parivartan by Pandit Gopinath Shastri Chulet of Ellichpur (Berar) is an original work of great merit. Its main object is to prove that the dreaded Kali Yuga has expired nine years ago and that Krita Yuga has begun. By a critical and thorough examination of the material available he has shown that the current ideas about the length of Yugas have no basis. He proves how the word Yuga has been defined in no less than seven ways in the literature. The four Yugas extending over millions described by astronomers since about the 7th century of the Christian era are for the purpose of the astronomical calculations only and have no bearing on the Yuga described in the ancient religious and historical books. Terrified by the advent of Mussalmans, modern writers on laws have interpolated passages in earlier works and have framed new works regulating life in Kali Yuga. In my opinion the learned Pandit has fully established his theory and it deserves to be widely known and universally accepted by Indians.

His other original contribution is with regard to the age of Mahabharat war. He has lucidly explained passages regarded as obscure and shown how they unerringly fix the age. His interpretation removes all doubts entertained by Scholars and shows that the passages are natural in their place and afford the only date for fixing the date. This portion too should be brought before scholars of the world.

INDORE, (Sd.) Sardar M. V. KIBE.
22nd May 1933.

प्रोफेसर पं० मांगीलालजी शास्त्री जैपुर से लिखते हैं—

श्रीयुत प्रिय पंडित साहब! सप्रणय नमस्कार। आपका प्रेषित युग-परिवर्तन अमूल्य ग्रंथ मिला। मुझे अत्यंत संतोष होता है, आपका यह काम अमानुष और अलौकिक है। इस युग-परिवर्तन की लिखने की पद्धति

बहुत ही हृदयाकर्षक है। इससे वैदिक संस्कार संपन्न व्यक्ति को बडा लाभ होगा। विषय गंभीर है, पर आपने खूबही सरल समझाने का तरीका अख्तियार किया है। मुझे तो हृदय धन की तरह प्रिय है। मैं इन दिनोंमें इसी प्रकारके अध्ययन में प्रवृत्त हूं। अतः इससे मुझे बहुत सी मदत मिलेगी।

इसमें सुपर्णचिति वैदिक पंचांग को पढ़कर वेदों के धरा मण्डल में एक विद्वान् पं. मधुसूदनजी ओझा बहुत प्रीत हो रहे हैं। आप दोनों पितापुत्रों ने इन ग्रंथों के द्वारा अकथनीय विचारशैली में क्रांति कर डाली है। वस्तुतः आपकी अनन्य सामान्य विद्वत्ता कौशल देख कर सभी विस्मित हो रहे हैं मुझे महान् संतोष है कि आप वह काम कर रहे हैं, जिसको इधर कई शताब्दियों से लोग भूल बैठे थे। मैंने आपकी दोनों पुस्तकों को स्वाध्याय में मान लिया है।

भवदीय

जयपूर ६–५–१९३३ **मांगीलाल शर्मा**

श्रीमान् **अमरचन्दजी पुगलिया** बी. ए. देहली से लिखते हैं—

आपकी तीनो पुस्तकों का केवल विहंगम दृष्टिसे मैंने अभी अवलोकन किया है। समाज की दूषित वर्तमान विचार प्रणाली जन्य अनेक प्रचलित कुरीति (रुढ़ि) योंका निर्भयता पूर्ण विद्वत्ता के साथ ऊहापोह करके नवीन युग-परिवर्तन के सिद्धान्त का अकाट्य युक्तियों से सांगोपांग विवेचन किया गया है। आपका यह प्रयास वास्तव में सराहनीय है।

भवदीय कृपाकांक्षी

देहली ६–६–१९३३ **अमरचन्द पुगलिया**

I have gone through "VEDKAL NIRNAYA," written by Pandit Dina Nath Shastri. This work has been originated from an ingenious brain, and on its completion very abstruse and unique subjects will be presented to the World. It is possible that some readers might disagree to these novel principles, but this does not mean that they should not be allowed to see the light of the day.

We heartily welcome the propagation of these thoughts, and request our readers to co-operate with us in giving these new ideals a wide publicity.

Palace Library, Jaipur. Raj Pandit, Vidya Vachaspati
Dated 10th August, 1933. श्री मधुसूदन शर्मा ओझा.

श्रीयुत विद्याभूषण पण्डित दीनानाथ शास्त्री का " वेदकाल निर्णय " नामक ग्रंथ बनने से केवल हिन्दी भाषाकोही लाभ हुआ है ऐसा नहीं. शास्त्रीजीनें जगत के सब विद्वानों के सामनें एक गहन विचारणीय विषय उपस्थित कर दिया है और उस विचार की दिशा भी अनेक प्रकारों से स्पष्ट कर दी है. संकुचित बुद्धि के पुरुष स्मृति पुराणादि कों से इस ग्रंथ में प्रतिपादित विषयों का विसंवाद देखकर कदाचित् इसकी योग्यताका आकलन न कर सकेंगे-पर निरंकुश शुद्ध बुद्धि के विद्वान् इसमें की विचार पद्धतिसे अवश्यही बहुत प्रसन्न होंगे. हिन्दी पाठकों को सुगमता से विषय समझ में आवे इस हेतु से शास्त्रीजी नें हिन्दी भाषामें अनुपलब्ध अनेक पाश्चात्य सिद्धान्तोंका इस ग्रंथ में सरलतासे विवेचन किया है. और जगह २ नकशे-कोष्टक और आकृतियां लिखकर कठिन विषयभी सुगम करने का यत्न किया है. इस ग्रंथ के निर्माण होने से प्राचीन ग्रंथोंके विषय में जो विचार परम्परा चली आरही है उसमें बडे महत्व की क्रांति होगी ऐसा मैं समझता हूं आशा है कि इसका शिघ्रही इंग्रजी इत्यादि पाश्चात्य भाषाओं में अनुवाद होगा और इस ग्रंथ में जो सिद्धान्त शास्त्रीजी नें निश्चित किये हैं उन से पुरातनतत्व शोधन के कार्य में बडी सहायता मिलेगी विद्वानो ने इस ग्रंथ का आदर से आलोचन करना और राजामहाराजाओं ने तथा धनिकों ने इसके भाषान्तरादि होनें में सहायता करना योग्य होगा. इतिशम्.

सागर ता. २१-८-१९३३ **सदाशिव माधव पराण्डे**

श्री.

जीवाजीगंज, ग्वालियर.
ता. ६-१०-३४.

पं० दीनानाथ शास्त्रीजी, एलिचपुर, सी पी

प्रिय महोदय,

आपने भेजे हुवे दो ग्रंथ (१) श्री. गोपीनाथ शास्त्रीजीका " युग परिवर्तन " व (२) आपका " वेदकाल निर्णय " प्राप्त हुवे, जिनके लिये मैं आपका आभारी हूं.

दोनों ग्रंथ ज्योतिर्गणितसे व वेदांतसूत्र और उपनिषत् इत्यादि पुरातन ग्रंथोंके वाक्यों के आधारपर लिखे गये हैं. श्री. तिलक महोदय ने वेदकाल शक पूर्व ४००० वर्ष प्रस्थापित किया था उसको आपनें सप्रमाण २०००० वर्ष पीछे खींचा है. ऐसेही युग परिवर्त में अपने उद्देश्यको साधार सिद्ध करते हुवे प्राचीन आर्य संस्कृतीपर जो प्रकाश डाला गया है वह निःसंशय सराहनीय है. आप दोनों महानुभावोंनें ईश्वर प्रेरणासे इस कार्य को अत्यंत परिश्रम से समाप्त किया है इसलिये मैं आपको अनेक धन्यवाद देता हूं. हे विनंती

आपका,
ल. भा. मुळे

Times of India dated 20th March 1936 Page 5.

Extract from the conclusions drawn by Fr. Heros Astronomical Data.

By far the most interesting seals are those that supply astronomical data of great importance, practically always in connection with the signs of the Zodiac. The pre-Aryan people of India reckoned the time by the solar months. Hitherto it was always said that the Zodiac was invented by the Chaldaeans. But the so called Dravidian people of India had already recorded their astronomical observations based on the Zodiac on these seals thousands of years before the Chaldaeans had learnt the Zodiac from them.

From

L.D. Mahajan, M. Sc. A. Inst. P. (Lond.) F.R S.A.
Professor of Physics, **Mahindra College,**

Physics Laboratory,
Mahindra College, PATIALA

Dear Shastri DINA NATH Chulet,

I am very thankful to you for presenting the following three books to me during my stay at Indore in the days of the last Science Congress session.

1. Ved Nirnay by Shastri Dina Nath Chulet.
2. Report of the Indore Pauchang Sodhan Committee by Shastri Dina Nath Chulet.
3. Yug Parivartan by Shastri Gopinath Chulet.

I have gone through them all and have found that all of them are very interesting, and useful books. I hope they will bring you and your son name and fame.

Dated 25-1-1936.

With best wishes, Yours sincerely,
(Sd.) L. D. MAHAJAN.

ऑल इण्डिया ज्योतिष सम्मेलन इंदौर के सिद्धांत विभाग के प्रेसिडेंट ज्योतिषाचार्य पं. मुरलीधरजी ठकर का अभिप्राय

Yeshwantnivas Road, INDORE,
Dated 25th Jan. 1938.

I have great pleasure in residing with Pandit Dinanath Shastri Chulet for a fortnight and seeing his brilliant work which would, if fulfilled, be an ornament for Indian scholars. The difference of opinions among the Panchangs is the common source of dispute in India and it will be a valuable thing to decide it. P. Dinanath Shastri is a man of unique brain and cultured thought. His endeavour is to establish a path which can meet each and every demand raised in different opinion of Panchangas. The work which Shastriji is doing is not a personal one but it is common to all Indian mathematicians and Astronomers. Shastri's scientific persuit of knowledge in Vedic literature shows his individuality of mind and genuineness of his intelligence. To help him in this chatitable and worldwide field of work is the duty of all Indian Princes and rich men. Ganesh Daivagna who has compiled Grahlaghava observed some planets and put them down in his said work. After 400 years it is Shastri Chulet who has undertaken this valuable work in his hand and labours hard for fulfilling it. I am extremely glad to find P. Gopinath Shastri Chulet, his eldest son, working honest.

MURLIDHAR THAKUR.

नामदार दादासाहेब खापर्डे इनका अभिप्राय

लोकमान्य के स्वर्गवासी होने के पश्चात् वेदकाल निर्णय के विषयपर अधिक खोज लगानेवाला व्यक्ति मिलेगा या नहीं यह मुझे चिन्ता थी। किन्तु एलिचपुर के प्रसिद्ध विद्वान् दि इण्डियन रॉयल तत्वज्ञान संचारक सोसायटी के संचालक विद्याभूषण दीनानाथ शास्त्री चुलैट इन्होंने हालही में जो वेदकाल निर्णय नामक ग्रंथ बनाया है उसको देखते मेरी सब चिन्तायें दूर हो गई। आपने इस ग्रंथ में अनेकानेक सिद्धान्तों से वेदों का काल आज से ३ लक्ष वर्ष का पुराना सिद्ध किया है। इससे निःसन्देह है कि हमारी वैदिक प्राचीन संस्कृतियों पर अधिक प्रकाश पड़े बिना न रहेगा।

आपका

उमरावती ता. १९-८-३४ G. S. Khaparde.

॥ श्री ॥

भारत की दुर्बल भावनाओं और कलियुग के भय को मिटाने के लिये दि इंडियन रॉयल तत्वज्ञान संचारक सोसायटी के मंत्री ज्योतिर्भूषण पं गोपीनाथशास्त्री चुलैट इन्होंने हाल ही में युगपरिवर्तन नामक ग्रंथ बनाया है। वह भारत में ज्ञानोन्नति चाहने वालों के लिये तो अवश्यमेव संग्रहणीय है। अतः प्रत्येक होनहार नवयुवक को यह पुस्तक अवश्यमेव संग्रह में रखना चाहिये।

आपका

उमरावती ता. १९-८-३४ G. S. Khaparde.

एक मुखी पंचांग को जगत व्यापी करने के लिये प्रकाशित होनेवाले ग्रन्थ

जिस पंचांगको आप देख रहे हैं इसी तरहका सर्व सिद्धांतैक्य सबीज शुद्ध सूर्य सिद्धांत एवं ग्रहलाघव ग्रंथोंपरसे पंचांग सरलतापूर्वक बन सके और उसके तत्व जगत्मान्य हों इस उद्देश्यसे तीन ग्रंथ तयार किये गये हैं। (१) **सिद्धांत प्रभाकर**—जिसके वर्षमानपर १२ शून्य रखनेपर वर्षमान कल्पमान जिसका एकरूप होकर सभी ग्रहोंके मध्यम भोग उच्चपात आदि शून्यरूप थे वही कल्पादि कल्पान्त और शून्य राशी अंशादिका सूर्य आवे वही रविका चक्रभोग शुद्ध वर्षमान के भगणों युक्त यह सिद्धान्त ग्रन्थ तैयार हुआ है। आधुनिक और पौर्वात्य पद्धति से इसके हरएक अंग प्रत्यंग तुलना करके वेध सिद्धमान से सभी की एक वाक्यता की गई है शुद्धि केंद्र प्रचालये इस गणेश दैवज्ञ के कथनानुसार ग्रह लाघवादि के तुलना रूप कई कोष्टक देकर इतना यह ग्रंथ सरल बना दिया है कि चाहें सो पंचांगकार अपने अपने ग्रन्थों के आधार पर पचांग बनाने में बीज संस्कृत शुद्धता हासिल करते हुए थोड़े ही परिश्रम में वेध तुल्य महान् कार्य कर सकें ऐसा यह सरल ग्रंथ बनाया है। (२) **चुलेट टेबल**—नव शिक्षित हिन्दी ४ कक्षा का विद्यार्थी भी इस पुस्तक में बताए हुए टेबल और अनेकानेक सारणी के जरिये ३-४ मास में ही पंचांग बनाने के योग्य ज्योतिष के ज्ञान को सीखते ही इसके द्वारा शुद्ध सूक्ष्म गणित का चाहे जिस वर्ष का पंचांग बना सकता है। गुणन भजन, वर्ग वर्ग मूल, घन घन मूल आदि कठिन गणित को धारा पद्धति द्वारा सरलता से कर सकें ऐसी वैदिक तरकीबें बताई गई हैं। टेबल तो इतने बना दिये हैं कि केवल जोड़ और बाकी मात्र करने में जटिल से जटिल पंचांग गणित विषयक मामले को इसके द्वारा हल करना बिलकुल आसान है। हर वर्ष के वर्षारंभ में एक दिन का गणित मात्र करना पड़ता है बाकी तमाम आगे का गणित के "डाइग्राम सिस्टिम" (आलेख्य पद्धति) टेबलों द्वारा सरलता से सालभर का गणित इसके द्वारा बहुत ही स्वल्प समय में कर सकता है। (३) **'वैदिक खगोल विज्ञान'** वैदिक काल से तो आज तक खगोल विज्ञान कैसा और किस रूप में आया है यह (१) वैदिक काल, (२) ब्राह्मण श्रौतकाल, (३) पुराण काल और (४) सांप्रतकाल इनके आकृति आलेख्य आदि देकर संसार के झेंदावेस्ता खाल्डियन वेद इष्टकाकृति लेख दंतकथा (मायथालाजी) इन सबकी इसमें एक वाक्यता बतलाते हुए तीन लाख वर्षके काल का अनुक्रम इसके द्वारा निश्चित होता है अर्थात् खगोलिक ऐतिहासिक घटनाको अन्यान्य धार्मिक ग्रंथकारों ने कथानकका रूप देकर किस तरह बतलाया है कि जिसके द्वारा संसार के तमाम प्राचीन ग्रंथोंकी खगोल विज्ञान के गणित द्वारा एकवाक्यता हो जाती है। इससे पुराण वस्तु संशोधक मंडल और प्राचीन इतिहास संशोधक मंडलके ध्यान देने लायक यह **खगोल विज्ञान** अर्थात् **आकाशीय** संसार नामक नए शोधवाली अद्वितीय पुस्तक है।

निवेदक—**गोपीनाथ शास्त्री चुलेट.**